जीवन-सन्देश

बाइबल सोसाइटी ऑफ इन्डीया
206, माहात्मा गांधी रोड
बेंगलुरु 560 001

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

MESSAGE OF LIFE

The New Testament

Maithili (Arabic Numerals)

20D 0232/2010/12.5M PB
ISBN: 81-221-2893-9

© The Bible Society of India and WBT

COPYRIGHT NOTICE

Written permission must be obtained from the Bible Society of India or WBT as joint copyright holders, prior to the reproduction of any part of this publication in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording, or any information storage and retrieval system.

Published by:
The Bible Society of India
206 Mahatma Gandhi Road
Bangalore - 560 001

दू शब्द

बाइबलक परिचय

प्रस्तुत पोथी बाइबल धर्मशास्त्रक दोसर भाग अछि, जकरा “नया नियम” अथवा “नया विधान” (वा अंग्रेजी मे “न्यू टेस्टामेण्ट”, और नेपाली मे “नयाँ करार”) कहल जाइत अछि। “बाइबल” शब्द यूनानी भाषाक “बिब्लोस” शब्द सँ आयल अछि, जकर अर्थ अछि “पुस्तक”। बाइबल वास्तव मे एके पुस्तक नहि, बल्कि 66 पुस्तकक एक संग्रह अछि, जे दू भाग मे बाँटल गेल अछि। पहिल भाग अछि “पुरान नियम”, जे प्रभु यीशु मसीहक संसार मे अयबाक समय सँ पहिने लिखल गेल, जाहि मे 39टा पुस्तक अछि। दोसर भाग अछि “नया नियम”, जे यीशुक स्वर्ग लौटबाक समयक बाद लिखल गेल, जाहि मे 27टा पुस्तक अछि। बाइबलक पहिल पुस्तक सँ लऽ कऽ ओकर अन्तिम पुस्तक लिखब धरि बीच मे लगभग 1500 वर्ष बितल।

बाइबल मेहक पुस्तक सभ करीब चालीस अलग-अलग लेखक द्वारा और अलग-अलग समय मे लिखल गेल, मुदा सभ लेखक परमेश्वरक आत्माक प्रेरणा सँ लिखलनि, आ तेँ बाइबल “परमेश्वरक वचन” सेहो कहबैत अछि। परमेश्वर बाइबलक लेखक सभ केँ कोन तरहेँ प्रेरणा प्रदान कयलनि, जाहि सँ लेखकक अपन व्यक्तिगत शैली रहितो वैह बात लिखायल जे बात परमेश्वर चाहैत छलाह, से मनुष्यक बुद्धि सँ पूर्ण रूप सँ नहि बुझल जा सकैत अछि। तैयो पाठक जँ ध्यान सँ बाइबल धर्मशास्त्र केँ पढ़ताह, तँ अवश्य अनुभव करताह जे ई कोनो साधारण पुस्तक नहि, बल्कि परमेश्वरक अनमोल आ शक्तिशाली वचन अछि।

एक आओर बात—बाइबल मे लिखल अछि जे, जाहि व्यक्ति लग परमेश्वरक आत्मा नहि छनि, से परमेश्वरक आत्माक बात सभ नहि बुझि सकैत अछि, “किएक तँ परमेश्वरक आत्मे द्वारा ओकर थाह पाओल जा सकैत अछि” (1 कोरिन्थी 2:14, पृ. 334)। तेँ पाठक केँ ई सल्लाह छनि जे, पढ़ऽ सँ पहिने परमेश्वर सँ विनती कयल जाय जे परमेश्वर अपन आत्मा द्वारा बुझबाक क्षमता देथि।

पुरान नियमक सम्बन्ध मे किछु विषेश बातक जानकारी

नया नियम मे ओहन कतेको बात अछि जे पुरान नियमक बात सँ सम्बन्धित अछि, आ तेँ प्रस्तुत पोथी केँ नीक सँ बुझबाक लेल, पाठक केँ जँ बाइबलक पुरान नियम वला भागक किछु विशेष बातक ज्ञान छनि तँ से अवश्य मदति करतनि। तेँ आब पुरान नियमक सम्बन्ध मे किछु जानकारी दी।

पुरान नियम मे परमेश्वर कोना संसारक रचना कयलनि आ मनुष्य केँ कोना अपन स्वरूप मे बनौलनि, तकर वृत्तान्त अछि। ईहो लिखल अछि जे पहिल पुरुष और स्त्री परमेश्वरक आज्ञाक उल्लंघन कऽ कऽ पाप मे पड़ि गेल, जकर परिणाम ई भेल जे हुनका सभक बाद मे आबऽ वला सभ मनुष्य, अर्थात् सम्पूर्ण मानव-जाति, पापी स्वभावक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि, परमेश्वर सँ दूर अछि, आ मृत्युक अधीन मे अछि। बाइबल धर्मशास्त्र ई बात स्पष्ट करैत अछि जे कोनो मनुष्य अपन कर्म द्वारा अपन पापक प्रयाश्चित कऽ कऽ मोक्ष वा उद्धार प्राप्त नहि कऽ सकैत अछि, बल्कि उद्धार परमेश्वरक दिस सँ एक दान अछि जे मनुष्य केँ स्वीकार करबाक अछि।

पुरान नियम मे अलग-अलग पुस्तक मे परमेश्वर संसार मे एक उद्धारकर्ता केँ पठयबाक वचन दैत छथि। मनुष्यक उद्धारक लेल जे परमेश्वरक योजना छलनि, तकरा पूरा करबाक क्रम मे ओ एक आदमी केँ चुनलनि, जिनका संग ओ ई वचन दऽ कऽ एक विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि जे, "तोरा वंश द्वारा पृथ्वीक सभ जातिक लोक आशीष पाओत।" ओहि आदमीक नाम अब्राहम छलनि।

अब्राहमक बेटा इसहाक, तिनकर बेटा याकूब, आ तिनकर बारहटा पुत्र द्वारा परमेश्वर कोना अब्राहमक वंशक वृद्धि कयलनि, से पुरान नियम मे भेटैत अछि। "उत्पत्ती" नामक पुस्तक मे (अध्याय 35, पद 10 मे) पढ़ैत छी जे परमेश्वर याकूब केँ एकटा नव नाम देलथिन, अर्थात्, "इस्राएल"। ओहि नाम पर हुनकर पूरा वंश "इस्राएली" कहल जाइत अछि। ओहि वंशक लोक केँ "यहूदी" नाम सँ सेहो सम्बोधित कयल जाइत अछि।

इस्राएली, वा यहूदी, सभक इतिहासक अनेको बातक वर्णन पुरान नियम मे कयल गेल अछि। परमेश्वर मूसा नामक व्यक्ति द्वारा इस्राएली सभ केँ मिस्र देशक दासत्वक जीवन सँ कोना मुक्त करौलनि, आ परमेश्वर कोना मूसा केँ "धर्म-नियम" दऽ कऽ इस्राएली सभक संग विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि, से सभ हुनका सभक इतिहासक महत्वपूर्ण भाग सभ मे अछि। मूसाक माध्यम सँ देल धर्म-नियम द्वारा परमेश्वर स्पष्ट रूप सँ आराधना, बलि-प्रदान, पुरोहित, आराधनाक लेल "मिलाप-मण्डप", पाबनि, इत्यादि बात सभक सम्बन्ध मे आज्ञा सभ देलनि। ई बात सभ ओहि आबऽ वला उद्धारकर्ताक बाटक तैयारी करैत छल, जिनका बारे मे परमेश्वर कतेको शताब्दी धरि वचन दैत रहलाह। मूसाक समयक करीब 1400 वर्षक बाद जखन इस्राएली सभक वंश मे परमेश्वर अपन एकलौता पुत्र प्रभु यीशु मसीह केँ पठौलनि, तँ ओ कोना सम्पूर्ण मनुष्य-जातिक लेल पापक प्रयाश्चित करऽ वला बलिक रूप मे अपन प्राण देलनि, से बाइबलक नया नियम, अर्थात् प्रस्तुत पोथी मे पाओल जाइत अछि। आब आराधना और बलिक ओहि "पुरान" वला व्यवस्थाक स्थान मे एक "नया" वला व्यवस्था अछि जे प्रभु यीशु मसीहक मृत्यु और जीबि उठनाइ द्वारा एक नव सम्बन्ध पर आधारित अछि जे परमेश्वर मनुष्यक संग स्थापति कयलनि।

मैथिली अनुवादक सम्बन्ध मे

बाइबल धर्मशास्त्र मे स्पष्ट कयल गेल अछि जे परमेश्वर जाहि उद्धार, पापक क्षमा, अपना संग नव सम्बन्ध और अनन्त-कालीन जीवन केँ प्रभु यीशु मसीह द्वारा उपलब्ध करौने छथि, से मात्र इस्राएली वा यहूदी जातिक लोकक लेल नहि, बल्कि सम्पूर्ण मनुष्य-जातिक लेल अछि। तेँ जाहि सँ मैथिलिओ भाषी लोक एहि अवसर सँ वंचित नहि होथि आ अपना भाषा मे एहि "शुभ समाचार"क बारे मे पढ़ि सकथि, मैथिली भाषा मे सेहो एहि पुस्तकक अनुवाद भेल। एहि मैथिली अनुवादक काज मे मिथिलाक अलग-अलग

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

क्षेत्रक (भारत और नेपाल, दूनू देशक) अनेको गोटेक योगदान अछि। सभ एक दोसर केँ अभारी बुझैत छी। मुदा ई पुस्तक जे एतेक वर्ष तैयार होयबाक क्रम मे छल, से आब प्रकाशित भऽ रहल अछि—एहि पैघ आनन्दक बातक लेल सभ सँ बेसी धन्यवाद परमेश्वरे केँ छनि।

बाइबलक मूल हस्तलेख सभ दू भाषा मे लिखल अछि—पुरान नियम इब्रानी ("हीब्रू") भाषा मे, आ नया नियम यूनानी ("ग्रीक") भाषा मे। मूल हस्तलेख सभ परमेश्वरक वचन होयबाक कारणेँ, ताहि मे कोनो त्रुटी वा कमी नहि रहल। मुदा एहन बात केँ जखन दोसर भाषा मे अनुवाद करब, आ सेहो दू-तीन हजार वर्षक बाद, तँ मनुष्यक कमजोरीक कारणेँ, मूल हस्तलेखक भाषाक व्याकरण आ अनुवाद वला भाषाक व्याकरण मे अन्तर रहबाक कारणेँ, और मूल हस्तलेखक समय, समाज आ संस्कृति तथा अनुवाद वला भाषाक समय, समाज आ संस्कृति मे अन्तर रहबाक कारणेँ, ई नहि कहल जा सकैत अछि जे दोसर भाषा मे अनुवाद कयल हस्तलेख पहिल मूल हस्तलेख सभ जकाँ बिनु त्रुटीक अछि। तैयो परमेश्वरक आत्मा जे पहिल लेखक सभ केँ प्रेरित कयलनि, से एहि अनुवादक काज मे सेहो क्रियाशील छलाह, से विश्वास अछि, आ तेँ इहो विश्वास अछि जे मैथिली अनुवाद पर सेहो परमेश्वरक वचनक रूप मे भरोसा राखल जा सकैत अछि।

पाठकक सुविधाक लेल

बाइबलक कतेको अनुवाद सभ मे, आ मैथिलिओ मे, प्रत्येक अध्याय मे जे छोट-छोट **शीर्षक** सभ रहैत अछि, से मूल हस्तलेख सभ मे नहि छल, बल्कि बाद मे अनुवादक लोकनिक द्वारा पाठकक सुविधाक लेल देल गेल, तेँ सभ भाषा मे ओ शीर्षक सभ एके प्रकारक नहिओ रहि सकैत अछि।

नया नियम मे, आ खास कऽ पहिल चारि पुस्तक मे, कतेको घटना अथवा विषय दू वा दू सँ बेसी ठाम मे चर्चित अछि। से जखन होइत अछि, तँ शीर्षकक नीचा पाठक केँ ई जानकारी देल गेल अछि जे आरो कोन ठाम मे ओहि बातक चर्चा कयल गेल अछि (जकरा अंग्रेजी मे "**क्रौस-रेफरेन्स**" कहल जाइत अछि)।

एहि पोथी मे जाहि घटनाक विवरण देल गेल अछि, से घटना सभ इस्राएल देश मे यहूदी संस्कृतिक लोकक बीच मे आ रोमी सम्राज्यक अन्य क्षेत्र मे घटलाक कारणेँ, एहन कतेक शब्द पाठक केँ भेटतनि जकर प्रयोग मैथिली भाषा मे नहिएटा होइत अछि, वा होइतो अछि तँ कनेक भिन्न रूप मे। कोनो-कोनो ओहन व्यक्तिक नामक चर्चा सेहो कयल गेलनि जिनका नाम सँ पाठक परिचित नहि होयताह, कारण ओहि व्यक्तिक परिचय पुरान नियम मे देल गेल अछि। तेँ ओहन शब्दक एकटा छोट परिभाषा और ओहन नामक एकटा छोट परिचय पुस्तकक अन्त मे "**शब्द-परिचय**" मे देल गेल अछि, जाहि द्वारा पाठक केँ मदति भेटतनि, से आशा अछि।

एहि पोथी मे पाँच अलग-अलग तरहक "**फुट-नोट**" देल गेल अछि, जे एहि प्रकारक अछि–

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

1) जखन लेखक पुरान नियम मे लिखल कोनो बात केँ अपना लेख मे राखि देने छथि, तँ फुट-नोट मे देल गेल अछि जे ओ बात पुरान नियम मे कोन ठाम भेटैत अछि। (उदाहरणक लेल, मत्ती 2:6, पृ. 3 केँ देखू।)

2) जँ मैथिली अनुवादक लोकनि केँ बुझयलनि जे मूल भाषाक रूप केँ मैथिली मे अपनयला सँ अर्थ स्पष्ट नहि होयत, तँ जाहि सँ मूल हस्तलेखक अर्थ नहि हेरा जाय ओहन रूप केँ मैथिली मे प्रयोग कयने छथि जे मैथिली मे स्वभाविक और स्पष्ट होअय। ओहन ठाम मे फुट-नोट मे देल गेल अछि जे मूल भाषाक रूप "अक्षरशः" की अछि। (उदाहरणक लेल, मत्ती 10:38, पृ. 22 केँ देखू।)

3) जँ मूल भाषाक बात केँ दूटा वा ओहि सँ बेसी अर्थ भऽ सकैत अछि, तँ फुट-नोट मे ओ दोसर अर्थ देल गेल अछि। एहि तरहक फुट-नोट प्रायः " वा..." सँ शुरू होइत अछि। (उदाहरणक लेल, यूहन्ना 10:9, पृ. 207 केँ देखू।)

4) बाइबलक नया नियमक लेखक लोकनिक अपन हाथ सँ लिखल हस्तलेख सभ जे छल, से सभ आब उपलब्ध नहि अछि, मुदा हुनके लोकनिक समय मे और तकरबादो, ओहि हस्तलेख सभक बहुतो प्रति सभ बनाओल गेल, जाहि मे विशेष काल एकरूपता पाओल जाइत अछि। तैयो हस्तलेख सभक प्रति सभ मे कतौ-कतौ अन्तर सेहो अछि। प्रस्तुत पोथी मे ओहन-ओहन जगह मे फुट-नोट मे एहि बातक संकेत देल गेल अछि। (उदाहरणक लेल, मत्ती 18:15, पृ. 40 केँ देखू।) जखन एक (वा एकटा सँ बेसी) सम्पूर्ण पद कोनो-कोनो हस्तलेख मे नहि पाओल जाइत अछि, तँ से पद "चौखुट ब्रैकेट" मे [...] देल गेल अछि।

5) अन्तिम तरहक फुट-नोट आन-आन बातक जानकारीक लेल अछि। (उदाहरणक लेल, यूहन्ना 6:7, पृ. 195 केँ देखू।)

पुस्तक मे कतौ-कतौ कोनो बात "आधा चौखुट ब्रैकेट" मे, ⌞...⌟, राखल गेल अछि। (उदाहरणक लेल, मसीह-दूत 14:26, पृ. 266 वा रोमी 4:5, पृ. 306 केँ देखू।) एहि सँ पाठक बुझि सकताह जे ओ बात शाब्दिक रूप मे मूल हस्तलेख सभ मे नहि पाओल जाइत अछि, बल्कि ओहन बातक भाव रहबाक कारणेँ स्पष्टताक दृष्टिकोण सँ मैथिली भाषी पाठकक लेल जोड़ल गेल अछि।

पुस्तकक शीर्षकक सम्बन्ध मे

नया नियमक एहि पहिल मैथिली संस्करणक लेल "जीवन-सन्देश" जे शीर्षकक रूप मे चुनल गेल, से प्रभु यीशु मसीहक अपन कहल बात पर आधारित अछि। प्रभु यीशु कहलनि, "हम एहि लेल आयल छी जे मनुष्य जीवन प्राप्त करय और परिपूर्णता सँ प्राप्त करय।" (यूहन्ना 10:10, पृ. 207) अनुवादक लोकनिक हार्दिक इच्छा और परमेश्वर सँ प्रार्थना छनि जे, "जीवन-सन्देश"क माध्यम सँ पाठक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह केँ चिन्हि कऽ जीवन प्राप्त करथि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सूचीपत्र

पुस्तकक नाम	पुस्तकक नाम (अंग्रेजी मे)	पृष्ठ
मत्तीक अनुसार शुभ समाचार	Matthew	1
मरकुसक अनुसार शुभ समाचार	Mark	70
लूकाक अनुसार शुभ समाचार	Luke	112
यूहन्नाक अनुसार शुभ समाचार	John	183
मसीह-दूत सभक काज (“मसीह-दूत” – हिन्दी और नेपाली मे “प्रेरित”)	Acts	233
रोम नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र	Romans	300
कोरिन्थ नगरक मण्डली केँ पौलुसक पहिल पत्र	1 Corinthians	331
कोरिन्थ नगरक मण्डली केँ पौलुसक दोसर पत्र	2 Corinthians	360
गलातिया प्रदेशक मण्डली सभ केँ पौलुसक पत्र	Galatians	379
इफिसुस नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र	Ephesians	390
फिलिप्पी नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र	Philippians	401
कुलुस्से नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र	Colossians	408
थिसलुनिका नगरक मण्डली केँ पौलुसक पहिल पत्र	1 Thessalonians	415
थिसलुनिका नगरक मण्डली केँ पौलुसक दोसर पत्र	2 Thessalonians	422
तिमुथियुस केँ पौलुसक पहिल पत्र	1 Timothy	426
तिमुथियुस केँ पौलुसक दोसर पत्र	2 Timothy	434
तीतुस केँ पौलुसक पत्र	Titus	440
फिलेमोन केँ पौलुसक पत्र	Philemon	444
इब्रानी विश्वासी सभक लेल पत्र	Hebrews	446
याकूबक पत्र	James	469
पत्रुसक पहिल पत्र	1 Peter	476
पत्रुसक दोसर पत्र	2 Peter	485
यूहन्नाक पहिल पत्र	1 John	490
यूहन्नाक दोसर पत्र	2 John	497
यूहन्नाक तेसर पत्र	3 John	498
यहूदाक पत्र	Jude	499
प्रकाशित-वाक्य	Revelation	502
शब्द परिचय		535

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुरान नियमक पुस्तकक नाम और संकेताक्षर

उत्पत्ति	उत्पत्ति
प्रस्थान	प्रस्थान
लेवी	लेवी
गन्ती	गन्ती
व्यवस्था	व्यव
यहोशू	यहोशू
न्यायकर्त्ता	न्याय
रूथ	रूथ
१ शमूएल	१ शमू
२ शमूएल	२ शमू
१ राजा	१ राजा
२ राजा	२ राजा
१ इतिहास	१ इति
२ इतिहास	२ इति
एज्रा	एज्रा
नहेम्याह	नहेम
एस्तर	एस्तर
अय्यूब	अय्यूब
भजनसंग्रह	भजन
नीति-वचन	नीति
उपदेशक	उपदे
श्रेष्ठगीत	श्रेष्ठ
यशायाह	यशा
यर्मियाह	यर्मि
विलापगीत	विलाप
यहेजकेल	यहेज
दानिएल	दानि
होशे	होशे
योएल	योएल
आमोस	आमोस
ओबदिया	ओब
योना	योना
मीका	मीका
नहूम	नहूम
हबक्कूक	हबक
सपन्याह	सपन
हागय	हागय
जकरयाह	जक
मलाकी	मला

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मत्तीक अनुसार शुभ समाचार

यीशुक वंशावली

(लूका 3.23-38)

1 यीशु मसीहक वंशावली एहि तरहेँ
अछि। ओ दाऊदक वंशज* छलाह,
आ दाऊद अब्राहमक वंशज*।
2 अब्राहम सँ इसहाकक जन्म भेलनि।
इसहाक सँ याकूबक,
आ याकूब सँ यहूदा और हुनकर
भाय सभक जन्म भेलनि।
3 यहूदा सँ पेरस और जेरहक जन्म
भेलनि, जिनकर सभक मायक
नाम तामार छलनि।
पेरस सँ हेस्रोनक
आ हेस्रोन सँ अरामक जन्म भेलनि।
4 अराम सँ अमीनादाबक,
अमीनादाब सँ नहशोनक
आ नहशोन सँ सलमोनक जन्म भेलनि।
5 सलमोन सँ बोअजक जन्म भेलनि,
जिनकर माय राहाब छलीह।
बोअज सँ ओबेदक जन्म भेलनि,
जिनकर माय रूथ छलीह।
ओबेद सँ यिशयक जन्म भेलनि।
6 यिशय सँ राजा दाऊदक जन्म भेलनि।

दाऊद सँ सुलेमानक जन्म भेलनि।
सुलेमानक माय पहिने उरियाहक स्त्री भेल
छलीह।
7 सुलेमान सँ रेहोबामक,
रेहोबाम सँ अबियाहक,
और अबियाह सँ आसाक जन्म भेलनि।
8 आसा सँ यहोशाफातक,
यहोशाफात सँ योरामक,
आ योराम सँ उजियाहक जन्म भेलनि।
9 उजियाह सँ योतामक,
योताम सँ आहाजक,
और आहाज सँ हिजकियाहक जन्म
भेलनि।
10 हिजकियाह सँ मनश्शेक,
मनश्शे सँ आमोनक,
और आमोन सँ योशियाहक जन्म
भेलनि।
11 जाहि समय मे इस्राएली सभ बन्दीक
रूप मे बेबिलोन देश लऽ जायल

1:1 अक्षरशः “पुत्र”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गेलाह, ताहि समय मे योशियाह
सँ यकोन्याह आ हुनकर भाय
सभक जन्म भेलनि।

12 इस्राएली सभ केँ बेबिलोन मे लऽ
जायल गेलाक बाद
यकोन्याह सँ शालतिएलक,
आ शालतिएल सँ जरुब्बाबेलक
जन्म भेलनि।
13 जरुब्बाबेल सँ अबीहूदक,
अबीहूद सँ एलयाकीमक,
और एलयाकीम सँ अजोरक जन्म
भेलनि।
14 अजोर सँ सदोकक,
सदोक सँ अखीमक,
और अखीम सँ एलिहूदक जन्म भेलनि।
15 एलिहूद सँ एलिआजरक,
एलिआजर सँ मत्तानक,
और मत्तान सँ याकूबक जन्म भेलनि।
16 याकूब सँ यूसुफक जन्म भेलनि,
जे मरियमक पति भेलाह, आ
मरियम सँ यीशुक जन्म भेलनि
जे “मसीह” कहबैत छथि।

17 एहि तरहेँ गनला सँ अब्राहम सँ दाऊद
धरि चौदह पीढ़ी, दाऊद सँ बेबिलोनक
बन्दी जीवन धरि चौदह पीढ़ी आ
बेबिलोनक बन्दी जीवन सँ उद्धारकर्ता-
मसीह धरि चौदह पीढ़ी होइत अछि।

यीशुक जन्म

(लूका 1.26-38; 2.1-7)

18 यीशु मसीहक जन्मक वृत्तान्त एना
अछि—हुनकर माय मरियमक विवाह
यूसुफ सँ होयब निश्चित भेल रहनि। मुदा
हुनका सभक वैवाहिक जीवनक सम्पर्क
होयबा सँ पहिनहि मरियम परमेश्वरक
पवित्र आत्मा द्वारा गर्भवती भऽ गेलीह।
19 हुनकर वर यूसुफ धार्मिक विचारक लोक
होयबाक कारणेँ, मरियमक कोनो तरहक
बदनामी नहि होनि, से सोचि, हुनका चुप-
चाप त्यागि देबाक विचार कयलनि। 20 ओ
ई बात मोने-मोन सोचिए रहल छलाह कि
परमेश्वरक एकटा स्वर्गदूत सपना मे दर्शन
दऽ कऽ हुनका कहलथिन जे, “हौ दाऊदक
वंशज यूसुफ, तोँ मरियम केँ अपन स्त्री मानि
अपना लग आनऽ सँ नहि डेराह! कारण, जे
हुनका गर्भ मे छनि से परमेश्वरक पवित्र
आत्माक दिस सँ छनि। 21 ओ एकटा पुत्र
केँ जन्म देतीह, आ तोँ हुनकर नाम यीशु*
रखिहह, किएक तँ ओ अपन लोक सभ केँ
ओकरा सभक पाप सँ मुक्ति देथिन।” 22 ई
सभ एहि लेल भेल जे, परमेश्वरक बात पूरा
होअय जे ओ अपन प्रवक्ताक माध्यम सँ
कहने छलाह— 23 “देखह, एक कुमारि
कन्या गर्भवती होयतीह, ओ एक पुत्र केँ
जन्म देतीह आ हुनकर नाम ‘इम्मानुएल’
राखल जयतनि,”* जकर अर्थ अछि,
“परमेश्वर हमरा सभक संग छथि।”
24 तखन यूसुफ निन्द सँ जागि गेलाह
आ परमेश्वरक स्वर्गदूतक आज्ञानुसार
मरियम केँ अपना पत्नीक रूप मे
अपना ओहिठाम लऽ अनलथिन। 25 ओ
मरियमक संग वैवाहिक जीवनक सम्बन्ध
ताबत धरि स्थापित नहि कयलनि
जाबत धरि मरियम पुत्र केँ जन्म नहि दऽ
देलथिन। पुत्रक जन्म भेला पर यूसुफ
हुनकर नाम यीशु रखलथिन।

1:21 इब्रानी भाषा मे “यीशु”क अर्थ अछि “मुक्ति देनिहार” **1:23** यशा 7.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ज्योतिषी सभक द्वारा दर्शन

2 राजा हेरोदक समय मे जहिया
यहूदिया प्रदेशक बेतलेहम गाम
मे यीशुक जन्म भेलनि, तहिया पूब
देशक ज्योतिषी सभ यरूशलेम नगर
मे अयलाह। 2ओ सभ लोक सभ सँ
पुछलथिन जे, “यहूदी सभक नवजन्मल
राजा कतऽ छथि? कारण, हम सभ पूब
मे हुनकर तारा देखलहुँ आ हुनकर दर्शन
करबाक लेल आयल छी।” 3जखन राजा
हेरोद ई समाचार सुनलनि तँ ओ अपने,
आ यरूशलेमक सभ निवासी सेहो,
घबड़ा गेलाह। 4राजा हेरोद यहूदी सभक
मुख्यपुरोहित लोकनि आ धर्मशिक्षक सभ
केँ जमा कऽ कऽ पुछलथिन जे, “आबऽ
वला उद्धारकर्ता-मसीहक जन्म कतऽ
होयबाक चाहियनि?”

5 एहि पर ओ सभ कहलथिन जे,
“यहूदिया प्रदेशक बेतलेहम गाम मे,
कारण, धर्मशास्त्र मे परमेश्वरक प्रवक्ता
ई लिखने छथि जे,

6 ‘हे बेतलेहम, यहूदिया प्रदेशक गाम!
तोँ यहूदिया प्रदेशक मुख्य नगर सभ
मे सँ ककरो सँ कम नहि छह।
कारण, तोरा मे सँ एक शासन करऽ
वलाक जन्म होयतनि,
जे हमर प्रजा इस्राएलक रखबार आ
बाट देखौनिहार होयताह।’*”

7 तखन राजा हेरोद ज्योतिषी सभ केँ
बजा कऽ एकान्त मे पूछ-ताछ कऽ एहि
बातक पता लगा लेलनि जे तारा हुनका
सभ केँ ठीक कोन समय मे देखाइ देने
छलनि। 8ओ हुनका सभ केँ ई कहि
कऽ बेतलेहम पठौलथिन जे, “जाउ आ
बालकक सम्बन्ध मे ठीक-ठीक पता
लगाउ, और जखन ओ भेटि जाथि तँ
हमरा खबरि करू, जाहि सँ हमहूँ जा कऽ
हुनकर दर्शन करियनि।”

9 राजाक बात सुनि ओ सभ विदा भऽ
गेलाह। जे तारा हुनका सभ केँ पूब मे
देखाइ देने छलनि से हुनका सभक आगाँ-
आगाँ बढ़ैत जाइत फेर देखाइ देलक,
और जाहि घर मे ओ बालक छलाह ताहि
सँ उपर पहुँचि रूकि गेल। 10ओ सभ
तारा केँ देखि अति आनन्दित भेलाह।
11घर मे प्रवेश कऽ ओ सभ बालक केँ
हुनकर माय मरियमक संग देखलथिन।
ओ सभ निहुड़ि कऽ बालक केँ प्रणाम
कयलथिन और अपन-अपन बाकस
खोलि सोन, धूप आ सुगन्धित तेलक
चढ़ौना सभ बालक केँ चढ़ौलथिन।
12तकरबाद सपना मे परमेश्वरक ई
आदेश पाबि जे, राजा हेरोद लग घूमि
कऽ नहि जाउ, ओ सभ दोसर रस्ता सँ
अपन देश घूमि गेलाह।

सुरक्षाक लेल मिस्र-प्रवास

13 ज्योतिषी सभक चल गेलाक बाद
परमेश्वरक एक स्वर्गदूत सपना मे यूसुफ
केँ दर्शन देलथिन आ कहलथिन, “उठह,
बालक आ हुनकर माय केँ लऽ कऽ एतऽ
सँ भागह आ मिस्र देश मे चल जाह। जाबत
तक हम घूमि अयबाक लेल नहि कहिअह
ताबत ओतहि रहिहह। कारण, हेरोद एहि
बालकक हत्या करबाक लेल हिनकर
खोज कराबऽ वला अछि।” 14यूसुफ
उठलाह और रातिए मे बालक आ हुनकर

2:6 मीका 5.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

माय कैँ लऽ कऽ मिस्र देशक लेल विदा
भऽ गेलाह। 15ओ राजा हेरोदक मृत्यु तक
ओतहि रहलाह। एहि तरहेँ परमेश्वर जे
बात अपन प्रवक्ताक माध्यम सँ कहने
छलाह से पूरा भेल जे, “हम मिस्र देश सँ
अपना पुत्र कैँ बजौलहुँ।”*

बालक सभक हत्या

16 जखन राजा हेरोद देखलनि जे
ज्योतिषी सभ हुनका धोखा दऽ देलकनि
तखन ओ क्रोध सँ भरि गेलाह। ओ
ज्योतिषी सभक देल गेल सूचनाक आधार
पर हिसाब लगौलनि जे बालक दू वर्षक
वा ओहि सँ छोट होयबाक चाही, तेँ ओ
अपना सैनिक सभ कैँ पठा कऽ बेतलेहम
आ ओकर लग-पास वला गाम सभक
ओहि सभ बालक कैँ मरबा देलनि जे सभ
दू वर्षक और ओहि सँ छोट छल। 17एहि
तरहेँ परमेश्वरक प्रवक्ता यर्मियाहक
माध्यम सँ कहल ई बात पूरा भेल जे,
18 “रामाह मे एक चीत्कार उठल,
कन्ना-रोहटि और बड़का विलाप,
राहेल अपन बालक सभक लेल
कानि रहल अछि।
ओ सान्त्वनाक बोल नहि सुनऽ
चाहैत अछि,
किएक तँ आब ओकर बेटा सभ
जीवित नहि रहलैक।”*

मिस्र सँ नासरत नगर

19 राजा हेरोदक मृत्युक बाद
परमेश्वरक एकटा स्वर्गदूत मिस्र देश मे
यूसुफ कैँ सपना मे दर्शन दऽ कहलथिन,
20 “उठह, बालक आ हुनकर माय कैँ
लऽ कऽ इस्राएल देश चल जाह, किएक
तँ जे सभ बालक कैँ जान सँ मारऽ चाहैत
छल से सभ आब मरि गेल अछि।”
21 यूसुफ उठलाह और बालक
आ हुनकर माय कैँ लऽ कऽ इस्राएल
देश चल अयलाह। 22मुदा जखन ओ
सुनलनि जे अरखिलाउस अपन पिता
हेरोदक मृत्युक बाद यहूदिया प्रदेश मे
राज्य कऽ रहल छथि तखन ओ ओतऽ
जयबा सँ डेरयलाह। ओ फेर सपना मे
परमेश्वरक आदेश पाबि गलील प्रदेश
चल गेलाह। 23ओतऽ ओ नासरत
नामक नगर मे रहऽ लगलाह। एहि तरहेँ
परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक माध्यम
सँ कहल ई बात पूरा भेल जे, “ओ
नासरी कहौताह।”

यूहन्ना द्वारा यीशुक अयबाक लेल तैयारी

(मरकुस 1.1-8; लूका 3.1-18; यूहन्ना 1.19-28)

3 ओहि समय मे बपतिस्मा देनिहार
यूहन्ना यहूदिया प्रदेशक निर्जन
क्षेत्र मे आबि प्रचार करऽ लगलाह जे,
2 “अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ
हृदय-परिवर्तन करू, कारण, स्वर्गक
राज्य लग आबि गेल अछि।” 3यूहन्ना
वैह व्यक्ति छथि जिनका सम्बन्ध मे
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह कहने
छलाह,
“निर्जन क्षेत्र मे केओ जोर सँ आवाज
दऽ रहल अछि—
‘प्रभुक लेल मार्ग तैयार करू,
हुनका लेल सोझ बाट बनाउ।’ ”*

2:15 होशे 11.1 **2:18** यर्मि 31.15 **3:3** यशा 40.3

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

4 यूहन्ना ऊँटक रोंइयाँ सँ बनल वस्त्र
पहिरैत छलाह। ओ डाँड़ मे चमड़ाक पट्टी
बन्हने रहैत छलाह। फनिगा आ वन वला
मधु हुनकर भोजन छलनि। 5यरूशलेम,
सम्पूर्ण यहूदिया प्रदेश, आ यरदन नदीक
लग-पास मे पड़ऽ वला सम्पूर्ण क्षेत्रक
लोक सभ हुनका लग आयल, 6और
अपन पाप स्वीकार करैत यरदन नदी मे
हुनका सँ बपतिस्मा लेलक।

7 मुदा जखन यूहन्ना बहुतो फरिसी आ
सदुकी पंथक लोक सभ कैँ बपतिस्मा
लेबाक लेल अपना लग अबैत देखलनि तँ
ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हे साँपक
सन्तान सभ, तोरा सभ कैँ परमेश्वरक
आबऽ वला क्रोध सँ बचबाक लेल के
सिखौलकह? 8तोँ सभ जँ अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
कयने छह, तँ तकर प्रमाण अपना
व्यवहार द्वारा देखाबह। 9और अपना मोन
मे एना सोचि निश्चिन्त नहि रहह जे, हमर
सभक कुल-पिता अब्राहम छथि, कारण,
हम तोरा सभ कैँ कहि दैत छिअह जे,
परमेश्वर एहि पाथर सभ मे सँ अब्राहमक
लेल सन्तान उत्पन्न कऽ सकैत छथि।
10गाछक जड़ि पर कुड़हरि रखा गेल
अछि। प्रत्येक गाछ जे नीक फल नहि
दैत अछि से काटल आ आगि मे फेकल
जायत।

11 “तोँ सभ अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन कयने
छह, तकर चिन्ह स्वरूप हम तोरा सभ
कैँ पानि सँ बपतिस्मा दैत छिअह, मुदा
हमरा बाद मे एक गोटे आबि रहल छथि
जे हमरा सँ शक्तिशाली छथि। हम हुनकर
जुत्तो उठाबऽ जोगरक नहि छियनि। ओ
तोरा सभ कैँ पवित्र आत्मा और आगि सँ
बपतिस्मा देथुन। 12हुनका हाथ मे सूप
छनि। ओ अपन खरिहानक अन्न साफ
करताह और गहुम कैँ बखारी मे जमा
करताह, मुदा भुस्सा कैँ ओ ओहि आगि मे
जरौताह जे कहियो नहि मिझायत।”

यीशुक बपतिस्मा

(मरकुस 1.9-11; लूका 3.21-22)

13 तखन यीशु यूहन्ना सँ बपतिस्मा
लेबाक लेल गलील सँ यरदन नदी लग
अयलाह। 14मुदा यूहन्ना ई कहि कऽ
हुनका रोकलथिन जे, “हमरा अहीं सँ
बपतिस्मा लेबाक आवश्यकता अछि,
और की, अहाँ हमरा सँ लेबाक लेल
आयल छी?” 15यीशु उत्तर देलथिन,
“एखन एहिना होमऽ दिअ, कारण, अपना
सभक लेल यैह उचित अछि जे एही तरहेँ
धार्मिकताक सभ माँग कैँ पूरा करी।”
तखन यूहन्ना हुनकर बात मानि लेलथिन।
16बपतिस्मा लेलाक बाद यीशु तुरत पानि
सँ बाहर अयलाह। ओही क्षण मे आकाश
खुजल और ओ परमेश्वरक आत्मा
कैँ परबाक रूप मे अपना पर उतरैत
देखलनि। 17तखने स्वर्ग सँ ई आवाज
सुनाइ पड़ल, “ई हमर प्रिय पुत्र छथि,
हिनका सँ हम बहुत प्रसन्न छी।”

यीशुक परीक्षा

(मरकुस 1.12-13; लूका 4.1-13)

4 तकरबाद पवित्र आत्मा यीशु कैँ
निर्जन क्षेत्र मे लऽ गेलथिन जाहि
सँ शैतान द्वारा हुनका सँ पाप करयबाक
कोशिश कयल जानि। 2ओहिठाम चालिस
दिन आ चालिस राति उपास कयलाक
बाद यीशु भुखायल छलाह। 3जाँचऽ
वला शैतान हुनका लग अयलनि आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कहलकनि, "जँ तोँ परमेश्वरक पुत्र छह
तँ एहि पाथर सभ केँ रोटी बनि जयबाक
आज्ञा दहक।" 4यीशु उत्तर देलथिन,
"धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, 'मनुष्य
मात्र रोटी सँ नहि, बल्कि परमेश्वरक
मुँह सँ निकलल प्रत्येक वचन सँ जीवित
रहत।'*"

5 तखन शैतान यीशु केँ पवित्र नगर*
मे लऽ गेलनि और मन्दिरक सभ सँ ऊँच
स्थान पर ठाढ़ कऽ कऽ कहलकनि, 6"जँ
तोँ परमेश्वरक पुत्र छह तँ एतऽ सँ नीचाँ
कुदि जाह। कारण, धर्मशास्त्र मे लिखल
अछि जे,

'परमेश्वर तोरा लेल स्वर्गदूत सभ केँ
आज्ञा देथिन
और ओ सभ अपना कोरा मे तोरा
लोकि लेथुन,
जाहि सँ पयर मे पाथर सँ चोट नहि
लगतह।'*"

7 यीशु ओकरा कहलथिन, "इहो
लिखल अछि जे, 'अपन प्रभु-परमेश्वरक
जाँच नहि करहुन।'*"

8 तखन शैतान हुनका बहुत ऊँच पहाड़
पर लऽ गेलनि और ओतऽ सँ संसारक सभ
राज्य आ ओकर वैभव देखबैत 9हुनका
कहलकनि, "जँ तोँ हमरा सामने निहुरबह
आ हमर उपासना करबह तँ हम ई सभ तोरा
दऽ देबह।" 10यीशु ओकरा कहलथिन,
"हे शैतान, हमरा सोझाँ सँ दूर हो! कारण,
धर्मशास्त्र मे ई लिखल अछि जे,

'अपना प्रभु-परमेश्वरक उपासना
करहुन,
और मात्र हुनके सेवा करहुन।'*"

11तकरबाद शैतान यीशु लग सँ चल गेल,
और स्वर्गदूत सभ आबि कऽ हुनकर सेवा
करऽ लगलथिन।

कफरनहूम मे यीशुक काजक आरम्भ

(मरकुस 1.14-15; लूका 4.14-15, 31)

12 जखन यीशु सुनलनि जे बपतिस्मा
देनिहार यूहन्ना जहल मे बन्दी बना लेल
गेल छथि तखन ओ गलील प्रदेश मे घूमि
कऽ चल अयलाह। 13ओ नासरत नगर
केँ छोड़ि कऽ कफरनहूम नगर मे रहऽ
लगलाह। ई नगर जबूलून आ नप्ताली
कुलक भूमि-क्षेत्र मे झीलक कछेर पर
अछि। 14एहि तरहेँ परमेश्वरक प्रवक्ता
यशायाहक ई वचन पूरा भेल जे,

15 "हे जबूलून आ नप्ताली कुलक
भूमि-क्षेत्र!
समुद्र दिस जाय वला रस्ता मे पड़ऽ
वला यरदन नदीक ओहि पारक
क्षेत्र,
गैर-यहूदी जाति सभक गलील
प्रदेश!
16 जे सभ अन्हार मे बसल छल,
से सभ पैघ प्रकाश केँ देखलक
अछि।
जकरा सभ केँ मृत्युक अन्हार झँपने
छलैक,
तकरा सभ पर इजोत चमकल
अछि।"*

17 ओही समय सँ यीशु प्रचार करऽ
लगलाह जे, "अपना पापक लेल पश्चात्ताप
कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू, कारण,
स्वर्गक राज्य लग मे आबि गेल अछि।"

4:4 व्यव 8.3 **4:5** अर्थात्, यरूशलेम **4:6** भजन 91.11, 12 **4:7** व्यव 6.16
4:10 व्यव 6.13 **4:16** यशा 9.1, 2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यीशुक सभ सँ पहिलुका शिष्य सभ

(मरकुस 1.16-20; लूका 5.1-11)

18 जखन यीशु गलील झीलक कछेर
पर टहलैत छलाह तखन ओ दू भाइ कैँ
झील मे माछ पकड़बाक लेल जाल
फेकैत देखलनि। ओ सभ मछबार छल।
एकटाक नाम सिमोन, जकर दोसर नाम
पत्रुस छलैक आ ओकर भायक नाम
अन्द्रेयास छल। 19यीशु ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, “हमरा पाछाँ आउ। हम अहाँ
सभ कैँ मनुष्य कैँ पकड़ऽ वला मछबार
बना देब।” 20ओ सभ तुरत अपन जाल
छोड़ि कऽ हुनका संग भऽ गेलनि।

21 ओतऽ सँ कनेक आगाँ बढ़लाक
बाद यीशु अन्य दू भाय कैँ देखलनि—
याकूब आ यूहन्ना। ओ सभ जबदी नामक
व्यक्तिक बेटा छल आ अपना बाबूक
संग नाव मे जाल सरिअबैत छल। यीशु
ओकरा सभ कैँ अपना संग अयबाक लेल
कहलथिन। 22ओहो सभ तुरत नाव आ
अपन बाबू कैँ छोड़ि कऽ यीशुक संग भऽ
गेलनि।

23 यीशु सम्पूर्ण गलील प्रदेश मे घूमि-
घूमि कऽ यहूदी सभक सभाघर सभ मे
शिक्षा देबऽ लगलाह, परमेश्वरक राज्यक
शुभ समाचार सुनाबऽ लगलाह, आ लोक
सभ कैँ सभ तरहक बिमारी सँ छुटकारा
देबऽ लगलाह। 24एहि तरहेँ हुनकर यश
सम्पूर्ण सीरिया प्रदेश मे पसरि गेलनि।
लोक बिमार सभ कैँ जे विभिन्न प्रकारक
रोग वा कष्ट सँ पीड़ित छल, वा जकरा
सभ मे दुष्टात्मा छलैक, मिर्गी सँ पीड़ित
छल वा लकवा मारल छल—सभ कैँ यीशु
लग अनैत छल, और यीशु ओकरा सभ
कैँ स्वस्थ कऽ दैत छलथिन। 25गलील
प्रदेश, “दस नगर” क्षेत्र,* यरूशलेम नगर,
यहूदिया प्रदेश और यरदन नदीक ओहि
पारक क्षेत्र सँ लोकक विशाल भीड़ हुनका
पाछाँ चलऽ लगलनि।

पहाड़ परक उपदेश

धन्य के अछि?

(लूका 6.20-23)

5 लोकक भीड़ कैँ देखि कऽ यीशु
पहाड़ पर चढ़ि गेलाह। ओ जखन
बैसलाह तँ शिष्य सभ हुनका लग
अयलथिन। 2यीशु एहि तरहेँ हुनका सभ
कैँ उपदेश देबऽ लगलथिन—

3 “धन्य अछि ओ सभ जे अपना कैँ
आत्मिक रूप सँ असहाय बुझैत
अछि,
किएक तँ स्वर्गक राज्य ओकरे
सभक छैक।
4 धन्य अछि ओ सभ जे शोक करैत
अछि,
किएक तँ ओ सभ सान्त्वना पाओत।
5 धन्य अछि ओ सभ जे नम्र अछि,
किएक तँ ओ सभ पृथ्वीक
उत्तराधिकारी होयत।
6 धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिकताक
भूखल-पियासल अछि,
किएक तँ ओ सभ तृप्त कयल
जायत।
7 धन्य अछि ओ सभ जे दयावान
अछि,

4:25 यूनानी मे “दिकापुलिस”, जकर शाब्दिक अर्थ अछि “दस नगर”। ई यरदन नदीक दूनू कात मे पड़ऽ वला एक क्षेत्र छल, जाहि मे दसटा नगरक एक संघ छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

किएक तँ ओकरा सभ पर दया
कयल जयतैक।
8 धन्य अछि ओ सभ जकर हृदय शुद्ध
छैक,
किएक तँ ओ सभ परमेश्वर केँ
देखत।
9 धन्य अछि ओ सभ जे मेल-मिलाप
करबैत अछि,
किएक तँ ओ सभ परमेश्वरक पुत्र
कहाओत।
10 धन्य अछि ओ सभ जे धार्मिक
रहबाक कारणेँ सताओल जाइत
अछि,
किएक तँ स्वर्गक राज्य ओकरे
सभक छैक।

11 “धन्य छी अहाँ सभ, जखन लोक
सभ हमरा कारणेँ अहाँ सभ केँ अपमानित
करत, सताओत और झूठ बाजि-बाजि कऽ
अहाँ सभक विरोध मे लोक केँ सभ तरहक
अधलाह बात कहतैक। 12 तखन खुशी होउ
और आनन्द मनाउ, किएक तँ अहाँ सभक
लेल स्वर्ग मे बड़का इनाम राखल अछि।
एही तरहेँ लोक परमेश्वरक ओहि प्रवक्ता
सभ केँ सेहो सतौने छलनि, जे सभ अहाँ
सभ सँ पहिने प्राचीन समय मे छलाह।

“अहाँ सभ पृथ्वीक नून आ संसारक प्रकाश छी”

13 “अहाँ सभ पृथ्वीक नून छी। मुदा
जँ नून मे नूनक स्वाद समाप्त भऽ जाइक
तँ ओ कोन वस्तु सँ फेर नूनगर बनाओल
जा सकत? ओकरा फेकि देल जाय, आ
लोक ओकरा पयर सँ धाँगय, से छोड़ि
ओ दोसर कोन काजक रहि जायत?

14 “अहाँ सभ संसारक प्रकाश छी।
पहाड़ परक नगर नुकायल नहि रहि सकैत
अछि। 15 लोक डिबिया लेसि कऽ पथिया
सँ नहि झँपैत अछि, बल्कि लाबनि पर
रखैत अछि, और ओ डिबिया घर मे
सभक लेल प्रकाश दैत छैक। 16 एहि
तरहेँ अहूँ सभ अपन प्रकाश लोकक बीच
चमकाउ, जाहि सँ लोक अहाँ सभक नीक
काज देखि कऽ, अहाँक पिताक, जे स्वर्ग
मे छथि, तिनकर स्तुति करनि।

धर्म-नियमक उद्देश्य पूरा होयत

17 “ई नहि सोचू जे हम मूसा द्वारा देल
धर्म-नियम अथवा परमेश्वरक प्रवक्ता
सभक लेख सभ केँ रद्द करबाक लेल
आयल छी। हम ओहि सभ केँ रद्द नहि,
बल्कि पूरा करबाक लेल आयल छी।
18 हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, जाबत
तक आकाश आ पृथ्वी समाप्त नहि होयत,
ताबत तक धर्म-नियम मे लिखल सभ बात
बिनु पूरा भेने ओकर एक मात्रा वा एक
बिन्दुओ नहि मेटायत। 19 जे केओ एहि
आज्ञा मे सँ छोटो सँ छोट आज्ञाक उल्लंघन
करत और दोसरो लोक केँ तहिना करऽ
लेल सिखाओत, से स्वर्गक राज्य मे सभ सँ
छोट कहाओत। मुदा जे केओ एहि आज्ञा
सभक पालन करत आ दोसरो लोक केँ
तहिना करऽ लेल सिखाओत, से स्वर्गक
राज्य मे पैघ कहाओत। 20 हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे, परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक
ठहरबाक लेल जे बात आवश्यक अछि,
से जँ अहाँ सभ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ
सँ बढ़ि कऽ पूरा नहि करब, तँ अहाँ सभ
स्वर्गक राज्य मे किन्नहुँ नहि प्रवेश करब।

क्रोध और हत्या

21 “अहाँ सभ सुनने छी जे प्राचीन
काल मे पुरखा सभ केँ कहल गेल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलनि, ‘हत्या नहि करह,* और जे केओ
हत्या करत तकरा कचहरी मे दण्डक
योग्य ठहराओल जयतैक।’ 22मुदा हम
अहाँ सभ कैँ कहैत छी, जे केओ अपना
भाय पर क्रोधो करत तकरा कचहरी मे
दण्डक योग्य ठहराओल जयतैक। जे
अपन भाय कैँ ‘रे मूर्ख’ कहत, तकरा
धर्म-महासभा मे ठाढ़ होमऽ पड़तैक,
और जे केओ अपना भाय कैँ सराप देत,
से नरकक आगि मे खसयबा जोगरक
अछि।

23“तैँ जँ अहाँ अपन चढ़ौना प्रभुक
वेदी पर अर्पण कऽ रहल छी आ ओतहि
अहाँ कैँ मोन पड़ल जे अहाँक भाय कैँ
अहाँ सँ कोनो सिकायत छैक, 24तँ अपन
चढ़ौना वेदीक कात मे राखि दिअ आ
पहिने जा कऽ अपना भाय सँ मेल करू
और तकरबाद आबि कऽ अपन चढ़ौना
चढ़ाउ।

25“जखन अहाँक विरोधी अहाँ कैँ
कचहरी मे लऽ जा रहल अछि, तँ रस्ते
मे ओकरा संग जल्दी सँ मेल-मिलाप कऽ
लिअ। एना नहि होअय जे विरोधी अहाँ
कैँ न्यायाधीशक जिम्मा मे लगा दय आ
न्यायाधीश सिपाहीक जिम्मा मे, और
अहाँ कैँ जहल मे राखि देल जाय। 26हम
अहाँ कैँ सत्य कहैत छी जे, जाबत तक
अहाँ पाइ-पाइ कऽ सधा नहि देबैक,
ताबत तक अहाँ ओतऽ सँ नहि छुटब।

अधलाह इच्छा और परस्त्रीगमन

27“अहाँ सभ सुनने छी जे कहल गेल,
‘परस्त्रीगमन नहि करह।’* 28मुदा हम
अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, जे कोनो पुरुष
कोनो स्त्री कैँ अधलाह इच्छा सँ देखैत
अछि, से तखने अपना मोन मे ओकरा
संग परस्त्रीगमन कऽ लेलक। 29जँ अहाँक
दहिना आँखि अहाँ कैँ पाप मे फँसबैत
अछि तँ ओकरा निकालि कऽ फेकि
दिअ। अहाँक शरीरक एके अंग नष्ट भऽ
जाओ, से अहाँक लेल एहि सँ नीक होयत
जे सम्पूर्ण शरीर नरक मे फेकि देल जाय।
30जँ अहाँक दहिना हाथ अहाँ कैँ पाप मे
फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ फेकि
दिअ। अहाँक शरीरक एके अंग नष्ट भऽ
जाओ, से अहाँक लेल एहि सँ नीक होयत
जे सम्पूर्ण शरीर नरक मे फेकि देल जाय।

तलाक

(मत्ती 19.9; मरकुस 10.11-12; लूका 16.18)

31“कहल गेल अछि जे, ‘जे पुरुष
अपना स्त्री कैँ तलाक दैत अछि, से
तलाकनामा लिखि कऽ दैक।’* 32मुदा
हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, स्त्री कैँ
दोसराक संग गलत शारीरिक सम्बन्ध
रखबाक कारण कैँ छोड़ि कऽ जँ कोनो
दोसर कारण सँ कोनो पुरुष अपना स्त्री
कैँ तलाक दैत अछि, तँ ओ अपना स्त्री
कैँ परपुरुषगमन करऽ वाली बनबाक लेल
विवश करैत अछि, और जे केओ ओहि
तलाक देल स्त्री सँ विवाह करैत अछि,
सेहो परस्त्रीगमन करैत अछि।

सपत

33“अहाँ सभ इहो सुनने छी जे प्राचीन
समयक पुरखा सभ कैँ कहल गेल छलनि
जे, ‘सपत खा कऽ जे वचन देलह तकरा
नहि तोड़िहह, बल्कि प्रभु सँ खायल अपन

5:21 प्रस्थान 20.13 **5:27** प्रस्थान 20.14 **5:31** व्यव 24.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सपत केँ पूरा करिहह।’ **34**मुदा हम अहाँ
सभ केँ कहैत छी जे सपत खयबे नहि
करू—ने स्वर्गक नाम लऽ कऽ, कारण ओ
परमेश्वरक सिंहासन छनि, **35**ने पृथ्वीक
नाम लऽ कऽ, कारण ओ परमेश्वरक पयर
तरक चौकी छनि, ने यरूशलेमक, कारण
ओ महान् राजाक नगर छनि, **36**और ने
अपन माथक, कारण अहाँ अपन एकोटा
केश केँ ने तँ उज्जर आ ने कारी कऽ सकैत
छी। **37**अहाँ सभ जखन ‘हँ’ कहऽ चाहैत
छी, तँ बस, ‘हँ’ए कहू, जखन ‘नहि’ कहऽ
चाहैत छी, तँ ‘नहि’ए कहू। एहि सँ बेसी
जे किछु बजैत छी से शैतान सँ प्रेरित बात
अछि।

बदला लेनाइ

(लूका 6.29-30)

38“अहाँ सभ सुनने छी जे एना कहल
गेल छल, ‘केओ जँ ककरो आँखि फोड़य
तँ ओकरो आँखि फोड़ल जाय, आ केओ
जँ ककरो दाँत तोड़य तँ ओकरो दाँत
तोड़ल जाय।’* **39**मुदा हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी, जँ कोनो दुष्ट लोक अहाँ केँ
किछु करओ, तँ ओकर विरोध नहि करू।
केओ जँ अहाँक दहिना गाल पर थप्पड़
मारय तँ ओकरा सामने दोसरो गाल कऽ
दिऔक। **40**केओ जँ अहाँ पर मोकदमा
कऽ अहाँक कुर्ता लेबऽ चाहय तँ ओकरा
ओढ़नो लेबऽ दिऔक। **41**जँ केओ अहाँ सँ
कोनो वस्तु जबरदस्ती एक कोस उघबाबय
तँ अहाँ दू कोस उघि दिऔक। **42**जे केओ
अहाँ सँ किछु मँगैत अछि तकरा दिऔक,
आ जे केओ अहाँ सँ पैंच लेबऽ चाहैत
अछि तकरा सँ मुँह नहि घुमाउ।

शत्रु सँ प्रेम

(लूका 6.27-28, 32-36)

43“अहाँ सभ सुनने छी जे एना कहल
गेल छल, ‘अपना पड़ोसी सँ प्रेम करह*
आ अपन शत्रु सँ दुश्मनी राखह।’ **44**मुदा
हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, अपना शत्रु
सभ सँ प्रेम करू आ अहाँ केँ जे सभ
सतबैत अछि तकरा सभक लेल प्रभु सँ
प्रार्थना करू। **45**तखने अहाँ स्वर्ग मे रहऽ
वला अपन पिताक सन्तान बनब। कारण,
ओ दुष्ट आ सज्जन दूनू पर अपन सूर्यक
प्रकाश दैत छथि, आ धर्मी और अधर्मी
दूनू पर वर्षा करबैत छथि।
46“जँ अहाँ मात्र ओकरे सभ सँ प्रेम
करी जे अहाँ सँ प्रेम करैत अछि तँ अहाँ
केँ परमेश्वर सँ की इनाम भेटत? की कर
असूल कयनिहार ठकहारो सभ एहिना
नहि करैत अछि? **47**आ जँ अहाँ मात्र
अपने लोक सभक कुशल-मङलक पुछारी
करैत छी तँ अहाँ कोन बड़का काज करैत
छी? की परमेश्वर केँ नहि चिन्हऽ वला
जातिक लोक सभ सेहो एहिना नहि करैत
अछि? **48**तँ अहाँ सभ सिद्ध बनू जेना स्वर्ग
मे रहऽ वला अहाँ सभक पिता परमेश्वर
सिद्ध छथि।

दान

6 “होसियार रहू, लोक केँ देखयबाक
लेल अपन ‘धर्म-कर्म’ नहि करू,
नहि तँ अहाँ केँ अपन पिता सँ, जे स्वर्ग मे
छथि, कोनो फल नहि भेटत।
2“अहाँ जखन गरीब सभ केँ दान दैत
छी तखन तकर ढोल नहि पिटू, जेना

5:38 प्रस्थान 21.24; लेवी 24.20; व्यव 19.21 **5:43** लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पाखण्डी लोक सभाघर मे और रस्ता सभ मे करैत रहैत अछि, जाहि सँ लोक ओकर प्रशंसा करैक। हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, लोकक प्रशंसा पाबि ओ सभ ओहि सँ बेसी कोनो इनामक बाट बेकार ताकत।

3-4 “मुदा अहाँ जखन दान करी तखन अहाँक ई काज एतेक गुप्त होअय जे अहाँक बामा हाथ सेहो नहि जानय जे अहाँक दहिना हाथ की कऽ रहल अछि। तखन अहाँक पिता जे गुप्त काज केँ सेहो देखैत छथि, से अहाँ केँ तकर प्रतिफल देताह।

प्रार्थनाक विषय मे शिक्षा

(लूका 11.2-4)

5 “जखन परमेश्वर सँ प्रार्थना करी, तँ पाखण्डी जकाँ नहि बनू, किएक तँ ओ सभ सभाघर सभ मे आ चौक सभ पर ठाढ़ भऽ कऽ प्रार्थना कयनाइ बहुत पसन्द करैत अछि, जाहि सँ लोक ओकरा सभ केँ देखैक। हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे, लोक ओकरा सभ केँ देखलक, ओहि सँ बेसी ओ सभ कोनो इनामक बाट बेकार ताकत।

6 “मुदा अहाँ जखन प्रार्थना करी, तँ अपना कोठरी मे जाउ, केबाड़ बन्द करू आ अपना पिता, जिनका केओ नहि देखि सकैत छनि, तिनका सँ प्रार्थना करू। अहाँक पिता जे गुप्त काज सेहो देखैत छथि, से अहाँ केँ तकर प्रतिफल
देताह। [7]प्रार्थना करैत अहाँ सभ ओहि जाति सभक लोक जकाँ जे सभ जीवित परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि रट लगा कऽ बात नहि दोहरबैत रहू। ओ सभ तँ सोचैत अछि जे बहुत बजला सँ ओकर प्रार्थना सुनल जयतैक।
[8]अहाँ सभ ओकरा सभ जकाँ नहि बनू। अहाँ सभक पिता तँ अहाँ सभक मँगनाइ सँ पहिनहि बुझैत रहैत छथि जे अहाँ सभ केँ कोन वस्तुक आवश्यकता अछि।
[9]तेँ एहि तरहेँ प्रार्थना करू—

‘हे हमर सभक पिता,
अहाँ जे स्वर्ग मे विराजमान छी,
अहाँक नाम पवित्र मानल जाय,
[10] अहाँक राज्य आबय,
अहाँक इच्छा जहिना स्वर्ग मे पूरा होइत अछि,
तहिना पृथ्वी पर सेहो पूरा होअय।
[11] हमरा सभ केँ आइ भोजन दिअ,
जे दिन प्रति दिन हमरा सभक लेल आवश्यक अछि।
[12] हमर सभक अपराध क्षमा करू,
जहिना हमहूँ सभ अपन अपराधी सभ केँ क्षमा कयने छिऐक।
[13] हमरा सभ केँ पाप मे फँसाबऽ वला बात सँ दूर राखू,
और दुष्ट सँ हमरा सभक रक्षा करू।
[किएक तँ राज्य, शक्ति आ महिमा युगानुयुग अहींक अछि,
आमीन।]*’

[14]अहाँ सभ जँ लोकक अपराध क्षमा करब तँ अहाँ सभक पिता जे स्वर्ग मे छथि सेहो अहूँ सभक अपराध क्षमा करताह।
[15]मुदा अहाँ सभ जँ लोकक अपराध क्षमा नहि करबैक, तँ अहाँ सभक पिता सेहो अहाँ सभक अपराध क्षमा नहि करताह।

6:13 किछु हस्तलेख सभ मे ई पाँति नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

उपास

16 “अहाँ सभ जखन उपास करी तखन
पाखण्डी सभ जकाँ मुँह लटकौने नहि रहू।
कारण, ओ सभ अपन मुँह म्लान कयने
रहैत अछि जाहि सँ लोक सभ बुझैक जे
ओ उपास कयने अछि। हम अहाँ सभ केँ
सत्य कहैत छी, लोक बुझलक, ओहि सँ
बेसी ओ सभ कोनो इनामक बाट बेकार
ताकत। 17मुदा अहाँ जखन उपास करी तँ
तेल-कुड़ लिअ आ अपन मुँह-हाथ धोउ,
18जाहि सँ लोक नहि बुझय जे अहाँ
उपास कयने छी, बल्कि मात्र अहाँक
पिता, जिनका केओ नहि देखि सकैत
छनि, से बुझथि। एहि सँ अहाँक पिता जे
गुप्त काज केँ सेहो देखैत छथि, से अहाँ
केँ प्रतिफल देताह।

असली धन

(लूका 12.33-34; 11.34-36; 16.13)

19 “पृथ्वी पर अपना लेल धन जमा
नहि करू जतऽ कीड़ा आ बीझ ओकरा
नष्ट कऽ दैत अछि, और चोर सेन्ह
काटि कऽ ओकर चोरी कऽ लैत अछि।
20बल्कि अपना लेल स्वर्ग मे धन जमा
करू, जतऽ ने कीड़ा आ ने बीझ ओकरा
नष्ट करैत अछि, आ ने चोर सेन्ह काटि
कऽ ओकर चोरी करैत अछि। 21कारण,
जतऽ अहाँक धन अछि ततहि अहाँक
मोनो लागल रहत।

22 “शरीरक डिबिया आँखि अछि!
जँ अहाँक आँखि ठीक अछि तँ अहाँक
सम्पूर्ण शरीर इजोत मे रहत। 23मुदा जँ
अहाँक आँखि खराब भऽ जाय तँ अहाँक
सम्पूर्ण शरीर अन्हार मे भऽ जायत, आ जँ
अहाँक भितरी प्रकाश अन्हार बनि जाय तँ
ई अन्हार कतेक भयंकर होयत!

24 “कोनो खबास दूटा मालिकक सेवा
एक संग नहि कऽ सकैत अछि। कारण,
ओ एकटा सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम,
अथवा पहिल केँ खूब मानत और दोसर केँ
तुच्छ बुझत। अहाँ सभ परमेश्वर आ धन-
सम्पत्ति दूनूक सेवा नहि कऽ सकैत छी।

चिन्ता सँ मुक्ति

(लूका 12.22-31)

25 “एहि लेल हम अहाँ सभ केँ कहैत
छी, अपना प्राणक लेल चिन्ता नहि करू
जे हम की खायब वा की पीब, आ ने
शरीरक लेल चिन्ता करू जे की पहिरब।
की भोजन सँ प्राण, आ वस्त्र सँ शरीर बेसी
मूल्यवान नहि अछि? 26आकाशक चिड़ै
सभ केँ देखू—ओ सभ ने बाउग करैत
अछि, ने कटनी करैत अछि आ ने कोठी
मे अन्न रखैत अछि, मुदा तैयो अहाँ सभक
पिता जे स्वर्ग मे छथि से ओकर सभक
पालन करैत छथिन। की अहाँ सभ चिड़ै
सभ सँ बहुत मूल्यवान नहि छी? 27चिन्ता
कऽ कऽ अहाँ सभ मे सँ के अपना उमेर केँ
एको घड़ी बढ़ा सकैत छी?*

28 “वस्त्रक लेल अहाँ चिन्ता किएक
करैत छी? जंगलक फूल सभ केँ देखू जे
ओ सभ कोन तरहेँ फुलाइत अछि। ओ
सभ ने खटैत अछि, आ ने चर्खा कटैत
अछि। 29हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे,
राजा सुलेमान सेहो अपन राजसी वस्त्र

6:27 एहि पाँतिक अनुवाद एहि प्रकारेँ सेहो भऽ सकैत अछि, “... के अपन शरीरक लम्बाइ केँ एको हाथ बढ़ा सकैत छी?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पहिरि कऽ एहि फूल सन सुन्दर नहि लगैत
छलाह। 30जँ परमेश्वर मैदानक घास, जे
आइ अछि आ काल्हि आगि मे जराओल
जायत, तकरा एहि तरहेँ हरियरी सँ भरल
रखैत छथि, तँ ओ अहाँ सभ केँ आओर
किएक नहि पहिरौताह-ओढ़ौताह? अहाँ
सभ केँ कतेक कम विश्वास अछि!

31 “एहि लेल चिन्ता नहि करू जे हम
सभ की खायब, की पीब वा की पहिरब।
32कारण, एहि सभ बातक पाछाँ तँ
परमेश्वर केँ नहि चिन्हऽ वला जातिक
लोक सभ पड़ल रहैत अछि। अहाँ
सभक पिता जे स्वर्ग मे छथि से जनैत
छथि जे अहाँ सभ केँ एहि बात सभक
आवश्यकता अछि। 33बल्कि सभ सँ
पहिने परमेश्वरक राज्य पर, आ परमेश्वर
जाहि प्रकारक धार्मिकता अहाँ सँ चाहैत
छथि, ताहि पर मोन लगाउ, तँ ई सभ
वस्तु सेहो अहाँ केँ देल जायत।

34 “तेँ काल्हि की होयत तकर चिन्ता
नहि करू, किएक तँ काल्हि अपन चिन्ता
अपने कऽ लेत। आजुक लेल तँ अजुके
दुःख बहुत अछि।

दोसर केँ दोषी नहि ठहराउ

(लूका 6.37-38, 41-42)

7 “ककरो दोषी नहि ठहराउ जाहि
सँ अहूँ सभ दोषी नहि ठहराओल
जाइ। 2जाहि तरहेँ अहाँ दोषी ठहरायब
ताहि तरहेँ अहूँ दोषी ठहराओल जायब,
आ जाहि नाप सँ अहाँ नापब, सैह नाप
अहूँ पर लागू होयत।

3 “अहाँ अपन भायक आँखि मेहक
काठक कुन्नी किएक देखैत छी? की
अपना आँखि मेहक ढेंग नहि सुझाइत
अछि? 4अहाँ अपना भाय केँ कोना
कहैत छी जे, ‘आउ, हम अहाँक आँखि
मे सँ कुन्नी निकालि दैत छी,’ जखन
कि अहाँक अपने आँखि मे ढेंग अछि?
5हे पाखण्डी, पहिने अपना आँखि मेहक
ढेंग निकालि लिअ, तखने अपन भायक
आँखि मेहक कुन्नी निकालबाक लेल
अहाँ ठीक सँ देखि सकब।

6 “पवित्र वस्तु कुकुर सभ केँ नहि
दिअ, आ ने अपन हीरा-मोती सुगरक
आगाँ फेकू, नहि तँ एना नहि होअय जे ओ
सभ पयर सँ ओकरा थाँगि दय आ घूमि
कऽ अहाँ सभ केँ चीरि-फाड़ि दय।

माँगू तँ पायब

(लूका 11.9-13)

7 “माँगू तँ अहाँ सभ केँ देल जायत।
ताकू तँ अहाँ सभ केँ भेटत। ढकढकाउ
तँ अहाँ सभक लेल खोलल जायत।
8कारण, जे केओ मँगैत अछि, से प्राप्त
करैत अछि; जे केओ तकैत अछि, तकरा
भेटैत छैक, और जे केओ ढकढकबैत
अछि, तकरा लेल खोलल जाइत छैक।

9 “की अहाँ सभ मे सँ केओ एहन लोक
छी जे जँ अहाँक बेटा अहाँ सँ रोटी माँगय
तँ ओकरा पाथर दिऐक? 10वा माछ
माँगय तँ साँप दिऐक? 11जखन अहाँ सभ
पापी होइतो अपना बच्चा सभ केँ नीक
वस्तु सभ देनाइ जनैत छी, तँ अहाँ सभ
सँ बढ़ि कऽ अहाँ सभक पिता जे स्वर्ग मे
छथि, से मँगनिहार सभ केँ नीक वस्तु सभ
किएक नहि देथिन?

धर्म-नियमक निचोड़

(लूका 6.31)

12 “जेहन व्यवहार अहाँ चाहैत छी जे
लोक अहाँक संग करय, तेहने व्यवहार

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहूँ लोकक संग करू, किएक तँ धर्म-
नियमक आ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
शिक्षाक निचोड़ यैह अछि।

दूटा बाट

13 “छोट द्वारि सँ प्रवेश करू, कारण
नमहर अछि ओ द्वारि आ चौरगर अछि
ओ बाट जे विनाश मे लऽ जाइत अछि,
और बहुतो लोक ओहि द्वारि सँ प्रवेश
करैत अछि। [14]मुदा छोट अछि ओ द्वारि
आ कम चौड़ा अछि ओ बाट जे जीवन मे
लऽ जाइत अछि। और थोड़बे लोक ओहि
द्वारि कैँ ताकि पबैत अछि।

भूठ बाजि कऽ अपना कैँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहऽ वला सँ सावधान

(लूका 6.43-44)

15 “ओहन लोक सँ सावधान रहू जे
भूठ बाजि कऽ अपना कैँ परमेश्वरक
प्रवक्ता कहैत अछि। ओ सभ अहाँ
सभक बीच भेँड़ाक वेष मे अबैत अछि,
मुदा भीतर मे ओ सभ चीरि-फाड़ि देबऽ
वला जंगली जानबर अछि। [16]ओकर
सभक काज सभ सँ अहाँ सभ ओकरा
चिन्हि जायब। की काँटक गाछ सँ अंगूर
तोड़ल जा सकैत अछि, वा कबछुआक
लत्ती सँ अंजीर-फल? [17]एहि तरहेँ प्रत्येक
नीक गाछ मे नीक फल आ खराब गाछ
मे खराब फल फड़ैत अछि। [18]ई तँ
भइए नहि सकैत अछि जे नीक गाछ मे
खराब फल फड़ैक आ खराब गाछ मे
नीक फल। [19]जे गाछ नीक फल नहि
दैत अछि से काटि कऽ आगि मे फेकल
जाइत अछि। [20]तहिना एहन लोक सभ
कैँ अहाँ सभ ओकर सभक काज सभ सँ
चिन्हि जायब।

कथनी आ करनी

21 “ई बात नहि अछि जे, जतेक
लोक हमरा ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहैत अछि,
ताहि मे सँ सभ केओ स्वर्गक राज्य मे
प्रवेश करत, बल्कि मात्र वैह सभ प्रवेश
करत जे सभ हमर पिता जे स्वर्ग मे
छथि तिनकर इच्छानुरूप चलैत अछि।
[22]न्यायक दिन बहुतो लोक हमरा कहत,
‘हे प्रभु! हे प्रभु! की हम सभ अहाँक नाम
लऽ कऽ भविष्यवाणी नहि कयलहुँ? की
हम सभ अहाँक नाम लऽ कऽ दुष्टात्मा
सभ कैँ नहि निकाललहुँ? की हम सभ
अहाँक नाम लऽ कऽ अनेको चमत्कार
नहि कयलहुँ?’ [23]तखन हम ओकरा
सभ कैँ स्पष्ट कहबैक, ‘हम तोरा सभ
कैँ कहियो नहि चिन्हलिऔ। है कुकर्मी
सभ, भाग हमरा लग सँ!’

दू तरहक न्यो

(लूका 6.47-49)

24 “जे केओ हमर एहि उपदेश सभ कैँ
सुनैत अछि आ ओकर पालन करैत अछि,
से ओहि बुद्धिमान मनुष्य जकाँ अछि जे
अपन घर पाथर पर बनौलक। [25]बहुत
जोरक वर्षा भेल, बाढ़ि आयल, अन्हड़-
बिहारि चलल और ओहि घर सँ टकरायल,
तैयो ओ घर नहि खसल, कारण ओकर
न्यो पाथर पर राखल गेल छल। [26]मुदा जे
केओ हमर एहि उपदेश सभ कैँ सुनैत अछि
आ ओकर पालन नहि करैत अछि, से
ओहि मूर्ख मनुष्य जकाँ अछि, जे अपन घर
बालु पर बनौलक। [27]जखन बहुत जोरक
वर्षा भेल, बाढ़ि आयल, अन्हड़-बिहारि
चलल आ ओहि घर सँ टकरायल तँ ओ
घर खसि पड़ल आ पूरा नष्ट भऽ गेल।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

28 जखन यीशु ई उपदेशक बात सभ
कहब समाप्त कयलनि तखन लोकक
भीड़ हुनकर शिक्षा सँ चकित भेल,
[29]कारण ओ धर्मशिक्षक सभ जकाँ
नहि, बल्कि अधिकारपूर्बक उपदेश दैत
छलाह।

कुष्ठ-रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 1.40-45; लूका 5.12-16)

8 यीशु जखन पहाड़ पर सँ नीचाँ
उतरलाह तँ लोकक बड़का भीड़
हुनका पाछाँ चलऽ लगलनि। [2]एक कुष्ठ-
रोगी हुनका लग अयलनि आ निंघुड़ि कऽ
प्रणाम करैत कहलकनि, “यौ प्रभु, अहाँ जँ
चाही तँ हमरा शुद्ध कऽ सकैत छी।” [3]यीशु
हाथ बढ़ा कऽ ओकरा छुबैत कहलथिन,
“हम अवश्य चाहैत छिअह, तोँ शुद्ध भऽ
जाह।” और ओ तुरत अपन रोग सँ शुद्ध
भऽ गेल। [4]यीशु ओकरा कहलथिन,
“सुनह, ककरो किछु कहिअहक नहि।
जाह, अपना केँ पुरोहित केँ देखाबह,
आ धर्म-नियम मे लिखल मूसाक आदेश
अनुसार जे चढ़ौना चढ़यबाक अछि, से
चढ़ाबह। एहि तरहेँ सभक लेल गवाही
रहत जे तोँ शुद्ध भऽ गेल छह।”

रोमी कप्तानक विश्वास

(लूका 7.1-10)

5 यीशु जखन कफरनहूम नगर मे प्रवेश
कयलनि तँ रोमी सेनाक एकटा कप्तान
आबि हुनका सँ विनती कयलथिन, [6]“हे
प्रभु, हमर नोकर लकवा सँ पीड़ित भऽ
घर मे पड़ल अछि आ महा कष्ट मे
अछि।” [7]यीशु हुनका कहलथिन, “हम
आबि ओकरा स्वस्थ कऽ देबैक।”
[8]सेनाक कप्तान उत्तर देलथिन, “यौ
प्रभु, हम एहि जोगरक नहि छी जे अपने
हमरा घर पर आबी। अपने मात्र कहि
देल जाओ आ हमर नोकर स्वस्थ भऽ
जायत। [9]कारण हमहूँ शासनक अधीन
मे छी, और हमरा अधीन मे सैनिक सभ
अछि। हम एकटा केँ कहैत छिऐक,
‘जाह’ तँ ओ जाइत अछि आ दोसर केँ
कहैत छिऐक, ‘आबह’ तँ ओ अबैत
अछि। हम अपना नोकर केँ कहैत
छिऐक, ‘ई काज करह’ तँ ओ करैत
अछि।”

10 हुनकर बात सुनि यीशु केँ आश्चर्य
भेलनि आ ओ अपना पाछाँ चलऽ वला
लोक सभ केँ कहलथिन, “हम अहाँ
सभ केँ सत्य कहैत छी, हम इस्राएली
सभ मे एहन विश्वास ककरो मे नहि
देखलहुँ। [11]हम अहाँ सभ केँ कहैत छी,
पूब आ पश्चिम सँ बहुत लोक आओत
और अब्राहम, इसहाक आ याकूबक
संग स्वर्गक राज्य मे भोज खयबाक लेल
बैसत, [12]मुदा जे सभ ⌞अब्राहमक वंशज
होयबाक कारणेँ⌟ राज्यक उत्तराधिकारी
होयबाक चाही, से सभ बाहर अन्हार मे
भगाओल जायत, जतऽ लोक कानत आ
दाँत कटकटाओत।” [13]तकरबाद यीशु
सेनाक कप्तान केँ कहलथिन, “जाउ,
जेहन विश्वास अहाँ कयलहुँ अछि,
अहाँक लेल ओहिना होयत।” ओही घड़ी
हुनकर नोकर स्वस्थ भऽ गेलनि।

बहुतो रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 1.29-34; लूका 4.38-41)

14 यीशु जखन पत्रुसक घर मे अयलाह
तँ देखैत छथि जे पत्रुसक सासु बोखार
सँ पीड़ित भऽ ओछायन पर पड़ल छथि।
[15]यीशु हुनकर हाथ केँ छुबि देलथिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ हुनकर बोखार उतरि गेलनि। ओ
उठि कऽ हिनकर सेवा-सत्कार करऽ
लगलीह।

16 साँझ पड़ला पर लोक सभ बहुतो
लोक केँ जकरा मे दुष्टात्मा छलैक
यीशु लग अनलकनि। यीशु आज्ञा दऽ
कऽ ओकरा सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ
केँ निकालि देलथिन और सभ रोगी
केँ स्वस्थ कऽ देलथिन, 17जाहि सँ
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाहक ई वचन
पूरा होअय जे,

"ओ हमर सभक रोग-बिमारी अपना
पर लऽ
हमरा सभ सँ दूर हटा देलनि।"*

यीशुक शिष्य बनब हल्लुक बात नहि

(लूका 9.57-62)

18 जखन यीशु अपना चारू कात
लोकक बड़का भीड़ देखलनि तँ अपना
शिष्य सभ केँ झीलक ओहि पार
चलबाक आदेश देलथिन। 19तखन
एकटा धर्मशिक्षक हुनका लग आबि कऽ
कहलथिन, "गुरुजी, जतऽ कतौ अपने
जायब, ततऽ हमहूँ अपनेक संग चलब।"
20यीशु हुनका उत्तर देलथिन, "नढ़िया
केँ सोन्हि छैक और आकाशक चिड़ै
केँ खोंता, मुदा मनुष्य-पुत्र केँ मूड़िओ
नुकयबाक जगह नहि छैक।"

21 केओ दोसर, हुनकर एकटा शिष्य,
हुनका कहलकनि, "प्रभु, हमरा पहिने जा
कऽ अपना बाबूक लास केँ गाड़ि आबऽ
दिअ।" 22यीशु ओकरा कहलथिन, "अहाँ
हमरा पाछाँ आउ, आ मुरदा सभ केँ अपन
मुरदा गाड़ऽ दिऔक।"

अन्हड़-बिहारि सेहो यीशुक अधीन

(मरकुस 4.35-41; लूका 8.22-25)

23 यीशु नाव पर चढ़लाह तँ शिष्य
सभ सेहो हुनका संग विदा भेलथिन।
24एकाएक झील मे बहुत बड़का अन्हड़-
बिहारि उठल आ नाव लहरिक पानि सँ
भरऽ लागल। मुदा यीशु सुतल छलाह।
25शिष्य सभ आबि कऽ हुनका जगबैत
कहलथिन, "प्रभु, हमरा सभ केँ बचाउ!
हम सभ डुबऽ-डुबऽ पर छी!" 26यीशु
शिष्य सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभक
विश्वास एतेक कम किएक अछि?
अहाँ सभ एतेक डेरायल किएक छी?"
तकरबाद यीशु उठि कऽ अन्हड़-बिहारि
आ लहरि केँ डँटलथिन। अन्हड़-बिहारि
थम्हि गेल आ सभ किछु एकदम शान्त
भऽ गेल। 27शिष्य सभ आश्चर्यित भऽ
कहऽ लगलाह, "ई केहन मनुष्य छथि?
अन्हड़-बिहारि आ लहरिओ हिनकर
आदेश मानैत छनि!"

दुष्टात्मा पर यीशुक अधिकार

(मरकुस 5.1-20; लूका 8.26-39)

28 जखन यीशु झीलक ओहि पार
गदरेनी सभक इलाका मे पहुँचलाह तँ
दुष्टात्मा सँ ग्रसित दू व्यक्ति कबरिस्तान
वला क्षेत्र सँ बहरा कऽ हुनका भेटलनि। ओ
दूनू व्यक्ति एतेक उग्र छल जे लोक सभ
डरेँ ओहि बाटे चलनाइ छोड़ि देने छल।
29ओ दूनू चिचिया उठल, "यौ परमेश्वरक
पुत्र, हमरा सभ सँ अपने केँ कोन काज?
की समय सँ पहिनहि अपने हमरा सभ केँ
सतयबाक लेल एतऽ आयल छी?"

8:17 यशा 53.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

30 ओहिठाम सँ कनेक दूर पर सुगरक बड़का झुण्ड चरि रहल छल। [31]दुष्टात्मा सभ यीशु सँ विनती कयलकनि, “जँ अहाँ हमरा सभ कैँ भगाइए रहल छी तँ हमरा सभ कैँ ओहि सुगरक झुण्ड मे पठा दिअ।”

32 यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन, “जो!” दुष्टात्मा सभ दूनू व्यक्ति मे सँ निकलि कऽ सुगरक झुण्ड मे प्रवेश कऽ गेल। सुगरक पूरा झुण्ड दौड़ि कऽ पहाड़ पर सँ झील मे खसल और डुबि कऽ मरि गेल।

33 तखन सुगर चराबऽ वला सभ भागल आ ई सभ समाचार नगर मे जा कऽ सुनाबऽ लागल। ओहि दूनू दुष्टात्मा लागल व्यक्ति कैँ की भेलैक, सेहो सुनौलकैक। [34]एहि पर नगरक सभ लोक यीशु सँ भैँट करबाक लेल नगर सँ बाहर आबि गेल। यीशु कैँ देखि ओ सभ हुनका सँ विनती करऽ लगलनि जे, “अहाँ हमरा सभक इलाका सँ चल जाउ।”

लकवा मारल आदमी स्वस्थ कयल गेल

(मरकुस 2.1-12; लूका 5.17-26)

9 तखन यीशु नाव मे चढ़ि कऽ झील पार कयलनि आ फेर अपना नगर मे चल अयलाह।

2 किछु लोक सभ एकटा लकवा मारल आदमी कैँ खाट पर लदने यीशु लग अनलकनि। यीशु ओकरा सभक विश्वास देखि लकवा मारल आदमी कैँ कहलथिन, “हौ बेटा, साहस राखह, तोहर पाप माफ भेलह।” [3]ई सुनि किछु धर्मशिक्षक सभ अपना मोन मे सोचऽ लगलाह, “ई व्यक्ति तँ अपना कैँ परमेश्वरक तुल्य बुझि हुनकर निन्दा करैत अछि!” [4]यीशु हुनकर सभक मोनक बात जानि कहलथिन, “अहाँ सभ अपना मोन मे अधलाह बात किएक सोचैत छी? [5]आसान की अछि—ई कहब जे, ‘तोहर पाप क्षमा भेलह’, वा ई कहब जे, ‘उठि कऽ चलह-फिरह’? [6]मुदा जाहि सँ अहाँ सभ ई बात बुझि जाइ जे मनुष्य-पुत्र कैँ पृथ्वी पर पाप माफ करबाक अधिकार छनि, हम एकरा कहैत छी...” तखन ओ लकवाक रोगी कैँ कहलथिन, “उठह, अपन खाट उठाबह आ घर चल जाह!” [7]ओ उठल आ घर चल गेल। [8]लोक सभ ई देखि भयभीत भेल आ एहि लेल परमेश्वरक प्रशंसा करऽ लागल जे ओ मनुष्य कैँ एहन अधिकार देने छथिन।

मत्ती बजाओल गेलाह

(मरकुस 2.13-17; लूका 5.27-32)

9 ओहिठाम सँ आगाँ बढ़ला पर यीशु मत्ती नामक एक आदमी कैँ कर असूल करऽ वला स्थान मे बैसल देखलथिन। यीशु हुनका कहलथिन, “हमरा पाछाँ आउ।” ओ उठि कऽ यीशुक संग चलऽ लगलथिन।

10 जखन यीशु मत्तीक घर मे भोजन करबाक लेल बैसलाह तँ बहुतो कर असूल कयनिहार आ “पापी” सभ आबि हुनका और हुनकर शिष्य सभक संग भोजन करबाक लेल बैसल। [11]ई देखि फरिसी सभ यीशुक शिष्य सभ कैँ कहलथिन, “अहाँ सभक गुरु कर असूल कयनिहार और पापी सभक संग किएक खाइत-पिबैत छथि?”

12 यीशु हुनकर सभक बात सुनि कहलथिन, “वैद्यक आवश्यकता स्वस्थ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक केँ नहि होइत छैक, बल्कि बिमार
सभ केँ! 13 अहाँ सभ जा कऽ प्रभुक कहल
एहि वचनक अर्थ सिखू जे,

‘अहाँ सभक द्वारा अर्पित चढ़ौना वा
बलि-प्रदान हम नहि चाहैत छी,
बल्कि अहाँ सभ दयालु बनू, से।’*

हम धार्मिक सभ केँ नहि, बल्कि पापी
सभ केँ बजयबाक लेल आयल छी।”

पुरान सँ नवक मिलान नहि

(मरकुस 2.18-22; लूका 5.33-39)

14 बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक शिष्य
सभ यीशु लग आबि कऽ पुछलथिन, “की
कारण अछि जे हम सभ आ फरिसी सभ तँ
उपास करैत रहैत छी, मुदा अहाँक शिष्य
सभ उपास नहि करैत छथि?”

15 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
“जाबत तक वरियातीक संग वर अछि
ताबत तक की वरियाती शोक मनाओत?
नहि! मुदा ओ समय आओत जहिया वर
ओकरा सभक बीच सँ हटा लेल जायत।
ओ सभ तहियें उपास करत। 16 केओ
पुरान कपड़ा पर नयाँ कपड़ाक चेफरी
नहि लगबैत अछि, कारण, ओ चेफरी
घोकचि कऽ पुरान कपड़ा केँ खिचत
और ओ कपड़ा पहिनहु सँ बेसी फाटि
जायत। 17 एहि तरहेँ लोक नव दारू
पुरान चमड़ाक थैली मे नहि रखैत अछि।
कारण, एना जँ करत तँ चमड़ाक थैली
फाटि जयतैक; दारू बहि जयतैक, आ
थैलिओ नष्ट भऽ जयतैक। नहि! नव
दारू नये थैली मे राखल जाइत अछि।
एहि तरहेँ दारू आ थैली दूनू सुरक्षित
रहैत अछि।”

मरल बच्ची आ दुखिताहि स्त्री

(मरकुस 5.21-43; लूका 8.40-56)

18 यीशु हुनका सभ केँ ई बात सभ
कहिए रहल छलाह कि सभाघरक एक
अधिकारी अयलथिन आ हुनका सामने
ठेहुन रोपि कऽ कहलथिन, “हमर बेटी
एखने तुरत मरि गेलि अछि, मुदा तैयो
अपने चलि कऽ अपन हाथ ओकरा पर
राखि देल जाओ—तँ ओ जीबि जायत।”
19 यीशु उठि कऽ अपना शिष्य सभक संग
हुनका पाछाँ विदा भऽ गेलाह।

20 तखने एक स्त्री जकरा बारह वर्ष सँ
खून खसऽ वला बिमारी छलैक, से पाछाँ
सँ आयल आ यीशुक कपड़ाक कोर छुबि
लेलक। 21 ओ अपना मोन मे सोचि रहल
छलि जे, “हम जँ हुनकर कपड़ो केँ छुबि
लेब तँ स्वस्थ भऽ जायब।”

22 यीशु पाछाँ घूमि कऽ ओकरा देखलनि
आ कहलथिन, “बेटी, साहस राखह, तोहर
विश्वास तोरा स्वस्थ कऽ देलकह।” ओ
स्त्री ओही घड़ी स्वस्थ भऽ गेलि।

23 यीशु सभाघरक अधिकारीक
ओहिठाम पहुँचलाह तँ ओतऽ शोक मे
बाँसुरी बजौनिहार सभ आ आरो लोक
सभ केँ हल्ला-गुल्ला करैत देखलथिन।
24 ओ कहलथिन, “हटै जाइ जाउ, बच्ची
मरल नहि अछि; सुतल अछि।” एहि
पर लोक सभ हुनका पर हँसऽ लागल।
25 लोकक भीड़ जखन बाहर कयल गेल
तँ यीशु घरक भीतर गेलाह। ओ बच्चीक
हाथ पकड़ि कऽ उठौलथिन और बच्ची
उठि बैसलि। 26 ई समाचार ओहि प्रान्तक
कोना-कोना मे पसरि गेल।

9:13 होशे 6.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दू आन्हर व्यक्ति कैँ आँखिक इजोत

27 यीशु ओतऽ सँ आगाँ बढ़लाह तँ दू आन्हर व्यक्ति एहि तरहेँ सोर पारैत हुनका पाछाँ-पाछाँ चलऽ लगलनि जे, “यौ दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर दया करू!” 28 यीशु जखन घर मे गेलाह तँ ओ आन्हर व्यक्ति सभ हुनका लग अयलनि। यीशु ओकरा सभ सँ पुछलथिन, “की तोरा सभ कैँ विश्वास छह जे हम ई काज कऽ सकैत छी?” ओ सभ कहलकनि, “हँ, प्रभु।” 29 तखन यीशु ओकर सभक आँखि कैँ छुबैत कहलथिन, “जेहन तोहर सभक विश्वास छह तहिना तोरा सभक लेल होअह।” 30 एतबा कहैत देरी ओकर सभक आँखि ठीक भऽ गेलैक। यीशु ओकरा सभ कैँ चेतावनी देलथिन जे, “सुनह, ई बात ककरो नहि कहिअहक।” 31 मुदा ओ सभ घर सँ निकलि कऽ सम्पूर्ण जिला मे हुनकर कीर्ति सुना देलकनि।

बौक बाजऽ लागल

32 ओ दूनू व्यक्ति कैँ घर सँ निकलिते किछु लोक दुष्टात्मा सँ ग्रसित एक बौक आदमी कैँ यीशु लग अनलकनि। 33 दुष्टात्मा कैँ ओकरा मे सँ निकालि देल गेलाक बाद ओ बौक आदमी बाजऽ लागल। ई देखि भीड़क लोक सभ आश्चर्यित भऽ कहऽ लागल जे, “इस्राएल मे एहन बात कहियो नहि भेल छल।” 34 मुदा फरिसी सभ कहऽ लगलाह जे, “ई दुष्टात्मा सभक मुखियाक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ कैँ निकालैत अछि।”

लोक सभ पर यीशुक दया

35 यीशु नगर-नगर, गाम-गाम घुमऽ लगलाह। ओ यहूदी सभक सभाघर सभ मे उपदेश दैत छलाह, परमेश्वरक राज्यक शुभ समाचार सुनबैत छलाह आ लोक सभ कैँ सभ तरहक कष्ट-बिमारी सँ मुक्त करैत छलाह। 36 लोकक भीड़ कैँ देखि कऽ हुनका दया होइत छलनि, कारण ओ सभ पीड़ित आ असहाय छल—ओहि भेँड़ी सभ जकाँ जकर केओ चरबाह नहि होइक। 37 तखन ओ अपना शिष्य सभ कैँ कहलथिन, “पाकल फसिल तँ बहुत अछि, मुदा काटऽ वला मजदूर कम अछि। 38 तेँ खेतक मालिक सँ प्रार्थना करिऔन जे ओ अपना खेत मे आरो मजदूर पठबथि।”

शिष्य सभ सेवा-काजक लेल पठाओल गेलाह

(मरकुस 3.13-19; 6.7-13; लूका 6.12-16; 9.1-6)

10 तखन यीशु अपन बारहो शिष्य कैँ बजा कऽ दुष्टात्मा* सभ कैँ निकालबाक और सभ तरहक रोग-बिमारी कैँ ठीक करबाक अधिकार देलथिन।

2 एहि बारह मसीह-दूतक नाम एहि तरहेँ अछि—पहिल सिमोन, जिनकर पत्रुस नाम सेहो छनि, और हुनकर भाय अन्द्रेयास; जबदीक बेटा याकूब आ हुनकर भाय यूहन्ना; 3 फिलिपुस और बरतुल्मै;

10:1 मूल मे, “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

थोमा आ कर असूल कयनिहार मत्ती;
अल्फेयासक बेटा याकूब आ तद्दै; 4“देश-
भक्त”* सिमोन आ यहूदा इस्करियोती
जे बाद मे यीशुक संग विश्वासघात
कयलकनि।

5 एहि बारह गोटे केँ यीशु ई आज्ञा दऽ
कऽ पठौलथिन जे, “गैर-यहूदी सभक
बीच नहि जाउ आ सामरी सभक कोनो
नगर मे प्रवेश नहि करू, 6बल्कि इस्राएल
वंशक हेरायल भेँड़ा सभ लग जाउ।

7 “जाइत-जाइत ई प्रचार करैत जाउ
जे, ‘स्वर्गक राज्य लग आबि गेल अछि।’
8रोगी सभ केँ स्वस्थ करू, मुइल सभ केँ
जिआउ, कुष्ठ-रोगी सभ केँ शुद्ध करू,
लोक सभ मे सँ दुष्टात्मा सभ केँ निकालू।
अहाँ सभ केँ जे किछु भेटल अछि से
अहाँ सभ बिना मूल्य पौलहुँ, तँ अहूँ सभ
बिना मूल्य दिअ। 9अपना बटुआ मे सोन,
चानी वा तामक पाइ-कौड़ी किछु नहि
राखू। 10बाटक लेल ने झोरी-झण्टा, ने
दोसर अंगा, ने चप्पल आ ने लाठी, किछु
नहि संग लिअ; कारण, मजदूर केँ भोजन
पयबाक अधिकार छैक। 11जाहि कोनो
नगर वा गाम मे जायब, तँ एहन लोकक
पता लगाउ जे शुभ समाचार सुनबाक
लेल तैयार होअय, आ ताबत धरि ओही
व्यक्तिक ओतऽ रहू जाबत धरि ओहि
गाम सँ विदा नहि भऽ जायब। 12घर
मे पहुँचि कऽ सभ सँ पहिने शान्तिक
आशीर्वाद दिअ। 13ओ घर जँ योग्य
होअय तँ अपन शान्ति ओकरा पर रहऽ
दिऔक, और जँ योग्य नहि होअय तँ
अपन शान्ति घुमा लिअ। 14जँ केओ अहाँ
सभक स्वागत नहि करय आ अहाँ सभ जे
कहऽ चाहैत छी, से नहि सुनय, तँ ओहि
घर वा ओहि नगर सँ बहरयबा काल मे
अपन पयरक गर्दा झाड़ि लेब। 15हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, न्यायक दिन
ओहि नगरक दशा सँ सदोम आ गमोरा
नगरक दशा सहबा जोगरक रहतैक।

आबऽ वला कष्ट

(मरकुस 13.9-13; लूका 21.12-17)

16 “देखू, हम अहाँ सभ केँ भेँड़ी जकाँ
जंगली जानबर सभक बीच मे पठा रहल
छी, तेँ अहाँ सभ साँप जकाँ होसियार आ
परबा जकाँ निष्कपट बनू।

17 “लोक सभ सँ सावधान रहू। कारण,
ओ सभ अहाँ सभ केँ पकड़ि कऽ पंचायत
मे पंच सभक समक्ष लऽ जायत आ अपना
सभाघर सभ मे अहाँ सभ केँ कोड़ा सँ
पिटबाओत। 18हमरा कारणेँ राज्यपाल
आ राजा सभक समक्ष अहाँ सभ केँ ठाढ़
कयल जायत और अहाँ सभ हुनका सभक
सामने आ गैर-यहूदी सभक सामने हमरा
बारे मे गवाही देब। 19मुदा जखन ओ
सभ अहाँ सभ केँ पकड़बाओत तँ अहाँ
सभ चिन्ता नहि करू जे हम सभ कोना
बाजब वा की बाजब। जे किछु अहाँ सभ
केँ बजबाक होयत, से ओही क्षण अहाँ
सभ केँ मोन मे दऽ देल जायत; 20कारण,
बाजऽ वला अहाँ सभ नहि, बल्कि अहाँ
सभक पिता-परमेश्वरक आत्मा होयताह।
ओ अहाँ सभक द्वारा बजताह।

21 “भाय भाय केँ, बाबू अपना बेटा केँ
मृत्युदण्डक लेल पकड़बाओत, आ बेटा-

10:4 मूल मे “कनानाइयस”, जे इब्रानी भाषा मे यूनानी भाषाक “जेलोतेस”क बराबरि अछि, जकर शाब्दिक अर्थ अछि “उत्साही”, और जे यहूदी राष्ट्रवादी एक दलक नाम छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बेटी अपन माय-बाबूक विरोध मे ठाढ़ भऽ
कऽ मरबाओत।
22 “अहाँ सभ सँ सभ केओ घृणा करत,
एहि लेल जे अहाँ सभ हमर लोक छी।
मुदा जे व्यक्ति अन्त तक अपना विश्‍वास
मे स्थिर रहत से उद्धार पाओत।
23 “जखन लोक सभ अहाँ सभ कैँ
कोनो नगर मे सताबऽ लागत तखन अहाँ
सभ भागि कऽ दोसर नगर चल जाउ। हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी, अहाँ सभ
इस्राएल देशक सभ नगर मे अपन काज
समाप्तो नहि कयने रहब, ताबत मनुष्य-
पुत्र फेर आबि जयताह।
24 “चेला अपना गुरु सँ पैघ नहि होइत
अछि आ ने दास अपना मालिक सँ।
25चेला कैँ अपन गुरुक बराबरि होयब आ
दास कैँ अपन मालिकक बराबरि होयब,
एतबे बहुत अछि। जँ ओ सभ घरक
मालिक कैँ ‘दुष्टात्मा सभक मुखिया’*
कहैत अछि तँ मालिकक परिवारक लोक
कैँ की की नहि कहतैक!

ककरा सँ डेराउ?

(लूका 12.2-7)

26 “एहि लेल ओकरा सभ सँ डेराउ
नहि। एहन किछु नहि अछि जे झाँपल
होअय आ उघारल नहि जायत, वा जे
नुकाओल होअय आ प्रगट नहि कयल
जायत। 27जे किछु हम अहाँ सभ कैँ
अन्हार मे कहैत छी से अहाँ सभ इजोत
मे कहू; जे किछु एकान्ती कऽ कऽ सुनने
छी तकरा छत पर सँ घोषणा करू।
28ओकरा सभ सँ नहि डेराउ जे शरीर कैँ
मारि दैत अछि, मुदा आत्मा कैँ नहि मारि
सकैत अछि, बल्कि तिनका सँ डेराउ जे
आत्मा आ शरीर, दूनू कैँ नरक मे नष्ट कऽ
सकैत छथि। 29बगेड़ी कतेक मे भेटैत
अछि?—एक पाइ मे दूटा! तैयो एकोटा
बगेड़ी सेहो अहाँ सभक पिताक इच्छाक
बिना जमीन पर नहि खसैत अछि। 30अहाँ
सभक माथक एक-एकटा केशो गनल
अछि। 31तैँ अहाँ सभ डेराउ नहि। अहाँ
सभ बहुतो बगेड़ी सँ मूल्यवान छी!

लोकक समक्ष यीशु कैँ अपन प्रभु मानब

(लूका 12.8-9, 51-53; 14.26-27)

32 “जे केओ लोकक समक्ष हमरा
अपन प्रभु मानि लेत, तकरा हमहूँ अपन
स्वर्गीय पिताक समक्ष अपन लोक मानि
लेबैक। 33मुदा जे केओ लोकक समक्ष
हमरा अस्वीकार करत, तकरा हमहूँ
अपन स्वर्गीय पिताक समक्ष अस्वीकार
करबैक।
34 “ई नहि बुझू जे हम पृथ्वी पर मेल-
मिलाप करयबाक लेल आयल छी। नहि!
मेल करयबाक लेल नहि, बल्कि तरुआरि
चलबयबाक लेल हम आयल छी। 35हम
तँ एहि लेल आयल छी जे ‘बेटा कैँ ओकर
बाबूक, बेटी कैँ ओकर मायक, आ पुतोहु
कैँ ओकर सासुक विरोधी बना दिऐक।
36लोकक दुश्मन ओकर अपने घरक
लोक होयतैक।’*
37 “जे केओ हमरा सँ बेसी अपन माय-
बाबू सँ प्रेम करैत अछि, से हमर शिष्य
बनबाक योग्य नहि अछि। जे केओ हमरा
सँ बेसी अपन धिआ-पुता सँ प्रेम करैत
अछि, से हमर शिष्य बनबाक योग्य नहि

10:25 मूल मे, ‘बालजबूल’, जे शैतानक एक नाम अछि **10:36** मीका 7.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। 38आ जे केओ हमरा कारणेँ दुःख
उठयबाक आ प्राणो देबाक लेल तैयार भऽ*
हमरा पाछाँ नहि चलैत अछि, से हमर शिष्य
बनबाक योग्य नहि अछि। 39जे केओ अपन
जीवन सुरक्षित रखैत अछि, से ओकरा
गमाओत, आ जे अपन जीवन हमरा लेल
गमबैत अछि, से ओकरा सुरक्षित राखत।
40 “जे केओ अहाँ सभ केँ स्वीकार
करैत अछि, से हमरा स्वीकार करैत
अछि, आ जे हमरा स्वीकार करैत अछि,
से तिनका स्वीकार करैत छनि जे हमरा
पठौने छथि। 41जे केओ परमेश्वरक
प्रवक्ता केँ एहि लेल स्वागत करत जे
ओ व्यक्ति परमेश्वरक प्रवक्ता छथि, से
प्रवक्ताक प्रतिफल पाओत; आ जे केओ
धार्मिक व्यक्ति केँ एहि लेल स्वागत करत
जे ओ धार्मिक व्यक्ति छथि, से धार्मिकक
प्रतिफल पाओत। 42जे केओ हमरा छोटो
सँ छोट शिष्य सभ मे सँ ककरो एहि लेल
एक लोटा ठण्ढा पानिओ पिआओत जे
ओ हमर शिष्य अछि, हम अहाँ सभ केँ
सत्ये कहैत छी जे, ओ अपना एहि सेवाक
प्रतिफल अवश्य पाओत।”

यूहन्नाक प्रश्न आ यीशुक उत्तर

(लूका 7.18-35)

11 यीशु अपन बारहो शिष्य केँ एहि
तरहेँ आज्ञा सभ दऽ कऽ ओतऽ
सँ चल गेलाह आ लग-पासक नगर सभ
मे शिक्षा देबऽ लगलाह आ शुभ समाचार
सुनाबऽ लगलाह।
2 जखन बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
जहल मे मसीहक काजक चर्चा सुनलनि
तँ ओ अपन शिष्य सभ केँ यीशु लग ई
पुछबाक लेल पठौलथिन जे, 3“ओ जे
आबऽ वला छलाह, से की अहीं छी वा
हम सभ दोसराक बाट ताकू?”
4 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
“जे किछु अहाँ सभ सुनैत छी आ देखैत
छी, से सभ बात यूहन्ना केँ जा कऽ सुना
दिऔन— 5आन्हर सभ देखि रहल अछि,
नाङड़ सभ चलि-फिरि रहल अछि, कुष्ठ-
रोगी सभ स्वस्थ कयल जा रहल अछि,
बहीर सभ सुनि रहल अछि, मुइल सभ
जिआओल जा रहल अछि आ असहाय
सभ केँ शुभ समाचार सुनाओल जा रहल
छैक। 6धन्य अछि ओ जे हमरा कारणेँ
अपना विश्वास केँ नहि छोड़ैत अछि।”
7 यूहन्नाक शिष्य सभ जखन घूमि कऽ
जा रहल छलाह तँ यीशु यूहन्नाक बारे मे
भीड़क संग बात करैत पुछलथिन, “अहाँ
सभ निर्जन क्षेत्र मे की देखबाक लेल
गेल छलहुँ? हवा मे हिलैत खड़ही केँ?
8तखन की देखऽ लेल निकलल छलहुँ?
बढ़ियाँ-बढ़ियाँ वस्त्र पहिरने कोनो मनुष्य
केँ? बढ़ियाँ वस्त्र पहिरऽ वला सभ तँ
राजभवन मे भेटैत अछि। 9तखन फेर,
अहाँ सभ की देखबाक लेल गेल छलहुँ?
की परमेश्वरक प्रवक्ता केँ? हँ, हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी जे प्रवक्तो सँ पैघ
व्यक्ति केँ देखलहुँ।
10 “ई वैह दूत छथि जिनका सम्बन्ध मे
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

> प्रभु कहैत छथि,
> ‘देखू, अहाँ सँ पहिने हम अपन दूत
> पठायब,
> जे अहाँक आगाँ-आगाँ अहाँक बाट
> तैयार करत।’*

10:38 अक्षरशः “जे केओ अपन क्रूस उठा कऽ...” **11:10** मला 3.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

11 “हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी जे
मनुष्य सभ मे बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
सँ पैघ केओ कहियो जन्म नहि लेने अछि,
तैयो स्वर्गक राज्य मे जे सभ सँ छोट अछि
से हुनका सँ पैघ अछि। 12यूहन्नाक समय
सँ लऽ कऽ आइ धरि स्वर्गक राज्य जोर-
तोड़ सँ आगाँ बढ़ि रहल अछि; लोक
सभ रेड़म-रेड़ा कऽ कऽ स्वर्गक राज्य
पर अधिकार कऽ रहल अछि। 13किएक
तँ परमेश्वरक सभ प्रवक्ता लोकनिक
लेख आ धर्म-नियम सेहो यूहन्नाक समय
धरि स्वर्गक राज्यक भविष्यवाणी कयने
अछि। 14आ जँ अहाँ सभ ई बात स्वीकार
करबाक लेल तैयार छी, तँ सुनू, यूहन्ना
ओ एलियाह छथि, जे फेर आबऽ वला
छलाह। 15जकरा कान छैक, से सुनओ।

16 “हम एहि पीढ़ीक लोकक तुलना कोन
बात सँ करू? ई सभ तँ चौक-चौराहा पर
खेलनिहार बच्चा सभ जकाँ अछि, जे एक-
दोसर केँ सोर पारि कऽ कहैत अछि जे,

17 ‘हम सभ तँ तोरा सभक लेल बाँसुरी
बजौलिऔ, मुदा तोँ सभ नचलें
नहि।
हम सभ विलाप कयलिऔ, मुदा तोँ
सभ छाती पिटलें नहि।’

18 “यूहन्ना लोक सभ जकाँ खाइत-
पिबैत नहि अयलाह तँ अहाँ सभ कहैत
छी जे, ओकरा मे दुष्टात्मा छैक।
19मनुष्य-पुत्र खाइत-पिबैत आयल तँ
अहाँ सभ कहैत छी जे, ‘यैह देखू, पेटू आ
पिअक्कड़, कर असूल करऽ वला और
पापी सभक संगी!’ मुदा परमेश्वरक
बुद्धि ठीक अछि, से बात ओहि बुद्धिक
काजे सभ सँ प्रमाणित होइत अछि।”

अविश्वासी नगर सभ केँ धिक्कार

(लूका 10.13-15)

20 तकरबाद यीशु ओहि नगर सभ केँ,
जाहि मे ओ सभ सँ बेसी चमत्कार वला
काज सभ कयने छलाह, तकरा सभ केँ
धिक्कारऽ लगलथिन, कारण, ओहि
नगरक निवासी सभ अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन नहि
कयने छल। 21“है खुराजीन नगर, तोरा
धिक्कार छौक! है बेतसैदा नगर, तोरा
धिक्कार छौक! किएक तँ जे चमत्कार
सभ तोरा सभक बीच कयल गेल, से जँ
सूर आ सीदोन नगर मे कयल गेल रहैत
तँ ओ सभ बहुत पहिनहि चट्टी ओढ़ि
छाउर पर बैसि कऽ हृदय-परिवर्तन कऽ
लेने रहैत। 22हम तोरा सभ केँ कहैत
छिऔक जे, न्यायक दिन मे तोरा
सभक अपेक्षा सूर आ सीदोन नगरक
दशा सहबा जोगरक रहतैक। 23आ तोँ,
है कफरनहूम नगर! की तोँ स्वर्ग तक
उठाओल जयबेँ? नहि, तोँ तँ पाताल* मे
खसाओल जयबेँ। कारण, जे चमत्कार
सभ तोरा सभक बीच कयल गेल, से जँ
सदोम नगर मे कयल गेल रहैत तँ ओ
आइ धरि कायम रहैत। 24तैयो हम तोरा
कहैत छिऔक जे न्यायक दिन मे तोहर
दशाक अपेक्षा सदोमक दशा सहबा
जोगरक रहतैक।”

थाकल सभक लेल विश्राम

25 यीशु ओही समय मे कहलनि, “हे
पिता, स्वर्ग आ पृथ्वीक मालिक, हम
अहाँ केँ एहि लेल धन्यवाद दैत छी जे

11:23 मूल मे, “हेडीस”, अर्थात् मरल सभक वास-स्थान

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ ई बात सभ बुद्धिमान और विद्वान
सभ सँ नुका कऽ रखलहुँ, मुदा बच्चा
सभ पर प्रगट कयलहुँ। 26हँ पिता, कारण,
अहाँ केँ एही बात सँ प्रसन्नता भेल।

27 “हमरा पिता द्वारा सभ किछु हमरा
हाथ मे सौंपल गेल अछि। पिता केँ छोड़ि
पुत्र केँ आओर केओ नहि चिन्हैत अछि,
आ तहिना पुत्र केँ छोड़ि पिता केँ आओर
केओ नहि चिन्हैत छनि; हँ, मात्र पुत्र और
जकरा सभ पर पुत्र हुनका प्रगट करऽ
चाहय, से चिन्हैत छनि।

28 “हे थाकल आ बोझ सँ पिचायल
लोक सभ, हमरा लग आउ। हम अहाँ सभ
केँ विश्राम देब। 29हमर जुआ अपना उपर
उठा लिअ आ हमरा सँ सिखू, किएक तँ
हम स्वभाव सँ नम्र आ दयालु छी। अहाँ
सभ अपना आत्माक लेल विश्राम पायब।
30कारण, हमर जुआ आसान अछि आ
हमर भार हल्लुक।”

यीशु—विश्राम दिनक मालिक

(मरकुस 2.23-28; 3.1-6; लूका 6.1-11)

12 करीब ओही समय मे यीशु
विश्राम-दिन कऽ अपन शिष्य
सभक संग खेत दऽ कऽ जा रहल छलाह।
हुनका शिष्य सभ केँ भूख लगलनि तँ ओ
सभ अन्नक बालि तोड़ि-तोड़ि कऽ खाय
लगलाह। 2ई देखि फरिसी सभ यीशु केँ
कहलथिन, “देखू, अहाँक शिष्य सभ ओ
काज कऽ रहल अछि जे विश्राम-दिन मे
करब धर्म-नियमक अनुसार मना अछि।”

3 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
“की अहाँ सभ नहि पढ़ने छी जे दाऊद आ
हुनकर संगी सभ जखन भुखायल छलाह
तँ ओ की कयलनि? 4ओ परमेश्वरक
भवन मे प्रवेश कयलनि आ अपना संगी
सभक संग परमेश्वर केँ चढ़ाओल रोटी
खयलनि, जकरा खायब हुनका सभक
लेल मना छल, कारण खयबाक अधिकार
मात्र पुरोहिते केँ छलनि। 5अथवा की
अहाँ सभ धर्म-नियम मे नहि पढ़ने छी
जे पुरोहित मन्दिर मे विश्राम-दिन कऽ
मन्दिरक काज सभ कऽ कऽ विश्राम-
दिनक आज्ञा केँ तोड़ैत छथि आ तैयो
निर्दोष रहैत छथि? 6हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे एतऽ केओ एहन अछि*
जे मन्दिरो सँ पैघ अछि। 7की अहाँ सभ
धर्मशास्त्र मे लिखल परमेश्वरक बात नहि
बुझैत छी जतऽ कहैत छथि जे, ‘हम अहाँ
सभक द्वारा अर्पित चढ़ौना वा बलि-प्रदान
नहि चाहैत छी, बल्कि अहाँ सभ दयालु
बनू, से चाहैत छी।’*? ई जँ बुझितहुँ
तँ निर्दोष केँ दोषी नहि कहने रहितहुँ।
8किएक तँ मनुष्य-पुत्र विश्रामो-दिनक
मालिक छथि।”

9 ओतऽ सँ आगाँ बढ़ि यीशु हुनका
सभक सभाघर मे गेलाह। 10ओहिठाम
एक व्यक्ति छल, जकर एकटा हाथ
सुखायल छलैक। फरिसी सभ यीशु पर
दोष लगयबाक उद्देश्य राखि हुनका
सँ प्रश्न कयलनि जे, “की विश्राम-दिन
मे रोगी केँ स्वस्थ करब धर्म-नियमक
अनुसार उचित अछि?” 11यीशु हुनका
सभ केँ उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ मे एहन
के छी, जकरा लग एकटा भेँड़ा होइक
आ ओ विश्राम-दिन कऽ जँ खधिया मे
खसि पड़ैक तँ ओकरा पकड़ि कऽ बाहर
नहि निकालब? 12आ भेँड़ा सँ मनुष्य

12:6 वा, “एतऽ किछु एहन अछि” **12:7** होशे 6.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कतेक मूल्यवान अछि! तेँ विश्राम-दिन
मे भलाइक काज करब उचित अछि।"
[13]तकरबाद यीशु ओहि व्यक्ति केँ
कहलथिन, "अपन हाथ बढ़ाबह।" ओ
हाथ बढ़ौलक आ ओकर हाथ दोसर हाथ
जकाँ एकदम ठीक भऽ गेलैक। [14]एहि पर
फरिसी सभ बाहर चल गेलाह आ यीशु
केँ कोना मारल जाय, तकर षड्यन्त्र रचऽ
लगलाह।

यीशु—परमेश्वर द्वारा चुनल सेवक

15 मुदा यीशु से बात बुझि ओतऽ सँ
चल गेलाह। बहुतो लोक हुनका पाछाँ
भऽ गेलनि आ यीशु सभ रोगी केँ स्वस्थ
कऽ देलथिन। [16]ओ ओकरा सभ केँ
कड़गर आदेश देलथिन जे, "हमरा बारे
मे प्रचार नहि करिहह।" [17]ई एहि लेल
भेल जे परमेश्वरक ई वचन पूर्ण होअय जे
ओ अपन प्रवक्ता यशायाहक माध्यम सँ
कहने छलाह—

[18] "हमर सेवक केँ देखू, जिनका हम
चुनने छी,
हमरा लेल अति प्रिय, जिनका सँ
हमर मोन प्रसन्न अछि।
हम हुनका अपन आत्मा देबनि,
आ ओ सभ जातिक लोकक लेल
न्यायसंगत फैसला सुनौताह।
[19] ने ओ कोनो तरहक विवाद करताह
आ ने चिचिअयताह,
आ ने हुनकर जोर सँ बजबाक
आवाज रस्ता पर ककरो सुनाइ
देतैक।
[20] ओ थुरायल खड़ही केँ नहि तोड़ताह,
आ ने झपलाइत दीप केँ मिझौताह,
जाबत तक न्याय केँ विजयी नहि
कऽ देताह।
[21] पृथ्वीक सभ जातिक लोक हुनके पर
आशा राखत।"*

परमेश्वरक शक्ति सँ वा शैतानक?

(मरकुस 3.20-30; लूका 11.14-23)

22 तखन लोक सभ दुष्टात्मा सँ ग्रसित
एक आदमी केँ, जे आन्हर आ बौक छल,
तकरा यीशु लग अनलकनि। यीशु ओकरा
स्वस्थ कऽ देलथिन और ओ तखने बाजऽ
आ देखऽ लागल। [23]एहि पर ओतऽ जमा
भेल लोकक भीड़ आश्चर्यित भऽ कहऽ
लागल जे, "कतौ ई दाऊदक पुत्र* तँ नहि
छथि?!"

24 मुदा फरिसी सभ जखन लोकक ई
बात सुनलनि तँ ओ सभ कहऽ लगलाह,
"ओ तँ मात्र दुष्टात्मा सभक मुखिया
बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ केँ
निकालैत अछि।"

25 यीशु हुनकर सभक मोनक विचार
जानि कहलथिन, "जाहि राज्य मे फूट
पड़ि जाय से नष्ट भऽ जायत, आ जाहि
नगर वा घर मे फूट भऽ जाय से नहि
टिकत। [26]जँ शैताने शैतान केँ निकालऽ
लागत तँ मतलब भेल जे ओकरा मे फूट
भऽ गेलैक, तखन ओकर राज्य कोना
टिकल रहतैक? [27]ठीक अछि, जँ हम
बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ केँ
निकालैत छी तँ अहाँ सभक लोक ककरा
शक्ति सँ निकालैत अछि? वैह सभ अहाँ
सभक फैसला करत। [28]मुदा जँ हम

12:21 यशा 42.1-4 **12:23** "दाऊदक पुत्र"क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे "दाऊद" शब्द केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक आत्माक शक्ति सँ दुष्टात्मा
सभ केँ निकालैत छी तँ परमेश्वरक राज्य
अहाँ सभक बीच आबि गेल अछि, से
जानि लिअ।
29 "वा कोनो डकैत, बलगर आदमीक
घर मे पैसि कऽ जाबत तक ओ ओकरा
बान्हि कऽ काबू मे नहि कऽ लेत, की
ताबत तक ओकर सम्पत्ति लुटि कऽ लऽ
जा सकत? बान्हि कऽ काबू मे कयलाक
बादे ओकरा लुटि सकैत अछि।
30 "जे केओ हमरा संग नहि अछि, से
हमरा विरोध मे अछि। आ जे केओ हमरा
संग जमा नहि करैत अछि, से छिड़िअबैत
अछि। 31 तेँ हम अहाँ सभ केँ कहि दैत
छी जे मनुष्यक सभ तरहक पाप आ
निन्दाक बात क्षमा कयल जयतैक मुदा
पवित्र आत्माक विरोध मे कयल निन्दाक
बात क्षमा नहि कयल जयतैक। 32 मनुष्य-
पुत्रक विरोध मे जँ केओ किछु बाजत,
तँ ओकरा क्षमा कयल जयतैक। मुदा जँ
केओ पवित्र आत्माक विरोध मे बाजत,
तँ ओकरा ने एहि युग मे आ ने आबऽ वला
युग मे क्षमा भेटतैक।
33 "कोनो गाछ केँ नीक बुझैत छी तँ
ओकर फल केँ सेहो नीक बुझू, अथवा
ओकरा खराब बुझैत छी तँ ओकर फल
केँ सेहो खराब बुझू, किएक तँ गाछ
अपन फले सँ चिन्हल जाइत अछि।
34 "है साँपक सन्तान सभ, अहाँ सभ
दुष्ट भऽ नीक बात बाजि कोना सकैत
छी? कारण, जे किछु ककरो हृदय मे
भरल अछि, सैह मुँह सँ बहराइत छैक।
35 नीक मनुष्यक मोन मे नीके बातक
भण्डार रहैत छैक आ ओ अपन भण्डार
मे सँ नीक वस्तु सभ बाहर करैत अछि।
अधलाह मनुष्यक मोन मे अधलाहे बातक
भण्डार रहैत छैक आ ओ अपन भण्डार मे
सँ अधलाह वस्तु सभ बाहर करैत अछि।
36 हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, मनुष्य जे
कोनो व्यर्थक बात बाजत, न्यायक दिन
मे ओकरा तकर हिसाब देबऽ पड़तैक,
37 किएक तँ अहाँ अपन कहल बातक
द्वारा निर्दोष और अपन कहल बातक द्वारा
दोषी ठहराओल जायब।"

चमत्कारक माँग

(मरकुस 8.11-12; लूका 11.29-32)

38 एहि पर किछु धर्मशिक्षक आ
फरिसी सभ यीशु केँ कहलथिन, "यौ
गुरुजी, हम सभ अहाँ सँ कोनो चमत्कार
वला चिन्ह देखऽ चाहैत छी।" 39 यीशु
उत्तर देलथिन, "एहि पीढ़ीक लोक सभ
कतेक दुष्ट आ विश्वासघाती अछि जे
चमत्कारपूर्ण चिन्ह मँगैत अछि! मुदा जे
घटना परमेश्वरक प्रवक्ता योनाक संग
भेल छलनि, से चिन्ह छोड़ि एकरा सभ
केँ आओर कोनो चिन्ह नहि देखाओल
जयतैक। 40 जाहि तरहेँ योना तीन दिन आ
तीन राति विशाल माछक पेट मे रहलाह,
तहिना मनुष्य-पुत्र तीन दिन आ तीन राति
पृथ्वीक पेट मे रहत। 41 निनवे नगरक
लोक सभ न्यायक दिन मे एहि पीढ़ीक
लोकक संग ठाढ़ भऽ एकरा सभ केँ दोषी
ठहराओत, किएक तँ निनवे नगरक लोक
सभ योनाक प्रचारक बात सुनि अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन कयलक, आ देखू, एतऽ एखन
केओ एहन अछि* जे योनो सँ महान्

12:41 वा, "एतऽ एखन किछु अछि"। तहिना पद 42 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। 42न्यायक दिन मे दक्षिण देशक
रानी एहि पीढ़ीक लोकक संग ठाढ़ भऽ
एकरा सभ केँ दोषी ठहरौतीह, किएक तँ
ओ सुलेमान राजाक बुद्धिक बात सुनबाक
लेल पृथ्वीक दोसर कात सँ अयलीह, आ
देखू, एतऽ एखन केओ अछि जे सुलेमानो
सँ महान् अछि।

खाली हृदय शैतानक वास

(लूका 11.24-26)

43“दुष्टात्मा* जखन कोनो मनुष्य मे
सँ बहरा जाइत अछि तँ ओ निर्जन-स्थान
मे आराम करबाक स्थानक खोज मे
घुमैत रहैत अछि, मुदा ओकरा भेटैत नहि
छैक। 44तखन ओ कहैत अछि जे, ‘हम
अपन पहिलुके घर मे, जतऽ सँ बहरा कऽ
आयल छलहुँ, ततहि फेर जायब।’ तँ ओ
जखन ओहिठाम पहुँचैत अछि तँ देखैत
अछि जे ओहि घर मे केओ नहि अछि,
घर झाड़ल-बहारल अछि, आ सभ वस्तु
ढंग सँ राखल अछि। 45तखन ओ जा कऽ
अपनो सँ दुष्टाह सातटा आरो दुष्टात्मा केँ
अपना संग लऽ अनैत अछि आ ओहि घर
मे अपन डेरा खसा लैत अछि। एहि तरहेँ
ओहि मनुष्यक ई दशा पहिलुको दशा सँ
खराब भऽ जाइत छैक। एहि भ्रष्ट पीढ़ीक
लोकक संग सेहो तहिना होयतैक।”

असली सम्बन्ध

(मरकुस 3.31-35; लूका 8.19-21)

46यीशु लोकक भीड़ सँ बात करिते
छलाह कि हुनकर माय आ भाय सभ
ओतऽ पहुँचलाह आ हुनका सँ गप्प
करबाक लेल बाहर ठाढ़ रहलाह।
47केओ यीशु केँ कहलकनि जे, “देखू,
अहाँक माय आ भाय सभ बाहर ठाढ़
छथि आ अहाँ सँ बात करऽ चाहैत
छथि।” 48यीशु ओकरा उत्तर देलथिन,
“के छथि हमर माय? के सभ छथि हमर
भाय?” 49तखन अपना शिष्य सभक दिस
हाथ सँ इसारा करैत कहलनि, “देखू, यैह
सभ हमर माय आ हमर भाय सभ छथि।
50जे केओ हमर पिता, जे स्वर्ग मे छथि,
तिनकर इच्छाक अनुसार चलैत छथि,
वैह हमर भाय, हमर बहिन, हमर माय
छथि।”

बीया बाउग करऽ वला किसानक दृष्टान्त

(मरकुस 4.1-9; लूका 8.4-8)

13 ओही दिन यीशु घर सँ बहरा
कऽ झीलक कछेर पर जा कऽ
बैसलाह। 2हुनका लग लोकक एतेक
विशाल भीड़ आबि कऽ जमा भऽ गेल
जे ओ नाव पर चढ़ि कऽ बैसलाह आ
लोकक भीड़ झीलक कछेर पर ठाढ़
रहल। 3यीशु विभिन्न तरहक दृष्टान्त
सभक द्वारा लोक सभ केँ बहुतो बात सभ
कहलथिन।

ओ कहलथिन, “एक किसान बीया
बाउग करबाक लेल गेल। 4बीया बाउग
करैत काल किछु बीया रस्ताक कात मे
खसल आ चिड़ै सभ आबि ओकरा खा
लेलकैक। 5किछु बीया पथराह जमीन
पर खसल जतऽ बेसी माटि नहि होयबाक
कारणेँ ओ जल्दी जनमि गेल। 6मुदा रौद
लगिते ओ झरकि गेल आ जड़ि नहि
पकड़ि सकबाक कारणेँ सुखा गेल। 7फेर

12:43 मूल मे, “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दोसर बीया काँट-कुशक बीच मे खसल
मुदा काँट-कुश बढ़ि कऽ ओकरा दबा
देलकैक। 8किछु बीया नीक जमीन पर
पड़ल आ फड़ल-फुलायल, कोनो सय
गुना फसिल देलक, कोनो साठि गुना आ
कोनो तीस गुना। 9जकरा कान होइक, से
सुनओ।”

दृष्टान्त देबाक कारण

(मरकुस 4.10-12; लूका 8.9-10)

10 यीशुक शिष्य सभ हुनका लग आबि
कऽ पुछलथिन, “अहाँ लोक सभ सँ
दृष्टान्त सभ मे किएक बात करैत छी?”
11यीशु उत्तर देलथिन, “स्वर्गक राज्य जे
अछि तकर रहस्यक ज्ञान तँ अहाँ सभ
केँ देल गेल अछि, मुदा एकरा सभ केँ
नहि देल गेल छैक। 12तेँ जकरा छैक
तकरा आओर देल जयतैक आ ओकरा
लग बहुते भऽ जयतैक। मुदा जकरा नहि
छैक तकरा सँ जेहो छैक सेहो लऽ लेल
जयतैक। 13हम एकरा सभ सँ दृष्टान्त
सभ मे एहि लेल बात करैत छी जे,

‘ई सभ तकितो देखैत नहि अछि;
आ सुनितो ने सुनैत अछि आ ने
बुझैत अछि।’

14एकरा सभ मे यशायाहक ई भविष्यवाणी
पूरा होइत अछि जे,

‘तोँ सभ सुनैत तँ रहबह मुदा बुझबह
नहि,
तोँ सभ देखैत तँ रहबह मुदा देखाइ
देतह नहि।’
15 ‘कारण, एहि लोक सभक मोन मे
ठेला पड़ि गेल छैक,
ई सभ कान सँ उच्च सुनैत अछि,
ई सभ अपन आँखि मुनि लेने अछि,
जाहि सँ कतौ एना नहि होअय जे
आँखि सँ देखय,
कान सँ सुनय,
मोन सँ बुझय,
आ घूमि कऽ हमरा लग आबय,
आ हम ओकरा सभ केँ स्वस्थ कऽ
दिऐक।’*

16 “मुदा धन्य छी अहाँ सभ जे आँखि
सँ देखैत छी आ कान सँ सुनैत छी।
17हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे,
अपना समय मे परमेश्वरक एहन बहुतो
प्रवक्ता आ धार्मिक लोक सभ रहथि
जे सभ चाहलनि जे, जाहि बात सभ केँ
अहाँ सभ देखि रहल छी, तकरा देखी,
मुदा नहि देखलनि; और जाहि बात सभ
केँ अहाँ सभ सुनि रहल छी, से सुनी, मुदा
नहि सुनलनि।

दृष्टान्तक अर्थ

(मरकुस 4.13-20; लूका 8.11-15)

18 “आब अहाँ सभ बाउग कयनिहार
वला दृष्टान्तक अर्थ सुनू। 19जखन
केओ परमेश्वरक राज्यक शुभ समाचार
सुनैत अछि मुदा बुझैत नहि अछि, तखन
शैतान आबि कऽ जे किछु ओकरा हृदय मे
बाउग कयल गेल रहैत अछि से ओकरा
सँ छिनि कऽ लऽ लैत अछि। ई वैह बीया
भेल जे रस्ताक कात मे बाउग कयल गेल
छल। 20पथराह जमीन पर बाउग कयल
बीया ओ व्यक्ति भेल जे परमेश्वरक शुभ
समाचार सुनि कऽ तुरत आनन्दपूर्बक
ओकरा ग्रहण कऽ लैत अछि, 21मुदा ओ
वचन ओकरा मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक

13:15 यशा 6.9, 10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ ओ कनेके काल स्थिर रहैत अछि।
जखन शुभ समाचारक कारणेँ ओकरा
कष्ट सहऽ पड़ैत छैक वा ओकरा संग
अत्याचार होमऽ लगैत छैक तँ ओ तुरत
विश्वास केँ छोड़ि दैत अछि। [22]काँट-
कुशक बीच खसल बीया ओ मनुष्य
भेल जे शुभ समाचार केँ सुनैत अछि मुदा
सांसारिक चिन्ता आ धन-सम्पत्तिक मोह-
माया ओहि शुभ समाचार केँ दबा दैत
छैक और ओ वचन ओकरा जीवन मे
कोनो फल नहि दैत अछि। [23]नीक जमीन
मे बाउग कयल बीया ओ सभ अछि जे
सभ शुभ समाचार सुनैत अछि और बुझैत
अछि। ओ फड़ि-फुला कऽ फसिल दैत
अछि, केओ सय गुना, केओ साठि गुना
आ केओ तीस गुना।"

जंगली बीयाक दृष्टान्त

24 यीशु लोक सभक समक्ष दोसर
दृष्टान्त रखलनि जे, "स्वर्गक राज्यक
तुलना ओहि मनुष्य सँ कयल जा सकैत
अछि जे अपना खेत मे नीक बीया बाउग
कयलनि। [25]मुदा जखन सभ केओ सुति
रहल छल तखन हुनकर दुश्मन अयलनि
आ ओहि बाउग कयल गहुमक खेत
मे जंगली बीया बाउग कऽ चल गेल।
[26]जखन बाउग कयल गहुमक बीया
जनमल आ ओहि मे बालि निकलल तखन
जंगलिआ घास सेहो देखाइ देलक। [27]ई
देखि नोकर सभ मालिक केँ कहलकनि,
'मालिक, की अपने अपना खेत मे बढ़ियाँ
बीया बाउग नहि कयने छलहुँ? तँ एहि
मे जंगलिआ घास कतऽ सँ आबि गेल?'
[28]मालिक कहलथिन, 'ई कोनो दुश्मनक
काज अछि!' नोकर सभ कहलकनि,
'तँ की, ओकरा उखाड़ि दिऐक?' [29]ओ
कहलथिन, 'नहि। कतौ एना नहि भऽ
जाओ जे जंगलिआ घास उखाड़ैत काल
तोँ सभ गहुमोक गाछ सभ केँ उखाड़ि
दहक। [30]गहुम कटयबाक समय तक
दूनू केँ संग-संग बढ़ऽ दहक। कटनी
करयबाक समय मे हम कटनिहार सभ केँ
कहबैक जे, पहिने जंगलिआ घासक गाछ
सभ केँ जमा कऽ कऽ जरयबाक लेल
बोझ बान्हि लैह, तखन गहुम केँ हमरा
बखारी मे जमा करह।' "

सरिसोक दानाक दृष्टान्त

(मरकुस 4.30-32; लूका 13.18-19)

31 यीशु लोक सभ केँ एक आओर
दृष्टान्त दैत कहलथिन, "स्वर्गक राज्य
सरिसोक दाना जकाँ अछि, जकरा केओ
लेलक आ अपना खेत मे बाउग कऽ
देलक। [32]दाना सभ मे सरिसोक दाना
सभ सँ छोट होइत अछि मुदा जनमि कऽ
बढ़लाक बाद सभ साग-पात सँ पैघ भऽ
तेहन गाछ भऽ जाइत अछि जे आकाशक
चिड़ै सभ आबि कऽ ओकरा ठाढ़ि-पात मे
अपन खोंता बना लैत अछि।"

रोटी फुलाबऽ वला खमीरक दृष्टान्त

(लूका 13.20-21)

33 यीशु एकटा आओर दृष्टान्त ओकरा
सभ केँ देलथिन—"स्वर्गक राज्य रोटी
फुलाबऽ वला खमीर जकाँ अछि, जकरा
एक स्त्री तीन पसेरी आँटा मे मिला कऽ
सनलक; बाद मे खमीरक शक्ति सँ पूरा
आँटा फुलि गेलैक।"

34 यीशु अपना लग जमा भेल लोकक
भीड़ केँ ई सभ बात दृष्टान्त दऽ-दऽ कऽ
कहलथिन। बिनु दृष्टान्त देने ओ ओकरा
सभ केँ किछु नहि कहलथिन। [35]ओ एहि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल एना बात कयलनि जे परमेश्वरक
प्रवक्ता द्वारा कहल वचन पूरा होअय—

“हम दृष्टान्त सभ दऽ-दऽ कऽ
बाजब,
सृष्टिक आरम्भ सँ जे बात सभ
झाँपल छल से हम कहब।”*

जंगली बीयाक दृष्टान्तक अर्थ

36 तकरबाद यीशु लोकक भीड़ केँ
छोड़ि कऽ घर मे चल अयलाह। शिष्य
सभ हुनका लग आबि कऽ कहलथिन,
“खेत मे बाउग कयल जंगलिआ बीयाक
दृष्टान्त वला बात केँ हमरा सभ केँ
बुझा दिअ।” **37** ओ हुनका सभ केँ उत्तर
देलथिन, “नीक बीया बाउग कयनिहार
छथि मनुष्य-पुत्र। **38** खेत अछि संसार,
आ नीक बीया अछि परमेश्वरक राज्यक
सन्तान सभ। जंगलिआ बीया अछि दुष्ट
शैतानक सन्तान सभ। **39** जंगलिआ बीया
बाउग करऽ वला दुश्मन अछि शैतान।
कटनीक समय अछि संसारक अन्त आ
कटनी कयनिहार सभ छथि स्वर्गदूत सभ।
40 “जाहि तरहेँ जंगलिआ घास केँ
जमा कऽ कऽ आगि मे जराओल जाइत
अछि तहिना संसारक अन्त मे सेहो कयल
जायत। **41** मनुष्य-पुत्र अपना स्वर्गदूत सभ
केँ पठौताह आ ओ सभ हुनका राज्य मे
सँ सभ प्रकारक पाप मे फँसाबऽ वला
बात सभ केँ उखाड़ि कऽ आ कुकर्मी
सभ केँ जमा कऽ कऽ **42** आगिक भट्ठी मे
फेकि देताह, जतऽ लोक कानत आ दाँत
कटकटाओत। **43** तखन धर्मी सभ अपना
पिताक राज्य मे सूर्य जकाँ चमकताह।
जकरा कान होइक, से सुनओ।

गाड़ल धन आ बहुमूल्य मोतीक दृष्टान्त

44 “स्वर्गक राज्य खेत मे गाड़ल धन
जकाँ अछि, जकरा कोनो मनुष्य पौलक
आ फेर माटि सँ झाँपि देलक। ओ एतेक
खुश भेल जे ओ अपन सभ धन-सम्पत्ति
बेचि कऽ ओहि खेत केँ किनि लेलक।
45 “फेर, स्वर्गक राज्य ओहि व्यापारी
सन अछि जे नीक मोतीक खोज मे छल।
46 जखन ओकरा एक बहुत बहुमूल्य मोती
भेटलैक तँ जा कऽ अपन सभ किछु बेचि
देलक आ ओहि मोती केँ किनि लेलक।

महाजालक दृष्टान्त

47 “फेर दोसर दृष्टिएँ स्वर्गक राज्य
ओहि महाजाल सन अछि जे समुद्र मे
खसाओल गेल आ सभ प्रकारक माछ
ओहि मे घेरायल। **48** जखन जाल भरि गेल
तँ लोक सभ ओकरा कछेर पर अनलक
आ बैसि कऽ नीक माछ सभ केँ डाली
मे जमा कयलक मुदा खराब माछ सभ
केँ फेकि देलक। **49** एहि संसारक अन्त
मे सेहो एहिना होयतैक। स्वर्गदूत सभ
आबि कऽ दुष्ट सभ केँ धर्मी सभ सँ
अलग करताह **50** आ आगिक भट्ठी मे
फेकि देताह, जतऽ लोक कानत आ दाँत
कटकटाओत।”
51 तखन यीशु शिष्य सभ सँ
पुछलथिन, “की अहाँ सभ ई बात सभ
बुझलहुँ?” ओ सभ उत्तर देलथिन, “हँ।”
52 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “तेँ
प्रत्येक व्यक्ति जे धर्मशास्त्र केँ बुझैत
अछि आ जे स्वर्गक राज्यक शिष्य बनल

13:35 भजन 78.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि, से ओहि गृहस्थ जकाँ अछि जे
अपन भण्डार घर मे सँ नव आ पुरान
दूनू तरहक किमती वस्तु सभ निकालि
सकैत अछि।”

अपना गाम मे यीशुक निरादर

(मरकुस 6.1-6; लूका 4.16-30)

53 यीशु ई दृष्टान्त सभ देलाक बाद
ओतऽ सँ चल गेलाह। 54ओ अपना गाम
मे आबि कऽ सभाघर मे लोक सभ केँ
उपदेश देबऽ लगलाह। लोक सभ हुनकर
उपदेशक बात सभ सुनि आश्चर्यित भऽ
गेल आ बाजल जे, “एकरा एहि तरहक
बुद्धि आ चमत्कार करबाक सामर्थ्य कतऽ
सँ भेटलैक? 55की ई लकड़ी मिस्तिरीक
बेटा नहि अछि? की एकर मायक नाम
मरियम नहि छैक? आ एकर भाय सभ
याकूब, यूसुफ, सिमोन, आ यहूदा नहि
अछि? 56की एकर बहिन सभ अपना
सभक बीच नहि रहैत अछि? तखन
एकरा ई बात सभ भेटलैक कतऽ सँ?”
57एहि तरहेँ लोक यीशु सँ डाह करऽ
लागल। तखन यीशु ओकरा सभ केँ
कहलथिन, “मात्र अपने गाम आ अपने
घर मे परमेश्वरक प्रवक्ताक अनादर
होइत छैक।” 58और ओकरा सभक
अविश्वासक कारणेँ यीशु ओतऽ बहुत
कम चमत्कार वला काज सभ कयलनि।

यीशुक सम्बन्ध मे हेरोदक अन्दाज

14 ओहि समय मे ओहि प्रदेशक
शासक हेरोद यीशुक काज
सभक चर्चा सुनलनि। 2ओ अपन दरबारी
सभ केँ कहलनि, “ई तँ बपतिस्मा देनिहार
यूहन्ना अछि! ओ मुइल सभ मे सँ जीबि
उठल अछि, आ तेँ चमत्कार करबाक
एहन सामर्थ्य ओकरा मे क्रियाशील
अछि।”

यूहन्नाक मृत्यु वला घटना

(मरकुस 6.14-29; लूका 9.7-9)

3 यूहन्ना हेरोद द्वारा कोना मरबाओल
गेल छलाह से घटना एहि प्रकारेँ
अछि—हेरोद अपन भाय फिलिपुसक स्त्री
हेरोदियासक कारणेँ यूहन्ना केँ पकड़बा
कऽ बन्हबौने छलथिन आ जहल मे राखि
देने छलथिन, 4किएक तँ यूहन्ना हेरोद केँ
बेर-बेर कहने छलथिन जे, “अहाँ भायक
स्त्री केँ राखि कऽ धर्म-नियमक आज्ञाक
उल्लंघन कऽ रहल छी।” 5हेरोद यूहन्ना
केँ मारि देबऽ चाहैत छलाह, मुदा ओ
लोक सभ सँ डेराइत छलाह, किएक तँ
लोक सभ यूहन्ना केँ परमेश्वरक प्रवक्ता
मानैत छलनि।

6 मुदा जखन हेरोदक जन्म-दिन
अयलनि तँ हेरोदियासक बेटी अतिथि
सभक सामने नाँचि कऽ हेरोद केँ ततेक
ने प्रसन्न कऽ देलकनि 7जे ओ सपत
खाइत ओकरा वचन देलथिन जे, “तोँ
जे किछु हमरा सँ मँगबह, से हम तोरा
देबह।” 8बच्चीक माय ओकरा सिखा-
पढ़ा कऽ कहबौलकैक जे, “हमरा
बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक मूड़ी एखने
थारी मे अनबा दिअ।” 9ई सुनि राजा
उदास भऽ गेलाह, मुदा तैयो अपन सपत
आ उपस्थित आमन्त्रित सभक कारणेँ
ओ आज्ञा देलनि जे ओकर माँग पूरा
कयल जाय। 10ओ सिपाही केँ पठा कऽ
जहल मे यूहन्नाक मूड़ी कटबा देलथिन।
11यूहन्नाक मूड़ी एकटा थारी मे आनल
गेल आ बच्ची केँ दऽ देल गेलैक। ओ लऽ
कऽ चलि गेल और अपना माय केँ दऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देलकैक। [12]यूहन्नाक शिष्य सभ अयलाह
आ अपन गुरुक लास लऽ जा कऽ कबर
मे राखि देलथिन। तकरबाद जा कऽ ई
समाचार यीशु कैँ सुनौलथिन।

पाँचटा रोटी आ पाँच हजार आदमीक भोजन

(मरकुस 6.30-44; लूका 9.10-17; यूहन्ना 6.1-14)

13 यीशु ई समाचार सुनि एकटा नाव
पर बैसि कऽ चुप-चाप कोनो एकान्त
स्थानक लेल विदा भऽ गेलाह। लोक सभ
जखन ई बात बुझलक तँ नगर-नगर सँ
बहुतो लोक पैदले हुनका पाछाँ विदा भऽ
गेल। [14]यीशु जखन नाव सँ उतरलाह आ
लोकक बड़का भीड़ कैँ जमा देखलनि तँ
हुनका ओहि लोक सभ पर दया आबि
गेलनि और ओकरा सभ मे जे रोगी-बिमार
सभ छलैक तकरा सभ कैँ ओ स्वस्थ कऽ
देलथिन।

15 जखन साँझ पड़ऽ लागल तँ यीशुक
शिष्य सभ हुनका लग आबि कहलथिन,
“ई जगह बस्ती सँ दूर अछि आ साँझ
पड़ऽ वला अछि, तेँ एकरा सभ कैँ विदा
कऽ दिऔक जाहि सँ ई सभ लग-पासक
गाम सभ मे जा कऽ अपना लेल किछु
खयबाक वस्तु किनि सकत।” [16]मुदा यीशु
शिष्य सभ कैँ उत्तर देलथिन, “एकरा सभ
कैँ एतऽ सँ पठयबाक कोनो आवश्यकता
नहि अछि। अहीं सभ एकरा सभ कैँ भोजन
करबिऔक।” [17]शिष्य सभ कहलथिन,
“हमरा सभ लग, बस, पाँचेटा रोटी आ
दुइएटा माछ अछि।” [18]यीशु कहलथिन,
“ओ सभ हमरा लग आनू।” [19]तकरबाद
ओ लोक सभ कैँ घास पर बैसि जयबाक
आज्ञा देलथिन। ओहि पाँचटा रोटी आ दूटा
माछ कैँ ओ हाथ मे लेलनि और स्वर्ग दिस
तकैत परमेश्वर कैँ धन्यवाद देलनि। तखन
ओ रोटी कैँ तोड़ि-तोड़ि कऽ शिष्य सभ कैँ
देलथिन आ शिष्य सभ लोक सभ मे परसि
देलनि। [20]सभ केओ भरि इच्छा भोजन
कयलक और शिष्य सभ जखन उबरल
टुकड़ा सभ बिछलनि तँ ओ बारह पथिया
भेल। [21]भोजन करऽ वला मे स्त्रीगण
आ बच्चा सभ कैँ छोड़ि पुरुषक संख्या
लगभग पाँच हजार छल।

झीलक पानि पर यीशु चललाह

(मरकुस 6.45-52; यूहन्ना 6.15-21)

22 तकरबाद यीशु अपना शिष्य सभ कैँ
तुरत नाव पर चढ़ि कऽ अपना सँ पहिने
झीलक ओहि पार चल जयबाक लेल
आज्ञा देलथिन आ अपने ओतहि रहि कऽ
भीड़क लोक सभ कैँ विदा करऽ लगलाह।
[23]लोक सभ कैँ विदा कयलाक बाद ओ
एकान्त मे प्रार्थना करऽ लेल पहाड़ पर
चल गेलाह। साँझ पड़ि गेल छल आ ओ
ओतऽ एसगरे छलाह। [24]शिष्य सभ जाहि
नाव पर गेल छलाह से कछेर सँ दूर पहुँचि
लहरि मे डगमग कऽ रहल छल, किएक तँ
हवा विपरीत दिस सँ बहि रहल छलैक।
[25]यीशु रातिक चारिम पहर मे झीलक
पानि पर चलैत शिष्य सभक दिस गेलाह।
[26]मुदा शिष्य सभ हुनका पानि पर चलैत
देखि घबड़ा गेलाह आ कहलनि जे,
“भूत अछि!” और डरक मारे चिचियाय
लगलाह। [27]एहि पर यीशु हुनका सभ
कैँ तुरत कहलथिन, “साहस राखू! हम
छी, नहि डेराउ।” [28]तखन पत्रुस हुनका
कहलथिन, “यौ प्रभु, जँ अहीं छी तँ हमरा
पानि पर चलैत अपना लग अयबाक आज्ञा
दिअ।” [29]यीशु कहलथिन, “आउ।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तखन पत्रुस नाव सँ उतरि कऽ पानि पर
चलैत यीशुक दिस बढ़लाह। 30मुदा जखन
देखलनि जे हवा कतेक जोर सँ बहि रहल
अछि तँ डेरा गेलाह आ डुबऽ लगलाह।
ओ चिचियाइत बजलाह जे, “यौ प्रभु,
हमरा बचाउ!” 31यीशु तुरत हाथ बढ़ा कऽ
हुनका पकड़ि लेलथिन आ कहलथिन,
“अहाँक विश्वास एतेक कम किएक
भऽ गेल! अहाँ सन्देह किएक कयलहुँ?”
32तकरबाद जखन ओ सभ नाव पर चढ़ि
गेलाह तँ हवाक बहनाइ शान्त भऽ गेल।
33जे सभ नाव पर छलाह, से सभ हुनका
पयर पर खसैत कहलथिन, “निश्चय अहाँ
परमेश्वरक पुत्र छी।”

34 झील कैँ पार कऽ कऽ ओ सभ
गन्नेसरत क्षेत्र मे पहुँचलाह। 35ओहि-
ठामक लोक सभ जखन हुनका चिन्हि
लेलकनि तँ अपना लग-पासक इलाका
मे यीशुक पहुँचबाक समाचार पसारि
देलक। लोक सभ अपन सभ रोगी-
बिमार कैँ हुनका लग आनऽ लगलनि
36और हुनका सँ नेहोरा करऽ लगलनि
जे, “एकरा सभ कैँ अहाँ अपन कपड़ाक
खूटो छुबऽ दिऔक।” जे-जे रोगी-बिमार
सभ यीशुक कपड़ा छुबि लेलक से सभ
स्वस्थ भऽ गेल।

पूर्वजक चलन और शुद्धता-अशुद्धताक विषय

(मरकुस 7.1-23)

15 तकरबाद यरूशलेम सँ किछु
फरिसी आओर धर्मशिक्षक
सभ यीशु लग अयलाह आ कहलथिन,
2“अहाँक शिष्य सभ पुरखाक चलन सभ
कैँ किएक तोड़ैत अछि? ओ सभ भोजन
करऽ सँ पहिने विधिवत हाथ नहि धोइत
अछि।” 3यीशु उत्तर देलथिन, “और अहाँ
सभ अपन चलन सभक पालन करबाक
लेल परमेश्वरक आज्ञा कैँ किएक तोड़ैत
छी? 4देखू, परमेश्वर कहने छथि जे,
‘अपन माय-बाबूक आदर करह,’* आ
‘जे केओ अपन माय-बाबूक निन्दा करय
तकरा मृत्युदण्ड देल जाय।’* 5मुदा अहाँ
सभ कहैत छी जे, जँ केओ अपन बाबू
वा माय सँ कहत, ‘हम अहाँ सभ कैँ जे
किछु सहायता कऽ सकैत छलहुँ से हम
परमेश्वर कैँ अर्पण कऽ देने छी,’ 6तँ
ओकरा अपन माय-बाबूक सहायता कऽ
कऽ आदर करबाक कोनो आवश्यकता
नहि छैक। एहि तरहेँ अहाँ सभ अपन चलन
कैँ चलयबाक लेल परमेश्वरक आज्ञा कैँ
निरर्थक ठहरबैत छी। 7हे पाखण्डी सभ!
यशायाह अहाँ सभक सम्बन्ध मे एकदम
ठीक भविष्यवाणी कयलनि जे,

8 ‘ई सभ मुँह सँ हमर आदर करैत अछि,
मुदा एकर सभक हृदय हमरा सँ दूर
छैक।
9 ई सभ बेकार हमर उपासना करैत
अछि।
ई सभ जे शिक्षा दैत अछि, से मात्र
मनुष्यक बनाओल नियम सभ
अछि।’*”

10 यीशु भीड़क लोक कैँ अपना
लग बजा कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ
सुनू आ बुझू। 11जे कोनो वस्तु मुँह मे
जाइत अछि, से मनुष्य कैँ अशुद्ध नहि
करैत अछि, बल्कि जे मुँह सँ बहराइत
अछि से ओकरा अशुद्ध करैत अछि।”

15:4 प्रस्थान 20.12; व्यव 5.16 **15:4** प्रस्थान 21.17; लेवी 20.9 **15:9** यशा 29.13

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

12एहि पर हुनकर शिष्य सभ हुनका
लग आबि कहलथिन, “अहाँ जे
कहलहुँ से फरिसी सभ केँ बड्ड खराब
लगलनि, से अहाँ केँ बुझल अछि?”
13यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
“प्रत्येक गाछ जे हमर स्वर्गीय पिता
नहि लगौने छथि, से जड़ि सँ उखाड़ल
जायत। 14छोड़ू ओकर सभक बात!
ओ सभ तँ अपने आन्हर अछि आ
आन्हर सभ केँ बाट देखबैत अछि।*
आन्हरे जँ आन्हर केँ बाट देखाओत तँ
दूनू अवश्य खधिया मे खसत।”

15 एहि पर पत्रुस कहलथिन, “एहि
दृष्टान्तक अर्थ हमरा सभ केँ बुझा दिअ।”

16 यीशु कहलथिन, “की अहूँ सभ एखन
तक नहि बुझलहुँ? 17की अहाँ सभ नहि
बुझैत छी जे, जे किछु मुँह मे जाइत अछि
से पेट मे जा कऽ देह सँ बाहर भऽ जाइत
अछि? 18मुदा जे बात मुँह सँ बहराइत
अछि से हृदय सँ निकलि कऽ अबैत अछि
आ से मनुष्य केँ अशुद्ध बनबैत अछि।
19कारण, हृदय सँ निकलैत अछि विभिन्न
तरहक गलत विचार, हत्या, परस्त्रीगमन,
अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध, चोरी, झूठ
गवाही, निन्दाक बात, 20आ यैह बात सभ
मनुष्य केँ अशुद्ध करैत अछि, नहि कि बिनु
हाथ धोने भोजन करब, से।”

कनानी जातिक स्त्रीक विश्वास

(मरकुस 7.24-30)

21 ओतऽ सँ आगाँ बढ़ि यीशु सूर
आ सीदोन नगरक इलाका मे गेलाह।
22ओहिठामक एक कनानी स्त्री हुनका
लग आबि चिचियाय लगलनि जे, “हे
प्रभु, दाऊदक पुत्र*, हमरा पर दया करू!
हमरा बेटी केँ दुष्टात्मा लागल छै। ओ
ओकरा बड्ड कष्ट दैत छैक।” 23मुदा
यीशु ओकरा कोनो उत्तर नहि देलथिन।
तखन हुनकर शिष्य सभ हुनका लग
आबि कऽ विनती कयलथिन जे, “एकरा
विदा कऽ दिऔक, ई तँ चिचियाइत-
चिचियाइत अपना सभक पाछाँ लागल
अछि।” 24यीशु कहलथिन, “हम तँ मात्र
इस्राएल वंशक हेरायल भेँड़ा सभक लेल
पठाओल गेल छी।” 25मुदा ओ स्त्री
यीशु लग आबि हुनका पयर पर खसि
पड़लनि आ कहलकनि, “प्रभु, हमरा पर
दया करू!” 26ओ उत्तर देलथिन, “बच्चा
सभक लेल जे रोटी अछि तकरा कुकुरक
आगाँ फेकि देब से ठीक बात नहि।”
27एहि पर स्त्री बाजल, “ठीक कहैत
छी प्रभु, मुदा कुकुरो सभ तँ मालिकक
टेबुल सँ खसल चुर-चार खाइते अछि।”
28तखन यीशु ओकरा कहलथिन, “हे
दाइ, तोहर विश्वास बड्ड पैघ छह!
जहिना तोँ चाहैत छह, तहिना तोरा लेल
होअह।” ओकर बच्ची तखने स्वस्थ भऽ
गेलैक।

यीशु—निराश सभक आशा

29 यीशु ओतऽ सँ विदा भऽ कऽ
गलील झीलक काते-कात चललाह।
तखन एक पहाड़ पर चढ़ि कऽ बैसि
रहलाह। 30झुण्डक-झुण्ड लोक हुनका

15:14 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “ओ सभ तँ एहन बाट-देखौनिहार अछि जे स्वयं आन्हर अछि।” **15:22** “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लग अयलनि। ओ सभ अपना संग लुल्ह, आन्हर, नाङड़, बौक और बहुतो दोसर तरहक बिमार लोक सभ कैँ लऽ कऽ आयल आ यीशुक चरण मे राखि देलकनि। यीशु ओहि सभ बिमार कैँ स्वस्थ कऽ देलथिन।
31जमा भेल लोक सभ जखन देखलक जे बौक सभ बाजि रहल अछि, लुल्ह सभ स्वस्थ भऽ गेल अछि, नाङड़ सभ चलि रहल अछि आ आन्हर सभ देखि रहल अछि तखन ओ सभ आश्चर्यित भऽ इस्राएलक परमेश्वर कैँ स्तुति करऽ लगलनि।

चारि हजार लोकक लेल भोजनक व्यवस्था

(मरकुस 8.1-10)

32 यीशु अपन शिष्य सभ कैँ बजा कऽ कहलथिन, "हमरा एहि लोक सभ पर दया अबैत अछि। ई सभ तीन दिन सँ हमरा संग अछि आ एकरा सभ लग भोजन करबाक लेल किछु नहि छैक। हम एकरा सभ कैँ भूखले घर नहि पठाबऽ चाहैत छी। कतौ एना नहि भऽ जाइक जे ई सभ रस्ते मे भूखक मारे मुर्छित भऽ जाय।"

33 शिष्य सभ कहलथिन, "एहि निर्जन स्थान मे अपना सभ कैँ एतेक भोजनक वस्तु कतऽ सँ भेटत जे अपना सभ एतेकटा भीड़ कैँ भोजन करा सकबैक?"
34यीशु हुनका सभ सँ पुछलथिन, "अहाँ सभ लग कयटा रोटी अछि?" ओ सभ कहलथिन, "सातटा, आ किछु छोटकी माछ।"
35यीशु लोक सभ कैँ जमीन पर बैसि जयबाक लेल आदेश देलथिन।
36तकरबाद यीशु ओ सातो रोटी आ माछ सभ लऽ कऽ परमेश्वर कैँ धन्यवाद देलनि, तखन तोड़ि-तोड़ि कऽ शिष्य सभ कैँ परसबाक लेल देलथिन। शिष्य सभ ओकरा लोक सभ मे बाँटि देलथिन।
37सभ केओ भरि पेट भोजन कयलक। भोजनक बाद शिष्य सभ उबरल टुकड़ा सभ सात टोकरी मे भरि कऽ जमा कयलनि।
38भोजन करऽ वला लोक मे स्त्रीगण आ बच्चा सभ कैँ छोड़ि पुरुषक संख्या चारि हजार छल।
39भोजन करौलाक बाद लोकक भीड़ कैँ विदा कऽ कऽ यीशु नाव पर चढ़ि कऽ मगदन क्षेत्र चल गेलाह।

चमत्कार वला चिन्हक माँग

(मरकुस 8.11-13; लूका 12.54-56)

16 फरिसी आ सदुकी सभ यीशु लग आबि कऽ आग्रह कयलथिन जे, "हमरा सभ कैँ स्वर्ग सँ कोनो चमत्कार वला चिन्ह देखाउ।" ई बात ओ सभ हुनका जाँच करबाक लेल कहलथिन।
2ताहि पर यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, "साँझ पड़ला पर आकाश कैँ लाल देखि अहाँ सभ कहैत छी, 'काल्हिक मौसम नीक रहत,'
3और भोरखन कऽ आकाश कैँ लाल आ झँपौन सन देखि कहैत छी जे, 'आइ अन्हड़-बिहारि आओत।' अहाँ सभ आकाश मे मौसमक लक्षण कैँ चिन्हऽ जनैत छी, मुदा आइ-काल्हिक समय मे अहाँ सभक सामने की भऽ रहल अछि, से कोन बातक लक्षण अछि, तकरा नहि चिन्हैत छी।
4एहि पीढ़ीक लोक सभ कतेक दुष्ट आ विश्वासघाती अछि जे चमत्कार वला चिन्ह मँगैत अछि! मुदा जे घटना परमेश्वरक प्रवक्ता योनाक संग भेल छलनि, से चिन्ह छोड़ि एकरा सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ आओर कोनो चिन्ह नहि देखाओल
जयतैक।" एतेक बात कहि यीशु हुनका
सभ कैँ छोड़ि कऽ आगाँ बढ़ि गेलाह।

शिष्य सभ कैँ होसियार रहबाक आदेश

(मरकुस 8.14-21)

5 यीशुक शिष्य सभ जखन झील कैँ
पार कयलनि, तँ ओ सभ रोटी अननाइ
बिसरि गेल छलाह। [6]यीशु हुनका सभ
कैँ कहलथिन, "सावधान, फरिसी आ
सदुकी सभक रोटी फुलाबऽ वला खमीर
सँ होसियार रहू।" [7]शिष्य सभ एक-दोसर
सँ बात करऽ लगलाह जे, "अपना सभ
रोटी आनब बिसरि गेलहुँ, तँ एना कहि
रहल छथि।" [8]यीशु हुनकर सभक बात
बुझि कहलथिन, "अहाँ सभक विश्वास
एतेक कमजोर किएक अछि? अहाँ सभ
आपस मे एहि पर बात किएक कऽ रहल
छी जे अपना सभ लग रोटी नहि अछि?
[9]की अहाँ सभ एखनो नहि बुझैत छी?
की ओ पाँच हजार लोक आ पाँच रोटी
वला बात, और ओहि दिन अहाँ सभ
उबरल टुकड़ा कतेक पथिया जमा कऽ
कऽ उठौने छलहुँ, से अहाँ सभ कैँ स्मरण
नहि अछि? [10]वा चारि हजार लोकक
लेल ओ सातटा रोटी, आ कतेक टोकरी
जमा कयलहुँ, से? [11]अहाँ सभ हमर
एहि बात कैँ बुझि किएक नहि रहल
छी जे, 'फरिसी आ सदुकी सभक रोटी
फुलाबऽ वला खमीर सँ होसियार रहू,'
से बात हम रोटीक सम्बन्ध मे नहि कहने
छलहुँ?" [12]तखन शिष्य सभ कैँ बुझऽ मे
अयलनि जे यीशु रोटी फुलयबाक लेल
प्रयोग होमऽ वला खमीरक सम्बन्ध मे
नहि, बल्कि फरिसी आ सदुकी सभक
शिक्षा सँ होसियार रहबाक लेल कहने
छलाह।

यीशुक प्रश्न—"हम के छी?"

(मरकुस 8.27-30; लूका 9.18-21)

13 कैसरिया-फिलिप्पी क्षेत्र मे आबि
कऽ यीशु अपना शिष्य सभ कैँ पुछलथिन,
"मनुष्य-पुत्र के अछि, एहि सम्बन्ध मे
लोक सभ की कहैत अछि?" [14]ओ
सभ उत्तर देलथिन, "किछु लोक कहैत
अछि जे अहाँ बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
छी, किछु लोक जे एलियाह छी, दोसर
लोक सभ जे यर्मियाह वा प्राचीन कालक
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ मे सँ आओर
केओ छी, से कहैत अछि।" [15]यीशु
शिष्य सभ सँ पुछलथिन, "आ अहाँ सभ?
अहाँ सभ की कहैत छी जे हम के छी?"
[16]सिमोन पत्रुस उत्तर देलथिन, "अहाँ
उद्धारकर्ता-मसीह छी, जीवित परमेश्वरक
पुत्र छी।"

17 यीशु हुनका कहलथिन, "हे
सिमोन, योनाक पुत्र, अहाँ धन्य छी!
कारण, एहि बातक ज्ञान अहाँ कैँ कोनो
मनुष्य सँ नहि, बल्कि हमर पिता जे
स्वर्ग मे छथि, तिनका सँ भेटल। [18]हम
अहाँ कैँ कहैत छी जे, अहाँ 'पत्रुस'*
छी। हम एहि चट्टान पर अपन मण्डलीक
स्थापना करब आ मृत्युक सामर्थ्य*
एहि पर विजयी नहि होयत। [19]हम
अहाँ कैँ स्वर्गक राज्यक कुंजी देब। जे
किछु अहाँ पृथ्वी पर बान्हब से स्वर्ग

16:18 "पत्रुस", जे पुरुषक नाम अछि, तकर अर्थ अछि "पाथर" वा "चट्टान"।
16:18 अक्षरशः "...आ 'हेडीसक' फाटक", अर्थात्, "मरल सभक वास-स्थानक फाटक"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे बान्हल गेल रहत आ जे किछु अहाँ
पृथ्वी पर खोलब से स्वर्ग मे खोलल गेल
रहत।” 20तकरबाद यीशु अपना शिष्य
सभ कें दृढ़तापूर्बक आदेश देलथिन जे,
“ई बात ककरो नहि कहिऔक जे हम
उद्धारकर्ता-मसीह छी।”

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक भविष्यवाणी

(मरकुस 8.31-33; लूका 9.22)

21 ओही दिन सँ यीशु अपना
शिष्य सभ कें स्पष्ट जानकारी देबऽ
लगलथिन जे, “ई आवश्यक अछि
जे हम यरूशलेम जाइ, ओतऽ बूढ़-
प्रतिष्ठित, मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक
सभ सँ हमरा बहुत कष्ट देल जाय, हम
जान सँ मारल जाइ, आ तेसर दिन हम
फेर जिआओल जाइ।” 22ई बात सुनि
पत्रुस हुनका अलग बजा कऽ डँटैत
कहलथिन, “यौ प्रभु, परमेश्वर एना नहि
करथि! अहाँक संग एहन बात कहियो
नहि होयत!” 23ताहि पर यीशु पत्रुस
कें कहलथिन, “है शैतान, तों हमरा
सोझाँ सँ दूर होअह! हमरा लेल तों ठेस
लगबाक कारण छह। तों परमेश्वरक
विचार नहि, बल्कि मनुष्यक विचार
मोन मे रखैत छह।”

की बचायब, की गमायब?

(मरकुस 8.34–9.1; लूका 9.23-27)

24 तकरबाद यीशु अपना शिष्य सभ
कें कहलथिन, “जँ केओ हमर शिष्य
बनऽ चाहैत अछि, तँ ओ अपना कें
त्यागि हमरा कारणेँ दुःख उठयबाक
आ प्राणो देबाक लेल तैयार रहओ
आ* हमरा पाछाँ चलओ। 25कारण,
जे केओ अपन जीवन बचाबऽ चाहैत
अछि, से ओकरा गमाओत, मुदा जे
केओ हमरा लेल अपन जीवन गमबैत
अछि, से ओकरा पाओत। 26जँ कोनो
मनुष्य सम्पूर्ण संसार कें पाबि लय और
अपन आत्मा गमा लय, तँ ओकरा की
लाभ भेलैक? अथवा मनुष्य अपन
आत्माक बदला मे की दऽ सकत?
27किएक तँ मनुष्य-पुत्र अपन स्वर्गदूत
सभक संग अपना पिताक महिमा
मे आओत, तखन ओ प्रत्येक मनुष्य
कें ओकर काजक अनुसार प्रतिफल
देतैक। 28हम अहाँ सभ कें सत्य कहैत
छी जे, एतऽ किछु एहनो लोक सभ
ठाढ़ अछि जे जाबत तक मनुष्य-पुत्र
कें अपना राज्य मे अबैत नहि देखि लेत
ताबत तक नहि मरत।”

यीशुक रूपक परिवर्तन

(मरकुस 9.2-13; लूका 9.28-36)

17 छओ दिनक बाद यीशु अपना
संग पत्रुस, याकूब आ हुनकर
भाय यूहन्ना कें लऽ कऽ एक ऊँच पहाड़
पर एकान्त मे गेलाह। 2हुनका सभक
सामने मे यीशुक रूप बदलि गेलनि।
हुनकर मुँह सूर्य जकाँ चमकऽ लगलनि
आ हुनकर वस्त्र इजोत सन उज्जर भऽ
गेलनि। 3एकाएक शिष्य सभ कें मूसा
आ एलियाह यीशु सँ बात-चीत करैत
देखाइ देलथिन। 4एहि पर पत्रुस यीशु
कें कहलथिन, “यौ प्रभु, हमरा सभक
लेल ई कतेक नीक बात अछि जे

16:24 अक्षरशः “अपना कें त्यागि अपन क्रूस उठाबओ आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हम सभ एतऽ छी! जँ अपनेक आज्ञा
होअय तँ हम एहिठाम तीनटा मण्डप
बनायब—एकटा अपनेक लेल, एकटा
मूसाक लेल आ एकटा एलियाहक
लेल।" 5पत्रुस ई सभ बाजिए रहल
छलाह, तखने एकटा चमकैत मेघ आबि
हुनका सभ केँ झाँपि देलकनि आ मेघ
मे सँ ई आवाज आयल जे, "ई हमर प्रिय
पुत्र छथि। हिनका सँ हम अति प्रसन्न
छी, हिनका बात पर ध्यान दिअ!"
6ई सुनि शिष्य सभ अति भयभीत भऽ
कऽ मुँहे भरेँ खसलाह। 7तखन लग
आबि यीशु हुनका सभ केँ छुबि कऽ
कहलथिन, "उठू, नहि डेराउ।" 8ओ
सभ जखन अपन नजरि ऊपर उठौलनि
तँ ओतऽ यीशु केँ छोड़ि आओर किनको
नहि देखलनि।

9 पहाड़ पर सँ नीचाँ उतरैत समय मे
यीशु शिष्य सभ केँ आज्ञा देलथिन जे,
"जाबत तक मनुष्य-पुत्र मृत्यु सँ फेर जीबि
कऽ नहि उठत ताबत तक जे बात अहाँ
सभ देखलहुँ से ककरो नहि कहिऔक।"
10एहि पर हुनकर शिष्य सभ हुनका सँ
पुछलथिन, "धर्मशिक्षक सभ किएक
कहैत छथि जे पहिने एलियाह केँ
अयनाइ आवश्यक अछि?" 11यीशु
उत्तर देलथिन, "ई बात एकदम ठीक
अछि। एलियाहक अयनाइ आवश्यक
अछि, और ओ सभ बातक सुधार
करताह। 12मुदा हम अहाँ सभ केँ कहैत
छी जे एलियाह तँ आबि गेल छथि।
लोक सभ हुनका चिन्हि नहि सकलनि
और ओकरा सभ केँ जे मोन भेलैक, से
हुनका संग कयलकनि। एहि तरहेँ मनुष्य-
पुत्र केँ सेहो ओकरा सभक हाथेँ कष्ट
भोगऽ पड़तनि।" 13तखन शिष्य सभ केँ
बुझऽ मे अयलनि जे यीशु हमरा सभ केँ
बपतिस्मा देनिहार यूहन्नाक सम्बन्ध मे
कहि रहल छथि।

दुष्टात्मा लागल एक बालक

(मरकुस 9.14-29; लूका 9.37-43)

14 ओ सभ जखन लोकक भीड़ जतऽ
जमा छल ततऽ पहुँचलाह तँ एक गोटे
यीशु लग आबि ठेहुनिया दऽ कऽ कहऽ
लगलनि, 15"यौ प्रभु, हमरा बेटा पर दया
कयल जाओ, एकरा मिर्गी अबैत छैक आ
बहुत कष्ट होइत छैक। ई कखनो आगि
मे खसि पड़ैत अछि तँ कखनो पानि मे।
16हम एकरा अपनेक शिष्य सभ लग
अनने छलहुँ, लेकिन ओ सभ एकरा ठीक
नहि कऽ सकलथिन।"

17 यीशु उत्तर देलथिन, "है अविश्वासी
आ भ्रष्ट पीढ़ीक लोक सभ, हम कहिया
तक तोरा सभक संग रहिअह? हम
कहिया तक तोरा सभ केँ सहैत रहिअह?
आनह लड़का केँ हमरा लग।" 18जे
दुष्टात्मा ओकरा मे पैसि गेल छल, तकरा
यीशु फटकारलथिन। दुष्टात्मा ओकरा मे
सँ निकलि गेलैक, आ ओ तखने ठीक भऽ
गेल।

19 बाद मे शिष्य सभ एकान्त मे यीशु
लग आबि कऽ पुछलथिन, "हम सभ
ओहि दुष्टात्मा केँ किएक नहि निकालि
सकलहुँ?" 20ओ उत्तर देलथिन, "अहाँ
सभ मे विश्वासक कमी अछि, तेँ। हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे, जँ
अहाँ सभ मे सरिसोक दानो बराबरि
विश्वास रहत आ एहि पहाड़ केँ कहब
जे, 'एहिठाम सँ हटि कऽ ओतऽ जो' तँ
हटि जायत। एहन कोनो बात नहि अछि
जे अहाँ सभक लेल असम्भव होयत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

[21] [मुदा एहि तरहक दुष्टात्मा प्रार्थना आ उपास कैँ छोड़ि आओर कोनो दोसर उपाय सँ नहि निकालल जा सकैत अछि।] *"

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक दोसर भविष्यवाणी

(मरकुस 9.30-32; लूका 9.43-45)

22 एक दिन यीशु आ शिष्य सभ जखन गलील मे एक संग छलाह, तखन यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, "मनुष्य-पुत्र पकड़बा कऽ लोकक हाथ मे सौंपल जायत। [23] ओ सभ ओकरा मारि देतैक, मुदा तेसर दिन ओ जिआओल जायत।" ई बात सुनि शिष्य सभ बहुत उदास भऽ गेलाह।

मन्दिरक कर

24 तकरबाद यीशु आ हुनकर शिष्य सभ जखन कफरनहूम नगर मे पहुँचलाह, तखन मन्दिरक कर असूल कयनिहार सभ पत्रुस लग आबि कऽ पुछलकनि, "की अहाँ सभक गुरुजी मन्दिरक कर नहि चुकबैत छथि?" [25] पत्रुस कहलथिन, "हँ, चुकबैत छथि।" तकरबाद पत्रुस जखन घर मे अयलाह तँ यीशुए हुनका सँ पुछलथिन, "यौ सिमोन, अहाँक की विचार अछि? संसारक राजा सभ सीमा-शुल्क वा व्यक्ति-कर ककरा सभ सँ लैत अछि? अपन पुत्र सभ सँ वा आन लोक सभ सँ?" [26] पत्रुस कहलथिन, "आन लोक सँ।" तखन यीशु कहलथिन, "एकर मतलब, पुत्र कर-मुक्त अछि। [27] मुदा एक बात, अपना सभ ओकरा सभ कैँ सिकायत करबाक अवसर नहि दी, तेँ अहाँ झील पर जा कऽ बंसी थापू। जे माछ पहिने फँसत तकरा निकालू। ओकरा मुँह मे अहाँ कैँ एकटा चानीक सिक्का भेटत। अहाँ ओ सिक्का लऽ कऽ अपना दूनू गोटेक कर ओकरा सभ कैँ दऽ कऽ चुका दिऔक।"

स्वर्गक राज्य मे के छोट, के पैघ?

(मरकुस 9.33-37, 42-48; लूका 9.46-48; 17.1-2)

18 ओही समय मे शिष्य सभ आबि कऽ यीशु सँ पुछलथिन, "स्वर्गक राज्य मे सभ सँ पैघ के अछि?" [2] यीशु एक छोट बच्चा कैँ अपना लग बजा कऽ हुनका सभक बीच ठाढ़ करैत कहलथिन, [3] "हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जाबत तक अहाँ सभ बदलि कऽ बच्चा सभ जकाँ नहि बनि जायब ताबत तक स्वर्गक राज्य मे कहियो नहि प्रवेश करब। [4] तेँ, जे केओ नम्र बनि अपना कैँ एहि बच्चा जकाँ छोट बुझैत अछि, से स्वर्गक राज्य मे सभ सँ पैघ अछि। [5] जे केओ हमरा नाम सँ एहन छोट बच्चा कैँ स्वीकार करैत अछि से हमरा स्वीकार करैत अछि। [6] मुदा ई बच्चा सभ जे हमरा पर विश्वास करैत अछि, ताहि मे सँ जँ एकोटा कैँ केओ पाप मे फँसाओत, तँ ओहि फँसौनिहारक गरदनि मे जाँतक पाट बान्हि कऽ अथाह समुद्र मे डुबा देल जाइक, से ओकरा लेल नीक होइत।

7 "पाप मे फँसाबऽ वला बात सभक कारणेँ संसार पर कतेक कष्ट औतैक! पाप मे फँसाबऽ वला बात सभ तँ रहबे

17:21 किछु हस्तलेख सभ मे पद 21 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करत, मुदा धिक्कार ताहि मनुष्य कैँ
जकरा द्वारा ओ बात सभ अबैत अछि!
8 “जँ अहाँक हाथ वा पयर अहाँ कैँ पाप
मे फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ
फेकि दिअ। दूनू हाथ-पयरक संग अनन्त
समय तक जरैत रहऽ वला आगिक कुण्ड
मे फेकि देल जायब, अहाँक लेल ताहि
सँ नीक ई जे लुल्ह-नाङड़ भऽ कऽ जीवन
मे प्रवेश करू। [9]आ जँ अहाँक आँखि
अहाँ कैँ पाप मे फँसबैत अछि तँ ओकरा
निकालि कऽ फेकि दिअ। दूनू आँखिक
संग नरकक आगि मे फेकि देल जायब,
अहाँक लेल ताहि सँ नीक ई जे कनाह भऽ
कऽ जीवन मे प्रवेश करू।

हेरायल भेँड़ाक दृष्टान्त

(लूका 15.3-7)

10 “अहाँ सभ एहि पर ध्यान राखू जे
एहि बच्चा सभ मे सँ एकोटा कैँ तुच्छ
नहि बुझब। हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी
जे, स्वर्ग मे एकर सभक रक्षा कयनिहार
दूत सभ सदिखन हमर स्वर्गीय पिताक
मुँह दिस तकैत रहैत छथि। [11] [मनुष्य-पुत्र
हेरायल सभ कैँ बचयबाक लेल आयल
छथि।]*
12 “अहाँ सभ की सोचैत छी? जँ
ककरो लग एक सय भेँड़ा छैक आ
ओहि मे सँ एकटा भेँड़ा भटकि जाइक,
तँ की ओ अपन निनान्नबे भेँड़ा कैँ पहाड़
पर छोड़ि कऽ ओहि भटकल भेँड़ा कैँ
खोजबाक लेल नहि जायत? [13]हम अहाँ
सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, जँ ओ ओकरा
भेटि जयतैक, तँ ओहि निनान्नबे भेँड़ाक
कारणेँ, जे नहि भटकल छलैक, ताहि सँ
बेसी आनन्द ओकरा एही भेँड़ाक कारणेँ
होयतैक। [14]एही तरहेँ स्वर्ग मे रहऽ वला
अहाँ सभक पिताक इच्छा ई छनि जे एहि
बच्चा सभ मे सँ एकोटा नष्ट नहि होनि।

दोषी भायक संग उचित व्यवहार

15 “अहाँक भाय जँ अहाँक संग*
अपराध करय तँ असगरे ओकरा लग जाउ
आ एकान्त मे ओकर दोष ओकरा बुझा
दिऔक। ओ जँ अहाँक बात सुनलक, तँ
एकटा भाय अहाँ कैँ फेर भेटि गेल से बुझू।
[16]मुदा जँ ओ अहाँक बात नहि सुनैत
अछि तँ अपना संग एक-दू आदमी कैँ लऽ
कऽ जाउ आ ओकरा बुझबिऔक, जाहि
सँ, जहिना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,
‘हर बात दू वा तीन साक्षीक गवाही पर
आधारित रहय’।* [17]मुदा ओ जँ ओकरो
सभक बात सुनबाक लेल तैयार नहि भेल,
तँ तकर जानकारी विश्वासी मण्डली कैँ
दिऔक। आ जँ ओ विश्वासी मण्डलीक
बात सेहो नहि सुनत, तँ ओकरा संग एहन
व्यवहार करू जेना ओ अविश्वासी वा
कर असूल कयनिहार ठकहारा होअय।
[18]हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, अहाँ
सभ जे किछु पृथ्वी पर बान्हब, से स्वर्ग
मे बान्हल गेल रहत, आ जे किछु अहाँ
सभ पृथ्वी पर खोलब से स्वर्ग मे खोलल
गेल रहत।
19 “हम अहाँ सभ कैँ एकटा इहो बात
कहैत छी जे, एहि पृथ्वी पर जँ अहाँ सभ
मे सँ केओ दू गोटे कोनो बातक लेल एक
विचारक भऽ कऽ विनती करब, तँ हमर

18:11 किछु हस्तलेख सभ मे पद 11 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि। **18:15** किछु हस्तलेख सभ मे “अहाँक संग” नहि पाओल जाइत अछि। **18:16** व्यव 19.15

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पिता जे स्वर्ग मे छथि, तिनका द्वारा ओ
बात अहाँ सभक लेल पूरा कयल जायत।
[20]किएक तँ जतऽ दू वा तीन व्यक्ति हमरा
नाम सँ एक ठाम जमा होइत अछि, ततऽ
हम ओकरा सभक बीच उपस्थित छी।"

क्षमाक कोनो सीमा नहि

21 तकरबाद पत्रुस यीशु लग आबि
कऽ पुछलथिन, "यौ प्रभु, हमर भाय जँ
हमरा संग अपराध करय तँ कतेक बेर
हम ओकरा क्षमा करैत रहिऐक? की सात
बेर तक?" [22]यीशु कहलथिन, "हम तँ
कहैत छी, सात बेर नहि, बल्कि सात सँ
सत्तरिक जे गुणनफल होयत ततेक बेर।

23 "कारण, स्वर्गक राज्यक तुलना
एहन राजा सँ कयल जा सकैत अछि जे
अपन राज्यक कर्मचारी सभ सँ हिसाब-
किताब लेबऽ चाहलनि। [24]जखन ओ
हिसाब-किताब लेबऽ लगलाह तँ हुनका
लग एक कर्मचारी कैँ लाओल गेल,
जकरा पर दस हजार सोनक रुपैया ऋण
छलनि। [25]ओहि कर्मचारी लग ऋण
सधयबाक लेल किछु नहि छलैक तेँ
ओकर मालिक आज्ञा दऽ देलथिन जे,
एकरा, एकर स्त्री आ बाल-बच्चा कैँ
और एकर सभ सामान बेचि कऽ एकरा
सँ ऋण असूल कयल जाय। [26]ई सुनि ओ
कर्मचारी अपना मालिकक पयर पर खसि
कऽ विनती करऽ लागल जे, 'यौ सरकार,
धैर्य राखल जाओ, हम अपनेक सम्पूर्ण
ऋण सधा देब।' [27]मालिक ओकरा पर
दया कऽ कऽ ओकरा छोड़ि देलथिन आ
ओकर सम्पूर्ण ऋण माफ कऽ देलथिन।
[28]मुदा ओ कर्मचारी जखन ओतऽ सँ
बाहर भेल तँ ओकरा संग काज करऽ
वला एक दोसर कर्मचारी भेटलैक जे
ओकरा सँ एक सय तामक रुपैया ऋण
लेने छलैक। ओ ओकरा पकड़ि कऽ
गरदनि चभैत कहलकैक, 'जे किछु तोरा
पर हमर ऋण अछि, से तुरत ला!' [29]ओ
कर्मचारी ओकरा पयर पर खसि कऽ
विनती करऽ लागल, 'धैर्य राखू, हम
अहाँक ऋण सधा देब।' [30]मुदा ओ नहि
मानलक आ जा कऽ ओकरा जहल मे
रखबा देलकैक जे जाबत तक ऋण नहि
सधाओत ताबत तक जहल मे रहओ।
[31]ई देखि दोसर कर्मचारी सभ कैँ बहुत
दुःख भेलैक आ ओ सभ जा कऽ सम्पूर्ण
घटना मालिक कैँ कहि सुनौलकनि।
[32]तकरबाद मालिक ओहि कर्मचारी कैँ
बजबा कऽ कहलथिन, 'है दुष्ट नोकर,
तोँ हमरा सँ विनती कयलेँ तँ हम तोहर
सम्पूर्ण ऋण माफ कऽ देलिऔक। [33]तँ
की ई उचित नहि छल जे जहिना हम तोरा
संग दया कयलिऔ, तहिना तोहूँ अपन
संगी-कर्मचारीक संग दया करिते?'
[34]मालिक कैँ ओहि कर्मचारी पर बहुत
क्रोध भऽ गेलनि आ ओ ओकरा दण्ड
देबाक लेल जहल मे पठबा देलथिन जे
जाबत तक ओ पूरा ऋण सधा नहि दय
ताबत तक जहल मे रहओ। [35]तेँ जँ अहूँ
सभ अपना भाय कैँ हृदय सँ क्षमा नहि
करबैक तँ हमर स्वर्गीय पिता अहूँ सभक
संग ओहने व्यवहार करताह।"

विवाहक पवित्रता और तलाकक प्रश्न

(मरकुस 10.1-12)

19 ई सभ बात जखन कहल भऽ
गेलनि तँ यीशु गलील प्रदेश सँ
विदा भऽ कऽ यरदन नदीक दोसर कात
यहूदिया प्रदेश मे गेलाह। [2]लोकक बड़का
भीड़ हुनका पाछाँ आबि गेलनि। यीशु

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहिठाम ओकरा सभक रोग-बिमारी सभ कैँ ठीक कऽ देलनि।

3 ओहिठाम किछु फरिसी सभ यीशु लग अयलाह आ हुनका जँचबाक लेल पुछलथिन, “की धर्म-नियमक अनुसार पुरुष कैँ केहनो कारण सँ अपना स्त्री कैँ तलाक देनाइ उचित अछि?”
4यीशु उत्तर देलथिन, “की अहाँ सभ नहि पढ़ने छी जे, सृष्टि कयनिहार शुरुए सँ मनुष्य कैँ ‘पुरुष आ स्त्री बनौलनि’,*
5और कहलनि,

‘एहि कारणेँ पुरुष अपन माय-बाबू कैँ
छोड़ि अपन स्त्रीक संग रहत,
आ दूनू एक शरीर भऽ जायत।’*?

6एहि तरहेँ ओ सभ आब दू नहि अछि, एके भऽ गेल। तेँ जकरा परमेश्वर जोड़ि देलथिन, तकरा मनुष्य अलग नहि करओ।”

7 फरिसी सभ पुछलथिन, “तखन तलाकनामा दऽ कऽ तलाक देबाक आज्ञा मूसा किएक देलनि?”
8यीशु कहलथिन, “अहाँ सभक मोनक कठोरताक कारणेँ मूसा अहाँ सभ कैँ स्त्री कैँ तलाक देबाक अनुमति देलनि, मुदा शुरू सँ एहन नहि छल।
9हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, जे केओ एहि कारण कैँ छोड़ि जे ओकर स्त्री दोसराक संग गलत शारीरिक सम्बन्ध रखने अछि, कोनो आन कारण सँ अपना स्त्री कैँ तलाक दऽ कऽ दोसर सँ विवाह करैत अछि, से परस्त्रीगमन करैत अछि।”

10 यीशुक शिष्य सभ हुनका कहलथिन, “जँ स्त्री-पुरुषक सम्बन्ध एहन अछि, तँ विवाह नहिए कयनाइ नीक बात।”

11 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “सभ केओ एहि बात कैँ स्वीकार नहि कऽ सकैत अछि, मात्र ओ सभ जकरा एहि बातक लेल वरदान भेटल छैक।
12किएक तँ किछु लोक मे जन्मे सँ विवाह करबाक योग्यता नहि अछि, किछु लोक कैँ दोसर मनुष्य अयोग्य बनबैत अछि, और किछु लोक एहनो अछि जे स्वर्गक राज्यक लेल विवाह कयनाइ त्यागि देने अछि। जे केओ एहि बात कैँ स्वीकार कऽ सकैत अछि से एकरा स्वीकार करओ।”

धिआ-पुता सभ कैँ यीशुक आशीर्वाद

(मरकुस 10.13-16; लूका 18.15-17)

13 तकरबाद किछु गोटे बच्चा सभ कैँ यीशु लग अनलकनि जाहि सँ ओ ओकरा सभ पर हाथ राखि कऽ ओकरा सभक लेल प्रार्थना कऽ देथिन, मुदा हुनकर शिष्य सभ ओकरा सभ कैँ डाँटि देलथिन।
14यीशु कहलथिन, “बच्चा सभ कैँ हमरा लग आबऽ दिऔक, ओकरा सभ कैँ नहि रोकिऔक, किएक तँ स्वर्गक राज्य एहने सभक अछि।”
15यीशु ओहि बच्चा सभक माथ पर हाथ राखि कऽ आशीर्वाद देलथिन आ ओतऽ सँ विदा भऽ गेलाह।

महत्वपूर्ण की—धन-सम्पत्ति वा अनन्त जीवन?

(मरकुस 10.17-31; लूका 18.18-30)

16 यीशु लग एक युवक अयलनि आ कहलकनि, “यौ गुरुजी, हम कोन उत्तम काज करू, जाहि सँ हमरा अनन्त जीवन भेटत?”
17यीशु कहलथिन, “अहाँ हमरा सँ उत्तमक विषय मे किएक पुछैत छी? उत्तम तँ मात्र एकेटा छथि। जँ अहाँ अनन्त जीवन मे प्रवेश करऽ चाहैत छी तँ

19:4 उत्पत्ति 1.27 **19:5** उत्पत्ति 2.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक आज्ञा सभक पालन करू।"
[18]ओ पुछलकनि, "कोन आज्ञा सभ?"
एहि पर यीशु कहलथिन, " 'हत्या नहि
करह, परस्त्रीगमन नहि करह, चोरी नहि
करह, झूठ गवाही नहि दैह, [19]अपन माय-
बाबूक आदर करह'* आ 'अपना पड़ोसी
सँ अपने जकाँ प्रेम करह।'*" [20]ओ युवक
उत्तर देलकनि, "एहि सभ आज्ञाक पालन
तँ हम कऽ रहल छी, तखन फेर हमरा मे
कोन बातक कमी रहि गेल?" [21]यीशु
ओकरा कहलथिन, "अहाँ जँ पूर्ण सिद्ध
बनऽ चाहैत छी, तँ अपन धन-सम्पत्ति बेचि
कऽ ओकरा गरीब सभ मे बाँटि दिअ; अहाँ
केँ स्वर्ग मे धन भेटत। तकरबाद आउ आ
हमरा पाछाँ चलू।" [22]ई बात सुनि युवक
उदास भऽ ओतऽ सँ चल गेल, कारण,
ओकरा बहुत धन-सम्पत्ति छलैक।

23 एहि पर यीशु अपना शिष्य सभ केँ
कहलथिन, "हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत
छी, धनिक सभक लेल स्वर्गक राज्य
मे प्रवेश कयनाइ कठिन अछि। [24]हम
अहाँ सभ केँ फेर कहैत छी जे, धनिक केँ
परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश कयनाइ सँ ऊँट
केँ सुइक भूर दऽ कऽ निकलनाइ आसान
अछि।" [25]ई सुनि हुनकर शिष्य सभ
अवाक भऽ कऽ कहलथिन, "तखन उद्धार
ककर भऽ सकैत छैक?!" [26]यीशु हुनका
सभक दिस एकटक देखैत कहलथिन,
"मनुष्यक लेल तँ ई असम्भव अछि,
मुदा परमेश्वरक लेल सभ किछु सम्भव
अछि।"

27 एहि पर पत्रुस कहलथिन, "देखू, हम
सभ तँ सभ किछु त्यागि कऽ अहाँक पाछाँ
आयल छी। हमरा सभ केँ की भेटत?"
[28]यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, नव सृष्टि
मे, जहिया मनुष्य-पुत्र अपन महिमामय
सिंहासन पर विराजमान होयत, तहिया
अहूँ सभ, जे सभ हमरा पाछाँ आयल छी,
बारहटा सिंहासन पर बैसब आ इस्राएलक
बारहो कुलक न्याय करब। [29]जे केओ
हमरा कारणेँ अपन घर, भाय, बहिन,
माय-बाबू, बाल-बच्चा वा जमीन-जालक
त्याग कयने अछि, से तकर सय गुना
पाओत और अनन्त जीवनक अधिकारी
होयत। [30]मुदा बहुतो लोक जे एखन आगाँ
अछि से पाछाँ भऽ जायत, आ जे एखन
पाछाँ अछि से आगाँ भऽ जायत।

कृपा करबाक मालिकक अधिकार

20 "स्वर्गक राज्य एहन एक
गृहस्थ जकाँ अछि जे अपन
अंगूरक बगान मे काज करयबाक लेल
भोरे-भोर मजदूर तकबाक लेल गेलाह।
[2]ओ मजदूर सभक संग एक दिनक
चानीक एक रुपैया मजदूरी देबाक
व्यवस्था कऽ ओकरा सभ केँ अपन
अंगूरक बगान मे काज करबाक लेल
पठौलनि। [3]ओ फेर नौ बजे बाहर गेलाह
तँ आरो मजदूर सभ केँ बजार मे निरर्थक
ठाढ़ देखलनि। [4]ओ ओकरा सभ केँ
कहलथिन, 'तोहूँ सभ हमर अंगूरक बगान
मे जा कऽ काज करह। जे उचित होयतह
से हम तोरो सभ केँ देबह।' [5]मजदूर सभ
जा कऽ काज करऽ लागल। मालिक फेर
बारह बजे आ तीन बजे बाहर जा-जा कऽ
ओहिना कयलनि। [6]साँझ पाँच बजे फेर
ओ बहरयलाह। ओ किछु आओर मजदूर

19:19 प्रस्थान 20.12-16; व्यव 5.16-20 **19:19** लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ केँ ओहिना ठाढ़ देखि पुछलथिन,
‘तोँ सभ एतऽ दिन भरि किएक निरर्थक
ठाढ़ रहलह?’ 7ओ सभ कहलकनि,
‘हमरा सभ केँ केओ नहि काजक लेल
अढ़ौलक।’ मालिक ओकरा सभ केँ
कहलथिन, ‘तोहूँ सभ हमर बगान मे जा
कऽ काज करह।’

8 “साँझ भऽ गेला पर अंगूर-बगानक
मालिक अपन मुख्य नोकर केँ बजा कऽ
कहलथिन, ‘मजदूर सभ केँ बजाबह आ
सभ सँ अन्तिम पहर मे जे सभ आयल
तकरा सभ सँ शुरू कऽ कऽ सभ सँ पहिल
पहर मे आबऽ वला धरि, सभ केँ मजदूरी
दऽ दहक।’ 9जखन ओ सभ, जे साँझ
लगभग पाँच बजे सँ काज शुरू कयने
छल, से सभ आयल तँ ओकरा सभ केँ
चानीक एक-एक रुपैया देल गेलैक। 10जे
मजदूर सभ भोरे सँ काज कयने छल जखन
ई बात देखलक, तँ ओ सभ बुझलक जे
हमरा सभ केँ बेसी मजदूरी भेटत। मुदा
ओकरो सभ केँ चानीक एक-एक रुपैया
मजदूरी भेटलैक। 11ओ सभ अपन मजदूरी
पाबि मालिक पर कुड़बुड़ाय लागल।
12ओ सभ बाजल, ‘सभ सँ पाछाँ आबऽ
वला ई मजदूर सभ, जे सभ एके घण्टा
काज कयलक, तकरो अहाँ हमरा सभक
बराबरि बुझलहुँ। हम सभ तँ घाम-पसिना
सहि दिन भरि खटलहुँ!’

13 “मालिक ओहि मे सँ एक गोटे केँ
उत्तर देलथिन, ‘हौ मित्र, हम तोरा संग
कोनो तरहक अन्याय तँ नहि कऽ रहल
छिअह। की तोँ हमरा संग चानीक एक
रुपैया मजदूरी लेबाक व्यवस्था नहि
कयने छलह? 14अपन पाइ लैह आ जाह।
ई तँ हमर इच्छाक बात अछि जे जतबा
तोरा देलिअह ततेक पछो सँ आबऽ वला
मजदूर सभ केँ सेहो दिऐक। 15की हमरा
ई अधिकार नहि अछि जे, जे हमर वस्तु
अछि तकरा हम जेना चाही, तेना प्रयोग
कऽ सकी? हम जँ अपना खुशी सँ ककरो
बेसिओ दैत छी तँ की से तोरा अखड़ैत
छह?’ ”

16 तखन यीशु आगाँ कहलनि, “एहि
तरहेँ जे अन्तिम अछि से पहिल होयत,
आ जे पहिल अछि से अन्तिम।”

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक सम्बन्ध मे यीशुक तेसर भविष्यवाणी

(मरकुस 10.32-34; लूका 18.31-34)

17 यीशु यरूशलेम नगर दिस आगाँ
बढ़ि रहल छलाह। ओ अपन बारहो शिष्य
केँ एक कात लऽ जा कऽ कहलथिन,
18“सुनू, अपना सभ यरूशलेम जा रहल
छी। ओतऽ मनुष्य-पुत्र मुख्यपुरोहित आ
धर्मशिक्षक सभक हाथ मे पकड़ाओल
जायत। ओ सभ ओकरा मृत्युदण्डक
जोगरक ठहरा देतैक 19आ ओकरा गैर-
यहूदी सभक हाथ मे सौंपि देतैक जाहि
सँ ओ सभ ओकर हँसी उड़बैक, कोड़ा
सँ पिटैक आ क्रूस पर टाँगि कऽ मारि
दैक। मुदा तेसर दिन ओ फेर जिआओल
जायत।”

एक मायक इच्छा

(मरकुस 10.35-45)

20 तकरबाद जबदीक स्त्री, याकूब
आ यूहन्नाक माय, अपन पुत्र सभक
संग यीशु लग अयलनि आ हुनका
आगाँ ठेहुनिया दऽ कऽ किछु माँगऽ
चाहलकनि। 21यीशु पुछलथिन, “अहाँ
की चाहैत छी?” ओ कहलकनि, “अहाँ
एहि बातक आज्ञा दिअ जे अहाँक राज्य

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे हमर ई दूनू बेटा, एक अहाँक दहिना कात आ दोसर अहाँक बामा कात बैसत।”

22 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ की माँगि रहल छी, से अहाँ सभ नहि बुझैत छी। की दुःखक बाटी सँ जे हमरा पिबाक अछि से अहाँ सभ पिबि सकैत छी?” ओ सभ कहलकनि, “हँ, पिबि सकैत छी।” [23]यीशु कहलथिन, “हमर बाटी तँ अहाँ सभ पीब, मुदा किनको अपना दहिना कात वा बामा कात बैसायब, तकर अधिकार हमर नहि अछि। ई स्थान सभ तिनका सभक लेल छनि, जिनका सभक लेल हमर पिता तैयार कयने छथि।”

24 जखन बाँकी दस शिष्य एहि बातक बारे मे सुनलनि तँ ओ सभ ओहि दूनू भाइ पर खिसिआय लगलाह। [25]एहि पर यीशु शिष्य सभ केँ अपना लग बजा कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ जनैत छी जे एहि संसारक शासक सभ जनता पर हुकुम चलबैत रहैत छथि और जनता मे जे पैघ लोक सभ छथि से जनता पर अधिकार जमबैत छथि। [26]मुदा अहाँ सभ मे एना नहि होअय। बल्कि, अहाँ सभ मे जे पैघ होमऽ चाहय, से अहाँ सभक सेवक बनय, [27]आ जे केओ अहाँ सभ मे प्रमुख व्यक्ति बनऽ चाहय, से टहलू बनय। [28]तहिना मनुष्य-पुत्र सेहो एहि लेल नहि आयल अछि जे ओ अपन सेवा कराबय, बल्कि एहि लेल जे ओ सेवा करय और बहुतो लोकक छुटकाराक मूल्य मे अपन प्राण देअय।”

दू आन्हर केँ आँखिक इजोत

(मरकुस 10.46-52; लूका 18.35-43)

29 यीशु आ हुनकर शिष्य सभ जखन यरीहो नगर सँ बहरयलाह तँ लोकक बड़का भीड़ हुनका पाछाँ आबि रहल छलनि। [30]रस्ताक कात मे बैसल दू आन्हर व्यक्ति जखन सुनलक जे एहि बाटे यीशु जा रहल छथि, तँ ओ सभ सोर पारि कऽ कहऽ लागल जे, “हे प्रभु, दाऊदक पुत्र*, हमरा सभ पर दया करू!” [31]भीड़क लोक सभ ओकरा दूनू केँ डाँटि देलकैक जे, “चुप होइ जाइ जो,” मुदा ओ सभ आओर जोर सँ हल्ला कऽ कऽ कहऽ लागल, “यौ प्रभु, दाऊदक पुत्र, हमरा सभ पर दया करू!” [32]यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह आ ओकरा सभ केँ बजा कऽ पुछलथिन, “तोँ सभ की चाहैत छह, हम तोरा सभक लेल की करिअह?” [33]ओ सभ बाजल, “हे प्रभु, हम सभ देखऽ चाहैत छी।” [34]यीशु केँ ओकरा सभ पर दया आबि गेलनि, आ ओकरा सभक आँखि केँ छुबि देलथिन। तखने सँ ओकरा सभ केँ देखाइ देबऽ लगलैक और ओ सभ हुनका पाछाँ चलऽ लगलनि।

यरूशलेम मे यीशुक प्रवेश

(मरकुस 11.1-11; लूका 19.28-40; यूहन्ना 12.12-19)

21 यीशु आ हुनकर शिष्य सभ जखन यरूशलेम नगरक लग मे जैतून पहाड़ पर बेतफगे गाम मे पहुँचलाह तखन यीशु दूटा शिष्य केँ ई कहि कऽ

20:30 “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पठौलथिन जे, 2“सामने मे जे गाम अछि,
ताहि मे जाउ। ओतऽ पहुँचिते एक गदही
अपन बच्चाक संग बान्हल भेटत। ओकरा
सभ केँ खोलि कऽ हमरा लग नेने आउ। 3जँ
केओ अहाँ सभ केँ किछु कहय तँ कहबैक
जे, ‘प्रभु केँ एकर आवश्यकता छनि।’ ई
सुनैत देरी ओ अहाँ सभ केँ आनऽ देत।”
4ई एहि लेल भेल जे परमेश्वरक
प्रवक्ताक कहल ई वचन पूरा होअय जे,

5“सियोन नगर* केँ कहक,
‘देखह, तोहर राजा तोरा लग आबि
रहल छथुन,
ओ विनम्र छथि,
ओ गदहा पर, गदहीक बच्चा पर
बैसल आबि रहल छथुन।’ ”*

6शिष्य सभ जा कऽ यीशुक कहल
अनुसार कयलनि। 7ओ सभ गदही आ
ओकर बच्चा केँ लऽ आनि ओकरा
पीठ पर अपन कपड़ा सभ राखि देलनि।
यीशु ओहि पर बैसि गेलाह। 8भीड़ मे सँ
बहुतो लोक सभ सेहो अपन-अपन वस्त्र
आ ओढ़नी सभ बाट पर ओछौलक।
दोसर लोक सभ गाछ-वृक्षक ठाढ़ि-पात
काटि-काटि कऽ ओछौलक। 9यीशुक
आगाँ-पाछाँ चलऽ वला लोकक भीड़ एहि
तरहेँ जयजयकार करऽ लागल जे,

“दाऊदक पुत्र* केँ जय!*
धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ
अबैत छथि!*
सर्वोच्च स्वर्ग मे प्रभुक
जयजयकार!”

10जखन यीशु यरूशलेम मे प्रवेश
कयलनि तँ सम्पूर्ण नगर मे हलचल
सन होमऽ लागल। सभ पुछैत छल,
“ई के छथि?” 11आगाँ-पाछाँ चलऽ
वला भीड़क लोक सभ ओकरा सभ केँ
कहलकैक, “ई गलील प्रदेशक नासरत-
निवासी परमेश्वरक प्रवक्ता यीशु छथि।”

मन्दिर प्रार्थनाक घर वा चोर-डाकूक अड्डा?

(मरकुस 11.15-19; लूका 19.45-48; यूहन्ना 2.13-22)

12यीशु मन्दिरक आङन मे अयलाह
आ बेचऽ वला और किनऽ वला सभ केँ
ओतऽ सँ बाहर भगाबऽ लगलाह। ओ
पाइ भजौनिहार सभक टेबुल आ परबा-
पेउरकी बेचनिहार सभक पीढ़ी-बैसकी
सभ केँ उनटा-पुनटा देलथिन। 13ओ
ओकरा सभ केँ कहलथिन, “धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे, ‘हमर घर प्रार्थनाक
घर कहाओत’* मुदा तोँ सभ एकरा ‘चोर-
डाकूक अड्डा’* बना देने छह।”
14मन्दिर मे यीशु लग आन्हर आ
नाङड़ व्यक्ति सभ अयलनि आ यीशु
ओकरा सभ केँ स्वस्थ कऽ देलथिन।
15यीशुक चमत्कार वला काज सभ
देखि आ मन्दिर मे बच्चा सभक द्वारा
जे “दाऊदक पुत्र”क जयजयकार भऽ
रहल छल, तकरा सुनि मुख्यपुरोहित
आ धर्मशिक्षक सभ बहुत खिसिआ
गेलाह। 16ओ सभ यीशु केँ कहलथिन,

21:5 अर्थात्, यरूशलेम। अक्षरशः “सियोनक पुत्री” **21:5** जक 9.9 **21:9** “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द केँ देखू। **21:9** “जय/जयजयकार”—मूल मे “होसन्ना!” (इब्रानी भाषा मे स्तुति वा विजय केँ व्यक्त करऽ वला शब्द) । तहिना, पद 15 मे सेहो। **21:9** भजन 118.26 **21:13** यशा 56.7 **21:13** यर्मि 7.11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“की अहाँ नहि सुनैत छी जे ई सभ की
कहि रहल अछि?” यीशु हुनका सभ कैँ
कहलथिन, “हँ, और की अहाँ सभ नहि
पढ़ने छी जे,

‘हे प्रभु, अहाँ धिआ-पुता आ कोरा
मेहक बच्चा सभक मुँह सँ
अपन स्तुति करबौलहुँ’*?”

17एतेक कहि यीशु हुनका सभ कैँ
ओतहि छोड़ि नगर सँ बहरा गेलाह आ
बेतनिया गाम मे जा कऽ राति भरि ओतऽ
रहलाह।

अंजीरक गाछ सँ शिक्षा

(मरकुस 11.12-14, 20-24)

18 भोर मे फेर नगर दिस अबैत समय
मे यीशु कैँ भूख लगलनि। 19रस्ताक
कात मे एक अंजीरक गाछ देखि ओ
गाछ लग गेलाह। मुदा ओहि पर पात
छोड़ि आओर किछु नहि भेटलनि। यीशु
ओहि गाछ कैँ कहलथिन, “जो, आब
कहियो तोरा पर फल नहि लटकतौ!”
गाछ ओही क्षण सुखा गेल। 20ई देखि
शिष्य सभ आश्चर्यित भऽ कहलथिन,
“ई अंजीरक गाछ तुरत कोना सुखा
गेल?” 21एहि पर यीशु उत्तर देलथिन,
“हम अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे,
जँ अहाँ सभ बिनु सन्देह कऽ विश्वास
करब, तँ अहाँ सभ मात्र एतबे नहि करब
जे एहि अंजीरक गाछक संग भेल, बल्कि
जँ अहाँ सभ एहि पहाड़ कैँ आज्ञा देबैक
जे, ‘एतऽ सँ हट आ समुद्र मे जो,’ तँ सेहो
भऽ जायत। 22अहाँ सभ जे किछु प्रार्थना
मे विश्वासक संग माँगब, से अहाँ सभ
कैँ प्राप्त होयत।”

यीशुक अधिकार पर प्रश्न

(मरकुस 11.27-33; लूका 20.1-8)

23 यीशु जखन मन्दिर मे जा कऽ उपदेश
दऽ रहल छलाह तखन मुख्यपुरोहित
आ समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित सभ यीशु
लग आबि कऽ कहलथिन, “अहाँ कोन
अधिकार सँ ई सभ बात कऽ रहल छी?
अहाँ कैँ ई अधिकार के देलनि?” 24यीशु
हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन, “हमहूँ अहाँ
सभ सँ एकटा बात पुछैत छी। जँ अहाँ
सभ हमरा तकर जबाब देब तँ हमहूँ अहाँ
सभ कैँ कहब जे कोन अधिकार सँ हम
ई सभ बात कऽ रहल छी। 25यूहन्ना कैँ
बपतिस्मा देबाक अधिकार कतऽ सँ
भेटल छलनि? परमेश्वर सँ वा मनुष्य
सँ?” ई सुनि ओ सभ अपना मे तर्क-
वितर्क करऽ लगलाह जे, “जँ अपना सभ
कहबैक जे ‘परमेश्वर सँ’, तँ ओ पुछत जे,
तखन अहाँ सभ हुनकर बातक विश्वास
किएक नहि कयलहुँ? 26मुदा जँ कहबैक
जे, ‘मनुष्य सँ’ तँ अपना सभ कैँ जनता सँ
डर अछि, कारण सभ लोक यूहन्ना कैँ
परमेश्वरक प्रवक्ता मानैत अछि।” 27तेँ
ओ सभ यीशु कैँ उत्तर देलथिन जे, “हम
सभ नहि जनैत छी।” एहि पर यीशु हुनका
सभ कैँ कहलथिन, “तखन हमहूँ अहाँ
सभ कैँ नहि कहब जे कोन अधिकार सँ
हम ई काज कऽ रहल छी।

दूटा बेटाक दृष्टान्त

28 “अच्छा, अहाँ सभक की विचार
अछि? एक गोटे कैँ दूटा बेटा छलनि।
ओ जेठका कैँ कहलथिन, ‘बौआ, आइ

21:16 भजन 8.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अंगूरक बाड़ी मे काज करऽ जाह।’
29 बेटा कहलकनि, ‘हम नहि जायब,’
मुदा बाद मे ओकरा पछतावा भेलैक आ
ओ काज करबाक लेल गेल। 30 तखन
बाबू दोसरो बेटा लग जा कऽ यैह बात
कहलथिन। ओ उत्तर देलकनि, ‘ठीक
अछि, बाबूजी, हम जाइत छी।’ मुदा ओ
नहि गेल। 31 आब कहू, एकरा सभ मे सँ
के अपन बाबूक इच्छानुरूप कयलक?”
ओ सभ कहलथिन, “पहिल वला।” यीशु
हुनका सभ कैं कहलथिन, “हम अहाँ सभ
कैं सत्य कहैत छी, कर असूल कयनिहार
आ वेश्या सभ परमेश्वरक राज्य मे अहाँ
सभ सँ आगाँ प्रवेश कऽ रहल अछि।
32 यूहन्ना धार्मिकताक बाट देखबैत अहाँ
सभ लग अयलाह और अहाँ सभ हुनकर
बातक विश्वास नहि कयलहुँ, मुदा कर
असूल कयनिहार आ वेश्या सभ विश्वास
कयलक। अहाँ सभ ई बात देखलाक
बादो अपना पापक लेल पश्चात्ताप और
हृदय-परिवर्तन कऽ कऽ हुनकर बातक
विश्वास नहि कयलहुँ।

मालिक आ बटाइदार सभक दृष्टान्त

(मरकुस 12.1-12; लूका 20.9-19)

33 “एक आओर दृष्टान्त सुनू। एक
गृहस्थ लोक छलाह। ओ एक अंगूरक
बगान लगौलनि आ चारू कात सँ
ओकरा घेरि देलनि। अंगूरक रस जमा
करबाक लेल ओ एक रसकुण्ड बनौलनि
आ रखबारीक लेल मचान बनौलनि।
तकरबाद किसान सभ कैं बटाइ पर दऽ
कऽ परदेश चल गेलाह। 34 फलक समय
अयला पर ओ अपन हिस्सा लेबाक
लेल नोकर सभ कैं बटाइदार सभ लग
पठौलथिन। 35 मुदा बटाइदार सभ
हुनकर नोकर सभ कैं पकड़ि, एकटा कैं
पिटलक, एकटाक हत्या कऽ देलक और
एकटा कैं पथरबाहि कयलक। 36 तखन
मालिक पहिल बेर सँ बेसी, आरो नोकर
सभ कैं पठौलथिन। मुदा बटाइदार
सभ ओकरो सभक संग वैह व्यवहार
कयलक। 37 अन्त मे मालिक अपना
बेटा कैं ओकरा सभ लग पठौलथिन, ई
सोचि जे, ओ सभ हमरा बेटाक आदर
करत।

38 “मुदा बटाइदार सभ जखन
मालिकक बेटा कैं देखलक तँ ओ सभ
अपना मे कहऽ लागल जे, ‘ई अपन
बापक उत्तराधिकारी अछि। चलू एकरा
मारि कऽ समाप्त कऽ दी, और ई
सम्पत्ति जे एकरा भेटऽ वला छैक ताहि
पर अधिकार कऽ ली।’ 39 एना सोचि
ओ सभ हुनका पकड़ि लेलकनि आ
बगान सँ बाहर लऽ जा कऽ जान सँ मारि
देलकनि।

40 “आब कहू, बगानक मालिक
जहिया औताह तँ ओ एहि बटाइदार सभ
कैं की करथिन?”

41 ओ सभ उत्तर देलथिन, “ओ ओहि
दुष्ट बटाइदार सभक सर्वनाश करताह
आ अंगूरक बगान ओहन बटाइदार सभ
कैं दऽ देथिन जे फलक समय अयला पर
हुनकर हिस्सा देतनि।”

42 यीशु हुनका सभ कैं कहलथिन, “की
अहाँ सभ धर्मशास्त्र मे ई कहियो नहि
पढ़ने छी?—

‘जाहि पाथर कैं राजमिस्तिरी सभ
बेकार बुझि कऽ फेकि देलक,
वैह पाथर मकानक प्रमुख पाथर भऽ
गेल।
ई काज प्रभु-परमेश्वर कयलनि,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

और ई हमरा सभक नजरि मे अद्‌भुत
बात अछि!’*
43एहि लेल हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी,
परमेश्‍वरक राज्यक अधिकार अहाँ सभ
सँ छिनि लेल जायत आ ताहि समूहक
लोक सभक जिम्मा मे देल जयतैक जे
एकर उचित फल लाओत। 44[जे केओ
एहि पाथर पर खसत से चकना-चूर भऽ
जायत, और जकरा पर ई पाथर खसतैक
से थकुचा-थकुचा भऽ जायत।]”*

45मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ हुनकर
दृष्टान्त सभ सुनि कऽ बुझि गेलाह जे, ई
हमरे सभक सम्बन्ध मे ई सभ बात कहि
रहल अछि। 46ओ सभ यीशु कैँ बन्दी
कोना बनाओल जाय तकर उपाय सोचऽ
लगलाह। मुदा हुनका सभ कैँ डर होइत
छलनि, कारण जनता यीशु कैँ परमेश्‍वरक
प्रवक्‍ता मानैत छलनि।

विवाह भोजक दृष्टान्त

(लूका 14.15-24)

22 यीशु फेर दृष्टान्त दऽ कऽ
हुनका सभ कैँ कहलथिन,
2“स्वर्गक राज्यक तुलना एक एहन
राजा सँ कयल जा सकैत अछि जे अपन
पुत्रक विवाहक उत्सव पर भोजक
आयोजन कयलनि। 3ओ अपन नोकर
सभ कैँ पठौलनि जे उत्सव मे निमन्त्रित
लोक सभ कैँ बिझो करा लाबय।
मुदा निमन्त्रित लोक सभ नहि आबऽ
चाहलक। 4राजा फेर दोसरो नोकर सभ
कैँ ई कहि कऽ पठौलनि जे, ‘आमन्त्रित
लोक सभ कैँ ई कहि दिऔन जे, देखू,
भोजक लेल सभ वस्तु तैयार भऽ गेल
अछि, हमर पालल-मोटायल पशु सभक
वध कऽ सभ किछु बना लेल गेल अछि,
तेँ भोज खयबाक लेल चलै जाइ जाउ।’
5मुदा नोतल लोक सभ राजाक आग्रह
पर कोनो ध्यान नहि देलक। ओकरा सभ
मे सँ केओ अपन खेतक काजक लेल
तँ केओ अपन व्यापारक काजक लेल
चल गेल। 6बाँकी लोक राजाक नोकर
सभ कैँ पकड़ि कऽ ओकरा सभक संग
दुर्व्यवहार कयलक आ जान सँ मारि
देलक।

7“एहि पर राजा क्रोधित भऽ अपन
सैनिक सभ कैँ पठा कऽ ओहि हत्यारा सभ
कैँ मरबा देलथिन आ ओकरा सभक नगर
कैँ जरबा देलथिन। 8तकरबाद ओ अपन
नोकर सभ कैँ कहलथिन, ‘विवाहक भोज
तँ तैयार अछि, मुदा निमन्त्रित लोक सभ
एहि भोज मे खाय ताहि जोगरक नहि
छल। 9तेँ तोँ सभ चौबट्टिआ सभ पर जाह
आ जे केओ भेटह, तकरा सभ कैँ भोज
मे बजा आनह।’ 10नोकर सभ चौबट्टिआ
आ सड़क सभ पर गेल आ नीक-अधलाह
जे केओ भेटलैक, सभ कैँ बजा अनलक।
एतेक लोक आयल जे विवाह-भोजक घर
ओकरा सभ सँ भरि गेलैक।

11“राजा उपस्थित लोक सभ कैँ
देखबाक लेल भीतर अयलाह तँ हुनकर
नजरि एक एहन व्यक्‍ति पर पड़लनि जे
विवाह-उत्सवक लेल अनुकूल वस्त्र नहि
पहिरने छल। 12राजा ओकरा पुछलथिन,
‘यौ मित्र, अहाँ बिनु विवाह-उत्सवक
वस्त्र पहिरने भीतर कोना आबि गेलहुँ?’

21:42 भजन 118.22, 23 **21:44** किछु हस्तलेख सभ मे पद 44 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत
अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ व्यक्ति राजा केँ कोनो उत्तर नहि दऽ
सकलनि। 13एहि पर राजा अपन सेवक
सभ केँ कहलथिन, ‘एकरा हाथ-पयर
बान्हि कऽ बाहर अन्हार मे फेकि दैह
जतऽ लोक कनैत आ दाँत कटकटबैत
रहैत अछि।’ ” 14तकरबाद यीशु
कहलथिन, “बजाओल लोक तँ बहुत
अछि, मुदा ओहि मे चुनल लोक किछुए
अछि।”

कपटपूर्ण प्रश्न और स्पष्ट उत्तर

(मरकुस 12.13-17; लूका 20.20-26)

15 तखन फरिसी सभ जा कऽ विचार-
विमर्श करऽ लगलाह जे कोन तरहेँ यीशु
केँ अपन कहल बातक जाल मे फँसाओल
जाय। 16ओ सभ यीशु लग हेरोद-दलक
सदस्य सभ और अपन किछु चेला सभ केँ
पठौलथिन। ओ सभ आबि कऽ यीशु केँ
कहलकनि, “गुरुजी, हम सभ जनैत छी
जे अपने सत्यवादी छी, सत्यक अनुसार
परमेश्वरक बाटक शिक्षा दैत छी आ
केओ की सोचैत अछि, तकर अपने केँ
कोनो चिन्ता नहि। कारण, अपने मुँह-देखी
बात नहि करैत छी। 17आब हमरा सभ केँ
एकटा बात कहल जाओ—एहि बातक
सम्बन्ध मे अपनेक की विचार अछि?
रोमी सम्राट-कैसर केँ कर देब धर्म-
नियमक अनुसार उचित अछि वा नहि?”

18 यीशु ओकरा सभक दुष्ट उद्देश्य
बुझि कहलथिन, “हे पाखण्डी सभ, अहाँ
सभ हमरा किएक फँसाबऽ चाहैत छी?
19अहाँ सभ कोन सिक्का लऽ कऽ कर
चुकबैत छी?—देखाउ!” ओ सभ यीशु केँ
एक दिनारक सिक्का देलकनि। 20यीशु
सिक्का लऽ प्रश्न कयलथिन, “ई किनकर
चित्र छनि? आ एहि पर किनकर नाम
लिखल छनि?” 21ओ सभ उत्तर देलकनि,
“सम्राट-कैसरक।” तखन यीशु ओकरा
सभ केँ कहलथिन, “जे सम्राटक छनि
से सम्राट केँ दिऔन, आ जे परमेश्वरक
छनि से परमेश्वर केँ दिऔन।” 22यीशुक
जबाब सुनि ओ सभ गुम्म भऽ गेल आ
हुनका लग सँ चल गेल।

जीबि उठबाक प्रश्न

(मरकुस 12.18-27; लूका 20.27-40)

23 ओही दिन सदुकी पंथक लोक, जे
सभ एहि बात केँ नहि मानैत अछि जे
मृत्यु मे सँ मनुष्य फेर जिआओल जायत,
से सभ एकटा प्रश्न लऽ कऽ यीशु लग
आयल। 24ओ सभ कहलकनि, “गुरुजी,
धर्मशास्त्र मे मूसा कहने छथि जे, जँ कोनो
पुरुष निःसन्तान मरि जाय तँ ओकरा भाय
केँ ओकर विधवा स्त्री सँ विवाह कऽ
अपना भायक लेल सन्तान केँ उत्पन्न
करबाक चाही। 25हमरा सभक ओहिठाम
सात भाय छल। जेठ भाय विवाह
कयलक आ मरि गेल। ओकरा कोनो
सन्तान नहि होयबाक कारणेँ ओकर भाय
ओकर स्त्री सँ विवाह कयलक। 26एही
तरहेँ दोसर आ तेसरो भायक संग, आ
होइत-होइत सातो भायक संग यैह बात
भेल। 27अन्त मे जा कऽ ओ स्त्री सेहो
मरि गेलि। 28आब कहल जाओ, ओहि
समय मे जहिया मुइल सभ केँ जिआओल
जयतैक, तँ ओ स्त्री एहि सातो भाय मे
सँ ककर स्त्री होयतैक? किएक तँ ओ
सभक स्त्री बनल छलि।”

29 यीशु उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ ने
धर्मशास्त्र आ ने परमेश्वरक सामर्थ्य
केँ जनैत छी, तेँ अहाँ सभ केँ एहि तरहेँ
धोखा भऽ रहल अछि। 30जीबि उठाओल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गेला पर लोक सभ ने विवाह करत
आ ने विवाह मे देल जायत, बल्कि
ओ सभ स्वर्गदूत सभ जकाँ होयत।
31तखन मुइल सभ कें जिआओल
जयबाक जे बात अछि, ताहि सम्बन्ध
मे की अहाँ सभ ई वचन नहि पढ़ने छी
जे परमेश्वर ⌞एहि पूर्वज सभक मृत्युक
बादो⌟ अहाँ सभ कें कहने छलाह जे,
32‘हम अब्राहमक परमेश्वर, इसहाकक
परमेश्वर आ याकूबक परमेश्वर छी।’*?
ओ मरल सभक नहि, बल्कि जीवित
सभक परमेश्वर छथि।” 33ई उत्तर सुनि
भीड़क लोक सभ हुनकर उपदेश सँ
चकित रहि गेल।

सभ सँ पैघ आज्ञा

(मरकुस 12.28-34; लूका 10.25-28)

34 फरिसी सभ जखन सुनलनि जे यीशु
सदुकी पंथक लोक सभ कें निरुत्तर कऽ
देलथिन तँ ओ सभ जमा भऽ कऽ एक संग
यीशु लग अयलाह। 35हुनका सभ मे सँ
एक गोटे जे धर्म-नियमक पंडित छलाह से
हुनका जँचबाक लेल पुछलथिन, 36“यौ
गुरुजी, धर्म-नियमक सभ सँ पैघ आज्ञा
कोन अछि?” 37यीशु उत्तर देलथिन,
“ ‘तोँ अपन प्रभु-परमेश्वर कें अपन
सम्पूर्ण मोन सँ, अपन सम्पूर्ण आत्मा सँ
आ अपन सम्पूर्ण बुद्धि सँ प्रेम करह।’*
38यैह पहिल आ सभ सँ पैघ आज्ञा अछि।
39आ दोसर सेहो ओही जकाँ अछि
जे, ‘तोँ अपना पड़ोसी कें अपने जकाँ
प्रेम करह।’* 40सम्पूर्ण धर्म-नियम आ
परमेश्वरक प्रवक्ता सभक लेख एही दू
आज्ञा पर केन्द्रित अछि।”

उद्धारकर्ता-मसीह—दाऊदक वंशज आ दाऊदक प्रभु दूनू

(मरकुस 12.35-37; लूका 20.41-44)

41 ओतऽ जमा भेल फरिसी सभ सँ यीशु
पुछलथिन, 42“ ‘उद्धारकर्ता-मसीह’क
विषय मे अहाँ सभक की विचार अछि?
ओ किनकर वंशज छथि?” ओ सभ उत्तर
देलथिन, “दाऊदक।” 43एहि पर यीशु
पुछि देलथिन, “तखन पवित्र आत्माक
प्रेरणा सँ दाऊद किएक हुनका ‘प्रभु’
कहने छथिन? कारण, दाऊद धर्मशास्त्र मे
एहि तरहेँ लिखने छथि,

44 ‘प्रभु-परमेश्वर हमरा प्रभु कें
कहलथिन,
अहाँ हमर दहिना कात बैसू
और हम अहाँक शत्रु सभ कें अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब।’*

45जखन दाऊद उद्धारकर्ता-मसीह कें
‘प्रभु’ कहैत छथिन तँ ओ फेर हुनकर
वंशज कोना भेलाह?”

46 एहि बातक उत्तर मे केओ यीशु कें
एको शब्द नहि कहि सकल आ ने ओहि
दिन सँ ककरो हुनका सँ आरो कोनो प्रश्न
पुछबाक साहस भेलैक।

फरिसी आ धर्मशिक्षक सभ कें धिक्कार

(मरकुस 12.38-40; लूका 11.39-52; 20.45-47)

23 तकरबाद यीशु जमा भेल
लोकक भीड़ कें आ अपना
शिष्य सभ कें कहलथिन, 2“मूसाक धर्म-
नियमक बात सिखयबाक अधिकार

22:32 प्रस्थान 3.6 **22:37** व्यव 6.5 **22:39** लेवी 19.18 **22:44** भजन 110.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धर्मशिक्षक आ फरिसी सभक हाथ मे
छनि। 3तेँ ओ सभ जे किछु कहैत छथि,
तकरा मानू आ करू, मुदा जे ओ सभ
करैत छथि से नहि करू, कारण ओ सभ
लोक सभ केँ जे सिखबैत छथि से अपने
नहि करैत छथि। 4ओ सभ भारी बोझ
बान्हि कऽ लोकक कान्ह पर लादि दैत
छथि मुदा तकरा उठयबाक लेल ओ
सभ स्वयं अपन आङुरो नहि भिड़बऽ
चाहैत छथि। 5ओ लोकनि सभ काज मात्र
लोकक ध्यान आकर्षित करबाक लेल
करैत छथि। अपन तावीज* सभ नमहर
आकारक बनबबैत छथि आ पहिरऽ वला
वस्त्र सभ मे लम्बा-लम्बा झालैर सभ
लगबबैत छथि। 6भोज-काज मे सम्मानित
स्थान आ सभाघर सभ मे प्रमुख आसन
पसन्द करैत छथि। 7हाट-बजार मे लोक
सभ हुनका सभ केँ प्रणाम-पात करैत रहनि
आ ‘गुरुजी’ कहि कऽ सम्बोधन करैत
रहनि, से बात सभ हुनका सभ केँ बहुत
नीक लगैत छनि।

8 “मुदा अहाँ सभ ‘गुरु’ नहि कहाउ,
कारण अहाँ सभक गुरु एकेटा छथि आ
अहाँ सभ आपस मे भाइ-भाइ छी। 9पृथ्वी
पर किनको अपन धर्म-पिता नहि मानू,
कारण अहाँ सभक एकेटा पिता छथि
जे स्वर्ग मे रहैत छथि। 10आ अहाँ सभ
‘आचार्य’ नहि कहाउ, कारण अहाँ सभक
आचार्य सेहो एके गोटे छथि, अर्थात्
उद्धारकर्ता-मसीह। 11अहाँ सभ मे जे
सभ सँ पैघ होइ से सभक सेवक बनू।
12कारण, जे केओ अपना केँ पैघ बुझत
से छोट बनाओल जायत, मुदा जे केओ
अपना केँ छोट बुझत से पैघ बनाओल
जायत।

13 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ स्वर्गक राज्यक
द्वारि लोक सभक लेल बन्द कऽ दैत छी।
ने अपने ओहि मे प्रवेश करैत छी आ ने
तकरा सभ केँ प्रवेश करऽ दैत छिऐक जे
सभ प्रवेश करऽ चाहैत अछि।

14 [“यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ विधवा सभक
घर-द्वारि सभ हड़पि लैत छिऐक। लोक
सभ केँ देखयबाक लेल लम्बा-लम्बा
प्रार्थना करैत छी। तेँ अहाँ सभ केँ बेसी
दण्ड भेटत।]*

15 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ एक गोटे केँ
अपना धर्म मे अनबाक लेल पृथ्वी आ
आकाश एकटार कऽ दैत छी, मुदा जखन
ओ आबि जाइत अछि तँ ओकरा अपनो
सँ दोबर नरक जयबाक जोगरक बना दैत
छिऐक।

16 “यौ आन्हर पथ-प्रदर्शक सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
लोक सभ केँ सिखबैत छी जे, ‘जँ केओ
मन्दिरक नाम लऽ कऽ सपत खायत, तँ
तकर कोनो महत्व नहि अछि, मुदा जँ
मन्दिर मे लगाओल सोनक नाम लऽ कऽ
सपत खायत, तँ ओकरा अपन सपत केँ

23:5 ई तावीज जादू-टोना वला नहि, बल्कि धर्मगुरु लोकनि परमेश्वरक आज्ञा सभ केँ याद रखबाक लेल जे धर्मशास्त्रक पाँति सभ लिखि कऽ कपार वा बाँहि पर बन्हैत छलाह, से अछि। **23:14** किछु हस्तलेख सभ मे पद 14 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पूरा करऽ पड़तैक।’ 17 अहाँ सभ आन्हर
छी! मूर्ख छी! कोन बात पैघ अछि,
लगाओल सोन वा ओ मन्दिर, जकरा
सँ ओ सोन पवित्र भेल अछि? 18 अहाँ
सभ सिखबैत छी जे, ‘जँ केओ बलि-
वेदीक नाम लऽ कऽ सपत खयलक तँ से
कोनो बात नहि, मुदा वेदी पर चढ़ाओल
चढ़ौनाक नाम लऽ कऽ सपत खयलक
तँ से पकिया बात भेल।’ 19 यौ आन्हर
सभ! कोन बात पैघ अछि, चढ़ौना वा
ओ वेदी, जाहि पर अर्पण कयला सँ ओ
चढ़ौना पवित्र भेल अछि? 20 तेँ, जे केओ
वेदीक सपत खाइत अछि से ओहि वेदी
आ ओहि पर जे किछु अछि, सभक सपत
खाइत अछि। 21 तहिना, जे केओ मन्दिरक
सपत खाइत अछि से मन्दिर आ ओहि मे
जे वास करैत छथि, दूनूक सपत खाइत
अछि, 22 और जे केओ स्वर्गक सपत
खाइत अछि, से परमेश्वरक सिंहासन
आ ओहि पर जे विराजमान छथि तिनको
सपत खाइत अछि।

23 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी! अहाँ सभ पुदीना, सोंफ
आ जीरक दसम भाग तँ परमेश्वर केँ
अर्पण करैत छी, मुदा धर्म-नियमक
मुख्य बात सभ, जेना न्याय, करुणा आ
विश्वसनियता सँ कोनो मतलब नहि रखैत
छी। होयबाक तँ ई चाहैत छल जे अहाँ
सभ बिनु ओ बात सभ छोड़ने इहो बात
सभ करितहुँ। 24 यौ आन्हर पथ-प्रदर्शक
सभ, अहाँ सभ तँ मच्छर केँ छानि कऽ
फेकि दैत छी, मुदा ऊँट केँ घोंटि लैत छी।

25 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ थारी-बाटी सभ
केँ बाहर सँ तँ मँजैत छी, मुदा ओहि मे
लूट-पाट आ स्वार्थ द्वारा प्राप्त कयल
वस्तु सभ रखैत छी। 26 यौ आन्हर
फरिसी, थारी-बाटी केँ पहिने भीतर सँ
साफ करू, तखन ओ बाहर सँ सेहो साफ
रहत।

27 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ चून सँ पोतल
कबरक चबुतरा जकाँ छी, जे बाहर सँ तँ
सुन्दर देखाइ दैत रहैत अछि, मुदा ओकरा
भीतर मे लासक हाड़ आ सभ तरहक
सड़ल वस्तु भरल रहैत छैक। 28 तहिना
अहूँ सभ बाहर सँ लोक सभ केँ धार्मिक
बुझाइत छिऐक, मुदा भीतर मे पाखण्ड
आ अधर्म सँ भरल छी।

29 “यौ धर्मशिक्षक आ फरिसी सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ! अहाँ सभ
पाखण्डी छी। अहाँ सभ परमेश्वरक
प्रवक्ता सभक कबर पर चबुतराक
निर्माण करैत छी, धर्मी लोकक स्मारक
केँ सजबैत छी, 30 और कहैत छी जे,
‘हम सभ जँ अपना पुरखा सभक समय
मे रहल रहितहुँ तँ हम सभ परमेश्वरक
प्रवक्ता सभक हत्या मे ओकरा सभ केँ
साथ नहि देने रहितहुँ।’ 31 एहि तरहेँ अहाँ
सभ अपने साक्षी दऽ रहल छी जे अहाँ
सभ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक हत्या
कयनिहारक सन्तान छी। 32 तँ पूरा करू
अपन पुरखाक काज! पापक घैल केँ भरि
दिअ!

33 “हे साँप सभ! हे बिषधर साँपक
सन्तान सभ! अहाँ सभ नरकक दण्ड सँ
कोना बाँचब? 34 एहि कारणेँ, सुनू अहाँ
सभ, हम अहाँ सभ लग अपन प्रवक्ता,
बुद्धिमान लोकनि आ शिक्षक सभ केँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पठा रहल छी। अहाँ सभ ओहि मे सँ कतेक गोटे केँ जान सँ मारि देबनि, क्रूस पर लटका देबनि, कतेक गोटे केँ अपन सभाघर सभ मे कोड़ा सँ मारबनि आ एक नगर सँ दोसर नगर तक खिहारैत
रहबनि। 35एहि तरहेँ पृथ्वी पर धर्मी लोकक जतेक खून बहाओल गेल—धर्मी हाबिलक खून सँ लऽ कऽ बिरिकयाहक पुत्र जकरयाहक खून धरि, जिनका अहाँ सभ मन्दिरक 'पवित्र स्थान' आ बलि-वेदीक बीच हत्या कऽ देलियनि, तकर
भार अहाँ सभक मूड़ी पर पड़त। 36हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, ई सभ बातक लेखा-जोखा एही पीढ़ीक लोक सभ सँ लेल जायत।

यरूशलेमक लेल विलाप

(लूका 13.34-35)

37 "हे यरूशलेम! हे यरूशलेम! तोँ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक हत्या करैत छह आ जिनका परमेश्वर तोरा लग पठबैत छथुन, तिनका सभ केँ तोँ पथरबाहि कऽ कऽ मारि दैत छहुन। हम कतेको बेर चाहलिअह जे जहिना मुर्गी अपना बच्चा सभ केँ अपन पाँखिक तर मे नुकबैत अछि, तहिना हमहूँ तोहर सन्तान सभ केँ जमा कऽ लिअह। मुदा
तोँ ई नहि चाहलह! 38देखह, आब
तोहर घर उजड़ल पड़ल छह। 39हम
तोरा कहैत छिअह, तोँ हमरा फेर ताबत तक नहि देखबह जाबत तक ओ समय नहि आओत जहिया तोँ ई कहबह जे, 'धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ अबैत छथि!'*"

मन्दिरक विनाश होयबाक भविष्यवाणी

(मरकुस 13.1-3; लूका 21.5-7)

24 यीशु जखन मन्दिर सँ निकलि कऽ चल जा रहल छलाह तँ हुनकर शिष्य सभ हुनका लग आबि कऽ मन्दिरक मकान सभ देखाबऽ लगलथिन।
2यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "ई सभ चीज देखैत छी? हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे एतऽ एकोटा पाथर एक-दोसर पर नहि रहत। सभ ढाहल जायत।"
3 जैतून पहाड़ पर यीशु जखन बैसल छलाह तँ शिष्य सभ हुनका लग आबि कऽ एकान्त मे हुनका सँ पुछलथिन, "हमरा सभ केँ कहू जे ई घटना कहिया होयत? अहाँ आब फेर आबऽ पर छी आ संसारक अन्त होमऽ पर अछि, ताहि समय केँ हम सभ कोन बात सँ चिन्हब?"

विपत्ति सभक शुरुआत

(मरकुस 13.4-13; लूका 21.8-19)

4 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन, "होसियार रहू जे अहाँ सभ केँ केओ
बहकाबऽ नहि पाबय। 5बहुतो लोक हमर नाम लऽ कऽ आओत आ कहत जे, 'हमहीं उद्धारकर्ता-मसीह छी,' आ बहुतो
लोक केँ बहका देत। 6अहाँ सभ लड़ाइक समाचार आ लड़ाइक हल्ला सभ सुनब। मुदा देखू, ताहि सँ घबड़ायब नहि। ई सभ होयब आवश्यक अछि, मुदा संसारक
अन्त तहियो नहि होयत। 7एक देश दोसर देश सँ लड़ाइ करत, और एक राज्य दोसर राज्य सँ। बहुतो ठाम मे अकाल पड़त आ

23:39 भजन 118.26

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

भूकम्प होयत। [8]ई सभ बात तँ कष्टक शुरुआते होयत।

9 “ओहि समय मे लोक सभ अहाँ सभ पर अत्याचार करयबाक लेल अहाँ सभ केँ अधिकारी सभक जिम्मा मे लगा देत आ मरबा देत। अहाँ सभ सँ सभ देशक लोक सभ एहि लेल घृणा करत जे अहाँ सभ हमर लोक छी। [10]ओहि समय मे बहुतो लोक अपन विश्वास छोड़ि देत। ओ सभ एक-दोसर केँ पकड़बाओत आ एक-दोसर सँ घृणा करत। [11]एहन बहुतो लोक सभ प्रगट भऽ जायत जे झूठ बाजि कऽ अपना केँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहत आ बहुतो लोक केँ बहका देत। [12]अधर्मक वृद्धि भेला सँ अनेक लोकक आपसी प्रेम मन्द पड़ि जायत। [13]मुदा जे केओ अन्त धरि स्थिर रहत से उद्धार पाओत। [14]परमेश्वरक राज्यक ई शुभ समाचारक प्रचार सम्पूर्ण संसार मे कयल जायत जाहि सँ एकरा सम्बन्ध मे सभ जातिक लोक गवाही सुनय; तखन अन्तक समय आबि जायत।

महासँकट

(मरकुस 13.14-20; लूका 21.20-24)

15 “तँ जखन अहाँ सभ ‘विनाश करऽ वला घृणित वस्तु’ केँ पवित्र स्थान मे ठाढ़ देखब, जकरा विषय मे परमेश्वरक प्रवक्ता दानिएल कहने छथि—पढ़ऽ वला ई बात ध्यान दऽ कऽ बुझू!— [16]तखन जे सभ यहूदिया प्रदेश मे होअय से सभ पहाड़ पर भागि जाय। [17]जे घरक छत पर होअय से उतरि कऽ घर मे सँ कोनो वस्तु लेबऽ नहि लागओ। [18]आ जे खेत मे होअय से घर मे सँ अपन ओढ़ना लेबाक लेल घूमि कऽ नहि आबओ। [19]ओहि समय मे जे स्त्रीगण सभ गर्भवती होयत वा जकरा दूधपीबा बच्चा होयतैक, तकरा सभ केँ कतेक कष्ट होयतैक! [20]प्रार्थना करू जे जाड़क समय वा विश्राम-दिन कऽ अहाँ सभ केँ भागऽ-पड़ाय नहि पड़य। [21]ओहि समय मे एहन कष्ट होयत जे सृष्टिक आरम्भ सँ आइ तक कहियो नहि भेल अछि आ ने फेर कहियो होयत। [22]जँ ओहि समय केँ घटा नहि देल जाइत तँ कोनो मनुष्य नहि बचैत, मुदा परमेश्वर अपन चुनल लोक सभक कारणेँ ओहि समय केँ घटा देताह।

23 “ओहि समय मे जँ केओ अहाँ सभ केँ कहत जे, ‘देखू, मसीह एतऽ छथि!’ वा ‘ओतऽ छथि!’ तँ ओहि बात पर विश्वास नहि करू। [24]कारण, ओहि समय मे झुट्ठा मसीह आ झूठ बाजि कऽ अपना केँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहऽ वला सभ प्रगट होयत, और एहन अजगूत बात आ चमत्कार सभ देखाओत जे, जँ सम्भव रहैत, तँ परमेश्वरक चुनल लोक सभ केँ सेहो बहका दैत। [25]देखू, हम अहाँ सभ केँ पहिनहि कहि देलहुँ।

मनुष्य-पुत्र जहिया फेर औताह

(मरकुस 13.21-31; लूका 21.25-33)

26 “तँ जँ केओ अहाँ सभ केँ कहत जे, ‘चलू, देखू, ओ निर्जन स्थान मे छथि,’ तँ ओकरा संग बाहर नहि जाउ। अथवा जँ कहत जे, ‘देखू, ओ एतऽ कोठरी मे छथि,’ तँ विश्वास नहि करू। [27]किएक तँ जहिना बिजलोकाक चमक पूब सँ निकलि कऽ पश्चिम तक देखाइ दैत अछि, तहिना जखन मनुष्य-पुत्र फेर औताह तँ एहने होयत। [28]जतऽ कतौ लास रहैत अछि ततऽ गिद्ध सभ जुटैत अछि।

29 “ओहि समयक कष्टक ठीक बाद,
‘सूर्य अन्हार भऽ जायत,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चन्द्रमा इजोत नहि देत,
आकाश सँ तारा सभ खसत,
और आकाशक शक्ति सभ हिलि
जायत।'*
30तकरबाद मनुष्य-पुत्रक अयबाक चिन्ह
आकाश मे देखाइ देत। पृथ्वी परक
सभ जातिक लोक सभ कन्ना-रोहटि
करत और मनुष्य-पुत्र कँ सामर्थ्य आ
अपार महिमाक संग आकाशक मेघ मे
अबैत देखत। 31धुतहूक पैघ आवाजक
संग ओ अपन स्वर्गदूत सभ कँ चारू
दिस पठौताह आ ओ सभ आकाश आ
पृथ्वीक अन्तिम सीमा तक जा कऽ
हुनकर चुनल लोक सभ कँ जमा करताह।
32"आब अंजीरक गाछ सँ एकटा बात
सिखू। जखन ओकर ठाढ़ि कोमल होमऽ
लगैत छैक आ ओहि मे नव पात निकलऽ
लगैत छैक तँ अहाँ सभ बुझि जाइत छी जे
गर्मीक समय आबि रहल अछि। 33तहिना
जखन अहाँ सभ ई सभ बात होइत देखब
तँ बुझि लिअ जे समय लगचिआ गेल,
हँ, ई बुझू जे ओ घरक मुँह पर आबि गेल
अछि। 34हम अहाँ सभ कँ सत्य कहैत छी
जे एहि पीढ़ी कँ समाप्त होमऽ सँ पहिने
ई सभ घटना निश्चित घटत। 35आकाश
और पृथ्वी समाप्त भऽ जायत, मुदा हमर
वचन अनन्त काल तक रहत।

जागल रहू

(मरकुस 13.32-37; लूका 17.26-30, 34-36; 12.41-48)

36"मुदा एहि घटना सभक दिन वा
समय केओ नहि जनैत अछि, स्वर्गदूतो
सभ नहि आ पुत्रो नहि*—मात्र पिता
जनैत छथि। 37जहिना नूहक समय मे
भेल तहिना ओहि समय मे होयत जहिया
मनुष्य-पुत्र फेर औताह। 38जल-प्रलय
होमऽ सँ पहिने लोक सभ खाय-पिबऽ मे
आ विवाह करऽ-कराबऽ मे लागल छल।
नूह जाहि दिन जहाज मे चढ़ि गेलाह ताहि
दिन तक लोक सभ एहि सभ काज मे मस्त
रहल। 39ओकरा सभ कँ किछु बुझऽ मे
नहि अयलैक जे कोन बात सभ होमऽ
वला अछि, ताबत जल-प्रलयक बाढ़ि
आबि कऽ ओकरा सभ कँ बहा कऽ लऽ
गेलैक। मनुष्य-पुत्र जहिया फेर औताह,
तहिया ओहिना होयत। 40ओहि समय मे
दू गोटे खेत मे रहत; ओहि मे सँ एकटा लऽ
लेल जायत आ दोसर ओतहि छोड़ि देल
जायत। 41दूटा स्त्रीगण जाँत पिसैत रहत,
एकटा लऽ लेल जायत आ दोसर छोड़ि
देल जायत।
42"तँ अहाँ सभ चौकस रहू, कारण
अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभक
प्रभु कोन दिन आबि जयताह। 43मुदा ई
बात ठीक सँ बुझि लिअ जे, जँ घरक
मालिक कँ बुझल रहितैक जे चोर रातिक
कोन पहर मे आओत तँ ओ जागल रहैत
आ अपना घर मे सेन्ह नहि काटऽ दैत।
44तँ अहूँ सभ सदिखन तैयार रहू, कारण
मनुष्य-पुत्र एहने समय मे आबि जयताह
जाहि समयक लेल अहाँ सभ सोचबो नहि
करब जे ओ एखन औताह।
45"के अछि ओहन विश्वासपात्र आ
बुद्धिमान सेवक जकरा मालिक अपन
घरक आरो सेवक सभक मुखिया बनौथिन

24:29 यशा 13.10; यशा 34.4 **24:36** किछु हस्तलेख सभ मे "आ पुत्रो नहि" नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे ओ ठीक सँ ओकरा सभक देख-
रेख करैक आ समय पर भोजन-भातक
व्यवस्था करैक? 46ओहि सेवकक लेल
कतेक नीक होयत, जकरा मालिक आबि
कऽ ओहिना करैत पौताह। 47हम अहाँ
सभ केँ सत्य कहैत छी जे, मालिक अपन
सम्पूर्ण सम्पत्तिक जबाबदेही ओकरा
जिम्मा मे दऽ देथिन। 48मुदा ओ सेवक
जँ दुष्ट अछि आ एना सोचय जे, ‘हमर
मालिक आबऽ मे बहुत देरी कऽ रहल
अछि,’ 49आ ई सोचि ओ मालिकक
आरो सेवक सभ केँ मारय-पिटय आ
स्वयं पिअक्कड़ सभक संग खाय-पिबऽ
लागय, 50तँ ओहि सेवकक मालिक एहन
दिन मे घूमि औताह जहिया ओ अपन
मालिकक बाट नहि तकैत रहत आ एहन
समय मे औताह जकरा ओ नहि जानत।
51मालिक आबि कऽ ओकरा खण्ड-खण्ड
कटबा देथिन आ ओकरा ताहि ठाम राखि
देथिन जतऽ पाखण्डी लोक अपन दण्ड
भोगैत अछि। ओतऽ लोक कनैत आ दाँत
कटकटबैत रहैत अछि।

दस कुमारि कन्याक दृष्टान्त

25 “ओहि समय मे स्वर्गक राज्य
ओहि दस कुमारि कन्याक
घटना वला बात जकाँ होयत जे सभ
अपन-अपन दीप लऽ कऽ वरक स्वागत
करबाक लेल निकलल। 2ओहि मे
पाँचटा मूर्ख आ पाँचटा बुद्धिआरि छलि।
3मूर्ख कन्या सभ दीप तँ लेलक मुदा
फाजिल तेल अपना संग नहि रखलक।
4मुदा बुद्धिआरि कन्या सभ अपन दीप
आ अलग बर्तन मे तेल सेहो लऽ गेलि।
5वर केँ आबऽ मे जखन देरी भेलनि तँ
सभ औँघाय लागलि आ सुति रहलि।
6“आधा राति बितला पर हो-हल्ला
होमऽ लागल जे, ‘चलू, चलू, वर आबि
गेलाह! हुनका सँ भेँट करऽ चलू!’ 7ई
सुनि सभ कुमारि कन्या उठलि आ अपन-
अपन दीप सभ ठीक करऽ लागलि।
8मूर्ख कन्या सभ बुद्धिआरि कन्या सभ
केँ कहलकैक, ‘देखह, हमर सभक दीप
मिझाय लागल। तोँ सभ अपना मे सँ
कनेक तेल हमरा सभ केँ दैह।’ 9मुदा ओ
बुद्धिआरि कन्या सभ उत्तर देलकैक जे,
‘नहि, कहीं ई तेल अपना सभ गोटेक लेल
पूरा नहि ने होअय। तेँ नीक ई जे तोँ सभ
तेल बेचऽ वला सँ किनि कऽ लऽ आनह।’
10“ओ सभ जखन तेल किनबाक लेल
गेलि तखने वर आबि गेलाह। जे सभ
तैयार छलि, से सभ वरक संग विवाह-
भोज मे भीतर गेलि आ केबाड़ बन्द कयल
गेल। 11बाद मे ओ तेल किनऽ वाली मूर्ख
कन्या सभ आयल आ कहऽ लागलि, ‘यौ
प्रभु, यौ प्रभु! हमरा सभक लेल केबाड़
खोलि दिअ!’ 12मुदा वर उत्तर देलथिन,
‘हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, हम
अहाँ सभ केँ नहि चिन्हैत छी।’ ” 13तखन
यीशु कहलनि, “तेँ अहाँ सभ होसियार
रहू, कारण अहाँ सभ ओहि दिन आ ओहि
समय केँ नहि जनैत छी।

सम्पत्तिक जबाबदेही वला दृष्टान्त

(लूका 19.11-27)

14“स्वर्गक राज्य परदेश जाय लागल
एक गोटेक यात्रा वला बात जकाँ अछि।
परदेश जाय सँ पहिने ओ अपन सेवक सभ
केँ बजौलनि आ अपन सम्पत्तिक देख-
रेख करबाक भार ओकरा सभक जिम्मा
देलथिन। 15ओ अपन सेवक सभक गुणक
अनुसार एकटा केँ पाँच हजार, दोसर केँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दू हजार आ तेसर केँ एक हजार सोनक
रुपैया जिम्मा दऽ परदेश चल गेलाह।
16 जकरा पाँच हजार भेटल छलैक, से
ओकरा तुरत व्यापार मे लगौलक आ
ओहि सँ पाँच हजार आओर कमायल।
17 एहि तरहेँ जकरा दू हजार भेटल छलैक
से दू हजार आओर कमायल। 18 मुदा
जकरा एक हजार भेटल छलैक से खधिया
खुनि कऽ अपन मालिकक रुपैया ओहि मे
नुका कऽ धयलक।

19 “बहुत समय बितला पर मालिक
परदेश सँ घूमि अयलाह आ अपन सेवक
सभ सँ हिसाब-किताब लेबऽ लगलाह।
20 जकरा पाँच हजार भेटल छलैक से दस
हजार रुपैया आनि कऽ अपना मालिक
केँ कहलकनि, ‘मालिक, अपने हमरा
पाँच हजार देने छलहुँ, देखल जाओ,
हम एहि सँ पाँच हजार आरो कमयलहुँ।’
21 मालिक ओहि सेवक केँ कहलथिन,
‘चाबस! तोँ नीक आ भरोसमन्द सेवक
छह! थोड़बो वस्तु मे तोँ विश्वसनीय
रहलह। हम आब तोरा बहुत वस्तु पर
अधिकार देबह। अपन मालिकक आनन्द
मे सहभागी बनह!’

22 “जकरा दू हजार भेटल छलैक सेहो
आबि कऽ कहलकनि, ‘मालिक, अपने
हमरा दू हजार देने छलहुँ, देखल जाओ,
हम एहि सँ दू हजार आरो कमयलहुँ।’
23 मालिक ओहू सेवक केँ कहलथिन,
‘चाबस! तोँ नीक आ भरोसमन्द सेवक
छह! थोड़बो वस्तु मे तोँ विश्वसनीय
रहलह। हम आब तोरा बहुत वस्तु पर
अधिकार देबह। अपन मालिकक आनन्द
मे सहभागी होअह!’

24 “तकरबाद जकरा एक हजार भेटल
छलैक से आयल आ कहलक, ‘मालिक,
हम अपने केँ जनैत छी जे अपने कठोर
आदमी छी। जाहि खेत मे रोपने नहि
छी, ताहि मे कटनी करबैत छी। जतऽ
अपनेक वस्तु छिटायल नहि रहैत अछि,
ततऽ समटबैत छी। 25 तेँ हमरा डर भेल
आ अपनेक देल एक हजार रुपैया हम
जमीन मे गाड़ि कऽ रखने छलहुँ। लेल
जाओ अपन ओ रुपैया।’ 26 मालिक ओहि
सेवक केँ कहलथिन, ‘है दुष्ट आ आलसी
सेवक! जखन तोँ जनैत छलेँ जे हम जाहि
मे रोपने नहि छी ताहि मे कटनी करैत छी
आ जतऽ हमर छिटायल नहि अछि ततऽ
हम समटैत छी, 27 तँ तोँ हमर पाइ कोनो
महाजनक जिम्मा लगा दिते, जाहि सँ हम
आबि कऽ अपन पाइ कम सँ कम व्याजक
संग पबितहुँ। 28 हौ, एकरा सँ इहो पाइ
लऽ लैह आ जकरा लग दस हजार छैक
तकरा दऽ दहक। 29 किएक तँ जकरा लग
छैक तकरा आरो देल जयतैक, जाहि सँ
ओकरा बहुते भऽ जायत। मुदा जकरा लग
नहि छैक, तकरा सँ जेहो छैक सेहो लऽ
लेल जयतैक। 30 और एहि निकम्मा सेवक
केँ बाहर अन्हार मे फेकि दैह जतऽ लोक
कनैत आ दाँत कटकटबैत रहैत अछि।’

न्यायक दिन

31 “मनुष्य-पुत्र अपन सभ स्वर्गदूतक
संग जहिया अपना महिमा मे औताह,
तहिया ओ अपन महिमामय सिंहासन
पर बैसताह। 32 पृथ्वी परक सभ जातिक
लोक हुनका समक्ष जमा कयल जायत, आ
जहिना चरबाह भेँड़ा सभ केँ बकरी सभ सँ
छुटिअबैत अछि, तहिना ओ लोक सभ केँ
एक-दोसर सँ अलग करताह। 33 ओ ‘भेँड़ा’
सभ केँ अपन दहिना कात आ ‘बकरी’ सभ
केँ अपन बामा कात ठाढ़ करताह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

34 “तकरबाद राजा अपन दहिना कात
ठाढ़ भेल लोक सभ केँ कहथिन, ‘हे
हमर पिताक कृपापात्र सभ! आउ, ओहि
राज्यक अधिकारी बनू, जकरा सृष्टिक
आरम्भ सँ अहाँ सभक लेल तैयार कयल
गेल अछि। 35 कारण, हम भूखल छलहुँ
आ अहाँ सभ हमरा भोजन करौलहुँ। हम
पियासल छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा पानि
पिऔलहुँ। हम परदेशी छलहुँ आ अहाँ
सभ अपना घर मे हमर सेवा-सत्कार
कयलहुँ। 36 हम नाङट छलहुँ आ अहाँ सभ
हमरा वस्त्र पहिरौलहुँ। हम बिमार छलहुँ
आ अहाँ सभ हमर रेख-देख कयलहुँ। हम
जहल मे छलहुँ आ अहाँ सभ हमरा सँ भेँट
करबाक लेल अयलहुँ।’

37 “ताहि पर ओ धर्मी लोक सभ
हुनका कहथिन, ‘यौ प्रभु, हम सभ अहाँ
केँ कहिया भूखल देखलहुँ आ भोजन
करौलहुँ, पियासल देखलहुँ आ पानि
पिऔलहुँ? 38 हम सभ अहाँ केँ कहिया
परदेशी देखलहुँ आ अपना घर मे सेवा-
सत्कार कयलहुँ, नाङट देखलहुँ आ वस्त्र
पहिरौलहुँ? 39 कहिया हम सभ अहाँ केँ
बिमार वा जहल मे देखलहुँ आ अहाँ सँ
भेँट करबाक लेल गेलहुँ?’ 40 एहि पर
राजा हुनका सभ केँ उत्तर देथिन, ‘हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे, जे किछु
अहाँ सभ हमर एहि भाय सभ मे सँ ककरो
लेल, छोटो सँ छोटक लेल कयलहुँ, से
हमरा लेल कयलहुँ।’

41 “तकरबाद राजा अपन बामा कात
ठाढ़ लोक सभ केँ कहथिन, ‘हे सरापित
लोक सभ! तोँ सभ हमरा लग सँ दूर हटि
जाह और कहियो नहि मिझाय वला ओहि
आगिक कुण्ड मे पड़ल रहह, जे शैतान आ
ओकर दूत सभक लेल तैयार कयल गेल
अछि। 42 कारण, हम भूखल छलहुँ आ तोँ
सभ हमरा खयबाक लेल किछु नहि देलह,
पियासल छलहुँ आ तोँ सभ पानि नहि
पिऔलह। 43 हम परदेशी छलहुँ आ तोँ सभ
अपना ओतऽ हमर स्वागत नहि कयलह,
नाङट छलहुँ आ वस्त्र नहि पहिरौलह। हम
बिमार छलहुँ, जहल मे छलहुँ, मुदा तोँ सभ
हमरा देखबाक लेल नहि अयलह।’

44 “एहि पर ओहो सभ पुछतनि जे, ‘यौ
प्रभु, हम सभ अहाँ केँ कहिया भूखल,
पियासल, परदेशी, नाङट, बिमार वा
जहल मे बन्द देखलहुँ आ अहाँक सेवा
नहि कयलहुँ?’ 45 ताहि पर राजा ओकरा
सभ केँ उत्तर देथिन, ‘हम तोरा सभ केँ
सत्य कहैत छिअह जे, जे किछु तोँ सभ
हमर एहि भाय सभ मे सँ ककरो लेल,
छोटो सँ छोटक लेल नहि कयलह से
हमरो लेल नहि कयलह।’ ”

46 तखन यीशु कहलनि, “ई सभ अनन्त
दण्ड भोगबाक लेल चल जायत, मुदा
धर्मी सभ अनन्त जीवन मे प्रवेश करत।”

एक दिस हत्याक षड्यन्त्र—दोसर दिस अपूर्व प्रेम

(मरकुस 14.1-9; लूका 22.1-2; यूहन्ना 11.45-53; 12.1-8)

26 ई सभ बात जखन कहल भऽ
गेलनि तँ यीशु अपना शिष्य
सभ केँ कहलथिन, 2 “अहाँ सभ जनैत
छी जे दू दिनक बाद फसह-पाबनि
अछि। ओहि समय मे मनुष्य-पुत्र क्रूस पर
लटका कऽ मारबाक लेल पकड़बाओल
जायत।”

3 ओम्हर काइफा नामक महापुरोहित
जे छलाह तिनका आङन मे मुख्यपुरोहित
आ समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित सभ जमा

भऽ कऽ 4अपना मे विचार-विमर्श करऽ
लगलाह जे कोन तरहेँ छल सँ यीशु केँ
पकड़ि कऽ मारल जाय। 5ओ सभ कहैत
छलाह जे, “मुदा पाबनिक समय मे नहि।
एना नहि होअय जे जनता उपद्रव करय।”
6यीशु जखन बेतनिया गाम मे सिमोन
नामक एक आदमी, जिनका पहिने कुष्ठ-
रोग भेल छलनि, तिनका ओहिठाम
छलाह, 7तँ एक स्त्री बेसकिमती सुगन्धित
तेल एकटा संगमरमरक बर्तन मे लऽ कऽ
अयलीह। यीशु भोजन करैत छलाह तखने
ओ स्त्री ओहि सुगन्धित तेल केँ यीशुक
माथ पर ढारि देलथिन। 8ई देखि हुनकर
शिष्य सभ खिसिआइत बजलाह, “एहन
नीक वस्तु किएक एना बरबाद कयल
गेल? 9एहि तेल केँ बढ़ियाँ दाम मे बेचि
कऽ बहुतो गरीबक सहायता कयल जा
सकैत छल।”
10शिष्य सभक बात बुझि यीशु हुनका
सभ केँ कहलथिन, “एहि स्त्री केँ अहाँ सभ
किएक डाँटि रहल छी? ई तँ हमरा लेल
बहुत बढ़ियाँ काज कयलनि। 11गरीब सभ
तँ अहाँ सभक संग सभ दिन रहत, मुदा हम
अहाँ सभक संग सभ दिन नहि रहब। 12ई
सुगन्धित तेल हमरा मूड़ी पर ढारि कऽ
ई स्त्रीगण हम जे कबर मे राखल जायब,
तकर तैयारी कयलनि। 13हम अहाँ सभ केँ
सत्य कहैत छी जे, संसार भरि मे जतऽ कतौ
हमर शुभ समाचारक प्रचार कयल जायत,
ततऽ एहि स्त्रीगणक स्मरण मे हिनकर एहि
काजक चर्चा सेहो कयल जायत।”

यहूदाक विश्वासघाती योजना

(मरकुस 14.10-11; लूका 22.3-6)

14तकरबाद यीशुक बारह शिष्य मे
सँ एक जकर नाम यहूदा इस्करियोती
छलैक से मुख्यपुरोहित सभ लग जा
कऽ कहलकनि, 15“हम जँ यीशु केँ
अहाँ सभक हाथ मे पकड़बा देब तँ
अहाँ सभ हमरा की देब?” एहि पर ओ
सभ तीसटा चानीक सिक्का ओकरा
देलथिन। 16ओहि समय सँ यहूदा यीशु केँ
पकड़बयबाक अनुकूल अवसरक ताक
मे रहऽ लागल।

शिष्य सभक संग यीशुक अन्तिम भोज

(मरकुस 14.12-21; लूका 22.7-13, 21-23;
यूहन्ना 13.21-30)

17“बिनु खमीरक रोटी वला पाबनि”क
पहिल दिन यीशुक शिष्य सभ हुनका
लग आबि पुछलथिन, “फसह-पाबनिक
भोजक व्यवस्था अहाँक लेल हम सभ
कतऽ ठीक करू?” 18यीशु कहलथिन,
“शहर मे फलानाक ओतऽ जाउ आ कहू,
‘गुरुजी कहलनि अछि जे हमर समय
आब लगचिआ गेल अछि। हम अपन
शिष्य सभक संग अहाँक ओतऽ फसह-
भोज खायब।’ ” 19शिष्य सभ यीशुक
कथनानुसार सभ बात कऽ कऽ फसह-
पाबनिक भोजक व्यवस्था ओतहि
कयलनि।
20साँझ पड़ला पर यीशु अपन बारहो
शिष्यक संग भोजन करबाक लेल
बैसलाह। 21भोजन करैत समय यीशु
अपना शिष्य सभ केँ कहलथिन, “हम
अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी, अहाँ सभ
मे सँ एक गोटे हमरा पकड़बा देब।”
22ई सुनि शिष्य सभ बहुत उदास भऽ
गेलाह। ओ सभ बेरा-बारी हुनका सँ
पुछऽ लगलनि जे, “हे प्रभु, ओ हम तँ
नहि छी?” 23यीशु उत्तर देलथिन, “हमरा
संग जे बट्टा मे हाथ रखने अछि सैह हमरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पकड़बाओत। 24मनुष्य-पुत्रक सम्बन्ध
मे जहिना धर्मशास्त्र मे लिखल गेल
अछि तहिना तँ ओ चलिए जायत, मुदा
धिक्कार अछि ओहि मनुष्य कैँ जे मनुष्य-
पुत्र कैँ पकड़बा रहल अछि। ओकरा लेल
तँ नीक ई रहितैक जे ओ जन्मे नहि लेने
रहैत।” 25एहि पर हुनका पकड़बाबऽ
वला यहूदा कहलकनि, “गुरुजी, की
अहाँ हमरा बारे मे तँ नहि कहि रहल
छी?” यीशु उत्तर देलथिन, “अहाँ स्वयं
कहि देलहुँ।”

“प्रभु-भोज”क शुरुआत

(मरकुस 14.22-26; लूका 22.14-20;
1 कोरिन्थी 11.23-25)

26 ओ सभ जखन भोजन कऽ रहल
छलाह तँ यीशु रोटी लेलनि आ परमेश्वर
कैँ धन्यवाद देलनि। ओ रोटी कैँ
तोड़ि कऽ शिष्य सभ कैँ देलथिन आ
कहलथिन, “लिअ, खाउ, ई हमर देह
अछि।” 27तकरबाद ओ बाटी लेलनि आ
परमेश्वर कैँ धन्यवाद दऽ कऽ शिष्य सभ
कैँ दैत कहलथिन, “अहाँ सभ केओ एहि
मे सँ पिबू। 28ई परमेश्वर आ मनुष्यक
बीच विशेष सम्बन्ध* स्थापित करऽ
वला हमर खून अछि, जे बहुत लोकक
पापक क्षमादानक लेल बहाओल जा
रहल अछि। 29हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी
जे, ई अंगूरक रस हम आजुक बाद ताबत
तक फेर नहि पीब जाबत तक हम अपन
पिताक राज्य मे अहाँ सभक संग नवका
अंगूरक रस नहि पीब।” 30तकरबाद एक
भजन गाबि कऽ ओ सभ जैतून पहाड़ पर
चल गेलाह।

शिष्य सभक पतनक सम्बन्ध मे भविष्यवाणी

(मरकुस 14.27-31; लूका 22.31-34;
यूहन्ना 13.36-38)

31 तखन यीशु अपना शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, “आइए राति अहाँ सभ
गोटे हमरा कारणेँ अपना विश्वास मे
डगमगायब, किएक तँ धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि जे परमेश्वर कहने छथि,

‘हम चरबाह कैँ मारि देबैक,
आ झुण्डक भेँड़ा सभ छिड़िया
जायत।’*

32मुदा मृत्यु सँ फेर जीवित भऽ गेलाक
बाद हम अहाँ सभ सँ पहिने गलील प्रदेश
जायब।”

33 एहि पर पत्रुस कहलथिन, “चाहे
सभ केओ अहाँक कारणेँ विश्वास
मे डगमगायत, मुदा हम कहियो
नहि डगमगायब!” 34यीशु पत्रुस कैँ
कहलथिन, “हम अहाँ कैँ सत्य कहैत
छी जे, आइए राति मे मुर्गा कैँ बाजऽ सँ
पहिने अहाँ तीन बेर हमरा अस्वीकार कऽ
कऽ लोक कैँ कहबैक जे, हम ओकरा
चिन्हबो नहि करैत छिऐक।” 35मुदा
पत्रुस कहलथिन, “हमरा जँ अहाँक संग
मरहो पड़त तैयो हम किन्नहुँ नहि अहाँ कैँ
अस्वीकार करब।” आरो सभ शिष्य सेहो
यैह बात कहलथिन।

गतसमनी मे यीशुक प्रार्थना

(मरकुस 14.32-42; लूका 22.39-46)

36 ओहिठाम सँ यीशु अपन शिष्य
सभक संग गतसमनी नामक एक जगह

26:28 किछु हस्तलेख सभ मे “विशेष नव सम्बन्ध” लिखल अछि। **26:31** जक 13.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पर गेलाह। ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन,
“हम किछु आगाँ जा कऽ जाबत प्रार्थना
करैत छी ताबत अहाँ सभ एतऽ बैसल
रहू।” 37 ओ पत्रुस आ जबदीक दूनू पुत्र
कैँ अपना संग लऽ गेलाह। ओ बहुत
व्यथित आ व्याकुल होमऽ लगलाह,
38 और हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हमर
मोन व्यथा सँ एतेक व्याकुल अछि—मानू
जे हम दुःख सँ मरऽ पर छी। अहाँ सभ
एहिठाम रहि कऽ हमरा संग जागल रहू।”

39 एतेक कहि ओ कनेक आगाँ
बढ़लाह आ मुँह भरे खसि कऽ प्रार्थना
करऽ लगलाह, “हे हमर पिता, जँ भऽ
सकैत अछि तँ ई दुःखक बाटी हमरा लग
सँ हटा लिअ, मुदा तैयो जेना हम चाहैत
छी तेना नहि, बल्कि जेना अहाँ चाहैत छी
तेना होअय।”

40 तकरबाद यीशु अपन तीनू शिष्य लग
अयलाह। ओ हुनका सभ कैँ सुतल देखि
पत्रुस कैँ पुछलथिन, “की हमरा संग एको
घण्टा जागल रहितहुँ से अहाँ सभ कैँ पार
नहि लागल? 41 परीक्षा मे नहि पड़ि जाउ
ताहि लेल अहाँ सभ जागल रहू आ प्रार्थना
करैत रहू। आत्मा तँ तत्पर अछि मुदा
शरीर कमजोर।”

42 यीशु फेर जा कऽ प्रार्थना करऽ
लगलाह, “हे पिता, जँ ई बाटी बिनु पिने
हमरा लग सँ नहि हटाओल जा सकैत
अछि, तँ अहाँक जे इच्छा अछि से पूरा
होअय।” 43 ओ जखन प्रार्थना कऽ कऽ
शिष्य सभ लग अयलाह तँ ओ सभ फेर
सुतल छलाह। हुनकर सभक आँखि नीन
सँ भारी भऽ गेल छलनि।

44 यीशु हुनका सभ कैँ सुतले छोड़ि
कऽ फेर गेलाह आ तेसरो बेर ओही तरहेँ
प्रार्थना कयलनि। 45 तकरबाद ओ शिष्य
सभ लग अयलाह आ कहलथिन, “की
अहाँ सभ एखनो तक सुतिए रहल छी आ
आरामे कऽ रहल छी? देखू, ओ समय
आब आबि गेल, मनुष्य-पुत्र पापी सभक
हाथ मे पकड़बाओल जा रहल अछि।
46 उठू-उठू! चलू! देखू, हमरा पकड़बाबऽ
वला आबि गेल अछि!”

यीशु बन्दी बनाओल गेलाह

(मरकुस 14.43-50; लूका 22.47-53; यूहन्ना 18.3-12)

47 यीशु ई बात कहिए रहल छलाह
कि यहूदा, जे बारह शिष्य मे सँ एक
छल, ओतऽ पहुँचि गेल। ओकरा संग
लोकक बड़का भीड़ छलैक, और
सभक हाथ मे तरुआरि आ लाठी छल।
ओकरा सभ कैँ मुख्यपुरोहित सभ आ
समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि पठौने
छलाह। 48 यीशु कैँ पकड़बाबऽ वला
ओकरा सभ कैँ ई संकेत देने छलैक
जे, “हम जकरा चुम्मा लेब, वैह होयत।
अहाँ सभ ओकरे पकड़ि लेब।” 49 यहूदा
तुरत यीशुक लग मे जा कऽ कहलकनि,
“गुरुजी, प्रणाम!” आ हुनका चुम्मा
लेलकनि। 50 यीशु कहलथिन, “हौ
मित्र, तोँ जाहि काजक लेल आयल
छह, से कऽ लैह।” तखन लोक सभ
आगाँ बढ़ि कऽ यीशु कैँ पकड़ि
लेलकनि आ बन्दी बना लेलकनि। 51 ई
देखि यीशुक एक शिष्य अपन तरुआरि
निकालि कऽ महापुरोहितक टहलू पर
चला देलनि जाहि सँ ओकर एकटा
कान छपटा गेलैक। 52 यीशु अपना
शिष्य कैँ कहलथिन, “अपन तरुआरि
म्यान मे राखि लिअ। जे केओ तरुआरि
चलबैत अछि से तरुआरि सँ मारल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जायत। [53]की अहाँ ई सोचैत छी, जे हम अपन पिता सँ एहि बातक लेल निवेदन नहि कऽ सकैत छी जे ओ एही क्षण हमरा सहायताक लेल स्वर्गदूतक बारह सेना सँ बेसिओ पठबथि? [54]मुदा तखन धर्मशास्त्रक जे लेख अछि, जे ई सभ भेनाइ जरूरी अछि, से कोना पूरा होइत?"

55 तकरबाद यीशु अपना चारू भागक भीड़क लोक कैँ कहलथिन, "की अहाँ सभ हमरा विद्रोह मचाबऽ वला बुझि कऽ लाठी और तरुआरि लऽ कऽ पकड़ऽ अयलहुँ? हम तँ सभ दिन मन्दिर मे बैसि कऽ लोक कैँ उपदेश दैत छलिऐक, ततऽ अहाँ सभ हमरा नहि पकड़लहुँ। [56]मुदा ई सभ एना एहि लेल भेल जे परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक लिखल बात सभ पूरा होअय।" तकरबाद हुनकर सभ शिष्य हुनका छोड़ि कऽ पड़ा गेलनि।

धर्म-महासभाक सामने यीशु

(मरकुस 14.53-65; लूका 22.54-55, 63-71; यूहन्ना 18.13-14, 19-24)

57 यीशु कैँ पकड़ऽ वला सभ हुनका महापुरोहित काइफाक ओतऽ लऽ गेलनि। ओहिठाम धर्मशिक्षक आ समाजक बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ जमा भेल छलाह। [58]पत्रुस सेहो कनेक दूरे रहि कऽ यीशुक पाछाँ लागल महापुरोहितक आङन तक गेलाह। ओ एहि घटनाक अन्त देखबाक उद्देश्य सँ नोकर सभक संग भीतर जा कऽ बैसि रहलाह। [59]ओम्हर मुख्यपुरोहित सभ आ सम्पूर्ण धर्म-महासभाक सदस्य सभ यीशु कैँ मृत्युदण्डक योग्य बनयबाक लेल हुनका विरोध मे झूठ-फूसक प्रमाण सभ जमा करबाक कोशिश मे लागल छलाह। [60]मुदा बहुतो झुट्ठा गवाह सभक वयान लेलाक बादो कोनो पकिया प्रमाण हुनका सभ कैँ नहि भेटलनि। अन्त मे दू गोटे आगाँ आबि कऽ बाजल, [61]"ई आदमी कहने छल जे, 'हम परमेश्वरक मन्दिर कैँ तोड़ि कऽ तीन दिन मे फेर ओकर निर्माण कऽ सकैत छी'।"

62 एहि पर महापुरोहित ठाढ़ होइत यीशु कैँ पुछलथिन, "की अहाँ कोनो उत्तर नहि देब? ई गवाह सभ अहाँक विरोध मे केहन बात सभ कहि रहल अछि?" [63]मुदा यीशु चुपे रहलाह। महापुरोहित फेर कहलथिन, "अहाँ जीवित परमेश्वरक सपत खा कऽ कहू जे, की अहाँ उद्धारकर्ता-मसीह, परमेश्वरक पुत्र छी?" [64]यीशु उत्तर देलथिन, "अहाँ अपने कहि देलहुँ। और हम अहाँ सभ कैँ इहो बात कहैत छी जे, भविष्य मे अहाँ सभ मनुष्य-पुत्र कैँ सर्वशक्तिमान परमेश्वरक दहिना कात बैसल आ आकाशक मेघ मे अबैत देखब।"

65 ई बात सुनिते महापुरोहित अपन वस्त्र फाड़ैत बजलाह, "ई आदमी अपना कैँ परमेश्वरक बराबरि बुझैत अछि! की अपना सभ कैँ एखनो गवाह सभक आवश्यकता अछि? अहाँ सभ स्वयं अपन कान सँ सुनलहुँ जे ई परमेश्वरक निन्दा कयलक। [66]आब अहाँ सभक की विचार अछि?" ओ सभ उत्तर देलथिन, "ई मृत्युदण्डक जोगरक अछि।"

67 तकरबाद ओहिठाम उपस्थित लोक सभ यीशु कैँ मुँह पर थूक फेकऽ लगलनि, हुनका मुक्का मारलकनि। किछु लोक हुनका थप्पड़ मारैत कहलकनि, [68]"यौ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अन्तर्यामी मसीह! कहल जाओ, अपने केँ
के मारलक?”

पत्रुस द्वारा यीशु केँ अस्वीकार

(मरकुस 14.66-72; लूका 22.56-62;
यूहन्ना 18.15-18, 25-27)

69 पत्रुस ओहि समय धरि बाहर
आङन मे बैसल छलाह। तखन
एक टहलनी हुनका लग आबि कऽ
कहलकनि, “अहूँ तँ गलील निवासी
यीशुक संग छलहुँ।” 70मुदा पत्रुस सभक
सामने मे अस्वीकार करैत ओकरा
कहलथिन, “तोँ की बाजि रहल छेँ से
हमरा बुझहे मे नहि अबैत अछि।” 71ई
बात कहि पत्रुस ओहिठाम सँ हटि कऽ
आङनक मुँह पर चल गेलाह। तखन
एक दोसर टहलनी हुनका देखि ओतऽ
ठाढ़ लोक सभ केँ कहलक, “ई आदमी
नासरत नगरक यीशुक संग छल।”
72पत्रुस सपत खाइत फेर अस्वीकार
कयलनि जे, “हम ओहि आदमी केँ
नहि चिन्हैत छी!” 73किछु कालक
बाद ओहिठाम ठाढ़ लोक सभ पत्रुस
लग आबि कऽ कहलकनि, “निश्चय
तोँ ओकरे सभ मे सँ छह। तोहर बोलिए
एहि बात केँ स्पष्ट कऽ रहल छह।”
74तखन पत्रुस सपत खा कऽ अपना
केँ सरापऽ लगलाह आ कहलथिन जे,
“हम ओहि आदमी केँ चिन्हिते नहि
छी!” ठीक ओही क्षण मे मुर्गा बाजि
उठल। 75तखन पत्रुस केँ यीशुक कहल
ओ बात मोन पड़ि गेलनि जे, “मुर्गा केँ
बाजऽ सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर
अस्वीकार करब।” ओ ओहिठाम सँ
बाहर भऽ भोकासी पाड़ि कऽ कानऽ
लगलाह।

राज्यपाल पिलातुसक जिम्मा मे यीशु

(मरकुस 15.1; लूका 23.1-2;
यूहन्ना 18.28-32)

27 प्रात भेने भोरे-भोर सभ
मुख्यपुरोहित आ समाजक
बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ आपस मे
विचार-विमर्श कऽ एहि बातक निश्चय
कयलनि जे यीशु केँ मारि देल जाय। 2ओ
सभ यीशु केँ बान्हि कऽ लऽ गेलाह आ
राज्यपाल पिलातुसक जिम्मा मे लगा
देलथिन।

यहूदा इस्करियोतीक अफसोच

3 यहूदा इस्करियोती जे यीशु केँ
पकड़बौने छल, से जखन देखलक
जे यीशु केँ मृत्युदण्डक आज्ञा देल
गेलनि, तखन ओ बहुत पछतायल। ओ
मुख्यपुरोहित आ बूढ़-प्रतिष्ठित सभ लग
चानीक तीस सिक्का लऽ कऽ गेल आ
हुनका सभ केँ कहलकनि, 4“हम निर्दोष
व्यक्ति केँ मृत्युदण्डक लेल पकड़बा कऽ
पाप कयलहुँ अछि।”

ओ सभ उत्तर देलथिन, “ई बात तोँ
जानह, एहि सँ हमरा सभ केँ कोनो मतलब
नहि अछि।”

5 एहि पर ओ चानीक सिक्का सभ
मन्दिर मे फेकि कऽ चल गेल आ अपना
केँ फँसरी लगा लेलक।

6 मुख्यपुरोहित सभ ओ चानीक
सिक्का उठा कऽ बजलाह, “एकरा
मन्दिरक खजाना मे राखब उचित नहि
होयत, किएक तँ ई खूनक मूल्य अछि।”
7ओ सभ आपस मे एहि बातक विचार-
विमर्श कऽ परदेशी लोक सभक लास केँ
गाड़बाक लेल ओहि पाइ सँ कुम्हारक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एकटा खेत किनि लेलनि। 8एहि कारण
सँ आइओ धरि ओ खेत “खूनक खेत”
कहबैत अछि। 9एहि तरहेँ परमेश्‍वरक
प्रवक्ता यर्मियाहक ई वचन पूर्ण भेल जे,

“ओ सभ तीस चानीक सिक्का
लेलक; ई ओ मूल्य छल, जे
इस्राएली लोक सभ हुनकर दाम
लगौने छल।
10 जेना प्रभु सँ हमरा आज्ञा भेटल छल,
तेना ओहि पाइ सँ कुम्हारक
खेत किनल गेल।”*

राज्यपाल द्वारा जाँच आ फैसला—निर्दोष मुदा मृत्युदण्ड

(मरकुस 15.2-15; लूका 23.3-5; 13-25 यूहन्ना 18.33-40; 19.1-16)

11 एम्हर यीशु राज्यपाल पिलातुसक
सम्मुख ठाढ़ छलाह। राज्यपाल हुनका
सँ पुछलथिन, “की अहाँ यहूदी सभक
राजा छी?” यीशु हुनका उत्तर देलथिन,
“अहाँ अपने कहि रहल छी।” 12मुदा
मुख्यपुरोहित आ बूढ़-प्रतिष्‍ठित लोक सभ
जे कोनो दोष यीशु पर लगौलथिन तकर
ओ कोनो उत्तर नहि देलथिन। 13एहि
पर पिलातुस कहलथिन, “की अहाँ नहि
सुनि रहल छी जे ई सभ अहाँ पर कतेक
आरोप लगा रहल छथि?” 14मुदा यीशु
एको बातक कोनो उत्तर नहि देलथिन।
ई बात देखि राज्यपाल केँ बहुत आश्‍चर्य
लगलनि।

15 प्रत्येक साल फसह-पाबनिक
अवसर पर राज्यपाल जनताक इच्छाक
अनुसार एक कैदी केँ छोड़ि दैत छलाह।
16ओहि समय मे बरब्बा नामक एक नामी
अपराधी जहल मे बन्द छल। 17भीड़ केँ
जमा भेला पर राज्यपाल पिलातुस ओकरा
सभ केँ पुछलथिन, “अहाँ सभ की चाहैत
छी? अहाँ सभक लेल हम ककरा छोड़ि
दिअ? बरब्बा केँ वा यीशु केँ, जे मसीह
कहबैत अछि?” 18पिलातुस ई बात जानि
गेल छलाह जे धर्मगुरु सभ यीशु केँ ईर्ष्याक
कारणेँ पकड़बौने छथि। 19पिलातुस
न्यायासन पर बैसले छलाह कि हुनकर
स्‍त्री कहा पठौलथिन जे, “ओहि निर्दोष
मनुष्य केँ किछु नहि करिऔक! किएक
तँ हम आइ राति सपना मे हुनका कारणेँ
बहुत दुःख सहलहुँ अछि।”

20 मुदा मुख्यपुरोहित सभ आ बूढ़-
प्रतिष्‍ठित लोक सभ जमा भेल लोक
सभ केँ सिखा देने छलाह जे, “तोँ सभ
बरब्बा केँ छोड़ि देबाक लेल आ यीशुक
मृत्युदण्डक माँग करिहह।” 21राज्यपाल
ओकरा सभ केँ पुछलथिन, “अहाँ सभ
की चाहैत छी? एहि दूनू मे सँ अहाँ सभक
लेल हम ककरा छोड़ि दिअ?” ओ सभ
बाजल, “बरब्बा केँ।” 22पिलातुस
कहलथिन, “तखन फेर एहि यीशु केँ,
जे मसीह कहबैत अछि तकरा हम की
करू?” सभ कहऽ लागल, “ओकरा क्रूस
पर चढ़ाउ!” 23ओ पुछलथिन, “किएक?
ई कोन अपराध कयने अछि?” एहि पर
लोकक भीड़ आरो जोर-जोर सँ चिचियाय
लागल, “ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ!”

24 जखन पिलातुस देखलनि जे यीशु
केँ बचयबाक हुनकर प्रयत्‍न सफल नहि
भऽ रहल अछि, बल्कि एहि सँ उपद्रव
बढ़ि रहल अछि, तखन ओ हाथ मे पानि
लऽ कऽ लोक सभक सामने अपन हाथ

27:10 जक 11.12,13; यर्मि 32.6-9 केँ देखब।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धोइत कहलथिन, “एहि मनुष्यक खूनक
दोषी हम नहि छी। अहीं सभ एहि बात
कैँ जानू!” 25 भीड़क लोक हुनका उत्तर
देलकनि, “एकर खूनक दोष हमरा सभ पर
आ हमर सभक सन्तान सभ पर होअय!”
26 तकरबाद पिलातुस ओकरा सभक
इच्छाक अनुसार बरब्बा कैँ छोड़ि
देलथिन आ यीशु कैँ कोड़ा सँ पिटबा कऽ
क्रूस पर चढ़यबाक लेल सैनिक सभक
जिम्मा लगा देलथिन।

सैनिक सभ द्वारा यीशुक अपमान

(मरकुस 15.16-20; यूहन्ना 19.2-3)

27 राज्यपालक सैनिक सभ यीशु कैँ
राजभवन मे लऽ गेलनि आ अपन पूरा
सैनिक-दल कैँ हुनका चारू कात जमा कऽ
लेलक। 28 ओ सभ यीशु जे वस्त्र पहिरने
छलाह तकरा निकलबा कऽ लाल रंगक
राजसी वस्त्र पहिरा देलकनि। 29 काँटक
मुकुट बना हुनका मूड़ी पर रखलकनि आ
हुनका दहिना हाथ मे एक छड़ी पकड़ा
देलकनि। तकरबाद हुनका सामने ठेहुनिया
दऽ कऽ हुनकर मजाक उड़बैत कहऽ
लगलनि, “यहूदी सभक राजा, प्रणाम!”
30 ओ सभ हुनका पर थूक फेकलकनि
आ हुनका हाथ सँ छड़ी लऽ कऽ बेर-बेर
मूड़ी पर मारलकनि। 31 ओ सभ एहि तरहेँ
यीशुक मजाक उड़ौलाक बाद हुनका
देह पर सँ लाल रंग वला वस्त्र निकालि
लेलकनि आ हुनकर अपन कपड़ा फेर
पहिरा देलकनि। तकरबाद ओ सभ हुनका
क्रूस पर लटकयबाक लेल लऽ गेलनि।

क्रूस

*(मरकुस 15.21-32; लूका 23.26-43;
यूहन्ना 19.17-27)*

32 शहर सँ बाहर लऽ जाइत काल
सैनिक सभ कैँ सिमोन नामक एक आदमी
जे कुरेन नगरक रहऽ वला छल, से
भेटलैक। ओकरा सैनिक सभ जबरदस्ती
पकड़ि कऽ यीशुक क्रूस उठा कऽ लऽ
चलबाक लेल कहलकैक।
33 यीशु कैँ लऽ कऽ ओ सभ गुलगुता,
अर्थात् “खप्पड़ वला स्थान” पर पहुँचल।
34 ओहिठाम ओ सभ यीशु कैँ तीत दवाइ
मिलाओल दारू पिबाक लेल देलकनि,
मुदा ओ ओकरा चिखि कऽ नहि पिलनि।
35 सैनिक सभ हुनका हाथ-पयर मे काँटी
ठोकि कऽ क्रूस पर टाँगि देलकनि। हुनकर
वस्त्र पर चिट्ठा खसा कऽ अपना मे बाँटि
लेलक,* 36 तखन ओतऽ बैसि कऽ पहरा
देबऽ लागल। 37 ओ सभ एक दोष-पत्र
हुनका मूड़ीक उपर क्रूस पर टाँगि देलक
जाहि पर लिखल छलैक जे, “ई यीशु अछि,
यहूदी सभक राजा”। 38 यीशुक संगे दूटा
डाकू सेहो क्रूस पर चढ़ाओल गेल, एकटा
हुनकर दहिना कात और दोसर बामा कात।
39 ओहि बाटे आबऽ-जाय वला लोक
सभ मूड़ी डोला-डोला कऽ हुनकर निन्दा
कऽ रहल छल। 40 ओ सभ कहैत छल,
“रे मन्दिर कैँ तोड़ऽ वला और तीन दिन मे
ओकरा बनाबऽ वला! तोँ जँ परमेश्वरक
पुत्र छैँ तँ अपना कैँ बचा आ एहि क्रूस पर
सँ उतरि आ।”

27:35 बादक किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “बाँटि लेलक, जाहि सँ परमेश्वरक प्रवक्ता द्वारा कहल ई बात पूरा होअय जे, ‘ओ सभ अपना मे हमर वस्त्र बाँटि लेलक, हमरा कपड़ाक लेल ओ सभ चिट्ठा खसौलक।’ ” (भजन 22.18)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

41 तहिना मुख्यपुरोहित लोकनि,
धर्मशिक्षक सभ आ बूढ़-प्रतिष्ठित लोक
सभ सेहो हुनकर मजाक उड़बैत कहलनि,
42 “ई आन लोक सभ केँ बचबैत रहल
मुदा अपना केँ नहि बचा सकैत अछि।
ई जँ इस्राएलक राजा अछि तँ एखन क्रूस
पर सँ उतरि आबओ, तखन हमहूँ सभ
एकरा पर विश्वास करबैक। 43 ई आदमी
परमेश्वर पर भरोसा रखैत छल। जँ
एकरा सँ परमेश्वर प्रसन्न छथिन तँ एखन
बचबथुन। ई तँ अपना केँ परमेश्वरक पुत्र
कहैत छल।”

44 एहि तरहेँ ओ डाकू सभ सेहो, जकरा
यीशुक संग क्रूस पर चढ़ाओल गेल
छलैक, यीशुक निन्दा कऽ रहल छल।

यीशुक मृत्यु

*(मरकुस 15.33-41; लूका 23.44-49;
यूहन्ना 19.28-30)*

45 ओहि दिन बारह बजे सँ तीन बजे
तक सम्पूर्ण देश अन्हार-कुप्प भऽ गेल।
46 करीब तीन बजे मे यीशु बहुत जोर
सँ बजलाह जे, “एली, एली, लामा
सबक्तनी”, जकर अर्थ ई अछि, “हे
हमर परमेश्वर, हे हमर परमेश्वर, हमरा
अहाँ किएक छोड़ि देलहुँ?”* 47 ई सुनि
ओतऽ ठाढ़ लोक सभ मे सँ किछु लोक
बाजल, “ई आदमी एलियाह केँ बजा
रहल अछि।” 48 ओकरा सभ मे सँ एक
गोटे तुरत दौड़ि कऽ गेल आ रूइ जकाँ
एकटा एहन चीज जे पानि सोखैत अछि
से लऽ कऽ तीताह दारू मे डुबा लेलक,
तखन ओकरा लाठीक हूर पर अटका
कऽ हुनका पिबाक लेल देलकनि।
49 मुदा दोसर लोक सभ ओकरा
कहलकैक, “थम्हह, पहिने देखी जे
एलियाह एकरा बचयबाक लेल अबैत
छथि कि नहि।”

50 तकरबाद यीशु फेर जोर सँ आवाज
दऽ कऽ अपन प्राण त्यागि देलनि।
51 ओही क्षण मन्दिर मे जे परदा छलैक से
ऊपर सँ नीचाँ तक चिरा कऽ दू भाग मे
फाटि गेल। पृथ्वी डोलऽ लागल। चट्टान
सभ फाटि गेल। 52 कबरक मुँह खुजि गेल
आ परमेश्वरक बहुतो भक्त सभक लास
फेर जिआओल गेल। 53 ओ सभ कबर सँ
बहरा कऽ यीशु केँ जीबि उठलाक बाद
“पवित्र नगर”* मे जा कऽ बहुतो लोक
सभ केँ देखाइ देलनि।

54 रोमी कप्तान आ हुनका संग यीशु पर
पहरा देबऽ वला सैनिक सभ, भूकम्प आ
एहि घटना सभ केँ देखि बहुत डेरा गेल,
और बाजि उठल, “सत्ये ई परमेश्वरक
पुत्र छलाह!”

55 बहुतो स्त्रीगण सभ सेहो ओतऽ
छलीह, जे सभ दूरे सँ ई बात सभ देखि
रहल छलीह। ओ सभ गलील प्रदेश सँ
यीशुक संग हुनकर सेवा-टहल करैत
आयल छलीह। 56 हुनका सभ मे मरियम
मग्दलीनी, याकूब आ यूसुफक माय
मरियम, और जबदीक स्त्री, अर्थात्
याकूब आ यूहन्नाक माय, छलीह।

कबर मे यीशुक लास

*(मरकुस 15.42-47; लूका 23.50-56;
यूहन्ना 19.38-42)*

57 साँझ पड़ला पर अरिमतिया नगरक
निवासी यूसुफ नामक एक धनिक व्यक्ति

27:46 भजन 22.1 **27:53** अर्थात्, यरूशलेम

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओतऽ अयलाह। ओहो यीशुक शिष्य बनि
गेल छलाह। 58ओ राज्यपाल पिलातुसक
ओतऽ जा कऽ यीशुक लास मँगलथिन।
पिलातुस आदेश देलनि जे लास यूसुफ
केँ दऽ देल जानि। 59यूसुफ हुनकर लास
लऽ गेलाह आ साफ मलमलक कपड़ा
मे ओकरा लपेटि कऽ 60अपन नव कबर
मे रखलनि जे ओ एक चट्टान मे कटबा
कऽ बनबौने छलाह। लास केँ रखलाक
बाद ओ कबरक मुँह पर एक भारी पाथर
गुड़का कऽ लगा देलनि आ चल गेलाह।
61मरियम मग्दलीनी आ दोसर मरियम
कबरक सामने बैसल छलीह।

कबर पर कड़ा पहरा

62एहि घटनाक प्रात भेने, अर्थात्
विश्राम-दिन मे*, मुख्यपुरोहित लोकनि
आ फरिसी सभ एक संग पिलातुसक
ओतऽ जा कऽ हुनका कहलथिन, 63“यौ
सरकार! हमरा सभ केँ स्मरण अछि जे
ओ ठग आदमी, जखन ओ जीबैत छल
तखन कहने छल जे, ‘हम तीन दिनक
बाद फेर जीबि उठब’। 64तेँ अपने आज्ञा
देल जाओ जे तीन दिन धरि ओहि कबर
पर पहरा राखल जाय। नहि तँ कतौ एना
नहि होअय जे ओकर चेला सभ ओकर
लास चोरा कऽ लऽ जाय आ लोक सभ
केँ कहऽ लागय जे, ओ मुइल सभ मे
सँ जीबि उठलाह। तखन एहि बेरक ई
धोखा वला बात पहिलुको धोखा सँ
खराब होयत।”
65पिलातुस हुनका सभ केँ कहलथिन,
“अहाँ सभ सैनिक सभ लऽ जाउ आ
जेहन सुरक्षा अहाँ सभ कबरक करऽ
चाहैत होइ तेहन करू।”
66तखन ओ सभ गेलाह आ कबरक
मुँह पर बन्दक छाप लगा देलनि। सैनिक
सभ केँ कबरक सुरक्षा करबाक लेल
पहरा पर राखि देलथिन।

यीशु जीबि उठलाह!

(मरकुस 16.1-10; लूका 24.1-10;
यूहन्ना 20.1-10)

28 विश्राम-दिनक प्रात भेने, अर्थात्
सप्ताहक पहिल दिन*, भोर सँ
भोर मरियम मग्दलीनी आ दोसर मरियम
कबर देखबाक लेल गेलीह। 2एकाएक
बड़का भूकम्प भेल, कारण, परमेश्वरक
एक स्वर्गदूत स्वर्ग सँ उतरलाह, और
कबरक मुँह पर सँ पाथर गुड़का कऽ
ओहि पर बैसि रहलाह। 3हुनकर रूप
बिजलोका जकाँ चमकैत छलनि आ
हुनकर वस्त्र बर्फ सन उज्जर छलनि।
4पहरा पर बैसल सैनिक सभ हुनका देखि
एतेक डेरा गेल जे थर-थर काँपऽ लागल
आ मरल सन भऽ गेल।
5तखन स्वर्गदूत ओहि स्त्रीगण सभ केँ
कहलथिन, “अहाँ सभ नहि डेराउ। हम
जनैत छी जे अहाँ सभ यीशु केँ, जिनका
क्रूस पर चढ़ाओल गेल छलनि, तिनका
तकबाक लेल आयल छी। 6मुदा ओ
एतऽ नहि छथि। ओ जहिना कहने छलाह
तहिना जीबि उठल छथि। आउ, ओहि
स्थान केँ देखू जतऽ हुनका राखल गेल
छलनि, 7आ तखन जल्दी जा कऽ हुनकर
शिष्य सभ केँ ई समाचार सुनाउ जे, ‘ओ

27:62 “विश्राम-दिन”—अक्षरशः “तैयारीक दिनक बाद [वला दिन]” **28:1** “सप्ताहक पहिल दिन”, अर्थात् रबि दिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मुइल सभ मे सँ जीबि उठलाह! अहाँ सभ सँ पहिने गलील जा रहल छथि आ ओतऽ हुनका सँ भेँट होयत।' ई बात अहाँ सभ केँ कहि देलहुँ।"

8 ओ सभ डर आ तैयो बड़का खुशीक संग ई समाचार शिष्य सभ केँ सुनयबाक लेल कबर पर सँ दौड़ पड़लीह।

स्त्रीगण सभ केँ यीशुक दर्शन

9 एकाएक यीशु हुनका सभक आगाँ मे प्रगट भऽ देखाइ देलथिन आ नमस्कार कयलथिन। स्त्रीगण सभ लग मे जा कऽ हुनकर पयर पकड़ि कऽ आराधना कयलनि। **10**यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ डेराउ नहि। जा कऽ हमर भाय सभ केँ गलील मे पहुँचबाक लेल कहिऔक। ओतहि ओ सभ हमरा देखत।"

सत्य केँ असत्य बनयबाक प्रयत्न

11 स्त्रीगण सभ एखन रस्ते मे छलीह। ओम्हर कबर पर पहरा देबऽ वला मे सँ किछु सैनिक सभ नगर मे जा कऽ मुख्यपुरोहित सभ केँ एहि घटनाक सम्पूर्ण विवरण कहि सुनौलक। **12**मुख्यपुरोहित सभ यहूदी सभक बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि केँ जमा कऽ एहि विषय मे किछु विचार-विमर्श कयलनि। तकरबाद ओ सभ ओहि सैनिक सभ केँ बहुत रुपैया-पैसा दैत कहलथिन, **13**"लोक केँ अहाँ सभ ई कहू जे, 'राति मे हम सभ जखन सुतल छलहुँ तँ ओकर चेला सभ ओकर लास चोरा कऽ लऽ गेल।' **14**राज्यपाल पिलातुस तक जँ कतौ ई खबरि पहुँचत तँ हम सभ हुनका सँ ई बात सभ मिला लेब और अहाँ सभ केँ बचा लेब।" **15**सैनिक सभ हुनका सभ सँ ओ पाइ लऽ लेलक आ जहिना ओ सभ सिखौने छलथिन तहिना लोक सभ केँ कहऽ लागल। ई अफवाह यहूदी सभ मे दूर-दूर पसरि गेल और आइओ तक ओकरा सभ मे प्रचलित अछि।

शिष्य सभ केँ यीशुक दर्शन आ अन्तिम आज्ञा

16 यीशुक एगारह शिष्य गलील जा कऽ ओहि पहाड़ पर गेलाह जतऽ यीशु हुनका सभ केँ पहुँचबाक लेल कहने छलथिन। **17**यीशु केँ देखि कऽ ओ सभ हुनकर आराधना कयलथिन। मुदा किछु गोटेक मोन मे हुनका बारे मे शंको छलनि। **18**तखन यीशु हुनका सभक लग आबि कहलथिन, "स्वर्ग आ पृथ्वीक सम्पूर्ण अधिकार हमरा देल गेल अछि। **19**एहि लेल अहाँ सभ आब जा कऽ सभ जातिक लोक केँ हमर शिष्य बनाउ और ओकरा सभ केँ पिता, पुत्र आ पवित्र आत्माक नाम सँ बपतिस्मा दिऔक। **20**हम जतेक आदेश अहाँ सभ केँ देने छी तकर सभक पालन करबाक लेल ओकरा सभ केँ सिखाउ। मोन राखू, संसारक अन्त तक हम सदिखन अहाँ सभक संग छी।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मरकुसक अनुसार शुभ समाचार

यूहन्ना द्वारा यीशुक अयबाक लेल तैयारी

(मत्ती 3.1-12; लूका 3.1-18; यूहन्ना 1.19-28)

1 परमेश्वरक पुत्र यीशु मसीहक
शुभ समाचार एहि तरहेँ शुरू होइत
अछि— 2परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह
द्वारा लिखल पुस्तक मे भविष्यवाणी
कयल गेल अछि जे,

"देखू, अहाँ सँ पहिने हम अपन दूत
पठायब,
जे अहाँक आगाँ-आगाँ अहाँक बाट
तैयार करत।"*
3 "निर्जन क्षेत्र मे केओ जोर सँ आवाज
दऽ रहल अछि जे,
'प्रभुक लेल मार्ग तैयार करू,
हुनका लेल सोझ बाट बनाउ।' "*

4 तहिना यूहन्ना नामक दूत निर्जन क्षेत्र
मे अयलाह और लोक केँ बपतिस्मा दैत
प्रचार करऽ लगलाह जे, "पापक क्षमा
पयबाक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-
परिवर्तन करू और बपतिस्मा लिअ।"
5यहूदिया प्रदेशक और यरूशलेम शहरक
सभ लोक बाहर निकलि कऽ हुनका
लग गेल और अपन पाप स्वीकार करैत
यरदन नदी मे हुनका सँ बपतिस्मा लेलक।
6यूहन्ना ऊँटक रोंइयाँ सँ बनल वस्त्र
पहिरने रहैत छलाह और अपना डाँड़ मे
चमड़ाक पट्टी बन्हने रहैत छलाह। भोजन
मे फनिगा आ वन वला मधु खाइत छलाह।
7ओ एहि तरहेँ प्रचार करैत छलाह, "हमरा
बाद मे एक गोटे आबि रहल छथि जे हमरा
सँ शक्तिशाली छथि। हम झुकि कऽ
हुनकर जुत्तो खोलऽ जोगरक नहि छी। 8हम
तँ अहाँ सभ केँ पानि सँ बपतिस्मा दैत छी
लेकिन ओ अहाँ सभ केँ पवित्र आत्मा सँ
बपतिस्मा देताह।"

यीशुक बपतिस्मा

(मत्ती 3.13-17; लूका 3.21-22)

9 ओहि समय मे यीशु गलील प्रदेशक
नासरत नगर सँ अयलाह और यूहन्ना सँ
यरदन नदी मे बपतिस्मा लेलनि। 10पानि

1:2 मला 3.1 **1:3** यशा 40.3

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ बाहर होइत काल यीशु आकाश केँ
फटैत और परबाक रूप मे पवित्र आत्मा
केँ अपना पर उतरैत देखलनि। 11स्वर्ग सँ
आवाज आयल जे, "अहाँ हमर प्रिय पुत्र
छी। अहाँ सँ हम बहुत प्रसन्न छी।"

यीशुक परीक्षा

(मत्ती 4.1-11; लूका 4.1-13)

12 तखन पवित्र आत्मा तुरत यीशु केँ
निर्जन क्षेत्र मे पठौलथिन 13जतऽ चालिस
दिन धरि शैतान हुनका सँ पाप करयबाक
कोशिश कयलकनि। ओ जंगली जानबर
सभक बीच मे रहैत छलाह और स्वर्गदूत
सभ हुनकर सेवा करैत छलनि।

14 बाद मे, यूहन्ना केँ जहल मे राखि
देल गेलाक बाद, यीशु गलील प्रदेश
गेलाह और परमेश्वरक शुभ समाचारक
प्रचार कयलनि जे, 15"समय आबि गेल
अछि, परमेश्वरक राज्य लग मे अछि!
अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ
हृदय-परिवर्तन करू आ शुभ समाचार पर
विश्वास करू।"

यीशुक सभ सँ पहिलुका शिष्य सभ

(मत्ती 4.12, 18-22; लूका 5.1-11)

16 एक दिन यीशु गलील झीलक
कात चलैत काल मे सिमोन और हुनकर
भाय अन्द्रेयास केँ झील मे जाल फेकैत
देखलनि। ओ सभ मछबार छलाह।
17यीशु हुनका सभ केँ बजौलथिन और
कहलथिन, "यौ! हमरा पाछाँ आउ। हम
अहाँ सभ केँ मनुष्य केँ पकड़ऽ वला
मछबार बना देब।" 18ओ सभ अपन जाल
छोड़ि कऽ हुनका पाछाँ लागि गेलनि।

19 किछु आगू बढ़लाक बाद यीशु
याकूब और यूहन्ना दूनू भाय केँ अपन
बाबू जबदीक संग नाव मे जाल तैयार
करैत देखलथिन। 20ओ तुरत हुनका सभ
केँ बजौलथिन, और ओ सभ अपन बाबू
जबदी केँ जऽन-बोनिहारक संग नाव मे
छोड़ि हुनका संग भऽ गेलनि।

सभाघर मे दुष्टात्मा लागल आदमी

(लूका 4.31-37)

21 ओ सभ कफरनहूम नगर गेलाह।
विश्रामक दिन मे यीशु सभाघर मे जा कऽ
उपदेश देबऽ लगलाह। 22हुनकर शिक्षा
सुनि लोक सभ चकित भेल किएक तँ
ओ धर्मशिक्षक सभ जकाँ नहि, बल्कि
अधिकारपूर्बक शिक्षा दैत छलाह।
23एकाएक सभाघर मे एकटा दुष्टात्मा*
लागल आदमी हल्ला करऽ लागल जे,
24"यौ नासरतक निवासी यीशु! अहाँ
केँ हमरा सभ सँ कोन काज? हमरा सभ
केँ नष्ट करऽ अयलहुँ की? हम अहाँ
केँ चिन्हैत छी। अहाँ परमेश्वरक पवित्र
दूत छी।" 25यीशु दुष्टात्मा केँ डाँटि
कऽ कहलथिन, "चुप रह! तोँ एकरा मे
सँ निकल!" 26दुष्टात्मा ओहि आदमी
केँ झकझोड़ैत आ जोर सँ चिचियाइत
ओकरा मे सँ निकलि गेल। 27ई देखि
सभ आदमी ततेक आश्चर्य-चकित भेल
जे एक-दोसर केँ कहऽ लागल जे, "ई
की बात? ई कोन प्रकारक नव उपदेश
अछि? ई आदमी तँ अधिकारपूर्बक
दुष्टात्मा सभ केँ सेहो आज्ञा दैत छथि
और ओ सभ हिनकर बात मानैत छनि!"
28एहि सभ सँ यीशुक चर्चा बहुत जल्दी

1:23 मूल मे "अशुद्ध आत्मा"। तहिना पद 26 और 27 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सम्पूर्ण गलील प्रदेश मे चारू कात पसरि
गेलनि।

बहुतो रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मत्ती 8.14-17; लूका 4.38-41)

29 यीशु सभाघर सँ बाहर भऽ कऽ
तुरत सिमोन और अन्द्रेयासक घर
गेलाह। हुनका संग यूहन्ना और याकूब
सेहो छलाह। 30 सिमोनक सासु बोखार
सँ पीड़ित ओछायन पर पड़ल छलीह।
लोक सभ हुनका विषय मे यीशु केँ
कहलकनि। 31 यीशु हुनका लग जा आ
हुनकर हाथ पकड़ि कऽ उठौलथिन।
हुनकर बोखार तुरत उतरि गेलनि और
ओ हिनका सभक सेवा-सत्कार मे लागि
गेलीह।

32 ओही दिनक साँझ मे सूर्यास्तक
बाद लोक सभ रोगी और दुष्टात्मा लागल
आदमी सभ केँ हुनका लग अनलकनि।
33 ओहि नगरक सभ लोक घरक सामने
जमा भऽ गेल। 34 यीशु अनेक प्रकारक
बिमारी सँ पीड़ित बहुत लोक सभ केँ
नीक कयलनि, और बहुत लोक मे सँ
दुष्टात्मा सभ केँ सेहो निकाललनि। मुदा
ओ दुष्टात्मा सभ केँ बाजऽ नहि देलथिन
किएक तँ यीशु के छथि से ओकरा सभ केँ
बुझल छलैक।

एकान्त स्थान मे यीशुक प्रार्थना

(लूका 4.42-44)

35 दोसर दिन यीशु अन्हरोखे उठि
बाहर गेलाह और एकान्त स्थान मे जा
कऽ प्रार्थना करऽ लगलाह। 36 सिमोन
और हुनकर संगी सभ हुनका ताकऽ
लेल गेलनि। 37 भेँट भेला पर हुनका
कहलथिन, "सभ केओ अहाँ केँ खोजि
रहल अछि।" 38 तखन ओ उत्तर देलथिन
जे, "अपना सभ कोनो दोसर ठाम चलू।
लग-पासक आरो गाम-बजार सभ मे सेहो
हम परमेश्वरक शुभ समाचार सुनायब,
किएक तँ हम एही लेल आयल छी।"
39 तेँ ओ पूरा गलील प्रदेश मे घुमलाह
और ओकरा सभक सभाघर सभ मे जा
कऽ उपदेश देलनि, और लोक सभ मे सँ
दुष्टात्मा सभ केँ निकाललथिन।

कुष्ठ-रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मत्ती 8.1-4; लूका 5.12-16)

40 एक बेर एकटा कुष्ठ-रोगी हुनका
लग आबि ठेहुनिया रोपि कऽ हुनका सँ
निवेदन कयलकनि जे, "अपने जँ चाही
तँ हमरा शुद्ध कऽ सकैत छी।" 41 यीशु
केँ ओकरा पर दया आबि गेलनि और
ओ अपन हाथ बढ़ा कऽ ओकरा छुबि
कऽ कहलथिन, "हम अवश्य चाहैत
छिअह! तोँ शुद्ध भऽ जाह।" 42 तुरत्ते
ओकर कुष्ठ-रोग ठीक भऽ गेलैक और
ओ शुद्ध भऽ गेल। 43 यीशु ओकरा ई
कड़ा आदेश दऽ कऽ विदा कयलथिन
जे, 44 "ई बात ककरो नहि कहिअहक।
पुरोहित लग जा कऽ अपना केँ देखाबह।
शुद्ध होयबाक विषय मे मूसाक लिखल
नियमक अनुसार, जे बलिदान चढ़यबाक
अछि से चढ़ाबह। एहि तरहेँ सभक लेल
गवाही रहत जे तोँ शुद्ध भऽ गेल छह।"
45 मुदा ओ एहि घटनाक विषय मे सभ
केँ जा कऽ कहि देलकैक, जकर फल
ई भेल जे यीशु आब खुलि कऽ कोनो
नगर मे नहि जा सकैत छलाह। ओ शहर
सँ बाहर एकान्त मे रहऽ लगलाह मुदा
तैयो लोक सभ चारू दिस सँ हुनका लग
अबैत-जाइत छलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लकवा मारल आदमी स्वस्थ कयल गेल

(मत्ती 9.1-8; लूका 5.17-26)

2 किछु दिनक बाद यीशु कफरनहूम
नगर घूमि अयलाह। लोक सभ
कैँ पता लगलैक जे ओ घर मे छथि।
2ई सुनि ततेक लोक जमा भऽ गेल जे
घरक दुआरियो लग कनेको जगह नहि
बाँचल। यीशु ओकरा सभ कैँ परमेश्‍वरक
शुभ समाचार सुनबैत रहथिन। 3ओही
समय मे एकटा लकवा मारल आदमी
कैँ चारि गोटे सँ खाट पर लदने किछु
गोटे आयल। 4भीड़क कारणेँ ओ सभ
यीशु लग नहि पहुँचि सकल। तेँ चार पर
चढ़ि चार उजाड़ि कऽ, जाहि ठाम नीचाँ
मे यीशु छलाह ताहि ठाम सँ खाट सहित
लकवाक रोगी कैँ हुनका लग उतारि
देलकनि। 5ओकरा सभक विश्‍वास देखि
कऽ यीशु लकवाक रोगी कैँ कहलथिन,
“हौ बेटा, तोहर पाप माफ भेलह।”

6 किछु धर्मशिक्षक जे ओहिठाम
बैसल छलाह मोने-मोन विचार करऽ
लगलाह जे, 7“अरे! ई आदमी कोना
एना परमेश्‍वरक निन्दा करैत अछि?
परमेश्‍वर कैँ छोड़ि आरो के पाप कैँ
माफ कऽ सकैत अछि?” 8यीशु तुरत
अपना आत्मा मे हुनका सभक मोनक
बात बुझि गेलाह और हुनका सभ कैँ
कहलथिन, “अहाँ सभ अपना-अपना
मोन मे किएक एना तर्क-वितर्क करैत
छी? 9आसान की अछि—लकवाक
रोगी कैँ ई कहब जे, ‘तोहर पाप माफ
भेलह,’ वा ई कहब जे, ‘उठह! अपन
खाट उठा कऽ चलह-फिरह’? 10मुदा
जाहि सँ अहाँ सभ बुझि जाइ जे पृथ्वी
पर पाप कैँ माफ करबाक अधिकार
मनुष्य-पुत्र कैँ छनि, हम एकरा कहैत
छी...” तखन ओ लकवाक रोगी कैँ
कहलथिन, 11“हम तोरा कहैत छिअह,
उठह, अपन खाट उठाबह आ घर चल
जाह!” 12ओ उठल और सभक सामने
अपन खाट उठा कऽ विदा भऽ गेल। ई
देखि सभ लोक अचम्भित भऽ गेल और
परमेश्‍वरक जयजयकार करैत कहऽ
लागल जे, “हम सभ तँ एहन घटना
पहिने कहियो नहि देखने छलहुँ!”

लेवी यीशुक शिष्य

(मत्ती 9.9-13; लूका 5.27-32)

13 तखन यीशु ओहिठाम सँ निकलि
कऽ फेर झीलक कात गेलाह। बहुत लोक
हुनका लग अबैत-जाइत रहलनि और
ओ ओकरा सभ कैँ उपदेश दैत रहलाह।
14ओहिठाम सँ विदा भेलाक बाद रस्ता
मे अल्फेयासक बेटा लेवी कैँ कर असूल
करऽ वला स्थान मे बैसल देखलथिन।
हुनका बजा कऽ कहलथिन, “हमरा पाछाँ
आउ।” लेवी उठि कऽ हुनका संग विदा
भऽ गेलाह।

15 बाद मे यीशु लेवीक घर मे भोजन
करऽ बैसलाह। हुनका आ हुनकर शिष्य
सभक संग, कर असूल करऽ वला और
“पापी” सभ सेहो बैसल छल। हुनका
संग चलनिहार मे बहुतो एहनो लोक सभ
छल। 16फरिसी पंथक किछु धर्मशिक्षक
जखन देखलनि जे यीशु कर असूल करऽ
वला आ “पापी” सभक संग भोजन करैत
छथि, तखन ओ सभ हुनकर शिष्य सभ सँ
पुछलनि जे, “ओ कर असूल करऽ वला
और पापी सभक संग किएक खाइत-
पिबैत छथि?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

17 ई बात सुनि यीशु हुनका सभ कैँ
कहलथिन, “वैद्यक आवश्यकता स्वस्थ
लोक कैँ नहि होइत छैक, बल्कि बिमार
सभ कैँ! हम धार्मिक सभ कैँ नहि, बल्कि
पापी सभ कैँ बजयबाक लेल आयल छी।”

उपासक प्रश्न

(मत्ती 9.14-17; लूका 5.33-39)

18 ओहि समय मे यूहन्नाक शिष्य सभ
और फरिसी सभ उपास करैत छलाह।
किछु लोक यीशु लग आबि कऽ पुछलकनि
जे, “देखू! यूहन्नाक शिष्य सभ और फरिसी
सभक शिष्य उपास कऽ रहल छथि।
अहाँक शिष्य सभ किएक नहि?” 19यीशु
ओकरा सभ कैँ उत्तर देलथिन जे, “जाबत
तक वरियातीक संग वर अछि ताबत तक
की वरियाती उपास करत? नहि! जाबत
धरि वर संगे रहतैक ताबत धरि उपास नहि
करत। 20मुदा ओ समय आओत जहिया वर
ओकरा सभक बीच सँ हटा लेल जायत।
ओ सभ ताही दिन उपास करत।

21 “केओ पुरान कपड़ा मे नयाँ
कपड़ाक चेफरी नहि लगबैत अछि। जँ
लगाओत तँ नयाँ कपड़ा घोकचि कऽ
पुरान कपड़ा कैँ खिचत और ओ कपड़ा
आरो फाटि जायत। 22केओ नव दारू
पुरान चमड़ाक थैली मे नहि रखैत अछि।
कारण, एना जँ करत तँ थैली फाटि
जयतैक और दारू आ थैली दूनू नष्ट
भऽ जयतैक। नहि! नव दारू नये थैली मे
राखल जाइत अछि।”

यीशु—विश्राम-दिनक मालिक

(मत्ती 12.1-14; लूका 6.1-11)

23 कोनो विश्राम-दिन कऽ यीशु और
हुनकर शिष्य सभ खेत दऽ कऽ जा रहल
छलाह। हुनकर शिष्य सभ चलैत-चलैत
अन्नक बालि तोड़ि लैत छलाह। 24ई
देखि फरिसी सभ यीशु कैँ कहलथिन,
“देखू! जे काज विश्राम-दिन मे करब धर्म-
नियमक अनुसार मना अछि, से ई सभ
किएक करैत छथि?!”

25 यीशु हुनका सभ कैँ जबाब देलथिन
जे, “की अहाँ सभ ई नहि पढ़ने छी
जे दाऊद आ हुनकर संगी सभ जखन
भुखायल छलाह और हुनका सभक संग मे
खयबाक लेल किछु नहि छलनि तखन ओ
की कयलनि? 26ओ अपना संगी सभक
संग परमेश्वरक भवन मे गेलाह और
परमेश्वर कैँ चढ़ाओल रोटी खयलनि।
ओहि समय मे अबियातर महापुरोहित
छलाह। चढ़ाओल रोटी जे पुरोहित कैँ
मात्र खयबाक अधिकार छलनि से दाऊद
अपनो खयलनि आ अपन संगिओ सभ कैँ
देलथिन।”

27 तखन ओकरा सभ कैँ इहो
कहलथिन जे, “विश्राम-दिन मनुष्यक लेल
बनाओल गेल छैक, मनुष्य विश्राम-दिनक
लेल नहि। 28तेँ मनुष्य-पुत्र विश्रामो-दिनक
मालिक छथि।”

3 दोसर बेर यीशु सभाघर गेलाह। एक
गोटे जकर हाथ सुखायल छलैक
सेहो ओहिठाम छल। 2किछु लोक सभ
यीशु पर दोष लगयबाक आधारक लेल
हुनका पर नजरि गड़ौने छल जे, देखी ओ
विश्राम-दिन मे एकरा स्वस्थ करताह वा
नहि। 3यीशु सुखल हाथ वला आदमी कैँ
कहलथिन, “उठह! सभक आगाँ मे ठाढ़
होअह।” 4तखन लोक सभ दिस घूमि कऽ
पुछलथिन जे, “विश्राम-दिन मे की उचित?
नीक काज करब अथवा अधलाह? ककरो
जीवनक रक्षा करब अथवा नष्ट करब?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

केओ किछु नहि बाजल। 5यीशु तमसा
कऽ चारू दिस लोक सभ पर नजरि
दौड़ौलनि। ओ लोक सभक जिद्दीपनक
कारणेँ उदास भऽ गेलाह और ओहि
आदमी केँ कहलथिन जे, “अपन हाथ
बढ़ाबह।” ओ हाथ बढ़ौलक और ओकर
हाथ एकदम ठीक भऽ गेलैक। 6फरिसी
सभ तुरत निकलि कऽ हेरोद-दलक संग
मिलि कऽ यीशु केँ कोना मारल जाय,
तकर षड्यन्त्र रचऽ लगलाह।

झीलक कात मे भीड़

7 यीशु अपन शिष्य सभक संग झीलक
कात मे चल गेलाह, और गलील प्रदेशक
लोक सभक बड़का भीड़ हुनका सभक
पाछाँ-पाछाँ गेलनि। 8यीशु द्वारा कयल
गेल काजक विषय मे सुनि कऽ यहूदिया
प्रदेश, यरूशलेम, इदूमिया, यरदन नदीक
ओहि पारक क्षेत्र, सूर और सीदोन नगरक
क्षेत्र सँ बहुत लोक हुनका ओहिठाम
आयल। 9यीशु अपन शिष्य सभ केँ
कछेर पर एकटा नाव तैयार राखऽ लेल
कहलथिन जाहि सँ लोकक भीड़ हुनका
दबा नहि देनि। 10ओ ततेक लोक केँ नीक
कयने रहथिन जे विभिन्न प्रकारक रोगी
सभ हुनका शरीर मे भिड़बाक लेल ठेलम-
ठेल कऽ रहल छल। 11जखन दुष्टात्मा*
सभ हुनका देखैत छल तँ हुनका समक्ष
खसि कऽ चिचिया लगैत छल जे, “अहाँ
परमेश्वरक पुत्र छी।” 12मुदा यीशु
ओकरा सभ केँ मना कयलथिन जे, “लोक
केँ ई नहि कहिअहक जे हम के छी।”

बारह मसीह-दूतक नियुक्ति

(मत्ती 10.1-4; लूका 6.12-16)

13 तकर बाद यीशु पहाड़ पर चल
गेलाह और जिनका सभ केँ ओ चुनलथिन
तिनका सभ केँ अपना लग बजौलथिन।
ओ सभ हुनका लग अयलनि। 14-15यीशु
बारह आदमी केँ “दूत” कहि कऽ नियुक्त
कयलथिन जाहि सँ ओ सभ हुनका संग
रहथि, आ जिनका ओ शुभ समाचारक
प्रचार करबाक लेल आ दुष्टात्मा सभ केँ
निकालबाक लेल पठा सकथि।

16 बारह शिष्य जिनका सभ केँ ओ
चुनलनि से यैह सभ छथि—सिमोन,
जिनका ओ “पत्रुस” नाम देलथिन,
17जबदीक बेटा याकूब और हुनकर भाय
यूहन्ना, जिनका सभ केँ ओ बुअनेरगिस,
अर्थात् “ठनकाक पुत्र सभ” नाम देलथिन,
18अन्द्रेयास, फिलिपुस, बरतुल्मै, मत्ती,
थोमा, अल्फेयासक बेटा याकूब, तद्दै,
सिमोन “देश-भक्त”*, 19और यहूदा
इस्करियोती जे बाद मे यीशुक संग
विश्वासघात कयलकनि।

परमेश्वरक शक्ति सँ वा शैतानक?

(मत्ती 12.22-32; लूका 11.14-23; 12.10)

20 तखन यीशु और हुनकर शिष्य
सभ एकटा घर मे गेलाह। ओहिठाम
ततेक लोक फेर जमा भऽ गेल जे हुनका
सभ केँ भोजनो करबाक समय नहि
भेटलनि। 21हुनकर घरक लोक जखन ई
बात सुनलनि तँ हुनका जबरदस्ती लऽ

3:11 मूल मे “अशुद्ध आत्मा” । तहिना पद 30 मे सेहो। **3:18** मूल मे “कनानाइयस”, जे इब्रानी भाषा मे यूनानी भाषाक “जेलोतेस”क बराबरि अछि, जकर शाब्दिक अर्थ अछि “उत्साही”, और जे यहूदी राष्ट्रवादी एक दलक नाम छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अयबाक लेल विदा भेलाह, ई सोचि जे
यीशु पागल भऽ गेल छथि।
22 यरूशलेम सँ आयल धर्मशिक्षक
सभ कहऽ लगलाह जे, “यीशु मे दुष्टात्मा
सभक मुखिया बालजबूल छैक। तकरे
शक्ति सँ ओ दुष्टात्मा सभ केँ निकालैत
अछि।”
23 हुनका सभ केँ अपना लग बजा
कऽ यीशु उदाहरण द्वारा उत्तर देलथिन
जे, “शैतान कोना शैतान केँ भगा सकत?
24जँ कोनो राज्य मे फूट पड़ि जाय तँ ओ
नहि टिकि सकत। 25तहिना जँ कोनो
परिवार मे फूट भऽ गेल अछि तँ ओ नहि
टिकि सकैत अछि। 26जँ शैतान अपने केँ
विरोध करय और ओकरा अपने मे फूट
भऽ जाइक तँ ओ टिकि नहि सकैत अछि।
ओकर विनाश निश्चित छैक। 27केओ
कोनो बलगर आदमीक घर मे ढुकि कऽ
ओकर चीज-वस्तु ताबत तक नहि लुटि
सकैत छैक, जाबत तक पहिने ओहि
बलगर आदमी केँ बान्हि कऽ काबू मे नहि
कऽ लैत अछि। ओकरा बान्हि लेलाक
बादे ओकर वस्तु लुटि सकैत अछि।
28अहाँ सभ केँ हम विश्वास दिअबैत छी
जे, मनुष्य केँ सभ तरहक पाप आ निन्दाक
बातक क्षमा भेटि सकैत छैक, 29मुदा जँ
केओ पवित्र आत्माक निन्दा करैत अछि
तँ ओकरा कहियो क्षमा नहि भेटतैक। ओ
अनन्त पापक दोषी होयत।” 30यीशु ई
बात एहि लेल कहलथिन जे ओ सभ कहैत
छलाह जे हुनका मे दुष्टात्मा छनि।

असली सम्बन्ध

(मत्ती 12.46-50; लूका 8.19-21)

31 ओहि समय मे यीशुक माय आ भाय
लोकनि ओतऽ पहुँचलाह। सभ गोटे बाहर
रहि कऽ, यीशु केँ बाहर अयबाक लेल
खबरि पठौलनि। 32यीशुक चारू कात
लोक सभ बैसल छल। एक गोटे आबि
कऽ हुनका कहलकनि जे, “सुनू! अहाँक
माय और भाय लोकनि बाहर ठाढ़ छथि
आ अहाँ केँ बजबैत छथि।”
33 ओ कहलथिन, “के छथि हमर
माय? के सभ छथि हमर भाय?” 34ओ
चारू कात बैसल लोकक दिस ताकि
कहलनि जे, “देखू! यैह सभ हमर माय
और भाय लोकनि छथि! 35जे केओ
परमेश्वरक इच्छाक अनुसार चलैत छथि
वैह हमर भाय, हमर बहिन, हमर माय
छथि।”

बीया बाउग करऽ वला किसानक दृष्टान्त

(मत्ती 13.1-9; लूका 8.4-8)

4 दोसर बेर यीशु फेरो झीलक कात मे
लोक सभ केँ शिक्षा देबऽ लगलाह।
हुनका लग ततेक लोक जमा भऽ गेल जे
ओ झील मे नाव पर चढ़ि कऽ किनार सँ
कनेक हटि कऽ बैसि गेलाह। लोक सभ
किनार पर सँ हुनकर शिक्षा सुनैत छल।
2ओकरा सभ केँ ओ बहुत बात दृष्टान्त
सभक द्वारा सिखबैत छलथिन।
3 एहि बेर उपदेश दैत ओ कहलथिन,
“सुनू! एक किसान बीया बाउग करबाक
लेल गेल। 4बीया बाउग करैत काल किछु
बीया रस्ताक कात मे खसल आ चिड़ै
सभ आबि ओकरा खा लेलकैक। 5किछु
बीया पथराह जमीन पर खसल जतऽ बेसी
माटि नहि होयबाक कारणेँ ओ जल्दी
जनमि गेल। 6मुदा रौद लगिते ओ झरकि
गेल आ जड़ि नहि पकड़ि सकबाक
कारणेँ सुखा गेल। 7फेर दोसर बीया

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काँट-कुशक बीच मे खसल मुदा काँट-
कुश बढ़ि कऽ ओकरा दबा देलकैक। तेँ
ओहि बीया सँ कोनो फसिल नहि भेलैक।
8किछु बीया नीक जमीन पर पड़ल। ओ
जनमि कऽ फड़ल-फुलायल और फसिल
देलक—कोनो तीस गुना, कोनो साठि
गुना, कोनो सय गुना।”
9 तखन यीशु कहलथिन, “जकरा
सुनबाक कान छैक, से सुनओ।”

दृष्टान्त देबाक कारण

(मत्ती 13.10-17; लूका 8.9-10)

10 बाद मे जखन यीशु अपन बारह
शिष्य आ आरो संगी सभक संग एकान्त
मे छलाह तखन ओ सभ एहि दृष्टान्तक
बारे मे हुनका सँ पुछलथिन। 11यीशु
कहलथिन, “परमेश्वरक राज्यक रहस्यक
ज्ञान अहाँ सभ केँ देल गेल अछि, मुदा जे
बाहरक लोक अछि तकरा सभक लेल
सभ बात दृष्टान्तक रूप मे रहैत छैक,
12जाहि सँ, जहिना लिखल अछि,

‘तकितो ओ सभ देखय नहि,
सुनितो ओ सभ बुझय नहि।
एना जँ नहि रहैत तँ
ओ सभ घुमि कऽ परमेश्वर लग
अबैत और क्षमा पबैत।’* ”

किसान वला दृष्टान्तक अर्थ

(मत्ती 13.18-23; लूका 8.11-15)

13 तखन यीशु हुनका सभ केँ
कहलथिन, “जँ अहाँ सभ एहि दृष्टान्तक
अर्थ नहि बुझैत छिऐक तँ आरो
दृष्टान्तक अर्थ कोना बुझबैक? 14बाउग
करऽ वला परमेश्वरक वचन केँ बाउग
करैत अछि। 15रस्ताक कात मे खसल
बीया जकाँ ओ व्यक्ति अछि जकरा मे
परमेश्वरक वचन बाउग कएल गेल छैक,
और जखने ओ वचन सुनैत अछि तखने
शैतान आबि कऽ ओकरा मे सँ बाउग
कएल गेल वचन निकालि कऽ लऽ जाइत
छैक। 16तहिना दोसर आदमी ओहि बीया
जकाँ अछि जे पथराह जमीन पर बाउग
कएल गेल अछि। ई सभ परमेश्वरक
वचन सुनि कऽ अपार आनन्दक संग तुरत
ओकरा स्वीकार करैत अछि, 17मुदा ओ
वचन ओकरा मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक
और तेँ कनेके काल तक स्थिर रहैत
अछि। जखन वचनक कारणेँ ओकरा
कष्ट और अत्याचार सहबाक स्थिति
अबैत छैक तखन ओ सभ तुरत विश्वास
केँ छोड़ि दैत अछि। 18फेर दोसर आदमी
ओहि बीया जकाँ अछि जे काँट-कुशक
बीच खसल। ई सभ वचन तँ सुनैत अछि
19मुदा एहि संसारक चिन्ता, धनक मोह-
माया आ आरो चीजक लालसा हृदय मे
आबि कऽ वचन केँ दबा दैत छैक और
ओ वचन ओकरा जीवन मे कोनो फल
नहि दैत अछि। 20नीक जमीन मे बाउग
कयल गेल बीया जकाँ ओ सभ अछि
जे वचन केँ सुनि कऽ ओकरा स्वीकार
करैत अछि और फड़ि-फुला कऽ फसिल
दैत अछि—केओ तीस गुना, केओ साठि
गुना, केओ सय गुना।”

ध्यान सँ सुनू!

(लूका 8.16-18)

21 यीशु हुनका सभ केँ पुछलथिन जे,
“की केओ डिबिया लेसि कऽ बासन

4:12 यशा 6.9, 10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ झँपैत अथवा चौकीक नीचाँ रखैत
अछि? डिबिया तँ की लाबनि पर नहि
रखैत अछि? 22जँ किछु झाँपल अछि तँ
एहि लेल जे उघारल जाय। जँ कोनो बात
गुप्त अछि तँ एहि लेल जे एक दिन प्रगट
कयल जाय। 23जे सुनि सकैत अछि से
सुनए!"

24 तखन ओ हुनका सभ केँ फेर
कहलथिन, "जे बात सुनैत छी तकरा पर
ध्यान दिअ! जाहि नाप सँ अहाँ देब, ओही
नाप सँ अहाँ केँ देल जायत, और ओहि
सँ बेसिओ। 25किएक तँ जकरा छैक,
तकरा आरो देल जयतैक और जकरा नहि
छैक, तकरा सँ जेहो छैक सेहो लऽ लेल
जयतैक।"

परमेश्वरक राज्य बढ़ैत बीया जकाँ अछि

26 तखन ओ इहो कहलथिन,
"परमेश्वरक राज्य एना छैक—एक
आदमी खेत मे बीया बाउग कऽ कऽ
27अपन दिन-चर्या मे लागि जाइत अछि।
ओ बीया अँकुरित होइत छैक और बढ़ैत
छैक, ओना तँ ओ आदमी ई नहि बुझैत
अछि जे कोना ई सभ होइत छैक। 28भूमि
अपने सँ फल लबैत छैक—पहिने अँकुर,
तखन बालि, और अन्त मे बालि मे
पाकल दाना। 29जखन अन्न पाकि जाइत
छैक तखन ओ आदमी तुरत हाँसू चलबैत
अछि किएक तँ कटबाक समय आबि
गेल छैक।"

सरिसोक दानाक दृष्टान्त

(मत्ती 13.31-32, 34; लूका 13.18-19)

30 तखन यीशु कहलथिन, "परमेश्वरक
राज्यक तुलना कोन वस्तु सँ कयल
जाय? कोन दृष्टान्त द्वारा ओकर वर्णन
कयल जाय? 31ओ सरिसोक दाना जकाँ
अछि। बाउग होमऽ वला बीया सभ मे
सरिसोक दाना सभ सँ छोट होइत अछि।
32मुदा जखन ओ बाउग होइत अछि
और बढ़ैत अछि तखन सभ साग-पात
सँ पैघ भऽ जाइत अछि। ओकर ठाढ़ि
एतेक पैघ भऽ जाइत छैक जे ओकर
छाँह मे आकाशक चिड़ै सभ सेहो अपन
वास स्थान बना सकैत अछि।"

33 एहन आओर बहुत दृष्टान्त सभक
द्वारा यीशु लोक सभ केँ परमेश्वरक वचन
सुनौलथिन। 34जहिना लोक केँ बुझऽ
मे आबि सकल तहिना शिक्षा देलथिन।
बिनु दृष्टान्त देने ओ ओकरा सभ केँ
कोनो बात नहि कहैत छलथिन। मुदा
जखन अपन शिष्य सभक संग असगरे
रहैत छलाह तखन ओ हुनका सभ केँ सभ
बातक अर्थ बुझा दैत छलथिन।

अन्हड़-बिहारि पर यीशुक अधिकार

(मत्ती 8.23-27; लूका 8.22-25)

35 ओहि दिनक साँझ मे यीशु अपन
शिष्य सभ केँ कहलथिन, "चलू!
झीलक ओहि पार चलू!" 36शिष्य सभ
भीड़ केँ छोड़ि, जाहि नाव मे ओ बैसल
छलाह ओहि नाव मे हुनका अपना संग
लऽ कऽ चललाह। हुनका सभक संग
आरो नाव सभ सेहो छल। 37एकाएक
बहुत जोर सँ अन्हड़-बिहारि आयल।
झील मे बड़का लहरि उठऽ लागल और
नाव सँ टकराय लागल। नाव पानि सँ
भरऽ लागल। 38यीशु नावक पछिलका
भाग मे गेड़ुआ लगा कऽ सुतल छलाह।
शिष्य सभ हुनका उठबैत कहलथिन,
"यौ गुरुजी! अपना सभ डुबि रहल छी,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तकर अहाँ केँ कोनो चिन्ता नहि अछि
की?!"
39 ओ उठि कऽ अन्हड़ केँ डाँटि कऽ
झील केँ कहलथिन, "शान्त भऽ जो!
थम्हि जो!" अन्हड़-बिहारि रूकि गेल
और सभ शान्त भऽ गेल।
40 तखन ओ शिष्य सभ केँ कहलथिन,
"अहाँ सभ किएक एहन डेरबुक छी! की
अहाँ सभ केँ एखनो तक विश्वास नहि
होइत अछि?"
41 ओ सभ अति भयभीत भऽ एक-
दोसर केँ कहऽ लगलाह जे, "ई के छथि?!
अन्हड़-बिहारि और लहरि केँ सेहो आज्ञा
दैत छथिन तँ ओ सभ मानैत छनि!"

दुष्टात्मा पर यीशुक अधिकार

(मत्ती 8.28-34; लूका 8.26-39)

5 यीशु और हुनकर शिष्य सभ
झीलक ओहि पार गिरासेनी सभक
क्षेत्र मे पहुँचलाह। [2]नाव पर सँ उतरैत
काल एक दुष्टात्मा* लागल आदमी
कबरिस्तान दिस सँ हुनका भेँट करऽ
लेल अयलनि। [3]ओ आदमी कबरिस्तान
मे रहैत छल। केओ आब ओकरा जंजीरो
लऽ कऽ बान्हि नहि सकैत छल। [4]कतेको
बेर लोक ओकरा जंजीर सँ हाथ-पयर
बान्हि देने रहैक मुदा ओ सभ जंजीर केँ
तोड़ि देने रहय। ककरो एतेक शक्ति नहि
छल जे ओकरा सम्हारि कऽ राखि सकय।
[5]दिन-राति कबरिस्तान और पहाड़ मे ओ
सदिखन चिचियाइत रहैत छल और पाथर
सँ अपना देह केँ कटैत रहैत छल।
6 यीशु केँ दूर सँ देखि ओ दौड़ैत आयल
और हुनका पयर पर खसि कऽ [7]जोर सँ
चिचिया लागल जे, "यौ परम परमेश्वरक
पुत्र यीशु! अपने केँ हमरा सँ कोन काज?
अपने केँ परमेश्वरक सपत अछि—हमरा
दुःख नहि दिअ।" [8]ई बात ओ एहि द्वारे
कहलक कि यीशु ओहि दुष्टात्मा केँ
कहैत छलाह जे, "हे दुष्टात्मा! एहि
आदमी मे सँ निकल!"
9 तखन यीशु ओकरा सँ पुछलथिन जे,
"तोहर नाम की छह?" ओ कहलक जे,
"हमर नाम अछि 'सेना', किएक तँ हम
सभ बहुत गोटे छी।" [10]तखन ओ हुनका
सँ विनती करऽ लागल जे, "हमरा सभ केँ
एहि इलाका सँ बाहर नहि निकालू।"
11 ओहीठाम लग मे पहाड़ पर सुगरक
बड़का झुण्ड चरि रहल छल। [12]दुष्टात्मा
सभ यीशु सँ विनती कयलकनि जे,
"हमरा सभ केँ ओहि सुगर सभ मे पठा
दिअ, ओकरा सभ मे हमरा सभ केँ पैसऽ
दिअ।" [13]यीशु ओकरा सभ केँ अनुमति
दऽ देलथिन। ओ सभ ओहि आदमी मे सँ
निकलि आयल और सुगर सभ मे प्रवेश
कऽ गेल। पूरा झुण्ड—लगभग दू हजार
सुगर—बताह भऽ पहाड़ पर सँ धरफरा
कऽ झील मे खसल और सभ पानि मे
डुबि कऽ मरि गेल।
14 सुगर चराबऽ वला तुरत भागि
एहि घटनाक बारे मे नगर आ देहातो मे
सुनौलक। एहि घटना केँ देखऽ लेल बहुतो
लोक आयल। [15]यीशु लग पहुँचि कऽ
ओहि आदमी केँ जकरा मे दुष्टात्मा पहिने
रहैत छलैक कपड़ा पहिरने आ स्वस्थ
मोने यीशु लग बैसल देखलक। ई देखि
लोक सभ भयभीत भऽ गेल। [16]जे सभ ई
घटना देखने छल से सभ विस्तारपूर्वक

5:2 मूल मे "अशुद्ध आत्मा" । तहिना पद 8 और 13 मे सेहो

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक सभ कैँ कहि देलक जे कोना
दुष्टात्मा लागल आदमी नीक भेल
और सुगर सभ कैँ की भेलैक। 17तखन
लोक सभ यीशु सँ ओहि इलाका सँ चल
जयबाक लेल विनती करऽ लगलनि।

18 यीशु जखन नाव पर चढ़ऽ लगलाह
तखन ओ आदमी जकरा मे पहिने
दुष्टात्मा सभ रहैत छलैक से हुनका सँ
विनती कयलकनि जे, “अपना संग हमरो
चलऽ देल जाओ।” 19मुदा यीशु ओकरा
मना करैत कहलथिन, “तोँ अपना घर
जाह, और प्रभु तोरा पर कतेक पैघ दया
कयलथुन अछि से अपना आदमी सभ कैँ
सुनबहक।” 20ओ आदमी “दस नगर”
क्षेत्र* मे जा कऽ, यीशु ओकरा लेल जे-
जतेक कयने रहथिन से सुनाबऽ लागल।
जे सभ ई बात सुनलक से सभ बहुत
आश्चर्य-चकित भेल।

मरल बच्ची और दुखिताहि स्त्री

(मत्ती 9.18-26; लूका 8.40-56)

21 यीशु नाव मे झीलक एहि पार
अयलाह। हुनकर चारू कात बड़का
भीड़ जमा भऽ गेल। जखन यीशु झीलक
कात मे ठाढ़ छलाह, 22ओही समय मे
सभाघरक याइरस नामक एक अधिकारी
ओहिठाम अयलाह। यीशु कैँ देखि
कऽ हुनकर पयर पर खसैत 23निवेदन
कयलथिन जे, “हमर बेटी मरि रहल
अछि। हमरा घर चलि कऽ ओकरा पर
हाथ राखि कऽ ठीक कऽ देल जाओ,
जाहि सँ ओ जीबय।” यीशु हुनका संग
विदा भऽ गेलाह।

24 हुनका संग बड़का भीड़ चलल।
चारू कात सँ लोक सभ यीशु कैँ पिचऽ
लगलनि। 25भीड़ मे एक स्त्री छलि
जकरा बारह वर्ष सँ खून खसऽ वला
बिमारी छलैक। 26ओ बहुतो वैद्य सँ
इलाज कराबऽ मे बड्ड कष्ट सहल छलि
और अपन सभ सम्पत्ति खर्च कऽ देने
छलि। मुदा तैयो ओकरा कनेको गुण
नहि कयलकैक। बल्कि ओकर अवस्था
आओर अधलाहे होइत गेलैक।

27 यीशुक बारे मे ओ सुनने छलि। ओ
हुनका पाछू आबि, हुनकर वस्त्रक कोर
छुबि 28मोन मे सोचलक जे, “जँ हम
हुनकर वस्त्रो कैँ छुबि लेब तँ हम ठीक
भऽ जायब।” 29हुनकर वस्त्र छुबिते
ओकर खून बहनाइ बन्द भऽ गेलैक।
ओकरा अपनो अनुभव भेलैक जे हम
रोग सँ मुक्त भऽ गेल छी। 30यीशु कैँ
सेहो तुरत अनुभव भेलनि जे हमरा मे सँ
सामर्थ्य निकलि गेल अछि। ओ भीड़
दिस घूमि कऽ पुछलथिन जे, “हमरा वस्त्र
कैँ के छुलक?”

31 हुनकर शिष्य सभ हुनका कहलकनि
जे, “अहाँ देखिते छी जे कतेक लोक
अहाँ कैँ दबा रहल अछि, तँ कोना पुछैत
छी जे हमरा के छुलक?” 32मुदा यीशु ई
बुझबाक लेल जे ई के कयलक, चारू
दिस अपन नजरि खिरौलनि। 33तखन ओ
स्त्री ई बुझि जे हमरा संग की भेल, डर सँ
कँपैत आगू आयल आ यीशुक पयर पर
खसैत हुनका सभ बात सत्य-सत्य कहि
देलकनि। 34यीशु ओकरा कहलथिन,
“बेटी! तोहर विश्वास तोरा स्वस्थ कऽ

5:20 यूनानी मे “दिकापुलिस”, जकर शाब्दिक अर्थ अछि “दस नगर”। ई यरदन नदीक दूनू कात मे पड़ऽ वला एक क्षेत्र छल, जाहि मे दसटा नगरक एक संघ छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देलकह। शान्तिपूर्बक जाह और अपन
रोग सँ मुक्त रहह!”

35 यीशु ई बात कहिए रहल छलथिन
कि अधिकारी याइरसक घर सँ किछु
गोटे आबि कऽ याइरस कैँ कहलकनि जे,
“अहाँक बेटी मरि गेल। आब गुरुजी कैँ
आरो कष्ट देला सँ कोन लाभ?” 36यीशु
ई बात सुनि लेलथिन और सभाघरक
अधिकारी कैँ कहलथिन, “अहाँ डेराउ
नहि! मात्र विश्वास राखू!”

37 ओ अपना संग पत्रुस, याकूब और
याकूबक भाय यूहन्ना कैँ छोड़ि आरो
ककरो नहि आबऽ देलथिन। 38सभाघरक
अधिकारीक घर पहुँचि कऽ ओ लोक सभ
कैँ बहुत कनैत आ जोर सँ विलाप करैत
देखलनि। 39घर मे अबिते यीशु ओकरा सभ
कैँ कहलथिन, “अहाँ सभ हल्ला किएक
करैत छी और कनैत किएक छी? बच्ची
मरल नहि अछि—ओ सुतल अछि।” मुदा
लोक सभ हुनका पर हँसऽ लागल।

40 तखन यीशु सभ लोक कैँ बाहर हटा
कऽ बच्चीक माय-बाबू कैँ और अपन
शिष्य सभ कैँ अपना संग लऽ कऽ ओहि
घर मे गेलाह जाहिठाम ओ बच्ची छल।
41यीशु ओकर हाथ पकड़ि ओकरा
कहलथिन, “तलीथा कूम!” जकर
अर्थ अछि, “हे बच्ची! हम तोरा कहैत
छिऔक, तोँ उठ!” 42बच्ची तुरत उठि
गेल और बुलऽ लागल—ओ तँ बारह
वर्षक छल। ओ सभ बहुत आश्चर्य-
चकित भेलाह। 43यीशु एहि घटना कैँ
केओ नहि बुझय ताहि लेल दृढ़तापूर्बक
आदेश देलथिन, आ कहलथिन जे बच्ची
कैँ किछु खयबाक लेल देल जाय।

अपना गाम मे यीशुक निरादर

(मत्ती 13.53-58; लूका 4.16-30)

6 यीशु ओहिठाम सँ अपन गाम
अयलाह। हुनकर शिष्यो सभ
हुनका संग छलनि। 2विश्राम-दिन
अयला पर ओ सभाघर मे उपदेश देबऽ
लगलाह। हुनकर शिक्षा सुनि कऽ
सभाक लोक आश्चर्य-चकित भऽ गेल
और कहऽ लागल जे, “अरे! एकरा ई
सभ बात कतऽ सँ भेटि गेलैक? ई कोन
ज्ञान अछि जे एकरा देल गेल छैक? ई
एहन चमत्कार सभ कोना करैत अछि!
3की ई लकड़ी मिस्तिरी नहि अछि? की
ई मरियमक बेटा और याकूब, योसेस,
यहूदा और सिमोनक भाय नहि अछि?
की एकर बहिन सभ अपना सभक बीच
नहि रहैत अछि?” ओ सभ यीशु सँ डाह
करऽ लागल।

4 यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन, “मात्र
अपने गाम, कुटुम्ब-परिवार, आ अपने घर
मे परमेश्वरक प्रवक्ताक अनादर होइत
छैक।” 5ओ ओहिठाम कोनो चमत्कार
नहि कऽ सकलाह, मात्र किछु रोगी पर
हाथ राखि कऽ ओकरा सभ कैँ स्वस्थ
कयलथिन। 6लोकक अविश्वास पर ओ
चकित छलाह।

शिष्य सभ सेवा-काजक लेल पठाओल गेलाह

(मत्ती 10.5-15; लूका 9.1-6)

यीशु उपदेश दैत गाम-गाम घुमऽ
लगलाह। 7ओ अपन बारहो शिष्य कैँ
बजा कऽ, हुनका सभ कैँ दुष्टात्मा*

6:7 मूल मे “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ केँ निकालबाक अधिकार दऽ कऽ,
दू-दू गोटेक समूह मे बाहर पठौलथिन।
8ओ हुनका सभ केँ ई आज्ञा देलथिन जे,
“बाटक लेल लाठी छोड़ि आरो किछु
नहि लऽ जाउ—ने रोटी, ने झोरा और
ने जेबी मे पैसा। 9चप्पल पहिरि लिअ
और एकेटा अंगा लिअ।” 10तखन
हुनका सभ केँ कहलथिन, “जाहि घर मे
अहाँ सभ ठहरी, जाबत धरि ओहि गाम
सँ विदा नहि होइ ताबत धरि ओही घर
मे रूकू। 11जतऽ कतौ लोक सभ अहाँ
सभक स्वागत नहि करय और अहाँ सभ
जे कहऽ चाहैत छी, से नहि सुनय, ताहि
गाम सँ विदा होइत काल अपन पयरक
गर्दा झाड़ि लेब। ई ओकरा सभक
विरोधक गवाही रहत।”

12 ओ सभ विदा भेलाह और लोकक
बीच प्रचार करऽ लगलाह जे अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन करू। 13बहुत लोक मे सँ
दुष्टात्मा निकाललनि और बहुत रोगी
पर तेल लगा कऽ ओकरा सभ केँ स्वस्थ
कयलनि।

राजा हेरोद और बपतिस्मा देबऽ वला यूहन्ना

(मत्ती 14.1-12; लूका 9.7-9)

14 राजा हेरोद एहि घटना सभक
विषय मे सुनलनि किएक तँ यीशुक यश
खूब पसरि गेल छल। किछु लोक कहैत
छल जे, “बपतिस्मा देबऽ वला यूहन्ना
मुइल सभ मे सँ जिआओल गेल छथि, तेँ
चमत्कार करबाक एहन सामर्थ्य हुनका
मे क्रियाशील अछि।” 15दोसर लोक सभ
कहैत छल जे, “ओ तँ एलियाह छथि।”
आरो सभ कहैत छल जे, “ओ प्राचीन
कालक परमेश्वरक प्रवक्ता सभ मे सँ
केओ छथि।”

16 मुदा हेरोद यीशुक बारे मे सुनि कऽ
कहलनि जे, “ई अवश्य यूहन्ना अछि
जकर मूड़ी हम कटबा देने छलिऐक—ओ
फेर जीबि उठल अछि!” यूहन्ना हेरोद
द्वारा कोना मरबाओल गेल छलाह से एहि
प्रकारेँ अछि—

17 राजा हेरोद यूहन्ना केँ पकड़बा
कऽ बन्हबौने आ जहल मे राखि देने
छलथिन। ओ अपन स्त्री हेरोदियासक
कारणेँ एना कयलनि। हेरोदियास, हेरोदक
भाय फिलिपुसक स्त्री छलीह, मुदा हेरोद
अपन भायक स्त्री केँ रखने छलाह,
18और यूहन्ना हेरोद केँ कहने छलाह जे,
“धर्म-नियमक अनुसार अपन भायक स्त्री
केँ राखब उचित नहि।” 19एहि कारणेँ
हेरोदियास यूहन्ना सँ दुश्मनी रखने छलीह
और हुनका मरबा देबऽ चाहैत छलीह।
मुदा ओ ई काज नहि करबा सकलीह
20किएक तँ राजा हेरोद यूहन्ना केँ धार्मिक
और नीक व्यक्ति बुझि कऽ हुनकर डर
मानैत छलथिन और तेँ जहल मे राखि कऽ
सुरक्षित रखलथिन। जखन कखनो हुनकर
बात सुनैत छलाह तखन ओ घबड़ा जाइत
छलाह, मुदा तैयो हुनकर बात सुनब ओ
बहुत पसन्द करैत छलाह।

21 तखन एक दिन हेरोदियास केँ मौका
भेटिए गेलनि। राजा हेरोद अपन जन्म
दिनक अवसर पर मन्त्री सभ, सेनापति
सभ और गलील प्रदेशक प्रतिष्ठित
व्यक्ति सभ केँ भोजक निमन्त्रण देलथिन।
22ओहि भोज मे हेरोदियासक बेटी भीतर
आबि नचलनि जाहि सँ हेरोद और हुनकर
आमन्त्रित लोक सभ बहुत प्रसन्न भेलाह।
राजा लड़की केँ कहलथिन, “तोँ जे किछु

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चाहैत छह से हमरा सँ माँगह, हम तोरा
देबह।" 23ओ लड़की कैँ सपत खा कऽ
वचन देलथिन जे, "जे किछु तोँ मँगबह से
तोरा हम देबह, जँ तोँ हमर आधा राज्यो
मँगबह तँ हम तोरा देबह।"

24 लड़की निकलि कऽ अपन माय सँ
पुछलक जे, "कहू! हम की माँगू?" ओकर
माय कहलथिन जे, "बपतिस्मा देबऽ
वला यूहन्नाक मूड़ी माँग!" 25ओ तुरत
भीतर राजा लग झटकारि कऽ आयल
और हुनका अपन माँग सुनौलकनि,
"हम चाहैत छी जे अहाँ हमरा बपतिस्मा
देनिहार यूहन्नाक मूड़ी एखने थारी मे
अनबा दिअ!" 26राजा बहुत दुखी भेलाह।
मुदा अपन सपतक कारणेँ और उपस्थित
आमन्त्रित सभक कारणेँ ओ ओकर माँग
अस्वीकार नहि करऽ चाहैत छलाह।
27ओ तुरत एकटा जल्लाद सिपाही कैँ
बजा कऽ आज्ञा दऽ कऽ पठौलथिन जे,
"यूहन्नाक मूड़ी काटि कऽ आनि दैह।"
सिपाही जहल मे जा कऽ यूहन्नाक मूड़ी
काटि 28थारी मे नेने आयल आ लड़की
कैँ देलक और लड़की अपन माय कैँ
देलकैक। 29जखन यूहन्नाक शिष्य सभ ई
सुनलनि तखन ओ सभ आबि हुनकर लास
लऽ गेलनि और कबर मे राखि देलनि।

पाँचटा रोटी आ पाँच हजार आदमीक भोजन

(मत्ती 14.13-21; लूका 9.10-17; यूहन्ना 6.1-14)

30 पठाओल गेल दूत सभ यीशु लग
फिरि कऽ अयला पर, जे काज ओ सभ
कयने छलाह और जे शिक्षा देने छलाह,
से सभ बात यीशु कैँ कहि सुनौलथिन।
31हुनका सभ लग ततेक लोक अबैत-
जाइत छल जे हुनका सभ कैँ भोजनो
करबाक फुरसति नहि भेटैत छलनि।
तखन यीशु अपना शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, "आउ! अपना सभ कोनो
एकान्त स्थान मे जा कऽ भीड़ सँ अलग
किछु आराम करी।" 32ओ सभ नाव मे
बैसि कऽ एकान्त स्थानक लेल विदा भऽ
गेलाह 33मुदा बहुत लोक हुनका सभ कैँ
जाइत देखलकनि और चिन्हि गेलनि।
लोक सभ, नगर-नगर सँ निकलि हुनका
सभक पाछू झीलक कछेरे-कछेर दौड़ल
आ हुनका सभ सँ पहिने ओतऽ पहुँचि
गेल। 34यीशु जखन नाव सँ उतरलाह आ
लोकक बड़का भीड़ कैँ जमा देखलनि तँ
हुनका ओहि लोक सभ पर दया आबि
गेलनि किएक तँ ओ सभ एहन भैँड़ी जकाँ
छल जकर केओ चरबाह नहि होइक।
यीशु ओकरा सभ कैँ बहुत बात सिखाबऽ
लगलथिन।

35 जखन साँझ पड़ऽ लागल तँ हुनकर
शिष्य सभ हुनका लग आबि कहलथिन,
"ई स्थान बस्ती सँ दूर अछि और साँझ
पड़ऽ वला छैक। 36लोक सभ कैँ एखन
जाय दिऔक जाहि सँ लगक गाम-बजार
सँ अपना लेल किछु खयबाक वस्तु
किनि सकत।" 37मुदा यीशु हुनका सभ
कैँ कहलथिन, "अहीं सभ एकरा सभ कैँ
भोजन करबिऔक।" शिष्य सभ हुनका
कहलथिन जे, "तकरा लेल तँ दू सय
दिनार लगैत। की हम सभ ओतेक खर्च
कऽ कऽ रोटी आनि कऽ एकरा सभ कैँ
खुअबिऔक?"

38 यीशु हुनका सभ कैँ जबाब देलथिन
जे, "अहाँ सभ जा कऽ देखू जे अहाँ
सभ लग कयटा रोटी अछि।" ओ सभ
देखि कऽ हुनका कहलथिन जे, "पाँचटा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रोटी आ दूटा माछ।” 39तखन यीशु सभ
लोक केँ हरियर घास पर पाँति-पाँति मे
बैसयबाक आज्ञा शिष्य सभ केँ देलथिन।
40लोक सभ सय-सय आ पचास-पचासक
पाँति मे बैसैत गेल। 41यीशु ओहि पाँचटा
रोटी और दूटा माछ केँ हाथ मे लऽ कऽ,
स्वर्ग दिस तकैत परमेश्वर केँ धन्यवाद
देलनि। ओ रोटी केँ तोड़ि-तोड़ि, लोक
सभ मे परसबाक लेल शिष्य सभ केँ
देलथिन। तखन ओहि दूटा माछो केँ
हुनका सभ केँ लोक सभ मे परसबाक
लेल देलथिन। 42सभ केओ भरि इच्छा
भोजन कयलक। 43शिष्य सभ जखन रोटी
आ माछक उबरल टुकड़ी सभ बिछलनि
तँ बारह छिट्टा भेल। 44भोजन करऽ वला
मे मात्र पुरुषक संख्या पाँच हजार छल।

झीलक पानि पर यीशु चललाह

(मत्ती 14.22-36; यूहन्ना 6.15-21)

45 तकरबाद यीशु अपना शिष्य सभ केँ
तुरत नाव पर चढ़ि कऽ अपना सँ पहिने
झीलक ओहि पार बेतसैदा नगर चल
जयबाक लेल आज्ञा देलथिन आ अपने
ओतहि रहि कऽ भीड़क लोक सभ केँ
विदा करऽ लगलाह। 46ओकरा सभ केँ
विदा करा कऽ ओ प्रार्थना करऽ लेल
पहाड़ पर चल गेलाह।

47 साँझ बितला पर नाव झीलक बीच
मे छलैक और यीशु किनार पर असगरे
छलाह। 48ओ देखलनि जे शिष्य सभ
केँ नाव खेबऽ मे बहुत परिश्रम भऽ रहल
छनि, किएक तँ हवा विपरीत दिस सँ
बहि रहल छलैक। लगभग रातिक चारिम
पहर मे ओ झीलक पानि पर चलैत हुनका
सभक दिस गेलाह। यीशु हुनका सभ सँ
आगू बढ़ि जाय चाहैत छलाह। 49शिष्य
सभ हुनका पानि पर चलैत देखि, हुनका
भूत बुझि चिचियाय लगलाह। 50सभ गोटे
हुनका देखि भयभीत भऽ गेलाह।

मुदा यीशु हुनका सभ केँ तुरत
कहलथिन, “साहस राखू! हम छी! नहि
डेराउ!” 51ओ हुनका सभक संग नाव मे
चढ़ि गेलाह और हुनका चढ़िते अन्हड़-
बिहारि थम्हि गेल। शिष्य सभ एकदम
अवाक भऽ गेलाह 52किएक तँ ओ सभ
रोटी वला घटना सेहो नहि बुझि सकल
छलाह—हुनका सभक बुद्धि बन्द छलनि।

53 ओ सभ झील केँ पार कऽ कऽ
गन्नेसरत क्षेत्र मे पहुँचलाह और नाव केँ
किनार लगा देलनि। 54जखन यीशु नाव
पर सँ उतरलाह तखन लोक सभ हुनका
चिन्हि लेलकनि। 55लोक सभ पूरा क्षेत्र
मे जा कऽ रोगी सभ केँ खाट पर लादि
जाहि ठाम लोक कहैत छल जे यीशु छथि
ओहि ठाम रोगी सभ केँ पहुँचाबऽ लागल।
56जाहि गाम, शहर, अथवा बस्ती मे ओ
जाइत छलाह ताहि ठामक लोक रोगी
सभ केँ हाट-बजार मे सुता दैत छल। ओ
सभ यीशु सँ प्रार्थना करैत छल जे, “अहाँ
अपन कपड़ाक खूटो रोगी सभ केँ छुबऽ
दिऔक।” जे सभ हुनकर कपड़ा छुलक
से सभ स्वस्थ भऽ गेल।

पूर्वजक चलन और परमेश्वरक आज्ञा

(मत्ती 15.1-9)

7 किछु फरिसी आ धर्मशिक्षक
लोकनि जे यरूशलेम सँ आयल
छलाह यीशु सँ भेँट करऽ लेल अयलाह।
2ओ लोकनि देखलनि जे हुनकर किछु
शिष्य सभ बिना हाथ धोने भोजन करैत
छथि, जे हुनका लोकनिक अनुसार धर्म-
विरोध वला बात छल। 3सभ यहूदी,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहू मे खास कऽ फरिसी लोकनि, पुरखा
सँ आबि रहल चलन कैँ पालन करैत
छथि—जाबत तक ओ लोकनि अपन हाथ
कैँ रीतिक अनुसार धोइत नहि छथि ताबत
तक भोजन नहि करैत छथि। [4]जखन
बजार सँ अबैत छथि तँ रीतिक अनुसार
बिना स्नान कयने किछु नहि खाइत छथि।
ओहिना पुरखाक आओर बहुत चलन कैँ
मानैत छथि, जेना बाटी, लोटा और कठौत
कैँ विशेष प्रकार सँ शुद्ध कयनाइ।

5 तँ फरिसी और धर्मशिक्षक लोकनि
यीशु सँ पुछलनि जे, “अहाँक शिष्य सभ
पुरखाक चलन सभ किएक नहि मानैत
अछि? ओ सभ अशुद्ध हाथ सँ किएक
भोजन करैत अछि?”

6 ओ उत्तर देलथिन जे, “हे पाखण्डी
सभ! यशायाह अहाँ सभक बारे मे
एकदम ठीक भविष्यवाणी कयलनि, जेना
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,

‘ई सभ मुँह सँ हमर आदर करैत अछि,
मुदा एकर सभक हृदय हमरा सँ दूर
छैक।
[7] ई सभ बेकार हमर उपासना करैत
अछि।
ई सभ जे शिक्षा दैत अछि, से मात्र
मनुष्यक बनाओल नियम सभ
अछि।’*

[8]अहाँ लोकनि परमेश्वरक आज्ञा कैँ
अवहेलना करैत छी लेकिन मनुष्यक
बनाओल रीति-रिवाज कैँ पकड़ने रहैत
छी।”

9 यीशु आगाँ कहऽ लगलाह जे, “अहाँ
सभ अपन चलन चलयबाक लेल कतेक
चलाकी सँ परमेश्वरक आज्ञा सभक
उल्लंघन करैत छी! [10]मूसा तँ कहने छलाह
जे, ‘अपन माय-बाबूक आदर करह,’* और
‘जे केओ अपन माय-बाबूक निन्दा करय
तकरा मृत्युदण्ड देल जाय।’* [11]मुदा अहाँ
सभ कहैत छी जे, जँ केओ अपना बाबू वा
माय सँ कहैत अछि, ‘जे किछु अहाँ सभ
हमरा सँ सहायता प्राप्त करितहुँ से आब
“कुर्बान” अछि’, अर्थात्, परमेश्वर कैँ
अर्पित, [12]आ जँ ओ किछु करहो चाहैत
अछि तँ अहाँ सभ ओकरा अपन माय-
बाबूक लेल कोनो कर्तव्य पूरा नहि करऽ
दैत छिऐक। [13]जे चलन अहाँ कैँ पुरखा सँ
भेटल अछि, तकरा द्वारा अहाँ परमेश्वरक
वचन कैँ निरर्थक ठहरबैत छी। और एतबे
नहि—आरो एहन-एहन बहुत काज करैत
छी।”

शुद्ध और अशुद्ध

(मत्ती 15.10-20)

14 तखन यीशु भीड़क लोक कैँ अपना
लग बजा कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ
गोटे हमर बात सुनू और बुझू! [15]कोनो
एहन वस्तु नहि होइत छैक जे बाहर सँ
मनुष्य मे प्रवेश कऽ कऽ ओकरा अशुद्ध
बना सकय, बल्कि जे मनुष्यक मोनक
भीतर सँ बहराइत छैक से ओकरा अशुद्ध
बनबैत छैक। [16][जे सुनि सकैत अछि से
सुनए!]*”

17 बाद मे भीड़ कैँ छोड़ि यीशु
घर गेलाह। हुनकर शिष्य सभ एहि
उदाहरणक बारे मे हुनका सँ पुछलथिन।
[18]यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “की,

7:7 यशा 29.13 **7:10** प्रस्थान 20.12; व्यव 5.16 **7:10** प्रस्थान 21.17; लेवी 20.9
7:16 किछु हस्तलेख सभ मे पद 16 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहूँ सभ नहि बुझैत छी? की ई बुझऽ मे
नहि अबैत अछि जे, जे किछु खाइत काल
मनुष्य मे प्रवेश करैत अछि से ओकरा
अशुद्ध नहि कऽ सकैत अछि? 19किएक
तँ ओ मोन मे नहि प्रवेश करैत अछि, ओ
पेट मे जाइत अछि और फेर देह सँ बहरा
जाइत अछि।" (ओ ई कहि कऽ सभ
भोजन-वस्तु केँ शुद्ध ठहरा देलथिन।)
20 ओ आगाँ कहऽ लगलाह, "जे मनुष्य
मे सँ निकलैत छैक से ओकरा अशुद्ध
करैत छैक। 21किएक तँ मनुष्यक भीतर
मे सँ, अर्थात् हृदय मे सँ सभ प्रकारक
अधलाह बात सभ निकलैत छैक, जेना
गलत विचार सभ, गलत शारीरिक
सम्बन्ध, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन,
22लोभ, दुष्कर्म, धोखा, निर्लज्जता,
ईर्ष्या, निन्दा, घमण्ड, और मूर्खता। 23ई
सभ बात मनुष्यक भीतर मे सँ निकलैत
अछि और ओकरा अशुद्ध करैत अछि।"

यूनानी स्त्रीक विश्वास

(मत्ती 15.21-28)

24 ओतऽ सँ यीशु सूर आ सीदोन नगरक
इलाका मे चल गेलाह। एकटा घर मे जा
कऽ ओहिठाम डेरा रखलनि। ओ चाहैत
छलाह जे लोक ई नहि बुझए जे ओ कतऽ
छथि, लेकिन लोक जल्दी सँ बुझि गेलनि
जे ओ एहि घर मे छथि। 25एकटा स्त्री
जकर छोट बेटी दुष्टात्मा* सँ ग्रसित छल
हुनका विषय मे सुनिते हुनका ओहिठाम
जा कऽ हुनका समक्ष मे खसल। 26ओ स्त्री
यहूदी जातिक नहि, यूनानी छल। ओकर
जन्म सीरिया प्रदेशक फीनिकी क्षेत्र मे भेल
छलैक। ओ यीशु सँ विनती कयलकनि जे,
हमर बेटी मे सँ दुष्टात्मा केँ निकालू।
27 यीशु ओकरा कहलथिन, "सभ सँ
पहिने बच्चे सभ केँ इच्छापूर्बक खाय
दिऔक, किएक तँ बच्चा सभक लेल जे
रोटी अछि तकरा कुकुरक आगाँ फेकि
देब से ठीक बात नहि।" 28ओ लेकिन
उत्तर देलकनि जे, "ठीके कहैत छी, प्रभु,
मुदा कुकुरो सभ तँ बच्चा सभक टेबुल
सँ खसल चुर-चार खाइते अछि।" 29यीशु
ओकरा कहलथिन, "एहन उत्तर दैत छह
तँ जा सकैत छह!—दुष्टात्मा तोरा बेटी
मे सँ निकलि गेल छह!" 30ओ घर जा
कऽ अपना बेटी केँ ओछायन पर पड़ल
देखलक। दुष्टात्मा ओकरा मे सँ निकलि
गेल छल।

यीशु एक बौक-बहीर केँ ठीक कयलनि

31 तकरबाद यीशु सूर क्षेत्र सँ घूरला
पर सीदोन नगर और "दस नगर" क्षेत्र*
दऽ कऽ गलील झील तक अयलाह।
32लोक सभ कोनो एक आदमी केँ यीशु
लग अनलनि जे बहीर छल और ठीक सँ
बाजिओ नहि सकैत छल। ओ सभ यीशु सँ
प्रार्थना कयलनि जे ओकरा पर हाथ राखि
कऽ ओकरा नीक कऽ देल जाओ। 33यीशु
ओकरा भीड़ सँ अलग लऽ कऽ ओकर
कान मे अपन आङुर राखि देलथिन और
अपन थूक ओकरा जीह पर लगा देलथिन।
34स्वर्ग दिस ताकि आ जोर सँ साँस लैत
ओहि आदमी केँ कहलथिन, "एफफाता,"
जकर अर्थ छैक, "खुजि जो!" 35ओकर
कान तुरत खुजि गेलैक। ओकर जीह सेहो

7:25 मूल मे "अशुद्ध आत्मा" **7:31** यूनानी मे "दिकापुलिस", जकर शाब्दिक अर्थ अछि "दस नगर"। ई यरदन नदीक दूनू कात मे पड़ऽ वला एक क्षेत्र छल, जाहि मे दसटा नगरक एक संघ छल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ठीक भऽ गेलैक और स्पष्ट बाजऽ लागल।
36यीशु एहि घटनाक बारे मे लोक सभ केँ
कहबाक लेल ओकरा मना कयलथिन,
लेकिन जतेक बेसी ओ मना करैत छलाह,
ततेक बेसी एहि घटनाक प्रचार भेलैक।
37सभ लोक एकदम आश्चर्य-चकित भऽ
कऽ कहऽ लागल जे, “देखू! सभ काज
ओ नीक जकाँ करैत छथि। बहीरो सभ
केँ सुनबाक और बौको सभ केँ बजबाक
शक्ति दैत छथिन!”

चारि हजार लोकक लेल भोजनक व्यवस्था

(मत्ती 15.32-39)

8 ओहि काल मे फेर यीशु लग बहुत
लोक सभ जमा भेल। ओकरा सभ
केँ खयबाक लेल किछु नहि छलैक।
तेँ यीशु अपना शिष्य सभ केँ बजा कऽ
कहलथिन जे, 2“एहि लोक सभ पर
हमरा दया अबैत अछि, किएक तँ ई सभ
तीन दिन सँ हमरा संग अछि आ संग मे
खयबाक लेल किछु नहि छैक। 3हम
एकरा सभ केँ भूखल विदा कऽ देबैक तँ
रस्ता मे ई सभ मुर्छित भऽ जायत किएक
तँ एहि मे सँ किछु लोक बहुत दूरो सँ
आयल अछि।”

4 शिष्य सभ यीशु केँ कहलथिन, “एहन
निर्जन क्षेत्र मे एतेक लोकक भोजन
कतऽ सँ भेटत?” 5यीशु हुनका सभ सँ
पुछलथिन जे, “अहाँ सभ लग कयटा
रोटी अछि?” शिष्य सभ उत्तर देलथिन
जे, “सातटा।”

6 यीशु लोक सभ केँ जमीन पर बैसबाक
लेल आदेश देलनि, और ओ सातो रोटी
लऽ कऽ परमेश्वर केँ धन्यवाद देलथिन।
रोटी सभ केँ तोड़ि-तोड़ि कऽ लोक सभ
मे बाँटऽ लेल शिष्य सभ केँ देलथिन और
ओ सभ रोटी बाँटि देलनि। 7किछु छोटका
माछो रहैक। यीशु माछोक लेल धन्यवाद
दऽ कऽ लोक सभ मे बाँटि देबऽ लेल
शिष्य सभ केँ देलथिन। 8सभ केओ भरि
पेट भोजन कयलक। भोजनक बाद शिष्य
सभ उबरल टुकड़ा सभ सात टोकरी मे
भरि कऽ जमा कयलनि। 9ओहि मे भोजन
करऽ वलाक संख्या करीब चारि हजार
लोक छल। 10ओकरा सभ केँ विदा कऽ
कऽ यीशु तुरत शिष्य सभक संग नाव मे
चढ़ि दलमनूथा क्षेत्र चल गेलाह।

चमत्कारक माँग

(मत्ती 12.38-42; 16.1-12)

11 हुनका सभ केँ पहुँचला पर फरिसी
सभ आबि कऽ यीशु सँ वाद-विवाद करऽ
लगलाह, आ हुनका जाँच करबाक लेल
स्वर्ग सँ एकटा चमत्कार वला चिन्ह
मँगलथिन। 12यीशु भीतर सँ कुहरि कऽ
कहलनि जे, “एहि पीढ़ीक लोक एकटा
चिन्ह किएक मँगैत अछि! हम अहाँ
सभ केँ सत्ये कहैत छी जे एकरा सभ केँ
कोनो चिन्ह नहि देखाओल जयतैक!”
13हुनका सभ केँ छोड़ि कऽ यीशु फेर
नाव मे चढ़ि कऽ झीलक ओहि पार चल
गेलाह।

14 शिष्य सभ रोटी अननाइ बिसरि
गेल छलाह; एकेटा रोटी नाव पर संग मे
छलनि। 15यीशु हुनका सभ केँ चेतबैत
कहलथिन, “फरिसी सभक और हेरोदक
रोटी फुलाबऽ वला खमीर सँ सावधान
रहू!” 16ओ सभ आपस मे विचार करैत
बजलाह जे, “अपना सभ रोटी आनब
बिसरि गेलहुँ, एही कारणेँ ओ ई बात कहि
रहल छथि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

17 यीशु बुझि गेलथिन जे ओ सभ एना
एक-दोसर सँ बात-चीत करैत छथि और
हुनका सभ सँ पुछलथिन जे, “अहाँ सभ
आपस मे एहि पर बात किएक कऽ रहल
छी जे अपना सभ लग रोटी नहि अछि? की
एखनो तक नहि देखैत छी? एखनो तक नहि
बुझैत छी? बुद्धि मन्द भऽ गेल अछि की?
18 की आँखि रहितो नहि देखैत छी, आ
कान रहितो नहि सुनैत छी? की मोन नहि
अछि?— 19 जखन ओ पाँचटा रोटी हम
पाँच हजार लोकक लेल तोड़लहुँ तँ उबरल
रोटीक टुकड़ीक कतेक छिट्टा भेल?”
ओ सभ जबाब देलथिन जे, “बारहटा।”
20 “और जखन ओहि सातटा रोटी सँ हम
चारि हजार आदमी केँ खुऔलहुँ तँ रोटीक
टुकड़ी कतेक ढाकी बिछलहुँ?” ओ सभ
उत्तर देलथिन जे, “सातटा।” 21 तखन ओ
हुनका सभ केँ कहलथिन, “की एखनो तक
नहि बुझैत छी?”

आन्हर केँ सुझऽ लागल

22 ओ सभ बेतसैदा नगर अयलाह।
लोक सभ यीशु लग एकटा आन्हर आदमी
केँ आनि कऽ हुनका सँ विनती कयलकनि
जे, एकरा छुबि दिऔक। 23 यीशु ओहि
आन्हर आदमी केँ हाथ पकड़ि कऽ नगर
सँ बाहर लऽ गेलथिन। ओकरा आँखि
पर थूक लगा देलथिन, और ओकरा पर
हाथ राखि कऽ पुछलथिन जे, “की, किछु
देखि रहल छह?” 24 ओ आँखि उठा कऽ
जबाब देलकनि जे, “हँ! मनुष्य सभ केँ
देखैत छी—गाछ जकाँ लगैत छैक लेकिन
चलि रहल अछि।” 25 तखन यीशु ओकरा
आँखि पर फेर हाथ रखलथिन। ओकरा
आँखि मे तुरत पूरा इजोत आबि गेलैक
और ओ सभ किछु साफ-साफ देखऽ
लागल। 26 यीशु ओकरा अपन घर पठा
देलथिन और ई आदेश देलथिन जे, “शहर
मे नहि जाह।”

यीशुक प्रश्न—“हम के छी?”

(मत्ती 16.13-20; लूका 9.18-21)

27 यीशु और हुनकर शिष्य सभ
कैसरिया-फिलिप्पीक लग-पासक गाम
सभ मे गेलाह। चलिते-चलिते यीशु हुनका
सभ सँ पुछलनि जे, “हम के छी, ताहि
सम्बन्ध मे लोक की कहि रहल अछि?”
28 ओ सभ हुनका जबाब देलथिन जे,
“केओ-केओ कहैत अछि जे अहाँ
बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना छी। केओ
कहैत अछि जे एलियाह छी, और किछु
लोक कहैत अछि जे परमेश्वरक प्रवक्ता
सभ मे सँ एक छी।”

29 तखन यीशु हुनका सभ केँ पुछलनि
जे, “और अहाँ सभ? अहाँ सभ की कहैत
छी जे हम के छी?” पत्रुस उत्तर देलथिन
जे, “अहाँ उद्धारकर्ता-मसीह छी।” 30 यीशु
हुनका सभ केँ दृढ़तापूर्बक आदेश
देलथिन जे हमरा बारे मे ई बात ककरो
नहि कहिऔक।

अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक बारे मे यीशुक भविष्यवाणी

(मत्ती 16.21-23; लूका 9.22)

31 तखन यीशु अपना शिष्य सभ केँ
सिखाबऽ लगलथिन जे, “मनुष्य-पुत्र केँ
बहुत दुःख भोगऽ पड़तैक। ई आवश्यक
अछि जे बूढ़-प्रतिष्ठित, मुख्यपुरोहित और
धर्मशिक्षक सभ द्वारा तुच्छ ठहराओल
जाय, जान सँ मारल जाय, आ तीन
दिनक बाद ओ फेर जीबि उठय।” 32 ई
बात एकदम स्पष्ट कहलथिन। एहि पर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पत्रुस हुनका कात मे लऽ जा कऽ डाँटऽ
लगलनि। 33मुदा यीशु शिष्य सभक दिस
घूमि कऽ पत्रुस केँ डाँटि कऽ कहलथिन,
“है शैतान! तोँ हमरा सोझाँ सँ दूर होअह!
तोँ परमेश्वरक विचार नहि, बल्कि
मनुष्यक विचार मोन मे रखैत छह।”

आत्माक बदला मे की दऽ सकब?

(मत्ती 16.24-28; लूका 9.23-27)

34 तखन यीशु लोक सभ केँ और
शिष्य सभ केँ अपना लग बजौलनि और
कहलथिन, “जँ केओ हमर शिष्य बनऽ
चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ त्यागि,
हमरा कारणेँ दुःख उठयबाक आ प्राणो
देबाक लेल तैयार रहओ, और* हमरा
पाछाँ चलओ। 35कारण, जे केओ अपन
जीवन बचाबऽ चाहैत अछि से ओकरा
गमाओत। मुदा जे केओ हमरा लेल और
शुभ समाचारक लेल अपन जीवन गमबैत
अछि से ओकरा बचाओत। 36जँ कोनो
मनुष्य सम्पूर्ण संसार केँ पाबि लय और
अपन आत्मा गमा लय तँ ओहि सँ ओकरा
की लाभ भेलैक? 37अथवा मनुष्य अपन
आत्माक बदला मे की दऽ सकत? 38जँ
केओ एहि पापी और विश्वासघाती युग मे
हमरा और हमर शिक्षा सँ लजाइत अछि
तँ ओकरो सँ मनुष्य-पुत्र लजायत जखन
पिताक महिमा मे स्वर्गदूत सभक संग
आओत।”

9 यीशु इहो कहलथिन, “हम अहाँ सभ
केँ सत्य कहैत छी जे एतऽ किछु
एहनो लोक सभ ठाढ़ अछि जे जाबत तक
परमेश्वरक राज्य शक्तिक संग अबैत नहि
देखि लेत ताबत तक नहि मरत।”

यीशुक रूपक परिवर्तन

(मत्ती 17.1-13; लूका 9.28-36)

2 छओ दिनक बाद यीशु अपना संग
पत्रुस, याकूब और यूहन्ना केँ लेलनि और
एक ऊँच पहाड़ पर एकान्त मे गेलाह।
हुनका सभक सामने मे यीशुक रूप बदलि
गेलनि। 3हुनकर वस्त्र एकदम उज्जर
भऽ कऽ चमकऽ लगलनि। हुनकर वस्त्र
एतेक उज्जर भऽ गेलनि जे पृथ्वीक कोनो
धोबिओ ओतेक उज्जर नहि कऽ सकैत।
4तखन शिष्य सभक समक्ष मे एलियाह
और मूसा प्रगट भेलाह जे यीशु सँ बात
करैत छलाह। 5ई देखि पत्रुस बाजऽ
लगलाह जे, “यौ गुरुजी! हमरा सभक
लेल ई कतेक नीक बात अछि जे हम सभ
एतऽ छी। हम सभ तीनटा मण्डप बनायब,
एकटा अहाँक लेल, एकटा मूसाक लेल
और एकटा एलियाहक लेल।” 6पत्रुस केँ
बुझऽ मे एकदम नहि अयलनि जे हम की
बाजू, की नहि बाजू, किएक तँ ओ सभ
केओ अति भयभीत भऽ गेल छलाह।

7 तखन एकटा मेघ आबि कऽ हुनका
सभ केँ झाँपि देलकनि और मेघ मे सँ
आवाज आयल जे, “ई हमर प्रिय पुत्र
छथि—हिनका बात पर ध्यान दिअ!”
8एकाएक शिष्य सभ चारू कात ताकऽ
लगलाह तँ ओ सभ अपना संग यीशु केँ
छोड़ि आरो किनको नहि देखलनि। 9पहाड़
पर सँ उतरैत काल यीशु हुनका सभ केँ
आदेश देलथिन जे, “जाबत तक मनुष्य-
पुत्र मृत्यु सँ फेर जीबि कऽ नहि उठत
ताबत तक जे बात अहाँ सभ देखलहुँ से
ककरो नहि कहिऔक।” 10ई आदेश ओ

8:34 अक्षरशः “अपना केँ त्यागि अपन क्रूस उठाबओ और

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ मानलनि मुदा आपस मे गप्प करैत
छलाह जे “मनुष्य-पुत्र मृत्यु सँ फेर जीबि
कऽ उठत”, एहि बातक अर्थ की छलनि।
11 तखन ओ सभ यीशु सँ पुछलथिन जे,
“धर्मशिक्षक लोकनि किएक कहैत छथि
जे पहिने एलियाह केँ अयनाइ आवश्यक
अछि?” 12यीशु उत्तर देलथिन जे, “ई
बात एकदम ठीक अछि—पहिने एलियाह
अबैत छथि आ सभ चीजक सुधार करैत
छथि। लेकिन मनुष्य-पुत्रक बारे मे ई
किएक लिखल गेल अछि जे हुनका बहुत
दुःख उठाबऽ पड़तनि और तुच्छ बुझल
जयताह? 13हम अहाँ सभ केँ कहैत छी
जे एलियाह आबिओ गेलाह आ जहिना
हुनका बारे मे धर्मशास्त्र मे लिखल अछि
तहिना लोक सभ केँ जे मोन भेलैक, से
हुनका संग कयलकनि।”

दुष्टात्मा लागल एक बालक

(मत्ती 17.14-21; लूका 9.37-43)

14 ओ सभ जखन आरो शिष्य सभ लग
पहुँचलाह तखन देखलनि जे हुनका सभक
चारू कात बड़का भीड़ अछि और हुनका
सभ सँ धर्मशिक्षक सभ वाद-विवाद कऽ
रहल छनि। 15यीशु केँ देखिते सभ लोक
चकित भऽ कऽ हुनका लग दौड़ल और
प्रणाम करऽ लगलनि। 16ओ हुनका सभ
सँ पुछलथिन जे, “हुनका सभ सँ की वाद-
विवाद कऽ रहल छी?”
17 भीड़ मे सँ एक आदमी हुनका जबाब
देलकनि जे, “गुरुजी, हम अपने लग अपना
बेटा केँ अनने छी जकरा मे एक दुष्टात्मा
पैसि गेल छैक जे एकरा बौक बना देने
छैक। 18जखने ओ एकरा लागि जाइत छैक
तँ एकरा तोड़ि-मड़ोड़ि कऽ खसा दैत छैक,
और मुँह सँ गाउज बहराय लगैत छैक। दाँत
पिसऽ लगैत अछि और देह टाँट भऽ जाइत
छैक। एहि दुष्टात्मा केँ निकालबाक लेल
हम अपनेक शिष्य सभ सँ विनती कयलहुँ
लेकिन ओ सभ नहि निकालि सकलाह।”
19 यीशु ओकरा सभ केँ उत्तर देलथिन
जे, “हे अविश्वासी पीढ़ीक लोक
सभ! हम तोरा सभक संग कहिया तक
रहिअह? कहिया तक तोरा सभ केँ सहैत
रहिअह?—लड़का केँ आनह हमरा लग।”
20 लोक सभ ओहि नेना केँ यीशु लग
अनलकनि। दुष्टात्मा यीशु केँ देखिते नेना
केँ ममोड़ि देलकैक। लड़का नीचाँ खसि
पड़लैक। ओकरा मुँह सँ गाउज निकलऽ
लगलैक और ओ ओँघराय लागल।
21यीशु ओकरा बाबू सँ पुछलथिन जे,
“एकरा ई दशा कहिया सँ छैक?” ओ
उत्तर देलकनि जे, “बचपने सँ। 22एकरा
नष्ट करबाक लेल दुष्टात्मा कतेक बेर
आगि और पानि मे खसौने अछि। मुदा
अपने जँ किछु कऽ सकैत छी तँ हमरा
सभ पर दया कऽ सहायता करू।”
23 यीशु ओकरा कहलथिन, “कोना कहैत
छह जे, ‘अपने जँ कऽ सकैत छी तँ...’?
विश्वास करऽ वलाक लेल सभ किछु
सम्भव छैक!” 24एहि पर लड़काक बाबू
तुरत जोर सँ बाजल जे, “हम विश्वास करैत
छी, हमर अविश्वास केँ दूर कऽ दिअ।”
25जखन यीशु देखलनि जे भीड़ हमरा सभ
केँ आब दबा देत तँ ओ दुष्टात्मा* केँ डाँटि
कऽ कहलथिन, “हे बौक और बहीर वला
आत्मा! हम तोरा आज्ञा दैत छिऔ जे एकरा
मे सँ निकलि जो और एकरा मे फेर कहियो

9:25 मूल मे “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रवेश नहि कर!” 26दुष्टात्मा चिचियाइत
और लड़का केँ बहुत जोर सँ मड़ोड़ि कऽ
ओकरा मे सँ निकलि गेल। लड़का मुरदा
जकाँ भऽ गेल। से देखि बहुत लोक कहऽ
लागल जे ओ मरि गेल अछि। 27मुदा यीशु
ओकरा हाथ पकड़ि कऽ उठौलथिन और
ओ ठाढ़ भऽ गेल।

28 जखन यीशु घर मे असगरे छलाह
तखन शिष्य सभ हुनका सँ पुछलथिन जे,
“हम सभ ओहि दुष्टात्मा केँ किएक नहि
निकालि सकलहुँ?” 29ओ उत्तर देलनि
जे, “एहि प्रकारक दुष्टात्मा प्रार्थना केँ
छोड़ि* आरो कोनो दोसर उपाय सँ नहि
निकालल जा सकैत अछि।”

अपना मृत्युक सम्बन्ध मे यीशुक दोसर भविष्यवाणी

(मत्ती 17.22-23; लूका 9.43-45)

30 ओहि ठाम सँ विदा भऽ कऽ ओ
सभ गलील प्रदेश होइत आगाँ बढ़लाह।
यीशु ई बात गुप्त राखऽ चाहैत छलाह
31कारण ओ अपन शिष्य सभ केँ
सिखबैत छलाह जे, “मनुष्य-पुत्र पकड़बा
कऽ लोकक हाथ मे सौंपल जायत, आ
ओ सभ ओकरा मारि देतैक। मरलाक
तीन दिनक बाद ओ फेर जीबि उठत।”
32मुदा शिष्य सभ ई बात नहि बुझि
सकलाह और हुनका सँ एहि सम्बन्ध मे
पुछऽ सँ डेराइत छलाह।

सभ सँ पैघ के अछि?

(मत्ती 18.1-5; लूका 9.46-50)

33 ओ सभ कफरनहूम नगर पहुँचलाह।
घर मे आबि कऽ यीशु शिष्य सभ सँ
पुछलथिन जे, “बाट मे अहाँ सभ की
तर्क-वितर्क करैत छलहुँ?” 34ओ सभ
चुप रहलाह किएक तँ बाट मे ओ सभ
एहि विषय मे वाद-विवाद करैत छलाह
जे हमरा सभ मे सभ सँ पैघ के अछि?
35यीशु बैसि कऽ बारहो शिष्य केँ अपना
लग बजौलनि आ कहलथिन, “जे केओ
पैघ बनऽ चाहैत अछि से अपना केँ छोट
बनाबओ और सभक सेवक बनओ।”

36 तखन ओ एक छोट बच्चा केँ लऽ
कऽ हुनका सभक बीच मे ठाढ़ कऽ
देलथिन, और कोरा मे लऽ कऽ शिष्य सभ
केँ कहलथिन जे, 37“जे केओ हमरा नाम
सँ एहन छोट बच्चा केँ स्वीकार करैत
अछि से हमरे स्वीकार करैत अछि, और
जे हमरा स्वीकार करैत अछि से हमरे
नहि, बल्कि हुनको स्वीकार करैत छनि
जे हमरा पठौने छथि।”

38 तखन यूहन्ना यीशु केँ कहलथिन,
“गुरुजी, हम सभ एक आदमी केँ
अहाँक नाम लऽ कऽ दुष्टात्मा निकालैत
देखलहुँ और ओकरा मना कयलिऐक
किएक तँ ओ हमरा सभक संग अहाँक
शिष्य नहि अछि।” 39लेकिन यीशु
कहलथिन, “हुनका मना नहि करिऔन
कारण, जे हमरा नाम सँ कोनो पैघ
काज करताह से जल्दी हमरा विरोध
मे नहि बजताह। 40जे अपना सभक
विरोध मे नहि अछि से अपना सभक
पक्षे मे अछि। 41हम अहाँ सभ केँ सत्ये
कहैत छी जे, जे केओ अहाँ केँ एक
लोटा पानि एहि लेल पिया दैत अछि जे
अहाँ मसीहक आदमी छी, तकरा एकर
प्रतिफल अवश्य भेटतैक।”

9:29 किछु हस्तलेख सभ मे “...प्रार्थना आ उपास केँ छोड़ि...” लिखल अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पाप मे फँसाबऽ वला केँ चेतावनी

(मत्ती 18.6-9; लूका 17.1-2)

42 “ई बच्चा सभ जे हमरा पर विश्वास
करैत अछि, ताहि मे सँ जँ एकोटा केँ केओ
पाप मे फँसाओत, तँ ओहि फँसौनिहारक
गरदनि मे जाँतक पाट बान्हि कऽ समुद्र
मे डुबा देल जाइक, से ओकरा लेल नीक
होइत।

43-44 “अहाँक हाथ जँ अहाँ केँ पाप मे
फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ फेकि
दिअ। दूनू हाथक संग नरक मे जायब
जतऽ आगि कहियो नहि मिझायत*,
अहाँक लेल ताहि सँ नीक ई जे लुल्ह
भऽ कऽ अनन्त जीवन मे प्रवेश करब।
[45-46]अहाँक पयर जँ अहाँ केँ पाप मे
फँसबैत अछि तँ ओकरा काटि कऽ फेकि
दिअ। दूनू पयरक संग नरक मे फेकि देल
जायब*, ताहि सँ नीक ई जे नाङड़ भऽ
कऽ जीवन मे प्रवेश करब। [47]और अहाँक
आँखि जँ अहाँ केँ पाप मे फँसबैत अछि
तँ ओकरा निकालि दिअ। कनाह भऽ
कऽ परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश करब से
अहाँक लेल एहि सँ नीक होयत जे दूनू
आँखिक संग नरक मे फेकि देल जायब,
[48]जतऽ

मनुष्य मे फड़ि गेल कीड़ा नहि मरैत
अछि
आ अनन्त आगि जरैत रहैत अछि।*

49 “प्रत्येक व्यक्ति अग्नि-परीक्षा द्वारा
सिद्ध बनाओल जायत। [50]नून नीक वस्तु
अछि, मुदा जँ ओकर स्वाद समाप्त भऽ
जाइक तँ अहाँ कोन वस्तु सँ ओकरा फेर
नूनगर बना सकब? अहाँ सभ अपना मे
नूनक गुण राखू और एक-दोसराक संग
मेल-मिलाप सँ रहू!”

विवाहक पवित्रता और तलाकक प्रश्न

(मत्ती 19.1-12; लूका 16.18)

10 यीशु तखन ओहि ठाम सँ विदा
भऽ कऽ यहूदिया प्रदेश मे और
यरदन नदीक ओहि पार गेलाह। बहुत
बड़का भीड़ फेर हुनका लग अयलनि,
तँ ओ अपन आदतक अनुसार ओकरा
सभ केँ शिक्षा देबऽ लगलाह। [2]किछु
फरिसी सभ आबि कऽ हुनका जँचबाक
लेल पुछलथिन जे, “की धर्म-नियमक
अनुसार पुरुष केँ अपना स्त्री केँ तलाक
देनाइ ठीक अछि?” [3]यीशु हुनका सभ केँ
पुछलथिन जे, “एहि सम्बन्ध मे मूसा की
आज्ञा देने छथि?”

4 ओ सभ उत्तर देलथिन, “मूसा
तलाकनामा लिखि कऽ तलाकक अनुमति
देने छथि।”

5 एहि पर यीशु हुनका सभ केँ जबाब
देलथिन जे, “अहाँ सभक मोनक
कठोरताक कारणेँ मूसा अहाँ सभक
लेल ई आज्ञा देने छथि। [6]लेकिन
सृष्टिक शुरुए सँ परमेश्वर मनुष्य केँ
‘पुरुष आ स्त्री बनौलनि।’* [7]‘एहि
कारणेँ पुरुष अपन माय-बाबू केँ छोड़ि
अपन स्त्रीक संग रहत और दूनू एक
शरीर भऽ जायत।’* [8]आब ओ सभ दू
नहि अछि—एके भऽ गेल। [9]तेँ जकरा
परमेश्वर जोड़ि देलथिन तकरा मनुष्य
अलग नहि करओ।”

9:44,46 किछु हस्तलेख सभ मे पद 48 मे लिखल बात पद 44 और 46 मे सेहो पाओल जाइत अछि।
9:48 यशा 66.24 **10:6** उत्पत्ति 1.27 **10:7** उत्पत्ति 2.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

10 बाद मे जखन घर मे छलाह तखन
शिष्य सभ एहि विषय मे यीशु सँ फेर
पुछलथिन। 11 ओ उत्तर देलथिन जे, “जे
केओ अपना स्त्री केँ तलाक दऽ कऽ
दोसर सँ विवाह करैत अछि, से ओहि
स्त्रीक संग परस्त्रीगमन करैत अछि।
12 और जे स्त्री अपना पति केँ तलाक दऽ
कऽ दोसर पुरुष सँ विवाह करैत अछि,
सेहो परपुरुषगमन करैत अछि।”

धिआ-पुता सभ केँ यीशुक आशीर्वाद

(मत्ती 19.13-15; लूका 18.15-17)

13 तखन लोक सभ यीशु लग अपन
बच्चा सभ केँ आनऽ लगलनि जे ओ
ओकरा सभ पर हाथ राखि आशीर्वाद
देथिन। मुदा शिष्य सभ ओकरा सभ केँ
डँटलनि। 14 ई देखि यीशु बहुत अप्रसन्न
भऽ गेलाह और शिष्य सभ केँ कहलथिन,
“बच्चा सभ केँ हमरा लग आबऽ दिऔक,
ओकरा सभ केँ नहि रोकिऔक, किएक
तँ परमेश्वरक राज्य एहने सभक अछि।
15 हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे,
जे बच्चा जकाँ परमेश्वरक राज्य ग्रहण
नहि करत से ओहि मे कहियो नहि प्रवेश
करत।” 16 तखन बच्चा सभ केँ कोरा मे
उठा लेलथिन और ओकरा सभ पर हाथ
राखि कऽ आशीर्वाद देलथिन।

महत्वपूर्ण की—धन-सम्पत्ति वा अनन्त जीवन?

(मत्ती 19.16-30; लूका 18.18-30)

17 यीशु जखन ओहिठाम सँ विदा भऽ
रस्ता मे जा रहल छलाह तँ एक आदमी
दौड़ि कऽ अयलाह, और हुनका आगाँ मे
ठेहुनिया रोपि कऽ यीशु सँ पुछलथिन जे,
“यौ उत्तम गुरुजी! अनन्त जीवन प्राप्त
करबाक लेल हम की करू?”

18 यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ हमरा
‘उत्तम’ किएक कहैत छी? परमेश्वर केँ
छोड़ि आरो केओ उत्तम नहि अछि।
19 मुदा अहाँ धर्म-नियमक आज्ञा सभ तँ
जनिते छी—‘हत्या नहि करह, परस्त्रीगमन
नहि करह, चोरी नहि करह, झूठ गवाही
नहि दैह, ककरो नहि ठकह, अपन माय-
बाबूक आदर करह।’* ”

20 ओ उत्तर देलथिन जे, “गुरुजी,
एहि सभ आज्ञाक पालन हम बचपने सँ
करैत छी।” 21 यीशु हुनका देखि कऽ प्रेम
कयलथिन और कहलथिन, “अहाँ मे
एकटा बातक कमी अछि—अहाँ जाउ,
अपन पूरा सम्पत्ति बेचि कऽ ओकरा
गरीब सभ मे बाँटि दिअ, अहाँ केँ स्वर्ग
मे धन भेटत। तकरबाद आउ आ हमरा
पाछाँ चलू।”

22 ई बात सुनि कऽ ओहि आदमीक
मुँह उतरि गेलनि, आ ओ उदास भऽ
कऽ चल गेलाह किएक तँ हुनका बहुत
धन-सम्पत्ति छलनि। 23 तखन यीशु
चारू कात देखि कऽ अपना शिष्य सभ
केँ कहलथिन, “धनिक सभक लेल
परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश कयनाइ
कतेक कठिन अछि!” 24 शिष्य सभ
एहि बात सँ अचम्भित भऽ गेलाह। यीशु
हुनका सभ केँ फेर कहलथिन, “हे हमर
बेटा सभ! परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश
कयनाइ* कतेक कठिन अछि! 25 धनिक

10:19 प्रस्थान 20.12-16; व्यव 5.16-20 **10:24** किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “हे हमर बेटा सभ! धन-सम्पत्ति पर भरोसा राखऽ वला लोकक लेल परमेश्वरक राज्य...”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ परमेश्‍वरक राज्य मे प्रवेश कयनाइ
सँ ऊँट कैँ सुइक भूर दऽ कऽ निकलनाइ
आसान अछि।"
26 ओ सभ आरो चकित भऽ कऽ
एक-दोसर कैँ कहऽ लगलाह जे, "तखन
उद्धार ककर भऽ सकैत छैक?!" [27]यीशु
हुनका सभ कैँ एकटक देखैत कहलथिन,
"मनुष्यक लेल तँ ई असम्भव अछि,
लेकिन परमेश्‍वरक लेल नहि। परमेश्‍वरक
लेल सभ किछु सम्भव अछि।"
28 पत्रुस हुनका कहलथिन, "देखू!
हम सभ तँ सभ किछु त्यागि कऽ अहाँक
पाछाँ आयल छी।" [29]यीशु उत्तर देलथिन,
"हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी, प्रत्येक
व्यक्ति जे हमरा लेल और शुभ समाचारक
लेल घर, भाय, बहिन, माय-बाबू, सन्तान
वा जमीन-जालक त्याग करत [30]तकरा
एहि युग मे सय गुना भेटतैक—घर, भाय,
बहिन, माय, सन्तान, जमीन, मुदा संगे-
संगे सहऽ पड़तैक अत्याचार, और आबऽ
वला युग मे भेटतैक अनन्त जीवन। [31]मुदा
बहुतो लोक जे एखन आगाँ अछि से पाछाँ
भऽ जायत, आ जे एखन पाछाँ अछि से
आगाँ भऽ जायत।"

यरूशलेमक लेल अन्तिम प्रस्थान

(मत्ती 20.17-19; लूका 18.31-34)

32 यीशु और हुनकर शिष्य सभ
यरूशलेम जाय वला रस्ता पर बढ़ैत
छलाह। यीशु आगू-आगू चलि रहल
छलाह। शिष्य सभ आश्‍चर्य-चकित
छलाह और जे सभ संग मे पाछू-पाछू
अबैत छल से सभ भयभीत छल। बारहो
शिष्य कैँ यीशु फेर अलग लऽ जा कऽ
हुनका सभ कैँ बुझा देलथिन जे हुनका
संग केहन घटना सभ होयतनि। ओ हुनका
सभ कैँ कहलथिन जे, [33]"सुनू, अपना
सभ यरूशलेम जा रहल छी। ओहिठाम
मनुष्य-पुत्र मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक
सभक हाथ मे पकड़ाओल जायत। ओ
सभ ओकरा मृत्युदण्डक जोगरक ठहरा
देतैक और गैर-यहूदी सभक हाथ मे सौंपि
देतैक। [34]ओ सभ ओकर हँसी उड़ौतैक
और ओकरा पर थुकतैक, ओकरा कोड़ा
सँ मारतैक और मारि देतैक। मुदा तीन
दिनक बाद ओ फेर जीबि उठत।"

याकूब और यूहन्‍नाक निवेदन

(मत्ती 20.20-28)

35 जबदीक दूनू पुत्र याकूब और यूहन्‍ना
यीशु लग आबि कऽ कहलथिन, "गुरुजी,
हम सभ चाहैत छी जे, हम सभ जे किछु
माँगी से अहाँ हमरा सभक लेल कऽ
दिअ।" [36]यीशु पुछलथिन जे, "अहाँ सभ
की चाहैत छी जे हम कऽ दिअ?"
37 ओ सभ जबाब देलथिन जे, "अहाँ
अपन महिमामय राज्य मे हमरा सभ मे
सँ एक कैँ अपना दहिना कात मे और
दोसर कैँ अपना बामा कात मे बैसबाक
अधिकार दिअ।" [38]यीशु हुनका सभ कैँ
कहलथिन, "अहाँ सभ की माँगि रहल
छी से अहाँ सभ नहि बुझैत छी। की
दुःखक बाटी सँ जे हमरा पिबाक अछि
से अहाँ सभ पिबि सकैत छी? वा कष्टक
बपतिस्मा लऽ सकैत छी जे हमरा लेबाक
अछि?"
39 ओ सभ उत्तर देलथिन जे, "हँ, कऽ
सकैत छी।" तखन यीशु हुनका सभ कैँ
कहलथिन, "जे बाटी हमरा पिबाक अछि
से तँ अहाँ सभ पीब, और जे बपतिस्मा
हमरा लेबाक अछि से अहाँ सभ लेब,
[40]मुदा किनको अपना दहिना कात वा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बामा कात बैसायब, तकर अधिकार
हमरा नहि अछि—ई स्थान सभ तिनका
सभक लेल छनि, जिनका सभक लेल
तैयार कयल गेल अछि।”
41 जखन बाँकी दस शिष्य एहि बातक
बारे मे सुनलनि तखन ओ सभ याकूब और
यूहन्ना पर खिसिआय लगलाह। 42 एहि
पर यीशु शिष्य सभ केँ अपना लग बजा
कऽ कहलथिन, “अहाँ सभ जनैत छी जे
एहि संसार मे जे सभ शासन करऽ वला
बुझल जाइत छथि से सभ जनता पर
हुकुम चलबैत रहैत छथि, और जनता
मे जे पैघ लोक सभ छथि से जनता पर
अधिकार जमबैत छथि। 43 मुदा अहाँ
सभ मे एना नहि होअय। बल्कि, जे अहाँ
सभ मे पैघ होमऽ चाहय से अहाँ सभक
सेवक बनय। 44 और जे केओ अहाँ सभ
मे प्रमुख व्यक्ति होमऽ चाहय से सभक
टहलू बनय! 45 किएक तँ मनुष्य-पुत्र सेहो
एहि लेल नहि आयल अछि जे अपन सेवा
कराबय बल्कि एहि लेल जे ओ सेवा
करय और बहुतो लोकक छुटकाराक
मूल्य मे अपन प्राण देअय।”

आन्हर बरतिमाई केँ आँखिक इजोत

(मत्ती 20.29-34; लूका 18.35-43)

46 तखन ओ सभ यरीहो नगर
पहुँचलाह। जखन यीशु और शिष्य सभ
बड़का भीड़क संग यरीहो सँ निकलैत
छलाह तखन रस्ताक कात मे तिमाईक
पुत्र, बरतिमाई, जे आन्हर छल, से भीख
मँगैत बैसल छल। 47 जखन ओ सुनलक
जे नासरत-निवासी यीशु जा रहल छथि
तँ ओ सोर पारि कऽ कहऽ लागल जे,
“यौ दाऊदक पुत्र* यीशु! हमरा पर दया
करू!” 48 ओकरा बहुत लोक डाँटि कऽ
चुप रहऽ लेल कहलकैक, मुदा ओ आरो
जोर सँ हल्ला कऽ कऽ कहऽ लागल जे,
“यौ दाऊदक पुत्र! हमरा पर दया करू!”
49 यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह आ कहलनि
जे, “ओकरा बजाउ!” तखन ओहि
आन्हर केँ बजा कऽ लोक सभ कहलकैक
जे, “निराश नहि हो! उठ! तोरा बजबैत
छथुन!” 50 अपन ओढ़ना फेकि कऽ ओ
छरपि उठल और यीशु लग आयल।
51 यीशु ओकरा पुछलथिन जे, “तोँ की
चाहैत छह, हम तोरा लेल की करिअह?”
आन्हर बाजल, “गुरुजी, हम देखऽ
चाहैत छी!” 52 यीशु ओकरा कहलथिन,
“जाह—तोहर विश्वास तोरा नीक कऽ
देलकह।” ओ तुरत देखऽ लागल और
रस्ता मे यीशुक पाछाँ चलऽ लागल।

यरूशलेम मे यीशुक प्रवेश

(मत्ती 21.1-11; लूका 19.28-40;
यूहन्ना 12.12-19)

11 यीशु आ हुनकर शिष्य सभ
जखन यरूशलेम लग पहुँच-
लाह, अर्थात् जैतून पहाड़ पर बेतफगे
और बेतनिया गाम सभ लग, तखन यीशु
दूटा शिष्य केँ ई कहि कऽ पठौलथिन जे,
2 “सामने मे जे गाम अछि, ताहि मे जाउ।
जखने अहाँ सभ गाम मे प्रवेश करब
तखन गदहीक एक बच्चा बान्हल भेटत
जाहि पर केओ कहियो नहि चढ़ल अछि।
ओकरा खोलि कऽ आनू। 3 जँ केओ पुछत

10:47 “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे ‘एकरा किएक खोलैत छी?’ तँ कहबैक
जे, ‘प्रभु कैँ एकर आवश्यकता छनि और
एकरा तुरत फेर लौटा देताह।’ ”
4 दूनू चल गेलाह, और हुनका सभ कैँ
सड़कक कात मे एक घरक द्वारि लग
बान्हल एक गदहीक बच्चा भेटलनि।
जखने ओ सभ ओकरा खोलऽ लगलाह
5तँ ओहिठाम ठाढ़ भेल किछु लोक सभ
हुनका सभ कैँ पुछलकनि जे, “अहाँ सभ
की करैत छी? ई गदहा किएक खोलि
रहल छी?” 6ओ सभ वैह उत्तर देलनि
जे यीशु कहने छलथिन, और लोक सभ
हुनका सभ कैँ जाय देलकनि। 7गदहीक
बच्चा कैँ ओ सभ यीशु लग अनलनि
और ओकरा पीठ पर अपन कपड़ा राखि
देलनि। यीशु ओहि पर बैसि गेलाह।
8बहुत लोक रस्ता मे अपन चादर ओछा
देलक, दोसर लोक खेत मे सँ पात वला
ठाढ़ि तोड़ि कऽ सड़क पर ओछौलक।
9यीशुक आगाँ-पाछाँ चलऽ वला लोकक
भीड़ एहि तरहेँ जयजयकार करऽ लागल
जे,

“जय! जय!*
धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ
अबैत छथि!*
10 हमरा सभक पुरखा दाऊदक आबऽ
वला राज्य कैँ जय!
सर्वोच्च स्वर्ग मे प्रभुक
जयजयकार!”

11 यीशु यरूशलेम पहुँचि कऽ मन्दिर मे
गेलाह। ओहिठाम चारू दिस नजरि दौड़ा
कऽ सभ किछु देखलनि मुदा साँझ पड़ि
जयबाक कारणेँ ओतऽ सँ बाहर गेलाह
आ बारहो शिष्यक संग बेतनिया चल
गेलाह।

अंजीरक गाछ

(मत्ती 21.18-19)

12 दोसर दिन जखन ओ सभ बेतनिया
सँ अबैत छलाह तखन यीशु कैँ भूख
लागल छलनि। 13दूर सँ ओ हरियर पात
सँ भरल एक अंजीरक गाछ देखि कऽ
गाछ लग गेलाह जे शायद ओहि पर
किछु फल भेटय। मुदा ओतऽ पहुँचला
पर पात छोड़ि आरो किछु नहि भेटलनि,
किएक तँ अंजीरक फलक समय नहि
छल। 14यीशु ओहि गाछ कैँ कहलथिन,
“आइ सँ तोहर फल केओ कहियो नहि
खयतौ!” शिष्य सभ हुनका ई कहैत
सुनलनि।

मन्दिर प्रार्थनाक घर वा चोर-डाकूक अड्डा?

(मत्ती 21.12-17, 20-22; लूका 19.45-48; यूहन्ना 2.13-22)

15 तखन ओ सभ यरूशलेम पहुँच-
लाह। मन्दिर मे जा कऽ यीशु बेचऽ
वला और किनऽ वला सभ कैँ ओतऽ
सँ बाहर भगाबऽ लगलाह। ओ पाइ
भजौनिहार सभक टेबुल आ परबा-
पेउरकी बेचनिहार सभक पीढ़ी-बैसकी
सभ कैँ उनटा-पुनटा देलथिन। 16ककरो
मन्दिर दऽ कऽ कोनो सामान लऽ कऽ
नहि जाय देलथिन। 17लोक कैँ शिक्षा
देबऽ लगलथिन जे, “की धर्मशास्त्र मे
नहि लिखल अछि जे, ‘हमर घर सभ

11:9 “जय/जयजयकार”—मूल मे, “होसन्ना!” (इब्रानी भाषा मे स्तुति वा विजय कैँ व्यक्त करऽ वला शब्द)। तहिना, पद 10 मे सेहो। **11:9** भजन 118.25, 26

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जातिक लेल प्रार्थनाक घर कहाओत'*? मुदा तोँ सभ एकरा 'चोर-डाकूक अड्डा'* बना देने छह।"

18 मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक सभ ई बात सुनि कऽ यीशु केँ कोना मारल जाय तकर उपाय सोचऽ लगलाह, एहि द्वारे जे हुनका सँ डेराइत छलाह किएक तँ पूरा जनता हुनकर शिक्षाक कारणेँ आश्चर्यित छल।

19 सूर्यास्तक बाद यीशु और शिष्य सभ शहर सँ बाहर चल गेलाह।

20 प्रात भेने रस्ता मे जाइत-जाइत ओ सभ देखलनि जे अंजीरक गाछ जड़ि सँ सुखि गेल अछि।
[21]पत्रुस पछिला दिनक घटनाक स्मरण करैत यीशु केँ कहलथिन, "गुरुजी, देखू! ओहि अंजीरक गाछ जकरा सराप देने छलहुँ से सुखि गेल अछि!"
[22]ओ हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन जे, "परमेश्वर पर विश्वास राखू!
[23]हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी जे, जँ केओ एहि पहाड़ केँ कहत जे 'एतऽ सँ हट आ समुद्र मे जो,' और मोन मे सन्देह नहि करत, बल्कि एकर विश्वास करत जे हम जे कहि रहल छी से भऽ जायत, तँ ओकरा लेल से भइए जायत।
[24]एहि लेल हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, अहाँ प्रार्थना मे जे किछु माँगब, विश्वास करू जे ओ भेटि गेल, और अहाँ केँ भेटिए जायत।
[25]और जखन अहाँ प्रार्थनाक लेल ठाढ़ होयब, अहाँक हृदय मे जँ ककरो प्रति विरोध होअय तँ ओकरा क्षमा करू जाहि सँ अहाँक पिता जे स्वर्ग मे छथि सेहो अहाँक अपराध क्षमा करताह।"*

यीशुक अधिकार पर प्रश्न

(मत्ती 21.23-27; लूका 20.1-8)

27 ओ सभ फेर यरूशलेम पहुँचलाह। यीशु केँ मन्दिर मे टहलैत काल मुख्यपुरोहित, धर्मशिक्षक लोकनि और बूढ़-प्रतिष्ठित सभ हुनका लग अयलनि।
[28]ई सभ यीशु सँ पुछलथिन जे, "अहाँ कोन अधिकार सँ ई सभ बात कऽ रहल छी? अहाँ केँ ई काज करबाक के अधिकार देलनि?"
[29]यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन जे, "हमहूँ अहाँ सभ सँ एकटा बात पुछैत छी। अहाँ सभ उत्तर देब तँ हमहूँ अहाँ सभ केँ कहब जे हम कोन अधिकार सँ ई सभ काज कऽ रहल छी।
[30]यूहन्ना केँ बपतिस्मा देबाक अधिकार परमेश्वर सँ भेटल छलनि वा मनुष्य सँ? बाजू!"
[31]ई सुनि ओ सभ अपना मे तर्क-वितर्क करऽ लगलाह जे, "जँ अपना सभ कहबैक जे, परमेश्वर सँ, तँ ओ पुछत जे, 'तखन हुनकर बातक विश्वास किएक नहि कयलहुँ?'
[32]मुदा जँ कहबैक जे, 'मनुष्य सँ, तँ...' " ओ सभ जनता सँ डेराइत छलाह किएक तँ सभ लोक यूहन्ना केँ परमेश्वरक प्रवक्ता मानैत छल।
[33]तँ ओ सभ यीशु केँ उत्तर देलथिन जे, "हम सभ नहि जनैत छी।" एहि पर यीशु कहलथिन, "तँ हमहूँ अहाँ सभ केँ नहि कहब जे, हम कोन अधिकार सँ ई काज करैत छी!"

11:17 यशा 56.7 **11:17** यर्मि 7.11 **11:25** किछु हस्तलेख सभ मे पद 26 मे एहि प्रकारेँ लिखल अछि, "मुदा जँ अहाँ लोकक अपराध क्षमा नहि करबैक, तँ अहाँक पिता जे स्वर्ग मे छथि सेहो अहाँक अपराध क्षमा नहि करताह।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मालिक आ बटाइदार सभक दृष्टान्त

(मत्ती 21.33-46; लूका 20.9-19)

12 तखन ओ हुनका सभ कैँ
दृष्टान्त द्वारा शिक्षा देबऽ
लगलाह, "एक आदमी एक अंगूरक बगान
लगौलनि और चारू कात सँ ओकरा घेरि
देलनि। अंगूरक रस जमा करबाक लेल
ओ एक रसकुण्ड बनौलनि आ रखबारीक
लेल मचान बनौलनि। तकरबाद किसान
सभ कैँ बटाइ पर दऽ कऽ परदेश चल
गेलाह। 2फलक समय अयला पर ओ
अपन हिस्सा लेबाक लेल एक नोकर कैँ
बटाइदार सभक ओहिठाम पठौलथिन।
3मुदा ओ सभ ओकरा पकड़ि कऽ मारि-
पिटि कऽ खाली हाथ लौटा देलकैक।
4तखन मालिक फेर दोसर नोकर कैँ
ओकरा सभक ओहिठाम पठौलथिन, मुदा
ओ सभ ओकर कपार फोड़ि देलकैक
और ओकर अपमान कयलकैक।
5मालिक तेसरो कैँ पठौलथिन और
ओकरा ओ सभ मारि देलकैक। तहिना
आरो बहुत नोकर कैँ ओ सभ पिटलकैक
वा मारि देलकैक। 6आब मालिक कैँ
एकेटा आदमी रहि गेलनि—हुनकर अपन
प्रिय बेटा। अन्त मे ओ ओकरो, ई सोचि
कऽ पठौलथिन जे, 'हमरा बेटा कैँ ओ सभ
अवश्य आदर करत।' 7मुदा बटाइदार
सभ एक-दोसर कैँ कहलक जे, 'ई अपन
बापक उत्तराधिकारी अछि। चलू एकरा
मारि दिऐक, तखन ई सम्पत्ति अपने सभक
भऽ जायत!' 8एना सोचि ओ सभ हुनका
पकड़ि कऽ मारि देलकनि और हुनकर
लास बगान सँ बाहर फेकि देलकनि।"
9यीशु आगाँ कहलथिन, "बगानक
मालिक आब की करताह? ओ आबि कऽ
ओहि बटाइदार सभक सर्वनाश करथिन
और बगान दोसर बटाइदार सभ कैँ दऽ
देथिन। 10की अहाँ सभ धर्मशास्त्र मे ई
नहि पढ़ने छी?—

'जाहि पाथर कैँ राजमिस्तिरी सभ
बेकार बुझि कऽ फेकि देलक,
वैह पाथर मकानक प्रमुख पाथर भऽ
गेल।
11 ई काज प्रभु-परमेश्वर कयलनि,
और ई हमरा सभक नजरि मे अद्भुत
बात अछि!' *"

12 एहि पर ओ सभ हुनका पकड़ऽ
चाहैत छलाह किएक तँ ओ सभ बुझि
गेलाह जे ई हमरे सभक बारे मे ई कथा
कहलक अछि। मुदा जनता सँ डेरयबाक
कारणेँ ओ सभ हुनका छोड़ि कऽ चल
गेलाह।

कपटपूर्ण प्रश्न और स्पष्ट उत्तर

(मत्ती 22.15-22; लूका 20.20-26)

13 बाद मे ओ सभ किछु फरिसी और
हेरोद-दलक किछु लोक कैँ यीशु लग
पठा देलनि जे हुनका अपन कहल बातक
जाल मे फँसाबय। 14ओ सभ आबि कऽ
हुनका कहलकनि जे, "गुरुजी, हम सभ
जनैत छी जे अपने सत्यवादी छी, आ
केओ की सोचैत अछि, तकर अपने कैँ
कोनो चिन्ता नहि, कारण, अपने मुँह-
देखी बात नहि करैत छी। अपने सत्यक
अनुसार परमेश्वरक बाटक शिक्षा दैत
छी। आब हमरा सभ कैँ एकटा बात
कहल जाओ—रोमी सम्राट-कैसर कैँ कर

12:11 भजन 118.22, 23

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देब धर्म-नियमक अनुसार उचित अछि वा
नहि? अपना सभ कैँ कर देबाक चाही वा
नहि देबाक चाही?”

15 यीशु ओकरा सभक कपट बुझि
कऽ ओकरा सभ कैँ कहलथिन, “अहाँ
सभ हमरा किएक फँसाबऽ चाहैत छी?
हमरा एकटा सिक्का दिअ, हम देखब।”
16 ओ सभ एक दिनारक सिक्का लऽ
आयल। तखन यीशु ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, “ई किनकर चित्र छनि? आ
एहि पर किनकर नाम लिखल छनि?” ओ
सभ उत्तर देलकनि, “सम्राट-कैसरक।”
17 तखन यीशु ओकरा सभ कैँ कहलथिन,
“जे सम्राटक छनि से सम्राट कैँ दिऔन,
आ जे परमेश्वरक छनि से परमेश्वर
कैँ दिऔन।” एहि पर ओ सभ एकदम
अवाक रहि गेल।

जीबि उठबाक प्रश्न

(मत्ती 22.23-33; लूका 20.27-40)

18 तखन किछु सदुकी पंथक लोक,
जे सभ एहि बात कैँ नहि मानैत अछि जे
मृत्यु मे सँ मनुष्य फेर जिआओल जायत,
से सभ एकटा प्रश्न लऽ कऽ यीशु लग
आयल। 19 ओ सभ कहलकनि, “गुरुजी,
मूसा हमरा सभक लेल लिखलनि जे, जँ
ककरो भाय निःसन्तान मरि जाइक आ
ओकर स्त्री जीविते होइक तँ ओकरा
ओहि स्त्री सँ विवाह कऽ अपना भायक
लेल सन्तान उत्पन्न करबाक चाही।
20 एक परिवार मे सात भाय छल। जेठ
भाय विवाह कयलक और निःसन्तान
मरि गेल। 21 तँ दोसर भाय ओहि स्त्री सँ
विवाह कयलक लेकिन ओहो निःसन्तान
मरि गेल। तेसरो भाय कैँ एहिना भेलैक।
22 तहिना सातो भाय ओहि स्त्री सँ विवाह
कऽ कऽ निःसन्तान मरि गेल, और अन्त
मे स्त्रिओ मरि गेल। 23 आब कहल जाओ,
ओहि समय मे जहिया मुइल सभ कैँ
जिआओल जयतैक, तँ ओ स्त्री एहि भाय
सभ मे सँ ककर स्त्री होयतैक? ओकरा सँ
तँ सातो विवाह कयने छलैक।”

24 यीशु उत्तर देलथिन, “अहाँ सभ ने
धर्मशास्त्र आ ने परमेश्वरक सामर्थ्य कैँ
जनैत छी। तैँ अहाँ सभ कैँ एहि तरहेँ धोखा
भऽ रहल अछि। 25 किएक तँ, जखन
लोक सभ मृत्यु सँ जीबि जायत तखन ने
ओ सभ विवाह करत आ ने विवाह मे देल
जायत, बल्कि ओ सभ स्वर्गदूत सभ जकाँ
होयत। 26 तखन मुइल सभ कैँ जिआओल
जयबाक जे बात अछि, ताहि सम्बन्ध मे
की अहाँ सभ कहियो मूसाक पुस्तक मे
नहि पढ़ने छी—जाहि ठाम जरैत झाड़ीक
वर्णन अछि, कोना परमेश्वर ⌞एहि
पूर्वज लोकनिक मृत्युक बादो⌟ मूसा कैँ
कहलथिन जे, ‘हम अब्राहमक परमेश्वर,
इसहाकक परमेश्वर और याकूबक
परमेश्वर छी।’*? 27 ओ मुइल सभक
नहि, जीवित सभक परमेश्वर छथि! अहाँ
सभ एकदम गलत बुझैत छी!”

सभ सँ पैघ आज्ञा

(मत्ती 22.34-40; लूका 10.25-28)

28 एक धर्मशिक्षक ई वाद-विवाद सुनि
कऽ देखलनि जे यीशु सदूकी सभ कैँ बहुत
नीक जबाब देने छथिन, तँ ओ यीशु लग
आबि कऽ पुछलथिन जे, “सभ सँ पैघ आज्ञा
कोन अछि?” 29 यीशु उत्तर देलथिन जे,

12:26 प्रस्थान 3.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“सभ सँ पैघ आज्ञा यैह अछि—‘हे इस्राएल,
सुनह, प्रभु, अपना सभक परमेश्वर, सैह
एकमात्र प्रभु छथि। 30तोँ अपन प्रभु-
परमेश्वर केँ अपन सम्पूर्ण मोन सँ, अपन
सम्पूर्ण आत्मा सँ, अपन सम्पूर्ण बुद्धि सँ और
अपन सम्पूर्ण शक्ति सँ प्रेम करह।’* 31और
दोसर पैघ आज्ञा यैह अछि जे, ‘तोँ अपना
पड़ोसी केँ अपने जकाँ प्रेम करह।’* एहि सँ
पैघ आरो कोनो आज्ञा नहि अछि।”

32 धर्मशिक्षक हुनका कहलथिन,
“गुरुजी, कतेक नीक जबाब देलहुँ! अहाँ
ठीके कहलहुँ जे एकेटा परमेश्वर छथि
और हुनका छोड़ि आरो केओ नहि छथि।
33हुनका अपन सम्पूर्ण मोन सँ, अपन
सम्पूर्ण बुद्धि सँ और अपन सम्पूर्ण शक्ति
सँ प्रेम कयनाइ, और अपना पड़ोसी केँ
अपने जकाँ प्रेम कयनाइ सभ प्रकारक
पशु-बलिदान, अग्नि-बलिदान और
चढ़ौना सँ पैघ अछि।”

34 यीशु ई देखि कऽ जे ओ बहुत
बुद्धिपूर्बक उत्तर देलनि ताहि पर हुनका
कहलथिन, “अहाँ परमेश्वरक राज्य सँ
दूर नहि छी।” तकरबाद ककरो हुनका
आरो प्रश्न पुछबाक साहस नहि भेलैक।

उद्धारकर्ता-मसीह—दाऊदक पुत्र आ दाऊदक प्रभु दूनू

(मत्ती 22.41-46; लूका 20.41-44)

35 बाद मे यीशु मन्दिर मे शिक्षा दैत
पुछलथिन जे, “धर्मशिक्षक सभक
कहबाक अर्थ की अछि जखन ओ
सभ कहैत छथि जे ‘उद्धारकर्ता-मसीह’
दाऊदक पुत्र छथि? 36दाऊद अपने,
पवित्र आत्माक प्रेरणा सँ बजलाह,

‘प्रभु-परमेश्वर हमरा प्रभु केँ
कहलथिन,
अहाँ हमर दहिना कात बैसू
और हम अहाँक शत्रु सभ केँ अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब।’*

37दाऊद अपने, ‘उद्धारकर्ता-मसीह’ केँ
‘प्रभु’ कहैत छथिन, तँ ओ फेर हुनकर पुत्र
कोना भेलाह?”

धर्मशिक्षकक विरोध मे चेतावनी

(मत्ती 23.1-36; लूका 20.45-47)

भीड़क लोक सभ बहुत आनन्दक
संग हुनकर बात सुनि रहल छलनि।
38यीशु आगाँ शिक्षा देबऽ लगलाह जे,
“धर्मशिक्षक सभ सँ सावधान रहू।
धर्मगुरु वला लम्बा-लम्बा कपड़ा पहिरि
कऽ घुमब, और बजार मे लोक सभ
हुनका सभ केँ प्रणाम-पात करनि से बहुत
नीक लगैत छनि। 39ओ सभ सभाघर सभ
मे प्रमुख आसन पर बैसब और भोज-काज
मे सम्मानित स्थान भेटय से पसन्द करैत
छथि। 40विधवा सभक घर-आङन हड़पि
लैत छथि, और लोक सभ केँ देखयबाक
लेल लम्बा-लम्बा प्रार्थना करैत छथि।
हुनका सभ केँ बेसी दण्ड देल जयतनि।”

गरीब विधवाक चढ़ौना

(लूका 21.1-4)

41 तखन यीशु मन्दिर मे दान-पात्र लग
बैसि कऽ लोक सभ केँ ओहि मे दान दैत
देखलनि। बहुत लोक जे सभ धनिक छल
से सभ ओहि मे बहुत किछु रखैत छल।
42तखन एकटा गरीब विधवा आबि कऽ
तामक दूटा पाइ, जकर मूल्य एको पैसा

12:30 व्यव 6.4, 5 **12:31** लेवी 19.18 **12:36** भजन 110.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ कम छलैक, से दान-पात्र मे देलक।
43यीशु शिष्य सभ केँ अपना लग बजा
कऽ कहलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सत्य
कहैत छी जे, ई गरीब विधवा ओहि सभ
लोक सँ बेसी दान चढ़ौलक, 44किएक तँ
ओ सभ धनिक भऽ कऽ अपन फाजिल
धन मे सँ दान चढ़ौलक मुदा ई गरीब भऽ
कऽ अपना लेल किछु नहि राखि अपन
पूरा जीविके चढ़ा देलक।”

मन्दिरक विनाश होयबाक भविष्यवाणी

(मत्ती 24.1-3; लूका 21.5-7)

13 मन्दिर सँ बहराइत काल
यीशु केँ हुनकर एकटा शिष्य
कहलथिन, “गुरुजी, देखू! एहि मन्दिरक
मकान सभ कतेकटा अछि! और एहि
मे कतेक सुन्दर-सुन्दर पाथर लागल
अछि!” 2यीशु हुनका कहलथिन, “ई जे
बड़का मकान सभ देखैत छिऐक—एतऽ
एकोटा पाथर एक-दोसर पर नहि रहत,
सभ ढाहल जायत।”

3 तखन मन्दिरक सामने मे जैतून पहाड़
पर यीशु जखन बैसल छलाह, तँ पत्रुस,
याकूब, यूहन्ना और अन्द्रेयास एकान्त मे
हुनका सँ पुछलथिन जे, 4“हमरा सभ केँ
कहू—ई बात सभ कहिया होयत? और
कोन चिन्ह होयतैक जाहि सँ बुझि सकी
जे ई बात सभ आब होयत?”

विपत्ति सभक शुरुआत

(मत्ती 24.4-14; लूका 21.8-19)

5 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
“होसियार रहू जे अहाँ सभ केँ केओ
बहकाबऽ नहि पाबय। 6बहुतो लोक
हमर नाम लऽ कऽ आओत और कहत
जे ‘हम वैह छी!’, और बहुतो लोक केँ
बहका देत। 7जखन अहाँ सभ लड़ाइक
समाचार और लड़ाइक हल्ला सभ सुनब
तखन घबड़ायब नहि, ई सभ होयब
आवश्यक अछि, मुदा संसारक अन्त
तहिओ नहि होयत। 8एक देश दोसर देश
सँ लड़ाइ करत, और एक राज्य दोसर
राज्य सँ। बहुतो ठाम मे अकाल पड़त
आ भूकम्प होयत। ई सभ बात तँ कष्टक
शुरुआते होयत!

9 “मुदा अहाँ सभ सावधान रहू! किएक
तँ लोक सभ अहाँ सभ केँ पकड़ि कऽ
दण्ड लगबयबाक लेल पंच सभक समक्ष
लऽ जायत आ सभाघर सभ मे अहाँ सभ
केँ कोड़ा सँ पिटबाओत। हमरा कारणेँ
अहाँ सभ राज्यपाल सभ और राजा
सभक समक्ष ठाढ़ कयल जायब, और
हुनका सभ केँ अहाँ सभ हमरा बारे मे
गवाही देब। 10अन्तिम समय सँ पहिने
परमेश्वरक शुभ समाचारक प्रचार सभ
जाति मे होयब आवश्यक अछि। 11और
जखन लोक अहाँ सभ केँ पकड़ि कऽ
दण्ड लगबयबाक लेल कचहरी मे लऽ
जायत तँ ओहि सँ पहिने एकर चिन्ता नहि
करब जे हम की कहब। बाजऽ वला अहाँ
अपने नहि होयब, पवित्र आत्मा होयताह,
तेँ ओहि समय मे अहाँ केँ मोन मे जे बात
देल जाय वैह बात बाजब।

12 “भाय भाय केँ, और बाबू अपना
बेटा केँ मृत्युदण्डक लेल पकड़बाओत,
और बेटा-बेटी अपन माय-बाबूक
विरोधी भऽ कऽ मरबा देत। 13अहाँ
सभ सँ सभ केओ एहि लेल घृणा करत
जे अहाँ सभ हमर लोक छी। मुदा जे
व्यक्ति अन्त तक स्थिर रहत से उद्धार
पाओत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

महासँकट

(मत्ती 24.15-28; लूका 21.20-24)

14 “मुदा जखन अहाँ सभ ‘विनाश
करऽ वला घृणित वस्तु’ केँ ओहिठाम
ठाढ़ देखब जाहि ठाम नहि होयबाक
चाही—पढ़ऽ वला ई बात ध्यान दऽ कऽ
बुझू!—तखन जे सभ यहूदिया प्रदेश मे
होअय से सभ पहाड़ पर भागि जाय। 15जे
छत पर होअय से उतरि कऽ कोनो सामान
लेबाक लेल घर मे नहि जाओ—ओहो
भागि जाओ। 16और जे खेत मे होअय
से अपन ओढ़ना लेबाक लेल घूमि कऽ
नहि आबओ। 17ओहि समय मे जे स्त्रीगण
सभ गर्भवती होयत वा जकरा दूधपीबा
बच्चा होयतैक, तकरा सभ केँ कतेक
कष्ट होयतैक! 18प्रार्थना करू जे ई
सभ बात जाड़क समय मे नहि होअय!
19कारण ओहि समय मे एहन कष्ट होयत
जे शुरू सँ, जखन परमेश्वर पृथ्वीक
सृष्टि कयलनि, आइ तक कहियो नहि
भेल अछि, आ ने फेर कहियो होयत।
20परमेश्वर ओहि समय केँ जँ घटा नहि
देने रहितथि, तँ केओ नहि बँचैत। मुदा
परमेश्वर अपन चुनल लोकक कारणेँ
ओहि समय केँ घटा देलथिन।

21 “ओहि समय मे जँ केओ अहाँ सभ
केँ कहत जे, ‘देखू! मसीह एतऽ छथि’, वा
‘ओतऽ छथि’ तँ ओहि बात पर विश्वास
नहि करब। 22कारण, ओहि समय मे
झुट्ठा मसीह आ झूठ बाजि कऽ अपना
केँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहऽ वला सभ
प्रगट होयत, और एहन आश्चर्यजनक
बात आ चमत्कार सभ देखाओत जे, जँ
सम्भव रहैत, तँ परमेश्वरक चुनल लोक
सभ केँ सेहो बहका दैत। 23मुदा अहाँ सभ
होसियार रहू! हम अहाँ सभ केँ सभ बात
पहिनहि कहि देलहुँ।

मनुष्य-पुत्र फेर औताह

(मत्ती 24.29-35; लूका 21.25-33)

24 “मुदा ओहि दिन सभ मे, एहि
संकटक बाद,

‘सूर्य अन्हार भऽ जायत,
चन्द्रमा इजोत नहि देत।
25 आकाश सँ तारा सभ खसत,
और आकाशक शक्ति सभ
हिलाओल जायत।’ *

26तखन लोक सभ मनुष्य-पुत्र केँ अपार
शक्ति और महिमाक संग मेघ मे अबैत
देखत। 27तखन पृथ्वी सँ आकाश तक
चारू दिस सँ ओ अपन चुनल लोक सभ
केँ जमा करबाक लेल अपन स्वर्गदूत सभ
केँ पठौताह।

28 “आब अंजीरक गाछ सँ एकटा बात
सिखू—जखन ओकर ठाढ़ि कोमल होमऽ
लगैत छैक और ओहि मे नव पात निकलऽ
लगैत छैक तखन अहाँ सभ बुझि जाइत
छी जे गर्मीक समय आबि रहल अछि।
29तहिना जखन अहाँ सभ ई बात सभ
होइत देखब तखन बुझि लिअ जे समय
लगचिआ गेल, हँ, ई बुझू जे ओ घरक
मुँह पर आबि गेल अछि। 30हम अहाँ सभ
केँ सत्य कहैत छी जे एहि पीढ़ी केँ समाप्त
होमऽ सँ पहिने ई सभ घटना निश्चित
घटत। 31आकाश और पृथ्वी समाप्त भऽ
जायत, मुदा हमर वचन अनन्त काल तक
रहत।

13:25 यशा 13.10; यशा 34.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मनुष्य-पुत्रक प्रतीक्षा

(मत्ती 24.36-44)

32 “मुदा एहि घटना सभक दिन वा
समय केओ नहि जनैत अछि, स्वर्गदूतो
सभ नहि आ पुत्रो नहि—मात्र पिता जनैत
छथि। 33होसियार रहू! बाट तकैत रहू
आ प्रार्थना करैत रहू! अहाँ सभ तँ नहि
जनैत छी जे ओ समय कहिया होयत। 34ई
बात एहन अछि जेना एक आदमी यात्रा
पर परदेश जाय लगलाह। जाय सँ पहिने
ओ अपन घरक लेल नोकर सभ केँ अपन-
अपन जबाबदेही देलनि, और चौकीदार
केँ पहरा देबाक लेल आज्ञा देलनि।
35तहिना अहाँ सभ बाट तकैत रहू,
किएक तँ अहाँ नहि जनैत छी जे घरक
मालिक कखन फिरि औताह—साँझ,
आधा राति, भोरहरिया, वा भिनसर मे।
36एना नहि होअय जे ओ अचानक आबि
कऽ अहाँ सभ केँ सुतल पौताह। 37अहाँ
सभ केँ हम जे कहैत छी से सभ केँ कहैत
छी—होसियार रहू!”

एक दिस हत्याक षड्‌यन्त्र—दोसर दिस अपूर्व प्रेम

(मत्ती 26.1-13; लूका 22.1-2;
यूहन्ना 11.45-53; 12.1-8)

14 फसह-पाबनि और “बिनु
खमीरक रोटी वला पाबनि”
होमऽ मे दू दिन बाँकी छल। मुख्य-
पुरोहित और धर्मशिक्षक सभ यीशु केँ
कोन तरहेँ छल सँ पकड़ब और मारि
देब, तकर उपाय तकैत छलाह। 2मुदा
ओ सभ कहलनि जे, “पाबनिक समय मे
नहि। एना नहि होअय जे जनता उपद्रव
करय।”

3 यीशु बेतनिया गाम मे सिमोन नामक
एक आदमी, जिनका पहिने कुष्ठ-रोग
भेल छलनि, तिनका घर मे भोजन करैत
छलाह। तखने एकटा स्त्रीगण संगमरमरक
बर्तन मे जटामासी नामक बहुत दामी
तेल अनलनि। बर्तन फोड़ि कऽ तेल
हुनका माथ पर ढारि देलथिन। 4लेकिन
ओहिठाम बैसल किछु लोक खिसिआ
कऽ एक-दोसर केँ कहऽ लागल जे, “ई
दामी तेल किएक बरबाद कयल गेल?
5ई तँ एक वर्षक मजदूरी सँ बेसी मे बेचि
कऽ गरीब सभ मे बाँटल जा सकैत छल!”
और ओहि स्त्री केँ डाँटऽ लागल।

6 मुदा यीशु कहलथिन, “हिनका छोड़ि
दिऔन! हिनका किएक तंग करैत छिऐन?
हमरा लेल बहुत बढ़ियाँ काज कयलनि।
7गरीब सभ तँ अहाँ सभक संग सभ दिन
रहत, और अहाँ सभ केँ जहिया मोन
होयत तहिया ओकरा सभक सहायता कऽ
सकब। मुदा हम अहाँ सभक संग सभ दिन
नहि रहब। 8ई जे किछु कऽ सकैत छलीह
से कयलनि। ई पहिनहि सँ हमरा देह मे
तेल लगा कऽ हम जे कबर मे राखल
जायब तकर तैयारी कयलनि। 9हम अहाँ
सभ केँ सत्य कहैत छी जे, संसार भरि मे
जतऽ कतौ हमर शुभ समाचारक प्रचार
कयल जायत, ततऽ एहि स्त्रीगणक स्मरण
मे हिनकर एहि काजक चर्चा सेहो कयल
जायत।”

यहूदाक विश्वासघात वला योजना

(मत्ती 26.14-16; लूका 22.3-6)

10 तखन यहूदा इस्करियोती, जे
बारह शिष्य मे सँ एक छल, यीशु केँ
मुख्यपुरोहित सभक हाथ मे पकड़यबाक
योजना बनयबाक लेल हुनका सभक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहिठाम गेल। 11यहूदाक बात सुनि कऽ
मुख्यपुरोहित सभ बहुत खुश भऽ गेलाह
और ओकरा ई काज करबाक लेल पैसा
देबाक वचन देलथिन। तैं ओ यीशु कैं
पकड़बयबाक अनुकूल अवसरक ताक
मे रहऽ लागल।

शिष्य सभक संग अन्तिम भोज

(मत्ती 26.17-25; लूका 22.7-14, 21-23; यूहन्ना 13.21-30)

12 बिनु खमीरक रोटी वला पाबनिक
पहिल दिन, जाहि दिन मे फसह-भोजक
भेँड़ा बलिदान करबाक प्रथा छल, शिष्य
सभ यीशु सँ पुछलथिन जे, “फसह-
पाबनिक भोजक व्यवस्था अहाँक लेल
हम सभ कतऽ ठीक करू?”

13 यीशु दूटा शिष्य सभ कैं ई कहि
कऽ पठौलनि जे, “शहर मे जाउ। ओतऽ
घैल मे पानि लऽ जाइत एक पुरुष अहाँ
सभ कैं भेटत, ओकरा पाछाँ-पाछाँ जाउ।
14जाहि घर मे ओ प्रवेश करत ओहि
घरक मालिक कैं कहबनि जे, ‘गुरुजी
पुछैत छथि जे हमर अतिथि-घर कतऽ
अछि जतऽ हम अपना शिष्य सभक संग
फसह-भोज खायब?’ 15ओ अहाँ सभ कैं
उपरका तल्ला पर एक नमहर कोठली
देखौताह जाहि मे सभ किछु तैयार रहत।
ओतहि अहाँ सभ अपना सभक भोजक
तैयारी करू।”

16 दूनू शिष्य विदा भऽ कऽ शहर मे
पहुँचलाह, और जहिना यीशु हुनका सभ
कैं कहने छलथिन, ठीक ओहिना सभ
किछु भेटलनि, और ओ सभ ओतऽ
फसह-भोजक तैयारी कयलनि।

17 ओहि साँझ मे यीशु अपन बारहो
शिष्यक संग ओतऽ पहुँचलाह। 18भोजन
करैत काल यीशु कहऽ लगलाह जे, “हम
अहाँ सभ कैं सत्य कहैत छी जे, अहाँ सभ
मे सँ एक गोटे हमरा पकड़बा देत, एक
गोटे जे हमरा संग भोजन सेहो कऽ रहल
अछि।”

19 शिष्य सभ दुखी भऽ कऽ एक-एक
कऽ हुनका सँ पुछऽ लगलनि जे, “ओ
हम तँ नहि छी?!” 20यीशु हुनका सभ कैं
कहलथिन, “ओ अहाँ बारहो मे सँ एक
अछि जे हमरा संग बट्टा मे रोटी कैं बोड़ैत
अछि। 21मनुष्य-पुत्रक सम्बन्ध मे जहिना
धर्मशास्त्र मे लिखल गेल अछि तहिना तँ
ओ चलिए जायत, मुदा धिक्कार अछि
ओहि मनुष्य कैं जे मनुष्य-पुत्र कैं पकड़बा
रहल अछि। ओकरा लेल तँ नीक ई
रहितैक जे ओ जन्मे नहि लेने रहैत।”

“प्रभु-भोज”क शुरुआत

(मत्ती 26.26-30; लूका 22.14-20; 1 कोरिन्थी 11.23-25)

22 ओ सभ जखन भोजन कऽ रहल
छलाह तँ यीशु रोटी लेलनि आ परमेश्वर
कैं धन्यवाद देलनि। ओ रोटी कैं तोड़ि
कऽ शिष्य सभ कैं देलथिन आ कहलथिन,
“लिअ, ई हमर देह अछि।” 23तखन
बाटी हाथ मे लेलनि, और परमेश्वर कैं
धन्यवाद दऽ कऽ हुनका सभ कैं देलथिन।
ओ सभ गोटे ओहि मे सँ पिलनि। 24ओ
हुनका सभ कैं कहलथिन, “ई परमेश्वर
आ मनुष्यक बीच विशेष सम्बन्ध*
स्थापित करऽ वला हमर खून अछि, जे
बहुत लोकक लेल बहाओल जा रहल

14:24 किछु हस्तलेख सभ मे “विशेष नव सम्बन्ध” लिखल अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। 25हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी
जे, जाबत तक परमेश्वरक राज्य मे हम
नवका अंगूरक रस नहि पीब, ताबत तक
अंगूरक रस फेर नहि पीब।” 26तकरबाद
एक भजन गाबि कऽ ओ सभ जैतून पहाड़
पर चल गेलाह।

शिष्य सभक पतनक सम्बन्ध मे भविष्यवाणी

(मत्ती 26.31-35; लूका 22.31-34; यूहन्ना 13.36-38)

27 तखन यीशु हुनका सभ केँ
कहलथिन, “अहाँ सभ गोटे अपना
विश्वास मे डगमगायब, किएक तँ
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे परमेश्वर
कहने छथि,

‘हम चरबाह केँ मारि देबैक,
और भेँड़ा सभ छिड़िया जायत।’*
28मुदा मृत्यु सँ फेर जीवित भऽ गेलाक
बाद हम अहाँ सभ सँ पहिने गलील
प्रदेश जायब।” 29एहि पर पत्रुस हुनका
कहलथिन, “चाहे सभ केओ विश्वास मे
डगमगायत, मुदा हम नहि डगमगायब!”
30यीशु हुनका कहलथिन, “हम अहाँ केँ
सत्य कहैत छी जे, आइए राति मे, अहाँ
हमरा अस्वीकार करब। मुर्गा केँ दू बेर
बाजऽ सँ पहिने अहाँ तीन बेर लोक केँ
कहबैक जे, हम ओकरा चिन्हबो नहि
करैत छिऐक।” 31मुदा पत्रुस आरो जोर
सँ कहलथिन जे, “हमरा जँ अहाँक संग
मरहो पड़त तैयो हम किन्नहुँ नहि अहाँ केँ
अस्वीकार करब।” आरो सभ शिष्य सेहो
यैह बात कहलथिन।

गतसमनी मे यीशुक प्रार्थना

(मत्ती 26.36-46; लूका 22.39-46)

32 ओ सभ गतसमनी नामक एक जगह
पर गेलाह। यीशु अपना शिष्य सभ केँ
कहलथिन, “जाबत हम प्रार्थना करैत छी,
ताबत अहाँ सभ एहिठाम बैसल रहू।”
33ओ पत्रुस, याकूब और यूहन्ना केँ अपना
संग लऽ गेलाह। ओ मानसिक वेदना सँ
व्याकुल होमऽ लगलाह, 34आ हुनका सभ
केँ कहलथिन, “हमर मोन व्यथा सँ एतेक
व्याकुल अछि—मानू जे हम दुःख सँ मरऽ
पर छी। अहाँ सभ एहिठाम रहि कऽ जागल
रहू।” 35एतेक कहि ओ कनेक आगाँ जा
मुँह भरे खसि कऽ प्रार्थना कयलनि जे,
सम्भव होअय तँ ई दुःखक समय हमरा
लग सँ दूर भऽ जाय। 36ओ प्रार्थना करैत
कहलनि जे, “हे बाबूजी!* हे पिता! अहाँ
तँ सभ किछु कऽ सकैत छी—ई दुःखक
बाटी हमरा सँ हटा लिअ, मुदा तैयो हमर
इच्छा नहि, अहींक इच्छा पूरा होअय।”
37 तकरबाद अपन शिष्य सभ
लग आबि कऽ हुनका सभ केँ सुतल
देखलथिन। ओ पत्रुस केँ कहलथिन,
“सिमोन! सुतल छी की? की एको घण्टा
जागल रहितहुँ से अहाँ केँ पार नहि
लागल? 38परीक्षा मे नहि पड़ि जाउ ताहि
लेल अहाँ सभ जागल रहू आ प्रार्थना
करैत रहू। आत्मा तँ तैयार अछि मुदा
शरीर कमजोर।”
39 यीशु फेर जा कऽ पहिने जकाँ प्रार्थना
कयलनि। 40ओ जखन प्रार्थना कऽ कऽ
शिष्य सभ लग अयलाह तँ ओ सभ फेर

14:27 जक 13.7 **14:36** मूल मे, “हे ‘अब्बा’ ”, जे इब्रानी भाषी बच्चा और नमहरो लोक अपना पिताक सम्बोधन मे प्रयोग करैत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सुतल छलाह। हुनकर सभक आँखि नीन सँ भारी भऽ गेल छलनि। आब यीशु केँ की जबाब दिऔन से हिनका सभ केँ किछु नहि फुरयलनि।

41 यीशु फेर तेसर बेर हुनका सभ लग अयलाह और कहलथिन, “एखनो तक सुतिए रहल छी आ आरामे कऽ रहल छी? आब भऽ गेल! समय आबि गेल—देखू आब मनुष्य-पुत्र पापी सभक हाथ मे पकड़बाओल जा रहल अछि। 42उठू-उठू! चलू! देखू, हमरा पकड़बाबऽ वला आबि गेल अछि!”

यीशु बन्दी बनाओल गेलाह

(मत्ती 26.47-56; लूका 22.47-53; यूहन्ना 18.3-12)

43 यीशु ई कहिए रहल छलाह कि यहूदा, जे बारह शिष्य मे सँ एक छल, पहुँचि गेल। ओकरा संग लोकक भीड़ छलैक, और सभक हाथ मे तरुआरि और लाठी छल। ओकरा सभ केँ मुख्य-पुरोहित, धर्मशिक्षक, और बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि पठौने छलाह। 44यीशु केँ पकड़बाबऽ वला ओकरा सभ केँ ई संकेत देने छलैक जे, “हम जकरा चुम्मा लेब, वैह होयत—अहाँ सभ ओकरे पकड़ू आ घेरि कऽ पहरा मे लऽ जायब।” 45यहूदा तुरत यीशुक लग मे जा कऽ कहलकनि, “गुरुजी!” आ हुनका चुम्मा लेलकनि।

46 ओ सभ हुनका तुरत पकड़ि कऽ बन्दी बना लेलकनि। 47ओहि ठाम ठाढ़ एक आदमी तरुआरि निकालि कऽ महापुरोहितक टहलू पर चला कऽ ओकर एकटा कान उड़ा देलनि।

48 यीशु ओकरा सभ केँ कहलथिन, “की अहाँ सभ हमरा विद्रोह मचाबऽ वला बुझि कऽ, लाठी और तरुआरि लऽ कऽ पकड़ऽ अयलहुँ? 49सभ दिन हम मन्दिर मे शिक्षा दैत अहाँ सभक संग छलहुँ, ततऽ अहाँ सभ हमरा नहि पकड़लहुँ। मुदा ई सभ एना एहि लेल भेल जे धर्मशास्त्र मे लिखल बात पूरा होअय।” 50तखन सभ शिष्य हुनका छोड़ि कऽ भागि गेलनि। 51ओहिठाम एक नवयुवक सेहो छल जे यीशुक पाछाँ-पाछाँ चलैत छल। ओ अपना देह पर मात्र चद्दरि लपेटने रहय। लोक सभ ओकरो पकड़ऽ लागल 52लेकिन ओ चद्दरि ओकरा सभक हाथ मे छोड़ि कऽ नंगटे दौड़ैत भागल।

धर्म-महासभाक सामने यीशु

(मत्ती 26.57-68; लूका 22.54-55, 63-71; यूहन्ना 18.13-14, 19-24)

53 तखन यीशु केँ महापुरोहितक ओहिठाम लऽ गेलनि, जाहिठाम सभ मुख्यपुरोहित, बूढ़-प्रतिष्ठित लोक और धर्मशिक्षक सभ जमा भेल छलाह। 54पत्रुस सेहो किछु दूरे रहि कऽ यीशुक पाछाँ-पाछाँ महापुरोहितक अङने मे पैसि गेलाह। ओ सिपाही सभक संग घूर लग बैसि कऽ आगि तापऽ लगलाह। 55मुख्यपुरोहित सभ और पूरा धर्म-महासभाक सदस्य सभ यीशु केँ मृत्युदण्डक जोगरक बनयबाक लेल हुनका विरोध मे प्रमाण सभ तकैत छलाह, मुदा किछु नहि भेटलनि। 56कारण बहुत लोक हुनका विरोध मे झूठ गवाही देलक लेकिन ओकरा सभक बात एक-दोसर सँ नहि मिललैक।

57 तखन किछु लोक उठि कऽ हुनका विरोध मे झूठ गवाही दैत कहलक जे, 58“हम सभ ओकरा ई कहैत सुनलहुँ अछि जे, ‘ई हाथ सँ बनाओल मन्दिर केँ हम

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तोड़ि देब और तीन दिनक बाद हम दोसर बनायब जे मनुष्यक हाथ सँ बनाओल नहि होयत।' " [59]मुदा तैयो ओकरा सभक बात एक-दोसर सँ नहि मिलैत छल।

60 तखन महापुरोहित सभाक बीच मे ठाढ़ भऽ कऽ यीशु सँ पुछलथिन जे, "की अहाँ कोनो उत्तर नहि देब? ई गवाह सभ अहाँक विरोध मे केहन बात सभ कहि रहल अछि?" [61]मुदा यीशु चुप रहि कऽ कोनो उत्तर नहि देलथिन। फेर महापुरोहित हुनका पुछलथिन जे, "की अहाँ उद्धारकर्ता-मसीह छी? परमधन्य परमेश्वरक पुत्र छी?"

62 यीशु कहलथिन, "हँ, हम छी। और अहाँ सभ मनुष्य-पुत्र केँ सर्वशक्तिमान परमेश्वरक दहिना कात बैसल और आकाशक मेघ मे अबैत देखब।" [63]ई सुनि महापुरोहित अपन वस्त्र फाड़ि कऽ कहलथिन, "आब आरो गवाह सभक की आवश्यकता? [64]अहाँ सभ एकरा परमेश्वरक निन्दा करैत सुनबे कयलहुँ—आब अहाँ सभक की विचार?" सभ हुनका मृत्युदण्डक जोगरक ठहरौलकनि।

65 किछु लोक हुनका पर थूक फेकऽ लगलनि, हुनका आँखि पर पट्टी बान्हि कऽ हुनका मुक्का मारऽ लगलनि और कहलकनि जे, "यौ अन्तर्यामी, कहल जाओ! अपने केँ के मारलक?" सिपाही सभ सेहो हुनका थप्पड़ मारलकनि।

पत्रुस द्वारा यीशु केँ अस्वीकार

(मत्ती 26.69-75; लूका 22.56-62; यूहन्ना 18.15-18, 25-27)

66 एहि समय मे पत्रुस नीचाँ आङन मे छलाह। महापुरोहितक एक टहलनी आबि कऽ [67]पत्रुस केँ आगि तपैत देखि हुनकर मुँह ठिकिअबैत कहलकनि जे, "अहूँ एहि नासरत-निवासी यीशुक संग छलहुँ!" [68]मुदा पत्रुस अस्वीकार करैत कहलथिन, "तोँ की बाजि रहल छेँ से हमरा बुझहो मे नहि अबैत अछि आ ने ओहि बात केँ हम जनैत छी।" और ओहिठाम सँ हटि कऽ आङनक मुँह पर चल गेलाह, आ मुर्गा बाजल। [69]फेर ओ टहलनी हुनका देखि कऽ ओहिठाम ठाढ़ लोक सभ केँ कहलकैक जे, "ई आदमी ओकरे सभ मे सँ केओ अछि!" [70]मुदा पत्रुस फेर अस्वीकार कयलनि। किछु कालक बाद ओहिठाम ठाढ़ लोक सभ पत्रुस केँ कहलकनि जे, "निश्चय तोँ ओकरे सभ मे सँ छह! तोँहूँ तँ गलीले प्रदेशक छह!"

71 एहि पर ओ सपत खा कऽ अपना केँ सरापऽ लगलाह और कहलथिन, "जाहि व्यक्तिक बारे मे अहाँ सभ बाजि रहल छी, तकरा हम नहि चिन्हैत छी!"

72 तखने मुर्गा दोसर बेर बाजि उठल। तखन पत्रुस केँ ओ बात मोन पड़ि गेलनि जे यीशु हुनका कहने छलथिन जे, "मुर्गा केँ दू बेर बाजऽ सँ पहिने अहाँ हमरा तीन बेर अस्वीकार करब।" और ओ भोकासी पाड़ि कऽ कानऽ लगलाह।

राज्यपाल पिलातुस द्वारा यीशु केँ मृत्युदण्ड

(मत्ती 27.1-2, 11-26; लूका 23.1-5, 13-25; यूहन्ना 18.28–19.16)

15 प्रात भेने भोरे-भोर मुख्य-पुरोहित, बूढ़-प्रतिष्ठित सभ, धर्मशिक्षक सभ, और धर्म-महासभाक आरो सभ सदस्य निर्णय कऽ कऽ, यीशु

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ बान्हि देलथिन, और हुनका लऽ जा
कऽ राज्यपाल पिलातुसक जिम्मा मे लगा
देलथिन।
2 पिलातुस हुनका सँ पुछलथिन जे,
“की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?” यीशु
उत्तर देलथिन, “अहाँ अपने कहि रहल
छी।” 3तखन मुख्यपुरोहित सभ हुनका
पर बहुत बातक दोष लगाबऽ लगलाह।
4पिलातुस हुनका सँ फेर पुछलथिन जे,
“की अहाँ कोनो उत्तर नहि देब? देखू, ई
सभ अहाँ पर कतेक आरोप लगा रहल
छथि!” 5मुदा यीशु तैयो कोनो उत्तर
नहि देलथिन। एहि सँ पिलातुस कैँ बहुत
आश्चर्य लगलनि।
6 प्रत्येक साल फसह-पाबनिक अवसर
पर राज्यपाल जनताक माँगक अनुसार
एक कैदी कैँ छोड़ि दैत छलाह। 7एहि
बेर आरो क्रान्तिकारी सभक संग जहल
मे एक बरब्बा नामक कैदी छल जे
आन्दोलन मे हत्या कयने छल। 8भीड़
पिलातुसक लग मे आबि कऽ हुनका
सँ माँग कयलकनि जे ओ अपन प्रथाक
अनुसार ओकरा सभक लेल एक कैदी कैँ
छोड़ि देथि। 9ओ ओकरा सभ कैँ उत्तर
देलथिन जे, “की अहाँ सभ चाहैत छी
जे हम अहाँ सभक लेल ‘यहूदी सभक
राजा’ कैँ छोड़ि दी?” 10ओ जनैत
छलाह जे मुख्यपुरोहित सभ यीशु कैँ
ईर्ष्याक कारणेँ पकड़बौने छथि। 11मुदा
मुख्यपुरोहित सभ भीड़क लोक कैँ एहि
बातक लेल भड़कौलनि जे ओ सभ यीशु
कैँ नहि, बल्कि बरब्बा कैँ छोड़ि देबाक
लेल पिलातुस सँ माँग करय।
12 पिलातुस ओकरा सभ कैँ फेर
कहलथिन, “तखन एकरा लऽ कऽ
हम की करिऔक जकरा अहाँ सभ
‘यहूदी सभक राजा’ कहैत छी?”
13एहि पर ओ सभ बहुत जोर-जोर सँ
हल्ला करऽ लागल जे, “ओकरा क्रूस
पर चढ़ाउ!” 14मुदा पिलातुस ओकरा
सभ कैँ कहलथिन, “किएक? ओ कोन
अपराध कयने अछि?” लेकिन ओ सभ
आरो जोर-जोर सँ चिचियाय लागल जे,
“ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ!”
15 तखन पिलातुस लोक सभ कैँ
खुश करबाक उद्देश्य सँ ओकरा सभक
लेल बरब्बा कैँ छोड़ि देलथिन और
यीशु कैँ कोड़ा सँ पिटबा कऽ क्रूस पर
चढ़यबाक लेल सैनिक सभक जिम्मा
लगा देलथिन।

सैनिक सभ द्वारा यीशुक अपमान

(मत्ती 27.27-31; यूहन्ना 19.2-3)

16 तखन सैनिक सभ हुनका राज-
भवनक आङन मे, जकरा “प्राईटोरियम”
कहल जाइत छैक, लऽ गेलनि।
ओहिठाम पूरा सैनिक-दल बजाओल
गेल। 17ओ सभ हुनका बैगनी रंगक
राजसी वस्त्र पहिरा देलकनि, और
काँटक मुकुट बना कऽ हुनका माथ पर
रखलकनि। 18ओ सभ हुनका कहऽ
लगलनि जे, “यहूदी सभक राजा,
प्रणाम!” 19ओ सभ छड़ी लऽ कऽ बेर-
बेर हुनका मूड़ी पर मारलकनि, हुनका
पर थूक फेकलकनि, और ठेहुनिया दऽ
कऽ गोड़ लगलकनि। 20ओ सभ एहि
तरहेँ यीशुक मजाक उड़ौलाक बाद
हुनका देह पर सँ बैगनी रंग वला वस्त्र
निकालि लेलकनि आ हुनकर अपन
कपड़ा फेर पहिरा देलकनि। तकरबाद
ओ सभ हुनका क्रूस पर लटकयबाक
लेल शहर सँ बाहर लऽ गेलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

क्रूस
(मत्ती 27.32-44; लूका 23.26-43; यूहन्ना 19.17-27)

21 रस्ता मे कुरेन नगरक रहऽ वला
सिमोन नामक एक आदमी, जे सिकन्दर
और रूफुसक पिता छल, गाम सँ शहर
दिस आबि रहल छल। ओकरा सिपाही
सभ बलजोरी पकड़लक जे ओ यीशुक
क्रूस उठा कऽ लऽ चलय। **22** यीशु केँ ओ
सभ गुलगुता नामक जगह, जकर अर्थ
अछि "खप्पड़ वला स्थान", पर लऽ
गेलनि। **23** ओतऽ केओ मूर्र नामक तीत
दवाइ दारू मे मिला कऽ हुनका पिबाक
लेल देबऽ लगलनि मुदा ओ नहि लेलनि।
24 तखन यीशु केँ हाथ-पयर मे काँटी ठोकि
कऽ क्रूस पर टाँगि देलकनि। सिपाही सभ
ककरा कोन कपड़ा भेटतैक ताहि लेल
यीशुक कपड़ा पर चिट्ठा खसौलक। एहि
तरहेँ ओ सभ हुनकर कपड़ा अपना मे
बाँटि लेलक। **25** जखन ओ सभ यीशु केँ
क्रूस पर चढ़ौलकनि तखन नौ बजे दिन
छल। **26** हुनका विरोध मे जे दोष-पत्र
लिखि कऽ टाँगल गेल ताहि पर ई लिखल
छल, "यहूदी सभक राजा"।

27 हुनका संगे दूटा डाकू केँ सेहो क्रूस
पर चढ़ाओल गेल, एकटा हुनकर दहिना
कात और दोसर बामा कात। **28** [तहिना
धर्मशास्त्रक वचन पूरा भऽ गेल जाहि मे
लिखल अछि जे, "ओ अपराधी सभ मे सँ
बुझल गेलाह।"]*

29 ओहि बाटे आबऽ-जाय वला लोक
सभ माथ हिला-हिला कऽ हुनकर निन्दा
करैत छलनि जे, "रे मन्दिर केँ तोड़ऽ
वला और तीन दिन मे ओकरा बनाबऽ
वला— **30** आब क्रूस पर सँ उतरि कऽ
अपना केँ बचा!" **31** तहिना मुख्यपुरोहित
लोकनि और धर्मशिक्षक सभ सेहो अपना
मे यीशुक हँसी उड़बैत कहलनि, "ई आन
लोक सभ केँ बचबैत रहल मुदा अपना केँ
नहि बचा सकैत अछि! **32** ई उद्धारकर्ता-
मसीह, इस्राएलक राजा, एखन क्रूस पर सँ
उतरि आबओ जाहि सँ हम सभ देखिऐक
और विश्वास करिऐक!" यीशुक संग जे
सभ क्रूस पर चढ़ाओल गेल छल, सेहो
सभ हुनकर निन्दा करऽ लगलनि।

यीशुक मृत्यु
(मत्ती 27.45-56; लूका 23.44-49; यूहन्ना 19.28-30)

33 बारह बजे दिन मे पूरा देश अन्हार-
कुप्प भऽ गेल, और तीन बजे तक
ओहिना रहल। **34** लगभग तीन बजे मे
यीशु बहुत जोर सँ बजलाह जे, "एली,
एली, लामा सबक्तनी?" जकर अर्थ
ई अछि, "हे हमर परमेश्वर, हे हमर
परमेश्वर, हमरा अहाँ किएक छोड़ि
देलहुँ?"* **35** लग मे ठाढ़ किछु लोक ई
सुनि कहलक जे, "सुनू!—ओ एलियाह
केँ बजा रहल अछि।" **36** एक आदमी
दौड़ि कऽ गेल आ रूइ जकाँ एकटा
एहन चीज जे पानि सोखैत अछि से लऽ
कऽ तिताह दारू मे डुबा लेलक, तखन
ओकरा लाठीक हूर पर अटका कऽ ऊपर
हुनका मुँह लग पिबाक लेल देलकनि
आ बाजल, "आब अपना सभ देखी जे

15:28 यशा 53.12 (अति प्राचीन हस्तलेख सभ मे पद 28 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।)
15:34 भजन 22.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एलियाह एकरा क्रूस पर सँ उतारबाक
लेल अबैत छथि कि नहि।"
37 तकरबाद यीशु बहुत जोर सँ आवाज
दैत अपन प्राण त्यागि देलनि। **38**मन्दिर मे
जे परदा छलैक से ऊपर सँ नीचाँ तक चिरा
कऽ दू भाग मे फाटि गेल। **39**रोमी कप्तान
जे यीशुक सामने मे ठाढ़ छल, ई देखि जे
यीशु कोना मरलाह बाजल,* "सत्ये ई
आदमी परमेश्वरक पुत्र छलाह!"
40 किछु स्त्रीगण सभ छलीह जे दूरे सँ
देखि रहल छलीह। हुनका सभ मे मरियम
मग्दलीनी, छोटका याकूब और योसेसक
माय मरियम, और सलोमी सेहो छलीह।
41ई सभ गलील प्रदेश मे यीशुक संगे-
संग घूमि कऽ हुनकर सेवा कयने छलीह।
ओहिठाम आरो बहुत स्त्रीगण सेहो छलि
जे हुनका संग यरूशलेम आयल छलि।

कबर मे यीशुक लास

(मत्ती 27.57-61; लूका 23.50-56;
यूहन्ना 19.38-42)

42 ई सभ घटना विश्रामक दिन सँ एक
दिन पहिने भेल छल, जाहि दिन विश्राम
दिनक लेल तैयारी कयल जाइत अछि।
तेँ साँझ भेला पर **43**अरिमतिया नगरक
यूसुफ नामक महासभाक एक प्रतिष्ठित
सदस्य, जे परमेश्वरक राज्यक बाट सेहो
तकैत छलाह, से साहसक संग पिलातुसक
ओहिठाम जा कऽ यीशुक लास मँगलनि।
44पिलातुस केँ आश्चर्य लगलनि जे
यीशु एतेक जल्दी कोना मरि गेलाह, तेँ
सेनाक कप्तान केँ बजबा कऽ ओकरा सँ
पुछलथिन जे, "की यीशु एखने मरि गेल
अछि?" **45**कप्तान सँ एहि बातक पता
लगा कऽ पिलातुस यूसुफ केँ यीशुक लास
लऽ जयबाक अनुमति दऽ देलथिन।
46 यूसुफ मलमलक कपड़ा किनि कऽ
यीशुक लास क्रूस पर सँ उतारि लेलनि
और ओहि कपड़ा मे लपेटि देलथिन।
तखन पाथर मे काटि कऽ बनाओल कबर
मे लास केँ राखि देलथिन, और कबरक
मुँह पर एक पाथर गुड़का कऽ लगा
देलनि। **47**मरियम मग्दलीनी आ योसेसक
माय मरियम देखलनि जे यीशु कतऽ
राखल गेलाह।

यीशु जीबि उठलाह!

(मत्ती 28.1-8; लूका 24.1-10;
यूहन्ना 20.1-10)

16 विश्रामक दिन बितला पर
मरियम मग्दलीनी, याकूबक
माय मरियम, और सलोमी जा कऽ
सुगन्धित तेल किनलनि, जाहि सँ यीशुक
लास पर लगबथि। **2**तखन प्रात भेने जे
कि सप्ताहक पहिल दिन छल, भोरगरे
सुर्योदय काल मे ओ सभ कबर पर
गेलीह। **3**रस्ता मे एक-दोसर केँ कहैत
छलीह जे, "अपना सभक लेल कबरक
मुँह पर सँ पाथर केँ के हटा देत?" **4**ओ
पाथर तँ बहुत बड़का छल। तखन कबर
दिस तकैत ओ सभ देखलनि जे पाथर
हटाओल गेल अछि। **5**ओ सभ कबर मे
पैसि कऽ दहिना कात मे एक युवक केँ
बैसल देखलनि, जे लम्बा उज्जर वस्त्र
पहिरने छलाह। ओ सभ एकदम आश्चर्य-
चकित भऽ गेलीह। **6**युवक हुनका सभ

15:39 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, "रोमी कप्तान जे यीशुक सामने मे ठाढ़ छल, से यीशुक जोर सँ आवाज देनाइ सुनि आ यीशु कोना मरलाह, से देखि बाजल..."

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ कहलथिन जे “चकित नहि होउ! अहाँ
सभ नासरतक निवासी यीशु कैँ खोजैत
छिऐन, जिनका क्रूस पर चढ़ाओल गेल
छलनि। ओ जीबि उठलाह! एतऽ नहि
छथि! देखू, एही जगह पर हुनका राखल
गेल छलनि। 7 मुदा अहाँ सभ जाउ, और
शिष्य सभ कैँ—पत्रुस कैँ सेहो—ई कहि
देबनि जे, ‘ओ अहाँ सभ सँ पहिने, जहिना
अहाँ सभ कैँ कहने छलाह, गलील
जा रहल छथि, ओतऽ हुनका सँ भेँट
होयत।’ ”

8 ओ स्त्रीगण सभ आश्चर्य सँ कँपैत
कबर मे सँ निकलि कऽ भगलीह। ओ सभ
डर सँ ककरो किछु नहि कहलथिन।*

अपना संगी सभ कैँ यीशुक दर्शन

9 [यीशु सप्ताहक पहिल दिन भोरे मृत्यु
सँ जीबि उठि कऽ सभ सँ पहिने मरियम
मग्दलीनी कैँ देखाइ देलथिन, जकरा मे सँ
ओ सातटा दुष्टात्मा निकालने रहथिन।
10 ओ जा कऽ, यीशुक संगी सभ कैँ,
जे शोक सँ कनैत छलाह, ई समाचार
कहलथिन। 11 मुदा मरियमक बात सुनि
कऽ जे यीशु फेर जीबि उठलाह और ओ
हमरा भेँट भेलाह, से बात ओ सभ नहि
पतिअयलाह।

12 एकरा बाद जखन हुनका सभ मे
सँ दू व्यक्ति गाम दिस जा रहल छलाह,
तखन यीशु हुनका सभ कैँ दोसर रूप मे
दर्शन देलथिन। 13 ई सभ घूमि आबि कऽ
आरो शिष्य सभ कैँ एहि घटनाक बारे मे
सुनौलनि, लेकिन हुनको सभक बात ओ
सभ नहि पतिअयलाह।

14 बाद मे एगारहो शिष्य सभ कैँ भोजन
करैत काल यीशु हुनका सभ कैँ दर्शन
देलथिन। ओ हुनका सभक अविश्वास
और मोनक कठोरताक कारणेँ हुनका सभ
कैँ डँटलथिन, किएक तँ ओ सभ ओहि
व्यक्ति सभक बात कैँ नहि पतिआयल
छलाह जे व्यक्ति सभ यीशु कैँ मृत्युक
बाद जीवित देखने छलाह।

15 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन,
“पूरा संसार मे जा कऽ सभ मनुष्य कैँ
शुभ समाचार सुनबिऔक। 16 जे व्यक्ति
विश्वास करत और बपतिस्मा लेत तकरा
उद्धार होयतैक, मुदा जे व्यक्ति विश्वास
नहि करत से दोषी ठहराओल जायत।
17 जे सभ विश्वास करत से सभ ई चिन्ह
सभ देखाओत—हमरा नाम सँ दुष्टात्मा कैँ
निकालत, अनजान भाषा मे बाजत, 18 जँ
साँप उठा लेत वा विष पी लेत तँ ओकरा
सभ कैँ कोनो हानि नहि होयतैक। बिमार
आदमी सभ पर हाथ राखत तँ ओ स्वस्थ
भऽ जायत।”

यीशु स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह

(लूका 24.50-53; मसीह-दूत 1.9-11)

19 तखन प्रभु यीशु शिष्य सभ सँ बात
कयलाक बाद स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह,
और परमेश्वरक दहिना कात बैसलाह।
20 शिष्य सभ बाहर जा कऽ सभ जगह मे
शुभ समाचारक प्रचार कयलनि। प्रभु हुनका
सभक सहायता करैत रहलथिन, और
प्रचारक संगे-संग जे चमत्कार देखाओल
गेल तकरा द्वारा ओ अपन शुभ समाचारक
सत्यता प्रमाणित कयलथिन।]

16:8 किछु अति प्राचीन हस्तलेख सभ मे “मरकुसक अनुसार शुभ समाचार” एहीठाम अन्त कयल गेल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लूकाक अनुसार
शुभ समाचार

भूमिका

1 आदरणीय थियुफिलुस, बहुतो लोक
हमरा सभक मध्य घटल घटनाक
विवरण लिखने छथि। 2ओ सभ अपन
विवरण तिनका सभक बातक आधार पर
लिखलनि, जे शुरुए सँ एहि घटना सभक
प्रत्यक्षदर्शी छलाह आ शुभ समाचारक
प्रचारक सेवा मे लागल छलाह, जिनका
सभक द्वारा हमरा सभ कें एहि बात सभक
जानकारी भेटल। 3तेँ शुरुए सँ सभ बातक
सावधानीपूर्बक अध्ययन कऽ कऽ हमरा
उचित बुझायल जे हमहूँ अहाँक लेल
क्रमानुसार तकर सम्पूर्ण विवरण लिखी,
4जाहि सँ अहाँ जानि सकी जे जाहि
बातक शिक्षा अहाँ कें भेटल अछि से
एकदम सत्य अछि।

यूहन्नाक जन्मक भविष्यवाणी

5 यहूदिया प्रदेशक राजा हेरोदक समय
मे जकरयाह नामक एक पुरोहित छलाह।
ओ पुरोहित सभक ताहि समूहक छलाह
जे अबियाहक समूह कहबैत छल। हुनकर
स्त्री इलीशिबा सेहो पुरोहित हारूनक
वंशक छलीह। 6ओ दूनू गोटे परमेश्वरक
नजरि मे धर्मी छलाह। हुनका सभक
जीवन परमेश्वरक सभ आज्ञा और विधि-
विधानक अनुसार निर्दोष छलनि। 7मुदा
हुनका सभ कें कोनो सन्तान नहि छलनि,
कारण इलीशिबा बाँझ छलीह, आ हुनका
दूनू गोटेक अवस्था ढरि गेल छलनि।

8 एक दिन मन्दिर मे सेवा करबाक
पार जखन जकरयाहक समूह कें भेल आ
जकरयाह परमेश्वरक सामने पुरोहितक
काज कऽ रहल छलाह, 9तँ पुरोहित
सभक प्रथाक अनुसार हुनका नामक एक
चिट्ठा निकलल जे ओ मन्दिर मे जा कऽ
धूप जरबथि। 10धूप जरयबाक समय मे
लोकक भीड़ बाहर प्रार्थना कऽ रहल छल।
11तखन परमेश्वरक एक स्वर्गदूत धूप-
वेदीक दहिना कात ठाढ़ भऽ जकरयाह कें
दर्शन देलथिन। 12हुनका देखि जकरयाह
घबड़ा गेलाह आ भयभीत भऽ गेलाह।
13मुदा स्वर्गदूत हुनका कहलथिन, “यौ
जकरयाह, नहि डेराउ, कारण परमेश्वर
लग अहाँक प्रार्थना सुनल गेल अछि।
अहाँक स्त्री इलीशिबा एक पुत्र कें जन्म
देतीह। अहाँ ओकर नाम यूहन्ना राखब।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

14 अहाँ केँ खुशी आ आनन्द होयत। ओकर
जन्म सँ बहुत लोक आनन्द मनाओत,
15 कारण, ओ प्रभुक नजरि मे महान् होयत।
ओ मदिरा वा आरो कोनो तरहक निसा
लागऽ वला वस्तु कहियो नहि पीत। ओ
मायक पेटे सँ पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण
होयत। 16 ओ इस्राएलक बहुतो लोक
केँ अपना प्रभु-परमेश्वर दिस घुमाओत।
17 आत्मा आ सामर्थ्य मे ओ एलियाह
सन भऽ कऽ प्रभुक आगाँ चलत। ओ
पिता-सन्तान सभक बीच मेल-मिलाप
कराओत, आज्ञा उल्लंघन करऽ वला सभ
केँ ओहन बुद्धि दियाओत जाहि सँ ओ सभ
धार्मिकताक अनुसार चलत, आ एहि तरहेँ
प्रभुक लेल एक योग्य प्रजा तैयार करतनि।”
18 एहि पर जकरयाह स्वर्गदूत केँ
कहलथिन, “ई बात हम निश्चित रूप सँ
कोना जानि सकैत छी? हम अपनो बूढ़
छी आ हमर घरवाली सेहो बुढ़ि छथि।”
19 स्वर्गदूत हुनका उत्तर देलथिन, “हम
जिब्राएल छी। हम परमेश्वरक सामने
उपस्थित रहैत छी। हम अहाँ सँ बात
करबाक लेल आ ई खुशीक सम्बाद
सुनयबाक लेल पठाओल गेल छी।
20 आब सुनू, जाहि दिन धरि ई बात पूरा
नहि भऽ जायत, ताहि दिन धरि अहाँ बौक
रहब, बाजि नहि सकब। कारण, हमर
बात जे ठीक समय अयला पर पूरा होयत,
ताहि पर अहाँ विश्वास नहि कयलहुँ।”
21 एम्हर लोक सभ जकरयाहक प्रतीक्षा
कऽ रहल छल आ आश्चर्यित छल जे
हुनका मन्दिर मे एतेक देरी किएक भऽ
रहल छनि। 22 ओ जखन बाहर अयलाह तँ
ओकरा सभ सँ बाजि नहि सकलाह। ओ
सभ बुझि गेल जे हिनका मन्दिर मे दर्शन
भेटलनि अछि। ओ लोक सभ सँ इसारा
सँ गप्प करैत छलाह कारण ओ बौक भऽ
गेल छलाह।
23 अपन पुरहिताइक समयक पार
समाप्त भेला पर ओ घर चल गेलाह।
24 किछु दिनक बाद जकरयाहक स्त्री
इलीशिबा गर्भवती भेलीह। ओ पाँच
महिना धरि कतौ नहि बहरयलीह। 25 ओ
कहैत छलीह, “प्रभु कतेक दयालु छथि!
आब ओ हमरा पर कृपा कऽ कऽ समाज
मे हमर कलंक केँ धो देलनि।”

प्रभु यीशुक जन्मक भविष्यवाणी

26 इलीशिबाक गर्भक छठम मास मे
परमेश्वर जिब्राएल स्वर्गदूत केँ गलील
प्रदेशक नासरत नगर मे 27 एक कुमारि
कन्या लग सम्बाद दऽ कऽ पठौलथिन।
हुनकर विवाहक निश्चय दाऊदक वंशज
यूसुफ नामक पुरुष सँ भेल छलनि। ओहि
कुमारि कन्याक नाम मरियम छलनि।
28 स्वर्गदूत मरियम लग आबि कऽ
कहलथिन, “मरियम, आनन्द मनाउ,
परमेश्वर अहाँ पर कृपा कयलनि अछि।
प्रभु अहाँक संग छथि।”
29 हुनकर एहि कथन सँ ओ बहुत
घबड़ा गेलीह आ सोचऽ लगलीह जे, ई
केहन बात कहि रहल छथि!
30 तखन स्वर्गदूत कहलथिन, “मरियम,
भयभीत नहि होउ, परमेश्वर अहाँ सँ प्रसन्न
छथि। 31 सुनू, अहाँ गर्भवती होयब आ पुत्र
केँ जन्म देब। अहाँ हुनकर नाम यीशु राखि
देबनि। 32 ओ महान् होयताह आ परम-
परमेश्वरक पुत्र कहौताह। प्रभु-परमेश्वर
हुनकर पूर्वज दाऊदक सिंहासन हुनका
देथिन। 33 ओ याकूबक वंश पर अनन्त
काल तक राज्य करताह और हुनकर
राज्यक अन्त कहियो नहि होयतनि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

34 मरियम स्वर्गदूत केँ कहलथिन, “ई
होयत कोना? कारण हम तँ कुमारिए छी।”
35 स्वर्गदूत उत्तर देलथिन, “पवित्र
आत्मा अहाँ पर उतरताह, और परम-
परमेश्वरक सामर्थ्यक छाँह अहाँ पर
रहत। तेँ जन्म लेनिहार पवित्र बालक
परमेश्वरक पुत्र कहौताह। 36 एतबे नहि!
अहाँक सम्बन्धी इलीशिबा केँ सेहो,
बुढ़ारी अवस्था मे बच्चा होयतनि! ओ जे
बाँझ कहबैत छलीह, तिनका आब छठम
मासक गर्भ छनि। 37 परमेश्वरक लेल
कोनो बात असम्भव नहि छनि।”
38 एहि पर मरियम कहलथिन, “हम
परमेश्वरक दासी छियनि। अहाँ जहिना
कहलहुँ तहिना हमरा संग होअय।”
तकरबाद स्वर्गदूत हुनका ओतऽ सँ विदा
भऽ गेलाह।

इलीशिबा आ मरियमक भेँट-घाँट

39 तखन मरियम यात्राक तैयारी कऽ
कऽ विदा भेलीह और यहूदिया प्रदेशक
ओहि पहाड़ी नगर मे जल्दी सँ गेलीह जतऽ
जकरयाह आ इलीशिबा रहैत छलाह।
40 ओ हुनका सभक घर मे प्रवेश कऽ
कऽ इलीशिबा केँ नमस्कार कयलथिन।
41 जखन इलीशिबा मरियमक नमस्कार
सुनलनि तँ हुनकर पेटक बच्चा कुदि
उठलनि आ इलीशिबा पवित्र आत्मा
सँ परिपूर्ण भऽ जोर सँ बाजि उठलीह,
42 “स्त्रीगण मे अहाँ धन्य छी, आ धन्य
छथि ओ जिनका अहाँ जन्म देबनि। 43 मुदा
हम कोन जोगरक छी जे हमर प्रभुक माय
हमरा ओतऽ अयलीह? 44 अहाँक कहल
नमस्कार शब्द जखने हमरा कान मे पड़ल,
तखने हमर पेटक बच्चा खुशी सँ कुदि
उठल। 45 धन्य छी अहाँ, कारण, अहाँ
विश्वास कयलहुँ जे, प्रभु अहाँ केँ जे बात
कहलनि, से पूरा होयत।”

मरियमक स्तुति-गान

46 तखन मरियम कहलनि,
“हमर मोन प्रभुक स्तुति करैत अछि,
47 और हमर आत्मा हमर उद्धारकर्ता-
परमेश्वरक कारणेँ अति
आनन्दित अछि,
48 किएक तँ ओ अपना एहि तुच्छ
दासी पर दया कयलनि।
आब पुस्त-पुस्तानिक लोक हमरा
धन्य कहत,
49 कारण, सर्वशक्तिमान प्रभु हमरा
लेल महान् काज कयलनि अछि,
हुनकर नाम पवित्र छनि!
50 हुनकर भय माननिहार लोक पर
हुनकर कृपा पुस्त-पुस्तानि रहैत
अछि।
51 ओ अपन बाहुबल प्रगट कयने छथि।
तकरा सभ केँ ओ छिन्न-भिन्न कऽ
देने छथिन,
जकर सभक मोन अहंकार सँ
भरल छल।
52 ओ शासक सभ केँ अपना सिंहासन
सँ उतारि देने छथिन,
आ नम्र सभ केँ पैघ बना देने
छथिन।
53 ओ भूखल सभ केँ नीक-नीक वस्तु
सँ तृप्त कयने छथिन,
आ धनवान सभ केँ खाली हाथ
घुमा देने छथिन।
54 ओ हमरा सभक पूर्वज लोकनि केँ
देल अपन वचन अनुसार
अपन सेवक इस्राएलक मदति
कयलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

55 अब्राहम और हुनकर वंशज पर सदा
दया करबाक अपना वचन केँ
स्मरण रखलनि।”
56 मरियम करीब तीन मास तक
इलीशिबाक संग रहि कऽ अपना घर चलि
अयलीह।

यूहन्नाक जन्म

57 जखन इलीशिबाक पूर मास भेलनि
तँ हुनका बेटा भेलनि। 58 हुनकर पड़ोसी
आ सम्बन्धी सभ ई बात सुनि जे प्रभु
हुनका पर कतेकटा दया कयलथिन,
हुनका संग खुशी मनौलनि।
59 आठम दिन ओ सभ बच्चा केँ
खतनाक विधि करबाक लेल अयलाह,
आ पिताक नाम पर बच्चाक नाम
“जकरयाह” राखऽ लगलथिन, 60 मुदा
हुनकर माय कहलथिन, “नहि! एकर नाम
यूहन्ना रखबाक अछि।”
61 एहि पर ओ सभ कहलथिन,
“अहाँक कुटुम्ब-परिवार मे ई नाम कहाँ
किनको छनि!” 62 तखन ओ सभ बच्चाक
पिता सँ इसारा कऽ कऽ पुछलथिन जे,
अहाँ एकर की नाम राखऽ चाहैत छी?
63 ओ पाटी मँगा कऽ लिखलनि, “एकर
नाम यूहन्ना छैक।” एहि पर सभ चकित
रहि गेलाह। 64 तखने हुनकर आवाज
फुजि गेलनि आ परमेश्वरक स्तुति करैत
बाजऽ लगलाह। 65 एहि सँ लग-पास मे
रहऽ वला सभ लोक मे डर सन्हिया
गेलैक और यहूदिया प्रदेशक पहाड़ सभ
मे सभतरि एहि सभ बातक चर्चा पसरि
गेल। 66 एहि बातक विषय मे जे सभ
सुनलक, से सभ अपना-अपना मोन मे
एहि सभक बारे मे विचार करऽ लागल
आ बाजल, “ई बालक की बनताह?”
कारण, स्पष्ट छल जे प्रभुक आशिष
हुनका पर छलनि।

जकरयाहक भविष्यवाणी

67 यूहन्नाक पिता जकरयाह पवित्र
आत्मा सँ परिपूर्ण भऽ भविष्यवाणी
कयलनि जे,
68 “इस्राएलक परमेश्वर, प्रभुक स्तुति
होनि,
कारण ओ अपन प्रजा लग आबि
कऽ ओकरा मुक्ति देलनि।
69 ओ अपन सेवक दाऊदक वंश मे
हमरा सभक लेल एक सामर्थ्यवान
उद्धारकर्ता उत्पन्न कयलनि
अछि,
70 जेना कि ओ अपन चुनल प्रवक्ता
सभक माध्यम सँ प्राचीन काल
सँ कहने छलाह।
71 ओ हमरा सभ केँ दुश्मन सभ सँ
बचयबाक प्रतिज्ञा कयने रहथि,
आ हमरा सभ केँ घृणा कयनिहार
सभक हाथ सँ सुरक्षित रखबाक
वचन देने रहथि।
72-73 ओ अपन ओहि वचन केँ पूरा कऽ
कऽ हमरा पूर्वज लोकनि पर
दया कयलनि अछि।
ओ अपन ओहि पवित्र वचन केँ
स्मरण रखने छलाह
जे वचन ओ सपत खा कऽ हमरा
सभक पुरखा अब्राहम केँ देने
रहथिन जे,
74-75 हम तोरा सभ केँ शत्रु सभक हाथ
सँ बचयबह;
तोँ सभ निर्भयतापूर्बक जीवन भरि
पवित्रता आ धार्मिकताक संग
हमरा समक्ष हमर सेवा करबह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

76 आ हौ बौआ, तोँ परम-परमेश्वरक
प्रवक्ता कहयबह,
किएक तँ तोँ प्रभुक लेल बाट
तैयार करबाक हेतु हुनका
आगाँ-आगाँ चलबह।
77 तोँ हुनकर प्रजा केँ उद्धारक ज्ञान
प्रदान करबहुन,
जे उद्धार पापक क्षमा द्वारा भेटैत
अछि,
78 आ से हमर सभक दयालु परमेश्वरक
करुणाक कारणेँ अछि।
एही करुणाक कारणेँ हमरा सभक
लेल ऊपर सँ प्रकाश उगत,
79 जे अन्हार आ मृत्युक छाँह मे
बैसल लोक सभ पर इजोत
करत,
और हमरा सभ केँ शान्तिक बाट
पर आगाँ बढ़ाओत।”

80 बालक यूहन्ना बढ़ैत गेलाह आ आत्मिक रूप सँ सबल होइत गेलाह। ओ जा धरि इस्राएली सभक बीच अपन काज शुरू नहि कयलनि, ता धरि निर्जन क्षेत्र मे वास कयलनि।

यीशुक जन्म

(मत्ती 1.18-25)

2 ओहि समय मे कैसर औगुस्तुस आदेश देलनि जे सम्पूर्ण रोम
साम्राज्यक जनगणना कयल जाय। 2एहि
तरहक ई पहिल जनगणना छल, आ ई
ताहि समय मे भेल जखन क्विरीनियुस
सीरिया प्रदेशक राज्यपाल छलाह। 3सभ
केओ नाम लिखयबाक लेल अपन-अपन
पैतृक नगर जाय लागल। 4यूसुफ राजा
दाऊदक खानदान आ वंशक छलाह, तेँ
ओ अपन नाम लिखयबाक लेल गलील
प्रदेशक नासरत नगर सँ यहूदिया प्रदेशक
बेतलेहम गाम गेलाह, जे दाऊदक गाम
छल। 5ओ संग मे मरियम केँ सेहो लऽ
गेलाह, जिनका संग हुनकर विवाहक
निश्चय कयल गेल छलनि और जे
गर्भवती छलीह। 6ओतहि रहैत मरियम
केँ बच्चाक जन्म देबाक समय आबि
गेलनि, 7आ ओ अपन पहिल पुत्र केँ जन्म
देलनि। ओ बच्चा केँ कपड़ाक टुकड़ा मे
लपेटि कऽ नादि मे राखि देलथिन, कारण
हुनका सभ केँ रहबाक लेल सराय मे
कोनो स्थान नहि भेटल छलनि।

8 ओहि इलाका मे चरबाह सभ छल
जे बाध मे रहि कऽ राति मे अपन भेँड़ाक
रखबारी कऽ रहल छल। 9एकाएक
परमेश्वरक एक स्वर्गदूत ओकरा सभक
सामने मे ठाढ़ भऽ गेलाह आ प्रभुक तेज
प्रकाश सँ ओकरा सभक चारू कात
इजोत भऽ गेलैक। एहि सँ ओ सभ बहुत
डेरा गेल। 10मुदा स्वर्गदूत कहलथिन,
“डेराह नहि! हम तोरा सभ केँ बड़का
आनन्दक खुस खबरी सुनबैत छिअह,
जे सभ लोकक लेल होयत। 11आइ
दाऊदक नगर मे तोरा सभक लेल एक
उद्धारकर्ता जन्म लेलथुन अछि। ओ
छथि प्रभु, परमेश्वरक पठाओल मसीह।
12तोरा सभक लेल एकटा ई चेन्ह
रहतह—तोँ सभ बच्चा केँ कपड़ाक
टुकड़ा सँ लपेटल आ नादि मे राखल
पयबह।”

13 तखन एकाएक ओहि स्वर्गदूतक
संग असंख्य स्वर्गदूतक एक झुण्ड देखाइ
पड़ल, जे परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा कऽ
रहल छलाह जे,

14 “सर्वोच्च स्वर्ग मे परमेश्वरक स्तुति-
गान होनि,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

और पृथ्वी पर ताहि मनुष्य सभ
कैँ शान्ति भेटैक जकरा सँ ओ
प्रसन्न छथिन।”

15 जखन स्वर्गदूत सभ ओकरा सभक
लग सँ चल गेलाह, तखन चरबाह सभ
एक-दोसर कैँ कहलक, “अपना सभ
चल! बेतलेहम जा कऽ एहि घटना कैँ
देखि ली जाहि दऽ प्रभु अपना सभ कैँ
कहबौलनि अछि।”

16 ओ सभ जल्दी सँ गेल, आ ओतऽ
पहुँचि कऽ मरियम आ यूसुफ कैँ और
नादि मे राखल बच्चा कैँ पौलक।
[17]बच्चा कैँ देखि कऽ ओ सभ ओहि
बातक विषय मे सभ कैँ कहऽ लागल
जे बात बच्चाक सम्बन्ध मे स्वर्गदूत
ओकरा सभ कैँ कहने छलथिन। [18]एकरा
सभक बात जे सभ सुनलक, से सभ ओहि
पर आश्चर्य कयलक। [19]मुदा मरियम ई
सभ बात अपना मोन मे राखि कऽ ओहि
पर विचार करैत रहलीह। [20]चरबाह सभ
जे किछु देखने आ सुनने छल, ताहि सभ
बातक लेल परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा
गबैत घूमि गेल। जहिना स्वर्गदूत ओकरा
सभ कैँ कहने छलथिन, ठीक ओहिना
सभ बात ओकरा सभ कैँ भेटलो छलैक।

बालक यीशु मन्दिर मे अर्पित

21 आठम दिन बालक कैँ खतनाक
विधि करबाक समय मे हुनकर नाम
यीशु राखल गेलनि, जे नाम मायक गर्भ
मे अयबा सँ पहिने स्वर्गदूत द्वारा राखल
गेल छलनि।

22 मूसाक धर्म-नियमक अनुसार हुनका
सभक शुद्धीकरणक दिन जखन आबि
गेलनि, तँ मरियम आ यूसुफ बच्चा कैँ
प्रभु कैँ अर्पित करबाक लेल यरूशलेम
लऽ गेलथिन, [23]जेना कि प्रभुक नियम
मे लिखल अछि जे, “प्रत्येक जेठ पुत्र
प्रभुक मानल जायत।”* [24]प्रभुक नियमक
अनुसार शुद्धीकरणक वास्ते बलि
चढ़यबाक लेल सेहो गेलाह, जेना कि
लिखल अछि, “एक जोड़ा पउड़की वा
परवाक दू बच्चा।”*

25 यरूशलेम मे सिमियोन नामक
एक आदमी छलाह, जे परमेश्वरक भय
मानऽ वला एक धर्मी लोक छलाह। ओ
“इस्राएल कैँ शान्ति देनिहारक” बाट
तकैत छलाह, आ पवित्र आत्मा हुनका
संग छलथिन। [26]पवित्र आत्मा द्वारा
हुनका ई कहल गेल छलनि जे, जा धरि
अहाँ प्रभुक पठाओल उद्धारकर्ता-मसीह
कैँ नहि देखि लेबनि, ता धरि अहाँ नहि
मरब। [27]पवित्र आत्माक प्रेरणा सँ ओ
मन्दिर मे गेलाह। मरियम-यूसुफ जखन
बेटाक लेल धर्म-नियमक विधि सभ पूरा
करबाक हेतु बालक यीशु कैँ मन्दिरक
भीतर अनलथिन, [28]तँ सिमियोन हुनका
कोरा मे लेलथिन, आ परमेश्वरक स्तुति
कऽ कऽ बजलाह,

[29] “हे परम प्रभु, अहाँ जहिना वचन
देलहुँ
तहिना आब अपना एहि दास कैँ
शान्ति सँ विदा करू,
[30] किएक तँ हम अपना आँखि सँ
अहाँक उद्धार कैँ देखि लेलहुँ,
[31] जाहि उद्धार कैँ अहाँ सभ जातिक
लोकक सम्मुख प्रस्तुत
कयलहुँ।

2:23 प्रस्थान 13.2, 12 **2:24** लेवी 12.8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

[32] हँ, ई उद्धार आन जाति सभ केँ बाट
देखौनिहार
आ अहाँक निज जाति इस्राएल
केँ गौरव देनिहार एक इजोत
होयताह।"

33 बच्चाक माय-बाबू सिमियोनक
एहि कथन सँ चकित भेलाह। [34-35]तखन
सिमियोन हुनका सभ केँ आशीर्वाद
देलथिन आ बच्चाक माय मरियम केँ
कहलथिन, "ई बच्चा परमेश्वरक दिस
संकेत करऽ वला चिन्ह होयबाक लेल
चुनल गेल छथि। बहुत लोक हिनकर
विरोध करत। अहूँक हृदय तरुआरि सँ
बेधल जायत। हिनका कारणेँ इस्राएलक
बहुत गोटेक पतन आ उत्थान होयतैक,
और एहि तरहेँ बहुत लोकक असली
मनोभावना प्रगट कयल जयतैक।"

36 ओतऽ हन्नाह नामक परमेश्वरक
एक बड्ड बुढ़ि प्रवक्तिनि सेहो छलीह, जे
आशेर-कुलक फनुएलक बेटी छलीह।
विवाहक बाद ओ सात वर्ष धरि सुहागिन
रहलीह, [37]तकरा बाद विधवा भऽ गेलीह,
और आब ओ चौरासी वर्षक छलीह। ओ
मन्दिर केँ नहि छोड़ि कऽ दिन-राति उपास
आ प्रार्थनाक संग परमेश्वरक सेवा मे
लागल रहैत छलीह। [38]ठीक ओही क्षण
मरियम और यूसुफ लग आबि कऽ ओ
परमेश्वरक धन्यवाद देबऽ लगलीह आ
जे लोक सभ यरूशलेमक छुटकाराक
बाट ताकि रहल छल, तकरा सभ सँ
बच्चाक विषय मे बात करऽ लगलीह।

39 मरियम आ यूसुफ प्रभुक धर्म-
नियमक अनुसार जे करबाक छलनि से
सभ पूरा कऽ कऽ गलील प्रदेश मे अपन
नगर नासरत घूमि अयलाह। [40]बच्चा बढ़ि
कऽ बलिष्ठ आ नीक बुद्धि सँ परिपूर्ण
होइत गेलाह, और हुनका पर परमेश्वरक
आशीर्वाद छलनि।

यीशु बारहम वर्ष मे

41 यीशुक माय-बाबू प्रत्येक साल
फसह-पाबनिक समय मे यरूशलेम
जाइत छलाह। [42]यीशु जखन बारह
वर्षक छलाह तँ ओ सभ आने बेर
जकाँ पाबनि मनयबाक लेल यरूशलेम
गेलाह। [43]पूरा पाबनि बिति गेला पर
जखन ओ सभ विदा भेलाह तँ बालक
यीशु यरूशलेमे मे रहि गेलाह, मुदा ई
बात हुनकर माय-बाबू केँ नहि बुझल
छलनि। [44]ओ सभ ई बुझि जे यीशु
यात्री सभ मे कतौ होयताह एक दिनक
रस्ता आगाँ बढ़ि गेलाह। तखन ओ सभ
अपना सम्बन्धी आ संगी-साथी सभ
मे हुनकर खोजबीन करऽ लगलथिन।
[45]मुदा ओ जखन नहि भेटलथिन तँ ओ
सभ हुनका तकबाक लेल फेर यरूशलेम
गेलाह। [46]तेसर दिन यीशु हुनका सभ
केँ मन्दिर मे धर्मगुरु सभक बीच बैसल,
हुनका सभक बात सुनैत आ हुनका
सभ सँ प्रश्न करैत, भेटलथिन। [47]जे
सभ यीशुक बात सुनलथिन, से सभ
हुनकर बुद्धि और उत्तर सभ सँ चकित
छलाह। [48]यीशु केँ ओतऽ देखि कऽ
हुनकर माय-बाबू आश्चर्यित भेलाह।
हुनकर माय कहलथिन, "बौआ, हमरा
सभक संग एना किएक कयलह? देखह,
तोहर बाबूजी आ हम तोरा तकैत-तकैत
परेसान भऽ गेल छलहुँ।"

49 ओ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ हमरा
तकैत किएक छलहुँ? अहाँ सभ केँ नहि
बुझल छल जे हमरा अपना पिताक घर
मे होयब आवश्यक अछि?" [50]मुदा ओ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ हुनकर कहबाक अर्थ नहि बुझि
सकलाह।
51 तखन ओ हुनका सभक संग नासरत
घूमि अयलाह, आ हुनकर सभक कहल मे
रहलाह। हुनकर माय ई सभ बात अपना
मोन मे राखि लेलनि। 52यीशु बुद्धि आ
शरीर मे बढ़ैत गेलाह, और परमेश्वर आ
लोक दूनू हुनका सँ प्रसन्न रहलथिन।

यूहन्ना द्वारा यीशुक अयबाक लेल तैयारी

(मत्ती 3.1-12; मरकुस 1.1-8; यूहन्ना 1.19-28)

3 **1-2** कैसर तिबिरियुसक शासन-
कालक पन्द्रहम वर्ष मे जकरयाहक
पुत्र यूहन्ना लग निर्जन क्षेत्र मे परमेश्वरक
दिस सँ सम्बाद अयलनि। ओहि समय
मे पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया प्रदेशक
राज्यपाल छलाह, गलील प्रदेशक
शासक हेरोद छलाह, इतूरिया आ
त्रखोनीतिस क्षेत्रक शासक हुनकर भाय
फिलिपुस और अबिलेन क्षेत्रक शासक
लुसानियास छलाह। महापुरोहितक पद
पर छलाह हन्ना और काइफा। यूहन्ना
लग परमेश्वरक सम्बाद एही समय मे
अयलनि। 3ओ यरदन नदीक लग-पासक
पूरा इलाका मे घूमि-घूमि कऽ प्रचार करऽ
लगलाह जे, "पापक क्षमा पयबाक लेल
पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन करू और
बपतिस्मा लिअ," 4जेना परमेश्वरक
प्रवक्ता यशायाहक पुस्तक मे लिखल
अछि जे,

"निर्जन क्षेत्र मे केओ जोर सँ आवाज
दऽ रहल अछि—
'प्रभुक लेल मार्ग तैयार करू,
हुनका लेल सोझ बाट बनाउ।
5 प्रत्येक गहींर भाग भरि देल जायत,
प्रत्येक ऊँच भाग आ पहाड़ नीच
कयल जायत,
घुमान बाट सोझ,
और उबर-खाबड़ बाट समतल
कयल जायत।
6 सभ मनुष्य परमेश्वर द्वारा प्रदान
कयल उद्धार कें देखत।' "*

7 लोकक भीड़ सभ यूहन्ना सँ
बपतिस्मा लेबऽ अबैत रहैत छल आ
ओ ओकरा सभ कें कहैत छलथिन, "है
साँपक सन्तान सभ! परमेश्वरक आबऽ
वला क्रोध सँ बचबाक लेल तोरा सभ
कें के सिखौलकह? 8तों सभ जँ अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन कयने छह, तँ तकर प्रमाण
अपना व्यवहार द्वारा देखाबह। और
अपना मोन मे एना सोचि निश्चिन्त नहि
रहह जे, हमर सभक कुल-पिता अब्राहम
छथि, कारण, हम तोरा सभ कें कहैत
छिअह जे परमेश्वर एहि पाथर सभ सँ
अब्राहमक लेल सन्तान उत्पन्न कऽ
सकैत छथि। 9गाछक जड़ि मे कुड़हरि
रखा गेल अछि। जे गाछ नीक फल नहि
दैत अछि से काटल आ आगि मे फेकल
जायत।"
10 एहि पर लोक सभ यूहन्ना सँ पुछऽ
लागल, "तँ हम सभ की करू?" 11ओ
उत्तर देलथिन, "जकरा दूटा कुर्ता होइक
से एकटा तकरा देअओ जकरा नहि छैक,
और जकरा लग भोजनक वस्तु होइक
सेहो एहिना करओ।"

3:6 यशा 40.3-5

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

12 कर असूल करऽ वला सभ सेहो
बपतिस्मा लेबऽ आयल आ यूहन्ना सँ
पुछलकनि, “यौ गुरुजी, हम सभ की
करू?” 13 ओ उत्तर देलथिन, “जतबा कर
निश्चित कयल गेल अछि ताहि सँ बेसी
नहि लैह।”
14 एहि पर सैनिक सभ पुछलकनि,
“आ हम सभ की करू?” ओ कहलथिन,
“ककरो सँ बलजोरी पाइ नहि लैह, आ
ने ककरो पर झुट्ठे दोष लगाबह। अपना
दरमाहा सँ सन्तुष्ट रहह।”
15 जनता मे एकटा बड़का उत्सुकता
आबि गेल छलैक, आ सभ मोने-मोन
यूहन्नाक बारे मे सोचि रहल छल जे,
कहीं ई उद्धारकर्ता-मसीह तँ नहि छथि?
16 यूहन्ना सभ केँ उत्तर दैत छलथिन,
“हम तोरा सभ केँ पानि सँ बपतिस्मा
दैत छिअह। मुदा हमरा सँ शक्तिशाली
एक गोटे आबि रहल छथि, जिनकर
जुत्तो खोलऽ जोगरक हम नहि छी। ओ
तोरा सभ केँ पवित्र आत्मा और आगि सँ
बपतिस्मा देथुन। 17 ओ अपन खरिहानक
अन्न साफ करबाक लेल हाथ मे सूप लेने
छथि। ओ गहुम केँ बखारी मे राखि लेताह,
मुदा भुस्सा केँ ओहि आगि मे जरौताह जे
कहियो नहि मिझायत।” 18 ई बात और
आरो अन्य तरहक बहुत बातक द्वारा
यूहन्ना लोक सभ केँ बुझा-सुझा कऽ शुभ
समाचार सुनबैत रहलथिन।
19 मुदा जखन यूहन्ना शासक हेरोद
पर भायक घरवाली हेरोदियासक
कारणेँ, तथा आरो कुकर्म सभक कारणेँ
जे ओ कयने छलाह, दोष लगौलथिन,
20 तँ हेरोद अपना कुकर्म मे एकटा इहो
कुकर्म जोड़ि लेलनि जे, ओ यूहन्ना केँ
जहल मे बन्द करबा देलथिन।

यीशुक बपतिस्मा

(मत्ती 3.13-17; मरकुस 1.9-11)

21 सभ लोक केँ बपतिस्मा लेलाक बाद
यीशुओ बपतिस्मा लेलनि। बपतिस्माक
बाद जखन ओ प्रार्थना कऽ रहल छलाह तँ
स्वर्ग खुजल 22 आ पवित्र आत्मा परबाक
रूप मे हुनका ऊपर उतरि अयलाह, और
स्वर्ग सँ आवाज आयल जे, “अहाँ हमर
प्रिय पुत्र छी। अहाँ सँ हम बहुत प्रसन्न
छी।”

यीशुक पूर्वज लोकनि

(मत्ती 1.1-17)

23 यीशु जखन अपन काज शुरू
कयलनि तँ लगभग तीस वर्षक छलाह।
एना मानल जाइत छल जे ओ यूसुफक पुत्र
छलाह।

यूसुफ एलीक पुत्र छलाह,
24 एली मतातक पुत्र छलाह,
मतात लेवीक पुत्र छलाह,
लेवी मलकीक पुत्र छलाह,
मलकी यन्नाक पुत्र छलाह,
यन्ना यूसुफक पुत्र छलाह,
25 यूसुफ मततियाक पुत्र छलाह,
मततिया आमोसक पुत्र छलाह,
आमोस नहूमक पुत्र छलाह,
नहूम एसलीक पुत्र छलाह,
एसली नागैक पुत्र छलाह,
26 नागै मातक पुत्र छलाह,
मात मततियाक पुत्र छलाह,
मततिया शिमीक पुत्र छलाह,
शिमी योसेखक पुत्र छलाह,
योसेख योदाहक पुत्र छलाह,
27 योदाह योहनानक पुत्र छलाह,
योहनान रेसाक पुत्र छलाह,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रेसा जरुब्बाबेलक पुत्र छलाह,
जरुब्बाबेल शालतिएलक पुत्र छलाह,
शालतिएल नेरीक पुत्र छलाह,
28 नेरी मलकीक पुत्र छलाह,
मलकी अद्दीक पुत्र छलाह,
अद्दी कोसामक पुत्र छलाह,
कोसाम इलमोदामक पुत्र छलाह,
इलमोदाम एरक पुत्र छलाह,
29 एर यहोशूक पुत्र छलाह,
यहोशू एलिएजरक पुत्र छलाह,
एलिएजर योरीमक पुत्र छलाह,
योरीम मतातक पुत्र छलाह,
मतात लेवीक पुत्र छलाह,
30 लेवी सिमियोनक पुत्र छलाह,
सिमियोन यहूदाक पुत्र छलाह,
यहूदा यूसुफक पुत्र छलाह,
यूसुफ योनामक पुत्र छलाह,
योनाम एलयाकीमक पुत्र छलाह,
31 एलयाकीम मलेआहक पुत्र छलाह,
मलेआह मिन्नाहक पुत्र छलाह,
मिन्नाह मतताताक पुत्र छलाह,
मतताता नातानक पुत्र छलाह,
नातान दाऊदक पुत्र छलाह,
32 दाऊद यिशयक पुत्र छलाह,
यिशय ओबेदक पुत्र छलाह,
ओबेद बोअजक पुत्र छलाह,
बोअज सलमोनक पुत्र छलाह,
सलमोन नाशोनक पुत्र छलाह*,
33 नाशोन अमीनादाबक पुत्र छलाह,
अमीनादाब अदमीनक पुत्र छलाह,
अदमीन अरनीक पुत्र छलाह,
अरनी हेस्रोनक पुत्र छलाह,
हेस्रोन पेरसक पुत्र छलाह,
पेरस यहूदाक पुत्र छलाह,
34 यहूदा याकूबक पुत्र छलाह,
याकूब इसहाकक पुत्र छलाह,
इसहाक अब्राहमक पुत्र छलाह,
अब्राहम तेरहक पुत्र छलाह,
तेरह नाहोरक पुत्र छलाह,
35 नाहोर सरूगक पुत्र छलाह,
सरूग रऊक पुत्र छलाह,
रऊ पेलेगक पुत्र छलाह,
पेलेग एबेरक पुत्र छलाह,
एबेर शेलहक पुत्र छलाह,
36 शेलह केनानक पुत्र छलाह,
केनान अर्पक्षदक पुत्र छलाह,
अर्पक्षद शेमक पुत्र छलाह,
शेम नूहक पुत्र छलाह,
नूह लामेकक पुत्र छलाह,
37 लामेक मथूशेलहक पुत्र छलाह,
मथूशेलह हनोकक पुत्र छलाह,
हनोक यारेदक पुत्र छलाह,
यारेद महलालेलक पुत्र छलाह,
महलालेल केनानक पुत्र छलाह,
38 केनान एनोशक पुत्र छलाह,
एनोश शेतक पुत्र छलाह,
शेत आदमक पुत्र छलाह,
और आदम परमेश्वरक पुत्र छलाह।

यीशुक परीक्षा

(मत्ती 4.1-11; मरकुस 1.12-13)

4 यीशु पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण भऽ
यरदन नदी सँ घुमलाह। तखन पवित्र
आत्मा हुनका निर्जन क्षेत्र मे लऽ गेलथिन,
2 जतऽ चालिस दिन धरि शैतान हुनका सँ
पाप करयबाक प्रयत्न कयलकनि। एहि

3:32 किछु अति प्राचीन हस्तलेख सभ मे एहि तरहेँ पाओल जाइत अछि, “बोअज शेलहक पुत्र छलाह, शेलह नाशोनक पुत्र छलाह,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चालिस दिन मे ओ किछु नहि खयलनि,
और एतेक दिन बितला पर हुनका बहुत
भूख लागल छलनि।
3 तँ शैतान हुनका कहलकनि, “तोँ जँ
परमेश्वरक पुत्र छह तँ एहि पाथर केँ रोटी
बनि जयबाक आज्ञा दहक।” 4यीशु उत्तर
देलथिन, “धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,
मनुष्य मात्र रोटिए सँ नहि जीवित रहत।*”
5 तखन शैतान हुनका ऊँच स्थान मे लऽ
जा कऽ एके क्षण मे संसारक सभ राज्य
देखा देलकनि 6आ कहलकनि, “हम तोरा
एहि सभ राज्यक अधिकार आ वैभव दऽ
देबह, कारण ई सभ हमरे जिम्मा मे दऽ
देल गेल अछि, आ हम जकरा ककरो
चाहबैक तकरा दऽ सकैत छिऐक। 7तेँ
तोँ जँ हमर उपासना करबह तँ ई सभ
तोहर भऽ गेलह।” 8यीशु उत्तर देलथिन,
“धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, ‘तोँ अपना
प्रभु-परमेश्वरेक उपासना करहुन और
मात्र हुनके सेवा करहुन।’*”
9 शैतान हुनका यरूशलेम लऽ जा कऽ
मन्दिरक सभ सँ ऊँच स्थान पर ठाढ़ कऽ
कऽ कहलकनि, “तोँ जँ परमेश्वरक पुत्र
छह, तँ एतऽ सँ नीचाँ कुदि जाह, 10कारण
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,

‘परमेश्वर तोहर रक्षा करबाक लेल
स्वर्गदूत सभ केँ आज्ञा देथिन,
11 और ओ सभ अपना कोरा मे तोरा
लोकि लेथुन,
जाहि सँ पयर मे पाथर सँ चोट नहि
लगतह।’*”

12यीशु उत्तर देलथिन, “धर्मशास्त्रक
कथन इहो अछि, ‘अपन प्रभु-परमेश्वरक
जाँच नहि करहुन।’*”

13 शैतान जखन हुनका सँ सभ ढंग सँ
पाप करयबाक प्रयत्न कऽ चुकल तँ ओ
ओतऽ सँ चल गेल आ दोसर उपयुक्त
अवसरक ताक मे रहऽ लागल।

यीशुक काजक आरम्भ

(मत्ती 4.12-17; मरकुस 1.14-15)

14 यीशु गलील प्रदेश मे घूमि कऽ चल
अयलाह, और पवित्र आत्माक सामर्थ्य
हुनका संग छलनि। ओहि क्षेत्रक सभ ठाम
हुनकर चर्चा पसरि गेलनि। 15ओ सभाघर
सभ मे शिक्षा दैत छलथिन, आ सभ लोक
हुनकर प्रशंसा करैत छलनि।

नासरत मे यीशुक प्रशंसा आ विरोध

(मत्ती 13.53-58; मरकुस 6.1-6)

16 एक दिन यीशु नासरत नगर अयलाह,
जतऽ हुनकर पालन-पोषण भेल छलनि।
ओ अपना आदतक अनुसार विश्राम-दिन
सभाघर मे गेलाह। ओ धर्मशास्त्रक पाठ
पढ़बाक लेल ठाढ़ भेलाह, 17तँ हुनका
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाहक पुस्तक
देल गेलनि। ओ पुस्तक खोलि कऽ ओहि
ठाम सँ पढ़ऽ लगलाह जतऽ लिखल अछि
जे,

18 “प्रभुक आत्मा हमरा पर छथि;
किएक तँ ओ गरीब सभ केँ शुभ
समाचार सुनयबाक लेल
हमर अभिषेक कयने छथि।
ओ हमरा पठौलनि अछि जे हम कैदी
सभक लेल मुक्तिक घोषणा
करी,
आन्हर सभ केँ कहिऐक जे, ‘तोँ
सभ आब देखि सकैत छह,’

4:4 व्यव 8.3 **4:8** व्यव 6.13 **4:11** भजन 91.11, 12 **4:12** व्यव 6.16

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सताओल लोक सभ केँ छुटकारा
दिआबी
19 और एहि बातक घोषणा करी जे,
प्रभुक ओ युग आबि गेल अछि
जाहि मे ओ अपन करुणा प्रगट
करताह।"*

20 ई पाठ पढ़लाक बाद यीशु पुस्तक बन्द कऽ कऽ सभाघरक सेवक केँ दऽ देलथिन आ बैसि गेलाह। सभ केओ एकटक लगा कऽ हुनका दिस ताकि रहल छल।
21 तखन ओ बजलाह, "आइ धर्मशास्त्रक ई लेख अहाँ सभक समक्ष मे पूरा भऽ गेल।"

22 सभ केओ हुनकर प्रशंसा कयलकनि और आश्चर्यित भेल जे ओ एतेक नीक-नीक बात सभ कहैत छथि। सभ कहैत छल, "की ई यूसुफेक बेटा नहि छथि?"

23 यीशु ओकरा सभ केँ कहलथिन, "अहाँ सभ अवश्य हमरा ई कहबी सुनायब जे, 'यौ वैद्यजी, पहिने अपना केँ नीक करू!' आ ई कहब जे 'एतौ अपना गाम मे ओ काज सभ करू जकरा बारे मे सुनैत छी जे अहाँ कफरनहूम मे कयलहुँ।'
24 हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी जे, परमेश्वरक कोनो प्रवक्ता केँ अपना गाम मे स्वीकार नहि कयल जाइत छैक।
25 हमर बात सुनू! अहूँ सभ तँ जनिते छी जे एलियाहक समय मे जखन साढ़े तीन वर्ष धरि वर्षा नहि भेल आ सौंसे देश मे भयंकर अकाल पड़ि गेल, तँ ओहि समय मे इस्राएल मे बहुते विधवा रहय,
26 मुदा परमेश्वर एलियाह केँ ओकरा सभ मे सँ ककरो लग मदति देबाक लेल वा लेबाक लेल नहि पठौलथिन—ओ हुनका सीदोन क्षेत्रक सारफत गाम मे रहऽ वाली एकटा विधवाक ओहिठाम पठौलथिन।
27 फेर परमेश्वरक प्रवक्ता एलीशाक समय मे इस्राएल मे बहुते कुष्ठ-रोगी छल, मुदा ओकरा सभ मे सँ ककरो नीक नहि कयल गेलैक—मात्र सीरिया प्रदेशक निवासी नामान केँ।"

28 ई बात सुनि सभाघरक लोक सभ तिलमिला उठल।
29 ओ सभ उठि कऽ यीशु केँ नगर सँ बाहर अनलकनि, और जाहि पहाड़ पर ओ नगर बसल छल, तकर कनगी पर लऽ गेलनि जे एहि ठाम सँ एकरा नीचाँ धकेलि दी।
30 मुदा ओ ओहि भीड़ मे सँ बहरा कऽ चल जाइत रहलाह।

दुष्टात्मा लागल आदमी ठीक कयल गेल

(मरकुस 1.21-28)

31 तखन यीशु कफरनहूम गेलाह, जे गलील प्रदेशक एक नगर अछि, और विश्राम-दिन मे लोक सभ केँ उपदेश देबऽ लगलथिन।
32 हुनकर शिक्षा सँ लोक सभ चकित भेल, कारण, ओ अधिकारक संग शिक्षा दैत छलाह।

33 सभाघर मे एक आदमी छल जे दुष्टात्मा, अर्थात् अशुद्ध आत्मा, सँ ग्रसित छल। ओ जोर सँ चिकरि कऽ बाजल,
34 "यौ! नासरतक निवासी यीशु! अहाँ केँ हमरा सभ सँ कोन काज? हमरा सभ केँ नष्ट करऽ अयलहुँ की? हम अहाँ केँ चिन्हैत छी। अहाँ परमेश्वरक पवित्र दूत छी।"

4:19 यशा 61.1-2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

35 यीशु दुष्टात्मा केँ डाँटि कऽ
कहलथिन, “चुप रह! तोँ एकरा मे सँ
निकल!” तखन ओ दुष्टात्मा ओहि
आदमी केँ सभक सामने मे पटकि
देलकैक आ बिनु हानि पहुँचौने ओकरा
मे सँ निकलि गेल। 36 एहि पर सभ लोक
चकित होइत एक-दोसर केँ कहऽ लागल
जे, “ई केहन उपदेश अछि? ई आदमी
शक्ति आ अधिकारक संग दुष्टात्मा सभ
केँ आज्ञा दैत छथि और ओ सभ निकलि
जाइत अछि!” 37 एहि सभ सँ हुनकर चर्चा
ओहि क्षेत्रक चारू कात पसरि गेलनि।

लोक केँ स्वास्थ-लाभ

(मत्ती 8.14-17; मरकुस 1.29-39)

38 यीशु सभाघर सँ बाहर भऽ कऽ
सिमोनक ओहिठाम गेलाह। सिमोनक
सासु केँ बहुत जोर बोखार छलनि।
लोक सभ हुनका मदति करबाक लेल
यीशु सँ विनती कयलकनि। 39 सिमोनक
सासुक लग मे जा कऽ यीशु बोखार केँ
उतरि जयबाक आज्ञा देलथिन, तँ हुनकर
बोखार उतरि गेलनि। ओ तुरत उठि कऽ
हिनका सभक सेवा-सत्कार करऽ मे लागि
गेलीह।

40 सूर्यास्त भेला पर जकरा-जकरा
ओहिठाम विभिन्न बिमारी सँ पीड़ित
लोक सभ छलैक, से सभ ओकरा सभ केँ
यीशु लग आनऽ लागल। प्रत्येक पर हाथ
राखि कऽ ओ ओकरा सभ केँ स्वस्थ कऽ
देलथिन। 41 बहुत लोक मे सँ दुष्टात्मा
सभ सेहो एना चिकरि कऽ कहैत निकलि
आयल जे, “अहाँ परमेश्वरक पुत्र छी!”
मुदा ओ ओहि दुष्टात्मा सभ केँ डँटलथिन
आ बाजऽ नहि देलथिन, कारण ओ सभ
जनैत छल जे ई उद्धारकर्ता-मसीह छथि।

42 भोर भेला पर यीशु कोनो एकान्त
स्थान मे चल गेलाह। लोक सभ तकैत-
तकैत हुनका लग पहुँचल आ हुनका
रोकलकनि जे, अहाँ हमरा सभ केँ छोड़ि
कऽ नहि जाउ। 43 मुदा ओ उत्तर देलथिन,
“हमरा तँ परमेश्वरक राज्यक शुभ
समाचार दोसरो-दोसरो नगर मे सुनयबाक
अछि, किएक तँ हम एही लेल पठाओल
गेल छी।” 44 अतः ओ यहूदिया प्रदेशक*
सभाघर सभ मे प्रचारक काज करैत
रहलाह।

यीशुक सभ सँ पहिलुका शिष्य सभ

(मत्ती 4.18-22; मरकुस 1.16-20)

5 एक दिन यीशु जखन गन्नेसरत
झीलक* कछेर पर ठाढ़ छलाह,
आ लोक सभक भीड़ परमेश्वरक वचन
सुनबाक लेल हुनका चारू कात सँ ठेलम-
ठेल करैत घेरने छलनि, 2 तँ हुनकर नजरि
कछेर पर लागल दूटा नाव पर पड़लनि।
मछबार सभ ओतऽ नाव छोड़ि कऽ अपन
जाल धोइत छल। 3 ओहि मे एकटा नाव
जे सिमोनक छलनि, यीशु ताहि पर चढ़ि
कऽ सिमोन केँ कहलथिन जे, नाव केँ
कछेर सँ हटा कऽ कनेक पानि मे लऽ जा
कऽ ठाढ़ करू। तखन नाव पर बैसि कऽ
यीशु ओही पर सँ लोक सभ केँ उपदेश
देबऽ लगलथिन।

4 उपदेश समाप्त भेला पर यीशु सिमोन
केँ कहलथिन, “नाव केँ गहींर पानि मे

4:44 किछु हस्तलेख मे “यहूदिया प्रदेशक”क स्थान मे “गलील प्रदेशक” लिखल अछि।
5:1 अर्थात्, गलील झीलक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लऽ चलू, आ माछ पकड़बाक लेल जाल खसाउ।”
5 सिमोन कहलथिन, “मालिक, हम सभ राति भरि परिश्रम कयलहुँ और एकोटा माछ नहि पकड़ायल। मुदा अहाँ जँ कहैत छी तँ हम फेर जाल खसायब।”
6 ओ सभ जाल उतारलनि तँ ततेक माछ पड़लनि जे जाल फाटऽ लगलनि।
7ई देखि ओ सभ अपना संगी सभ, जे दोसर नाव मे छलनि, तिनका सभ केँ संकेत कयलथिन जे, आउ, हमर सभक सहायता करू। ओ सभ आबि कऽ दूनू नाव केँ माछ सँ ततेक भरि लेलनि जे आब नाव डुबऽ लागल।
8 सिमोन पत्रुस ई देखि यीशुक पयर पर खसि कऽ कहलथिन, “यौ प्रभु, हमरा लग सँ चल जाउ, किएक तँ हम पापी
आदमी छी।” 9सिमोन और हुनकर संगी सभ एतेक माछ केँ पकड़यला सँ चकित
भऽ गेल छलाह। 10तहिना जबदीक पुत्र याकूब और यूहन्ना, जे सिमोनक हिस्सेदार छलथिन, सेहो चकित भेलाह।
एहि पर यीशु सिमोन केँ कहलथिन, “डेराउ नहि! आब अहाँ मनुष्य सभ केँ
पकड़ब।” 11ओ सभ नाव केँ कछेर पर घीचि कऽ अनलनि, और सभ किछु ओतहि छोड़ि कऽ हुनका संग लागि गेलाह।

कुष्ठ-रोगी स्वस्थ कयल गेल

(मत्ती 8.1-4; मरकुस 1.40-45)

12 एक बेर जखन यीशु कोनो नगर मे छलाह, तँ ओतऽ एक आदमी छल जकरा सौंसे देह मे कुष्ठ-रोगक घाव भऽ गेल छलैक। यीशु केँ देखि कऽ ई आदमी हुनका सामने मे मुँह भरे खसि कऽ विनती करऽ लगलनि जे, “यौ प्रभु! अहाँ जँ चाही तँ हमरा शुद्ध कऽ सकैत छी।”
13 यीशु अपन हाथ बढ़ा ओकरा छुबि कऽ कहलथिन, “हम अवश्य चाहैत छिअह! तोँ शुद्ध भऽ जाह!” ओकर कुष्ठ-रोग तुरत्ते छुटि गेलैक।
14 यीशु ओकरा आदेश देलथिन, “ई बात ककरो नहि कहिअहक, मुदा जा कऽ अपना केँ पुरोहित केँ देखाबह, और शुद्ध होयबाक विषय मे मूसाक लिखल नियमक अनुसार, जे बलिदान चढ़यबाक अछि से चढ़ाबह। एहि तरहेँ सभक लेल गवाही रहत जे तोँ शुद्ध भऽ गेल छह।”
15 तैयो यीशुक चर्चा आरो बहुत पसरैत गेलनि, और हाँजक-हाँज लोक सभ हुनकर उपदेश सुनबाक लेल आ अपन बिमारी सँ स्वस्थ होयबाक लेल हुनका
लग अबैत रहल। 16मुदा यीशु एकान्त स्थान मे प्रार्थना करबाक लेल निकलि जाइत छलाह।

लकवा मारल आदमी स्वस्थ कयल गेल

(मत्ती 9.1-8; मरकुस 2.1-12)

17 एक दिन यीशु जखन उपदेश दऽ रहल छलाह, तँ हुनका लग मे फरिसी आ धर्मशिक्षक सभ बैसल छलनि, जे सभ गलील प्रदेशक सभ गाम सँ, यहूदिया प्रदेश सँ आ यरूशलेम सँ आयल छलाह। रोगी सभ केँ स्वस्थ करबाक लेल प्रभु-परमेश्वरक सामर्थ्य हुनका संग छलनि।
18किछु लोक एकटा लकवा मारल आदमी केँ खाट पर लदने आयल, और ओकरा यीशुक सामने मे रखबाक लेल घरक भीतर लऽ जयबाक कोशिश
कयलक। 19मुदा भीड़क कारणेँ जखन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कोनो रस्ता नहि भेटलैक, तँ ओ सभ चार
पर चढ़ि गेल, आ खपड़ा हटा कऽ ओकरा
खाट सहित लोकक बीच मे यीशुक ठीक
सामने मे उतारि देलकैक।
20 यीशु ओकर सभक विश्वास देखि
कऽ कहलथिन, “हौ भाइ, तोहर पाप माफ
भेलह।”
21 एहि पर फरिसी आ धर्मशिक्षक सभ
अपना मोन मे सोचऽ लगलाह जे, “ई के
अछि जे परमेश्वरक निन्दा कऽ रहल
अछि? परमेश्वर कैँ छोड़ि आओर के
पाप कैँ माफ कऽ सकैत अछि?”
22 हुनकर सभक मोनक बात बुझि यीशु
पुछलथिन, “अहाँ सभ अपना-अपना मोन
मे एहन बात किएक सोचैत छी? 23 आसान
की अछि—ई कहब जे ‘तोहर पाप माफ
भेलह,’ वा ई जे, ‘उठि कऽ चलह-फिरह’?
24 मुदा जाहि सँ अहाँ सभ ई बात बुझि जाइ
जे मनुष्य-पुत्र कैँ पृथ्वी पर पाप कैँ माफ
करबाक अधिकार छनि, हम एकरा कहैत
छी...” तखन ओ लकवा मारल आदमी कैँ
कहलथिन, “हम तोरा कहैत छिअह, उठह,
अपन खाट उठाबह आ घर चल जाह!”
25 ओ तुरत सभक सामने मे ठाढ़ भऽ गेल,
और जाहि खाट पर ओ पड़ल रहैत छल,
से उठा लेलक आ परमेश्वरक स्तुति
करैत घर चल गेल। 26 सभ लोक कैँ बहुत
आश्चर्य लगलैक। ओ सभ परमेश्वरक
प्रशंसा करैत आ हुनकर डर मानैत कहऽ
लागल, “आइ तँ हम सभ बहुत अद्‌भुत
बात सभ देखलहुँ अछि!”

लेवी यीशुक शिष्य

(मत्ती 9.9-13; मरकुस 2.13-17)

27 तकरबाद यीशु जखन बाहर गेलाह
तँ लेवी नामक एक कर असूल कयनिहार
कैँ कर असूल करऽ वला स्थान मे बैसल
देखलनि। यीशु कहलथिन, “हमरा पाछाँ
आउ।” 28 लेवी उठलाह और सभ किछु
छोड़ि-छाड़ि कऽ हुनका संग विदा भऽ
गेलाह।
29 लेवी अपना ओहिठाम यीशुक
सत्कारक लेल बड़का भोज कयलनि।
हुनका सभक संग दोसरो कर असूल करऽ
वला सभ आ आरो-आरो बहुत लोक सभ
भोजन पर बैसल छलाह। 30 तँ फरिसी आ
ओहि पंथक धर्मशिक्षक सभ यीशुक शिष्य
सभ पर दोष लगबैत कहलथिन, “अहाँ
सभ कर असूल करऽ वला आ पापी
सभक संग किएक खाइत-पिबैत छी?”
31 यीशु उत्तर देलथिन, “स्वस्थ लोक
कैँ वैद्यक आवश्यकता नहि होइत
छैक, बल्कि बिमार लोक कैँ। 32 हम
धार्मिक सभ कैँ नहि, बल्कि पापी सभ कैँ
बजयबाक लेल आयल छी जाहि सँ ओ
सभ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ
कऽ हृदय-परिवर्तन करय।”

नव बात, नव तरीका

(मत्ती 9.14-17; मरकुस 2.18-22)

33 तखन ओ सभ यीशु कैँ कहलथिन,
“यूहन्नाक शिष्य सभ बेर-बेर उपास करैत
रहैत छथि आ प्रार्थना मे लागल रहैत
छथि, आ तहिना फरिसी सभक शिष्य
सभ सेहो करैत छथि, मुदा अहाँक शिष्य
सभ तँ खाइत-पिबैत रहैत अछि।”
34 यीशु उत्तर देलथिन, “जाबत तक
वरियातीक संग वर अछि, ताबत तक की
वरियाती सँ उपास करा सकैत छी? नहि!
35 मुदा ओ समय आओत जहिया वर
ओकरा सभक बीच सँ हटा लेल जायत;
ओ सभ तहिये उपास करत।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

36 तखन यीशु हुनका सभ केँ ई दृष्टान्त
दैत कहलथिन, “केओ नयाँ कपड़ा मे सँ
फाड़ि कऽ पुरान कपड़ा पर चेफरी नहि
लगबैत अछि। एना जँ करत, तँ नयाँ
कपड़ा तँ फाटिए गेल, आ पुरान कपड़ा
पर नयाँ कपड़ाक चेफरी मिलबो नहि
करत। 37 तहिना केओ नव दारू पुरान
चमड़ाक थैली मे नहि रखैत अछि। कारण,
एना जँ करत, तँ नव दारू ओहि थैली केँ
फाड़ि देत, दारू बहि जायत, आ थैलिओ
नष्ट भऽ जायत। 38 नहि! नव दारू नये
थैली मे राखऽ पड़ैत अछि। 39 आ पुरान
दारू पिला पर नव दारू पिबाक ककरो
इच्छा नहि होइत छैक। ओ कहैत अछि
जे, पुराने नीक अछि।”

यीशु—विश्राम-दिनक मालिक

(मत्ती 12.1-14; मरकुस 2.23-28; 3.1-6)

6 कोनो विश्राम-दिन कऽ यीशु खेत दऽ
कऽ जा रहल छलाह; हुनकर शिष्य
सभ अन्नक बालि तोड़ि हाथ सँ मीड़ि-
मीड़ि कऽ खाय लगलाह। 2 एहि पर किछु
फरिसी सभ कहलथिन, “जे काज विश्राम-
दिन मे करब धर्म-नियमक अनुसार मना
अछि, से अहाँ सभ किएक कऽ रहल
छी?”

3 यीशु उत्तर देलथिन, “की अहाँ
सभ कहियो नहि पढ़ने छी जे, दाऊद
आ हुनकर संगी सभ जखन भुखायल
छलाह तँ ओ की कयलनि? 4 ओ
परमेश्वरक भवन मे जा कऽ परमेश्वर
केँ चढ़ाओल रोटी लऽ लेलनि। जाहि
रोटी केँ खयबाक अधिकार पुरोहित
केँ छोड़ि आरो ककरो नहि छलैक,
तकरा ओ अपनो खयलनि आ संगियो
सभ केँ देलथिन।” 5 तकरबाद यीशु इहो
कहलथिन, “मनुष्य-पुत्र विश्रामो-दिनक
मालिक छथि।”

6 एक अन्य विश्राम-दिन यीशु सभाघर
मे जा कऽ उपदेश देबऽ लगलाह।
ओहिठाम एक आदमी छल जकर दहिना
हाथ सुखायल छलैक। 7 फरिसी आ
धर्मशिक्षक सभ यीशु पर दोष लगयबाक
आधारक लेल हुनका पर नजरि गड़ौने
छलाह जे, देखी ओ विश्राम-दिन मे ककरो
स्वस्थ करताह वा नहि। 8 यीशु हुनकर
सभक विचार बुझि गेलाह। तँ ओ सुखल
हाथ वला आदमी केँ कहलथिन, “उठह!
सभक आगाँ मे ठाढ़ होअह।” ओ उठि
कऽ ठाढ़ भेल।

9 तखन यीशु लोक सभ केँ कहलथिन,
“एकटा बात हम अहाँ सभ सँ पुछैत छी।
विश्राम-दिन मे धर्म-नियमक अनुसार
की करब उचित होयत—नीक वा
अधलाह? ककरो जीवनक रक्षा करब
वा नष्ट करब?” 10 तखन ओ चारू दिस
सभ पर नजरि दऽ कऽ ओहि आदमी केँ
कहलथिन, “अपन हाथ बढ़ाबह।” ओ
हाथ बढ़ौलक, आ ओकर हाथ एकदम
ठीक भऽ गेलैक।

11 मुदा एहि पर फरिसी आ धर्मशिक्षक
सभ क्रोध सँ भरि गेलाह और एक-
दोसराक संग विचारऽ लगलाह जे अपना
सभ यीशु केँ की करी?

बारह मसीह-दूत

(मत्ती 10.1-4; मरकुस 3.13-19)

12 ओहि समय मे एक दिन यीशु प्रार्थना
करबाक लेल पहाड़ पर गेलाह, आ भरि
राति परमेश्वर सँ प्रार्थना कयलनि। 13 भोर
भेला पर ओ अपना शिष्य सभ केँ अपना
लग बजौलनि और ओहि मे सँ बारह

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गोटे केँ चुनि कऽ हुनका सभ केँ अपन
“दूत” कहलथिन। 14ओ लोकनि यैह सभ
छलाह—सिमोन, जिनका ओ “पत्रुस”
नाम देलथिन, हुनकर भाय अन्द्रेयास,
याकूब और यूहन्ना, फिलिपुस, बरतुल्मै,
15मत्ती, थोमा, अल्फेयासक पुत्र याकूब,
सिमोन, जे “देश-भक्त”* कहबैत छलाह,
16याकूबक पुत्र यहूदा, और यहूदा
इस्करियोती जे बाद मे विश्वासघाती भऽ
गेलनि।

यीशु विशाल जनसमूहक बीच

(मत्ती 4.23-25)

17 यीशु हिनका सभक संग पहाड़ पर
सँ नीचाँ आबि एक समतल स्थान मे ठाढ़
भेलाह। ओतऽ हुनकर शिष्यक विशाल
समूह और आन-आन ठामक लोक सभक
बड़का भीड़ छल। ओ सभ सौंसे यहूदिया
प्रदेश सँ, यरूशलेम सँ, और समुद्रक
कछेर पर बसल सूर आ सीदोन नगर सँ
हुनकर उपदेश सुनबाक लेल और अपना
बिमारी सँ स्वस्थ होयबाक लेल ओतऽ
आयल छल। 18दुष्टात्मा* सँ पीड़ित
लोक सभ सेहो ठीक कयल जाइत छल।
19सभ केओ यीशु केँ छुबाक कोशिश
करैत छल, कारण, हुनका मे सँ जे सामर्थ्य
बहराइत छल, ताहि सँ सभ लोक स्वस्थ
होइत छल।

धन्य के अछि?

(मत्ती 5.1-12)

20 यीशु अपना शिष्य सभक दिस तकैत
कहऽ लगलथिन,

“धन्य छी अहाँ सभ, जिनका किछु
नहि अछि,
किएक तँ परमेश्वरक राज्य अहाँ
सभक अछि।
21 धन्य छी अहाँ सभ, जे एखन भूखल
छी,
किएक तँ अहाँ सभ तृप्त कयल
जायब।
धन्य छी अहाँ सभ, जे एखन कनैत
छी,
किएक तँ अहाँ सभ हँसब।

22 “धन्य छी अहाँ सभ जखन लोक
सभ मनुष्य-पुत्रक कारणेँ अहाँ सभ सँ घृणा
करत, अपना समाज सँ बारि देत, अहाँ
सभ केँ अपमानित करत, और दुष्ट मानि
कऽ अहाँ सभक नामो नहि लेत। 23तहिया
अहाँ सभ आनन्द मनाउ और खुशी सँ
कुदू-फानू, किएक तँ स्वर्ग मे अहाँ सभक
लेल बड़का इनाम राखल अछि। ठीक
एहने व्यवहार ओकरा सभक पूर्वज सभ
परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक संग सेहो
कयने छलनि।

24 मुदा धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ, जे
सम्पत्तिशाली छी,
किएक तँ अहाँ सभ अपन सभ
सुख भोगि लेने छी।
25 धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ, जे
एखन तृप्त छी,
किएक तँ अहाँ सभ भूखल रहब।
धिक्कार अछि अहाँ सभ केँ, जे
एखन हँसैत छी,
किएक तँ अहाँ सभ शोक मनायब
आ कानब।

6:15 मूल मे “जेलोतेस”, जकर शाब्दिक अर्थ अछि “उत्साही”, और जे यहूदी राष्ट्रवादी एक दलक नाम छल। **6:18** मूल मे, “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

26 “धिक्कार अहाँ सभ केँ, जखन सभ
लोक अहाँ सभक प्रशंसा करत, किएक
तँ ठीक एहने व्यवहार ओकर सभक
पूर्वज सभ ताहि लोकक संग सेहो कयने
छलैक जे सभ झूठ बाजि कऽ अपना केँ
परमेश्वरक प्रवक्ता कहैत छल।

दुश्मन सँ प्रेम

(मत्ती 5.38-48; 7.12)

27 “मुदा हम अहाँ सभ केँ, जे हमर बात
सुनि रहल छी, कहैत छी जे, अपना शत्रु
सभ सँ प्रेम करू; जे सभ अहाँ सँ घृणा
करैत अछि, तकरा सभक संग भलाइ
करू। 28जे सभ अहाँ केँ सराप दैत अछि,
तकरा सभ केँ आशीर्वाद दिऔक। जे
सभ अहाँक संग दुर्व्यवहार करैत अछि,
तकरा सभक लेल प्रभु सँ प्रार्थना करू।
29जँ केओ अहाँक एक गाल पर थप्पड़
मारैत अछि, तँ ओकरा समक्ष दोसरो गाल
कऽ दिऔक। जँ केओ अहाँक ओढ़ना
छिनैत अछि, तँ अपन कुर्तो ओकरा लेबऽ
दिऔक। 30जे केओ अहाँ सँ किछु माँगय
तकरा दिऔक, आ जँ केओ अहाँक
कोनो वस्तु लऽ लेत तँ ओकरा सँ फेर नहि
माँगू। 31जेहन व्यवहार अहाँ चाहैत छी जे
लोक अहाँक संग करय, तेहने व्यवहार
अहूँ लोकक संग करू।

32 “जँ तकरे सभ सँ प्रेम करैत छी जे
सभ अहाँ सँ प्रेम करैत अछि, तँ ओहि
मे अहाँक प्रशंसाक कोन बात भेल?
‘पापिओ’ सभ तकरा सभ सँ प्रेम करैत
अछि जे सभ ओकरा सभ सँ प्रेम करैत
छैक। 33आ जँ अहाँ तकरे सभक भलाइ
करैत छी जे सभ अहाँक भलाइ करैत
अछि, तँ ओहि मे अहाँक कोन बड़प्पन?
‘पापिओ’ सभ तँ एहिना करैत अछि।
34और जँ अहाँ तकरे सभ केँ पैंच-उधार
दैत छी जकरा सँ फेर फिरता पयबाक
आशा रखैत छी, तँ ओहि मे अहाँक कोन
प्रशंसा? ‘पापिओ’ सभ तँ ई आशा राखि
कऽ जे हमरा फेर पूरा भेटि जायत ‘पापी’
सभ केँ पैंच-उधार दैत छैक। 35नहि!
अपना दुश्मनो सभ सँ प्रेम करू! ओकरा
सभक संग भलाइ करू, और फेर फिरता
पयबाक आशा नहि राखि कऽ पैंच-उधार
दिऔक। अहाँक इनाम पैघ होयत, और
परम-परमेश्वरक सन्तान ठहरब। कारण,
जे सभ धन्यवाद देबाक भावना नहि
रखैत अछि आ दुष्ट अछि, तकरो सभ
पर ओ कृपा करैत छथिन। 36दयालु बनू,
जहिना अहाँक पिता दयालु छथि।

दोसर केँ दोषी नहि ठहराउ

(मत्ती 7.1-5)

37 “दोसराक न्याय नहि करू, तँ अहूँक
न्याय नहि कयल जायत। दोसर केँ दोषी
नहि ठहराउ, तँ अहूँ दोषी नहि ठहराओल
जायब। माफ करिऔक, तँ अहूँ केँ माफ
कयल जायत। 38दिऔक, तँ अहूँ केँ देल
जायत। पूरा-पूरी नाप, दबा-दबा कऽ,
हिला-डोला कऽ आ उमड़ा-उमड़ा कऽ
अहाँ केँ देल जायत। किएक तँ जाहि नाप
सँ अहाँ नपैत छी, ताहि नाप सँ अहूँ केँ
देल जायत।”

39 तकरबाद ओ हुनका सभ केँ ई
दृष्टान्त दैत कहलथिन, “की एक
आन्हर दोसर आन्हर केँ बाट देखा
सकैत अछि? की एहि तरहेँ दूनू खधिया
मे नहि खसत? 40चेला अपना गुरु सँ
पैघ नहि होइत अछि, मुदा जखन ओ
पूर्ण शिक्षा प्राप्त करत तखन अपना गुरु
जकाँ बनत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

41 “अहाँ अपन भायक आँखि मेहक
काठक कुन्नी किएक देखैत छी? की
अपना आँखि मेहक ढेंग नहि सुझाइत
अछि? 42 अपना भाय केँ अहाँ कोना
कहैत छी जे, ‘हौ भाइ, लाबह, हम तोरा
आँखि मे सँ ओ कुन्नी निकालि दैत
छिअह’, जखन कि अपना आँखि मेहक
ढेंग नहि देखैत छी? हे पाखण्डी! पहिने
अपना आँखि मेहक ढेंग निकालि लिअ,
तखने अपन भायक आँखि मेहक कुन्नी
निकालबाक लेल अहाँ ठीक सँ देखि
सकब।

नीके गाछ मे नीक फल

(मत्ती 7.16-20; 12.33-35)

43 “नीक गाछ मे खराब फल नहि
फड़ैत अछि, आ ने खराब गाछ मे नीक
फल। 44 प्रत्येक गाछ ओकर अपन फल
सँ चिन्हल जाइत अछि। लोक काँटक
गाछ सँ अंजीर-फल नहि तोड़ैत अछि, आ
ने काँटक झाड़ी सँ अंगूर। 45 नीक मनुष्य
नीक वस्तु सँ भरल अपना हृदयक भण्डार
मे सँ नीक वस्तु सभ निकालैत अछि, और
अधलाह मनुष्य अपन अधलाह वस्तु सँ
भरल भण्डार मे सँ अधलाह वस्तु सभ
बाहर करैत अछि। कारण, जाहि बात सँ
ओकर हृदय भरल छैक, सैह बात सभ
ओकरा मुँह सँ बहराइत रहैत छैक।

दू तरहक न्यो

(मत्ती 7.24-27)

46 “हमरा ‘प्रभु, प्रभु’ किएक कहैत छी,
जखन की हमर कहल नहि करैत छी?
47 आब हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, जे
केओ हमरा लग अबैत अछि और हमर
बात सुनि कऽ ओकर पालन करैत अछि,
से केहन अछि। 48 ओ ताहि आदमी सनक
अछि जे घर बनयबाक समय मे गहींर तक
खुनि कऽ पाथर पर न्यो रखलक। जखन
बाढ़ि आयल और बाढ़िक रेत ओहि घर
सँ टकरायल तँ ओकरा हिला नहि सकल,
कारण ओ घर मजगूती सँ बनाओल गेल
छल। 49 मुदा जे केओ हमर बात सुनैत
अछि और ओकर पालन नहि करैत
अछि, से ताहि आदमी जकाँ अछि जे बिनु
न्यो रखनहि सोझे माटि पर घर बनौलक।
ओहि घर सँ बाढ़िक पानि टकराइत देरी
ओ घर खसि पड़ल आ पूरा नष्ट भऽ
गेल।”

रोमी कप्तानक विश्वास

(मत्ती 8.5-13)

7 यीशु ई सभ उपदेश लोक सभ केँ
सुनौलाक बाद कफरनहूम नगर मे
अयलाह। 2 ओतऽ रोमी सेनाक एकटा
कप्तान छलाह जिनकर अति प्रिय नोकर
बिमार भऽ कऽ मरऽ पर छलनि। 3 ओ
कप्तान यीशुक बारे मे सुनि कऽ हुनका
लग किछु यहूदी बूढ़-प्रतिष्ठित सभ केँ
निवेदन करबाक लेल पठौलथिन जे ओ
आबि कऽ हुनका नोकर केँ स्वस्थ कऽ
देथि। 4 ओ सभ यीशु लग पहुँचि कऽ बहुत
आग्रहपूर्बक विनती कयलथिन जे, “ओ
आदमी एहि जोगरक छथि जे अहाँ हुनकर
ई काज कऽ दियनि। 5 ओ अपना सभक
जाति सँ प्रेम करैत छथि, और हमरा
सभक सभाघर वैह बनबा देने छथि।”
6 यीशु हुनका सभक संग विदा भऽ
गेलथिन। ओ जखन कप्तानक घरक
लग मे पहुँचलाह तँ कप्तान अपन किछु
संगी सभ केँ हुनका लग ई कहबाक लेल
पठौलथिन जे, “यौ प्रभु, अपने आरो कष्ट

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नहि कयल जाओ। हम एहि जोगरक नहि
छी जे अपने हमरा घर मे आबी, 7आ ने
हम अपना केँ एहू जोगरक बुझलहुँ जे
हम अपने लग जाइ। तेँ मात्र आज्ञा देल
जाओ और हमर नोकर स्वस्थ भऽ जायत।
8कारण हमहूँ शासनक अधीन मे छी, और
हमरा अधीन मे सैनिक सभ अछि। हम
एकटा केँ कहैत छिऐक, ‘जाह,’ तँ ओ
जाइत अछि; दोसर केँ कहैत छिऐक,
‘आबह,’ तँ ओ अबैत अछि। अपना
नोकर केँ कहैत छिऐक, ‘ई काज करह,’
तँ ओ करैत अछि।”

9 कप्तानक एहि बात सभ सँ यीशु केँ
आश्चर्य लगलनि। ओ भीड़क लोक सभ
जे हुनका पाछाँ चलि रहल छल तकरा
सभक दिस घूमि कऽ कहलथिन, “हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, एहन विश्वास
हमरा कतौ नहि भेटल अछि—इस्राएलिओ
सभ मे नहि।” 10कप्तानक पठाओल संगी
सभ जखन घुरि कऽ अयलाह तँ देखलनि
जे नोकर एकदम स्वस्थ भऽ गेल अछि।

विधवाक बेटा जिआओल गेल

11 किछु दिनक बाद यीशु नाइन
नामक नगर गेलाह। हुनका संग हुनकर
शिष्य सभ और बहुत बड़का भीड़ सेहो
छलनि। 12यीशु जखन नगरक फाटक
लग पहुँचलाह तँ देखैत छथि जे लोक
सभ एक मुइल आदमी केँ नगर सँ बाहर
लऽ जा रहल अछि। ओ मुइल आदमी
अपना मायक एकमात्र बेटा छल और
ओकर माय विधवा छलैक। विधवाक
संग नगरक बहुते लोक सभ छलैक।
13ओकरा देखि कऽ प्रभु केँ बहुत दया
लगलनि, और ओ कहलथिन, “नहि
कानह।”

14 तकरबाद ओ आगाँ बढ़ि कऽ अर्थी
केँ छुलनि। ताहि पर कान्ह देनिहार सभ
ठाढ़ भऽ गेल। ओ कहलथिन, “हौ युवक,
हम तोरा कहैत छिअह, उठह!” 15मुइल
आदमी उठि बैसल, और बाजऽ लागल।
यीशु ओकरा मायक जिम्मा मे लगा
देलथिन।

16 ई देखि लोक सभ केँ बड़का डर
सन्हिया गेलैक। ओ सभ परमेश्वरक
स्तुति करैत कहऽ लागल, “हमरा सभक
बीच मे परमेश्वरक एक पैघ प्रवक्ता
आबि गेल छथि! परमेश्वर अपना लोक
पर दया करबाक लेल उतरि आयल
छथि!” 17यीशुक सम्बन्ध मे ई खबरि
सौंसे यहूदिया प्रदेश मे और लग-पासक
सभ क्षेत्र मे पसरि गेल।

यूहन्नाक प्रश्न आ यीशुक उत्तर

(मत्ती 11.2-19)

18 यूहन्नाक शिष्य सभ हुनका एहि
सभ बातक बारे मे कहि सुनौलथिन।
एहि पर यूहन्ना अपना शिष्य सभ मे सँ दू
गोटे केँ बजा कऽ ई बात पुछबाक लेल
प्रभु लग पठौलथिन जे, 19“ओ जे आबऽ
वला छलाह, से की अहीं छी, वा हम सभ
दोसराक बाट ताकू?”

20 ओ सभ यीशु लग आबि कऽ
कहलथिन, “बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
हमरा सभ केँ अहाँ सँ ई पुछबाक लेल
पठौलनि अछि जे, ओ जे आबऽ वला
छलाह, से की अहीं छी, वा हम सभ
दोसराक बाट ताकू?”

21 ओही काल मे यीशु बहुत लोक केँ
बिमारी, पीड़ा और दुष्टात्मा सभ सँ मुक्त
कऽ देलथिन, और बहुत आन्हर सभ केँ
देखबाक शक्ति देलथिन। 22तखन ओ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्नाक शिष्य सभ कैँ उत्तर देलथिन,
“अहाँ सभ जे किछु देखलहुँ और सुनलहुँ
से सभ बात जा कऽ यूहन्ना कैँ सुना
दिऔन—आन्हर सभ देखि रहल अछि,
नाङड़ सभ चलि-फिरि रहल अछि, कुष्ठ-
रोगी सभ स्वस्थ कयल जा रहल अछि,
बहीर सभ सुनि रहल अछि, मुइल सभ
जिआओल जा रहल अछि, और असहाय
सभ कैँ शुभ समाचार सुनाओल जा रहल
छैक। 23 धन्य अछि ओ जे हमरा कारणेँ
अपना विश्वास कैँ नहि छोड़ैत अछि।”

24 यूहन्ना द्वारा पठाओल शिष्य सभ
जखन चल गेलाह तँ यीशु यूहन्नाक बारे मे
भीड़क संग बात करैत पुछलथिन, “अहाँ
सभ निर्जन क्षेत्र मे की देखबाक लेल गेल
छलहुँ? हवा सँ हिलैत खड़ही कैँ?...
25 तखन की देखऽ लेल निकलल छलहुँ?
बढ़ियाँ-बढ़ियाँ वस्त्र पहिरने कोनो मनुष्य
कैँ? नहि, कारण जे सभ नीक-नीक वस्त्र
पहिरैत अछि और सुख-विलासक जीवन
बितबैत अछि, से सभ राजभवन मे भेटैत
अछि। 26 तँ फेर की देखबाक लेल गेल
छलहुँ? परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता कैँ?
हँ! हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी, प्रवक्तो
सँ पैघ व्यक्ति कैँ देखलहुँ! 27 ई वैह दूत
छथि जिनका सम्बन्ध मे धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि,

प्रभु कहैत छथि,
‘देखू, अहाँ सँ पहिने हम अपन दूत
पठायब,
जे अहाँक आगाँ-आगाँ अहाँक बाट
तैयार करत।’ *

28 हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, मनुष्य सभ
मे यूहन्ना सँ पैघ केओ कहियो जन्म नहि
लेने अछि। तैयो परमेश्वरक राज्य मे जे सभ
सँ छोट अछि, से हुनका सँ पैघ अछि।

29 “सभ लोक—कर असूल करऽ वला
सभ सेहो—यूहन्नाक बात सुनि कऽ ई
मानि लेलक जे परमेश्वरक बात ठीक
अछि, कारण ओ सभ यूहन्ना सँ बपतिस्मा
लेलक। 30 मुदा फरिसी और धर्म-नियमक
पंडित सभ हुनका सँ बपतिस्मा नहि लऽ
कऽ हुनका सभक लेल जे परमेश्वरक
योजना छलनि, तकरा ओ सभ व्यर्थ कऽ
लेलनि।”

31 यीशु आगाँ कहलथिन, “तँ एहि
पीढ़ीक लोकक तुलना हम कोन बात
सँ करू जे ई सभ केहन अछि? 32 ई सभ
बजार मे बैसल ओहि बच्चा सभ सनक
अछि जे, एक-दोसर कैँ सोर पारि कऽ
कहैत अछि,

‘हम सभ तँ तोरा सभक लेल बाँसुरी
बजौलिऔ, मुदा तोँ सभ नचलेँ
नहि।
हम सभ कन्ना-रोहटि कयलिऔ,
मुदा तोँ सभ कनलेँ नहि।’

33 कारण, बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना
अयलाह, और लोक सभ जकाँ रोटी नहि
खाइत छथि, मदिरा नहि पिबैत छथि
तँ अहाँ सभ कहैत छी जे, ‘ओकरा मे
दुष्टात्मा छैक।’ 34 मनुष्य-पुत्र आयल,
और खाइत-पिबैत अछि, तँ अहाँ सभ
कहैत छी जे, ‘यैह देखू! केहन पेटू आ
पिअक्कड़! कर असूल करऽ वला आ
पापी सभक संगी!’ 35 मुदा परमेश्वरक
बुद्धि ठीक अछि, से बात तेहन लोक द्वारा
प्रमाणित होइत अछि जे सभ ओहि बुद्धिक
अनुसार चलैत अछि।”

7:27 मला 3.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पापिनि स्त्री केँ क्षमादान

36 एक फरिसी यीशु केँ अपना संग
भोजन करबाक निमन्त्रण देलथिन। यीशु
हुनका घर गेलाह, और भोजन करबाक
लेल बैसलाह। **37** ओहि नगर मे रहऽ वाली
एकटा स्त्रीगण, जे पापी जीवन बितबैत
छलि, जखन सुनलक जे यीशु ओहि
फरिसीक घर मे भोजन पर बैसल छथि,
तँ ओ संगमरमरक बर्तन मे सुगन्धित
तेल लऽ कऽ आयल। **38** कनैत-कनैत
ओ यीशुक पाछाँ पयर लग ठाढ़ भेलि,
और ओकर नोर हुनकर पयर पर खसैत
छलैक। ओ हुनकर पयर अपना केश सँ
पोछऽ लगलनि, और पयरक चुम्मा लैत
ओहि पर तेल लगाबऽ लगलनि।

39 ओ फरिसी जे हुनका बजौने छलथिन
से ई देखि अपना मोन मे सोचलनि, "ई
आदमी जँ वास्तव मे परमेश्वरक प्रवक्ता
रहैत तँ केहन स्त्री ओकरा छुबि रहल
छैक, से ओ जनने रहैत—ओ बुझि जाइत
जे ई केहन पापिनि अछि!"

40 यीशु जबाब देलथिन, "सिमोन,
हमरा अहाँ केँ किछु कहबाक अछि।" ओ
कहलथिन, "गुरुजी, बाजू ने।"

41 "कोनो महाजन केँ दूटा ऋणी छलनि।
ओहि मे सँ एकटा पर पाँच सय 'दिनार'
ऋण छलनि, आ दोसर पर पचास 'दिनार'।
42 दूनू लग अपन ऋण चुकयबाक लेल
किछु नहि छलैक, तँ महाजन दूनू केँ माफ
कऽ देलथिन। आब ओहि दूनू मे सँ कोन
हुनका बेसी मानतनि?"

43 सिमोन उत्तर देलथिन, "हमरा होइत
अछि जे ओ, जकर बेसी ऋण माफ
भेलैक।"

यीशु कहलथिन, "अहाँ ठीक कहलहुँ।"

44 तखन ओहि स्त्रीगणक दिस घूमि
कऽ ओ सिमोन केँ कहलथिन, "एहि
स्त्री केँ देखैत छिऐक? हम अहाँक घर मे
अयलहुँ, तँ अहाँ हमरा पयर धोबाक लेल
पानि नहि देलहुँ, मुदा ई हमर पयर अपन
नोर सँ धोलक आ केश सँ पोछलक।
45 अहाँ चुम्मा लऽ कऽ हमर स्वागत नहि
कयलहुँ, मुदा जखने हम घर मे अयलहुँ
तखने सँ ई हमर पयरक चुम्मा लैते अछि।
46 अहाँ हमर माथ मे तेल नहि लगौलहुँ,
मुदा ई हमर पयर पर सुगन्धित तेल
लगौलक। **47** तेँ, हम अहाँ केँ कहैत छी जे,
एकर पाप, जे बहुते अछि, से सभ माफ
कयल गेल अछि, कारण देखू—कतेक
प्रेम कयलक! मुदा जकरा कम माफ भेल
छैक, से कम प्रेम करैत अछि।"

48 तखन ओ स्त्री केँ कहलथिन, "तोहर
पाप माफ भेलह।"

49 जे सभ हुनका संग भोजन पर बैसल
छल, से सभ अपना मे कहऽ लागल, "ई
के छथि जे पापो माफ करैत छथि?"

50 यीशु स्त्री केँ कहलथिन, "तोहर
विश्वास तोरा उद्धार देलकह। शान्ति सँ
जाह।"

यीशुक सेवा कयनिहारि स्त्रीगण सभ

8 तकरबाद यीशु लोक सभ केँ
परमेश्वरक राज्यक शुभ समाचार
सुनबैत नगर-नगर आ गाम-गाम घुमऽ
लगलाह। हुनका संग हुनकर बारहो
शिष्य छलनि, **2** और किछु स्त्रीगण सभ
सेहो, जिनका सभ केँ विभिन्न बिमारी
आ दुष्टात्मा सभ सँ स्वस्थ कयल गेल
छलनि। ओहि मे ई सभ छलीह—मरियम,
जे मग्दलीनी कहबैत छलीह आ जिनका मे
सँ सातटा दुष्टात्मा निकालल गेल छलनि,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

[3]हेरोद राजाक हाकिम खुसाक स्त्री योअन्ना, सुसन्ना आ आरो बहुत गोटे। ई स्त्रीगण सभ अपन व्यक्तिगत सम्पत्ति सँ हुनका सभक सेवा करैत छलीह।

बीया बाउग करऽ वला किसानक दृष्टान्त

(मत्ती 13.1-17; मरकुस 4.1-12)

4 नगर-नगर सँ लोक सभ यीशु लग आबि रहल छल, और एक दिन जखन बड़का भीड़ हुनका लग जमा भेल तँ ओ ई दृष्टान्त दऽ कऽ कहलथिन,
[5]"एक किसान बीया बाउग करबाक लेल गेल। बीया बाउग करैत काल, किछु बीया रस्ताक कात मे खसल, लतखुर्दन भऽ गेल और ओकरा चिड़ै सभ खा लेलकैक।
[6]किछु बीया पथराह जमीन पर खसल, आ हाल नहि रहबाक कारणेँ जनमिते सुखा गेल।
[7]किछु बीया काँट-कुशक बीच मे खसल, मुदा काँट-कुश सभ सेहो संगे-संग बढ़ि कऽ ओकरा दबा देलकैक।
[8]किछु बीया नीक जमीन पर पड़ल। ओ बढ़ि कऽ फड़ल-फुलायल आ सय गुना फसिल देलक।"

ई कहि कऽ ओ जोर सँ बजलाह, "जकरा सुनबाक कान छैक से सुनओ।"

9 तखन हुनकर शिष्य सभ एहि दृष्टान्तक अर्थ पुछलथिन।
[10]ओ उत्तर देलथिन, "परमेश्वरक राज्यक रहस्यक ज्ञान अहाँ सभ केँ देल गेल अछि, मुदा दोसर सभक लेल दृष्टान्ते सभ अछि, जाहि सँ,

'तकितो ओ देखए नहि,
सुनितो ओ बुझए नहि।'*

दृष्टान्तक अर्थ

(मत्ती 13.18-23; मरकुस 4.13-20)

11 "दृष्टान्तक अर्थ ई अछि—बीया परमेश्वरक वचन अछि।
[12]रस्ताक कात मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे हुनकर वचन सुनैत अछि मुदा शैतान आबि कऽ ओकरा सभक मोन मे सँ ओहि वचन केँ निकालि कऽ लऽ जाइत छैक, जाहि सँ कतौ ओ सभ विश्वास कऽ कऽ उद्धार नहि पाबए।
[13]पथराह जमीन मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे परमेश्वरक वचन सुनि खुशी सँ ओकरा स्वीकार करैत अछि, मुदा ओ वचन ओकरा सभ मे जड़ि नहि पकड़ैत छैक। ओ सभ किछु काल विश्वास तँ करैत अछि, मुदा परीक्षाक समय जखन अबैत छैक तँ विश्वास केँ छोड़ि दैत अछि।
[14]काँट-कुश मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे सुनैत तँ अछि, मुदा आगाँ जा कऽ जीवनक चिन्ता, धन-सम्पत्ति और सुख-विलास सभक द्वारा दबाओल जाइत अछि, और ओ सभ कोनो फसिल नहि दैत अछि।
[15]मुदा नीक जमीन मे खसल बीया ओ लोक सभ अछि जे नीक और शुद्ध मोन सँ परमेश्वरक वचन सुनि कऽ अपना हृदय मे रखैत अछि, और धैर्यपूर्बक नीक फसिल दैत अछि।

सत्य झाँपल नहि रहैत अछि

(मरकुस 4.21-25)

16 "केओ डिबिया लेसि कऽ ओकरा तौला सँ नहि झँपैत अछि, आ ने चौकीक

8:10 यशा 6.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तर मे रखैत अछि। ओ ओकरा लाबनि पर
रखैत अछि जाहि सँ घरक भीतर आबऽ
वला लोक सभ केँ इजोत भेटैक। 17हँ,
कोनो वस्तु नुकायल नहि अछि जे प्रगट
नहि कयल जायत, आ ने कोनो वस्तु गुप्त
अछि जे जानल नहि जायत और इजोत मे
नहि आनल जायत। 18एहि लेल, अहाँ सभ
कोन प्रकारेँ सुनैत छी, ताहि पर नीक जकाँ
ध्यान दिअ, कारण जकरा किछु छैक,
तकरा आरो देल जयतैक, और जकरा
नहि छैक, तकरा सँ सेहो लऽ लेल जयतैक
जाहि केँ ओ अपन बुझैत अछि।"

असली सम्बन्ध

(मत्ती 12.46-50; मरकुस 3.31-35)

19 यीशुक माय और भाय सभ हुनका सँ
भेँट करबाक लेल अयलाह, मुदा भीड़क
कारणेँ हुनका लग नहि पहुँचि सकलाह।
20तँ हुनका लग कहा पठाओल गेलनि जे,
"अहाँक माय और भाय सभ बाहर ठाढ़
छथि, अहाँ सँ भेँट करऽ चाहैत छथि।"
21एहि पर यीशु उत्तर देलथिन, "हमर
माय और भाय ओ सभ छथि जे सभ
परमेश्वरक वचन सुनैत छथि और ओहि
अनुसार चलैत छथि।"

अन्हड़-बिहारि पर यीशुक अधिकार

(मत्ती 8.23-27; मरकुस 4.35-41)

22 एक दिन यीशु अपना शिष्य सभक
संग नाव मे चढ़लाह आ कहलथिन,
"झीलक ओहि पार चलू।" ओ सभ नाव
खोलि देलनि। 23किछु बढ़लाक बाद
यीशु सुति रहलाह। एकाएक झील मे
भयंकर अन्हड़-बिहारि आयल। नाव मे
पानि भरऽ लागल, और ओ सभ बड़का
विपत्ति मे पड़ि गेलाह। 24शिष्य सभ यीशु
केँ जगा कऽ कहलथिन, "मालिक, यौ
मालिक, अपना सभ डुबऽ पर छी!" ओ
उठि कऽ अन्हड़-बिहारि और लहरि केँ
डँटलथिन। अन्हड़-बिहारि बन्द भऽ गेल,
आ सभ किछु शान्त भऽ गेलैक। 25तखन
ओ अपना शिष्य सभ सँ पुछलथिन,
"अहाँ सभक विश्वास की भऽ गेल?" ओ
सभ भयभीत और आश्चर्यित भऽ एक-
दोसर केँ कहऽ लगलाह, "ई के छथि?
हवा और पानि केँ सेहो आज्ञा दैत छथिन
तँ ओ मानैत छनि!"

दुष्टात्मा पर यीशुक अधिकार

(मत्ती 8.28-34; मरकुस 5.1-20)

26 जाइत-जाइत यीशु और हुनकर
शिष्य सभ गिरासेनी सभक इलाका मे
पहुँचलाह, जे गलील प्रदेशक सामने
झीलक ओहि पार अछि। 27यीशु जखने
कछेर पर उतरलाह तँ ओहि शहरक एक
आदमी भेटलनि जकरा दुष्टात्मा लागल
छलैक। ई आदमी बहुत दिन सँ कपड़ा-
लत्ता नहि पहिरैत छल, और घर मे नहि
रहि कऽ कबरिस्तान मे रहैत छल। 28यीशु
केँ देखिते ओ जोर सँ चिकरल, हुनका
पयर पर खसलनि, और जोर-जोर सँ
कहलकनि, "यौ परम परमेश्वरक पुत्र
यीशु! हमरा सँ अपने केँ कोन काज?
हम विनती करैत छी जे हमरा दुःख
नहि दिअ!" 29ओ ई बात एहि लेल
कहलकनि जे यीशु दुष्टात्मा* केँ ओकरा
मे सँ बहरयबाक आज्ञा देने छलथिन।
ओ दुष्टात्मा ओकरा बहुत बेर पकड़ने

8:29 मूल मे "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलैक, और लोक ओकरा जिंजीर सँ
हाथ-पयर बान्हि कऽ पहरा मे रखैत छल,
मुदा ओ जिंजीर सभ कैँ तोड़ि-ताड़ि लैत
छल, और दुष्टात्मा ओकरा सुन-सान क्षेत्र
सभ मे लऽ जाइत छलैक।
30 यीशु ओकरा सँ पुछलथिन, “तोहर
नाम की छह?” ओ उत्तर देलकनि,
“सेना” कारण, ओकरा मे बहुते दुष्टात्मा
वास करैत छलैक। 31 दुष्टात्मा सभ
हुनका सँ विनती करऽ लागल जे, हमरा
सभ कैँ “अथाह कुण्ड” मे जयबाक आज्ञा
नहि दिअ।
32 ओहिठाम पहाड़ पर सुगरक बड़का
झुण्ड चरि रहल छल। दुष्टात्मा सभ
विनती कयलकनि जे, हमरा सभ कैँ ओहि
सुगर सभ मे जयबाक अनुमति दऽ दिअ।
तँ यीशु अनुमति दऽ देलथिन। 33 तखन
दुष्टात्मा सभ ओहि आदमी मे सँ निकलि
कऽ सुगर सभ मे चल गेल। सुगरक पूरा
झुण्ड दौड़ि कऽ पहाड़ पर सँ झील मे
खसल और डुबि कऽ मरि गेल।
34 सुगर चराबऽ वला सभ ई देखि तुरत
भागि गेल और नगर आ देहातो मे एहि
घटनाक बारे मे सुनौलक। 35 एहि पर लोक
सभ देखबाक लेल आयल, और यीशु
लग जखन पहुँचल तँ देखैत अछि जे ओ
आदमी जकरा मे सँ दुष्टात्मा निकलि गेल
छल, से कपड़ा पहिरने आ स्वस्थ मोने
हुनका पयर लग बैसल अछि। ई देखि ओ
सभ भयभीत भऽ गेल। 36 जे सभ ई घटना
देखने छल, से सभ ओहि लोक सभ कैँ
सुनौलकैक जे दुष्टात्मा लागल आदमी
कोना स्वस्थ कयल गेल। 37 गिरासेनी
सभक क्षेत्रक सम्पूर्ण परोपट्टाक लोक सभ
कैँ तेहन डर भऽ गेलैक जे ओ सभ यीशु
सँ विनती करऽ लगलनि जे, अहाँ एतऽ सँ
चल जाउ। एहि पर यीशु नाव मे चढ़ि कऽ
घूमि गेलाह।
38 जाहि आदमी मे सँ दुष्टात्मा निकलि
गेल छलैक, से यीशु सँ विनती कयलकनि
जे, अपना संग हमरो चलऽ देल जाओ।
मुदा यीशु ओकरा ई कहि कऽ विदा
कयलथिन जे, 39 “तोँ घर चल जाह,
और परमेश्वर तोरा लेल कतेकटा काज
कयलथुन से सभ कैँ सुनाबह।” तखन ओ
आदमी चल गेल, और यीशु ओकरा लेल
जे-जतेक कयने रहथिन से सौंसे शहर मे
लोक कैँ सुनाबऽ लागल।

मरल बच्ची और दुखिताहि स्त्री

(मत्ती 9.18-26; मरकुस 5.21-43)

40 यीशु जखन झीलक एहि पार फेर
पहुँचलाह तँ बड़का भीड़ जे एहि पार घूमि
अयबाक हुनकर बाट ताकि रहल छलनि,
से सभ हुनकर स्वागत कयलकनि।
41 तखने याइरस नामक एक आदमी यीशु
लग अयलाह, जे सभाघरक अधिकारी
छलाह। ओ यीशुक पयर पर खसि कऽ
हुनका सँ आग्रह करऽ लगलथिन जे,
हमरा ओतऽ चलल जाओ। 42 कारण,
हुनकर एकमात्र बेटी, जे बारह वर्षक
छलि, मरऽ-मरऽ पर छलि।
रस्ता मे चलैत काल लोकक रेड़म-रेड़ा
सँ यीशु पिचाय लगलाह। 43 भीड़ मे एक
स्त्री छलि, जे बारह वर्ष सँ खून खसऽ
वला रोग सँ पीड़ित छलि आ अपन सभ
सम्पत्ति इलाजक पाछाँ वैद्य कैँ दऽ देने
छलि, मुदा ओकरा केओ नहि स्वस्थ कऽ
सकल छल। 44 ओ पाछाँ सँ आबि यीशुक
वस्त्रक कोर छुबि लेलक, और ओकर
खून खसनाइ तुरत बन्द भऽ गेलैक।
45 यीशु पुछलथिन, “हमरा के छुलक?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जखन सभ केओ अस्वीकार कयलक
तँ पत्रुस कहलथिन, “यौ मालिक, अहाँ
तँ भीड़ सँ घेरल छी आ लोक सभ चारू
कात सँ अहाँ कैँ पिचि रहल अछि!”
46 मुदा यीशु कहलथिन, “नहि, केओ
हमरा छुलक अछि। हम जनैत छी जे
हमरा मे सँ सामर्थ्य बहरायल अछि।”
47 ओ स्त्री जखन देखलक जे हम
नुकायल नहि रहि सकैत छी तँ कँपैत
आबि यीशुक पयर पर खसलि, और
सभ लोकक सामने कहि सुनौलकनि जे
हुनका किएक छुलकनि आ कोना तुरत्ते
स्वस्थ भऽ गेल। 48तखन यीशु ओकरा
कहलथिन, “बेटी, तोहर विश्वास तोरा
स्वस्थ कऽ देलकह। शान्तिपूर्बक जाह।”
49 यीशु ई बात कहिए रहल छलथिन
कि सभाघरक अधिकारी याइरसक
घर सँ एक गोटे आयल और याइरस कैँ
कहलकनि, “अहाँक बच्ची नहि रहल।
आब गुरुजी कैँ आरो कष्ट नहि दिऔन।”
50 ई बात सुनला पर यीशु याइरस
कैँ कहलथिन, “अहाँ डेराउ नहि, मात्र
विश्वास राखू—अहाँक बेटी ठीक भऽ
जायत।”
51 याइरसक ओहिठाम पहुँचला पर
यीशु पत्रुस, यूहन्ना, याकूब और बच्चीक
माय-बाबू कैँ छोड़ि आरो ककरो अपना
संग घरक भीतर नहि आबऽ देलथिन।
52सभ केओ बच्चीक लेल विलाप कऽ
रहल छल, मुदा यीशु ओकरा सभ कैँ
कहलथिन, “नहि कानू! ओ मुइल नहि,
सुतल अछि।” 53एहि पर लोक सभ
हुनका पर हँसऽ लागल, कारण ओ सभ
जनैत छल जे बच्ची मरि गेल अछि।
54 मुदा यीशु बच्चीक हाथ पकड़ि कऽ
कहलथिन, “बौआ! उठ!” 55बच्चीक
प्राण घूमि अयलैक और ओ तुरत ठाढ़
भऽ गेल। यीशु आदेश देलथिन जे ओकरा
किछु खाय लेल देल जाय। 56ओकर
माय-बाबू आश्चर्य-चकित भेलाह, मुदा
यीशु हुनका सभ कैँ आज्ञा देलथिन जे एहि
घटनाक विषय मे ककरो संग चर्चा नहि
करू।

शिष्य सभ सेवा-काजक लेल पठाओल गेलाह

(मत्ती 10.5-15; 14.1-12 मरकुस 6.7-29)

9 यीशु अपन बारहो शिष्य कैँ एक
संग बजौलथिन, और हुनका सभ
कैँ सभ तरहक दुष्टात्मा कैँ निकालबाक
आ बिमारी सभ कैँ ठीक करबाक शक्ति
और अधिकार देलथिन। 2तखन ओ
हुनका सभ कैँ परमेश्वरक राज्यक प्रचार
करबाक लेल और रोगी सभ कैँ स्वस्थ
करबाक लेल गाम-गाम पठौलथिन। 3ओ
कहलथिन, “बाटक लेल अहाँ सभ किछु
नहि लऽ जाउ—ने लाठी ने झोरा, ने रोटी
ने पाइ, आ ने दोसर अंगा राखू। 4जाहि
कोनो घर मे ठहरब, जाबत धरि ओहि गाम
सँ विदा नहि होयब ताबत धरि ओही घर
मे ठहरू। 5और जतऽ कतौ लोक अहाँ
सभक स्वागत नहि करय, ताहि गाम सँ
विदा होइत काल अपन पयरक गर्दा झाड़ि
लेब। ई ओकरा सभक विरोधक गवाही
रहत।” 6तँ ओ सभ विदा भेलाह और
गाम-गाम मे शुभ समाचारक प्रचार करैत
आ सभ ठाम लोक कैँ स्वस्थ करैत घुमऽ
लगलाह।
7 एम्हर शासक हेरोद एहि सभ घटनाक
विषय मे सुनलनि, और दुबिधा मे पड़ि
गेलाह, कारण किछु लोकक कथन
छलैक जे, बपतिस्मा देबऽ वला यूहन्ना

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मुइल सभ मे सँ जिआओल गेल छथि।
[8]दोसर लोक सभ कहैत छल जे, एलियाह फेर आबि गेल छथि। आरो लोकक कथन छलैक जे, प्राचीन समयक परमेश्वरक अन्य प्रवक्ता सभ मे सँ केओ फेर जीबि
उठल छथि। [9]मुदा हेरोद कहलनि, “यूहन्ना केँ तँ हम मूड़ी कटबा देने छिऐक, तँ फेर ई के अछि जकरा बारे मे एतेक बात सुनैत छी?” और ओ यीशु सँ भेँट करबाक कोशिश करऽ लगलाह।

पाँचटा रोटी आ पाँच हजार आदमीक भोजन

(मत्ती 14.13-21; मरकुस 6.30-44; यूहन्ना 6.1-14)

10 पठाओल गेल दूत सभ जहिया घूमि कऽ अयलाह तँ ओ सभ जे किछु कयने छलाह से सभ बात यीशु केँ कहि सुनौलथिन। तकरबाद यीशु हुनका सभ केँ अपना संग लऽ कऽ बेतसैदा नगर गेलाह, जाहि सँ ओ सभ एकान्त स्थान
मे रहि सकथि। [11]मुदा लोक सभ केँ एहि बातक पता लागि गेलैक, और ओहो सभ हुनका पाछाँ-पाछाँ आबऽ लागल। यीशु ओकरा सभक स्वागत कयलथिन, और परमेश्वरक राज्यक सम्बन्ध मे ओकरा सभक संग बात-चीत करऽ लगलाह। जकरा ककरो कोनो बिमारी सँ स्वस्थ होयबाक आवश्यकता छलैक, तकरा सभ केँ ओ स्वस्थ कयलथिन।

12 जखन साँझ पड़ऽ लागल तँ बारहो शिष्य सभ यीशु लग आबि कऽ कहलथिन, “आब लोक सभ केँ लग-पासक गाम-बजार सभ मे अपना लेल राति मे रहबाक जगह आ भोजनक प्रबन्ध करबाक लेल विदा कऽ दिऔक, कारण अपना सभ एतऽ बस्ती सँ दूर मे छी।”

13 ओ उत्तर देलथिन, “अहीं सभ एकरा सभ केँ भोजन करबिऔक।”

ओ सभ कहलथिन, “हमरा सभ लग खाली पाँचटा रोटी आ दूटा माछ अछि, बस, आओर किछु नहि। वा की—एहि सभ लोकक लेल हम सभ भोजनक वस्तु
किनि कऽ लाउ?” [14]ओतऽ पुरुषक संख्या लगभग पाँच हजार छल।

यीशु शिष्य सभ केँ कहलथिन, “सभ केँ पचास-पचासक समूह मे बैसा दिऔक।”
[15]शिष्य सभ ओहिना कयलनि आ सभ
केओ बैसि रहल। [16]तकरबाद यीशु ओ पाँचटा रोटी आ दूटा माछ लऽ लेलनि आ स्वर्ग दिस तकैत ओहि रोटी आ माछक लेल परमेश्वर केँ धन्यवाद देलनि। तखन रोटी आ माछ केँ तोड़लनि आ लोक सभ मे परसबाक लेल अपना शिष्य सभ केँ
देलथिन। [17]सभ केओ भरि इच्छा भोजन कयलक। शिष्य सभ जखन रोटी आ माछक उबरल टुकड़ा सभ बिछलनि तँ ओ बारह छिट्टा भेल।

यीशुक प्रश्न—“हम के छी?”

(मत्ती 16.13-28; मरकुस 8.27–9.1)

18 एक बेर यीशु एकान्त मे प्रार्थना कऽ रहल छलाह आ हुनकर शिष्य सभ हुनका संग छलनि, तँ ओ हुनका सभ सँ पुछलथिन जे, “हम के छी, ताहि सम्बन्ध मे लोक
की कहि रहल अछि?” [19]ओ सभ उत्तर देलथिन, “किछु लोक सभ ‘बपतिस्मा देनिहार यूहन्ना’ कहैत अछि, किछु लोक ‘एलियाह’ आ किछु लोक सभ कहैत अछि जे प्राचीन कालक परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि मे सँ केओ जीबि उठलाह अछि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

20 ओ पुछलथिन, “और अहाँ सभ?—अहाँ सभ की कहैत छी जे हम के छी?” पत्रुस उत्तर देलथिन, “अहाँ परमेश्वरक पठाओल उद्धारकर्ता-मसीह छी।” 21एहि पर यीशु हुनका सभ केँ दृढ़तापूर्बक आदेश देलथिन जे, “ई बात ककरो नहि कहिऔक।” 22फेर आगाँ कहऽ लगलथिन, “ई आवश्यक अछि जे मनुष्य-पुत्र बहुत दुःख सहय, बूढ़-प्रतिष्ठित, मुख्यपुरोहित आ धर्मशिक्षक सभ द्वारा तुच्छ ठहराओल जाय, जान सँ मारल जाय आ तेसर दिन जिआओल जाय।”

23 तखन यीशु सभ केँ कहलथिन, “जँ केओ हमर शिष्य बनऽ चाहैत अछि तँ ओ अपना केँ त्यागि, प्रतिदिन हमरा कारणेँ दुःख उठयबाक आ प्राणो देबाक लेल तैयार रहओ, और* हमरा पाछाँ चलओ। 24कारण, जे केओ अपन जीवन बचाबऽ चाहैत अछि, से ओकरा गमाओत, और जे केओ हमरा लेल अपन जीवन गमबैत अछि, से ओकरा बचाओत। 25जँ कोनो मनुष्य सम्पूर्ण संसार केँ पाबि लय मुदा अपना केँ गमा लय वा नष्ट कऽ लय तँ ओकरा की लाभ भेलैक? 26जँ केओ हमरा और हमर शिक्षा सँ लजाइत अछि, तँ ओकरो सँ मनुष्य-पुत्र ओहि समय मे लजायत जखन ओ अपना महिमाक संग आ पिताक और पवित्र स्वर्गदूत सभक महिमाक संग आओत। 27और हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी जे एतऽ किछु एहनो लोक सभ ठाढ़ अछि जे जाबत तक परमेश्वरक राज्य नहि देखि लेत ताबत तक नहि मरत।”

यीशुक रूपक परिवर्तन

(मत्ती 17.1-8; मरकुस 9.2-8)

28 एहि बात सभक करीब आठ दिनक बाद यीशु अपना संग पत्रुस, यूहन्ना और याकूब केँ लऽ कऽ प्रार्थना करबाक लेल पहाड़ पर गेलाह। 29जखन ओ प्रार्थना कऽ रहल छलाह तँ हुनकर मुँहक रूप बदलि गेलनि, और हुनकर वस्त्र बिजलोका जकाँ चमकऽ लगलनि। 30एकाएक दू पुरुष, मूसा और एलियाह, 31स्वर्गिक इजोत सँ चमकैत और यीशु सँ बात करैत देखाइ देलनि। ओ सभ हुनकर मृत्युक सम्बन्ध मे बात कऽ रहल छलाह, जकरा द्वारा ओ यरूशलेम मे परमेश्वरक इच्छा पूरा करऽ वला छलाह। 32पत्रुस और हुनकर संगी सभ औँघाय लागल छलाह, मुदा जखन पूर्ण रूप सँ सचेत भेलाह तँ यीशुक स्वर्गिक सुन्दरता और हुनका संग ठाढ़ ओहि दूनू पुरुष केँ देखलथिन। 33जखन ओ दूनू पुरुष यीशु लग सँ विदा होमऽ लगलाह तँ पत्रुस यीशु केँ कहलथिन, “गुरुजी! हमरा सभक लेल ई कतेक नीक बात अछि जे हम सभ एतऽ छी! हम सभ एतऽ तीन मण्डप बनाबी—एक अहाँक लेल, एक मूसाक लेल, और एक एलियाहक लेल।” ओ अपनो नहि जनैत छलाह जे हम की बाजि रहल छी।

34 ओ ई बात बाजिए रहल छलाह कि एकटा मेघ आबि कऽ हुनका सभ केँ झाँपि देलकनि। शिष्य सभ मेघ सँ झँपा कऽ डेरा गेलाह। 35तखन मेघ मे सँ ई आवाज आयल, “ई हमर पुत्र छथि,

9:23 अक्षरशः “प्रतिदिन अपन क्रूस उठाबओ और

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जिनका हम चुनने छी। हिनका बात पर
ध्यान दिअ!" 36ई आकाशवाणी भेलाक
बाद शिष्य सभ देखलनि जे यीशु असगर
छथि।

एहि घटनाक सम्बन्ध मे ओ सभ चुप
रहलाह और जे किछु देखने छलाह
तकर चर्चा ओहि समय मे ककरो सँ नहि
कयलनि।

दुष्टात्मा लागल एक बालक

(मत्ती 17.14-18, 22-23;
मरकुस 9.14-27, 30-32)

37 प्रात भेने जखन ओ सभ पहाड़ पर सँ
उतरलाह तँ यीशु केँ लोकक बड़का भीड़
भेटलनि। 38भीड़ मेहक एक आदमी जोर
सँ सोर पारि कऽ कहलथिन, "गुरुजी,
अपने सँ हमर विनती अछि जे हमरा
बेटा केँ देखल जाओ। ई हमर एकमात्र
सन्तान अछि। 39दुष्टात्मा एकरा पकड़ि
लैत छैक, और ई एकाएक चिकरि उठैत
अछि। एकरा नीचाँ पटकि दैत छैक आ
एकरा मुँह सँ गाउज आबऽ लगैत छैक।
बिनु चोट पहुँचौने एकरा छोड़िते नहि
छैक। 40हम अपनेक शिष्य सभ सँ एहि
दुष्टात्मा केँ निकालबाक लेल विनती
कयलियनि, मुदा ओ सभ नहि निकालि
सकलाह।"

41 यीशु उत्तर देलथिन, "हे अविश्वासी
आ भ्रष्ट पीढ़ीक लोक सभ! हम तोरा
सभक संग कहिया तक रहिअह? कहिया
तक तोरा सभ केँ सहैत रहिअह? आनह
अपना बेटा केँ।"

42 ओ लड़का आबि रहल छल कि
दुष्टात्मा ओकरा नीचाँ पटकि देलकैक
आ तोड़ऽ-ममोरऽ लगलैक। मुदा यीशु
दुष्टात्मा* केँ बहरयबाक आज्ञा दऽ कऽ
लड़का केँ ठीक कऽ देलथिन, आ ओकरा
अपना बाबू केँ जिम्मा मे दऽ देलथिन।
43परमेश्वरक सामर्थ्य और महानता केँ
देखि कऽ सभ केओ आश्चर्य-चकित रहि
गेल।

लोक सभ यीशुक काज सभ देखि
आश्चर्य मानैत छल, मुदा यीशु अपना
शिष्य सभ केँ कहलथिन, 44"हम जे
बात कहऽ जा रहल छी, अहाँ सभ ताहि
बात पर ठीक सँ ध्यान दिअ—मनुष्य-
पुत्र पकड़बा कऽ लोकक हाथ मे सौंपल
जायत।" 45मुदा ओ सभ हुनकर कहबाक
अर्थ नहि बुझलनि। हुनका सभ सँ एहि
बातक अर्थ नुकायल रहलनि, ताहि
सँ नहि बुझि सकलाह, और ओ सभ
हुनका सँ एहि सम्बन्ध मे पुछऽ सँ डेराइत
छलाह।

पैघ आ छोट

(मत्ती 18.1-5; मरकुस 9.33-40)

46 शिष्य सभ मे एहि बातक विवाद
होमऽ लगलनि जे, हमरा सभ मे सभ सँ
पैघ के अछि? 47यीशु हुनका सभक
विचार बुझि एकटा छोट बच्चा केँ अपना
लग मे ठाढ़ कयलनि 48और शिष्य सभ
केँ कहलथिन, "जे केओ हमरा नाम सँ
एहि बच्चा केँ स्वीकार करैत अछि, से
हमरे स्वीकार करैत अछि, और जे हमरा
स्वीकार करैत अछि से हमरे नहि, बल्कि
तिनको स्वीकार करैत छनि जे हमरा
पठौने छथि। हँ, अहाँ सभ मे जे सभ सँ
छोट होइ, सैह सभ सँ पैघ भेलहुँ।"

9:42 मूल मे "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

49 तखन यूहन्ना बजलाह, “मालिक,
हम सभ एक आदमी कैँ अहाँक नाम लऽ
कऽ दुष्टात्मा निकालैत देखलहुँ, और
ओकरा रोकबाक प्रयत्न कयलहुँ किएक
तँ ओ हमरा सभक संग अहाँक शिष्य नहि
अछि।”
50 यीशु उत्तर देलथिन, “हुनका नहि
रोकिऔन, कारण जे अहाँक विरोध मे
नहि अछि से अहाँक पक्ष मे अछि।”

सामरी गाम मे यीशुक निरादर

51 जखन यीशु कैँ स्वर्ग मे उठाओल
जयबाक समय लगचिआय लगलनि तँ ओ
यरूशलेम जयबाक दृढ़ निश्चय कयलनि,
52 और अपना सँ आगाँ किछु आदमी कैँ
पठौलथिन। ओ सभ विदा भऽ कऽ एक
सामरी गाम मे हुनका लेल तैयारी करबाक
लेल गेलाह। 53 मुदा ओहिठामक लोक
सभ यीशुक स्वागत नहि कयलकनि,
किएक तँ ओ यरूशलेम जा रहल छलाह।
54 ई बात जखन हुनकर शिष्य याकूब और
यूहन्ना देखलनि तँ बाजि उठलाह, “की
प्रभु, हम सभ आज्ञा दऽ कऽ एकरा सभ
कैँ नष्ट करबाक लेल आकाश सँ आगि
बरिसाउ?” 55 मुदा ओ हुनका सभक दिस
घूमि कऽ डँटलथिन,* 56 और ओ सभ
दोसर गाम चल गेलाह।

यीशुक शिष्य बनब हल्लुक बात नहि

(मत्ती 8.19-22)

57 रस्ता मे चलैत काल एक आदमी
यीशु कैँ कहलकनि, “अपने जतऽ कतौ
जायब, ततऽ हमहूँ अपनेक संग चलब।”
58 यीशु ओकरा उत्तर देलथिन, “नढ़िया
कैँ सोन्हि छैक और आकाशक चिड़ै
कैँ खोंता, मुदा मनुष्य-पुत्र कैँ मूड़िओ
नुकयबाक जगह नहि छैक।”
59 दोसर आदमी कैँ यीशु कहलथिन,
“हमरा पाछाँ आउ।” मुदा ओ उत्तर
देलकनि, “प्रभु, हमरा पहिने जा कऽ
अपना बाबूक लास कैँ गाड़ि आबऽ
दिअ।”
60 यीशु कहलथिन, “मुरदे सभ कैँ
अपन मुरदा गाड़ऽ दिऔक। अहाँ जा कऽ
परमेश्वरक राज्यक प्रचार करू।”
61 फेर दोसर कहलकनि, “प्रभुजी, हम
अहाँक संग आयब। मुदा हमरा पहिने
अपना परिवार सँ विदा लेबऽ दिअ।”
62 यीशु उत्तर देलथिन, “जे केओ हऽर
पर हाथ राखि कऽ पाछाँ देखैत अछि से
परमेश्वरक राज्यक योग्य नहि अछि।”

बहत्तरि शिष्यक लेल प्रचारक काज

(मत्ती 11.20-27; 13.16-17)

10 एहि सभक बाद प्रभु बहत्तरि*
आरो व्यक्ति कैँ नियुक्त
कयलथिन और हुनका सभ कैँ दू-दू गोटे
कऽ प्रत्येक नगर आ गाम मे पठा देलथिन
जतऽ-जतऽ ओ अपने जाय वला छलाह।
2 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन, “पाकल
फसिल तँ बहुत अछि, मुदा काटऽ वला
मजदूर कम अछि। तेँ खेतक मालिक सँ
प्रार्थना करिऔन जे ओ अपना खेत मे
आरो मजदूर पठबथि। 3 अहाँ सभ आब

9:55 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “...घूमि कऽ डँटलथिन, “अहाँ सभ नहि जनैत छी जे कोन आत्मा सँ प्रेरित छी। कारण, मनुष्य-पुत्र लोक कैँ नष्ट करबाक लेल नहि आयल, बल्कि बचयबाक लेल।” **10:1** किछु हस्तलेख मे “सत्तरि”। तहिना पद 17 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जाउ। हम अहाँ सभ केँ जंगली जानबर
सभक बीच मे भेँड़ी जकाँ पठा रहल
छी। 4अपना संग ने बटुआ लिअ आ
ने झोरा आ ने जुत्ता; रस्ता मे ककरो सँ
हाल-समाचार पुछबाक लेल नहि रूकू।
5जखन कोनो घर मे प्रवेश करब, तँ पहिने
ई कहिऔक, 'एहि घर मे शान्ति होअय।'
6जँ ओतऽ केओ शान्तिक पात्र होयत
तँ अहाँक आशीर्वाद ओकरा पर बनल
रहतैक, अन्यथा अहाँ लग घूमि आओत।
7वासक लेल घर-घर नहि घुमू, और जे
किछु ओ सभ अहाँ सभ केँ देत से खाउ-
पीबू, कारण मजदूर केँ मजदूरी तँ भेटबाक
चाही।

8 "हँ, जखन कोनो नगर मे प्रवेश
कयलाक बाद स्वागत होइत अछि तँ
जे किछु अहाँक सामने राखल जाय से
खाउ। 9ओतुक्का बिमार लोक सभ केँ
ठीक करू, और लोक सभ केँ कहिऔक
जे, परमेश्वरक राज्य अहाँ सभक लग
मे आबि गेल अछि। 10मुदा जखन कोनो
नगर मे जायब और ओहि ठामक लोक
सभ अहाँ सभक स्वागत नहि करय तँ
ओहि नगरक सड़क-गली सभ मे जा कऽ
कहिऔक, 11'अहाँ सभक नगरक गर्दो
जे हमरा सभक पयर मे लागल अछि से
अहाँ सभक विरोध मे झाड़ैत छी। तैयो ई
बात जानि लिअ जे परमेश्वरक राज्य लग
मे आबि गेल अछि।' 12हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे, न्यायक दिन मे ओहि नगर
सँ सदोम नगरक दशा सहबा जोगरक
रहतैक।

13 "हे खुराजीन नगर, तोरा धिक्कार
छौक! हे बेतसैदा नगर, तोरा धिक्कार
छौक! जे चमत्कार सभ तोरा सभक बीच
कयल गेल, से जँ सूर और सीदोन नगर
सभ मे कयल गेल रहैत तँ ओहिठामक
निवासी सभ बहुत पहिनहि चट्टी ओढ़ि
और छाउर पर बैसि अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन कऽ लेने
रहैत। 14न्यायक दिन मे तोरा सभक
अपेक्षा सूर आ सीदोन नगरक दशा सहबा
जोगरक रहतैक। 15और हे कफरनहूम
नगर! की तोँ स्वर्ग तक उठाओल जयबेँ?
नहि! तोँ तँ पाताल* मे खसाओल जयबेँ।

16 "जे केओ अहाँ सभक बात सुनैत
अछि से हमर बात सुनैत अछि। जे केओ
अहाँ सभ केँ अस्वीकार करैत अछि, से
हमरा अस्वीकार करैत अछि, और जे
केओ हमरा अस्वीकार करैत अछि से
तिनका अस्वीकार करैत छनि जे हमरा
पठौलनि।"

17 ओ बहत्तरि लोक सभ जखन अपन
प्रचारक काज कऽ कऽ अयलाह तँ बहुत
खुशीपूर्बक बजलाह, "प्रभुजी, अहाँक
नामक शक्ति सँ दुष्टात्मा सभ सेहो हमरा
सभक बात मानलक।"

18 यीशु उत्तर देलथिन, "हम शैतान केँ
बिजुली जकाँ आकाश सँ खसैत देखलहुँ।
19हँ, हम अहाँ सभ केँ साँप और बीछ
केँ पिचबाक सामर्थ्य और शत्रुक समस्त
शक्ति पर अधिकार देने छी। कोनो
वस्तु अहाँ सभक हानि नहि कऽ सकत।
20तैयो, एहि लेल आनन्द नहि मनाउ जे
दुष्टात्मा सभ अहाँ सभक बात मानैत
अछि, बल्कि एही लेल आनन्दित होउ
जे अहाँ सभक नाम स्वर्ग मे लिखायल
अछि।"

10:15 मूल मे, "हेडीस", अर्थात्, मरल सभक वास-स्थान

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

21 तखने यीशु पवित्र आत्मा सँ अत्यन्त आनन्दित भऽ कऽ बजलाह, "हे पिता, स्वर्ग आ पृथ्वीक मालिक, हम अहाँ केँ एहि लेल धन्यवाद दैत छी जे अहाँ ई बात सभ बुद्धिमान और विद्वान सभ सँ नुका कऽ रखलहुँ मुदा बच्चा सभ पर प्रगट कयलहुँ। हँ पिता, कारण, अहाँ केँ एही बात सँ प्रसन्नता भेल।

22 "हमरा पिता द्वारा सभ किछु हमरा हाथ मे सौंपल गेल अछि। पुत्र के छथि, से पिता केँ छोड़ि आरो केओ नहि जनैत अछि, और पिता के छथि, सेहो केओ नहि जनैत अछि—मात्र पुत्र और जकरा सभ पर पुत्र हुनका प्रगट करऽ चाहय, से जनैत अछि।"

23 तखन ओ अपना शिष्य सभक दिस घूमि कऽ नहुएँ जोर सँ कहलथिन, "अहाँ सभ धन्य छी जे, जे बात सभ देखि रहल छी से देखि पौलहुँ।
[24]कारण, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे अपना समय मे एहन बहुत राजा और परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि रहथि, जे सभ चाहलनि जे, जाहि बात सभ केँ अहाँ सभ देखि रहल छी, तकरा देखी, मुदा नहि देखलनि; और जे बात सभ अहाँ सभ सुनि रहल छी, से सुनी, मुदा नहि सुनलनि।"

असली पड़ोसी

25 एक बेर धर्म-नियमक एक पंडित उठि कऽ यीशु केँ जँचबाक लेल पुछलथिन, "गुरुजी, अनन्त जीवन प्राप्त करबाक लेल हम की करू?"
[26]यीशु उत्तर देलथिन, "धर्म-नियम मे की लिखल अछि? ओहि मे की पढ़ैत छी?"

27 ओ कहलथिन, " 'तोँ अपन प्रभु-परमेश्वर केँ अपन सम्पूर्ण मोन सँ, अपन सम्पूर्ण आत्मा सँ, अपन सम्पूर्ण शक्ति सँ और अपन सम्पूर्ण बुद्धि सँ प्रेम करह,'* और 'तोँ अपना पड़ोसी केँ अपने जकाँ प्रेम करह।'*"
[28]यीशु कहलथिन, "अहाँ ठीक कहलहुँ। एना करू तँ जीवन पायब।"

29 मुदा ओ अपना केँ ठीक ठहरयबाक उद्देश्य सँ यीशु सँ पुछलथिन, "तँ हमर पड़ोसी के अछि?"

30 यीशु उत्तर देलथिन, "एक आदमी यरूशलेम सँ यरीहो नगर जा रहल छल कि डाकू सभ आबि कऽ ओकरा घेरि लेलकैक। ओकरा नाङट कऽ कऽ आ मारैत-मारैत अधमरू बना कऽ छोड़ि देलकैक।
[31]संयोग सँ एक पुरोहित ओहि रस्ता सँ जा रहल छलाह। ओ जखन ओहि आदमी केँ देखलनि तँ रस्ता काटि कऽ आगाँ बढ़ि गेलाह।
[32]तहिना मन्दिरक एक सेवक* जखन ओहि स्थान पर अयलाह आ ओकरा देखलनि तँ ओहो रस्ता काटि कऽ आगाँ बढ़ि गेलाह।
[33]मुदा सामरी जातिक एक आदमी जे ओहि दने जाइत रहय से ओकरा देखि कऽ दया सँ भरि गेल।
[34]ओ ओकरा लग जा कऽ ओकर घाव सभ पर तेल और दारू लगा कऽ पट्टी बान्हि देलकैक। तखन ओकरा अपना गदहा पर बैसा कऽ एकटा सराय मे लऽ गेल और ओहिठाम ओकर सेवा कयलकैक।
[35]प्रात भेने ओ दू चानीक रुपैया निकालि कऽ सरायक मालिक केँ दऽ कऽ कहलकनि, 'हिनकर

10:27 व्यव 6.5 **10:27** लेवी 19.18 **10:32** मूल मे, "तहिना एक लेवी", अर्थात्, यहूदी सभक कुल-पिता लेवीक एक वंशज। लेवीक कुलक पुरुष लोकनि मन्दिर मे पुरोहितक सहायक होइत छलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देखभाल करिऔन। एहि सँ बेसी जे खर्च
पड़त से हम घुमती काल मे अहाँ केँ दऽ
देब।' 36 आब अहाँक विचार सँ, एहि तीनू
मे सँ डाकू सभक हाथ मे पड़ल आदमीक
पड़ोसी अपना केँ के बुझलक?"
37 धर्म-नियमक पंडित उत्तर देलथिन,
"जे ओकरा पर दया कयलकैक, से।" यीशु
कहलथिन, "अहूँ जा कऽ एहिना करू।"

मरियम और मार्था

38 यीशु और हुनकर शिष्य सभ आगाँ
बढ़ि कऽ एक गाम मे अयलाह जतऽ मार्था
नामक एक स्त्री अपना ओहिठाम हुनकर
अतिथि-सत्कार कयलथिन। 39 ओहि स्त्री
केँ मरियम नामक एकटा बहिन छलनि।
ओ यीशुक पयर लग बैसि हुनकर बात
सुनि रहल छलीह। 40 मुदा मार्था सेवा-
सत्कारक भार सँ चिन्तित छलीह। ओ
यीशु लग आबि कऽ कहलथिन, "प्रभु,
अहाँ केँ कनेको चिन्ता नहि अछि जे
हमर बहिन सभटा काज करऽ लेल हमरा
असगरे छोड़ि देने अछि? ओकरा हमर
मदति करबाक लेल कहिऔक!"
41 प्रभु उत्तर देलथिन, "मार्था, अए
मार्था! अहाँ बहुत बातक लेल चिन्तित
छी, 42 मुदा बात एकेटा जरूरी अछि।
मरियम वैह नीक बात चुनि लेने अछि और
ओकरा सँ ओ नहि छिनल जयतैक।"

प्रार्थनाक विषय मे शिक्षा

(मत्ती 6.9-13; 7.7-11)

11 एक दिन यीशु कोनो स्थान
पर प्रार्थना कऽ रहल छलाह।
जखन ओ प्रार्थना समाप्त कयलनि तखन
हुनकर एक शिष्य कहलथिन, "प्रभु,
जहिना यूहन्ना अपना शिष्य सभ केँ प्रार्थना
कयनाइ सिखौलनि, तहिना अहूँ हमरा
सभ केँ सिखाउ।"
2 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
"जखन अहाँ सभ प्रार्थना करब तँ एना
कहू—

हे पिता,
अहाँक नाम पवित्र मानल जाय।
अहाँक राज्य आबय।
3 हमरा सभ केँ प्रत्येक दिन भोजन
दिअ,
जे दिन प्रति दिन हमरा सभक लेल
आवश्यक अछि।
4 हमरा सभक पाप क्षमा करू,
किएक तँ हमहूँ सभ तकरा सभ केँ
क्षमा करैत छी जे सभ हमरा
सभक संग अपराध करैत अछि।
और हमरा सभ केँ पाप मे फँसाबऽ
वला बात सँ दूर राखू।"

5 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
"मानि लिअ जे अहाँ सभ मे सँ ककरो
कोनो संगी होइक और ओ ओहि संगीक
ओहिठाम दुपहरिया राति मे जा कऽ कहैक
जे, 'यौ मित्र, हमरा तीनटा रोटी दिअ।
6 कारण, हमर एक मित्र जे यात्रा पर छथि
से हमरा ओतऽ एखने अयलाह अछि और
हुनका भोजन करयबाक लेल हमरा लग
किछु नहि अछि।' 7 तँ की भीतर सँ ओकर
संगी उत्तर देतैक जे, 'हमरा तंग नहि करू।
केबाड़ लागल अछि और धिआ-पुता सभ
हमरा लग सुतल अछि। हम अहाँ केँ किछु
देबाक लेल नहि उठि सकैत छी।'? 8 हम
अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, ओ जँ ओकर
संगी रहबाक कारणेँ उठि कऽ रोटी नहि
देतैक तैयो ओकरा निःसंकोच भऽ कऽ
मँगबाक कारणेँ ओ उठि कऽ ओकरा
जतेक आवश्यकता छैक ततेक देतैक।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9हँ, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, माँगू तँ
अहाँ केँ देल जायत। ताकू तँ अहाँ केँ भेटत।
ढकढकाउ तँ अहाँक लेल खोलल जायत।
10कारण, जे केओ मँगैत अछि, से प्राप्त
करैत अछि। जे केओ तकैत अछि, तकरा
भेटैत छैक। और जे केओ ढकढकबैत
अछि, तकरा लेल खोलल जाइत छैक।

11 "अहाँ सभ मे सँ के एहन बाबू छी
जे, बेटा जँ माछ माँगय* तँ तकरा बदला
मे साँप दिऐक? 12वा जँ अण्डा माँगय तँ
बीछ दिऐक? 13जखन अहाँ सभ पापी
होइतो अपना बच्चा सभ केँ नीक वस्तु
सभ देनाइ जनैत छी, तँ अहाँ सभ सँ बढ़ि
कऽ अहाँ सभक पिता जे स्वर्ग मे छथि,
से मँगनिहार सभ केँ अपन पवित्र आत्मा
किएक नहि देथिन?"

यीशुक सामर्थ्य कतऽ सँ अछि?

(मत्ती 12.22-30; मरकुस 3.20-27)

14 एक बेर यीशु एक बौक दुष्टात्मा
केँ एक आदमी मे सँ निकालि रहल
छलाह। दुष्टात्मा जखन निकलि गेल
तँ बौक आदमी बाजऽ लागल। ई देखि
लोक सभ चकित भऽ गेल। 15मुदा कतेक
गोटे कहऽ लागल, "ई तँ दुष्टात्मा सभक
मुखिया बालजबूलक शक्ति सँ दुष्टात्मा
सभ केँ निकालैत अछि।" 16दोसर लोक
हुनका जाँच करबाक लेल स्वर्ग सँ कोनो
चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखयबाक लेल
कहलकनि।

17 मुदा यीशु ओकरा सभक विचार
बुझि कऽ ओकरा सभ केँ कहलथिन,
"जाहि राज्य मे फूट पड़ि जाय, से उजड़ि
जाइत अछि, और जाहि परिवार मे फूट
भऽ जाय से नष्ट भऽ जाइत अछि।
18शैतान जँ स्वयं अपन विरोधी भऽ जाय
तँ ओकर राज्य कोना टिकल रहतैक?
हम ई बात एहि लेल कहैत छी जे अहाँ
सभक कथन अछि जे हम दुष्टात्मा सभ
केँ बालजबूलक शक्ति सँ निकालैत
छी। 19जँ हम बालजबूलक शक्ति सँ
दुष्टात्मा निकालैत छी तँ अहाँ सभक
चेला सभ ककरा शक्ति सँ निकालैत
अछि? वैह सभ अहाँ सभक फैसला
करत। 20मुदा जँ हम परमेश्वरक शक्ति
सँ दुष्टात्मा निकालैत छी तँ ई जानि
लिअ जे परमेश्वरक राज्य अहाँ सभ लग
पहुँचि गेल अछि।

21 "जखन कोनो बलगर आदमी हाथ-
हथियार सँ लैस भऽ कऽ अपन घरक
रखबारी करैत अछि तँ ओकर धन-सम्पत्ति
सुरक्षित रहैत छैक। 22मुदा जखन ओकरो
सँ बलगर कोनो दोसर आदमी ओकरा पर
आक्रमण कऽ कऽ ओकरा पराजित करैत
छैक, तँ ओ ओकर सभ हथियार जाहि पर
ओकरा पूरा भरोसा रहैत छैक, से छिनि
लैत अछि आ ओकर सम्पत्ति लुटि कऽ
अपना संगी सभ मे बाँटि दैत अछि।

23 "जे हमरा संग नहि अछि से हमरा
विरोध मे अछि; जे हमरा संग जमा नहि
करैत अछि से छिड़िअबैत अछि।

खाली हृदय शैतानक वास

(मत्ती 12.43-45)

24 "जखन दुष्टात्मा* कोनो आदमी मे सँ
बहरा जाइत अछि तँ ओ दुष्टात्मा मरुभूमि

11:11 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ पाओल जाइत अछि, "...बेटा जँ रोटी माँगय तँ तकरा बदला मे पाथर दिऐक, वा जँ माछ माँगय..." **11:24** मूल मे, "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे आराम करबाक स्थानक खोज मे घुमैत
रहैत अछि, मुदा ओकरा भेटैत नहि छैक।
तखन ओ कहैत अछि, ‘हम अपन पहिलुके
घर मे, जतऽ सँ बहरा कऽ आयल छलहुँ
ततहि फेर जायब।’ **25**ओ जखन ओहिठाम
पहुँचैत अछि और देखैत अछि जे ओ घर
झाड़ल-बहारल साफ-सुथरा अछि, **26**तँ
ओ जा कऽ अपनो सँ दुष्टाह सातटा आरो
दुष्टात्मा कैँ लऽ अनैत अछि आ ओ सभ
ओहि घर मे अपन डेरा खसा लैत अछि।
एहि तरहेँ ओहि आदमीक ई दशा पहिलुको
दशा सँ खराब भऽ जाइत छैक।”

27 यीशु ई बात सभ कहिए रहल छलाह
कि भीड़ मे एक स्त्री जोर सँ बाजि उठलि,
“धन्य छथि ओ स्त्री जे अहाँ कैँ जन्म
देलनि और दूध पियौलनि!”

28 यीशु उत्तर देलथिन, “हँ, मुदा ताहू सँ
धन्य छथि ओ सभ जे परमेश्वरक वचन
सुनैत छथि और तकर पालन करैत छथि।”

एहि पीढ़ीक लोक कतेक दुष्ट!

(मत्ती 12.38-42)

29 जखन यीशुक चारू कात लोकक
भीड़ बढ़ि गेल तँ ओ ओकरा सभ
कैँ कहलथिन, “एहि पीढ़ीक लोक
कतेक दुष्ट अछि! कारण, ई चमत्कार
वला चिन्ह मँगैत अछि, मुदा जे घटना
परमेश्वरक प्रवक्ता योनाक संग भेल
छलनि, से चिन्ह छोड़ि कऽ एकरा सभ
कैँ आरो कोनो चिन्ह नहि देखाओल
जयतैक। **30**जहिना योना निनवे नगरक
निवासी सभक लेल चिन्ह बनलाह,
तहिना मनुष्य-पुत्र एहि पीढ़ीक लेल चिन्ह
रहत। **31**दक्षिण देशक रानी एहि पीढ़ीक
लोकक संग न्यायक दिन मे ठाढ़ भऽ कऽ
एकरा सभ कैँ दोषी ठहरौतीह, किएक
तँ ओ सुलेमान राजाक बुद्धिक बात सभ
सुनबाक लेल पृथ्वीक दोसर कात सँ
अयलीह, और हम अहाँ सभ कैँ कहैत
छी, एतऽ एखन केओ एहन अछि* जे
सुलेमानो सँ महान् अछि। **32**निनवेक
निवासी सभ न्यायक दिन मे एहि पीढ़ीक
लोकक संग ठाढ़ भऽ कऽ एकरा सभ
कैँ दोषी ठहराओत, किएक तँ ओ सभ
योनाक प्रचार सुनि कऽ अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
कयलक, और हम अहाँ सभ कैँ कहैत
छी, एतऽ एखन केओ एहन अछि जे योनो
सँ महान् अछि।

आत्मिक इजोत

(मत्ती 5.15; 6.22-23)

33 “केओ डिबिया लेसि कऽ ओकरा
नुका कऽ नहि रखैत अछि, आ ने पथिया
सँ झँपैत अछि। ओ ओकरा लाबनि पर
रखैत अछि, जाहि सँ भीतर आबऽ वला
लोक सभ कैँ इजोत भेटैक। **34**शरीरक
डिबिया अहाँक आँखि भेल। जखन आँखि
ठीक अछि तँ अहाँक सम्पूर्ण शरीर इजोत
मे रहैत अछि, मुदा जखन अहाँक आँखि
खराब अछि तँ सम्पूर्ण शरीर अन्हार मे
अछि। **35**तेँ सावधान रहू जे कतौ अहाँक
भितरी इजोत अन्हार नहि बनि जाय।
36एहि लेल जँ अहाँक सौंसे शरीर इजोत
मे अछि, कोनो अंग अन्हार मे नहि अछि,
तँ ओ पूर्ण रूप सँ इजोत सँ चमकत,
जहिना डिबिया अपना प्रकाश सँ अहाँ कैँ
आलोकित करैत अछि।”

11:31 वा, “एतऽ एखन किछु एहन अछि”। तहिना पद 32 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

फरिसी और धर्मशिक्षक सभ
कैँ धिक्कार

(मत्ती 23.1-36; मरकुस 12.38-40)

37 यीशु जखन ई सभ बात कहब समाप्त
कयलनि, तँ हुनका एक फरिसी भोजनक
लेल निमन्त्रण देलथिन। यीशु हुनका
ओहिठाम गेलाह आ भोजन करबाक
लेल भीतर मे बैसलाह। 38ई देखि जे यीशु
भोजन करऽ सँ पहिने रीतिक अनुसार हाथ-
पयर नहि धोलनि, फरिसी कैँ बड्ड आश्चर्य
लगलनि। 39मुदा प्रभु हुनका कहलथिन,
"अहाँ फरिसी सभ थारी-बाटी सभ कैँ
बाहर-बाहर तँ मँजैत छी, मुदा भीतर अहाँ
सभ लोभ और दुष्टता सँ भरल छी। 40है
मूर्ख सभ! जे बाहरक भाग बनौलनि, की
से भीतरको भाग नहि बनौलनि? 41अहाँ
सभक बाटी मे जे किछु अछि से गरीब सभ
कैँ दान करिऔक, तखन अहाँ सभक लेल
सभ किछु शुद्ध होयत।

42 "यौ फरिसी सभ, धिक्कार अछि
अहाँ सभ कैँ! कारण, अहाँ सभ पुदीना,
मसल्ला और छोट सँ छोट साग-पात
सभक दसम अंश तँ परमेश्वर कैँ अर्पण
करैत छी, मुदा न्याय और परमेश्वरक प्रेम
सँ कोनो मतलब नहि रखैत छी। होयबाक
तँ ई चाहैत छल जे ओ सभ बात करैत
परमेश्वरक प्रेम और न्याय पर ध्यान
दितहुँ।

43 "यौ फरिसी सभ, धिक्कार अछि
अहाँ सभ कैँ! कारण, सभाघर सभ मे
प्रमुख आसन पर बैसब और हाट-बजार मे
लोकक प्रणाम स्वीकार करब अहाँ सभ
कैँ बहुत नीक लगैत अछि।

44 "हँ, धिक्कार अछि अहाँ सभ कैँ!
कारण, अहाँ बिनु चिन्हक कबर सनक
छी जाहि पर लोक बिनु बुझने चलैत-
फिरैत अछि।"

45 एहि पर धर्म-नियमक एक पंडित
यीशु कैँ उत्तर देलथिन, "गुरुजी, एहन बात
सभ कहि कऽ अहाँ हमरो सभक अपमान
करैत छी।" 46यीशु कहलथिन, "हँ, अहूँ
सभ जे धर्म-नियमक पंडित छी, धिक्कार
अछि अहाँ सभ कैँ! अहाँ सभ लोक सभ
पर तेहन बोझ लादि दैत छिऐक जे ओ
सभ सहि नहि सकैत अछि और ओकरा
सभ कैँ बोझ उठाबऽ मे आङुरो भिड़ा कऽ
मदति नहि करैत छिऐक।

47 "धिक्कार अछि अहाँ सभ कैँ!
कारण, अहाँ सभ परमेश्वरक ओहि
प्रवक्ता सभक कबर पर चबुतराक निर्माण
करैत छी जिनका अहाँ सभक पूर्वज सभ
जान सँ मारि देलकनि। 48एहि तरहेँ अहाँ
सभ स्पष्ट करैत छी जे अपना पूर्वज सभक
काज सँ सहमत छी। ओ सभ हुनका सभ
कैँ मारि देलकनि और अहाँ सभ हुनकर
सभक कबर बनबैत छी। 49एहि कारणेँ
सर्वज्ञानी परमेश्वर कहलनि, 'हम ओकरा
सभक ओहिठाम अपन प्रवक्ता और दूत
लोकनि कैँ पठयबैक। ओ सभ हिनका
सभ मे सँ कतेको गोटे कैँ मारि देतनि और
कतेको गोटे कैँ सतौतनि।' 50तँ सृष्टिक
आरम्भ सँ परमेश्वरक जतेक प्रवक्ताक
खून बहाओल गेल अछि तकर लेखा एहि
पीढ़ीक लोक सँ लेल जायत, 51अर्थात्
हाबिलक खून सँ लऽ कऽ, मन्दिरक बलि-
वेदी और 'पवित्र स्थान'क बीच मे मारल
गेल जकरयाहक खून धरिक लेखा। हम
अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे तकर पूरा लेखा
एही पीढ़ीक लोक सँ लेल जायत।

52 "यौ धर्म-नियमक पंडित सभ,
धिक्कार अछि अहाँ सभ कैँ! कारण,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ सभ ओ कुंजी छिनि कऽ रखने छी जे ज्ञानक द्वारि खोलैत अछि। अहाँ सभ अपनो नहि प्रवेश कयलहुँ, और जे सभ प्रवेश कऽ रहल छल तकरो सभ केँ रोकि देलिऐक।”

53-54 जखन यीशु ओहिठाम सँ चल गेलाह तँ फरिसी और धर्मशिक्षक सभ हुनकर कड़ा विरोध करऽ लागल। ओ सभ एहि बातक घात लगा कऽ हुनका सँ विभिन्न विषय मे प्रश्न करऽ लगलनि जे हुनकर कोनो कहल बात द्वारा हुनका फँसाबी।

कपटपन सँ सावधान!

(मत्ती 10.26-27)

12 एम्हर हजारो-हजार लोकक भीड़ जुटि गेल, एतऽ तक जे लोक सभ एक-दोसर सँ पिचाय लागल। तखन यीशु सभ सँ पहिने अपना शिष्य सभ केँ कहलथिन, “फरिसी सभक रोटी फुलाबऽ वला खमीर सँ सावधान रहू—हमर कहबाक अर्थ अछि, हुनका सभक कपटपन सँ। 2एहन किछु नहि अछि जे झाँपल होअय आ उघारल नहि जायत, वा जे नुकाओल होअय आ प्रगट नहि कयल जायत। 3अहाँ जे किछु अन्हार मे कहने छी से इजोत मे सुनल जायत, और जे किछु बन्द कयल कोठली मे कानो-कान फुसफुसा कऽ बाजल छी, से छत पर सँ घोषणा कयल जायत।

मनुष्य सँ नहि डेराउ!

(मत्ती 10.28-33; 12.32; 10.19-20)

4 “हे हमर मित्र सभ, हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, तकरा सभ सँ नहि डेराउ जे सभ शरीर केँ मारि दैत अछि मुदा आओर किछु नहि कऽ सकैत अछि। 5किनका सँ डेराइ से हम कहैत छी—तिनका सँ डेराउ, जिनका अहाँक शरीर केँ मारि देलाक बाद अहाँ केँ नरको मे फेकबाक अधिकार छनि। हँ, हुनके सँ डेराउ! 6की दू पाइ मे पाँचटा बगेड़ी नहि बिकाइत अछि? तैयो परमेश्वर ओकरा सभ मे सँ एकोटा केँ नहि बिसरैत छथि। 7हँ, अहाँ सभक माथक एक-एकटा केशो गनल अछि। नहि डेराउ—अहाँ सभ बहुतो बगेड़ी सँ मूल्यवान छी!

8 “हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे, जे केओ मनुष्यक सामने हमरा अपन प्रभु मानि लेत, तकरो मनुष्य-पुत्र परमेश्वरक स्वर्गदूत सभक सामने अपन लोक मानि लेतैक। 9मुदा जे केओ मनुष्यक सामने हमरा अस्वीकार करत, तकरो हम परमेश्वरक स्वर्गदूत सभक सामने अस्वीकार करबैक। 10और जे केओ मनुष्य-पुत्रक विरोध मे कोनो बात कहत, तकरा क्षमा कयल जयतैक, मुदा जे केओ पवित्र आत्माक निन्दा करत, तकरा क्षमा नहि कयल जयतैक।

11 “जखन लोक सभ अहाँ सभ केँ सभाघर, शासक सभ और अधिकारी सभक समक्ष लऽ जायत, तँ एकर चिन्ता नहि करू जे हम अपन वयान मे की उत्तर देबैक वा की कहबैक, 12किएक तँ पवित्र आत्मा ओही घड़ी अहाँ सभ केँ सिखा देताह जे की कहबाक चाही।”

धनक लोभक विषय मे यीशुक चेतावनी

13 तखन भीड़ मे सँ केओ यीशु केँ कहलकनि, “यौ गुरुजी, हमरा भैया केँ हमरा संग बाबूक सम्पत्तिक बटबारा करबाक लेल कहिऔन।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

14 मुदा ओ उत्तर देलथिन, “हौ भाइ, हमरा तोहर सभक पंच वा बटबारा करऽ वला के बनौलक?”

15 तखन ओ लोक सभ कैँ कहलथिन, “सावधान! सभ तरहक लोभ सँ बाँचल रहू! कारण, मनुष्यक जीवन ओकर धन-सम्पत्ति पर निर्भर नहि रहैत छैक, ओ चाहे कतबो धनिक होअय।”

16 तखन ओ ओकरा सभ कैँ ई दृष्टान्त दऽ कऽ कहलथिन, “कोनो धनी आदमीक खेत मे बहुत उपजा भेलैक। 17 ओ मोने-मोन सोचलक जे, ‘आब हम की करू? हमरा लग अपन अन्न रखबाक लेल जगहे नहि अछि।’ 18 तखन सोचलक, ‘हम एना करब—ई सभ बखारी तोड़ि कऽ आरो नमहर-नमहर बना लेब, और ओही सभ मे हम अपन सभ अन्न और धन-सम्पत्ति राखब। 19 तखन हम अपना कैँ कहब, ले, तोरा बहुते वर्षक लेल सम्पत्ति राखल छौ। आब आराम कर, खो-पी और आनन्द कर!’ 20 मुदा परमेश्वर ओकरा कहलथिन, ‘है मूर्ख, आइए राति तोहर प्राण तोरा सँ लऽ लेल जयतौ। तखन अपना लेल एतेक जे जमा कऽ लेलें, से ककर होयतैक?’ ” 21 यीशु आगाँ कहलथिन, “एहने दशा तकरा होयतैक जे केओ अपना लेल धन जुटबैत अछि मुदा परमेश्वरक नजरि मे धनिक नहि अछि।”

चिन्ता नहि करू

(मत्ती 6.25-34, 19-21)

22 तखन यीशु अपना शिष्य सभ कैँ कहलथिन, “एहि लेल हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, प्राणक लेल चिन्ता नहि करू जे हम की खायब, आ ने शरीरक लेल चिन्ता करू जे की पहिरब। 23 कारण, प्राण भोजन सँ महत्वपूर्ण अछि आ शरीर वस्त्र सँ। 24 कौआ कैँ देखू। ओ सभ ने बाउग करैत अछि आ ने कटनी। ओकरा सभ कैँ ने कोठी छैक आ ने बखारी। तैयो परमेश्वर ओकरा सभ कैँ खुअबैत छथिन। और अहाँ सभ तँ चिड़ै सभ सँ कतेक मूल्यवान छी! 25 अहाँ सभ मे सँ के चिन्ता कऽ कऽ अपन उमेर कैँ एको पल बढ़ा सकैत छी?* 26 जँ ई छोट सँ छोट बात नहि कऽ सकैत छी, तँ आओर बातक चिन्ता किएक करैत छी?

27 “मैदानक फूल सभ कैँ देखू, जे कोना बढ़ैत अछि। ओ सभ ने खटैत अछि आ ने चर्खा कटैत अछि। तैयो हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे, राजा सुलेमान सेहो अपन राजसी वस्त्र पहिरि कऽ एहि फूल सन सुन्दर नहि लगैत छलाह। 28 परमेश्वर जँ घास कैँ, जे आइ मैदान मे अछि और काल्हि आगि मे फेकल जायत, एहि प्रकारेँ हरियरी सँ भरल रखैत छथि, तँ ओ अहाँ सभ कैँ आओर किएक नहि पहिरौताह-ओढ़ौताह? अहाँ सभ कैँ कतेक कम विश्वास अछि! 29 तेँ अहाँ सभ अपन मोन एहि सोच मे नहि लगौने रहू जे, हम की खायब और की पीब। एकर चिन्ता मे नहि लागल रहू। 30 एहि संसारक लोक सभ, जे परमेश्वर कैँ नहि चिन्हैत छनि, से सभ एहि बात सभक पाछाँ दौड़ैत रहैत अछि। अहाँ सभक पिता तँ जनैत छथि जे अहाँ सभ कैँ एहि बात सभक आवश्यकता

12:25 एहि पाँतिक अनुवाद एहि प्रकारेँ सेहो भऽ सकैत अछि, “...अपन शरीरक लम्बाइ कैँ एको हाथ बढ़ा सकैत छी?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि। 31 नहि! परमेश्वरक राज्य पर मोन
लगाउ, और इहो वस्तु सभ अहाँ कैँ देल
जायत।

32 “हे हमर भेँड़ाक छोट समूह, नहि
डेराउ, किएक तँ अहाँ सभक पिता खुशी
सँ अपन राज्य अहाँ सभ कैँ देबाक निर्णय
कऽ लेने छथि। 33 अपन सम्पत्ति बेचि कऽ
गरीब सभ कैँ दिअ। अपना लेल एहन
बटुआ बना लिअ जे कहियो नहि पुरान
होइत अछि, स्वर्ग मे धन जमा करू जे
कहियो घटैत नहि अछि, जकरा ने चोर
छुबि सकैत अछि आ ने कीड़ा नोकसान
कऽ सकैत अछि। 34 कारण, जतऽ अहाँक
धन अछि ततहि अहाँक मोनो लागल
रहत।

जागल रहू

(मत्ती 24.45-51)

35 “अहाँ सभ अपन डाँड़ कसने रहू,
और डिबिया लेसने रहू। 36 ओहि नोकर
सभ जकाँ रहू जे अपना मालिकक बाट
ताकि रहल अछि जे, ओ विवाहक भोज
खा कऽ कखन औताह जाहि सँ जखने
आबि केबाड़ खटखटौताह तँ तुरत्ते
खोलि दियनि। 37 कतेक नीक ओहि
नोकर सभक लेल होयतैक, जकरा सभ
कैँ मालिक अयला पर प्रतीक्षा करैत
पौताह। हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे,
मालिक अपन फाँड़ बान्हि कऽ ओकरा
सभ कैँ भोजन करबाक लेल बैसौथिन,
और अपने सँ ओकरा सभ कैँ परसि कऽ
खुऔथिन। 38 हँ, ओहि नोकर सभक
लेल कतेक नीक होयत, जकरा सभ कैँ
मालिक रातिक दोसरो वा तेसरो पहर मे
आबि कऽ तैयार पौथिन। 39 मुदा ई बात
जानि लिअ जे, घरक मालिक जँ बुझने
रहैत जे चोर कय बजे आबि रहल अछि,
तँ ओ अपना घर मे सेन्ह नहि काटऽ दैत।
40 अहूँ सभ सदिखन तैयार रहू, कारण
मनुष्य-पुत्र एहने समय मे आबि जयताह
जाहि समयक लेल अहाँ सभ सोचबो नहि
करब जे ओ एखन औताह।”

41 पत्रुस पुछलथिन, “प्रभु, की ई
दृष्टान्त अहाँ हमरे सभक लेल कहि रहल
छी, वा सभक लेल?”

42 प्रभु उत्तर देलथिन, “तँ के अछि
ओहन विश्वासपात्र आ बुद्धिमान
भण्डारी जकरा मालिक अपना नोकर-
चाकर सभक मुखिया बना दैत छथि जे
ओ निश्चित समय पर ओकरा सभ कैँ
निर्धारित भोजन दैक? 43 ओहि सेवकक
लेल कतेक नीक होयत, जकरा मालिक
आबि कऽ ओहिना करैत पौताह। 44 हम
अहाँ सभ कैँ सत्य कहैत छी जे, मालिक
अपन सम्पूर्ण सम्पत्तिक जबाबदेही
ओकरा जिम्मा मे दऽ देथिन। 45 मुदा जँ
ओ सेवक अपना मोन मे सोचऽ लागय
जे, ‘हमर मालिक आबऽ मे बहुत देरी कऽ
रहल अछि,’ और ओ नोकर-नोकरनी सभ
कैँ मारऽ-पिटऽ लागय आ खाय-पिबऽ मे
लागि कऽ मातल रहऽ लागय, 46 तँ ओकर
मालिक एहन दिन मे घूमि औताह जहिया
ओ हुनकर बाट नहि तकैत रहत आ एहन
समय मे औताह जकरा ओ नहि जानत।
मालिक ओकरा खण्डी-खण्डी कऽ देथिन
और ओकर अन्त ओहन होयतैक जे
अविश्वासी सभक होइत छैक।

47 “ओ सेवक जे अपन मालिकक
इच्छा तँ जनैत अछि मुदा तकरा पूरा
करबाक लेल किछु नहि करैत अछि, से
बहुत मारि खायत। 48 मुदा जे नहि जनैत
अछि आ तखन मारि खाय जोगरक काज

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करैत अछि, से कम मारि खायत। जकरा
बहुत देल गेल छैक, तकरा सँ बहुत
माँगलो जयतैक, आ जतेक आओर बेसी
ककरो देल गेल छैक, ततेक आओर फेर
ओकरा घुमाबऽ पड़तैक।

यीशुक कारणेँ फूट

(मत्ती 10.34-36)

49 “हम पृथ्वी पर आगि लगाबऽ
आयल छी, और हमरा बड्ड इच्छा अछि जे
ओ एखने सुनगि गेल रहैत। 50मुदा हमरा
एकटा बड़का कष्ट भोगबाक अछि*,
और जाबत तक ओ बात पूर्ण नहि होयत,
ताबत तक हम कतेक व्याकुल छी!
51की अहाँ सभ सोचैत छी जे हम पृथ्वी
पर मेल-मिलाप करयबाक लेल आयल
छी? नहि! हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे,
मेल-मिलाप नहि, बल्कि फूट! 52आब सँ
एके परिवार मे पाँच व्यक्ति एक-दोसराक
विरोधी भऽ जायत, तीन गोटेक विरोध मे
दू, आ दू गोटेक विरोध मे तीन। 53अपना
मे फूट भऽ जायत—बाबू बेटाक विरोध
मे, आ बेटा बाबूक विरोध मे, माय बेटीक
विरोधी, आ बेटी मायक, सासु पुतोहुक
विरोधी, आ पुतोहु सासुक।”

एहि युगक लक्षण

(मत्ती 16.2-3; 5.25-26)

54 यीशु भीड़क लोक सभ केँ इहो
कहलथिन, “पश्चिम मे मेघ उठैत देखिते
अहाँ सभ कहैत छी जे, वर्षा होयत, और
से होइतो अछि। 55और जखन दछिनाही
बहैत देखैत छी तँ कहैत छी जे, बड्ड गर्मी
पड़त, और से पड़बो करैत अछि। 56यौ
पाखण्डी सभ! पृथ्वी और आकाशक
लक्षण अहाँ सभ चिन्हि लैत छी, तँ एहि
वर्तमान समयक लक्षण सभ किएक नहि
चिन्हैत छी?

57 “अहाँ सभ अपने किएक नहि निर्णय
करैत छी जे उचित की अछि? 58केओ
अहाँ पर मोकदमा कऽ कऽ कचहरी लऽ
जा रहल अछि, तँ बाटे मे ओकरा संग
समझौता करबाक प्रयत्न करू। एना नहि
होअय जे ओ अहाँ केँ न्यायाधीशक समक्ष
बलजोरी लऽ जाय, न्यायाधीश अहाँ केँ
सिपाहीक हाथ मे दऽ देअय, आ सिपाही
अहाँ केँ जहल मे बन्द कऽ देअय। 59हम
अहाँ केँ कहैत छी जे, जाबत धरि अहाँ
पाइ-पाइ कऽ सधा नहि देबैक, ताबत
धरि ओतऽ सँ नहि छुटब।”

अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू, नहि तँ...

13 तखने किछु लोक यीशु लग
आबि कऽ हुनका किछु गलीली
सभक बारे मे सुनौलकनि जे, कोना ओ
सभ जखन बलि चढ़ा रहल छल तँ
राज्यपाल पिलातुस ओकर सभक हत्या
करबा देलथिन। 2यीशु उत्तर देलथिन,
“की अहाँ सभ बुझैत छी जे ई गलील
निवासी सभ आओर सभ गलील निवासी
सँ अधिक पापी छल जे ओकरा सभ
पर ई विपत्ति अयलैक? 3हम अहाँ सभ
केँ कहैत छी जे, नहि! मुदा अहाँ सभ जँ
अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-
परिवर्तन नहि करब, तँ अहूँ सभ एहिना
नाश होयब। 4वा ओ अठारह गोटे जकरा
सभ पर शिलोहक मिनार खसि पड़ल आ

12:50 अक्षरशः “हमरा एक बपतिस्मा लेबाक अछि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पिचा कऽ मरि गेल, की अहाँ सभ बुझैत
छी जे ओ सभ यरूशलेमक आओर सभ
निवासी सँ बेसी दोषी छल? 5हम अहाँ
सभ केँ कहैत छी जे, नहि! मुदा अहाँ
सभ जँ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ
हृदय-परिवर्तन नहि करब, तँ अहूँ सभ
एहिना नाश होयब।”
6 यीशु ओकरा सभ केँ ई दृष्टान्त दऽ
कऽ कहलथिन, “एक आदमीक अंगूर-
उद्यान मे एक अंजीरक गाछ छल। ओ
ओहि सँ फल तोड़बाक लेल गेल, मुदा
ओकरा किछुओ नहि भेटलैक। 7तखन
ओ माली केँ कहलकैक, ‘देखह! हम तीन
वर्ष सँ एहि गाछ सँ अंजीर तोड़ऽ अबैत
छी, मुदा ई कोनो फले नहि दैत अछि।
एकरा काटि दैह। ई बेकार जगहो छेकने
अछि।’ 8माली उत्तर देलकैक, ‘सरकार,
एकरा एक वर्ष आओर रहऽ देल जाओ।
हम एकरा चारू कात कोड़ि कऽ गोबर
पटा देबैक। 9तखन अगिला वर्ष जँ फड़त,
तँ ठीक, नहि तँ अपने एकरा कटबा
देबैक।’ ”

विश्राम-दिन और अठारह वर्ष सँ दुखिताहि स्त्री

10 एक विश्राम-दिन मे यीशु एकटा
सभाघर मे उपदेश दऽ रहल छलाह।
11ओहिठाम एक स्त्री छलि जकरा अठारह
वर्ष सँ दुष्टात्मा लगबाक कारणेँ डाँड़
टुटल छलैक। ओ एकदम झुकल रहैत
छलि और कनेको सोझ नहि भऽ सकैत
छलि। 12यीशु ओकरा देखि बजा कऽ
कहलथिन, “बहिन, अहाँ अपना कष्ट सँ
मुक्त भऽ गेलहुँ।” 13तखन ओ ओकरा
पर हाथ रखलनि, और ओ तुरत्ते सोझ भऽ
गेलि आ परमेश्वरक स्तुति करऽ लागलि।
14 एहि पर सभाघरक अधिकारी तमसा
गेलाह जे यीशु किएक विश्राम-दिन मे
ककरो ठीक कयलनि, और ओ लोक सभ
केँ कहलथिन, “छओ दिन अछि जाहि मे
काज करबाक चाही। ओहि छओ दिन मे
आउ और स्वस्थ कऽ देबाक लेल कहू,
नहि कि विश्राम-दिन मे।”
15 प्रभु हुनका उत्तर देलथिन, “हे
पाखण्डी सभ! की अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक
आदमी विश्राम-दिन मे अपन बड़द
वा गदहा केँ थरि सँ खोलि कऽ पानि
पिअयबाक लेल नहि लऽ जाइत छी? 16तँ
ई स्त्री जे अब्राहमक वंशज अछि, और जे
अठारह वर्ष सँ शैतानक बन्हन मे छलि,
की एकरा विश्राम-दिन मे एहि बन्हन सँ
मुक्त नहि करबाक चाही?”
17 यीशु जखन ई बात कहलनि तँ
हुनकर सभ विरोधी लज्जित भऽ गेल।
मुदा लोक सभ हुनकर नीक-नीक काज
सभ देखि अति आनन्दित भेल।

सरिसोक दानाक दृष्टान्त

(मत्ती 13.31-32; मरकुस 4.30-32)

18 तखन यीशु कहलनि, “परमेश्वरक
राज्य केहन अछि? ओकर तुलना हम
कोन चीज सँ करू? 19ओ सरिसोक
दाना जकाँ अछि जकरा किसान अपना
बाड़ी मे बाउग कयलक। ओ बढ़ि कऽ
नमहर गाछ बनि गेल, और ओकर ठाढ़ि
मे आकाशक चिड़ै सभ आबि कऽ अपन
खोंता बना लेलक।”

रोटी फुलाबऽ वला खमीरक दृष्टान्त

(मत्ती 13.33)

20 यीशु फेर कहलनि, “परमेश्वरक
राज्यक हम कोन चीज सँ तुलना करू?

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

21 ओ ओहि खमीर जकाँ अछि जकरा
एक स्त्री तीन पसेरी आँटा मे मिला कऽ
सनलक। बाद मे खमीरक शक्ति सँ पूरा
आँटा फुलि गेलैक।”

एखने प्रवेश करबाक कोशिश करू!

(मत्ती 7.13-14, 21-23)

22 तखन यीशु नगर-नगर और गाम-
गाम घूमि कऽ लोक सभ केँ उपदेश दैत
यरूशलेम दिस बढ़ऽ लगलाह। 23 केओ
हुनका सँ पुछलकनि, “प्रभु, की उद्धार
पौनिहार किछुए लोक मात्र होयत?”

24 ओ उत्तर देलथिन, “द्वारिक चौराइ
कम अछि तेँ पूरा शक्ति सँ प्रवेश करबाक
कोशिश करू। कारण, हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे, एहन बहुतो लोक होयत जे
प्रवेश करऽ चाहत मुदा कऽ नहि सकत।
25 जखन घरक मालिक उठि कऽ केबाड़
बन्द कऽ लेताह तँ अहाँ सभ बाहर ठाढ़
भऽ कऽ केबाड़ केँ ढकढका कऽ कहऽ
लागब जे, ‘प्रभु, हमरा सभक लेल खोलि
दिअ।’ ओ उत्तर देताह, ‘हम तोरा सभ केँ
नहि चिन्हैत छिअह आ नहि जनैत छिअह
जे कतऽ सँ आयल छह।’ 26 तखन अहाँ
सभ कहऽ लागब जे, ‘हम सभ तँ अहाँक
संग खयलहुँ-पिलहुँ, और अहाँ हमरा
सभक गाम-घर मे उपदेश देलहुँ।’ 27 मुदा
ओ कहताह, ‘हम तोरा सभ केँ नहि चिन्हैत
छिअह, आ नहि जनैत छिअह जे कतऽ सँ
आयल छह। है कुकर्मी सभ, तोँ सभ गोटे
हमरा लग सँ भाग!’ 28 अहाँ सभ जखन
अब्राहम, इसहाक, याकूब आ परमेश्वरक
प्रवक्ता सभ केँ परमेश्वरक राज्य मे
देखबनि और अपना केँ बाहर निकालल
पायब तखन अहाँ सभ कानब और दाँत
कटकटायब। 29 लोक पूब आ पश्चिम,
उत्तर आ दक्षिण सँ आबि कऽ परमेश्वरक
राज्य मे भोज खयबाक लेल बैसत। 30 हँ,
कतेक लोक जे एखन पाछाँ अछि से तखन
आगाँ रहत, आ कतेक लोक जे एखन
आगाँ अछि से तखन पाछाँ रहत।”

“हम अपन लक्ष्य पूरा करब”

31 तखने किछु फरिसी सभ आबि
कऽ यीशु केँ कहलथिन, “अहाँ एहिठाम
सँ चल जाउ, कारण हेरोद अहाँ केँ मारि
देबऽ चाहैत अछि।”

32 ओ उत्तर देलथिन, “जा कऽ ओहि
नढ़िया केँ कहि दिऔक जे, हम आइ और
काल्हि दुष्टात्मा निकालबाक और बिमार
लोक सभ केँ नीक करबाक अपन काज
करैत रहब, और परसू हम अपन लक्ष्य
पूरा करब। 33 हमरा आइ, काल्हि और
परसू आगाँ बढ़ैत रहबाक अछि, किएक
तँ ई कोना होयत जे परमेश्वरक कोनो
प्रवक्ता यरूशलेम छोड़ि कोनो दोसर
ठाम मारल जाय?

यरूशलेमक लेल विलाप

(मत्ती 23.37-39)

34 “हे यरूशलेम! हे यरूशलेम! तोँ
प्रभुक प्रवक्ता सभक हत्या करैत छह आ
जिनका परमेश्वर तोरा लग पठबैत छथुन,
तिनका सभ केँ तोँ पथरबाहि कऽ कऽ मारि
दैत छहुन। हम कतेको बेर चाहलिअह जे
जहिना मुर्गी अपना बच्चा सभ केँ अपन
पाँखिक तर मे नुकबैत अछि, तहिना हमहूँ
तोहर सन्तान सभ केँ जमा कऽ लिअह।
मुदा तोँ ई नहि चाहलह! 35 देखह, आब
तोहर घर उजड़ल पड़ल छह। हम तोरा
कहैत छिअह, तोँ हमरा फेर ताबत तक
नहि देखबह जाबत तक ओ समय नहि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आओत जहिया तोँ ई कहबह जे, ‘धन्य
छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ अबैत छथि!’*”

यीशु फरिसीक घर मे

14 एक विश्राम-दिन यीशु एक
मुख्य फरिसीक घर भोजन
करबाक लेल गेलाह। फरिसी सभ हुनका
पर घात लगौने छलाह। 2यीशुक ठीक
सामने मे एक आदमी छल, जकर देह-
हाथ बिमारी सँ फुलि गेल छलैक। 3यीशु
धर्म-नियमक पंडित और फरिसी सभ सँ
पुछलथिन, “की विश्राम-दिन मे रोगी केँ
स्वस्थ करब धर्म-नियमक अनुसार उचित
होयत वा नहि?” 4मुदा ओ सभ एकर
किछु उत्तर नहि देलथिन। यीशु ओहि
आदमी केँ हाथ सँ पकड़ि कऽ नीक कऽ
देलथिन और जाय देलथिन।

5 तखन यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
“अहाँ सभ मे एहन के छी, जकर बेटा*
वा बड़द जँ विश्राम-दिन मे इनार मे
खसि पड़य तँ ओकरा तुरत्ते बाहर नहि
निकालब?” 6ओ सभ फेर किछु उत्तर
नहि दऽ सकलथिन।

अपना केँ पैघ नहि बुझू

7 यीशु जखन निमन्त्रित लोक सभ केँ
अपना लेल मुख्य-मुख्य आसन चुनैत
देखलनि, तँ हुनका सभ केँ ई दृष्टान्त
दऽ कऽ सिखाबऽ लगलथिन जे, 8“अहाँ
सभ केँ जखन केओ विवाह मे निमन्त्रित
करय तँ मुख्य आसन पर नहि बैसू। कतौ
एना नहि होअय जे अहूँ सँ प्रतिष्ठित
व्यक्ति सेहो आमन्त्रित होथि 9और
जे घरबैआ अहाँ दूनू गोटे केँ नोत देने
छथि से आबि कऽ अहाँ केँ कहथि जे,
‘एहिठाम हिनका बैसऽ दिऔन।’ तखन
अहाँ केँ लाजक अनुभव होयत आ सभ
सँ नीच स्थान पर बैसऽ पड़त। 10नहि,
अहाँ केँ जखन केओ नोत दिअय, तँ जा
कऽ सभ सँ नीच स्थान पर बैसू जाहि
सँ घरबैआ जखन औताह तँ अहाँ केँ
कहथि, ‘यौ संगी, चलू, एम्हर नीक
आसन पर बैसू।’ एहि तरहेँ अतिथि
सभक सामने अहाँक आदर कयल
जायत। 11हँ, जे केओ अपना केँ पैघ
बनाबऽ चाहैत अछि, से छोट बनाओल
जायत, और जे केओ अपना केँ छोट
बुझैत अछि, से पैघ बनाओल जायत।”

12 तखन यीशु घरबैआ केँ कहलथिन,
“जखन लोक केँ भोजन करबाक वा
भोज खयबाक नोत दैत छी, तँ अपना
संगी-साथी, कुटुम्ब-परिवारक लोक वा
धनी-मनी पड़ोसी सभ केँ नहि बजाउ।
ओकरा सभ केँ जँ बजायब तँ बहुत
सम्भावना अछि जे ओ सभ अहूँ केँ फेर
बजाओत, और एहि तरहेँ अहाँ केँ तकर
बदला भेटि जायत। 13नहि, अहाँ जखन
भोज करी तँ गरीब, लुल्ह-नाङड़ और
आन्हर सभ केँ बजाउ। 14अहाँ धन्य
होयब, कारण ओ सभ अहाँ केँ फेर बजा
कऽ तकर बदला नहि दऽ सकत; अहाँ
तकर बदला तहिया पायब जहिया धर्मी
सभ मृत्यु सँ जीबि उठताह।”

बड़का भोजक दृष्टान्त

(मत्ती 22.1-10)

15 ई सुनि यीशुक संग भोजन पर बैसल
एक आदमी कहलकनि, “धन्य अछि ओ

13:35 भजन 118.26 **14:5** किछु हस्तलेख मे, “बेटा”क स्थान मे “गदहा” लिखल अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ जे परमेश्‍वरक राज्यक भोज खाय पाओत!”

16 यीशु उत्तर देलथिन, “एक बेर एक आदमी बड़का भोज कऽ कऽ बहुत लोक कैं निमन्त्रण देलनि। [17] भोजक सामग्री तैयार भेला पर, जकरा सभ कैं ओ नोत देने छलथिन, तकरा सभ लग ई कहबाक लेल अपना नोकर कैं पठौलथिन जे, ‘चलै जाइ जाउ, बिझो भेल, सभ वस्तु ठीक भऽ गेल अछि।’ [18] मुदा ओ सभ एक-एक कऽ बहाना करऽ लागल। पहिल आदमी कहलकैक, ‘हम एकटा खेत किनने छी और ओकरा एखन देखऽ जयबाक अछि। कृपा कऽ कऽ हमरा माफ करू।’ [19] दोसर कहलकैक, ‘हम पाँच जोड़ बड़द किनने छी, और ओकरा सभ कैं जोति कऽ जँचबाक लेल हम एखन विदा भऽ गेल छी। कृपा कऽ कऽ हमरा माफ करू।’ [20] फेर तेसर कहलकैक, ‘हम एखने विवाह कयलहुँ, तेँ हम नहि आबि सकैत छी।’ [21] नोकर घूमि कऽ सभटा बात अपना मालिक कैं कहलकनि। तखन घरबैआ तामसे-पित्ते नोकर कैं अढ़ौलनि जे, ‘जल्दी-जल्दी नगरक बाट और गली सभ मे जाह और गरीब, लुल्ह-नाङड़ और आन्हर सभ कैं बजा लाबह।’ [22] कनेक काल मे नोकर आबि कऽ कहलकनि, ‘मालिक, अपने जहिना हमरा कहलहुँ तहिना हम कयलहुँ, तैयो बैसबाक जगह बाँकिए अछि।’ [23] तँ मालिक ओकरा उत्तर देलथिन, ‘तखन बाहर देहातोक सड़क और आरि-धुर पर सँ लोक सभ कैं बलजोरी बजा कऽ लाबह, जाहि सँ हमर घर भरि जाय। [24] हम तोरा सभ कैं कहैत छिअह जे, जकरा सभ कैं हम पहिने नोत देने छलिऐक, ताहि मे सँ एको गोटे हमर एहि भोज मे सँ किछु नहि चिखऽ पाओत।’ ”

शिष्यताक दाम जानू!

(मत्ती 10.37-38)

25 आब बहुत बड़का भीड़ यीशुक संग चलि रहल छलनि। ओ ओकरा सभ दिस घूमि कऽ कहलथिन, [26] “जँ केओ हमरा लग आओत, और अपन माय-बाबू, स्त्री, धिआ-पुता और भाय-बहिन कैं, और हँ, अपना प्राणो कैं अप्रिय नहि बुझत, तँ ओ हमर शिष्य नहि बनि सकैत अछि। [27] जे केओ हमरा कारणेँ दुःख उठयबाक आ प्राणो देबाक लेल तैयार भऽ* हमरा पाछाँ नहि चलैत अछि, से हमर शिष्य नहि बनि सकैत अछि।

28 “तहिना, मानि लिअ जे अहाँ सभ मे सँ केओ बड़का घर बनाबऽ चाहत, तँ की ओ पहिने बैसि कऽ हिसाब नहि करत जे एहि मे कतेक खर्च लागत, पूरा करबाक लेल हमरा लग पाइ अछि वा नहि? [29] किएक तँ ओ जँ शुरू करत आ न्यो राखि कऽ घर पूरा नहि कऽ सकत, तँ जतेक लोक देखतैक, से सभ ओकरा हँसी उड़ाबऽ लगतैक जे, [30] ‘ई घर बनाबऽ लागल और बीचहि मे छोड़ऽ पड़लैक!’

31 “वा मानि लिअ जे कोनो राजा दोसर राजा सँ युद्ध करबाक लेल बहरा रहल अछि। तँ की ओ पहिने बैसि कऽ नीक जकाँ विचार नहि कऽ लेत जे, जे राजा बीस हजार सैनिक लऽ कऽ हमरा पर आक्रमण करऽ आबि रहल अछि,

14:27 अक्षरशः “जे केओ अपन क्रूस उठा कऽ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

की तकर सामना हम दस हजार सैनिक
लऽ कऽ कऽ सकब? 32जँ ओकरा
होयतैक जे नहि कऽ सकब, तँ ओहि
राजा केँ दूर रहिते ओ दूत सभ केँ पठा
कऽ मेल-मिलापक समझौताक लेल
आग्रह करतैक। 33तहिना, अहाँ सभ मे
सँ जे केओ अपन सभ किछु केँ त्यागि
नहि देत, से हमर शिष्य नहि बनि सकैत
अछि।

34 "नून नीक वस्तु अछि, मुदा जँ
ओकर स्वाद समाप्त भऽ जाइक तँ कोन
वस्तु सँ ओकरा फेर नूनगर बनाओल जा
सकत? 35ओ ने जमीनक लेल उपयुक्त
होयत आ ने खादक लेल। तखन ओ
फेकले जायत। जकरा सुनबाक लेल कान
होइक, से सुनओ।"

पापी सभक प्रति परमेश्वरक प्रेमक तीन दृष्टान्त

15 कर असूल करऽ वला और
"पापी" सभ यीशु लग हुनकर
शिक्षा सुनबाक लेल जमा भऽ रहल छल।
2मुदा फरिसी और धर्मशिक्षक सभ दूसऽ
लगलाह जे, "ई तँ पापी सभ केँ स्वागत
करैत अछि और ओकरा सभक संग
खाइतो अछि।"

हेरायल भेँड़ाक दृष्टान्त

(मत्ती 18.12-14)

3 तखन यीशु हुनका सभ केँ ई दृष्टान्त
देलथिन, 4"मानि लिअ जे अहाँ सभ
मे सँ ककरो जँ एक सय भेँड़ा होअय
और एकटा हेरा जाय, तँ की ओ अपन
निनान्नबे केँ बाध मे छोड़ि हेरायल भेँड़ा
केँ ताबत धरि नहि तकैत रहत जाबत धरि
ओ नहि भेटतैक? 5तकरबाद भेटि गेला
पर ओ कतेक प्रसन्न होयत! अपना भेँड़ा
केँ कान्ह पर उठा कऽ घर चल आओत
6और अपन संगी-साथी, पड़ोसी सभ केँ
बजा कऽ कहतैक जे, 'हमरा संग आनन्द
मनाउ, किएक तँ हमर हेरायल भेँड़ा भेटि
गेल।' 7हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे,
एहि तरहेँ निनान्नबे एहन धर्मी सभ जे ई
बुझैत अछि जे हमरा अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन करबाक
कोनो आवश्यकता नहि अछि, स्वर्ग मे
ओकरा सभक अपेक्षा ओहि एक पापीक
लेल बेसी आनन्द मनाओल जायत जे
अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-
परिवर्तन करैत अछि।

हेरायल रुपैयाक दृष्टान्त

8 "वा मानि लिअ जे कोनो स्त्री केँ
दसटा चानीक रुपैया होइक और एकटा
हेरा जाइक, तँ की ओ डिबिया लेसि कऽ
घर बहारि कऽ ओ रुपैया जा धरि नहि
भेटि जयतैक ता धरि बढ़ियाँ जकाँ तकैत
नहि रहत? 9तकरबाद रुपैया भेटला पर
ओ अपन सहेली और पड़ोसी सभ केँ
बजा कऽ कहतैक जे, 'हमरा संग आनन्द
मनाउ, किएक तँ हमर हेरायल रुपैया फेर
भेटि गेल।' 10हम अहाँ सभ केँ कहैत
छी जे, एही तरहेँ एकोटा पापी जे अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन
करैत अछि, तकरा लेल परमेश्वरक
स्वर्गदूत सभ आनन्द मनबैत छथि।"

हेरायल बेटाक दृष्टान्त

11 यीशु आगाँ कहलथिन, "एक
आदमी केँ दूटा बेटा रहनि। 12छोटका
अपना बाबू केँ कहलकनि, 'यौ बाबूजी!
हमर अंश-सम्पत्ति जे-जतेक होयत, से

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एखने हमरा बाँटि कऽ दऽ दिअ।’ एहि
पर बाबू दूनू बेटा मे अपन धन-सम्पत्ति
बाँटि देलथिन।

13 “किछु दिनक बाद छोटका बेटा
अपन सभ धन-सम्पत्ति लऽ कऽ दूर
परदेश चल गेल। ओतऽ ओ भोग-विलास
मे अपन सभ धन उड़ा लेलक। 14 ओकर
सभ धन खर्च भऽ गेलाक बाद, ओहि
देश मे बहुत भारी रौदी पड़लैक, और ओ
बड़का विपत्ति मे पड़ि गेल। 15 तखन ओ
ओहि देशक एक आदमीक शरण मे गेल,
जे ओकरा अपना खेत मे सुगर चरयबाक
लेल पठौलकैक। 16 ओकरा बड्ड इच्छा
भेलैक जे, जे खोंइचा सुगर सभ खा रहल
अछि ताहि सँ हम अपनो पेट भरितहुँ, मुदा
ओकरा केओ किछु नहि दैत छलैक।

17 “तखन ओकरा होश अयलैक, और
ओ सोचऽ लागल जे, हमर बाबूजीक
ओतेक नोकर-चाकर सभ भरि पेट
भोजन पबैत अछि, और हम एतऽ भूख सँ
मरऽ-मरऽ पर छी। 18 हम अपना बाबूक
ओहिठाम जा कऽ ई कहबनि जे, बाबूजी,
हम परमेश्वरक विरोध मे और अहाँक
विरोध मे पाप कयने छी। 19 हम आब
अहाँक बालक कहयबा जोगरक नहि
छी। अपना नोकर सभ जकाँ हमरो एकटा
नोकर मानू।

20 “एना विचार कऽ कऽ ओ उठल
आ अपना बाबूक ओहिठाम जयबाक
लेल विदा भऽ गेल। ओ घर सँ दूरे छल
कि ओकर बाबू ओकरा चिन्हि गेलथिन
और हुनकर हृदय दया सँ भरि गेलनि।
ओ दौड़ि कऽ अपना बेटा केँ भरि पाँज
पकड़ि ओकरा चुम्मा लेबऽ लगलथिन।
21 बेटा हुनका कहलकनि, ‘बाबूजी, हम
परमेश्वरक विरोध मे और अहाँक विरोध
मे पाप कयने छी। हम आब अहाँक पुत्र
कहयबा जोगरक नहि छी।’ 22 मुदा पिता
अपना नोकर सभ केँ कहलथिन, ‘जल्दी
सँ बढ़ियाँ-बढ़ियाँ कपड़ा आनि कऽ
एकरा पहिरा दहक, हाथ मे औँठी लगा
दहक, पयर मे जुत्ता सेहो पहिरा दहक,
23 और ओ मोटका पशु जे पोसि कऽ रखने
छी, तकरा काटह! हम सभ भोज कऽ
कऽ खुशी मनायब, 24 किएक तँ ई हमर
बेटा मरि गेल छल आ फेर जीबि गेल! ई
हेरायल छल आ फेर भेटि गेल!’ तकरबाद
ओ सभ खुशी मनाबऽ लगलाह।

25 “ई सभ होइत काल जेठका बेटा
खेत मे रहनि। जखन ओ घर लग पहुँचल
तँ घर मे नाच-गान सुनलक। 26 ओ एकटा
नोकर केँ बजा कऽ पुछलक, ‘ई की
भऽ रहल अछि?’ 27 नोकर कहलकैक,
‘अहाँक भाय अयलाह अछि, आओर
अहाँक बाबूजी एहि खुशी मे जे हमर
बेटा हमरा फेर सकुशल भेटि गेल अछि,
मोटका पशु जे पोसल छलैक, तकरा
कटबौलनि अछि।’

28 “ई सुनि कऽ ओकरा ततेक तामस
भेलैक जे ओ भीतरो नहि गेल। बाबूजी
ई बात बुझि, बाहर आबि कऽ ओकरा
मनाबऽ लगलथिन। 29 मुदा ओ अपना
बाबू केँ उत्तर देलकनि जे, ‘देखू! एतेक
वर्ष सँ हम मरि-मरि कऽ अहाँक सेवा कऽ
रहल छी, आ कहियो अहाँक बात नहि
टारलहुँ। तैयो आइ धरि हमरा संगी सभक
संग खुशी मनयबाक लेल एकोटा पठरू
तक काटऽ नहि देलहुँ, 30 मुदा अहाँक ई
बेटा वेश्या सभ लग अहाँक सभ धन-
सम्पत्ति उड़ा कऽ जखन घर आयल अछि,
तँ अहाँ ओकरा लेल पोसल मोटका पशु
कटबबैत छी!’

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

31 “बाबू कहलथिन, ‘बौआ! अहाँ सभ
दिन हमरा संग छी, आ जे-जतेक हमर
सम्पत्ति अछि, से सभ अहींक अछि।
32मुदा एहि शुभ अवसर पर खुशी तँ
मनाबहि पड़ल, किएक तँ ई अहाँक भाय
मरि गेल छल आ फेर जीबि गेल, हेरा गेल
छल आ फेर भेटि गेल!’ ”

चतुर मुन्सी

16 यीशु अपना शिष्य सभ केँ
कहलथिन, “कोनो धनी आदमी
रहथि। हुनका एकटा मुन्सी छलनि जे
हुनकर पाइ-कौड़ीक हिसाब-किताब
रखैत छलनि। मुन्सीक बारे मे हुनका लग
ई सिकायत अयलनि जे, ओ अपनेक
सम्पत्ति उड़ा रहल अछि। 2एहि पर ओ
अपना मुन्सी केँ बजा कऽ पुछलथिन, ‘ई
हम तोरा विषय मे की सुनि रहल छिअह?
तोँ अपना काजक हिसाब-किताब हमरा
दैह, कारण आब हम तोरा नोकरी सँ हटा
रहल छिअह।’

3 “तँ मुन्सी मोने-मोन सोचलक जे, आब
हम की करू? मालिक हमरा सँ हमर
नोकरी छिनि रहल छथि। माटि कोड़बाक
लेल देह मे तागति नहि अछि, आ भीख
माँगऽ मे लाज होइत अछि। 4हँ, आब
फुरायल एकटा बात जे हम कऽ सकैत
छी जाहि सँ नोकरी छुटला पर लोक सभ
अपना घर मे हमर स्वागत करत।

5 “ई विचारि कऽ ओ अपना मालिकक
कर्जदार सभ केँ एक-एक कऽ बजबौलक।
पहिल वला सँ पुछलकैक, ‘अहाँ पर हमर
मालिकक कतेक ऋण अछि?’ 6ओ
उत्तर देलकैक जे ‘एक सय मन तेल।’ तँ
मुन्सी कहलकैक, ‘लिअ अपन लेखत,
आ जल्दी बैसि कऽ ओकरा पचास मन
बना लिअ।’ 7तखन दोसर सँ पुछलकैक,
‘और अहाँ पर कतेक ऋण अछि?’ ओ
कहलकैक, ‘एक सय बोरा गहुम।’ मुन्सी
कहलकैक, ‘लिअ अपन लेखत और
अस्सी बोरा लिखि लिअ।’ 8मालिक एहि
बइमान मुन्सीक प्रशंसा कयलथिन, जे ओ
चतुराइ सँ काज कयलक। एहि संसारक
पुत्र सभ इजोतक पुत्र सभक अपेक्षा
अपना लोकक संग जे व्यवहार छैक,
ताहि मे विशेष चतुर रहैत अछि।

परमेश्वर आ धन दूनूक सेवा नहि

9 “हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे,
सांसारिक धन अपना लेल संगी बनाबऽ मे
प्रयोग करू, जाहि सँ धन-सम्पत्ति जखन
समाप्त भऽ जायत तँ स्वर्गक भवन मे
अहाँक स्वागत होयत।

10 “जे छोट बात सभ मे विश्वासपात्र
अछि, से पैघो बात सभ मे विश्वासपात्र
रहत। जे छोट बात मे बइमान अछि,
से पैघो बात मे बइमान रहत। 11अहाँ
सांसारिक धन मे जँ विश्वासपात्र नहि
भेलहुँ, तँ वास्तविक धन दऽ कऽ अहाँ पर
के विश्वास करत? 12जँ अनका धन मे
अहाँ विश्वासपात्र नहि भेलहुँ, तँ अहाँक
अपन धन अहाँ केँ के देत?

13 “कोनो खबास दूटा मालिकक सेवा
नहि कऽ सकैत अछि। कारण, ओ एक
सँ घृणा करत आ दोसर सँ प्रेम, अथवा
पहिल केँ खूब मानत आ दोसर केँ तुच्छ
बुझत। अहाँ परमेश्वर और धन-सम्पत्ति
दूनूक सेवा नहि कऽ सकैत छी।”

14 फरिसी सभ, जे धनक लोभी छलाह,
से सभ ई सभ बात सुनि रहल छलाह और
हुनकर हँसी उड़ाबऽ लगलनि। 15यीशु
हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ठीक ओहन लोक सभ छी जे मनुष्यक सामने अपना कैँ धर्मी ठहरबैत छी, मुदा परमेश्वर अहाँ सभक मोन कैँ जनैत छथि। जे मनुष्यक नजरि मे सम्मानजनक बात अछि, से परमेश्वरक दृष्टि मे घृणित अछि।

धर्म-नियम और परमेश्वरक राज्य

(मत्ती 11.12-13)

16 “यूहन्नाक समय धरि मूसाक धर्म-
नियम और प्रभुक प्रवक्ता सभक लेख
छल। तकरा बादक समय सँ परमेश्वरक
राज्यक शुभ समाचारक प्रचार भऽ रहल
अछि, और सभ केओ हुनकर राज्य मे
प्रवेश करबाक पूरा बल सँ प्रयत्न कऽ
रहल अछि। [17]तैयो धर्म-नियमक एको
अक्षरक मात्रा मेटा जयबाक अपेक्षा
आकाश और पृथ्वी समाप्त भेनाइ आसान
होयत।

तलाक

(मत्ती 5.31-32; मरकुस 10.11-12)

18 “जे केओ अपना स्त्री कैँ तलाक
दऽ कऽ दोसर सँ विवाह करैत अछि, से
परस्त्रीगमन करैत अछि। आ जे कोनो
पुरुष पति द्वारा तलाक देल गेल स्त्री सँ
विवाह करैत अछि, सेहो परस्त्रीगमन
करैत अछि।

धनिक आदमी और लाजर

19 “एक धनिक आदमी छल जे
मलमल आ दामी-दामी वस्त्र पहिरैत
छल। ओ सभ दिन भोज सनक भोजन
करैत छल आ सुख-विलास सँ रहैत छल।
[20]ओकरा दुआरि पर लाजर नामक गरीब
आदमी कैँ, जकर सम्पूर्ण शरीर घाव सँ
भरल छलैक, राखि देल जाइत छलैक।
[21]ओ गरीब आदमी आशा करैत छल जे
धनिकक टेबुल सँ खसल टुकड़ा-टुकड़ी
पाबि कऽ पेट भरब। कुकुर सभ आबि
कऽ ओहि दुखिताह कैँ घाव सेहो चाटि
लैत छलैक।

22 “एक दिन गरीब लाजर मरि गेल
आओर स्वर्गदूत सभ ओकरा स्वर्ग मे
अब्राहम लग पहुँचौलनि। धनिक आदमी
सेहो मरल आ माटि मे गाड़ल गेल।
[23]नरक* मे ओ अत्यन्त पीड़ा सहैत
ऊपर दिस ताकि बहुत दूर अब्राहम कैँ आ
हुनका लग लाजर कैँ देखलकनि। [24]ओ
सोर पारलकनि जे, ‘यौ पिता अब्राहम!
हमरा पर दया कऽ कऽ एहिठाम लाजर
कैँ पठा दिअ, जे ओ अपन आङुरक नऽह
पानि मे डुबा कऽ हमर जीह कैँ कनेक
शीतल कऽ दिअय, हमरा एहि आगि मे
बड्ड पीड़ा भऽ रहल अछि!’

25 “मुदा अब्राहम उत्तर देलथिन, ‘हौ
बेटा! मोन पाड़ह जे तोँ अपना जीवन
मे नीक-नीक वस्तु सभ पौलह, जहिना
लाजर खराब वस्तु। आब ओ एतऽ
आनन्द मे अछि आओर तोँ पीड़ा मे।
[26]आओर एतबे नहि—हमरा सभक आ
तोरा बीच मे बड़का दरारि बनाओल गेल
अछि, जाहि सँ जँ केओ एतऽ सँ तोरा
ओहिठाम जाय चाहत तँ नहि जा सकत,
आ ने तोँ जतऽ छह, ततऽ सँ केओ हमरा
सभक ओहिठाम आबि सकत।’

27 “तखन ओ धनिक उत्तर देलकनि,
‘एना अछि तँ, यौ पिता, हम विनती करैत

16:23 मूल मे, “हेडीस”, अर्थात् मरल सभक वास-स्थान

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छी जे हमर बाबूक ओहिठाम लाजर केँ
पठाउ, 28ओतऽ हमर पाँच भाय अछि।
ओकरा सभ केँ ओ चेतावनी दैक जाहि
सँ ओ सभ एहि पीड़ाक स्थान मे नहि
आबय।'

29 "अब्राहम कहलथिन, 'मूसाक धर्म-
नियम और परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
लेख ओकरा सभ लग छैक, तोहर भाय
सभ ओकरा मानओ।'

30 "ओ उत्तर देलकनि, 'नहि पिता
अब्राहम! ओतबे सँ नहि होयत! मुदा जँ
केओ मरल सभ मे सँ ओकरा सभ लग
जायत, तखन ओ सभ मानत और अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ ठीक रस्ता पर
आओत।'

31 "अब्राहम कहलथिन, 'ओ सभ जँ
मूसाक और परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
लेख नहि मानत, तँ जँ केओ मरि कऽ
जिबिओ जायत तँ ओकरो बात नहि
मानतैक।' "

यीशुक किछु उपदेश

(मत्ती 18.6-7, 21-22; मरकुस 9.42)

17 यीशु अपना शिष्य सभ केँ
कहलथिन, "ई निश्चित अछि
जे लोक सभ केँ पाप मे फँसाबऽ वला
बात सभ होयत, मुदा धिक्कार ताहि
मनुष्य केँ, जकरा द्वारा ओहन बात सभ
अबैत अछि! 2ओकरा लेल एहि सँ नीक
जे ओ एहि बच्चा सभ मे सँ एकोटा केँ
पाप मे फँसाबय ई होइत जे ओकरा घेंट
मे जाँतक पाट बान्हि समुद्र मे फेकि देल
जाय। 3तेँ अहाँ सभ सावधान रहू!

"अहाँक भाय जँ पाप करैत अछि तँ
ओकरा मना करू। जँ ओ अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ पाप केँ छोड़ैत अछि
तँ ओकरा माफ कऽ दिऔक। 4आ जँ ओ
दिन मे सात बेर अहाँक विरोध मे अपराध
करय और सात बेर अहाँ लग घूमि कऽ
अपन अपराध मानि कऽ माफी माँगय तँ
माफ कऽ दिऔक।"

5 तखन समीह-दूत सभ हुनका
कहलथिन, "हमरा सभक विश्वास केँ
बढ़ाउ!" 6ओ उत्तर देलथिन, "जँ अहाँ
सभ केँ सरिसोक दानो बराबरि विश्वास
अछि, तँ एहि तूँइतक गाछ केँ कहि सकैत
छिऐक जे, उखड़ि कऽ समुद्र मे रोपा जो,
और ओ अहाँक आज्ञा मानत।

7 "अहाँ सभ मे एहन मालिक के छी,
जकर नोकर खेत मे सँ हऽर जोति कऽ
वा बाध मे सँ भेँड़ा चरा कऽ जखन अबैत
अछि, तँ कहैत छिऐक जे, 'आउ, आउ,
बैसू, भोजन कऽ लिअ'? 8की ई नहि
कहबैक जे, 'हमर भानस करह, तखन
जा धरि हम भोजन पर सँ उठब नहि, ता
धरि तोँ फाँड़ बान्हि कऽ हमर सेवा करह,
तकरबाद तोहूँ खाह-पिबह'? 9जखन
नोकर मालिकक कहल करैत छनि, तँ की
ओहि लेल मालिक ओकरा धन्यवाद दैत
छथिन? नहि! 10तहिना अहूँ सभ, जतेक
काज अहाँ सभ केँ अढ़ाओल गेल होअय,
से सभ पूरा कऽ कऽ ई कहू जे, 'हम सभ
कोनो प्रशंसा जोगरक नहि छी; हम सभ तँ
खाली वैह कयलहुँ जे हमर सभक कर्तव्य
छल।' "

दसटा कुष्ठ-रोगी

11 यीशु यरूशलेम जाइत काल
सामरिया और गलील प्रदेशक सीमा दऽ
कऽ जा रहल छलाह। 12कोनो गाम मे
जखन प्रवेश कयलनि तँ दसटा कुष्ठ-रोगी
हुनका भेटलनि। ओ सभ फराके सँ ठाढ़

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

भऽ कऽ 13जोर सँ सोर पारलकनि जे, “यौ
मालिक यीशु! हमरा सभ पर दया करू!”
14 यीशु ओकरा सभ कैँ देखि कऽ
कहलथिन, “पुरोहित सभक ओहिठाम
जाह और अपना कैँ हुनका सभ कैँ देखा
दहुन।” ओ सभ जाइते-जाइत मे नीक भऽ
गेल।

15 तखन ओकरा सभ मे सँ एक गोटे
जखन देखलक जे हम नीक भऽ गेलहुँ, तँ
ओ जोर-जोर सँ परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा
करैत घूमि आयल, 16और यीशुक पयर पर
खसि कऽ हुनकर धन्यवाद करऽ लगलनि।
ओ यहूदी नहि, सामरी जातिक छल।

17 तखन यीशु बजलाह, “की दसो
गोटे नीक नहि भेल? आरो नौ आदमी
कतऽ अछि? 18की एहि आन जातिक
लोक कैँ छोड़ि कऽ आओर केओ एहन
नहि बहरायल जे घूमि कऽ परमेश्वरक
धन्यवाद करितनि?” 19तखन ओ ओकरा
कहलथिन, “आब उठि कऽ जाह। तोहर
विश्वास तोरा नीक कऽ देलकह।”

मनुष्य-पुत्रक दोसर आगमन

(मत्ती 24.23-28, 37-41)

20 फरिसी सभक ई पुछला पर जे
परमेश्वरक राज्य कहिया आओत, यीशु
उत्तर देलथिन, “परमेश्वरक राज्य ओहि
तरहेँ नहि अबैत अछि जे आँखि सँ देखल
जा सकय। 21केओ कहऽ वला नहि होयत
जे, ‘देखू, एतऽ अछि,’ वा ‘ओतऽ अछि,’
कारण, परमेश्वरक राज्य अहाँ सभक
बीच मे अछि*।”

22 तखन ओ अपना शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, “ओ समय आबि रहल
अछि जखन अहाँ सभ कैँ मनुष्य-पुत्रक
युगक एको दिन देखबाक लेल बड़का
इच्छा होयत, मुदा देखि नहि सकब।
23लोक अहाँ सभ कैँ कहत जे, ‘ओतऽ
छथि!’ वा ‘एतऽ छथि।’ मुदा नहि जाउ!
ओकरा सभक पाछाँ नहि दौड़ू! 24कारण,
मनुष्य-पुत्रक दिन जखन औतनि, तँ ओ
बिजलोका जकाँ होयताह, जे चमकि
कऽ आकाश कैँ एक कात सँ दोसर कात
तक इजोत कऽ दैत अछि। 25मुदा ओहि
सँ पहिने ई आवश्यक अछि जे ओ बहुत
दुःख भोगथि और एहि पीढ़ीक लोक द्वारा
अस्वीकार कयल जाथि।

26 “जहिना नूहक समय मे भेल, तहिना
मनुष्य-पुत्रक अयबाक समय मे सेहो
होयत। 27जाहि दिन नूह जहाज मे चढ़ि
गेलाह, ताहि दिन धरि लोक सभ खाय-
पिबऽ मे और विवाह करऽ-कराबऽ मे
मस्त रहल आ तखन जल-प्रलय भेल और
सभ केओ नष्ट भऽ गेल।

28 “तहिना लूतक समय मे सेहो भेल।
लोक सभ खाइत-पिबैत रहल, चीज-वस्तु
बेचैत-किनैत रहल, बीया बाउग करैत
रहल आ घर बनबैत रहल। 29मुदा जाहि
दिन लूत सदोम नगर सँ बहरयलाह, ताही
दिन आकाश सँ आगि और गन्धकक
वर्षा भेल और सभ केओ नष्ट भऽ गेल।

30 “जाहि दिन मनुष्य-पुत्र फेर प्रगट
होयताह, ताहू दिन ठीक ओहिना होयत।
31ताहि दिन जँ केओ छत पर होअय
और ओकर सामान घर मे, तँ ओ ओकरा
लेबाक लेल नहि उतरओ। तहिना जे
केओ खेत मे होअय, से घूमि कऽ नहि
आबओ। 32लूतक घरवाली कैँ मोन राखू।

17:21 वा, “...अहाँ सभक भीतर अछि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

33जे केओ अपन प्राण बचयबाक प्रयत्न
करैत अछि, से ओकरा गमाओत, और जे
केओ अपन प्राण गमबैत अछि से ओकरा
सुरक्षित राखत। 34हम अहाँ सभ केँ कहैत
छी, ओहि राति दू आदमी एक ओछायन
पर सुतल रहत, एक लऽ लेल जायत, आ
दोसर छोड़ि देल जायत। 35दूटा स्त्रीगण
एक संग जाँत पिसैत रहत, एकटा लऽ लेल
जायत, आ दोसर छोड़ि देल जायत। 36[दू
आदमी खेत मे रहत, एक लऽ लेल जायत,
आ दोसर छोड़ि देल जायत।]*"

37 शिष्य सभ पुछलथिन, "प्रभु, ई
कतऽ होयत?" ओ उत्तर देलथिन,
"जतऽ लास पड़ल रहत, ततहि गिद्ध सभ
जुटत।"

निराश नहि होउ, प्रार्थना करैत रहू

18 तखन यीशु अपना शिष्य सभ
केँ ई बुझयबाक लेल जे निराश
नहि भऽ कऽ प्रार्थना करैत रहबाक अछि,
एक दृष्टान्त देलथिन। 2ओ कहलथिन,
"कोनो शहर मे एक न्यायाधीश रहैत छल
जे ने परमेश्वरक डर मानैत छल आ ने
कोनो मनुष्य केँ मोजर दैत छल। 3ओहि
शहर मे एक विधवा सेहो रहैत छलि जे
बेर-बेर ओकरा लग आबि कऽ कहैत
छलैक जे, 'हमर उचित न्याय कऽ दिअ
और हमरा संग जे अपराध कऽ रहल
अछि, तकरा सँ हमरा बचाउ।'

4 "किछु दिन धरि ओ नहि मानलक,
मुदा बाद मे ओ मोने-मोन सोचऽ लागल
जे, 'ओना तँ हम ने परमेश्वरक डर मानैत
छी आ ने मनुष्य केँ मोजर दैत छी, 5तैयो
ई विधवा हमरा ततेक तंग कऽ देने अछि
जे हम एकर उचित न्याय अवश्य कऽ
देबैक। नहि तँ ई बेर-बेर आबि कऽ हमरा
अकछ कऽ देत!' "

6 तखन प्रभु कहलथिन, "ओ अधर्मी
न्यायाधीश की कहलक, से सुनलहुँ?
7तँ की परमेश्वर अपन चुनल लोक, जे
हुनका सँ दिन-राति विनती करैत छनि,
तकरा सभक लेल उचित न्याय नहि
करथिन? की ओकरा सभक लेल न्याय
करऽ मे देरी करताह? 8हम अहाँ सभ केँ
कहैत छी, ओ ओकरा सभक लेल उचित
न्याय करथिन, और शीघ्र करथिन। मुदा
मनुष्य-पुत्र जहिया औताह, तँ की एहन
विश्वास हुनका ककरो लग भेटतनि?"

परमेश्वरक नजरि मे धर्मी के?

9 तखन यीशु एहन लोक सभक लेल
जे अपना केँ धर्मी मानि कऽ अपना
धार्मिकता पर भरोसा रखैत छल और
आन लोक सभ केँ हेय दृष्टि सँ देखैत
छल, तकरा सभक लेल ई दृष्टान्त
सुनौलनि, 10"दू आदमी मन्दिर मे प्रार्थना
करऽ गेल। एक गोटे फरिसी रहय और
दोसर कर असूल करऽ वला। 11फरिसी
ठाढ़ भऽ कऽ एहि तरहेँ अपना विषय
मे प्रार्थना कऽ कऽ कहऽ लागल, 'हे
परमेश्वर, हम अहाँ केँ धन्यवाद दैत छी
जे हम आन लोक सभ जकाँ ठकहारा,
दुष्कर्मी, वा परस्त्रीगमन करऽ वला नहि
छी, आ ने एहि कर असूल करऽ वला
सन छी। 12हम सप्ताह मे दू दिन उपास
करैत छी, और जे किछु हमरा भेटैत
अछि, ताहि मे सँ हम दसम अंश अहाँ
केँ चढ़बैत छी।'

17:36 किछु हस्तलेख सभ मे पद 36 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

13“मुदा कर असूल करऽ वला फराके
सँ ठाढ़ भऽ कऽ स्वर्ग दिस अपन आँखि
उठयबाक साहसो नहि कयलक, बल्कि
छाती पिटैत बाजल, ‘हे परमेश्वर, हम
पापी छी, हमरा पर दया करू।’
14“हम अहाँ सभ कैँ कहैत छी जे,
ओ पहिल आदमी नहि, बल्कि ई दोसर
आदमी परमेश्वरक नजरि मे धर्मी ठहरि
कऽ अपना घर गेल। कारण, जे केओ
अपना कैँ पैघ बुझैत अछि, से तुच्छ
कयल जायत, और जे अपना कैँ तुच्छ
मानैत अछि से पैघ कयल जायत।”

यीशु और धिआ-पुता सभ

(मत्ती 19.13-15; मरकुस 10.13-16)

15लोक सभ यीशु लग अपन छोट-
छोट धिआ-पुता सभ कैँ सेहो अनैत
छलनि जे ओ ओकरा सभ पर हाथ
राखि आशीर्वाद देथिन। शिष्य सभ ई
देखि कऽ लोक सभ कैँ डाँटऽ लगलनि।
16मुदा यीशु धिआ-पुता सभ कैँ अपना
लग बजौलनि, और शिष्य सभ कैँ
कहलथिन, “बच्चा सभ कैँ हमरा लग
आबऽ दिऔक, ओकरा सभ कैँ नहि
रोकिऔक। किएक तँ, परमेश्वरक राज्य
एहने सभक अछि। 17हम अहाँ सभ कैँ
सत्य कहैत छी जे, जे केओ बच्चा जकाँ
परमेश्वरक राज्य ग्रहण नहि करत, से
ओहि मे कहियो नहि प्रवेश करत।”

अनन्त जीवन पयबा मे धन बाधक

(मत्ती 19.16-30; मरकुस 10.17-31)

18एकटा ऊँच अधिकारी यीशु सँ
पुछलथिन, “यौ उत्तम गुरुजी! अनन्त
जीवन प्राप्त करबाक लेल हम की
करू?”
19यीशु कहलथिन, “अहाँ हमरा
‘उत्तम’ किएक कहैत छी? परमेश्वर
कैँ छोड़ि आरो केओ उत्तम नहि अछि।
20अहाँ धर्म-नियमक आज्ञा सभ तँ जनैत
छी—‘परस्त्रीगमन नहि करह, हत्या नहि
करह, चोरी नहि करह, झूठ गवाही नहि
दैह, अपन माय-बाबूक आदर करह।’*”
21ओ उत्तर देलथिन, “एहि सभ
आज्ञाक पालन हम बचपने सँ करैत छी।”
22यीशु ई सुनि हुनका कहलथिन,
“एक बातक कमी अहाँ मे एखनो अछि।
अहाँ अपन सभ किछु बेचि कऽ ओकरा
गरीब सभ मे बाँटि दिअ, अहाँ कैँ स्वर्ग
मे धन भेटत। तकरबाद आउ आ हमरा
पाछाँ चलू।”
23ई बात सुनि ओ बहुत उदास
भेलाह, किएक तँ हुनका बहुत धन-
सम्पत्ति छलनि। 24यीशु हुनका दिस
तकैत बजलाह, “धनिक सभक लेल
परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश कयनाइ कतेक
कठिन अछि! 25धनिक कैँ परमेश्वरक
राज्य मे प्रवेश कयनाइ सँ ऊँट कैँ सुइक
भूर दऽ कऽ निकलनाइ आसान अछि।”
26एहि पर सुनऽ वला लोक सभ
पुछलकनि, “तखन उद्धार ककर भऽ
सकैत छैक?!”
27यीशु उत्तर देलथिन, “जे बात
मनुष्यक लेल असम्भव अछि, से
परमेश्वरक लेल सम्भव अछि।”
28पत्रुस हुनका कहलथिन, “देखू, हम
सभ अपन सभ किछु त्यागि कऽ अहाँक
पाछाँ आयल छी।”

18:20 प्रस्थान 20.12-16; व्यव 5.16-20

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

29 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन, “हम
अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, प्रत्येक
व्यक्ति जे घर, घरवाली, भाय, माय-बाबू
वा धिआ-पुता कैँ परमेश्वरक राज्यक
लेल त्याग करैत अछि, 30तकरा एहि
युग मे ओकर कतेको गुना भेटतैक, और
आबऽ वला युग मे अनन्त जीवन।”

यीशु फेर अपन मृत्यु आ जिआओल जयबाक भविष्यवाणी कयलनि

(मत्ती 20.17-19; मरकुस 10.32-34)

31 यीशु बारहो शिष्य कैँ एक कात लऽ
जा कऽ कहलथिन, “सुनू, अपना सभ
यरूशलेम जा रहल छी। ओतऽ जा कऽ जे
किछु प्रभुक प्रवक्ता सभक द्वारा मनुष्य-
पुत्रक विषय मे लिखल गेल अछि, से सभ
बात पूरा होयत। 32ओ गैर-यहूदी सभक
हाथ मे सौंपल जायत, लोक ओकर हँसी
उड़ौतैक, बेइज्जति करतैक, ओकरा पर
थुकतैक, कोड़ा लगौतैक, और जान सँ
मारि देतैक। 33मुदा तेसर दिन ओ फेर
जीबि उठत।”

34 मुदा शिष्य सभ एहि बात सभ सँ
किछु नहि बुझि सकलाह। हुनकर सम्पूर्ण
कथन हुनका सभक लेल रहस्ये बनल
रहल। बुझऽ मे नहि अयलनि जे हुनकर
कहबाक तात्पर्य की छनि।

आन्हर भिखारी कैँ आँखिक इजोत

(मत्ती 20.29-34; मरकुस 10.46-52)

35 यीशु जखन यरीहो नगर लग
पहुँचलाह, तँ एकटा आन्हर आदमी
रस्ताक कात मे भीख मँगैत बैसल छल।
36लोकक भीड़ ओहि दने जाइत सुनि ओ
पुछऽ लागल जे, की भऽ रहल अछि?
37लोक ओकरा कहलकैक, “नासरत
निवासी यीशु एहि दऽ कऽ जा रहल
छथि।”

38 तखन ओ सोर पारऽ लागल, “यौ
दाऊदक पुत्र* यीशु, हमरा पर दया करू!”

39 आगाँ-आगाँ चलऽ वला लोक
सभ ओकरा डँटैत चुप रहबाक लेल
कहलकैक, मुदा ओ आओर जोर सँ
हल्ला कऽ कऽ कहऽ लागल, “यौ
दाऊदक पुत्र, हमरा पर दया करू!”

40 यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह आ अपना लग
ओकरा अनबाक आदेश देलथिन। आन्हर
आदमी जखन हुनका लग आयल तँ ओ
पुछलथिन, 41“तोँ की चाहैत छह, हम
तोरा लेल की करिअह?”

ओ उत्तर देलकनि, “प्रभु, हम देखऽ
चाहैत छी।”

42 यीशु ओकरा कहलथिन, “आब तोँ
देखि सकैत छह! तोहर विश्वास तोरा
नीक कऽ देलकह।” 43ओ तुरत देखऽ
लागल और परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा
करैत यीशुक पाछाँ चलऽ लागल। ई देखि
सभ लोक सेहो परमेश्वरक स्तुति करऽ
लागल।

जक्कइक लेल नव जीवन

19 यीशु यरीहो नगर दऽ कऽ जा
रहल छलाह। 2यरीहो मे एक
जक्कइ नामक आदमी छलाह जे कर
असूल करऽ वला सभक हाकिम छलाह,
और ओ धनिक छलाह। 3ओ देखऽ चाहैत

18:38 “दाऊदक पुत्र”क सम्बन्ध मे आरो जनबाक लेल शब्द परिचय वला भाग मे “दाऊद” शब्द कैँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलाह जे यीशु के छथि, मुदा ओ भीड़क
कारणेँ नहि देखि पबैत छलाह किएक तँ
ओ छोट खुट्टीक लोक छलाह। 4तैं ओ ई
जानि जे यीशु एहि बाटे जा रहल छथि,
आगाँ दौड़ि कऽ एक गुल्लड़िक गाछ पर
चढ़ि गेलाह।
5 जखन यीशु ओहि स्थान पर पहुँचलाह
तँ ऊपर ताकि कऽ कहलथिन, "यौ
जक्कइ, जल्दी सँ उतरि आउ। आइ हमरा
अहींक ओहिठाम रहबाक अछि।" 6तँ
जक्कइ जल्दी सँ उतरलाह और यीशु केँ
बहुत खुशीपूर्बक अपना ओहिठाम लऽ
जा कऽ स्वागत कयलथिन।
7 सभ लोक ई देखि कुड़बुड़ाय लागल
जे, "ओ पापीक ओहिठाम पाहुन किएक
बनऽ गेलाह!"
8 मुदा जक्कइ ठाढ़ भऽ कऽ प्रभु केँ
कहलथिन, "प्रभु, हम अपन आधा
सम्पत्ति गरीब सभ केँ दऽ दैत छी, और
जँ हम ककरो सँ बइमानी कऽ कऽ किछु
लेने छिऐक तँ ओकर चारि गुना फिरता
कऽ देबैक।"
9 यीशु कहलथिन, "आइ एहि घर मे
उद्धार आयल अछि, किएक तँ इहो मनुष्य
अब्राहमक सन्तान अछि। 10मनुष्य-पुत्र
तँ हेरायल सभ केँ तकबाक लेल और
ओकरा सभक उद्धार करबाक लेल
आयल अछि।"

सम्पत्तिक जबाबदेही वला दृष्टान्त

(मत्ती 25.14-30)

11 लोक सभ ई बात सुनि रहल छल।
तखन यीशु ओकरा सभ केँ एक दृष्टान्त
सुनौलथिन, किएक तँ ओ यरूशलेमक
लग मे पहुँचि गेल छलाह, और लोक
ई बुझैत छल जे परमेश्वरक राज्य
तुरत्ते प्रगट होमऽ वला अछि। 12ओ
कहलथिन, "एक ऊँच घरानाक लोक दूर
परदेश गेलाह जतऽ सँ हुनका अपन राज-
अधिकार प्राप्त कऽ कऽ घूमि अयबाक
छलनि। 13जाय सँ पहिने ओ अपन दसटा
नोकर केँ बजबा कऽ ओकरा सभ केँ
एक-एकटा सोनक रुपैया देलथिन आ
कहलथिन, 'जाबत तक हम नहि आयब,
ताबत तक एहि पाइ सँ व्यापार करह।'
14 "मुदा प्रजा हुनका सँ घृणा करैत
छलनि, और हुनका पाछाँ अपन आदमी
सभ केँ ई सम्बाद लऽ कऽ पठौलक जे,
'हम सभ नहि चाहैत छी जे ई हमरा सभ
पर राज्य करय।'
15 "मुदा ओ राजा बनलाह, और अपन
देश मे घूमि अयलाह। तखन ई बुझबाक
लेल जे, हमर नोकर सभ जकरा सभ
केँ हम पाइ देने छलिऐक, से सभ हमर
पाइ सँ कतेक कमायल, ओकरा सभ केँ
बजबौलथिन।
16 "पहिल नोकर आबि कऽ कहल-
कनि, 'मालिक, अपनेक देल एक सोनक
रुपैया दस गुना भऽ गेल।'
17 "मालिक उत्तर देलथिन, 'चाबस!
तोँ नीक नोकर छह! तोँ नान्हिटा बात मे
विश्वासपात्र भेलह, तोरा दसटा नगर पर
अधिकार होयतह।'
18 "तखन दोसर नोकर आबि कऽ
कहलकनि, 'मालिक, अपनेक देल एक
सोनक रुपैया पाँच गुना भऽ गेल।'
19 "मालिक उत्तर देलथिन, 'तोँ पाँच
नगर पर अधिकारी बनबह।'
20 "एकटा तेसर नोकर आयल और
कहऽ लागल, 'मालिक, लेल जाओ अपन
सोनक रुपैया। हम एकरा कपड़ा मे बान्हि
कऽ रखने छलहुँ। 21हम अपने सँ डेराइत

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलहुँ, कारण, अपने कठोर आदमी छी।
जे अहाँ रखलहुँ नहि, से निकालैत छी, आ
जे रोपलहुँ नहि, से कटैत छी।'
22 "मालिक उत्तर देलथिन, 'है दुष्ट
नोकर! हम तोरे शब्द सँ तोरा दोषी
ठहरयबौ! तोँ जँ जनैत छलेँ जे हम कठोर
आदमी छी, जे रखलहुँ नहि, से निकालैत
छी, आ जे रोपलहुँ नहि, से कटैत छी,
23 तँ तोँ हमर पाइ केँ व्याज पर किएक
नहि लगा देलेँ जाहि सँ हम आबि कऽ
ओकरा व्याजक संग लऽ लितहुँ?'
24 "तखन मालिक अपना लग मे ठाढ़
भेल लोक केँ कहलथिन, 'एकरा सँ ओ
सोनक रुपैया लऽ लैह, और तकरा दऽ
दहक जकरा दसटा छैक।'
25 "ओ सभ कहलकनि, 'मालिक,
ओकरा तँ दसटा छैके!'
26 "मालिक उत्तर देलथिन, 'हम तोरा
सभ केँ कहैत छिअह, जकरा लग छैक,
तकरा आरो देल जयतैक, मुदा जकरा
लग नहि छैक, तकरा सँ जेहो छैक सेहो
लऽ लेल जयतैक। 27 मुदा हमर ओ दुश्मन
सभ, जे नहि चाहैत छल जे हम ओकरा
सभ पर राज्य करी, तकरा सभ केँ आनू,
और हमरा सामने मे मारि दिऔक।' "

यरूशलेम मे यीशुक प्रवेश

*(मत्ती 21.1-11; मरकुस 11.1-11;
यूहन्ना 12.12-19)*

28 ई सभ बात कहि कऽ यीशु यरूशलेम
दिस आगाँ बढ़ैत गेलाह। 29 जखन
ओ ओहि पहाड़ पर जे "जैतून पहाड़"
कहबैत अछि, ताहि परक बेतफगे और
बेतनिया गाम सभ लग पहुँचलाह, तँ ओ
दूटा शिष्य केँ ई कहि कऽ पठौलथिन जे,
30 "सामने मे जे गाम अछि, ताहि मे जाउ।
जखने गाम मे प्रवेश करब, तखन गदहीक
एक बच्चा बान्हल भेटत, जाहि पर केओ
कहियो नहि चढ़ल अछि। ओकरा खोलि
कऽ आनू। 31 केओ जँ पुछत जे, 'एकरा
किएक खोलैत छी?' तँ कहबैक जे, 'प्रभु
केँ एकर आवश्यकता छनि।' "
32 शिष्य सभ ओतऽ गेलाह, और
जहिना यीशु कहने छलथिन, ठीक ओहिना
हुनका सभ केँ भेटलनि। 33 ओ सभ जखन
गदहीक बच्चा खोलैत छलाह तँ ओकर
मालिक सभ पुछऽ लगलनि जे, "अहाँ सभ
ई गदहा किएक खोलि रहल छी?"
34 ओ सभ उत्तर देलथिन, "प्रभु केँ
एकर आवश्यकता छनि।"
35 ओ सभ ओकरा यीशु लग अनलनि,
और ओकरा पीठ पर अपन कपड़ा राखि
कऽ हुनका बैसा देलथिन। 36 ओ जहिना
जहिना आगाँ बढ़ैत जाइत छलाह, लोक
सभ तहिना तहिना सड़क पर अपन
कपड़ा ओछौने जाइत छलनि।
37 जखन ओ यरूशलेमक लग
ताहिठाम पहुँचलाह जतऽ जैतून पहाड़
पर सँ सड़क नीचाँ मुँहें ढलान अछि, तँ
शिष्यक विशाल भीड़ बहुत आनन्दित भऽ
कऽ ओहि चमत्कार सभक लेल जे ओ
सभ देखने छल, तकरा लेल जोर-जोर सँ
एहि तरहेँ परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा करऽ
लागल जे,
38 "धन्य छथि ओ राजा जे प्रभुक नाम
सँ अबैत छथि!*
स्वर्ग मे शान्ति, सर्वोच्च स्वर्ग मे
प्रभुक जयजयकार!"

19:38 भजन 118.26

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

39 एहि पर भीड़ मेहक किछु फरिसी
यीशु कैँ कहलथिन, “गुरुजी, अपना शिष्य
सभ कैँ चुप होयबाक लेल कहिऔक!”
40 यीशु उत्तर देलथिन, “हम अहाँ सभ
कैँ कहैत छी जे, ई सभ जँ चुप भऽ जायत
तँ पाथरे सभ आवाज देबऽ लागत।”
41 यीशु यरूशलेम शहर लग जखन
पहुँचलाह तँ शहर कैँ देखि कऽ कानऽ
लगलाह। **42** ओ कनैत-कनैत बजलाह,
“तोँ, हँ तोँही, जँ आजुक दिन जनितह जे
कोन बात सभ सँ शान्ति अबैत अछि...!
मुदा से नहि! ई सभ बात तोरा देखाइ
नहि दऽ रहल छह। **43** हँ, तोरा पर तेहन
समय औतह जहिया तोहर शत्रु सभ तोरा
चारू कात मोर्चा बान्हि कऽ घेरि लेतह,
तोरा पर चारू कात सँ आक्रमण करतह।
44 ओ सभ तोरा और तोरा बालक सभ
कैँ माटि मे मिला देतह, और एको पाथर
दोसर पाथर पर टिकल नहि रहतह,
कारण, परमेश्वर जाहि समय मे तोरा
ओहिठाम अयलथुन, ताहि समय कैँ तोँ
नहि चिन्हलह।”

यीशु मन्दिर मे

*(मत्ती 21.12-17; मरकुस 11.15-19;
यूहन्ना 2.13-22)*

45 यीशु मन्दिर मे गेलाह और बेचऽ
वला सभ कैँ ई कहि कऽ ओतऽ सँ
भगाबऽ लगलाह जे, **46** “धर्मशास्त्रक लेख
अछि, ‘हमर घर प्रार्थनाक घर होयत,’*
मुदा तोँ सभ एकरा ‘चोर-डाकूक अड्डा’*
बना देने छह।”
47 यीशु मन्दिर मे सभ दिन उपदेश दैत
छलाह। मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक
सभ, और यहूदी सभक नेता सभ हुनका
जान सँ मारि देबाक प्रयत्न कऽ रहल
छलाह, **48** मुदा किछु कऽ नहि सकलाह,
एहि लेल जे सम्पूर्ण जनता हुनकर बात
सभ ध्यानपूर्बक सुनैत रहैत छल।

यीशुक अधिकार पर प्रश्न

(मत्ती 21.23-27; मरकुस 11.27-33)

20 एक दिन यीशु मन्दिर मे लोक
सभ कैँ शिक्षा दैत छलाह
और शुभ समाचार सुनबैत छलाह, तँ
मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक सभ
बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनिक संग हुनका
लग आबि कऽ कहलथिन, **2** “कहू!
अहाँ ई सभ बात जे करैत छी, से कोन
अधिकार सँ? ई अधिकार अहाँ कैँ के
देलनि?” **3** ओ उत्तर देलथिन, “हमहूँ
अहाँ सभ सँ एकटा बात पुछैत छी—
4 यूहन्ना कैँ बपतिस्मा देबाक अधिकार
परमेश्वर सँ भेटल छलनि वा मनुष्य सँ?
कहू!” **5** ई सुनि ओ सभ अपना मे तर्क-
वितर्क करऽ लगलाह जे, जँ अपना सभ
कहबैक जे परमेश्वर सँ, तँ ओ कहत जे,
तखन हुनकर बातक विश्वास किएक
नहि कयलहुँ? **6** मुदा जँ ई कहबैक जे,
मनुष्य सँ, तँ समस्त जनता हमरा सभ
पर पथरबाहि करत, कारण ओकरा
सभ कैँ पूरा विश्वास छैक जे यूहन्ना
परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता छलाह। **7** तँ
ओ सभ उत्तर देलथिन जे, “हम सभ नहि
जनैत छी जे कतऽ सँ भेटल छलनि।”
8 एहि पर यीशु कहलथिन, “तँ हमहूँ
अहाँ सभ कैँ नहि कहब जे हम कोन
अधिकार सँ ई काज करैत छी।”

19:46 यशा 56.7 **19:46** यर्मि 7.11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मालिक आ बटाइदार सभक दृष्टान्त

(मत्ती 21.33-46; 22.15-22;
मरकुस 12.1-17)

9 तखन ओ लोक सभ कैँ ई दृष्टान्त
सुनाबऽ लगलथिन, “एक आदमी
अंगूरक बगान लगौलनि। तकरबाद
किसान सभ कैँ बटाइ पर दऽ कऽ
बहुत दिनक लेल परदेश चल गेलाह।
10 फलक समय अयला पर ओ अपन
हिस्सा लेबाक लेल बटाइदार सभ लग
एक नोकर कैँ पठौलथिन। मुदा ओ सभ
ओकरा पिटलकैक आ खाली हाथ लौटा
देलकैक। 11 मालिक फेर दोसर नोकर
कैँ पठौलथिन, मुदा ओकरो ओ सभ
मारि-पिटि कऽ और अपमानित कऽ कऽ
खाली हाथ लौटा देलकैक। 12 मालिक
तेसरो नोकर कैँ पठौलथिन, और ओकरो
ओ सभ घायल कऽ कऽ भगा देलकैक।
13 तखन मालिक विचारलनि, ‘हम की
करू? हम अपन प्रिय बेटा कैँ पठयबैक,
एकरा ओ सभ शायद मानतैक।’ 14 मुदा
बटाइदार सभ हुनका अबैत देखि एक-
दोसराक संग विचारऽ लागल जे, ‘ई तँ
अपन बापक उत्तराधिकारी अछि! चलू,
एकरा मारि दिऐक, तखन ई सम्पत्ति अपने
सभक भऽ जायत!’ 15 एना सोचि ओ सभ
हुनका बगान सँ बाहर लऽ जा कऽ हुनका
जान सँ मारि देलकनि।

“आब मालिक ओकरा सभ कैँ की
करथिन? 16 ओ आबि कऽ ओहि
बटाइदार सभक सर्वनाश करथिन,
और बगान दोसर बटाइदार सभ कैँ दऽ
देथिन।” ई सुनि लोक सभ बाजि उठल,
“एना कहियो नहि होअय!” 17 यीशु
ओकरा सभक दिस एकटक लगा कऽ
देखैत कहलथिन, “तखन धर्मशास्त्र मे
लिखल एहि बातक की अर्थ अछि जे,

‘जाहि पाथर कैँ राजमिस्तिरी सभ
बेकार बुझि फेकि देलक,
वैह पाथर मकानक प्रमुख पाथर भऽ
गेल।’* ?

18 जे केओ ओहि पाथर पर खसत, से
चकना-चूर भऽ जायत, और जकरा पर
ई पाथर खसतैक से थकुचा-थकुचा भऽ
जायत।”

19 धर्मशिक्षक और मुख्यपुरोहित सभ
हुनका तुरत पकड़ऽ चाहैत छलाह, कारण
ओ सभ बुझि गेलाह जे ई हमरे सभक बारे
मे ई कथा कहलक अछि। मुदा जनता सँ
डेराइत छलाह।

कपटपूर्ण प्रश्न और स्पष्ट उत्तर

20 धर्मशिक्षक आ मुख्यपुरोहित
सभ अवसरक ताक मे छलाह। ओ
सभ हुनका लग किछु भेदिया सभ कैँ
सोझिया आदमीक रूप मे पठा देलनि,
एहि आशा मे जे यीशुक कोनो ने कोनो
कहल बातक द्वारा हुनका पकड़ि सकी
आ राज्यपाल-शासनक अधिकार मे
रखबा दी। 21 भेदिया सभ हुनका सँ प्रश्न
कयलकनि, “गुरुजी, हम सभ जनैत छी
जे अपने ठीक-ठीक बात सभ बजैत आ
सिखबैत छी, अपने ककरो मुँह देखि कऽ
किछु नहि कहैत छिऐक, बल्कि सत्यक
अनुसार परमेश्वरक बाटक शिक्षा दैत
छी। 22 आब हमरा सभ कैँ एकटा बात
कहल जाओ—धर्म-नियमक अनुसार

20:17 भजन 118.22

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपना सभक लेल रोमी सम्राट-कैसर केँ
कर देनाइ उचित अछि वा नहि?"
23 मुदा ओ ओकर सभक कपट बुझि
गेलथिन आ कहलथिन, [24]"हमरा एकटा
सिक्का देखाउ। एहि पर किनकर चित्र
छनि आ किनकर नाम लिखल छनि?"
[25]ओ सभ उत्तर देलकनि, "सम्राट-
कैसरक।" तखन यीशु ओकरा सभ केँ
कहलथिन, "तँ जे सम्राटक छनि से सम्राट
केँ दिऔन, और जे परमेश्वरक छनि, से
परमेश्वर केँ दिऔन।"
26 एहि तरहेँ ओ सभ जनताक सामने
हुनकर कहल कोनो बात मे हुनका नहि
पकड़ि सकल। हुनकर उत्तर सँ चकित
भऽ गुम्म रहि गेल।

जीबि उठबाक प्रश्न

(मत्ती 22.23-33; मरकुस 12.18-27)

27 सदुकी पंथक लोक, जे सभ एहि
बात केँ नहि मानैत अछि जे मृत्यु मे सँ
मनुष्य फेर जिआओल जायत, से सभ
एकटा प्रश्न लऽ कऽ यीशु लग आयल।
[28]ओ सभ कहलकनि, "गुरुजी, मूसा
हमरा सभक लेल लिखलनि जे, जँ ककरो
भाय निःसन्तान मरि जाइक आ ओकर
स्त्री जीविते होइक तँ ओकरा ओहि
स्त्री सँ विवाह कऽ अपना भायक लेल
सन्तान उत्पन्न करबाक चाही। [29]आब,
केओ सात भाय रहय। जेठका विवाह
कयलक आ निःसन्तान मरि गेल। [30-31]तँ
दोसर भाय आ फेर तेसर भाय ओकरा सँ
विवाह कयलक, और तहिना सातो भाय
निःसन्तान मरि गेल। [32]अन्त मे स्त्रिओ
मरि गेलि। [33]आब कहल जाओ, ओहि
समय मे जहिया मुइल सभ केँ जिआओल
जयतैक, तँ ओ स्त्री एहि भाय सभ मे सँ
ककर स्त्री होयतैक? ओकरा सँ तँ सातो
विवाह कयने छलैक।"
34 यीशु उत्तर देलथिन, "एही दुनियाक
लोक विवाह करैत अछि आ विवाह मे
देल जाइत अछि। [35]मुदा जे लोक सभ
ओहि दुनिया मे जाय जोगरक ठहरि कऽ
जीबि उठत, से ओहि दुनिया मे जा कऽ
विवाह नहि करत। [36]ओ सभ फेर मरि
नहि सकैत अछि, ओ सभ तँ एहि विषय
मे स्वर्गदूत सभ जकाँ अछि, और जीबि
उठलाक कारणेँ ओ सभ परमेश्वरक
सन्तान अछि। [37]मुदा मुइल सभ जीबि
उठैत अछि वा नहि, ताहि प्रश्नक
सम्बन्ध मे मूसा जरैत झाड़ीक विवरण
मे स्पष्ट कयलनि जे अवश्य जीबि उठैत
अछि, कारण ओ प्रभु केँ 'अब्राहमक
परमेश्वर, इसहाकक परमेश्वर और
याकूबक परमेश्वर'* कहने छथि। [38]ओ
मुइल सभक नहि, बल्कि जीवित सभक
परमेश्वर छथि। परमेश्वरक नजरि मे सभ
केओ जीवित अछि।"
39 एहि पर धर्मशिक्षक सभ मे सँ किछु
गोटे कहलथिन, "गुरुजी, अपने बड्ड नीक
उत्तर देलहुँ।" [40]और ककरो हुनका सँ
आरो बात पुछबाक साहस नहि भेलैक।

उद्धारकर्ता-मसीह—दाऊदक पुत्र आ दाऊदक प्रभु दूनू

(मत्ती 22.41–23.7; मरकुस 12.35-40)

41 तखन यीशु ओकरा सभ केँ
कहलथिन, "धर्मशास्त्र मे ई कोना कहल
जाइत अछि जे उद्धारकर्ता-मसीह दाऊदक

20:37 प्रस्थान 3.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुत्र छथि? 42जखन कि दाऊद अपने
भजन-संग्रहक पुस्तक मे कहैत छथि,
‘प्रभु-परमेश्वर हमरा प्रभु केँ
कहलथिन,
अहाँ हमर दहिना कात बैसू
43 और हम अहाँक शत्रु सभ केँ अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब।’*
44दाऊद ‘उद्धारकर्ता-मसीह’ केँ ‘प्रभु’
कहैत छथिन। तँ ओ फेर हुनकर पुत्र कोना
भेलाह?”
45 सभ लोक हुनकर बात सभ सुनि
रहल छलनि तखन ओ अपना शिष्य सभ
केँ कहलथिन, 46“धर्मशिक्षक सभ सँ
सावधान रहू। धर्मगुरु वला लम्बा-लम्बा
कपड़ा पहिरि कऽ घुमब, हाट-बजार
मे लोक हुनका सभ केँ प्रणाम करनि,
सभाघर सभ मे प्रमुख आसन पर बैसब
और भोज-काज मे सम्मानित स्थान भेटय
हुनका सभ केँ बहुत नीक लगैत छनि।
47विधवा सभक घर-द्वारि हड़पि लैत
छथि, और लोक सभ केँ देखयबाक लेल
लम्बा-लम्बा प्रार्थना करैत छथि। ओहन
लोक केँ बेसी दण्ड भेटतैक।”

गरीब विधवाक चढ़ौना

(मरकुस 12.41-44)

21 यीशु नजरि उठा कऽ देखलनि जे
धनिक सभ मन्दिरक दान-पात्र
मे अपन दान चढ़ा रहल अछि। 2एकटा
गरीब विधवा केँ सेहो तामक दूटा पाइ
दान-पात्र मे दैत देखलनि। 3ई देखि ओ
बजलाह, “हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत
छी जे, ई गरीब विधवा ओहि सभ आदमी
सँ बेसी चढ़ौलक। 4ओ सभ तँ अपना
फाजिल धन मे सँ दान चढ़ौलक, मुदा ई
अपन गरीबी मे सँ अपन पूरा जीविके चढ़ा
देलक।”

मन्दिरक विनाश होयबाक भविष्यवाणी

(मत्ती 24.1-14; मरकुस 13.1-13)

5 किछु शिष्य सभ मन्दिरक बारे मे
बाजि रहल छलाह जे कतेक नीक सँ
सुन्दर-सुन्दर पाथर और परमेश्वर केँ
अर्पित कयल वस्तु सभ सँ बनाओल
अछि। एहि पर यीशु कहलथिन, 6“ई
सभ वस्तु जे एतऽ देखैत छी—तेहन समय
आओत जहिया एतऽ एकोटा पाथर एक-
दोसर पर नहि रहत। सभ ढाहल जायत।”
7ओ सभ हुनका सँ पुछलथिन, “गुरुजी,
ई घटना कहिया होयत? और कोन चिन्ह
होयतैक जाहि सँ बुझि सकी जे ई बात
सभ आब होयत?”

कष्ट और अत्याचारक समय

(मत्ती 24.3-21; मरकुस 13.3-19)

8 ओ उत्तर देलथिन, “होसियार रहू
जाहि सँ बहकाओल नहि जायब। कारण,
बहुतो लोक हमर नाम लऽ कऽ आओत
आ कहत जे, ‘हम वैह छी,’ आ ‘समय
लगचिआ गेल अछि।’ ओकरा सभक
पाछाँ नहि जाउ! 9जखन अनेक लड़ाइ
और अन्दोलनक खबरि सुनब, तँ
भयभीत नहि होउ। ई सभ तँ पहिने होयब
आवश्यक अछि, मुदा संसारक अन्त
तुरत नहि होयत।”
10 आगाँ ओ कहलथिन, “एक देश
दोसर देश सँ लड़ाइ करत, और एक राज्य

20:43 भजन 110.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दोसर राज्य सँ। [11]बड़का-बड़का भूकम्प
होयत, विभिन्न ठाम अकाल पड़त
और अनेक स्थान मे महामारी होयत।
आकाश मे भयंकर घटना सभ होयत और
आश्चर्यजनक चिन्ह सभ देखाइ देत।
12“मुदा एहि सभ बात सँ पहिने हमरा
कारणेँ लोक सभ अहाँ सभ केँ पकड़ि
कऽ अहाँ सभ पर अत्याचार करत। अहाँ
सभ केँ सभाघर सभ मे सौंपि देत, जहल
मे बन्द कऽ देत, और राजा आ राज्यपाल
सभक समक्ष लऽ जायत। [13]ई बात सभ
अहाँ सभक लेल गवाही देबाक अवसर
होयत। [14]मुदा अहाँ सभ अपना मोन मे ई
निश्चय कऽ लिअ जे हमरा पर लगाओल
अभियोगक उत्तर मे हम की बाजू तकर
चिन्ता पहिने सँ हम नहि करब। [15]कारण,
अहाँ सभ केँ बजबाक लेल हम तेहन
शब्द और बुद्धि देब जे कोनो विरोधी ने
तकरा सामने मे टिकि सकत आ ने तकरा
काटि सकत। [16]माय-बाबू, भाय, कुटुम्ब-
परिवार और साथी-संगी सभ अहाँ सभक
संग विश्वासघात कऽ कऽ पकड़बाओत,
और अहाँ सभ मे सँ कतेको केँ मारिओ
देत। [17]अहाँ सभ सँ सभ केओ एहि लेल
घृणा करत जे अहाँ सभ हमर लोक छी।
[18]मुदा अहाँ सभक माथक एकटा केशो
नहि टुटत। [19]विश्वास मे दृढ़ रहला सँ
अहाँ सभ जीवन प्राप्त करब।
20“जखन यरूशलेम केँ सेना सभ सँ
घेराइत देखब, तँ ई बुझि लिअ जे ओकर
विनाश लग आबि गेल। [21]ओहि समय मे
जे सभ यहूदिया प्रदेश मे होअय, से सभ
पहाड़ पर भागि जाय। जे यरूशलेम मे
होअय, से बाहर निकलि जाय, और जे
लग-पासक देहात मे होअय, से शहर मे
नहि जाय। [22]कारण ओ महादण्डक समय
होयत जाहि समय मे धर्मशास्त्र मे लिखल
सभ बात पूरा होयत। [23]ओहि समय मे
जे स्त्रीगण सभ गर्भवती होयत वा जकरा
दूधपीबा बच्चा होयतैक, तकरा सभ केँ
कतेक कष्ट होयतैक! किएक तँ एहि देश
मे भयंकर संकट औतैक, और एहि लोक
सभ पर परमेश्वरक प्रकोप पड़तैक।
[24]ओ सभ तरुआरि सँ मारल जायत, और
बन्दी बनि कऽ विश्वक प्रत्येक राष्ट्र मे
लऽ गेल जायत। यरूशलेम गैर-यहूदी सभ
द्वारा तहिया धरि लतखुर्दन भऽ पिचाइत
रहत जहिया धरि गैर-यहूदी सभ केँ देल
गेल समय पूरा बिति नहि जायत।

मनुष्य-पुत्र फेर औताह

(मत्ती 24.29-35; मरकुस 13.24-31)

25“सूर्य, चन्द्रमा और तारा सभ मे
आश्चर्यजनक चिन्ह सभ देखाइ देत।
पृथ्वी पर सभ जातिक लोक समुद्रक
लहरि देखि आ ओकर गर्जन सुनि घबड़ा
जायत और व्याकुल भऽ उठत। [26]पृथ्वी
पर जे बात सभ घटऽ वला अछि, तकर
डर-भय सँ लोक सभ बेहोस भऽ जायत।
कारण, आकाशक शक्ति सभ हिलाओल
जायत। [27]तकरबाद लोक मनुष्य-पुत्र केँ
सामर्थ्य और अपार महिमाक संग मेघ
मे अबैत देखत। [28]ई सभ बात जखन
होमऽ लागत तँ अहाँ सभ ठाढ़ भऽ जाउ
और मूड़ी उठाउ, किएक तँ अहाँ सभक
छुटकारा लगचिआ गेल रहत।”
29तखन ओ हुनका सभ केँ ई दृष्टान्त
देलथिन, “अंजीरक गाछ वा कोनो गाछ
केँ लिअ। [30]जखने नव पात निकलऽ
लगैत छैक तँ अपने सँ जानि लैत छी
जे गर्मीक समय आबि रहल अछि।
[31]तहिना, जखन अहाँ सभ ई बात सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

होइत देखब तँ बुझू जे परमेश्वरक राज्य
लग आबि गेल अछि।
32 “हम अहाँ सभ केँ सत्य कहैत छी
जे एहि पीढ़ी केँ समाप्त होमऽ सँ पहिने
ई सभ घटना निश्चित घटत। 33 आकाश
और पृथ्वी समाप्त भऽ जायत, मुदा हमर
वचन अनन्त काल तक रहत।

सचेत रहू

34 “सावधान रहू! नहि तँ अहाँ सभक
मोन भोग-विलास, नशा और जीवनक
चिन्ता मे ओझरायल रहत, और ओ दिन
अहाँ सभ पर अचानक आबि कऽ फन्दा
जकाँ पकड़ि लेत। 35 कारण ओ दिन
सम्पूर्ण पृथ्वी पर रहऽ वला सभ लोक
पर अचानक आबि जायत। 36 एहि लेल
सदिखन सचेत रहू, और प्रार्थना करू जे,
जे घटना सभ होमऽ वला अछि ताहि मे
बाँचि सकी और मनुष्य-पुत्रक सम्मुख
ठाढ़ रहि सकी।”
37 यीशु दिन कऽ मन्दिर मे उपदेश दैत
छलाह, और जैतून पहाड़ नामक परवत
पर जा कऽ राति बितबैत छलाह। 38 लोक
सभ हुनकर उपदेश सुनबाक लेल सभ
दिन भोरे-भोर मन्दिर अबैत छल।

यहूदाक विश्वासघाती योजना

(मत्ती 26.1-5; 14-16;
मरकुस 14.1-2; 10-11)

22 “बिनु खमीरक रोटी वला
पाबनि”, जे “फसह-पाबनि”
कहबैत अछि, लगचिआ गेल छल।
2 मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक सभ यीशु
केँ कोन प्रकारेँ मारि देल जाय तकर ठीक
उपायक ताक मे लागल छलाह, कारण
ओ सभ जनता सँ डेराइत छलाह। 3 तखन
यहूदा इस्करियोती, जे बारह शिष्य मे
सँ एक छल, तकरा मोन मे शैतान पैसि
गेलैक। 4 ओ जा कऽ मुख्यपुरोहित सभ
और मन्दिरक सिपाही सभक कप्तान
सभक संग बात-चीत कयलक जे ओ यीशु
केँ कोना हुनका सभक हाथ मे पकड़बा
देत। 5 ओ सभ बड्ड प्रसन्न भेलाह, और
ओकरा एहि काजक लेल पाइ देबाक लेल
सहमत भेलाह। 6 यहूदा सेहो मानि लेलक,
और जाहि समय मे लोकक भीड़ नहि
रहत, ताहि समय मे यीशु केँ पकड़बा कऽ
हुनका सभक हाथ मे देबाक अवसरक
ताक मे रहऽ लागल।

शिष्य सभक संग यीशुक अन्तिम भोज

(मत्ती 26.17-30; मरकुस 14.12-22;
यूहन्ना 13.21-30; 1 कोरिन्थी 11.23-25)

7 तखन बिनु खमीरक रोटी वला
पाबनिक ओ दिन आबि गेल, जाहि दिन
फसह-भोजक भेँड़ा बलिदान करबाक
छल। 8 पत्रुस और यूहन्ना केँ यीशु ई कहि
कऽ पठौलथिन जे, “जाउ, अपना सभक
लेल फसह-भोजक व्यवस्था करू।”
9 ओ सभ पुछलथिन, “अहाँ कतऽ चाहैत
छी जे हम सभ व्यवस्था करी?” 10 ओ
कहलथिन, “शहर मे प्रवेश करिते घैल
मे पानि लऽ जाइत एक पुरुष अहाँ सभ
केँ भेटत। जाहि घर मे ओ प्रवेश करत,
ताहि मे अहाँ सभ ओकरा पाछाँ-पाछाँ
जायब, 11 और घरक मालिक केँ कहबनि
जे, ‘गुरुजी पुछैत छथि जे, ओ अतिथि-घर
कतऽ अछि जतऽ हम अपना शिष्य सभक
संग फसह-भोज खायब?’ 12 ओ अहाँ सभ
केँ उपरका तल्ला पर एक नमहर कोठली
देखौताह जाहि मे सभ किछु तैयार रहत।
ओतहि अहाँ सभ भोजक व्यवस्था

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करू।" [13]ओ सभ गेलाह, और जहिना यीशु हुनका सभ कें कहने छलथिन, ठीक ओहिना सभ किछु भेटलनि, और ओ सभ ओतऽ फसह-भोजक व्यवस्था कयलनि।

14 जखन भोज खयबाक समय भेल तँ यीशु अपन बारहो दूतक संग भोजन करबाक लेल बैसलाह। [15]ओ हुनका सभ कें कहलथिन, "हमरा बड्ड इच्छा छल जे अपन दुःख भोगनाइ सँ पहिने अहाँ सभक संग हम ई फसह-भोज खाइ। [16]कारण, हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे, जा धरि एहि भोजक अभिप्राय परमेश्वरक राज्य मे पूरा नहि होयत, ता धरि हम एकरा फेर नहि खायब।"

17 ओ बाटी लेलनि, आ परमेश्वर कें धन्यवाद दऽ कऽ शिष्य सभ कें कहलथिन, "ई लिअ, अपना सभ मे बाँटि लिअ। [18]हम अहाँ सभ कें कहैत छी जे, जाबत तक परमेश्वरक राज्य नहि आओत ताबत तक हम अंगूरक रस फेर नहि पीब।"

19 ओ रोटी लेलनि आ परमेश्वर कें धन्यवाद देलनि। रोटी कें तोड़ि कऽ शिष्य सभ कें देलथिन आ कहलथिन, "ई हमर देह अछि जे अहाँ सभक लेल देल जा रहल अछि। ई हमर यादगारी मे करू।"

20 तहिना भोजनक बाद ओ बाटी लेलनि आ कहलथिन, "एहि बाटी मे परमेश्वर आ मनुष्यक बीच नव सम्बन्ध स्थापित करऽ वला हमर खून अछि, जे अहाँ सभक लेल बहाओल जा रहल अछि। [21]मुदा हमरा पकड़बाबऽ वला एतऽ हमरा संग भोजन पर बैसल अछि! [22]मनुष्य-पुत्र तँ, जहिना ओकरा लेल निश्चित कयल गेल छैक, तहिना चल जायत, मुदा धिक्कार अछि ओहि मनुष्य कें जे ओकरा पकड़बा रहल अछि।" [23]एहि पर शिष्य सभ एक-दोसर सँ पुछऽ लागल जे, ओ के भऽ सकैत अछि, जे एहन काज करत?

शिष्य सभ मे विवाद

24 शिष्य सभक बीच एहि विषय मे विवाद उठि गेल जे, हमरा सभ मे पैघ के मानल जाय। [25]यीशु कहलथिन, "एहि संसारक राज्य सभ मे राजा सभ अपना प्रजा पर हुकुम चलबैत रहैत छथि, और प्रजा पर अधिकार जमाबऽ वला सभ अपना कें 'उपकारी' कहैत अछि। [26]मुदा अहाँ सभ मे एना नहि होअय। बल्कि, जे अहाँ सभ मे पैघ होअय, से सभ सँ छोट बनय, और जकरा अधिकार होइक, से दास बनय। [27]पैघ के अछि, ओ जे भोजन करबाक लेल बैसल अछि, वा ओ जे सेवा करैत अछि? की भोजन करऽ वला पैघ नहि अछि? मुदा हम अहाँ सभक बीच सेवकक रूप मे छी।

28 "अहीं सभ छी जे हमर बेर-विपत्ति मे हमरा संग दैत रहलहुँ। [29]और जहिना हमर पिता हमरा राज्य करबाक अधिकार देने छथि, तहिना हमहूँ अहाँ सभ कें राज्य करबाक अधिकार दैत छी, [30]जाहि सँ अहाँ सभ हमर राज्य मे हमरा संग खायब-पीब, और सिंहासन पर बैसि कऽ इस्राएलक बारहो कुलक न्याय करब।

सिमोन पत्रुसक पतनक भविष्यवाणी

(मत्ती 26.31-35; मरकुस 14.27-31; यूहन्ना 13.36-38)

31 "सिमोन, यौ सिमोन! सुनू! शैतान अहाँ सभक माँग कयने अछि, जे ओ अहाँ सभ कें गहुम जकाँ फटकय। [32]मुदा हम अहाँक लेल पिता सँ प्रार्थना कयने छी जे अहाँक विश्वास टुटय नहि। अहाँ जखन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हमरा दिस फेर घूमि आयब, तँ विश्वास
मे स्थिर रहऽ मे अपना भाय सभक मदति
करब।”
33 मुदा पत्रुस उत्तर देलथिन, “प्रभु! हम
अहाँक संग जहल मे जयबाक लेल आ
मरबाक लेल सेहो तैयार छी!”
34 यीशु कहलथिन, “यौ पत्रुस, हम
अहाँ केँ कहैत छी जे, आइए मुर्गा केँ
बाजऽ सँ पहिने अहाँ तीन बेर हमरा
अस्वीकार कऽ कऽ लोक केँ कहबैक जे,
हम ओकरा चिन्हबो नहि करैत छिऐक।”
35 तखन ओ हुनका सभ केँ कहलथिन,
“हम अहाँ सभ केँ जखन बटुआ, झोरा
और जुत्ताक बिना बाहर पठौने रही, तँ की
कोनो वस्तुक अभाव भेल?”
ओ सभ उत्तर देलथिन, “नहि।”
36 तखन यीशु कहलथिन, “मुदा आब,
जकरा बटुआ छैक वा झोरा छैक से लऽ
लिअय। आ जकरा तरुआरि नहि छैक, से
अपन कोनो वस्त्र बेचि कऽ किनि लिअय।
37 किएक तँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी
जे, धर्मशास्त्र मे लिखल ई बात हमरा मे
पूरा होयबाक अछि जे, ‘ओ अपराधी सभ
मे गनल गेलाह।’* हँ, जे बात हमरा विषय
मे लिखल अछि, से एखनो पूरा भऽ रहल
अछि।”
38 शिष्य सभ हुनका कहलथिन, “प्रभु,
देखू, एतऽ दूटा तरुआरि अछि।” ओ उत्तर
देलथिन, “बस, भऽ गेल।”

जैतून पहाड़ पर यीशुक प्रार्थना

(मत्ती 26.36-46; मरकुस 14.32-42)

39 तखन यीशु शहर सँ बहरा कऽ
जैतून पहाड़ पर गेलाह, जतऽ ओ बेसी
काल जाइत छलाह। हुनका संग हुनकर
शिष्य सभ सेहो छलथिन। **40** ओतऽ
पहुँचि कऽ ओ शिष्य सभ केँ कहलथिन,
“प्रार्थना करैत रहू जे परीक्षा मे नहि
पड़ी।” **41** तखन ओ शिष्य सभ सँ किछु
दूर हटि ठेहुनिया दऽ कऽ एहि तरहेँ
प्रार्थना करऽ लगलाह जे, **42** “हे पिता,
अहाँ जँ चाहैत छी, तँ ई दुःखक बाटी
हमरा लग सँ हटा लिअ। मुदा तैयो हमर
इच्छा नहि, अहींक इच्छा पूरा होअय।”
43 तखन हुनका साहस देबाक लेल एक
स्वर्गदूत हुनका लग अयलथिन। **44** ओ
व्याकुल भऽ कऽ प्रार्थना मे एतेक लीन
भऽ गेलाह जे हुनका शरीर सँ खूनक बुन्द
सनक पसेना ठोपे-ठोप जमीन पर खसि
रहल छलनि।
45 प्रार्थना सँ उठि कऽ ओ शिष्य
सभ लग अयलाह। शिष्य सभ शोकित
भऽ थाकि कऽ सुतल छलाह। **46** यीशु
कहलथिन, “अहाँ सभ सुतल किएक छी?
उठू, आ प्रार्थना करैत रहू जे परीक्षा मे नहि
पड़ी।”

यीशु बन्दी बनाओल गेलाह

*(मत्ती 26.47-56; मरकुस 14.43-50;
यूहन्ना 18.3-11)*

47 यीशु बाजिए रहल छलाह कि
लोकक भीड़ ओतऽ पहुँचल। हुनकर
बारह शिष्य मे सँ एक, जकर नाम यहूदा
छलैक, से ओकरा सभक आगाँ छल।
ओ चुम्मा लेबाक लेल यीशुक लग मे
अयलनि, **48** मुदा यीशु ओकरा कहलथिन,
“हौ यहूदा, की तोँ मनुष्य-पुत्र केँ चुम्मा
लऽ कऽ धोखा दऽ रहल छह?”

22:37 यशा 53.12

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

49 यीशुक शिष्य सभ जखन देखलनि
जे आब की होयत तँ पुछलथिन, “प्रभु,
की हम सभ तरुआरि चलाउ?” **50** हुनका
सभ मे सँ एक गोटे महापुरोहितक टहलू
पर तरुआरि चला कऽ ओकर दहिना कान
काटि देलनि।

51 मुदा यीशु कहलथिन, “रूकू,
रूकू!” और ओहि आदमीक कान छुबि
कऽ ठीक कऽ देलथिन।

52 तखन यीशु मुख्यपुरोहित, मन्दिरक
सिपाही और बूढ़-प्रतिष्ठित सभ जे
हुनका पकड़ऽ आयल छल, तकरा सभ
केँ कहलथिन, “की अहाँ सभ हमरा
विद्रोह मचाबऽ वला बुझि कऽ लाठी
और तरुआरि लऽ कऽ पकड़ऽ अयलहुँ?
53 हम अहाँ सभक संग सभ दिन मन्दिर मे
छलहुँ तँ हमरा पकड़बाक कोशिश नहि
कयलहुँ। मुदा एखन ई अहाँ सभक समय
अछि, एखन अन्हार केँ अधिकार छैक।”

पत्रुस द्वारा यीशु केँ अस्वीकार

(मत्ती 26.57-58, 69-75; मरकुस 14.53-54, 66-72; यूहन्ना 18.12-18, 25-27)

54 तखन ओ सभ यीशु केँ पकड़ि
लेलकनि आ ओहिठाम सँ महापुरोहितक
भवन मे लऽ गेलनि। पत्रुस सेहो किछु दूर
रहि कऽ पाछाँ-पाछाँ गेलाह। **55** लोक
सभ आङनक बीच मे घूर लगा कऽ
आगि तापऽ बैसल तँ पत्रुसो आबि कऽ
बैसि रहलाह। **56** एक नोकरनी आगिक
इजोत मे हुनका बैसल देखलकनि आ
हुनकर मुँह ठिकिअबैत बाजल, “इहो
ओकरे संग छलैक।”

57 मुदा पत्रुस अस्वीकार कऽ कऽ
कहलथिन, “गे! हम ओकरा चिन्हबो नहि
करैत छिऐक।”

58 किछु कालक बाद केओ दोसर गोटे
हुनका देखि कहलकनि, “अहूँ तँ ओकरे
सभ मे सँ छी।”

पत्रुस उत्तर देलथिन, “यौ भाइ, हम नहि
छी!”

59 करीब एक घण्टाक बाद फेर तेसर
गोटे जोर दैत बाजल, “ई आदमी पक्का
ओकरा संग छलैक, इहो तँ गलीले
निवासी अछि।”

60 मुदा पत्रुस उत्तर देलथिन, “भाइ,
अहाँ की कहैत छी से हम बुझबे
नहि करैत छी!” ओ ई बात कहिए
रहल छलाह कि तुरत्ते मुर्गा बाजि
उठल। **61** प्रभु घूमि कऽ पत्रुसक दिस
तकलथिन। तखने हिनका प्रभुक कहल
बात मोन पड़ि गेलनि जे, “आइ मुर्गा
केँ बाजऽ सँ पहिने अहाँ तीन बेर हमरा
अस्वीकार करब।” **62** ओ ओहिठाम सँ
बाहर भऽ भोकासी पाड़ि कऽ कानऽ
लगलाह।

यीशुक अपमान

63 जे सिपाही सभ यीशु पर पहरा दऽ
रहल छलनि से सभ हुनकर हँसी उड़ाबऽ
लगलनि और मारऽ-पिटऽ लगलनि।
64 हुनका आँखि पर पट्टी बान्हि कऽ
कहलकनि, “यौ अन्तर्यामी! कहल
जाओ, अपने केँ के मारलक?” **65** एहि
तरहक आरो-आरो बहुत बात सभ कहि
कऽ हुनकर अपमान कयलकनि।

धर्म-महासभाक सामने यीशु

(मत्ती 26.59-66; मरकुस 14.55-64; यूहन्ना 18.19-24)

66 भोर भेला पर यहूदी सभक बूढ़-
प्रतिष्ठित सभ, मुख्यपुरोहित सभ और

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धर्मशिक्षक सभ महासभा मे जमा भेलाह,
और यीशु केँ हुनका सभक सामने आनल
गेलनि। 67ओ सभ कहलथिन, "अहाँ जँ
उद्धारकर्ता-मसीह छी, तँ हमरा सभ केँ
स्पष्ट कहू।"
ओ उत्तर देलथिन, "हम जँ कहब, तँ
अहाँ सभ विश्वास करब नहि, 68और
हम जँ अहाँ सभ सँ पुछब, तँ अहाँ सभ
उत्तर देब नहि। 69मुदा आब मनुष्य-पुत्र
सर्वशक्तिमान परमेश्वरक दहिना कात
बैसत।"
70 ओ सभ केओ एके संग पुछलथिन,
"तखन की अहाँ परमेश्वरक पुत्र छी?"
ओ उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ ठीक कहैत
छी। हँ, हम वैह छी।"
71 एहि पर ओ सभ बजलाह, "आब
आरो गवाहीक की आवश्यकता? अपना
सभ स्वयं एकरे मुँह सँ सभटा सुनि
लेलहुँ।"

राज्यपाल पिलातुस और राजा हेरोद द्वारा पूछ-ताछ

(मत्ती 27.1-2, 11-14; मरकुस 15.1-5; यूहन्ना 18.28-38)

23 तखन पूरा सभा उठि कऽ यीशु
केँ राज्यपाल पिलातुसक सामने
लऽ गेलनि। 2ओ सभ हुनका पर अभियोग
लगाबऽ लागल जे, "एकरा हम सभ जनता
केँ भड़कबैत पौलिऐक। ओ सम्राट-कैसर
केँ कर देनाइ मना करैत अछि, और
अपना केँ मसीह, अर्थात् राजा, कहैत
अछि।"
3 एहि पर पिलातुस हुनका सँ पुछलथिन,
"की अहाँ यहूदी सभक राजा छी?"
ओ उत्तर देलथिन, "अहाँ अपने कहि
रहल छी।"
4 तखन पिलातुस मुख्यपुरोहित सभ
और लोकक भीड़ केँ कहलथिन, "एहि
आदमी मे हम कोनो दोष नहि देखैत
छी।"
5 मुदा ओ सभ आओर जोर दऽ कऽ
कहलकनि, "ओ अपन सिद्धान्तक द्वारा
जनता केँ भड़कबैत अछि। गलील प्रदेश
सँ शुरू कऽ कऽ एहिठाम तक आबि ओ
समस्त यहूदिया प्रदेश मे अपन शिक्षा दैत
आयल अछि।"
6 ई सुनि पिलातुस पुछलथिन, "की ई
आदमी गलील प्रदेशक अछि?" 7और ई
बुझि जे यीशु हेरोदक अधिकार-क्षेत्रक
छथि, ओ हुनका हेरोदक ओहिठाम पठा
देलथिन। हेरोद ओहि समय मे यरूशलेमे
मे छलाह।
8 हेरोद यीशु केँ देखि कऽ बहुत
प्रसन्न भेलाह, किएक तँ ओ हुनका
विषय मे बहुत किछु सुनने छलाह,
और बहुत दिन सँ हुनका देखबाक
इच्छा छलनि। ओ आशा रखने छलाह
जे यीशु कोनो चमत्कार करताह, से
हम देखब। 9तँ ओ यीशु सँ बहुत
काल तक प्रश्न करैत रहलाह, मुदा
ई हुनका कोनो उत्तर नहि देलथिन।
10मुख्यपुरोहित और धर्मशिक्षक सभ
ओतऽ ठाढ़ भऽ कऽ जोर-जोर सँ बाजि
कऽ यीशु पर अभियोग लगा रहल
छलाह। 11तखन राजा हेरोद और
हुनकर सैनिक सभ यीशुक अपमान
कयलथिन और हँसी उड़ौलथिन।
हुनका राजसी वस्त्र पहिरा कऽ
पिलातुस लग घुमा देलथिन। 12हेरोद
और पिलातुस, जे पहिने एक-दोसराक
कट्टर दुश्मन छलाह, से ओही दिन सँ
मित्र बनि गेलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यीशु केँ मृत्युदण्ड

(मत्ती 27.15-26; मरकुस 15.6-15;
यूहन्ना 18.39–19.16)

13 तखन पिलातुस मुख्यपुरोहित
सभ, नेता सभ और जनता केँ बजा
कऽ कहलथिन, [14]“अहाँ सभ एहि
आदमी केँ हमरा सामने पेश कऽ कऽ
ई अभियोग लगौलिऐक जे, ई आदमी
जनता केँ बहका कऽ आन्दोलन कराबऽ
चाहैत अछि। हम अहाँ सभक सामने
एकर जाँच कयलहुँ, और जाहि बातक
अभियोग अहाँ सभ एकरा पर लगा रहल
छिऐक, ताहि सम्बन्ध मे हम एकरा दोषी
नहि पबैत छी। [15]और हेरोदो दोषी नहि
पौलनि, कारण, ओ एकरा हमरा लग
फेर घुमा देलनि। स्पष्ट अछि जे ई तेहन
कोनो काज नहि कयने अछि जाहि सँ
एकरा मृत्युदण्ड देल जाइक। [16]तेँ हम
आब एकरा दण्ड दऽ कऽ छोड़ि दैत
छिऐक।” [17][फसह-पाबनिक अवसर
पर हुनका कोनो कैदी केँ छोड़ि देबाक
छलनि।] *

18 मुदा ओ सभ एक संग जोर-जोर सँ
हल्ला करैत कहलक जे, “एकरा खतम
करू! हमरा सभक लेल बरब्बा केँ छोड़ि
दिअ!” [19]बरब्बा एक कैदी छल जे नगर
मे कोनो विद्रोहक कारणेँ आ हत्याक
अपराध मे जहल मे राखि देल गेल छल।

20 पिलातुस यीशु केँ मुक्त करबाक
इच्छा सँ लोक सभ केँ फेर मनयबाक
प्रयत्न कयलनि, [21]मुदा ओ सभ नारा
लगाबऽ लागल जे, “क्रूस पर चढ़ाउ!
ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ!”

22 तेसर बेर पिलातुस ओकरा सभ केँ
कहलथिन, “किएक? ई कोन अपराध
कयने अछि? हम एकरा मे एहन कोनो
दोष नहि देखैत छी जाहि कारणेँ एकरा
मृत्युदण्ड देल जाइक। तेँ हम एकरा दण्ड
दऽ कऽ छोड़ि दैत छिऐक।”

23 मुदा ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला
कऽ कऽ पिलातुस सँ जिद्द कयलक जे,
“ओकरा क्रूसे पर चढ़ाउ।” ओकर सभक
हल्लाक कारणेँ ओकरा सभक जीत
भेलैक। [24]पिलातुस ओकर सभक माँग
पूरा करबाक निर्णय कयलनि। [25]विद्रोह
और हत्याक कारणेँ जहल मे बन्द कयल
गेल अपराधी, जकरा छोड़ि देबाक माँग
ओ सभ कयने छलैक, तकरा ओ छोड़ि
देलथिन, आ यीशु केँ ओकरा सभक
इच्छा पर दऽ देलथिन।

क्रूस

(मत्ती 27.32-44; मरकुस 15.21-32;
यूहन्ना 19.17-27)

26 ओ सभ यीशु केँ जखन लऽ जा रहल
छलनि, तँ कुरेन नगरक सिमोन नामक
एक आदमी, जे गाम सँ शहर दिस आबि
रहल छल, तकरा पकड़ि कऽ ओकरा पर
यीशुक क्रूस लादि देलकैक, जाहि सँ ओ
यीशुक पाछाँ-पाछाँ क्रूस केँ लऽ चलय।
[27]यीशुक पाछाँ बड़का भीड़ जा रहल
छल। ओहि मे बहुत स्त्रीगणो सभ छलीह,
जे हुनका लेल शोक आ विलाप कऽ
रहल छलीह। [28]यीशु घूमि कऽ हुनका
सभ केँ कहलथिन, “हे यरूशलेमक बेटी
सभ! हमरा लेल नहि कानू, बरु अपना
लेल और अपना धिआ-पुता सभक लेल

23:17 किछु हस्तलेख सभ मे पद 17 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कानू। 29कारण, तेहन समय आओत
जहिया अहाँ सभ कहब जे, ‘कतेक धन्य
ओ स्त्रीगण सभ अछि जकरा बाल-बच्चा
नहि भेलैक, हँ, ओ सभ, जे धिआ-पुता
कैँ जन्म नहि देलक, जे कहियो दूध नहि
पिऔलक!’ 30तखन,

‘लोक पहाड़ सभ कैँ कहतैक जे,
हमरा सभ पर खसि पड़!
हँ, कहतैक जे, हमरा सभ कैँ झाँपि
ले!’*

31कारण, जँ हरियर गाछक संग ओ सभ
एना करैत अछि, तँ सुखायलक संग की
नहि करतैक?”

32 यीशुक संग आरो दू आदमी, जे
अपराधी छल, तकरो मृत्युदण्डक लेल
लऽ गेल गेलैक। 33ओहि स्थान पर पहुँचि
कऽ जे “खप्पड़” कहबैत अछि, सिपाही
सभ यीशु कैँ हाथ-पयर मे काँटी ठोकि
कऽ क्रूस पर टाँगि देलकनि, ओहिना
ओहि दूनू अपराधी कैँ सेहो, एकटा कैँ
हुनकर दहिना कात आ दोसर कैँ बामा
कात। 34क्रूस पर चढ़ाओल गेलाक बाद
यीशु बजलाह, “यौ पिता, एकरा सभ कैँ
क्षमा करिऔक, किएक तँ ई सभ नहि
जनैत अछि जे की कऽ रहल अछि।”
तखन सैनिक सभ पुरजी खसा कऽ यीशुक
वस्त्र अपना मे बाँटि लेलक।

35 लोक सभ ओतऽ ठाढ़ भऽ कऽ ई
सभ देखि रहल छल। यहूदी अधिकारी
सभ यीशुक हँसी उड़बैत कहैत छल,
“ई आन लोक सभ कैँ बचौलक। ई जँ
परमेश्वरक पठाओल मसीह अछि,
जँ परमेश्वरक चुनल व्यक्ति अछि, तँ
अपना कैँ बचाबओ!”

36 सैनिक सभ सेहो यीशु लग आबि
कऽ हुनकर हँसी उड़ौलकनि। हुनका
तिताह दारू पिबाक लेल देलकनि आ
कहलकनि, 37“तोँ जँ यहूदी सभक राजा
छेँ तँ अपना कैँ बचा!”

38 हुनका मूड़ीक उपर एकटा सूचना
टाँगल छल, जाहि पर लिखल छलैक, “ई
यहूदी सभक राजा अछि।”

39 यीशुक कात मे टाँगल एक अपराधी
हुनकर निन्दा करैत कहलकनि, “की
तोँ उद्धारकर्ता-मसीह नहि छेँ? अपना कैँ
बचा, आ हमरो सभ कैँ बचा ले!”

40 मुदा दोसर अपराधी ओकरा
डाँटि कऽ कहलकैक, “रौ! की तोरा
परमेश्वरक डर नहि छौ? तोहूँ तँ वैह
दण्ड भोगि रहल छेँ। 41हमरा-तोरा तँ
ठीक दण्ड भेटल अछि। किएक तँ अपना
सभ अपना काजक फल भोगि रहल
छी, मुदा ई तँ कोनो अपराध नहि कयने
अछि।”

42 तखन ओ यीशु कैँ कहलकनि, “यौ
यीशु, अहाँ जखन अपना राज्य मे आयब
तँ हमरा मोन राखब।”

43 यीशु उत्तर देलथिन, “हम तोरा सत्य
कहैत छिअह जे, आइए तोँ हमरा संग
स्वर्गधाम मे होयबह।”

यीशुक मृत्यु

*(मत्ती 27.45-56; मरकुस 15.33-41;
यूहन्ना 19.28-30)*

44-45 लगभग दुपहरक समय छलैक,
तखन सौंसे देश अन्हार-कुप्प भऽ गेल,
कारण सूर्यक प्रकाश समाप्त भऽ गेल।
करीब तीन बजे तक देश मे अन्हारे

23:30 होशे 10.8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रहल। मन्दिर मे जे परदा छलैक, से फाटि कऽ दू भाग मे भऽ गेल। 46तखन यीशु बहुत जोर सँ बजलाह, “हे पिता, हम अपन आत्मा अहाँक हाथ मे सौंपि रहल छी।” ई कहि कऽ ओ प्राण त्यागि देलनि।

47 रोमी कप्तान ई सभ बात देखि परमेश्वरक स्तुति करैत बाजल, “सत्ये ई आदमी निर्दोष छल।”

48 जे लोक सभ ई दृश्य देखबाक लेल जुटि गेल छल, से सभ जखन देखलक जे की सभ भेल, तँ सभ लोक छाती पिटैत घर जाय लागल। 49मुदा हुनकर चिन्हल-जानल लोक सभ दूरे ठाढ़ भऽ कऽ ई सभ बात देखि रहल छलाह, जाहि मे हुनका संग गलील प्रदेश सँ आयल स्त्रीगण सभ सेहो छलीह।

कबर मे यीशुक लास

(मत्ती 27.57-61; मरकुस 15.42-47; यूहन्ना 19.38-42)

50-51 यहूदिया प्रदेशक अरिमतिया नगरक निवासी यूसुफ नामक एक आदमी छलाह जे महासभाक सदस्य छलाह। ओ सज्जन और धार्मिक लोक छलाह आ परमेश्वरक राज्यक प्रतीक्षा कऽ रहल छलाह। यीशुक सम्बन्ध मे महासभा जे निर्णय आ काज कयने छल, ताहि सँ ओ सहमत नहि भेल रहथि। 52तँ ओ आदमी पिलातुस लग जा कऽ यीशुक लास माँगि लेलनि। 53ओ क्रूस सँ लास उतारि कऽ मलमलक कपड़ा मे लपेटलनि, और पाथर काटि कऽ बनाओल कबर मे राखि देलनि। ओहि मे कोनो लास कहियो नहि राखल गेल छल। 54ई शुक्रदिन, विश्राम-दिनक तैयारीक दिन छल, और विश्राम-दिन शुरू भऽ रहल छल।

55 जे स्त्रीगण सभ यीशुक संग गलील प्रदेश सँ आयल छलीह, से सभ यूसुफक पाछाँ-पाछाँ जा कऽ कबर देखलनि और इहो देखलनि जे यीशुक लास ओहि मे कोना राखल गेलनि। 56तखन ओ सभ घर जा कऽ यीशुक लास मे लगयबाक लेल सुगन्धित तेल और इत्र तैयार कयलनि। मुदा विश्राम-दिन मे ओ सभ धर्म-नियमक आज्ञा मानि कऽ विश्राम कयलनि।

यीशु जीबि उठलाह!

(मत्ती 28.1-10; मरकुस 16.1-8; यूहन्ना 20.1-10)

24 विश्राम-दिनक प्रात भेने, अर्थात् सप्ताहक पहिल दिन, भोरे-भोर ओ स्त्रीगण सभ अपन तैयार कयल सुगन्धित तेल सभ लऽ कऽ कबर पर गेलीह। 2ओतऽ पहुँचला पर ओ सभ देखलनि जे कबरक मुँह पर जे पाथर राखल छलैक, से एक कात हटाओल गेल अछि। 3मुदा ओ सभ जखन कबरक भीतर गेलीह तँ प्रभु यीशुक लास नहि देखलनि। 4एहि पर ओ सभ सोच मे पड़ि गेलीह जे, ई की भेल? ताबते मे चमकैत वस्त्र पहिरने दू पुरुष हुनका सभ लग आबि ठाढ़ भऽ गेलनि। 5ओ सभ डरेँ मूड़ी झुका कऽ नीचाँ मुँहें देखऽ लगलीह। ओ दूनू पुरुष हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ जीवित आदमी केँ मुइल सभ मे किएक ताकि रहल छियनि? 6ओ एतऽ नहि छथि, जीबि उठल छथि! ओ गलील मे रहैत काल अहाँ सभ केँ की कहने रहथि, से

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मोन पाड़ू। [7]ई जे, मनुष्य-पुत्र कैँ पापी सभक हाथ मे सौंपल जयनाइ, क्रूस पर चढ़ाओल जयनाइ और तेसर दिन जीबि उठनाइ आवश्यक छनि।" [8]तखन यीशुक ई कहल बात हुनका सभ कैँ मोन पड़लनि।

9 कबर पर सँ घूमि आबि कऽ ओ सभ ई सभ बात एगारहो शिष्य कैँ और आरो लोक सभ कैँ सुनौलथिन। [10]जे स्त्रीगण सभ ई बात सभ मसीह-दूत लोकनि कैँ सुनौलथिन, से ई सभ छलीह—मरियम मग्दलीनी, योअन्ना, याकूबक माय मरियम और हुनकर सभक आरो संगी सभ। [11]मुदा मसीह-दूत सभ कैँ ई सभ बात बताहे वला बुझयलनि और ओ सभ विश्वास नहि कयलथिन। [12]तैयो पत्रुस उठि कऽ कबर पर दौड़ैत गेलाह। ओ निहुड़ि कऽ भीतर तकलनि तँ मात्र मलमल वला पट्टी सभ एक कात पड़ल देखलनि। एहि बात सँ आश्चर्यित होइत ओ घूमि अयलाह।

इम्माउस जाय वला रस्ता मे

(मरकुस 16.12-13)

13 ओही दिन यीशुक संगी मे सँ दू व्यक्ति इम्माउस नामक गाम जा रहल छलाह, जे यरूशलेम सँ करीब चारि कोस दूर अछि। [14]ओ सभ बाट मे एहि बितल घटना सभक बारे मे अपना मे गप्प-सप्प कऽ रहल छलाह। [15]गप्प-सप्प और विचार-विमर्श करैत काल यीशु स्वयं हुनका सभक लग आबि संग-संग चलऽ लगलाह। [16]मुदा हुनका सभक नजरि तेना बन्द कयल गेल छलनि जे ओ सभ यीशु कैँ नहि चिन्हि सकलथिन।

17 ओ हुनका सभ सँ पुछलथिन, "अहाँ सभ चलैत-चलैत अपना मे की गप्प-सप्प कऽ रहल छी?"

ओ सभ उदास मोन सँ ठाढ़ भऽ गेलाह। [18]ओहि मेहक एक गोटे जिनकर नाम क्लियोपास छलनि, से यीशु कैँ कहलथिन, "यरूशलेम मे अहींटा एहन प्रवासी होयब जकरा बुझल नहि छैक जे हाल मे की घटना सभ भेल!"

19 यीशु पुछलथिन, "कोन घटना सभ?"

ओ सभ उत्तर देलथिन, "नासरत-निवासी यीशुक सम्बन्ध मे। ओ परमेश्वरक प्रवक्ता छलाह, और परमेश्वरक आ समस्त जनताक नजरि मे हुनकर काज और वचन सामर्थ्यपूर्ण छलनि। [20]मुख्यपुरोहित सभ और हमरा सभक महासभाक अधिकारी सभ हुनका मृत्युदण्ड दिअयबाक लेल राज्यपालक हाथ मे सौंपि देलथिन, आ क्रूस पर चढ़ा कऽ मरबा देलथिन। [21]हमरा सभ कैँ तँ आशा छल जे यैह इस्राएल कैँ छुटकारा दिऔताह। और एतबे नहि, एक बात आओर अछि—आइ तीन दिन भेल ई घटना सभ भेला, [22]और आइ हमर सभक किछु स्त्रीगण सभ हमरा सभ कैँ आश्चर्यित कऽ देलनि। ओ सभ आइ भोरे-भोर कबर पर गेलीह [23]मुदा हुनकर लास हुनका सभ कैँ नहि भेटलनि। ओ सभ आबि कऽ हमरा सभ कैँ कहलनि जे एना-एना स्वर्गदूतक दर्शन भेल आ स्वर्गदूत कहलनि जे ओ जीविते छथि। [24]एहि पर हमरा सभक किछु संगी सभ कबर पर गेलाह, आ जहिना स्त्रीगण सभ कहने छलीह, तहिना हुनका सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ सभ किछु भेटलनि, मुदा यीशु कैँ ओ
सभ नहि देखलनि।"
25 ओ हुनका सभ कैँ कहलथिन,
"अहाँ सभ कतेक निर्बुद्धि छी! प्रभुक
प्रवक्ता लोकनिक सभ कथन पर
अहाँ सभ विश्वास करबाक लेल
किएक नहि तैयार भेलहुँ? 26की
मसीह कैँ दुःख उठौलाक बादे अपना
स्वर्गिक महिमा मे प्रवेश नहि करबाक
छलनि?" 27तखन यीशु मूसाक और
अन्य प्रवक्ता सभक लेख सँ शुरू कऽ
कऽ सम्पूर्ण धर्मशास्त्र मे अपना बारे
मे लिखल बात सभ हुनका सभ कैँ
बुझाबऽ लगलथिन।
28 ताबते मे ओ सभ ओहि गाम लग
पहुँचलाह जतऽ जयबाक छलनि, और
यीशु एना देखौलथिन जेना ओ आगाँ जाय
चाहैत होथि। 29मुदा ओ सभ हुनका सँ
बहुत आग्रह कयलनि जे, "देखू, साँझ
पड़ऽ वला अछि, आब अन्हार होयत।
हमरा सभक संग आइ रहि जाउ।" तखन
यीशु हुनका सभक संग रहबाक लेल
घरक भीतर गेलाह।
30 यीशु जखन हुनका सभक संग भोजन
करबाक लेल बैसलाह तँ रोटी लेलनि,
और परमेश्वर कैँ धन्यवाद दऽ कऽ रोटी
तोड़ि हुनका सभ कैँ देबऽ लगलथिन।
31तखन हुनका सभक नजरि खुलि गेलनि
और ओ सभ हुनका चिन्हि लेलथिन।
तकरबाद तुरत्ते यीशु बिला गेलाह।
32तखन ओ सभ एक-दोसर कैँ कहऽ
लगलाह, "बाट मे चलैत काल ओ जखन
अपना सभ सँ बात-चीत कयलनि आ
धर्मशास्त्रक अर्थ बुझा देलनि, तँ अपना
सभक हृदय आनन्द सँ केहन धक-धक
करैत छल!"
33 ओ सभ तुरत्ते उठि कऽ यरूशलेम
घूमि गेलाह। ओतऽ हुनका सभ कैँ
एगारहो शिष्य और अन्य संगी-साथी सभ
एक ठाम जमा भेल भेटलथिन। 34शिष्य
सभ कहि रहल छलाह जे, "सत्ये अछि!
प्रभु जीबि उठल छथि! ओ सिमोन कैँ
दर्शन देलनि अछि।" 35तखन इहो दूनू
गोटे हुनका सभ कैँ बाट मे भेल बात
सभक विषय मे कहि सुनौलथिन, आ
कहलथिन, "ओ जखन रोटी तोड़लनि
तखन हम सभ हुनका चिन्हि लेलियनि।"

शिष्य सभ कैँ यीशुक दर्शन

(यूहन्ना 20.19-23)

36 ओ सभ ई बात सभ सुनबिते
छलथिन कि यीशु स्वयं हुनका सभक
बीच मे प्रगट भेलथिन और कहलथिन,
"अहाँ सभ कैँ शान्ति भेटय।"
37 ओ सभ हुनका भूत बुझि
अकचका कऽ भयभीत भऽ गेलाह।
38यीशु कहलथिन, "अहाँ सभ किएक
घबड़ायल छी? मोन मे शंका किएक
उठैत अछि? 39हमर हाथ-पयर देखू।
हमहीं छी! हमरा छुबि कऽ देखू! भूत-
प्रेत कैँ तँ एना हाड़-माँसु सभ नहि होइत
छैक जेना अहाँ सभ हमरा देखि रहल
छी।"
40 ई कहि ओ हुनका सभ कैँ अपन
हाथ-पयर देखौलथिन। 41हुनका सभ
कैँ ततेक ने आनन्द भेलनि जे तखनो
विश्वास नहि भेलनि, आश्चर्य मे डुबल
छलाह। तँ यीशु पुछलथिन, "की अहाँ
सभ लग किछु खयबाक वस्तु अछि?"
42ओ सभ हुनका पकाओल माछक
कुटिआ देलथिन। 43ओ लऽ कऽ हुनका
सभक सामने खयलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

44 यीशु कहलथिन, “हम जखन अहाँ सभक संग छलहुँ तँ अहाँ सभ केँ ई कहने छलहुँ जे, मूसाक धर्म-नियम, प्रभुक प्रवक्ता सभक लेख और भजन-संग्रहक पुस्तक मे हमरा विषय मे जे किछु लिखल अछि, से सभ बात पूरा होयब आवश्यक अछि।”

45 तखन ओ हुनका सभ केँ धर्मशास्त्रक बात बुझबाक लेल बुद्धि देलथिन। 46 ओ हुनका सभ केँ कहलथिन, “धर्मशास्त्र मे ई लिखल अछि जे, उद्धारकर्ता-मसीह दुःख उठौताह आ तेसर दिन मृत्यु सँ जीबि उठताह, 47 और यरूशलेम सँ शुरू कऽ पृथ्वीक सभ जातिक लोक मे हुनकर नाम सँ एहि बातक प्रचार कयल जायत जे, अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन करू आ पापक क्षमा प्राप्त करू। 48 अहाँ सभ एहि बात सभक गवाह छी। 49 हमर पिता अहाँ सभ केँ जे किछु देबाक वचन देलनि, से हम अहाँ सभ केँ आब पठा देब। मुदा जा धरि अहाँ सभ केँ ऊपर सँ सामर्थ्य प्राप्त नहि होयत, ता धरि अहाँ सभ एहि शहर मे रूकल रहू।”

यीशु स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह

(मरकुस 16.19-20; मसीह-दूत 1.9-11)

50 यीशु हुनका सभ केँ बेतनिया गाम दिस लऽ गेलथिन, और अपन हाथ उठा कऽ हुनका सभ केँ आशीर्वाद देलथिन। 51 आशीर्वाद दैत काल ओ हुनका सभ सँ अलग भऽ गेलाह, और स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह। 52 शिष्य सभ हुनकर आराधना कयलनि और अत्यन्त आनन्दक संग यरूशलेम घूमि अयलाह। 53 ओ सभ परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा करैत अपन सम्पूर्ण समय मन्दिर मे व्यतीत करऽ लगलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्नाक अनुसार
शुभ समाचार

वचन मनुष्य बनलाह

1 शुरू मे वचन रहथि। वचन
परमेश्वरक संग छलाह, और
अपने परमेश्वर छलाह। 2तँ वैह शुरू मे
परमेश्वरक संग छलाह। 3वचने द्वारा सभ
वस्तु उत्पन्न कयल गेल, और जे किछु
उत्पन्न भेल ओहि मे सँ एकोटा वस्तु
हुनका बिना उत्पन्न नहि भेल। 4हुनका मे
जीवन छल, और ई जीवन मनुष्यक लेल
इजोत छल। 5इजोत अन्हार मे प्रकाश
दैत अछि, और अन्हार ओहि पर कहियो
विजयी नहि भेल अछि।

6 परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल एक
आदमी अयलाह, जिनकर नाम यूहन्ना
छलनि। 7ओ गवाहीक लेल अयलाह,
ओहि इजोतक विषय मे गवाही देबाक
लेल, जाहि सँ हुनका द्वारा सभ लोक
विश्वास करय। 8ओ अपने ओ इजोत
नहि छलाह, बल्कि ओहि इजोतक
सम्बन्ध मे गवाही देबाक लेल आयल
छलाह।

9 ओ इजोत वास्तविक इजोत छलाह,
जे प्रत्येक मनुष्य केँ प्रकाशित करैत
छथि। और ओ इजोत संसार मे आबि
रहल छलाह।

10 ओ संसार मे छलाह, संसार हुनका
द्वारा बनाओल गेल छल, तैयो संसार
हुनका नहि चिन्हलकनि। 11ओ अपना
ओहिठाम अयलाह, मुदा हुनकर अपन
लोक हुनका स्वीकार नहि कयलकनि।
12तैयो जे सभ हुनका स्वीकार कयलक,
अर्थात् जे सभ हुनका पर विश्वास
कयलक, तकरा सभ केँ ओ परमेश्वरक
सन्तान बनबाक अधिकार देलथिन।
13ओ सभ ने मनुष्यक वंशज सँ जनमल,
ने शारीरिक इच्छा सँ, और ने कोनो
पुरुषक कल्पना सँ, बल्कि परमेश्वर द्वारा
जनमल।

14 वचन मनुष्य बनि गेलाह, और कृपा
आ सत्य सँ परिपूर्ण भऽ, हमरा सभक बीच
मे निवास कयलनि। हम सभ हुनकर एहन
महिमा देखलहुँ जेना पिताक एकलौता
पुत्रक महिमा।

15 यूहन्ना हुनका विषय मे ई गवाही
दऽ कऽ जोर सँ कहलनि, “यैह छथि
जिनका बारे मे हम कहैत छलहुँ जे, ओ जे
हमरा बाद अबैत छथि, से हमरा सँ श्रेष्ठ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छथि, किएक तँ हमर जन्मो सँ पहिने ओ
छलाह।” [16]हुनकर परिपूर्णता मे सँ हमरा
सभ गोटे केँ कृपा भेटल अछि, हँ, आशिष
पर आशिष। कारण, [17]धर्म-नियम मूसा
द्वारा देल गेल, मुदा कृपा और सत्य यीशु
मसीह द्वारा आयल। [18]परमेश्वर केँ केओ
कहियो नहि देखने छनि। मुदा एकलौता
पुत्र, जे अपने परमेश्वर छथि, और जे
पिताक संगति मे रहैत छथि, वैह हुनका
प्रगट कयने छथिन।

यूहन्नाक गवाही

(मत्ती 3.1-12; मरकुस 1.1-8; लूका 3.1-18)

19 यूहन्नाक गवाही ई छनि। यरूशलेम
शहर सँ यहूदी लोकनि पुरोहित आ
मन्दिरक सेवक सभ* केँ हुनका लग
ई पुछबाक लेल पठा देलनि जे, “अहाँ
के छी?” [20]तँ यूहन्ना अस्वीकार नहि
कयलनि, ओ खुलि कऽ मानि लेलनि जे,
“हम उद्धारकर्ता-मसीह नहि छी।” [21]ओ
सभ हुनका सँ पुछलथिन, “तँ की, अहाँ
एलियाह छी?” ओ उत्तर देलथिन, “हम
से नहि छी।” “की अहाँ परमेश्वरक ओ
प्रवक्ता छी जे आबऽ वला छथि?” ओ
जबाब देलथिन, “नहि।” [22]तखन ओ
सभ हुनका फेर पुछलथिन, “तखन अहाँ
छी के? कहू ने जाहि सँ हमरा सभ केँ जे
पठौलनि तिनका सभ केँ किछु उत्तर दऽ
सकबनि। अपना विषय मे अहाँ की कहैत
छी?”

23 ओ उत्तर देलथिन, “जहिना
परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह कहलनि,
हम ‘एक स्वर’ छी जे ‘निर्जन क्षेत्र मे जोर
सँ आवाज दऽ रहल अछि जे, प्रभुक
आगमनक लेल बाट सोझ बनाउ।’*”

24 तखन फरिसी सभ द्वारा पठाओल
गेल लोक सभ मे सँ किछु गोटे [25]हुनका
सँ पुछलकनि, “अहाँ जँ उद्धारकर्ता-
मसीह नहि छी, आ ने एलियाह आ ने
ओ प्रवक्ता, तँ अहाँ बपतिस्मा किएक
दैत छी?” [26]यूहन्ना हुनका सभ केँ उत्तर
देलथिन, “हम पानि सँ बपतिस्मा दैत छी,
मुदा अहाँ सभक बीच मे एक व्यक्ति
ठाढ़ छथि जिनका अहाँ सभ नहि चिन्हैत
छियनि। [27]ओ वैह छथि जे हमरा बाद
अबैत छथि, और हम हुनकर जुत्तो खोलऽ
जोगरक नहि छी।”

28 ई सभ बात यरदन नदीक ओहि पार
बेतनिया गाम मे भेल, जाहिठाम यूहन्ना
बपतिस्मा दैत रहथि।

यीशु—परमेश्वरक बलि-भेँड़ा

29 दोसरे दिन यूहन्ना यीशु केँ अपना
दिस अबैत देखि बजलाह, “देखू! ई
परमेश्वरक बलि-भेँड़ा छथि जे संसारक
पाप उठा कऽ लऽ जाइत छथि। [30]ई वैह
छथि जिनका विषय मे हम कहलहुँ जे,
हमरा बाद मे एक व्यक्ति अबैत छथि
जे हमरा सँ श्रेष्ठ छथि किएक तँ हमर
जन्मो सँ पहिनहि ओ छलाह। [31]हमहूँ
हुनका नहि चिन्हैत छलहुँ, मुदा हम पानि
सँ बपतिस्मा दैत एहि लेल अयलहुँ जे ओ
अपन इस्राएली लोक पर प्रगट होथि।”

32 यूहन्ना ई गवाही देलनि, “हम
परमेश्वरक आत्मा केँ आकाश सँ
परबा जकाँ उतरैत आ हुनका पर

1:19 मूल मे, “पुरोहित आ लेवी सभ”। लेवी सभ यहूदी सभक कुल-पिता लेवीक वंशज छलाह।
लेवीक कुलक पुरुष लोकनि मन्दिर मे पुरोहितक सहायक होइत छलाह। **1:23** यशा 40.3

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

टिकैत देखलहुँ। 33हम अपने तँ हुनका
नहिए चिन्हितहुँ, मुदा जे हमरा पानि सँ
बपतिस्मा देबऽ लेल पठौलनि, से हमरा
कहने छलाह जे, 'जिनका पर तोँ आत्मा
केँ उतरैत और टिकैत देखबह, वैह छथि
जे पवित्र आत्मा सँ बपतिस्मा देताह।'
34हम ई बात देखने छी और गवाही दैत
छी जे ई परमेश्वरक पुत्र छथि।"

यीशुक सभ सँ पहिलुका शिष्य सभ

35 फेर दोसरे दिन यूहन्ना अपन शिष्य
मे सँ दू गोटेक संग ओहिठाम ठाढ़
छलाह। 36यीशु केँ ओहि दऽ कऽ जाइत
देखि ओ कहलनि, "देखू! परमेश्वरक
बलि-भेँड़ा!" 37ई बात सुनि दूनू शिष्य
यीशुक पाछाँ लागि गेलनि। 38यीशु घूमि
कऽ हुनका सभ केँ पाछाँ अबैत देखि
कहलथिन, "अहाँ सभ की चाहैत छी?"
ओ सभ हुनका कहलथिन, "रब्बी,"
(जकर अर्थ अछि "गुरुजी"), "अहाँ
कतऽ ठहरल छी?" 39ओ हुनका सभ केँ
उत्तर देलथिन, "चलू देखि लिअ।" तखन
ओ सभ जा कऽ देखि लेलनि जे ओ कतऽ
ठहरल छथि, आ ओहि दिन हुनका संग
रहलाह। ओ समय लगभग चारि बजे
साँझक छल।

40 ई दूनू जे यूहन्नाक बात सुनि कऽ
यीशुक पाछाँ भऽ चलल रहथि, ओहि मे
सँ एक अन्द्रेयास छलाह, सिमोन पत्रुसक
भाय। 41ओ तुरत अपन भाय सिमोन सँ
भेँट कऽ हुनका कहलथिन, "हमरा सभ
केँ उद्धारकर्ता-मसीह भेटलाह।" (⌞यूनानी
भाषा मे⌟ "मसीह" केँ "ख्रिष्ट" कहल
जाइत अछि।) 42ओ हुनका यीशु लग
अनलथिन। यीशु हुनका ध्यानपूर्बक देखि
कहलथिन, "अहाँ सिमोन, यूहन्नाक
बालक छी। अहाँक नाम 'कैफा' होयत"
(अर्थात् "पत्रुस")*।

43 दोसरे दिन यीशु गलील प्रदेश
जयबाक निश्चय कयलनि। तखन
हुनका फिलिपुस भेँट भेलनि। ओ
हुनका कहलथिन, "हमरा पाछाँ आउ।"
44अन्द्रेयास और पत्रुस जकाँ, फिलिपुस
सेहो बेतसैदा नगरक निवासी छलाह।
45फिलिपुस नथनेल सँ भेँट कऽ कऽ
कहलथिन, "हमरा सभ केँ ओ भेटलाह
जिनका विषय मे मूसा धर्म-नियम मे
लिखने छथि आ जिनका विषय मे
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ सेहो लिखने
छथि। ओ छथि यूसुफक बेटा, नासरतक
निवासी यीशु।"

46 "नासरत?" नथनेल बाजि
उठलाह। "की नासरत सँ किछुओ नीक
आबि सकैत छैक?" फिलिपुस हुनका
कहलथिन, "चलि कऽ देखि लिअ।"

47 यीशु नथनेल केँ अपना लग अबैत
देखि कहलथिन, "देखू! ई एक सही
इस्राएली छथि, जिनका मे कोनो छल-
प्रपंच नहि!" 48नथनेल हुनका कहलथिन,
"अहाँ हमरा कोना चिन्हैत छी?" यीशु
उत्तर देलथिन, "एहि सँ पहिनहि जे
फिलिपुस अहाँ केँ बजौलनि, हम अहाँ केँ
अंजीरक गाछ तर देखने छलहुँ।" 49एहि
पर नथनेल बजलाह, "गुरुजी! अहाँ
परमेश्वरक पुत्र छी! अहाँ इस्राएलक
राजा छी।"

50 यीशु हुनका कहलथिन, "की अहाँ
एहि लेल ई बात विश्वास करैत छी जे हम

1:42 "कैफा" (इब्रानी भाषा) और "पत्रुस" (यूनानी भाषा), दूनूक अर्थ अछि "पाथर" वा "चट्टान"।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ केँ कहलहुँ जे अंजीर गाछ तर अहाँ
केँ देखने छलहुँ? अहाँ एहू सँ पैघ बात सभ
देखब।” 51तखन हुनका इहो कहलथिन,
“हम अहाँ सभ केँ विश्वास दिअबैत छी जे
अहाँ सभ स्वर्ग केँ खुजल आ परमेश्वरक
स्वर्गदूत सभ केँ मनुष्य-पुत्र पर ऊपर चढ़ैत
आ नीचाँ उतरैत देखब।”

यीशु विवाहक उत्सव मे

2 एहि बातक तेसरे दिन गलील
प्रदेशक काना नामक गाम मे विवाह
छल। ओहिठाम यीशुक माय छलीह,
2और यीशु आ हुनकर शिष्य सभ सेहो
विवाह मे निमन्त्रित छलाह। 3अंगूरक
मदिरा घटला पर माय यीशु केँ कहलथिन,
“हिनका सभ केँ आब मदिरा नहि छनि।”
4यीशु हुनका कहलथिन, “अहाँ हमरा
ई किएक कहैत छी?* हमर समय एखन
नहि आयल अछि।” 5तखन हुनकर माय
बारिक सभ केँ कहलनि, “ई जे किछु तोरा
सभ केँ कहथुन से करिहह!”

6लग मे यहूदी सभक रीतिक अनुसार
शुद्ध करबाक लेल छओटा पाथरक घैल
राखल छल। प्रत्येक मे करीब सौ-सवासौ
लीटर अँटैत छल। 7यीशु बारिक सभ
केँ कहलथिन, “घैल सभ मे पानि भरि
दहक।” 8ओ सभ घैल केँ कानो-कान भरि
देलक। तखन ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“आब किछु निकालि कऽ भण्डारी केँ
दऽ अबहुन।” ओ सभ दऽ आयल, 9और
भण्डारी ओहि पानि केँ चिखलनि जे आब
मदिरा बनि गेल छल। हुनका नहि बुझल
छलनि जे ई मदिरा कतऽ सँ आबि गेल
(मुदा बारिक सभ जे पानि निकालने छल,
तकरा सभ केँ बुझल छलैक), तेँ भण्डारी
वर केँ बजा कऽ कहलथिन, 10“सभ
आदमी तँ बढ़ियाँ वला मदिरा पहिनहि
परसैत अछि, और बाद मे जखन लोक
सभ बहुते पिबि लेने रहैत अछि तखने
साधारण वला परसैत अछि, मुदा अहाँ
बढ़ियाँ वला एखनो धरि रखनहि छलहुँ!”

11एहि तरहेँ गलीलक काना गाम मे यीशु
अपन चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ शुरू कऽ कऽ
अपन महिमा प्रगट कयलनि और हुनकर
शिष्य सभ हुनका पर विश्वास कयलनि।

12एकरा बाद यीशु अपन माय, भाय
और शिष्य सभक संग कफरनहूम नगर
गेलाह और ओहिठाम किछु दिन रहलाह।

यीशु मन्दिर मे

(मत्ती 21.12-13; मरकुस 11.15-17;
लूका 19.45-46)

13यहूदी सभक फसह-पाबनि लग
अयला पर यीशु यरूशलेम चल गेलाह।
14मन्दिर मे ओ लोक सभ केँ गाय-बड़द,
भेँड़ा और परबा बेचैत और टेबुल पर
बैसल पैसा भजबऽ वला सभ केँ पैसा
भजबैत देखलनि। 15ई देखि यीशु रस्साक
कोड़ा बना कऽ सभ केँ मन्दिर मे सँ बाहर
भगा देलथिन, भेँड़ा और माल-जाल केँ
सेहो। पाइ भजबऽ वला सभक सिक्का
छिड़िया कऽ ओकरा सभक टेबुल उनटा
देलथिन। 16परबा बेचऽ वला सभ केँ ओ
कहलथिन, “एहि सभ केँ एतऽ सँ तुरत
लऽ जाह! हमर पिताक घर केँ बजार नहि
बनाबह!” 17तखन हुनकर शिष्य सभ केँ
धर्मशास्त्रक ई लेख मोन पड़लनि जे, “हे
परमेश्वर, अहाँक घरक लेल हमर धुनि

2:4 अक्षरशः “हे नारि, हमरा और अहाँ केँ की?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हमरा खा जायत।"* [18]तखन यहूदी सभ
हुनका कहलथिन, "ई सभ करबाक
अधिकारक प्रमाण देबाक लेल अहाँ
हमरा सभ केँ कोन चिन्ह देखायब?"
19 यीशु उत्तर देलथिन, "एहि मन्दिर केँ
ढाहि दिअ और हम एकरा तीन दिन मे
फेर ठाढ़ कऽ देब।" [20]एहि पर यहूदी सभ
जबाब देलथिन, "एहि मन्दिर केँ बनाबऽ
मे हमरा सभ केँ छियालिस वर्ष लागल,
और की अहाँ एकरा तीन दिन मे फेर ठाढ़
कऽ देब!" [21]मुदा यीशु जाहि मन्दिरक
बारे मे बाजल छलाह, से हुनकर देह
छलनि। [22]तेँ बाद मे जखन ओ मरलाक
बाद जीबि उठलाह तँ शिष्य सभ हुनकर
एहि कथन केँ स्मरण कयलनि। तखन ओ
सभ धर्मशास्त्रक लेख केँ और यीशुक
बात केँ विश्वास कयलनि।
23 जखन यीशु फसह-भोजक समय
मे यरूशलेम मे छलाह, तँ बहुत लोक
हुनकर चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ जे ओ
देखबैत छलाह, तकरा देखि कऽ हुनका
पर विश्वास कयलकनि, [24]मुदा यीशु
अपना केँ ओकरा सभक भरोस पर नहि
छोड़लनि, कारण सभ मनुष्य केँ ओ जनैत
छलाह। [25]मनुष्यक बारे मे हुनका ककरो
द्वारा कोनो साक्षीक आवश्यकता नहि
छलनि, किएक तँ ओ अपने जनैत छलाह
जे मनुष्यक मोन मे की बात होइत छैक।

नव जन्मक उपदेश

3 फरिसी सभ मे सँ एक निकोदेमुस
नामक आदमी छलाह, जे यहूदी
सभक धर्मसभाक सदस्य छलाह। [2]एक
राति ओ यीशु लग आबि कऽ कहलथिन,
"गुरुजी, हम सभ जनैत छी जे अपने
परमेश्वर द्वारा पठाओल गेल गुरु छी,
कारण जँ परमेश्वर संग नहि रहितथि तँ
अपने जे चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ देखा
रहल छी, से केओ नहि देखा सकैत।"
3 यीशु हुनका उत्तर देलथिन, "हम
अहाँ केँ सत्ये कहैत छी जे, जाबत तक
केओ नव जन्म नहि लेत ताबत तक ओ
परमेश्वरक राज्य नहि देखि सकत।"
4 निकोदेमुस हुनका कहलथिन, "केओ
बूढ़ भऽ कऽ कोना जन्म लेत? की ओ
मायक गर्भ मे दोसर बेर प्रवेश कऽ फेर
जन्म लऽ सकत?!"
5 यीशु उत्तर देलथिन, "हम अहाँ केँ
विश्वास दिअबैत छी जे, जाबत तक
केओ जल और आत्मा सँ जन्म नहि
लेत ताबत तक ओ परमेश्वरक राज्य मे
प्रवेश नहि कऽ सकत। [6]मनुष्य तँ खाली
शारीरिक जन्म दैत अछि, मुदा पवित्र
आत्मा आत्मिक जन्म दैत छथि। [7]तेँ
एहि सँ आश्चर्य नहि मानू जे हम अहाँ केँ
कहलहुँ जे अहाँ सभ केँ नव जन्म लेबऽ
पड़त। [8]हवा जतऽ चाहैत अछि ततऽ
बहैत अछि। ओकर आवाज सुनैत छी
लेकिन कतऽ सँ आबि रहल अछि वा
कतऽ जा रहल अछि से नहि जानि सकैत
छी। जे आत्मा सँ जन्म लैत अछि, तकरो
एहिना होइत छैक।"
9 निकोदेमुस हुनका कहलथिन, "ई सभ
बात कोना भऽ सकैत अछि?"
10 यीशु उत्तर देलथिन, "अहाँ
इस्राएलक गुरु छी, आ ई बात नहि
बुझैत छी?! [11]हम अहाँ केँ सत्ये कहैत
छी जे, जे बात हम जनैत छी, वैह बात

2:17 भजन 69.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बजैत छी, मुदा तैयो अहाँ सभ हमरा
गवाही केँ स्वीकार नहि करैत छी।
12जखन हम अहाँ केँ पृथ्वी परक बात
कहैत छी और अहाँ विश्वास नहि करैत
छी, तँ स्वर्गक बात जँ कहब तँ अहाँ केँ
कोना विश्वास होयत? 13केओ स्वर्ग
मे उपर नहि चढ़ल अछि; वैहटा चढ़ल
छथि जे स्वर्ग सँ उतरल छथि, अर्थात्
मनुष्य-पुत्र। 14जहिना मूसा निर्जन क्षेत्र मे
पित्तरिक साँप केँ ऊपर लटका देलनि,
तहिना मनुष्य-पुत्र केँ सेहो अवश्य ऊपर
लटकाओल जयतनि 15जाहि सँ जे केओ
हुनका पर विश्वास करत से अनन्त
जीवन प्राप्त करत।

16 “हँ, परमेश्वर संसार सँ एहन प्रेम
कयलनि जे ओ अपन एकमात्र बेटा केँ
दऽ देलनि, जाहि सँ जे केओ हुनका पर
विश्वास करैत अछि से नाश नहि होअय,
बल्कि अनन्त जीवन पाबय। 17परमेश्वर
तँ अपना बेटा केँ संसार मे एहि लेल नहि
पठौलनि जे ओ संसार केँ दोषी ठहरबथि,
बल्कि एहि लेल जे हुनका द्वारा संसारक
उद्धार होअय। 18जे व्यक्ति हुनका
पर विश्वास करैत अछि से दोषी नहि
ठहराओल जाइत अछि, मुदा जे व्यक्ति
हुनका पर विश्वास नहि करैत अछि, से
दोषी ठहराओल जा चुकल अछि, किएक
तँ ओ परमेश्वरक एकलौता बेटा पर
विश्वास नहि कयने अछि। 19दोष एहि
मे भेल, जे संसार मे इजोत आबि गेल
और लोक केँ इजोतक बदला अन्हारे
नीक लगलैक, कारण ओकर काज
अधलाहे होइत छलैक। 20जे अधलाह
काज करैत अछि से इजोत सँ घृणा करैत
अछि और इजोत लग नहि अबैत अछि
जाहि सँ ओकर काज कतौ प्रगट नहि
भऽ जाइक। 21मुदा जे सत्य पर चलैत
अछि से इजोत लग अबैत अछि जाहि सँ
ई प्रगट भऽ जाय जे ओ जे किछु कयने
अछि से परमेश्वरक इच्छाक अनुसार
कयने अछि।”

यीशुक विषय मे बपतिस्मा देबऽ वला यूहन्नाक गवाही

22 एकरबाद यीशु अपन शिष्य सभक
संग यहूदियाक देहात जा कऽ हुनका
सभक संग रहलाह और लोक केँ
बपतिस्मा देबऽ लगलाह। 23यूहन्ना सेहो
शालीम लग एनोन गाम मे बपतिस्मा दैत
छलाह, कारण ओतऽ पानि बहुत छल,
और लोक सभ हुनका लग आबि कऽ
बपतिस्मा लैत छल। 24(ओहि समय मे
यूहन्ना जहल मे नहि राखल गेल छलाह।)
25तँ यूहन्नाक शिष्य कोनो एकटा
यहूदीक संग शुद्ध करबाक रीतिक विषय
मे वाद-विवाद करऽ लगलाह। 26ओ
सभ यूहन्ना लग आबि कऽ कहलनि,
“गुरुजी, ओ जे यरदन नदीक ओहि पार
अहाँक संग छलाह, जिनका बारे मे अहाँ
गवाही देलहुँ, से आब बपतिस्मा दऽ रहल
छथि और सभ लोक हुनके लग जा रहल
अछि।”

27 एहि पर यूहन्ना उत्तर देलथिन,
“मनुष्य किछुओ प्राप्त नहि कऽ सकैत
जँ परमेश्वर सँ नहि देल जाइत। 28अहाँ
सभ अपने हमर गवाह छी जे हम कहलहुँ
जे, उद्धारकर्ता-मसीह हम नहि छी, बल्कि
हम हुनका सँ आगाँ पठाओल गेल छी।
29कनियाँ वरे केँ छनि। वरक मित्र, जे
वरक प्रतीक्षा मे ठाढ़ भऽ कऽ सुनैत अछि,
से वरक आवाज सुनि बड्ड आनन्दित
होइत अछि। तँ हमर ई आनन्द आब पूर्ण

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

भऽ गेल अछि। 30ई जरूरी अछि जे ओ
बढ़ैत रहथि आ हम घटैत रही।

31 “जे ऊपर सँ आयल छथि से आओर
सभ सँ पैघ छथि। जे पृथ्वी सँ अछि से
पृथ्विएक अछि और खाली पृथ्वी वला
बात सभ कहैत अछि। जे स्वर्ग सँ अबैत
छथि वैह आओर सभ सँ पैघ छथि,
32और जे बात ओ देखने छथि और सुनने
छथि, तकरे गवाही दैत छथि। मुदा केओ
हुनका गवाही केँ स्वीकार नहि करैत
अछि। 33जे व्यक्ति हुनका गवाही केँ
स्वीकार कयने अछि, से एहि बात पर
अपन छाप लगा देने अछि जे परमेश्वर
सत्य छथि, 34कारण जिनका परमेश्वर
पठौने छथिन, से वैह बात कहैत छथि जे
परमेश्वर कहैत छथि। हुनका परमेश्वर
अपन आत्मा, बिना नापि-जोखि कऽ
दैत छथिन। 35पिता पुत्र सँ प्रेम करैत
छथि और हुनके हाथ मे सभ किछु दऽ
देने छथिन। 36जे पुत्र पर विश्वास करैत
अछि, तकरा अनन्त जीवन छैक। जे पुत्र
केँ नहि मानैत अछि, से ओहि जीवन
केँ नहि देखत—ओकरा पर परमेश्वरक
क्रोध रहैत अछि।”

सामरी स्त्री और यीशुक जीवन-जल

4 जखन प्रभु केँ पता लगलनि जे
फरिसी सभ सुनलनि अछि जे
यीशु यूहन्ना सँ बेसी शिष्य केँ बनबैत
छथि और बपतिस्मा दैत छथि 2(ओना
तँ यीशु अपने नहि, बल्कि हुनकर शिष्य
सभ बपतिस्मा दैत छलाह), 3तखन ओ
यहूदिया प्रदेश छोड़ि कऽ फेर गलील
प्रदेशक लेल विदा भऽ गेलाह। 4रस्ता
मे हुनका सामरिया प्रदेश भऽ कऽ जाय
पड़लनि। 5ओ सामरिया मे सुखार नगर
पहुँचलाह। ई नगर ओहि खेत लग अछि
जे याकूब अपना बेटा यूसुफ केँ देने
छलाह। 6ओतऽ याकूबक इनार छल,
और यीशु यात्रा सँ थाकि कऽ इनार पर
बैसि रहलाह। ई दुपहरियाक समय छल।

7 ताबते मे एक सामरी स्त्री पानि भरऽ
आयल। यीशु ओकरा कहलथिन, “हमरा
पानि पिबऽ लेल दैह।” 8हुनकर शिष्य
सभ भोजनक सामान किनबाक लेल नगर
मे गेल छलाह।

9 सामरी स्त्री कहलकनि, “अपने यहूदी
भऽ कऽ हमरा सामरी स्त्री सँ कोना पानि
मँगैत छी?” (कारण, यहूदी सभ सामरी
लोक सँ कोनो सम्पर्क नहि रखैत अछि।)

10 यीशु उत्तर देलथिन, “जँ तोँ
परमेश्वरक वरदान केँ जनितह, और ई
जनितह जे ओ के छथि जे तोरा कहैत
छथुन जे पिबऽ लेल दैह, तँ तोँही हुनके
सँ मँगितह और ओ तोरा जीवनक जल
दितथुन।”

11 स्त्री बाजल, “मालिक, पानि भरऽ
लेल अपने केँ डोलो तक नहि अछि, और
इनार गहींर अछि। ई जीवनक जल अपने
लग आओत कतऽ सँ? 12की अपने हमरा
सभक पुरखा याकूब सँ पैघ छी? ओ तँ
हमरा सभ केँ ई इनार प्रदान कयलनि,
जाहि मे सँ ओ अपने और हुनकर बालक
सभ पिलनि और माल-जाल सभ सेहो
पिलक।”

13 यीशु बजलाह, “जे ई पानि पीत,
तकरा फेर पियास लगतैक, 14मुदा जे ओ
जल पीत जे हम देबैक, तकरा कहियो फेर
पियास नहि लगतैक। कारण, हम ओकरा
पिबाक लेल जे जल देबैक, से ओकरा
मे सदिखन उमड़ैत रहतैक और अनन्त
जीवन तक बहतैक।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

15 स्त्री कहलकनि, “यौ मालिक! हमरा
ई जल दिअ जाहि सँ हमरा कहियो नहि
पियास लागय और एहिठाम पानि भरऽ
नहि आबऽ पड़य।”
16 ओ कहलथिन, “जा कऽ अपना
घरवला केँ बजा लबहुन।” 17स्त्री हुनका
जबाब देलकनि, “हमरा घरवला नहि
अछि।”
यीशु ओकरा कहलथिन, “तोँ ठीके
कहैत छह जे हमरा घरवला नहि अछि,
18कारण तोरा पाँचटा घरवला भेल छलह,
और जे तोरा लग एखन छह, सेहो तोहर
घरवला नहि छह। ई बात तोँ एकदम सत्य
कहलह।” 19स्त्री बाजल, “मालिक, हम
बुझि गेलहुँ जे अपने परमेश्वरक एक
प्रवक्ता छी! आब कहू। 20हमरा सभक
पुरखा एहि पहाड़ पर आराधना कयलनि,
लेकिन अपने यहूदी सभ कहैत छी जे
आराधना करबाक स्थान मात्र यरूशलेम
अछि।”
21 यीशु ओकरा कहलथिन, “हमर
विश्वास करह। ओ समय आओत
जहिया तोँ सभ ने एहि पहाड़ पर पिताक
आराधना करबह, ने यरूशलेम मे। 22तोँ
सामरी लोक तकर आराधना करैत छह
जकरा जनिते नहि छह। हम सभ जे यहूदी
सभ छी तिनकर आराधना करैत छी
जिनका जनैत छी, कारण उद्धार यहूदी
वंश द्वारा अबैत अछि। 23मुदा ओ समय
आबि रहल अछि, हँ, आबिओ गेल, जे
सत्य आराधक पिताक आराधना आत्मा
और सत्य सँ करतनि, किएक तँ पिता
एहने आराधक चाहैत छथि। 24परमेश्वर
आत्मा छथि, और ई आवश्यक अछि जे
हुनकर आराधक आत्मा आओर सत्य सँ
हुनकर आराधना करनि।”

25 स्त्री कहलकनि, “हम जनैत छी जे
मसीह, जे ख्रिष्ट कहबैत छथि, से आबऽ
वला छथि। ओ जखन औताह तखन
हमरा सभ केँ सभ बात बुझा देताह।”
26यीशु ओकरा कहलथिन, “हम, जे तोरा
सँ बात कऽ रहल छिअह, वैह छी।”
27 ओहि क्षण हुनकर शिष्य सभ घूमि
अयलाह। हुनका सभ केँ बहुत आश्चर्य
भेलनि जे यीशु एक स्त्री सँ बात कऽ रहल
छथि, मुदा केओ नहि पुछलथिन जे, अहाँ
की चाहैत छी, वा ओकरा सँ किएक बात
कऽ रहल छी?
28 तखन स्त्री अपन घैल छोड़ि नगर मे
जा कऽ लोक सभ केँ कहऽ लागल जे,
29“आउ, एक आदमी केँ देखू! जे किछु
हम कहियो कयने छी, से सभ बात ओ
हमरा कहलनि। की ई उद्धारकर्ता-मसीह
तँ नहि छथि?” 30लोक सभ नगर सँ
बहरायल और यीशु लग आबऽ लागल।
31 एहि बीच मे शिष्य सभ यीशु केँ
आग्रह कयलथिन जे, “गुरुजी, किछु
खा लिअ।” 32मुदा ओ हुनका सभ केँ
कहलथिन, “हमरा लग एहन भोजन अछि
जकरा बारे मे अहाँ सभ नहि किछु जनैत
छी।” 33शिष्य सभ एक-दोसर केँ कहऽ
लगलाह, “केओ हिनका लेल भोजन तँ
नहि आनि देने छनि?” 34यीशु हुनका
सभ केँ कहलथिन, “हमर भोजन ई अछि
जे हम अपन पठाबऽ वलाक इच्छाक
अनुसार चली और जे काज हमरा देने छथि
तकरा पूरा करी। 35की अहाँ सभ नहि
कहैत छी जे, एखन चारि मास बाँकी अछि
तखन फसिलक कटनी करबाक समय
आओत? लेकिन हम कहैत छी जे आँखि
खोलि कऽ खेत दिस देखू! फसिल एखनो
कटनीक लेल पाकि गेल अछि! 36एखनो

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काटऽ वला कैँ बोनि भेटैत छैक, एखनो
ओ फसिल काटि कऽ अनन्त जीवनक
लेल लबैत अछि, जाहि सँ बाउग करऽ
वला और काटऽ वला दूनू एक संग खुशी
मनाओत। 37एहि प्रकारेँ ओ कहबी सिद्ध
होइत अछि जे बाउग करत केओ और
काटत केओ। 38हम अहाँ सभ कैँ ओकरा
काटऽ लेल पठौलहुँ जकरा लेल अहाँ
सभ परिश्रम नहि कयने छलहुँ। परिश्रम
कयलक दोसर, और अहाँ सभ ओकर
परिश्रमक फल मे सहभागी भेलहुँ।"

बहुतो सामरी लोकक विश्वास

39 ओहि नगरक बहुत सामरी लोक
ओहि स्त्रीक ई गवाही जे, जे किछु हम
कहियो कयने छी से सभ बात ओ हमरा
कहलनि, से सुनि यीशु पर विश्वास
कयलक। 40तँ ओ सभ यीशु लग पहुँचि
कऽ आग्रह कयलकनि जे, अपने हमरा
सभक संग रहल जाओ। और यीशु ओतऽ
दू दिन रहलाह। 41हुनकर बात सुनि
आओर बहुत लोक हुनका पर विश्वास
कयलक। 42ओ सभ ओहि स्त्री कैँ
कहलक, "आब तोरे कहबाक कारणेँ
विश्वास नहि करैत छी, बल्कि हम सभ
अपने कान सँ हुनकर बात सुनने छी
और जनैत छी जे ई वास्तव मे संसारक
उद्धारकर्ता छथि।"

हाकिमक पुत्र कैँ स्वस्थ कयलनि

43 ओहिठाम दू दिन रहलाक बाद
यीशु गलीलक लेल विदा भऽ गेलाह।
44(यीशु अपने गवाही देने छलाह जे
परमेश्वरक प्रवक्ता कैँ अपना क्षेत्र मे
आदर नहि होइत छनि।) 45ओ जखन
गलील प्रदेश पहुँचलाह तँ गलील
निवासी सभ हुनका स्वागत कयलकनि,
किएक तँ ओ सभ हुनकर सभ काज जे
ओ यरूशलेम मे फसह-भोजक अवसर
पर कयने रहथि, से देखने छल, कारण
ओहो सभ पाबनिक लेल गेल छल।

46 तँ यीशु फेर गलीलक काना गाम मे
अयलाह, जाहिठाम ओ पानि कैँ अंगूरक
मदिरा बना देने रहथि। कफरनहूम नगर
मे राजाक एक हाकिम छलाह जिनकर
बालक अस्वस्थ छलनि। 47ओ ई खबरि
सुनि जे यीशु यहूदिया प्रदेश सँ गलील मे
पहुँचि गेल छथि, तँ जा कऽ हुनका सँ
निवेदन कयलथिन जे, "चलि कऽ हमरा
बेटा कैँ नीक कऽ दिअ।" कारण ओ मरऽ
पर छल।

48 यीशु हुनका कहलथिन, "अहाँ
सभ जाबत तक चिन्ह और चमत्कार
नहि देखब ताबत विश्वास कहियो नहि
करब।"

49 हाकिम हुनका कहलथिन, "यौ
सरकार, एखन चलू। नहि तँ हमर बौआ
मरि जायत।" 50यीशु उत्तर देलथिन,
"जाउ अहाँ, अहाँक बेटा बाँचि गेल।"

ओ आदमी यीशुक कथन पर विश्वास
कयलनि और चल गेलाह। 51ओ रस्ते मे
छलाह कि हुनकर नोकर सभ भेँट कऽ
हुनका कहलकनि, "अपनेक बच्चा ठीक
भऽ गेल अछि!" 52ओ ओकरा सभ सँ
पुछलथिन जे कतेक बजे सँ बच्चा ठीक
होमऽ लागल, तँ ओ सभ कहलकनि,
"काल्हिखन लगभग एक बजे दिन मे
ओकर बोखार उतरि गेल।" 53तखन ओ
बुझलनि जे ठीक ओही घड़ी यीशु हुनका
कहने छलथिन जे, अहाँक बेटा बाँचि
गेल। और ओ अपन पूरा परिवार यीशु पर
विश्वास कयलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

54 ई आब दोसर चमत्कारपूर्ण चिन्ह
छल जे यीशु यहूदिया प्रदेश सँ गलील
प्रदेश मे आबि कऽ देखौलनि।

अड़तीस वर्षक रोगी तुरत स्वस्थ भऽ गेल

5 बाद मे यहूदी सभक एक पाबनिक
अवसर पर यीशु फेर यरूशलेम
गेलाह। 2यरूशलेम मे, भेँड़-द्वारि लग एक
कुण्ड अछि जे इब्रानी भाषा मे बेतहसदा
कहबैत अछि, जकरा चारू कात पाँचटा
असोरा छैक। 3एहि असोरा सभ पर
बहुत रोगी पड़ल रहैत छल—आन्हर,
नाङड़ आ लकवा मारल लोक सभ। [ई
सभ पानिक हिलबाक समयक प्रतीक्षा
मे रहैत छल, 4कारण समय-समय पर
परमेश्वरक एक स्वर्गदूत उतरि कऽ
पानि केँ हिला दैत छलाह, और एहि
हिलयनाइक बाद, जे रोगी सभ सँ पहिने
पानि मे पैसैत छल से अपन रोग सँ
मुक्त भऽ जाइत छल, चाहे जे कोनो रोग
होइक।] *

5 एक आदमी ओतऽ छल जे अड़तीस
वर्ष सँ रोग सँ पीड़ित छल। 6यीशु जखन
ओकरा देखलथिन, ई बुझि कऽ जे
ओ बहुत दिन सँ ओना पड़ल अछि, तँ
ओकरा कहलथिन, “की तोँ स्वस्थ होमऽ
चाहैत छह?”

7 ओ रोगी हुनका उत्तर देलकनि,
“मालिक, पानिक हिलला पर कुण्ड मे
उतारऽ वला हमरा केओ नहि अछि। हम
उतरबाक कोशिशे करैत छी, ततबे मे
हमरा सँ पहिने केओ दोसर उतरि जाइत
अछि।”

8 तखन यीशु ओकरा कहलथिन,
“उठह! अपन पटिया उठा लैह, और
चलह-फिरह!” 9ओ आदमी तुरत स्वस्थ
भऽ गेल और अपन पटिया उठा कऽ
चलऽ-फिरऽ लागल।

जाहि दिन ई बात भेलैक, से विश्राम-दिन
छल। 10तेँ यहूदी सभ ओहि स्वस्थ कयल
गेल आदमी केँ कहऽ लगलाह, “आइ तँ
विश्राम-दिन अछि। पटिया उठौनाइ मना
छौ!” 11मुदा ओ उत्तर देलकनि, “जे
आदमी हमरा स्वस्थ कऽ देलनि, वैह
हमरा कहलनि जे पटिया उठा कऽ चलह-
फिरह।” 12ओ सभ ओकरा पुछलथिन,
“ओ के अछि जे तोरा कहलकौ जे उठा
कऽ चलह-फिरह?” 13ओ स्वस्थ भेल
आदमी ई नहि जनैत छल जे ओ के
छलाह, कारण यीशु ओहिठाम सँ भीड़ मे
चल गेल छलाह।

14 किछु कालक बाद यीशु ओहि
आदमी केँ मन्दिर मे भेँट कऽ कऽ
कहलथिन, “देखह, तोँ स्वस्थ भऽ गेल
छह, आब पाप केँ छोड़ह, नहि तँ एहू सँ
भारी दशा मे पड़ि जयबह।” 15ओ आदमी
जा कऽ यहूदी सभ केँ कहि देलकनि जे,
यीशुए छथि जे हमरा स्वस्थ कयलनि।

पुत्र द्वारा जीवन

16 यीशु केँ विश्राम-दिन मे एहन काज
करबाक कारणेँ यहूदी सभ हुनका
सताबऽ लगलनि। 17मुदा ताहि पर यीशु
ओकरा सभ केँ ई उत्तर देलथिन, “हमर
पिता एखनो तक काज करैत रहैत छथि,
और हमहूँ काज करैत रहैत छी।” 18एहि
कारणेँ यहूदी सभ हुनका मारि देबाक

5:4 किछु हस्तलेख सभ मे पद 3 और 4 मे ब्रैकेट मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आओर कोशिश करऽ लगलाह किएक
तँ ओ खाली विश्रामेक दिनक नियम कैँ
उल्लंघन नहि करैत छलाह, बल्कि ओ
परमेश्वर कैँ अपन पिता कहि कऽ अपना
कैँ परमेश्वरक समतूल सेहो ठहरबैत
छलाह।

19 यीशु हुनका सभ कैँ ई उत्तर देलथिन,
“हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, पुत्र
स्वतन्त्र रूप सँ किछु नहि कऽ सकैत
छथि। ओ मात्र वैह करैत छथि जे ओ
अपन पिता कैँ करैत देखैत छथि, किएक
तँ जहिना पिता करैत छथि ठीक ओहिना
पुत्रो करैत छथि, 20कारण पिता पुत्र सँ
प्रेम करैत छथिन और पिता जे किछु करैत
छथि से सभ हुनका देखा दैत छथिन, और
एहू सँ पैघ काज हुनका देखा देथिन, जाहि
सँ अहाँ सभ कैँ आश्चर्य होयत। 21कारण
जहिना पिता मुरदा कैँ उठा कऽ ओकरा
जीवन दैत छथि, तहिना पुत्रो जकरा
चाहैत छथि तकरा जीवन दैत छथि।
22और पिता ककरो न्याय करऽ वला नहि
छथि। ओ न्याय करबाक सभ अधिकार
सेहो पुत्रे कैँ देने छथिन, 23जाहि सँ सभ
लोक जेना पिताक आदर करैत छनि तेना
पुत्रोक आदर करनि। जे पुत्रक आदर नहि
करैत अछि, से पिताक सेहो नहि करैत
छनि, जे हुनका पठौने छथिन।

24 “हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी
जे, जे हमर बात सुनैत अछि और हमरा
पठाबऽ वला कैँ मानैत अछि तकरा
अनन्त जीवन छैक। ओकरा न्यायक
सामना नहि करऽ पड़तैक*, कारण ओ
एखने मृत्यु कैँ पार भऽ कऽ जीवन मे
प्रवेश कऽ लेने अछि। 25हम अहाँ सभ
कैँ विश्वास दिअबैत छी जे ओ समय
आबि रहल अछि, हँ, आबिओ गेल
जखन मुइल सभ परमेश्वरक पुत्रक
आवाज सुनत, और जे सभ सुनत से सभ
जीअत, 26किएक तँ जहिना पिता अपने
जीवनक स्रोत छथि तहिना ओ पुत्रो कैँ
स्वयं जीवनक स्रोत होयबाक अधिकार
देने छथिन। 27और ओ पुत्र कैँ मनुष्य-
पुत्र होयबाक कारणेँ न्याय करबाक
अधिकार सेहो देने छथिन। 28एहि बात
सँ आश्चर्यित नहि होउ! कारण, ओ समय
आबि रहल अछि जहिया मरलाहा लोक
सभ अपन कबर मे सँ हुनकर आवाज
सुनि कऽ 29बाहर निकलि आओत। जे
नीक कयने अछि से जीवनक लेल उठत,
और जे अधलाह कयने अछि से दण्ड
पयबाक लेल उठत। 30हम अपने सँ किछु
नहि कऽ सकैत छी। हमरा जहिना न्याय
करबाक लेल कहल जाइत अछि तहिना
हम न्याय करैत छी। और हमर न्याय
उचित होइत अछि, कारण हमर उद्देश्य ई
अछि जे हम अपन नहि, बल्कि हमरा जे
पठौलनि, तिनकर इच्छा पूरा करियनि।

यीशुक विषय मे गवाही

31 “जँ हम अपना बारे मे स्वयं गवाही
देब तँ हमर गवाही पकिया नहि मानल
जायत। 32मुदा एक गोटे आओर छथि जे
हमरा बारे मे गवाही दैत छथि, और हम
जनैत छी जे ओ जे गवाही दैत छथि से
एकदम सत्य अछि।

33 “अहाँ सभ अपने यूहन्ना कैँ
पुछबौलहुँ, और ओ सत्यक गवाही
देलनि। 34ई बात नहि अछि जे हम

5:24 वा, “ओ दोषी नहि ठहराओल जायत”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मनुष्यक गवाही पर निर्भर रहैत छी,
मुदा हम एकर चर्चा एहि लेल करैत छी
जे अहाँ सभक उद्धार होअय। 35यूहन्ना
तँ एक जरैत दीप छलाह जे इजोत दैत
छलाह, और हुनकर इजोत मे आनन्द
लेनाइ अहाँ सभ केँ किछु काल धरि
नीक लागल। 36मुदा हमरा एकटा गवाही
अछि जे यूहन्नोक गवाही सँ पैघ अछि,
किएक तँ जे काज हमर पिता हमरा पूर्ण
करबाक लेल देने छथि, तथा जे काज
हम कऽ सेहो रहल छी, से हमरा बारे मे
गवाही दैत अछि जे पिता हमरा पठौने
छथि। 37और पिता, जे हमरा पठौलनि, से
अपने हमरा बारे मे गवाही देने छथि। अहाँ
सभ हुनकर आवाज कहियो नहि सुनने
छी, आ ने हुनकर स्वरूप कहियो देखने
छी, 38और ने हुनकर वचन केँ अपना
मोन मे रहऽ दैत छी। कारण, जिनका ओ
पठौने छथि तिनकर अहाँ सभ विश्वास
नहि करैत छी। 39अहाँ सभ धर्मशास्त्रक
अध्ययन करैत छी किएक तँ अहाँ सभ
मानैत छी जे ओहि सँ अहाँ सभ केँ अनन्त
जीवन भेटैत अछि। वैह शास्त्र हमरा बारे
मे गवाही दैत अछि, 40और तैयो जीवन
प्राप्त करबाक लेल अहाँ सभ हमरा लग
नहि आबऽ चाहैत छी।

41 "हमरा मनुष्यक प्रशंसा सँ कोनो
मतलब नहि। 42मुदा अहाँ सभ केँ हम
जनैत छी। हम जनैत छी जे अहाँ सभक
हृदय मे परमेश्वरक प्रेम नहि अछि।
43हम अपन पिताक नाम पर आयल छी,
तैयो हमरा स्वीकार नहि करैत छी। मुदा
जँ कोनो दोसर व्यक्ति अपना नाम पर
अबैत अछि तँ ओकरा अहाँ सभ स्वीकार
करैत छिऐक। 44तँ अहाँ सभ विश्वास
कोना कऽ सकब जखन कि एक-दोसर
सँ प्रशंसा चाहैत छी लेकिन जे प्रशंसा
एकमात्र परमेश्वर सँ प्राप्त होइत अछि से
चाहिते नहि छी?

45 "मुदा ई नहि सोचू जे हम पिताक
समक्ष अहाँ सभ पर दोष लगायब। अहाँ
सभ केँ दोष लगाबऽ वला मूसा छथि,
जिनका पर अहाँ सभ समस्त आशा रखने
छी। 46जँ मूसाक विश्वास करितहुँ तँ
हमरो विश्वास करितहुँ, कारण ओ हमरे
बारे मे लिखने छथि। 47मुदा हुनकर लेख
पर जँ विश्वास नहि करैत छी तँ हमर
कथन पर कोना विश्वास करब?"

पाँचटा रोटी आ पाँच हजार आदमीक भोजन

(मत्ती 14.13-21; मरकुस 6.30-44; लूका 9.10-17)

6 एकरा बाद यीशु गलील झील,
अर्थात् तिबिरियास झीलक
ओहि पार गेलाह। 2बड़का भीड़ यीशुक
चमत्कारपूर्ण चिन्ह जे ओ रोगी सभ पर
देखबैत छलाह, ताहि सँ प्रभावित भऽ
हुनका पाछाँ-पाछाँ अबैत छल। 3यीशु
पहाड़ पर चढ़ि कऽ अपन शिष्य सभक
संग बैसि रहलाह। 4यहूदी सभक फसह-
भोजक पाबनि लगचिआयल छल। 5यीशु
जखन नजरि उठा कऽ लोकक बड़का
भीड़ केँ अपना लग अबैत देखलनि तखन
फिलिपुस केँ पुछलथिन, "अपना सभ
एकरा सभ केँ खुअयबाक लेल कतऽ सँ
रोटी किनू?" 6ई बात ओ फिलिपुस केँ
जँचबाक लेल पुछलथिन, कारण ओ
अपने तखनो जनैत छलाह जे ओ की
करताह।

7 फिलिपुस हुनका उत्तर देलथिन,
"एकरा सभ गोटेक लेल कनेको-कनेको

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे रोटी किनब से दुओ सय दिनार* सँ
नहि होयत!”
8 हुनकर एक शिष्य, अन्द्रेयास, सिमोन
पत्रुसक भाय, हुनका कहलथिन, 9“एतऽ
एक लड़का अछि जकरा संग मे जओक
पाँचटा रोटी छैक आ दूटा माछ, लेकिन
एतेक लोक मे एतबे सँ की होयतैक?”
10यीशु आज्ञा देलथिन, “लोक सभ केँ
बैसा दिऔक।” ओहि ठाम बहुत घास
छल, और ओहि पर लोक सभ बैसैत
गेल। पुरुषक संख्या लगभग पाँच हजार
छल।
11 तखन यीशु रोटी लेलनि, और
परमेश्वर केँ धन्यवाद दऽ कऽ बैसलाहा
लोक सभ मे बटबा देलथिन। तहिना
माछो लऽ कऽ कयलनि, और सभ केँ
ततेक भेटलैक जतेक-जतेक ओ सभ
चाहैत छल। 12सभ लोक केँ भरि इच्छा
भोजन कऽ लेलाक बाद यीशु शिष्य सभ
केँ कहलथिन, “आब उबरल टुकड़ा सभ
बिछि लिअ, जाहि सँ किछुओ बरबाद
नहि होअय।” 13ओ सभ ओहि पाँचटा
जओक रोटीक टुकड़ा, जे भोजन करऽ
वला लोक सभ सँ बाँचि गेल छल, तकरा
बिछि कऽ ओहि सँ बारहटा पथिया
भरलनि।
14 लोक सभ यीशु द्वारा कयल गेल
ई चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखि कऽ कहऽ
लागल, “ई तँ अवश्य परमेश्वरक ओ
प्रवक्ता छथि जे संसार मे आबऽ वला
छलाह।” 15यीशु ई बुझलनि जे लोक
सभ हुनका जबरदस्ती पकड़ि कऽ राजा
बनाबऽ चाहैत छल, तेँ ओ फेर पहाड़ पर
असगरे चल गेलाह।

झीलक पानि पर यीशु चललाह

(मत्ती 14.22-33; मरकुस 6.45-52)

16 साँझ पड़ला पर यीशुक शिष्य सभ
झीलक किनार पर जा 17नाव मे चढ़ि कऽ
कफरनहूम नगर जयबाक लेल झील केँ
पार करऽ लगलाह। ताबत अन्हार भऽ
गेल छल और यीशु एखन तक हुनका
सभ लग नहि आयल छलाह। 18हवा
बहुत जोर सँ बहि रहल छल, और
झील मे बड़का लहरि उठि रहल छल।
19जखन ओ सभ लगभग तीन-चारि मील
नाव केँ खेबि लेने छलाह तखन यीशु केँ
झीलक पानि पर चलैत और नाव दिस
अबैत देखलनि, और भयभीत भऽ गेलाह।
20मुदा ओ हुनका सभ केँ कहलथिन,
“हम छी, नहि डेराउ!” 21तखन ओ सभ
खुशी भऽ हुनका नाव मे लऽ लेबाक लेल
तैयार भेलाह, और नाव तुरत ओहि स्थान
पर पहुँचल जाहिठाम ओ सभ जा रहल
छलाह।
22 प्रात भेने झीलक ओहि पार रहि गेल
लोक सभ बुझलक जे एतऽ एकेटा नाव
छल, और ओ सभ जनैत छल जे यीशु
अपन शिष्य सभक संग ओहि नाव मे
नहि चढ़ल छलाह, मात्र शिष्ये सभ विदा
भऽ गेल छलाह। 23तखन तिबिरियास
नगर सँ दोसर नाव सभ ओहि जगह लग
पहुँचल जाहिठाम प्रभु यीशुक धन्यवादक
प्रार्थनाक बाद लोक सभ रोटी खयने छल।
24तँ लोक जखन देखलक जे ने यीशु आ
ने हुनकर शिष्य सभ एतऽ छथि, तखन ओ
सभ नाव सभ मे चढ़ि कऽ यीशुक खोज मे
कफरनहूम नगर गेल।

6:7 “दुओ सय दिनार”—अर्थात्, करीब आठ मासक मजदूरी

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जीवनक रोटी—यीशु

25 झीलक ओहि पार जखन यीशु
ओकरा सभ केँ भेटलथिन तखन ओ सभ
पुछलकनि, “गुरुजी, अहाँ एतऽ कखन
अयलहुँ?” 26यीशु ओकरा सभ केँ उत्तर
देलथिन, “हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत
छी जे अहाँ सभ हमरा एहि लेल नहि
तकैत छी जे हमर चमत्कार वला चिन्ह
सभ देखि कऽ बुझलहुँ, बल्कि एहि लेल
जे अहाँ सभ रोटी खा कऽ अघा गेलहुँ।
27जे भोजन नहि टिकैत अछि, ताहि लेल
परिश्रम नहि करू, बल्कि ओहि भोजनक
लेल परिश्रम करू जे अनन्त जीवन तक
टिकैत अछि और जे मनुष्य-पुत्र अहाँ सभ
केँ प्रदान करताह, कारण हुनका पर पिता-
परमेश्वर अपन छाप लगा देने छथिन।”

28 तखन ओ सभ हुनका पुछलकनि,
“परमेश्वरक काज करबाक लेल, हम सभ
की करू?” 29यीशु बजलाह, “परमेश्वर
अहाँ सभ सँ जे काज चाहैत छथि, से ई
अछि जे जकरा ओ पठौने छथि तकरा पर
विश्वास करू।”

30 एहि पर ओ सभ हुनका कहलकनि,
“तखन अहाँ कोन चिन्ह देखायब, जकरा
देखि कऽ हम सभ अहाँ पर विश्वास
कऽ सकी? अहाँ की काज करैत छी?
31हमरा सभक पुरखा निर्जन क्षेत्र मे मन्ना
वला रोटी खयने छल, जेना धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि जे, ‘ओ ओकरा सभ केँ
खयबाक लेल स्वर्ग सँ रोटी देलथिन।’*”

32 एहि पर यीशु ओकरा सभ केँ
कहलथिन, “हम अहाँ सभ केँ विश्वास
दिअबैत छी जे, बात ई नहि जे अहाँ सभ केँ
मूसा स्वर्ग सँ रोटी देलनि, बल्कि ई जे हमर
पिता अहाँ सभ केँ स्वर्ग सँ वास्तविक रोटी
दऽ रहल छथि। 33हँ, परमेश्वर जे रोटी दैत
छथि, से ओ अछि जे स्वर्ग सँ उतरि कऽ
संसार केँ जीवन दैत अछि।”

34 ओ सभ हुनका कहलकनि, “यौ
मालिक, हमरा सभ केँ ई रोटी एखनो आ
सभ दिन दैत रहू!”

35 यीशु बजलाह, “जीवनक रोटी
हमहीं छी। जे हमरा लग आओत से
कहियो भूखल नहि रहत। जे हमरा पर
विश्वास करत, तकरा कहियो पियास
नहि लगतैक। 36मुदा जेना अहाँ सभ
केँ कहने छलहुँ, अहाँ सभ हमरा देखने
छी और तैयो विश्वास नहि करैत छी।
37जकरा पिता हमरा दैत छथि, से सभ
हमरा लग आओत, और जे केओ हमरा
लग आओत, तकरा हम कहियो नहि
अस्वीकार करब। 38कारण हम अपन
इच्छा नहि, बल्कि हमरा पठाबऽ वलाक
इच्छा पूरा करबाक लेल स्वर्ग सँ उतरल
छी, 39और हमरा पठाबऽ वलाक इच्छा
ई छनि जे जकरा सभ केँ ओ हमरा देने
छथि, तकरा सभ मे सँ हम एकोटा केँ नहि
हेराबी, बल्कि अन्तिम दिन मे ओकरा
सभ केँ जिआबी। 40हँ, हमर पिताक
इच्छा ई छनि जे, जे केओ पुत्र दिस ताकत
और ओकरा पर विश्वास करत, तकरा
अनन्त जीवन भेटतैक, और हम ओकरा
अन्तिम दिन मे जिआ देब।”

41 एहि पर यहूदी सभ हुनका पर
कुड़बुड़ाय लगलाह, कारण ओ कहने
छलाह जे, स्वर्ग सँ उतरल रोटी हमहीं
छी। 42ओ सभ कहलनि, “ई तँ यूसुफक

6:31 प्रस्थान 16.4; नहेम 9.15; भजन 78.24, 25

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बेटा यीशुए अछि! और एकर माय-बाप
कैँ अपना सभ चिन्हिते छिऐक! तँ ई
आब कोना कहैत अछि जे हम स्वर्ग सँ
उतरल छी?"
43 यीशु हुनका सभ कैँ उत्तर देलथिन,
"अहाँ सभ अपना सभ मे एना नहि
कुड़बुड़ाउ! 44केओ हमरा लग ताबत
तक नहि आबि सकैत अछि जाबत
तक हमर पिता जे हमरा पठौलनि, से
ओकरा हमरा लग नहि खीचि दैत छथि।
और हम ओकरा अन्तिम दिन मे जिआ
देब। 45परमेश्वरक प्रवक्ता सभक लेख
छनि जे, 'ओ सभ गोटे परमेश्वर द्वारा
सिखाओल जायत।'* जे केओ पिताक
सुनैत छनि और हुनका सँ सिखैत अछि, से
हमरा लग अबैत अछि। 46हमर कहबाक
मतलब ई नहि जे, केओ पिता कैँ देखने
छनि। ओ जे पिताक ओहिठाम सँ आयल
अछि, खाली वैहटा हुनका देखने छनि।
47हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, जे
विश्वास करैत अछि, तकरा अनन्त जीवन
छैक। 48जीवनक रोटी हम छी। 49अहाँ
सभक पुरखा लोकनि निर्जन क्षेत्र मे मन्ना
वला रोटी खयलनि, और तैयो मरलाह।
50मुदा ई रोटी जकरा बारे मे हम बाजि
रहल छी, से ओ अछि जे स्वर्ग सँ उतरल
अछि, जाहि सँ जँ केओ एहि मे सँ खायत
तँ नहि मरत। 51ओ जीबैत रोटी जे स्वर्ग
सँ उतरल अछि से हमहीं छी। जँ केओ
ई रोटी खायत तँ ओ अनन्त काल तक
जीबैत रहत। और ई रोटी जे हम संसारक
जीवनक लेल देब, से हमर माँसु अछि।"
52 तखन यहूदी सभ अपना सभ मे
वाद-विवाद करऽ लगलाह जे, "ई व्यक्ति
हमरा सभ कैँ खाय लेल अपन माँसु कोना
दऽ सकत?"
53 यीशु हुनका सभ कैँ कहलथिन,
"हम अहाँ सभ कैँ विश्वास दिअबैत
छी जे, जाबत तक अहाँ मनुष्य-पुत्रक
माँसु नहि खयबैक और ओकर खून नहि
पिबैक, ताबत तक अहाँ मे जीवन नहि
अछि। 54जे हमर माँसु खाइत अछि और
हमर खून पिबैत अछि, तकरा अनन्त
जीवन छैक, और हम ओकरा अन्तिम
दिन मे जिआ देबैक। 55कारण, हमर
माँसु वास्तविक भोजन अछि और हमर
खून वास्तविक पिबाक वस्तु अछि।
56जे केओ हमर माँसु खाइत अछि और
हमर खून पिबैत अछि, से हमरा मे बनल
रहैत अछि और हम ओकरा मे बनल
रहैत छी। 57जहिना जीवित पिता हमरा
पठौलनि आ हम हुनका कारण जीबैत
छी, तहिना, जे हमरा मे सँ खायत, सैह
हमरा कारण जीबैत रहत। 58ई रोटी स्वर्ग
सँ उतरल अछि। ई तेहन नहि अछि जेहन
अहाँ सभक पुरखा लोकनि खयलनि। ओ
सभ खयलनि आ मरलाह। मुदा जे ई रोटी
खायत से सर्वदा जीबैत रहत।" 59ई सभ
बात यीशु कफरनहूमक सभाघर मे शिक्षा
दैत काल बजलाह।

अनेक शिष्य यीशु कैँ छोड़ि देलनि

60 यीशुक बात सुनि कऽ हुनकर
बहुतो शिष्य कहलनि, "ई शिक्षा बहुत
कठोर अछि। एकरा के बरदास्त कऽ
सकत?"
61 मुदा यीशु अपना मोन मे बुझि गेलाह
जे हमर शिष्य सभ एहि सँ कुड़बुड़ाइत

6:45 यशा 54.13

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छथि, तँ हुनका सभ केँ कहलथिन,
“की एहि बात सँ अहाँ सभक मोन मे
ठेस लागि गेल? 62और मानि लिअ जे
अहाँ सभ मनुष्य-पुत्र केँ ओहिठाम ऊपर
जाइत देखबनि जाहिठाम ओ पहिने
छलाह—तखन की? 63आत्मे जीवन
दैत अछि, शरीर सँ किछुओ लाभ नहि।
जे किछु हम अहाँ सभ केँ कहलहुँ से
आत्माक और जीवनक बात अछि।
64तैयो अहाँ सभ मे अनेक एहन छी जे
विश्वास नहि करैत छी।” यीशु तँ शुरुए सँ
जनैत छलाह जे ओ के सभ अछि जे हमरा
पर विश्वास नहि करैत अछि, और ओ के
अछि जे हमरा पकड़बाओत। 65ओ आगाँ
कहऽ लगलाह, “एहि कारणेँ हम अहाँ
सभ केँ कहने छलहुँ जे, केओ हमरा लग
ताबत तक नहि आबि सकैत अछि जाबत
तक पिता ओकरा अयबाक सामर्थ्य नहि
दैत छथिन।”

66 एहि बात सभ सँ हुनकर बहुतो शिष्य
ओहिठाम सँ घूमि गेल और फेर हुनका
संग नहि चलल। 67तखन यीशु अपना
बारहो शिष्य केँ पुछलथिन, “की अहूँ
सभ हमरा छोड़ऽ चाहैत छी?” 68सिमोन
पत्रुस हुनका उत्तर देलथिन, “प्रभु, हम
सभ ककरा लग जाउ? अहाँ लग तँ
अनन्त जीवनक वचन अछि। 69हम सभ
विश्वास कऽ कऽ जानि गेल छी जे अहाँ
परमेश्वरक पवित्र दूत छी।”

70 यीशु उत्तर देलथिन, “की अहाँ
बारहो गोटे केँ हम नहि चुनलहुँ? और
तैयो अहाँ सभ मे सँ एक शैतान अछि।”
71ओ ई बात सिमोन इस्करियोतीक पुत्र
यहूदाक बारे मे कहलनि, किएक तँ ओ
बारह शिष्य मे सँ एक होइतो हुनका
पकड़बाबऽ वला छलाह।

यीशु झोपड़ीक पाबनि मे

7 एकरा बाद यीशु गलील प्रदेश मे
जगह-जगह पर घुमऽ लगलाह।
ओ यहूदिया प्रदेश मे नहि घुमऽ चाहैत
छलाह, किएक तँ यहूदी सभक धर्मगुरु
सभ हुनका मारि देबाक ताक मे छलनि।
2मुदा यहूदी सभक झोपड़ीक पाबनि
जखन लग आबि गेल, 3तँ हुनकर भाय
सभ हुनका कहलथिन, “ई जगह छोड़ू,
और यहूदिया प्रदेश चल जाउ, जाहि सँ
अहाँ जे चमत्कार कऽ रहल छी से अहाँक
चेला सभ देखि सकत। 4कारण एहन
केओ नहि होइत अछि जे नामी होमऽ
चाहय आ गुप्त रूप सँ काज करय। अहाँ
ई सभ काज कऽ रहल छी, तँ अपना केँ
दुनियाक सामने मे प्रगट करू।” 5हुनकर
अपन भाय सभ सेहो हुनका पर विश्वास
नहि करैत छलाह।

6 तँ यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
“हमर समय एखन तक नहि आयल अछि,
लेकिन अहाँ सभक लेल कोनो समय
उपयुक्त अछि। 7अहाँ सभ सँ संसार
घृणा नहि कऽ सकैत अछि, मुदा हमरा
सँ तँ करैत अछि किएक तँ संसारक बारे
मे हम गवाही दैत छी जे ओकर चालि-
चलन खराब छैक। 8अहीं सभ पाबनिक
लेल जाउ। हम एखन एहि पाबनिक लेल
नहि जायब, कारण हमर समय एखन तक
नहि पूरल अछि।” 9ई बात कहि कऽ ओ
गलीले मे रहि गेलाह।

10 मुदा जखन हुनकर भाय सभ पाबनिक
लेल चल गेलाह तखन ओहो गेलाह, खुलि
कऽ नहि, बल्कि गुप्त रूप सँ।

11 पाबनिक समय यहूदी धर्मगुरु सभ
ई कहैत यीशु केँ तकैत छलनि जे, “ओ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कतऽ अछि?" 12हुनका बारे मे लोक सभ बहुत फुसफुसाइत छल। किछु लोक कहैत छल, "ओ नीक आदमी छथि।" और दोसर कहैत छल, "नहि! ओ जनता कैँ बहकबैत छैक।" 13मुदा धर्मगुरु सभक डर सँ केओ हुनका बारे मे किछु खुलि कऽ नहि कहैत छल।

यीशुक उपदेश

14 पाबनि करीब-करीब आधा समाप्त भऽ गेलाक बादे यीशु मन्दिर मे जा कऽ शिक्षा देबऽ लगलाह। 15यहूदी सभ बहुत आश्चर्यित भऽ कऽ कहलनि, "एहि आदमी कैँ बिनु पढ़नहि एतेक ज्ञान कतऽ सँ प्राप्त भेलैक?"

16 यीशु उत्तर देलथिन, "हम जे शिक्षा दैत छी से हमर नहि, बल्कि जे हमरा पठौलनि, तिनकर अछि। 17जँ केओ हुनकर इच्छा पूरा करबाक निश्चय करत तँ ओ अवश्य ई जानि जायत जे हमर शिक्षा परमेश्वरक अछि वा हम अपने दिस सँ बाजि रहल छी। 18जे अपना दिस सँ बजैत अछि, से एहि लेल, जे ओ अपना लेल आदर चाहैत अछि, मुदा जे अपन पठाबऽ वलाक आदर चाहैत अछि से सत्य पुरुष अछि और ओकरा मे कोनो छल-प्रपंच नहि छैक। 19की मूसा अहाँ सभ कैँ धर्म-नियम नहि देने छथि? तैयो अहाँ सभ मे सँ एको व्यक्ति ओहि नियमक पालन नहि करैत छी। अहाँ सभ हमरा किएक मारि देबऽ चाहैत छी?"

20 भीड़क लोक उत्तर देलकनि, "अहाँ मे तँ दुष्टात्मा अछि! अहाँ कैँ के मारऽ चाहैत अछि?"

21 यीशु बजलाह, "हम एकटा काज कयलहुँ और ओहि सँ अहाँ सभ गोटे आश्चर्यित भेलहुँ। 22मूसा अहाँ सभ कैँ खतनाक विधि देलनि, ओना तँ ओ विधि वास्तव मे मूसा सँ नहि देल गेल, बल्कि हुनका सँ पहिने वला पुरखा सभ सँ, और ओहि अनुसार अहाँ सभ विश्राम-दिन मे बच्चाक खतना करैत छी। 23जँ खतना करऽ वला दिन विश्रामोक दिन पड़ला पर अहाँ सभ ओ विधि करैत छी, जाहि सँ मूसाक नियम नहि तोड़ल जाय तँ हमरा पर किएक खिसिआइत छी जखन हम विश्राम-दिन मे ककरो शरीर पूर्ण रूप सँ स्वस्थ कऽ देलहुँ? 24मुँह देखि न्याय कयनाइ छोड़ू और उचित न्याय करू।"

की यैह उद्धारकर्ता-मसीह छथि?

25 तखन यरूशलेमक किछु निवासी कहऽ लागल, "की ई आदमी ओ नहि अछि, जकरा ओ सभ मारि देबाक कोशिश कऽ रहल छैक? 26मुदा देखू! ई एतऽ खुलि कऽ बाजि रहल अछि और एकरा केओ नहि किछु कहैत छैक! कतौ एहन तँ नहि भऽ गेल जे अपना सभक धर्मगुरु-नेता सभ वास्तव मे मानि लेने होथि जे ई परमेश्वरक पठाओल उद्धारकर्ता-मसीह अछि? 27मुदा एकरा तँ अपना सभ जनिते छी जे ई कतऽ सँ आयल अछि। उद्धारकर्ता-मसीह जखन औताह तँ ककरो नहि बुझल होयतैक जे ओ कोन ठामक छथि।"

28 तखन यीशु मन्दिर मे शिक्षा दैत जोर सँ कहलनि, "हँ! हमरा चिन्हैत छी और जनैत छी जे हम कोन ठामक छी। मुदा हम अपने सँ नहि आयल छी। जे हमरा पठौलनि, वैह सत्य छथि। अहाँ सभ हुनका नहि चिन्हैत छियनि, 29मुदा हम हुनका चिन्हैत छी, किएक तँ हम हुनका

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहिठाम सँ आयल छी, और वैह हमरा
पठौलनि।"
30 एहि पर ओ सभ हुनका पकड़बाक
कोशिश करऽ लगलाह, मुदा केओ हुनका
हाथ नहि लगा सकलनि, कारण हुनकर
समय एखन नहि आयल छल।
31 तैयो जनता मे सँ बहुत लोक हुनका
पर विश्वास कयलकनि, आ बाजल,
"मसीह जखन औताह तँ की एहि व्यक्ति
सँ बेसी चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौताह?"
32 फरिसी सभ जखन भीड़ कें यीशुक
बारे मे एना फुसफुसाइत सुनलनि, तँ
ओ सभ आ मुख्यपुरोहित सभ मन्दिरक
सिपाही कें हुनका पकड़ऽ लेल पठा
देलनि।
33 तखन यीशु बजलाह, "कनेक
कालक लेल आओर अहाँ सभक संग
छी, तखन तिनका लग जायब जे हमरा
पठौलनि। 34 अहाँ सभ हमरा ताकब, मुदा
हम नहि भेटब, और हम जतऽ होयब ततऽ
अहाँ सभ नहि आबि सकब।"
35 यहूदी सभक धर्मगुरु सभ एक-दोसर
कें कहऽ लगलाह, "ई कतऽ जाय चाहैत
अछि जाहि सँ हमरा सभ कें नहि भेटत?
की ओहिठाम जायत जाहिठाम अपना
सभक लोक यूनानी सभ मे प्रवासी भऽ
कऽ रहैत अछि, और की यूनानी सभ कें
सेहो सिखाओत? 36 एकर की कहबाक
मतलब छैक जे, अहाँ सभ हमरा ताकब
मुदा हम नहि भेटब, और, हम जतऽ होयब
ततऽ अहाँ सभ नहि आबि सकब?"
37 पाबनिक अन्तिम दिन, जे पाबनिक
सभ सँ पैघ दिन मानल जाइत छल, ओहि
दिन यीशु ठाढ़ भऽ गेलाह और जोर सँ
कहलनि, "जँ ककरो पियास लागल छैक
तँ ओ हमरा लग आबय और पिबय। 38 जे
हमरा पर विश्वास करैत अछि, जेना
धर्मशास्त्रक कथन अछि, ओकरा हृदय
सँ जीवन-जलक झरना फूटि जायत।"
39 ई बात ओ पवित्र आत्माक सम्बन्ध
मे कहलनि, जिनका विश्वास कयनिहार
सभ प्राप्त करऽ वला छल। एखन तक
पवित्र आत्मा तँ प्रदान नहि कयल गेल
छलाह, कारण यीशु एखन तक अपन
स्वर्गक महिमा मे फिरि कऽ नहि गेल
छलाह।
40 ई बात सुनि बहुत लोक कहऽ
लागल, "ई सत्ये परमेश्वरक ओ प्रवक्ता
छथि।" 41 दोसर लोक कहलक, "ओ
उद्धारकर्ता-मसीह छथि।" मुदा फेर आरो
दोसर लोक सभ कहलक, "कोना?!
की उद्धारकर्ता-मसीह गलील प्रदेश सँ
औताह? 42 की धर्मशास्त्रक कथन नहि
अछि जे मसीह दाऊद राजाक वंशज
होयताह, और दाऊदक गाम, बेतलेहम सँ
औताह?" 43 एहि तरहें यीशुक विषय मे
लोक सभ कें अपना मे मतभेद भऽ गेलैक।
44 किछु लोक हुनका पकड़ऽ चाहैत छल,
मुदा केओ हुनका हाथ नहि लगौलकनि।

धर्मगुरु सभक अविश्वास

45 तखन मन्दिरक सिपाही सभ
मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभ लग घूमि
कऽ आयल। ई सभ ओकरा सभ कें
पुछलथिन, "अहाँ सभ ओकरा किएक
नहि पकड़ि कऽ अनलहुँ?"
46 सिपाही सभ उत्तर देलकनि, "ओ
आदमी जेना बजैत छथि, तेना आइ
तक केओ कहियो नहि बाजल अछि!"
47 फरिसी सभ ओकरा सभ कें कहलथिन,
"अरे! तोरो सभ कें ओ ठकि लेलकौ
की? 48 धर्मगुरु सभ मे सँ वा फरिसी मे

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ की एको गोटे ओकरा पर विश्वास
कयने अछि? नहि! 49 मुदा ई भीड़, जे
धर्म-नियमक बारे मे किछु नहि जनैत
अछि—ओ सभ सरापित अछि!”
50 तखन ओहि फरिसी मे सँ एक
आदमी, निकोदेमुस, जे पहिने एक बेर
यीशु लग आयल छलाह, से कहलनि,
51 “अपना सभक नियमक अनुसार जाबत
तक ककरो बात नहि सुनल जायत और
पता नहि लगाओल जायत जे ओ की
कऽ रहल अछि की ताबत तक दोषी
ठहराओल जायत?”
52 ओ सभ उत्तर देलथिन, “अहूँ
गलीलेक छी की? धर्मशास्त्रक अध्ययन
करू—अहाँ केँ पता लागत जे परमेश्वरक
कोनो प्रवक्ता गलील सँ नहि अबैत
छथि!”
53 [तखन ओ सभ अपन-अपन घर चल
गेलाह।

कुकर्मी स्त्री केँ क्षमादान

8 मुदा यीशु जैतून पहाड़ पर गेलाह।
2 भोरे भोर यीशु फेर मन्दिर मे
अयलाह। लोक सभ हुनका लग आयल
और ओ बैसि कऽ ओकरा सभ केँ शिक्षा
देबऽ लगलाह।
3 धर्मशिक्षक और फरिसी सभ एक
स्त्रीगण केँ अनलनि, जे पुरुषक संग
कुकर्म करैत पकड़ा गेल छल, और
लोकक बीच मे ओकरा ठाढ़ कऽ कऽ
4 यीशु केँ कहलथिन, “गुरुजी, ई स्त्रीगण
पुरुषक संग कुकर्म करिते मे पकड़ा गेल।
5 धर्म-नियम मे मूसा हमरा सभ केँ आज्ञा
देलनि जे एहन स्त्रीगण केँ पाथर मारि कऽ
मारि देबाक चाही। आब अहाँ की कहैत
छी?” 6 ई बात ओ सभ हुनका फँसाबऽ
लेल पुछलनि, जाहि सँ हुनका पर दोष
लगयबाक आधार भेटनि। यीशु नीचाँ
झुकि कऽ अपन आङुर सँ जमीन पर
लिखऽ लगलाह।
7 ओ सभ जखन हुनका सँ पुछिते
रहलाह, तखन ओ मूड़ी उठा कऽ हुनका
सभ केँ कहलथिन, “अहाँ सभ मे सँ जे
निष्पाप होथि, वैह सभ सँ पहिने पाथर
मारथि।” 8 और फेर झुकि कऽ जमीन पर
लिखऽ लगलाह।
9 ई बात जखन ओ सभ सुनलनि तँ
पहिने बूढ़ सभ आ तखन एक-एक कऽ
सभ केओ चल गेलाह। आब मात्र यीशु
रहि गेलाह, और ओ स्त्रीगण जे ओहिठाम
ठाढ़ छलि। 10 यीशु मूड़ी उठा कऽ ओकरा
कहलथिन, “बहिन, ओ सभ कतऽ अछि?
की तोरा केओ नहि दण्ड देलकह?”
11 ओ बाजल, “नहि, मालिक, केओ
नहि।” यीशु बजलाह, “हमहूँ तोरा दण्ड
नहि दैत छिअह। आब जाह, आ फेर पाप
नहि करह।”]*

अपना बारे मे यीशुक गवाही

12 बाद मे यीशु फेर लोक सभ केँ
कहलनि, “हम संसारक इजोत छी। जे
केओ हमरा पाछाँ आओत, से अन्हार
मे कहियो नहि चलत, बल्कि जीवनक
इजोत प्राप्त करत।”
13 एहि पर फरिसी सभ हुनका कहल-
थिन, “आब अहाँ अपना बारे मे अपने
गवाही दऽ रहल छी! अहाँक गवाही
पकिया नहि मानल जायत।”

8:11 किछु हस्तलेख सभ मे 7:53-8:11 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

14 यीशु उत्तर देलथिन, “जँ हम अपना
बारे मे गवाही दैतो छी तँ हमर गवाही
पकिया होइत अछि, कारण हम जनैत छी
जे हम कतऽ सँ आयल छी और कतऽ जा
रहल छी, मुदा अहाँ सभ नहि जनैत छी जे
हम कतऽ सँ अयलहुँ वा कतऽ जाय वला
छी। 15 अहाँ सभ सांसारिक दृष्टि सँ न्याय
करैत छी। हम ककरो न्याय नहि करैत
छी। 16 तैयो जँ हम न्याय करितो छी तँ हमर
न्याय उचित होइत अछि कारण निर्णय
हम असगरे नहि, बल्कि हमर पिता, जे
हमरा पठौलनि, से और हम दूनू गोटे करैत
छी। 17 अहीं सभक धर्म-नियम मे लिखल
अछि जे दू आदमीक गवाही पकिया होइत
अछि। 18 हम अपना बारे मे अपने एक
गवाह छी और हमर दोसर गवाह ओ छथि
जे हमरा पठौलनि—हमर पिता।”

19 ओ सभ तखन हुनका कहलथिन,
“अहाँक पिता कतऽ छथि?” यीशु
बजलाह, “अहाँ सभ ने हमरा चिन्हैत छी,
आ ने हमरा पिता केँ। जँ हमरा चिन्हितहुँ
तँ हमरा पितो केँ चिन्हितिऐन।”

20 ई सभ बात ओ शिक्षा दैत काल
मन्दिरक ओहि भाग मे कहलनि जाहिठाम
दान-पात्र राखल रहैत छल। तैयो हुनका
केओ नहि पकड़लकनि, किएक तँ हुनकर
समय एखन तक नहि आयल छल।

यीशुक चेतावनी

21 यीशु हुनका सभ केँ फेर कहलथिन,
“हम तँ जा रहल छी। अहाँ सभ हमरा
ताकब, और अपना पाप मे मरब। हम
जतऽ जाइत छी ततऽ अहाँ सभ नहि आबि
सकैत छी।”

22 एहि पर यहूदी सभ एक-दोसर केँ
कहऽ लागल, “तँ की ओ आत्महत्या कऽ
लेत? की एहि कारणेँ ओ कहैत अछि जे,
हम जतऽ जाइत छी ततऽ अहाँ सभ नहि
आबि सकैत छी?”

23 ओ ओकरा सभ केँ आगाँ
कहलथिन, “अहाँ सभ नीचाँक छी, हम
ऊपरक छी। अहाँ सभ एही दुनियाक छी,
हम एहि दुनियाक नहि छी। 24 एहि लेल
हम अहाँ सभ केँ कहलहुँ जे, अहाँ सभ
अपना पाप मे मरब। कारण, जँ अहाँ सभ
विश्वास नहि करब जे हम वैह छी जे
छी, तँ अहाँ सभ अपना पाप मे अवश्य
मरब।”

25 ओ सभ हुनका कहलकनि, “तखन
अहाँ के छी?”

यीशु बजलाह, “वैह, जे हम शुरुए
सँ अहाँ सभ केँ कहैत आबि रहल छी।
26 अहाँ सभक सम्बन्ध मे हमरा बहुत
किछु कहबाक और न्याय करबाक
अछि। मुदा जे हमरा पठौलनि, से सत्य
छथि, और जे बात हम हुनका सँ सुनने
छी, वैह बात हम संसार केँ कहैत छी।”

27 ओ सभ नहि बुझलक जे यीशु
पिताक बारे मे ओकरा सभ केँ कहैत
छथि। 28 तँ यीशु कहलनि, “जखन अहाँ
सभ मनुष्य-पुत्र केँ ऊपर लटका देब तखन
अहाँ सभ जानि जायब जे हम वैह छी जे
छी, और जानब जे हम अपने सँ किछु
नहि करैत छी, बल्कि वैह करैत आ
कहैत छी जे पिता हमरा सिखौने छथि।
29 जे हमरा पठौलनि, से हमरा संग छथि।
ओ हमरा असगरे नहि छोड़ने छथि,
कारण हम सदिखन वैह काज करैत छी
जाहि काज सँ ओ प्रसन्न होइत छथि।”

30 जखन ई बात ओ कहि रहल छलाह
तखने बहुतो लोक हुनका पर विश्वास
कयलकनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सत्य अहाँ सभ केँ स्वतन्त्र कऽ देत

31 जे यहूदी सभ हुनका पर विश्वास
कयलनि, तिनका सभ केँ यीशु कहलथिन,
“जँ अहाँ सभ हमरा सिद्धान्तक पालन
करब तँ अहाँ सभ वास्तव मे हमर शिष्य
होयब। 32 तखन अहाँ सभ सत्य केँ
जानब, और सत्य अहाँ सभ केँ स्वतन्त्र
कऽ देत।”

33 ओ सभ हुनका उत्तर देलथिन, “हम
सभ तँ अब्राहमक वंशज छी और कहियो
ककरो गुलाम नहि भेलहुँ। अहाँ कोना
कहैत छी जे हम सभ स्वतन्त्र कऽ देल
जायब?”

34 यीशु हुनका सभ केँ उत्तर देलथिन,
“हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी जे, जे
केओ पाप करैत अछि, से दास अछि।
35 दास घर मे सभ दिन तक नहि रहैत
अछि, मुदा पुत्र सभ दिन तक रहैत
अछि। 36 तेँ जँ पुत्र अहाँ केँ स्वतन्त्र कऽ
देताह तँ वास्तव मे अहाँ स्वतन्त्र भऽ
जायब। 37 हमरा बुझल अछि जे अहाँ
सभ अब्राहमक वंशज छी, तैयो अहाँ
सभ हमरा मारि देबऽ चाहैत छी। तकर
कारण ई अछि जे, अहाँ सभक मोन मे
हमरा वचनक लेल कोनो स्थान नहि
अछि। 38 हम जे किछु अपना पिताक
ओहिठाम देखने छी, वैह कहैत छी, और
अहाँ सभ से कहैत छी जे अपने पिता सँ
सुनने छी।”

39 ओ सभ उत्तर देलथिन, “हमरा
सभक पिता अब्राहम छथि।”

यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन, “अहाँ
सभ जँ अब्राहमक सन्तान रहितहुँ तँ जे
काज अब्राहम कयलनि सैह करितहुँ।
40 मुदा देखू! अहाँ सभ हमरा खून कऽ
देबाक कोशिश मे छी, खाली एहि लेल,
जे हम परमेश्वर सँ सुनल सत्य केँ अहाँ
सभ केँ कहलहुँ। अब्राहम एहन काज तँ
नहि कयलनि! 41 जे अहाँ सभक पिता
अछि, तकरे जकाँ अहाँ सभ करैत
छी।”

ओ सभ उत्तर देलथिन, “हम सभ
अनजनुआ-जन्मल नहि छी! हमरा सभक
एकेटा पिता छथि, अर्थात् परमेश्वर।”

42 यीशु बजलाह, “जँ अहाँ सभक
पिता परमेश्वर रहितथि तँ अहाँ सभ
हमरा सँ प्रेम करितहुँ किएक तँ हम हुनके
ओहिठाम सँ अयलहुँ और आब एतऽ
छी। हम अपना इच्छा सँ नहि अयलहुँ,
वैह हमरा पठौलनि। 43 हम जे कहैत छी
से अहाँ सभ किएक नहि बुझैत छी? एहि
लेल जे अहाँ सभ हमर बात नहि सुनि
सकैत छी! 44 अहाँ सभ अपन पिता,
जे शैतान अछि, तकर छी, और अहाँ
सभ अपन पिताक इच्छा पूरा करबाक
निश्चय कयने छी। ओ शुरुए सँ हत्यारा
अछि और सत्य सँ कोनो सम्बन्ध नहि
रखैत अछि, कारण ओकरा मे सत्य छैहे
नहि। ओ जखन झूठ बजैत अछि तँ
अपन स्वभावेक अनुसार बजैत अछि,
किएक तँ ओ झुट्ठा अछि और झूठक
पिता अछि। 45 मुदा हम अहाँ सभ केँ
सत्य कहैत छी और तेँ अहाँ सभ हमर
विश्वास नहि करैत छी। 46 की अहाँ
सभ मे सँ केओ प्रमाणित कऽ सकैत
अछि जे हम पापक दोषी छी? जँ हम
सत्य बजैत छी तँ हमर विश्वास किएक
नहि करैत छी? 47 जे परमेश्वरक अछि,
से परमेश्वरक वचन सुनैत अछि। अहाँ
सभ एहि द्वारे नहि सुनैत छी जे अहाँ सभ
परमेश्वरक नहि छी।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“अब्राहमक जन्मो सँ पहिने हम छी”

48 यहूदी सभ हुनका उत्तर देलथिन, “की
हम सभ ठीके नहि कहैत आबि रहल छिऔ
जे तोँ सामरी छैं और तोरा मे दुष्टात्मा छौ?”
49 यीशु उत्तर देलथिन, “हमरा मे
दुष्टात्मा नहि अछि। हम अपना पिता
केँ आदर करैत छी मुदा अहाँ सभ हमर
निरादर करैत छी। 50लेकिन हम अपना
सम्मानक लेल चिन्ता नहि करैत छी। एक
दोसर गोटे करैत छथि और वैह न्याय
करैत छथि। 51हम अहाँ सभ केँ सत्ये
कहैत छी जे जँ केओ हमर बात पर चलत
तँ ओ कहियो नहि मरत।”
52 तखन यहूदी सभ हुनका कहलकनि,
“आब तँ निश्चय जानि गेलहुँ जे तोरा मे
दुष्टात्मा छौ! अब्राहम मरि गेलाह और
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ सेहो, और तैयो
तोँ कहैत छैं जे, कोनो व्यक्ति जँ तोरा
वचन पर चलत तँ मृत्यु केँ कहियो नहि
चिखत! 53की तोँ हमरा सभक पुरखा
अब्राहम सँ पैघ हयबेँ? ओ तँ मरि गेलाह
आ परमेश्वरक आरो सभ प्रवक्ता सेहो
मरलाह। तोँ अपना केँ की बुझैत छैं?”
54 यीशु उत्तर देलथिन, “जँ हमहीं
अपन सम्मान करितहुँ तँ ओहि सम्मानक
कोनो महत्व नहि होइत। हमर सम्मान
करऽ वला हमर पिता छथि, वैह जिनका
अहाँ सभ अपन परमेश्वर कहैत छियनि।
55अहाँ सभ हुनका चिन्हबे नहि करैत
छी, मुदा हम हुनका चिन्हैत छी। जँ हम
कहितहुँ जे हम हुनका नहि चिन्हैत छी,
तँ हम अहीं सभ जकाँ झुट्ठा होइतहुँ, मुदा
हम हुनका चिन्हिते छियनि, और हुनका
वचन पर चलैत छी। 56अहाँ सभक पिता
अब्राहम हमरा देखबाक आशा मे बहुत
आनन्दित छलाह। ओ देखबो कयलनि
और बड्ड खुश भेलाह।”
57 तखन यहूदी सभ कहलथिन, “तोँ
एखन पचासो वर्षक नहि छैं और तोँ
अब्राहम केँ देखने छैं!”
58 यीशु उत्तर देलथिन, “हम अहाँ सभ
केँ सत्ये कहैत छी जे अब्राहमक जन्मो सँ
पहिने, हम छी!”
59 एहि पर ओ सभ हुनका मारबाक
लेल पाथर उठाबऽ लगलाह, मुदा यीशु
नुका कऽ मन्दिर सँ बाहर भऽ कऽ चल
गेलाह।

जन्मक आन्हर देखऽ लागल

9 यीशु चलैत-चलैत एक आदमी केँ
देखलनि जे जन्म सँ आन्हर छल।
2हुनकर शिष्य सभ पुछलथिन, “गुरुजी,
ई आदमी अपने पापक कारणेँ आन्हर
जनमल की माय-बाबूक पापक कारणेँ?”
3 यीशु उत्तर देलथिन, “ने अपना पापक
कारणेँ आ ने माय-बाबूक। ई एहि लेल
भेल जे ओकरा मे परमेश्वरक काज प्रगट
भऽ जानि। 4जे हमरा पठौलनि, तिनकर
काज अपना सभ केँ दिने मे करऽ पड़त।
राति आबि रहल अछि, जखन केओ नहि
काज कऽ सकैत अछि। 5जाबत धरि हम
संसार मे छी, ताबत धरि हम संसारक
इजोत छी।”
6 एतबा कहि ओ जमीन पर थुकलनि,
आओर थूक मे माटि सानि कऽ, ओहि
आदमीक आँखि पर लगा देलथिन।
7तखन ओकरा कहलथिन, “जा कऽ
शिलोह कुण्ड मे धो लैह।” (शिलोहक
अर्थ अछि “पठाओल गेल”।) तँ ओ
आदमी जा कऽ आँखि धो लेलक आओर
देखैत घर चल आयल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

8 ओकर पड़ोसी सभ आ जे लोक सभ
ओकरा पहिने भीख मँगैत देखने छलैक
कहलक, “की ई वैह नहि अछि जे पहिने
बैसले-बैसले भीख मँगैत छल?” 9किछु
लोक कहलक, “हँ, वैह अछि।” दोसर
लोक कहलक, “नहि, नहि! ओकरा
सनक लगैत छैक लेकिन ओ अछि
नहि।” मुदा ओ आदमी अपने कहलक,
“हम वैह छी।”

10 तँ ओ सभ ओकरा कहलकैक,
“तखन तोहर आँखि कोना खुजि गेलौ?”

11 ओ बाजल, “ओ यीशु नामक
आदमी माटि सानि कऽ हमरा आँखि पर
लगा कऽ कहलनि जे, जाह, शिलोह मे धो
लैह। हम गेलहुँ, धो लेलहुँ, आओर देखऽ
लगलहुँ।” 12ओ सभ ओकरा पुछलकैक,
“ओ कतऽ छथि?” ओ उत्तर देलकैक,
“हम नहि जनैत छी।”

फरिसी सभ लग आन्हर व्यक्तिक गवाही

13 ओ आदमी जे पहिने आन्हर छल
तकरा फरिसी सभ लग आनल गेलैक।
14जाहि दिन यीशु माटि सानि कऽ ओकर
आँखि खोलने छलथिन, से विश्राम-दिन
छल। 15तँ फरिसी सभ ओहि आदमी केँ
फेर पुछलथिन, “ई कोना भेल जे तोँ आब
देखि रहल छह?” ओ बाजल, “ओ माटि
सानि कऽ हमरा आँखि पर लगा देलनि,
हम धो लेलहुँ, आओर आब देखैत छी।”

16 किछु फरिसी कहऽ लगलाह, “ई
व्यक्ति परमेश्वरक दिस सँ नहि आयल
अछि, कारण ओ विश्राम-दिन केँ नहि
मानैत अछि।” मुदा दोसर सभ कहऽ
लगलाह, “जे पापी होयत, से एहन
चमत्कार वला चिन्ह सभ कोना देखा
सकत?” एहि तरहेँ हुनका सभ मे मतभेद
भऽ गेलनि।

17 आखिर मे ओ सभ ओहि आन्हर केँ
पुछलथिन, “तोँ ओकरा बारे मे की कहैत
छह? तोरे ने आँखि खोलि देलकह।” ओ
उत्तर देलकनि, “ओ परमेश्वरक प्रवक्ता
छथि।”

18 मुदा यहूदी सभ तखनो तक नहि
पतिअयलाह जे ओ पहिने आन्हर छल,
और आब देखऽ लागल अछि जखन
तक ओ सभ ओकर माय-बाबू केँ बजा
कऽ पुछि नहि लेलनि। 19ओ सभ ओकरा
सभ सँ पुछलथिन, “की ई तोरे सभक
बेटा छह? ई वैह अछि जे तोरा सभक
कहबाक अनुसार आन्हर जनमल? तँ ई
एखन कोना देखि रहल अछि?”

20 ओकर माय-बाबू उत्तर देलकनि,
“हम सभ जनैत छी जे ई हमरा सभक
बालक अछि, और इहो जनैत छी जे
आन्हर जनमल। 21मुदा ई एखन कोना
देखि रहल अछि, वा एकरा के आँखि
खोलि देलथिन, से नहि जनैत छी।
ओकरे पुछिऔक। ओ तँ बच्चा नहि
अछि। ओ अपने कहत।” 22ओकर
माय-बाबू ई बात एहि लेल कहलक
जे ओ सभ यहूदीक धर्मगुरु सभ सँ
डेराइत छल, कारण, यहूदी अधिकारी
सभ एकमत भऽ गेल रहय जे, जँ केओ
कहत जे यीशु उद्धारकर्ता-मसीह अछि तँ
ओकरा सभाघर सँ बारि देल जयतैक।
23एही कारणेँ ओकर माय-बाबू कहने
छलैक जे ओ बच्चा नहि अछि, ओकरे
पुछिऔक।

24 ओ सभ फेर दोसर बेर ओहि आदमी
केँ बजौलनि जे आन्हर छल, आओर
ओकरा कहलथिन, “परमेश्वरक समक्ष

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सत्ये बाजह! हम सभ जनैत छी जे ई
व्यक्ति पापी अछि।”
25 ओ बाजल, “ओ पापी छथि वा नहि,
से हम नहि जनैत छी। मुदा एकटा बात
हम जनैत छी—हम पहिने आन्हर छलहुँ
और एखन देखैत छी।”
26 ओ सभ ओकरा पुछलथिन, “ओ
तोरा की कयलकह? तोहर आँखि ओ
कोना खोललकह?”
27 ओ उत्तर देलकनि, “हम अहाँ सभ
केँ कहि देने छी, मुदा अहाँ सभ सुनिते
नहि छी। अहाँ सभ फेर किएक सुनऽ
चाहैत छी? की अहूँ सभ हुनकर शिष्य
बनऽ चाहैत छी?”
28 ओ सभ ओकरा गारि पढ़ैत
कहलथिन, “तोँही ओकर शिष्य छैं। हम
सभ तँ मूसाक शिष्य छी। **29** हम सभ जनैत
छी जे परमेश्वर मूसा सँ बाजल छलथिन,
मुदा ई व्यक्ति जे अछि, से कतऽ सँ
आयल तकर कोनो पता नहि।”
30 एहि पर ओ आदमी बाजल, “अरे, ई
तँ बड्ड अद्‌भुत बात अछि! अहाँ सभ नहि
जनैत छी जे ओ कतऽ सँ आयल छथि,
और तैयो ओ हमर आँखि खोलि देलनि।
31 अपना सभ जनैत छी जे परमेश्वर
पापी सभक नहि सुनैत छथिन। जे हुनका
मानैत छनि और हुनकर इच्छा पूरा
करैत छनि, तकर बात परमेश्वर सुनैत
छथिन। **32** सृष्टिक आरम्भ सँ आइ तक
ई कहियो सुनबा मे नहि आयल अछि जे
केओ कोनो जन्म सँ आन्हर आदमीक
आँखि केँ खोलने होअय। **33** ई आदमी जँ
परमेश्वरक दिस सँ नहि आयल रहितथि
तँ ओ किछु नहि कऽ सकितथि।”
34 एहि पर ओ सभ उत्तर देलथिन, “तोँ
तँ बिलकुल पापे मे जनमल छैं आ तोँ
हमरा सभ केँ सिखाबऽ चाहैत छैं?!” ई
कहि ओकरा बाहर भगा देलनि।

आत्मिक आन्हर

35 यीशु जखन सुनलनि जे ओ सभ
ओकरा भगा देने छैक तँ ओकरा भेँट
कऽ कऽ पुछलथिन, “की तोँ मनुष्य-पुत्र
पर विश्वास करैत छह?” **36** ओ उत्तर
देलकनि, “मालिक, ओ के छथि? हमरा
कहल जाओ, जाहि सँ हम हुनका पर
विश्वास करियनि।”
37 यीशु ओकरा कहलथिन, “तोँ हुनका
देखने छहुन और ओ वैह छथि जे एखनो
तोरा सँ बात कऽ रहल छथुन।” **38** ओ
कहलकनि, “प्रभु, हम विश्वास करैत
छी!” और हुनकर पयर पर खसि कऽ
गोड़ लगलकनि।
39 यीशु बजलाह, “हम एहि संसार
मे न्यायक लेल आयल छी, जाहि सँ जे
सभ नहि देखैत अछि, से सभ देखय, और
जे सभ देखैत अछि, से सभ आन्हर भऽ
जाय।”
40 किछु फरिसी जे हुनका लग मे ठाढ़
छलाह, से ई बात सुनि कहलथिन, “तँ
हमहूँ सभ आन्हर छी की?”
41 यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
“अहाँ सभ जँ आन्हर रहितहुँ, तँ दोषी
नहि होइतहुँ, मुदा अहाँ सभ कहैत छी जे,
हम सभ देखैत छी, आ तेँ अहाँ सभ दोषी
रहलहुँ।”

भेँड़शालाक उपमा

10 “हम अहाँ सभ केँ विश्वास
दिअबैत छी जे, जे द्वारि बाटे
भेँड़शाला मे प्रवेश नहि करैत अछि,
बल्कि देवाल पर चढ़ि कऽ कोनो दोसर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बाटे प्रवेश करैत अछि, से चोर और डाकू
होइत अछि। 2जे द्वारि बाटे प्रवेश करैत
छथि, से भेँड़ाक चरबाह छथि। 3हुनका
लेल द्वारपाल द्वारिक फट्टक खोलि दैत
छनि, और हुनकर आवाज भेँड़ा चिन्हैत
छनि। ओ अपना भेँड़ा केँ नाम लऽ-लऽ
कऽ बजबैत छथि, और ओकरा सभ केँ
बाहर लऽ जाइत छथि। 4अपन सभ भेँड़ा
केँ निकालि लेला पर ओ ओकरा सभक
आगाँ-आगाँ चलैत छथि और ओ सभ
हुनका पाछाँ लागि जाइत छनि किएक तँ
ओ सभ हुनकर आवाज केँ चिन्हैत छनि।
5ओ सभ कोनो अपरिचित आदमीक
पाछाँ कहियो नहि जायत, बल्कि ओकरा
लग सँ भागत, किएक तँ अपरिचित
लोकक आवाज ओ सभ नहि चिन्हैत
छैक।”

6 यीशु हुनका सभ केँ ई उदाहरण
देलनि, मुदा हुनकर की कहबाक अर्थ
छलनि, से ओ सभ नहि बुझलनि। 7तँ
ओ हुनका सभ केँ फेर कहलथिन, “हम
अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी जे, भेँड़ा
सभक लेल हमहीं द्वारि छी। 8आरो सभ
जे हमरा सँ पहिने आयल, से चोर और
डाकू सभ छल, मुदा भेँड़ा ओकरा सभक
बात नहि मानलक। 9द्वारि हम छी। हमरा
बाटे जे प्रवेश करत से सुरक्षित राखल
जायत।* ओ भीतर-बाहर अबैत-जाइत
रहत और चारा पाओत। 10चोर खाली
चोरी करबाक, जान मारबाक, और नष्ट
करबाक उद्देश्य सँ अबैत अछि। मुदा
हम एहि लेल आयल छी जे मनुष्य जीवन
प्राप्त करय और परिपूर्णता सँ प्राप्त
करय।

नीक चरबाह

11 “नीक चरबाह हम छी। नीक चरबाह
भेँड़ाक लेल अपन प्राण दैत अछि।
12जऽन-बोनिहार, जे ने चरबाह अछि आ
ने भेँड़ाक मालिक अछि से चितुआ केँ
अबैत देखि कऽ भेँड़ा सभ केँ छोड़ि कऽ
भागि जाइत अछि। तखन चितुआ भेँड़ा केँ
पकड़ऽ लगैत छैक और ओकरा सभ केँ
छिड़िया दैत छैक। 13जऽन-बोनिहार एहि
लेल भागि जाइत अछि जे ओ खाली जऽन
अछि और ओकरा भेँड़ाक लेल कोनो
चिन्ता नहि रहैत छैक।

14 “नीक चरबाह हम छी। जहिना पिता
हमरा चिन्हैत छथि और हम पिता केँ
चिन्हैत छियनि, 15तहिना हम अपना भेँड़ा
सभ केँ चिन्हैत छी और ओ सभ हमरा
चिन्हैत अछि। और भेँड़ा सभक लेल हम
अपन प्राण दैत छी। 16हमरा आरो भेँड़ा
अछि जे एहि भेँड़शालाक नहि अछि।
ओकरो सभ केँ हमरा लयबाक अछि।
ओहो सभ हमर आवाज सुनत। तखन एके
झुण्ड और एके चरबाह होयत।

17 “पिता हमरा सँ एहि लेल प्रेम करैत
छथि जे हम अपन प्राण दैत छी जाहि सँ
हम ओकरा फेर लऽ ली। 18केओ हमर
प्राण केँ हमरा सँ नहि छिनि लैत अछि,
बल्कि हम अपना इच्छा सँ दऽ रहल छी।
हमरा अपन जान देबाक अधिकार अछि
और ओकरा फेर लऽ लेबाक अधिकार
सेहो अछि। ई आज्ञा हम अपना पिता सँ
प्राप्त कयने छी।”

19 एहि बात सभक कारणेँ यहूदी
सभ मे फेर मतभेद भऽ गेलनि। 20बहुत

10:9 वा, “से उद्धार पाओत।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक कहैत छलाह, “एकरा मे दुष्टात्मा
छैक। ई बताह अछि! एकर बात किएक
सुनबैक?”
21 मुदा दोसर सभ कहैत छलाह,
“जकरा मे दुष्टात्मा छैक, से की एहन
बात सभ कहत? की दुष्टात्मा कतौ
आन्हरक आँखि खोलि सकैत अछि?”

यहूदी सभक द्वारा विरोध

22 तखन यरूशलेम मे “मन्दिरक
समर्पण” नामक पाबनि आबि गेल।
23 जाड़क मास छल, और यीशु मन्दिर
मे ओहि असोरा पर टहलैत छलाह जे
“सुलेमानक असोरा” कहबैत अछि।
24 यहूदी सभ हुनका चारू कात सँ घेरि
कऽ कहलथिन, “कहिया तक अहाँ हमरा
सभ केँ दुबिधा मे रखने रहब? अहाँ जँ
परमेश्वरक मसीह छी तँ हमरा सभ केँ
स्पष्ट कहि दिअ।”
25 यीशु बजलाह, “हम अहाँ सभ केँ
कहिए देने छी, मुदा अहाँ सभ विश्वास
नहि करैत छी। जे काज हम अपना
पिताक नाम सँ करैत छी, से हमर गवाही
दैत अछि। 26 मुदा अहाँ सभ विश्वास
नहि करैत छी किएक तँ अहाँ सभ हमर
भेँड़ा नहि छी। 27 हमर भेँड़ा हमर आवाज
सुनैत अछि। हम ओकरा सभ केँ चिन्हैत
छी और ओ सभ हमरा पाछाँ लागि जाइत
अछि। 28 हम ओकरा सभ केँ अनन्त
जीवन दैत छी और ओ सभ कहियो नाश
नहि होयत। हमरा हाथ सँ केओ ओकरा
सभ केँ नहि छिनि लेत। 29 हमर पिता,
जे ओकरा सभ केँ हमरा देने छथि, से
आरो सभ सँ शक्तिशाली छथि, तेँ हमरा
पिताक हाथ सँ ओकरा सभ केँ केओ नहि
छिनि सकैत अछि। 30 हम और पिता एक
छी।”
31 एहि पर यहूदी सभ फेर हुनका मारि
देबाक लेल पाथर उठाबऽ लगलाह,
32 मुदा यीशु हुनका सभ केँ कहलथिन,
“हम अहाँ सभ केँ पिताक तरफ सँ बहुत
नीक-नीक काज कऽ कऽ देखा देलहुँ।
एहि सभ मे सँ कोन काजक लेल हमरा
मारि देबऽ चाहैत छी?”
33 यहूदी सभ हुनका उत्तर देलथिन,
“कोनो नीक काजक लेल तोरा नहि मारऽ
चाहैत छिऔ, बल्कि परमेश्वरक निन्दाक
लेल, कारण तोँ मनुष्ये भऽ कऽ अपना केँ
परमेश्वर कहैत छैं।”
34 यीशु बजलाह, “की अहाँ सभक
धर्मशास्त्र मे नहि लिखल अछि जे, ‘हम
कहलहुँ जे तोँ सभ ईश्वर छह’*? 35 जँ
तकरा सभ केँ ओ ‘ईश्वर’ कहलथिन
जकरा सभ केँ परमेश्वरक वचन देल
गेल—और धर्मशास्त्र कहियो गलत
नहि ठहरि सकैत अछि— 36 तँ जकरा
पिता अपना पवित्र काजक लेल चुनि
कऽ संसार मे पठौलथिन, तकरा पर
परमेश्वरक निन्दा करबाक दोष किएक
लगबैत छी जखन ओ कहैत अछि जे,
‘हम परमेश्वरक पुत्र छी’? 37 जँ हम
अपना पिताक काज नहि कऽ रहल छी,
तँ हमरा पर विश्वास नहि करू। 38 मुदा
जँ हम कऽ रहल छी, तँ हमरा पर जँ
नहिओ विश्वास करब, तँ हमर काज पर
विश्वास करू, जाहि सँ अहाँ सभ जानब
और बुझब जे पिता हमरा मे छथि और
हम पिता मे छी।”

10:34 भजन 82.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

39 ओ सभ हुनका फेर पकड़ऽ चाहैत
छलनि, मुदा ओ हुनका सभक हाथ सँ
बचि कऽ निकलि गेलाह।
40 तखन यीशु फेर यरदन नदीक
ओहि पार गेलाह जाहिठाम यूहन्ना शुरू
मे बपतिस्मा दैत छलाह। ओ ओहिठाम
रहलाह **41** और बहुत लोक हुनका लग
आयल। ओ सभ कहलक, “ओना तँ
यूहन्ना कोनो चमत्कारपूर्ण चिन्ह नहि
देखौलनि, तैयो जतेक बात ओ एहि
व्यक्तिक बारे मे कहलनि, से सभ सत्य
छल।” **42** और ओहिठाम बहुत लोक यीशु
पर विश्वास कयलकनि।

यीशुक मित्र लाजरक मृत्यु

11 एक लाजर नामक आदमी, जे
बेतनिया गामक छलाह, बहुत
बिमार भऽ गेल छलाह। बेतनिया गाम
मरियम आओर हुनकर बहिन मार्थाक
गाम छल। **2** ई मरियम वैह छथि जे यीशुक
पयर पर सुगन्धित तेल ढारि कऽ हुनकर
पयर अपना केश लऽ कऽ पोछि देलनि।
तँ लाजर एहि मरियमक भाय छलाह।
3 दूनू बहिन यीशु केँ खबरि पठा देलनि जे,
“प्रभु, अहाँक प्रिय मित्र बिमार अछि।”
4 यीशु ई सुनि कऽ बजलाह, “एहि
बिमारीक अन्त मृत्यु नहि होयत। ई
एहि लेल भेल जे परमेश्वरक महिमा
प्रगट होयतनि, और जाहि सँ एहि द्वारा
परमेश्वरक पुत्रक महिमा प्रगट होयत।”
5 यीशु मार्था, हुनकर बहिन मरियम,
और लाजर सँ बहुत प्रेम करैत छलथिन,
6 मुदा तैयो ई खबरि जखन सुनलनि, जे
लाजर बिमार छथि, तखन ओ जाहिठाम
छलाह ताहिठाम दू दिन आओर रहि
गेलाह।
7 तखन ओ अपन शिष्य सभ केँ
कहलथिन, “आब फेर यहूदिया प्रदेश
चलू।” **8** ओ सभ कहलथिन, “गुरुजी,
किछुए दिन पहिने यहूदी सभ पाथर मारि
कऽ अहाँ केँ मारि देबऽ चाहैत छलाह, आ
तैयो अहाँ ओतऽ फेर जाय चाहैत छी?”
9 यीशु बजलाह, “की दिन मे बारह
घण्टा नहि होइत छैक? जँ केओ दिन मे
चलैत अछि तँ ओकरा ठेस नहि लगैत
छैक, कारण ओ एहि संसारक इजोत केँ
देखैत अछि। **10** मुदा राति मे जँ चलैत
अछि तँ ठेस लगैत छैक कारण ओकरा
कोनो इजोत नहि छैक।”
11 ई कहि यीशु हुनका सभ केँ आगाँ
कहलथिन, “अपना सभक मित्र लाजर
सुति रहलाह, मुदा हम हुनका जगयबाक
लेल जाइत छी।”
12 शिष्य सभ हुनका कहलथिन,
“प्रभु, जँ ओ सुति रहल छथि तँ ओ नीकेँ
भऽ जयताह।” **13** यीशु हुनकर मृत्युक
सम्बन्ध मे ई कहने छलथिन मुदा शिष्य
सभ बुझलनि जे ओ स्वभाविक निन्दक
सम्बन्ध मे कहि रहल छथि। **14** तखन यीशु
हुनका सभ केँ स्पष्ट कहलथिन, “लाजर
मरि गेल छथि। **15** और अहाँ सभक कारणेँ
हमरा खुशी अछि जे हम ओतऽ नहि छलहुँ,
जाहि सँ अहाँ सभ विश्वास करी। मुदा
आउ, अपना सभ आब हुनका लग चली।”
16 तखन थोमा, जे “जौंआ” कहबैत
छथि*, से आरो शिष्य सभ केँ कहलथिन,
“आउ, अपनो सभ हिनका संग मरऽ लेल
चली।”

11:16 मूल मे, “थोमा, जे ‘दिदुमुस’ कहबैत छथि”। “दिदुमुस”क अर्थ अछि “जौंआ”।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“जीबि उठाबऽ वला और जीवन देबऽ वला हमहीं छी”

17 ओतऽ पहुँचला पर यीशु कैँ पता
लगलनि जे लाजर कैँ कबर मे रखला चारि
दिन भऽ गेल अछि। [18]बेतनिया यरूशलेम
सँ एक कोस सँ कनेक कम दूर छल,
[19]और बहुत यहूदी लोक मार्था आओर
मरियमक भायक मरला पर सान्त्वना
देबाक लेल हुनका सभक ओहिठाम
आयल छलनि। [20]मार्था जखन सुनलनि
जे यीशु आबि रहल छथि तँ हुनका भैँट
करऽ गेलीह, लेकिन मरियम घर मे बैसल
रहलीह।

21 मार्था यीशु कैँ कहलथिन, “प्रभु,
अहाँ जँ एतऽ रहितहुँ तँ हमर भाय नहि
मरल रहैत। [22]मुदा हम जनैत छी जे एखनो
अहाँ जे किछु परमेश्वर सँ मँगबनि, से
अहाँ कैँ ओ देताह।”

23 यीशु बजलाह, “अहाँक भाय फेर
जीबि उठत।”

24 मार्था बजलीह, “हम जनैत छी जे
अन्तिम दिन मे जखन मुइल सभ जीबि
उठत तखन ओहो जीबि उठत।”

25 यीशु हुनका कहलथिन, “जीबि
उठाबऽ वला और जीवन देबऽ वला
हमहीं छी। जे केओ हमरा पर विश्वास
करैत अछि, से जँ मरिओ जायत, तैयो
जीअत। [26]और जे केओ हमरा मे जीबैत
अछि और विश्वास करैत अछि, से
कहियो नहि मरत। की एहि पर विश्वास
करैत छी?”

27 मार्था हुनका उत्तर देलथिन, “हँ
प्रभु, हम विश्वास करैत छी जे अहाँ
उद्धारकर्ता-मसीह छी, परमेश्वरक पुत्र
छी, जे संसार मे आबऽ वला छलाह।”

28 ई कहि ओ अपन बहिन मरियम
कैँ बजयबाक लेल गेलीह, और हुनका
अलग लऽ जा कऽ कहलथिन, “गुरुजी
आबि गेलाह, तोरा बजबैत छथुन।”

29 ई बात सुनितहि, मरियम जल्दी सँ
उठि कऽ हुनका लग गेलीह। [30]यीशु एखन
गाम मे नहि आयल छलाह, बल्कि ओहि
स्थान पर छलाह जाहिठाम मार्था हुनका
सँ भैँट कयने छलीह। [31]यहूदी सभ, जे
मरियम कैँ सान्त्वना दैत हुनका संग घर मे
छलनि, से सभ जखन हुनका जल्दी उठि
बाहर जाइत देखलकनि, तँ हुनका पाछाँ-
पाछाँ गेल, ई बुझि कऽ जे ओ कबर पर
विलाप करऽ जा रहल छथि।

32 मरियम जखन ओहिठाम पहुँचलीह
जाहिठाम यीशु छलाह, तँ हुनका देखि
हुनका पयर पर खसि कऽ बजलीह, “प्रभु,
अहाँ जँ एतऽ रहितहुँ तँ हमर भाय नहि
मरैत।”

33 यीशु जखन हुनका विलाप करैत
देखलथिन, और यहूदी सभ, जे हुनका संग
आयल छल, तकरो सभ कैँ विलाप करैत
देखलनि तँ हुनका बहुत दुःख भेलनि और
ओ व्याकुल भऽ गेलाह। [34]ओ पुछलथिन,
“हुनका कतऽ रखने छिऐन?” ओ सभ उत्तर
देलथिन, “प्रभु, चलि कऽ देखि लिअ।”

35 यीशु कानऽ लगलाह। [36]तखन यहूदी
सभ कहलक, “देखू, ओकरा सँ कतेक
प्रेम करैत छलथिन।” [37]मुदा ओकरा सभ
मे सँ किछु लोक कहलक, “ई जे आन्हर
कैँ आँखि खोलि देलथिन, से की एहि
आदमीक मरनाइ नहि रोकि सकलाह?”

लाजर जीबि उठलाह

38 यीशु फेर बहुत दुखी भऽ कऽ कबर
लग गेलाह। ओ कबर एक गुफा छल,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जकरा दुआरि पर एकटा बड़का पाथर
राखल छलैक। 39यीशु कहलथिन,
“पाथर हटा दिअ!”
मृतकक बहिन, मार्था, हुनका कहल-
थिन, “प्रभु, आब बहुत महकैत होयत।
ओकरा मरला तँ चारि दिन भऽ गेल
छैक।”
40 यीशु बजलाह, “की, हम अहाँ कैँ
नहि कहलहुँ जे जँ अहाँ विश्वास करब तँ
परमेश्वरक महिमा देखब?”
41 तखन ओ सभ पाथर हटा देलनि,
और यीशु ऊपर ताकि कऽ कहलनि,
“पिता, हम अहाँ कैँ धन्यवाद दैत छी जे
अहाँ हमर सुनि लेने छी। 42ओना तँ हम
जनैत छी जे अहाँ सदिखन हमर सुनि लैत
छी, मुदा हम ई बात एहिठाम ठाढ़ भेल
लोकक कारणेँ कहलहुँ, जाहि सँ ओ सभ
विश्वास करय जे अहाँ हमरा पठौने छी।”
43 ई बात कहि, यीशु जोर सँ सोर
पारलनि, “लाजर! बाहर निकलि आउ!”
44 और ओ मृतक बाहर निकलि
अयलाह। हुनकर हाथ-पयर पट्टी सँ
बान्हल छलनि, और हुनकर मुँह अंगपोछा
सँ लेपटल छलनि। यीशु लोक सभ कैँ
कहलथिन, “हुनका खोलि दिऔन और
जाय दिऔन।”

मुख्यपुरोहित सभक षड्यन्त्र

(मत्ती 26.1-5; मरकुस 14.1-2; लूका 22.1-2)

45 एहि कारणेँ यहूदी सभ जे मरियम
सँ भैँट करबाक लेल आयल छल, और
जे यीशुक ई काज देखने छल, तकरा
सभ मे सँ बहुतो हुनका पर विश्वास
कयलकनि। 46मुदा किछु यहूदी सभ
फरिसी सभक ओहिठाम जा कऽ कहि
देलकैक जे यीशु की कयलनि।
47 तँ मुख्यपुरोहित और फरिसी सभ
धर्म-महासभाक सदस्य सभ कैँ बजा
लेलनि। ओ सभ आपस मे कहऽ लगलाह,
“अपना सभ की कऽ रहल छी? ई तँ बहुत
चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखा रहल अछि!
48एकरा ई सभ करैत छोड़ि देबैक तँ
एकरा पर सभ केओ विश्वास करतैक,
और रोमी सभ आबि कऽ अपना सभक
पवित्र स्थान और राष्ट्र दूनू नष्ट कऽ देत।”
49 तखन हुनका सभ मे सँ काइफा
नामक एक गोटे, जे ओहि वर्षक
महापुरोहित छलाह से बजलाह, “अहाँ
सभ किछुओ नहि जनैत छी! 50अहाँ सभ
कैँ फुरयबो नहि करैत अछि जे अहाँ सभ
कैँ की नीक होइत। नीक तँ ई होइत जे
एके आदमी जनताक लेल मरैक, और ई
नहि जे पूरा राष्ट्र नाश भऽ जाय।”
51 ई बात ओ अपने सँ नहि, बल्कि
ओहि वर्षक महापुरोहित होयबाक
कारणेँ कहलनि, मुदा हुनको नहि बुझल
छलनि जे ई भविष्यवाणी भऽ गेल जे यीशु
यहूदी राष्ट्रक बदला मे मरताह, 52और
मात्र ओहि राष्ट्रक लेल नहि, बल्कि
परमेश्वरक एम्हर-ओम्हर छिड़िआयल
सन्तानक लेल सेहो, जाहि सँ ओ
ओकरा सभ कैँ एक ठाम जमा कऽ कऽ
एक करथि। 53तँ ओहि दिन सँ ओ सभ
हुनका जान सँ मारि देबाक षड्यन्त्र करऽ
लगलाह।
54 फलस्वरूप यीशु आब यहूदी सभक
बीच मे खुलि कऽ नहि घुमैत छलाह। ओ
निर्जन क्षेत्रक कात मे इफ्राइम नामक गाम
मे जा कऽ ओतहि अपना शिष्य सभक
संग रहऽ लगलाह।
55 जखन यहूदी सभक फसह-पाबनि
लग आबि गेल तखन बहुत लोक अपना

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ शुद्ध करबाक विधिक लेल पाबनि सँ
पहिनहि देहात सँ यरूशलेम आयल। 56ओ
सभ यीशु कैँ तकैत छलनि, और मन्दिर मे
ठाढ़ एक-दोसर सँ पुछैत छल जे, “अहाँ
की सोचैत छी? ओ पाबनिक लेल नहिए
औताह की?” 57कारण मुख्यपुरोहित और
फरिसी सभ आज्ञा देने छलाह जे, जँ ककरो
पता लागि जाइक जे यीशु कतऽ छथि तँ
ओ हुनका सभ कैँ सूचना दऽ दिअय, जाहि
सँ ओ सभ हुनका पकड़ि सकथि।

यीशुक सम्मान मे भोज

(मत्ती 26.6-13; मरकुस 14.3-9)

12 फसह-पाबनि सँ छओ दिन
पहिने, यीशु बेतनिया गाम
अयलाह, जाहिठाम लाजर रहैत छलाह,
जिनका मरलाक बाद यीशु जीवित कऽ
देने रहथिन। 2ओहिठाम यीशुक अयबाक
खुशी मे भोज कयल गेल। मार्था सेवा-
सत्कारक काज मे लागल छलीह, और
यीशुक संग भोजन करऽ वला सभ मे
लाजर सेहो बैसल छलाह। 3तखन
मरियम विशुद्ध जटामासीक लगभग
आधा सेर बहुत दामी सुगन्धित तेल लऽ
यीशुक पयर पर ढारि देलनि और हुनकर
पयर अपना केश सँ पोछि देलथिन। ओहि
तेलक सुगन्ध सँ सौंसे घर गमकि उठल।
4मुदा हुनकर एकटा शिष्य, यहूदा
इस्करियोती, जे बाद मे हुनका संग
विश्वासघात करऽ वला भेल, से
बाजल, 5“ई तेल किएक नहि बेचि
देल गेल? एहि सँ एक वर्षक मजदूरीक
बराबरि मूल्य भेटैत, आ गरीब सभ मे
बाँटल गेल रहैत!” 6ओ ई बात एहि लेल
नहि कहलक जे ओकरा गरीब सभक
लेल चिन्ता छलैक, बल्कि एहि लेल जे
ओ चोर छल। ओकरा लग हुनका सभक
पाइक बटुआ रहैत छलैक, और ओहि मे
जे किछु राखल जाइत छल, ताहि मे सँ
ओ चोरा लैत छल।
7यीशु उत्तर देलथिन, “हिनका छोड़ि
दिऔन! हम जे कबर मे राखल जायब
तकर तैयारीक लेल हिनका ई तेल रखने
रहबाक छलनि। 8गरीब सभ तँ अहाँ
सभक संग सभ दिन रहत, मुदा हम अहाँ
सभक संग सभ दिन नहि रहब।”
9जखन यहूदी सभक बड़का भीड़ कैँ
पता लगलैक जे यीशु एतऽ छथि, तँ ओ
सभ देखबाक लेल आयल, मुदा खाली
यीशुए कैँ देखबाक लेल नहि, बल्कि
लाजर कैँ सेहो, जिनका मरलाक बाद
यीशु जीवित कयने रहथिन। 10तखन
मुख्यपुरोहित सभ लाजर कैँ सेहो खून कऽ
देबाक योजना बनाबऽ लगलाह, 11किएक
तँ हुनके कारण बहुत यहूदी अपना धर्मगुरु
सभ कैँ छोड़ि कऽ यीशु पर विश्वास करैत
छलनि।

यरूशलेम मे यीशुक प्रवेश

(मत्ती 21.1-11; मरकुस 11.1-11;
लूका 19.28-40)

12दोसरे दिन बड़का भीड़ जे पाबनिक
लेल आयल छल, से सुनलक जे यीशु
यरूशलेम आबि रहल छथि। 13ओ सभ
खजूरक छज्जा लऽ कऽ हुनका सँ भेँट
करबाक लेल शहर सँ बहरायल। ओ सभ
हुनकर जयजयकार करैत छल,
“जय जय! *

12:13 मूल मे “होसन्ना!” (इब्रानी भाषा मे स्तुति वा विजय कैँ व्यक्त करऽ वला शब्द)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धन्य छथि ओ जे प्रभुक नाम सँ
अबैत छथि!*
धन्य छथि इस्राएलक राजा!"
14 यीशु एक गदहीक बच्चा पर बैसल
छलाह, जेना धर्मशास्त्रक लेख अछि,
15 "हे सियोन नगर*! भयभीत नहि
होअह!
देखह! तोहर राजा गदहीक बच्चा
पर बैसल आबि रहल छथुन!"*
16 एहि समय मे हुनकर शिष्य सभ ई
सभ बात नहि बुझलनि, मुदा यीशु जखन
स्वर्गक महिमा मे उठा लेल गेलाह तखन
हुनका सभ केँ मोन पड़लनि जे ई सभ बात
यीशुएक बारे मे लिखल गेल छल और
हुनका संग तहिना कयलो गेलनि।
17 जे लोक सभ ओहि समय मे यीशुक
संग छल जखन ओ लाजर केँ कबर मे सँ
बहरयबाक लेल कहि कऽ जीवित कऽ
देने रहथिन, से सभ एहि बातक बारे मे सभ
लोक केँ कहैत छल। 18 एहि कारणेँ एतेक
लोक यीशु सँ भेटबाक लेल बहरायल छल।
ओ सभ सुनने छल जे यीशु ई चमत्कारपूर्ण
चिन्ह देखौने छथि। 19 तेँ फरिसी सभ एक-
दोसर केँ कहऽ लगलाह, "देखैत छी कि
नहि! अहाँ सभ जे कऽ रहल छी ताहि सँ
कनेको फायदा नहि! देखू! सौंसे संसार
ओकरा पाछाँ दौड़ि रहल छैक!"

मृत्यु सँ जीवन

20 जे लोक पाबनि मे आराधना
करबाक लेल आयल छल, ताहि मे
किछु लोक यूनानी जातिक छल। 21 ओ
सभ फिलिपुस लग आयल, जे गलील
प्रदेशक बेतसैदा नगरक छलाह। ओ
सभ हुनका सँ ई निवेदन कयलकनि,
"मालिक, हम सभ यीशु केँ देखितहुँ।"
22 फिलिपुस जा कऽ अन्द्रेयास केँ कहि
देलनि, और अन्द्रेयास फिलिपुसक संग
जा कऽ यीशु केँ कहलनि।
23 यीशु बजलाह, "मनुष्य-पुत्रक
महिमा प्रगट होयबाक घड़ी आबि गेल
अछि। 24 हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत
छी जे, जाबत धरि गहुमक दाना जमीन मे
खसि कऽ मरि नहि जाइत अछि, ताबत
धरि ओ असगर रहैत अछि। मुदा जँ मरि
जायत, तँ आओर बहुत दाना केँ उत्पादन
करत। 25 जे अपना जीवन केँ प्रिय बुझैत
अछि, से ओकरा गमबैत अछि, और
जे एहि संसार मे अपना जीवन केँ तुच्छ
बुझैत अछि, से ओकरा अनन्त जीवनक
लेल सुरक्षित रखैत अछि। 26 जे हमर
सेवा करत, से हमरा पाछाँ आबय। और
हम जतऽ होयब, ततऽ हमर सेवक सेहो
होयत। जे केओ हमर सेवा करत, तकरा
हमर पिता आदर करथिन।

क्रूसक मृत्युक संकेत

27 "आब हमर आत्मा अति व्याकुल
भऽ गेल अछि। हम की कहू?—ई जे, 'यौ
पिता, एहि घड़ी सँ हमरा बचाउ!'? नहि!
हम तँ एही लेल एहि घड़ी तक आयल छी!
28 यौ पिता, अपन नामक महिमा केँ प्रगट
करू!"
एहि पर स्वर्ग सँ ई आवाज सुनाइ देलक
जे, "हम ओकरा प्रगट कयने छी और फेर
प्रगट करब।"

12:13 भजन 118.25, 26
12:15 जक 9.9
12:15 अर्थात्, यरूशलेम। अक्षरशः "सियोनक पुत्री"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

29 लग मे ठाढ़ भेल भीड़ ई सुनलक
और कहलक, “मेघ बाजल।” दोसर लोक
कहलक, “हुनका सँ स्वर्गदूत बजलनि।”
30 यीशु बजलाह, “ई आवाज हमरा लेल
नहि, अहीं सभक लेल भेल। 31 आब एहि
संसारक न्यायक समय आबि गेल अछि,
आब एहि संसारक शासक कैं पराजित कऽ
देल जयतैक। 32 मुदा हम जखन पृथ्वीक
उपर लटकाओल जायब तँ हम अपना लग
सभ लोक कैं खीचि लेब।” 33 ओ ई कहि
कऽ संकेत कऽ देलथिन जे हुनकर मृत्यु
कोन तरहक होयतनि।

34 एहि पर भीड़क लोक बाजल,
“हम सभ धर्म-नियम सँ सिखने छी जे
उद्धारकर्ता-मसीह अनन्त काल तक
रहताह। तँ अहाँ कोना कहैत छी जे
मनुष्य-पुत्रक ऊपर लटकाओल जयनाइ
आवश्यक अछि? की मनुष्य-पुत्र आ
उद्धारकर्ता-मसीह दूनू एके नहि छथि?”

35 यीशु ओकरा सभ कैं कहलनि,
“इजोत कनेके काल आओर अहाँ सभक
बीच मे अछि। जा धरि इजोत अछि ता
धरि चलिते रहू, नहि तँ अन्हार अहाँ सभ
कैं लपकि लेत। जे अन्हार मे चलैत अछि,
से नहि जनैत अछि जे ओ कतऽ जा रहल
अछि। 36 जा धरि इजोत अहाँ सभक संग
अछि, इजोत पर विश्वास राखू, जाहि सँ
इजोतक सन्तान बनब।”

यीशु ई सभ बात कहि कऽ चल गेलाह
और ओकरा सभ सँ नुका रहलाह।

परमेश्वरक प्रवक्ताक कथन पूरा भेल

37 ओकरा सभक समक्ष मे एतेक
चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौलाक बादो, ओ
सभ यीशु पर विश्वास नहि करैत छल।
38 ई एहि लेल भेल जे परमेश्वरक प्रवक्ता
यशायाहक ई कथन पूरा होअय जे,

“यौ प्रभु, हमरा सभ द्वारा सुनाओल
गेल उपदेशक बात पर के
विश्वास कयने अछि?
और प्रभुक बल ककरा पर प्रगट भेल
छैक?”*

39 तँ ओ सभ विश्वास नहि कऽ सकल,
कारण, जेना यशायाह दोसर ठाम कहैत
छथि,

40 “प्रभु ओकरा सभक आँखि आन्हर
कऽ देने छथिन,
और ओकरा सभक मोन कठोर कऽ
देने छथिन,
जाहि सँ ओ सभ ने आँखि सँ देखय,
ने मोन सँ बुझय,
आ ने हमरा दिस घूमि कऽ आबय
कि हम ओकरा सभ कैं स्वस्थ कऽ
दिऐक।”*

41 यशायाह ई बात कहलनि किएक तँ ओ
यीशुक महिमा देखलनि और हुनका बारे
मे बजलाह।

42 ई बात होइतो यहूदी सभक
अधिकारी सभ मे सँ सेहो बहुत गोटे
हुनका पर विश्वास कयलनि, मुदा फरिसी
सभक कारणेँ ओ सभ अपना विश्वास कैं
खुलि कऽ स्वीकार नहि कयलनि, एहि डरेँ
जे सभाघर सँ बारि देल जाएब, 43 कारण
ओ सभ परमेश्वरक प्रशंसा सँ मनुष्यक
प्रशंसा प्रिय बुझैत छलाह।

44 तखन यीशु जोर सँ कहलनि, “जे
केओ हमरा पर विश्वास करैत अछि, से
हमरे पर नहि, बल्कि हमरा जे पठौलनि,

12:38 यशा 53.1 **12:40** यशा 6.10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तिनको पर विश्वास करैत अछि। 45और जे
हमरा देखैत अछि, से तिनका देखैत छनि
जे हमरा पठौलनि। 46हम इजोत भऽ कऽ
संसार मे आयल छी जाहि सँ जे केओ हमरा
पर विश्वास करत से अन्हार मे नहि रहय।

47 “हमर वचन जँ केओ सुनैत अछि,
लेकिन मानैत नहि अछि, तँ हम ओकर
न्याय नहि करैत छी, कारण हम संसारक
न्याय करबाक लेल नहि अयलहुँ, बल्कि
ओकरा बचयबाक लेल। 48जे हमरा
अस्वीकार करैत अछि और हमर वचन
ग्रहण नहि करैत अछि, तकर न्याय करऽ
वला एक अछि—जे वचन हम कहने छी,
वैह अन्तिम दिन मे ओकर न्याय करतैक।
49कारण हम अपना दिस सँ नहि बजलहुँ,
बल्कि जे पिता हमरा पठौलनि सैह हमरा
आदेश देलनि जे हम की कही और कोना
बाजी। 50और हम जनैत छी जे हुनकर
आदेश अनन्त जीवन अछि। तँ हम जे
किछु बजैत छी, से वैह अछि जे ओ हमरा
बजबाक लेल कहने छथि।”

यीशु शिष्य सभक पयर धोलनि

13 फसह-भोज सँ पहिनेक समय
छल, और यीशु जनैत छलाह
जे आब एहि संसार केँ छोड़ि कऽ पिता
लग जयबाक घड़ी आबि गेल अछि।
अपन चुनल लोक जे संसार मे छलनि,
और जिनका सभ केँ ओ प्रेम करैत
आयल छलथिन, तिनका सभ केँ ओ
अन्तिम सीमा तक प्रेम कयलनि।

2 यीशु और हुनकर शिष्य सभ भोजन
कऽ रहल छलाह। शैतान पहिनहि सिमोनक
बेटा यहूदा इस्करियोतीक मोन मे यीशु केँ
पकड़बयबाक विचार धऽ देने छलैक।
3यीशु ई जनैत छलाह जे पिता हमरा हाथ
मे सभ किछु दऽ देने छथि और ई, जे हम
परमेश्वर सँ आयल छी आ परमेश्वर लग
जा रहल छी। 4तेँ ओ भोजन सँ उठलाह,
और अपन उपरका कपड़ा उतारि कऽ
अपना डाँड़ मे गमछा लपेटि लेलनि।
5तखन एक कठौत मे पानि ढारि कऽ ओ
शिष्य सभक पयर धोबऽ और डाँड़ मे
बान्हल गमछा लऽ कऽ पोछऽ लगलथिन।

6 जखन ओ सिमोन पत्रुस लग
अयलाह, तँ पत्रुस हुनका कहलथिन,
“प्रभु! की हमर पयर अहाँ धोब?” 7यीशु
बजलाह, “हम की कऽ रहल छी, से अहाँ
एखन नहि जनैत छी, मुदा बाद मे अहाँ
बुझि जायब।” 8पत्रुस हुनका कहलथिन,
“नहि! अहाँ हमर पयर कहियो नहि
धोबऽ पायब!” यीशु बजलाह, “जँ अहाँ
हमरा नहि धोबऽ देब तँ हमरा संग अहाँ
केँ कोनो सम्बन्ध नहि रहल।”

9 तँ सिमोन पत्रुस हुनका कहलथिन,
“तखन प्रभु, हमर पयरेटा नहि, हमर हाथ
और माथ सेहो!”

10 यीशु उत्तर देलथिन, “जे नहा लेने
अछि, तकरा पयर केँ छोड़ि कऽ आओर
किछु धोबाक आवश्यकता नहि छैक,
ओकर सम्पूर्ण देह शुद्ध रहैत छैक।
और अहाँ सभ शुद्ध छी, मुदा सभ केओ
नहि।” 11यीशु तँ जनैत छलाह जे हुनका
पकड़बाबऽ वला के होयत, और तेँ ओ
कहलथिन, अहाँ सभ गोटे शुद्ध नहि छी।

12 जखन यीशु हुनका सभक पयर धो
लेलनि, और अपन कपड़ा पहिरि कऽ
बैसि गेलाह, तखन ओ हुनका सभ केँ
कहलथिन, “हम अहाँ सभक संग की
कयलहुँ, से की अहाँ सभ बुझैत छी?
13अहाँ सभ हमरा ‘गुरुजी’ और ‘प्रभुजी’
कहैत छी, और ठीके कहैत छी, कारण

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ हम छी। [14]तँ जँ हम अहाँ सभक प्रभु
और गुरु भऽ कऽ अहाँ सभक पयर धोने
छी, तँ अहूँ सभ कैँ एक-दोसराक पयर
धोबाक चाही। [15]हम अहाँ सभ कैँ एक
नमूना देखा देलहुँ जाहि सँ जहिना हम अहाँ
सभक संग कयलहुँ तहिना अहूँ सभ करू।
[16]हम अहाँ सभ कैँ विश्वास दिअबैत छी
जे, दास अपना मालिक सँ पैघ नहि होइत
अछि, और ने पठाओल गेल दूत अपना
पठाबऽ वला सँ। [17]ई सभ बात जानि कऽ,
जँ एकरा अनुसार चलब तँ धन्य होयब।

विश्वासघाती शिष्यक दिस संकेत

(मत्ती 26.20-25; मरकुस 14.17-21;
लूका 22.21-23)

18 “हम अहाँ सभ गोटेक बारे मे नहि
बाजि रहल छी। जिनका सभ कैँ हम
चुनलियनि तिनका सभ कैँ चिन्हैत छिऐन।
मुदा धर्मशास्त्रक ई लेख पूरा होयबाक
अछि जे, ‘जे हमर रोटी खाइत अछि से
हमरा विरोध मे लात उठौने अछि।’ *
[19]ई घटना घटऽ सँ पहिनहि हम अहाँ
सभ कैँ ई बात कहि रहल छी, जाहि सँ
जखन ई घटत तखन अहाँ सभ कैँ पूरा
विश्वास होयत जे हम वैह छी जे छी।
[20]हम अहाँ सभ कैँ सत्ये कहैत छी जे, जे
केओ ओकरा स्वीकार करैत अछि जकरा
हम पठबैत छी, से हमरा स्वीकार करैत
अछि, और जे हमरा स्वीकार करैत अछि
से तिनका स्वीकार करैत छनि जे हमरा
पठौलनि।”

21 ई बात कहि कऽ यीशु अपना आत्मा
मे बहुत व्याकुल होमऽ लगलाह, और
ओ खुलि कऽ कहलथिन, “हम अहाँ सभ
कैँ सत्य कहैत छी जे अहाँ सभ मे सँ एक
गोटे हमरा पकड़बा देब।” [22]शिष्य सभ
एकदम नहि बुझि कऽ जे ओ ककरा
बारे मे बाजि रहल छथि, एक-दोसराक
दिस ताकऽ लगलाह। [23]हुनका सभ मे
सँ एकटा, जाहि शिष्य सँ यीशु प्रेम करैत
छलाह, से हुनका छाती सँ ओंगठि कऽ
पड़ल छलनि। [24]सिमोन पत्रुस ओहि
शिष्य कैँ संकेत कऽ कऽ कहलथिन,
“हुनका सँ पुछिऔन जे ककरा बारे मे
कहि रहल छथि।” [25]ओ यीशु पर ओंगठि
कऽ पुछलथिन, “प्रभु, ओ के अछि?”

26 यीशु उत्तर देलथिन, “ओ वैह अछि
जकरा हम रोटीक टुकड़ा बट्टा मे बोड़ि
कऽ देबैक।” तखन ओ रोटीक टुकड़ा
बोड़ि कऽ सिमोन इस्करियोतीक बेटा
यहूदा कैँ देलथिन। [27]यहूदा कैँ रोटीक
टुकड़ा लितहि, शैतान ओकरा मे पैसि
गेलैक। तखन यीशु ओकरा कहलथिन,
“जे काज तोँ करऽ पर छह, से जल्दी
करह!” [28]मुदा भोजन पर बैसल व्यक्ति
सभ मे सँ केओ नहि बुझलनि जे यीशु
किएक ओकरा ई बात कहलथिन।
[29]किछु गोटे सोचलनि जे यहूदा लग
पाइक बटुआ रहला सँ हुनकर कहबाक
तात्पर्य छलनि जे, जे किछु पाबनिक लेल
हमरा सभ कैँ आवश्यक अछि से किनह,
वा ई जे गरीब सभ मे किछु बाँटि दहक।
[30]यहूदा रोटीक टुकड़ा लेलाक बाद तुरत
बाहर चल गेल, ओ रातुक समय छल।

नव आज्ञा

31 जखन यहूदा बाहर चल गेल, तखन
यीशु बजलाह, “आब मनुष्य-पुत्रक महिमा

13:18 भजन 41.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रगट होयतैक, और ओकरा मे परमेश्‍वरक
महिमा प्रगट होयतनि। 32जँ ओकरा मे
परमेश्‍वरक महिमा प्रगट होयतनि, तँ
परमेश्‍वर सेहो अपना मे ओकर महिमा
प्रगट करताह, और बहुत जल्दी करताह।
33“यौ हमर बौआ सभ! कनेके काल
आओर हम अहाँ सभक संग छी। अहाँ
सभ हमरा ताकब, और जेना हम यहूदी
सभ केँ कहलियनि, तेना अहूँ सभ केँ
कहैत छी जे, जतऽ हम जा रहल छी ततऽ
अहाँ सभ नहि आबि सकैत छी। 34एक
नव आज्ञा हम अहाँ सभ केँ दैत छी—एक-
दोसर सँ प्रेम करू। जेना हम अहाँ सभ सँ
प्रेम कयने छी तेना अहूँ सभ एक-दोसर सँ
प्रेम करू। 35एहि सँ सभ लोक जानत जे
अहाँ सभ हमर शिष्य छी, अर्थात् अहाँ
सभ जँ एक-दोसर सँ प्रेम करब, ताहि सँ।”

यीशु पत्रुसक कमजोरीक विषय मे जनैत छलाह

(मत्ती 26.31-35; मरकुस 14.27-31; लूका 22.31-34)

36सिमोन पत्रुस हुनका सँ पुछलथिन,
“प्रभु, अहाँ कतऽ जा रहल छी?” यीशु
बजलाह, “हम जतऽ जा रहल छी, ततऽ
अहाँ एखन हमरा पाछाँ-पाछाँ नहि आबि
सकब, लेकिन बाद मे अहाँ हमरा पाछाँ
आयब।”
37पत्रुस कहलथिन, “प्रभु, हम अहाँक
पाछाँ-पाछाँ एखन किएक नहि आबि
सकैत छी? हम अहाँक लेल अपन प्राणो
देब!”
38यीशु बजलाह, “की अहाँ वास्तव
मे हमरा लेल अपन प्राण देब? हम अहाँ
केँ सत्य कहैत छी जे, मुर्गा केँ बाजऽ सँ
पहिनहि, अहाँ तीन बेर हमरा अस्वीकार
कऽ कऽ लोक केँ कहबैक जे, हम ओकरा
चिन्हबो नहि करैत छिऐक।”

“रस्ता हमहीं छी”

14 “अहाँ सभ अपना मोन मे
घबड़ाउ नहि। परमेश्‍वर पर
विश्‍वास करैत रहू और हमरो पर विश्‍वास
करैत रहू। 2हमरा पिताक घर मे बहुते रहऽ
वला जगह अछि, और हम अहाँ सभक
लेल जगह तैयार करऽ जा रहल छी। ई
बात जँ नहि रहैत तँ हम अहाँ सभ केँ कहि
दितहुँ। 3और जँ हम अहाँ सभक लेल
जगह तैयार करऽ जा रहल छी, तँ हम फेर
आयब, और अहाँ सभ केँ हम अपना लग
लऽ जायब, जाहि सँ हम जतऽ छी, ततऽ
अहूँ सभ रही। जाहिठाम हम जा रहल छी,
4ताहि ठामक रस्ता अहाँ सभ जनैत छी!”
5थोमा हुनका कहलथिन, “प्रभु, अहाँ
कतऽ जा रहल छी, सेहो हम सभ नहि
जनैत छी। तँ रस्ता कोना जानब?”
6यीशु बजलाह, “रस्ता हमहीं छी, हँ,
और सत्य और जीवन सेहो छी। हमरा
बिनु केओ पिता लग नहि अबैत अछि।
7जँ अहाँ सभ वास्तव मे जनितहुँ जे हम
के छी, तँ हमरा पितो केँ जनितहुँ। आब
हुनका जनिते छी और देखने छी।”
8फिलिपुस हुनका कहलथिन, “प्रभु,
हमरा सभ केँ पिता केँ देखाउ, तखन हम
सभ सन्तुष्ट भऽ जायब।”
9यीशु उत्तर देलथिन, “फिलिपुस! अहाँ
सभक संग हम एतेक दिन सँ छी, आ की
एखनो तक अहाँ नहि जनैत छी जे हम
के छी? जे हमरा देखने अछि से पिता केँ
देखने अछि। तँ अहाँ कोना कहैत छी जे,
हमरा सभ केँ पिता केँ देखाउ? 10की अहाँ
केँ विश्‍वास नहि होइत अछि जे हम पिता

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे छी और पिता हमरा मे छथि? जे बात
हम अहाँ सभ केँ कहैत छी, से हम अपना
दिस सँ नहि कहैत छी, बल्कि पिता, जे
हमरा मे वास करैत छथि, सैह अपन काज
कऽ रहल छथि। 11हमर विश्वास करू जे
हम पिता मे छी और पिता हमरा मे छथि।
आ नहि, तँ हमर काजेक कारण विश्वास
करू। 12हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत छी
जे, हमरा पर विश्वास कयनिहार सेहो वैह
काज सभ करत जे हम करैत छी, और
एहू सँ पैघ काज करत, कारण हम पिता
लग जा रहल छी। 13और अहाँ सभ हमरा
नाम सँ जे किछु माँगब, से हम पूरा करब,
जाहि सँ पुत्र द्वारा परमेश्वरक महिमा
प्रगट होयत। 14जँ हमरा नाम सँ अहाँ सभ
हमरा सँ किछुओ माँगब तँ तकरा हम पूरा
करब।

यीशु सहायक पठौताह

15 “जँ हमरा सँ प्रेम करैत छी तँ हमर
आज्ञाक पालन करब। 16हम पिता सँ
विनती करबनि, और ओ अहाँ सभक
संग अनन्त काल तक रहबाक लेल एक
आओर सहायक देताह, 17अर्थात् सत्यक
आत्मा। हुनका संसार ग्रहण नहि कऽ
सकैत छनि, किएक तँ ओ हुनका ने देखैत
छनि आ ने चिन्हैत छनि। मुदा अहाँ सभ
हुनका चिन्हैत छिऐन, कारण ओ अहाँ सभ
लग रहैत छथि और अहाँ मे वास करताह।
18हम अहाँ सभ केँ अनाथ नहि छोड़ब,
हम अहाँ सभ लग आयब। 19कनेक काल
आओर अछि, तकरबाद फेर संसार हमरा
नहि देखत, मुदा अहाँ सभ हमरा देखब।
हमरा मे वास्तविक जीवन रहबाक कारणेँ
अहूँ सभ जीब। 20ओहि दिन अहाँ सभ
जानि जायब जे हम पिता मे छी और अहाँ
सभ हमरा मे छी, और हम अहाँ सभ मे
छी। 21जे हमर आज्ञा स्वीकार करैत अछि
और मानैत अछि, सैह हमरा सँ प्रेम करैत
अछि। और जे हमरा सँ प्रेम करैत अछि,
तकरा सँ हमर पिता प्रेम करथिन, और
हमहूँ ओकरा सँ प्रेम करब तथा ओकरा
हम अपना केँ देखायब।”

22 तखन यहूदा (यहूदा इस्करियोती
नहि, दोसर) हुनका कहलथिन, “प्रभु, ई
की भेल जे अहाँ अपना केँ हमरे सभ केँ
देखायब आ संसार केँ नहि?”

23 यीशु बजलाह, “जँ केओ हमरा
सँ प्रेम करैत अछि तँ ओ हमर वचनक
अनुसार चलत। हमर पिता ओकरा सँ
प्रेम करथिन और हम सभ ओकरा लग
आबि कऽ ओकरा मे अपन निवास-स्थान
राखब। 24जे हमरा सँ प्रेम नहि करैत
अछि, से हमर वचनक अनुसार नहि
चलत। और ई बात जे अहाँ सभ एखन
सुनि रहल छी, से हमर नहि अछि; पिता
जे हमरा पठौलनि, तिनकर छनि।

25 “ई सभ बात हम अहाँ सभ लग
रहितहि कहि देने छी। 26मुदा ओ
सहायक, अर्थात् पवित्र आत्मा, जिनका
पिता हमरा नाम सँ पठौताह, से अहाँ सभ
केँ सभ बात सिखा देताह, और हम जे
किछु अहाँ सभ केँ कहने छी, से सभ बात
अहाँ सभ केँ मोन पाड़ि देताह।

27 “शान्ति हम अहाँ सभ केँ दऽ जाइत
छी। अपन शान्ति हम अहाँ सभ केँ दैत
छी। जेना संसार दैत अछि, तेना हम नहि
दैत छी। अहाँ सभ अपना मोन मे नहि
घबड़ाउ, आ ने भयभीत होउ।

28 “अहाँ सभ हमरा कहैत सुनलहुँ जे,
हम जा रहल छी आ फेर अहाँ सभ लग
आबि रहल छी। जँ अहाँ सभ हमरा सँ प्रेम

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करितहुँ तँ आनन्द मनबितहुँ जे हम पिता
लग जा रहल छी, कारण पिता हमरा सँ
पैघ छथि। 29ई होमऽ सँ पहिनहि हम एखने
ई बात कहि दैत छी, जाहि सँ ई भेला पर
अहाँ सभ विश्वास राखब। 30हम आब
अहाँ सभ सँ बेसी बात नहि करब, किएक
तँ एहि संसारक शासक आबि रहल अछि।
हमरा पर ओकरा कोनो अधिकार नहि
छैक। 31मुदा संसार केँ ई जनबाक छैक जे
हम पिता सँ प्रेम करैत छी और सभ किछु
हुनकर आज्ञाक अनुसार करैत छी। आब
उठू, अपना सभ एतऽ सँ चली।"

"हम अंगूर-लत्ती छी"

15 "वास्तविक अंगूर-लत्ती हमहीं
छी, और हमर पिता किसान
छथि। 2प्रत्येक ठाढ़ि जे हमरा मे अछि
और फड़ैत नहि अछि, तकरा ओ काटि
दैत छथिन, और प्रत्येक ठाढ़ि जे फड़ैत
अछि तकरा ओ छँटैत छथिन, जाहि सँ
ओ शुद्ध भऽ कऽ आओर फड़त। 3अहाँ
सभ तँ हमर ओहि वचन द्वारा, जे हम अहाँ
सभ केँ कहने छी, शुद्ध छीहे। 4हमरा मे
रहैत रहू, जेना हम अहाँ सभ मे। जहिना
ठाढ़ि अपने सँ नहि फड़ि सकैत अछि,
बल्कि तखने जखन लत्ती मे रहैत अछि,
तहिना अहूँ सभ तखने फड़ि सकैत छी जँ
हमरा मे रहैत रहब।

5 "हम अंगूर-लत्ती छी। अहाँ सभ ठाढ़ि
छी। जे हमरा मे रहैत अछि और हम
ओकरा मे, सैह बहुत फड़ैत अछि, कारण
हमरा बिनु अहाँ सभ किछु नहि कऽ
सकैत छी। 6जँ केओ हमरा मे नहि रहैत
अछि, तँ ओ काटल ठाढ़ि जकाँ होइत
अछि जे फेकल जाइत अछि और सुखि
जाइत अछि। एहन ठाढ़ि जमा कयल
जाइत अछि, तखन आगि मे फेकल और
जराओल जाइत अछि। 7जँ हमरा मे रहब
और हमर वचन अहाँ मे रहत तँ, जे किछु
चाहैत छी से माँगू, और अहाँक लेल भऽ
जायत। 8हमर पिताक महिमा एहि मे
प्रगट होयत जे अहाँ सभ हमर शिष्य भऽ
कऽ बहुत फड़ैत रहब। अहाँ सभ बहुत
फड़ब आ एहि तरहेँ हमर शिष्य ठहरब।

9 "जहिना पिता हमरा सँ प्रेम कयने
छथि, तहिना अहाँ सभ सँ हम प्रेम कयने
छी। आब हमरा प्रेम मे रहू। 10अहाँ सभ जँ
हमर आदेश केँ मानब तँ हमरा प्रेम मे रहब,
जेना हम पिताक आदेश केँ मानने छी और
हुनकर प्रेम मे रहैत छी। 11ई बात हम एहि
लेल कहैत छी जे हमर आनन्द अहाँ सभ मे
रहय और अहाँ सभक आनन्द पूर्ण होअय।
12हमर आदेश ई अछि जे, जेना हम अहाँ
सभ सँ प्रेम कयने छी, तेना अहाँ सभ एक-
दोसर सँ प्रेम करू। 13एहि सँ बड़का प्रेम
कोनो नहि अछि जे, केओ अपन मित्रक
लेल अपन प्राण देअय। 14जँ अहाँ सभ
हमर आदेश केँ पालन करैत छी तँ अहाँ
सभ हमर मित्रे छी। 15आब हम अहाँ सभ
केँ 'दास' नहि कहब, कारण दास नहि
जनैत अछि जे ओकर मालिक की करैत
छथि। मुदा अहाँ सभ केँ हम 'मित्र' कहने
छी, किएक तँ जे किछु हम अपना पिता
सँ सुनने छी, से सभ अहाँ सभ केँ कहि
देने छी। 16अहाँ सभ हमरा नहि चुनलहुँ।
हमहीं अहाँ सभ केँ चुनलहुँ, और नियुक्त
कयलहुँ जे अहाँ सभ जा कऽ फड़ैत रही,
तथा अहाँ सभक फल स्थायी रहय, जाहि
सँ जे किछु अहाँ सभ हमरा नाम सँ पिता
सँ माँगब, से ओ पूरा करताह। 17हम अहाँ
सभ केँ ई आदेश दैत छी, जे एक-दोसर सँ
प्रेम करू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

संसारक दुश्मनी

18 “जँ संसार अहाँ सभ सँ घृणा करैत
अछि तँ मोन राखू जे अहाँ सभ सँ पहिनहि
हमरा सँ घृणा कयने अछि। **19**अहाँ सभ
जँ संसारक रहितहुँ तँ ओ अहाँ सभ सँ
अपन लोक जकाँ प्रेम करैत। मुदा अहाँ
सभ संसारक नहि छी। हम अहाँ सभ केँ
संसार मे सँ चुनि लेने छी, और तेँ संसार
अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि। **20**जे बात
हम अहाँ सभ केँ कहलहुँ, तकरा मोन
राखू, जे ‘दास अपना मालिक सँ पैघ नहि
होइत अछि।’ जँ ओ सभ हमरा सतौने
अछि तँ अहूँ सभ केँ सताओत। जँ हमर
बात मानने अछि तँ अहूँ सभक मानत।
21ओ सभ अहाँ सभक संग एहन व्यवहार
हमरा नामक कारणेँ करत, किएक तँ ओ
सभ तिनका नहि चिन्हैत छनि जे हमरा
पठौलनि। **22**जँ हम ओकरा सभ लग
नहि आयल रहितहुँ आ ने बात कयने
रहितिऐक तँ ओ सभ पापक दोषी नहि
होइत। मुदा आब अपना पाप सँ बचबाक
लेल ओकरा सभ केँ कोनो बहाना नहि
छैक। **23**जे हमरा सँ घृणा करैत अछि,
से हमरा पितो सँ घृणा करैत अछि।
24जँ ओकरा सभक बीच हम ओ काज
नहि कयने रहितहुँ जे आओर केओ नहि
कयलक, तँ ओ सभ पापक दोषी नहि
होइत, मुदा आब ओ सभ हमरा और
हमरा पिता दूनू केँ देखनो अछि आ घृणो
कयने अछि। **25**मुदा ई एहि लेल भेल जे
ओकरा सभक धर्म-नियम मे लिखल ई
कथन पूरा होअय जे, ‘ओ सभ हमरा सँ
बिनु कारणेँ घृणा कयलक।’*

26 “जखन सहायक औताह, जिनका
हम पिताक ओहिठाम सँ अहाँ सभ लग
पठा देब, अर्थात् सत्यक आत्मा, जे पिता
मे सँ निकलैत छथि, तखन ओ हमरा बारे
मे गवाही देताह, **27**और अहूँ सभ हमरा
बारे मे गवाही देब, किएक तँ अहाँ सभ
शुरुए सँ हमरा संग छी।

16 “ई सभ बात हम अहाँ सभ केँ
एहि लेल कहि दैत छी जे अहाँ
सभ विश्वास केँ नहि छोड़ी। **2**ओ सभ
अहाँ सभ केँ सभाघर सँ बारि देत। हँ,
ओ समय आबि रहल अछि जे, जे अहाँ
सभ केँ जान सँ मारि देत से बुझत जे ओ
परमेश्वरक धर्म-कर्म कऽ रहल अछि।
3ई काज ओ सभ एहि लेल करत जे ओ
सभ ने हमरा आ ने हमरा पिता केँ कहियो
चिन्हने अछि। **4**मुदा ई सभ बात हम अहाँ
सभ केँ कहि दैत छी जाहि सँ जखन ओ
समय आओत तखन अहाँ सभ मोन राखब
जे हम एहि विषय मे कहि देने छी।

पवित्र आत्माक काज

“ई बात सभ हम शुरू सँ नहि कहलहुँ,
कारण हम अहाँ सभक संग छलहुँ।
5मुदा आब हम तिनका लग जा रहल छी
जे हमरा पठौलनि, तैयो अहाँ सभ मे सँ
केओ नहि हमरा सँ पुछैत छी जे, अहाँ
कतऽ जा रहल छी, **6**बल्कि हमर एहि
कथनक कारणेँ अहाँ सभक मोन शोक
सँ भरि गेल अछि। **7**मुदा हम सत्ये कहैत
छी जे ई अहाँ सभक हितक लेल अछि जे
हम जा रहल छी, किएक तँ जँ हम नहि
जायब तँ सहायक नहि औताह, लेकिन जँ
हम जायब तँ हम हुनका अहाँ सभ लग

15:25 भजन 35.19; भजन 69.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पठा देबनि। 8ओ जखन औताह तँ पाप,
धार्मिकता आ न्यायक विषय मे संसारक
दोष सिद्ध करथिन। 9ओकर दोष पापक
विषय मे एहि लेल सिद्ध होयतैक, जे ओ
सभ हमरा पर विश्वास नहि करैत अछि;
10धार्मिकताक विषय मे एहि लेल जे हम
पिता लग जा रहल छी आ अहाँ सभ हमरा
फेर नहि देखब; 11और न्यायक विषय मे
एहि लेल जे, ओ जे एहि संसारक शासक
अछि से दोषी ठहरि गेल अछि।

12“हमरा अहाँ सभ केँ आओर बहुत
किछु कहबाक अछि, मुदा एखन अहाँ सभ
ओकरा नहि सहि सकैत छी। 13सत्यक
आत्मा जखन औताह तखन ओ अहाँ
सभ केँ पूर्ण सत्य बुझौताह, कारण ओ
अपना तरफ सँ नहि बजताह, बल्कि जे ओ
सुनताह सैह बजताह, और भविष्य मे होमऽ
वला बात अहाँ सभ केँ कहि देताह। 14ओ
हमर महिमा प्रगट करताह कारण जतेक
बात ओ अहाँ सभ केँ कहताह, से हमरा सँ
लऽ लेने रहताह। 15जे किछु पिताक छनि,
से सभ हमर अछि। एहि कारणेँ हम कहलहुँ
जे, आत्मा जे किछु अहाँ सभ केँ कहताह
से हमरा सँ लऽ लेने रहताह।

“दुःख सुख मे बदलि जायत”

16“आब कनेक काल मे अहाँ सभ
हमरा नहि देखब, तखन फेर कनेक
कालक बाद हमरा देखब।”

17एहि पर हुनकर किछु शिष्य एक-
दोसर सँ कहऽ लगलाह, “हुनकर एहि
कथनक की अर्थ भेल जे ‘कनेक काल मे
अहाँ सभ हमरा नहि देखब’, और, ‘तखन
तकरा कनेक कालक बाद हमरा फेर
देखब’, और एकर जे, ‘कारण, हम पिता
लग जा रहल छी’?” 18ओ सभ कहऽ
लगलाह, “हुनकर एहि ‘कनेक काल’क की
कहबाक मतलब छनि? हम सभ नहि बुझि
पबैत छी जे ओ की कहि रहल छथि।”

19यीशु जनैत छलाह जे ओ सभ हुनका
सँ पुछऽ चाहैत छथि, तेँ ओ हुनका सभ केँ
कहलथिन, “की अहाँ सभ एक-दोसर सँ
पुछि रहल छी जे हमर की कहबाक अर्थ
छल जखन हम कहलहुँ जे, कनेक काल
मे अहाँ सभ हमरा नहि देखब, और, तखन
तकरा कनेक कालक बाद हमरा फेर
देखब? 20हम अहाँ सभ केँ सत्ये कहैत
छी जे अहाँ सभ कन्ना-रोहटि आ विलाप
करब जखन कि संसार आनन्द मनाओत।
अहाँ सभ शोक मनायब, मुदा अहाँ सभक
शोक आनन्द मे बदलि जायत। 21जखन
स्त्री बच्चा केँ जन्म दैत अछि तँ ओकरा
दर्द होइत छैक, कारण ओकर समय आबि
गेल रहैत छैक, मुदा जखन ओ बच्चा केँ
जन्म दऽ दैत अछि तँ ओ एहि खुशी मे जे
एक नव बच्चा संसार मे जन्म लेलक,
अपना पीड़ा केँ बिसरि जाइत अछि।
22तहिना, अहाँ सभ एखन शोक मनबैत
छी, मुदा हम अहाँ सभ केँ फेर देखब आ
तखन अहाँ सभक मोन आनन्द सँ भरि
जायत, और अहाँ सभक आनन्द केओ
नहि अहाँ सभ सँ छिनत। 23ओहि समय मे
अहाँ सभ हमरा सँ कोनो प्रश्न नहि पुछब।

“हम अहाँ सभ केँ विश्वास दिअबैत
छी जे, जँ अहाँ सभ पिता सँ किछु माँगब
तँ ओ अहाँ सभ केँ हमरा नाम सँ देताह।
24एखन तक अहाँ सभ हमरा नाम सँ नहि
किछु मँगने छी। माँगू और अहाँ सभ प्राप्त
करब, आ ताहि सँ अहाँ सभक आनन्द
पूर्ण भऽ जायत।

25“ई सभ बात हम अहाँ सभ केँ
झाँपल भाषा मे कहि देने छी। मुदा समय

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आबि रहल अछि जखन हम झाँपल
भाषा मे नहि बाजब, बल्कि पिताक
विषय मे अहाँ सभ केँ स्पष्ट कहब।
26 ओहि समय मे अहाँ सभ हमरा नाम
सँ माँगब। हम ई नहि कहैत छी जे
हम अहाँ सभक लेल पिता सँ माँगब।
27 नहि, पिता अपने अहाँ सभ सँ प्रेम
करैत छथि, कारण अहाँ सभ हमरा सँ
प्रेम कयने छी आ विश्वास कयने छी
जे हम पिता लग सँ अयलहुँ। 28 हम
पिता लग सँ संसार मे अयलहुँ, आब
फेर संसार केँ छोड़ि कऽ पिता लग जा
रहल छी।”

29 तखन हुनकर शिष्य सभ कहल-
थिन, “हँ, आब अहाँ स्पष्ट बाजि रहल
छी, और झाँपल भाषा मे नहि। 30 आब
हम सभ जानि गेलहुँ जे अहाँ केँ सभ
किछु बुझल अछि और अहाँ केँ इहो
आवश्यकता नहि अछि जे केओ अहाँ
लग अपन प्रश्न राखय। एहि कारणेँ
हम सभ विश्वास करैत छी जे अहाँ
परमेश्वर लग सँ आयल छी।”

31 यीशु बजलाह, “की आब विश्वास
करैत छी? 32 देखू! ओ समय आबि रहल
अछि, हँ, आबिओ गेल, जखन अहाँ सभ
छिड़िया जायब। अहाँ सभ अपन-अपन
घर भागि कऽ हमरा असगरे छोड़ि देब।
तैयो हम असगर नहि छी, कारण पिता
हमरा संग छथि।

33 “हम अहाँ सभ केँ ई सभ बात
कहि देने छी जाहि सँ हमरा मे अहाँ सभ
केँ शान्ति भेटय। संसार मे अहाँ सभ पर
संकट आओत, मुदा साहस राखू! हम
संसार पर विजयी भऽ गेल छी।”

अपना लेल यीशुक प्रार्थना

17 यीशु ई सभ बात कहि स्वर्ग
दिस ताकि कऽ कहलनि, “हे
पिता! समय आबि गेल अछि। अपन
पुत्रक महिमा प्रगट करू जाहि सँ पुत्र
अहाँक महिमा प्रगट करय। 2 किएक तँ
अहाँ ओकरा सम्पूर्ण मानव-जातिक उपर
अधिकार देने छी जे, जकरा अहाँ ओकरा
देने छी, तकरा सभ केँ ओ अनन्त जीवन
देअय। 3 अनन्त जीवन ई अछि—अहाँ
एकमात्र सत्य परमेश्वर केँ, और यीशु
मसीह केँ चिन्हनाइ, जकरा अहाँ पठौलहुँ।

4 “जे काज अहाँ हमरा करबाक लेल
देने छलहुँ, से पूरा कऽ कऽ पृथ्वी पर
अहाँक महिमा प्रगट कयलहुँ। 5 आब,
हे पिता, अपना ओहिठाम हमरा ओहि
महिमा सँ परिपूर्ण करू, जे महिमा
संसारक सृष्टि सँ पहिनहि अहाँ लग
हमर छल।

शिष्य सभक लेल प्रार्थना

6 “हम ओहि मनुष्य सभ केँ, जिनका
अहाँ संसार मे सँ हमरा देलहुँ, तिनका सभ
केँ हम अहाँ केँ* चिन्हा देने छिऐन। ई सभ
अहींक छलाह, अहाँ हिनका सभ केँ हमरा
देलहुँ, और ई सभ अहाँक वचन मानने
छथि। 7 आब ई सभ जानि गेल छथि जे, जे
किछु अहाँ हमरा देने छी से वास्तव मे अहीं
सँ भेटल अछि। 8 कारण, जे अहाँ हमरा
सिखौलहुँ, से हम हिनका सभ केँ सिखौने
छी, और ई सभ ओहि शिक्षा केँ स्वीकार
कयने छथि, और पूर्ण रूप सँ जानि गेल
छथि जे हम अहाँ लग सँ आयल छी। आब

17:6 अक्षरशः “अहाँक नाम”। तहिना पद 26 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हिनका सभ केँ विश्वास भऽ गेलनि जे अहाँ
हमरा पठौने छी।
9“हम हिनका सभक लेल प्रार्थना कऽ
रहल छी। संसारक लेल प्रार्थना नहि कऽ
रहल छी, बल्कि तिनका सभक लेल
जिनका अहाँ हमरा देने छी, किएक तँ ई
सभ अहाँक छथि। [10]हमर जे किछु अछि,
से अहाँक अछि, और अहाँक जे किछु
अछि, से हमर अछि। और हिनका सभ
मे हमर महिमा प्रगट भेल अछि। [11]आब
हम संसार मे नहि रहब, मुदा ई सभ संसार
मे रहताह, और हम अहाँ लग आबि रहल
छी। हे पवित्र पिता, अपन नामक शक्ति
द्वारा, जे नाम अहाँ हमरा देलहुँ, ताहि
द्वारा हिनका सभ केँ सुरक्षित राखू जाहि
सँ ई सभ एक रहथि, जेना अपना सभ
एक छी। [12]जा धरि हम हिनका सभक
संग छलहुँ ता धरि हम हिनका सभ केँ
सुरक्षित रखलहुँ और ओहि नाम द्वारा, जे
अहाँ हमरा देलहुँ, हम हिनका सभक रक्षा
कयलहुँ। और ‘विनाशक पुत्र’ केँ छोड़ि
हिनका सभ मे सँ केओ नाश नहि भेलाह,
जाहि सँ धर्मशास्त्रक लेख पूरा होअय।
13“आब हम अहाँ लग आबि रहल
छी, मुदा ई बात हम संसार मे रहिते कहैत
छिऐन, जाहि सँ हमर आनन्द हिनका
सभक मोन मे पूर्ण होनि। [14]हम हिनका
सभ केँ अहाँक वचन देने छिऐन, और
संसार हिनका सभ सँ घृणा करैत छनि,
कारण ई सभ संसारक सन्तान नहि छथि,
जेना हमहूँ नहि छी। [15]हम ई प्रार्थना नहि
करैत छी जे अहाँ हिनका सभ केँ संसार मे
सँ उठा लिअ, बल्कि ई जे हिनका सभ केँ
दुष्ट सँ बचा कऽ राखू। [16]ई सभ संसारक
सन्तान नहि छथि, जेना हमहूँ नहि छी।
[17]हिनका सभ केँ सत्य द्वारा अपना लेल
पवित्र कऽ लिअ; सत्य अहाँक वचन
अछि। [18]जहिना अहाँ हमरा संसार मे पठा
देलहुँ, तहिना हम हिनका सभ केँ संसार मे
पठा देने छी। [19]हिनका सभक लेल हम
अपना केँ समर्पित करैत छी जाहि सँ इहो
सभ सत्य द्वारा समर्पित भऽ जाथि।

सभ विश्वासीक लेल प्रार्थना

20“हम मात्र हिनके सभक लेल प्रार्थना
नहि करैत छी, बल्कि हुनको सभक लेल
जे हिनका सभक गवाही द्वारा हमरा पर
विश्वास करताह। [21]हमर प्रार्थना ई अछि
जे ओ सभ एक होथि। हे पिता, जहिना अहाँ
हमरा मे छी और हम अहाँ मे छी तहिना
ओहो सभ अपना सभ मे रहथि, जाहि सँ
संसार विश्वास करत जे अहीं हमरा पठौने
छी। [22]जे महिमा अहाँ हमरा देलहुँ से हम
हुनका सभ केँ दऽ देने छिऐन, जाहि सँ ओ
सभ एक होथि, जेना अपना सभ एक छी—
[23]हँ, हम हुनका सभ मे और अहाँ हमरा मे,
जाहि सँ ओ सभ पूर्ण एकता मे सिद्ध भऽ
जाथि। तखन संसार जानि जायत जे अहाँ
हमरा पठौलहुँ और हुनका सभ सँ ओतेक
प्रेम रखने छियनि जतेक हमरा सँ रखने छी।
24“हे पिता, हम चाहैत छी जे, जिनका
सभ केँ अहाँ हमरा देने छी, से सभ हमरा
संग ओतऽ रहथि जतऽ हम रहब और हम
चाहैत छी जे ओ सभ हमर ओहि महिमा
केँ देखथि जे अहाँ हमरा एहि लेल देने छी
जे अहाँ संसारक सृष्टि सँ पहिनहि हमरा
सँ प्रेम कयलहुँ।
25“हे धर्ममय न्यायी पिता! संसार अहाँ
केँ नहि चिन्हैत अछि मुदा हम अहाँ केँ
चिन्हैत छी, और ई सभ आब जनैत छथि जे
अहाँ हमरा पठौने छी। [26]हम हिनका सभ
केँ अहाँ केँ चिन्हा देने छिऐन तथा अहाँ केँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चिन्हबैत रहबनि जाहि सँ ओ प्रेम जे अहाँ
हमरा सँ करैत छी से हिनका सभ मे रहतनि
और हम हिनका सभ मे रहबनि।”

यीशु बन्दी बनाओल गेलाह

(मत्ती 26.47-56; मरकुस 14.43-50; लूका 22.47-53)

18 ई सभ बात कहलाक बाद यीशु
अपना शिष्य सभक संग विदा
भेलाह और किद्रोन नामक बरसाती नदी
कैँ पार कयलनि। ओहि पार एक गाछी
छल, जाहि मे ओ अपना शिष्य सभक संग
गेलाह। 2हुनका पकड़बाबऽ वला, यहूदा,
ई जगह जनैत छल, किएक तँ यीशु बहुत
बेर अपना शिष्य सभक संग ओहिठाम
जाइत छलाह। 3तँ सेनाक एक दल कैँ,
और मुख्यपुरोहित आ फरिसी सभक दिस
सँ उपलब्ध कराओल गेल सिपाही सभ
कैँ लऽ कऽ, यहूदा ओहि गाछी मे आयल।
संग मे ओ सभ लालटेम, मशाल, और
हाथ-हथियार रखने छल।
4 यीशु ई जनैत जे हुनका संग की सभ
घटत, आगाँ बढ़ि कऽ ओकरा सभ सँ
पुछलथिन, “अहाँ सभ ककरा ताकि रहल
छी?”
5 ओ सभ उत्तर देलकनि, “नासरत-
निवासी यीशु कैँ।”
यीशु कहलथिन, “ओ हमहीं छी।”
(हुनका पकड़बाबऽ वला, यहूदा, ओतऽ
ओकरा सभक संग ठाढ़ छल।) 6जखने
यीशु कहलथिन जे, ओ हमहीं छी, ओ सभ
पाछाँ हटि कऽ जमीन पर खसि पड़ल।
7 तँ यीशु फेर पुछलथिन, “ककरा ताकि
रहल छी?” और ओ सभ कहलकनि,
“नासरत-निवासी यीशु कैँ।” 8यीशु
बजलाह, “हम अहाँ सभ कैँ कहिए देने
छी जे, ओ हमहीं छी। हमरा जँ ताकि रहल
छी तँ हिनका सभ कैँ जाय दिऔन।” 9(ई
एहि लेल भेल जे हुनकर ई कहल वचन
पूरा होअय जे, अहाँ जिनका सभ कैँ हमरा
देलहुँ, तिनका सभ मे सँ हम एकोटा कैँ
नाश नहि होमऽ देलहुँ।*)
10 तखन सिमोन पत्रुस, जिनका लग
तरुआरि छलनि, से तरुआरि निकालि
कऽ महापुरोहितक नोकर पर चला कऽ
ओकर दहिना कान उड़ा देलनि। ओहि
नोकरक नाम मलखुस छल। 11यीशु पत्रुस
कैँ कहलथिन, “अहाँ अपन तरुआरि
म्यान मे राखि लिअ! की हम ओहि बाटी
कैँ नहि पिबू जे पिता हमरा देने छथि?”
12 तखन सेनाक दल और ओकर
कप्तान आ यहूदी सभक सिपाही सभ
यीशु कैँ पकड़लकनि और हुनका बान्हि
लेलकनि। 13पहिने हुनका हन्ना लग
लऽ गेलनि, जे ओहि वर्षक महापुरोहित
काइफाक ससुर छलाह। 14काइफा
वैह छथि जे यहूदी सभ कैँ सल्लाह देने
छलाह, जे जनताक लेल एक व्यक्तिक
मरनाइ नीक होइत।

पत्रुस द्वारा यीशु कैँ अस्वीकार

(मत्ती 26.69-70; मरकुस 14.66-68; लूका 22.55-57)

15 सिमोन पत्रुस आ एक आरो शिष्य
यीशुक पाछाँ-पाछाँ गेलाह। ई शिष्य
महापुरोहित सँ परिचित होयबाक कारणेँ
यीशुक संग सोझे आङन मे चल गेलाह।
16मुदा पत्रुस द्वारिक बाहरे ठाढ़ रहलाह।

18:9 यूहन्ना 6:39

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तखन ओ शिष्य जे महापुरोहित सँ परिचित
छलाह, से फेर आबि द्वारिक चौकीदारी
करऽ वाली टहलनी सँ बात कऽ कऽ
पत्रुस केँ भीतर लऽ अयलाह।
17 ओ टहलनी पत्रुस केँ पुछलकनि,
“कहीं अहूँ एहि आदमीक शिष्य तँ नहि
छी?” ओ कहलथिन, “हम नहि छी।”
18 जाड़क मास छल, और नोकर आ
सिपाही सभ कोइलाक घूर लगा चारू
कात ठाढ़ भऽ कऽ आगि तपैत छल।
पत्रुसो ओकरा सभक संग आगि तपैत
ठाढ़ छलाह।

महापुरोहित द्वारा पूछ-ताछ

(मत्ती 26.59-66; मरकुस 14.55-64;
लूका 22.66-71)

19 एहि बीच महापुरोहित यीशु
सँ हुनकर शिष्य सभक बारे मे
और सिद्धान्तक विषय मे पूछ-ताछ
कयलथिन। 20 यीशु हुनका उत्तर
देलथिन, “हम तँ खुलल रूपेँ सभ सँ बात
कयने छी। हम सदिखन सभाघर सभ
मे और मन्दिर मे जाहिठाम सभ यहूदी
जुटि जाइत अछि शिक्षा दैत रहलहुँ। हम
गुप्त रूप सँ किछु नहि कहलहुँ। 21 हमरा
किएक पुछैत छी? जे हमर बात सुनने
अछि, तकरा सभ सँ पुछि लिऔक जे
हम की शिक्षा देलहुँ। ओ सभ जनैत
अछि जे हम की कहलहुँ।”
22 हुनकर ई कहला पर, लग मे ठाढ़
एक सिपाही हुनका एक चमेटा मारलकनि
और कहलकनि, “महापुरोहित केँ तोँ एहि
प्रकारेँ उत्तर दैत छहुन?” 23 यीशु बजलाह,
“जँ हम अनुचित बाजल छी, तँ तकर
प्रमाण दिअ। मुदा जँ हम ठीक कहने छी
तँ हमरा किएक मारैत छी?”
24 तखन हन्ना यीशु केँ बान्हले
महापुरोहित काइफा लग पठा देलथिन।

पत्रुस फेर अस्वीकार कयलनि

(मत्ती 26.71-75; मरकुस 14.69-72;
लूका 22.58-62)

25 एम्हर सिमोन पत्रुस आगि तपैत ठाढ़
छलाह। तँ लोक सभ हुनका पुछलकनि,
“की अहूँ ओकरे चेला सभ मे सँ नहि
छी?” ओ अस्वीकार करैत बजलाह,
“हम नहि छी।”
26 महापुरोहितक एकटा नोकर, जे ओहि
आदमीक सम्बन्धी छल जकरा पत्रुस कान
छपटि देने छलाह, से हुनका सँ पुछलकनि,
“की हम अहाँ केँ ओकरा संग गाछी मे नहि
देखने छलहुँ?” 27 पत्रुस फेर अस्वीकार
कयलनि, और तुरत मुर्गा बाजि उठल।

राज्यपाल पिलातुसक समक्ष यीशु

(मत्ती 27.1-2, 11-18, 21; मरकुस 15.1-10;
लूका 23.1-5, 13-25)

28 तखन यीशु केँ काइफाक ओहिठाम
सँ रोमी राज्यपालक भवन मे लऽ गेलनि।
आब भोर भऽ गेल छल, और एहि डरेँ
जे छुआ जायब आ फसह-भोज नहि खा
सकब, यहूदी सभ अपने राजभवन मे नहि
पैसल। 29 तँ पिलातुस ओकरा सभ लग
बाहर अयलाह और पुछलथिन, “एहि
व्यक्ति पर की दोष लगबैत छी?”
30 ओ सभ उत्तर देलक, “ओ जँ
अपराधी नहि रहैत तँ हम सभ ओकरा अहाँ
केँ नहि सौंपितहुँ!” 31 पिलातुस कहलथिन,
“अहीं सभ ओकरा लऽ जा कऽ अपन धर्म-
नियमक अनुसार ओकर न्याय करिऔक।”
यहूदी सभ उत्तर देलक, “ककरो
मृत्युदण्ड देनाइ हमरा सभक अधिकार

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे नहि अछि।” 32ई एहि लेल भेल जे
यीशुक कहल बात पूरा होअय जाहि द्वारा
ओ संकेत देने रहथि जे हुनकर मृत्यु कोन
तरहेँ होयतनि।

33 तखन पिलातुस राजभवन मे फेर
गेलाह और यीशु केँ अपना सामने मे बजा
कऽ पुछलथिन, “की अहाँ यहूदी सभक
राजा छी?” 34यीशु उत्तर देलथिन, “की ई
बात अहाँ अपना दिस सँ पुछि रहल छी,
वा दोसर लोक हमरा बारे मे कहने अछि?”

35 पिलातुस बजलाह, “की हम
यहूदी छी? अहींक लोक और अहींक
मुख्यपुरोहित सभ अहाँ केँ हमरा हाथ मे
सौंपि देने अछि। अहाँ की कयने छी?”

36 यीशु कहलथिन, “हमर राज्य
एहि संसारक नहि अछि। जँ हमर राज्य
एहि संसारक रहैत तँ हमर सेवक सभ
लड़ैत जाहि सँ हम यहूदी सभक हाथ
नहि पड़ितहुँ। मुदा नहि! हमर राज्य एहि
संसारक नहि अछि!”

37 तखन पिलातुस बजलाह, “तखन
राजा तँ छी?” यीशु उत्तर देलथिन, “से
अहीं कहि रहल छी। हम एहि लेल जन्म
लेलहुँ और संसार मे अयलहुँ जे हम सत्यक
गवाही दी, और जे सभ सत्यक पक्ष मे
छथि से सभ हमर बात सुनैत छथि।”

38 पिलातुस बजलाह, “सत्य अछि
की?” आ फेर यहूदी सभ लग बाहर
अयलाह और ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“ओकरा मे हम दोष लगयबाक कोनो
आधार नहि पबैत छी। 39लेकिन अहाँ
सभक एक प्रथा अछि जे फसह-पाबनिक
अवसर पर हम अहाँ सभक लेल एक
कैदी केँ छोड़ैत छी। तँ की अहाँ सभ
चाहैत छी जे हम अहाँ सभक लेल ‘यहूदी
सभक राजा’ केँ छोड़ि दी?” 40एहि पर
ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला कऽ कऽ कहऽ
लागल, “नहि! एकरा नहि! बरब्बा केँ!”
बरब्बा एक क्रान्तिकारी अपराधी छल।

यीशु केँ मृत्युदण्ड

(मत्ती 27.27-31; मरकुस 15.15-20)

19 तखन पिलातुस यीशु केँ लऽ जा
कऽ हुनका कोड़ा लगबौलनि।
2सैनिक सभ काँटक मुकुट बना कऽ
यीशुक माथ पर रखलकनि, और हुनका
बैगनी रंगक राजसी वस्त्र पहिरा कऽ 3ई
कहैत हुनका लग अबैत रहल जे, “यहूदी
सभक राजा, प्रणाम!” और हुनका चमेटा
मारैत छलनि।

4 पिलातुस फेर बाहर आबि कऽ यहूदी
सभ केँ कहलथिन, “देखू! हम एकरा अहाँ
सभ लग बाहर आनि रहल छिऐक जाहि
सँ अहाँ सभ जानि लेब जे हम एकरा मे
दोष लगयबाक कोनो आधार नहि पबैत
छी!” 5तखन यीशु ओ बैगनी वस्त्र और
काँटक मुकुट पहिरने बाहर अयलाह।
पिलातुस ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“देखू, यैह मनुष्य अछि!”

6 मुदा हुनका देखितहि मुख्यपुरोहित
सभ और हुनकर सभक सिपाही सभ जोर-
जोर सँ हल्ला कयलक, “क्रूस पर चढ़ाउ!
क्रूस पर चढ़ाउ!”

पिलातुस ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“अहीं सभ एकरा लऽ जाउ और क्रूस
पर चढ़ाउ! कारण हम एकरा मे दोष
लगयबाक कोनो आधार नहि पबैत छी।”

7 यहूदी सभ हुनका उत्तर देलकनि,
“हमरा सभक एक नियम अछि, और
ओहि अनुसार ओकरा मृत्युदण्ड भेटबाक
चाही, कारण ओ अपना केँ परमेश्वरक
पुत्र कहने अछि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

8 पिलातुस जखन ई शब्द सुनलनि
तखन आओर डेरा गेलाह। 9 ओ राजभवन
मे फेर जा कऽ यीशु सँ पुछलथिन, "अहाँ
कोन ठाम सँ आयल छी?" मुदा यीशु
कोनो उत्तर नहि देलथिन। 10 तँ पिलातुस
कहलथिन, "की अहाँ हमरा सँ नहि
बाजब? की अहाँ नहि जनैत छी जे अहाँ
केँ छोड़ि देबाक और क्रूस पर चढ़यबाक
सेहो हमर अधिकार अछि?"

11 यीशु बजलाह, "अहाँ केँ हमरा पर
कोनो अधिकार नहि रहैत जँ अहाँ केँ
ऊपर सँ नहि देल गेल रहैत। एहि कारणेँ,
जे अहाँक हाथ मे हमरा सौंपि देलक, से
आओर दोषी अछि।"

12 ई सुनला पर, पिलातुस हुनका छोड़ि
देबाक कोशिश कयलनि, मुदा यहूदी सभ
हल्ला करैत छल जे, "जँ ओकरा छोड़ब
तँ अहाँ सम्राट-कैसरक मित्र नहि भेलहुँ!
जे केओ अपना केँ राजा कहैत अछि से
कैसरक विरोधी अछि!"

13 पिलातुस ई बात सुनि कऽ, यीशु केँ
बाहर अनबौलथिन और ओहि स्थान पर,
जे "पाथरक चबुतरा" आ इब्रानी भाषा मे
"गबथा" कहबैत अछि, न्याय-आसन पर
बैसि गेलाह। 14 ई फसह-पाबनिक तैयारीक
दिन छल, और दुपहरियाक समय भऽ रहल
छल। पिलातुस यहूदी सभ केँ कहलथिन,
"लिअ! देखू, अहाँ सभक राजा!"

15 मुदा ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला
कयलक, "ओकरा लऽ जाउ! लऽ जाउ!
ओकरा क्रूस पर चढ़ाउ!" पिलातुस
ओकरा सभ केँ कहलथिन, "की हम अहाँ
सभक राजा केँ क्रूस पर चढ़ाउ?"

मुख्यपुरोहित सभ उत्तर देलथिन, "कैसर
केँ छोड़ि हमरा सभक आओर केओ राजा
नहि अछि!"

16 तँ अन्त मे पिलातुस हुनका क्रूस
पर चढ़यबाक लेल सैनिक सभक जिम्मा
लगा देलथिन।

क्रूस

*(मत्ती 27.32-44; मरकुस 15.21-32;
लूका 23.26-43)*

17 तँ ओ सभ यीशु केँ लऽ गेलनि। क्रूस
केँ अपने सँ ढो कऽ यीशु बाहर ओहि जगह
पर गेलाह जे "खप्पड़ वला स्थान" (और
इब्रानी भाषा मे "गुलगुता") कहबैत अछि।
18 ओहिठाम ओ सभ हुनका हाथ-पयर मे
काँटी ठोकि कऽ क्रूस पर टाँगि देलकनि
आ हुनका संगे दूटा आरो केँ सेहो, एकटा
केँ एहि कातक क्रूस पर आ दोसर केँ ओहि
कातक क्रूस पर, आ बीचला पर यीशु केँ।

19 पिलातुस एक दोष-पत्र क्रूस पर
लगबा देलनि, जाहि पर लिखल छलैक,
"नासरत-निवासी यीशु, यहूदी सभक
राजा"। 20 एहि सूचना केँ बहुत यहूदी
पढ़लक, किएक तँ जाहि स्थान पर यीशु
क्रूस पर चढ़ाओल गेलाह से शहरक
नजदीक छल, और सूचना इब्रानी,
लतीनी, और यूनानी भाषा मे लिखल
छल। 21 तखन यहूदी सभक मुख्यपुरोहित
सभ पिलातुस केँ कहलथिन, " 'यहूदी
सभक राजा' नहि लिखू! ई लिखू जे,
'एकर कथन छल जे हम यहूदी सभक
राजा छी'।" 22 पिलातुस उत्तर देलथिन,
"हम जे लिखि देलहुँ से लिखि देलहुँ।"

23 सैनिक सभ यीशु केँ क्रूस पर
चढ़ौलाक बाद हुनकर कपड़ा लऽ चारि
भाग मे बाँटि लेलक, प्रत्येक सैनिकक
लेल एक भाग। हुनकर कुर्तो लेलक,
लेकिन कुर्ता बिना सिअनक ऊपर सँ नीचाँ
तक बुनल छल। 24 तँ ओ सभ एक-दोसर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैं कहलक, “एहि कैं नहि फाड़ी। पुरजा
खसा कऽ देखी जे ई ककर होयतैक।” ई
एहि लेल भेल जे धर्मशास्त्रक लेख पूरा
होअय जे,

“ओ सभ हमर कपड़ा अपना मे बाँटि
लेलक
और हमर वस्त्रक लेल पुरजा
खसौलक।”*

और एहिना सैनिक सभ करबो कयलक।
25 यीशुक क्रूस लग हुनकर माय,
मौसी, क्लोपासक स्त्री मरियम, और
मरियम मग्दलीनी ठाढ़ छलीह। 26यीशु
जखन अपना माय कैं और ओहि शिष्य
कैं, जिनका सँ ओ प्रेम करैत छलाह,
लग मे ठाढ़ देखलथिन तखन अपना माय
कैं कहलथिन, “ई अहाँक पुत्र अछि,”
27और शिष्य कैं कहलथिन, “ई अहाँक
माय छथि।” ओही समय सँ ओ शिष्य
हुनका अपना घर लऽ गेलाह।

यीशुक मृत्यु

(मत्ती 27.45-56; मरकुस 15.33-41;
लूका 23.44-49)

28 बाद मे यीशु ई जानि जे आब सभ
किछु पूर्ण भऽ गेल, धर्मशास्त्रक लेख पूरा
करैत कहलनि, “हमरा पियास लागल
अछि।” 29ओहिठाम तिताह दारू सँ भरल
एक बर्तन राखल छल, तैं ओ सभ रूइ
जकाँ एकटा एहन चीज जे पानि सोखैत
अछि से ओहि मे डुबा कऽ जूफाक ठाढ़ि
मे अटका कऽ हुनका मुँह लग देलकनि।
30यीशु ओ लऽ लेलनि आ कहलनि, “पूरा
भेल,” और मूड़ी झुका कऽ प्राण त्यागि
देलनि।

31 ई फसह-पाबनिक तैयारीक दिन छल,
आ दोसरे दिन महा विश्राम-दिन होमऽ
वला छल, और तैं, जाहि सँ विश्राम-दिन मे
लास क्रूस पर टाँगल नहि रहय, यहूदी सभ
पिलातुस सँ विनती कयलनि जे अपराधी
सभ कैं टाँग तोड़ि कऽ मारि देल जाय, आ
लास क्रूस पर सँ उतारि लेल जाय। 32तैं
सैनिक सभ आबि कऽ यीशुक संग क्रूस
पर चढ़ाओल पहिल आदमीक टाँग तोड़ि
देलकैक, तखन दोसरो कैं। 33मुदा जखन
यीशु लग आबि कऽ देखलक जे ओ मरिए
गेल छथि, तैं हुनकर टाँग नहि तोड़लकनि।
34मुदा एक सैनिक हुनका पाँजर मे भाला
भोंकलकनि, और तुरत खून आ पानि बहऽ
लागल। 35जे ई घटना देखलनि, से एकर
गवाही देने छथि, और हुनकर गवाही
पकिया अछि। ओ जनैत छथि जे ओ सत्य
बाजि रहल छथि, और ओ गवाही दैत
छथि जाहि सँ अहूँ सभ विश्वास करब।
36कारण ई सभ बात एहि लेल भेल जाहि सँ
धर्मशास्त्रक लेख पूरा होअय जे, “हुनकर
एकोटा हड्डी नहि तोड़ल जयतनि,”* 37और
जेना धर्मशास्त्रक दोसर कथन अछि, “ओ
सभ तिनका दिस तकतनि, जिनका भोंकने
अछि।”*

कबर मे यीशुक लास

(मत्ती 27.57-61; मरकुस 15.42-47;
लूका 23.50-56)

38 एहि सभक बाद, अरिमतिया नगरक
यूसुफ पिलातुस सँ यीशुक लास मँगलनि।
यूसुफ यीशुक एक शिष्य छलाह, मुदा
गुप्त रूप सँ, कारण ओ यहूदी सभ सँ
डेराइत छलाह। ओ पिलातुस सँ आज्ञा

19:24 भजन 22.18 **19:36** प्रस्थान 12.46; गनती 9.12; भजन 34.20 **19:37** जक 12.10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

माँगि, आबि कऽ यीशुक लास उतारि कऽ
लऽ गेलाह। 39संग मे निकोदेमुस सेहो,
जे शुरू मे रातुक समय यीशु लग आयल
छलाह, लगभग पैंतीस सेर गन्धरस और
मुसब्बरक मिश्रण लऽ कऽ अयलाह।
40ओ सभ यीशुक लास लऽ जा कऽ,
यहूदी सभक गाड़बाक प्रथाक अनुसार,
ओहि सुगन्धित द्रव्य सहित मलमलक
पट्टी सँ लपेटलनि। 41जाहिठाम यीशु केँ
क्रूस पर चढ़ाओल गेल छलनि, ताहिठाम
लग मे एक बगीचा छल। ओहि मे एक
नव कबर बनाओल छल जाहि मे कहियो
कोनो लास नहि राखल गेल छल। 42तँ
यहूदी सभक तैयारीक दिन होयबाक
कारणेँ, और कबर लग मे रहबाक कारणेँ,
ओ सभ यीशु केँ ओहि मे राखि देलथिन।

कबर खाली अछि!

(मत्ती 28.1-8; मरकुस 16.1-8; लूका 24.1-10)

20 सप्ताहक पहिल दिन भोरे
अन्हरोखे मरियम मग्दलीनी
कबर पर गेलीह और देखलनि जे कबरक
मुँह पर सँ पाथर हटाओल गेल अछि। 2ई
देखि ओ दौड़ैत-दौड़ैत सिमोन पत्रुस और
ओहि दोसर शिष्य लग जिनका सँ यीशु
प्रेम करैत छलाह, गेलीह और कहलनि,
“ओ सभ कबर मे सँ प्रभु केँ उठा कऽ लऽ
गेल छनि, और हम सभ नहि जनैत छी जे
हुनका कतऽ रखने छनि!”

3एहि पर पत्रुस और दोसर शिष्य कबर
दिस विदा भेलाह। 4दूनू संग-संग दौड़लाह,
मुदा दोसर शिष्य पत्रुस सँ आगाँ बढ़ि कऽ
कबर पर पहिने पहुँचलाह। 5ओ निहुड़ि
कऽ भीतर तकलनि और ओतऽ पड़ल
मलमल वला पट्टी सभ देखलनि, मुदा
भीतर नहि गेलाह। 6तखन सिमोन पत्रुस
हुनका पाछाँ-पाछाँ पहुँचलाह, और कबर
मे पैसलाह। 7ओ पट्टी सभ केँ ओतऽ पड़ल
देखलनि, और ओहि गमछा केँ सेहो, जाहि
सँ यीशुक मूड़ी लपेटल छल। गमछा पट्टी
सभक संग नहि, बल्कि हटले एक जगह
चौपेतल राखल छल। 8तखन ओ दोसर
शिष्य जे कबर पर पहिने पहुँचल छलाह,
सेहो भीतर गेलाह। ओ देखलनि और
विश्वास कयलनि। 9(एखनो तक ओ
सभ तँ नहि बुझैत छलाह जे धर्मशास्त्रक
कथनानुसार हुनकर मृत्यु मे सँ जीबि
उठनाइ आवश्यक छल।) 10तखन ओ
शिष्य सभ अपन-अपन घर चल गेलाह।

मरियम केँ यीशुक दर्शन

11मुदा मरियम कबरक बाहर कनिते
ठाढ़ रहलीह। कनैत-कनैत ओ निहुड़ि
कऽ कबर मे तकलनि। 12ओ उज्जर
वस्त्र पहिरने दू स्वर्गदूत केँ ओहिठाम
बैसल देखलनि जाहिठाम यीशुक लास
राखल गेल छल, एक सीरहान लग और
दोसर पौथान लग। 13ओ सभ हुनका सँ
पुछलथिन, “बहिन, अहाँ किएक कनैत
छी?” ओ उत्तर देलथिन, “ओ सभ हमरा
प्रभु केँ उठा कऽ लऽ गेल अछि, और हम
नहि जनैत छी जे हुनका कतऽ रखने छनि।”

14ई कहि, ओ घुमलीह और लग मे
ठाढ़ यीशु केँ देखलनि, मुदा ओ नहि
चिन्हलनि जे ई यीशु छथि। 15यीशु हुनका
कहलथिन, “बहिन, अहाँ कनैत किएक
छी? किनका खोजि रहल छिऐन?” ओ
हुनका माली बुझि कऽ कहलथिन, “यौ
मालीजी, अहीं जँ हुनका उठा कऽ लऽ
गेल छिऐन तँ हमरा कहू जे कतऽ रखने
छिऐन। हम जा कऽ हुनका लऽ अनबनि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

16 यीशु बजलाह, “मरियम!” ओ
हुनका दिस घुरि कऽ इब्रानी भाषा मे
कहलथिन, “रब्बुनी!” (जकर अर्थ
अछि “गुरुजी!”) 17यीशु कहलथिन,
“हमरा नहि पकड़ू! कारण हम एखन
पिता लग ऊपर नहि गेल छी। आब
हमर भाय सभक ओहिठाम जा कऽ
कहि दिऔन जे, हम अपना पिता और
अहाँ सभक पिता, अपना परमेश्वर
और अहाँ सभक परमेश्वर लग ऊपर
जा रहल छी।” 18मरियम मग्दलीनी जा
कऽ शिष्य सभ केँ कहलनि, “हम प्रभु
केँ देखने छी!” और ओ हुनका सभ केँ
हुनकर कहल बात सुनौलथिन।

शिष्य सभ केँ यीशुक दर्शन

(लूका 24.36-49)

19 ओहि दिनक साँझ, अर्थात् सप्ताहक
पहिल दिन, जखन शिष्य सभ यहूदी सभक
डरेँ घरक केबाड़ सभ बन्द कऽ कऽ एक
संग बैसल छलाह, तखन यीशु आबि कऽ
हुनका सभक बीच ठाढ़ भऽ गेलाह और
कहलथिन, “अहाँ सभ केँ शान्ति भेटय।”
20ई कहि ओ हुनका सभ केँ अपन हाथ
और पाँजर देखौलथिन। प्रभु केँ देखि शिष्य
सभक आनन्दक कोनो सीमा नहि रहलनि।
21 ओ हुनका सभ केँ फेर कहलथिन,
“अहाँ सभ केँ शान्ति भेटय। जेना हमरा
पिता पठौने छथि, तहिना हमहूँ अहाँ सभ
केँ पठबैत छी।” 22ई कहि ओ हुनका
सभ पर फुकलथिन और कहलथिन,
“पवित्र आत्मा केँ लिअ। 23जँ ककरो
पाप माफ कऽ देबैक, तँ ओकर पाप
माफ भेलैक। जँ ककरो पाप माफ नहि
कऽ देबैक तँ ओकर पाप माफ नहि
भेलैक।”

थोमा केँ यीशुक दर्शन

24 मुदा बारह शिष्य मे सँ एक, थोमा, जे
“जौंआ” कहबैत छथि*, से आरो शिष्य
सभक संग ओहि समय मे नहि छलाह
जखन यीशु आयल छलाह। 25जखन ओ
सभ हुनका कहऽ लगलनि, “हम सभ प्रभु
केँ देखने छी,” तँ ओ कहलथिन, “जा
धरि हम हुनका हाथ मे काँटीक चेन्ह देखि
ओहि छेद मे अपन आङुर नहि पैसायब आ
हुनकर पाँजर मे अपन हाथ नहि धऽ लेब,
ता धरि हम किन्नहुँ नहि विश्वास करब।”
26 आठ दिनक बाद शिष्य सभ फेर घर
मे छलाह, और थोमा सेहो संग छलाह।
केबाड़ सभ बन्द रहितो, यीशु अयलाह
और हुनका सभक मध्य ठाढ़ भऽ
बजलाह, “अहाँ सभ केँ शान्ति भेटय।”
27तखन थोमा केँ कहलथिन, “एहिठाम
अपन आङुर धऽ लिअ, और हमर हाथ
देखि लिअ। अपन हाथ लाउ और हमरा
पाँजर मे धऽ लिअ। अविश्वासी नहि,
विश्वासी बनू।”
28 थोमा उत्तर देलथिन, “हे हमर
प्रभु, हे हमर परमेश्वर!” 29यीशु हुनका
कहलथिन, “अहाँ हमरा देखबाक कारणेँ
विश्वास करैत छी, धन्य छथि ओ सभ जे
बिनु देखनहि विश्वास करैत छथि।”

पोथी लिखबाक प्रयोजन

30 यीशु आरो बहुत चमत्कारपूर्ण चिन्ह
अपना शिष्य सभक समक्ष देखौलनि
जे एहि पुस्तक मे नहि लिखल अछि।

20:24 मूल मे, “थोमा, जे ‘दिदुमुस’ कहबैत छथि”। “दिदुमुस”क अर्थ अछि “जौंआ”।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

31मुदा जे सभ लिखल अछि से एहि
लेल जे अहाँ सभ विश्वास करी जे यीशु
उद्धारकर्ता-मसीह और परमेश्वरक पुत्र
छथि, और जे विश्वास कयला सँ अहाँ
सभ केँ हुनका द्वारा जीवन प्राप्त होअय।

झीलक कात मे शिष्य सभ केँ दर्शन

21 एकरा बाद, तिबिरियास
झीलक* कात यीशु फेर शिष्य
सभ केँ देखाइ देलनि जे एहि तरहेँ भेल—
2सिमोन पत्रुस, थोमा, जे “जौंआ” कहबैत
छथि*, गलीलक काना गामक नथनेल,
जबदीक दू पुत्र, आ दूटा आओर शिष्य
एक संग छलाह। 3सिमोन पत्रुस हुनका
सभ केँ कहलथिन, “हम माछ मारऽ जाइत
छी।” ओ सभ उत्तर देलथिन, “हमहूँ सभ
चलैत छी।” ओ सभ बाहर जा कऽ नाव मे
चढ़लाह, मुदा ओहि राति किछु नहि पकड़ि
सकलाह। 4भोर होइतहि यीशु कछेर पर
ठाढ़ छलाह, मुदा शिष्य सभ नहि चिन्हलनि
जे ई यीशु छथि।

5ओ हुनका सभ केँ सोर पारैत
पुछलथिन, “यौ बाउ सभ! की अहाँ
सभ किछु नहि पकड़ने छी?” ओ सभ
उत्तर देलथिन, “नहि।” 6ओ कहलथिन,
“नावक दहिना कात जाल फेकू तँ बहुत
भेटत।” ओ सभ जाल फेकलनि तँ ततेक
माछ फँसलनि जे ओ सभ जाल नाव मे
नहि खीचि सकैत छलाह।

7तखन ओ शिष्य जिनका सँ यीशु प्रेम
करैत छलाह, पत्रुस केँ कहलथिन, “ई तँ
प्रभु छथि!” ई शब्द सुनितहि जे, ई प्रभु
छथि, सिमोन पत्रुस अपन कपड़ा पहिरि
लेलनि (ओ ई कपड़ा खोलि कऽ रखने
छलाह), और झील मे कुदि पड़लाह।
8मुदा बाँकी शिष्य सभ माछ सँ भरल
जाल खिचैत, नाव मे अयलाह, किएक
तँ कछेर सँ बेसी दूर नहि, लगभग 200
हाथ पर छलाह। 9ओ सभ जखन कछेर
पर अयलाह तखन देखलनि जे कोइलाक
आगि पर माछ राखल अछि, और रोटी
सेहो अछि। 10यीशु हुनका सभ केँ
कहलथिन, “जे माछ अहाँ सभ एखने
पकड़लहुँ, ओहि मे सँ किछु लाउ।”

11सिमोन पत्रुस नाव पर चढ़ि कऽ
जाल कछेर पर खिचलनि। जाल बड़का-
बड़का माछ सँ भरल छल, सभ मिला
कऽ एक सय तिरपन, मुदा एतेक होइतो
जाल नहि फाटल। 12यीशु हुनका सभ केँ
कहलथिन, “आउ, जलखइ कऽ लिअ।”
शिष्य सभ मे सँ किनको हुनका सँ ई
पुछबाक साहस नहि भेलनि जे, अहाँ के
छी? ओ सभ तँ जनैत छलाह जे ई प्रभु
छथि। 13तखन यीशु अयलाह, आ रोटी
लऽ कऽ हुनका सभ केँ देलथिन, और
तहिना माछो। 14ई आब तेसर बेर अछि
जे यीशु मृत्यु मे सँ जिआओल गेलाक बाद
शिष्य सभ केँ देखाइ देलथिन।

पत्रुसक लेल आदेश

15हुनका सभ केँ जलखइ कयलाक
बाद यीशु सिमोन पत्रुस केँ कहलथिन,
“सिमोन, यूहन्नाक पुत्र, की अहाँ हिनका
सभ सँ बढ़ि कऽ* हमरा सँ प्रेम करैत
छी?” ओ उत्तर देलथिन, “हँ, प्रभु, अहाँ
जनैत छी जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।”

21:1 अर्थात् गलील झीलक **21:2** मूल मे, “थोमा, जे ‘दिदुमुस’ कहबैत छथि”। “दिदुमुस”क अर्थ अछि “जौंआ”। **21:15** वा, “...की अहाँ एहि सभ वस्तु सँ बढ़ि कऽ...”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यीशु कहलथिन, "तँ हमर नव भेँड़ा केँ
चराउ।"
16 फेर दोसर बेर यीशु पुछलथिन,
"सिमोन, यूहन्नाक पुत्र, की अहाँ वास्तव
मे हमरा सँ प्रेम करैत छी?" ओ उत्तर
देलथिन, "हँ, प्रभु, अहाँ तँ जनैत छी
जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी।" यीशु
बजलाह, "हमर भेँड़ाक देख-रेख करू।"
17 फेर तेसर बेर यीशु पुछलथिन,
"सिमोन, यूहन्नाक पुत्र, की अहाँ हमरा
सँ प्रेम करैत छी?" पत्रुस दुखी भेलाह
जे यीशु तेसर बेर पुछलनि जे, "की
अहाँ हमरा सँ प्रेम करैत छी?" ओ उत्तर
देलथिन, "प्रभु, अहाँ तँ सभ किछु जनैत
छी। अहाँ जनैत छी जे हम अहाँ सँ प्रेम
करैत छी।" यीशु हुनका कहलथिन,
"हमर भेँड़ा केँ चराउ। **18**हम अहाँ केँ
सत्ये कहैत छी जे जखन अहाँ जबान
छलहुँ, तखन अहाँ अपन डाँड़ अपने
कसि लैत छलहुँ, आ जतऽ मोन होइत
छल ततऽ जाइत छलहुँ। मुदा जखन
अहाँ बूढ़ भऽ जायब, तखन हाथ पसारब
और केओ दोसर अहाँक डाँड़ बान्हि
कऽ अहाँ केँ ततऽ लऽ जायत जतऽ अहाँ
नहि जाय चाहब।" **19**(ओ ई बात एकर
संकेत देबाक लेल कहलथिन जे पत्रुस
कोन तरहक मृत्यु द्वारा परमेश्वरक
महिमा प्रगट करताह।) तखन ओ हुनका
कहलथिन, "हमरा पाछाँ चलू।"

20 पत्रुस घूमि कऽ देखलनि जे ओहो
शिष्य पाछाँ-पाछाँ अबैत छथि जिनका
सँ यीशु प्रेम करैत छलाह, और जे भोजन
करैत समय हुनका छाती लग ओंगठि
कऽ हुनका सँ पुछने छलनि जे, प्रभु,
ओ के अछि जे अहाँ केँ पकड़बाओत?
21पत्रुस ओहि शिष्य केँ देखि कऽ यीशु सँ
पुछलथिन, "प्रभु, हिनकर की होयतनि?"
22 यीशु उत्तर देलथिन, "जँ हम चाही
जे जा धरि हम फेर नहि आयब ता धरि
ओ जीबैत रहथि, तँ एहि सँ अहाँ केँ की?
अहाँ हमरा पाछाँ चलू!" **23**एहि कारणेँ
भाय सभ मे ई कथन पसरि गेल जे ओ
शिष्य नहि मरताह। मुदा यीशु ई नहि कहने
छलाह जे ओ नहि मरताह; ओ मात्र ई
कहने छलाह जे, जँ हम चाही जे जा धरि
हम फेर नहि आयब, ता धरि ओ जीबैत
रहथि तँ एहि सँ अहाँ केँ की?
24 और ओ शिष्य वैह छथि जे एहि
सभ बातक गवाही दऽ रहल छथि और
लिखने छथि। हम सभ जनैत छी जे
हुनकर गवाही सत्य अछि।

सारांश

25 आओर बहुत काज अछि जे यीशु
कयलनि। जँ ओकरा एक-एकटा कऽ
लिखल जाइत तँ हम सोचैत छी जे, जे
किताब सभ लिखल जाइत से सौंसे संसार
मे नहि अँटैत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मसीह-दूत सभक काज

परिचय

1 **1-2** आदरणीय थियुफिलुस, हम
अपन पहिल पुस्तक मे यीशुक सभ
काज आ शिक्षा जे ओ शुरू सँ लऽ कऽ
स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह ताहि दिन धरि
कयलनि तकर सम्पूर्ण विवरण लिखने
छी। स्वर्ग मे उठाओल जाय सँ पहिने
ओ अपन चुनल दूत सभ केँ परमेश्वरक
पवित्र आत्मा द्वारा अपन आदेश सभ
देलथिन। 3 हुनका सभक मध्य ओ
मुइलाक बाद चालिस दिन धरि बेर-
बेर प्रगट भऽ कऽ एहि बातक अकाट्य
प्रमाण दैत रहलाह जे ओ जीबि उठल
छथि। ओ ओहि समय मे हुनका सभ केँ
परमेश्वरक राज्यक विषय मे शिक्षा दैत
छलाह 4 आ एक दिन जखन हुनका सभक
संग छलथिन तँ ओ ई आदेश देलथिन
जे, "अहाँ सभ ताबत धरि यरूशलेम
सँ बाहर नहि जाउ जाबत धरि ओ बात
अहाँ सभ केँ प्राप्त नहि भऽ जायत जे
बात अहाँ सभ केँ देबाक लेल हमर पिता
वचन देने छथि। एहि बातक सम्बन्ध मे
हम पहिनहि अहाँ सभ केँ कहने छी जे,
5 यूहन्ना तँ पानि सँ बपतिस्मा देलनि मुदा
अहाँ सभ केँ किछु दिन मे पवित्र आत्मा
सँ बपतिस्मा देल जायत।"

यीशु स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह

(मरकुस 16.19-20; लूका 24.50-53)

6 एक दिन यीशु जखन फेर अपन दूत
सभक संग छलाह तखन ओ सभ हुनका
सँ पुछलथिन, "प्रभु, की अहाँ एही
समय मे इस्राएली सभ केँ अपन राज्य
फिरता करबा देब?" 7 ओ उत्तर देलथिन,
"कहिया कखन की होयत, से पिता अपना
अधिकार सँ निश्चित कयने छथि, आ
ताहि बात केँ जानी से अहाँ सभक काज
नहि अछि। 8 मुदा जखन अहाँ सभ पर
पवित्र आत्मा औताह तँ अहाँ सभ सामर्थ्य
प्राप्त करब आ यरूशलेम मे, सम्पूर्ण
यहूदिया और सामरिया प्रदेश मे, आ
सम्पूर्ण पृथ्वी पर अहाँ सभ हमर गवाह
होयब।" 9 एतेक कहलाक बाद हुनका
सभक देखिते-देखिते ओ ऊपर उठा लेल
गेलाह और एकटा मेघ आबि कऽ हुनका
सभक नजरिक सोझाँ सँ हुनका झाँपि
लेलकनि।

10 जखन मसीह-दूत सभ यीशु केँ ऊपर
उठा लेल गेलाक बादो टकटकी लगा
कऽ आकाश दिस तकिते रहलाह तखन
एकाएक उज्जर वस्त्र पहिरने दूटा पुरुष
हुनका सभ लग ठाढ़ भऽ गेलाह। 11 ओ
सभ मसीह-दूत सभ केँ कहलथिन, "हे

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गलीलक लोक सभ, अहाँ सभ आकाश
दिस की तकैत छी? यैह यीशु जे अहाँ सभ
लग सँ स्वर्ग मे उठा लेल गेलाह से ओही
तरहेँ एक दिन फेर औताह जाहि तरहेँ
अहाँ सभ हुनका स्वर्ग जाइत देखलहुँ।"

यहूदाक स्थान पर मतिया

12 तखन मसीह-दूत सभ जैतून पहाड़
नामक परवत पर सँ यरूशलेम घुरि
अयलाह। ओ पहाड़ यरूशलेम सँ करीब
आधा कोस दूर अछि।*
13 यरूशलेम
पहुँचि कऽ ओ सभ उपरका कोठली मे
गेलाह जाहि मे ओ सभ ठहरल छलाह।
हुनका सभक नाम ई अछि—पत्रुस,
यूहन्ना, याकूब और अन्द्रेयास,
फिलिपुस और थोमा, बरतुल्मै और
मत्ती, अल्फेयासक पुत्र याकूब और
"देश-भक्त"* सिमोन और याकूबक पुत्र
यहूदा।
14 ओ सभ किछु स्त्रीगण, यीशुक
माय मरियम और हुनकर भाय सभक संग
मिलि कऽ एक चित्त भऽ नित्य प्रार्थना
करैत छलाह।

15 ओहि समय मे एक दिन विश्वासी
भाय सभक बीच, अर्थात् करीब एक सय
बीस व्यक्तिक समुदाय मे, पत्रुस ठाढ़ भऽ
कहऽ लगलाह,
16-17 "यौ भाइ लोकनि, ई
निश्चित छल जे धर्मशास्त्रक ओ बात पूरा
होअय जे पवित्र आत्मा दाऊदक माध्यम
सँ यहूदाक विषय मे पहिनहि कहलनि।
यहूदा हमरा सभ मे सँ एक, और एहि
सेवा-काज मे सहभागी होइतो, जे सभ
यीशु के पकड़ऽ चाहैत छल, तकरा सभ
केँ यीशु केँ चिन्हौलकैक।"
18 (यहूदा
पापक कमाइ सँ एक खेत मोल लेलक
जतऽ ओ मुँहे भरे खसल। ओकर पेट
फाटि गेलैक और अँतड़ी-भोतरी बाहर भऽ
गेलैक।
19 एहि बात केँ सम्पूर्ण यरूशलेम
मे रहऽ वला लोक सभ बुझि गेल, आ तेँ
ओहि खेतक नाम ओ सभ अपना भाषा
मे "हकलदामा", अर्थात् "खूनक खेत",
राखि देलक।)
20 "हँ, धर्मशास्त्रक बात
पूरा होयबाक छल, कारण भजन-संग्रहक
पुस्तक मे लिखल अछि,

'ओकर वास स्थान उजड़ि जाय
आ ओहि मे रहऽ वला केओ नहि
होअय।'*

और,

'ओकर पद और अधिकार केओ
दोसर लेअय।'*

21-22 "तेँ आब ई जरूरी अछि जे
अपना सभ ककरो चुनी जे अपना सभक
संग प्रभु यीशुक जीबि उठनाइक गवाही
देत। ओकरा तकरा सभ मे सँ चुनल जाय
जे सभ ओहि समय सँ अपना सभक संग
अछि जाहि समय मे प्रभु यीशु अपना
सभक बीच रहलाह, अर्थात् यूहन्नाक
बपतिस्मा सँ लऽ कऽ प्रभु यीशुक स्वर्ग
उठाओल जयबाक समय धरि।"

23 तँ ओ सभ दू आदमीक नामक
सुझाव देलनि—एकटा यूसुफ, जे
बरसब्बा कहबैत छलाह और जिनकर
दोसर नाम यूस्तुस सेहो छलनि; आ दोसर
मतिया।
24-25 तखन ओ सभ प्रार्थना
कयलनि जे, "यौ प्रभु, सभक हृदय अहाँ

1:12 अक्षरशः "यरूशलेम सँ विश्राम-दिनक यात्राक दूरी पर अछि।" **1:13** मूल मे "जेलोतेस", जकर शाब्दिक अर्थ अछि "उत्साही", और जे एक यहूदी राष्ट्रवादी दलक नाम छल। **1:20** भजन 69.25
1:20 भजन 109.8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जनैत छी। हमरा सभ केँ ई बुझा दिअ जे
एहि दूनू मे सँ अहाँ मसीह-दूतक ओहि पद
आ सेवा-काजक लेल किनका चुनलहुँ,
जाहि पद केँ त्यागि कऽ यहूदा अपना
स्थान पर चल गेल।” 26तकरबाद ओ सभ
पुरजी खसौलनि, आ पुरजी मतियाक नाम
सँ बाहर भेल, और ओ एगारहो मसीह-
दूतक संग सम्मिलित कयल गेलाह।

पवित्र आत्माक आगमन

2 पेन्तेकुस्त पाबनिक दिन अयला
पर सभ विश्वासी एके ठाम जमा
छलाह। 2एकाएक आकाश सँ बड़का
अन्हड़-बिहारि जकाँ आवाज आयल और
ओ घर जाहि मे ओ सभ बैसल छलाह से
ओहि आवाज सँ गोंगिया उठल। 3ओ
सभ देखलनि जे जीहक आकार मे आगि
सनक कोनो वस्तु आयल और अलग-
अलग भऽ कऽ हुनका सभ मे प्रत्येक गोटे
पर रूकि गेल। 4सभ केओ पवित्र आत्मा
सँ परिपूर्ण भऽ गेलाह और पवित्र आत्मा
हुनका सभ केँ जे बजबाक क्षमता देलनि,
ताहि अनुसार ओ सभ भिन्न-भिन्न भाषा
मे बाजऽ लगलाह।

5 ओहि समय मे परमेश्वर केँ मानऽ
वला बहुत देशक यहूदी सभ यरूशलेम
मे रहैत छल। 6ई आवाज जखन भेल
तँ बहुत लोक ओतऽ जमा भऽ गेल आ
गुम्म रहि गेल, कारण मसीह-दूत सभ जे
बात बजैत छलाह से ओ सभ अपना-
अपना भाषा मे सुनैत छल। 7ओ सभ
अकचका कऽ कहलक, “की ई सभ जे
बाजि रहल छथि से सभ गलीले प्रदेशक
नहि छथि? 8तँ ई कोना भेल जे अपना
सभ हिनकर सभक बात अपना-अपना
मातृभाषा मे सुनि रहल छी? 9अपना सभ
जे पार्थी, मेदी और एलामी लोक छी,
मेसोपोतामिया, यहूदिया, कप्पदुकिया,
पुन्तुस, आसिया, 10फ्रूगिया, पंफूलिया,
मिस्र और कुरेनक लग मे पड़ऽ वला
लिबियाइ क्षेत्रक निवासी छी, रोम सँ
आयल यहूदी लोक आ दोसर समाजक
लोक जे यहूदी धर्म केँ स्वीकार कयने
अछि, 11से छी, क्रेत द्वीपक वासी और
अरबी लोक सभ छी—से हिनका सभक
मुँह सँ परमेश्वरक महान् काजक चर्चा
अपना-अपना भाषा मे कोना सुनि रहल
छी?” 12ओ सभ आश्चर्यित भऽ कऽ
एक-दोसर सँ पुछऽ लागल, “एकर अर्थ
की भऽ सकैत अछि?”

13 एहि पर किछु लोक ठट्ठा करैत
कहऽ लागल, “ई सभ दारू पिबि कऽ
मातल अछि।”

पत्रुसक जबाब

14 तखन पत्रुस एगारहो मसीह-दूतक
संग ठाढ़ भेलाह और भीड़क लोक केँ
जोर सँ कहऽ लगलथिन, “यहूदी भाइ
लोकनि आ यरूशलेमक सभ निवासी,
हम जे किछु कहैत छी तकरा ध्यानपूर्बक
सुनू। 15अहाँ सभ ई बुझि लिअ जे हम
सभ मातल नहि छी, जेना कि अहाँ सभ
सोचि रहल छी, कारण एखन तँ भोरक
नौए बाजल अछि! 16नहि, ई वैह बात
अछि जकरा सम्बन्ध मे परमेश्वरक
प्रवक्ता योएल कहने छथि,

17 ‘परमेश्वर ई कहैत छथि जे,
अन्त समय मे सभ वर्गक मनुष्य केँ
हम अपन आत्मा देबैक।
तखन तोरा सभक बेटा-बेटी सभ
हमरा सँ सम्बाद पाओत आ
सुनाओत।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तोरा सभक युवक सभ हमरा द्वारा
प्रगट कयल दृश्य देखत,
और तोरा सभक वृद्ध लोकनि
सपना देखत।
18 हँ, हम अपन दास-दासी सभ केँ सेहो
ओहि समय मे अपन आत्मा
देबैक
और ओ सभ हमरा सँ सम्बाद
पाओत आ सुनाओत।
19 हम ऊपर आकाश मे अद्‌भुत काज
सभ करब
आ नीचाँ पृथ्वी पर आश्चर्यजनक
चिन्ह सभ देखायब,
जेना कि खून, आगि और गाढ़
धुआँ।
20 परमेश्वरक महान् महिमापूर्ण दिन
आबऽ सँ पहिने
सूर्य अन्हार भऽ जायत
आ चन्द्रमाक रंग खून सन लाल
भऽ जायत।
21 मुदा जे केओ प्रभु सँ विनती करत
तकर उद्धार होयतैक।'*

22 "इस्राएली भाइ लोकनि, हमर बात
सुनू। परमेश्वर नासरत-निवासी यीशु द्वारा
अहाँ सभक बीच मे बहुत आश्चर्यजनक
काज आ चमत्कारपूर्ण चिन्ह देखौलनि,
जे अहाँ सभ केँ बुझले अछि। ओ एहि
काज आ चिन्ह सभक द्वारा एहि बात केँ
प्रमाणित कयलनि जे हुनका ओ अपने
पठौने छथि। 23 ओ परमेश्वरक निश्चित
योजना आ पूर्वज्ञानक अनुसार अहाँ सभक
जिम्मा मे देल गेलाह और अहाँ सभ हुनका
अधर्मी सभक हाथेँ क्रूस पर चढ़बा कऽ
मारि देलियनि। 24 मुदा परमेश्वर हुनका
मृत्युक कष्ट सँ मुक्त कऽ कऽ फेर जीवित
कऽ देलथिन, कारण ई असम्भव छल
जे मृत्यु अपना वश मे हुनका रखितनि।
25 जेना दाऊद हुनका विषय मे कहलनि,
'हम देखलहुँ जे प्रभु सदिखन हमरा
सामने छथि,
ओ हमर दहिन छथि, तेँ हम
डगमगायब नहि।
26 एहि कारणेँ हम खुशी मोन सँ अहाँक
स्तुति गबैत छी,
हम अपन शरीरक लेल सेहो अहाँ
पर भरोसा रखैत छी,
27 कारण, अहाँ हमरा मरले नहि छोड़ब
और ने अपन पवित्र सेवक केँ
सड़ऽ देब।
28 अहाँ हमरा जीवनक बाट देखौने छी;
अहाँक संगति मे हम आनन्द सँ
गद्‌गद् होयब।'*

29 "भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ
खुलि कऽ कहि सकैत छी जे अपना सभक
कुल-पिता दाऊद मरलाह आ गाड़ल
गेलाह और हुनकर कबर एखनो कायम
अछि। 30 मुदा ओ परमेश्वरक प्रवक्ता
छलाह और ओ जनैत छलाह जे परमेश्वर
सपत खा कऽ हुनका वचन देने छथिन
जे, हम तोरा वंश मे सँ एक आदमी केँ
तोरा सिंहासन पर बैसयबह। 31 तेँ जखन
ओ कहलनि जे हमरा मरले नहि छोड़ल
जायत आ ने हमर शरीर सड़त तँ से ओ
उद्धारकर्ता-मसीहक जीबि उठनाइक
सम्बन्ध मे कहलनि, किएक तँ परमेश्वर
हुनका पहिने सँ ओ बात देखौने छलथिन।
32 एही यीशु केँ परमेश्वर जिआ देलथिन
तकर हम सभ केओ साक्षी छी। 33 हुनका

2:21 योएल 2.28-32 **2:28** भजन 16.8-11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक दहिना कातक सर्वोच्च पद
देल गेलनि, और जहिना पिता हुनका
वचन देने छलथिन, तहिना ओ हुनका सँ
पवित्र आत्मा प्राप्त कयलनि। और अहाँ
सभ आइ जे बात देखि आ सुनि रहल छी,
से एकर परिणाम अछि जे ओ हमरा सभ
कैँ वैह पवित्र आत्मा देने छथि। 34दाऊद
तँ स्वर्ग पर नहि उठाओल गेलाह, तैयो
ओ बजलाह,

'प्रभु-परमेश्वर हमर प्रभु कैँ
कहलथिन,
अहाँ हमर दहिना कात बैसू,
35 और हम अहाँक शत्रु सभ कैँ अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब।'*

36 "तैँ समस्त इस्राएली लोक ई निश्चय
जानि लेअय जे एही यीशु कैँ जिनका अहाँ
सभ क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि देलियनि,
परमेश्वर तिनके प्रभु और उद्धारकर्ता-
मसीह ठहरा देलथिन।"

पत्रुसक जबाबक प्रभाव

37 सुनऽ वला लोक सभक मोन मे ई
बात गड़ि गेलैक, और ओ सभ पत्रुस और
आन मसीह-दूत सभ सँ पुछलकनि, "यौ
भाइ लोकनि, हम सभ आब की करू?"

38 पत्रुस उत्तर देलथिन, "अहाँ सभ गोटे
अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ
हृदय-परिवर्तन करू और यीशु मसीहक
नाम सँ बपतिस्मा लिअ, जाहि सँ परमेश्वर
अहाँ सभक पाप कैँ क्षमा करथि आ
अहाँ सभ कैँ पवित्र आत्मा प्रदान करथि।
39कारण, परमेश्वर जे वचन देलनि,
से अहाँ सभक लेल और अहाँ सभक
सन्तानक लेल अछि, और तकरो सभक
लेल जे दूर-दूर रहैत अछि; हँ, तकरा सभ
गोटेक लेल जकरा सभ कैँ अपना सभक
प्रभु-परमेश्वर अपना लग बजौथिन।"

40 पत्रुस आरो बहुत बात द्वारा ओकरा
सभ कैँ बुझौलथिन आ चेतावनी दैत
आग्रह कयलथिन जे, "अहाँ सभ एहि
भ्रष्ट पीढ़ी पर आबऽ वला दण्ड सँ बँचू!"

41 जे सभ हुनकर बात स्वीकार
कयलक, से सभ बपतिस्मा लेलक। ओहि
दिन करीब तीन हजार लोक विश्वासी
सभक समूह मे सम्मिलित भऽ गेल।

विश्वासी सभक दिन-चर्या

42 ओ सभ मसीह-दूत सभक शिक्षा मे,
सत्संग मे, "प्रभु-भोज" मे* आ प्रार्थना मे
तल्लीन रहऽ लागल। 43मसीह-दूत सभक
द्वारा बहुत चमत्कारपूर्ण काज आ चिन्ह
सभ देखाओल जाइत छल जकरा देखि सभ
लोक आश्चर्य आ भय सँ भरि जाइत छल।
44सभ विश्वासी मिलि-जुलि कऽ रहैत
छलाह, और सभ धन-सम्पत्ति कैँ सभिआ
बुझैत छलाह। 45ओ सभ अपन घर-जमीन
वा धन-सम्पत्ति बेचि कऽ जिनका जेहन
आवश्यकता होइत छलनि, ताहि अनुसार
अपना मे बाँटि लैत छलाह। 46हरेक दिन
ओ सभ मन्दिर मे जमा होइत छलाह, घर-
घर मे "प्रभु-भोज" ग्रहण करैत छलाह, और
खुशी आ विनम्र मोन सँ एक संग भोजन
करैत छलाह। 47ओ सभ परमेश्वरक स्तुति
करैत रहलाह और सभ लोक हुनका सभ
सँ प्रसन्न छलनि। प्रभु प्रति दिन आरो-आरो
लोक सभ कैँ जे सभ उद्धार पबैत छलाह
तिनका सभ कैँ विश्वासी सभक समूह मे
सम्मिलित करैत जाइत छलाह।

2:35 भजन 110.1 **2:42** वा, "संग-संग भोजन कयनाइ मे"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोथ आदमी दौड़ऽ लागल

3 एक दिन पत्रुस आ यूहन्ना
दुपहरियाक तीन बजे प्रार्थनाक
समय मे मन्दिर जा रहल छलाह।
2ओही समय मे किछु लोक जन्म सँ
लोथ एक आदमी केँ अनलक और
मन्दिरक “सुन्दर” नामक द्वारि लग,
जतऽ ओकरा सभ दिन बैसा देल जाइत
छल ततऽ राखि देलकैक, जाहि सँ ओ
मन्दिर मे जाय-आबऽ वला लोक सभ
सँ भीख माँगि सकय। 3ओ जखन पत्रुस
आ यूहन्ना केँ भीतर जाइत देखलकनि
तँ हुनका सभ सँ भीख मँगलक। 4पत्रुस
आ यूहन्ना एकटक लगा कऽ ओकरा
देखलनि। पत्रुस कहलथिन, “हमरा सभ
दिस ताकह!” 5ओ लोथ आदमी हिनका
सभ सँ किछु पयबाक आशा मे हिनका
दिस तकलकनि। 6पत्रुस कहलथिन,
“हमरा संग मे सोना वा चानी नहि अछि,
मुदा जे किछु अछि से तोरा दैत छिअह।
नासरत-निवासी यीशु मसीहक नाम सँ
चलह-फिरह!” 7पत्रुस ओकर दहिना
हाथ पकड़ि कऽ उठौलथिन, आ तखने
ओकर पयर और घुट्ठी मे बल आबि
गेलैक। 8ओ फुर्ती सँ ठाढ़ भऽ गेल आ
चलऽ-फिरऽ लागल। ओ दौड़ैत आ
कुदि-कुदि कऽ चलैत और परमेश्वरक
स्तुति करैत हुनका सभक संग मन्दिर
मे प्रवेश कयलक। 9लोक सभ ओकरा
चलैत-फिरैत आ परमेश्वरक स्तुति करैत
देखलक 10आ जखन चिन्हलकैक जे, ई
वैह अछि जे मन्दिरक “सुन्दर द्वारि” लग
बैसि कऽ भीख मँगैत छल तँ आश्चर्यित
भऽ अवाक रहि गेल जे, एकरा ई कोना
भऽ गेलैक?

11 ओ नीक कयल आदमी पत्रुस
और यूहन्ना केँ पकड़नहि छल तखने
सभ लोक आश्चर्य सँ भरल हुनका
सभ लग “सुलेमानक असोरा” नामक
जगह पर दौड़ि कऽ आयल। 12ई देखि
पत्रुस ओकरा सभ केँ कहलथिन, “यौ
इस्राएली भाइ लोकनि, एहि बात सँ अहाँ
सभ आश्चर्यित किएक छी? अहाँ सभ
हमरा सभ दिस एना किएक तकैत छी
जेना हम सभ अपनहि शक्ति वा भक्ति
सँ एकरा चलबाक सामर्थ्य देने होइऐक?
13अब्राहम, इसहाक और याकूबक
परमेश्वर, अपना सभक पुरखा सभक
परमेश्वर अपन सेवक यीशु केँ महिमा
प्रदान कयलथिन। अहाँ सभ हुनका
पकड़ि कऽ मृत्युदण्डक लेल पिलातुसक
हाथ मे सौंपि देलहुँ और ओ जखन
हुनका छोड़बाक निश्चय कयलनि तँ
अहाँ सभ पिलातुसक समक्ष हुनका
अस्वीकार कयलहुँ। 14अस्वीकार
कयलहुँ तिनका जे पवित्र और धार्मिक
छलाह, और अपना लेल छोड़बाक माँग
कयलहुँ तकरा जे खूनी आदमी छल।
15एहि तरहेँ अहाँ सभ जीवनक स्रोत केँ
मारि देलहुँ मुदा परमेश्वर हुनका जिआ
देलथिन। हम सभ एहि बातक गवाह
छी। 16यीशुएक शक्ति सँ आ हुनका नाम
पर विश्वास कयला सँ ई आदमी, जकरा
अहाँ सभ देखि रहल छी आ चिन्हितो
छी, से स्वस्थ कयल गेल अछि। हँ,
ओही नाम पर विश्वास कयलाक कारणेँ
ई लोथ आदमी एखन अहाँ सभक समक्ष
पूर्ण स्वस्थ अछि।

17 “प्रिय भाइ लोकनि, हम जनैत छी
जे अहाँ सभ और अहाँ सभक धर्मगुरु
लोकनि सेहो बिनु किछु जननहि-

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बुझनहि ई काज कयलहुँ। [18]मुदा एहि
तरहेँ परमेश्वर अपन ओहि बात केँ
पूरा कयलनि जे ओ अपन सभ प्रवक्ता
लोकनिक माध्यम सँ कहने छलाह जे,
हमर उद्धारकर्ता-मसीह केँ दुःख उठाबऽ
पड़तनि। [19]तेँ आब अहाँ सभ अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन करू और परमेश्वर लग आउ,
जाहि सँ अहाँ सभक पाप मेटित होअय
और प्रभु अहाँ सभ केँ आत्मिक उत्साहक
समय प्रदान करथि, [20]और जाहि सँ
अहाँ सभ लग परमेश्वर अपन मसीह केँ
पठबथि जिनका ओ पहिनहि सँ नियुक्त
कयने छथिन, अर्थात् यीशु केँ। [21]ई
आवश्यक अछि जे ओ ताबत धरि स्वर्ग
मे रहथि जाबत धरि सभ बातक सुधार
करबाक ओ समय नहि आओत जाहि
समयक सम्बन्ध मे परमेश्वर प्राचीन
काल मे अपन चुनल प्रवक्ता लोकनि द्वारा
वचन देने छथि। [22]मूसा कहने छलाह जे,
'तोरा सभक प्रभु-परमेश्वर तोरा सभक
लेल हमरा जकाँ एक प्रवक्ता तोरा सभक
अपन लोक मे सँ नियुक्त करथुन। ओ
तोरा सभ केँ जे किछु कहथुन से तोँ सभ
मानिहह। [23]जे केओ हुनकर बात नहि
मानत से अपना लोक मे सँ नष्ट कयल
जायत।'* [24]एहि तरहेँ शमूएल सँ लऽ
कऽ हुनका बाद मे एखन तक आबऽ
वला परमेश्वरक सभ प्रवक्ता लोकनि
एहि वर्तमान समयक भविष्यवाणी
कयने छथि। [25]ओ सभ जाहि बातक
भविष्यवाणी कयलनि, से अहाँ सभक
बीच पूरा भेल, और परमेश्वर वचन दऽ
कऽ अहाँ सभक पूर्वज सभक संग जे
विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि, ताहि
मे अहूँ सभ सहभागी छी। ओ अब्राहम केँ
कहलथिन, 'तोरा वंश द्वारा पृथ्वीक सभ
जाति आशिष पाओत।'* [26]परमेश्वर
अपन सेवक यीशु केँ नियुक्त कऽ कऽ
सभ सँ पहिने अहीं सभ लग पठौलनि
जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ अधलाह मार्ग
सँ घुमा कऽ आशिष देथि।"

पत्रुस आ यूहन्ना धर्म-महासभाक सामने

4 पत्रुस और यूहन्ना जखन ई बात
सभ बाजिए रहल छलाह तखन
किछु पुरोहित, मन्दिरक सिपाहीक
कप्तान और सदुकी पंथक लोक सभ
हुनका सभ लग अयलाह। [2]ओ सभ एहि
बात सँ खिसिआयल छलाह जे मसीह-
दूत सभ लोक सभ केँ उपदेश दैत छलाह
आ यीशुक मरनाइ और जीबि उठनाइ
द्वारा एहि बातक प्रमाण दैत छलाह जे
सभ लोक मृत्यु मे सँ निश्चित जिआओल
जायत। [3]एहि पर ओ सभ हिनका सभ
केँ पकड़ि कऽ जहल मे राखि देलनि जे
प्रात भेने निर्णय करब, कारण तखन साँझ
पड़ि गेल छल। [4]मुदा जे लोक सभ हुनका
सभक प्रवचन सुनैत छल ताहि मे सँ बहुतो
लोक प्रभु यीशु पर विश्वास कयलक
आ एहि तरहेँ विश्वास करऽ वला मात्र
पुरुषक संख्या पाँच हजार भऽ गेल।

5 प्रात भेने यहूदी अधिकारी, बूढ़-
प्रतिष्ठित आ धर्मशिक्षक सभ यरूशलेम
मे जमा भेलाह। [6]ओहिठाम महापुरोहित
हन्ना छलाह, आ काइफा, यूहन्ना,
सिकन्दर और महापुरोहितक परिवारक

3:23 व्यव 18.15, 18, 19 **3:25** उत्पत्ति 22.18; उत्पत्ति 26.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अन्य सदस्य सभ सेहो उपस्थित छलाह।
[7]ओ सभ पत्रुस और यूहन्ना केँ जहल सँ
मँगबा कऽ पूछ-ताछ करऽ लगलाह जे
“तोँ सभ कोन शक्ति सँ आ किनका नाम
सँ ई काज कयलह?”

8 एहि पर पत्रुस पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण
भऽ बजलाह, “जनताक आदरणीय पंच
और बूढ़-प्रतिष्ठित लोक सभ, [9]एक लोथ
आदमीक संग दयापूर्ण व्यवहार करबाक
कारणेँ आइ जँ हमरा सभ सँ पूछ-ताछ
कयल जा रहल अछि आ ई पुछल जाइत
अछि जे ई आदमी कोना नीक भेल [10]तँ
अपने लोकनि आ सम्पूर्ण इस्राएली जनता
ई जानि लिअ जे ई आदमी, जे अहाँ सभक
सामने ठाढ़ अछि से नासरत-निवासी यीशु
मसीहक नाम सँ स्वस्थ भेल अछि—वैह
यीशु जिनका अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ा कऽ
मारि देलियनि आ परमेश्वर जिनका फेर
जिआ देलथिन। [11]ओ

‘वैह पाथर छथि जिनका अहाँ
राजमिस्तिरी सभ बेकार बुझि
फेकि देलहुँ,
मुदा ओ मकानक मुख्य पाथर बनि
गेलाह।’*

[12]कोनो दोसर व्यक्ति द्वारा उद्धार नहि
अछि, कारण स्वर्गक नीचाँ मनुष्य केँ
कोनो दोसर नाम नहि देल गेल अछि जाहि
द्वारा अपना सभक उद्धार भऽ सकय।”

13 ओ सभ जखन पत्रुस आ यूहन्ना केँ
निडर भऽ कऽ बजैत देखलनि आ ई बुझि
जे ई सभ कम पढ़ल-लिखल साधारण
लोक अछि, तँ हुनका सभ केँ बहुत
आश्चर्य भेलनि आ ओ सभ बुझि गेलाह
जे यीशुक संग रहलाक कारणेँ ई सभ
एतेक अधिकारपूर्बक बाजि रहल अछि।
[14]मुदा हुनका सभक संग ओहि स्वस्थ
कयल गेल आदमी केँ ठाढ़ देखि ओ सभ
हुनका सभक विरोध मे किछु कहि नहि
सकलाह। [15]ओ सभ अपना मे विचार-
विमर्श करबाक लेल हुनका सभ केँ
महासभा सँ बाहर करबा देलथिन। तखन
ओ सभ आपस मे बात करऽ लगलाह
जे, [16]“अपना सभ एकरा सभक संग की
करी? ई सभ तँ एक चमत्कारपूर्ण काज
कयलक, जकरा बारे मे सम्पूर्ण यरूशलेम
जनैत अछि आ अपनो सभ अस्वीकार
नहि कऽ सकैत छी। [17]मुदा जाहि सँ ई
बात जनता मे आरो नहि पसरि जाय,
एकरा सभ केँ डेरा-धमका कऽ कहिऐक
जे, तोँ सभ आब एहि नाम सँ ककरो संग
कोनो चर्चा नहि करिहह।”

18 तकरबाद ओ सभ हुनका सभ केँ
बजा कऽ आज्ञा देलथिन, “तोँ सभ यीशुक
नाम लऽ कऽ चर्चा करब आ लोक केँ
उपदेश देब बन्द करह!” [19]मुदा एहि पर
पत्रुस आ यूहन्ना उत्तर देलथिन, “की
परमेश्वरक दृष्टि मे ई उचित होयत जे हम
सभ परमेश्वरक बात सँ बढ़ि कऽ अहाँ
सभक बात मानी, एकर निर्णय अहीं सभ
करू। [20]ई तँ हमरा सभ सँ नहि भऽ सकैत
अछि जे, जे बात हम सभ देखने आ सुनने
छी से दोसर केँ नहि कहिऐक।”

21 अन्त मे ओ सभ हुनका सभ केँ
आरो डेरा-धमका कऽ छोड़ि देलथिन।
हुनका सभ केँ दण्ड देबाक कोनो उपाय
नहि भेटलनि, कारण सभ लोक ओहि
चमत्कारक कारणेँ परमेश्वरक स्तुति-
प्रशंसा करैत छल [22]किएक तँ जे आदमी

4:11 भजन 118.22

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओहि चमत्कार द्वारा स्वस्थ कयल गेल
छल तकर अवस्था चालिस वर्ष सँ उपर
छलैक।

साहसक लेल विश्वासी सभक प्रार्थना

23 ओतऽ सँ छुटलाक बाद पत्रुस आ
यूहन्ना अपना संगी सभ लग आबि कऽ
मुख्यपुरोहित आ बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनिक
कहल बात कहि सुनौलथिन। 24सभ बात
सुनि ओ सभ एक संग मिलि ऊँच स्वर
मे परमेश्वर सँ एहि तरहेँ प्रार्थना करऽ
लगलाह, “हे परम प्रभु, अहीं आकाश,
पृथ्वी और समुद्र आ ओहि सभ मे जे
किछु अछि, तकर सभक सृष्टिकर्ता छी।
25अहाँ अपना पवित्र आत्मा द्वारा अपन
सेवक, हमरा सभक पूर्वज दाऊदक मुँह
सँ ई कहने छी,

‘संसारक जाति-जातिक लोक सभ
किएक हुल्लड़ि मचबैत अछि?
राष्ट्र सभ किएक व्यर्थ षड्यन्त्र
रचैत अछि?
26 प्रभु और हुनकर मसीहक विरोध मे
पृथ्वी परक राजा सभ ठाढ़ भऽ
गेल
और शासक सभ एक ठाम जमा
भऽ गेल।’*

27सत्ये मे अहाँक पवित्र सेवक यीशु
केँ, जिनका अहाँ उद्धारकर्ता-मसीह
नियुक्त कयलहुँ* तिनका विरोध मे
राजा हेरोद और पुन्तियुस पिलातुस गैर-
यहूदी और इस्राएली लोकक संग एही
शहर मे षड्यन्त्र रचबाक लेल जमा भेल।
28मुदा ओ सभ मात्र वैह कयलक जे अहाँ
पहिनहि सँ अपन सामर्थ्य आ इच्छा सँ
निश्चित कयने छलहुँ। 29हे प्रभु, आब
ओकरा सभक धमकी केँ देखू आ अपन
सेवक सभ केँ ई वरदान दिअ जे अहाँक
शुभ समाचार निर्भय भऽ कऽ सुनबैत रही।
30संगहि अपन हाथ बढ़ा कऽ पीड़ित
लोक सभ केँ स्वस्थ करू आ अपन
पवित्र सेवक यीशुक नाम सँ चमत्कारपूर्ण
काज करबैत रहू।”

31 जखन ओ सभ प्रार्थना समाप्त
कयलनि तखन ओ स्थान, जतऽ ओ सभ
जमा भेल छलाह, से हिलि गेल और ओ
सभ गोटे पवित्र आत्मा सँ भरि गेलाह आ
निर्भयतापूर्बक परमेश्वरक वचन सुनाबऽ
लगलाह।

सभ वस्तु सझिआ

32 विश्वासी सभक समूह एक
मोन एक प्राण छल। आ केओ अपना
सम्पत्ति केँ अपने नहि बुझैत छलाह,
बल्कि सभक सझिआ मानैत छलाह।
33मसीह-दूत सभ पूर्ण सामर्थ्यक संग
प्रभु यीशुक जीबि उठनाइक सम्बन्ध मे
अपन गवाही दैत छलाह। हुनका सभ
गोटेक संग परमेश्वरक प्रशस्त आशिष
छलनि। 34किनको कोनो बातक कमी
नहि छलनि, कारण जिनका घर वा जमीन
छलनि से सभ ओकरा बेचि-बेचि कऽ
35ओकर मूल्य मसीह-दूत सभक चरण मे
राखि दैत छलाह। तखन ओ पाइ जिनका
जतबा आवश्यकता रहैत छलनि ताहि
अनुसार बाँटल जाइत छल।

36 जेना साइप्रस-निवासी लेवी-कुलक
यूसुफ नामक एक आदमी छलाह
जिनका मसीह-दूत सभ बरनबास, अर्थात्

4:26 भजन 2.1, 2 **4:27** वा, “जिनकर अहाँ अभिषेक कयलहुँ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“उत्साहित कयनिहार,” नाम देने छलनि,
37तिनका किछु जमीन छलनि, जकरा ओ
बेचि कऽ ओकर मूल्य मसीह-दूत सभ केँ
आनि कऽ देलथिन।

हननियाह आ सफीराक छल-कपट

5 हननियाह नामक एक आदमी सेहो,
अपना स्त्री सफीरा सँ विचार-
विमर्श कऽ अपन जमीन बेचलक 2और
स्त्रीक सहमति सँ अपना लेल किछु पाइ
राखि कऽ बाँकी पाइ आनि मसीह-दूत
सभक चरण मे राखि देलक। 3मुदा पत्रुस
कहलथिन, “यौ हननियाह! ई केहन बात
भेल जे शैतान अहाँक मोन तेना कऽ वश
मे कऽ लेलक जे अहाँ परमेश्वरक पवित्र
आत्मा सँ झूठ बजलहुँ आ जमीनक मोल
सँ किछु अपना लेल राखि लेलहुँ? 4की
बेचऽ सँ पहिने ओ जमीन अहाँक नहि
छल? आ बेचलाक बादो की अपना
इच्छाक अनुसार ओहि पाइक खर्च
करबाक अधिकार अहाँ केँ नहि छल?
एहन बात अहाँ केँ फुरायल कोना?
अहाँ मनुष्य सँ नहि, परमेश्वर सँ झूठ
बजलहुँ।”

5ई बात सुनितहि, हननियाह खसि
पड़ल आ मरि गेल। ई बात जे केओ
सुनलक, तकरा सभ मे बड़का डर
सन्हिया गेलैक। 6तखन किछु नवयुवक
उठि कऽ ओकर लास कपड़ा मे लपेटि
लेलक आ बाहर लऽ जा कऽ गाड़ि
देलकैक।

7करीब तीन घण्टाक बाद ओकर
स्त्री ओतऽ आयल। ओकरा एहि
घटनाक सम्बन्ध मे कोनो जानकारी नहि
छलैक। 8पत्रुस ओकरा सँ पुछलथिन,
“कहू! अहाँ सभ अपन जमीन एतेक मे
बेचलहुँ?” ओ उत्तर देलकनि, “हँ, एतेक
मे।”

9तखन पत्रुस कहलथिन, “अहाँ दूनू
गोटे किएक प्रभुक आत्मा केँ जाँच
करबाक लेल एकमत भऽ गेलहुँ? देखू!
अहाँक घरवला केँ जे सभ गाड़ि आयल,
से सभ द्वारिए पर अछि और अहूँ केँ लऽ
जायत।”

10ओ तुरत हुनका आगाँ मे खसि
पड़ल आ मरि गेल। तखन ओ नवयुवक
सभ फेर भीतर आयल, आ ओकरा
मुइल देखि उठा कऽ लऽ गेलैक और
ओकरा घरवलाक कात मे गाड़ि
देलकैक। 11एहि सँ पूरा मसीही मण्डली
केँ, और जे सभ एहि घटना सभक बारे
मे सुनलक, तकरा सभ केँ बड़का डर
भऽ गेलैक।

मसीह-दूत सभक चमत्कारपूर्ण काज

12मसीह-दूत सभक द्वारा लोकक
बीच बहुत चमत्कारपूर्ण काज कयल
जाइत छल। सभ विश्वासी सुलेमानक
असोरा पर जमा होइत छलाह। 13लोक
सभ हुनका सभक प्रशंसा तँ करैत छल
मुदा ककरो ई साहस नहि होइत छलैक
जे हुनका सभ मे सम्मिलित भऽ जाइ।
14तैयो बहुतो स्त्री आ पुरुष प्रभु पर
विश्वास कऽ कऽ विश्वासी सभक
समूह मे सम्मिलित भेल जाइत छल।
15मसीह-दूत सभक चमत्कारपूर्ण काज
देखि लोक सभ रोगी सभ केँ सड़क
पर पटिया वा खाट पर राखि दैत छल,
जाहि सँ पत्रुस केँ अयला पर हुनकर
छाँहो ककरो-ककरो पर पड़ि जाय।
16यरूशलेमक लग-पासक नगर सभ
सँ सेहो हाँजक-हाँज लोक सभ रोगी

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ दुष्टात्मा* लागल आदमी सभ कैँ
हुनका सभ लग अनैत छल और सभ
केओ स्वस्थ कयल जाइत छल।

मसीह-दूत सभ पर धर्म-महासभाक क्रोध

17 एहि पर महापुरोहित आ हुनकर संग
देबऽ वला सदुकी पंथक लोक सभ कैँ
डाह होमऽ लगलनि। 18ओ सभ मसीह-
दूत सभ कैँ पकड़ि कऽ स्थानीय जहल
मे राखि देलथिन। 19मुदा ओही राति
मे प्रभुक एकटा स्वर्गदूत जहलक द्वारि
खोलि हुनका सभ कैँ बाहर लऽ अनलथिन
आ कहलथिन, 20"जाह, मन्दिर मे जा
कऽ एहि 'नव जीवन'क विषय मे सभ
बात लोक सभ कैँ सुनाबह।"

21 ओ सभ भोर होइते मन्दिर मे जा कऽ
स्वर्गदूतक कथनानुसार लोक सभक बीच
उपदेश देबऽ लगलाह।

एम्हर महापुरोहित आ हुनकर संगी सभ
इस्राएलक सभ बूढ़-प्रतिष्ठित कैँ बजा
कऽ सम्पूर्ण धर्म-महासभाक लोक कैँ
जमा कयलनि आ जहल मे सँ मसीह-दूत
सभ कैँ अनबाक लेल ककरो पठौलनि।
22मुदा सिपाही सभ जखन ओतऽ पहुँचल
तँ मसीह-दूत सभ जहल मे नहि छलाह।
ओ सभ घूमि कऽ आबि गेल आ ई खबरि
महासभाक सदस्य सभ कैँ देलकनि
जे, 23"हम सभ ओहि जहलक द्वारि मे
सुरक्षित तरीका सँ ताला लागल देखलहुँ
आ पहरेदार सभ सेहो चौकस भऽ द्वारि
पर ठाढ़ छल मुदा ताला खोलि कऽ भीतर
गेला पर देखलहुँ जे केओ नहि अछि।"
24ई बात सुनला पर मन्दिरक सिपाहीक
कप्तान आ मुख्यपुरोहित सभ सोच मे
पड़ि गेलाह जे ई की भेल? 25एतबे मे
केओ आबि कऽ कहलकनि जे, "सुनैत
छी, जकरा सभ कैँ अपने लोकनि जहल
मे बन्द कयने छलहुँ से सभ एखन मन्दिर
मे ठाढ़ भऽ कऽ लोक सभ कैँ शिक्षा
दऽ रहल अछि।" 26तखन मन्दिरक
सिपाहीक कप्तान किछु सिपाही सभ कैँ
लऽ कऽ मन्दिर मे गेलाह आ हुनका सभ
कैँ लऽ अयलथिन, मुदा जबरदस्ती नहि,
कारण हुनका सभ कैँ डर छलनि जे लोक
सभ कतौ पथरबाहि कऽ कऽ हमरा सभ
कैँ मारि नहि देअय।

27 ओ सभ मसीह-दूत सभ कैँ आनि
कऽ महासभा मे ठाढ़ कऽ देलथिन।
तकरबाद महापुरोहित हुनका सभ सँ
पुछलथिन, 28"की हम सभ तोरा सभ कैँ
ई आज्ञा नहि देने छलिऔक जे तोँ सभ
एहि नाम सँ शिक्षा देनाइ बन्द करै, लेकिन
तोँ सभ सम्पूर्ण यरूशलेम कैँ अपन शिक्षा
सँ भरि देलैँ और ओहि आदमीक खूनक
दोषी हमरा सभ कैँ बनाबऽ चाहैत छैँ।"

29 एहि पर पत्रुस और आन मसीह-
दूत सभ उत्तर देलथिन, "हमरा सभ कैँ
मनुष्यक आज्ञा सँ बढ़ि कऽ परमेश्वरेक
आज्ञा कैँ मानबाक अछि। 30जाहि यीशु
कैँ अहाँ सभ क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि
देलियनि, तिनका अपना सभक पूर्वजक
परमेश्वर जिआ देलथिन। 31हुनका
परमेश्वर प्रभु आ उद्धारकर्ताक ऊँच पद
दऽ कऽ अपन दहिना कात बैसौलथिन,
जाहि सँ ओ इस्राएलक लोक कैँ पश्चात्ताप
आ हृदय-परिवर्तन करबाक वरदान देथि
आ पापक क्षमा प्रदान करथि। 32एहि

5:16 मूल मे "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बात सभक गवाह हम सभ छी और पवित्र
आत्मा सेहो छथि, जे आत्मा परमेश्वर
अपन आज्ञाक पालन कयनिहार सभ केँ
देने छथिन।”

गमालिएलक सल्लाह

33 ई सुनि कऽ महासभाक सदस्य
सभ तिलमिला उठलाह आ हुनका
सभ केँ जान सँ मारि देबऽ चाहलनि।
34मुदा फरिसी पंथक गमालिएल नामक
एक आदमी जे धर्म-नियमक आचार्य
छलाह आ सभक नजरि मे प्रतिष्ठित
लोक छलाह से सभा मे ठाढ़ भऽ आज्ञा
देलथिन जे, एकरा सभ केँ किछु कालक
लेल बाहर कऽ दिऔक। 35तकरबाद
ओ महासभाक सदस्य सभ केँ कहऽ
लगलाह, “इस्राएली भाइ लोकनि, एहि
लोकक संग जे किछु अहाँ सभ करऽ
वला छी से सोचि-विचारि कऽ करू।
36कारण, किछु समय पहिने थियूदास
नामक आदमी अपने प्रशंसा मे बहुत
तरहक बात कहैत छल आ करीब चारि
सय लोक ओकर बात सुनि कऽ ओकरा
पाछाँ-पाछाँ चलऽ लागल मुदा ओकरा
मारल गेलाक बाद ओकर चेला सभ
जहाँ-तहाँ छिड़िया गेल और ओकर सभ
बात समाप्त भऽ गेलैक। 37तकरबाद
जनगणनाक समय मे गलील वासी
यहूदा बहुत लोक केँ चढ़ा-बढ़ा कऽ एक
क्रान्ति शुरू कयलक, मुदा ओहो मारल
गेल आ ओकरो पाछाँ चलऽ वला लोक
सभ छिड़िया गेल। 38तेँ एकरा सभक
सम्बन्ध मे हमर कथन यैह अछि जे,
एकरा सभ केँ किछु नहि कयल जाय,
बल्कि छोड़ि देल जाय। जँ एकर सभक
ई विचार आ काज मनुष्यक प्रेरणा सँ
भऽ रहल अछि तँ अपने सँ समाप्त भऽ
जायत। 39मुदा जँ परमेश्वरक प्रेरणा सँ
अछि तँ अहाँ सभ एकरा सभ केँ नहि
रोकि सकब, बल्कि एना कयला पर
अहीं सभ अपने परमेश्वर सँ लड़निहार
बनि जायब।”

40 महासभाक सदस्य लोकनि गमा-
लिएलक सल्लाह स्वीकार कऽ लेलनि।
ओ सभ मसीह-दूत सभ केँ भीतर बजबा
कऽ बेंत सँ पिटबौलथिन आ ई आज्ञा दऽ
कऽ छोड़ि देलथिन जे यीशुक नाम लऽ
कऽ किछु नहि बाज।

41 मसीह-दूत सभ एहि बातक लेल
आनन्द मनबैत महासभा सँ बहरयलाह
जे परमेश्वर हमरा सभ केँ एहि जोगरक
बुझलनि जे हम सभ यीशुक नामक कारणेँ
अपमानित होइ। 42ओ सभ प्रत्येक दिन
मन्दिर मे आ लोक सभक घर-घर मे जा
कऽ शिक्षा दैत रहलाह और एहि शुभ
समाचारक प्रचार करिते रहलाह जे यीशु
उद्धारकर्ता-मसीह छथि।

सात सेवक

6 ओहि समय मे जखन शिष्यक
संख्या बढ़ि रहल छल तँ यूनानी
भाषी यहूदी सभ इब्रानी भाषी यहूदी सभ
पर कुड़बुड़ाय लागल जे सभ दिन जखन
भोजन वला वस्तु सभ बाँटल जाइत
अछि तँ यूनानी विधवा सभ पर ठीक सँ
ध्यान नहि देल जाइत अछि। 2तखन सभ
शिष्य केँ बारहो मसीह-दूत सभ बजा कऽ
कहलथिन, “ई उचित नहि होयत जे हम
सभ परमेश्वरक वचनक शिक्षा देनाइ
छोड़ि कऽ खुअयबा-पिअयबा मे लागि
जाइ। 3तेँ यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
अपना मे सँ सात गोटे केँ चुनि कऽ दिअ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण और सच्चरित्र
आ नीक बुद्धिक होथि। हम सभ हुनका
सभ कैँ एहि काजक भार दऽ देबनि 4आ
अपने हम सभ प्रार्थना और परमेश्वरक
वचनक शिक्षाक काज मे लागल रहब।”
5एहि विचार सँ सभ केओ प्रसन्न भेल
आ ओ सभ स्तिफनुस जे पवित्र आत्मा
आ विश्वास सँ परिपूर्ण छलाह, और
फिलिपुस, प्रुखुरुस, निकानोर, तीमोन,
परमिनास और अन्ताकिया निवासी
निकुलाउस जे यहूदी धर्म स्वीकार कयने
छलाह तिनका सभ कैँ चुनलकनि।
6तकरबाद ओ सभ हुनका सातो गोटे कैँ
मसीह-दूत सभक सामने आनि देलकनि।
ई सभ प्रार्थना कयलनि आ हुनका सभ
पर हाथ राखि ओहि काजक लेल नियुक्त
कयलनि।
7एहि तरहेँ परमेश्वरक वचन पसरैत
गेल। यरूशलेम मे शिष्यक संख्या बहुत
बढ़ि गेल और बहुत यहूदी पुरोहित सभ
सेहो वचन स्वीकार कऽ आज्ञाकारी बनि
प्रभु पर विश्वास कयलनि।

स्तिफनुस पकड़ल गेलाह

8स्तिफनुस परमेश्वरक कृपा आ
सामर्थ्य सँ परिपूर्ण भऽ लोकक बीच
बड़का-बड़का अद्‌भुत काज आ
चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभ देखबैत छलाह।
9मुदा किछु यहूदी सभ हिनकर विरोध
करऽ लागल। ओ सभ “मुक्त लोकक
सभाघर” नामक समूहक सदस्य सभ,
कुरेन और सिकन्दरिया नगर आ
किलिकिया और आसिया प्रदेशक
निवासी सभ छल। ओ सभ स्तिफनुस सँ
वाद-विवाद करऽ लागल 10मुदा पवित्र
आत्मा हिनका बाजऽ काल मे ततेक
नीक बुद्धि देलथिन जे ओ सभ हिनका
सामने मे नहि टिकि सकल। 11तखन ओ
सभ किछु लोक कैँ गुप्त रूप सँ चढ़ा-
बढ़ा कऽ सिखौलक जे अहाँ सभ कहू
जे हम सभ एकरा मूसा आ परमेश्वरक
निन्दा करैत सुनलहुँ। 12एहि तरहेँ ओ
सभ जनता, बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि आ
धर्मशिक्षक सभ कैँ बहका देलक और
ओ सभ मिलि कऽ स्तिफनुस कैँ पकड़ि
लेलकनि आ धर्म-महासभाक सामने
अनलकनि। 13ओ सभ झुट्ठा गवाह
सभ पेश कऽ कऽ कहबौलक जे, “ई
आदमी सदिखन अपना सभक पवित्र
मन्दिर आ धर्म-नियमक विरोध मे बजैत
अछि 14कारण हम सभ एकरा एहि तरहेँ
कहैत सुनलहुँ जे, ‘ई नासरतक यीशु एहि
मन्दिर कैँ ढाहि देताह और मूसा द्वारा
देल गेल प्रथा सभ कैँ बदलि देताह।’ ”
15महासभा मे बैसल लोक सभ जखन
स्तिफनुसक दिस तकलनि तँ देखलनि जे
हुनकर मुँह स्वर्गदूतक मुँह जकाँ देखाइ
दऽ रहल अछि।

स्तिफनुसक वयान

अब्राहम कैँ देल परमेश्वरक वचनक चर्चा

7 तखन महापुरोहित स्तिफनुस सँ
पुछलथिन, “की ई बात सभ सत्य
अछि?”
2एहि पर स्तिफनुस उत्तर देलथिन,
“बाबू-भैया लोकनि, हमर बात सुनू!
अपना सभक पूर्वज अब्राहम हारान
नगर मे वास करऽ सँ पहिने जखन
मेसोपोतामिया क्षेत्र मे रहैत छलाह
तखन हुनका महिमामय परमेश्वर दर्शन
देलथिन। 3ओ कहलथिन, ‘तोँ अपन देश

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ निकलि जाह, अपन कुटुम्ब-परिवार
केँ छोड़ि दैह और ओहि देश मे जाह जे
हम तोरा देखयबह।'* 4तेँ ओ कसदी
जातिक लोकक देश छोड़ि कऽ हारान
मे आबि कऽ बसलाह। हुनकर पिताक
मृत्युक बाद परमेश्वर हुनका हारान नगर
सँ एहि देश मे पठौलथिन जतऽ एखन
अहाँ सभ रहि रहल छी। 5एतऽ परमेश्वर
उत्तराधिकारक रूप मे हुनका एतबो
जमीन अपन कहाबऽ वला नहि देलथिन
जतबा पर ओ पयर टेकि सकितथि, मुदा
तैयो परमेश्वर हुनका ई वचन देलथिन
जे, 'हम ई देश तोरा आ तोरा बाद तोहर
वंशक अधिकार मे कऽ देबह,' जखन
कि ओहि समय मे हुनका कोनो सन्तानो
नहि छलनि। 6परमेश्वर हुनका ई बात
कहलथिन, 'तोहर वंशक लोक सभ आन
देश मे प्रवासी भऽ जयतह आ ओतऽ
ओ सभ चारि सय वर्ष धरि गुलाम बनि
कष्ट सहैत रहतह।' 7परमेश्वर फेर
कहलथिन, 'जाहि राष्ट्रक लोक ओकरा
सभ केँ गुलाम बनाओत तकरा हम दण्ड
देबैक। तकरबाद ओ सभ ओहि देश सँ
निकलि आओत और एही देश मे आबि
कऽ हमर आराधना करत।'* 8तखन
परमेश्वर अब्राहमक संग जे विशेष
सम्बन्ध स्थापित कयने छलाह, तकर
चिन्ह स्वरूप हुनका सँ खतनाक विधि
शुरू करबौलनि। तेँ जखन हुनकर पुत्र
इसहाकक जन्म भेलनि तँ तकर आठम
दिन मे ओ हुनकर खतना करौलनि। बाद
मे इसहाकक पुत्र याकूबक जन्म भेलनि
और याकूब सँ अपना सभक बारह कुल-
पिता जन्म लेलनि।

परमेश्वरक योजना—यूसुफ कालीन चर्चा

9"यैह कुल-पिता लोकनि अपन भाय
यूसुफ सँ डाह रखैत हुनका बेचि देलनि
और ओ मिस्र देश मे लऽ जायल गेलाह।
मुदा परमेश्वर हुनका संग छलथिन।
10सभ कष्ट और विपत्ति मे ओ हुनका
बचौलथिन, और हुनका नीक बुद्धि
देलथिन जाहि सँ मिस्रक राजा फरओ
हुनका सँ प्रसन्न भेलनि और हुनका मिस्र
देशक प्रधानमन्त्री आ अपन सम्पूर्ण
राजभवनक मुख्य अधिकारी बनौलथिन।
11"जखन सम्पूर्ण मिस्र देश आ कनान
देश मे भारी रौदी पड़ल तँ अपना सभक
पूर्वज लोकनि केँ बड़का कष्ट सहऽ
पड़लनि कारण हुनका सभ लग भोजनक
लेल कोनो अन्न नहि छलनि। 12ओहि
समय मे याकूब सुनलनि जे मिस्र देश
मे अन्न भेटि रहल अछि, तँ ओ अपना
सभक कुल-पिता सभ केँ पहिल बेर मिस्र
देश सँ अन्न किनबाक लेल पठौलथिन।
13ओ सभ फेर जखन दोसर बेर अन्न
किनबाक लेल ओतऽ गेलाह तँ यूसुफ
हुनका सभ केँ अपन परिचय दऽ कऽ ई
बात प्रगट कयलनि जे हम अहाँ सभक
भाय यूसुफ छी। तखन फरओ केँ सेहो
यूसुफक परिवारक बारे मे जानकारी
भेलनि। 14एकर बाद यूसुफ अपन पिता
याकूब आ हुनकर सम्पूर्ण परिवार, अर्थात्
पचहत्तरियो लोक केँ बजबा लेलथिन।
15याकूब मिस्र देश गेलाह। ओ और
अपना सभक कुल-पिता लोकनि ओतहि
मुइलाह। 16हुनका सभक लास ओतऽ

7:3 उत्पत्ति 12.1 **7:7** उत्पत्ति 15.13, 14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ आनि कऽ एहि देशक शकेम नामक
स्थान मे ओहि कबर मे राखल गेलनि जे
अब्राहम हमोरक पुत्र सभ सँ पाइ दऽ कऽ
किनने छलाह।

परमेश्वरक योजना मे मूसाक स्थान

17 “जँ जँ ओहि वचन केँ पूर्ण होयबाक
समय लगचिआइत गेल जे परमेश्वर
अब्राहम केँ देने छलाह तँ तँ मिस्र मे
अपना सभक पूर्वजक संख्या बढ़ैत गेल।
18 ओहि समय मे मिस्र मे एक नव राजा
भेलाह जे यूसुफक सम्बन्ध मे नहि किछु
जनैत छलाह। 19 ओ राजा अपना सभक
जाति केँ धोखा दऽ कऽ अपना सभक
पूर्वज लोकनि केँ अपन-अपन बच्चा सभ
केँ फेकि देबाक लेल विवश कऽ देलथिन
जाहि सँ ओ सभ मरि जाय।

20 “ओही समय मे मूसाक जन्म भेलनि।
परमेश्वरक नजरि मे हुनकर विशेष स्थान
छलनि।* तीन मास धरि हुनकर पालन-
पोषण अपन पिताक घर मे भेलनि। 21 मुदा
आरो दिन नहि नुका सकबाक कारणेँ
हुनका जखन बाहर धऽ देल गेलनि तँ
फरओ-राजाक बेटी हुनका पौलक और
अपन पुत्र मानि कऽ पोसलक। 22 एहि
तरहेँ मूसा मिस्र देशक सम्पूर्ण शिक्षा प्राप्त
कयलनि और ओ बात आ काज दूनू मे
सामर्थी भेलाह।

23 “मूसा जखन चालिस वर्षक भेलाह
तखन हुनका मोन भेलनि जे हम अपन
जाति-भाय इस्राएली सभ सँ भेँट-घाँट
करी। 24 एक दिन ओ देखलनि जे एक
मिस्री लोक हुनकर जाति-भायक संग
दुर्व्यवहार कऽ रहल अछि, तेँ ओ अपन
भायक पक्ष लैत ओहि मिस्री लोकक
खून कऽ कऽ तकर बदला लऽ लेलनि।
25 ओ सोचैत छलाह जे हमर जाति-भाय
सभ ई बात बुझि जायत जे परमेश्वर
हमरा द्वारा ओकरा सभ केँ मुक्त करौताह
मुदा ओ सभ एहि बात केँ नहि बुझलक।
26 प्रात भेने जखन ओ फेर बहरयलाह तँ
दू इस्राएली भाय केँ अपने मे लड़ाइ करैत
देखलनि। ओ ओकरा सभ केँ मेल-मिलाप
कऽ लेबाक लेल बुझौलथिन, ‘सुनू, अहाँ
सभ भाय-भाय छी तखन एक-दोसर केँ
किएक कष्ट दैत छी?’ 27 एहि बात पर
ओ जे दोषी छल से मूसा केँ धकिया कऽ
कहलकनि, ‘अहाँ केँ के हमरा सभक
हाकिम और न्यायाधीश बनौलक? 28 की
जहिना अहाँ काल्हि ओहि मिस्री लोकक
खून कयलहुँ तहिना हमरो खून कऽ देबऽ
चाहैत छी?’* 29 मूसा ई बात सुनि मिस्र
देश सँ भागि कऽ मिद्यान देश मे परदेशी
भऽ कऽ रहऽ लगलाह और ओतहि हुनकर
दूटा बेटाक जन्म भेलनि।

30 “चालिस वर्षक बाद सीनय पहाड़
लग निर्जन क्षेत्र मे जरैत झाड़ीक धधरा
मे एक स्वर्गदूत मूसा केँ देखाइ देलनि।
31 ई देखि हुनका बड्ड आश्चर्य लगलनि।
एहि दृश्य केँ लग सँ देखबाक लेल जखन
गेलाह तँ प्रभु हुनका कहलथिन, 32 ‘हम
तोहर पूर्वजक परमेश्वर, अर्थात् अब्राहम,
इसहाक और याकूबक परमेश्वर छी।’*
मूसा थर-थर काँपऽ लगलाह और हुनका
ओम्हर देखैत रहबाक साहस नहि भेलनि।
33 तखन प्रभु कहलथिन, ‘तोँ अपन चप्पल
बाहर कऽ लैह, कारण जतऽ तोँ ठाढ़ छह
से पवित्र स्थान अछि। 34 हम देखलहुँ जे

7:20 वा, “ओ परमेश्वरक नजरि मे अति सुन्दर छलाह।” **7:28** प्रस्थान 2.14 **7:32** प्रस्थान 3.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मिस्र मे हमरा लोक केँ कोना सताओल
जा रहल अछि, हम ओकरा सभक
कुहरनाइ सुनलहुँ आ ओकरा सभ केँ
मुक्त करयबाक लेल उतरि आयल छी।
आब आबह! हम तोरा मिस्र देश मे पठा
रहल छिअह।’*

35 “ई वैह मूसा छथि जिनका ओ सभ
ई कहि कऽ अस्वीकार कयने छलनि
जे, अहाँ केँ के हाकिम आ न्यायाधीश
बनौलक? हुनका परमेश्वर ओहि
स्वर्गदूत द्वारा जे हुनका झाड़ी मे देखाइ
देने छलनि हाकिम और मुक्त करौनिहार
बना कऽ पठौलथिन। 36 वैह आदमी मिस्र
मे, लाल सागर मे आ चालिस वर्ष धरि
निर्जन क्षेत्र मे चमत्कारपूर्ण काज आ चिन्ह
सभ देखबैत अपन इस्राएली लोक केँ
मिस्र सँ बाहर निकालि अनलनि। 37 ई वैह
मूसा छथि जे ओकरा सभ केँ कहलथिन,
‘परमेश्वर तोरे सभ मे सँ हमरा सनक
प्रवक्ता तोरा सभक लेल पठौथुन।’*
38 हँ, ई वैह छथि जे निर्जन क्षेत्र मे अपना
सभक पूर्वजक समुदाय मे छलाह आ
जिनका सँ सीनय पहाड़ पर स्वर्गदूत
बात कयलनि। हुनके जीवनक वचन देल
गेलनि जे ओ अपना सभ केँ प्रदान करथि।

मूसाक संग पूर्वज सभक व्यवहार

39 “मुदा अपना सभक पूर्वज सभ
हुनकर बात नहि मानलनि, बल्कि हुनका
अस्वीकार कयलथिन आ फेर मिस्र
देश घूमि जयबाक इच्छा करैत छलाह।
40 ओ सभ हारून केँ कहलथिन, ‘अहाँ
हमरा सभक लेल एहन देवता बना दिअ
जे हमरा सभक मार्गदर्शन करथि, कारण
ई मूसा जे हमरा सभ केँ मिस्र देश सँ
निकालि कऽ अनलनि तिनका नहि जानि
की भऽ गेलनि!’* 41 ओही समय मे ओ
सभ एक बच्छाक मुरुत बना कऽ ओकरा
लग बलि-प्रदान कयलनि। ओ सभ अपन
हाथक बनाओल मुरुतक लेल एक पैघ
उत्सव मनौलनि। 42 एहि पर परमेश्वर
हुनका सभ केँ त्यागि देलथिन और
आकाशक सूर्य, चन्द्रमा आ तारा सभक
पूजा करबाक लेल छोड़ि देलथिन। एही
सम्बन्ध मे परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
लेख मे लिखल अछि,

‘हे इस्राएली लोक सभ,
की तोँ सभ निर्जन क्षेत्र मे चालिस
वर्ष धरि
पशु-बलि आ अन्य चढ़ौना सभ
हमरे चढ़ौलह?
43 नहि, तोँ सभ मोलोक देवताक
मण्डप केँ
और रिफान देवताक तारा सभ केँ
अर्थात् मुरुत सभ केँ
जकरा तोँ सभ पूजा करबाक लेल
बनौने छलह
तकरा सभ केँ अपना संग लऽ कऽ
घुमैत छलह।
तेँ आब हम तोरा सभ केँ बेबिलोनो
सँ दूर देश मे भगा देबह।’*

परमेश्वरक वास-स्थान—मनुष्यक बनाओल मन्दिर नहि!

44 “निर्जन क्षेत्र मे अपना सभक पूर्वज
सभ लग ‘साक्षीक मण्डप’ छलनि। ओ
मण्डप ओही नमूनाक अनुसार बनाओल
गेल छल जे परमेश्वर मूसा केँ देखौने

7:34 प्रस्थान 3.5, 7, 8, 10 **7:37** व्यव 18.15 **7:40** प्रस्थान 32.1 **7:43** आमोस 5.25

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलथिन आ ठीक ओहिना बनयबाक
आज्ञा देने छलथिन। 45ओ मण्डप ओहि
पुस्त सँ दोसर पुस्त मे आयल, और
परमेश्वर जखन एहि देश मे सँ दोसर
जाति सभ केँ भगा देलनि आ अपना
सभक पूर्वज सभ एहि देश केँ जितलनि
तँ ओ सभ यहोशूक संग ओहि मण्डप केँ
सेहो एतऽ अनलनि। और ओ मण्डप राजा
दाऊदक समय धरि एहि देश मे रहल।
46राजा दाऊद सँ परमेश्वर विशेष प्रसन्न
छलाह। ओ परमेश्वर सँ प्रार्थना कयलनि,
‘हे हमर पूर्वज याकूबक परमेश्वर, हम
अहाँक निवासक लेल एक घरक निर्माण
करी तकर आज्ञा हमरा दिअ।’ 47मुदा
परमेश्वरक ओहि घरक निर्माण करऽ
वला हुनकर बेटा सुलेमान भेलाह।

48 “परन्तु परम परमेश्वर मनुष्य द्वारा
बनाओल घर सभ मे नहि रहैत छथि, जेना
हुनकर एक प्रवक्ताक लेख मे अछि,

49 ‘स्वर्ग हमर सिंहासन अछि,
और पृथ्वी हमर पयरक चौकी।
प्रभु कहैत छथि, तोँ हमरा लेल केहन
घर बनयबह?
हमर रहबाक स्थान कतऽ होयत?
50 की ई सभ हमरे बनाओल नहि
अछि?’ *

वयानक सारांश—परमेश्वरक विरोधी अहीं सभ!

51 “हे जिद्दी आ अशुद्ध मोनक,
कानक बहीर लोक सभ! अहाँ सभ
एकदम अपन पूर्वज सभ जकाँ छी,
सदिखन पवित्र आत्माक विरोध करैत
रहैत छी! 52परमेश्वरक एहन एकोटा
प्रवक्ता भेलाह, जिनका अहाँ सभक
पूर्वज सभ नहि सतौलकनि? परमेश्वरक
धार्मिक सेवकक आगमनक सम्बन्ध मे
भविष्यवाणी कयनिहार सभक ओ सभ
खून तक कऽ देलकनि। और आब अहाँ
सभ ओहि धार्मिक सेवक केँ पकड़बा
कऽ हुनकर हत्या कयलहुँ। 53अहाँ सभ
ओ लोक छी जकरा स्वर्गदूतक माध्यम सँ
परमेश्वरक धर्म-नियम देल गेल मुदा अहीं
सभ ओकरा नहि मानने छी।”

स्तिफनुस पर पथरबाहि

54 ई बात सुनितहि ओ सभ तामसे-
पित्ते हुनका पर दाँत पिसऽ लागल।
55मुदा स्तिफनुस पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण
भऽ स्वर्ग दिस ताकऽ लगलाह और ओ
ओतऽ परमेश्वरक तेज प्रकाश चमकैत
आ परमेश्वरक दहिना कात यीशु केँ ठाढ़
देखलनि। 56ओ बाजि उठलाह, “हम
स्वर्ग केँ खुजल आ परमेश्वरक दहिना
कात मनुष्य-पुत्र यीशु केँ ठाढ़ देखि रहल
छियनि।”

57 एहि बात पर ओ सभ अपन कान
मुनि लेलक और जोर सँ हल्ला करैत
हुनका दिस दौड़ल 58आ हुनका पकड़ि
कऽ घिसिअबिते शहर सँ बाहर लऽ गेल
और हुनका खून कऽ देबाक लेल पाथर
मारऽ लगलनि। गवाह सभ अपन वस्त्र
साउल नामक युवक लग रखने छल।

59 जखन ओ सभ स्तिफनुस केँ पाथर
मारि रहल छलनि तखन ओ प्रार्थना कऽ
रहल छलाह, “हे प्रभु यीशु, हमर आत्मा
केँ ग्रहण करू।” 60ओ ठेहुन रोपि फेर
जोर सँ कहलनि, “हे प्रभु, एहि पापक

7:50 यशा 66.2

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हिसाब एकरा सभ सँ नहि लिऔक।”
एतबा कहलाक बाद हुनकर प्राण छुटि
गेलन्हि।*

8 साउल स्तिफनुसक हत्या सँ सहमत
छल।

विश्‍वासी मण्डली पर अत्याचार

ओही दिन सँ यरूशलेमक विश्‍वासी
मण्डली पर भयंकर अत्याचार शुरू भऽ
गेल और मसीह-दूत सभ केँ छोड़ि आरो
सभ विश्‍वासी यहूदिया आ सामरिया
प्रदेश मे छिड़िया गेल। 2परमेश्‍वरक भक्‍त
सभ स्तिफनुसक लास लऽ जा कऽ कबर
मे गाड़ि देलनि और हुनका लेल बहुत
शोक मनौलनि। 3एम्हर साउल विश्‍वासी
मण्डली केँ नष्‍ट करबाक कोशिश कऽ
रहल छल। ओ घर-घर मे हुलि कऽ
स्त्रीगण और पुरुष सभ केँ पकड़ि जहल
मे बन्द करबा दैत छल।

सामरिया प्रदेश मे शुभ समाचारक प्रचार

4 जे विश्‍वासी सभ छिड़िया गेल से सभ
घूमि-घूमि कऽ प्रभुक वचनक प्रचार करैत
छल। 5फिलिपुस सामरिया प्रदेशक एक
शहर मे आबि कऽ उद्धारकर्ता-मसीहक
प्रचार करऽ लगलाह। 6फिलिपुसक
प्रचारक बात सुनि आ हुनका द्वारा कयल
चमत्कार सभ देखि भीड़क सभ लोक
एक चित्त भऽ कऽ हुनका कथन पर पूरा
ध्यान देबऽ लागल। 7बहुत लोक मे सँ
दुष्‍टात्मा* सभ चिचिया-चिचिया कऽ
निकलि गेल और बहुत लकवा मारल
आ नाङड़ आदमी सभ स्वस्थ भऽ गेल।
8एहि सभ सँ ओहि शहरक लोक बहुत
आनन्दित भेल।

जादूगर सिमोन

9 ओहि शहर मे सिमोन नामक एक
जादूगर बहुत दिन सँ अपन जादू देखा
कऽ सामरियाक लोक सभ केँ आश्‍चर्यित
कयने छल। ओ अपना केँ बड्ड पैघ
लोक कहैत छल, 10और ऊँच-नीच
सभ तरहक लोक ओकर बात मानैत
छल। ओ सभ कहैत छल जे “ई आदमी
ईश्‍वरक ओहि शक्‍तिक अवतार छथि
जे ‘महाशक्‍ति’ कहबैत छथि।” 11लोक
सभ एहि लेल ओकर बात मानैत छल
जे ओ बहुत दिन सँ एकरा सभ केँ अपन
जादू द्वारा प्रभावित कयने छल। 12मुदा
ओ सभ जखन फिलिपुसक प्रचार सुनि
यीशु मसीह आ परमेश्‍वरक राज्यक शुभ
समाचार पर विश्‍वास कयलक तँ, पुरुष
और स्त्रीगण, सभ केओ बपतिस्मा लेबऽ
लागल। 13सिमोन सेहो विश्‍वास कयलक
आ बपतिस्मा लेलक। ओ फिलिपुसक
संगे-संग सभतरि घुमैत छल आ हुनकर
अद्‌भुत चिन्ह और चमत्कारपूर्ण काज
सभ देखि चकित रहि जाइत छल।

सामरी विश्‍वासी सभ केँ पवित्र आत्मा

14 यरूशलेम मे जखन मसीह-दूत सभ
ई सुनलनि जे सामरिया प्रदेशक लोक सभ
परमेश्‍वरक वचन स्वीकार कऽ लेने अछि
तँ ओ सभ पत्रुस आ यूहन्‍ना केँ ओतऽ
पठौलनि। 15ओ दूनू गोटे ओतऽ पहुँचि
कऽ ओकरा सभक लेल प्रार्थना कयलनि
जाहि सँ ओ सभ पवित्र आत्मा केँ प्राप्‍त

7:60 अक्षरशः “...ओ सुति रहलाह।” **8:7** मूल मे “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करय, 16कारण एखन तक ओकरा
सभ मे सँ ककरो पर पवित्र आत्मा नहि
आयल छलथिन—ओ सभ मात्र प्रभु
यीशु पर विश्वास कऽ कऽ हुनका नाम
सँ बपतिस्मा लेने छल। 17तखन ओ दूनू
गोटे ओकरा सभ पर हाथ रखलनि और
ओ सभ पवित्र आत्मा केँ प्राप्त कयलक।

सिमोनक लोभ

18 सिमोन जखन देखलक जे ककरो
शरीर पर मसीह-दूत सभ अपन हाथ
रखैत छथि तँ ओकरा पवित्र आत्मा भेटैत
छथिन तखन ओ अपन पाइ लऽ कऽ
हुनका सभ लग गेल 19आ कहलकनि,
“हमरो ई गुण दिअ जाहि सँ हम ककरो
शरीर पर हाथ रखिऐक तँ ओकरा पवित्र
आत्मा भेटैक।” 20एहि पर पत्रुस उत्तर
देलथिन, “सत्यानाश होउ तोहर और
तोरा पाइ केँ जे तोँ परमेश्वरक दान केँ
पाइ सँ मोल लेबऽ चाहैत छेँ! 21एहि काज
मे तोहर कोनो हिस्सा वा अधिकार नहि
छौक कारण परमेश्वरक दृष्टि मे तोहर
मोन भ्रष्ट छौक। 22आब तोँ अपना एहि
दुष्ट विचारक लेल पश्चात्ताप कर और
प्रभु सँ क्षमा माँग। भऽ सकैत अछि जे ओ
तोहर एहन विचार केँ क्षमा कऽ देथुन।
23हम देखैत छी जे तोँ ईर्ष्याक विष सँ
भरल आ पाप मे जकड़ल छेँ।”

24 एहि पर सिमोन कहलकनि, “अहीं
सभ हमरा लेल प्रार्थना करू जाहि सँ
अहाँ जेना कहलहुँ तेना हमरा संग नहि
होअय।”

25 पत्रुस और यूहन्ना प्रभु यीशुक
विषय मे साक्षी दऽ कऽ आ परमेश्वरक
वचनक प्रचार कऽ कऽ यरूशलेमक लेल
फेर विदा भेलाह और रस्ता मे सामरिया
प्रदेशक बहुतो गाम मे शुभ समाचार
सुनबैत गेलाह।

फिलिपुस आ इथियोपिया देशक एक हाकिम

26 एम्हर परमेश्वरक एक स्वर्गदूत
फिलिपुस केँ कहलथिन, “तोँ एतऽ सँ
दक्षिण मुँहें विदा भऽ कऽ यरूशलेम सँ
गाजा नगर जाय वला रस्ता पर जाह जे
बंजरभूमि दऽ कऽ गेल अछि।” 27ई सुनि
फिलिपुस विदा भऽ गेलाह। रस्ता मे हुनका
इथियोपिया देशक एक हाकिम भेटलथिन
जे इथियोपियाक रानी कन्दकीक मुख्य
खजांची छलाह। ओ आराधना करबाक
लेल यरूशलेम गेल छलाह, 28आ ओतऽ
सँ घुमैत काल अपना रथ मे बैसल
धर्मशास्त्र मे परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह
द्वारा लिखल भाग केँ पढ़ि रहल छलाह।
29तखन पवित्र आत्मा फिलिपुस केँ
कहलथिन, “आगाँ बढ़ि कऽ ओहि रथक
संगे-संग चलह।” 30फिलिपुस दौड़ि कऽ
रथ लग गेलाह और ओहि हाकिम केँ
यशायाहक पुस्तक मे सँ पढ़ैत सुनलनि।
तखन फिलिपुस पुछलथिन, “अहाँ जे
पढ़ि रहल छी से बुझितो छी?” 31ओ
उत्तर देलथिन, “हम कोना बुझब जाबत
केओ हमरा बुझाओत नहि?” ई कहि
कऽ ओ हुनका सँ रथ पर बैसबाक आग्रह
कयलथिन।

32 धर्मशास्त्रक जे भाग ओ पढ़ि रहल
छलाह से ई छल,

“वध करबाक लेल भेँड़ा जकाँ
हुनका लऽ गेलनि
और भेँड़ी जहिना ऊन छोपयबा
काल मे शान्त रहैत अछि
तहिना ओ शान्त रहलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

33 ओ बेइज्जति कयल गेलाह
और हुनका उचित न्याय नहि
भेटलनि।
हुनकर सन्तानक वर्णन कोना भऽ
सकत
कारण हुनकर एहि पृथ्वी परक
जीवन केँ समाप्त कऽ देल
गेलनि।”*

34 हाकिम फिलिपुस सँ पुछलथिन,
“हमरा कहल जाओ—लेखक ई बात
किनका विषय मे कहि रहल छथि, अपना
विषय मे वा किनको दोसराक विषय
मे?” 35एहि पर फिलिपुस धर्मशास्त्रक
ओही पाठ सँ शुरू कऽ कऽ हुनका यीशुक
सम्बन्ध मे शुभ समाचार सुनौलथिन।
36जाइत-जाइत आगाँ रस्ता मे हुनका सभ
केँ पानि भेटला पर हाकिम फिलिपुस केँ
कहलथिन, “देखल जाओ, एतऽ पानि
अछि। आब हम किएक नहि बपतिस्मा
लऽ ली?” 37[फिलिपुस उत्तर देलथिन,
“जँ अहाँ सम्पूर्ण मोन सँ विश्वास करैत
छी तँ लऽ सकैत छी।” ओ कहलथिन,
“हम विश्वास करैत छी जे यीशु मसीह
परमेश्वरक पुत्र छथि।”]* 38ई कहि
हाकिम रथ केँ रोकबा देलथिन और
दूनू गोटे उतरि कऽ पानि मे गेलाह और
फिलिपुस हुनका बपतिस्मा देलथिन।
39जखन ओ सभ पानि मे सँ उपर भेलाह
तखन एकाएक प्रभुक आत्मा फिलिपुस केँ
दोसर ठाम लऽ गेलथिन आ हाकिम फेर
हुनका नहि देखलथिन मुदा आनन्दपूर्बक
ओ अपन रस्ता पर बढ़ैत गेलाह।

40 एम्हर फिलिपुस अपना केँ अश्दोद
नगर मे पौलनि। ओतऽ सँ आगाँ बढ़ि कऽ
सभ नगर मे ओ शुभ समाचारक प्रचार
करैत-करैत कैसरिया पहुँचलाह।

साउल केँ यीशुक दर्शन

9 साउल एखनो तक प्रभु यीशुक
शिष्य सभ केँ धमकी दैत छल आ
हुनका सभक हत्या करबाक फिराक
मे रहैत छल। ओ महापुरोहित लग जा
कऽ 2दमिश्कक सभाघर सभक लेल
आज्ञा-पत्र मँगलक जाहि सँ जँ ओकरा
दमिश्क मे एहि पंथ केँ मानऽ वला लोक
सभ भेटैक तँ ओ ओकरा सभ केँ, चाहे
स्त्रीगण होअय वा पुरुष, बन्दी बना कऽ
यरूशलेम आनि सकय। 3जखन ओ
दमिश्क नगर लग पहुँचल तँ एकाएक
आकाश सँ बहुत तेज प्रकाश ओकरा
चारू कात पड़ल। 4ओ जमीन पर खसि
पड़ल आ ओकरा एक स्वर सुनाइ देलक,
“हौ साउल, हौ साउल, तोँ हमरा किएक
सतबैत छह?” 5ओ पुछलकनि, “यौ
प्रभु, अहाँ के छी?” ओ उत्तर देलथिन,
“हम यीशु छी जिनका तोँ सता रहल छह।
6आब तोँ उठि कऽ शहर मे जाह, ओतऽ
तोरा कहल जयतह जे तोरा की करबाक
छह।” 7साउलक संग जे लोक सभ जा
रहल छल से सभ अवाक रहि गेल,
कारण ओ सभ आवाज सुनलक मुदा
ककरो देखलक नहि। 8साउल जमीन
पर सँ उठलाह मुदा ओ जखन आँखि
तकलनि तँ हुनका किछु देखाइ नहि दैत
छलनि। तेँ ओ सभ हुनका हाथ पकड़ि
कऽ दमिश्क शहर मे लऽ गेलनि। 9ओ
तीन दिन धरि आन्हर रहलाह आ किछु
नहि खयलनि-पिलनि।

8:33 यशा 53.7, 8 **8:37** किछु हस्तलेख सभ मे पद 37 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दमिश्क नगर मे साउल

10 दमिश्क मे हननियाह नामक एक
शिष्य छलाह, जिनका प्रभु यीशु दर्शन
दऽ कऽ कहलथिन, “हौ हननियाह!”
ओ उत्तर देलथिन, “कहल जाओ प्रभु।”
11 प्रभु आज्ञा देलथिन, “उठह, ‘सोझका
गली’ नामक रस्ता मे जा कऽ यहूदाक
घर मे तरसुस निवासी साउलक खोज
करह, ओ प्रार्थना कऽ रहल अछि।
12 और ओकरा मोन मे एकटा दृश्य देखाइ
पड़ल छैक जे हमरा घर मे हननियाह
नामक एक आदमी अयलाह आ हमरा
पर हाथ रखलनि जे हम देखि सकी।”
13 हननियाह उत्तर देलथिन, “यौ प्रभु, हम
एहि आदमीक बारे मे बहुत किछु सुनने
छी जे कोना ओ यरूशलेम मे अहाँक
चुनल लोक सभ केँ सतबैत छल 14 आ
एहूठाम अहाँक शिष्य सभ केँ पकड़बाक
लेल मुख्यपुरोहित सभक आदेश-पत्र लऽ
कऽ आयल अछि।” 15 प्रभु उत्तर देलथिन,
“तोँ जाह, ओकरा हम चुनने छी जाहि सँ
ओ गैर-यहूदी, ओकर सभक राजा सभ
मे आ इस्राएली लोकक बीच मे हमर
नामक प्रचार करय। 16 आब हम ओकरा
देखयबैक जे हमर नामक कारणेँ ओकरा
कतेक कष्ट सहऽ पड़तैक।”

17 तखन हननियाह गेलाह आ ओहि
घर मे प्रवेश कऽ साउल पर हाथ राखि
कऽ कहलथिन, “यौ साउल भाइ, प्रभु
जे अहाँ केँ रस्ता मे अयबा काल दर्शन
देलनि, अर्थात् यीशु, सैह हमरा अहाँ
लग पठौलनि जाहि सँ अहाँ फेर देखी
आ पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण भऽ जाइ।”
18 तखने साउलक आँखि सँ पपड़ी जकाँ
किछु खसल आ ओ देखऽ लगलाह।
ओ उठलाह और बपतिस्मा लेलनि।
19 तकरबाद ओ किछु भोजन कयलनि
आ हुनका बल भेटलनि।

अत्याचारी सँ प्रचारक

साउल दमिश्क मे शिष्य सभक संग
किछु दिन रहलाह। 20 ओ तुरत ओतुक्का
सभाघर सभ मे जा कऽ प्रचार करऽ
लगलाह जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि।
21 एहि पर सभ लोक जे हुनकर प्रचार
सुनलक से अकचका कऽ बाजऽ लागल
जे, “ई की भेल? की ई वैह आदमी
नहि अछि जे यरूशलेम मे एहि नाम पर
विश्वास करऽ वला सभ केँ सतबैत
छल? और की ओ एहूठाम एहि लेल नहि
आयल अछि जे यीशु केँ मानऽ वला सभ
केँ पकड़ि कऽ मुख्यपुरोहित सभ लग लऽ
जाय?” 22 मुदा साउल प्रचारक काज मे
आओर सामर्थ्यवान होइत गेलाह। यीशुए
उद्धारकर्ता-मसीह छथि तकर प्रमाण दऽ-
दऽ कऽ ओ दमिश्क मे रहऽ वला यहूदी
सभक मुँह बन्द कऽ दैत छलाह। 23 एहि
तरहेँ बहुत दिन बिति गेल। आब यहूदी
सभ षड्यन्त्र रचऽ लागल जे साउल
केँ जान सँ मारि दी। 24 मुदा साउल केँ
एहि बातक खबरि भऽ गेलनि। यहूदी
सभ दिन-राति शहरक द्वारि लग पहरा
दऽ कऽ हुनका मारबाक ताक मे रहैत
छल। 25 मुदा एम्हर हुनकर चेला सभ एक
राति एकटा ढाकी मे हुनका बैसा कऽ
शहरक देवाल पर बाटे ओहि पार उतारि
देलकनि। ओ ओहिठाम सँ यरूशलेम
चल गेलाह।

26 यरूशलेम पहुँचि कऽ साउल
विश्वासी सभ मे सम्मिलित होयबाक
प्रयत्न कयलनि मुदा ओ सभ हिनका सँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

डेराइत छलाह कारण हुनका सभ केँ एहि
बातक विश्वास नहि होइत छलनि जे
वास्तव मे ओ यीशु मसीहक शिष्य बनि
गेल छथि। 27तखन बरनबास हुनका
मसीह-दूत सभ लग लऽ गेलनि। ओ
हुनका सभ केँ कहलथिन जे कोना साउल
रस्ता मे प्रभु केँ देखलनि आ प्रभु कोना
हिनका सँ गप्प कयलथिन और ई कतेक
साहसक संग दमिश्क मे प्रभु यीशुक प्रचार
कयलनि। 28एकरबाद साउल हुनका
सभक संग रहऽ लगलाह। ओ यरूशलेम मे
घूमि-फिरि कऽ निडर भऽ कऽ प्रभु यीशुक
प्रचार कयलनि। 29ओ यूनानी भाषी यहूदी
सभ सँ वाद-विवाद करैत छलाह मुदा ओ
सभ हिनका जान सँ मारि देबाक कोशिश
करऽ लागल। 30विश्वासी भाय सभ केँ
जखन एहि बातक खबरि भेलनि तँ ओ
सभ हुनका कैसरिया लऽ जा कऽ तरसुस
नगरक लेल विदा कऽ देलथिन।

31 तकरबाद समस्त यहूदिया, गलील
आ सामरिया प्रदेश मे विश्वासी मण्डली
केँ अत्याचार सँ आराम भेटल। प्रभुक
आदर करैत आ आज्ञा मानैत मण्डली
मजगूत होइत गेल और परमेश्वरक पवित्र
आत्मा सँ प्रोत्साहित भऽ विश्वासी सभक
संख्या बढ़ैत गेल।

एनियास स्वस्थ भऽ गेल

32 पत्रुस बहुत ठाम घुमैत-फिरैत लुद्दा
नामक गाम मे विश्वासी सभ सँ भेँट
करबाक लेल अयलाह। 33एहिठाम
एनियास नामक एक आदमी भेटलनि जे
लकवा बिमारीक कारणेँ आठ वर्ष सँ
ओछायन धऽ लेने छल। 34पत्रुस ओकरा
कहलथिन, “हौ एनियास, यीशु मसीह
तोरा स्वस्थ करैत छथुन। तोँ उठह आ
अपन ओछायन ठीक करह।” ओ तुरत
ठाढ़ भऽ गेल। 35लुद्दा आ शारोनक सभ
निवासी ओकरा देखलक, आ प्रभु यीशु
पर विश्वास कयलक।

दोरकस जिआओल गेलीह

36 याफा नगर मे एक विश्वासी स्त्री
छलीह जिनकर नाम तबीता छलनि,
जकरा यूनानी भाषा मे “दोरकस”, ⌞अर्थात्
“हिरणी”⌟ कहल जाइत अछि। ओ बराबरि
अनेक तरहक काज द्वारा दोसराक, आ
खास कऽ गरीब सभक, सहायता करैत
छलीह। 37जाहि समय मे पत्रुस लुद्दा मे
छलाह ताहि समय मे ओ बिमार भेलीह आ
मरि गेलीह। हुनकर लास केँ स्नान करा
कऽ उपरका तल्ला पर कोठली मे राखि
देल गेलनि। 38लुद्दा याफा सँ बेसी दूर नहि
छल, आ तेँ विश्वासी सभ ई जानि जे पत्रुस
लुद्दा मे छथि, दू आदमी केँ ई कहबाक
लेल पत्रुस लग पठौलनि जे, “अहाँ एतऽ
आबऽ मे देरी नहि करू!” 39पत्रुस हुनका
सभक संग विदा भेलाह। पहुँचलाक बाद
लोक सभ हुनका उपरका तल्ला पर लऽ
गेलनि। विधवा सभ पत्रुस केँ चारू कात
सँ घेरि कऽ जे कुर्ता और अन्य वस्त्र सभ
दोरकस मरऽ सँ पहिने बनौने छलीह, से
सभ कानि-कानि कऽ देखाबऽ लगलथिन।
40तखन पत्रुस सभ लोक केँ घर सँ बाहर
कऽ देलनि, आ अपने ठेहुनिया दऽ कऽ
प्रार्थना करऽ लगलाह। तकरबाद ओ लास
दिस घूमि कऽ कहलथिन, “तबीता, उठि
जाउ!” तबीता आँखि तकलनि आ सामने मे
पत्रुस केँ देखि उठि कऽ बैसलीह। 41पत्रुस
हुनका हाथ धऽ कऽ ठाढ़ कयलनि। तखन
ओ विधवा सभ और अन्य विश्वासी सभ
केँ बजा कऽ दोरकस केँ हुनका सभक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जिम्मा मे जीवित सौंपि देलथिन। 42ई बात
सम्पूर्ण याफा मे पसरि गेल आ बहुत लोक
प्रभु पर विश्वास कयलक। 43पत्रुस याफा
मे चमड़ाक कारोबार करऽ वला सिमोनक
ओतऽ बहुत दिन धरि रहलाह।

रोमी कप्तान कुरनेलियुस कैँ परमेश्वरक सम्बाद

10 कैसरिया नगर मे कुरनेलियुस
नामक एक आदमी छलाह
जे रोमी सेना मे ओहि पल्टनक कप्तान
छलाह जे “इटली पल्टन” कहबैत छल।
2ओ अपन पूरा परिवार भक्तिपूर्बक
परमेश्वरक भय मानऽ वला छलाह।
ओ गरीब सभ कैँ दान दैत छलाह और
परमेश्वर सँ नियमित रूप सँ प्रार्थना
करैत छलाह। 3एक दिन बेरिआ मे,
करीब तीन बजे परमेश्वरक एक
स्वर्गदूत हुनका दर्शन देलथिन। ओ
स्वर्गदूत कैँ अपना लग अबैत स्पष्ट
देखलथिन। स्वर्गदूत हुनका नाम लऽ
कऽ कहलथिन, “यौ कुरनेलियुस!”
4कुरनेलियुस डेराइते हुनका दिस
एकटक लगा कऽ तकैत कहलथिन, “की
बात, प्रभु?” स्वर्गदूत उत्तर देलथिन,
“अहाँक प्रार्थना और गरीब सभ कैँ देल
गेल दान सभ चढ़ौनाक रूप मे परमेश्वर
लग पहुँचल अछि, और ओ अहाँ पर
ध्यान देलनि अछि। 5आब अहाँ एना
करू—किछु गोटे कैँ याफा नगर मे सँ
सिमोन, जकर दोसर नाम पत्रुस छैक,
तकरा बजाबऽ लेल पठा दिऔक। 6ओ
ओहिठाम दोसर सिमोन नामक आदमी,
जे चमड़ाक कारोबार करैत अछि, आ
जकर घर समुद्रक कात मे छैक, तकरा
ओतऽ रहि रहल अछि।”

7स्वर्गदूत कैँ चल गेलाक बाद,
कुरनेलियुस दूटा नोकर और अपन निजि
सहायक सभ मे सँ एक भक्त सैनिक
कैँ बजबौलनि। 8ओ ओकरा सभ कैँ
सभ बात कहि देलथिन आ याफा नगर
पठौलथिन।

पत्रुसक समक्ष आश्चर्यजनक दृश्य

9प्रात भेने दुपहर कऽ ओ सभ याफा
नगर लग पहुँचल, आ एम्हर पत्रुस
प्रार्थना करबाक लेल छत पर गेलाह।
10हुनका भूख लगलनि और किछु
खयबाक इच्छा भेलनि, मुदा भानस
भइए रहल छल। ओही समय मे हुनका
सामने एक दृश्य प्रगट भेलनि। 11ओ
स्वर्ग कैँ खुजल और ओतऽ सँ बड़का
चद्दरि जकाँ कोनो चीज, जकर चारू
खूँट बान्हल छलैक, से नीचाँ पृथ्वी
दिस उतारल जाइत देखलनि। 12ओहि
चद्दरि मे सभ प्रकारक चौपाया जानबर,
जमीन मे ससरऽ वला जीव-जन्तु और
आकाशक चिड़ै सभ छल। 13तखन
पत्रुस कैँ एक आवाज सुनाइ पड़लनि जे,
“पत्रुस, उठह, आ एहि मे सँ मारि कऽ
खाह!” 14पत्रुस उत्तर देलथिन, “नहि,
नहि प्रभु! हम कोनो अपवित्र वा अशुद्ध
वस्तु कहियो नहि खयलहुँ।” 15एहि पर
फेर आवाज आयल जे, “जाहि वस्तु कैँ
परमेश्वर शुद्ध ठहरौने छथिन, तकरा तोँ
अशुद्ध नहि कहक।” 16ई बात तीन बेर
भऽ गेल, तखन एकाएक ओ चद्दरि फेर
स्वर्ग दिस घीचि लेल गेल।

दृश्यक उद्देश्य

17पत्रुस सोचिए रहल छलाह जे एहन
दृश्यक अर्थ की भऽ सकैत अछि, ठीक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओही समय मे कुरनेलियुसक पठाओल
आदमी सभ पुछैत-पुछैत सिमोनक घर लग
पहुँचल, और बाहर वला द्वारि लग ठाढ़
भऽ 18सोर पारि कऽ पुछलक, “की सिमोन
पत्रुस नामक कोनो व्यक्ति एतऽ ठहरल
छथि?” 19पत्रुस एखनो ओहि दृश्यक
सम्बन्ध मे विचार कऽ रहल छलाह कि
परमेश्वरक आत्मा हुनका कहलथिन,
“सिमोन! तोरा तीन आदमी ताकि रहल
छह। 20तेँ आब नीचाँ जाह आ कोनो
तरहक दुबिधा मे नहि पड़ि कऽ ओकरा
सभक संग जाह, कारण हमहीं ओकरा
सभ केँ तोरा लग पठौने छिऐक।” 21पत्रुस
नीचाँ जा कऽ ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“जिनका अहाँ सभ ताकि रहल छी, से हम
छी। अहाँ सभ कोन काज सँ अयलहुँ?”

22 ओ सभ उत्तर देलकनि, “हम सभ
कप्तान कुरनेलियुसक ओतऽ सँ अयलहुँ।
ओ धार्मिक आ परमेश्वरक भय मानऽ
वला लोक छथि। हुनका समस्त यहूदी
जाति मे मान्यता छनि। एक पवित्र
स्वर्गदूत हुनका आज्ञा देलथिन जे अपने
केँ ओ अपना ओहिठाम बजबा कऽ
अपनेक उपदेश सुनथि।” 23तखन पत्रुस
ओकरा सभ केँ घरक भीतर आनि कऽ
सेवा-सत्कार करऽ लगलथिन।

तकर प्राते भेने पत्रुस ओकरा सभक
संग विदा भेलाह, और याफा सँ किछु
विश्वासी भाय सेहो संग गेलनि। 24एक
दिनक बाद ओ सभ कैसरिया मे पहुँचि
गेलाह। कुरनेलियुस हिनका सभक बाट
तकैत छलथिन और अपन सम्बन्धी
लोक आ इष्ट-मित्र सभ केँ बजा लेने
छलाह। 25जखन पत्रुस घर मे प्रवेश
करहे वला छलाह तखन कुरनेलियुस
आबि कऽ हुनकर पयर पर खसि कऽ
प्रणाम कयलनि। 26मुदा पत्रुस हुनका
उठबैत कहलथिन, “उठू, उठू, हमहूँ
मनुष्ये छी!”

27 हुनका सँ गप्प-सप्प करैत पत्रुस
भीतर गेलाह, और बहुत लोक जमा
भेल देखि 28ओकरा सभ केँ कहलथिन,
“अहाँ सभ केँ बुझले अछि जे हमरा
यहूदी लोकनिक धर्म-नियम गैर-यहूदी
सँ सम्पर्क राखब वा ओकरा ओहिठाम
जायब मना करैत अछि। मुदा परमेश्वर
हमरा स्पष्ट कऽ देलनि जे ककरो अशुद्ध
वा अछोप नहि बुझबाक चाही। 29तेँ
हमरा जखन बजाओल गेल तँ बिनु कोनो
आपत्ति मानैत हम चल अबैत रहलहुँ।
आब अहाँ सभ कहू जे हमरा कोन काज
सँ बजौलहुँ।”

30 कुरनेलियुस उत्तर देलथिन, “चारि
दिन पहिने हम एही समय मे, अर्थात् तीन
बजे मे, अपना घर मे प्रार्थना कऽ रहल
छलहुँ। एकाएक बहुत चमकैत वस्त्र
पहिरने एक आदमी हमरा सामने मे ठाढ़
भऽ गेलाह 31आ कहलनि, ‘कुरनेलियुस!
परमेश्वर अहाँक प्रार्थना सुनने छथि और
अहाँक दानक काज सँ प्रसन्न छथि।
32अहाँ एना करू, सिमोन केँ, जकर
दोसर नाम पत्रुस छैक, याफा सँ बजबा
लिअ। ओ चमड़ाक कारोबार करऽ
वला सिमोन, जकर घर समुद्रक कात
मे छैक, तकरा ओतऽ ठहरल अछि।’
33तेँ हम अपने केँ तुरत बजबौलहुँ, और
ई अपनेक कृपा भेल जे अपने हमरा
ओहिठाम अयलहुँ। आब हम सभ गोटे
एतऽ परमेश्वरक समक्ष उपस्थित छी,
और परमेश्वर जे किछु कहबाक आज्ञा
अपने केँ देने होथि, से सभ बात सुनबाक
लेल हम सभ तैयार छी।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कुरनेलियुसक घर मे पत्रुसक उपदेश

34 एहि पर पत्रुस कहऽ लगलाह, “हम
आब बुझि गेलहुँ जे सत्ये मे परमेश्वर
ककरो संग पक्षपात नहि करैत छथि,
35 और जे केओ हुनकर भय मानैत छनि
आ उचित काज करैत अछि चाहे ओ कोनो
जातिक होअय, तकरा परमेश्वर स्वीकार
करैत छथिन। 36 अहाँ सभ जनैत होयब जे
परमेश्वर इस्राएली लोकक बीच एक शुभ
समाचार सुनबौलथिन। ओ शुभ समाचार
ई अछि जे यीशु मसीह, जे सभक प्रभु
छथि, तिनका द्वारा परमेश्वरक संग मेल-
मिलाप भऽ सकैत अछि। 37 अहाँ सभ इहो
जनैत होयब जे यूहन्ना द्वारा पश्चात्ताप आ
बपतिस्माक प्रचार भेलाक बाद, गलील
प्रदेश सँ लऽ कऽ सम्पूर्ण यहूदिया प्रदेश मे
की की भेल— 38 कोना नासरत-निवासी
यीशु केँ परमेश्वर अपना पवित्र आत्मा
आ सामर्थ्य सँ परिपूर्ण कयलथिन*, आ
कोना ओ सभतरि घूमि-घूमि कऽ भलाइक
काज करैत छलाह और शैतान सँ पीड़ित
लोक सभ केँ स्वस्थ कऽ दैत छलाह। ई
काज सभ ओ एहि लेल कऽ सकलाह
जे परमेश्वर हुनका संग छलथिन।
39 और जतेक काज ओ यहूदिया प्रदेश
आ यरूशलेम शहर मे कयलनि, तकर
सभक साक्षी हम सभ छी। लोक सभ
हुनका क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि देलकनि,
40 मुदा परमेश्वर हुनका तेसर दिन फेर
जिआ देलथिन, और प्रत्यक्ष देखौलथिन,
41 सभ केँ नहि, बल्कि ओही लोक सभ
केँ जकरा ओ पहिनहि सँ गवाहक लेल
चुनि लेने छलाह। ओ गवाह हम सभ छी
आ हुनकर मृत्यु मे सँ जीबि उठलाक
बाद हम सभ हुनका संग खयलहुँ-पिलहुँ।
42 ओ हमरा सभ केँ आज्ञा देलनि जे हम
सभ लोक सभक बीच ई शुभ समाचारक
प्रचार करी आ गवाही दिऐक जे हुनके
परमेश्वर सभ लोकक न्याय करबाक
लेल नियुक्त कयने छथि, ओ सभ चाहे
मुइल होअय वा जीवित। 43 हुनके विषय
मे परमेश्वरक सभ प्रवक्ता लोकनि
गवाही देने छथि जे, जे केओ हुनका पर
विश्वास करत तकरा हुनका द्वारा पापक
क्षमा भेटतैक।”

गैर-यहूदी सभ केँ सेहो परमेश्वरक आत्माक प्राप्ति

44 पत्रुस जखन बाजिए रहल छलाह
तखने जे सभ हुनकर ई प्रवचन सुनि
रहल छल, तकरा सभ पर पवित्र आत्मा
अयलाह। 45-46 ओ सभ अनजान भाषा
मे बाजऽ लागल और परमेश्वरक स्तुति-
प्रशंसा करऽ लागल। यहूदी विश्वासी सभ
जे पत्रुसक संग आयल छलाह, से सभ ई
देखि चकित रहि गेलाह जे परमेश्वर गैर-
यहूदी सभ केँ सेहो अपन पवित्र आत्मा
प्रदान कयलनि।

47 तखन पत्रुस कहलथिन, “की एकरा
सभक बारे मे, जे अपने सभ जकाँ पवित्र
आत्मा केँ प्राप्त कयने अछि, केओ कहि
सकत जे एकरा सभ केँ बपतिस्मा नहि
देल जाइक?” 48 ई कहि ओ ओकरा सभ
केँ प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ बपतिस्मा
लेबाक आदेश देलथिन। तखन ओ सभ
पत्रुस सँ निवेदन कयलकनि जे, अपने
हमरा सभक संग किछु दिन रहल जाओ।

10:38 वा, “अभिषिक्त कयलथिन”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पत्रुस सँ पूछ-ताछ

11 मसीह-दूत सभ और यहूदिया
प्रदेशक आरो विश्वासी भाय
सभ जखन सुनलनि जे गैर-यहूदी सभ सेहो
परमेश्वरक वचन स्वीकार कयने अछि,
2तँ पत्रुस कैँ यरूशलेम अयला पर यहूदी
विश्वासी सभ हुनका पर दोष लगाबऽ
लगलथिन। 3ओ सभ कहलथिन, "अहाँ
गैर-यहूदी सभक घर मे प्रवेश कयलहुँ आ
ओकरा सभक संग भोजनो कयलहुँ!"
4तखन पत्रुस, कोना की भेल छल, से
सभ बात हुनका सभ कैँ शुरू सँ सुनाबऽ
लगलाह। 5ओ कहलथिन, "याफा नगर
मे प्रार्थना करैत काल हम ध्यान-मग्न भऽ
गेलहुँ और हमरा सामने एक दृश्य प्रगट
भेल। हम एक बड़का चद्दरि सनक कोनो
चीज चारू खूँट सँ बान्हल स्वर्ग सँ उतारल
जाइत देखलहुँ। ओ वस्तु हमरा लग आबि
कऽ रूकल। 6हम जखन गौर सँ देखऽ
लगलहुँ तँ ओहि मे हमरा घरैया-पशु, जंगली
जानबर, जमीन मे ससरऽ वला जीव-जन्तु,
और आकाशक चिड़ै सभ देखाइ पड़ल।
7तखन हमरा ई आवाज सुनाइ देलक,
'पत्रुस, उठह! एहि मे सँ मारि कऽ खाह!'
8मुदा हम उत्तर देलियनि जे, 'नहि नहि,
प्रभु! हम कोनो अपवित्र वा अशुद्ध वस्तु
कहियो नहि खयने छी।' 9तखन दोसर
बेर फेर स्वर्ग सँ आवाज सुनाइ देलक
जे, 'जाहि वस्तु कैँ परमेश्वर शुद्ध ठहरौने
छथिन, तकरा तोँ अशुद्ध नहि कहक।'
10एहिना तीन बेर भेल, आ तकरबाद ओ
सभ वस्तु फेर स्वर्ग दिस उठा लेल गेल।
11 "ताही क्षण मे तीन आदमी जे हमरा
बजयबाक लेल कैसरिया सँ पठाओल
गेल छल, से सभ ओहि घर लग पहुँचल
जतऽ हम रहैत छलहुँ। 12पवित्र आत्मा
हमरा आदेश देलनि जे, कोनो खराब बात
नहि सोचि कऽ ओकरा सभक संग जाह।
ई छओटा विश्वासी भाय सेहो हमरा संग
गेलाह और हम सभ ओहि आदमीक घर
मे गेलहुँ जे हमरा बजबौने छलाह। 13ओ
हमरा सभ कैँ कहलनि जे कोना हुनका
अपना घर मे स्वर्गदूत दर्शन देलथिन
आ कहलथिन जे, 'ककरो याफा नगर
पठा कऽ सिमोन जकर दोसर नाम पत्रुस
छैक, तकरा बजबा लिअ। 14ओ आबि
कऽ अहाँ कैँ उपदेश देत जाहि द्वारा अहाँ
सपरिवार उद्धार प्राप्त करब।'
15 "हम जखन उपदेश देनाइ शुरुए
कयने छलहुँ तखने पवित्र आत्मा हुनका
सभ पर उतरि अयलाह, ठीक ओहिना
जेना अपना सभ पर शुरू मे अयलाह।
16तुरत प्रभुक कहल ओ बात हमरा
मोन पड़ल जे, 'यूहन्ना लोक कैँ पानि सँ
बपतिस्मा देलनि मुदा अहाँ सभ कैँ पवित्र
आत्मा सँ बपतिस्मा देल जायत।' 17जँ
परमेश्वर हुनका सभ कैँ वैह दान देलनि
जे दान अपना सभ जखन प्रभु यीशु मसीह
पर विश्वास कयलहुँ तखन अपना सभ कैँ
देलनि, तँ हम परमेश्वरक काज कैँ रोकऽ
वला के छी!"
18 ई सुनि ओ सभ सन्तुष्ट भऽ गेलाह
आ परमेश्वरक स्तुति करैत बजलाह,
"तखन तँ परमेश्वर दोसरो जाति सभ कैँ
सेहो अपना पापक लेल पश्चात्ताप आ
हृदय-परिवर्तन करबाक वरदान देलथिन
जाहि सँ ओहो सभ जीवन प्राप्त करय!"

अन्ताकिया मे मण्डलीक स्थापना

19 स्तिफनुस कैँ मारल गेलाक बाद
मसीही विश्वासी सभ पर जखन अत्याचार

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बढ़ऽ लागल तँ ओ सभ जहाँ-तहाँ छिड़िया
गेलाह आ फीनिकी प्रदेश, साइप्रस द्वीप
और अन्ताकिया नगर तक पहुँचलाह। मुदा
विशेष काल ओ सभ मात्र यहूदी सभक
बीच शुभ समाचारक प्रचार करैत छलाह।
20परन्तु हुनका सभ मे सँ किछु लोक,
जे साइप्रस आ कुरेनक निवासी छलाह,
से सभ अन्ताकिया नगर जा कऽ यूनानी
सभ सँ सेहो सम्पर्क कऽ ओकरा सभ
केँ प्रभु यीशुक सम्बन्ध मे शुभ समाचार
सुनाबऽ लगलथिन। 21प्रभुक शक्ति
हुनका सभक संग छलनि, आ बहुतो लोक
प्रभु पर विश्वास कऽ कऽ हुनकर रस्ता
पर आबि गेलनि। 22अन्ताकिया मे भेल
सभ बातक खबरि जखन यरूशलेमक
विश्वासी मण्डली लग पहुँचल तँ ओ
सभ बरनबास केँ अन्ताकिया पठौलनि।
23-24ओ विश्वास और पवित्र आत्मा सँ
परिपूर्ण एक नीक लोक छलाह। ओहिठाम
पहुँचला पर जखन ओहिठामक लोकक
बीच परमेश्वरक कृपाक परिणाम देखलनि
तँ बरनबास अति आनन्दित भेलाह, आ
सभ केँ प्रोत्साहित कयलनि जे अहाँ सभ
पूरा तन-मन-धन सँ प्रभुक लेल ठोस
विश्वासक संग स्थिर रहू। एहि तरहेँ
ओहिठामक बहुतो लोक प्रभु यीशु पर
विश्वास कयलक।

25 तखन बरनबास साउल केँ तकबाक
लेल तरसुस नगर गेलाह। 26हुनका सँ भेँट
भेला पर, ओ हुनका ओतऽ सँ अन्ताकिया
लऽ अनलथिन। ओ दूनू गोटे वर्ष दिन
ओतऽ मण्डलीक संगति मे रहलाह आ
बहुत लोक केँ प्रभुक विषय मे शिक्षा
देलथिन। ओतहि, अर्थात् अन्ताकिए मे,
सभ सँ पहिने प्रभु यीशु मसीहक शिष्य सभ
केँ “मसीही” कहबाक प्रथा शुरू भेल।

27 ओहि समय मे यरूशलेम सँ
परमेश्वरक किछु प्रवक्ता सभ अन्ता-
किया अयलाह। 28ओहि मे सँ एक,
अगबुस नामक प्रवक्ता उठि कऽ
परमेश्वरक आत्माक प्रेरणा सँ भविष्य-
वाणी कयलनि जे सम्पूर्ण राज्य मे भयंकर
रौदी पड़त। (ई बात सम्राट क्लौदियुसक
शासन काल मे पूरा भेल।) 29तँ प्रभुक
शिष्य सभ निर्णय कयलनि जे हम सभ
अपन-अपन सामर्थ्यक अनुसार यहूदिया
प्रदेशक भाय सभक लेल किछु मदति
करी। 30ओ सभ एहिना करबो कयलनि,
आ बरनबास और साउलक हाथेँ अपन
दान मण्डलीक देख-रेख कयनिहार सभ
लग पठा देलथिन।

विश्वासी सभ पर राजा हेरोदक अत्याचार

12 एही समय मे राजा हेरोद
मण्डलीक किछु विश्वासी
सभ पर अत्याचार करबाक लेल हुनका
सभ केँ बन्दी बना लेलनि। 2ओ यूहन्नाक
भाय याकूब केँ तरुआरि सँ मरबा देलनि।
3जखन ओ देखलनि जे एहि घटना सँ
यहूदी सभ प्रसन्न भेल अछि तँ ओ
पत्रुस केँ सेहो पकड़बा लेलनि। ई “बिनु
खमीरक रोटी वला पाबनि”क समय मे
भेल। 4पत्रुस केँ बन्दी बना कऽ जहल मे
रखबा देलनि, आ चारि-चारि सैनिकक
चारिटा दलक पहरा मे राखि देलनि। हेरोद
सोचलनि जे पत्रुस केँ फसह-पाबनिक बाद
जनताक सामने न्यायक लेल उपस्थित
करायब।

5 तँ पत्रुस जहल मे छलाह, मुदा एम्हर
विश्वासी सभ पूरा मोन सँ पत्रुसक लेल
परमेश्वर सँ प्रार्थना कऽ रहल छलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आश्चर्यजनक मुक्ति

6 जाहि दिन राजा हेरोद पत्रुस केँ
जनताक समक्ष अनबाक विचार कयने
छलाह, ओहि सँ पहिलुके राति मे पत्रुस
दू सैनिकक बीच, दूनू कात जिंजीर
सँ बान्हल, सुतल छलाह। द्वारि लग
सेहो सैनिक सभ पहरा दऽ रहल छल।
7 एकाएक प्रभुक एक स्वर्गदूत पत्रुस लग
जहल मे ठाढ़ भेलाह। सम्पूर्ण कोठली
प्रकाशमय भऽ गेल। स्वर्गदूत पत्रुस केँ
हिला कऽ जगौलनि आ कहलथिन,
“जल्दी उठह!” तुरत हिनकर दूनू हाथ सँ
जिंजीर खुजि कऽ खसि पड़ल।

8 स्वर्गदूत कहलथिन, “कपड़ा
सम्हारि लैह, आ चप्पल पहिरि लैह।”
पत्रुस ओहिना कयलनि। तखन स्वर्गदूत
कहलथिन, “चद्दरि ओढ़ि लैह आ हमरा
पाछाँ आबह।” 9 ओ हुनका पाछाँ-पाछाँ
जहल सँ बाहर अयलाह, मुदा हुनका
निश्चित भान नहि भऽ रहल छलनि जे
स्वर्गदूत जे कऽ रहल छथि से सही घटना
अछि—हुनका होइत छलनि जे हम कोनो
तरहक सपना देखि रहल छी। 10 ओ सभ
पहिल और दोसर पहरेदार केँ टपि कऽ
लोहाक मुख्य फाटक लग पहुँचलाह।
हुनका सभ केँ पहुँचतहि ओ फाटक अपने
सँ खुजि गेल, और ओ सभ निकलि कऽ
शहर मे प्रवेश कऽ गेलाह। ओ सभ जखन
गलीक अन्त तक गेलाह तँ स्वर्गदूत
एकाएक पत्रुस केँ छोड़ि कऽ चल गेलाह।

11 तखन हिनका होश भेलनि आ
बजलाह, “आब तँ निश्चय जानि गेलहुँ जे
ठीके प्रभु अपन स्वर्गदूत पठा कऽ हेरोदक
हाथ सँ और जे बात यहूदी सभ चाहैत
छल, ताहि सभ सँ हमरा बचौलनि।”

12 ई बात बुझि ओ यूहन्ना, जिनकर
दोसर नाम मरकुस छलनि, तिनकर
माय मरियमक ओतऽ गेलाह, जतऽ
बहुत लोक जमा भऽ कऽ प्रार्थना कऽ
रहल छलाह। 13 पत्रुस बाहर सँ केबाड़
खटखटौलनि। एक नोकरनी, जकर
नाम रोदा छलैक, से केबाड़ खोलबाक
लेल आयल। 14 पत्रुसक आवाज चिन्हि
कऽ ओ ततेक खुश भेल जे बिनु केबाड़
खोलनहि ओ ई कहैत भीतर दौड़ि कऽ
गेल जे, “पत्रुस बाहर छथि!” 15 ओ
सभ ओकरा कहलथिन, “तोँ बताहि
छह!” मुदा ओ जखन बहुत जोर दऽ
कऽ कहैत रहल जे वैह छथि तखन ओ
सभ बजलाह, “हुनकर रक्षा करऽ वला
स्वर्गदूत होयतनि।”

16 एम्हर पत्रुस केबाड़ खटखटबिते
रहलाह। ओ सभ जखन खोलि कऽ
हुनका देखलथिन तँ चकित रहि
गेलाह। 17 पत्रुस हुनका सभ केँ शान्त
होयबाक लेल हाथ सँ संकेत कयलनि
आ कहऽ लगलथिन जे प्रभु कोना
जहल सँ मुक्त कऽ देलनि। तखन
कहलथिन, “ई सभ बात याकूब और
दोसरो भाय सभ केँ कहि देबनि।” ई
कहि ओ ओतऽ सँ दोसर ठाम चल
गेलाह।

18 प्रात भेने जहल मे पहरेदारक बीच
बड़का खलबली मचि गेल जे पत्रुस की
भऽ गेल? 19 राजा हेरोद हुनका खोजबाक
हुकुम देलथिन, मुदा ओ नहि भेटलथिन।
तँ हेरोद सैनिक सभ सँ पूछ-ताछ कऽ
कऽ ओकरा सभ केँ मृत्युदण्डक आज्ञा
देलथिन। तखन हेरोद यहूदिया प्रदेश
छोड़ि कैसरिया नगर जा कऽ रहऽ
लगलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हेरोदक मृत्यु

20 हेरोद सूर और सीदोनक लोक सभ
पर खिसिआयल छलाह। तेँ ओ सभ मिलि
कऽ हेरोद सँ भेँट करबाक लेल पहुँचल।
राजभवनक मुख्यकर्मचारी ब्लास्तुस केँ
अपना पक्ष मे कऽ कऽ हुनका माध्यम सँ
राजा लग मेल करबाक प्रस्ताव रखलक,
कारण ओकरा सभक भोजनक वस्तु
हेरोदक देश सँ अबैत छलैक।

21 निश्चित कयल दिन अयला पर राजा
हेरोद राजसी वस्त्र पहिरने ओकरा सभक
सामने सिंहासन पर बैसलाह और भाषण
देलनि। [22] भाषण सुनि लोक सभ जोर-जोर
सँ प्रशंसा करऽ लागल जे, “ई तँ मनुष्य
नहि, देवते बाजि रहल छथि!” [23]एहि पर
परमेश्वरक स्वर्गदूत हेरोद केँ ओही क्षण
कष्ट सँ पीड़ित कऽ देलथिन, कारण जे
स्तुति-प्रशंसा परमेश्वर केँ देबाक चाही
से ओ नहि देलथिन। और हुनका देह मे
पिलुआ फड़ि गेलनि और ओ मरि गेलाह।

24 मुदा परमेश्वरक वचन पसरैत गेल
और लोक सभ मे ओकर प्रभाव बढ़ैत गेल।

25 एम्हर बरनबास और साउल दान
पहुँचाबऽ वला काज पूरा कऽ कऽ
यरूशलेम सँ घूमि अयलाह आ अपना
संग यूहन्ना जिनकर दोसर नाम मरकुस
छलनि, तिनको लेने अयलाह।

बरनबास आ साउल केँ परमेश्वर चुनने छलाह

13 अन्ताकियाक मण्डली मे ई
सभ परमेश्वरक प्रवक्ता आ
शिक्षक छलाह—बरनबास, सिमियोन,
जे करिया कहबैत छलाह, कुरेन निवासी
लूकियुस, मनेन, जे शासक हेरोदक संग
पोसल गेल छलाह, और साउल। [2]एक
दिन जखन ओ सभ उपासक संग प्रभुक
आराधना कऽ रहल छलाह, तखन पवित्र
आत्मा कहलथिन, “हमर ओहि काजक
लेल बरनबास और साउल केँ अलग कऽ
दिअ जाहि काजक लेल हम हुनका सभ
केँ चुनने छी।” [3]तँ ओ सभ उपास आ
प्रार्थना कऽ कऽ हुनका सभ पर हाथ राखि
विदा कयलथिन।

पौलुसक पहिल प्रचार-यात्रा

साइप्रस द्वीप मे

4 ई दूनू गोटे पवित्र आत्माक आदेशक
अनुसार सिलूकिया चल गेलाह आ ओतऽ
सँ पानि जहाज सँ साइप्रस द्वीप गेलाह।
[5]ओ सभ सलामिस शहर पहुँचि कऽ
यहूदी सभक सभाघर सभ मे परमेश्वरक
वचनक प्रचार कयलनि। हुनका सभक
संग सहयोग करबाक लेल यूहन्ना-मरकुस
सेहो छलनि।

6 तखन ओ सभ पूरा द्वीपक यात्रा करैत
द्वीपक दोसर कात पाफुस नगर पहुँचलाह।
ओतऽ हुनका सभ केँ बारयीशु नामक एक
यहूदी भेटलनि, जे जादूगर छल आ झूठ
बाजि कऽ अपना केँ परमेश्वरक प्रवक्ता
कहैत छल। [7]ओ प्रदेशक राज्यपाल
सिरगियुस-पौलुसक संगी छल।
राज्यपाल सिरगियुस एक विचारशील
लोक छलाह। ओ बरनबास आ साउल
केँ अपना ओहिठाम बजबौलनि जाहि
सँ ओ हुनका सभ सँ परमेश्वरक वचन
सुनि सकथि। [8]मुदा ओ जादूगर, जकर
नाम यूनानी भाषा मे एलिमास छलैक, से
हिनका सभक विरोध कऽ कऽ राज्यपाल
केँ विश्वास करऽ सँ रोकबाक कोशिश
कयलक। [9]तखन साउल, जे पौलुस सेहो

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कहबैत छलाह, पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण
भऽ जादूगर एलिमास दिस एकटक लगा
कऽ तकैत कहलथिन, 10“हे शैतानक
पुत्र! हे सभ सत्कर्मक दुश्मन! तोँ सभ
तरहक छल-प्रपंच आ बइमानी सँ भरल
छेँ! की तोँ प्रभुक सोझ बाट केँ टेढ़
बनौनाइ कहियो नहि छोड़बेँ? 11देख!
आब प्रभुक हाथ तोरा विरोध मे उठलौ
अछि। तोँ एखन आन्हर भऽ जयबेँ आ
किछु काल तक सूर्यक प्रकाश नहि
देखबेँ।”

तखने ओकरा आगाँ मे धुनि जकाँ
बुझायल और ओकर आँखि अन्हरा
गेलैक। ओ एम्हर-ओम्हर हथोड़ऽ लागल
जाहि सँ केओ भेटय जे हाथ पकड़ि कऽ
लऽ जाय। 12राज्यपाल ई घटना देखि
विश्वास कयलनि। ओ प्रभुक शिक्षा सँ
चकित छलाह।

पिसिदिया अंचलक अन्ताकिया नगर मे

13 तखन पौलुस और हुनकर संगी
सभ पाफुस सँ पानि जहाज सँ पंफूलिया
प्रदेशक पर्गा नगर गेलाह। ओतऽ सँ
यूहन्ना-मरकुस हुनका सभ केँ छोड़ि कऽ
यरूशलेम घूमि गेलाह। 14ई सभ पर्गा सँ
आगाँ पिसिदिया अंचलक अन्ताकिया
नगर पहुँचलाह, और विश्राम-दिन मे
यहूदी सभक सभाघर मे जा कऽ बैसलाह।
15धर्म-नियम आ परमेश्वरक प्रवक्ता
सभक पुस्तक सँ पाठ पढ़ल गेलाक बाद,
सभाघरक अधिकारी लोकनि हिनका सभ
लग एहि बातक कहा पठौलथिन जे, “यौ
भाइ लोकनि, अहाँ सभ जँ लोक सभक
प्रोत्साहनक लेल किछु कहऽ चाहैत छी,
तँ कहू।”

यहूदी सभक बीच पौलुसक उपदेश

16 एहि पर पौलुस उठलाह, आ लोक
सभ केँ हाथ सँ ˻शान्त रहबाक˼ संकेत
करैत कहऽ लगलाह, “इस्राएली भाइ
लोकनि और परमेश्वर मे श्रद्धा रखनिहार
सभ गोटे, हमर बात सुनू! 17इस्राएली
जातिक परमेश्वर अपना सभक पूर्वज सभ
केँ चुनलनि आ मिस्र देश मे प्रवास करैत
काल हुनका सभक वंशक वृद्धि कयलनि।
तखन ओ अपन महान् शक्ति द्वारा हुनका
सभ केँ ओहि देश सँ निकालि लेलनि।
18चालिस वर्ष धरि ओ निर्जन क्षेत्र मे
हुनका सभक व्यवहार सहन कयलनि।
19तखन ओ कनान देशक सात जाति केँ
विनाश करबा कऽ ओ देश हुनका सभक
अधिकार मे दऽ देलथिन। 20ई सभ काज
पूरा होमऽ मे करीब 450 वर्ष बिति गेल।

“तहिया सँ लऽ कऽ शमूएल प्रवक्ताक
समय धरि परमेश्वर हुनका सभ केँ
प्रशासक सभ देलथिन। 21तखन इस्राएली
लोक जखन परमेश्वर सँ एकटा राजा
मँगलनि तँ ओ हुनका सभक लेल
बिन्यामीन कुलक कीशक पुत्र शाउल केँ
नियुक्त कयलनि, जे चालिस वर्ष धरि
हुनका सभक राजा रहलाह। 22तखन
शाउल केँ हटा कऽ परमेश्वर दाऊद
केँ हुनका सभक राजा बना देलथिन।
दाऊदक सम्बन्ध मे ओ ई बात कहलनि,
‘यिशयक बेटा दाऊद हमर मोन पसन्दक
लोक अछि। जे किछु हम चाहैत छी जे
ओ करय, से सभ काज ओ करत।’ 23एही
आदमीक वंश मे सँ परमेश्वर अपन देल
वचनक अनुसार इस्राएलक लेल एक
उद्धारकर्ता, अर्थात् यीशु केँ, उत्पन्न
कयलनि। 24यीशुक अयबाक तैयारी मे

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्ना इस्राएलक सभ लोकक बीच एहि
बातक प्रचार कयलनि जे, अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ हृदय-परिवर्तन करू
आ बपतिस्मा लिअ। 25जखन यूहन्ना
अपन काज समाप्त करऽ वला छलाह
तखन ओ कहलनि, ‘तोँ सभ हमरा जे
बुझि रहल छह, से हम नहि छी! मुदा ओ
हमरा पाछाँ आबि रहल छथि और हम तँ
हुनकर चप्पलो फोलऽ जोगरक नहि छी।’
26“यौ भाइ लोकनि, अब्राहमक वंशज
आ परमेश्वर पर श्रद्धा रखनिहार आरो
जातिक लोक सभ, सुनू! अपना सभ
गोटेक लेल ई उद्धारक शुभ समाचार
पठाओल गेल अछि! 27यरूशलेमक
निवासी और ओकरा सभक धर्मगुरु
सभ यीशु केँ नहि चिन्हलकनि, आ ने
परमेश्वरक प्रवक्ता सभक बात बुझलक
जे प्रत्येक विश्राम-दिन सभाघर मे पढ़ल
जाइत अछि, ओना तँ हुनका मृत्युदण्ड
दऽ कऽ ओ सभ बिनु बुझने ओहि प्रवक्ता
सभक भविष्यवाणी सभ पूरा कयलक।
28ओकरा सभ केँ हुनका मृत्युदण्ड
देबाक लेल कोनो आधार नहि भेटलैक,
मुदा तैयो पिलातुस सँ माँग कयलक जे
हुनका मारिए देल जानि। 29हुनका विषय
मे पहिने सँ लिखल सभ बात ओकरा सभ
द्वारा पूरा भेलाक बाद ओ सभ हुनका क्रूस
पर सँ उतारि कऽ कबर मे राखि देलकनि।
30मुदा परमेश्वर हुनका मृत्यु सँ जिआ
देलथिन। 31और ओ बहुत दिन धरि ओहि
लोक सभ केँ दर्शन दैत रहलाह जे लोक
हुनका संग गलील सँ यरूशलेम आयल
छलनि। यैह लोक सभ आब जनताक
सामने हुनकर गवाह अछि।

32“हम सभ ई खुशीक खबरि अहाँ सभ
केँ सुनयबाक लेल आयल छी जे, जाहि
बातक वचन परमेश्वर अपना सभक
पूर्वज सभ केँ देने रहथि 33से ओ यीशु केँ
जिआ कऽ हुनका सभक सन्तानक लेल,
अर्थात् अपना सभक लेल, पूरा कयलनि।
जेना धर्मशास्त्रक ‘भजन-संग्रह’क दोसर
भजन मे सेहो लिखल अछि,

‘अहाँ हमर पुत्र छी,
आइ हम अहाँ केँ उत्पन्न
कयलहुँ।’*

34और ई बात जे, परमेश्वर हुनका मृत्यु मे
सँ जिआ देलथिन जाहि सँ ओ फेर कहियो
नहि मरथि, ताहि बातक वचन ओ एहि
शब्द मे देने रहथि,

‘पवित्र और अटल आशिषक वचन
जे दाऊद केँ देल गेल,
से हम तोरा सभ मे पूरा करबह।’*

35तहिना दोसर ठाम लिखल अछि,

‘अहाँ अपन पवित्र सेवक केँ नहि
सड़ऽ देब।’*

36“दाऊद तँ अपन पीढ़ी मे परमेश्वरक
उद्देश्य पूरा कयलनि आ मरलाह*। ओ
अपन पुरखा सभ लग कबर मे राखल
गेलाह आ हुनकर शरीर सड़ि गेलनि।
37मुदा जिनका परमेश्वर मृत्यु मे सँ जिआ
देलथिन, से सड़लाह नहि। 38तेँ प्रिय भाइ
लोकनि, अहाँ सभ ई बात बुझि लिअ जे
यीशुए द्वारा अहाँ सभ पापक क्षमा प्राप्त
कऽ सकैत छी। 39जे केओ हुनका पर
विश्वास करैत अछि, से सभ धार्मिक
ठहराओल जाइत अछि, और पाप सँ
मुक्त भऽ जाइत अछि। ई बात मूसाक
धर्म-नियम द्वारा नहि भऽ सकल छल।

13:33 भजन 2.7 **13:34** यशा 55.3 **13:35** भजन 16.10 **13:36** अक्षरशः “आ सुति रहलाह”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

40एहि लेल सावधान होउ! एना नहि
होअय जे परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक
ई बात अहाँ सभक संग भऽ जाय—
41 ‘हे निन्दा कयनिहार लोक सभ!
देखह, चकित होअह आ नष्ट भऽ
जाह!
कारण हम तोहर समय मे एहन काज
कऽ रहल छी
जे जँ केओ ओहि सम्बन्ध मे तोरा
कहबो करतह
तँ तोँ ओकर विश्वास नहि
करबह।’*”
42 जखन पौलुस और बरनबास सभाघर
सँ बाहर भऽ रहल छलाह तँ लोक सभ
हुनका सभ सँ विनती कयलक जे अगिलो
विश्राम-दिन मे एहि बात सभक सम्बन्ध
मे आरो सुनबथि। 43सभा समाप्त भेला
पर बहुतो यहूदी आ यहूदी धर्म मानऽ
वला आन जातिक भक्त सभ पौलुस
आ बरनबासक संग भऽ गेल। पौलुस
आ बरनबास ओकरा सभ सँ बात-चीत
कयलनि आ परमेश्वरक कृपा पर भरोसा
रखने रहबाक लेल सिखौलथिन।

शुभ समाचार ककरो लेल तीत, ककरो लेल मीठ

44 अगिला विश्राम-दिन प्रभुक वचन
सुनबाक लेल करीब सौंसे नगरक लोक
जुटि गेल। 45भीड़ कँे देखि कऽ यहूदी सभ
डाह सँ भरि गेल आ पौलुस कँे अपमानित
करैत ओ जे बजैत छलाह तकर विरोध
करऽ लागल।
46 तखन पौलुस और बरनबास निर्भय
भऽ कऽ ओकरा सभ कँे उत्तर देलथिन
जे, “परमेश्वरक वचन हमरा सभ कँे
पहिने अहाँ सभ कँे सुनाबऽ पड़ल। मुदा
अहाँ सभ ओकरा अस्वीकार कऽ रहल
छी आ अपना कँे अनन्त जीवनक लेल
योग्य नहि बुझैत छी। तेँ हम सभ आब
दोसर जाति सभ कँे परमेश्वरक वचन
सुनाबऽ जाइत छी। 47कारण एहि तरहेँ
प्रभु हमरा सभ कँे ई कहि कऽ आज्ञा देने
छथि,
‘हम तोरा आन जाति सभक लेल
प्रकाश नियुक्त कयने छिअह,
जे तोँ पृथ्वीक अन्तिम सीमा तक
हमर उद्धार पहुँचाबह।’*”
48 ई बात सुनि गैर-यहूदी जातिक
लोक सभ बड्ड खुश भेल आ प्रभुक
वचनक प्रशंसा करऽ लागल। और जे
सभ अनन्त जीवनक लेल ठहराओल
गेल छल, से सभ प्रभु पर विश्वास
कयलक। 49एहि तरहेँ प्रभुक वचन
सम्पूर्ण क्षेत्र मे पसरि गेल। 50मुदा
यहूदी सभ परमेश्वर कँे मानऽ वला
गैर-यहूदी जातिक स्त्रीगण सभ कँे जे
सभ धनिक वर्गक छलि आ ओहि
शहरक प्रतिष्ठित पुरुष सभ कँे चढ़ा-
बढ़ा कऽ पौलुस आ बरनबासक
विरोध मे उपद्रव करबाक लेल भड़का
देलक और हुनका सभ कँे ओहि क्षेत्र
सँ भगा देलकनि। 51एहि पर पौलुस
आ बरनबास ओकरा सभक विरोध
मे चेन्ह स्वरूप पयरक गर्दा ओतहि
झाड़ि लेलनि आ इकुनियुम नगर चल
गेलाह। 52एम्हर अन्ताकियाक शिष्य
सभ बहुत आनन्दित आ पवित्र आत्मा
सँ परिपूर्ण छलाह।

13:41 हबक 1.5 **13:47** यशा 49.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

इकुनियुम मे

14 करीब वैह बात इकुनियुम
मे सेहो भेल—पौलुस आ
बरनबास यहूदी सभक सभाघर मे गेलाह,
और एहन उपदेश देलनि जे बहुतो यहूदी
और आन जातिक लोक सभ विश्वास
कऽ लेलक। 2मुदा जे यहूदी सभ विश्वास
नहि करऽ चाहलक, से सभ आन जातिक
लोक कैँ बहकाबऽ लागल आ ओकरा
सभक मोन मे विश्वासी भाय सभक प्रति
दुश्मनी उत्पन्न कऽ देलकैक। 3पौलुस आ
बरनबास ओतऽ बहुत दिन धरि रहलाह
आ निडर भऽ प्रभु यीशुक लेल प्रचार
करैत रहलाह। प्रभु हुनका सभक माध्यम
सँ आश्चर्यपूर्ण चिन्ह आ चमत्कारक
काज सभ कऽ कऽ अपन कृपाक विषय मे
हुनका सभक प्रचार कैँ सत्य ठहरौलनि।

4 शहरक लोक मे आब फूट पड़ि
गेल—किछु लोक यहूदी सभक संग भऽ
गेल, आ किछु लोक मसीह-दूत सभक
संग। 5जखन आन जातिक लोक आ
यहूदी सभ अपन अधिकारी सभक संग
मिलि कऽ हिनका सभ कैँ अपमानित
करबाक आ पथरबाहि कऽ मारि देबाक
लेल नियारलक, 6तँ ई बात हिनको
सभ कैँ बुझऽ मे आबि गेलनि, आ तुरत
लुकाउनिया क्षेत्रक लुस्त्रा और दरबे नगर
मे भागि गेलाह। 7ओ सभ ओहि नगर
सभ मे आ लग-पासक देहात मे शुभ
समाचारक प्रचार करैत रहलाह।

लुस्त्रा आ दरबे नगर सभ मे

8 लुस्त्रा नगर मे एक लोथ आदमी
बैसल छल। ओ जन्मे सँ लोथ छल आ
कहियो चलल नहि छल। 9ई आदमी
पौलुसक प्रवचन सुनि रहल छल। पौलुस
ओकरा टकटकी लगा कऽ देखलथिन आ
ई देखि जे ओकरा ई विश्वास छैक जे
हम स्वस्थ भऽ सकैत छी, 10ओ जोर सँ
ओहि आदमी कैँ कहलथिन, “अपन पयर
पर सोझ भऽ कऽ ठाढ़ होउ!” एहि पर
ओ छरपि कऽ ठाढ़ भेल आ चलऽ-फिरऽ
लागल।

11 भीड़क लोक सभ जखन देखलक
जे पौलुस की कयलनि, तँ ओ सभ
लुकाउनियाक भाषा मे जोर-जोर सँ बाजि
कऽ कहऽ लागल, “देवता सभ मनुष्य बनि
कऽ हमरा सभक बीच अयलाह अछि!”
12बरनबास कैँ ओ सभ “ज्यूस-देवता” सँ
सम्बोधन करऽ लगलनि, आ पौलुस कैँ
“हिरमेस-देवता,” कारण पौलुस मुख्य
बाजऽ वला छलाह। 13ज्यूस-देवताक
पुजारी, जकर मन्दिर शहर सँ बाहर
छल, से बड़का भीड़क संग हुनका सभ
लग पशु-बलि चढ़यबाक लेल बड़द आ
फूलक माला सभ लऽ कऽ शहरक प्रवेश-
द्वारि लग आयल।

14 मुदा बरनबास आ पौलुस ई सुनि
कऽ विरोध स्वरूप अपन वस्त्र फाड़लनि
आ ओहि भीड़ मे दौड़ि कऽ गेलाह आ
ओकरा सभ कैँ जोर सँ कहऽ लगलाह,
15“अहाँ सभ ई की कऽ रहल छी?! हमहूँ
सभ अहीं सभ जकाँ मनुष्ये छी! हम सभ
अहाँ सभ कैँ ई शुभ समाचार सुनयबाक
लेल आयल छी जे अहाँ सभ निरर्थक
मुरुतक पूजा-पाठ कयनाइ छोड़ि कऽ
जीवित परमेश्वर जे आकाश, पृथ्वी,
समुद्र और ओहि मे जे किछु अछि, तकर
सभक रचना कयने छथि, तिनका पर
विश्वास करू। 16प्राचीन समय मे ओ
सभ जाति कैँ अपना-अपना रस्ता पर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चलऽ देलनि, [17]तैयो ओ अपना भलाइक काज द्वारा मनुष्य जाति कैँ अपना बारे मे साक्षी दैत रहलाह—ओ अहाँ सभ कैँ आकाश सँ वर्षा आ ठीक समय पर उपजा दैत छथि। अहाँ सभ कैँ भोजनक वस्तु सँ तृप्त करैत छथि और अहाँ सभक मोन कैँ हर्षित करैत छथि।” [18]ई सभ बात कहलाक बादो ओ सभ ओकरा सभ कैँ बहुत मुश्किल सँ मना सकलाह जे हमरा सभ लग बलि नहि चढ़ाउ।

19 तखन अन्ताकिया और इकुनियुम सँ यहूदी सभ आयल और जनता कैँ अपना पक्ष मे कऽ कऽ पौलुस पर पथरबाहि कयलक, आ हुनका मरल बुझि कऽ शहर सँ बाहर घिसिआ कऽ धऽ अयलनि। [20]मुदा शिष्य सभ जखन हुनका चारू कात जमा भेलनि तँ हुनका होश अयलनि और ओ उठि कऽ शहर मे गेलाह। प्रात भेने ओ बरनबासक संग दरबे नगर चल गेलाह।

प्रचार-यात्राक समाप्ति

21 ओहू नगर मे ओ सभ शुभ समाचारक प्रचार कयलनि, और बहुत शिष्य सभ बना कऽ लुस्त्रा, इकुनियुम आ अन्ताकिया नगर घूमि अयलाह। [22]एहि नगर सभ मे ओ सभ शिष्य सभक हिम्मत बढ़बैत ओकरा सभ कैँ विश्वास मे स्थिर रहबाक लेल प्रोत्साहित करैत छलाह, और कहैत छलाह जे “परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश करबाक लेल अपना सभ कैँ बहुत कष्ट सहऽ पड़त।” [23]ओ सभ शिष्य सभक लेल प्रत्येक मण्डली मे देख-रेख कयनिहार सभ कैँ नियुक्त कयलथिन और उपास आ प्रार्थना कऽ कऽ प्रभु यीशु, जिनका पर ओ सभ विश्वास रखने छलाह, तिनका हाथ मे सौंपि देलथिन।

24 ओतऽ सँ पौलुस आ बरनबास पिसिदिया अंचल दऽ कऽ पंफूलिया प्रदेश मे अयलाह। [25]ओहि अंचलक पर्गा नगर मे शुभ समाचार सुना कऽ अतालिया नगर अयलाह।

26 ओतऽ सँ ओ सभ पानि जहाज सँ ⸤सीरिया प्रदेशक⸥ अन्ताकिया नगर मे घूमि अयलाह, जतऽ विश्वासी भाय सभ हुनका सभ कैँ परमेश्वरक जिम्मा मे ओहि काजक लेल सौंपि देने छलनि, जाहि काज कैँ ओ सभ आब पूरा कऽ लेने छलाह। [27]ओ सभ ओहिठाम पहुँचि कऽ मण्डली कैँ जमा कऽ कऽ सुनौलनि जे परमेश्वर हुनका सभक द्वारा केहन-केहन काज कयलनि, आ कोना परमेश्वर गैर-यहूदी लोकक लेल विश्वासक द्वारि खोलि देलनि। [28]ओ सभ अन्ताकिया मे शिष्य सभक संग बहुत दिन धरि रहलाह।

अन्ताकिया मे विवाद

15 तखन किछु लोक यहूदिया प्रदेश सँ अन्ताकिया मे आबि कऽ विश्वासी भाय सभ कैँ एहि तरहेँ सिखाबऽ लागल जे, “जाबत धरि अहाँ सभ मूसाक प्रथाक अनुसार अपना शरीर मे खतनाक चेन्ह नहि कऽ लेब, ताबत धरि अहाँ सभक उद्धार नहि भऽ सकत।” [2]एहि विषय पर ओकरा सभक संग पौलुस आ बरनबास कैँ बहुत झगड़ा आ वाद-विवाद भऽ गेलनि। अन्त मे ई निश्चय कयल गेल जे पौलुस, बरनबास आ ओहिठामक आरो किछु विश्वासी भाय सभ यरूशलेम जाथि आ एहि प्रश्नक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

विषय मे ओतऽ मसीह-दूत सभ और
मण्डलीक देख-रेख कयनिहार लोकनिक
संग बात करथि।

3 अन्ताकियाक मण्डली हुनका सभ
केँ विदा कयलकनि। ओ सभ फीनिकी
आ सामरिया प्रदेश दऽ कऽ गेलाह आ
ओहिठामक विश्वासी भाय सभ केँ ई
खबरि सुनौलनि जे कोना गैर-यहूदी लोक
सभ सेहो विश्वास कयलनि, जकरा सुनि
कऽ सभ विश्वासी भाय अति आनन्दित
भेलाह। 4पौलुस आ बरनबास जखन
यरूशलेम पहुँचलाह तँ ओहिठामक
मण्डली, मसीह-दूत आ मण्डलीक देख-
रेख कयनिहार सभ हुनका सभक स्वागत
कयलथिन। तखन पौलुस आ बरनबास
हुनका सभ केँ सुनाबऽ लगलाह जे
परमेश्वर हुनका सभक माध्यम सँ केहन-
केहन काज सभ कयलनि।

5 एहि पर फरिसी दलक किछु लोक, जे
विश्वासी भऽ गेल छल, से सभ उठि कऽ
कहऽ लागल, “अन्यजातिक विश्वासी
सभ केँ खतना करौनाइ जरूरी अछि, और
ओकरा सभ केँ आज्ञा देल जाय जे ओ
सभ मूसाक धर्म-नियमक पालन करय।”

यरूशलेमक सभा द्वारा विवादक निर्णय

6 एहि बातक सम्बन्ध मे विचार-
विमर्श करबाक लेल, मसीह-दूत आ
मण्डलीक देख-रेख कयनिहार लोकनि
एक ठाम जमा भेलाह। 7बहुत काल
धरि घमर्थन भेलाक बाद, पत्रुस उठि
कऽ कहलनि, “यौ भाइ लोकनि, अहाँ
सभ केँ बुझल अछि जे बहुत दिन पहिने
परमेश्वर अहाँ सभ मे सँ हमरा एहि
लेल चुनलनि जे गैर-यहूदी लोक सभ
हमरा मुँह सँ शुभ समाचार सुनय आ
विश्वास करय। 8मोनक बात बुझऽ
वला परमेश्वर अपना सभ जकाँ ओकरो
सभ केँ अपन पवित्र आत्मा प्रदान कऽ
कऽ एहि बातक प्रमाण देलनि जे ओकरा
सभ केँ ओ स्वीकार कयलनि। 9अपना
सभ और ओकरा सभ मे ओ कोनो
भेद नहि रखलनि—ओ ओकरा सभक
मोन विश्वासेक द्वारा शुद्ध कयलनि।
10तेँ अहाँ सभ आब किएक विश्वासी
सभक कान्ह पर एहन जुआ लादि कऽ
परमेश्वर केँ जँचैत छियनि, जकरा ने
अपना सभ आ ने अपना सभक पूर्वज
लोकनि खीचि सकलाह? 11नहि!
अपना सभक विश्वास अछि जे अपना
सभक उद्धार प्रभु यीशुक कृपेक कारणेँ
भेल अछि—जेना ओकरा सभक तेना
अपनो सभक।”

12 ई बात सुनि कऽ सभाक सभ
लोक चुप भऽ गेलाह, और पौलुस आ
बरनबासक बात सुनऽ लगलाह जे
परमेश्वर हुनका सभक द्वारा केहन-केहन
आश्चर्यपूर्ण चिन्ह आ चमत्कार सभ गैर-
यहूदी लोक सभक बीच कयलनि।

13 हुनका सभक बात जखन समाप्त
भेलनि तखन याकूब बजलाह, “यौ भाइ
लोकनि, हमर बात सुनू! 14परमेश्वर
कोना शुरू मे दोसरो जाति सभ पर दया
कऽ कऽ ओकरा सभ केँ अपन लोक
बना लेलनि, तकरा सम्बन्ध मे सिमोन*
एखने कहलनि, 15आ हिनकर ई बात

15:14 मूल मे “सिमियोन”, जे “सिमोन” नामक एक रूप अछि। एहिठाम मसीह-दूत पत्रुस (अर्थात्
सिमोन पत्रुस) पर संकेत कयल गेल।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनिक बात सँ
सेहो मिलैत अछि, जेना लिखल अछि,
16 ‘एकरा बाद हम घूमि कऽ आयब,
आ दाऊदक खसल घर केँ फेर
उठायब।
ओकर ढहलाहा भाग केँ फेर बनायब,
ओकर पुनः निर्माण करब,
17 जाहि सँ बाँकी सभ लोक सेहो हमरा
ताकय,
अर्थात् दोसर जातिक ओ लोक
सभ,
जकरा सभ केँ हम एहि लेल
बजौलहुँ जे ओ सभ हमर
बनय।
18 ई बात कहऽ वला हम ओ परमेश्वर
छी
जे प्राचीन काल सँ एहि बात केँ
स्पष्ट करैत आयल छी।’*
19 “एहि लेल दोसर जातिक लोक सभ
जे अपना बाट केँ छोड़ि कऽ परमेश्वर
लग आबि रहल अछि, तकरा सभक
लेल अपना सभ कठिनाइ नहि उत्पन्न
करी, से हमर विचार अछि। 20 तेँ ओकरा
सभ केँ लिखि पठा देल जाय जे ओ सभ
एहि बात सभ सँ बाँचल रहथु—मूर्ति पर
चढ़यबाक कारणेँ अशुद्ध भेल वस्तु सभ
सँ, अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध सँ, कण्ठ
दबा कऽ मारल ˛अर्थात्, बिनु खून बहा
कऽ मारल˛ पशुक माँसु सँ आ खूनक
खान-पान सँ। 21 कारण, प्राचीन काल सँ
तँ मूसाक धर्म-नियमक प्रचार नगर-नगर
मे कयल जाइत अछि, आ हुनकर लेख
प्रत्येक विश्राम-दिन सभाघर सभ मे पढ़ल
जाइत अछि।”

निर्णय पठाओल गेल

22 तखन मसीह-दूत सभ आ मण्डलीक
देख-रेख कयनिहार लोकनि पूरा
मण्डलीक संग मिलि कऽ निर्णय कयलनि
जे अपना सभ मे सँ किछु गोटे केँ चुनि कऽ
पौलुस आ बरनबासक संग अन्ताकिया
पठाबी। तँ यहूदा, जिनकर दोसर नाम
बरसब्बा छलनि, आ सिलास केँ ओ सभ
चुनलनि। हुनका सभ केँ विश्वासी भाय
सभ विशेष मानैत छलनि। 23 हुनके सभक
हाथेँ ओ सभ ई चिट्ठी पठौलनि—

प्रिय अन्ताकिया, सीरिया आ
किलिकियाक निवासी गैर-यहूदी
विश्वासी भाय सभ,
अहाँ सभ केँ मसीह-दूत आ यरूश-
लेमक मण्डलीक देख-रेख कयनिहार
अहाँ सभक भाय लोकनिक दिस सँ
नमस्कार।

24 हमरा सभ केँ सुनबा मे आयल
अछि जे हमरा सभ मे सँ किछु गोटे
अहाँ सभक ओहिठाम जा कऽ अपना
बात द्वारा दुःख देने अछि। हम सभ
ओकरा सभ केँ एहि तरहक कोनो
आदेश नहि देने छलिऐक। 25 तेँ हम
सभ एक ठाम जमा भऽ कऽ सभक
सहमति सँ दू आदमी केँ अहाँ सभ
लग पठयबाक निर्णय कयलहुँ।
26 हमरा सभक प्रिय मित्र पौलुस आ
बरनबास, जिनकर जान अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक नामक कारणेँ जाय
लागल छलनि, 27 तिनका सभक
संग हम सभ एहि दूनू भाय यहूदा आ
सिलास केँ अहाँ सभ लग पठा रहल

15:18 आमोस 9.11, 12

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छी। ओ सभ अपन मुँहो सँ यैह बात
कहि देताह जे एहि पत्र मे लिखल
अछि। 28पवित्र आत्मा केँ आ
हमरा सभ केँ ई उचित बुझायल जे
निम्नलिखित आवश्यक बात सभ केँ
छोड़ि कऽ आरो कोनो बातक बोझ
अहाँ सभ पर नहि लादी— 29मूर्ति पर
चढ़ाओल खयबाक वस्तु सँ, खूनक
खान-पान सँ, कण्ठ दबा कऽ मारल
⌞अर्थात् बिनु खून बहा कऽ मारल⌟
पशुक माँसु सँ, आ अनैतिक शारीरिक
सम्बन्ध सँ बँचू। एहि बात सभ सँ दूर
रहला सँ अहाँ सभक भलाइ होयत।
शेष शुभ।

30 हुनका सभ केँ मण्डलीक लोक
विदा कयलकनि, आ ओ सभ अन्ताकिया
गेलाह। ओतऽ पहुँचि कऽ ओ सभ
मण्डलीक लोक केँ बजा कऽ चिट्ठी
देलथिन। 31ओ सभ चिट्ठी पढ़ि प्रोत्साहनक
एहन बात सँ अति आनन्दित भेलाह।
32यहूदा आ सिलास, जे स्वयं परमेश्वरक
प्रवक्ता छलाह, विभिन्न तरहक बात सँ
विश्वासी भाय सभ केँ विश्वास मे मजगूत
आ प्रोत्साहित कयलथिन। 33यहूदा आ
सिलास किछु दिन धरि अन्ताकिया मे
रहलाह। तकरबाद विश्वासी भाय सभ
हुनका सभ केँ आशीर्वाद दऽ कऽ, तिनका
सभ लग विदा कऽ देलथिन जे सभ हुनका
सभ केँ पठौने छलथिन। 34[मुदा सिलास
ओहीठाम रहबाक निर्णय कयलनि।]*
35पौलुस आ बरनबास अन्ताकिया मे रहि
गेलाह, जतऽ ओ सभ, आ दोसरो बहुत
गोटे, प्रभुक वचनक शिक्षा दैत रहलाह आ
शुभ समाचार सुनबैत रहलाह।

पौलुसक दोसर प्रचार-यात्रा

पौलुस आ बरनबास मे मतभिन्नता

36 किछु समय बितला पर पौलुस
बरनबास केँ कहलथिन, “चलू! जाहि-
जाहि नगर मे अपना सभ प्रभुक वचनक
प्रचार कयने छी, ताहि-ताहि ठाम जा
कऽ देखी जे ओतुक्का विश्वासी भाय
सभ केहन छथि।” 37बरनबास यूहन्ना
केँ, जिनकर दोसर नाम मरकुस छलनि,
सेहो संग लऽ जाय चाहैत छलाह, 38मुदा
पौलुस केँ ई बात उपयुक्त नहि बुझि
पड़लनि जे, जे आदमी हुनका सभ केँ
पंफूलिया प्रदेश मे छोड़ि देने छलनि आ
जे हुनका सभक काज मे संग नहि देबऽ
चाहलक, तकरा अपना संग मे लऽ जाइ।
39एहि पर हुनका दूनू गोटे मे बहुत बड़का
मतभेद भऽ गेलनि, और अन्त मे ओ सभ
एक-दोसर सँ अलग भऽ गेलाह। बरनबास
मरकुस केँ अपना संग लऽ पानि जहाज
सँ साइप्रस द्वीप चल गेलाह। 40पौलुस
सिलास केँ चुनलनि। अन्ताकियाक भाय
सभ हुनका सभ केँ प्रभुक कृपा पर सौंपि
विदा कयलथिन। 41ओ सभ सीरिया
आ किलिकिया प्रदेश मे घूमि-घूमि कऽ
ओहिठामक मण्डली सभ केँ विश्वास मे
मजगूत करैत आगाँ बढ़ैत गेलाह।

पौलुस तिमुथियुस केँ संग लेलनि

16 ओ सभ दरबे आ लुस्त्रा नगर
पहुँचलाह। ओतऽ तिमुथियुस
नामक एक शिष्य छलाह, जिनकर माय
प्रभु यीशु पर विश्वास कयनिहारि यहूदी
जातिक छलीह, मुदा हुनकर पिता यूनानी

15:34 किछु हस्तलेख सभ मे पद 34 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छलनि। 2लुस्त्रा आ इकुनियुम नगर मे
रहऽ वला विश्वासी भाय सभ हुनका नीक
लोक कहैत छल। 3पौलुस हुनका अपना
संग लऽ जाय चाहलनि, तेँ ओहिठामक
यहूदी सभक कारणेँ ओ हुनकर खतना
करबौलनि, कारण सभ केओ जनैत
छल जे हुनकर पिता यहूदी नहि, बल्कि
यूनानी अछि। 4तखन पौलुस, सिलास आ
तिमुथियुस शहर-शहर मे घूमि-घूमि कऽ
विश्वासी सभ केँ ओ नियम आ निर्णय
सभ सुना देलथिन आ पालन करबाक
लेल सिखौलथिन, जे निर्णय मसीह-दूत
सभ आ मण्डलीक देख-रेख कयनिहार
लोकनि यरूशलेम मे कयने छलाह।

5 एहि तरहेँ मण्डली सभक लोक सभ
अपना विश्वास मे मजगूत होइत गेल, आ
संख्या मे दिनानुदिन बढ़ैत गेल।

प्रचार-काज मे परमेश्वरक अगुआइ

6 पौलुस आ हुनकर संगी सभ फ्रूगिया
आ गलातिया प्रदेश दऽ कऽ गेलाह,
कारण पवित्र आत्मा हुनका सभ केँ प्रभुक
वचन सुनयबाक लेल आसिया प्रदेश मे
जयबाक आज्ञा नहि देलथिन। 7जखन ओ
सभ मीसिया क्षेत्र आ बितूनिया प्रदेशक
सीमा पर पहुँचलाह, तँ बितूनिया प्रदेश मे
जयबाक कोशिश कयलनि, मुदा यीशुक
आत्मा हुनका सभ केँ ओतऽ नहि जाय
देलथिन। 8तेँ ओ सभ मीसिया दऽ कऽ
त्रोआस नगर गेलाह। 9ओही राति पौलुस
प्रभुक दिस सँ एक सपना देखलनि, जाहि
मे मकिदुनिया निवासी एक आदमी ठाढ़
भेल एहि तरहेँ निवेदन करैत छलनि जे,
“एहि पार मकिदुनिया प्रदेश मे आउ आ
हमरा सभक मदति करू!” 10पौलुस
केँ एहि तरहक सपना देखलाक बाद,
हम सभ तुरत्ते मकिदुनियाक लेल विदा
होयबाक तैयारी करऽ लगलहुँ, ई बुझि
जे परमेश्वरे ओकरा सभक बीच शुभ
समाचार सुनयबाक लेल हमरा सभ केँ
आदेश देलनि अछि।

11 त्रोआस नगर सँ पानि जहाज सँ हम
सभ सोझे समुत्राके द्वीप तक गेलहुँ, आ
दोसर दिन नियापुलस नगर तक। 12ओतऽ
सँ मकिदुनिया प्रदेशक फिलिप्पी नगर
गेलहुँ, जे जिलाक प्रमुख शहर अछि आ
रोमी सरकार द्वारा निर्माण कयल गेल
अछि। ओतऽ हम सभ बहुत दिन धरि
रहलहुँ।

एक व्यापारी स्त्रीक विश्वास

13 हम सभ विश्राम-दिन मे शहरक
बाहर नदीक कछेर दिस गेलहुँ ई सोचि
कऽ जे, ओतऽ कोनो ठाम होयत जतऽ
लोक प्रार्थना करबाक लेल जमा होइत
अछि। ओहिठाम पहुँचि कऽ हम सभ
बैसि गेलहुँ, आ ओतऽ जमा भेल स्त्रीगण
सभ सँ बात-चीत करऽ लगलहुँ। 14ओहि
मे थूआतीरा नगरक एक लुदिया नामक
स्त्री रहथि जे किमती रंगीन कपड़ाक
व्यापार करैत छलीह। ओ परमेश्वर केँ
माननिहारि छलीह आ हमरा सभक बात
सुनि रहल छलीह। प्रभु हुनका मोनक द्वारि
खोललनि जाहि सँ ओ पौलुसक बात पर
ध्यान दऽ कऽ विश्वास करथि। 15ओ
पूरा परिवारक संग बपतिस्मा लेलनि आ
हमरा सभ सँ आग्रह कयलनि जे, “अपने
लोकनि जँ बुझैत छी जे हम वास्तव मे
प्रभु पर विश्वास कयलहुँ तँ हमरा ओतऽ
चलि कऽ रहल जाओ।” एना कहि ओ
हमरा सभ केँ बाध्य कऽ देलनि जे हम सभ
हुनका ओतऽ जाइ।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पौलुस आ सिलास हड़ी मे ठोकल गेलाह

16 एक दिन हम सभ जखन प्रार्थना
करऽ वला स्थान पर जा रहल छलहुँ तँ
रस्ता मे एक गुलाम बच्ची हमरा सभ
केँ भेटल, जकरा मे भविष्यक बात
कहऽ वला दुष्टात्मा छलैक। ओ लोक
सभ केँ भाग्यक बात सभ कहि कऽ
अपना मालिक सभक लेल बहुत पाइ
कमाइत छल। 17 ओ पौलुस आ हमरा
सभक पाछाँ-पाछाँ आबि कऽ चिचियाय
लागल, “ई सभ परम परमेश्वरक सेवक
छथि और अहाँ सभ केँ उद्धारक बाटक
विषय मे सुना रहल छथि।” 18 ओ
बहुत दिन धरि एहिना करैत रहल।
अन्त मे पौलुस एक दिन तंग भऽ कऽ
ओकरा दिस तकैत ओहि दुष्टात्मा केँ
कहलथिन, “हम तोरा यीशु मसीहक
नाम सँ आज्ञा दैत छिऔ जे तोँ एकरा मे
सँ निकल!” तखने ओ दुष्टात्मा ओहि
बच्ची मे सँ निकलि गेल।

19 जखन बच्चीक मालिक सभ
देखलक जे ओकर सभक कमाइक बाट
समाप्त भऽ गेल, तखन ओ सभ पौलुस
आ सिलास केँ पकड़ि कऽ शहरक चौक
तक अधिकारी सभक सामने घिसिअबैत
अनलकनि। 20 ओ सभ हुनका सभ केँ
रोमी न्यायाधीश सभक समक्ष ठाढ़ कऽ
कऽ कहलक, “ई सभ यहूदी अछि। ई
सभ हमरा सभक शहर मे उपद्रव मचा
रहल अछि, 21 आ एहन-एहन प्रथाक
प्रचार कऽ रहल अछि जकरा स्वीकार
कयनाइ वा पालन कयनाइ अपना सभक
लेल जे रोमी छी, कानूनक दृष्टिकोण सँ
मना अछि।”

22 एहि पर ओकरा सभक संग भीड़क
लोक सभ सेहो पौलुस आ सिलासक
विरोध करऽ लागल। तखन न्यायाधीश
सिपाही सभ केँ ई आदेश देलनि जे हुनका
सभ केँ कपड़ा उतारि कऽ लाठी मारल
जाय। 23 हुनका सभ केँ बहुत पिटलाक
बाद जहल मे राखि देलकनि। जहलक
हाकिम केँ आज्ञा देल गेलैक जे, एकरा
सभ केँ जहल मे नीक सँ बन्द करू। 24 ई
आदेश पाबि जहलक हाकिम हुनका सभ
केँ भीतरका कोठली मे लऽ गेलनि आ
हड़ी मे ठोकि देलकनि।

प्रभुक सामर्थ्य कैद नहि

25 करीब दुपहर राति कऽ पौलुस आ
सिलास प्रार्थना कऽ रहल छलाह आ
परमेश्वरक स्तुति मे गीत गाबि रहल
छलाह। हुनका सभक प्रार्थना आ गीत
दोसरो कैदी सभ सुनि रहल छलनि।
26 एकाएक बड़का भूकम्प भेल आ
जहलक न्योओ तक हिलि गेल। तुरत्ते सभ
केबाड़ खुजि गेल आ सभ कैदी बन्हन-
मुक्त भऽ गेल। 27 जहलक हाकिमक
निन्द टुटलैक, आ ओ जखन देखलक
जे जहलक केबाड़ सभ खुजल अछि तँ
सोचलक जे कैदी सभ भागि गेल। तेँ ओ
अपन तरुआरि खीचि कऽ आत्महत्या
करऽ लागल, 28 मुदा तखने पौलुस जोर
सँ सोर पारि कऽ कहलथिन, “रूकू रूकू!
अपना केँ किछु नहि करू। हम सभ केओ
छीहे!”

29 ई सुनिते हाकिम इजोत मँगबा कऽ
दौड़ैत भीतर अयलाह आ थर-थर कँपैत
पौलुस आ सिलासक पयर पर खसलाह।
30 ओ हुनका सभ केँ बाहर आनि कऽ
कहलथिन, “यौ सरकार! अपने लोकनि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हमरा ई कहू जे उद्धार पयबाक लेल हम
की करू।”
31 ओ सभ उत्तर देलथिन, “प्रभु
यीशु पर विश्वास करू तँ अहाँक
उद्धार होयत, और अहाँक पूरा परिवार
उद्धार प्राप्त करत।” **32** ओ सभ हुनका
आ हुनकर पूरा परिवार केँ प्रभुक शुभ
समाचारक बात सुना देलथिन। **33** तखन
तुरत्ते रातिए मे, जहलक हाकिम हुनका
सभ केँ लऽ जा कऽ घाव धो देलथिन।
तकरबाद ओ अपन पूरा परिवारक संग
बपतिस्मा लेलनि। **34** तखन जहलक
हाकिम पौलुस आ सिलास केँ अपना
डेरा मे आनि कऽ भोजन करौलनि।
ओ अपन पूरा परिवारक संग परमेश्वर
पर विश्वास करबाक कारणेँ बहुत
आनन्दित छलाह।
35 भोर भेला पर न्यायाधीश सभ अपना
सिपाही सभ केँ ई आदेश दऽ कऽ जहलक
हाकिम लग पठौलनि जे, “ओहि दूनू गोटे
केँ छोड़ि दिऔक।” **36** जहलक हाकिम
पौलुस केँ कहलथिन, “न्यायाधीशजी
आदेश पठौलनि अछि जे अपने लोकनि
केँ छोड़ि देल जाय। तेँ अपने लोकनि
आब जा सकैत छी। बेस, नीक सँ गेल
जाओ।”
37 मुदा पौलुस सिपाही सभ केँ
कहलथिन, “हम सभ, जे रोमी नागरिक
छी, तकरा सभ केँ ओ सभ बिनु दोषी
पौनहि जनताक सामने मे पिटबौलनि आ
जहल मे बन्द करबौलनि, और आब की,
हमरा सभ केँ चुपेचाप निकालऽ चाहैत
छथि? नहि! ओ सभ अपने आबि कऽ
हमरा सभ केँ बाहर लऽ चलथु।”
38 सिपाही सभ हुनकर कहल बात
न्यायाधीश सभ केँ सुनौलक। ओ सभ
जखन सुनलनि जे पौलुस आ सिलास
रोमी नागरिक छथि, तँ बहुत डेरा गेलाह।
39 ओ सभ पौलुस आ सिलास लग आबि
हुनका सभ केँ मनाबऽ लगलथिन, आ
जहल सँ बाहर आनि शहर छोड़ि कऽ चल
जयबाक विनती कयलथिन। **40** पौलुस
आ सिलास जहल सँ बाहर भऽ लुदियाक
घर गेलाह। ओतऽ विश्वासी भाय सभ सँ
भेँट कऽ कऽ हुनका सभ केँ विश्वास मे
प्रोत्साहित कयलनि। तकरबाद ओ सभ
ओतऽ सँ विदा भऽ गेलाह।

थिसलुनिका नगर मे

17 ओ सभ अम्फिपुलस और
अपुलोनिया नगर सभ दऽ
कऽ थिसलुनिका शहर पहुँचलाह, जतऽ
यहूदी सभक एक सभाघर छल। **2** पौलुस
जहिना सभ ठाम करैत छलाह तहिना
एहूठामक सभाघर मे गेलाह। तीन सप्ताह
धरि विश्राम-दिन मे ओ ओकरा सभ सँ
धर्मशास्त्र पर तर्क-वितर्क कयलनि,
3 और ओकरा सभ केँ धर्मशास्त्रक बात
बुझबैत ओहि मे सँ एहि बातक प्रमाण
दैत रहलाह जे उद्धारकर्ता-मसीह केँ दुःख
भोगनाइ आ मरि कऽ जीबि उठनाइ
आवश्यक छलनि। ओ कहैत छलाह,
“ई यीशु जिनका बारे मे हम अहाँ सभ
केँ सुना रहल छी, सैह उद्धारकर्ता-मसीह
छथि।” **4** ई बात यहूदी सभ मे सँ किछु
गोटे स्वीकार कयलक, और पौलुस आ
सिलासक संग भऽ गेल। तहिना परमेश्वर
पर श्रद्धा रखनिहार बहुत यूनानी सभ आ
प्रतिष्ठित स्त्रीगण सभ सेहो विश्वास
कयलक।
5 मुदा एहि पर यहूदी सभ ईर्ष्या सँ भरि
गेल, आ किछु आवारा-गुण्डा सभ केँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चढ़ा-बढ़ा कऽ बड़का भीड़ जुटा लेलक
आ शहर मे हूलि मचाबऽ लागल। तखन
ओ सभ पौलुस आ सिलास कैँ तकबाक
लेल यासोनक घर गेल। ओ सभ हुनका
सभ कैँ पकड़ि कऽ जन-सभाक सामने
आनऽ चाहैत छल। 6मुदा यासोनक घर मे
ओ सभ जखन नहि भेटलथिन, तँ ओ सभ
यासोन आ किछु आरो विश्वासी भाय
सभ कैँ घिसिअबैत आनि कऽ शहरक पंच
सभक सामने ठाढ़ कऽ देलक आ जोर-
जोर सँ हल्ला करैत हुनका सभ पर दोष
लगाबऽ लागल जे, “ई सभ जे सौंसे संसार
कैँ उनट-पुनट कऽ रहल अछि से सभ
आब एतौ आबि गेल अछि 7आ यासोन
एकरा सभ कैँ अपना घर मे पाहुन बना कऽ
रखने अछि। ई सभ सम्राट-कैसरक कानून
सभक विरोध कऽ रहल अछि आ कहैत
अछि जे एक दोसर आदमी, यीशु, हमरा
सभक राजा छथि।” 8ई सुनि जनता आ
शहरक हाकिम सभ बहुत घबड़ा गेलाह।
9तँ हाकिम सभ यासोन आ दोसरो लोक
सभ सँ जमानत लेलनि, तखन हुनका सभ
कैँ जाय देलथिन।

बिरीया नगर मे

10 ओही दिन अन्हार होइत देरी
विश्वासी भाय सभ पौलुस आ सिलास
कैँ बिरीया नगर पठा देलथिन। ओतऽ
पहुँचि कऽ ओ सभ यहूदी सभक सभाघर
मे गेलाह। 11बिरीया निवासी यहूदी सभ
थिसलुनिका निवासी यहूदी सभक अपेक्षा
नम्र भावनाक छल, कारण ओ सभ बहुत
उत्सुकता सँ प्रभुक शुभ समाचारक बात
सुनलक आ प्रत्येक दिन धर्मशास्त्रक
अध्ययन नीक जकाँ एहि लेल करैत
छल जे, देखी, पौलुसक कहल बात एहि
सँ मिलैत अछि वा नहि। 12फलस्वरूप
बहुत यहूदी लोक सभ विश्वास कयलक।
तहिना बहुतो प्रतिष्ठित यूनानी स्त्रीगण
आ पुरुष सभ सेहो विश्वास कयलक।

13 जखन थिसलुनिकाक यहूदी सभ
कैँ पता चललैक जे पौलुस आब बिरीया
मे परमेश्वरक वचनक प्रचार कऽ रहल
अछि, तँ ओ सभ ओतौ जा कऽ हूलि
मचबाबऽ आ जनता कैँ भड़काबऽ
लागल। 14एहि पर विश्वासी भाय
सभ तुरत पौलुसक लेल समुद्रक कात
जयबाक व्यवस्था कऽ कऽ विदा कऽ
देलथिन, मुदा सिलास आ तिमुथियुस
बिरीये मे रहि गेलाह। 15पौलुसक संग जे
सभ गेलाह से सभ हुनका एथेन्स शहर
तक पहुँचौलथिन। ओतऽ पौलुस हुनका
सभ कैँ कहलथिन जे, सिलास और
तिमुथियुस कैँ जल्दी चल अयबाक लेल
कहि दिऔन। तखन ओ सभ ओतऽ सँ
घूमि गेलाह।

एथेन्स नगर मे

16 पौलुस एथेन्स शहर मे सिलास आ
तिमुथियुसक अयबाक प्रतीक्षा कऽ रहल
छलाह। शहर मे देवी-देवता सभक मूर्ति
सभतरि देखि हुनका बहुत दुःख भेलनि।
17तँ ओ सभाघर मे यहूदी सभ आ
परमेश्वर कैँ माननिहार यूनानी सभ सँ एहि
सम्बन्ध मे बात-चीत करैत छलाह, और
प्रत्येक दिन चौक-बजार मे आबऽ-जाय
वला लोक सभ सँ सेहो बात-चीत करैत
छलाह। 18किछु ईपिकूरी आ स्तोइकी
विचारधाराक विद्वान सभ हुनका सँ
विवाद करऽ लागल आ बाजल, “ई टर्र-
टर्र करऽ वला कहऽ की चाहैत अछि?”
दोसर सभ कहैत छल, “ई कोनो आन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देशक देवताक प्रचार करऽ वला बुझाइत
अछि।” ई बात एहि लेल कहलक जे
पौलुस यीशुक आ मृत्यु मे सँ जीबि
उठनाइक विषय मे प्रचार करैत छलाह।
19एक दिन ओ सभ पौलुस केँ अपना संग
अरियोपिगुस-सभा मे लऽ गेलनि। ओतऽ
ओ सभ हुनका सँ पुछलकनि, “की हम
सभ ई जानि सकैत छी जे अहाँ ई कोन
नव शिक्षा दऽ रहल छी? 20अहाँ जे किछु
कहि रहल छी से हमरा सभ केँ एकदम
नव बुझि पड़ैत अछि, तेँ हम सभ जानऽ
चाहैत छी जे एकर अर्थ की अछि।”
21(एथेन्स नगरक वासी और ओतऽ रहऽ
वला परदेशी सभक काजे एतबे छल जे
नवका-नवका बात सुनी आ सुनाबी।)

22 एहि पर पौलुस अरियोपिगुस-सभा मे
ठाढ़ भऽ कऽ कहऽ लगलाह, “एथेन्सक
निवासी लोकनि, हम देखैत छी जे अहाँ
सभ हर प्रकार सँ बड्ड धर्म-प्रेमी लोक छी।
23हम घूमि-फिरि कऽ जखन अहाँ सभक
ओहि स्थान सभ केँ देखैत छलहुँ जतऽ
अहाँ सभ पूजा करैत छी तँ हमरा एक
एहन पीड़ी भेटल जाहि पर लिखल अछि
‘अज्ञात ईश्वरक लेल’। तँ जिनका अहाँ
सभ बिनु जननहि पूजैत छी, हम तिनके
बारे मे अहाँ सभ केँ सुना रहल छी।

24 “परमेश्वर, जे एहि संसार आ एहि
मेहक प्रत्येक वस्तुक सृष्टि कयलनि, से
स्वर्ग और पृथ्वीक मालिक भऽ, मनुष्य
द्वारा बनाओल मन्दिर मे वास नहि करैत
छथि। 25आ हुनका कोनो वस्तुक कमी
नहि छनि, जकरा मनुष्य हुनकर सेवा
करैत पूरा करनि, किएक तँ वैह छथि जे
सभ केँ जीवन, साँस, आ आओर सभ
किछु दैत छथिन। 26ओ एके मनुष्य सँ
सभ जातिक लोक केँ उत्पन्न कयलनि,
जाहि सँ ओ सभ सौंसे पृथ्वी पर रहय। ओ
ओकरा सभक रहबाक समय आ स्थान
पहिनहि सँ निश्चित कयलनि। 27ई सभ
बात ओ एहि लेल कयलनि जे लोक सभ
हुनका ताकय आ शायद हथोड़ि-हथोड़ि
कऽ प्राप्त करय, ओना तँ ओ अपना सभ
मे सँ ककरो सँ दूर नहि छथि। कारण,
जेना केओ कहने अछि, 28‘हम सभ हुनके
मे छी, हुनके मे जीबैत छी आ हुनके मे
चल-फिर करैत छी।’ और जेना अहाँ
सभक अपन किछु कवि लोकनि कहने
छथि, ‘हम सभ हुनकर सन्तान छी।’

29 “तेँ अपना सभ जँ परमेश्वरक
सन्तान छी तँ अपना सभ केँ एना नहि
सोचबाक चाही जे ईश्वर कोनो तरहेँ
सोना, चानी, वा पाथरक मूर्ति जकाँ
छथि, जे मनुष्यक लूरि आ कल्पना सँ
गढ़ल गेल अछि। 30एहि अज्ञानताक दण्ड
केँ परमेश्वर बितला युग सभ मे क्षमा
कयलनि, मुदा एखन हुनकर आज्ञा छनि
जे सभ ठामक सभ मनुष्य अपना पापक
लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
करय। 31ओ तँ एक दिन निश्चित कयने
छथि जहिया ओ अपन चुनल व्यक्ति
द्वारा उचित न्यायानुसार संसारक न्याय
करताह। एहि व्यक्ति केँ मृत्यु सँ जिआ
कऽ सभ आदमी केँ एहि बातक प्रमाण देने
छथि।”

32 मृत्यु सँ जीबि उठनाइक बात सुनि
कऽ किछु लोक ओहि बातक हँसी
उड़ाबऽ लागल, मुदा दोसर लोक सभ
कहलकनि, “हम सभ एहि विषय मे
अहाँ सँ फेर कहियो सुनऽ चाहैत छी।”
33तकरबाद पौलुस ओहि सभा मे सँ
चल जाइत रहलाह। 34तैयो किछु लोक
हुनका संग-संग आयल आ विश्वास

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कयलक। ओहि मे अरियोपिगुस-सभाक
दियुनुसियुस नामक एक सदस्य, दमरिस
नामक एक स्त्री आ किछु आओर लोक
सभ छल।

कोरिन्थ मे मण्डलीक स्थापना

18 तकरबाद पौलुस एथेन्स नगर
कैँ छोड़ि कऽ कोरिन्थ नगर
गेलाह। 2ओतऽ हुनका अक्विला नामक
एक यहूदी भेटलनि, जिनकर जन्म
पुन्तुस मे भेल छलनि। ओ हाले-साल
मे अपन स्त्री प्रिस्किलाक संग इटली सँ
एतऽ आयल छलाह, कारण क्लौदियुस
सम्राट यहूदी सभ कैँ रोम शहर सँ निकलि
जयबाक आदेश दऽ देने छलाह। पौलुस
भेँट-घाँट करबाक लेल हुनका सभक
ओहिठाम गेलाह, 3आ हुनका सभक संग
रहऽ लगलाह, कारण हिनकर व्यवसाय
हुनके सभ जकाँ तम्बू बनौनाइ छलनि।
ओ सभ संग-संग काज करऽ लगलाह।
4प्रत्येक विश्राम-दिन कऽ पौलुस सभाघर
मे जा कऽ यहूदी आ यूनानी सभ सँ तर्क-
वितर्क कऽ कऽ एहि कोशिश मे रहैत
छलाह जे ओ सभ प्रभु यीशु कैँ स्वीकार
करय।

5सिलास आ तिमुथियुस मकिदुनिया
सँ जखन आबि गेलाह, तँ पौलुस अपन
पूरा समय शुभ समाचार सुनयबा मे
लगा देलनि। ओ यहूदी सभ कैँ बुझबैत
रहलाह जे यीशुए उद्धारकर्ता-मसीह छथि।
6मुदा ओ सभ जखन हुनकर विरोध
और अपमान करऽ लागल, तखन ओ
ओकरा सभक सामने चेतावनी स्वरूप
अपन कपड़ा मे सँ गर्दा झाड़ि लेलनि,
आ कहलनि, "अहाँ सभ जँ नाश होयब
तँ तकर दोषी अहीं सभ छी। हम निर्दोष
छी। आब सँ हम दोसरे जातिक बीच शुभ
समाचार सुनाबऽ जा रहल छी।"

7तखन पौलुस सभाघर सँ निकलि
कऽ तीतुस यूस्तुस नामक एक व्यक्तिक
ओहिठाम गेलाह, जिनकर घर सभाघरक
काते मे छलनि। ओ यहूदी नहि छलाह
मुदा परमेश्वरक माननिहार छलाह।
8सभाघरक अध्यक्ष क्रिस्पुस अपन
सम्पूर्ण घर-परिवारक संग प्रभु मे विश्वास
कयलनि। और बहुतो कोरिन्थ निवासी
सभ पौलुस सँ शुभ समाचार सुनि विश्वास
कयलक आ बपतिस्मा लेलक।

9एक राति प्रभु पौलुस कैँ सपना मे दर्शन
दऽ कऽ कहलथिन, "नहि डेराउ! अहाँ
प्रचार करैत रहू, रूकू नहि। 10कारण, हम
अहाँक संग छी। केओ अहाँ पर आक्रमण
कऽ कऽ अहाँक हानि नहि कऽ पाओत।
किएक तँ एहि शहर मे बहुते गोटे हमर
लोक अछि।" 11तेँ पौलुस लोक सभ कैँ
परमेश्वरक वचन सिखबैत ओतऽ डेढ़
वर्ष धरि रहलाह।

निरर्थक आरोप

12जखन गल्लियो अखाया प्रदेशक
राज्यपाल छलाह तँ यहूदी सभ एक मत
भऽ पौलुसक विरोध कयलक आ हुनका
पकड़ि कऽ कचहरी मे लऽ गेलनि।
13हुनका पर ओ सभ ई आरोप लगौलक
जे, "ई आदमी लोक कैँ बहका कऽ
परमेश्वरक आराधना एहि तरहेँ करबाक
लेल सिखबैत अछि जे कानूनक विरोध
मे अछि!"

14एहि पर पौलुस बाजहि चाहलनि
कि गल्लियो यहूदी सभ कैँ कहलथिन,
"यौ यहूदी सभ! ई जँ कोनो अन्याय
वा अपराधक मामिला रहैत तँ अहाँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक कथन सुननाइ उचित होइत।
15 मुदा ई खाली अहाँ सभक अपन धर्म-
नियमक सम्बन्धित शब्द आ नामक
विवाद अछि। तेँ अहीं सभ जानू! हम
एहन बातक न्याय नहि करब।” 16 और
ओ ओकरा सभ केँ कचहरी सँ भगा
देलथिन। 17 तखन ओ सभ सभाघरक
अध्यक्ष सोस्थिनेस केँ पकड़ि कऽ
कचहरीक ठीक सामने मे पिटलक,
मुदा एहि पर गल्लियो कनेको ध्यान
नहि देलनि।

दोसर प्रचार-यात्राक अन्त

18 कोरिन्थ नगर मे बहुत दिन रहलाक
बाद पौलुस विश्वासी भाय सभ सँ
विदा लऽ कऽ पानि जहाज सँ सीरिया
प्रदेशक लेल प्रस्थान कयलनि। हुनका
संग प्रिस्किला आ अक्विला सेहो
छलनि। चलऽ सँ पहिने पौलुस कोनो
कबुलाक कारणेँ किंख्रिया शहर मे केश
कटबौलनि। 19 ओ सभ इफिसुस नगर
मे पहुँचलाह, जतऽ पौलुस प्रिस्किला
आ अक्विला केँ छोड़ि देलथिन। ओ
अपने ओहिठामक सभाघर मे जा कऽ
यहूदी सभ सँ शास्त्रार्थ करऽ लगलाह।
20 ओ सभ हुनका सँ इफिसुस मे आरो
दिन रहबाक आग्रह कयलकनि, मुदा
ओ अस्वीकार करैत ओकरा सभ केँ
कहलथिन, 21 “जँ परमेश्वरक इच्छा
होयतनि तँ हम फेर आयब।” एतबा कहि
ओ इफिसुस सँ पानि जहाज सँ विदा भऽ
गेलाह।

22 ओ जखन कैसरिया नगर मे पहुँचलाह
तँ ओतऽ सँ यरूशलेम जा कऽ मण्डली
सँ भेँट कयलनि, आ तकरबाद ⌞सीरिया
प्रदेशक⌟ अन्ताकिया नगर चल गेलाह।

पौलुसक तेसर प्रचार-यात्रा

अन्ताकिया सँ प्रस्थान

23 अन्ताकिया मे किछु दिन रूकि
कऽ पौलुस ओतऽ सँ फेर बहरयलाह आ
क्रमशः गलातिया आ फ्रूगिया प्रदेश मे
घूमि-घूमि कऽ शिष्य सभ केँ विश्वास मे
मजगूत करैत रहलाह।

इफिसुस नगर मे अपुल्लोस

24 एम्हर इफिसुस मे, अपुल्लोस नामक
एक यहूदी जिनकर जन्म सिकन्दरिया
नगर मे भेल छलनि, पहुँचलाह। ओ नीक
वक्ता आ धर्मशास्त्रक पंडित छलाह।
25 ओ प्रभुक देखाओल बाटक नीक
शिक्षा पौने छलाह, आ यीशुक विषय मे
बहुत आत्मिक उत्साह सँ लोक सभक
बीच ठीक-ठीक सुनबैत आ सिखबैत
छलाह। मुदा तैयो हुनकर ज्ञान यूहन्नाक
बपतिस्मा तक सीमित छलनि। 26 ओ
सभाघर मे सेहो निर्भयतापूर्बक बाजऽ
लगलाह। प्रिस्किला आ अक्विला
जखन हुनकर बात सुनलनि तँ हुनका
अपना ओहिठाम लऽ गेलनि आ आओर
बढ़ियाँ सँ परमेश्वरक बाटक सम्बन्ध मे
बुझौलथिन।

27 तखन अपुल्लोस केँ जखन अखाया
जयबाक इच्छा भेलनि तँ विश्वासी
भाय सभ हुनका प्रोत्साहित कयलनि,
आ हिनकर स्वागत करबाक लेल
ओहिठामक शिष्य सभक नामे एक चिट्ठी
लिखि देलथिन। अखाया पहुँचि कऽ ओ
ओहि लोक सभ केँ बहुत मदति कयलनि
जे परमेश्वरक कृपा सँ विश्वास मे आबि
गेल छल, 28 कारण ओ धर्मशास्त्र सँ
एहि बात केँ प्रमाणित कऽ कऽ जे यीशुए

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

उद्धारकर्ता-मसीह छथि, सभक सामने मे
यहूदी सभक मुँह एकदम बन्द कऽ दैत
छलाह।

पवित्र आत्माक सम्बन्ध मे शिक्षा

19 जखन अपुल्लोस कोरिन्थ नगर
मे छलाह, तखन पौलुस समुद्र
सँ दूर वला इलाका सभ दऽ कऽ इफिसुस
नगर अयलाह, जतऽ हुनका किछु शिष्य
सभ भेटलनि। 2ओ ओकरा सभ केँ
पुछलथिन, “अहाँ सभ जखन विश्वास
कयलहुँ तँ की पवित्र आत्मा अहाँ सभ केँ
प्राप्त भेलाह?” ओ सभ उत्तर देलकनि,
“नहि। हम सभ तँ से सुननहु नहि छी जे
पवित्र आत्मा होइत छथि।” 3पौलुस
पुछलथिन, “तँ कोन बात विश्वास कऽ
कऽ बपतिस्मा लेलहुँ?” ओ सभ जबाब
देलकनि, “जे बात यूहन्ना सिखबैत
छलाह।” 4एहि पर पौलुस ओकरा सभ
केँ बुझौलथिन, “यूहन्नाक बपतिस्मा
ई देखयबाक लेल छल जे, पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
कयलहुँ, मुदा यूहन्ना लोक सभ केँ इहो
सिखबैत छलाह जे, जे हमरा बाद मे आबि
रहल छथि, अर्थात् यीशु, तिनका पर
विश्वास करू।” 5ओ सभ ई बात सुनि
यीशुक नाम मे बपतिस्मा लेलक। 6पौलुस
ओकरा सभ पर हाथ रखलनि तँ पवित्र
आत्मा ओकरा सभ मे अयलाह। ओ सभ
अनजान भाषा मे बाजऽ लागल आ प्रभु
सँ पाओल सम्बाद सभ सुनाबऽ लागल।
7ओ सभ करीब बारह गोटे छल।

इफिसुस मे पौलुस

8 तीन मास धरि पौलुस ओतुक्का
सभाघर मे जा कऽ निर्भयतापूर्बक लोक
सभ सँ बात-चीत आ तर्क-वितर्क कऽ
कऽ ओकरा सभ केँ परमेश्वरक राज्यक
विषय मे बुझबैत रहलाह। 9मुदा जखन
ओकरा सभ मे सँ किछु लोक जिद्दिया
कऽ शुभ समाचार नहि मानलक आ सौंसे
सभाक सामने मे प्रभुक बाटक निन्दा
करऽ लागल, तँ पौलुस ओकरा सभ केँ
छोड़ि देलनि आ शिष्य सभ केँ अपना
संग लऽ कऽ चल अयलाह। आब ओ
सभ तुरन्नुस नामक व्यक्तिक भवन मे जा
कऽ प्रति दिन तर्क-वितर्क करऽ लगलाह।
10ई क्रम दू वर्ष धरि चलल। फलस्वरूप
आसिया प्रदेश मे रहऽ वला सभ लोक,
यहूदी आ यूनानी दूनू, प्रभुक वचन सुनऽ
पौलक।

11 परमेश्वर पौलुसक माध्यम सँ बहुत
अद्भुत चमत्कार करैत छलाह। 12लोक
सभ रुमाल आ अंगपोछा हुनका देह मे
छुआ कऽ अस्वस्थ लोक सभ लग लऽ
जाइत छल, तँ ओ सभ अपना बिमारी सँ
मुक्त भऽ जाइत छल आ दुष्टात्मा सभ
ओकरा सभ मे सँ निकलि जाइत छलैक।

13 एहि पर एम्हर-ओम्हर घुम-फिर
करऽ वला किछु यहूदी ओझा-गुनी
दुष्टात्मा सँ ग्रसित लोक सभ पर यीशुक
नामक प्रयोग करबाक कोशिश कयलक।
ओ सभ दुष्टात्मा सभ केँ एना कहैत
छलैक, “यीशुक नाम सँ, जिनकर प्रचार
पौलुस करैत छथि, हम तोरा आज्ञा दैत
छिऔ—तोँ एकरा मे सँ निकल!” 14एहि
ओझा-गुनी सभ मे यहूदी सभक एक
मुख्यपुरोहित, जिनकर नाम स्कीवा
छलनि, तिनकर सातटा बेटा सेहो छल।
15एक बेर दुष्टात्मा ओकरा सभ केँ उत्तर
देलकैक, “यीशु केँ हम जनैत छियनि,
आ पौलुस केँ चिन्हैत छियनि, लेकिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तोँ सभ के छेँ?” 16तखन ओ दुष्टात्मा
लागल आदमी ओकरा सभ पर झपटि
कऽ सभ केँ पछाड़ि देलकैक, आ ततेक
मारलकैक-पिटलकैक, जे ओ सभ नंगटे
आ घायल भऽ कऽ ओहि घर सँ भागि
गेल। 17एहि घटनाक बारे मे जखन
इफिसुसक निवासी, यहूदी आ यूनानी
सभ सुनलक, तँ ओकरा सभ केँ बड़का
डर सन्हिया गेलैक, आ प्रभु यीशुक प्रति
आदर बहुत बढ़ि गेलैक।
18 विश्वासिओ सभ मे सँ बहुत गोटे
आबि कऽ अपन गलत काज सभ खुलि
कऽ मानि लेलक, 19आ बहुत जादू-टोना
करऽ वला सभ अपन पोथी सभ जमा कऽ
कऽ सभक सामने मे जरा देलक। जखन
ओहि सभ पोथीक मूल्यांकन कयल गेल तँ
ओ पचास हजार चानीक सिक्काक छल।
20 एहि तरहेँ प्रभुक वचन आरो पसरैत
गेल, और शक्ति आ प्रभाव मे बढ़ैत गेल।

यरूशलेम जयबाक पौलुसक निर्णय

21 एहि घटना सभक बाद पौलुस अपना
मोन मे मकिदुनिया और अखाया प्रदेश
दऽ कऽ यरूशलेम जयबाक निर्णय कऽ
लेलनि। ओ कहलनि, “ओतऽ पहुँचलाक
बाद हमरा रोम सेहो गेनाइ आवश्यक
अछि।” 22तखन ओ अपन दूटा सहकर्मी
तिमुथियुस आ इरास्तुस केँ आगाँ
मकिदुनिया पठा कऽ अपने किछु दिन
आओर आसिया प्रदेश मे रहलाह।

इफिसुस मे बड़का खलबली

23 एही समय मे प्रभुक “बाट” केँ लऽ
कऽ इफिसुस शहर मे बड़का खलबली
मचि गेल। 24देमेत्रियुस नामक एक
सोनार, जे अरतिमिस देवीक मन्दिरक
चानीक मुरुत बनबैत छल आ कारीगर
सभ केँ सेहो बहुते काज दिअबैत छल,
25से एक दिन अपन कारीगर सभ आ एहि
व्यवसाय सँ सम्बन्धित आरो कारीगर सभ
केँ सेहो जमा कऽ कऽ कहलकैक, “यौ
भाइ लोकनि! अहाँ सभ केँ बुझले अछि
जे अपना सभक सभ धन-सम्पत्ति एही
व्यवसाय सँ अछि। 26और इहो देखि आ
सुनि रहल छी जे ई पौलुस कोना इफिसुसो
मे आ करीब-करीब सौंसे आसिया प्रदेश मे
बहुतो लोक केँ समझा-बुझा कऽ बहका
देने छैक जे, हाथक बनाओल देवता तँ
देवता अछिए नहि। 27एहि सँ एतबे बातक
खतरा नहि, जे अपना सभक व्यवसायक
प्रतिष्ठा जाइत रहत, बल्कि एकरो जे
महान् देवी अरतिमिसक मन्दिर तुच्छ
बुझल जयतनि, और ई देवी जिनकर पूजा
आसिया प्रदेश मे आ सौंसे संसार मे सेहो
कयल जाइत छनि, तिनकर ईश्वरीय गौरव
समाप्त भऽ जयतनि।”
28 ई सुनि ओकरा सभक क्रोध भड़कि
उठल और ओ सभ जोर-जोर सँ नारा
लगाबऽ लागल जे, “इफिसी सभक
अरतिमिस देवी महान् छथि!” 29आब सौंसे
शहर मे हुल्लड़ि मचि गेल। लोक सभ गयुस
और अरिस्तर्खुस, जे मकिदुनिया प्रदेशक
छलाह आ पौलुसक संग यात्रा कऽ रहल
छलाह, तिनका सभ केँ पकड़ि लेलकनि
आ सभ केओ एक जुट भऽ कऽ खेलक
मैदान दिस दौड़ि पड़ल। 30पौलुस भीड़क
समक्ष जा कऽ लोक सभ केँ किछु कहऽ
चाहैत छलाह, मुदा आरो शिष्य सभ हुनका
ओतऽ नहि जाय देलथिन। 31आसियाक
किछु उच्चाधिकारी सभ, जे पौलुसक
मित्र छलनि, सेहो हुनका खबरि पठा कऽ
आग्रह कयलथिन जे ओ मैदान मे जयबाक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कोशिश नहि करथि। 32एम्हर मैदान मे
लोक सभक बीच ततेक गड़बड़ी छल जे
ओ सभ हल्ला कऽ कऽ केओ किछु कहैत
छल, तँ केओ किछु। विशेष लोक इहो नहि
जनैत छल जे एतऽ आयल छी किएक।
33तखन यहूदी सभ सिकन्दर केँ ठेलि-ठालि
कऽ प्रवक्ताक रूप मे सभाक आगाँ ठाढ़
कऽ देलकनि, और भीड़ मे सँ किछु लोक
हुनका निर्देश देबऽ लगलनि। ओ भीड़
केँ चुप रहबाक लेल हाथ सँ संकेत कऽ
कऽ लोक केँ बुझाबऽ लगलाह, 34मुदा
लोक सभ जखन बुझलक जे ई यहूदी
अछि तँ करीब दू घण्टा धरि एक स्वर मे
नारा लगबैत रहल जे, “इफिसी सभक
अरतिमिस देवी महान् छथि!”

35 अन्त मे शहरक प्रधानजी भीड़
केँ शान्त कयलनि आ कहलथिन, “यौ
इफिसुस-निवासी सभ! की संसारक
प्रत्येक मनुष्य ई नहि जनैत अछि जे
इफिसुस शहर महान् देवी अरतिमिसक
मन्दिर आ आकाश सँ खसल हुनकर
मुरुतक रक्षक अछि? 36ई बात जखन
निर्विवाद अछि तँ अहाँ सभ केँ शान्त
रहबाक चाही आ बिनु सोचने-विचारने
किछु नहि करबाक चाही। 37कारण, अहाँ
सभ तँ एहन व्यक्ति सभ केँ पकड़ि कऽ
अनने छी जे ने तँ मन्दिर केँ लुटने अछि
आ ने अपना सभक देवीक अपमान कयने
अछि। 38तेँ जँ देमेत्रियुस आ हुनकर संगी
कारीगर सभ केँ ककरो सँ सिकायत छनि
तँ कचहरी खुजल अछि आ न्यायाधीश
लोकनि सेहो छथि। ओ सभ अपन
अभियोग कचहरी मे पेश करथु। 39और जँ
अहाँ सभ कोनो दोसर प्रश्न उठाबऽ चाहैत
होइ तँ तकर निर्णय नियमित नागरिक-सभा
मे कयल जायत। 40एखन हमरा डर अछि
जे अजुका घटनाक कारणेँ कतौ अपना
सभ पर दंगाक आरोप ने लगाओल जाय,
कारण ई हुल्लड़ि बिनु कारणेँ छल, आ
एकरा बारे मे अपना सभ कोनो उत्तर नहि
दऽ सकब।” 41एतबा कहि ओ सभा केँ
समाप्त कऽ देलनि।

मकिदुनिया आ यूनान देश मे पौलुस

20 ई खलबली वला बात शान्त
भेलाक बाद, पौलुस शिष्य सभ
केँ बजा कऽ हुनका सभ सँ प्रोत्साहनक
किछु शब्द कहि विदा लेलनि आ
मकिदुनियाक लेल प्रस्थान कयलनि।
2मकिदुनिया प्रदेश दऽ कऽ जाइत काल
ओ ओतुक्का विश्वासी सभ केँ बहुत बात
द्वारा उत्साह बढ़ौलनि, और अन्त मे यूनान
देश मे पहुँचलाह। 3यूनान मे तीन मास
धरि रहलाक बाद, ओ सीरियाक लेल
पानि जहाज सँ विदा होमऽ पर छलाह,
तखने पता चललनि जे यहूदी सभ हमरा
विरोध मे षड्यन्त्र रचि रहल अछि। तेँ ओ
फेर मकिदुनिया दऽ कऽ फिरि जयबाक
निश्चय कयलनि। 4हुनका संग ईहो सभ
छलाह—पिरुसक बेटा सोपात्रस, जे
बिरीयाक निवासी छलाह, थिसलुनिकाक
निवासी अरिस्तर्खुस आ सिकुन्दुस, दरबे
नगरक निवासी गयुस, तिमुथियुस, और
आसिया प्रदेशक तुखिकुस आ त्रोफिमुस।
5हुनकर ई संगी सभ हमरा सभ सँ आगाँ
बढ़लाह आ त्रोआस नगर जा कऽ हमरा
सभक प्रतीक्षा करऽ लगलाह। 6एम्हर हम
सभ “बिनु खमीरक रोटी वला पाबनि”क
बाद फिलिप्पी नगर सँ विदा भेलहुँ, आ
पानि जहाजक पाँच दिनक यात्राक बाद
हुनका सभ लग त्रोआस मे पहुँचलहुँ।
ओतऽ हम सभ सात दिन रहलहुँ।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

त्रोआस मे चमत्कार

7 सप्ताहक पहिल दिन* हम सभ
विश्वासी सभक संग प्रभु-भोज करबाक
लेल एक ठाम जमा भेलहुँ। पौलुस लोक
सभ सँ बात-चीत करऽ लगलाह, आ
दुपहर राति तक बजैत रहलाह, कारण
हुनका प्रात भेने विदा होयबाक छलनि।
8ऊपर वला कोठली जाहि मे हम सभ
जमा भेल छलहुँ ताहि मे बहुते दीप सभ
जरि रहल छल। 9खिड़की मे युतखुस
नामक एक युवक बैसल छल। पौलुसक
बात सुनैत-सुनैत ओ औँघाय लागल आ
अन्त मे भारी निन्द आबि गेला सँ ओ
ओहि तीनमहला पर सँ खसि पड़ल।
लोक सभ ओकरा मरल उठौलक।
10पौलुस नीचाँ गेलाह, आ झुकि कऽ
ओकरा भरि पाँज कऽ धऽ लेलथिन।
तखन बजलाह, "नहि घबड़ाउ! ई जीविते
अछि।" 11तखन पौलुस फेर जा कऽ प्रभु-
भोज कयलनि और भोजन कऽ कऽ लोक
सभ सँ भोर तक बात-चीत करैत रहलाह
आ विदा भऽ गेलाह। 12लोक सभ बहुत
खुश भऽ कऽ ओहि युवक केँ जीविते घर
लऽ गेल।

मिलेतुस नगरक यात्रा

13 हम सभ आब जहाज पर चढ़ि कऽ
आगाँ असुस नगरक लेल विदा भेलहुँ।
पौलुस हमरा सभक लेल एना सोचने
छलाह जे हम सभ आगाँ पानि जहाज सँ
जाइ आ असुस मे हुनका जहाज पर चढ़ा
लियनि, कारण ओ असुस तक पैदले
आबऽ चाहैत छलाह। 14असुस मे ओ
हमरा सभ सँ भेँट कयलनि, आ हम सभ
हुनका जहाज पर लऽ, मितुलेन नगर तक
अयलहुँ। 15दोसरे दिन ओतऽ सँ विदा
भऽ खियुस द्वीपक सामने पहुँचलहुँ, आ
तकर प्रात भेने सामोस द्वीप तक अयलहुँ।
फेर दोसरे दिन मिलेतुस नगर मे अयलहुँ।
16पौलुस निर्णय कयने छलाह जे हम
सभ इफिसुस नगर केँ छोड़ैत निकलि
जायब जाहि सँ आसिया प्रदेश मे देरी नहि
होअय। ओ एहि लेल जल्दी मे छलाह जे,
जँ सम्भव होअय तँ पेन्तेकुस्त दिन तक
यरूशलेम पहुँचि जाइ।

इफिसुस मण्डलीक देख-रेख कयनिहार लोकनि सँ पौलुसक अन्तिम भेँट-घाँट

17 मिलेतुस सँ पौलुस इफिसुसक
मण्डलीक देख-रेख कयनिहार लोकनि केँ
खबरि पठा कऽ बजबौलनि। 18ओ सभ
जखन आबि गेलाह तँ पौलुस हुनका सभ
केँ कहलथिन, "अहाँ सभ जनिते छी जे
जाहि दिन हम आसिया प्रदेश मे अयलहुँ
ताहि दिन सँ अहाँ सभक संग रहि कऽ
हम अपन समय कोना व्यतीत कयने रही।
19बहुत नम्रतापूर्बक आ नोर बहा-बहा कऽ
ओहि संकटक घड़ी मे, जे यहूदी सभक
षड्यन्त्रक कारणेँ हमरा पर आयल छल,
हम प्रभुक सेवा करैत रहलहुँ। 20जे कोनो
बात अहाँ सभक हितक लेल छल, से सभ
बात अहाँ सभ केँ खुलि कऽ कहलहुँ और
सभा सभ मे आ घरो-घर जा-जा कऽ अहाँ
सभ केँ उपदेश दैत रहलहुँ। 21हम यहूदी
आ यूनानी दूनू केँ दृढ़तापूर्बक चेतावनी
दैत रहलहुँ जे ओ अपना पापक लेल

20:7 अर्थात्, रबि दिन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पश्चात्ताप कऽ परमेश्वरक दिस फिरय आ
अपना सभक प्रभु यीशु पर विश्वास करय।
22 “और आब हम पवित्र आत्माक
आज्ञाक अनुसार यरूशलेम जा रहल छी।
ओतऽ हमरा संग की होयत, से नहि जनैत
छी। 23एतबे जनैत छी जे प्रत्येक शहर मे
पवित्र आत्मा हमरा चेतावनी दऽ रहल
छथि जे जहल आ कष्ट तोहर प्रतीक्षा मे
छह। 24मुदा हमरा लेल हमर प्राणक कोनो
महत्व नहि अछि। हमरा एकेटा एही बात
सँ मतलब अछि जे हम ओहि दौड़ कैँ
अन्त धरि दौड़ी आ ओहि काज कैँ पूरा
करी जे प्रभु यीशु हमरा देने छथि। ओ
काज अछि परमेश्वरक कृपा सम्बन्धी
शुभ समाचारक गवाही देनाइ।
25 “हम आब जनैत छी जे अहाँ सभ,
जिनका बीच मे हम परमेश्वरक राज्यक
प्रचार करैत घुमलहुँ-फिरलहुँ, हमर मुँह
फेर कहियो नहि देखब। 26तैँ हम आइ
अहाँ सभक सामने ई बात गम्भीरतापूर्बक
कहैत छी जे जँ अहाँ सभ मे सँ केओ नाश
होयब तँ तकर उत्तरदायी हम नहि होयब।
27कारण, हम अहाँ सभ कैँ परमेश्वरक
पूरा योजना सुनाबऽ मे किछु बाँकी नहि
रखलहुँ।
28 “अहाँ सभ जे सभ मण्डलीक
जिम्मेवार लोक छी, अपन आत्मिक
जीवनक ध्यान राखू आ तकरो सभक
जकरा सभ कैँ पवित्र आत्मा अहाँ सभक
जिम्मा मे राखि देने छथि। परमेश्वरक
एहि भैँड़ाक मण्डली, जकरा ओ अपन
पुत्रक खून सँ* किनलनि, तकर अहाँ सभ
चरबाह छी। 29हम जनैत छी जे हमरा
चल गेलाक बाद अति खतरनाक जंगली
जानबर सभ अहाँ सभक बीच मे आओत
आ भैँड़ा सभ कैँ नहि छोड़त। 30अहाँ
सभक अपनो बीच सँ एहन लोक ठाढ़
होयत जे विश्वासी सभ कैँ अपना दिस
खीचि अपन चेला बनयबाक लेल सत्य
कैँ टेढ़-मेढ़ कऽ देत। 31तैँ सतर्क रहू!
आ मोन राखू जे कोना हम तीन वर्ष धरि
दिन-राति नोर बहा-बहा कऽ अहाँ सभ मे
सँ एक-एक गोटे कैँ बुझबैत रहलहुँ।
32 “और आब हम अहाँ सभ कैँ
परमेश्वरक जिम्मा मे छोड़ि रहल छी
आ हुनकर कृपापूर्ण वचनक सुरक्षा
मे सौंपि दैत छी, जे वचन अहाँ सभ कैँ
मजगूत बना सकैत अछि आ परमेश्वरक
सभ पवित्र कयल लोकक संग अहाँ
सभक उत्तराधिकार अहाँ सभ कैँ दऽ
सकैत अछि। 33हम ककरो सोना-चानी
वा वस्त्रक लोभ कहियो नहि कयलहुँ।
34अहाँ सभ स्वयं जनैत छी जे हम अपन
एहि हाथ सभ सँ परिश्रम कऽ कऽ अपन
आ अपन संगी सभक आवश्यकता पूरा
कयलहुँ। 35हम अपन सभ काज मे अहाँ
सभ कैँ देखा देलहुँ जे कोना एहि तरहक
परिश्रम कऽ कऽ अपना सभ कैँ निर्बल
सभक सहयोग करबाक अछि, आ प्रभु
यीशुक कहल बात कैँ मोन रखबाक अछि
जे ओ अपने बाजल छलाह, ‘लेबऽ सँ
देबऽ मे आशिष अछि।’ ”
36 एतबा कहि पौलुस सभक संग
ठेहुनिया दऽ कऽ प्रार्थना कयलनि।
37तखन ओ सभ कानि-कानि कऽ आ
पंजिया-पंजिया कऽ हुनका चुम्मा लेबऽ
लगलनि। 38हुनका सभ कैँ सभ सँ बेसी
दुःख हुनकर एहि बात सँ भेलनि जे, अहाँ

20:28 वा, “ओ अपन खून सँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ हमर मुँह फेर कहियो नहि देखब। तकरबाद ओ सभ हुनका अरियाति कऽ जहाज तक पहुँचा देलनि।

यरूशलेम जयबाक पौलुसक दृढ़ संकल्प

21 हुनका सभ सँ विदा लऽ कऽ
हम सभ जहाज मे चढ़लहुँ
आ सोझे-सोझ जा कऽ कोस द्वीप पर
पहुँचलहुँ। प्रात भेने रूदुस द्वीप तक
अयलहुँ आ ओतऽ सँ पतारा नगर।
2पतारा मे हमरा सभ केँ फीनिकी प्रदेश
जाय वला एक जहाज भेटल, जाहि
पर चढ़ि हम सभ फेर विदा भऽ गेलहुँ।
3जाइत-जाइत हमरा सभ केँ साइप्रस
द्वीप देखाइ देलक। ओकर दक्षिण भाग
सँ होइत हम सभ आगाँ सीरिया प्रदेश
दिस बढ़लहुँ। हम सभ सीरिया प्रदेशक
सूर नगर मे उतरलहुँ, कारण ओतऽ जहाज
केँ अपन माल उतारबाक छलैक। 4सूर
मे हम सभ प्रभुक शिष्य सभ केँ ताकि
कऽ हुनका सभक संग सात दिन धरि
रहलहुँ। पवित्र आत्माक प्रेरणा सँ बुझि
ओ सभ पौलुस केँ बेर-बेर कहलथिन
जे, "अहाँ यरूशलेम नहि जाउ!" 5मुदा
ओतऽ रहबाक समय जखन पूरा भऽ गेल
तँ हम सभ विदा लऽ कऽ अपना रस्ता
पर आगाँ बढ़लहुँ। सभ शिष्य अपन स्त्री-
बच्चा सभक संग हमरा सभ केँ नगरक
बाहर तक अरियातऽ अयलाह। ओतऽ
समुद्रक कछेर पर हम सभ ठेहुनिया दऽ
कऽ प्रार्थना कयलहुँ, 6आ एक-दोसर सँ
विदा लेलहुँ। तखन हम सभ जहाज मे
चढ़लहुँ और ओ सभ घर घूमि गेलाह।

7सूर सँ आगाँ बढ़ि हम सभ तुलमाइस
नगर तक पहुँचलहुँ, जतऽ उतरि कऽ
विश्वासी भाय सभ सँ भेँट कयलहुँ आ
हुनका सभक संग एक दिन रहलहुँ।
8प्रात भेने हम सभ विदा भऽ गेलहुँ आ
कैसरिया नगर मे पहुँचि सुसमाचार-
प्रचारक फिलिपुसक ओहिठाम जा
कऽ रहलहुँ। ओ "सात सेवक" मे सँ
एक छलाह* । 9हुनका चारिटा कुमारि
कन्या छलनि, जे परमेश्वरक प्रवक्तिनि
छलीह।

10हमरा सभ केँ ओतऽ रहैत किछु
दिन बितलाक बाद अगबुस नामक
परमेश्वरक प्रवक्ता यहूदिया सँ
कैसरिया अयलाह। 11ओ हमरा सभ सँ
भेँट कयलनि, आ पौलुसक डाँड़ बान्हऽ
वला गमछा लऽ कऽ अपन हाथ-पयर
बान्हि लेलनि आ कहलनि, "पवित्र
आत्मा कहैत छथि जे, जिनकर ई गमछा
छनि, से एही तरहेँ यरूशलेम मे यहूदी
सभक द्वारा बान्हल जयताह आ गैर-
यहूदीक हाथ मे सौंपल जयताह।" 12ई
बात जखन सुनलहुँ तँ हम सभ और
ओहिठामक लोक सभ पौलुस सँ बेर-
बेर विनती कयलहुँ जे ओ यरूशलेम नहि
जाथि। 13मुदा पौलुस उत्तर देलनि, "अहाँ
सभ ई की कऽ रहल छी? एना कानि-
कानि कऽ हमरा मोन केँ किएक दुखी
कऽ रहल छी? हम तँ प्रभु यीशुक कारणेँ
यरूशलेम मे बन्हयबेक लेल नहि, बल्कि
मरबोक लेल तैयार छी।" 14हम सभ
हुनका जखन नहि मना सकलियनि तँ ई
कहि कऽ बात छोड़ि देलहुँ जे, "प्रभुक
इच्छा पूरा होनि।"

21:8 "सात सेवक"—मसीह-दूत सभक काज 6:1-6 केँ देखब।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यरूशलेम मे पौलुसक आगमन

15 तकरबाद हम सभ अपन सामान
तैयार कऽ यरूशलेमक लेल विदा भऽ
गेलहुँ। 16कैसरियाक किछु विश्वासी
सभ सेहो हमरा सभक संग अयलाह, और
हमरा सभ कैँ साइप्रस निवासी मनासोन
नामक एक पुरान शिष्यक घर मे लऽ
गेलाह, जतऽ हमरा सभ कैँ रहबाक छल।
17 यरूशलेम मे जखन पहुँचलहुँ तँ
विश्वासी भाय सभ बहुत आनन्दक संग
हमरा सभक स्वागत कयलनि। 18प्रात
भेने पौलुस हमरा सभक संग याकूबक
ओहिठाम गेलाह। मण्डलीक सभ देख-
रेख कयनिहार लोकनि ओतऽ जमा
छलाह। 19पौलुस हुनका सभ कैँ नमस्कार
कऽ कऽ, ओ सभ काजक विषय मे एक-
एकटा कऽ सुना देलथिन जे परमेश्वर
हुनकर सेवा-काजक द्वारा गैर-यहूदी
सभक बीच कयने छलाह।

मण्डलीक देख-रेख कयनिहार लोक सभक सुझाव

20 पौलुसक बात सुनि ओ सभ
परमेश्वरक स्तुति कयलनि। तखन पौलुस
कैँ कहलथिन, “यौ पौलुस भाइ, अहाँ तँ
देखिते छी जे यहूदी सभ मे सँ हजारो-
हजार लोक प्रभु यीशु पर विश्वास कऽ
लेने अछि, आ सभ मूसाक धर्म-नियमक
कट्टर समर्थक अछि। 21अहाँक बारे मे
ओकरा सभ कैँ कहल गेल छैक जे अहाँ
गैर-यहूदी लोकक बीच मे रहनिहार यहूदी
सभ कैँ सिखबैत छी जे मूसाक धर्म-नियम
कैँ छोड़ू, अपना बच्चा सभ कैँ खतना
नहि कराउ और पूर्वजक अन्य प्रथा सभ
कैँ नहि मानू। 22आब की कयल जाय?
ओ सभ अवश्य सुनत जे अहाँ आबि
गेल छी। 23तँ अहाँ एकटा काज करू।
एतऽ हमरा सभक संग चारि गोटे छथि जे
कबुला कयने छथि। 24हुनका सभ कैँ लऽ
जाउ और अहूँ हुनका सभक संग रीतिक
अनुसार अपना कैँ शुद्ध करू। हुनका सभ
कैँ एहि सभक खर्च दियौन, तखन ओ
सभ अपन केशो कटबा सकताह। एहि
तरहेँ सभ कैँ पता लगतैक जे जतेक बात
अहाँक बारे मे सुनने छल, से सभ फूसि
अछि, और अहाँ अपने, धर्म-नियमक
पालन करैत छी। 25रहल गैर-यहूदी
सभक विषय मे जे प्रभु पर विश्वास कऽ
लेने छथि, तँ हुनका सभ कैँ हम सभ अपन
निर्णय लिखि पठा देने छियनि जे ओ सभ
एहि बात सभ सँ बाँचल रहथु—मूर्ति पर
चढ़ाओल खयबाक वस्तु सँ, खूनक खान-
पान सँ, कण्ठ दबा कऽ मारल ⌞अर्थात्
बिनु खून बहौने मारल⌟ पशुक माँसु सँ आ
अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध सँ।”
26 प्रात भेने पौलुस ओहि चारि गोटे
कैँ अपना संग लऽ जा कऽ हुनका सभक
संग अपना कैँ शुद्ध कयलनि। तखन
शुद्धीकरणक सात दिन कहिया पुरि जायत,
और हुनका सभ मे सँ प्रत्येकक लेल बलि-
प्रदान कयल जायत, तकर जानकारी
पुरोहित कैँ देबाक लेल मन्दिर मे गेलाह।

पौलुसक जानक खतरा

27 शुद्धीकरणक सात दिन जखन पूरा
होमऽ पर छल तँ आसिया प्रदेशक किछु
यहूदी सभ पौलुस कैँ मन्दिर मे देखलकनि।
ओ सभ समस्त भीड़ कैँ भड़का कऽ
हुनका पकड़ि लेलकनि 28आ हल्ला
करऽ लागल, “इस्राएली बाबू-भैया सभ,
मदति करू! ई वैह अछि जे सभतरि अपना

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक यहूदी जाति, मूसाक धर्म-नियम आ
एहि मन्दिरक विरोध मे सभ कैँ सिखबैत
अछि। एतबे नहि। आब ओ यूनानिओ
सभ कैँ मन्दिर मे लाबि एहि पवित्र स्थान
कैँ अपवित्र कऽ देलक अछि!" 29ई बात
ओ सभ एहि लेल कहलक जे शहर मे
पौलुसक संग इफिसुस-निवासी त्रोफिमुस
कैँ देखने छलैक, आ तैँ बुझलक जे पौलुस
ओकरा मन्दिरो मे लऽ गेल होयतैक। 30ई
सुनि सौंसे शहरक लोकक खून खौलऽ
लगलैक। सभ दिस सँ लोक सभ दौड़ैत
आयल, आ पौलुस कैँ पकड़ि कऽ मन्दिर
सँ घिसिअबैत बाहर अनलकनि। मन्दिरक
द्वारि तुरत बन्द कऽ देल गेल।

रोमी सैन्यदलक द्वारा हस्तक्षेप

31 ओ सभ पौलुस कैँ जान सँ मारि
देबाक कोशिश मे छल, मुदा तखने रोमी
सैन्यदलक सेनापति लग ई खबरि पहुँचल
जे सौंसे यरूशलेम मे उपद्रव मचि गेल
अछि। 32ओ तुरत किछु सेनानायक आ
सैनिक सभ कैँ लऽ कऽ भीड़क दिस
दौड़ि पड़लाह। लोक सभ जखन सेनापति
आ हुनकर सैनिक सभ कैँ देखलकनि तँ
पौलुस कैँ पिटनाइ छोड़ि देलक।

33 सेनापति पौलुस लग आबि कऽ
हुनका बन्दी बना लेलनि, आ हुनका दू
जिंजीर लऽ कऽ बन्हबाक आदेश देलनि।
तखन लोक सभ कैँ पुछलथिन, "ई के
अछि आ की कयने अछि?" 34भीड़क
लोक सभ उत्तर मे केओ किछु बाजि
कऽ तँ केओ किछु बाजि कऽ हल्ला
करऽ लागल। हल्लाक कारणेँ सेनापति
कोनो बातक पता नहि लगा सकलाह, तँ
आज्ञा देलनि जे पौलुस कैँ गढ़ मे लऽ गेल
जाय। 35पौलुस जखन गढ़क सीढ़ी लग
पहुँचलाह तँ भीड़ ततेक हिंसक भऽ गेल
छल जे सैनिक सभ कैँ पौलुस कैँ उठा कऽ
लऽ जाय पड़लैक। 36भीड़ पाछाँ-पाछाँ
अबैत हल्ला करैत रहल जे, "ओकरा
खतम करू!"

भीड़क सामने पौलुसक कथन

37 सैनिक सभ जखन पौलुस कैँ गढ़क
भीतर लऽ जाय लागल तँ पौलुस सेनापति
कैँ कहलथिन, "अपने जँ आज्ञा दी तँ हम
अपने सँ किछु बात करी।" ओ उत्तर
देलनि, "तखन तोँ यूनानी भाषा जनैत
छह? 38की तोँ ओ मिस्र-निवासी नहि
छह जे हाल मे विद्रोह करबा कऽ चारि
हजार उग्रवादी कैँ निर्जन प्रदेश मे लऽ गेल
छल?"

39 पौलुस उत्तर देलथिन, "हम यहूदी
छी, किलिकिया प्रदेशक प्रसिद्ध महानगर
तरसुसक नागरिक। अपने सँ निवेदन
अछि जे एहि लोक सभ कैँ हम किछु कही
तकरा लेल हमरा हुकुम देल जाओ।"

40 सेनापतिक आज्ञा पाबि, पौलुस
सीढ़ी पर ठाढ़ भऽ कऽ भीड़क लोक
कैँ शान्त रहबाक लेल हाथ सँ संकेत
कयलनि। लोक सभ जखन शान्त भऽ
गेल तँ ओ ओकरा सभ कैँ इब्रानी भाषा मे
कहऽ लगलथिन,

22 "बाबू-भैया लोकनि, हम अपना
बारे मे जे कहऽ चाहैत छी से
सुनू।"

2 लोक सभ जखन अपना इब्रानी भाषा
मे हुनका बजैत सुनलक तँ आरो शान्त
भऽ गेल। पौलुस आगाँ कहऽ लगलथिन,
3"हम यहूदी छी। किलिकिया प्रदेशक
तरसुस नगर मे हमर जन्म भेल, मुदा
हमर पालन-पोषण एहि यरूशलेम शहर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे भेल। एतऽ आचार्य गमालिएलक चरण
मे हमर शिक्षा-दीक्षा भेल। अपना सभक
पूर्वजक धर्म-नियम सभ निष्ठापूर्बक
पालन करबाक लेल हमरा विस्तारपूर्बक
सिखाओल गेल, और हम परमेश्वरक
लेल एहन उत्साह सँ समर्पित छलहुँ
जेना अहाँ सभ आइ छी। 4एहि 'बाट'
पर विश्वास कयनिहार सभ कैँ सता
कऽ हम मारिओ दैत छलहुँ—पुरुष आ
स्त्रीगण दूनू कैँ बान्हि-बान्हि कऽ जहल
मे रखबा दैत छलहुँ। 5एहि बातक गवाह
महापुरोहित अपने आ धर्मसभाक सदस्य
सभ छथि। ओ सभ दमिश्कक यहूदी भाय
सभक नामे हमरा पत्रो देलनि जाहि सँ हम
दमिश्क जा कऽ विश्वासी सभ कैँ बन्दी
बना कऽ यरूशलेम आनि दण्ड दिआ
सकी।

6 "ओतऽ जाइत-जाइत करीब दुपहरक
समय मे जखन हम दमिश्क कैँ लगचिआ
लेने छलहुँ तँ एकाएक आकाश सँ एकटा
बहुत तेज इजोत हमरा चारू कात पड़ल।
7हम जमीन पर खसि पड़लहुँ, आ एकटा
आवाज हमरा ई कहैत सुनाइ देलक,
'हौ साउल, हौ साउल, तोँ हमरा किएक
सतबैत छह?' हम पुछलियनि, 8'यौ
प्रभु, अहाँ के छी?' ओ उत्तर देलनि, 'हम
नासरतक यीशु छी, जिनका तोँ सता रहल
छह।' 9हमर संगी सभ इजोत देखलनि,
मुदा जे हमरा सँ बात कऽ रहल छलाह,
तिनकर आवाजक अर्थ नहि बुझलनि।

10 "हम पुछलियनि, 'आब हम की
करू, प्रभु?' प्रभु उत्तर देलनि, 'तोँ उठि कऽ
दमिश्क जाह। ओतऽ तोरा कहल जयतह जे
तोरा करबाक लेल परमेश्वर की निश्चित
कयने छथुन।' 11ओहि बड़का इजोतक
कारणेँ हमर आँखि अन्हरा गेल छल, आ
तेँ हमर संगी सभ हाथ पकड़ि कऽ हमरा
दमिश्क मे लऽ गेलाह।

12 "हननियाह नामक एक आदमी हमरा
सँ भेँट करबाक लेल अयलाह। ओ धर्म-
नियम कैँ भक्तिपूर्बक पालन करऽ वला
छलाह, आ दमिश्कक सभ यहूदीक बीच
प्रतिष्ठित मानल जाइत छलाह। 13ओ
हमरा लग मे ठाढ़ भऽ कऽ कहलनि, 'भाइ
साउल, आब अहाँ फेर सँ देखऽ लागू!'
ओही क्षण हमरा फेर सुझऽ लागल आ
हम हुनका देखलियनि।

14 "तखन ओ हमरा कहलनि, 'अपना
सभक पूर्वजक परमेश्वर अहाँ कैँ पहिनहि
सँ एहि लेल चुनने छथि जे अहाँ हुनकर
इच्छा कैँ जानी, हुनकर धार्मिक सेवक
कैँ देखी आ हुनकर अपन मुँहक बात
सुनी। 15सभ मनुष्यक सामने अहाँ ओहि
बातक गवाह होयब जे देखने आ सुनने
छी। 16आब आओर विलम्ब किएक?
उठू, और प्रभु यीशु सँ विनती कऽ कऽ
बपतिस्मा लिअ आ अपन पाप धो लिअ।'

17 "हम यरूशलेम घुरि अयलहुँ। एक
दिन मन्दिर मे प्रार्थना करैत काल हम
प्रभुक दर्शन पौलहुँ। 18हम देखलहुँ जे प्रभु
हमरा कहि रहल छथि जे, 'जल्दी करह!
यरूशलेम कैँ तुरत छोड़ह, कारण लोक
सभ हमरा बारे मे तोहर गवाही स्वीकार नहि
करतह।' 19हम हुनका उत्तर देलियनि, 'मुदा
प्रभुजी, ओ सभ जनैत अछि जे हम सभाघर
सभ मे जा-जा कऽ अहाँक विश्वासी सभ कैँ
पकड़ि कऽ पिटैत छलहुँ आ जहल मे रखैत
छलहुँ। 20और अहाँक गवाह स्तिफनुसक
जखन हत्या भऽ रहल छल तँ हम अपने
ओतऽ ठाढ़ छलहुँ आ हुनकर हत्या सँ
सहमत छलहुँ। हत्यारा सभक वस्त्रक
रखबारिओ कयलहुँ।' 21तखन प्रभु हमरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कहलनि, ‘तोँ जाह। हम तोरा दूर-दूर तक
गैर-यहूदी सभक बीच पठयबह।’ ”

नागरिकताक महत्व

22 एतऽ तक लोक सभ पौलुसक बात
सुनैत रहल, मुदा आब ई बात सुनिते
जे “हम तोरा गैर-यहूदी सभक बीच
पठयबह,” ओ सभ जोर-जोर सँ हल्ला
करऽ लागल, “एकरा खतम कऽ दिअ!
पृथ्वी पर सँ एकर नामो-निशान मेटा दिअ!
ई जीवित रहऽ जोगरक नहि अछि!”
23हल्ला करैत ओ सभ अपन कपड़ा
हवा मे फेकि रहल छल और आकाश
दिस गर्दा उड़ा रहल छल। **24**तँ सेनापति
आदेश देलनि जे, एकरा गढ़ मे लऽ जाह,
आ चाबुक सँ पिटि कऽ एकरा सँ पूछ-
ताछ करहक जाहि सँ हम बुझि सकब जे
लोक सभ एकरा विरोध मे एना किएक
हल्ला कऽ रहल छैक। **25**ओ सभ पौलुस
केँ जखन पिटबाक लेल बान्हि लेने छल
तँ पौलुस कप्तान, जे लग मे ठाढ़ छलाह,
तिनका सँ पुछलथिन, “की कानूनक
अनुसार ई बात ठीक अछि जे कोनो रोमी
नागरिक केँ पिटब, आ ताहू मे, तकरा जे
कोनो अपराधक दोषी नहि ठहराओल
गेल होअय?”

26 कप्तान ई सुनि सेनापति लग जा कऽ
कहलथिन, “अपने ई की कऽ रहल छी?
ई आदमी तँ रोमी नागरिक अछि!”

27 सेनापति पौलुस लग अयलाह आ
पुछलथिन, “कहह! की तोँ रोमी नागरिक
छह?” ओ उत्तर देलथिन, “हँ।” **28**तखन
सेनापति कहलथिन, “हमरा तँ अपन
नागरिकता प्राप्त करऽ मे बहुत पाइ खर्च
करऽ पड़ल।” पौलुस उत्तर देलथिन,
“मुदा हम तँ जन्मे सँ नागरिक छी।”

29 तखन ओ सभ जे हुनका सँ पूछ-ताछ
करितनि, से सभ तुरत पौलुस केँ छोड़ि
कऽ ओतऽ सँ हटि गेल। सेनापति ई बुझि
अपनो भयभीत छलाह, जे हम एक रोमी
नागरिक केँ जिंजीर सँ बन्हबौने छी।

धर्म-महासभाक सामने पौलुस

30 प्रात भेने एहि बातक ठीक सँ पता
लगयबाक लेल जे यहूदी सभ पौलुस
पर किएक अभियोग लगा रहल अछि,
सेनापति हुनकर बन्हन खोलि देलनि और
आदेश देलनि जे मुख्यपुरोहित सभ आ
सम्पूर्ण धर्म-महासभा जमा होअय। धर्म-
महासभा जमा भेला पर हुनका सभक
सामने पौलुस केँ ठाढ़ कऽ देलनि।

23 पौलुस धर्म-महासभाक दिस
एकटक लगा कऽ देखलनि आ
बजलाह, “भाइ लोकनि, हम जाहि तरहेँ
आजुक दिन धरि अपन जीवन व्यतीत
कयने छी, ताहि सम्बन्ध मे हम अपना
केँ परमेश्वरक नजरि मे निर्दोष बुझैत
छी।” **2**एहि पर महापुरोहित हननियाह
पौलुसक लग मे ठाढ़ लोक सभ केँ आदेश
देलथिन जे, मारू ओकरा मुँह पर थप्पड़।
3तखन पौलुस हुनका कहलथिन, “यौ
चुनक-पोतल देवाल, परमेश्वर अहीं केँ
मारताह! अहाँ धर्म-नियमक अनुसार हमर
न्याय करबाक लेल एतऽ बैसल छी, और
अहाँ अपने धर्म-नियमक विरोध मे हमरा
मारबाक लेल आज्ञा दैत छिऐक!”

4 पौलुसक लग ठाढ़ लोक सभ हुनका
कहलकनि, “की अहाँ परमेश्वरक
ठहराओल महापुरोहित केँ अपमानित
करैत छियनि?” **5**पौलुस उत्तर देलथिन,
“भाइ लोकनि, हमरा नहि बुझल छल जे
ई महापुरोहित छथि। धर्मशास्त्रक लेख

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि, 'तोँ अपन समाजक शासक केँ
अपशब्द नहि कहबह।'*"
6 पौलुस जनैत छलाह जे उपस्थित लोक सभ मे सदुकी आ फरिसी दूनू पंथक लोक अछि, आ तेँ ओ सभा मे बाजऽ लगलाह, "भाइ लोकनि, हम फरिसी छी, आ फरिसीक पुत्र छी। हमर न्याय एखन एहि लेल कयल जा रहल अछि जे हमर विश्वासपूर्ण आशा अछि जे मुइल सभ फेर जिआओल जायत।"
7 हुनकर ई बात सुनिते, फरिसी आ सदुकी सभ अपने मे झगड़ा करऽ लगलाह, आ सभा मे फूट पड़ि गेल।
8कारण, सदुकी सभक कथन अछि जे मुइल सभ नहि जिआओल जायत, और ने स्वर्गदूत अछि आ ने कोनो तरहक आत्मा होइत अछि, मुदा फरिसी सभ एहि तीनू बात केँ मानैत अछि।
9तँ एहि तरहेँ बड़का हल्ला मचि गेल। फरिसी पंथक किछु धर्मशिक्षक सभ उठि बहुत जोर दऽ कऽ कहऽ लगलाह, "हम सभ एहि व्यक्ति मे कोनो खराबी नहि देखैत छी। आ मानि लिअ जे एकरा सँ कोनो स्वर्गदूत वा आत्मा बात कयने होथि, तखन?"
10 ई झगड़ा ततेक ने बढ़ि गेल जे सेनापति केँ डर होमऽ लगलनि जे, कतौ ई सभ पौलुस केँ टुकड़ा-टुकड़ा नहि कऽ दैक। तेँ ओ सैनिक सभ केँ आज्ञा देलथिन जे सभा मे जा कऽ ओकरा जबरदस्ती छोड़ाबह आ गढ़ मे लऽ आनह।

पौलुस केँ परमेश्वरक प्रोत्साहन

11 ओही राति प्रभु पौलुसक लग मे ठाढ़ भऽ कऽ कहलथिन, "साहस राखह! जहिना तोँ यरूशलेम मे हमरा विषय मे गवाही देलह, तहिना रोम मे सेहो तोरा गवाही देबाक छह।"

पौलुसक विरोध मे षड्यन्त्र

12 भोर भेला पर यहूदी सभ षड्यन्त्र रचलक आ सपत खयलक जे, जा धरि पौलुस केँ जान सँ नहि मारि देब, ता धरि किछु नहि खायब-पीब।
13ई षड्यन्त्र रचनिहार सभ चालिस सँ बेसी गोटे छल।
14ओ सभ मुख्यपुरोहित सभ आ बूढ़-प्रतिष्ठित लोकनि लग जा कऽ कहलकनि, "हम सभ भारी सपत खयलहुँ जे, जा धरि पौलुस केँ मारि नहि देब, ता धरि किछु नहि खायब-पीब।
15तेँ अहाँ सभ धर्म-महासभाक संग मिलि कऽ सेनापति सँ निवेदन करू जे ओ पौलुस केँ एम्हर लऽ अबथि, एहि बहाना सँ जे हम सभ ओकर आरो ठीक सँ जाँच करऽ चाहैत छी। और हम सभ जे छी, से ओकरा एतऽ पहुँचऽ सँ पहिनहि ओकरा मारि देबाक लेल तैयार रहब।"
16 मुदा पौलुसक भागिन एहि षड्यन्त्रक बारे मे सुनि लेलक। ओ तुरत्ते गढ़ मे जा कऽ पौलुस केँ ई बात कहि देलकनि।
17तखन पौलुस एक कप्तान केँ बजा कऽ कहलथिन, "एकरा सेनापति लग लऽ जाउ, ई हुनका किछु कहऽ चाहैत अछि।"
18 तँ कप्तान ओकरा सेनापति लग लऽ जा कऽ कहलथिन, "बन्दी पौलुस हमरा बजा कऽ कहलक जे हम एहि लड़का केँ अपनेक लग लऽ जाइ, कारण एकरा अपने सँ किछु कहबाक छैक।"

23:5 प्रस्थान 22.28

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

19 सेनापति ओहि लड़का कैँ हाथ
पकड़ि कऽ एकान्त मे लऽ गेलाह आ
पुछलथिन, “तोँ हमरा कोन बात कहऽ
चाहैत छह?” **20** ओ उत्तर देलकनि,
“यहूदी सभ नियारने अछि जे पौलुस
कैँ काल्हिखन धर्म-महासभाक सामने
अनबाक लेल अपने सँ निवेदन करी, एहि
बहाना सँ जे, हम सभ ओकर आरो ठीक
सँ जाँच करऽ चाहैत छी। **21** मुदा ओकर
सभक निवेदन अपने स्वीकार नहि करब,
कारण, ओकरा सभ मे सँ चालिस सँ बेसी
लोक हुनकर घात करबाक ताक मे अछि।
ओ सभ ई सपत खयने अछि जे, जा धरि
पौलुस कैँ जान सँ नहि मारि देब, ता धरि
किछु नहि खायब-पीब। एखनो ओ सभ
तैयार अछि, खाली अपनेक आज्ञाक
प्रतीक्षा कऽ रहल अछि।”

22 सेनापति युवक कैँ ई कहि कऽ विदा
कऽ देलथिन जे, “ककरो नहि बुझऽ दहक
जे तोँ हमरा एहि बातक खबरि देलह।”

23 तखन सेनापति दूटा कप्तान कैँ
बजा कऽ आज्ञा देलथिन, “अहाँ सभ दू
सय पैदल-सैनिक, सत्तरि घोड़सवार आ
दू सय भालाधारी सैनिक कैँ आइ नौ बजे
राति तक कैसरिया विदा होयबाक लेल
तैयार करू, **24** और पौलुसक लेल सेहो
घोड़ाक व्यवस्था करू, जाहि सँ ओ सभ
ओकरा सुरक्षित राज्यपाल फेलिक्स लग
पहुँचाबय।” **25** ओ राज्यपालक लेल ई
पत्र लिखलनि—

26 परम श्रेष्ठ राज्यपाल फेलिक्स कैँ
क्लौदियुस लुसियासक दिस सँ सादर
प्रणाम।

27 एहि आदमी कैँ यहूदी सभ
पकड़ने छल, और एकर खून करऽ
पर लागल छल, मुदा तखने हम
सैनिक सभक संग ओतऽ पहुँचि
एकरा छोड़ौलहुँ, कारण हमरा पता
लागल छल जे ई रोमी नागरिक अछि।
28 हम जानऽ चाहैत छलहुँ जे ओ सभ
एकरा विरोध मे की आरोप लगा
रहल अछि, तेँ ओकरा सभक धर्म-
महासभाक सामने एकरा उपस्थित
करौलिऐक। **29** ओतऽ हमरा बुझऽ मे
आयल जे ओकरा सभक अपन धर्म
सँ सम्बन्धित जे विवादक बात सभ
अछि ताहि विषय मे एकरा पर आरोप
लगाओल जा रहल अछि, नहि कि
कोनो एहन बातक विषय मे जाहि
लेल एकरा मृत्युदण्ड देल जाय वा
जहलो मे राखल जाय। **30** आब हमरा
पता लागल जे एकर हत्याक लेल
षड्‌यन्त्र रचल गेल अछि। तेँ एकरा
अपनेक ओहिठाम तुरत पठयबाक
निर्णय कयलहुँ। और एकरा पर जे
सभ आरोप लगा रहल अछि, तकरा
सभ कैँ हम सेहो आदेश देने छिऐक जे
ओ सभ अपन आरोप अपनेक समक्ष
प्रस्तुत करय।

सुरक्षाक कारणेँ पौलुस कैसरिया मे

31 सैनिक सभ सेनापतिक आदेशक
अनुसार पौलुस कैँ राता-राती लऽ गेलनि
और अन्तिपत्रिस नगर तक पहुँचा
देलकनि। **32** प्रात भेने ओ सभ घोड़सवार
सैनिक सभ कैँ पौलुस कैँ आगाँ लऽ
जयबाक लेल छोड़ि देलक आ ओ सभ
स्वयं गढ़ पर घुरि गेल। **33** कैसरिया
मे पहुँचला पर घोड़सवार सैनिक सभ
राज्यपाल कैँ पत्र देलकनि आ पौलुस
कैँ हुनका जिम्मा मे लगा देलकनि।
34 पत्र पढ़लाक बाद राज्यपाल पौलुस सँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुछलथिन, “अहाँ कोन प्रदेशक छी?”
पौलुसक ई उत्तर सुनि जे, हम किलिकिया
प्रदेशक छी, 35राज्यपाल कहलथिन,
“अहाँ पर आरोप लगौनिहार सभ जखन
एतऽ आबि जायत, तखन हम अहाँक
मोकदमा सुनब।” तखन ओ आदेश
देलनि जे पौलुस केँ हेरोद-दरबार मे पहरा
मे राखल जाय।

राज्यपाल फेलिक्सक सामने पौलुस पर अभियोग

24 पाँच दिनक बाद महापुरोहित
हननियाह किछु धार्मिक अगुआ
सभ और तरतुल्लुस नामक एक वकीलक
संग कैसरिया अयलाह, आ राज्यपाल
फेलिक्सक समक्ष पौलुसक विरोध मे
अपन आरोप प्रस्तुत कयलनि। 2पौलुस
केँ बजाओल गेलनि, आ तरतुल्लुस
एहि प्रकारेँ हुनका पर आरोप लगबैत
राज्यपाल केँ कहऽ लगलनि, “परम
श्रेष्ठ राज्यपाल जी, हमरा लोकनिक
बीच जे ई निरन्तर शान्ति रहैत अछि से
अपनेक कृपाक कारणेँ अछि। अपनेक
बुद्धिमत्तापूर्ण शासनक फलस्वरूप एहि
देश मे बहुतो समाजिक सुधार भऽ गेल
अछि। 3ई सभ बात हमरा लोकनि सभ
तरहेँ आ सभतरि हार्दिक धन्यवादक संग
स्वीकार करैत छी। 4हम अपनेक बेसी
समय नहि लेबऽ चाहैत छी, तेँ निवेदन
अछि जे हमरा लोकनिक दू-चारि शब्द केँ
सुनबाक कृपा कयल जाओ। 5बात एहि
तरहेँ अछि। ई आदमी उपद्रवी अछि।
सौंसे संसारक यहूदी सभ मे आन्दोलन
मचबैत घुमैत अछि। ई नासरी-कुपंथक
नेता अछि, और एतबे नहि, 6ई मन्दिरो केँ
अपवित्र करबाक कोशिश कयलक, मुदा
तखने हमरा लोकनि आबि एकरा पकड़ि
लेलिऐक। [हम सभ अपन धर्म-नियमक
अनुसार एकर फैसला कऽ देने रहितिऐक,
7मुदा सेनापति लुसियास आबि कऽ हमरा
सभक हाथ सँ एकरा जबरदस्ती छिनि
लेलनि 8और अभियोगी पक्ष केँ अपनेक
सम्मुख उपस्थित होयबाक आज्ञा दऽ
देलनि।]* अपने स्वयं एकरा सँ पूछ-ताछ
कऽ कऽ पता लगा सकब जे जाहि बातक
आरोप हमरा लोकनि एकरा पर लगा रहल
छी, से सभ सत्य अछि।”
9 यहूदी सभ सेहो हुनकर “हँ” मे “हँ”
मिला कऽ आरोप लगाबऽ मे संग देलथिन
आ कहैत रहलाह, “हँ, यैह बात सभ
अछि।”

पौलुसक प्रत्युत्तर

10 राज्यपाल आब पौलुस केँ बजबाक
लेल संकेत कयलनि, तँ ओ एहि प्रकारेँ
उत्तर देलथिन, “ई बुझि जे अपने बहुत
वर्ष सँ एहि यहूदी जातिक न्यायाधीश छी,
हमरा अपनेक सामने अपन वयान देबऽ
मे बड्ड प्रसन्नता भऽ रहल अछि। 11हमरा
यरूशलेम मे आराधना करबाक लेल गेला
बारह दिन सँ बेसी नहि भेल अछि, तकर
पता अपने सेहो लगा सकैत छी। 12ई सभ
जे छथि, से हमरा ने तँ मन्दिर मे ककरो सँ
वाद-विवाद करैत आ ने सभाघर मे वा शहर
मे कतौ भीड़ केँ भड़कबैत पौलनि। 13जाहि
बातक आरोप ई सभ आब हमरा पर लगा
रहल छथि, से बात अपनेक सामने प्रमाणित
नहि कऽ सकैत छथि। 14हँ, हम स्वीकार

24:8 किछु हस्तलेख सभ मे पद 6-8 मेहक ब्रैकेट मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करैत छी जे हम एहि ‘बाट’ केँ मानैत छी,
जकरा ई लोकनि ‘कुपंथ’ कहैत छथि, और
एही बाटक अनुसार हम अपन पूर्वजक
परमेश्वरक आराधना करैत छी। जे बात
मूसाक धर्म-नियम मे आ परमेश्वरक
प्रवक्ता लोकनिक लेख मे लिखल अछि,
ताहि सभ पर हम एखनो विश्वास करैत
छी। [15]हमर पूर्ण विश्वास अछि, जेना कि
हिनको सभक छनि, जे परमेश्वर धर्मी और
अधर्मी दूनू केँ मृत्युक बाद जिऔथिन।
[16]एहि कारणेँ हम सदिखन अपन जीवन
ताहि तरहेँ व्यतीत करबाक प्रयत्न करैत
छी, जाहि सँ हम परमेश्वरक आ मनुष्यक
दृष्टि मे निर्दोष रही।

17 “बहुत वर्षक बाद हम अपन जातिक
गरीब लोक सभक लेल दान पहुँचाबऽ
और परमेश्वर केँ चढ़ौना चढ़यबाक
लेल यरूशलेम घूमि अयलहुँ। [18]एही
काजक समय मे ई सभ हमरा मन्दिर मे
देखलनि। हम शुद्धीकरणक विधि सभ पूरा
कऽ लेने छलहुँ, और हमरा संग ने कोनो
भीड़ छल आ ने कोनो बातक हुल्लड़ि
मचि रहल छल। [19]मुदा तखन आसिया
प्रदेशक किछु यहूदी सभ अयलाह आ...
उचित तँ ई रहैत जे, जँ हुनका सभ केँ
हमरा विरोध मे किछु छलनि तँ ओ सभ
स्वयं अपनेक समक्ष एतऽ उपस्थित भऽ
कऽ अपन आरोप हमरा पर लगबितथि।
[20]आब तँ, ई सभ जे छथि, से सभ एखन
कहथु जे हम जखन धर्म-महासभाक
सामने मे ठाढ़ छलहुँ तखन ई सभ हमरा
कोन अपराधक दोषी पौलनि। [21]एकेटा
ई बात भऽ सकत जे हम हिनका सभक
सामने मे ठाढ़ भऽ कऽ जोर सँ कहलहुँ जे,
‘अहाँ सभक समक्ष हमर न्याय आइ एही
कारणेँ कयल जा रहल अछि जे, हमर पूर्ण
विश्वास अछि जे परमेश्वर मुइल सभ केँ
जिऔथिन।’ ”

निर्णय मे देरी

22 तखन फेलिक्स, जे एहि “बाट”क
बारे मे नीक जकाँ जनैत छलाह, ई कहि
मोकदमाक सुनवाइ बन्द कयलनि जे,
“सेनापति लुसियास जखन आबि जयताह,
तखन अहाँ सभक मोकदमाक निर्णय
करब।” [23]ओ कप्तान केँ आदेश देलथिन
जे पौलुस केँ किछु स्वतन्त्रताक संग पहरा
मे राखल जाय आ हुनकर साथी-संगी सभ
केँ हुनकर आवश्यकताक पूर्ति करऽ सँ
रोकल नहि जाय।

24 किछु दिनक बाद फेलिक्स अपन
घरवाली द्रुसिल्ला, जे यहूदी जातिक
छलीह, तिनका लऽ कऽ अयलाह आ
पौलुस केँ बजबौलनि। पौलुस हुनका सँ
प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करबाक
सम्बन्ध मे बात करऽ लगलाह आ
फेलिक्स सुनैत रहलाह। [25]मुदा जखन ओ
धार्मिकता, अपना केँ वश मे रखनाइ, और
परमेश्वरक आबऽ वला न्यायक दिनक
विषय मे बाजऽ लगलाह, तखन फेलिक्स
भयभीत भऽ उठलाह आ कहलथिन,
“आब रहऽ दैह! एखन तोँ जा सकैत
छह। फेर फुरसति भेटला पर हम तोरा
बजयबह।” [26]संगहि-संग ओ पौलुस सँ
घूस प्राप्त करबाक आशा रखैत छलाह,
आ तेँ हुनका बेर-बेर बजबा कऽ हुनका
संग बात-चीत करैत छलाह।

27 दू वर्ष बितलाक बाद फेलिक्सक
जगह पर पुरखियुस फेस्तुस राज्यपालक
पद पर अयलाह, आ फेलिक्स यहूदी सभ
केँ खुश करबाक उद्देश्य सँ पौलुस केँ
जहल मे बन्दे छोड़ि गेलाह।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नव राज्यपालक द्वारा मोकदमाक सुनवाइ शुरू

25 फेस्तुस अपना प्रदेश मे अयलाक
तीन दिनक बाद कैसरिया सँ
यरूशलेम गेलाह। 2ओतऽ यहूदी सभक
मुख्यपुरोहित और अगुआ लोकनि हुनका
समक्ष पौलुसक विरोध मे अपन अभियोग
प्रस्तुत कयलनि, 3और हुनका सँ विनती
कयलनि जे ओ पौलुस कैँ मोकदमाक लेल
फेर यरूशलेम पठयबाक कृपा करथि।
तकर कारण ई छल जे ओ सभ रस्ते मे
पौलुसक हत्या करबाक योजना बना रहल
छलाह। 4मुदा फेस्तुस उत्तर देलथिन,
“पौलुस कैसरिया मे बन्दी अछि, आ हम
अपने जल्दिए ओतऽ जा रहल छी। 5तैँ अहाँ
सभ मे सँ जे प्रमुख व्यक्ति सभ होथि, से
सभ हमरा संग चलथु और जँ ओ कोनो
अनुचित काज कयने अछि तँ ओतहि
ओकरा पर अभियोग लगबथु।”

6 फेस्तुस हुनका सभक बीच आठ-
दस दिन बिता कऽ फेर कैसरिया घूमि
अयलाह। प्राते भेने ओ न्यायासन पर बैसि
कऽ आज्ञा देलनि जे पौलुस कैँ उपस्थित
कयल जाय। 7पौलुस कैँ अयला पर
यरूशलेम सँ आयल यहूदी सभ हुनका
चारू कात ठाढ़ भऽ कऽ हुनका पर भारी-
भारी आरोप लगाबऽ लगलनि, जकरा
प्रमाणित नहि कऽ सकलाह।

8 तखन पौलुस अपना पक्षक बात
सुनौलनि, “हम ने तँ यहूदी सभक धर्म-
नियमक विरोध मे, ने मन्दिरक विरोध
मे आ ने सम्राट-कैसरक विरोध मे कोनो
अपराध कयने छी।”

9 फेस्तुस यहूदी सभ कैँ खुश करबाक
लेल पौलुस सँ पुछलथिन, “की तोँ
यरूशलेम जयबाक लेल तैयार होयबह जे
ओतहि हमरा सामने मे एहि बात सभक
सम्बन्ध मे तोहर न्याय होयतह?”

10 मुदा पौलुस उत्तर देलथिन, “हम
एखन सम्राट-कैसरक न्यायासनक सामने
ठाढ़ छी। एतहि हमर न्याय होयबाक
चाही। जेना कि अपने नीक जकाँ जनैत
छी, हम यहूदी सभ कैँ कोनो हानि नहि
पहुँचौने छी। 11हम जँ मृत्युदण्डक योग्य
कोनो अपराध कयने होइ तँ मरबाक लेल
हम एकदम तैयार छी। मुदा जँ हिनका
सभक द्वारा लगाओल अभियोग मे किछु
सत्ये नहि अछि तँ हमरा हिनका सभक
हाथ सौंपबाक अधिकार किनको नहि
छनि। हम सम्राट लग अपील करैत छी!”
12तखन फेस्तुस अपन सल्लाहकार सभ
सँ विचार-विमर्श कऽ कऽ उत्तर देलथिन,
“तोँ सम्राट लग अपील कयलह, तोँ सम्राटे
लग जयबह!”

राज्यपाल फेस्तुस आ राजा अग्रिप्पा

13 किछु दिनक बाद राजा अग्रिप्पा
और बरनिकी फेस्तुस कैँ नव पदक
शुभकामना देबाक लेल कैसरिया
अयलाह 14आ हुनका ओतऽ बहुते दिन
रहलाह। एहि सँ फेस्तुस कैँ पौलुसक
मोकदमाक विषय मे राजा कैँ बुझयबाक
मौका भेटलनि। ओ कहलथिन, “एतऽ
एक आदमी अछि जकरा फेलिक्स
बन्दिए छोड़ि गेल छथि। 15हम जखन
यरूशलेम गेलहुँ तँ यहूदी सभक
मुख्यपुरोहित और बूढ़-प्रतिष्ठित सभ
हमरा लग आबि एकरा पर लगाओल
आरोप सभ सुनौलनि आ माँग कयलनि
जे ओकरा दण्ड देल जाय। 16मुदा हम
हुनका सभ कैँ उत्तर देलियनि जे, हम सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे रोमी छी, तकरा सभक ई प्रथा नहि
अछि जे बन्दी केँ ओहिना ककरो हाथ
सौंपि दिऐक। कोनो व्यक्ति पर जँ आरोप
लगाओल गेल अछि, तँ पहिने ओकरा
आरोप लगाबऽ वला सभक समक्ष अपन
पक्षक वयान देबाक अवसर देल जाइत
छैक, तकरा बादे फैसला कयल जाइत
अछि, ओना नहि। 17 ओ सभ हमरा संग
एतऽ अयलाह तँ हम विलम्ब नहि कऽ
कऽ प्राते भेने न्यायासन पर बैसि कऽ
एहि आदमी केँ उपस्थित करयबाक
आज्ञा देलहुँ। 18 मुदा ओकर विरोधी
सभ जखन आरोप लगयबाक लेल ठाढ़
भेलाह, तँ ओ सभ एहन कोनो अपराधक
आरोप ओकरा पर नहि लगौलनि जेना
हम सोचने छलहुँ। 19 एतबे बात छल जे
ओकरा सँ हुनका सभ केँ अपन धर्मक
कोनो बात सभ मे मतभेद छलनि, और
यीशु नामक एक मुइल आदमी, जकरा
पौलुस जीविते कहैत छलैक, तकरा
विषय मे विवाद छलनि। 20 हमरा
फुरयबे नहि करैत छल जे एहन बात
सभक छानबीन कोना कयल जाय। तँ
हम ओकरा सँ पुछलिऐक जे, की तोँ
यरूशलेम जयबाक लेल तैयार होयबह
जाहि सँ ओतहि एहि बात सभक
सम्बन्ध मे तोहर न्याय होयतह? 21 मुदा
ओ अपील कयलक जे ओ सम्राटक
न्याय आ निर्णयक लेल संरक्षण मे राखल
जाय, तँ हम आदेश देलहुँ जे जाबत तक
हम ओकरा सम्राट लग नहि पठा दैत छी
ताबत तक ओ पहरा मे राखल जाय।”
22 एहि पर अग्रिप्पा फेस्तुस केँ
कहलथिन, “हम अपने एहि आदमीक
बात सुनितहुँ।” फेस्तुस उत्तर देलथिन,
“अहाँ काल्हिए ओकर बात सुनि लेबैक।”

फेस्तुसक समस्या—अभियोग-पत्र

23 तँ प्रात भेने अग्रिप्पा आ बरनिकी
बड़का धूम-धामक संग सेनापति सभ आ
शहरक गणमान्य व्यक्ति सभक संग सभा
भवन मे प्रवेश कयलनि। फेस्तुसक आज्ञा
पर पौलुस केँ बजाओल गेलनि। 24 तखन
फेस्तुस बजलाह, “राजा अग्रिप्पा आ
समस्त उपस्थित आदरणीय लोक सभ,
ई आदमी, जकरा एतऽ देखैत छी, तकरा
सम्बन्ध मे यरूशलेम मे और एतौ सम्पूर्ण
यहूदी जातिक लोक सभ जोर-जोर सँ हल्ला
कऽ कऽ हमरा सँ ई माँग कयने अछि जे ई
आदमी जीवित रहबाक योग्य नहि अछि।
25 मुदा हम एहि निश्चय पर पहुँचल छी जे
ई आदमी मृत्युदण्डक योग्य कोनो काज
नहि कयने अछि। लेकिन ई अपने जखन
सम्राट लग अपील कयलक तँ हम एकरा
रोम पठयबाक निर्णय कयलहुँ। 26 मुदा
हमरा लग एकरा विषय मे महाराजाधिराज
केँ लिखबाक लेल कोनो निश्चित बात नहि
अछि। एहि कारणेँ हम अपने सभक सम्मुख,
आ खास कऽ, यौ राजा अग्रिप्पा, अपनेक
सम्मुख, एहि आदमी केँ उपस्थित करौने
छी, जाहि सँ एकर जाँच कयलाक बाद हमरा
किछु लिखबाक लेल भेटय। 27 कारण,
कोनो बन्दी केँ बिनु ओकर अभियोग-पत्र
तैयार कयने सम्राट लग पठायब हमरा
तर्कसंगत नहि बुझाइत अछि।”

राजा अग्रिप्पाक सम्मुख पौलुस

26 तखन अग्रिप्पा पौलुस केँ
कहलथिन, “अहाँ केँ अपना
पक्षक वयान देबाक अनुमति अछि।”
एहि पर पौलुस हाथ उठा कऽ अपन
वयान सुनौनाइ शुरू कयलनि—

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

2 “राजा अग्रिप्पा, ई हमरा लेल
सौभाग्यक बात अछि जे हमरा आइ
अपनेक समक्ष ओहि आरोप सभक
सम्बन्ध मे उत्तर देबाक अवसर भेटल
जे यहूदी सभ हमरा पर लगा रहल छथि,
3 विशेष कऽ एहि लेल जे अपने यहूदी
सभक सभ प्रथा आ विवाद सँ नीक जकाँ
परिचित छी। तेँ अपने सँ प्रार्थना अछि जे
हमर बात धैर्यपूर्बक सुनबाक कृपा कयल
जाओ।

4 “हम शुरुए सँ अपना जातिक बीच
अपनो देश मे आ यरूशलेमो मे अपन
जीवन बचपने सँ कोना बितौलहुँ, से
यहूदी सभ जनैत छथि। 5 ओ सभ हमर
पुरान परिचित लोक छथि आ तेँ जँ
चाहितथि तँ हमरा बारे मे गवाहिओ दऽ
सकितथि जे हम अपन यहूदी धर्मक
सभ सँ कट्टर पंथ, अर्थात् फरिसी पंथक
अनुसरण कयने छलहुँ। 6 और एखन हमर
एहि लेल न्याय कयल जा रहल अछि जे
हम पूर्ण विश्वासक संग ओहि वचन पर
अपन आशा रखने छी जे वचन परमेश्वर
हमरा सभक पूर्वज सभ केँ देने छथि। 7 आ
ठीक यैह वचन पूरा होयबाक आशा रखैत
हमरा यहूदी लोकनिक बारहो कुलक
लोक सभ बहुत भक्तिक संग दिन-राति
परमेश्वरक सेवा करैत छथि। हँ सरकार,
एही वचन पर हमर आशाक कारणेँ यहूदी
सभक द्वारा हमरा पर दोष लगाओल
जा रहल अछि! 8 अपने सभ केँ ई बात
अविश्वसनीय किएक लगैत अछि जे
परमेश्वर मुइल सभ केँ जिअबैत छथिन?

9 “हमहूँ सोचैत छलहुँ जे, जतेक हम
नासरत-निवासी यीशुक नामक विरोध
मे कऽ सकैत छी, ततेक हमरा करबाक
अछि। 10 आ हम यरूशलेम मे एना करबो
कयलहुँ। मुख्यपुरोहित सभ सँ अधिकार
लऽ कऽ हम परमेश्वरक कतेको लोक सभ
केँ जहल मे राखि देलहुँ, आ जखन ओकरा
सभ केँ मृत्युदण्ड देल गेलैक तँ हमहूँ ओहि
मे सहमति दैत छलहुँ। 11 हम कतेको बेर
सभाघर सभ मे जा-जा कऽ ओकरा सभ केँ
दण्ड दिआ कऽ ओकरा सभ सँ अपना प्रभु
केँ अस्वीकार करयबाक कोशिश कयलहुँ।
हमरा ततेक क्रोध छल जे सनकल जकाँ
भऽ गेल छलहुँ आ हम ओकरा सभ केँ
सतयबाक लेल आनो-आन देशक शहर
सभ मे गेलहुँ।

12 “एक बेर हम एही काजक लेल
मुख्यपुरोहित सभक पूर्ण अधिकार और
आज्ञाक संग दमिश्क जा रहल छलहुँ।
13 करीब दुपहरक समय मे, सरकार, रस्ता
मे हम आकाश सँ एहन इजोत देखलहुँ जे
सूर्योक इजोत सँ तेज छल, जे हमरा आ
हमर सहयात्री सभक चारू कात चमकि
रहल छल। 14 हम सभ गोटे जमीन पर
खसि पड़लहुँ। तखन हमरा अपन इब्रानी
भाषा मे एक आवाज सुनाइ देलक जे हमरा
कहैत छल, ‘हौ साउल, हौ साउल, हमरा
किएक सतबैत छह? तोँ हमर विरोध
कऽ कऽ अपने केँ कष्ट पहुँचबैत छह।’
15 तखन हम पुछलियनि, ‘प्रभु, अहाँ के
छी?’ प्रभु हमरा उत्तर देलनि, ‘हम यीशु
छी, जिनका तोँ सता रहल छह। 16 आब
उठह! पयर पर ठाढ़ होअह, कारण हम
तोरा एहि लेल दर्शन देने छिअह जे हम
तोरा अपन सेवक आ गवाह नियुक्त करी।
तोँ हमरा विषय मे जे देखने छह आ बाद मे
जे किछु हम तोरा देखयबह, ताहि सभक
सम्बन्ध मे तोरा गवाही देबाक छह।
17 हम तोहर अपन लोकक हाथ सँ और
गैर-यहूदी लोक सभक हाथ सँ सेहो तोरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बचयबह। हम तोरा ओकरा सभ लग एहि
लेल पठा रहल छिअह जे 18तोँ ओकरा
सभक आँखि खोलह और ओकरा सभ केँ
अन्हार सँ इजोत मे, अर्थात् शैतानक राज्य
सँ परमेश्वर लग, घुमाबह, जाहि सँ हमरा
पर विश्वास कयला सँ ओ सभ पापक
क्षमा प्राप्त करय आ परमेश्वरक पवित्र
कयल लोकक संग उत्तराधिकारी बनय।’

19“तेँ, हे महाराज अग्रिप्पा, हम एहि
स्वर्गीय दर्शन सँ भेटल आज्ञाक उल्लंघन
नहि कयलहुँ। 20पहिने दमिश्क मे, तखन
यरूशलेम मे आ सौंसे यहूदिया प्रदेश
मे, आ गैर-यहूदी सभ मे सेहो हम प्रचार
कयलहुँ जे, अपना पापक लेल पश्चात्ताप
कऽ कऽ परमेश्वर लग घूमि आउ, और
अपन काज द्वारा अपन हृदय-परिवर्तन
केँ प्रमाणित करू। 21एही कारणेँ यहूदी
सभ हमरा मन्दिर मे पकड़लक आ जान
सँ मारि देबाक कोशिश कयलक। 22मुदा
परमेश्वर अजुका दिन धरि हमर सहायता
कयने छथि, आ तेँ हम आइ एतऽ ठाढ़ भऽ
कऽ छोट-पैघ सभक सामने गवाही दऽ
रहल छी। जाहि बात सभक भविष्यवाणी
मूसा आ परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि
कयलनि, ताहि सँ बेसी हम किछु नहि
कहैत छी— 23अर्थात् ई जे, उद्धारकर्ता-
मसीह केँ दुःख उठयबाक छलनि, और
सभ सँ पहिल मृत्यु सँ जीबि उठनिहार भऽ
कऽ अपनो लोक केँ आ दोसरो जाति सभ
केँ सेहो इजोतक शुभ समाचार सुनयबाक
छलनि।”

“हम बताह नहि छी!”

24पौलुस जखन ई बात सभ कहिए
रहल छलाह तँ फेस्तुस बाधा करैत बड्ड
जोर सँ कहलथिन, “हौ पौलुस! तोँ बताह
भऽ गेलह! तोहर पैघ शिक्षा तोरा बताह
कऽ देने छह!”

25पौलुस उत्तर देलथिन, “परम श्रेष्ठ
फेस्तुस, हम बताह नहि छी। हम जे कहैत
छी से एकदम सत्य आ विवेकपूर्ण बात
अछि। 26राजा साहेब एहि बात सभक
विषय मे जनैत छथि, आ हुनका सँ हम
खुलि कऽ बात कऽ सकैत छी। हमरा
पूर्ण विश्वास अछि जे एहि सभ बात मे
एहन कोनो बात नहि अछि जकरा बारे मे
ओ नहि जनैत होथि, कारण ई सभ घटना
कोनो कोना मे नहि भेल अछि। 27राजा
अग्रिप्पा, की अपने परमेश्वरक प्रवक्ता
लोकनिक बात पर विश्वास करैत छी?
हम जनैत छी जे अपने केँ विश्वास
अछि।”

28एहि पर अग्रिप्पा पौलुस केँ
कहलथिन, “की अहाँ एतबे काल मे हमरा
मसीही बनाबऽ चाहैत छी?!”

29पौलुस उत्तर देलथिन, “ ‘एतबे’
काल वा ‘बहुत’ काल लागय, परमेश्वर
करथु जे अपनेटा मात्र नहि, बल्कि आइ
जतबा लोक हमर बात सुनि रहल छथि
से सभ केओ हमरा जकाँ बनथि—मात्र
एहिना जिंजीर सँ बान्हल नहि!”

अधिकारी लोकनिक आपसी गप्प-सप्प—पौलुस निर्दोष

30तखन राजा अग्रिप्पा उठि गेलाह,
आ तहिना राज्यपाल, बरनिकी आ हुनका
सभक संग बैसल सभ लोक सेहो ठाढ़
भऽ गेलाह। 31सभा सँ बहरा कऽ ओ सभ
एक-दोसर सँ बात करऽ लगलाह, आ
बजलाह, “ई आदमी मृत्युदण्ड वा जहल
मे राखल जयबाक योग्य कोनो काज नहि
कऽ रहल अछि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

32 और अग्रिप्पा फेस्तुस कैँ कहलथिन,
“ई जँ सम्राट लग अपील नहि कयने रहैत
तँ मुक्त कयल जा सकैत।”

पौलुसक रोम यात्रा प्रारम्भ

27 जखन ई निश्चय भऽ गेल जे
हम सभ पानि जहाज सँ इटली
देश जायब तँ पौलुस और दोसरो बन्दी
सभ कैँ सम्राटक सैन्यदलक कप्तान
यूलियुसक जिम्मा मे लगा देल गेलनि।
2हम सभ अद्रमुतियुम नगरक एक जहाज
जे आसिया प्रदेशक समुद्रक कछेर पर
पड़ऽ वला शहर सभ होइत जाय वला
छल, ताहि पर चढ़ि कऽ विदा भेलहुँ।
हमरा सभक संग मकिदुनिया प्रदेशक
थिसलुनिका नगरक निवासी अरिस्तर्खुस
सेहो छलाह।
3 दोसर दिन सीदोन नगर मे पहुँचलहुँ।
ओतऽ यूलियुस पौलुस पर दया कऽ कऽ
हुनका संगी-साथी सभक ओहिठाम जा
कऽ अपन आवश्यकताक वस्तु स्वीकार
करबाक अनुमति देलथिन। 4ओतऽ सँ
ओही जहाज सँ फेर विदा भेलहुँ, और
हवा विपरीत दिस सँ रहबाक कारणेँ हम
सभ साइप्रस द्वीपक अऽढ़ मे चललहुँ।
5तखन किलिकिया और पंफूलिया
प्रदेशक सामनेक समुद्री भाग दऽ कऽ
आगाँ बढ़ि लुकिया प्रदेशक मूरा नामक
स्थान पर पहुँचलहुँ। 6ओतऽ कप्तान कैँ
सिकन्दरिया नगरक एक जहाज भेटलनि
जे इटली देश जा रहल छल। ओ हमरा
सभ कैँ ओहि पर चढ़ा देलनि।

समुद्री यात्रा कतेक कठिन!

7 कतेक दिन धरि धिरे-धिरे आगाँ
बढ़ैत अन्त मे बहुत कठिनाइ सँ हम सभ
कनिदुस नगर लग पहुँचलहुँ। हवा हमरा
सभ कैँ ओहि दिस आरो आगाँ बढ़ऽ नहि
दऽ रहल छल आ तेँ हम सभ सलमोन
नगर लग क्रेत द्वीपक अऽढ़ मे चल गेलहुँ।
8द्वीपक काते-काते बहुत कठिनाइ सँ
आगाँ बढ़ैत हम सभ “असल शरण”
नामक स्थान पर पहुँचलहुँ, जे लसिया
नगर लग अछि।
9 एहि तरहेँ बहुत समय बिति गेल छल।
प्रायश्चित्त-दिवसक उपास सेहो बिति
गेल छल, और जल-यात्रा करब आब
खतरनाक छल। तेँ पौलुस लोक सभ कैँ ई
चेतावनी देलथिन जे, 10“यौ मित्र लोकनि!
हम देखैत छी जे एहि यात्रा मे एखन आगाँ
बढ़ला सँ बहुत भारी खतरा होयत। मात्र
जहाज आ माल-सामानक नहि, बल्कि
अपना सभ कैँ अपन प्राणोक हानि उठाबऽ
पड़त।” 11मुदा सेनाक कप्तान पौलुसक
सल्लाह नहि मानि कऽ जहाजक कप्तान
आ मालिकक बात मानलनि। 12एहि स्थान
पर जाड़ मास बितयबाक लेल जहाज ठाढ़
करबाक उपयुक्त जगह नहि छल, आ
तेँ अधिकांश लोक एहि आशा मे आगाँ
बढ़ऽ चाहैत छल जे कोहुना कऽ फीनिक्स
नगर तक पहुँचि जाइ और ओतहि जाड़
मास बिताबी। फीनिक्स क्रेत द्वीपक एक
बन्दरगाह अछि जकर मुँह दक्षिण-पश्चिम
आ उत्तर-पश्चिमक दिस अछि।

भयंकर अन्हड़-बिहारि

13 जखन दक्षिण सँ हवा सिहकऽ लागल
तँ ई सोचि जे हमरा सभक उद्देश्य पूरा भऽ
गेल, नाविक सभ लंगर खोललक आ क्रेत
द्वीपक काते-काते बढ़ऽ लागल। 14मुदा
कनेके कालक बाद द्वीपक दिस सँ भयंकर
अन्हड़-बिहारि उठल जे “उत्तरबरिया-

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुबरिया" कहबैत अछि। 15जहाज
अन्हड़-बिहारि मे तेना ने फँसि गेल जे
नाविक सभ जेम्हर सँ अन्हड़-बिहारि
आबि रहल छल जहाज केँ तेम्हर मोड़ऽ
सँ असमर्थ भऽ गेल। तेँ हम सभ अपना केँ
हवाक रुखि पर छोड़ि देलहुँ जे जतऽ लऽ
जाय। 16कौदा नामक छोट द्वीपक अऽढ़
मे पहुँचला पर हम सभ बहुत कठिनाइ
सँ जहाजक पाछाँ बान्हल छोट नाव केँ
अपना वश मे कऽ सकलहुँ। 17ओकरा
जहाज पर लऽ लेलाक बाद नाविक सभ
जहाज केँ मजगूत बनयबाक उद्देश्य सँ
जहाज केँ नीचाँ-ऊपर रस्सी लपेटि कऽ
बन्हलक। तकरबाद, एहि डरेँ जे जहाज
कहीं सुरतिस नामक बालु वला क्षेत्र मे
ने धँसि जाय, ओ सभ पाल उतारि कऽ
जहाज केँ ओहिना हवा मे दहाय देलक।
18अन्हड़-बिहारि हमरा सभ केँ ततेक
झकझोड़ि रहल छल जे प्रात भेने ओ सभ
जहाज परक माल-सामान समुद्र मे फेकऽ
लागल। 19तेसर दिन ओ सभ अपने हाथ सँ
जहाजक रस्सी-पाल इत्यादि फेकि देलक।
20बहुतो दिन तक जखन सूर्य आ तारा सभ
देखाइ नहि देलक और अन्हड़-बिहारि
चलिते रहल तँ हमरा सभ केँ बचबाक
कोनो आशा नहि रहि गेल।

विपत्ति मे परमेश्वरक आश्वासन

21 जहाज परक लोक सभ बहुतो दिन सँ
भोजन नहि कऽ रहल छल। तखन सभक
बीच ठाढ़ भऽ कऽ पौलुस कहलथिन, "मित्र
लोकनि! उचित तँ ई छल जे अहाँ सभ हमर
सल्लाह मानि कऽ क्रेत द्वीप सँ विदाए नहि
भेल रहितहुँ। तखन ने ई विपत्ति अबैत आ
ने ई हानि उठाबऽ पड़ैत। 22मुदा एखनो हम
अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी जे, साहस
राखू, कारण ककरो प्राणक हानि नहि
उठाबऽ पड़त, मात्र जहाज नष्ट भऽ जायत।
23आइए राति मे, परमेश्वर, जिनकर हम
छियनि आ जिनकर सेवा करैत छी, तिनकर
स्वर्गदूत हमरा लग ठाढ़ भऽ कऽ कहलनि
जे, 24'हौ पौलुस, डेराह नहि! तोँ सम्राटक
समक्ष अवश्य ठाढ़ होयबह। और परमेश्वर
तोरा पर दया कऽ कऽ, तकरा सभ केँ
सुरक्षित रखथुन जे सभ तोरा संग यात्रा कऽ
रहल छह।' 25तेँ अहाँ सभ साहस राखू!
कारण, हमरा परमेश्वर पर पूरा विश्वास
अछि जे जेना हमरा कहल गेल अछि तेना
हयबो करत। 26मुदा अपना सभक जहाज
कोनो द्वीप पर भसिया जायत।"

जहाज नष्ट मुदा लोक सुरक्षित

27 चौदहम राति मे जखन आद्रिया सागर
मे एम्हर-ओम्हर भटकि रहल छलहुँ तँ
करीब दुपहर राति कऽ नाविक सभ केँ
बुझयलैक जे कोनो कछेरक लग मे आबि
गेल छी। 28ओ सभ जखन थाह लेलक तँ
ओतऽ अस्सी हाथ गहिंराइ छलैक। कनेक
कालक बाद फेर थाह लेलक तँ साठि हाथ
भेटलैक। 29एहि डरेँ जे कहीं पाथर सभ मे
ने टकरा जाइ ओ सभ जहाजक पछिलका
भाग सँ चारिटा लंगर समुद्र मे खसा देलक
आ भोर होयबाक प्रतीक्षा करऽ लागल।
30नाविक सभ केँ जहाज पर सँ भागि
जयबाक विचार छलैक, तेँ जहाजक
अगिला भाग सँ लंगर खसयबाक बहाना सँ
ओ सभ छोटका नाव समुद्र मे उतारने छल।
31मुदा पौलुस सेनाक कप्तान और सैनिक
सभ केँ कहलथिन, "ई सभ जँ जहाज पर
नहि रहत तँ अहूँ सभ नहि बाँचब।" 32तेँ
सैनिक सभ रस्सी सभ काटि कऽ ओहि
छोटका नाव केँ समुद्र मे दहा देलक।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

33 जखन भोर होमऽ-होमऽ पर छल तँ
पौलुस सभ कैँ भोजन करबाक लेल आग्रह
कयलथिन। ओ कहलथिन, “आइ चौदह
दिन भऽ गेल जे अहाँ सभ चिन्ताक कारणेँ
भूखले छी, किछु नहि खयलहुँ हँ। 34 आब
हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी, किछु
खा लिअ! नहि तँ बाँचब कोना? अहाँ
सभ मे सँ ककरो कोनो तरहक हानि नहि
होयत।” 35 एतबा कहि ओ रोटी लेलनि
आ सभक सामने मे परमेश्वर कैँ धन्यवाद
दऽ कऽ रोटी तोड़ि खाय लगलाह। 36 एहि
सँ सभ कैँ साहस भेटलैक आ ओहो सभ
भोजन करऽ लागल। 37 जहाज पर सभ
मिला कऽ हम सभ 276 गोटे छलहुँ।
38 भरि इच्छा भोजन कयलाक बाद ओ
सभ जहाज परक भार हल्लुक करबाक
लेल गहुम कैँ समुद्र मे फेकि देलक।

39 भोर भेला पर ओ सभ ओहि लगक
जगह कैँ नहि चिन्हि सकल, मुदा ओकरा
सभक दृष्टि कछेर परक एक लम्बा-चौड़ा
बालु वला भाग पर पड़लैक, और ओ सभ
निर्णय कयलक जे जँ सम्भव होअय तँ
जहाज कैँ ओही भाग मे लगाओल जाय।
40 ओ सभ लंगरक रस्सी सभ काटि कऽ
लंगर सभ कैँ समुद्र मे छोड़ि देलक, आ
संगहि पतवारक बन्हन ढील कऽ देलक।
तखन जहाजक अगिला भागक पाल
हवाक सम्मुख चढ़ा कऽ कछेर दिस आगाँ
बढ़ल। 41 मुदा जहाज पानि मेहक बलुआह
भाग मे टकरा कऽ फँसि गेल। जहाजक
अगिला भाग तेना धँसि गेल जे टस्स सँ
मस्स नहि होइत छल, आ पछिलका भाग
बड़का लहरि सभ सँ टकरा-टकरा कऽ
टुकड़ा-टुकड़ा भऽ रहल छल। 42 सैनिक
सभक विचार छलैक जे कैदी सभ कैँ जान
सँ मारि दी जाहि सँ केओ हेलि कऽ भागि
नहि सकय। 43 मुदा सेनाक कप्तान कैँ
पौलुसक जान बचयबाक इच्छा छलनि,
तँ ओ ओकरा सभ कैँ एना करऽ सँ रोकि
देलथिन। ओ आज्ञा देलनि जे जकरा सभ
कैँ हेलऽ अबैत होइक से सभ पहिने पानि
मे कुदय और हेलि कऽ कछेर पर चल
जाय, 44 आ बाँकी लोक काठक पटरा वा
जहाजक कोनो टुटल टुकड़ाक सहारा लऽ
कऽ पाछाँ सँ जाय। एना कऽ कऽ सभ केओ
ओहि भूमि पर सकुशल पहुँचि गेलहुँ।

माल्टा द्वीप मे हमरा सभक स्वागत

28 हम सभ जखन कछेर पर
पहुँचलहुँ तँ पता लागल जे एहि
द्वीपक नाम माल्टा अछि। 2 ओहिठामक
निवासी सभ हमरा सभक संग बहुत उदार
भाव सँ व्यवहार कयलक। वर्षा भऽ रहल
छल आ जाड़ लागि रहल छल, तँ ओ सभ
आगिक घूर बना कऽ हमरा सभक स्वागत
कयलक। 3 पौलुस जारनि-काठी बिछि
कऽ घूर पर जखन रखलनि तँ ओहि मे सँ
आगिक ताव लगला सँ एकटा साँप निकलि
कऽ पौलुसक हाथ मे लटकि गेलनि।
4 हुनका हाथ मे साँप लटकल देखि, द्वीपक
निवासी सभ एक-दोसर कैँ कहऽ लागल,
“ई आदमी पक्का हत्यारा अछि! समुद्र सँ
तँ बचि कऽ आबि गेल, मुदा न्याय-देवी
ओकरा जीबऽ नहि देथिन।” 5 एम्हर पौलुस
साँप कैँ आगि मे झाड़ि देलनि, आ हुनका
किछु नहि भेलनि। 6 ओकरा सभ कैँ होइत
छलैक जे, एकर शरीर आब फुलि जयतैक
वा ई एकाएक खसि कऽ मरि जायत, मुदा
बहुतो काल प्रतीक्षा कयलाक बाद जखन
देखलक जे एकरा किछुओ नहि भऽ रहल
छैक, तँ ओ सभ अपन विचार बदलि कऽ
कहऽ लागल, “ई तँ देवता छथि!”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

7 ओहिठाम सँ लगे, द्वीपक मुखियाजी
पुबलियुसक घर और जमीन छलनि।
ओ हमरा सभक स्वागत कयलनि और
अपना हवेली मे प्रेम भाव सँ तीन दिन
धरि अतिथि-सत्कार कयलनि। 8हुनकर
पिताजी ओहि समय मे बोखार आ
सुलबाहि सँ पीड़ित छलनि। पौलुस
हुनका कोठली मे जा कऽ हुनका लेल
प्रार्थना कयलनि, आ हुनका पर हाथ
राखि कऽ स्वस्थ कऽ देलथिन। 9ई
बात बुझि द्वीपक आरो रोगी सभ आबऽ
लागल आ ओहो सभ स्वस्थ भऽ गेल।
10ओ सभ विभिन्न प्रकार सँ हमरा सभक
आदर-सत्कार कयलक, और जखन फेर
चलबाक समय भऽ गेल तँ ओ सभ हमरा
सभक रस्ताक लेल आवश्यक वस्तु सभ
आनि जहाज पर राखि देलक।

माल्टा सँ रोम

11 माल्टा द्वीप मे तीन मास रहलाक
बाद हम सभ एक जहाज पर चढ़लहुँ जे
माल्टा मे जाड़ मास बितौने छल। ओ
जहाज सिकन्दरिया नगरक छल और
ओहि पर “जौंआदेवता”क आकृति
बनाओल गेल छलैक। 12हम सभ ओहि
जहाज सँ विदा भेलहुँ आ सुरकूसा नगर
मे रूकि कऽ ओतऽ तीन दिन रहलहुँ।
13ओतऽ सँ फेर काते-कात आगाँ बढ़ैत
रेगियुम बन्दरगाह मे पहुँचलहुँ। एक
दिनक बाद जखन दछिनाही-पवन बहऽ
लागल तँ ओतऽ सँ फेर विदा भेलहुँ आ
दोसर दिन पुतियुली नगर मे अयलहुँ।
14ओतऽ हमरा सभ केँ किछु विश्वासी
भाय सभ भेँट भेलाह। हुनका सभक
आग्रह पर हम सभ सात दिन हुनका
सभक ओहिठाम ठहरलहुँ। एहि तरहेँ हम
सभ रोम महानगर पहुँचलहुँ। 15रोमक
विश्वासी भाय सभ जखन हमरा सभक
बारे मे ई सुनलनि जे हम सभ आबि रहल
छी तँ हमरा सभ सँ भेँट करबाक लेल ओ
सभ रोम सँ “अपियुस चौक” आ “तीन
सराय” तक अयलाह। पौलुस हुनका
सभ केँ जखन देखलनि तँ परमेश्वरक
धन्यवाद कयलनि आ प्रोत्साहित भेलाह।
16हम सभ जखन रोम शहर मे पहुँचलहुँ तँ
पौलुस केँ एक सैनिकक पहरा मे अपन
अलग डेरा मे रहबाक अनुमति भेटलनि।

रोम मे यहूदी सभक संग वार्त्तालाप

17 तीन दिनक बाद पौलुस रोमक
प्रमुख यहूदी सभ केँ बजौलनि। ओ सभ
जखन आबि गेलाह तँ पौलुस हुनका सभ
केँ कहलथिन, “बाबू-भैया लोकनि, हम
अपना सभक यहूदी जातिक विरोध मे वा
पूर्वज सभक प्रथाक विरोध मे किछु नहि
कयने छी, मुदा तैयो यरूशलेमक यहूदी
सभ हमरा बन्दी बना कऽ रोमी सभक
हाथ मे सौंपि देलनि। 18रोमी शासनक
अधिकारी सभ हमरा सँ पूछ-ताछ कऽ
कऽ हमरा मुक्त करऽ चाहलनि, कारण
मृत्युदण्डक योग्य हम कोनो काज नहि
कयने छलहुँ। 19मुदा यहूदी सभ जखन
रोमी अधिकारी सभक निर्णयक विरोध
कयलनि तँ हमरा सम्राट-कैसर लग
अपील करऽ पड़ल। ई बात नहि छल
जे हमरा अपन जातिक लोक सभ पर
कोनो अभियोग लगयबाक छल। 20एही
कारणेँ हम अपने लोकनि केँ बजा कऽ
बात-चीत करऽ चाहैत छलहुँ। जिनका
पर यहूदी लोक अपन सभ आशा रखने
छथि, तिनके कारण हम एहि जिंजीर सँ
बान्हल छी।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

21 ओ सभ उत्तर देलथिन, “हमरा सभ
केँ यहूदिया प्रदेश सँ अहाँक सम्बन्ध मे
ने कोनो पत्र भेटल अछि, आ ने ओतऽ सँ
आयल भाय सभ मे सँ केओ औपचारिक
वा अनौपचारिक रूप सँ अहाँक विरोध मे
किछु कहने अछि। 22 अहाँक विचार आ
विश्वासक सम्बन्ध मे हम सभ अहीं सँ
सुनऽ चाहैत छी, कारण, एहि पंथक विषय
मे एतेक जनैत छी जे सभ ठाम लोक एकर
विरोध कऽ रहल अछि।”

23 तँ ओ सभ पौलुसक बात सुनबाक
लेल एक दिन निश्चित कयलनि,
आ ओहि दिन पहिल दिन सँ बेसी
संख्या मे ओ सभ हुनका ओहिठाम
अयलाह। भोर सँ लऽ कऽ साँझ तक
ओ हुनका सभ केँ परमेश्वरक राज्यक
शुभ समाचार सुनौलथिन, और मूसाक
धर्म-नियम सँ आ परमेश्वरक प्रवक्ता
सभक लेख सँ यीशुक बारे मे हुनका
सभ केँ बुझयबाक प्रयत्न कयलनि।
24 किछु लोक हुनकर बात मानि कऽ
विश्वास कयलनि, मुदा किछु लोक
अविश्वासिए रहि गेलाह। 25 ओ सभ
आपस मे वाद-विवाद करऽ लगलाह,
और पौलुसक एहि अन्तिम बातक बाद
विदा होमऽ लगलाह जे, “पवित्र आत्मा
अपन प्रवक्ता यशायाह द्वारा बाजि
अहाँ सभक पूर्वज लोकनि केँ ई बात
एकदम ठीक कहलनि जे,

26 ‘एहि जाति लग जा कऽ कहक जे,
तोँ सभ सुनैत रहबह, मुदा बुझबह
नहि।
तोँ सभ तकैत रहबह, मुदा सुझतह
नहि।
27 कारण, एहि लोक सभक मोन मे
ठेला पड़ि गेल छैक,
एकरा सभक कान बहीर भऽ गेल
छैक।
ई सभ आँखि मुनि लेने अछि,
जाहि सँ कतौ एना नहि होअय जे
आँखि सँ देखय,
कान सँ सुनय,
मोन सँ बुझय,
आ घूमि कऽ हमरा लग आबय
और हम ओकरा सभ केँ स्वस्थ
कऽ दिऐक।’*

28 तँ अहाँ सभ ई बात बुझि लिअ जे
परमेश्वरक उद्धारक ई शुभ समाचार गैर-
यहूदी सभ लग पठाओल गेल अछि, और
ओ सभ स्वीकार करत!”

29 [पौलुसक एतेक कहलाक बाद
यहूदी सभ आपस मे बहुत पैघ वाद-
विवाद करैत चल गेलाह।]*

कैद मे प्रचार

30 पौलुस ओहिठाम अपन किरायाक
घर मे पूरा दू वर्ष धरि रहलाह। जे लोक
सभ भेँट करबाक लेल हुनका ओहिठाम
अबैत छलाह, तिनका सभक ओ स्वागत
करैत छलथिन, 31 और बिनु कोनो
रुकाबट केँ ओ निडर भऽ कऽ परमेश्वरक
राज्यक विषय मे प्रचार करैत रहलाह और
प्रभु यीशु मसीहक सम्बन्ध मे शिक्षा दैत
रहलाह।

28:27 यशा 6.9, 10 **28:29** किछु हस्तलेख सभ मे पद 29 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रोम नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र

1 ई पत्र मसीह यीशुक सेवक पौलुसक
दिस सँ अछि, जे मसीह-दूत होयबाक
लेल बजाओल गेलहुँ आ परमेश्वरक ओहि
शुभ समाचारक प्रचार करबाक लेल अलग
कयल गेल छी, 2जाहि शुभ समाचारक
सम्बन्ध मे परमेश्वर पहिनहि सँ अपन
प्रवक्ता सभक माध्यम सँ पवित्र धर्मशास्त्र
मे वचन देने छथि।
3ई शुभ समाचार परमेश्वरक पुत्रक
विषय मे अछि, जे मानवीय वंशावलीक
अनुसार दाऊदक वंशज छलाह, 4आ
मुइल सभ मे सँ जीबि उठबाक कारणेँ
परमेश्वरक पवित्र आत्मा द्वारा सामर्थ्यक
संग परमेश्वरक पुत्र प्रमाणित भेलाह। ओ
छथि अपना सभक प्रभु, यीशु मसीह।
5हुनका द्वारा आ हुनकर नामक सम्मानक
लेल हमरा सभ केँ मसीह-दूत बनबाक
वरदान भेटल अछि जाहि सँ सभ जातिक
लोकक बीच हम सभ हुनकर प्रचार करी
आ ओ सभ विश्वास कऽ कऽ हुनकर
अधीनता स्वीकार करनि। 6ओहि लोक
सभ मे अहूँ सभ छी, अहाँ सभ जे सभ
यीशु मसीहक अपन लोक होयबाक लेल
बजाओल गेल छी।
7अहाँ सभ जे रोम शहर मे परमेश्वरक
प्रिय लोक छी आ पवित्र होयबाक लेल
बजाओल गेल छी, अहाँ सभ गोटे केँ हम
ई पत्र लिखि रहल छी। अपना सभक पिता
परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह अहाँ सभ पर
कृपा करथि आ अहाँ सभ केँ शान्ति देथि।

रोम जयबाक पौलुसक हार्दिक इच्छा

8सर्वप्रथम हम यीशु मसीहक माध्यम
सँ अहाँ सभक लेल अपना परमेश्वर केँ
धन्यवाद दैत छिऐन, किएक तँ अहाँ
सभक विश्वासक चर्चा समस्त संसार
मे पसरि रहल अछि। 9जाहि परमेश्वरक
सेवा हम हुनकर पुत्रक शुभ समाचारक
प्रचार कऽ कऽ अपन सम्पूर्ण हृदय सँ करैत
छी, सैह हमर साक्षी छथि जे हम प्रार्थना
सभ मे निरन्तर अहाँ सभ केँ स्मरण करैत
रहैत छी, 10आ सदिखन ई विनती करैत
छिऐन जे, जँ हुनकर इच्छा छनि, तँ ओ
अन्त मे हमरा लेल अहाँ सभ लग अयबाक
कोनो ने कोनो उपाय करताह। 11किएक तँ
हमरा अहाँ सभ सँ भेँट करबाक बड्ड इच्छा
अछि, जाहि सँ अहाँ सभ केँ विश्वास मे
दृढ़ बनयबाक लेल, हम आत्मिक रूप सँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ सभक मदति कऽ सकी। 12वा एकरा
एहि तरहेँ कहू—हम चाहैत छी जे अपना
सभ एक संग रहि कऽ एक-दोसराक
विश्वास द्वारा प्रोत्साहित होइ—अहाँ सभ
हमरा विश्वास द्वारा आ हम अहाँ सभक
विश्वास द्वारा। 13यौ भाइ लोकनि, हम
नहि चाहैत छी जे अहाँ सभ एहि बात सँ
अनजान रहू जे कतेको बेर हम अहाँ सभक
लग अयबाक योजना बनौने छलहुँ, जाहि
सँ जहिना दोसर गैर-यहूदी सभक बीच हम
फलदायक काज कऽ सकलहुँ, तहिना अहूँ
सभक बीच कऽ सकी, मुदा एखन तक
ओहि योजना मे कोनो ने कोनो बाधा अबैत
रहल अछि। 14हमरा यूनानी आ गैर-यूनानी
सभक प्रति, और ज्ञानी आ अज्ञानी सभक
प्रति एक दायित्व निर्वाह करबाक अछि।
15एहि लेल हम रोम मे सेहो अहाँ सभक
बीच यीशु मसीहक शुभ समाचारक प्रचार
करबाक लेल उत्सुक छी।

16 हम ई शुभ समाचार सुनाबऽ सँ
लज्जित नहि होइत छी, किएक तँ ई
शुभ समाचार ओ माध्यम अछि जाहि
द्वारा परमेश्वर अपना सामर्थ्य सँ प्रत्येक
विश्वास कयनिहार लोकक उद्धार करैत
छथि, पहिने यहूदी सभक आ फेर आन
जातिक लोक सभक। 17एहि शुभ समाचार
मे परमेश्वरक ओ योजना प्रगट होइत अछि
जाहि योजना द्वारा ओ अपना नजरि मे लोक
केँ धार्मिक ठहरबैत छथि, आ ई धार्मिकता
शुरू सँ अन्त तक विश्वास पर आधारित
अछि, जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,
"जे विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराओल गेल
अछि, से जीवन प्राप्त करत।*"*

मनुष्यक अधर्मक प्रति परमेश्वरक क्रोध

18 परमेश्वरक क्रोध ओहन लोक सभक
सभ प्रकारक अधर्म आ दुष्टता पर स्वर्ग
सँ प्रगट भऽ रहल अछि जे सभ अपना
दुष्टता द्वारा सत्य केँ झाँपि कऽ रखने
अछि। 19कारण, परमेश्वरक सम्बन्ध
मे जे किछु जानल जा सकैत अछि से
ओकरा सभ पर स्पष्ट रूप सँ प्रगट भेल
अछि। परमेश्वर अपने ओकरा सभ
पर एहि बात केँ प्रगट कऽ देने छथिन।
20किएक तँ परमेश्वरक अदृश्य गुण,
अर्थात् हुनकर अनन्त कालीन शक्ति आ
ईश्वरीय स्वभाव, संसारक सृष्टिएक समय
सँ हुनका रचना मे साफ-साफ देखाइ दैत
अछि। तेँ ओकरा सभ केँ अपन आचरणक
सफाइ देबाक कोनो बहाना नहि चलतैक।
21किएक तँ ओ सभ परमेश्वर केँ जनितो
ने हुनका परमेश्वर मानि कऽ समुचित
आदर कयलकनि आ ने हुनका धन्यवाद
देलकनि। ओ सभ निरर्थक कल्पना सभ
मे पड़ि गेल आ ओकरा सभक विवेकहीन
मोन अन्हार सँ भरि गेलैक। 22ओ सभ
अपना केँ बुद्धिमान बुझलक मुदा मूर्ख बनि
गेल। 23ओ सभ अविनाशी परमेश्वरक
वैभव आ महानताक स्थान पर नाशवान
मनुष्य, चिड़ै-चुनमुन, चौपाया जानबर आ
साँपक आकार मे बनाओल मूर्ति सभ केँ
परमेश्वरक समतुल्य मानि अपनौलक।

24 एहि लेल परमेश्वर ओकरा सभ
केँ ओकर अपन हृदयक काम-वासनाक
अशुद्धता मे छोड़ि देलथिन जाहि सँ आपस

1:17 वा, "धार्मिक मनुष्य विश्वास सँ जीवित रहत।" वा, "धार्मिक मनुष्य अपना विश्वास द्वारा जीवन प्राप्त करत।" **1:17** हबक 2.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे ओ सभ अपना शरीर केँ अपवित्र
करऽ लागल। 25ओ सभ परमेश्‍वरक
सत्यक बदला झूठ केँ अपनौलक आ
सृष्‍टि कयल वस्तु सभक पूजा आ सेवा
कयलक—नहि कि ओहि सृष्‍टिकर्ताक,
जे सर्वदा धन्य छथि। आमीन।

26 यैह कारण अछि जे परमेश्‍वर ओकरा
सभ केँ नीच वासना सभ मे छोड़ि देलथिन।
ओकरा सभक स्‍त्रिओ स्वभाविक
सम्बन्धक स्थान पर अस्वभाविक सम्बन्ध
राखऽ लागलि। 27एही तरहेँ पुरुष सभ सेहो
स्‍त्रीक संग होमऽ वला स्वभाविक सम्बन्ध
केँ छोड़ि पुरुषक संग वला काम-वासनाक
लेल उत्तेजित होमऽ लागल। पुरुष पुरुषेक
संग निर्लज्ज कर्म कऽ अपने व्यक्तित्व मे
अपन दुराचरणक उचित फल पौलक।

28 एहि तरहेँ ओ सभ जखन परमेश्‍वरक
सत्य-ज्ञान केँ रखनाइ महत्वपूर्ण नहि
बुझलक तँ परमेश्‍वर ओकरा सभ
केँ भ्रष्‍ट मोनक वश मे छोड़ि देलथिन
जाहि सँ ओ सभ अनुचित काज करय,
29-30 और तँ ओ सभ हर प्रकारक अधर्म,
दुष्‍टता, लोभ, द्वेष आ ईर्ष्या, हत्या,
झगड़ा, छल-कपट आ डाह सँ भरि गेल
अछि। ओ सभ चुगली लगौनिहार, निन्दा
कयनिहार, परमेश्‍वर सँ घृणा कयनिहार,
जिद्दी, घमण्डी और अहंकारी अछि। ओ
सभ अधलाह काज करबाक नव-नव
तरीका सभ गढ़ैत रहैत अछि, माय-बाबूक
आज्ञाक उल्लंघन करैत अछि, 31ओ
सभ विवेकहीन, विश्‍वासघाती, प्रेम-
शुन्य और निर्दयी भऽ गेल अछि। 32ओ
सभ परमेश्‍वरक ई उचित फैसला जनैत
अछि जे एहन काज कयनिहार मृत्युदण्ड
पयबाक जोगरक अछि, तैयो ओ सभ
मात्र अपने नहि एहन काज करैत अछि,
बल्कि एहन काज कयनिहार लोक सभक
समर्थन सेहो करैत अछि।

अहूँ दोषी छी!

2 तेँ यौ दोष लगौनिहार, अहाँ जे केओ
होइ, निरुत्तर छी, किएक तँ जाहि
बात मे अहाँ अनका पर दोष लगबैत छी
ताही मे अहाँ अपने केँ दोषी ठहरबैत छी,
कारण, जे दोष अहाँ अनका पर लगबैत
छी सैह काज अपनो करैत छी। 2और
अपना सभ जनैत छी जे एहन अधलाह
काज कयनिहार लोक सभ पर परमेश्‍वरक
दिस सँ दण्डक आज्ञा उचिते होइत अछि।
3यौ जी, अहाँ दोसर पर जे एहन काज
करबाक दोष लगबैत छी आ स्वयं वैह
काज करैत छी, तँ की अहाँ सोचैत छी जे
अहाँ परमेश्‍वरक दण्डक आज्ञा सँ बाँचि
जायब? 4वा की अहाँ परमेश्‍वरक असीम
कृपा, सहनशीलता आ धैर्य केँ तुच्छ
मानैत छी आ ई नहि जनैत छी जे परमेश्‍वर
अपना कृपा द्वारा अहाँ केँ अपना पापक
लेल पश्‍चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन
करबाक अवसर दऽ रहल छथि? 5मुदा
अपन जिद्दीपन आ अपरिवर्तित हृदयक
कारणेँ अहाँ अपना लेल परमेश्‍वरक प्रकोप
केँ ओहि दिनक लेल संचित कऽ रहल छी
जहिया परमेश्‍वरक प्रकोप आ उचित न्याय
प्रगट होयत।

परमेश्‍वरक न्याय उचित अछि

6 परमेश्‍वर "प्रत्येक मनुष्य केँ ओकर
काजक अनुरूप फल देथिन।"* 7जे

2:6 भजन 62.12; नीति 24.12

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक सभ धैर्यपूर्बक सत्कर्म करैत रहि
कऽ परमेश्वर सँ देल सम्मान, आदर और
अमरत्वक खोज मे लागल रहैत अछि
तकरा परमेश्वर अनन्त जीवन देथिन।
8मुदा जे केओ स्वार्थी लालसा सभक
वश मे रहैत अछि आ सत्य केँ स्वीकार
नहि करैत अछि, बल्कि अधर्म पर चलैत
अछि, तकरा पर परमेश्वरक दण्ड आ क्रोध
बरसत। 9दुष्कर्म कयनिहार प्रत्येक मनुष्य
पर कष्ट आ संकट आओत, पहिने यहूदी
पर आ फेर आन जातिक लोक पर। 10मुदा
सत्कर्म कयनिहार प्रत्येक मनुष्य केँ सम्मान,
आदर आ शान्ति भेटतैक, पहिने यहूदी केँ
आ फेर आन जातिक लोक केँ। 11किएक
तँ परमेश्वर ककरो संग पक्षपात नहि करैत
छथि।

12 ओ लोक, जकरा लग मूसा द्वारा
देल गेल धर्म-नियम नहि छलैक आ ओहि
अवस्था मे पाप कयलक से सभ बिनु
धर्म-नियमक आधार पर नाश होयत,
और ओ लोक, जकरा लग धर्म-नियम
छलैक आ पाप कयलक तकर न्याय
धर्म-नियमक अनुरूप कयल जयतैक।
13किएक तँ परमेश्वरक समक्ष ओ सभ
धार्मिक नहि ठहरत जे सभ धर्म-नियमक
सुननिहार अछि, बल्कि वैह सभ धार्मिक
ठहराओल जायत जे सभ धर्म-नियमक
पालन कयनिहार अछि। 14जखन गैर-
यहूदी लोक, जकरा सभ केँ धर्म-नियम
नहि भेटलैक, से सभ स्वभाव सँ धर्म-
नियमक बात सभ पर चलैत अछि तखन
ई बात प्रमाणित होइत अछि जे, ओना तँ
मूसा केँ देल गेल धर्म-नियम ओकरा सभ
लग नहि अछि, तैयो ओकरा सभक भीतर
एकटा नियम अछि— 15ओकरा सभक
आचरण सँ ई स्पष्ट देखाइ दैत अछि
जे, धर्म-नियमक आदेश ओकरा सभक
हृदय पर लिखल छैक। ओकर सभक
भितरी मोन ओकरा सभ केँ कखनो दोषी
तँ कखनो निर्दोष ठहरा कऽ एहि बातक
गवाही सेहो दैत अछि। 16ई बात सभ
ओहि दिन स्पष्ट होयत जहिया हमर एहि
शुभ समाचारक कथन अनुसार परमेश्वर
यीशु मसीहक द्वारा लोक सभक गुप्त
बात सभक न्याय करताह।

धर्म-नियमक ज्ञान अहाँ केँ बचाओत नहि

17 अहाँ सभ, जे सभ यहूदी कहबैत
छी, धर्म-नियम पर भरोसा रखैत छी आ
परमेश्वरक लोक होयबाक घमण्ड करैत
छी। 18परमेश्वरक इच्छाक ज्ञान अहाँ
सभ केँ अछि और धर्म-नियमक शिक्षा
पयबाक कारणेँ उत्तम बातक मोल जनैत
छी। 19अहाँ सभक धारणा अछि जे, अहाँ
सभ आन्हर सभक लेल बाट देखौनिहार,
अन्हार मे रहनिहार सभक लेल इजोत,
20मूर्ख सभ केँ बुझौनिहार, और अज्ञानी
सभक गुरु छी, किएक तँ अहाँ सभ केँ
धर्म-नियमक द्वारा सम्पूर्ण ज्ञान आ सत्य
प्राप्त भऽ गेल अछि। 21मुदा एकटा बात,
अहाँ सभ जे अनका शिक्षा दैत छिऐक,
की अपनो केँ शिक्षा दैत छी? अहाँ सभ
उपदेश दैत छी जे चोरी नहि करू, की
अपने चोरी करैत छी? 22अहाँ जे कहैत छी
जे, परस्त्रीगमन नहि करू, की अहाँ करैत
छी? अहाँ सभ मूर्ति सभ सँ घृणा करैत छी,
की अहाँ सभ मन्दिर सभक धन केँ लुटैत
छी? 23अहाँ सभ धर्म-नियम पर घमण्ड
करैत छी, की अहाँ सभ धर्म-नियमक
उल्लंघन कऽ कऽ परमेश्वरक अपमान
करैत छियनि? 24जेना कि धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि, “तोरा सभक कारणेँ अन्य

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जातिक बीच मे परमेश्वरक नामक निन्दा
भऽ रहल अछि।"*
25 धर्म-नियमक अनुरूप कयल जाय
वला विधि, खतना, सँ तखने लाभ होइत
अछि जखन अहाँ धर्म-नियमक पालन
करैत छी। जँ अहाँ धर्म-नियमक उल्लंघन
करैत छी तँ अहाँक खतना करौनाइ
बेकार अछि। 26एही तरहेँ, जँ बिनु खतना
कराओल कोनो व्यक्ति धर्म-नियमक
पालन करैत अछि, तँ की ओ तैयो खतना
कराओल व्यक्ति नहि मानल जायत?
27एतबे नहि—ओहन मनुष्य जकरा
शारीरिक रूप मे खतना नहि कयल गेल
छैक, जँ धर्म-नियम पर चलैत अछि तँ ओ
अहाँ केँ, जे लिखित रूप मे धर्म-नियम
पाबि कऽ और खतना कराइओ कऽ
धर्म-नियमक उल्लंघन करैत छी, दोषी
ठहराओत। 28असल यहूदी ओ नहि, जे
मात्र बाहरी रूप सँ यहूदी देखाइ दैत अछि।
तहिना असल खतना ओ नहि, जे मात्र शरीर
मे बाहरी चेन्ह अछि। 29असल यहूदी तँ ओ
अछि जे मोन सँ यहूदी अछि, और असल
खतना वैह अछि जे हृदय पर कयल गेल
अछि। एहन खतना लिखित धर्म-नियम पर
निर्भर नहि रहैत अछि, बल्कि पवित्र आत्मा
द्वारा कयल जाइत अछि। एहन लोकक
प्रशंसा मनुष्यक दिस सँ नहि, बल्कि
परमेश्वरक दिस सँ होइत अछि।

परमेश्वरक विश्वासयोग्यता

3 तखन यहूदी भेला सँ की लाभ? वा
खतना करौला सँ की लाभ? 2हर
तरहेँ बहुत लाभ! पहिल बात तँ ई जे,
परमेश्वरक वचन यहूदी सभ केँ जिम्मा देल
गेलैक। 3जँ ओकरा सभ मे सँ किछु लोक
विश्वास नहि कयलक तँ तकर मतलब
की भेल? की ओकरा सभक अविश्वास
कयनाइ परमेश्वरक विश्वासयोग्यता
केँ व्यर्थ ठहराओत? 4किन्नहुँ नहि!
चाहे प्रत्येक मनुष्य झुट्ठा निकलय, मुदा
परमेश्वर सत्य प्रमाणित होयताह, जेना
कि धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, "...जाहि
सँ अहाँ अपना बात मे सत्य प्रमाणित
होयब आ अहाँक फैसलाक जाँच भेला
पर विजयी होयब।"* 5मुदा जँ हमरा
सभक दुष्टता परमेश्वरक धार्मिकता केँ
प्रदर्शित करैत अछि, तँ एना मे हम सभ
की ई कही जे परमेश्वर जखन हमरा सभ
पर क्रोध प्रगट करैत छथि तँ ओ अन्याय
करैत छथि? ई बात हम मानवीय सोचक
अनुरूप कहि रहल छी। 6ओ किन्नहुँ
नहि अन्याय करैत छथि! जँ ओ अन्यायी
होइतथि तँ संसारक न्याय कोना करितथि?
7केओ शायद ई कहत जे, जँ हमरा झूठ
सँ परमेश्वरक सत्यता आरो स्पष्ट रूप सँ
देखाइ पड़ैत अछि आ एहि कारणेँ हुनकर
गुणगान बढ़ैत छनि तँ पापी जकाँ हम
किएक दण्डक योग्य ठहराओल जा रहल
छी? 8ई तँ तेहने बात कहनाइ जकाँ भेल
जे हम सभ अधलाहे किएक ने करी जाहि
सँ नीक उत्पन्न होअय? किछु लोक हमरा
सभक निन्दा करैत आरोप लगबैत अछि जे
हम सभ एहने बात सभ सिखबैत छी। एहन
लोक सभ केँ दण्ड भेटनाइ उचित अछि।

सभ केओ दण्डक योग्य छी

9 तखन एहि बातक मतलब की भेल?
की हम सभ, जे यहूदी छी, आन लोकक

2:24 यशा 52.5; यहेज 36.22 **3:4** भजन 51.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपेक्षा श्रेष्ठ छी? बिलकुल नहि! हम
पहिनहि यहूदी आ आन जातिक लोक,
दूनू पर दोष लगा चुकल छी जे ओ सभ
केओ पापक अधीन अछि। [10]जेना कि
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,

“कोनो मनुष्य धार्मिक नहि अछि,
एको गोटे नहि।
11 कोनो मनुष्य बुझनिहार नहि अछि।
एको गोटे तेहन नहि अछि जे
परमेश्वर केँ खोजैत होअय।
12 सभ केओ भटकि गेल अछि,
सभ केओ भ्रष्ट भऽ गेल अछि।
केओ नीक काज नहि करैत अछि,
एको गोटे नहि।”*
13 “ओकर सभक कण्ठ खुजल कबर
जकाँ छैक,
ओकरा सभक मुँह मे छल-कपट
छैक”*
आ “ठोर मे साँपक विष भरल
छैक।”*
14 “ओकर सभक मुँह सराप आ कटुता
सँ भरल छैक।”*
15 “ओकर सभक पयर खून करबाक
लेल दौड़ैत छैक।
16 ओ सभ जतऽ-कतौ जाइत अछि
ततऽ विनाश आ दुःख लऽ
जाइत अछि।
17 ओ सभ शान्तिक बाट सँ अपरिचित
अछि।”
18 “ओकरा सभक मोन मे परमेश्वरक
डर-भय नहि छैक।”*

19 अपना सभ जनैत छी जे, धर्म-नियम
जे बात कहैत अछि से ओकरे सभ केँ
कहैत अछि जकरा सभ केँ धर्म-नियम देल
गेल अछि। एहि तरहेँ सभक मुँह बन्द भऽ
गेल अछि आ परमेश्वरक सम्मुख सम्पूर्ण
संसार दण्डक योग्य ठहरि गेल अछि।
[20]किएक तँ धर्म-नियमक पालन कयला
सँ कोनो मनुष्य परमेश्वरक नजरि मे
धार्मिक नहि ठहरत, बल्कि धर्म-नियमक
माध्यम सँ मनुष्य केँ अपन पापक ज्ञान
होइत छैक।

विश्वासक आधार परक धार्मिकता

21 मुदा आब परमेश्वर अपना
दिस सँ एकटा तेहन धार्मिकता प्रगट
कयने छथि जे धर्म-नियम पर निर्भर
नहि अछि, आ जाहि सम्बन्ध मे धर्म-
नियम आ परमेश्वरक प्रवक्ता सभक
लेख गवाही सेहो देने अछि। [22]प्रगट
भेल धार्मिकता ई अछि जे परमेश्वर
विश्वासक आधार पर तकरा सभ गोटे
केँ धार्मिक ठहरबैत छथि जे सभ यीशु
मसीह पर विश्वास करैत अछि। ककरो
मे कोनो भेद नहि— [23]सभ केओ पाप
कयने अछि आ परमेश्वरक महिमा तक
पहुँचऽ मे चुकि जाइत अछि। [24]मुदा
परमेश्वर अपना खुशी सँ दानक रूप
मे विश्वास कयनिहार सभ केँ ओहि
छुटकाराक माध्यम सँ धार्मिक ठहरबैत
छथि जे छुटकारा ओ मसीह यीशु
द्वारा पूरा कयलनि। [25]परमेश्वर यीशु
मसीह केँ मनुष्यक पापक प्रायश्चित्त
करऽ वला बलिदानक रूप मे संसार
मे प्रस्तुत कयलनि, जाहि बलिदानक
बहाओल खून पर विश्वास कयला सँ

3:12 भजन 14.1-3; भजन 53.1-3; उत्पत्ति 7.20 **3:13** भजन 5.9 **3:13** भजन 140.3
3:14 भजन 10.7 **3:18** भजन 36.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मनुष्य कैँ पाप सँ मुक्ति भेटैत छैक।
एहि तरहैँ परमेश्वर अपन उचित न्याय
कैँ प्रमाणित कयलनि, किएक तँ ओ
अपन सहनशीलताक अनुरूप पूर्व समय
मे कयल गेल पाप सभ कैँ दण्डित नहि
कऽ ओहिना छोड़ने छलाह। 26वर्तमान
समय मे परमेश्वर अपन उचित न्याय
प्रमाणित कऽ ई बात प्रगट कयलनि जे
ओ स्वयं न्यायी छथि आ ओहि सभ
लोक कैँ धार्मिक ठहरबैत छथि जे सभ
यीशु मसीह पर विश्वास करैत अछि।
27 तखन घमण्ड करऽ वला बात
कतऽ रहल? ओकर तँ कोनो स्थाने नहि
अछि। कोन कारणेँ? की एहि कारणेँ जे
धर्म-नियम कैँ पालन नहि कऽ सकलहुँ?
नहि, बल्कि एहि कारणेँ जे सभ बात
आब विश्वासे पर निर्भर अछि। 28तेँ हम
सभ ई कहैत छी जे मनुष्य धर्म-नियमक
पालन कयला सँ नहि, बल्कि विश्वासक
कारणेँ धार्मिक ठहरैत अछि। 29की
परमेश्वर मात्र यहूदी सभक परमेश्वर
छथि? की ओ आन जाति सभक
परमेश्वर नहि छथि? हँ, ओ आन जाति
सभक परमेश्वर सेहो छथि। 30किएक
तँ परमेश्वर एके छथि। ओ यहूदी सभ
कैँ* ओकरा सभक विश्वासक आधार
पर, आ अन्य जातिक लोक सभ कैँ*
ओकरा सभक विश्वासक आधार पर
धार्मिक ठहरौताह। 31तखन की, हम
सभ विश्वास पर जोर दऽ कऽ धर्म-
नियम कैँ आब बेकार ठहरबैत छी?
किन्नहुँ नहि! बल्कि धर्म-नियम कैँ
समर्थन करैत छी।

अब्राहम सेहो कर्मक नहि, विश्वासक आधार पर धार्मिक ठहरलाह

4 आब हम सभ अपन पूर्वज
अब्राहमक विषय मे की कही?
धार्मिक ठहराओल जयबाक सम्बन्ध मे
हुनका की अनुभव भेलनि? 2जँ अब्राहम
अपन कर्म द्वारा धार्मिक ठहराओल
गेलाह तँ ओ अपना पर घमण्ड कऽ
सकैत छलाह, मुदा परमेश्वरक सम्मुख
हुनका घमण्ड करबाक कोनो आधार
नहि छलनि, 3किएक तँ धर्मशास्त्र मे ई
लिखल अछि जे, “अब्राहम परमेश्वरक
बातक विश्वास कयलनि आ ई विश्वास
हुनका लेल धार्मिकता मानल गेलनि।”*
4काज कयनिहार कैँ जखन मजदूरी देल
जाइत अछि, तँ ई नहि मानल जाइत
अछि जे ओकरा पर कृपा कयल गेलैक,
बल्कि ई ओकर अधिकार छलैक। 5मुदा
जे व्यक्ति अपना काज पर भरोसा नहि
रखैत अछि, बल्कि ओहि परमेश्वर पर
विश्वास करैत अछि जे पापी सभ कैँ
धार्मिक ठहरबैत छथि, ताहि व्यक्ति कैँ
विश्वासक आधार पर परमेश्वर ओकरा
धार्मिक मानैत छथि ˛आ ई कृपाक बात
अछि˛। 6एही तरहैँ धर्मशास्त्र मे दाऊद
ओहन मनुष्य कैँ धन्य कहैत छथि जकरा
परमेश्वर बिनु कर्मक आधार पर धार्मिक
मानैत छथिन—

7 “धन्य अछि ओ सभ जकरा सभक
अपराध क्षमा भऽ गेल
आ जकरा सभक पाप झाँपि देल
गेलैक।

3:30 अक्षरशः “ओ खतना कराओल लोक कैँ” **3:30** अक्षरशः “आ बिनु खतना कराओल लोक सभ कैँ” **4:3** उत्पत्ति 15.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

8 धन्य अछि ओ मनुष्य जकर पापक
लेखा प्रभु नहि लेथिन।"*
9 की ई आशिष खतना कराओल
लोक सभक लेल मात्र अछि वा तकरो
सभक लेल जकरा सभक खतना नहि
भेल अछि? हम सभ तँ कहैत आयल छी
जे, "अब्राहमक विश्वास हुनका लेल
धार्मिकता मानल गेलनि।" 10तँ हुनकर
विश्वास कोन स्थिति मे धार्मिकता मानल
गेलनि—हुनकर खतना होमऽ सँ पहिने वा
भेलाक बाद? खतना भेलाक बाद नहि,
बल्कि पहिने! 11हुनकर खतना जखन
नहि भेल छलनि, ताहि समय मे विश्वास
द्वारा जे धार्मिकता प्राप्त भेल छलनि ताहि
पर छाप स्वरूप खतनाक चिन्ह बाद मे
लगाओल गेलनि। एहि तरहेँ ओ ओहू
लोक सभक पिता भेलाह जे सभ बिनु
खतना करौने विश्वास करैत अछि, जाहि
सँ ओकरो सभक विश्वास ओकरा सभक
लेल धार्मिकता मानल जाइक। 12अब्राहम
ओहि खतना करौनिहार लोक सभक
पिता सेहो छथि जे सभ मात्र खतने नहि
करौने अछि, बल्कि हमरा सभक पिता
अब्राहमक ओही विश्वासक पद-चिन्ह
पर सेहो चलैत अछि, जे विश्वास खतना
होमऽ सँ पहिने हुनका मे छलनि।

सभ विश्वास कयनिहारक लेल परमेश्वरक वचन

13 अब्राहम आ हुनका वंश केँ जे
वचन देल गेल छल जे ओ पृथ्वीक
उत्तराधिकारी होयताह, से वचन हुनका
एहि लेल नहि देल गेल जे ओ धर्म-
नियमक पालन कयलनि, बल्कि एहि लेल
जे ओ विश्वास कयलनि आ परमेश्वर
हुनका धार्मिक मानलथिन। 14जँ वैह सभ
उत्तराधिकारी बनैत अछि जे सभ धर्म-
नियमक अधीन रहैत अछि, तँ विश्वास
कयनाइ बेकार अछि आ परमेश्वर जे
वचन देलनि से निरर्थक भऽ जाइत अछि,
15किएक तँ धर्म-नियम परमेश्वरक
प्रकोपे उत्पन्न करैत अछि, आ जतऽ
नियम अछिए नहि, मात्र ततहि आज्ञाक
उल्लंघन नहि पाओल जाइत अछि।
16 एहि कारणेँ परमेश्वरक वचनक
पूर्तिक आधार अछि मनुष्यक विश्वास,
जाहि सँ सम्पूर्ण बात परमेश्वरक दिस
सँ कृपाक रूप मे रहय आ हुनकर वचन
अब्राहमक सभ वंशजक लेल अटल
होअय—मात्र तकरे सभक लेल नहि,
जकरा सभ केँ धर्म-नियम भेटल छैक,
बल्कि ओहि सभ लोकक लेल, जे सभ
अब्राहम सनक विश्वास रखैत अछि।
अब्राहम अपना सभ गोटेक पिता छथि,
17जेना कि लिखल अछि जे, "हम
तोरा बहुतो जाति सभक पिता बनौने
छिअह।"* परमेश्वरक दृष्टि मे अब्राहम
अपना सभक पिता छथि। ओ ओहि
परमेश्वर पर विश्वास कयलनि जे मुइल
सभ केँ जिअबैत छथि और जे वस्तु
अस्तित्व मे अछिए नहि तकरा अस्तित्व
मे अनैत छथि। 18जाहि परिस्थिति मे
कोनो आशा नहि राखल जा सकैत छल,
ताहू मे अब्राहम आशा राखि विश्वास
कयलनि और तहिना बहुतो जातिक
पिता बनि गेलाह, जेना कि हुनका कहल
गेल छलनि जे, "तोहर वंशज असंख्य
होयतह।"* 19हुनकर उमेर लगभग एक

4:8 भजन 32.2 **4:17** उत्पत्ति 17.5 **4:18** उत्पत्ति 15.5

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सय वर्षक भऽ गेल छलनि आ ओ जनैत
छलाह जे हमर शरीर सँ आब किछु नहि
होयत आ ओ इहो जनैत छलाह जे सारा
केँ बच्चा होयब असम्भवे छनि। 20तैयो
ओ परमेश्‍वरक वचन पर कनेको सन्देह
नहि कयलनि, बल्कि विश्‍वास मे आओर
दृढ़ भऽ कऽ परमेश्‍वरक स्तुति कयलनि।
21हुनका पक्का विश्‍वास छलनि जे जाहि
बातक वचन परमेश्‍वर देने छथि तकरा
पूरा करऽ मे ओ सामर्थ्यवान छथि। 22एही
विश्‍वासक कारणेँ ओ धार्मिक मानल
गेलाह।

23-24 धर्मशास्त्रक ई शब्द जे,
“विश्‍वासक आधार पर ओ धार्मिक
मानल गेलाह,” मात्र अब्राहमेक लेल
नहि, बल्कि अपनो सभक लेल लिखल
गेल अछि। अपनो सभ केँ परमेश्‍वर
धार्मिक मानताह—अपना सभ केँ, जे
सभ ओहि परमेश्‍वर पर विश्‍वास करैत
छी जे अपना सभक प्रभु, यीशु केँ, मुइल
सभ मे सँ जीवित कयलथिन। 25यीशु
मसीह केँ अपना सभक पापक कारणेँ
मृत्युदण्ड देल गेल छलनि आ अपना सभ
केँ धार्मिक ठहरयबाक लेल जिआओल
गेलनि।

मसीहक द्वारा परमेश्‍वर सँ मेल

5 एहि तरहेँ विश्‍वास सँ धार्मिक
ठहराओल जयबाक कारणेँ प्रभु
यीशु मसीहक द्वारा परमेश्‍वर सँ अपना
सभक मेल भेल अछि। 2यैह यीशु मसीह
अपना सभ केँ परमेश्‍वरक संग एहि
नव सम्बन्ध मे अनने छथि जे सम्बन्ध
हुनका कृपा पर आधारित अछि आ
जाहि सम्बन्ध मे अपना सभ स्थिर छी।
और परमेश्‍वरक महिमा मे सहभागी
होयबाक आशा मे आनन्दित छी। 3एतबे
नहि, बल्कि कष्टक समय सभ मे सेहो
आनन्दित होइत छी, किएक तँ अपना
सभ जनैत छी जे कष्ट सँ धैर्य उत्पन्न
होइत अछि, 4धैर्य सँ सच्चरित्रता आ
सच्चरित्रता सँ आशा उत्पन्न होइत
अछि। 5और ई आशा अपना सभ केँ
निराश नहि होमऽ दैत अछि, किएक तँ
परमेश्‍वर अपन पवित्र आत्मा जे अपना
सभ केँ देने छथि, तिनका द्वारा अपन प्रेम
अपना सभक हृदय मे भरि देने छथि।

6 सोचू! अपना सभ जखन असहाये
छलहुँ तहिए निर्धारित समय पर मसीह
अधर्मी सभक लेल मरलाह। 7दुर्लभ
बात अछि जे कोनो धार्मिको मनुष्यक
लेल केओ अपन प्राण दिअय। हँ, कोनो
नीक मनुष्यक लेल केओ मरबाक
साहस कैओ लिअय। 8मुदा परमेश्‍वर
अपना प्रेम केँ अपना सभक प्रति एहि
तरहेँ देखबैत छथि जे, जखन अपना सभ
पापिए छलहुँ तखने मसीह अपना सभक
लेल मरलाह।

9 तँ जखन अपना सभ मसीहक खून
द्वारा एखन धार्मिक ठहराओल गेलहुँ
तँ निश्‍चय अपना सभ हुनका द्वारा
परमेश्‍वरक दण्ड सँ सेहो बँचाओल
जायब। 10किएक तँ जखन शत्रुताक
अवस्था मे परमेश्‍वरक संग मेल-मिलाप
हुनका पुत्रक मृत्यु द्वारा भऽ गेल, तखन
मेल-मिलाप भऽ गेला पर हुनका पुत्रक
जीवन द्वारा अपना सभक उद्धार किएक
नहि होयत? 11एतबे नहि! अपना
प्रभु यीशु मसीहक कारणेँ अपना सभ
परमेश्‍वर मे आनन्दित सेहो छी, किएक
तँ हुनके द्वारा आब परमेश्‍वर सँ मेल-
मिलाप भऽ गेल अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आदम द्वारा मृत्यु, मसीह द्वारा जीवन

12 एके मनुष्यक द्वारा संसार मे पापक
प्रवेश भेल आ पाप द्वारा मृत्युक। एहि
तरहेँ मृत्यु सभ मनुष्य मे पसरि गेल,
कारण, सभ केओ पाप कयने अछि।
13 धर्म-नियम जे मूसा केँ देल गेल ताहि सँ
पहिने सेहो संसार मे पाप छल, मुदा जतऽ
नियम नहि होइत अछि ततऽ “नियम-
उल्लंघन”क लेखा नहि राखल जाइत
अछि। 14 तैयो मृत्यु आदमक समय सँ लऽ
कऽ मूसाक समय धरि ओहू लोक सभ
पर शासन कयलक जे सभ परमेश्वरक
आज्ञाक उल्लंघन करबाक द्वारा पाप नहि
कयने छल, जेना आदम कयलक।

आदम तिनकर प्रतीक छल जे आबऽ
वला छलाह। 15 मुदा आदमक अपराध
आ परमेश्वरक वरदान मे कोनो समानता
नहि। कारण, जँ एके मनुष्यक अपराध सँ
अनेको मनुष्य मरल, तँ एहि सँ कतेक बढ़ि
कऽ एके मनुष्यक, अर्थात् यीशु मसीहक,
वरदान द्वारा अनेको मनुष्य पर परमेश्वरक
कृपा बरसल। 16 कहाँ ओ एक व्यक्तिक
पापक परिणाम आ कहाँ ई परमेश्वरक
वरदान!—एहि मे कोनो समानता नहि,
किएक तँ एक अपराधक फलस्वरूप
न्याय कयल गेल आ मनुष्य केँ दण्ड-
आज्ञा भेटलैक, मुदा बहुतो अपराधक
बाद जे वरदान देल गेलैक, ताहि द्वारा दोष
सँ छुटकारा भेटलैक। 17 जँ एके मनुष्यक
पापक कारणेँ ओहि मनुष्य द्वारा मृत्यु
राज्य कयलक, तँ एहि सँ कतेक बढ़ि
कऽ जकरा सभ केँ परमेश्वरक प्रशस्त
कृपा आ धार्मिकताक दान भेटल छैक, से
सभ एके मनुष्य, अर्थात् यीशु मसीह, द्वारा
जीवन मे राज्य करत।

18 एहि तरहेँ अपना सभ देखैत छी
जे, जहिना एके अपराधक फलस्वरूप
सभ मनुष्य केँ दण्ड-आज्ञा भेटलैक,
तहिना एके नीक काजक फलस्वरूप
सभ मनुष्यक लेल दोष सँ छुटकारा आ
जीवनक प्रबन्ध कयल गेल। 19 किएक
तँ जाहि तरहेँ एक मनुष्यक आज्ञा-
उल्लंघन सँ अनेको मनुष्य पापी भेल,
ओही तरहेँ एक मनुष्यक आज्ञा-पालन
सँ अनेको मनुष्य धार्मिक ठहराओल
जायत। 20 बीच मे धर्म-नियम आबि
गेला सँ पापक वृद्धि भेल, मुदा जतऽ
पाप बढ़ल ततऽ परमेश्वरक कृपा आरो
बढ़ल, 21 जाहि सँ जहिना पाप मनुष्य केँ
मृत्यु दऽ कऽ शासन करैत छल, तहिना
परमेश्वरक कृपा मनुष्य केँ धार्मिक
ठहरा कऽ शासन करय, जकर फल
अपना सभक प्रभु यीशु मसीह द्वारा
अनन्त जीवन अछि।

पापक लेखेँ मुइल, परमेश्वरक लेल जीवित

6 तखन की, अपना सभ आओर पाप
करैत रही जाहि सँ परमेश्वर आओर
कृपा करथि? 2 किन्नहुँ नहि! अपना सभ
जे पापक लेखेँ मरि गेल छी, आब पाप
मे जीवन कोना व्यतीत करब? 3 की
अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे, अपना
सभ गोटे जे बपतिस्मा लऽ कऽ मसीह
यीशु मे सहभागी भेलहुँ से हुनका मृत्यु
मे सेहो सहभागी भेलहुँ? 4 तेँ अपना सभ
बपतिस्मा द्वारा हुनका मृत्यु मे सहभागी
भऽ हुनका संग गाड़ल सेहो गेल छी जाहि
सँ जहिना यीशु मसीह पिता परमेश्वरक
महिमा द्वारा मुइल सभ मे सँ जिआओल
गेलाह तहिना अपनो सभ एक नव जीवन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जीबी। 5जँ हुनका मृत्यु मे अपना सभ
हुनका सँ संयुक्त भऽ गेल छी, तँ निश्चय
हुनका जीबि उठनाइ मे सेहो अपना सभ
हुनका सँ संयुक्त भऽ जायब। 6अपना
सभ केँ ई कखनो नहि बिसरबाक चाही
जे अपना सभक पहिलुका स्वभाव हुनके
संग क्रूस पर चढ़ा देल गेल, जाहि सँ
अपना सभ मेहक पापपूर्ण “हम” मरि जाय
आ अपना सभ फेर पापक दास नहि बनी,
7किएक तँ मरल आदमी पर पाप केँ कोनो
शक्ति नहि रहि जाइत छैक।

8 आब जँ अपना सभ मसीहक संग
मरलहुँ तँ अपना सभ विश्वास करैत छी जे
हुनका संग जीवित सेहो रहब। 9किएक तँ
अपना सभ जनैत छी जे मसीह मुइल सभ
मे सँ जिआओल गेलाक बाद फेर कहियो
नहि मरताह। आब मृत्यु केँ हुनका पर
कोनो अधिकार नहि रहल। 10ओ जखन
मरलाह तँ पाप केँ पराजित करबाक लेल
सदाक लेल एके बेर मरलाह, आ जीबि
उठि कऽ ओ आब परमेश्वरेक लेल
जीबैत छथि। 11एही तरहेँ अहाँ सभ सेहो
अपना केँ पापक लेखेँ मुइल आ मसीह
यीशु मे परमेश्वरक लेल जीवित बुझू।

12 एहि लेल आब अहाँ सभ अपन
नश्वर शरीर मे पाप केँ राज्य नहि
करऽ दिअ जे ओकर अभिलाषा सभक
अनुसार जीवन व्यतीत करी। 13अहाँ
सभ अपना शरीरक अंग सभ केँ
दुष्टताक साधनक रूप मे पाप करबाक
लेल समर्पित नहि करू। बल्कि मृत्यु
सँ जीवन मे लाओल लोक सभ जकाँ
अपना केँ परमेश्वर केँ समर्पित कऽ
दिअ आ शरीरक अंग सभ केँ नीक काज
करबाक साधनक रूप मे परमेश्वर केँ
अर्पित करू। 14तखन पाप अहाँ सभ पर
राज्य नहि कऽ पाओत, किएक तँ अहाँ
सभ धर्म-नियमक अधीन नहि, बल्कि
परमेश्वरक कृपाक अधीन छी।

पापक नहि, बल्कि परमेश्वरक दास

15 तखन की? की अपना सभ जँ
धर्म-नियमक अधीन नहि, बल्कि
परमेश्वरक कृपाक अधीन छी, तँ
एहि कारणेँ पाप करी? किन्नहुँ नहि!
16की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे जकर
आज्ञा मानबाक लेल अहाँ सभ अपना
केँ दासक रूप मे समर्पित करैत छी,
अहाँ सभ तकरे दास छी?—ओ चाहे
पापक होइ, जकर परिणाम मृत्यु अछि,
चाहे आज्ञाकारिताक, जकर परिणाम
धार्मिकता अछि। 17परमेश्वर केँ
धन्यवाद जे अहाँ सभ, जे सभ एक समय
मे पापक दास छलहुँ, आब पूरा मोन सँ
ओहि शिक्षाक आज्ञाकारी भऽ गेल छी
जाहि मे अहाँ सभ सौंपल गेलहुँ। 18अहाँ
सभ पाप सँ मुक्त कयल गेलहुँ और आब
धार्मिकताक दास भऽ गेल छी। 19हम
ई साधारण मानव जीवनक उदाहरण,
अर्थात् दास आ मालिकक उदाहरण,
एहि लेल प्रयोग कऽ रहल छी जे अहाँ
सभक मानवीय दुर्बलताक कारणेँ बात
बुझनाइ अहाँ सभक लेल कठिन अछि।
अहाँ सभ जहिना पहिने अपना शरीरक
अंग केँ अशुद्धता आ अधर्मक अधीन
कयने छलहुँ, जाहि सँ दुराचार बढ़ल,
तहिना आब अपना शरीरक अंग केँ
धार्मिकताक अधीन करू, जाहि सँ अहाँ
सभ पवित्र बनी।

20 किएक तँ जखन अहाँ सभ पापक
दास छलहुँ तँ धार्मिकताक नियन्त्रण
सँ अहाँ सभ स्वतन्त्र छलहुँ। 21ओहि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

समय मे अहाँ सभ केँ ओहि कर्म सँ
की लाभ भेल? आब ओहि बात सँ
लज्जित होइत छी, कारण, ओकर
परिणाम मृत्यु अछि। 22मुदा आब अहाँ
सभ पाप सँ छुटकारा पाबि परमेश्‍वरक
दास बनि गेल छी, जकर फल अछि
पवित्रता आ जकर परिणाम अछि
अनन्त जीवन। 23किएक तँ पापक
मजदूरी अछि मृत्यु, मुदा परमेश्‍वरक
वरदान अछि अनन्त जीवन जे अपना
सभक प्रभु, मसीह यीशुक माध्यम सँ
प्राप्त होइत अछि।

धर्म-नियमक अधिकार सँ मुक्त

7 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ तँ
नियम-कानून केँ जननिहार लोक
छी—की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे
तहिए तक कोनो मनुष्य पर कानूनक
अधिकार रहैत छैक जहिया तक ओ
मनुष्य जीवित अछि? 2उदाहरणक
लेल, विवाहित स्त्री तहिया धरि कानून
द्वारा अपन पुरुषक बन्हन मे रहैत अछि
जहिया धरि ओकर पुरुष जीवित छैक।
जँ पुरुष मरि जाइत छैक तँ ओ विवाह-
कानूनक बन्हन सँ मुक्त भऽ जाइत
अछि। 3एहि लेल, जँ ओ पतिक जीवन
काल मे कोनो दोसर पुरुष सँ विवाह
करैत अछि तँ ओ परपुरुषगमन करऽ
वाली कहबैत अछि, मुदा जँ ओकर
पति मरि जाइत छैक तँ ओ ओहि विवाह
सम्बन्ध सँ मुक्त भऽ जाइत अछि और
कोनो दोसर पुरुषक स्त्री बनिओ कऽ
परपुरुषगमन करऽ वाली नहि होइत
अछि।

4एहि लेल, यौ हमर भाइ लोकनि,
अहूँ सभ मसीहक शारीरिक मृत्यु मे
सहभागी भऽ धर्म-नियमक दृष्टिकोण सँ
मरि गेल छी, जाहि सँ कोनो दोसराक,
अर्थात् यीशु मसीहक, जे मृत्यु मे सँ
जिआओल गेलाह, तिनकर भऽ जाइ
आ परमेश्‍वरक लेल फलदायक सेवा
करी। 5जखन अपना सभ अपन पापी
स्वभावक अनुसार आचरण करैत छलहुँ,
तँ पापमय लालसा सभ धर्म-नियम द्वारा
प्रेरणा पाबि कऽ अपना सभक शरीरक
अंग सभ मे काज करैत छल, जाहि
सँ तेहन जीवन बितबैत छलहुँ जकर
परिणाम मृत्यु अछि। 6मुदा आब तकरा
लेखेँ मरि कऽ जे एक समय मे अपना सभ
केँ अपना वश मे बान्हि कऽ रखने छल,
अर्थात् धर्म-नियम, अपना सभ ओहि सँ
मुक्त भऽ गेल छी। आब पुरान तरीका
सँ लिखित नियमक दास भऽ कऽ नहि,
बल्कि नव तरीका सँ, जे पवित्र आत्माक
तरीका छनि, परमेश्‍वरक सेवा करबाक
लेल स्वतन्त्र भऽ गेल छी।

धर्म-नियमक प्रयोजन

7तखन, जँ पापमय लालसा सभ धर्म-
नियम द्वारा प्रेरणा पबैत अछि, तँ की
अपना सभ ई कही जे धर्म-नियम आ
पाप दूनू एके चीज अछि? एकदम नहि!
बात ई अछि जे, धर्म-नियमक अभाव मे
हम पाप केँ चिन्हने नहि रहितहुँ। जँ धर्म-
नियम नहि कहने रहैत जे, “लोभ नहि
करह”* तँ हम ई नहि जनितहुँ जे, लोभ
अछि की। 8एहि आज्ञा सँ मौका पाबि
पाप हमरा मे सभ प्रकारक लोभ उत्पन्न

7:7 प्रस्थान 20.17; व्यव 5.21

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कऽ देलक, कारण, नियमक अभाव मे
पाप निर्जीव अछि। 9एक समय छल
जहिया धर्म-नियम नहि छल आ हम
जीवित छलहुँ, मुदा जखन आज्ञा आबि
गेल तँ पाप जीवित भऽ गेल आ हम मरि
गेलहुँ। 10और एहि तरहेँ जाहि आज्ञाक
उद्देश्य छल जीवन देनाइ, से आज्ञा हमरा
लेल मृत्युक कारण बनि गेल। 11किएक
तँ पाप आज्ञाक उपस्थिति सँ अवसर
पाबि हमरा धोखा देलक आ ओही आज्ञा
सँ हमरा मारि देलक। 12एहि तरहेँ अपना
सभ देखैत छी जे धर्म-नियम अपने पवित्र
अछि और आज्ञा सेहो पवित्र, उचित आ
कल्याणकारी अछि।

13 तखन की, जे बात कल्याणकारी
छल, सैह हमरा लेल मृत्युक कारण
बनि गेल? कदापि नहि! बल्कि जे वस्तु
कल्याणकारी छल, तकरा प्रयोग कऽ
कऽ पाप हमरा लेल मृत्युक कारण बनि
गेल। एहि तरहेँ पापक वास्तविक स्वरूप
प्रगट भऽ गेल आ आज्ञाक माध्यम सँ पाप
आओर अधिक पापमय प्रमाणित भेल।

पाप सँ मनुष्यक भितरी संघर्ष

14 अपना सभ जनैत छी जे धर्म-नियम
आत्मा सँ सम्बन्ध रखैत अछि, मुदा
हम मानवीय स्वभावक प्रभाव मे छी
आ पापक हाथेँ बिका गेल छी। 15हम
की करैत छी, से नहि बुझि पबैत छी,
किएक तँ हम जे करऽ चाहैत छी से नहि
करैत छी, बल्कि जाहि बात सँ हम घृणा
करैत छी सैह करैत छी। 16आब हम जे
करैत छी, जँ से करबाक इच्छा हमरा
नहि अछि, तँ एहि सँ स्पष्ट होइत अछि
जे हम वास्तव मे मानैत छी जे धर्म-नियम
उचित अछि। 17तखन एहन अवस्था मे
करऽ वला हम नहि रहलहुँ, बल्कि करऽ
वला ओ पाप अछि जे हमरा मे वास कऽ
रहल अछि। 18किएक तँ हम जनैत छी
जे हमरा मे कोनो नीक वस्तुक वास नहि
अछि, अर्थात् हमर मानवीय स्वभाव मे।
नीक काज करबाक इच्छा तँ हमरा होइत
अछि, मुदा हम ओकरा कऽ नहि पबैत
छी। 19कारण, जाहि नीक काज केँ हम
करऽ चाहैत छी तकरा नहि करैत छी,
आ जाहि अधलाह काज केँ करऽ नहि
चाहैत छी तकरे करैत रहैत छी। 20जँ
हम जे नहि करऽ चाहैत छी सैह करैत
छी, तँ ओ करऽ वला हम नहि, बल्कि
पाप अछि, जे हमरा मे वास करैत अछि।
21एहि तरहेँ हम अपना मे ई नियम पबैत
छी जे, जखन हम नीक काज करबाक
इच्छा करैत छी तँ अधलाहे काज हमरा
सँ होइत अछि। 22हम अपना अन्तरात्मा
मे परमेश्वरक धर्म-नियम केँ तँ सहर्ष
स्वीकार करैत छी, 23मुदा हमरा अपना
शरीर मे एक दोसरे नियम काज करैत
देखाइ दैत अछि, जे ताहि नियम सँ संघर्ष
करैत अछि जे हमर बुद्धि स्वीकार करैत
अछि। हमरा शरीरक अंग मे क्रियाशील
ओ नियम पाप-नियम अछि और ओ
हमरा अपन बन्दी बना लैत अछि।
24हम कतेक अभागल मनुष्य छी! एहि
मृत्युक अधीन रहऽ वला शरीर सँ हमरा
के छुटकारा दियाओत? 25परमेश्वरक
धन्यवाद होनि! वैह अपना सभक प्रभु
यीशु मसीहक द्वारा हमरा छुटकारा
दिऔताह।

अतः एक दिस तँ हम अपना बुद्धि सँ
परमेश्वरक नियमक दास छी, मुदा दोसर
दिस अपना मानवीय पाप-स्वभाव सँ
पाप-नियमक दास छी।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक आत्माक इच्छाक अनुसार जीनाइ

8 एहि लेल, आब जे सभ मसीह यीशु
मे अछि,* तकरा सभक लेल कोनो
दण्डक आज्ञा नहि अछि। 2किएक तँ
परमेश्वरक जीवनदायक आत्माक नियम
मसीह यीशु द्वारा पाप आ मृत्युक नियम
सँ हमरा स्वतन्त्र कऽ देने अछि। 3धर्म-
नियम मानवीय पाप-स्वभावक कारणेँ
कमजोर भऽ कऽ जे काज करऽ मे असमर्थ
छल, से काज परमेश्वर कऽ देलनि।
ओ पापक प्रायश्चित्तक लेल अपने पुत्र
केँ पठौलनि, जे पापी मनुष्यक समान
मानव शरीर धारण कयलनि। एहि तरहेँ
परमेश्वर मानव शरीर मे पाप केँ दण्डित
कयलनि, 4जाहि सँ अपना सभ मे, जे सभ
मानवीय पाप-स्वभावक अनुसार नहि,
बल्कि पवित्र आत्माक इच्छाक अनुसार
आचरण करैत छी, धर्म-नियमक उचित
माँग पूरा भऽ जाय।

5 कारण, मानवीय पाप-स्वभावक
अनुसार चलनिहार लोक सभ ताहि बात
सभ पर मोन लगबैत अछि जाहि बातक
लेल पाप-स्वभाव इच्छा रखैत अछि,
मुदा पवित्र आत्माक अनुसार चलनिहार
लोक सभ ताहि बात सभ पर जे पवित्र
आत्मा चाहैत छथि। 6मानवीय पाप-
स्वभावक इच्छा सभ पर मोन लगौनाइक
परिणाम अछि मृत्यु, मुदा पवित्र आत्माक
इच्छा पर मोन लगौनाइक परिणाम अछि
जीवन आ शान्ति, 7किएक तँ मानवीय
पाप-स्वभावक सोच-विचार परमेश्वरक
विरोधी अछि। मानवीय स्वभाव तँ
परमेश्वरक नियमक अधीन नहि अछि
आ ने ओकर अधीन भऽ सकैत अछि।
8जे केओ मानवीय स्वभावक इच्छाक
अनुसार आचरण करैत अछि, से परमेश्वर
केँ प्रसन्न नहि कऽ सकैत अछि।

9 मुदा अहाँ सभ मानवीय स्वभावक
अनुसार नहि, बल्कि परमेश्वरक
आत्माक अनुसार जीबैत छी, किएक तँ
अहाँ सभ मे परमेश्वरक आत्मा वास करैत
छथि। और जँ ककरो मे मसीहक आत्मा
वास नहि करैत छथि तँ ओ मसीहक नहि
अछि। 10मुदा जँ मसीह अहाँ सभ मे वास
करैत छथि, तँ पापक कारणेँ अहाँ सभक
शरीर मृत्युक अधीन मे होइतो, अहाँ सभ
केँ धार्मिक ठहराओल जयबाक कारणेँ
अहाँ सभक आत्मा जीवित अछि। 11और
जँ तिनकर आत्मा जे यीशु मसीह केँ मुइल
सभ मे सँ जीवित कयलथिन, अहाँ सभ
मे वास करैत छथि, तँ जे मसीह केँ मुइल
सभ मे सँ जीवित कयलथिन से अपना
आत्मा द्वारा, जिनकर वास अहाँ सभ मे
अछि, अहाँ सभक नश्वर शरीर केँ सेहो
जीवन प्रदान करताह।

12 एहि लेल यौ भाइ लोकनि, अपना
सभ ऋणी छी, मुदा मानवीय पाप-
स्वभावक नहि, जे ओकर इच्छाक
अनुसार जीबी। 13कारण, जँ अहाँ सभ
मानवीय स्वभावक अनुरूप जीब तँ
अवश्य मरब, मुदा जँ पवित्र आत्माक
शक्ति द्वारा ताहि अधलाह काज सभक
अन्त करब जे शरीर सँ कयल जाइत
अछि तँ जीवन प्राप्त करब, 14किएक तँ

8:1 बादक किछु हस्तलेख सभ मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “...जे सभ मसीह यीशु मे अछि, जे सभ मानवीय पाप-स्वभावक अनुसार नहि, बल्कि पवित्र आत्माक इच्छाक अनुसार आचरण करैत अछि, ...”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे सभ परमेश्वरक आत्मा द्वारा संचालित
कयल जाइत अछि, सैह सभ परमेश्वरक
सन्तान अछि। 15अहाँ सभ केँ जे आत्मा
देल गेल छथि, से अहाँ सभ केँ फेर डेराय
वला गुलाम नहि बनबैत छथि, बल्कि
परमेश्वरक पुत्र* बनौने छथि। ओहि
आत्माक द्वारा अपना सभ हुनका पुकारि
उठैत छियनि जे, “हे बाबूजी!* हे पिता!”
16पवित्र आत्मा स्वयं अपना सभक
आत्मा केँ गवाही दैत छथि जे अपना
सभ परमेश्वरक सन्तान छी। 17जँ अपना
सभ हुनकर सन्तान छी तँ उत्तराधिकारी
सेहो छी—परमेश्वरक उत्तराधिकारी
आ मसीहक संग सह-उत्तराधिकारी।
कारण, जँ अपना सभ यीशु मसीहक संग
दुःख सहब तँ हुनका संग महिमा मे सेहो
सहभागी होयब।

भविष्य मे होमऽ वला आनन्द

18 हम ई मानैत छी जे, जे महिमा अपना
सभ मे प्रगट होमऽ वला अछि तकरा
तुलना मे वर्तमान समयक कष्ट किछु
नहि अछि। 19ई सृष्टि बहुत जिज्ञासाक
संग ओहि समयक प्रतीक्षा कऽ रहल
अछि जहिया परमेश्वरक सन्तान सभ
केँ प्रगट कयल जायत। 20ई सृष्टि तँ
व्यर्थताक अधीन कऽ देल गेल, मुदा से
अपन इच्छा सँ नहि, बल्कि हुनकर इच्छा
सँ जे एकरा अधीन कऽ देलथिन, मुदा ई
आशा बनल रहल जे, 21एक दिन आओत
जहिया सृष्टि सरनाइ आ मरनाइक बन्हन
सँ मुक्त भऽ ओहि महिमामय स्वतन्त्रता
मे सहभागी बनत जे परमेश्वरक सन्तान
सभक होयतैक। 22हम सभ जनैत छी जे
सम्पूर्ण सृष्टि मिलि कऽ आइ तक ओहि
प्रकारक कष्ट सँ कुहरैत आयल अछि
जेना प्रसव-पीड़ाक कष्ट होइत अछि।
23मात्र वैह नहि, बल्कि अपनो सभ,
जकरा सभ केँ परमेश्वरक वचनक पूर्तिक
पहिल भागक रूप मे पवित्र आत्मा भेटल
छथि, भीतरे-भीतर कुहरैत छी और एहि
बातक प्रतीक्षा करैत छी जे अपना सभ
पूर्ण रूप सँ परमेश्वरक पोषपुत्र बनाओल
जायब आ शरीर सरनाइ आ मरनाइक
बन्हन सँ छुटकारा पाबि नव कयल
जायत। 24जहिया सँ अपना सभक उद्धार
भेल, तहिया सँ अपना सभ मे ई आशा
बनल रहल अछि। मुदा जँ अपना सभ
ओहि वस्तु केँ प्राप्त कैए लेने छी जकर
आशा रखैत छी, तँ ओकरा “आशा”
नहि कहल जाइत अछि। जकरा कोनो
वस्तु प्राप्त भऽ गेल छैक, से तकर आशा
किएक करत? 25मुदा अपना सभ ओहि
वस्तुक आशा करैत छी जे देखैत नहि छी,
आ तेँ धैर्यपूर्बक ओकर प्रतीक्षा करैत छी।

प्रत्येक परिस्थिति मे परमेश्वरक प्रेम द्वारा सुरक्षित

26 एही तरहेँ पवित्र आत्मा सेहो अपना
सभक दुर्बलता मे सहायता करैत छथि,
किएक तँ अपना सभ नहि जनैत छी जे
अपना सभ केँ प्रार्थना कोन तरहेँ करबाक
चाही, मुदा आत्मा अपने कुहरि-कुहरि
कऽ अपना सभक लेल विनती करैत
छथि, जकरा शब्द मे व्यक्त नहि कयल
जा सकैत अछि। 27और परमेश्वर, जे

8:15 वा “परमेश्वरक पोषपुत्र” **8:15** मूल मे, “हे ‘अब्बा’ ”, जे इब्रानी भाषी बच्चा और नमहरो लोक अपना पिताक सम्बोधन मे प्रयोग करैत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपना सभक हृदयक भेद केँ जनैत छथि,
से जनैत छथि जे आत्माक अभिप्राय की
छनि, कारण, आत्मा परमेश्वरक इच्छाक
अनुसार हुनकर लोक सभक लेल विनती
करैत छथि। 28अपना सभ जनैत छी जे
परमेश्वर सँ प्रेम कयनिहार लोक, अर्थात्
हुनका उद्देश्यक अनुरूप बजाओल गेल
लोक सभक लेल प्रत्येक परिस्थिति मे
परमेश्वर भलाइ उत्पन्न करैत छथि।
29परमेश्वर अपना लोक केँ शुरुए सँ
चिन्हैत छलाह, आ ओकरा सभक लेल
ओ ई निश्चित कयलनि जे ओ सभ हुनकर
पुत्रक समरूप बनय, जाहि सँ यीशु मसीह
बहुतो भाय सभक जेठ भाय ठहरथि।
30जकरा सभक लेल ओ ई निश्चित
कयलनि जे ओ सभ हुनकर पुत्रक समरूप
बनय, तकरा सभ केँ ओ बजौलनि सेहो,
आ जकरा सभ केँ बजौलनि तकरा सभ केँ
धार्मिक सेहो ठहरौलनि। जकरा सभ केँ
ओ धार्मिक ठहरौलनि, तकरा सभ केँ ओ
अपन महिमा मे सहभागी सेहो बनौलनि।

31 एहि बात सभक सम्बन्ध मे आब
अपना सभ की कही? जँ परमेश्वर अपना
सभक पक्ष मे छथि तँ अपना सभक
विरोध मे के भऽ सकत? 32परमेश्वर
अपन निज पुत्र केँ जँ बँचा कऽ नहि
रखलनि, बल्कि अपना सभ गोटेक लेल
दऽ देलनि, तखन की ओ खुशी सँ अपना
पुत्रक संग सभ किछु अपना सभ केँ नहि
देताह? 33परमेश्वरक चुनल लोक सभ
पर के दोष लगाओत? परमेश्वर स्वयं
अपना सभ केँ धार्मिक ठहरा रहल छथि,
34तँ फेर अपना सभ केँ दण्डक आज्ञा के
दऽ सकत? मसीह यीशु तँ स्वयं अपना
सभक लेल मरलाह—एतबे नहि, ओ
जिआओल सेहो गेलाह आ परमेश्वरक
दहिना कात विराजमान भऽ अपना सभक
पक्ष मे विनती करैत छथि। 35अपना
सभ केँ मसीहक प्रेम सँ के अलग कऽ
सकैत अछि? की कष्ट, वा संकट,
वा अत्याचार, वा अकाल, वा गरीबी,
वा खतरा, वा तरुआरि? 36जेना कि
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

"अहाँक लेल दिन भरि हम सभ वध
कयल जाइत छी।
वध होमऽ वला भेँड़ा सभ जकाँ हम
सभ मानल गेल छी।"*

37नहि! अपना सभ सँ जे प्रेम कयने छथि
तिनका द्वारा अपना सभ एहि सभ बात
मे पूर्ण विजय पबैत छी। 38किएक तँ
हमरा पूर्ण विश्वास अछि जे, ने मृत्यु आ
ने जीवन, ने स्वर्गदूत आ ने नरकदूत, ने
वर्तमान आ ने भविष्य, ने कोनो तरहक
शक्ति, 39ने आकाश आ ने पाताल, और
ने सौंसे सृष्टि मे आरो कोनो वस्तु अपना
सभ केँ परमेश्वरक ओहि प्रेम सँ अलग
कऽ सकत जे ओ अपना सभक प्रभु,
मसीह यीशु, द्वारा प्रगट कयलनि।

इस्राएली सभ कृपापात्र होइतो, विश्वास नहि कयलक

9 हम मसीहक उपस्थिति मे सत्य
कहैत छी, हम झूठ नहि बजैत
छी; हमर विवेक सेहो परमेश्वरक पवित्र
आत्माक अधीन रहि कऽ एहि बातक
गवाही दऽ रहल अछि जे, 2हम अत्यन्त
दुखी छी आ हमर हृदय अटूट वेदना सँ
भरल रहैत अछि— 3एतऽ तक जे हम एहू

8:36 भजन 44.22

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल तैयार छी जे, जँ एहि द्वारा हमर अपन सजाति वला भाइ-बन्धु सभ मसीह पर विश्वास कऽ उद्धार पबितथि, तँ हम अपने सरापित भऽ मसीह सँ अलग भऽ जइतहुँ।
[4]ओ सभ इस्राएली छथि, हुनका सभ केँ परमेश्वर अपन पुत्र मानलथिन*, अपन महिमाक दर्शन देलथिन, हुनका सभक संग विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि। हुनका सभ केँ धर्म-नियम और परमेश्वरक सेवाक विधान देल गेलनि। हुनका सभ केँ परमेश्वर अनेको बातक विषय मे वचन
देलनि। [5]ओ सभ महान् पूर्वजक सन्तान छथि, आ मसीह सेहो शारीरिक दृष्टिकोण सँ हुनके सभक वंशज छथि—यीशु मसीह जे सर्वोच्च परमेश्वर छथि। युग-युग तक हुनकर स्तुति होनि! आमीन।

परमेश्वरक वचन असफल नहि

6 मुदा इस्राएली सभक अविश्वासक अर्थ ई नहि, जे हुनका सभ केँ देल गेल परमेश्वरक वचन असफल भऽ गेल, किएक तँ ई बात नहि अछि जे इस्राएलक वंश मे जन्म लेनिहार सभ लोक इस्राएली
अछि। [7]आ ने अब्राहमक वंशज होयबाक कारणेँ सभ हुनकर सन्तान मानल जाइत अछि। कारण, धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे परमेश्वर अब्राहम केँ कहने छलथिन जे, "इसहाके सँ उत्पन्न वंशज
तोहर वंश मानल जयतह।"* [8]एकर
अर्थ ई भेल जे, अब्राहमक वंश मे जे सभ प्राकृतिक तरीका सँ जन्म लेलक, सैह सभ परमेश्वरक सन्तान नहि मानल जाइत अछि, बल्कि जे सभ परमेश्वरक देल वचनक अनुसार जन्म लेलक, वैह सभ वास्तविक वंशज मानल जाइत अछि।
[9]किएक तँ वचनक शब्द ई छल, "हम निर्धारित समय पर फेर आयब आ तहिया सारा केँ एकटा बेटा होयत।"*

परमेश्वरक चुनबाक अधिकार

10 एतबे नहि, बल्कि रिबका केँ सेहो, जिनकर दूनू बच्चाक पिता हमरा सभक पूर्वज इसहाक छलाह, तिनको
एक वचन देल गेल छलनि। [11-12]जाहि
समय मे हुनकर ओ दूनू जौंआ जन्मो नहि लेने छल, आ ने ओ सभ कोनो नीक वा अधलाह काज कयने छल, ताहि समय मे हुनका कहल गेलनि जे, "जेठ बेटा छोटकाक सेवा करत।"* ई एहि लेल भेल जे परमेश्वरक निर्णयक उद्देश्य पूरा होनि, और से निर्णय मनुष्यक कर्म पर नहि, बल्कि बजौनिहारक स्वतन्त्र चुनाव
पर निर्भर अछि। [13]तहिना एहि दूनू भायक सम्बन्ध मे धर्मशास्त्र मे परमेश्वरक ई कथन सेहो लिखल अछि जे, "हम याकूब सँ प्रेम कयलहुँ मुदा एसाव केँ तुच्छ बुझलहुँ।"*

14 तँ एहि बात सभक सम्बन्ध मे अपना सभ की कही? की परमेश्वर
अन्यायी छथि? एकदम नहि! [15]किएक तँ परमेश्वर मूसा केँ कहलथिन, "हम जकरा पर चाहब तकरा पर कृपा करब, आ जकरा पर चाहब तकरा पर दया करब।"*
[16]तेँ परमेश्वरक निर्णय मनुष्यक इच्छा वा ओकर परिश्रम पर नहि, बल्कि हुनकर
अपन कृपा पर निर्भर अछि। [17]किएक तँ

9:4 वा, "हुनका सभ केँ परमेश्वर अपन पोषपुत्र बनौलनि" **9:7** उत्पत्ति 21.12
9:9 उत्पत्ति 18.10, 14 **9:11-12** उत्पत्ति 25.23 **9:13** मला 1.2, 3 **9:15** प्रस्थान 33.19

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धर्मशास्त्र मे फरओ केँ कहल गेल बात
लिखल अछि जे, “हम तोरा एहि लेल राजा
नियुक्त कयने छिअह जे तोरा जीवन मे
हम अपन सामर्थ्य देखाबी जाहि सँ हमर
नामक प्रचार समस्त पृथ्वी पर कयल
जाय।”* 18तेँ निष्कर्ष ई जे परमेश्वर
जकरा पर कृपा करऽ चाहथि, तकरा पर
कृपा करैत छथि, आ जकरा जिद्दी बनाबऽ
चाहथि, तकरा जिद्दी बना दैत छथिन।

19 भऽ सकैत अछि जे अहाँ सभ मे सँ
केओ हमरा कहब, “जँ एहन बात अछि
तँ परमेश्वर हमरा सभ केँ दोषी किएक
मानैत छथि? हुनकर इच्छाक विरोध के
कऽ सकैत अछि?” 20ऐ मनुष्य! अहाँ छी
के जे परमेश्वर सँ मुँह लगबैत छी? की
कोनो गढ़ल गेल वस्तु अपन गढ़ऽ वला
सँ ई कहत जे, “अहाँ हमरा एहन किएक
बनौलहुँ?”* 21की कुम्हार केँ ई अधिकार
नहि अछि जे ओ माटिक एके थुम्मा सँ
कोनो बर्तन विशेष काजक लेल बनाबय
आ कोनो बर्तन साधारण काजक लेल?

22 जँ परमेश्वर अपन क्रोध देखयबाक
और अपन सामर्थ्य प्रगट करबाक इच्छा
रखितो कोप मे पड़ऽ वला ओहि लोक
सभ केँ अधिक समय धरि सहन कयलनि
जे सभ विनाशक लेल तैयार कयल गेल
छल, तँ की, हुनकर से अधिकार नहि
छलनि? 23ओ एहि लेल एना कयलनि
जे ओ जाहि लोक सभ पर दया कयने
छथि तकरा सभ पर अपन महान् महिमा
प्रगट करऽ चाहलनि। ओकरा सभ केँ
आरम्भहि सँ ओ अपन महिमा पयबाक
लेल तैयार कयने छलाह। 24हुनकर
ओ दया पौनिहार लोक अपना सभ छी
जकरा सभ केँ ओ मात्र यहूदीए सभ मे सँ
नहि, बल्कि आन जाति सभ मे सँ सेहो
बजौने छथि। 25जेना कि ओ धर्मशास्त्र मे
होशेक किताब मे कहनहुँ छथि जे,

“जे लोक हमर प्रजा नहि छल,
तकरा सभ केँ हम अपन प्रजा
कहब,
आ जे हमर प्रिय नहि छल,
तकरा हम ‘अपन प्रिय’
कहब।”*

26 और,

“जतऽ ओकरा सभ केँ ई कहल गेल
छलैक,
‘तोँ सभ हमर प्रजा नहि छह,’
ततऽ ओ सभ ‘जीवित
परमेश्वरक सन्तान’
कहाओत।”*

27 धर्मशास्त्र मे इहो लिखल अछि जे,
इस्राएलक सम्बन्ध मे यशायाह घोषणा
करैत छथि जे,

“इस्राएलक सन्तानक संख्या
समुद्रक बालु जकाँ असंख्य
किएक ने होअय,
तैयो ओकरा सभ मे सँ किछुए लोक
बचाओल जायत।
28 किएक तँ प्रभु पृथ्वी पर अपन दण्ड-
आज्ञाक वचन
जल्दी आ पूर्ण रूप सँ पूरा
करताह।”*

29जहिना परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह
पहिने कहने छलाह, तहिना भयबो कयल
जे,

9:17 प्रस्थान 9.16 **9:20** यशा 29.16; यशा 45.9 **9:25** होशे 2.23 **9:26** होशे 1.10
9:28 यशा 10.22, 23

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

"जँ सर्वशक्तिमान प्रभु हमरा सभक
लेल किछु वंशज कैँ नहि छोड़ि
देने रहितथि,
तँ हम सभ सदोम आ गमोरा नगर
जकाँ नष्ट भऽ गेल रहितहुँ।"*

इस्राएली सभ धार्मिकता किएक नहि पौलक?

30 तँ ई सभ कहबाक अर्थ की
अछि? ओकर अर्थ ई अछि जे, गैर-
यहूदी सभ, जे सभ धार्मिकताक
खोजो नहि करैत छल, से सभ ओकरा
पौलक, अर्थात्, वैह धार्मिकता जे
विश्वास सँ प्राप्त होइत अछि, 31मुदा
इस्राएली सभ, जे सभ धर्म-नियम
पालन करबाक माध्यम सँ धार्मिकता
पयबाक लेल प्रयत्नशील रहल, से
सभ ओकरा प्राप्त नहि कऽ सकल।
32किएक नहि कऽ सकल? तकर
कारण ई जे, ओ सभ तकरा विश्वास
द्वारा नहि, बल्कि कर्म द्वारा पयबाक
कोशिश करैत छल। एहि तरहेँ "ठेस
लागऽ वला पाथर" मे ओकरा सभ
कैँ ठेस लागिए गेलैक। 33जेना कि
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

"देखू, हम सियोन मे* ओहन पाथर
रखैत छी
जाहि मे लोक कैँ ठेस लगतैक,
ओहन चट्टान रखैत छी
जाहि पर लोक खसत।
जे केओ हुनका पर भरोसा राखत
तकरा कहियो लज्जित नहि होमऽ
पड़तैक।"*

10 यौ भाइ लोकनि, हमर हार्दिक
इच्छा आ परमेश्वर सँ प्रार्थना
अछि जे इस्राएली सभ उद्धार पबथि। 2हम
हुनका सभक सम्बन्ध मे ई गवाही दऽ
सकैत छी जे, हुनका सभ कैँ परमेश्वरक
प्रति जोस छनि, मुदा ई जोस सत्यक ज्ञान
पर आधारित नहि छनि। 3कारण, ओ सभ
धार्मिक ठहरबाक ओहि माध्यम पर ध्यान
नहि देलनि जे परमेश्वर स्थापित कयलनि,
बल्कि अपन माध्यम स्थापित करबाक
प्रयत्न कयलनि। एहि तरहेँ ओ सभ
परमेश्वर द्वारा देल जाय वला धार्मिकताक
अधीन भेनाइ अस्वीकार कयलनि। 4मसीह
धार्मिकता प्राप्त करबाक ओहि माध्यम कैँ
अन्त करैत छथि जे धर्म-नियम पर निर्भर
रहैत अछि, जाहि सँ जे केओ विश्वास
करैत अछि से धार्मिक ठहराओल जाय।
5 मूसा धर्म-नियम पर आधारित
धार्मिकताक विषय मे ई लिखने छथि जे,
"जे व्यक्ति धर्म-नियमक पालन करैत
अछि से ओहि द्वारा जीवन पाओत।"*
6मुदा जे धार्मिकता विश्वास पर आधारित
अछि, ताहि सम्बन्ध मे ई लिखल अछि,
"अपना मोन मे ई नहि कहू जे, 'स्वर्ग
पर के चढ़त?'*" अर्थात्, मसीह कैँ
नीचाँ लयबाक लेल। 7"वा 'पाताल मे
के उतरत?'*" अर्थात्, मुइल सभ मे सँ
मसीह कैँ जिआ कऽ ऊपर अनबाक लेल।
8विश्वास पर आधारित धार्मिकताक
सम्बन्ध मे यैह लिखल अछि जे, "वचन
अहाँ सभक लगे मे अछि, ओ अहाँक मुँह
मे आ अहाँक हृदय मे अछि,"* अर्थात्, ई
विश्वासक वचन, जकर हम सभ प्रचार

9:29 यशा 1.9 **9:33** अर्थात्, यरूशलेम मे **9:33** यशा 8.14; यशा 28.16 **10:5** लेवी 18.5
10:6 व्यव 30.13 **10:7** व्यव 30.13 **10:8** व्यव 30.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करैत छी जे, [9]जँ अहाँ अपना मुँह सँ खुलि
कऽ स्वीकार करी जे, “यीशु प्रभु छथि,”
आ हृदय सँ विश्वास करी जे, “परमेश्वर
हुनका मुइल सभ मे सँ जिऔलथिन” तँ
अहाँ उद्धार पायब। [10]किएक तँ हृदय
सँ विश्वास कऽ मनुष्य धार्मिक ठहरैत
अछि; मुँह सँ स्वीकार कऽ उद्धार पबैत
अछि। [11]धर्मशास्त्र सेहो कहैत अछि जे,
“जे केओ हुनका पर भरोसा राखत, तकरा
कहियो लज्जित नहि होमऽ पड़तैक।”*
[12]यहूदी आ आन जाति मे कोनो भेद नहि
अछि—एके प्रभु सभक प्रभु छथि, आ
जे सभ हुनका सँ प्रार्थना करैत अछि,
ताहि सभ लोक पर ओ खुशीपूर्बक अपन
आशिष बरसबैत छथि। [13]कारण, लिखल
अछि, “जे केओ प्रभु सँ विनती करत तकर
उद्धार होयतैक।”*

14 मुदा लोक तिनका सँ विनती
कोना करत जिनका पर विश्वास नहि
कयने अछि? आ तिनका पर विश्वास
कोना करत जिनका विषय मे सुनने नहि
अछि? आ सुनत कोना जाबत धरि केओ
हुनका सम्बन्ध मे प्रचार नहि करत?
[15]और लोक प्रचार कोना करत जाबत
धरि पठाओल नहि जायत? धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे, “खुस खबरी
सुनौनिहारक पयरक आगमन कतेक
सुखद अछि।”* [16]मुदा सभ इस्राएली
एहि शुभ समाचार केँ मानलनि नहि।
जेना कि यशायाह कहैत छथि जे, “यौ
प्रभु, हमरा सभक द्वारा सुनाओल गेल
उपदेशक बात पर के विश्वास कयने
अछि?”* [17]एहि तरहेँ अपना सभ देखैत
छी जे, सुनलाक बादे केओ विश्वास
कऽ सकैत अछि, आ जे सुनबाक अछि,
से अछि मसीहक वचन।

18 मुदा आब हम पुछैत छी जे, “की
ओ सभ नहि सुनने छथि?” हँ, ओ सभ
अवश्य सुनने छथि, जेना कि धर्मशास्त्र
कहैत अछि जे,

“सम्बाद सुनाबऽ वला सभक स्वर
समस्त पृथ्वी पर पसरि गेल
अछि
आ हुनकर सभक वचन संसारक
कोना-कोना मे पहुँचि गेल
अछि।”*

[19]हम फेर पुछैत छी, “की इस्राएली सभ
ओ शुभ समाचार नहि बुझि पौलनि?”
हँ, अवश्य बुझलनि, कारण, पहिने मूसा
कहलनि जे, प्रभु कहैत छथि—

“जे सभ कोनो जातिए नहि अछि,
तकरा सभक द्वारा हम तोरा सभ
मे डाह उत्पन्न करबह,
आ जाहि जातिक लोक सभ किछु
बुझैत नहि अछि, तकरा सभक
द्वारा हम तोरा सभ मे क्रोध
उत्पन्न करबह।”*

[20]तखन यशायाह एकदम खुलि कऽ
कहलनि जे, प्रभु कहैत छथि—

“जे सभ हमरा तकैत नहि छल, से
सभ हमरा पाबि लेलक,
आ जे सभ हमरा सम्बन्ध मे पुछितो
नहि छल, तकरा सभ पर हम
अपना केँ प्रगट कऽ देलिऐक।”*

[21]मुदा इस्राएली सभक सम्बन्ध मे ओ ई
कहैत छथि,

10:11 यशा 28.16 **10:13** योएल 2.32 **10:15** यशा 52.7 **10:16** यशा 53.1
10:18 भजन 19.4 **10:19** व्यव 32.21 **10:20** यशा 65.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“आज्ञा नहि मानऽ वला आ जिद्दी
अपन प्रजा सभक दिस
हम भरि दिन अपन बाँहि पसारने
रहलहुँ।”*

परमेश्वर अपन प्रजा यहूदी सभक परित्याग नहि कयलनि

11 आब ई प्रश्न उठैत अछि
जे, की परमेश्वर अपन प्रजा
इस्राएली सभक परित्याग कऽ देने
छथि? किन्नहुँ नहि! हम अपने इस्राएली
छी, अब्राहमक वंशज आ बिन्यामीनक
कुलक छी। 2परमेश्वर अपन ओहि प्रजा
केँ जकरा ओ शुरुए सँ चिन्हैत छलाह,
परित्याग नहि कयने छथि। की अहाँ
सभ नहि जनैत छी जे धर्मशास्त्रक ओहि
भाग मे की लिखल अछि, जतऽ कहल
गेल अछि जे एलियाह कोना परमेश्वर
सँ इस्राएली सभक विरोध मे सिकायत
कयलनि? ओ कहलनि, 3“यौ प्रभु, ओ
सभ अहाँक प्रवक्ता सभक हत्या कऽ
देने अछि आ अहाँक बलि-वेदी सभ केँ
नष्ट कऽ देने अछि। हम असगरे अहाँ केँ
मानऽ वला बाँचि गेल छी आ ओ सभ
हमरो प्राण लेबऽ चाहैत अछि।”* 4तँ
परमेश्वर हुनका की उत्तर देलथिन? ई
जे, “हम अपना लेल सात हजार लोक
केँ बँचा कऽ रखने छी, जे सभ बाअल
देवताक मुरुतक समक्ष दण्डवत नहि
कयने अछि।”* 5ठीक एही प्रकारेँ
वर्तमान समय मे सेहो परमेश्वर अपना
प्रजा मे सँ अपना लेल एक छोट भाग
बचा कऽ रखने छथि जकरा ओ
अपना कृपा सँ चुनलनि। 6और ई जँ
परमेश्वरक कृपाक परिणाम अछि, तँ
मनुष्यक कर्मक फल आब नहि भेल,
नहि तँ परमेश्वरक कृपा कृपे नहि रहैत।
7तँ एकर मतलब की भेल? ई जे,
इस्राएली सभ जाहि बातक खोज मे छलाह,
से हुनका सभ गोटे केँ नहि भेटलनि, मुदा
तिनका सभ केँ भेटलनि जे सभ चुनल
गेल छलाह। बाँकी लोक सभ जिद्दी बनि
गेलैक, 8जेना धर्मशास्त्र मे लिखलो अछि,

“परमेश्वर ओकरा सभक मोन सुस्त
बना देलथिन,
एहन आँखि देलथिन जे देखि नहि
सकैत छल
आ एहन कान देलथिन जे सुनि नहि
सकैत छल,
और आइ धरि ओकरा सभक दशा
एहने बनल छैक।”*

9तहिना दाऊद कहैत छथि जे,

“ओकर सभक भोजन ओकरा सभक
लेल जाल आ फाँस बनि जाइक,
ओकरा सभक पतन आ दण्डक
कारण बनैक।
10 ओकरा सभक आँखिक आगाँ
अन्हार पसरि जाइक जाहि सँ
ओ सभ देखि नहि सकय
आ ओकरा सभक पीठ सभ दिनक
लेल बोझ सँ झुकल रहैक।”*

कलम लगाओल गेल ठाढ़ि

11 ई प्रश्न आब उठि सकैत अछि जे,
की इस्राएली सभ एहन ठोकर खयलनि
जे आब हुनका सभक लेल कोनो उपाये

10:21 यशा 65.2 **11:3** 1 राजा 19.10, 14 **11:4** 1 राजा 19.18 **11:8** व्यव 29.4; यशा 29.10
11:10 भजन 69.22, 23

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नहि अछि? किन्नहुँ नहि! बल्कि हुनका
सभक अपराधक कारणेँ गैर-यहूदी लोक
सभ केँ उद्धार भेटल अछि, जाहि सँ से
देखि कऽ इस्राएलिओ सभ मे उद्धार
पयबाक उत्सुकता जागि उठनि। 12आब
जखन इस्राएली सभक अपराध आ
पतन सँ संसार केँ, अर्थात् आन जाति
सभ केँ, एतेक लाभ भेलैक, तँ सोचू जे
तखन कतेक लाभ होयत जखन ओ सभ
इस्राएली, जतेक केँ परमेश्वर चुनने छथि,
से अपन पूर्ण संख्या मे विश्वास कऽ कऽ
मसीह लग आबि जयताह!

13 आब अहाँ सभ केँ, जे सभ गैर-
यहूदी लोक छी, हम ई कहैत छी। हम तँ
गैर-यहूदी लोक मे प्रचार करबाक लेल
मसीह-दूतक रूप मे चुनल गेल छी, आ
हम अपन एहि काज केँ विशेष महत्व
दैत छी, 14जाहि सँ अहाँ सभ केँ जे किछु
भेटल अछि, से प्राप्त करबाक उत्सुकता
हम अपन सजातिक लोक सभ मे उत्पन्न
कऽ कोनो तरहेँ हुनका सभ मे सँ किछु
लोक केँ बचा सकी। 15किएक तँ जँ
हुनका सभ केँ परित्यागक फलस्वरूप
परमेश्वरक संग संसारक मेल-मिलाप
भेल अछि तँ हुनका सभ केँ स्वीकारक
परिणाम हुनका सभक लेल मरल स्थिति
मे सँ जिआओल जयबाक बात छोड़ि
आओर की होयत? 16जँ सानल आँटाक
ओ भाग पवित्र अछि जे “प्रथम फलक”
रूप मे अर्पण कयल गेल, तँ सम्पूर्ण सानल
आँटा पवित्र अछि। जँ गाछक जड़ि पवित्र
अछि तँ गाछक ठाढ़ि सेहो पवित्र अछि।

17 मुदा जँ गाछक किछु ठाढ़ि काटि कऽ
अलग कयल गेल अछि आ अहाँ सभ, जे
सभ जंगली जैतूनक ठाढ़ि छी, से सभ ओहि
नीक जैतून मे कलम लगाओल गेलहुँ आ
ओकर जड़ि आ रस-भण्डार मे सहभागी
भेलहुँ, 18तँ ओहि काटल ठाढ़ि सभक
सम्मुख अहंकार नहि करू। जँ अहाँ सभ
अहंकार करी तँ मोन राखू जे जड़ि अहाँ सभ
पर नहि, बल्कि अहाँ सभ जड़ि पर आश्रित
छी। 19आब अहाँ सभ कहब जे, “ठाढ़ि
सभ केँ एहि लेल काटल गेल जे हमरा सभ
केँ कलम लगाओल जाय।” 20मानलहुँ।
मुदा हुनका सभ केँ अविश्वासेक कारणेँ
काटि कऽ अलग कयल गेलनि, आ अहाँ
सभ विश्वासक कारण अपन स्थान पर
स्थिर छी। तेँ अहंकार नहि करू, बल्कि
भय मानू। 21किएक तँ जखन परमेश्वर मूल
ठाढ़ि केँ नहि छोड़लनि तँ ओ अहूँ सभ केँ
नहि छोड़ताह। 22तेँ परमेश्वरक दया आ
कठोरता, दूनू पर ध्यान राखू—कठोरता
तकरा सभ पर अछि जकरा सभक पतन
भऽ गेल छैक, मुदा अहाँ सभक लेल हुनकर
दया अछि, लेकिन से तखने जखन अहाँ
सभ हुनकर दयाक शरण मे रहब; नहि तँ
अहूँ सभ काटि कऽ अलग कऽ देल जायब।
23एही तरहेँ जँ ओहो सभ अपन अविश्वास
मे जिद्दी बनल नहि रहताह तँ हुनको सभ
केँ कलम लगाओल जयतनि। किएक तँ
परमेश्वर सामर्थ्यवान छथि जे हुनका सभ
केँ फेर कलम लगा लेथि। 24कारण, जखन
अहाँ सभ जंगली जैतूनक गाछ सँ काटल
जा कऽ प्रकृतिक विपरीत एक नीक गाछ
मे कलम लगाओल गेलहुँ, तँ जे नीक
जैतूनक असली ठाढ़ि अछि से किएक नहि
अपन गाछ मे आसानी सँ कलम लगाओल
जायत?

25 यौ भाइ लोकनि, कतौ एहन नहि
होअय जे अहाँ सभ अपना केँ बहुत
बुद्धिमान बुझी। तेँ हम अहाँ सभ केँ ई
सत्य, जे पहिने गुप्त छल, से बुझाबऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

चाहैत छी जे, इस्राएलक अधिकांश लोक
जे जिद्दी बनल अछि, से बात सभ दिन
तक नहि रहत, बल्कि तहिये तक जहिया
तक परमेश्वरक चुनल गैर-यहूदी लोकक
पूर्ण संख्याक प्रवेश नहि भऽ जाइत अछि।
26 और एहि तरहेँ सम्पूर्ण इस्राएलक उद्धार
होयत, जेना कि धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

"सियोन सँ* मुक्तिदाता औताह।
ओ याकूबक वंश सँ अधर्म हटौताह।
27 प्रभु-परमेश्वर कहैत छथि जे,
हम जखन ओकरा सभक पाप हरि
लेब,
तँ हम ओकरा सभ केँ देल अपन एहि
वचन केँ पूरा करब।"*

28 शुभ समाचार केँ अस्वीकार करबाक
कारणेँ यहूदी सभ परमेश्वरक शत्रु ठहरि
गेल छथि, जे अहाँ सभक लेल हितक बात
भेल, मुदा परमेश्वर हुनका सभक पूर्वज
लोकनि केँ चुनने छलाह, आ तेँ पूर्वज सभ
केँ देल वचनक कारणेँ ओ सभ परमेश्वरक
प्रिय प्रजा छथि। 29 कारण, परमेश्वर
जखन ककरो बजयबाक वा किछु देबाक
निर्णय करैत छथि तँ ओ अपन निर्णय
बदलैत नहि छथि। 30 जहिना पहिने अहाँ
सभ परमेश्वरक अनाज्ञाकारी छलहुँ मुदा
आब यहूदी सभ केँ अनाज्ञाकारी होयबाक
कारणेँ अहाँ सभ पर दया कयल गेल अछि,
31 तहिना यहूदी सभ एखन अनाज्ञाकारी
छथि जाहि सँ ओहि दयाक कारणेँ जे अहाँ
सभ पर कयल गेल, हुनको सभ पर आब
दया कयल जानि। 32 किएक तँ परमेश्वर
सभ केँ अनाज्ञाकारिताक बन्हन मे बान्हि
लेने छथि जाहि सँ सभ पर ओ कृपा करथि।

33 अहा! परमेश्वरक वैभव, बुद्धि आ
ज्ञान केहन अपरम्पार छनि!
हुनकर निर्णयक गहिंराइ आ हुनकर
काज करबाक तरीका
के बुझि सकैत अछि?
34 जेना कि धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,
"प्रभुक मोन के जनलक अछि?
हुनकर सल्लाहकार के भऽ सकल
अछि?"*
35 "परमेश्वर केँ के कहियो किछु देने
अछि
जे ओ बदला मे किछु पयबाक दावा
कऽ सकय?"*
36 सभ किछु तँ हुनका सँ, हुनका द्वारा
आ हुनका लेल अछि।
हुनकर स्तुति युगानुयुग होइत रहनि!
आमीन।

अपना केँ परमेश्वर केँ अर्पित करू

12 तेँ यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ
सभ सँ आग्रह करैत छी जे,
परमेश्वरक अपार दयाक कारणेँ जे
ओ अपना सभ पर कयने छथि, अहाँ
सभ अपना शरीर केँ जीवित, पवित्र आ
परमेश्वर द्वारा ग्रहणयोग्य बलिदानक
रूप मे हुनका अर्पित करू। यैह भेल
अहाँ सभक लेल परमेश्वरक असली
आत्मिक आराधना कयनाइ। 2 अहाँ सभ
एहि संसारक अनुरूप आचरण नहि करू,
बल्कि परमेश्वर केँ अहाँक सोच-विचार
केँ नव बनाबऽ दिऔन आ तहिना अहाँ केँ
पूर्ण रूप सँ बदलि देबऽ दिऔन। एहि तरहेँ
परमेश्वर अहाँ सभ सँ की चाहैत छथि,

11:26 अर्थात्, यरूशलेम सँ **11:27** यशा 59.20, 21; यशा 27.9; यर्मि 31.33, 34
11:34 यशा 40.13 **11:35** अय्यूब 41.11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अर्थात् हुनका नजरि मे की नीक अछि, की
ग्रहणयोग्य अछि आ की सर्वोत्तम अछि,
तकरा अहाँ सभ अनुभव सँ जानि जायब।

3 हम ओहि वरदानक अधिकार सँ जे प्रभु
अपना कृपा सँ हमरा देलनि, अहाँ सभ मे
सँ प्रत्येक केँ ई कहैत छी जे, केओ अपना
केँ जतेक बुझक चाही, ताहि सँ बेसी
महत्वपूर्ण नहि बुझू, बल्कि परमेश्वर सँ
देल गेल विश्वासक नाप सँ प्रत्येक व्यक्ति
अपन सन्तुलित मूल्यांकन करू। 4किएक
तँ जहिना अपना सभ गोटे केँ एकटा शरीर
अछि जाहि मे अनेक अंग होइत अछि आ
सभ अंगक काज एक समान नहि होइत
अछि, 5तहिना अपनो सभ अनेक होइतो
मसीह मे एके शरीर छी आ सभ अंग एक-
दोसराक अछि। 6अपना सभ पर कयल
गेल कृपाक अनुसार अपना सभ केँ भेटल
वरदान सेहो भिन्न-भिन्न अछि। जँ किनको
परमेश्वर सँ सम्बाद पाबि सुनयबाक
वरदान भेटल होनि तँ ओ अपना विश्वासक
अनुरूप तकर ठीक-ठीक उपयोग करथु,
7जँ सेवा करबाक तँ सेवाक काज मे
लागल रहथु। जँ किनको शिक्षा देबाक
वरदान भेटल होनि तँ शिक्षा देबाक काज
मे लागल रहथु, 8आ जँ दोसर केँ विश्वास
मे उत्साहित करबाक वरदान भेटल होनि,
तँ उत्साह दैत रहथु। दान देबऽ वला हृदय
खोलि कऽ देथु। अगुआ सभ कर्मठ भऽ
कऽ अगुआइ करथु, आ दया करऽ वला
सभ खुशी मोन सँ उपकार करथु।

प्रेमक नियम

9 अहाँ सभक प्रेम निष्कपट होअय।
जे किछु अधलाह अछि, ताहि सँ घृणा
करू; जे किछु नीक अछि, ताहि सँ प्रेम
करू। 10एक-दोसर सँ भाय-बहिन वला
प्रेम राखि एक-दोसराक लेल समर्पित
रहू। आपस मे एक-दोसर केँ आदरक
संग अपना सँ श्रेष्ठ मानू। 11आलस नहि
करू, बल्कि आत्मिक उत्साह सँ परिपूर्ण
भऽ प्रभुक सेवा करैत रहू। 12आशा राखि
आनन्दित रहू, विपत्ति मे धैर्य राखू, प्रार्थना
मे लागल रहू। 13परमेश्वरक लोक सभ
केँ जाहि बातक आवश्यकता होनि ताहि
मे हुनकर सहायता करिऔन। अतिथि-
सत्कार करऽ मे तत्पर रहू।

14 अहाँ सभ पर जे अत्याचार करय
तकरा आशीर्वाद दिअ; हँ, आशीर्वाद
दिअ, सराप नहि। 15जे केओ आनन्दित
अछि, तकरा संग आनन्द मनाउ, आ जे
केओ शोकित अछि तकरा संग शोक।
16आपस मे मेल-मिलापक भावना राखू।
घमण्डी नहि बनू, बल्कि दीन-हीन सभक
संगति करू। अपना केँ बड़का बुद्धिआर
नहि बुझऽ लागू। 17केओ जँ अहाँक संग
अधलाह व्यवहार कयलक, तँ बदला
मे अहाँ ओकरा संग अधलाह व्यवहार
नहि करू। सभक नजरि मे जे बात उचित
अछि, सैह करबाक चेष्टा करू। 18जहाँ
तक भऽ सकय, और जहाँ तक अहाँक
वश मे होअय, सभ लोकक संग मेल सँ
रहू। 19प्रिय भाइ लोकनि, अहाँ सभ स्वयं
ककरो सँ बदला नहि लिअ, बल्कि तकरा
परमेश्वरक क्रोध पर छोड़ि दिअ, कारण,
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “प्रभु
कहैत छथि जे, बदला लेबाक काज हमर
अछि, हमहीं बदला लेब।”* 20बरु, जेना
लिखल अछि,

12:19 व्यव 32.35

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“जँ अहाँक शत्रु भूखल अछि तँ
ओकरा भोजन करबिऔक,
जँ पियासल अछि तँ ओकरा पानि
पिअबिऔक।
कारण, एहि प्रकारेँ अहाँक प्रेमपूर्ण
व्यवहार सँ ओ लाजे गलि
जायत।”*

21 अहाँ सभ दुष्टता सँ हारि नहि मानू,
बल्कि भलाइ द्वारा दुष्टता पर विजयी होउ।

अधिकारी सभक अधीन रहू

13 प्रत्येक व्यक्ति शासन कयनिहार
अधिकारी सभक अधीन
रहओ। किएक तँ कोनो अधिकार एहन
नहि अछि जे परमेश्वर द्वारा स्थापित नहि
कयल गेल होअय—जे सभ शासन कऽ
रहल छथि, तिनकर सभक अधिकार
परमेश्वर सँ भेटल छनि। 2 एहि लेल, जे
केओ शासनक विरोध करैत अछि से तकर
विरोध करैत अछि जे परमेश्वर स्थापित
कयने छथि, आ अपना पर दण्डक आज्ञा
केँ बजबैत अछि। 3 कारण, अधिकारी
सभ उचित काज कयनिहार सभक लेल
नहि, बल्कि गलत काज कयनिहार सभक
लेल भय उत्पन्न करैत छथि। की अहाँ
अधिकारी सँ निर्भय रहऽ चाहैत छी? तखन
उचित काज करैत रहू आ ओ अहाँक
प्रशंसा करताह। 4 किएक तँ ओ अहाँक
कल्याण करबाक लेल परमेश्वरक सेवक
छथि। मुदा जँ अहाँ गलत काज करैत
छी तँ हुनका सँ अवश्य भयभीत होउ,
कारण, दण्ड देबाक अधिकार हुनका
व्यर्थे नहि छनि। ओ परमेश्वरक सेवक
छथि आ गलत काज कयनिहार लोक केँ
परमेश्वरक इच्छाक अनुसार दण्ड दैत
छथि। 5 तेँ अधिकारी सभक अधीन रहनाइ
आवश्यक अछि—मात्र दण्ड सँ बचबाक
लेल नहि, बल्कि अपना विवेकक समक्ष
निर्दोष रहबाक लेल सेहो।

6 एही कारण सँ अहाँ सभ राजकर
सेहो चुकबैत छी, किएक तँ अधिकारी
सभ परमेश्वरक सेवक छथि आ अपन
कर्तव्य पूरा करऽ मे लागल रहैत छथि।
7 अहाँ सभ सेहो सभक प्रति अपन कर्तव्य
पूरा करू—जिनका राजकर देबाक
अछि, तिनका राजकर दिऔन; जिनका
सीमा-कर देबाक अछि, तिनका सीमा-
कर दिऔन; जिनकर भय मानबाक अछि
तिनकर भय मानू आ जिनकर आदर
करबाक अछि तिनकर आदर करू।

धर्म-नियमक सारांश—प्रेम करू

8 एक-दोसराक लेल प्रेमक ऋण केँ
छोड़ि अन्य कोनो बात मे ककरो ऋणी
बनल नहि रहू, किएक तँ जे अपन पड़ोसी
सँ प्रेम करैत अछि से पूरा धर्म-नियमक
पालन कयने अछि। 9 कारण, “परस्त्रीगमन
नहि करह, हत्या नहि करह, चोरी नहि
करह, लोभ नहि करह,”* आ एकर
बादो आओर जे कोनो आज्ञा सभ अछि,
तकर सभक सारांश एहि कथन मे पाओल
जाइत अछि जे, “अपना पड़ोसी सँ अपने
जकाँ प्रेम करह।”* 10 प्रेम पड़ोसीक संग
अन्याय नहि करैत अछि, तेँ प्रेम कयनाइ
भेल धर्म-नियमक सम्पूर्ण बातक पालन
कयनाइ।

12:20 नीति 25.21, 22 **13:9** प्रस्थान 20.13-15, 17; व्यव 5.17-19, 21 **13:9** लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रभु यीशुक फेर अयबाक दिन लगचिआ गेल अछि

11 अपना सभ कतेक महत्वपूर्ण समय मे
रहि रहल छी, से बुझि, एहि बात सभ पर
ध्यान दिअ। निन्न सँ जागि कऽ उठबाक
समय आबि गेल अछि, कारण, अपना
सभ जाहि समय मे विश्वास मे अयलहुँ,
तकर अपेक्षा आब अपना सभक उद्धार
पूर्ण होयबाक समय बेसी लग अछि।
12राति समाप्त होमऽ-होमऽ पर अछि
आ दिन होमऽ वला अछि। तेँ अपना सभ
अन्हारक दुष्कर्म केँ त्यागि कऽ प्रकाशक
अस्त्र केँ धारण करी। 13अपना सभ उचित
आचरण करी, जे दिनक समय मे शोभनीय
होइत अछि। अपना सभ भोग-विलास आ
नशेबाजी सँ, गलत शारीरिक सम्बन्ध आ
निर्लज्जता सँ, झगड़ा आ ईर्ष्याक बात सभ
सँ दूरे रही। 14प्रभु यीशु मसीह केँ धारण
करू, आ अपन पापी स्वभावक इच्छा सभ
केँ तृप्त करबाक विचार छोड़ि दिअ।

अलग विचारधाराक कारणेँ अपना भाय पर दोष नहि लगाउ

14 जे व्यक्ति विश्वास मे कमजोर
अछि, तकरा स्वीकार करू
और व्यक्तिगत विचारधाराक कारण
ओकरा सँ वाद-विवाद नहि करू। 2केओ
विश्वास करैत अछि जे सभ प्रकारक
भोजन कयनाइ उचित अछि। दोसर, जकर
विश्वास कमजोर अछि, से मात्र साग-
पात खाइत अछि। 3जे व्यक्ति सभ चीज
खाइत अछि, से शाकाहारी केँ हेय दृष्टि
सँ नहि देखय, आ ने शाकाहारी तकरा पर
दोष लगाबय, जे सभ चीज खाइत अछि,
कारण, परमेश्वर ओकरा स्वीकार कयने
छथि। 4अहाँ के छी जे दोसराक नोकर पर
दोष लगबैत छी? ओ ठीक करैत अछि वा
नहि, से ओकर अपन मालिक कहताह,
आ ओ अवश्य ठीक ठहरत, कारण प्रभु
ओकरा ठीक करबाक सामर्थ्य देथिन।
5 केओ एक दिन केँ दोसर दिन सँ नीक
मानैत अछि आ दोसर व्यक्ति सभ दिन
केँ बराबरि बुझैत अछि। एहन विषय
सभक सम्बन्ध मे प्रत्येक व्यक्ति अपना
मोन मे निश्चय करओ। 6जे व्यक्ति कोनो
दिन केँ विशेष मानैत अछि से ओकरा
प्रभुक आदरक लेल विशेष मानैत अछि।
जे माँसु खाइत अछि से प्रभुक आदरक
लेल खाइत अछि, कारण, ओ तकरा लेल
प्रभु केँ धन्यवाद दैत अछि। आ जे परहेज
करैत अछि से प्रभुक आदरक लेल परहेज
करैत अछि और ओहो प्रभु केँ धन्यवाद
दैत अछि। 7अपना सभ मे सँ केओ ने तँ
अपना लेल जीबैत छी आ ने अपना लेल
मरैत छी। 8जँ जीवित रहैत छी तँ प्रभुक
लेल आ जँ मरैत छी तँ प्रभुक लेल। तेँ
अपना सभ जीबी वा मरी, प्रभुएक छी।
9एही लेल मसीह मरलाह आ जीवित
भऽ उठलाह जाहि सँ ओ मरल सभ आ
जीवित सभ, दूनूक प्रभु होथि। 10तखन
अहाँ अपना भाय पर किएक दोष लगबैत
छी? और एम्हर, अहाँ जे छी, अहाँ अपना
भाय केँ हेय दृष्टि सँ किएक देखैत छी?
कारण, अपना सभ गोटे केँ तँ परमेश्वरक
न्याय-सिंहासनक सम्मुख ठाढ़ होयबाक
अछि, 11किएक तँ धर्मशास्त्र मे लिखल
अछि जे,

"प्रभु कहैत छथि जे, हमर जीवनक
सपत
प्रत्येक व्यक्ति हमरा समक्ष ठेहुनिया
देत,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ प्रत्येक व्यक्ति अपना मुँह
सँ स्वीकार करत जे हमहीं
परमेश्वर छी।"*
12एहि सँ ई स्पष्ट अछि जे अपना सभ मे
सँ प्रत्येक गोटे कैँ अपन जीवनक लेखा
परमेश्वर कैँ देबऽ पड़त।

अपना भायक लेल ठोकर खयबाक कारण नहि बनू

13 तैँ आब सँ अपना सभ एक-दोसर पर
दोष लगौनाइ छोड़ि दी। निश्चय कऽ लिअ जे
अपन भायक बाट पर रोड़ा नहि अटकायब
वा जाल नहि ओछायब। 14हम प्रभु यीशुक
लोक होयबाक कारणेँ जनैत छी, हमरा एहि
बातक पूर्ण निश्चय अछि, जे कोनो भोजन
अपने मे अशुद्ध नहि अछि। मुदा जँ कोनो
व्यक्ति ओकरा अशुद्ध मानैत अछि तँ ओ
वस्तु ओकरा लेल अशुद्ध अछि। 15अहाँ
जे वस्तु खाइत छी ताहि कारणेँ जँ अहाँक
भाय कैँ चोट लगैत छैक तँ अहाँ अपना
भायक संग प्रेमपूर्ण आचरण नहि कऽ रहल
छी। ओहि भायक लेल मसीह अपन प्राण
देलनि, तँ अहाँ अपन भोजन द्वारा ओकर
विनाशक कारण नहि बनू। 16जे बात अहाँ
नीक मानैत छी तकरा निन्दाक विषय
नहि बनऽ दिअ। 17कारण, परमेश्वरक
राज्य खयनाइ-पिनाइक बात नहि अछि,
बल्कि परमेश्वरक पवित्र आत्मा सँ प्राप्त
धार्मिकता, शान्ति आ आनन्दक बात अछि।
18जे केओ एहि तरहेँ मसीहक सेवा करैत
अछि, तकरा सँ परमेश्वर प्रसन्न रहैत छथिन
आ ओकरा लोको सभ नीक मानैत छैक।
19 तैँ अपना सभ एही प्रयत्न मे रही जे
ओहने बात सभ करी जाहि बात सभ सँ
मेल-मिलापक वृद्धि होइत अछि आ जाहि
द्वारा अपना सभ एक-दोसराक आत्मिक
उन्नति कऽ सकब। 20परमेश्वर जे काज
कऽ रहल छथि तकरा भोजनक कारणेँ
नहि बिगाड़ू। ई सत्य अछि जे सभ
भोजन अपने मे शुद्ध अछि मुदा जँ कोनो
वस्तु खयबाक कारणेँ दोसर व्यक्ति ओ
खयबाक लेल प्रेरित भऽ जाइत अछि जे
ओ गलत मानैत अछि, तँ खयनिहारक
लेल ओ वस्तु खयनाइ गलत भऽ जाइत
अछि। 21जँ अहाँक माँसु-मदिराक सेवन
सँ वा अहाँक आन कोनो काज कयनाइ
अहाँक भायक लेल पाप करबाक
कारण बनत, तँ उचित ई होयत जे अहाँ
तकर परहेज करब। 22एहि बात सभक
सम्बन्ध मे अहाँक जे धारणा होअय,
तकरा परमेश्वरक सम्मुख अपना धरि
सीमित राखू। धन्य अछि ओ मनुष्य जे
जाहि बात कैँ ओ ठीक बुझैत अछि,
ताहि कारणेँ अपना कैँ दोषी नहि पबैत
अछि। 23मुदा जे व्यक्ति सन्देह कऽ
कऽ खाइत अछि, से दोषी ठहरैत अछि,
कारण, ओ विश्वास सँ नहि खाइत
अछि; आ जे किछु एहि विश्वास सँ नहि
कयल जाइत अछि जे ई ठीक अछि, से
पाप अछि।

अपन नहि, अनका खुशीक ध्यान राखी

15 अपना सभ, जे सभ विश्वास मे
मजगूत छी, अपना सभ कैँ चाही
जे, विश्वास मे कमजोर भाय सभक कमजोरी
सभ मे धैर्य राखि कऽ मदति करी, नहि कि
मात्र अपन खुशीक ध्यान राखी। 2अपना
सभ मे सँ प्रत्येक गोटे कैँ अपना भायक

14:11 यशा 45.23

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कल्याणक लेल आ हुनका विश्वास मे
मजगूत बनयबाक लेल हुनकर खुशीक ध्यान
रखबाक चाही। 3किएक तँ मसीह सेहो अपन
खुशीक ध्यान नहि रखलनि। जेना धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे, “हे परमेश्वर, अहाँक
निन्दा करऽ वला सभक निन्दा हमरा पर
पड़ल।”* 4धर्मशास्त्र मे जतेक बात पहिने
सँ लिखल गेल अछि से सभ अपना सभक
शिक्षाक लेल लिखल गेल अछि, जाहि सँ
अपना सभ ओहि धर्मशास्त्रक द्वारा धैर्य
आ प्रोत्साहन पाबि अपन आशा केँ मजगूत
राखि सकी। 5धैर्य आ प्रोत्साहन देबऽ वला
परमेश्वर अहाँ सभ केँ एहन वरदान देथि जे
अहाँ सभ मसीह यीशुक शिक्षाक अनुसार
आपस मे मेल-मिलापक भावना रखने रही,
6जाहि सँ अहाँ सभ एक मोनक भऽ एक
स्वर सँ अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
परमेश्वर आ पिताक स्तुति करैत रहियनि।

7 जहिना मसीह अहाँ सभ केँ स्वीकार
कयलनि, तहिना अहूँ सभ एक-दोसर केँ
स्वीकार करू, जाहि सँ परमेश्वरक स्तुति
होनि। 8हम चाहैत छी जे अहाँ सभ मोन
राखी जे मसीह यहूदी सभक सेवक एहि
लेल बनलाह जाहि सँ ओ परमेश्वरक
विश्वासयोग्यता केँ प्रमाणित करैत,
यहूदी सभक पूर्वज सभ केँ जे वचन
परमेश्वर देने छलाह, ताहि वचन सभ केँ
पूरा करथि, 9और जाहि सँ आन जातिक
लोक सेहो परमेश्वरक कृपा पाबि कऽ
हुनकर स्तुति करनि। जेना कि धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे,

“एहि लेल गैर-यहूदी सभक बीच हम
अहाँक प्रशंसा करब,
आ अहाँक नामक स्तुति गायब।”*

10धर्मशास्त्र आगाँ कहैत अछि,

“यौ अन्यजातिक लोक सभ,
परमेश्वरक प्रजाक संग आनन्द
मनाउ।”*

11धर्मशास्त्र इहो कहैत अछि जे,

“यौ सभ गैर-यहूदी लोक,
प्रभुक स्तुति करू,
सभ जातिक लोक सभ,
प्रभुक प्रशंसा करिऔन!”*

12परमेश्वरक प्रवक्ता यशायाह कहैत
छथि जे,

“यिशयक वंश मे एक गोटे प्रगट
होयताह;
सभ जातिक लोक पर ओ शासन
करताह,
गैर-यहूदी लोक सभ हुनका पर
आशा राखत।”*

13 परमेश्वर, जे आशाक स्रोत छथि,
अहाँ सभ केँ परमेश्वर परक भरोसाक
कारणेँ अत्यन्त आनन्द आ शान्ति सँ भरि
देथि, जाहि सँ पवित्र आत्माक सामर्थ्य सँ
अहाँ सभक मोन आशा सँ भरल रहय।

गैर-यहूदी लोकक बीच पौलुस मसीहक सेवक

14 यौ हमर भाइ लोकनि, हमरा दृढ़
विश्वास अछि जे अहाँ सभ सदभाव आ
हर प्रकारक ज्ञान सँ परिपूर्ण भऽ एक-दोसर
केँ परामर्श देबऽ मे समर्थ छी। 15तैयो किछु
बात सभक स्मरण करयबाक लेल हम अहाँ
सभ केँ ओहि बात सभक विषय मे साफ-
साफ लिखलहुँ। कारण, परमेश्वरक कृपा

15:3 भजन 69.9 **15:9** 2 शमू 22.50; भजन 18.49 **15:10** व्यव 32.43 **15:11** भजन 117.1 **15:12** यशा 11.10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ हमरा एहि बातक वरदान भेटल अछि
जे, 16हम गैर-यहूदी सभक बीच मसीह
यीशुक सेवक बनी आ परमेश्वरक शुभ
समाचार सुनयबाक सेवा करी, जाहि सँ
गैर-यहूदी सभ परमेश्वरक पवित्र आत्मा
द्वारा पवित्र कयल जाय आ परमेश्वर केँ
ग्रहणयोग्य चढ़ौना बनय।

17 एहि लेल हम परमेश्वरक जे सेवा कऽ
रहल छी ताहि पर मसीह यीशु द्वारा हमरा
गर्व अछि। 18हम आन बातक विषय मे
नहि बाजब—हम खाली ओही बात सभक
चर्चा करबाक साहस करब जे मसीह गैर-
यहूदी सभ केँ परमेश्वरक बात माननिहार
बनयबाक लेल हमरा द्वारा की सभ कयने
छथि, अर्थात्, हमर शब्द आ काजक माध्यम
सँ, 19चमत्कारपूर्ण चिन्ह सभक सामर्थ्य द्वारा
आ पवित्र आत्माक सामर्थ्य द्वारा। एहि क्रम
मे हम यरूशलेम आ ओकर लग-पासक
प्रदेश सँ लऽ कऽ इल्लुरिकुम धरि मसीहक
शुभ समाचार-प्रचार करबाक अपन काज
पूरा कयलहुँ। 20हमर मोनक आकांक्षा यैह
रहल जे जतऽ मसीहक नाम नहि पहुँचल
अछि ततऽ शुभ समाचार सुनाबी, जाहि
सँ अनका न्यो पर हम घर नहि बनाबी।
21बल्कि, जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

"जकरा सभ केँ हुनका सम्बन्ध मे
कहियो नहि कहल गेल छलैक,
से सभ देखत,
जे सभ हुनका सम्बन्ध मे कहियो नहि
सुनने छल, से सभ बुझत।"*

पौलुसक रोम जयबाक योजना

22 एहि काज मे लागल रहबाक कारणेँ
हमरा एखन तक अहाँ सभक ओतऽ
पहुँचबाक कार्यक्रम मे बेर-बेर बाधा
पड़ल। 23मुदा आब एहि प्रान्त सभ मे
हमर कोनो कार्यक्षेत्र बाँकी नहि रहल,
आ हम कतेक वर्ष सँ अहाँ सभ सँ भेँट
करबाक इच्छा रखने छी। 24तेँ हमर आशा
अछि जे स्पेन जाइत समय मे अहाँ सभक
ओतऽ होइत जायब। हमरा आशा अछि जे
हम ओहि यात्रा मे अहाँ सभ सँ भेँट कऽ
सकब आ किछु समय धरि अहाँ सभक
संगतिक आनन्द उठौलाक बाद अहाँ
सभक सहायता सँ स्पेनक यात्रा मे आगाँ
बढ़ि सकब। 25मुदा एखन परमेश्वरक
लोक केँ किछु सहायता पहुँचयबाक लेल
हम यरूशलेम जा रहल छी। 26कारण,
मकिदुनिया आ अखाया प्रदेशक मण्डलीक
लोक सभ यरूशलेमक मण्डलीक गरीब
लोकक लेल किछु आर्थिक सहायता
पठयबाक निश्चय कयने छथि। 27ई सभ
ई काज खुशी सँ कयलनि, आ वास्तव मे ई
सभ हुनका सभक ऋणी सेहो छथि, कारण,
जखन गैर-यहूदी सभ आत्मिक सम्पत्ति मे
हुनका सभक हिस्सेदार भेलनि तखन ई
उचिते अछि जे इहो सभ अपन आर्थिक
सम्पत्ति द्वारा हुनका सभक सहायता करनि।
28तेँ ई काज समाप्त भेला पर, अर्थात्
ई दान सुरक्षित तरीका सँ यरूशलेमक
मण्डलीक लोक सभक जिम्मा मे देलाक
बाद, हम अहाँ सभक ओतऽ होइत स्पेन
जायब। 29हमरा विश्वास अछि जे जखन
हम अहाँ सभक ओतऽ आयब तँ मसीहक
आशिषक परिपूर्णताक संग आयब।

30 आब यौ भाइ लोकनि, अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ आ पवित्र
आत्माक प्रेमक आधार पर हम अहाँ सभ

15:21 यशा 52.15

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ विनती करैत छी जे हमरा लेल परमेश्वर
सँ प्रार्थना कऽ कऽ हमरा संघर्ष मे अहाँ
सभ संग दिअ। 31 परमेश्वर सँ ई प्रार्थना
करू जे हम यहूदिया प्रदेशक अविश्वासी
सभ सँ बाँचि सकी, और जे सहायता
पहुँचयबाक लेल हम यरूशलेम जा रहल
छी तकरा ओहिठामक परमेश्वरक लोक
सभ खुशी सँ स्वीकार करथि। 32 एहि
तरहेँ परमेश्वरक इच्छा जँ होयतनि तँ हम
आनन्दपूर्बक अहाँ सभक ओतऽ आयब,
आ अहाँ सभक संगति मे आराम करब।
33 शान्तिदाता परमेश्वर अहाँ सभ गोटेक
संग रहथि। आमीन।

व्यक्तिगत नमस्कार

16 एहि पत्र द्वारा किंख्रिया शहरक
मण्डली-सेविका, अपना
सभक बहिन फीबेक परिचय दैत 2 हम
अहाँ सभ सँ निवेदन करैत छी जे, जाहि
तरहेँ परमेश्वरक लोक केँ एक-दोसराक
स्वागत करबाक चाही तहिना अहाँ सभ
प्रभु मे हुनकर स्वागत करिऔन, आ
जँ हुनका कोनो बात मे अहाँ सभक
सहायताक आवश्यकता होनि तँ अहाँ
सभ हुनकर सहायता करिऔन, कारण,
ओ बहुतो लोकक, आ हमरो, बड्ड
सहायता कयने छथि।

3 मसीह यीशुक काज मे हमर
सहकर्मी प्रिस्किला* आ अक्विला केँ
हमर नमस्कार। 4 ओ सभ हमर प्राण
बचयबाक लेल अपन जीवन संकट
मे कऽ लेने छलाह। मात्र हमहीं नहि,
बल्कि गैर-यहूदी लोकक सभ मण्डली
अपना केँ हुनका सभक आभारी मानैत
छथि। 5 हुनका सभक घर मे जमा होमऽ
वला मण्डली केँ सेहो नमस्कार।

हमर प्रिय मित्र इपैनितुस केँ, जे आसिया
प्रदेश मे पहिल व्यक्ति छथि जे मसीहक
विश्वासी भेलाह, तिनका हमर नमस्कार
कहिऔन।

6 मरियम केँ सेहो हमर नमस्कार अछि,
जे अहाँ सभक लेल बहुत परिश्रम कयने
छथि।

7 अन्द्रोनिकुस आ यूनियास, जे हमर
जाति-भाय सभ छथि और हमरा संग
जहल मे छलाह, तिनका सभ केँ हमर
नमस्कार कहू। ई सभ मसीह-दूत सभ मे
प्रतिष्ठित लोक छथि आ हमरा सँ पहिने
मसीहक विश्वासी भेलाह।

8 अम्पलियातुस केँ, जे प्रभु मे हमर प्रिय
मित्र छथि, तिनका हमर नमस्कार।

9 मसीहक काज मे अपना सभक
सहकर्मी उरबानुस आ हमर प्रिय मित्र
इस्तखुस केँ हमर नमस्कार कहू।

10 अपिलेस केँ, जे परीक्षा मे
स्थिर रहि मसीहक दृष्टि मे सुयोग्य
सेवक निकललाह, हमर नमस्कार।
अरिस्तुबुलुस आ हुनकर परिवारक लोक
केँ हमर नमस्कार।

11 हमर जाति-भाय हेरोदियोन केँ,
आ नरकिस्सुसक परिवार मे जे सभ
प्रभुक लोक छथि, तिनका सभ केँ हमर
नमस्कार कहू।

12 प्रभुक सेवा मे परिश्रम करऽ वाली
त्रुफेना आ त्रुफोसा केँ हमर नमस्कार।

प्रिय बहिन परसिस केँ, जे प्रभुक सेवा
मे बहुत परिश्रम कयने छथि, हुनका हमर
नमस्कार कहू।

16:3 मूल मे "प्रिस्का", जे "प्रिस्किला" नामक एक रूप अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

13 प्रभुक कृपापात्र रूफुस आ हुनकर
माय कैँ, जे हमरो माये छथि, तिनका सभ
कैँ हमर नमस्कार अछि।
14 असुंक्रितुस, फिलेगोन, हिरमेस,
पत्रुबास, हिर्मास आ हुनका सभक संग जे
आओर भाय सभ छथि, तिनका सभ कैँ
हमर नमस्कार कहू।
15 फिलोलोगुस आ यूलिया, नेरियुस
आ हुनकर बहिन, उलुम्पास और प्रभुक
आरो सभ लोक जे हुनका सभक संग
छथि, तिनका सभ कैँ हमर नमस्कार।
16 पवित्र मोन सँ एक-दोसर कैँ सस्नेह
नमस्कार करू।* मसीहक सभ मण्डलीक
लोक अहाँ सभ कैँ नमस्कार कहैत छथि।
17 यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ
आग्रहपूर्बक विनती करैत छी जे अहाँ
सभ ओहन लोक सभ सँ सावधान रहू जे
सभ अहाँ सभ जे शिक्षा पौने छी तकरा
विरुद्ध बात सिखा कऽ अहाँ सभ मे फूट
करबैत अछि आ अहाँ सभक विश्वास कैँ
बिगाड़बाक कोशिश करैत अछि। अहाँ
सभ ओहन लोक सभ सँ दूरे रहू। **18** ओ
सभ अपना सभक प्रभु मसीहक सेवा नहि,
बल्कि अपन पेटक पूजा करैत अछि। ओ
सभ फुसलाबऽ वला मिठगर-मिठगर बात
कऽ कऽ सोझगर लोक सभ कैँ भटका दैत
अछि। **19** अहाँ सभक आज्ञा-पालनक चर्चा
सभ ठाम पसरि गेल अछि। तेँ अहाँ सभक
कारणेँ हमरा बहुत आनन्द अछि। मुदा
तैयो हम चाहैत छी जे अहाँ सभ नीक काज
करऽ मे बुद्धिमान बनू आ अधलाह काज
सभ सँ दूर रहू। **20** शान्तिदाता परमेश्वर
बहुत जल्दी शैतान कैँ अहाँ सभक पयरक
तर मे थुरबौताह। अपना सभक प्रभु यीशुक
कृपा अहाँ सभ पर बनल रहय।
21 हमर सहकर्मी तिमुथियुस, आ जाति-
भाय सभ लूकियुस, यासोन आ सोसिपात्रस
अहाँ सभ कैँ नमस्कार कहि रहल छथि।
22 हम, तेरतियुस, जे एहि पत्र कैँ
लिखबाक काज कयलहुँ, अहाँ सभ कैँ
प्रभु मे नमस्कार कऽ रहल छी।
23 गयुसक दिस सँ नमस्कार जे
एहिठामक सम्पूर्ण मण्डलीक और हमरो
अतिथि-सत्कार कयनिहार छथि। एहि
नगरक कोषाध्यक्ष इरास्तुस आ अपना
सभक भाय क्वारतुस सेहो अहाँ सभ
कैँ अपन नमस्कार पठा रहल छथि।
24 [अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक कृपा
अहाँ सभ पर बनल रहय। आमीन।]*

परमेश्वरक स्तुति

25 आब ओहि परमेश्वरक स्तुति होनि
जे अहाँ सभ कैँ यीशु मसीहक शुभ समाचार
द्वारा, अर्थात् जे शुभ समाचार हम सुनबैत
छी, ताहि शुभ समाचार द्वारा स्थिर राखऽ
मे समर्थ छथि। ई शुभ समाचार ओहि
रहस्यक उद्घाटन अछि जे युग-युग सँ
गुप्त राखल गेल छल, **26** मुदा आब प्रगट
भऽ गेल अछि। और आब युगानुयुग तक
रहनिहार परमेश्वरक आदेशानुसार हुनकर
प्रवक्ता सभक लेख सभक प्रचार द्वारा ई
शुभ समाचार सुनाओल जा रहल अछि,
जाहि सँ सभ जातिक लोक विश्वास कऽ
हुनकर आज्ञाकारी बननि। **27** ओही एकमात्र
ज्ञानमय परमेश्वरक स्तुति यीशु मसीहक
द्वारा युगानुयुग होइत रहनि! आमीन।

16:16 अक्षरशः “पवित्र चुम्मा सँ एक-दोसर कैँ नमस्कार करू।” **16:24** किछु हस्तलेख सभ मे पद 24 मे लिखल बात नहि पाओल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कोरिन्थ नगरक मण्डली केँ पौलुसक पहिल पत्र

1 हम पौलुस, जे परमेश्वरक इच्छा
सँ मसीह यीशुक एक मसीह-दूत
होयबाक लेल बजाओल गेल छी, और
भाइ सोस्थिनेस सेहो, [2]ई पत्र अहाँ सभ केँ
लिखि रहल छी, जे सभ कोरिन्थ नगर मे
परमेश्वरक मण्डली छी। अहाँ सभ यीशु
मसीह द्वारा पवित्र कयल गेल छी और
परमेश्वरक अपन लोक होयबाक लेल
बजाओल गेल छी, जहिना सभ ठामक ओ
सभ लोक छथि जे अपना सभक प्रभु यीशु
मसीहक नाम सँ प्रार्थना करैत छथि—ओ
तँ हुनका सभक आ अपना सभक, दूनूक
प्रभु छथि।

3 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ केँ शान्ति देथि।

कोरिन्थी सभक लेल पौलुसक धन्यवाद

4 अहाँ सभक लेल हम सदिखन अपना
परमेश्वर केँ धन्यवाद दैत छियनि,
किएक तँ ओ मसीह यीशु द्वारा अहाँ सभ
पर कृपा कयने छथि। [5-6]कारण, मसीहक
सम्बन्ध मे जे गवाही अहाँ सभ केँ
सुनाओल गेल, से अहाँ सभक बीच एहि
बातक द्वारा सत्य प्रमाणित भेल जे मसीह
मे अहाँ सभ हर क्षेत्र मे सम्पन्न भऽ गेल
छी, अर्थात् सभ बात व्यक्त करबाक गुण
मे आ सभ बातक ज्ञान मे। [7]तेँ अहाँ सभ
उत्सुकतापूर्बक अपना सभक प्रभु यीशु
मसीहक फेर अयबाक बाट तकैत कोनो
आत्मिक वरदानक अभाव मे नहि छी।
[8]एतबे नहि, परमेश्वर अन्त धरि अहाँ
सभ केँ मजगूत कयने रहताह, जाहि सँ
अहाँ सभ अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
फेर अयबाक दिन मे निर्दोष पाओल जाइ।
[9]परमेश्वरे अपन पुत्रक संगति मे, अर्थात्
अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक संगति
मे, अहाँ सभ केँ बजौने छथि आ ओ
विश्वासयोग्य छथि।

मण्डली मे अलग-अलग दल

10 यौ भाइ लोकनि, अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ हम अहाँ सभ
सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ एकमत
भऽ कऽ रहू जाहि सँ आपस मे फूट नहि
होअय, बल्कि अहाँ सभक मोन आ
विचार मे पूर्ण एकता होअय। [11]किएक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तँ, यौ भाइ लोकनि, हमरा खलोएक
घरक किछु लोक द्वारा एहि बातक
जानकारी भेटल अछि जे अहाँ सभक
बीच झगड़ा चलि रहल अछि। 12हमर
कहबाक मतलब ई अछि जे अहाँ सभ
मे सँ केओ कहैत छी जे, “हम पौलुसक
चेला छी”, केओ जे, “हम अपुल्लोसक”,
केओ जे, “हम पत्रुसक*,” आ केओ
जे, “हम मसीहक चेला छी।” 13तँ की
मसीहक बटबारा कऽ देल गेल छनि?
की अहाँ सभक लेल पौलुस केँ क्रूस पर
चढ़ाओल गेल? की अहाँ सभ पौलुसक
नाम सँ बपतिस्मा लेने छलहुँ? 14हम
परमेश्वरक धन्यवाद दैत छियनि जे अहाँ
सभ मे सँ क्रिस्पुस आ गयुस केँ छोड़ि
आरो किनको बपतिस्मा हम नहि देलहुँ।
15आब केओ ई नहि कहि सकैत अछि जे
ओ हमरा नाम सँ बपतिस्मा लेने अछि।
16हँ, हम स्तेफनासक घरक लोक केँ
सेहो बपतिस्मा देने छी। हमरा मोन नहि
अछि जे हम हिनका सभ केँ छोड़ि आरो
किनको बपतिस्मा देलहुँ।

क्रूस पर मसीहक मृत्यु—परमेश्वरक सामर्थ्य आ बुद्धिक प्रदर्शन

17 किएक तँ मसीह हमरा बपतिस्मा
देबाक लेल नहि, बल्कि शुभ समाचार
सुनयबाक लेल पठौने छथि। आ सेहो
सांसारिक ज्ञान सँ भरल शब्द सभक
प्रयोग नहि कऽ कऽ, जाहि सँ ई नहि
होअय जे मसीहक क्रूस परक मृत्युक
प्रभाव खतम भऽ जाय। 18विनाश भेनिहार
लोक क्रूसक शिक्षा केँ मूर्खताक बात
बुझैत अछि। मुदा अपना सभक लेल, जे
सभ उद्धार पाबि रहल छी, क्रूसक शिक्षा
परमेश्वरक सामर्थ्य अछि। 19किएक तँ
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे परमेश्वर
कहैत छथि,

> “हम ज्ञानी सभक ज्ञान केँ नष्ट कऽ देब
> आ बुद्धिमान सभक बुद्धि केँ व्यर्थ
> कऽ देब।”*

20कतऽ अछि ज्ञानी सभ? कतऽ अछि
विद्वान सभ? कतऽ अछि एहि संसारक
तर्क-वितर्क करऽ वला सभ? की
परमेश्वर एहि संसारक “ज्ञान” केँ मूर्खता
नहि बना देने छथि? 21परमेश्वरक
बुद्धिपूर्ण योजना ई छलनि जे संसार अपन
बुद्धि द्वारा हुनका नहि चिन्हि सकय। एहि
लेल परमेश्वर केँ ई नीक बुझयलनि जे
शुभ समाचारक प्रचारक “मूर्खता” द्वारा
ओ विश्वास कयनिहार लोक सभक
उद्धार करथि।

22 यहूदी सभ चमत्कार सभक माँग
करैत अछि आ यूनानी सभ बुद्धिक
खोज करैत अछि। 23मुदा हम सभ क्रूस
पर चढ़ाओल गेल मसीहक प्रचार करैत
छी। ई यहूदी सभक लेल विश्वास
करऽ मे बाधा वला बात आ आन जाति
सभक लेल मूर्खताक बात अछि। 24मुदा
परमेश्वर जकरा सभ केँ बजौने छथि,
ओ चाहे यहूदी होअय वा यूनानी, तकरा
सभक लेल मसीह छथि परमेश्वरक
सामर्थ्य आ परमेश्वरक ज्ञान। 25किएक
तँ जकरा परमेश्वरक “मूर्खता” बुझल
जाइत अछि, से मनुष्यक ज्ञानक अपेक्षा
अधिक ज्ञानवान अछि, आ जकरा

1:12 मूल मे, “कैफाक”। “पत्रुस” (यूनानी भाषा) और “कैफा” (इब्रानी भाषा) एके नाम अछि।
1:19 यशा 29.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक “दुर्बलता” बुझल जाइत
अछि, से मनुष्यक बलक अपेक्षा अधिक
बलवान अछि।
26 यौ भाइ लोकनि, विचार करू,
परमेश्वर अहाँ सभ कें जहिया बजौलनि
तहिया अहाँ सभ की छलहुँ? सांसारिक
दृष्टिएँ अहाँ सभ मे सँ किछुए लोक ज्ञानी,
सामर्थी वा खानदानी छलहुँ। 27मुदा ज्ञानी
सभ कें लज्जित करबाक लेल परमेश्वर
ओहन बात सभ कें चुनलनि जे संसारक
दृष्टि मे मूर्खताक बात अछि। सामर्थी
सभ कें लज्जित करबाक लेल ओ ओहन
बात सभ कें चुनलनि, जे संसारक दृष्टि
मे निर्बल अछि। 28जे बात सभ संसार मे
नीच, तुच्छ आ नगण्य मानल जाइत अछि
ओहन बात सभ कें परमेश्वर एहि लेल
चुनलनि जे ओ तेहन बात सभ कें नष्ट कऽ
देथि जे संसार मे महत्वपूर्ण मानल जाइत
अछि, 29जाहि सँ केओ परमेश्वरक
सामने घमण्ड नहि करय। 30परमेश्वरेक
कारणेँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे छी। प्रभु
यीशु मसीह अपना सभक लेल परमेश्वर
द्वारा देल गेल ज्ञान बनि गेल छथि। ओ
स्वयं अपना सभक धार्मिकता, पवित्रता,
आ पाप सँ छुटकारा भऽ गेल छथि।
31तेँ जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “जँ
केओ घमण्ड करय तँ ओ प्रभु पर घमण्ड
करय।”*

2 यौ भाइ लोकनि, हम जखन अहाँ
सभक ओतऽ परमेश्वरक विषय
मे गवाही देबऽ अयलहुँ तँ* शब्दक
आडम्बर अथवा सांसारिक ज्ञानक संग
नहि अयलहुँ। 2हम निश्चय कयने छलहुँ
जे हम अहाँ सभक बीच यीशु मसीह आ
क्रूस पर भेल हुनकर मृत्यु कें छोड़ि, कोनो
आन विषय पर बात नहि करब। 3हम
कमजोर आ डेरायल आ थर-थर कँपैत
अहाँ सभक बीच रहलहुँ। 4हमर शिक्षा
आ हमर प्रचार मे विद्वानक प्रभावशाली
शब्दक आकर्षण नहि छल, बल्कि
परमेश्वरक आत्माक सामर्थ्यक प्रदर्शन
छल, 5जाहि सँ अहाँ सभक विश्वास
मनुष्यक ज्ञान पर नहि, बल्कि परमेश्वरक
सामर्थ्य पर आधारित होअय।

परमेश्वरक बुद्धि पवित्र आत्मा द्वारा प्रगट कयल जाइत अछि

6 ओना तँ जे लोक सभ आत्मिक रूप
सँ बुझनिहार छथि तिनका सभक बीच
हम सभ अवश्य ज्ञानक बात सुनबैत छी।
मुदा ई ज्ञान ने तँ एहि संसारक अछि आ
ने एहि संसारक शासन करऽ वला सभक,
जे सभ समाप्त होमऽ पर अछि। 7हम
सभ परमेश्वरेक रहस्यमय ज्ञानक बात
सुनबैत छी जे पहिने गुप्त राखल छल, आ
जकरा परमेश्वर संसारक सृष्टि सँ पूर्वहिं
अपना सभक महिमाक लेल निश्चित
कयने छलाह। 8एहि ज्ञान कें संसारक
शासन करऽ वला सभ मे सँ केओ नहि
बुझि पौलक, नहि तँ महिमामय प्रभु कें
क्रूस पर नहि चढ़बितनि। 9मुदा जेना कि
धर्मशास्त्रक लेख अछि,

“जे सभ परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि
तकरा सभक लेल ओ जे किछु तैयार
कयने छथि
तकरा केओ कहियो देखलक नहि,

1:31 यर्मि 9.24 **2:1** किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “...जखन अहाँ सभक ओतऽ परमेश्वरक दिस सँ ओ बात सुनाबऽ अयलहुँ जे पहिने गुप्त छल मुदा आब प्रगट भेल अछि, तँ...”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

केओ कहियो सुनलक नहि
आ ने केओ तकर कल्पना कऽ
पौलक।"*
10मुदा, परमेश्वर अपन पवित्र आत्मा द्वारा
ई ज्ञान अपना सभ पर प्रगट कयने छथि,
किएक तँ परमेश्वरक आत्मा सभ बातक,
परमेश्वरक रहस्यमय बात सभक सेहो,
थाह पाबि लैत छथि। 11ककरो मोनक
बात कैँ कोन मनुष्य जानि सकैत अछि?
खाली ओकर अपन आत्मा ओकर मोनक
बात जनैत अछि। एही प्रकारेँ परमेश्वरक
आत्मा कैँ छोड़ि परमेश्वरक विचार केओ
नहि जनैत अछि।
12 अपना सभ कैँ संसारक आत्मा
नहि, बल्कि परमेश्वरक दिस सँ आबऽ
वला पवित्र आत्मा भेटल छथि जाहि सँ
परमेश्वर अपन खुशी सँ अपना सभ कैँ
की सभ देने छथि तकरा जानि सकी।
13हम सभ एहि बात सभक व्याख्या
करैत काल मानवीय बुद्धि सँ प्रेरित शब्द
सभक नहि, बल्कि पवित्र आत्मा द्वारा
सिखाओल गेल शब्द सभक प्रयोग करैत
छी, अर्थात् आत्मिक बात सभ आत्मिक
तरीका द्वारा व्यक्त करैत छी। 14मुदा
जाहि मनुष्य मे परमेश्वरक आत्मा नहि
रहैत छथि से परमेश्वरक आत्माक बात
सभ कैँ स्वीकार नहि करैत अछि, किएक
तँ ओ ओहि बात सभ कैँ मूर्खता मानैत
अछि। ओ ओकरा बुझि नहि सकैत
अछि, किएक तँ परमेश्वरक आत्मे द्वारा
ओकर थाह पाओल जा सकैत अछि।
15जाहि मनुष्य मे परमेश्वरक पवित्र
आत्मा रहैत छथि से सभ बात जाँचि कऽ
बुझैत अछि, मुदा ओ अपने कोनो मनुष्य
द्वारा नहि बुझल जाइत अछि। 16किएक
तँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे,
"प्रभुक सोच-विचार कैँ के जनने
अछि?
हुनकर सल्लाहकार के भऽ सकल
अछि?"*
मुदा अपना सभ कैँ तँ मसीहक सोच-
विचार भेटल अछि।

सेवक, सेवा आ मण्डली—
सभ किछु परमेश्वरक

3 यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ सँ
ओहि तरहेँ बात नहि कऽ सकलहुँ
जाहि तरहेँ आत्मिक लोक सँ कयल जाइत
अछि। हमरा अहाँ सभ सँ ओहि तरहेँ बात
करऽ पड़ल जाहि तरहेँ सांसारिक व्यक्ति
सभ सँ कयल जाइत अछि, मसीह मेहक
छोट बच्चा सभ जकाँ। 2हम अहाँ सभ
कैँ दूध पिऔने छलहुँ, अन्न नहि खुऔने
छलहुँ, किएक तँ अहाँ सभ ओकरा पचा
नहि सकैत छलहुँ। हँ, अहाँ सभ एखनो
ओकरा पचा नहि सकैत छी। 3किएक तँ
अहाँ सभ एखनो सांसारिक छी। जखन
अहाँ सभ मे डाह आ झगड़ा होइत अछि
तँ की ई एहि बातक प्रमाण नहि अछि जे
अहाँ सभ सांसारिक छी? की अहाँ सभक
व्यवहार एहन लोकक व्यवहार जकाँ
नहि अछि जकरा सभ मे पवित्र आत्मा
नहि छथि? 4जखन केओ कहैत अछि,
"हम पौलुसक चेला छी" आ केओ जे,
"हम अपुल्लोसक छी", तँ की अहाँ सभ
सांसारिक लोक नहि भेलहुँ?
5 तँ अपुल्लोस की छथि? आ पौलुस
की अछि? हम सभ सेवक मात्र छी,

2:9 यशा 64.4 **2:16** यशा 40.13

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जकरा द्वारा अहाँ सभ विश्वास कयलहुँ।
हम सभ हर एक, बस, वैह काज कयलहुँ
जे प्रभु हमरा सभ केँ जिम्मा देलनि। [6]हम
बीया बाउग कयलहुँ, अपुल्लोस ओहि
मे पानि पटौलनि, मुदा बढ़ौलनि ओकरा
परमेश्वर। [7]ने तँ बाउग करऽ वलाक
कोनो महत्व अछि आ ने पानि पटाबऽ
वलाक, बल्कि ओकरा बढ़ाबऽ वला
परमेश्वरे सभ किछु छथि। [8]बाउग करऽ
वला आ पानि पटाबऽ वला एके लक्ष्य
राखि कऽ काज करैत अछि आ प्रत्येक
अपने परिश्रमक अनुरूप इनाम पाओत।
[9]हम सभ परमेश्वरेक सेवा मे सहकर्मी
छी; अहूँ सभ परमेश्वरेक खेत आ
परमेश्वरेक भवन छी।

10 परमेश्वरक ओहि कृपा द्वारा जे
हमरा प्रदान कयल गेल अछि हम कुशल
राजमिस्तिरी जकाँ न्यो रखलहुँ आ केओ
दोसर ओहि पर भवन बनबैत जा रहल
अछि। मुदा प्रत्येक गोटे एहि बातक ध्यान
राखय जे ओ भवनक निर्माण कोना कऽ
रहल अछि। [11]किएक तँ जे न्यो राखल
गेल अछि तकरा छोड़ि कोनो दोसर नहि
राखल जा सकैत अछि आ ओ न्यो छथि
यीशु मसीह। [12]जँ केओ एहि न्यो पर
निर्माणक काज मे सोन, चानी, बहुमूल्य
पाथर, काठ वा घास-फूस प्रयोग मे
लाओत, [13]तँ ओकर ओ काज स्पष्ट
देखाओल जायत किएक तँ न्यायक दिन
ओहि काज केँ देखार कऽ देत। ओ दिन
आगिक संग प्रगट होयत, आ ओ आगि
प्रत्येक गोटेक काजक जाँच करत जे ओ
केहन अछि। [14]जकर निर्माणक काज
टिकल रहि जायत तकरा इनाम भेटतैक।
[15]जकर काज भस्म भऽ जयतैक से इनाम
पाबऽ सँ वंचित होयत। ओ अपने बाँचि
जायत, मानू जेना आगि मे सँ जरैत-जरैत
बाँचल होअय।

16 की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ
सभ गोटे मिलि कऽ परमेश्वरक मन्दिर
छी आ परमेश्वरक आत्मा अहाँ सभ मे
वास करैत छथि? [17]जँ केओ परमेश्वरक
मन्दिर केँ नष्ट करत तँ परमेश्वर ओकरा
नष्ट कऽ देथिन, किएक तँ परमेश्वरक
मन्दिर पवित्र अछि आ ओ मन्दिर अहाँ
सभ छी।

18 केओ अपना केँ धोखा नहि दओ। जँ
अहाँ सभ मे सँ केओ अपना केँ संसारक
दृष्टि मे बुद्धिमान बुझैत होइ तँ असल
बुद्धिमान बनबाक लेल अपना केँ “मूर्ख”
बना लिअ, [19]किएक तँ एहि संसारक
ज्ञान परमेश्वरक दृष्टि मे मूर्खता अछि,
जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “ओ
बुद्धिमान सभ केँ ओकर सभक चतुराइ मे
फँसबैत छथिन।”* [20]और इहो लिखल
अछि जे, “प्रभु बुद्धिमान सभक विचार
केँ जनैत छथिन जे ओ व्यर्थ छैक।”*
[21]एहि लेल कोनो मनुष्य पर केओ घमण्ड
नहि करय! किएक तँ सभ किछु अहाँ
सभक अछि, [22]चाहे ओ पौलुस होअय,
अपुल्लोस होथि अथवा पत्रुस* होथि,
चाहे संसार होअय, जीवन होअय वा
मृत्यु होअय, चाहे आजुक बात होअय
वा आबऽ वला समयक, सभ किछु अहाँ
सभक अछि, [23]और अहाँ सभ मसीहक
छी आ मसीह परमेश्वरक छथि।

3:19 अय्यूब 5.13 **3:20** भजन 94.11 **3:22** मूल मे, “कैफा”। “पत्रुस” (यूनानी भाषा) और “कैफा” (इब्रानी भाषा) एके नाम अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मसीह-दूत सभक चर्चा द्वारा चेतावनी

4 एहि लेल लोक हमरा सभ केँ
मसीहक सेवक बुझओ जकरा
सभक जिम्मा मे पहिने गुप्त राखल
परमेश्वरक रहस्यक बात सभ सौंपल
गेल अछि। 2जकरा सभक जिम्मा मे
किछु सौंपल गेल अछि तकरा सभक लेल
ई जरूरी छैक जे ओ सभ विश्वासयोग्य
निकलय। 3हमरा लेल एहि बातक कोनो
महत्व नहि अछि जे अहाँ सभ अथवा
मनुष्यक कोनो पंचायत हमर न्याय करय।
हमहूँ अपन न्याय नहि करैत छी। 4हमर
मोन हमरा दोषी नहि ठहरबैत अछि, मुदा
ई बात एकर कोनो प्रमाण नहि भऽ गेल
जे हम निर्दोष छी। प्रभुए हमर न्यायकर्ता
छथि। 5एहि लेल समय सँ पहिने कोनो
बातक न्याय नहि करू, अर्थात् जाबत
धरि प्रभु नहि औताह ताबत धरि रूकल
रहू। ओ अन्हार मे नुकायल सभ बात
केँ इजोत मे लौताह आ लोकक भितरी
मोनक अभिप्राय सभ केँ प्रगट करताह।
तहिया प्रत्येक मनुष्य परमेश्वरे सँ अपन
प्रशंसा पाओत।

6 यौ भाइ लोकनि, हम अपन आ
अपुल्लोसक उदाहरण दऽ कऽ अहाँ
सभक भलाइक लेल ई सभ बात लिखलहुँ
अछि, जाहि सँ हमरा सभक माध्यम सँ
अहाँ सभ ई सिखी जे "धर्मशास्त्र मे
लिखल बातक अन्तर्गत रहू।" तखन अहाँ
सभ घमण्ड सँ एक गोटेक पक्ष लेनाइ आ
दोसर गोटे केँ तुच्छ माननाइ वला काज
नहि करब। 7कारण, के कहैत अछि जे
अहाँ दोसर लोक सँ नीक छी? अहाँ लग
की अछि जे अहाँ केँ नहि देल गेल? आ
जँ अहाँ केँ देल गेल अछि तँ फेर घमण्ड
किएक करैत छी जेना कि अहाँक अपने
कयला सँ किछु प्राप्त भेल होअय?

8 एखने अहाँ सभ तृप्त भऽ गेल छी!
एखने अहाँ सभ सम्पन्न भऽ गेल छी!
अहाँ सभ राजा भऽ गेलहुँ, आ सेहो बिनु
हमरा सभक! कतेक बढ़ियाँ होइत जे
अहाँ सभ वास्तव मे राजा भऽ गेल रहितहुँ
जाहि सँ हमहूँ सभ अहाँ सभक संग राजा
बनि सकितहुँ! 9हमरा एना बुझाइत अछि
जे परमेश्वर हमरा सभ केँ, जे सभ मसीह-
दूत छी, विजय-जुलूसक अन्त मे ओहि
बन्दी सभ जकाँ रखने छथि जकरा सभ
पर मृत्युदण्डक आज्ञा भऽ गेल होइक,
किएक तँ हम सभ सम्पूर्ण सृष्टिक
लेल, स्वर्गदूतो सभ आ मनुष्यो सभक
लेल, तमाशा बनि गेल छी। 10हम सभ
मसीहक कारणेँ मूर्ख छी, मुदा अहाँ सभ
मसीह मे ज्ञानवान छी! हम सभ दुर्बल छी
मुदा अहाँ सभ बलवान छी! अहाँ सभ
केँ आदर भेटि रहल अछि आ हमरा
सभ केँ निरादर! 11हम सभ एखनो तक
भूखल-पियासल रहैत छी, फाटल-पुरान
पहिरैत छी, मारि खाइत छी। हमरा सभ
केँ रहबाक लेल कोनो घर नहि अछि।
12हम सभ अपना हाथ सँ कठिन परिश्रम
करैत छी। जखन हमरा सभक अपमान
कयल जाइत अछि तँ हम सभ आशीर्वाद
दैत छी। जखन हमरा सभ पर अत्याचार
होइत अछि तँ हम सभ ओकरा सहैत छी।
13जखन लोक हमरा सभक निन्दा करैत
अछि तखन हम सभ नम्रतापूर्बक उत्तर
दैत छी। आइओ तक हम सभ संसारक
मैल आ समाजक कूड़ा-करकट बनल
छी।

14 हम अहाँ सभ केँ लज्जित करबाक
लेल ई नहि लिखि रहल छी, बल्कि अपन

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रिय बच्चा बुझैत चेतावनी दऽ रहल
छी। 15मसीह मे अहाँ सभ कैँ हजारो
देखनिहार* किएक नहि होअय, मुदा
पिता अनेक नहि अछि। अहाँ सभ हमरे सँ
शुभ समाचार सुनि कऽ विश्‍वास कयलहुँ
तेँ मसीह यीशु मे हमहीं अहाँ सभक पिता
बनल छी। 16एहि लेल हम एहि पर जोर
दैत छी जे हम जेना करैत छी, तेना अहूँ
सभ करू। 17एही कारणेँ हम तिमुथियुस
कैँ, जे प्रभु मे हमर प्रिय आ विश्‍वासयोग्य
बेटा छथि, अहाँ सभ लग पठौने छी। ओ
अहाँ सभ कैँ मोन पाड़ताह जे मसीह मे
रहबाक कारणेँ हमर जीवन-शैली केहन
अछि। हमर जीवन-शैली ओहि शिक्षा
सँ मिलैत अछि जे सभ ठाम हम प्रत्येक
मण्डली मे दैत छी। 18अहाँ सभ मे सँ
किछु लोक ई सोचि कऽ घमण्डी बनि गेल
छी जे, पौलुस हमरा सभक ओतऽ नहि
औताह! 19मुदा जँ प्रभुक इच्छा होयतनि
तँ हम अहाँ सभ लग जल्दिए आयब आ
घमण्डी सभक गप्पे नहि, बल्कि ओकरा
सभक सामर्थ्यक पता पाबि लेबैक।
20किएक तँ परमेश्‍वरक राज्य गप्पक
बात नहि, बल्कि सामर्थ्यक बात अछि।
21अहाँ सभ की चाहैत छी? की हम लाठी
लऽ कऽ अहाँ सभ लग आउ, वा प्रेम आ
कोमलताक भाव लऽ कऽ?

मण्डली मे भयंकर कुकर्म

5 एतऽ तक सुनऽ मे आयल जे अहाँ
सभक बीच कुकर्म भऽ रहल
अछि—एहन कुकर्म जे प्रभुक शिक्षा सँ
अपरिचितो जातिक लोक सभ मे नहि
पाओल जाइत अछि, अर्थात् केओ
अपन पिताक स्त्री कैँ राखि लेने अछि।
2तैयो अहाँ सभ घमण्ड सँ फुलि गेल
छी! अहाँ सभ कैँ तँ शोक मनयबाक
छल आ जे एहन कुकर्म कऽ रहल अछि
तकरा मण्डलीक संगति सँ निकालि
देबाक छल। 3हम शारीरिक रूप सँ
अनुपस्थित होइतो आत्मिक रूप सँ
अहाँ सभक बीच उपस्थित छी। हम एहि
कुकर्म कयनिहारक सम्बन्ध मे निर्णय
दऽ चुकल छी, मानू हम वास्तव मे ओतऽ
उपस्थित छी। 4हमर निर्णय ई अछि जे
जखन अहाँ सभ अपना सभक प्रभु यीशुक
नाम मे हमर आत्माक उपस्थितिक संग
आ अपना सभक प्रभु यीशुक सामर्थ्यक
संग जमा होइ, 5तखन एहि व्यक्ति कैँ
शैतानक हाथ मे सौंपि दिअ जाहि सँ
ओकर पापी मानवीय स्वभाव* नष्ट
होइक, मुदा प्रभुक न्यायक दिन ओकर
आत्मा उद्धार पबैक।

6अहाँ सभक घमण्ड कयनाइ ठीक
बात नहि अछि। की अहाँ सभ ई नहि
जनैत छी जे कनेको खमीर सम्पूर्ण सानल
आँटा कैँ फुलबैत अछि? 7अहाँ सभ
पुरान “खमीर” फेकि कऽ शुद्ध भऽ जाउ
जाहि सँ अहाँ सभ “बिनु खमीर वला
नव सानल आँटा” बनि जाइ जे अहाँ
सभ वास्तव मे छीहो, किएक तँ अपना
सभक “फसह-पाबनिक बलि-भेँड़ा”,
अथार्त मसीह कैँ, चढ़ा देल गेल छनि।
8एहि लेल अपना सभ पुरान “खमीर” सँ,
अर्थात् दुष्टताक आ कुकर्मक “खमीर”
सँ नहि, बल्कि निष्कपटता आ सत्य
रूपी “बिनु खमीर वला रोटी” सँ “फसह-
पाबनि मनाबी”।

4:15 वा, “हजारो शिक्षक” **5:5** वा, “ओकर शरीर” वा, “ओकर शरीरक स्वभाव”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9 हम अपना पत्र मे लिखने छलहुँ जे
अनैतिक सम्बन्ध राखऽ वला लोक सभ
सँ संगति नहि राखू। 10एकर अर्थ ई नहि
छल जे अहाँ सभ एहि संसारेक एहन
लोक सँ संगति नहि राखू जे अनैतिक
सम्बन्ध राखऽ वला, वा लोभी, वा
धोखेबाज वा मूर्तिक पूजा कयनिहार सभ
अछि। एना करबाक लेल तँ अहाँ सभ
केँ संसारे केँ छोड़ि देबऽ पड़ैत। 11हमर
कहबाक मतलब ई अछि जे जँ कोनो
व्यक्ति मसीही भाइ कहबैत अछि, मुदा
ओ अनैतिक सम्बन्ध राखऽ वला, लोभी,
मूर्तिक पूजा कयनिहार, गारि पढ़ऽ वला,
पिअक्कड़ वा धोखेबाज अछि तँ ओकर
संगति नहि करू; ओहन व्यक्तिक संग
भोजन तक नहि करू। 12किएक तँ हमरा
बाहरक लोकक न्याय करबाक कोन
काज? की अहाँ सभ केँ ताही लोक सभक
न्याय नहि करबाक अछि जे सभ मण्डली
मे अछि? 13बाहरक लोक सभक न्याय
परमेश्वर करताह। मुदा जेना धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि, “अहाँ सभ अपना बीच सँ
ओहि अधर्मी व्यक्ति केँ बाहर निकालि
दिऔक।”*

मण्डलीक भाइ-भाइक बीच मोकदमा!

6 जखन अहाँ सभक बीच आपस मे
विवाद होइत अछि तँ तकर न्यायक
लेल प्रभुक लोक सभक बदला अधर्मी
सभक सामने जयबाक दुःसाहस अहाँ
सभ कोना करैत छी? 2की अहाँ सभ
नहि जनैत छी जे एक दिन प्रभुक लोक
सभ संसारक न्याय करताह? अहाँ सभक
द्वारा जँ संसारक न्याय कयल जायत तँ
की अहाँ सभ छोट-मोट विवाद सभक
न्याय करबाक योग्य नहि छी? 3की अहाँ
सभ नहि जनैत छी जे अपना सभ स्वर्गदूत
सभक न्याय करब? तखन की एहि जीवन
सँ सम्बन्धित बात सभक न्याय कयनाइ
कोनो बड़का बात अछि? 4जँ अहाँ सभक
बीच कोनो एहन विवाद अछि तँ की अहाँ
सभ ओहन लोक सभ केँ पंच बनबैत छी
जकरा सभ केँ मण्डली मे कोनो स्थान
नहि छैक?* 5हम अहाँ सभ केँ लज्जित
करबाक लेल ई बात कहि रहल छी।
की ई सम्भव अछि जे अहाँ सभक बीच
एको गोटे एहन बुद्धिमान नहि होइ जे भाइ-
भाइक बीच फैसला कऽ सकी? 6मुदा
तकरा बदला मे एक विश्वासी भाइ दोसर
भाइ पर मोकदमा करैत छी आ सेहो
अविश्वासी सभक सामने!

7 वास्तव मे जखन अहाँ सभ एक-
दोसर पर मोकदमा चलबैत छी, तँ ताहि
सँ स्पष्ट होइत अछि जे अहाँ सभ एखने
पूर्ण रूप सँ हारि गेल छी। तकर बदला मे
अहाँ सभ अन्याय किएक नहि सहि लैत
छी? अपन हानि किएक नहि होमऽ दैत
छी? 8मुदा अहाँ सभ तँ तकर विपरीत जा
कऽ स्वयं अन्याय करैत छी आ दोसराक
हक मारैत छी—सेहो अपन मसीही भाइ
सभक!

9 की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी
जे अधर्मी लोक परमेश्वरक राज्य मे
प्रवेश करबाक अधिकारी नहि होयत?
अपना केँ धोखा नहि दिअ! अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध रखनिहार, मूर्तिक पूजा

5:13 व्यव 17.7; व्यव 19.19; व्यव 21.21; व्यव 22.21, 24; व्यव 24.7 **6:4** वा, “तँ अहाँ सभ मण्डलीक ओहनो लोक सभ केँ पंच बनाउ जकरा सभ केँ कम महत्व देल जाइत अछि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कयनिहार, परस्त्रीगमन कयनिहार, वेश्या
सनक काज कयनिहार पुरुष, समलैंगिक
सम्बन्ध रखनिहार लोक, 10चोर, लोभी,
पिअक्कड़, गारि पढ़निहार आ धोखेबाज
सभ परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश करबाक
अधिकारी नहि होयत। 11आ से अहाँ सभ
मे सँ किछु गोटे छलहुँ, मुदा अहाँ सभ
आब प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ आ अपना
सभक परमेश्वरक आत्मा द्वारा धोअल
गेलहुँ, पवित्र कयल गेलहुँ आ निर्दोष
ठहराओल गेलहुँ।

अपन शरीर द्वारा परमेश्वरक सम्मान करू

12"सभ किछु करबाक हमरा
स्वतन्त्रता अछि"—मुदा सभ किछु
हितकर नहि अछि। "सभ किछु करबाक
हमरा स्वतन्त्रता अछि"—मुदा हम कोनो
बातक गुलाम नहि बनब। 13"भोजन
पेटक लेल अछि आ पेट भोजनक
लेल"—मुदा परमेश्वर दूनू केँ समाप्त कऽ
देताह। शरीर अनैतिक सम्बन्धक लेल
नहि, बल्कि प्रभुक सेवाक लेल अछि आ
प्रभु शरीरक कल्याणक लेल। 14परमेश्वर
जहिना अपना सामर्थ्य सँ प्रभु यीशु केँ
मृत्यु मे सँ जिऔलथिन तहिना ओ हमरो
सभ केँ जिऔताह।

15की अहाँ सभ ई नहि जनैत छी जे
अहाँ सभक शरीर मसीहक अंग सभ
अछि? तँ की हम मसीहक अंग लऽ कऽ
तकरा वेश्याक अंग बना दिऐक? किन्नहुँ
नहि! 16की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे
वेश्याक संग जे केओ अपन शरीर जोड़ैत
अछि से ओकरा संग एक शरीर भऽ
जाइत अछि? किएक तँ धर्मशास्त्र कहैत
अछि जे, "दूनू एक शरीर भऽ जायत।"*
17मुदा जे प्रभु सँ संयुक्त भऽ जाइत अछि
से हुनका संग आत्मा मे एक बनि जाइत
अछि। 18अनैतिक सम्बन्ध सँ दूर रहू।
आरो सभ पाप जे मनुष्य करैत अछि, से
शरीर सँ हटल अछि, मुदा जे ककरो संग
अनैतिक सम्बन्ध रखैत अछि से अपना
शरीरेक विरुद्ध पाप करैत अछि। 19की
अहाँ सभ नहि जनैत छी जे अहाँ सभक
शरीर परमेश्वरक पवित्र आत्माक मन्दिर
अछि, जे आत्मा अहाँ सभ मे वास करैत
छथि आ जे अहाँ सभ केँ परमेश्वर सँ
प्राप्त भेल छथि? अहाँ सभ अपन नहि
छी। 20अहाँ सभ दाम दऽ कऽ किनल
गेल छी। एहि लेल अपना शरीर द्वारा
परमेश्वरक सम्मान करू।

विवाह सम्बन्धी प्रश्न सभक उत्तर

7 आब ओहि बात सभक विषय मे जे
अहाँ सभ पत्र मे लिखि कऽ पुछने
छी—हँ, पुरुषक लेल स्त्री केँ नहि छुबी
से नीक बात अछि। 2मुदा एतेक अनैतिक
सम्बन्ध चलि रहल अछि जे ताहि सँ
बचबाक लेल प्रत्येक पुरुष केँ अपन स्त्री
होअय आ प्रत्येक स्त्री केँ अपन पति।
3पति अपना स्त्रीक प्रति अपन वैवाहिक
कर्तव्य पूरा करय, आ तहिना स्त्री सेहो
अपना पतिक प्रति। 4स्त्री केँ अपना शरीर
पर अधिकार नहि छैक; ओहि पर ओकर
पतिक अधिकार छैक। आ तहिना पति
केँ ओकर अपना शरीर पर अधिकार नहि
छैक; ओहि पर ओकर स्त्रीक अधिकार
छैक। 5अहाँ सभ एक-दोसर केँ एहि

6:16 उत्पत्ति 2.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अधिकार सँ वंचित नहि करू। जँ अपना
केँ प्रार्थना मे समर्पित करबाक लेल से
करबो करी तँ दूनूक सहमत सँ आ किछुए
समयक लेल। तखन फेर पहिने जकाँ
एक संग रहू जाहि सँ एना नहि होअय जे
अहाँ सभ केँ अपना पर काबू नहि राखि
सकबाक कारणेँ अहाँ सभ केँ शैतान
प्रलोभन मे फँसाबय। 6हमर कहबाक
अर्थ ई नहि जे एक-दोसर सँ अलग रहबे
करू, बल्कि जँ रही तँ कोना आ किएक।
7हम ई चुनितहुँ जे सभ मनुष्य हमरा
जकाँ अविवाहित रहय*। मुदा प्रत्येक
व्यक्ति केँ परमेश्वरक दिस सँ अपन
विशेष वरदान भेटल अछि—ककरो एक
प्रकारक तँ ककरो दोसर प्रकारक।

8 हम अविवाहित सभ केँ आ विधवा
सभ केँ ई कहैत छी जे हमरे जकाँ ओहिना
रहनाइ अहाँ सभक लेल उत्तम बात
होयत। 9मुदा जँ अहाँ सभ अपना पर काबू
नहि राखि सकैत छी तँ विवाह कऽ लिअ,
किएक तँ काम-वासना सँ जरैत रहबाक
अपेक्षा विवाह कयनाइ नीक अछि।

10 विवाहित सभक लेल हमर नहि,
बल्कि प्रभुक ई आदेश अछि जे स्त्री
अपन पति केँ नहि छोड़ि दओ। 11आ जँ
ओ छोड़िओ दय तँ ओकरा अविवाहित
रूप मे रहऽ पड़त अथवा अपन पति सँ
फेर मेल कऽ लेबाक अछि। पति सेहो
अपन स्त्रीक परित्याग नहि करओ।

12 बाँकी लोक सभ सँ प्रभुक नहि,
बल्कि हमर कथन अछि, जे जँ कोनो
विश्वासी भायक स्त्री विश्वास नहि
करैत होअय आ ओ ओहि भायक संग
रहबाक लेल सहमत अछि तँ ओ भाय
स्त्रीक परित्याग नहि करओ। 13जँ कोनो
स्त्री केँ एहन पति होअय जे विश्वास नहि
करैत होअय आ स्त्रीक संग रहबाक लेल
सहमत होअय तँ ओ पतिक परित्याग
नहि करओ 14किएक तँ अविश्वासी
पति अपन स्त्री द्वारा पवित्र बनाओल गेल
अछि आ तहिना अविश्वासी स्त्री अपन
पति द्वारा पवित्र बनाओल गेल अछि।
नहि तँ अहाँ सभक बाल-बच्चा अशुद्ध
होइत, मुदा आब ओहो सभ पवित्र अछि।
15मुदा जँ कोनो अविश्वासी अलग होमऽ
चाहैत अछि तँ ओकरा अलग होमऽ
दिऔक। एहन परिस्थिति मे विश्वास
कयनिहार भाइ वा बहिन अपना पति वा
स्त्रीक संग रहबाक बन्हन मे नहि अछि।
परमेश्वर तँ अपना सभ केँ शान्तिक
जीवन व्यतीत करबाक लेल बजौने
छथि। 16हे स्त्री, अहाँ की जानऽ गेलहुँ
जे अहाँ अपन पतिक उद्धारक कारण
बनब वा नहि बनब? वा हे पति, अहाँ की
जानऽ गेलहुँ जे अहाँ अपन स्त्रीक उद्धारक
कारण बनब वा नहि बनब?

17 तैयो प्रभु जकरा जाहि स्थिति मे
रखने छथि, परमेश्वर जकरा जाहि
स्थिति मे अपना लग बजौने छथि, से
ताही प्रकारक जीवन बिताबय। सभ
मण्डलीक लेल हम यैह आदेश दैत छी।
18जँ बजाओल गेलाक समय मे ककरो
खतना भऽ चुकल होइक तँ ओ तकरा
नहि बदलओ। जँ बजाओल गेलाक
समय मे ककरो खतना नहि भेल होइक
तँ ओ खतना नहि कराबओ। 19कारण,
ने तँ खतना करयबाक कोनो महत्व
अछि आ ने ओकर अभावक। महत्व

7:7 अक्षरशः “हमरा जकाँ रहय”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि परमेश्वरक आज्ञा सभक पालन
करबाक। 20हरेक व्यक्ति जाहि स्थिति
मे परमेश्वर द्वारा बजाओल गेल छल,
ओ ताही मे रहओ। 21की अहाँ बजाओल
जयबाक समय मे ककरो गुलाम छलहुँ?
कोनो चिन्ता नहि करू—ओना तँ जँ
स्वतन्त्र भेनाइ सम्भव भऽ जाय तँ अवसर
सँ फायदा लिअ। 22हँ, कोनो चिन्ता
नहि करू, किएक तँ जे गुलाम भऽ कऽ
प्रभु मे अयबाक लेल बजाओल गेल से
प्रभुक स्वतन्त्र कयल व्यक्ति भऽ गेल
अछि। तहिना जे व्यक्ति स्वतन्त्र रहि कऽ
बजाओल गेल से मसीहक गुलाम भऽ गेल
अछि। 23अहाँ सभ दाम दऽ कऽ किनल
गेल छी, आब मनुष्यक गुलाम नहि बनू।
24यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ प्रत्येक
व्यक्ति जाहि स्थिति मे प्रभु लग बजाओल
गेलहुँ, परमेश्वरक संग ताही मे रहू।

25 कुमार और कुमारि सभक विषय
मे प्रभुक दिस सँ हमरा कोनो आदेश
नहि भेटल अछि, तैयो प्रभुक दया सँ
विश्वासयोग्य रहि हम अपन विचार दऽ
रहल छी। 26हमर विचार अछि जे आइ-
काल्हिक समयक कठिन परिस्थिति मे
कोनो मनुष्यक लेल यैह नीक अछि जे ओ
जाहि स्थिति मे अछि ताही स्थिति मे रहय।
27की अहाँ कैँ स्त्री छथि? अहाँ हुनका
सँ मुक्त होयबाक प्रयत्न नहि करू। की
अहाँ कैँ स्त्री नहि अछि? तँ अहाँ विवाह
करबाक प्रयत्न नहि करू। 28मुदा जँ अहाँ
विवाह करी तँ एहि मे कोनो पाप नहि
अछि आ जँ कोनो कुमारि विवाह करय
तँ ओ पाप नहि करैत अछि। मुदा जे सभ
विवाह करत तकरा सभ कैँ सांसारिक
जीवन मे कष्ट सहऽ पड़तैक आ हम
अहाँ सभ कैँ ओहि सँ बँचाबऽ चाहैत छी।
29यौ भाइ लोकनि, हमर कहबाक अर्थ
ई अछि जे समय थोड़बे रहि गेल अछि।
आब जकरा स्त्री अछि से एना रहओ जेना
स्त्री नहि होअय। 30जे कनैत अछि से एना
रहओ जेना नहि कनैत होअय। जे आनन्द
मनबैत अछि से एना रहओ जेना आनन्द
नहि मनबैत होअय। जे चीज-वस्तु मोल
लैत अछि से एना रहओ जेना ओ चीज
ओकर नहि होइक। 31जे संसारक चीज-
वस्तुक उपभोग करैत अछि से एना रहओ
जेना ओहि मे लिप्त नहि भऽ गेल होअय,
किएक तँ ई संसार जे देखैत छी से समाप्त
भऽ रहल अछि।

32 हम चाहैत छी जे अहाँ सभ चिन्ता-
मुक्त रहू। अविवाहित पुरुष ई सोचैत
प्रभुक सेवा मे व्यस्त रहैत अछि जे "प्रभु
कैँ कोना प्रसन्नता भेटतनि?" 33मुदा
विवाहित पुरुष ई सोचैत सांसारिक बात
सभ मे व्यस्त रहैत अछि जे, "स्त्री कैँ
कोना प्रसन्न करी?" 34एहन मनुष्यक
मोन दू दिस लागल रहैत छैक। जकरा
पति नहि छैक वा जे कुमारि अछि, से
एहि इच्छा सँ प्रभुक बात पर ध्यान रखैत
अछि जे अपना कैँ पूर्ण रूप सँ, तन-मन
सँ, प्रभु कैँ अर्पण करी। मुदा विवाहिता कैँ
सांसारिक बात सभक चिन्ता रहैत छैक
जे अपना पति कैँ कोना प्रसन्न राखी।
35हम अहाँ सभ कैँ ई बात स्वतन्त्रता पर
रोक लगयबाक लेल नहि कहि रहल छी,
बल्कि अहाँ सभक भलाइक लेल, जाहि
सँ अहाँ सभ उचित ढंग सँ रहैत बाधा सँ
बाँचि कऽ पूरा मोन सँ प्रभुक सेवाक लेल
समर्पित होइ।

36 मुदा जँ ककरो ई बुझाइत होइक
जे विवाह नहि कयला सँ ओ अपन
विवाहक लेल ठीक कयल गेल लड़कीक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल उचित नहि कऽ रहल अछि आ
आत्मसंयम कयनाइ सेहो कठिन भऽ रहल
छैक*, आ ई बुझैत होअय जे विवाह
कयनाइ उचित होइत, तँ ओ जेना करऽ
चाहैत अछि, तेना करय—ओ सभ विवाह
कऽ लय। एहि मे पाप नहि अछि। 37मुदा
जकर मोन एहि विषय मे स्थिर भऽ गेल
छैक, आ कोनो तरहेँ बाध्य नहि अछि,
बल्कि अपन इच्छाक अनुसार चलबाक
अधिकारी अछि, आ अपना लेल ठीक
भेल कुमारिक संग विवाह नहि करबाक
निश्चय कऽ लेने अछि, सेहो ठीक करैत
अछि। 38एहि तरहेँ जे अपना लेल ठीक
भेल कुमारिक संग विवाह करैत अछि
से ठीक करैत अछि, मुदा जे विवाह नहि
करैत अछि से आरो ठीक करैत अछि।*

39 जाबत धरि कोनो स्त्रीक पति जीवित
अछि ताबत धरि ओ अपन पतिक संग
विवाहक बन्हन मे बान्हल अछि। मुदा
पतिक मृत्यु भऽ गेला पर ओ स्वतन्त्र भऽ
जाइत अछि आ जकरा सँ चाहय विवाह
कऽ सकैत अछि, मुदा आवश्यक ई
अछि जे विवाह प्रभुक लोक सँ होअय*।
40तैयो जँ ओ ओहिना रहि जाय तँ आरो
आनन्दित रहत। ई हमर विचार अछि,
आ हमरा विश्वास अछि जे परमेश्वरक
आत्मा हमरो संग छथि।

चढ़ाओल वस्तुक सम्बन्ध मे उत्तर—ज्ञाने पर नहि, प्रेमो पर आधारित

8 आब मूर्ति पर चढ़ाओल गेल बलिक
माँसुक सम्बन्ध मे अहाँ सभक
प्रश्नक उत्तर—अपना सभ गोटे केँ ज्ञान
अछि से हमहूँ सभ मानैत छी। मुदा ज्ञान
मोन केँ घमण्ड सँ फुलबैत अछि जखन
कि प्रेम उन्नति करबैत अछि। 2जँ केओ
अपना बारे मे बुझैत अछि जे हमरा लग
ज्ञान अछि तँ ओकरा एखन धरि असली
ज्ञान सँ परिचय नहि छैक। 3मुदा जे केओ
परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि तकरा
परमेश्वर जनैत छथिन।

4 तखन मुरुत पर चढ़ाओल बलिक माँसु
खयबाक विषय मे—अपना सभ जनैत छी
जे मुरुतक पाछाँ कोनो वास्तविकता नहि
अछि आ एकेटा परमेश्वर केँ छोड़ि आन
कोनो परमेश्वर नहि अछि। 5आकाश मे
आ पृथ्वी पर देवी-देवता कहाबऽ वला
सभ होइतो, आ सत्य पुछल जाय तँ एहन
“देवी-देवता” आ “प्रभु” बहुत अछि,
6तैयो अपना सभक लेल एकेटा परमेश्वर
छथि, अर्थात् पिता, जिनका सँ सभ किछु
उत्पन्न भेल अछि आ जिनका लेल अपना
सभ जीबैत छी। आ एकेटा प्रभु छथि,
अर्थात् यीशु मसीह, जिनका द्वारा सभ

7:36 मूलक जे शब्द “आत्मसंयम कयनाइ कठिन भऽ रहल छैक” सँ अनुवाद कयल गेल, से एहू तरहेँ अनुवादित भऽ सकैत अछि—“ओहि कुमारिक उमेर ढरि गेल अछि” **7:36-38** वा “मुदा जँ ककरो बुझाइत होइक जे ओ अपन कुमारि बेटीक विवाह नहि करा कऽ ओकरा लेल उचित नहि कऽ रहल अछि आ ओहि बेटीक उमेर ढरि रहल अछि, आ ई बुझैत होअय जे ओकर विवाह होयबाक चाही, तँ ओ जेना करऽ चाहैत अछि तेना करय—ओकर विवाह कराबय। एहि मे पाप नहि अछि। मुदा जकर मोन एहि विषय मे स्थिर भऽ गेल छैक, आ जे कोनो तरहेँ बाध्य नहि अछि, बल्कि अपन इच्छाक अनुसार चलबाक अधिकारी अछि, आ जे अपना बेटी केँ कुमारिए रखबाक निश्चय कयने अछि, सेहो ठीक करैत अछि। एहि तरहेँ जे केओ अपन बेटीक विवाह करबैत अछि से ठीक करैत अछि, मुदा जे नहि करबैत अछि से आरो ठीक करैत अछि।” **7:39** वा, “प्रभुक इच्छाक अनुसार होअय” (अक्षरशः “प्रभु मे होअय”)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

किछु बनाओल गेल अछि आ जिनका
द्वारा अपना सभ जीबैत छी।
7 मुदा सभ लोक कैँ ई ज्ञान नहि अछि।
किछु विश्वासी सभ बितल समय मे
मुरुतक पूजाक अभ्यस्त होयबाक कारणेँ
एखनो धरि जखन मुरुत पर चढ़ाओल
वस्तु खाइत अछि तँ ओकरा प्रसाद मानैत
अछि आ ओकर नीक-अधलाह बुझबाक
ज्ञान कमजोर रहबाक कारणेँ ओकर मोन
ओकरा अशुद्ध ठहरा दैत छैक। 8भोजनक
वस्तु अपना सभ कैँ परमेश्वरक नजदीक
नहि पहुँचा सकैत अछि। जँ ओकरा नहि
खाइ तँ ताहि सँ कोनो हानि नहि होयत आ
जँ ओकरा खाइ तँ ओहि सँ कोनो लाभ
नहि होयत।
9 मुदा एकर ध्यान राखू, जे अहाँक
स्वतन्त्रता कमजोर लोक सभक लेल
ठोकर लगबाक कारण नहि बनि
जाय। 10कारण, जँ केओ, जकर नीक-
अधलाह बुझबाक ज्ञान कमजोर छैक
अहाँ कैँ, जकरा एहि बात सभक ज्ञान
अछि, देवताक मन्दिर मे भोजन करैत
देखय तँ की मूर्ति पर चढ़ाओल बलिक
माँसु खयनाइ गलत मानिओ कऽ तकरा
खयबाक लेल उत्साहित नहि भऽ जायत?
11एहि तरहेँ अहाँक ज्ञानक कारणेँ ओ
कमजोर भाय, जकरा लेल मसीह मरलाह,
नाश भऽ जाइत अछि। 12जखन अहाँ सभ
एना कऽ कऽ अपन भाय सभक कमजोर
विवेक कैँ हानि पहुँचबैत ओकर विरुद्ध
अपराध करैत छी तखन मसीहक विरुद्ध
अपराध करैत छी। 13एहि लेल जँ हमर
भोजनक वस्तु हमरा भाय कैँ पाप मे
खसाओत तँ हम फेर कहियो माँसु नहि
खायब, जाहि सँ हम अपना भायक लेल
खसबाक कारण नहि बनी।

मसीह-दूत छी मुदा तकर लाभ नहि उठबैत छी

9 की हम स्वतन्त्र नहि छी? की हम
मसीह-दूत नहि छी? की हम अपना
सभक प्रभु, यीशु, कैँ नहि देखने छी?
की अहाँ सभ प्रभुएक शक्ति द्वारा कयल
हमर परिश्रमक परिणाम नहि छी? 2दोसर
सभक दृष्टि मे हम मसीह-दूत नहिओ
होइ, मुदा अहाँ सभक लेल तँ अवश्य छी,
किएक तँ अहाँ सभ अपने एहि बात कैँ
प्रमाणित करऽ वला “छाप” छी जे हम
प्रभुक पठाओल मसीह-दूत छी।
3 हमरा सम्बन्ध मे पूछ-ताछ कयनिहार
सभक लेल अपन सफाइ मे हमर यैह उत्तर
अछि— 4की हमरा सभ कैँ खयबाक-
पिबाक लेल खर्च पयबाक अधिकार नहि
अछि? 5की हमरा सभ कैँ ई अधिकार
नहि अछि जे हमहूँ सभ कोनो मसीही स्त्री
सँ विवाह कऽ कऽ जतऽ जाइ ततऽ संग
लऽ जाइ, जेना कि आन मसीह-दूत सभ
आ प्रभु यीशुक भाय सभ और पत्रुस*
करैत छथि? 6की हम आ बरनबास मात्रे
अपन जीवन-निर्वाहक लेल काज करैत
रहबाक लेल बाध्य छी?
7 एहन के अछि जे अपने खर्च सँ
सेना मे सेवा करैत होअय? के अछि जे
अंगूरक बगान लगा कऽ ओकर फल नहि
खाइत होअय? के अछि जे भेँड़-बकरी
सभ कैँ चरबाही कऽ कऽ ओकर दूध
नहि पिबैत होअय? 8की हम मनुष्यक
दृष्टिकोण सँ मात्र ई बात कहैत छी?

9:5 मूल मे, “कैफा”। “पत्रुस” (यूनानी भाषा) और “कैफा” (इब्रानी भाषा) एके नाम अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

की धर्म-नियम सेहो यैह बात नहि कहैत
अछि? 9किएक तँ मूसा केँ देल गेल धर्म-
नियम मे लिखल अछि जे, “दाउन करैत
बरदक मुँह मे जाबी नहि लगाउ।”* की
बरदे सभक लेल परमेश्‍वर चिन्ता करैत
छथि? 10की ओ अपना सभक लेल ई
नहि कहने छथि? हँ, ई निश्‍चय अपने
सभक लेल लिखल गेल अछि। किएक
तँ ई उचित अछि जे हऽर जोतऽ वला
आ दाउन करऽ वला अपन काज एही
आशा मे करय जे हम उपजा-बाड़ीक
हिस्सा पायब। 11जखन हम सभ अहाँ
सभक बीच आत्मिक बीया बाउग कयने
छी तँ की अहाँ सभ सँ भोजन-वस्त्र रूपी
फसिलक आशा कयनाइ कोनो बड़का
बात भेल? 12जँ दोसर लोक केँ अहाँ सभ
सँ एहि तरहेँ सहयोग पयबाक अधिकार
छनि तँ की हुनका सभक अपेक्षा हमरे
सभ केँ बेसी अधिकार नहि अछि? तैयो
हम सभ एहि अधिकारक उपयोग नहि
कयने छी। तकरा बदला मे हम सभ
केहनो बात सहैत छी जाहि सँ मसीहक
शुभ समाचारक प्रभाव मे हमरा सभक
द्वारा बाधा नहि पड़य। 13की अहाँ सभ ई
नहि जनैत छी जे मन्दिर मे सेवा कयनिहार
लोक मन्दिर सँ भोजन पबैत छथि आ
बलि-वेदीक कार्य कयनिहार लोक वेदी
परक बलिक हिस्सेदार रहैत छथि?
14एही तरहेँ प्रभु ई व्यवस्था कयलनि जे
शुभ समाचारक प्रचार कयनिहार लोक
शुभ समाचारक प्रचारक काज द्वारा
अपन जीविका चलयबाक लेल खर्च
पाबय। 15मुदा हम एहि अधिकार सभ मे
सँ एकोटाक प्रयोग नहि कयलहुँ। हम ई
बात सभ एहि लेल नहि लिखि रहल छी
जे आब हमरा लेल ई सभ कयल जाय।
हम भलेही मरि जाइ, मुदा केओ हमरा
एहि गौरव सँ वंचित नहि करय जे हम
बिनु किछु पौने शुभ समाचार सुनौलहुँ।
16हम एहि बात पर गौरव नहि करैत छी
जे हम शुभ समाचारक प्रचार करैत छी।
हमरा तँ सैह करबाक अछि। धिक्कार
हमरा, जँ हम शुभ समाचारक प्रचार नहि
करी! 17जँ हम अपने सँ प्रचारक काज
चुनि कऽ करितहुँ तँ हमरा पुरस्कारक
आशा होइत। मुदा हम अपने इच्छा
सँ नहि करैत छी, बल्कि हमरा जाहि
काजक जिम्मा देल गेल अछि, बस,
तकरे पूरा कऽ रहल छी। 18तँ फेर की
अछि हमर पुरस्कार? ओ यैह अछि जे
हम प्रभु यीशुक शुभ समाचारक प्रचार
बिनु पारिश्रमिक लऽ करी आ ओहि सँ
सम्बन्धित अधिकार अपना लेल उपयोग
मे नहि लाबी।

स्वतन्त्र छी मुदा अपना केँ सभक गुलाम बनबैत छी

19 हम ककरो बन्हन मे नहि, स्वतन्त्रे
छी, तैयो हम अपना केँ सभक गुलाम
बना लेने छी जाहि सँ हम बेसी सँ बेसी
लोक केँ प्रभु लग आनि सकी। 20यहूदी
सभक बीच हम यहूदी सनक बनि गेलहुँ
जाहि सँ यहूदी सभ केँ प्रभु लग आनि
सकी। जे लोक सभ मूसाक धर्म-नियमक
अधीन अछि, तकरा सभक बीच हम
धर्म-नियमक अधीन नहिओ रहैत स्वयं
धर्म-नियमक अधीन सनक बनि गेलहुँ
जाहि सँ धर्म-नियमक अधीन मे रहऽ

9:9 व्यव 25.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

वला लोक सभ केँ प्रभु लग आनि सकी।
21जाहि समाजक लोक लग मूसाक
धर्म-नियम नहि अछि तकरा सभ केँ
प्रभु लग अनबाक लेल हम ओकरे सभ
सनक बनि गेलहुँ, ओना तँ हम मसीहक
नियमक अधीन रहबाक कारणेँ वास्तव
मे परमेश्वरक नियम सँ स्वतन्त्र नहि छी।
22हम दुर्बल सभक बीच दुर्बल बनि गेलहुँ
जाहि सँ हम ओकरा सभ केँ प्रभु लग
आनि सकी। हम सभक लेल सभ किछु
बनि गेल छी जाहि सँ कोनो ने कोनो तरहेँ
हम किछु लोक केँ बँचा सकी। 23हम
ई सभ बात शुभ समाचारक प्रभाव केँ
बढ़यबाक लेल करैत छी जाहि सँ शुभ
समाचारक आशिष मे हम सहभागी बनि
जाइ।

24 की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे
दौड़ प्रतियोगिता मे सभ प्रतियोगी दौड़ैत
अछि, मुदा पुरस्कार मात्र एके गोटे केँ
भेटैत छैक? तेँ अहाँ सभ एहि तरहेँ
दौड़ू जे पुरस्कार प्राप्त करी। 25खेल
प्रतियोगिता मे भाग लेबऽ वला खेलाड़ी
सभ प्रत्येक बातक संयम रखैत अछि।
ओ सभ ओहन जय-माला पयबाक लेल
ई सभ करैत अछि जे टिकत नहि, मुदा
अपना सभ अविनाशी मुकुट पयबाक
लेल एना करैत छी। 26एहि लेल हम
एहन खेलाड़ी जकाँ छी जे सामने राखल
लक्ष्य पर सँ नजरि नहि हटा कऽ दौड़ैत
अछि। हम एहन मुक्केबाजीक खेलाड़ी
जकाँ नहि छी जे हवे मे मुक्का मारैत
अछि। 27हम अपना शरीर केँ कष्ट दऽ
कऽ वश मे रखैत छी। नहि तँ कतौ एना
नहि भऽ जाय जे दोसर लोक केँ उपदेश
देलाक बाद हम स्वयं पुरस्कार पयबाक
लेल अयोग्य ठहरी।

यहूदी सभक इतिहासक उदाहरण दऽ चेतावनी

10 तेँ, यौ भाइ लोकनि, हम
चाहैत छी जे अहाँ सभ
अपना सभक प्राचीन समयक पुरखा
लोकनिक बारे मे बुझी जे, जे सभ
मूसाक संग मिस्र देश सँ निकललाह
ओ सभ गोटे ओहि मेघक छाया मे
चललाह जे रस्ता देखबैत संग-संग
चलैत छलनि, आ ओ सभ केओ लाल
सागरक बीच बाटे पार भेलाह। 2एहि
तरहेँ बुझल जा सकैत अछि जे ओ
सभ केओ ओहि मेघक छाया मे चलि
कऽ आ मूसाक पाछाँ समुद्र मे जा कऽ
एहि रूप मे “बपतिस्मा” स्वीकार
करैत मूसा मे सहभागी बनलाह। 3सभ
केओ एके प्रकारक आत्मिक भोजन
कयलनि, 4आ एके प्रकारक आत्मिक
जल पिलनि, किएक तँ ओ सभ ओहि
आत्मिक चट्टान सँ बहऽ वला जल
पिबैत छलाह जे हुनका सभक संग-संग
चलैत छलनि, और ओ चट्टान छलाह
मसीह। 5ई सभ बात होइतो हुनका
सभ मे सँ अधिकांश लोक सँ परमेश्वर
अप्रसन्न भेलाह और ओ सभ निर्जन
क्षेत्र मे नष्ट भऽ गेल।

6 ई घटना सभ अपना सभक लेल
उदाहरणक रूप मे चेतावनी भेल जाहि
सँ अपना सभ हुनका सभ जकाँ अधलाह
बात सभक लालसा नहि करी। 7हुनका
सभ मे सँ किछु लोक जकाँ अहाँ सभ
मूर्तिक पूजा कयनिहार नहि बनू, जिनका
सभक विषय मे धर्मशास्त्र मे लिखल
अछि जे, “लोक सभ खयबाक-पिबाक
लेल बैसल आ मौज-मजा करबाक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल उठल।”* 8अपना सभ अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध नहि राखी, जेना कि
हुनका सभ मे सँ किछु लोक कयलनि
आ एके दिन मे तेइस हजार मरि गेलाह।
9अपना सभ प्रभुक परीक्षा नहि करियनि,
जेना कि हुनका सभ मे सँ किछु लोक
कयलनि आ साँप सभक कटनाइ सँ
मारल गेलाह। 10अहाँ सभ कुड़बुड़ाउ
नहि, जेना कि हुनका सभ मे सँ किछु
लोक कयलनि आ विनाशक दूत द्वारा
मारल गेलाह।

11 ई सभ घटना उदाहरणक लेल
हुनका सभ पर बितलनि, आ अपना
सभ कैँ चेतावनी देबाक लेल लिखल
गेल अछि जे सभ संसारक अन्त होमऽ-
होमऽ वला समय मे जीबि रहल छी।
12तेँ जे केओ अपना कैँ मजगूत बुझैत
अछि से सावधान रहओ जे कहीं खसि
ने पड़य। 13अहाँ सभ कहियो कोनो
एहन परीक्षा मे नहि पड़लहुँ जे मनुष्य
सभ कैँ नहि होइत रहैत अछि। परमेश्वर
विश्वासयोग्य छथि। ओ अहाँ सभ
कैँ एहन परीक्षा मे नहि पड़ऽ देताह
जे अहाँ सभक सहनशक्ति सँ बाहर
होअय। ओ परीक्षाक समय मे तकरा
सहबाक साहस दैत अहाँ सभ कैँ पार
कऽ निकलबाक उपाय सेहो उपलब्ध
करौताह।

मूर्ति आ प्रभु, दूनूक सेवा नहि कऽ सकैत छी

14 तेँ, यौ हमर प्रिय भाइ लोकनि,
अहाँ सभ मूर्तिक पूजा कयनाइ सँ दूर
रहू। 15हम अहाँ सभ कैँ समझदार बुझि
ई बात कहि रहल छी। हम जे कहैत छी
तकर अहाँ सभ स्वयं जाँच करू जे ओ
सही अछि वा नहि। 16प्रभु-भोजक ओ
आशिषक बाटी, जकरा लेल अपना सभ
प्रभु कैँ धन्यवाद दैत छी, की ताहि मे
सँ पिबैत अपना सभ मसीहक बहाओल
खून मे सहभागी नहि छी? आ ओ रोटी,
जकरा अपना सभ तोड़ैत छी, की ताहि
मे सँ खा कऽ अपना सभ मसीहक देह
मे सहभागी नहि छी? 17रोटी एकेटा
अछि, एहि कारणेँ अपना सभ अनेक
होइतो एक देह छी, किएक तँ अपना
सभ ओहि एकेटा रोटी मे सँ खाइत छी।
18इस्राएली समाजक बारे मे सोचू—की
बलि-भोज खयनिहार लोक ओहि
परमेश्वरक सेवा मे सहभागी नहि अछि
जिनकर वेदी पर बलि चढ़ाओल गेल
अछि? 19तखन हम कहि की रहल छी?
की ई जे मुरुत पर चढ़ाओल वस्तुक
कोनो विशेषता अछि? वा की ई जे
मुरुतक कोनो महत्व अछि? 20नहि!
हमर कहबाक अर्थ ई अछि जे, जे बलि
मुरुत पर चढ़ाओल जाइत अछि से
परमेश्वर कैँ नहि, बल्कि दुष्टात्मा सभ
कैँ चढ़ाओल जाइत अछि, आ हम नहि
चाहैत छी जे अहाँ सभ दुष्टात्मा सभक
सहभागी बनू। 21अहाँ सभ प्रभुक बाटी
आ दुष्टात्मा सभक बाटी, दूनू मे सँ
नहि पिबि सकैत छी। अहाँ सभ प्रभुक
भोज आ दुष्टात्मा सभक भोज, दूनू मे
सहभागी नहि बनि सकैत छी। 22की
अपना सभ प्रभुक मोन मे डाह उत्पन्न
कराबऽ चाहैत छी? की अपना सभ
हुनका सँ शक्तिशाली छी?

10:7 प्रस्थान 32.6

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दोसराक हितक लेल अपन स्वतन्त्रता त्यागू

23 “सभ किछु करबाक स्वतन्त्रता
अछि”—मुदा सभ किछु हितकर नहि
अछि। “सभ किछु करबाक स्वतन्त्रता
अछि”—मुदा सभ किछु लाभदायक नहि
अछि। 24सभ केँ अपन नहि, बल्कि दोसर
लोकक हितक ध्यान रखबाक चाही।

25 बजार मे जे माँसु बिकाइत अछि
तकरा अहाँ निश्चिन्ततापूर्बक खा सकैत
छी। ओ माँसु चढ़ाओल अछि वा नहि
तकर पूछ-ताछ नहि करऽ लागू, 26किएक
तँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे “पृथ्वी
आ ओहि परक जे किछु अछि से सभ
प्रभुक छनि।”* 27जँ अविश्वासी सभ मे
सँ केओ अहाँ केँ निमन्त्रण दय आ अहाँ
जाय चाही तँ जाउ आ ओतऽ जे किछु
अहाँ केँ परसल जाइत अछि तकरा
निश्चिन्ततापूर्बक बिनु कोनो प्रश्न कयने
खाउ। 28मुदा जँ केओ कहय जे, “ओ
प्रसाद अछि,” तँ कहनिहारक हितक लेल
आ जाहि सँ विवेक केँ हानि नहि पहुँचय
ओ वस्तु नहि खाउ। 29हमर कहबाक अर्थ
अहाँक विवेक सँ नहि, बल्कि ओहि दोसर
आदमीक विवेक सँ अछि। किएक तँ हमर
स्वतन्त्रता दोसराक विवेकक अनुसार
किएक दोषी ठहरय? 30जँ हम धन्यवाद
दऽ कऽ भोजन करैत छी तँ जाहि वस्तुक
लेल हम परमेश्वर केँ धन्यवाद दैत छी
ताहि सँ हमर निन्दा किएक होअय?

31 अहाँ सभ खाइ वा पिबी वा जे किछु
करी, सभ किछु एहि लेल करू जाहि सँ
परमेश्वरक महिमा प्रगट होनि। 32ककरो
ठेस लगबाक कारण नहि बनू, ने यहूदी
सभक लेल, ने आन जातिक लेल आ ने
परमेश्वरक मण्डलीक लेल। 33तहिना
हमहूँ अपना हितक लेल नहि, बल्कि
दोसर लोक सभक हित केँ ध्यान मे राखि
कऽ सभ बात मे सभ लोक केँ प्रसन्न
करबाक प्रयत्न करैत छी जाहि सँ ओ सभ
उद्धार पाबि सकय।

11 जहिना मसीह जेना करैत छथि
तेना हमहूँ करैत छी, तहिना हम
जेना करैत छी तेना अहूँ सभ करू।

परमेश्वर द्वारा स्थापित कयल अधिकारक क्रम

2 हम अहाँ सभक प्रशंसा करैत छी
जे अहाँ सभ प्रत्येक बात मे हमर ध्यान
रखैत छी आ हमरा सँ जे शिक्षा अहाँ सभ
केँ भेटल अछि ताहि मे दृढ़ बनल रहैत
छी। 3मुदा हम चाहैत छी जे अहाँ सभ ई
बुझी जे प्रत्येक पुरुषक ⌞प्रमुख, अर्थात्,⌟
“सिर”, मसीह छथि, स्त्रीक “सिर” पुरुष
छथि आ मसीहक “सिर” परमेश्वर छथि।
4कोनो पुरुष जे सिर झाँपि कऽ प्रार्थना
करैत अछि वा परमेश्वर सँ भेटल सम्बाद
सुनबैत अछि से अपन सिरक अपमान
करैत अछि। 5कोनो स्त्री जे सिर उघाड़ि
कऽ प्रार्थना करैत अछि वा परमेश्वर
सँ भेटल सम्बाद सुनबैत अछि से अपन
सिरक अपमान करैत अछि किएक तँ
ओ एहन बात होइत जेना ओ पूरा मूड़ीक
केश छिलौने रहैत। 6कारण, जँ स्त्री अपन
सिर नहि झाँपय तँ ओ अपन केश कटबा
लओ। मुदा जँ स्त्रीक लेल पूरा मूड़ीक केश
कटौनाइ वा छिलौनाइ लाजक बात अछि

10:26 भजन 24.1

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तँ ओ अपन सिर झाँपओ। [7]पुरुष केँ अपन
सिर नहि झँपबाक चाहिऐक, किएक तँ
पुरुष परमेश्वरक प्रतिरूप आ हुनकर गौरव
अछि। तहिना स्त्री पुरुषक गौरव अछि
[8]किएक तँ स्त्री सँ पुरुष नहि बनाओल
गेल, बल्कि पुरुष सँ स्त्री, [9]आ स्त्रीक लेल
पुरुषक सृष्टि नहि भेल, बल्कि पुरुषक लेल
स्त्रीक। [10]एहि कारणेँ, आ स्वर्गदूत सभक
कारणेँ सेहो, स्त्रीगण सभ केँ अधिकारक
चिन्ह केँ अपना सिर पर रखबाक चाही।
[11]तैयो प्रभुक विधानक अनुसार* स्त्री आ
पुरुष दूनू एक-दोसर पर निर्भर रहैत अछि।
[12]कारण, जहिना पुरुष सँ स्त्रीक सृष्टि भेल
तहिना पुरुषक जन्म स्त्री सँ होइत अछि
आ सभ बातक मूलस्रोत परमेश्वरे छथि।
[13]अहीं सभ विचार करू—की ई उचित
अछि जे स्त्री बिनु सिर झँपने परमेश्वर सँ
प्रार्थना करय? [14]जे स्वभाविक बात सभ
अछि, की ताहि सँ अहाँ सभ केँ ई शिक्षा
नहि भेटैत अछि जे पुरुषक लेल लम्बा
केश रखनाइ लाजक बात अछि? [15]मुदा
स्त्रीक लेल लम्बा केश ओकर शोभा छैक।
किएक तँ ओकर झापनक रूप मे ओकरा
लम्बा केश देल गेल छैक। [16]मुदा जँ केओ
एहि विषय मे विवाद करऽ चाहय तँ ओ ई
जानि लओ जे ने तँ हमरा सभक बीच कोनो
दोसर प्रथा प्रचलित अछि आ ने परमेश्वरक
मण्डली सभ मे।

प्रभु-भोजक विषय मे शिक्षा

*(मत्ती 26.26-28; मरकुस 14.22-24;
लूका 22.17-20)*

17 जाहि विषय मे हम आब आदेश
देबऽ जा रहल छी ताहि विषय मे हम अहाँ
सभक प्रशंसा नहि करैत छी, किएक तँ
अहाँ सभक एक ठाम जमा भेनाइ सँ लाभ
नहि, बल्कि हानि होइत अछि। [18]पहिल
बात ई—हम सुनैत छी जे जहिया-जहिया
अहाँ सभ मण्डलीक रूप मे जमा होइत
छी तहिया-तहिया अहाँ सभक बीच
दलबन्दी स्पष्ट भऽ जाइत अछि। हम
किछु सीमा तक एहि बातक विश्वासो
करैत छी। [19]अहाँ सभ मे फूट होयब एक
प्रकार सँ आवश्यको अछि जाहि सँ ई
स्पष्ट भऽ जाय जे अहाँ सभ मे सँ योग्य
व्यक्ति के सभ छी। [20]अहाँ सभ जखन
एक ठाम जमा होइत छी, तँ जाहि तरहेँ
खाइत छी तकरा प्रभु-भोज नहि कहल जा
सकैत अछि, [21]किएक तँ प्रत्येक व्यक्ति
झटपट दोसर सभ सँ पहिने अपने भोजन
करऽ मे लागि जाइत छी। एहि तरहेँ केओ
भूखल रहि जाइत अछि आ केओ पिबि
कऽ माति जाइत अछि। [22]की खयबाक-
पिबाक लेल अहाँ सभ केँ अपन-अपन घर
नहि अछि? की अहाँ सभ गरीब सभ केँ
नीचाँ देखा कऽ परमेश्वरक मण्डली केँ
तुच्छ बुझैत छी? हम अहाँ सभ केँ की
कहू? की एहि बातक लेल अहाँ सभक
प्रशंसा करू? हम किन्नहुँ प्रशंसा नहि
करब!

23 कारण, हम अहाँ सभ केँ जे
शिक्षा सौंपि देलहुँ, से हम प्रभु सँ पौने
छलहुँ, अर्थात्, जाहि राति प्रभु यीशु
पकड़बाओल गेलाह, ओहि राति ओ
हाथ मे रोटी लेलनि [24]आ परमेश्वर केँ
धन्यवाद दऽ कऽ ओहि रोटी केँ तोड़लनि
आ कहलनि, “ई हमर देह अछि जे अहाँ
सभक लेल देल जा रहल अछि। ई हमर

11:11 अक्षरशः “तैयो प्रभु मे”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यादगारी मे करू।” 25एही तरहेँ भोजनक
बाद ओ हाथ मे बाटी लेलनि आ कहलनि,
“एहि बाटी मे परमेश्वर आ मनुष्यक बीच
नव सम्बन्ध स्थापित करऽ वला हमर
खून अछि। जहिया-जहिया अहाँ सभ ई
पिबी तहिया-तहिया से हमरा यादगारी मे
करू।” 26एहि तरहेँ जहिया कहियो अहाँ
सभ ई रोटी खाइत छी आ ई रस पिबैत
छी तँ प्रभुक अयबाक दिन धरि अहाँ सभ
हुनकर मृत्युक प्रचार करैत छी।

27 तेँ जे केओ अनुचित रीति सँ प्रभुक ई
रोटी खाइत अछि आ प्रभुक ई रस पिबैत
अछि से प्रभुक देह आ खूनक सम्बन्ध मे
दोषी ठहरत। 28एहि लेल प्रत्येक मनुष्य
अपना केँ जाँचओ, तकरबादे एहि रोटी
मे सँ खाओ आ एहि बाटी मे सँ पिबओ।
29किएक तँ जे केओ ई बात बिनु चिन्हने
जे प्रभुक देह की अछि एहि मे सँ खाइत
आ पिबैत अछि से खाइत-पिबैत अपना
पर परमेश्वरक दण्ड लऽ अनैत अछि।
30यैह कारण अछि जे अहाँ सभक बीच
बहुतो लोक कमजोर आ रोगी अछि और
किछु मरिओ गेल अछि*। 31जँ अपना
सभ स्वयं अपना केँ ठीक सँ जँचितहुँ तँ
दण्डक भागी नहि होइतहुँ। 32मुदा प्रभु
जखन अपना सभ केँ सजाय दैत छथि तँ
अपना सभ केँ सुधारबाक लेल दैत छथि
जाहि सँ अपना सभ संसारक संग दण्डक
भागी नहि बनी। 33एहि लेल, यौ हमर भाइ
लोकनि, अहाँ सभ जखन भोजन करबाक
लेल जमा होइत छी तँ एक-दोसराक लेल
ठहरू। 34जँ केओ भूखल होइ तँ अपना
घरे मे खा लिअ जाहि सँ अहाँ सभक जमा
भेनाइ दण्डक कारण नहि बनय।

आरो बात सभक निपटारा हम अयला
पर करब।

मण्डली केँ परमेश्वरक आत्मा द्वारा देल गेल अनेक वरदान

12 यौ भाइ लोकनि, हम चाहैत छी
जे अहाँ सभ आत्मिक वरदान
सभक विषय मे ठीक सँ बुझी। 2अहाँ
सभ केँ बुझले अछि जे जखन अहाँ सभ
प्रभु सँ अपरिचित छलहुँ तखन कोनो ने
कोनो तरहेँ प्रभावित भऽ अहाँ सभ बौक
मुरुत सभक दिस भटकाओल जाइत
छलहुँ। 3एहि लेल हम अहाँ सभ केँ कहि
दैत छी जे परमेश्वरक आत्माक प्रेरणा सँ
बाजऽ वला केओ एना नहि कहैत अछि
जे, “यीशु सरापित होओ” आ ने पवित्र
आत्माक प्रेरणा बिना केओ ई कहि सकैत
अछि जे, “यीशुए प्रभु छथि।”

4 वरदान विभिन्न प्रकारक अछि मुदा
वरदान देबऽ वला पवित्र आत्मा एकेटा
छथि। 5सेवाक काज सेहो अनेक प्रकारक
अछि मुदा एकेटा प्रभु छथि जिनकर सेवा
कयल जाइत अछि। 6काज अनेक तरीका
सँ होइत अछि मुदा सभ लोक मे एकेटा
परमेश्वर ओहि सभ काज मे क्रियाशील
छथि। 7सभक हितक लेल एक-एक
व्यक्ति मे पवित्र आत्माक उपस्थिति
कोनो ने कोनो रूप मे प्रगट कयल जाइत
अछि। 8पवित्र आत्मा द्वारा किनको
बुद्धिपूर्ण बात बजबाक आ किनको ओही
पवित्र आत्मा द्वारा ज्ञानक बात बजबाक
वरदान भेटैत अछि। 9किनको ओही
पवित्र आत्मा द्वारा विशेष विश्वास आ
किनको ओही पवित्र आत्मा द्वारा बिमार

11:30 अक्षरशः “और किछु सुतिओ रहल अछि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक केँ स्वस्थ करबाक वरदान सभ देल
जाइत अछि, 10किनको चमत्कारक काज
सभ करबाक वरदान, किनको प्रभुक
दिस सँ सम्बाद पयबाक आ सुनयबाक
वरदान, किनको ई चिन्हबाक वरदान
जे कोनो बात परमेश्वरक आत्माक दिस
सँ अछि वा दोसर आत्माक दिस सँ,
किनको अनजान भाषा बजबाक वरदान
आ किनको ओहि भाषा सभक अर्थ
बुझयबाक वरदान देल जाइत अछि।
11ई सभ ओही एक पवित्र आत्माक काज
छनि जे अपन इच्छाक अनुसार एक-एक
व्यक्ति केँ वरदान बँटैत छथि।

शरीर एक—अंग अनेक

12 जहिना मनुष्यक शरीर एक अछि,
मुदा तैयो ओकर बहुत अंग होइत अछि
आ सभ अंग अनेक होइतो एकेटा
शरीर अछि, तहिना मसीह सेहो छथि।
13किएक तँ, अपना सभ यहूदी होइ वा
यूनानी, गुलाम होइ वा स्वतन्त्र, एके
शरीर होयबाक लेल अपना सभ गोटे केँ
एके पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा देल
गेल अछि। सभ केँ एके पवित्र आत्मा
पिआओल गेल छथि।

14 शरीर मे सेहो एक नहि, अनेक अंग
अछि। 15जँ पयर कहय, “हम हाथ नहि
छी, एहि लेल हम शरीरक अंग नहि छी,”
तँ की ओ एहि कारणेँ शरीरक अंग नहि
भेल? 16जँ कान कहय, “हम आँखि नहि
छी, एहि लेल हम शरीरक अंग नहि छी,”
तँ की एहि कारणेँ ओ शरीरक अंग नहि
भेल? 17जँ सम्पूर्ण शरीर आँखिए होइत
तँ ओ सुनैत कोना? जँ सम्पूर्ण शरीर
काने होइत तँ ओ सुँघैत कोना? 18मुदा
परमेश्वर अपन इच्छाक अनुसार प्रत्येक
अंग केँ शरीर मे अपन स्थान पर राखि
देने छथि। 19जँ सभ एकेटा अंग रहैत तँ
शरीर कोना होइत? 20मुदा वास्तविकता
ई अछि जे अंग अनेक अछि, तैयो शरीर
एक अछि।

21 आँखि हाथ केँ नहि कहि सकैत
अछि जे, “हमरा तोहर आवश्यकता नहि,”
आ ने मूड़ी पयर केँ कहि सकैत अछि जे,
“हमरा तोहर आवश्यकता नहि।” 22उल्टे,
शरीरक जे-जे अंग कम महत्वक बुझल
जाइत अछि से सभ अत्यन्त आवश्यक
अछि। 23शरीरक जाहि-जाहि अंग केँ
अपना सभ कम आदरक योग्य बुझैत
छी तकरे सभ पर विशेष ध्यान दैत छी।
जे-जे अंग अशोभनीय अछि तकरा झाँपि
कऽ शोभनीय बनबैत छी 24मुदा अपना
सभक शोभनीय अंग सभक लेल एकर
आवश्यकता नहि होइत अछि। परमेश्वर
अपना सभक शरीरक अंग केँ एना कऽ
जोड़ि देने छथि जाहि सँ कम आदरणीय
अंग सभ केँ विशेष आदर भेटैक 25आ
शरीर मे फूट उत्पन्न नहि होअय, बल्कि
शरीरक सभ अंग एक-दोसराक बराबरि-
बराबरि चिन्ता करय। 26जँ एक अंग
केँ पीड़ा होइत छैक तँ ओकरा संग सभ
अंग केँ पीड़ा होइत छैक। जँ एक अंग केँ
सम्मान होइत छैक तँ ओकरा संग सभ
अंग आनन्द मनबैत अछि।

27 एही तरहेँ अहाँ सभ मिलि कऽ
मसीहक शरीर छी आ अहाँ सभ मे सँ
प्रत्येक व्यक्ति तकर एक अंग छी।
28परमेश्वर मण्डली मे सभ केँ अपन-
अपन स्थान पर राखि देने छथि—सभ
सँ पहिल मसीह-दूत सभ केँ, दोसर,
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ केँ, तेसर शिक्षा
देनिहार सभ केँ, तकरबाद चमत्कारक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काज कयनिहार सभ केँ, स्वस्थ करबाक
वरदान पौनिहार सभ केँ, दोसराक
सहायता करऽ वला सभ केँ, अगुआइ
करबाक वरदान पौनिहार सभ केँ और
अनजान भाषा बजबाक वरदान पौनिहार
सभ केँ। 29की सभ केओ मसीह-दूत
छथि? की सभ केओ परमेश्वरक प्रवक्ता
छथि? की सभ केओ शिक्षा देनिहार
छथि? की सभ केओ चमत्कारक काज
कयनिहार छथि? 30की सभ केओ स्वस्थ
करबाक वरदान पौनिहार छथि? की सभ
केओ अनजान भाषा बजनिहार छथि? की
सभ केओ अनजान भाषा मे बाजल बातक
अर्थ बतौनिहार छथि? 31अहाँ सभ श्रेष्ठ
वरदान सभ पयबाक लेल उत्सुक रहू।

मुदा हम आब अहाँ सभ केँ सभ सँ उत्तम
तरीका बुझाबऽ चाहैत छी।

प्रेम—सभ सँ उत्तम तरीका

13 जँ हम मनुष्य सभक आ
स्वर्गदूत सभक भाषा सभ
बाजी मुदा हम प्रेम नहि करी तँ हम टनटन
करऽ वला घण्टा वा झनझन करऽ वला
झालि मात्र छी। 2जँ परमेश्वर सँ सम्बाद
पयबाक और सुनयबाक वरदान हमरा
भेटल होअय, जँ सभ रहस्य आ समस्त
ज्ञान केँ जानि लेने होइ, आ हमर विश्वास
एतेक परिपूर्ण होअय जे पहाड़ सभ केँ
सेहो ओकर स्थान सँ हटा सकी, मुदा हम
प्रेम नहि करी तँ हम किछु नहि छी। 3जँ
हम अपन सम्पूर्ण सम्पत्ति बाँटि कऽ दान
कऽ दी आ अपन शरीर भस्म होयबाक
लेल अर्पित करी, मुदा हम प्रेम नहि करी
तँ हमरा कोनो लाभ नहि अछि।

4 प्रेम सहनशील आ दयालु होइत अछि।
प्रेम डाह नहि करैत अछि, प्रेम अपन बड़ाइ
नहि करैत अछि आ ने घमण्ड करैत अछि।
5प्रेम अभद्र व्यवहार नहि करैत अछि, ओ
स्वार्थी नहि अछि, जल्दी सँ खौंझाइत
नहि अछि आ ने अपराधक हिसाब रखैत
अछि। 6प्रेम अधर्म सँ प्रसन्न नहि होइत
अछि, बल्कि सत्य सँ आनन्दित होइत
अछि। 7प्रेम सभ बात सहन करैत अछि,
सभ स्थिति मे विश्वास रखैत अछि, सभ
स्थिति मे आशा रखैत अछि आ सभ स्थिति
मे लगनशील रहैत अछि।

8 प्रेमक अन्त कहियो नहि होयत।*
परमेश्वरक दिस सँ सम्बाद पौनाइ
समाप्त भऽ जायत, अनजान भाषा सभ
बजनाइ बन्द भऽ जायत आ ज्ञान लुप्त
भऽ जायत। 9किएक तँ अपना सभक
ज्ञान अपूर्ण अछि आ परमेश्वर सँ सम्बाद
पौनाइ आ सुनौनाइ अपूर्ण अछि। 10मुदा
जखन पूर्णता आबि जायत तँ जे अपूर्ण
अछि से लुप्त भऽ जायत।

11 जखन हम बच्चा छलहुँ तँ बच्चा
जकाँ बजैत छलहुँ, बच्चा जकाँ सोचैत
छलहुँ आ बच्चा जकाँ विचार करैत छलहुँ।
मुदा पैघ भऽ गेला पर बचकानी बात सभ
छोड़ि देलहुँ। 12तहिना एखन अपना सभ केँ
अएना मे धोनाह सन देखाइ दैत अछि, मुदा
तखन प्रत्यक्ष देखब। एखन हमर ज्ञान अपूर्ण
अछि, मुदा तखन ओही तरहेँ पूर्ण रूप सँ
जानब जाहि तरहेँ परमेश्वर पूर्ण रूप सँ
हमरा एखनो जनैत छथि।

13 आब विश्वास, आशा आ प्रेम, ई
तीनू टिकैत अछि मुदा सभ सँ श्रेष्ठ अछि
प्रेम।

13:8 वा, “प्रेम पर सदिखन भरोसा राखल जा सकैत अछि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

वरदान सभ अछि मण्डलीक आत्मिक वृद्धिक लेल

14 अहाँ सभ प्रेमक प्रेरणाक
अनुसार चलबाक लेल
प्रयत्नशील रहू आ आत्मिक वरदान
सभक प्राप्तिक लेल उत्सुक रहू, विशेष
रूप सँ परमेश्वर सँ सम्बाद पयबाक
आ सुनयबाक वरदानक लेल। 2किएक
तँ जे अनजान भाषा मे बजैत अछि से
मनुष्य सभ सँ नहि, बल्कि परमेश्वर
सँ बजैत अछि। वास्तव मे ओकर बात
केओ नहि बुझैत अछि। ओ परमेश्वरक
आत्मा द्वारा* रहस्यक बात सभ कहैत
अछि। 3मुदा जे परमेश्वर सँ सम्बाद
पाबि सुनबैत अछि से लोकक आत्मिक
वृद्धिक लेल आ ओकरा सभ कैँ प्रोत्साहन
आ सान्त्वना देबाक लेल बजैत अछि।
4अनजान भाषा बजनिहार अपनहि
आत्मिक वृद्धि करैत अछि मुदा परमेश्वर
सँ पाओल सम्बाद सुनौनिहार मण्डलीक
आत्मिक वृद्धि करैत अछि। 5हम चाहितहुँ
जे अहाँ सभ मे सँ सभ कैँ अनजान भाषा
सभ बजबाक वरदान भेटय, मुदा ताहि सँ
बेसी ई चाहितहुँ जे अहाँ सभ मे सँ सभ
कैँ परमेश्वर सँ सम्बाद पयबाक आ
सुनयबाक वरदान भेटय। जँ अनजान
भाषा बाजऽ वला स्वयं अपन कहल
बातक अर्थ नहि बुझा सकैत अछि तँ
ओकरा सँ श्रेष्ठ ओ व्यक्ति अछि जे
परमेश्वर सँ भेटल सम्बाद सुनबैत अछि,
जाहि सँ मण्डलीक आत्मिक वृद्धि होअय।
6 यौ भाइ लोकनि, जँ हम अहाँ सभक
ओतऽ आबि कऽ अनजान भाषा मे बाजी
तँ जा धरि अहाँ सभ कैँ हम अपना पर
प्रगट कयल कोनो सत्य नहि सुनाबी,
आ ने कोनो ज्ञानक बात, वा परमेश्वर
सँ पाओल कोनो सम्बाद वा कोनो
शिक्षाक बात कही, तँ ओहि सँ अहाँ सभ
कैँ की लाभ होयत? 7तहिना बाँसुरी वा
वीणा सनक निर्जीवो बाजा सँ जँ स्पष्ट
धुनि नहि निकलत तँ के कहि सकत जे
ओहि सँ की बजाओल जा रहल अछि?
8फेर जँ सेनाक बिगुल सँ स्पष्ट आवाज
नहि निकलत तँ कोन सैनिक अपना
कैँ लड़ाइक लेल तैयार करत? 9एही
तरहेँ अहूँ सभ, जँ बुझऽ वला भाषा मे
नहि बाजब तँ जे बात बाजि रहल छी
तकर अर्थ के बुझत? एना कऽ कऽ
अहाँ सभ तँ हवा मे बात कयनिहार
बनि जायब। 10एहि संसार मे नहि जानि
कतेक प्रकारक भाषा अछि, आ ओहि
मे सँ एकोटा बिनु अर्थक नहि अछि।
11जँ हम ककरो बाजल शब्दक अर्थ
नहि बुझि पबैत छी तँ हम बजनिहारक
लेल परदेशी छी आ बजनिहार हमरा लेल
परदेशी अछि। 12एहि तरहेँ अहूँ सभ, जे
पवित्र आत्माक वरदान सभ पयबाक
लेल उत्सुक छी, एही बातक लेल विशेष
रूप सँ प्रयत्नशील रहू जे अहाँ सभक
वरदानक उपयोगिता सँ मण्डलीक
आत्मिक वृद्धि होअय।
13 एहि कारणेँ अनजान भाषा बजनिहार
अपन कहल बातक अर्थ सेहो बुझा
सकय, तकरा लेल ओ प्रभु सँ विनती
करओ। 14किएक तँ जँ हम अनजान
भाषा मे प्रार्थना करैत छी तँ हमर आत्मा तँ
प्रार्थना करैत अछि मुदा हमर बुद्धि कोनो

14:2 वा, “ओ अपन आत्मा सँ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काजक नहि होइत अछि। 15तखन हम की
करी? हम अपन आत्मा सँ प्रार्थना तँ करब
मुदा अपन बुद्धि सँ सेहो प्रार्थना करब। हम
अपन आत्मा सँ स्तुति गायब मुदा अपन
बुद्धि सँ सेहो स्तुति गायब। 16जँ अहाँ मात्र
आत्मे सँ, ⌞अर्थात् अनजान भाषा मे,⌟
परमेश्वरक स्तुति कऽ रहल छी तँ ओतऽ
उपस्थित लोक सभ मे सँ, जे केओ बुझऽ
वला नहि अछि, से अहाँक धन्यवादक
प्रार्थनाक बाद कोना कहत जे “हँ, एहिना
होअय”* किएक तँ ओ नहि जनैत अछि
जे अहाँ की कहि रहल छी। 17अहाँ तँ
धन्यवाद बहुत बढ़ियाँ सँ दैत छी मुदा
ओहि सँ दोसर व्यक्तिक आत्मिक वृद्धि
नहि भऽ रहल अछि। 18हम परमेश्वर केँ
धन्यवाद दैत छियनि जे हम अहाँ सभ गोटे
सँ बढ़ि कऽ अनजान भाषा मे बजैत छी।
19तैयो मण्डली मे अनजान भाषा मे दस
हजार शब्द बजबाक अपेक्षा दोसर लोक
सभ केँ शिक्षा देबाक लेल पाँचेटा बुझऽ
वला शब्द बाजब नीक बुझैत छी।

20 यौ भाइ लोकनि, बच्चा जकाँ
सोच-विचार कयनाइ छोड़ि दिअ। हँ,
अधलाह बात मे छोट बच्चा बनल
रहू, मुदा सोचऽ-विचारऽ मे सेयान बनू।
21धर्म-नियम मे लिखल अछि, “प्रभुक
कथन छनि जे,

‘हम दोसर-दोसर भाषा बाजऽ वला
आन देशक लोक द्वारा
एहि लोक सभ सँ बात करब।
मुदा तखनो ई लोक सभ हमर बात पर
ध्यान नहि देत।’ ”*

22तहिना अनजान भाषा सभ बजबाक
वरदान विश्वासी सभक लेल नहि,
बल्कि विश्वास केँ अस्वीकार
कयनिहार सभक लेल चिन्ह स्वरूप
अछि। मुदा परमेश्वर सँ पाओल सम्बाद
सुनौनाइ अविश्वासी सभक लेल नहि,
बल्कि विश्वासी सभक लेल चिन्ह
स्वरूप अछि। 23जँ समस्त मण्डली एक
ठाम जमा भऽ जाय आ अहाँ सभ केओ
अनजान भाषा सभ बाजऽ लागी, आ
किछु लोक जे प्रभुक बात सँ अपरिचित
अछि वा अविश्वासी अछि, भीतर
आबि जाय तँ की ओ सभ अहाँ सभ केँ
पागल नहि बुझत? 24मुदा जँ सभ केओ
परमेश्वर सँ पाओल सम्बाद सुनबैत रही
आ तखन कोनो अविश्वासी वा प्रभुक
बात सँ अपरिचित व्यक्ति भीतर प्रवेश
करय तँ ओकरा परमेश्वरक सम्बाद
सुनौनिहार सभक बात द्वारा अपना
पापक अनुभव होयतैक आ ओहि सभ
बात द्वारा ओ अपना केँ दोषी बुझत।
25एहि तरहेँ ओकरा हृदयक गुप्त बात
सभ प्रकाश मे आबि जयतैक आ ओ
दण्डवत कऽ परमेश्वरक आराधना
करैत ई स्वीकार करत जे, “परमेश्वर
वास्तव मे अहाँ सभक बीच उपस्थित
छथि।”

मण्डलीक सभा मे उचित व्यवस्था

26 यौ भाइ लोकनि, फेर एकर निष्कर्ष
की अछि? जहिया-कहियो अहाँ सभ
जमा होइत छी तँ केओ भजन सुनबैत
छी, केओ शिक्षा दैत छी, केओ अपना
पर प्रगट कयल कोनो सत्य बतबैत छी,
केओ अनजान भाषा मे बजैत छी आ
केओ तकर अर्थ बुझबैत छी। मुदा ई

14:16 मूल मे, “कोना ‘आमीन’ कहत” **14:21** यशा 28.11, 12

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ मण्डलीक आत्मिक वृद्धिक लेल
कयल जाय। 27जँ केओ अनजान भाषा
मे बाजय तँ दू वा बेसी सँ बेसी तीन गोटे
बेरा-बेरी बाजओ, और केओ ओकर अर्थ
बुझाबओ। 28जँ कोनो अर्थ बुझौनिहार
नहि होअय तँ अनजान भाषा बाजऽ वला
मण्डली मे चुप रहओ। ओ अपने सँ आ
परमेश्वर सँ बाजओ।

29 परमेश्वरक प्रवक्ता सभ मे सँ दू वा
तीन गोटे बाजथि आ बाँकी लोक हुनकर
सभक बात सभक जाँच करथि। 30मुदा
जँ ओतऽ बैसल लोक सभ मे सँ किनको
पर परमेश्वर सँ कोनो सत्य प्रगट भऽ जाय
तँ पहिने सँ बाजऽ वला व्यक्ति चुप भऽ
जाथि। 31अहाँ सभ बेरा-बेरी सभ केओ
परमेश्वर सँ पाओल सम्बाद सुना सकैत
छी जाहि सँ सभ केँ शिक्षा आ प्रोत्साहन
भेटय। 32परमेश्वरक प्रवक्ता सभ केँ
अपन आत्मा पर नियन्त्रण छनि, 33किएक
तँ परमेश्वर द्वारा अव्यवस्था नहि उत्पन्न
होइत अछि, बल्कि शान्ति।

जहिना प्रभुक लोकक सभ मण्डली मे
होइत अछि, 34तहिना अहूँ सभक सभा
सभ मे स्त्रीगण सभ केँ चुप रहबाक
चाहियनि। हुनका सभ केँ बजबाक
अनुमति नहि अछि, बल्कि धर्म-नियमक
कथनानुसार ओ सभ अधीनता मे रहथु।
35जँ ओ सभ कोनो बातक बारे मे बुझऽ
चाहैत होथि तँ घर पर अपन-अपन पति
सँ पुछथु, किएक तँ मण्डलीक सभा मे
स्त्रीगण सभ केँ बजनाइ लाजक बात
अछि।

36 आब कहू, की परमेश्वरक वचन
अहीं सभ सँ शुरू भेल? वा की ओ अहीं
सभ तक पहुँचल अछि? 37जँ केओ अपना
केँ परमेश्वरक प्रवक्ता वा आत्मिक
वरदान सँ सम्पन्न बुझैत होअय तँ ओ ई
स्वीकार कऽ लओ जे हम जे किछु अहाँ
सभ केँ लिखि रहल छी से प्रभुक आदेश
अछि। 38मुदा जँ केओ एहि पर ध्यान नहि
देत तँ ओकरो पर ध्यान नहि देल जयतैक।

39 एहि लेल, यौ भाइ लोकनि, परमेश्वर
सँ सम्बाद पयबाक और सुनयबाक लेल
उत्सुक रहू मुदा अनजान भाषा सभ मे
बाजऽ वला सभ केँ रोकू नहि। 40सभ
किछु उचित आ व्यवस्थित ढंग सँ कयल
जाय।

यीशु मसीहक सुसमाचार

15 यौ भाइ लोकनि, आब हम अहाँ
सभ केँ ओहि सुसमाचारक
स्मरण करबैत छी जकर प्रचार हम अहाँ
सभक बीच कयने छलहुँ, जकरा अहाँ
सभ मानि लेलहुँ आ जाहि पर अहाँ
सभक विश्वास आधारित अछि। 2जँ
अहाँ सभ ओहि वचन पर अटल रहैत
छी जे हम अहाँ सभ केँ सुनौने छी, तँ
एहि सुसमाचार द्वारा अहाँ सभक उद्धार
अछि। नहि तँ अहाँ सभक विश्वास
कयनाइ व्यर्थ भेल।

3 कारण, जे बात हमरा भेटल तकरा
हम मुख्य सत्यक रूप मे अहाँ सभ
लग पहुँचा देलहुँ, अर्थात् ई जे, मसीह
धर्मशास्त्रक भविष्यवाणीक अनुसार
अपना सभक पापक प्रायश्चित्तक लेल
मरलाह, 4गाड़ल गेलाह, धर्मशास्त्रक
भविष्यवाणीक अनुसार तेसर दिन
जिआओल गेलाह 5आ पत्रुस* केँ देखाइ

15:5 मूल मे, “कैफा”। “पत्रुस” (यूनानी भाषा) और “कैफा” (इब्रानी भाषा) एके नाम अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

देलथिन आ तखन बारहो मसीह-दूतक
समूह केँ सेहो। [6]तकरबाद ओ एके
समय मे पाँच सय सँ बेसी भाइ सभ केँ
देखाइ देलथिन। ओहि मे सँ अधिकांश
आइओ जीवित अछि, ओना तँ किछु
लोक मरिओ गेल अछि*। [7]बाद मे
ओ याकूब केँ आ फेर सभ मसीह-दूत
लोकनि केँ देखाइ देलथिन, [8]आ अन्त
मे हमरो देखाइ देलनि, मानू जे हम
असमयक जन्मल लोक छी।

9 हम ई एहि लेल कहलहुँ जे हम
मसीह-दूत सभ मे सभ सँ छोट छी आ
मसीह-दूत कहयबा जोगरक सेहो नहि
छी, कारण हम परमेश्वरक मण्डली
पर अत्याचार कयने छी। [10]मुदा हम
जे किछु छी से परमेश्वरक कृपा सँ
छी आ हमरा पर जे हुनका द्वारा कृपा
कयल गेल से व्यर्थ नहि भेल। हम आन
सभ मसीह-दूत सँ बढ़ि कऽ परिश्रम
कयलहुँ—ओना तँ हम नहि कयलहुँ,
बल्कि ई परमेश्वरक ओहि कृपा द्वारा
भेल जे हमरा पर रहल। [11]चाहे हम होइ
वा ओ सभ होथि, हम सभ केओ एही
सुसमाचारक प्रचार करैत छी आ एही
पर अहाँ सभ विश्वास कयने छी।

अपना सभक विश्वासक आधार—यीशु जीबि उठलाह तँ अपनो सभ जिआओल जायब

12 मुदा जँ मसीहक विषय मे हम
सभ प्रचार करैत छी जे ओ मृत्यु सँ
जीबि उठाओल गेल छथि तँ अहाँ सभ
मे सँ किछु व्यक्ति कोना कहैत छी जे
मरल सभ केँ जिआओल नहि जायत?
[13]जँ मरल सभ जिआओल नहि जायत
तँ मसीहो नहि जिआओल गेल छथि।
[14]आ जँ मसीह नहि जिआओल गेल
छथि तँ हमरा सभक प्रचार कयनाइ
व्यर्थ अछि और अहाँ सभक विश्वास
कयनाइ सेहो व्यर्थ अछि। [15]तखन एतबे
नहि, हम सभ परमेश्वरक विषय मे झुट्ठा
गवाह सेहो ठहरि गेलहुँ, किएक तँ हम
सभ परमेश्वरक सम्बन्ध मे ई गवाही
देने छी जे ओ मसीह केँ फेर जीवित
कयलथिन। मुदा जँ वास्तव मे मरल
सभ फेर जिआओल नहि जाइत अछि
तँ परमेश्वर मसीह केँ सेहो फेर जीवित
नहि कयलथिन। [16]कारण, जँ मरल सभ
जिआओल नहि जाइत अछि तँ मसीह
सेहो नहि जिआओल गेल छथि। [17]जँ
मसीह फेर जिआओल नहि गेल छथि तँ
अहाँ सभक विश्वास बेकार अछि आ
अहाँ सभ केँ पापक दोष एखनो लागले
अछि। [18]एतबे नहि, तखन तँ ओहो
लोक, जे सभ मसीह पर विश्वास करैत
मरि गेल छथि*, तिनको सभक विनाश
भेल अछि। [19]जँ मसीह पर अपना सभक
आशा मात्र एही जीवन तक सीमित अछि
तँ समस्त मनुष्य जाति मे अपने सभक
दशा सभ सँ खराब अछि।

20 मुदा मसीह निश्चय जिआओल गेल
छथि। हँ, जे सभ मरि गेल छथि* तिनका
सभ मे सँ ओ “प्रथम फल” भेलाह।
[21]किएक तँ जखन मृत्यु एक मनुष्य द्वारा
संसार मे आयल तँ एक मनुष्ये द्वारा मुइल
सभक जीबि उठनाइ सेहो अछि। [22]जाहि

15:6 अक्षरशः “सुतिओ रहल अछि” **15:18** अक्षरशः “जे सभ मसीह मे सुति रहल छथि”
15:20 अक्षरशः “जे सभ सुति रहल छथि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तरहेँ सभ लोक आदम सँ सम्बन्धित भऽ मरैत अछि ताही तरहेँ सभ लोक जे मसीह सँ संयुक्त अछि, जिआओल
जायत। 23मुदा हर एक निर्धारित क्रमक अनुसार अपन-अपन पार पर जिआओल जायत—सभ सँ पहिने मसीह, जे "प्रथम फल" छथि, तकरबाद जखन ओ फेर औताह तखन ओ सभ जे हुनकर लोक
अछि। 24तखन एहि संसारक अन्त भऽ जायत आ मसीह सभ प्रकारक शासन, अधिकार आ सामर्थ्य केँ समाप्त कऽ अपन राज्य पिता परमेश्वरक हाथ मे
सौंपि देथिन। 25किएक तँ जाबत तक मसीह अपन सभ शत्रु केँ पयरक तर मे नहि कऽ लेथि, ताबत तक हुनका राज्य
कयनाइ आवश्यक छनि। 26ओहि मे अन्तिम नष्ट होमऽ वला शत्रु अछि मृत्यु।
27किएक तँ धर्मशास्त्रक कथन अछि जे, "ओ सभ किछु हुनकर पयरक तर मे कयने छथि।"* जखन ई कहल गेल जे "सभ किछु" हुनकर अधीन कयल गेल अछि तखन एहि कथन मे निःसन्देह परमेश्वर केँ छोड़ि देल गेल छनि। वैह तँ सभ किछु मसीहक अधीन कयने छथिन।
28जखन सभ किछु पुत्रक अधीन कऽ देल जायत तखन पुत्र स्वयं तिनकर अधीन भऽ जयताह जे सभ किछु पुत्रक अधीन कऽ देलनि, जाहि सँ सभ बात मे परमेश्वरे सभ किछु रहथि।

29 जँ ई सभ बात होमऽ वला नहि अछि तँ जे व्यक्ति सभ मरल सभक लेल बपतिस्मा लैत अछि से की करत? जँ मरल सभ जिआओले नहि जाइत अछि तँ फेर तकरा सभक लेल लोक बपतिस्मा किएक लैत अछि?
30आ हमहूँ सभ किएक प्रति क्षण संकटक सामना करैत
छी? 31सभ दिन हम मृत्युक सामना करैत छी। हँ, यौ भाइ लोकनि, ई ततेक निश्चित अछि जतेक निश्चित इहो अछि जे अहाँ सभ अपना सभक प्रभु यीशु मसीह मे हमर
गौरव छी। 32जँ हम इफिसुस मे हिंसक पशु सभ सँ लड़लहुँ तँ मनुष्यक दृष्टिकोण सँ हमरा की लाभ भेल? जँ मरल सभ जिआओल नहि जायत तँ,

"आउ, खाइ आ पिबी,
किएक तँ काल्हि तँ मरहेक
अछि।"*

33धोखा नहि खाउ—"अधलाह संगति नीक चरित्र केँ भ्रष्ट कऽ दैत अछि।"
34सही काज करबाक लेल होश मे आउ आ पाप कयनाइ छोड़ि दिअ। अहाँ सभ मे किछु लोक परमेश्वरक सम्बन्ध मे एकदम अनजान छी। ई अहाँ सभक लेल लाजक बात होयबाक चाही।

केहन रूप मे जिआओल जायब?

35 मुदा आब केओ ई पुछत जे, "मरल सभ कोना जिआओल जायत? ओ सभ केहन शरीर धारण कऽ कऽ आओत?"
36ई प्रश्नो मूर्खताक बात अछि! अहूँ जे कोनो बीया बाउग करैत छी से बिनु
मरने कहाँ जीवित होइत अछि? 37अहाँ जे बाउग करैत छी से बाद मे जाहि रूपक होयतैक ताहि रूप मे बाउग नहि करैत छी, बल्कि मात्र बीया बाउग करैत छी—ओ गहुमक होअय वा कोनो
आन अनाजक। 38मुदा परमेश्वर अपन इच्छाक अनुसार ओकरा कोनो रूप

15:27 भजन 8.6 **15:32** यशा 22.13

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रदान करैत छथि—प्रत्येक बीया केँ
ओकर अपन अलग रूपक गाछ होइत
अछि। [39]सभ प्राणी केँ एक समानक
शरीर नहि होइत अछि। मनुष्यक शरीर
एक प्रकारक होइत अछि, पशुक शरीर
दोसर प्रकारक, चिड़ै सभक फेर दोसर
और माछ सभक दोसर प्रकारक होइत
अछि। [40]स्वर्गिक शरीर होइत अछि आ
पृथ्वी वला शरीर सेहो होइत अछि, मुदा
स्वर्गिक शरीरक शोभा एक प्रकारक अछि
आ पृथ्वी वलाक शोभा दोसर प्रकारक।
[41]सूर्यक शोभा एक प्रकारक होइत अछि,
चन्द्रमाक शोभा दोसर प्रकारक आ तरेगन
सभक शोभा आन प्रकारक, एतऽ तक जे
एक ताराक शोभा दोसर ताराक शोभा सँ
भिन्न होइत अछि।

42 मरल सभक जीबि उठनाइ सेहो
एहने बात अछि। जे शरीर मृत्यु द्वारा
"बाउग कयल जाइत अछि" से मरऽ आ
सड़ऽ वला अछि। जखन जिआओल
जाइत अछि तँ मरैत आ सरैत नहि अछि।
[43]अनादरपूर्ण दशा मे "बाउग कयल
जाइत अछि," महिमा सँ मण्डित भऽ
जिआओल जाइत अछि। कमजोर दशा मे
"बाउग कयल जाइत अछि", जिआओल
जा कऽ सामर्थी होइत अछि। [44]जे शरीर
"बाउग कयल जाइत अछि" से प्राकृतिक
वस्तु अछि आ जखन जिआओल जाइत
अछि तँ ओ आत्मिक वस्तु अछि। जँ
प्राकृतिक शरीर होइत अछि तँ आत्मिक
शरीर सेहो होइत अछि।

45 धर्मशास्त्रक लेख सेहो यैह अछि जे,
"पहिल मनुष्य, आदम, जीवित प्राणी बनि
गेल।"* "अन्तिम आदम", अर्थात् मसीह,
जीवनदायक आत्मा बनलाह। [46]पहिने
आत्मिक बात नहि, बल्कि प्राकृतिक
बात आयल, तकरबादे आत्मिक बात।
[47]पहिल मनुष्य माटिक बनल छल, पृथ्वी
सँ छल, मुदा दोसर मनुष्य स्वर्ग सँ छथि।
[48]पृथ्वी वला ओ मनुष्य जेहन छल तेहने
ओ सभ लोक अछि जे पृथ्वी पर रहैत
अछि आ स्वर्ग सँ आयल ओ मनुष्य जेहन
छथि तेहने ओ सभ लोक होयत जे स्वर्ग
मे रहत। [49]अपना सभ जहिना पृथ्वी वला
मनुष्यक रूप धारण कयने छी तहिना
स्वर्ग वला मनुष्यक रूप सेहो धारण
करब।

50 यौ भाइ लोकनि, हमर कहबाक
तात्पर्य ई अछि जे, माँसु आ खून वला
शरीर परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश करबाक
अधिकारी नहि भऽ सकैत अछि। जे
किछु विनाश होमऽ वला अछि से तकरा
पयबाक अधिकारी नहि भऽ सकैत अछि
जे अविनाशी अछि। [51]सुनू, हम अहाँ
सभ केँ एकटा बात कहैत छी जे पहिने
गुप्त राखल गेल छल—अपना सभ मे सँ
सभ केओ नहि मरब*, मुदा सभ बदलि
देल जायब। [52]ई एक क्षण मे, पलक
मारिते, धुतहूक अन्तिम आवाज होइते
भऽ जायत। किएक तँ धुतहू बाजत, मरल
सभ अविनाशी भऽ जीवित कयल जायत
आ अपना सभ बदलि देल जायब। [53]ई
आवश्यक अछि जे, जे सड़ऽ वला अछि
से एहन रूप धारण करय जे नहि सरैत
अछि, जे मरऽ वला अछि, से एहन रूप
धारण करय जे नहि मरैत अछि। [54]जखन
ई नाश होमऽ वला शरीर अविनाशी वला
केँ, आ ई मरणशील शरीर अमरता केँ

15:45 उत्पत्ति 2.7 **15:51** अक्षरशः "नहि सुतब"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धारण कऽ लेत तखन धर्मशास्त्रक ई बात
पूरा भऽ जायत जे, “मृत्यु पर विजय भऽ
गेल अछि! ओ आब समाप्त भेल।”*
55 “हे मृत्यु, तोहर विजय कतऽ छौक?
हे मृत्यु, कतऽ छौक तोहर डंक?”*
56 पाप अछि मृत्युक डंक, आ पाप धर्म-
नियमक आधार पर मृत्युक कारण बनैत
अछि। 57 मुदा परमेश्वर केँ धन्यवाद
होनि! ओ अपना सभक प्रभु यीशु मसीह
द्वारा अपना सभ केँ विजय प्रदान करैत
छथि।
58 एहि लेल, यौ प्रिय भाइ लोकनि,
स्थिर और अटल बनल रहू। अपना केँ
पूर्ण रूप सँ प्रभुक काजक लेल सदत
समर्पित कयने रहू, किएक तँ अहाँ सभ
जनैत छी जे अहाँ सभक परिश्रम प्रभु मे
व्यर्थ नहि अछि।

यरूशलेमक मण्डलीक लेल दान

16 आब प्रभुक लोकक लेल चन्दा
जमा करबाक सम्बन्ध मे हम ई
कहऽ चाहैत छी जे, अहूँ सभ ओहिना करू
जेना हम गलातिया प्रदेशक मण्डली सभ
केँ कहि देने छी। 2 सप्ताहक पहिल दिन
मे प्रत्येक व्यक्ति अपन कमाइक अनुसार
किछु अलग कऽ कऽ जमा करैत जाय।
एहि तरहेँ हमरा पहुँचला पर चन्दा जमा
करबाक आवश्यकता नहि रहत। 3 जखन
हम आयब तँ जकरा सभ केँ अहाँ सभ
उपयुक्त बुझब तकरा सभ केँ हम परिचय-
पत्र दऽ कऽ अहाँ सभ द्वारा जमा कयल दान
यरूशलेम पहुँचयबाक लेल पठा देबैक।
4 आ जँ यैह उचित बुझायत जे हमहूँ जाइ तँ
ओ सभ हमरा संग जायत।

पौलुसक कार्यक्रम आ किछु अन्तिम निवेदन

5 हम मकिदुनिया प्रदेश दऽ कऽ अहाँ
सभक ओतऽ आयब, कारण हमरा
मकिदुनियाक यात्रा करबाक कार्यक्रम
अछि। 6 सम्भव अछि जे हम अहाँ सभक
संग विशेष दिन ठहरी वा जाड़क समय
सेहो बिताबी, जाहि सँ ओतऽ सँ हमरा
जाहिठाम जयबाक रहत ताहिठामक लेल
अहाँ सभ हमरा जयबाक प्रबन्ध कऽ
सकी। 7 हम अहाँ सभ सँ एखन रस्ते मे भेँट
नहि करऽ चाहैत छी, बल्कि, जँ प्रभुक
इच्छा होयतनि, तँ हमरा बेसी दिन तक
अहाँ सभक संग रहबाक आशा अछि।
8 मुदा हम पेन्तेकुस्त पाबनि धरि इफिसुसे
मे रहब, 9 किएक तँ एतऽ फलदायक
काजक लेल हमरा आगाँ एक विशाल
द्वारि खुजल अछि, आ बहुत विरोधी सभ
सेहो अछि।
10 जँ तिमुथियुस अबथि तँ हुनकर ध्यान
रखबनि जे अहाँ सभक बीच हुनका कोनो
प्रकारक भय नहि होनि कारण हमरे जकाँ
ओहो प्रभुक काज कऽ रहल छथि। 11 एहि
लेल केओ हुनका तुच्छ नहि बुझनि।
हुनका आशीर्वाद दऽ कऽ हमरा लग पठा
देबनि। हम बाट ताकि रहल छी जे भाइ
सभक संग ओ कहिया आबि जयताह।
12 आब भाइ अपुल्लोसक सम्बन्ध
मे—हम हुनका बहुत आग्रह कयलियनि
जे भाइ सभक संग ओ अहाँ सभ लग
चल जाथि, मुदा एहि समय मे ओ नहि
जाय चाहैत छथि। अवसर भेटला पर ओ
जयताह।

15:54 यशा 25.8 **15:55** होशे 13.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

13 सतर्क रहू, ओहि सिद्धान्त पर
अटल रहू जाहि पर अहाँ सभक विश्वास
आधारित अछि। साहसी आ मजगूत
बनल रहू। [14]जे किछु करी से प्रेम सँ
करू।

15 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
स्तेफनासक घरक लोक सभ सँ परिचित
छी जे ओ सभ अखाया प्रदेश मे पहिल
व्यक्ति सभ छथि जे मसीहक विश्वासी
भेलाह आ प्रभुक लोक सभक सेवा मे
समर्पित छथि। [16]आब हम अहाँ सभ
सँ आग्रह करैत छी जे एहन लोकक
अगुआइ स्वीकार करू, आ आनो
सभक जे सभ हिनका सभ जकाँ प्रभुक
काज मे संग दऽ परिश्रम करैत छथि।
[17]स्तेफनास, फूरतुनातुस आ अखइकुस
केँ आबि गेला सँ हमरा बहुत प्रसन्नता
अछि। अहाँ सभ हमरा संग नहि रहि कऽ
जे सहायता नहि कऽ सकलहुँ ताहि कमी
केँ ओ सभ पूरा कऽ देलनि। [18]ओ सभ
हमरो आ अहूँ सभक मोन केँ प्रोत्साहित
कऽ देलनि अछि। एहन लोक सभ केँ
विशेष मान्यता दिअ।

नमस्कार आ आशीर्वाद

19 आसिया प्रदेशक मण्डली सभक
दिस सँ अहाँ सभ केँ नमस्कार। अक्विला
आ प्रिस्किला* आ हुनका घर मे जमा
होमऽ वला मण्डली प्रभु मे अहाँ सभ केँ
हार्दिक नमस्कार कहैत छथि। [20]एतुका
सभ भाइ लोकनि अहाँ सभ केँ नमस्कार
कहैत छथि। पवित्र मोन सँ एक-दोसर केँ
सस्नेह नमस्कार करू।*

21 हम, पौलुस, अपन नमस्कार अपने
हाथ सँ लिखि रहल छी।

22 जँ केओ प्रभु सँ प्रेम नहि राखय तँ
ओ सरापित होअय।

हे प्रभु, आउ!

23 प्रभु यीशुक कृपा अहाँ सभ पर बनल
रहय।

24 मसीह यीशु मे अहाँ सभ गोटे केँ
हमर प्रेम। आमीन।

16:19 मूल मे “प्रिस्का”, जे “प्रिस्किला” नामक एक रूप अछि। **16:20** अक्षरशः “पवित्र चुम्मा सँ एक-दोसर केँ नमस्कार करू।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कोरिन्थ नगरक मण्डली केँ पौलुसक दोसर पत्र

1 हम पौलुस, जे परमेश्वरक इच्छा सँ
मसीह यीशुक एक मसीह-दूत छी,
और भाइ तिमुथियुस सेहो, ई पत्र अहाँ
सभ केँ लिखि रहल छी, जे सभ कोरिन्थ
नगर मे परमेश्वरक मण्डली छी। आ
संगहि समस्त अखाया प्रदेशक हुनकर
सभ पवित्र लोक केँ सेहो लिखि रहल छी।
2 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ केँ शान्ति देथि।

दुःख-कष्ट मे परमेश्वरक सान्त्वना

3 अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक जे
परमेश्वर आ पिता छथि, तिनकर स्तुति
होनि, जे दया करऽ वला पिता छथि
आ सभ प्रकारक सान्त्वना देबऽ वला
परमेश्वर छथि। 4ओ अपना सभ केँ सभ
प्रकारक दुःख-तकलीफ मे सान्त्वना दैत
छथि जाहि सँ अपनो सभ परमेश्वर सँ
प्राप्त एहि सान्त्वना द्वारा सभ प्रकारक
दुःख मे पड़ल लोक सभ केँ सान्त्वना दऽ
सकिऐक। 5किएक तँ जाहि तरहेँ मसीहक
कष्ट प्रशस्त मात्रा मे अपना सभक जीवन
मे अबैत रहैत अछि ताहि तरहेँ मसीह द्वारा
सान्त्वना सेहो प्रशस्त मात्रा मे अबैत रहैत
अछि। 6जँ हमरा सभ केँ दुःख-कष्ट भोगऽ
पड़ैत अछि तँ ई अहाँ सभक सान्त्वना आ
उद्धारक लेल अछि। कारण, जखन हम
सभ सान्त्वना पबैत छी तँ से एहि लेल जे
हम सभ अहूँ सभ केँ सान्त्वना दऽ सकी,
जाहि सँ अहाँ सभ धैर्यपूर्बक ओहि सभ
कष्ट केँ सहबाक लेल साहस करी जकरा
हमहूँ सभ सहैत छी। 7अहाँ सभक विषय
मे हमरा सभ केँ पूरा विश्वास अछि जे
अहाँ सभ स्थिर रहब, किएक तँ हम सभ
ई जनैत छी जे जहिना अहाँ सभ कष्ट
मे सहभागी छी तहिना सान्त्वना मे सेहो
सहभागी छी।
8 यौ भाइ लोकनि, हम सभ अहाँ
सभ सँ ई नहि नुकाबऽ चाहैत छी जे
आसिया प्रदेश मे हमरा सभ केँ केहन-
केहन कष्ट उठाबऽ पड़ल। एहि कष्टक
भार एतेक भारी छल जे ओ हमरा सभक
सहनशक्तिक सीमा सँ बाहर छल, एतऽ
तक जे हमरा सभ केँ जीवित बचबाक
कोनो आशा नहि रहि गेल छल। 9वास्तव
मे हमरा सभ केँ एना बुझाइत छल जे
आब हमरा सभक मृत्यु निश्चित अछि। ई

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ एहि लेल भेल जे हम सभ अपना पर
नहि, बल्कि परमेश्वर पर भरोसा राखी,
जे मरल सभ केँ जीवित कऽ दैत छथि।
10ओ हमरा सभ केँ एहन मृत्युक संकट
सँ बचौलनि आ एखनो बँचौताह। हुनका
पर हम सभ आशा लगौने छी जे ओ हमरा
सभ केँ आबऽ वला समय मे सेहो बचबैत
रहताह। 11एहि बात मे अहूँ सभ प्रार्थना
द्वारा हमरा सभक सहायता करैत छी। एहि
तरहेँ अनेक लोकक प्रार्थनाक उत्तर मे जे
आशिष हमरा सभ केँ भेटत तकरा लेल
बहुत लोक हमरा सभक कारणेँ परमेश्वर
केँ धन्यवाद देतनि।

पौलुसक कार्यक्रम मे परिवर्तनक कारण

12 हमरा सभ केँ एकटा गर्वक बात
अछि—हमरा सभक मोन एहि बातक
गवाही दैत अछि जे संसार मे हमरा सभक
आचरण, आ विशेष रूप सँ अहाँ सभक
संग जे व्यवहार कयने छी, से ओहि
पवित्रताक संग आ शुद्ध मोन सँ छल जे
परमेश्वर सँ भेटैत अछि। हमरा सभक
भरोसा सांसारिक बुद्धि पर नहि, बल्कि
परमेश्वरक कृपा पर छल। 13हम सभ तँ
अहाँ सभ केँ कोनो एहन बात नहि लिखैत
छी जकरा पढ़ला सँ अर्थ नहि बुझल जा
सकैत अछि। हमरा आशा अछि जे अहाँ
सभ जहिना एखन आंशिक रूप मे हमरा
सभ केँ जनैत छी, 14तहिना पूर्ण रूप सँ
ई बात जानी जे जाहि तरहेँ हम सभ प्रभु
यीशुक अयबाक दिन मे अहाँ सभ पर गर्व
करब ताहि तरहेँ अहाँ सभ हमरो सभ पर
गर्व कऽ सकब।

15 हमरा एहि बातक पूरा विश्वास
अछि। एहि लेल हम अहाँ सभ केँ दू बेर
आशिष पयबाक अवसर देबाक विचार
कऽ कऽ पहिने अहीं सभ लग अयबाक
निश्चय कयने छलहुँ। 16हम अहाँ सभक
ओतऽ होइत मकिदुनिया प्रदेश जाइ आ
फेर मकिदुनिया सँ लौटैत काल अहाँ
सभक ओतऽ आबी, से चाहैत छलहुँ,
जाहि सँ अहाँ सभ हमरा लेल यहूदिया
प्रदेशक यात्राक लेल प्रबन्ध कऽ सकी।
17हमर निश्चय जँ यैह छल, तँ की हम
बिनु कारणेँ अपन विचार बदलि लेलहुँ?
की हम सांसारिक लोक सभ जकाँ बात
नियारैत छी जे एके समय मे “हँ, हँ” सेहो
आ “नहि, नहि” सेहो कही?

18 जाहि तरहेँ परमेश्वर विश्वसनीय
छथि ताहि तरहेँ अहाँ सभक प्रति हमर
वचन मे कखनो “हँ” आ कखनो “नहि”
वला बात नहि अछि। 19किएक तँ
परमेश्वरक पुत्र यीशु मसीह, जिनकर
प्रचार अहाँ सभक बीच हम सभ, अर्थात्
सिलास*, तिमुथियुस आ हम, कयलहुँ,
तिनका मे कखनो “हँ” कखनो “नहि”
वला बात नहि अछि, बल्कि हुनका
मे सदा सँ “हँ” “हँ”ए रहल अछि।
20परमेश्वर जतेक बात सभ करबाक
लेल वचन देने छथि, से सभ बात मसीह
मे पूरा होइत अछि, तेँ अपना सभ हुनका
द्वारा परमेश्वरक बड़ाइ मे “आमीन, हँ,
एहिना होअय” कहैत छी। 21परमेश्वरे
हमरो सभ केँ आ अहूँ सभ केँ मसीह
मे स्थिर रखैत छथि। ओ अपना सभक
अभिषेक कयने छथि, 22अपना सभ पर
अपन छाप लगौने छथि, बेनाक रूप मे

1:19 मूल मे “सिलवानुस”, जे “सिलास” नामक एक रूप अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपन पवित्र आत्मा केँ अपना सभक हृदय मे वास करौने छथि।

23 हम परमेश्वर केँ साक्षी मानि कऽ कहैत छी जे हम एहि लेल दोहरा कऽ कोरिन्थ नगर नहि अयलहुँ जे अहाँ सभ केँ दुःख नहि पहुँचाबी। [24]हम सभ अहाँ सभक विश्वास पर अधिकार नहि जमाबऽ चाहैत छी, बल्कि अहाँ सभक आनन्दक लेल अहाँ सभक संगे-संग काज करऽ वला छी। अहाँ सभ तँ अपना विश्वास मे स्थिर छी।

2 तेँ हम ई निश्चय कऽ लेने छलहुँ जे हम आबि कऽ अहाँ सभ केँ फेर दुःख नहि दी। [2]किएक तँ जँ हम अहाँ सभ केँ दुखी करी तँ हमरा द्वारा दुखी कयल लोक केँ छोड़ि हमरा प्रसन्नता देबाक लेल के रहि जायत? [3]हम ओ पत्र एहि लेल लिखने छलहुँ जे हमरा अयला पर कतौ एना नहि होअय जे जाहि लोक सभ सँ हमरा आनन्द भेटबाक चाही से सभ हमरा दुखी बनाबय, किएक तँ अहाँ सभक विषय मे हमरा ई विश्वास अछि जे हमरा आनन्द मे अहाँ सभ सेहो आनन्दित रहैत छी। [4]हम दुःख सँ भरल मोन सँ भितरी हृदयक वेदना सहैत नोर बहा-बहा कऽ ओ पत्र लिखलहुँ। हम ओ पत्र अहाँ सभ केँ दुःख देबाक लेल नहि लिखलहुँ, बल्कि एहि लेल जे अहाँ सभ ई जानि ली जे हम अहाँ सभ सँ कतेक प्रेम करैत छी।

गलती कयनिहार केँ आब क्षमा करू

5 मुदा जँ केओ दुःख देने अछि तँ ओ हमरे नहि, बल्कि बढ़ा-चढ़ा कऽ जँ नहि कहल जाय, तँ किछु मात्रा मे अहाँ सभ गोटे केँ दुःख देने अछि। [6]मण्डली द्वारा ओकरा जे सजाय देल गेलैक सैह ओकरा लेल प्रशस्त अछि। [7]आब तकर बदला मे ओकरा क्षमा कऽ दिऔक आ हिम्मत बढ़बिऔक जाहि सँ एना नहि भऽ जाय जे ओ भारी शोक मे डुबि जाय। [8]एहि लेल हम अहाँ सभ सँ विनती करैत छी जे ओकरा अहाँ सभ अपन प्रेमक प्रत्यक्ष प्रमाण दिऔक। [9]हम एहू लेल अहाँ सभ केँ लिखने छलहुँ जाहि सँ हम जाँचि कऽ बुझि ली जे अहाँ सभ प्रत्येक बात मे आज्ञाकारी छी वा नहि। [10]जकरा अहाँ सभ क्षमा करैत छी तकरा हमहूँ क्षमा करैत छी। जे बात हम क्षमा कयने छी—जँ वास्तव मे कोनो बात क्षमा करबाक छल तँ—से हम अहाँ सभक हितक लेल आ मसीहक उपस्थिति मे कयने छी, [11]जाहि सँ शैतान अपना सभक स्थिति सँ लाभ नहि उठाबय। अपना सभ शैतानक चालि सँ अनजान नहि छी।

मसीही सेवक—जीवनदायक सुगन्ध

12 जखन हम मसीहक शुभ समाचार सुनयबाक लेल त्रोआस नगर अयलहुँ तँ से काज करबाक लेल प्रभु हमरा आगाँ द्वारि खोलि देने छलाह। [13]तैयो हमरा मोन मे चैन नहि छल, किएक तँ हमर भाय तीतुस ओतऽ नहि भेटलाह। तेँ हम ओहिठामक लोक सभ सँ विदा लऽ कऽ मकिदुनिया प्रदेश चल गेलहुँ।

14 मुदा परमेश्वरक धन्यवाद होनि! ओ हमरा सभ केँ मसीहक विजय-जुलूस मे सदत लऽ जाइत छथि आ सभ ठाम मसीहक ज्ञान सुगन्ध जकाँ हमरा सभक द्वारा फैलबैत छथि। [15]किएक तँ उद्धार पाबऽ वला सभक बीच आ नष्ट होमऽ वला सभक बीच हम सभ परमेश्वरक लेल मसीहक सुगन्ध छी। [16]नष्ट होमऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

वला सभक लेल एहन प्राण-घातक दुर्गन्ध
छी जे मृत्युक दिस लऽ जाइत अछि,
आ उद्धार पाबऽ वला सभक लेल एहन
जीवनदायक सुगन्ध छी जे जीवनक दिस
लऽ जाइत अछि। के अछि एहि बातक
लेल सुयोग्य? 17हम सभ ओहि अनेको
लोक सभ जकाँ नहि छी जे सभ पाइ
कमयबाक लेल परमेश्वरक वचनक
व्यापार करैत अछि, बल्कि हम सभ
परमेश्वर द्वारा पठाओल दूतक रूप मे
परमेश्वर केँ उपस्थित मानि कऽ मसीहक
सामर्थ्य द्वारा शुद्ध मोन सँ बजैत छी।

योग्य सेवकक प्रमाण कोरिन्थी मण्डली

3 की हम सभ फेर अपने प्रशंसा करऽ
लगलहुँ? की किछु आन लोक
सभ जकाँ हमरो सभ केँ एहि बातक
आवश्यकता अछि जे सिफारिश-पत्र
अहाँ सभ केँ देखाबी अथवा अहाँ सभ सँ
लिखाबी? 2हमरा सभक पत्र तँ अहीं सभ
छी जे हमरा सभक हृदय पर लिखल गेल
छी आ जकरा सभ केओ देखि आ पढ़ि
सकैत अछि। 3ई स्पष्ट अछि जे अहाँ सभ
मसीहक पत्र छी जकरा ओ हमरा सभ सँ
लिखबौलनि। ई पत्र मोइस सँ नहि, बल्कि
जीवित परमेश्वरक आत्मा सँ, पाथरक
पाटी पर नहि, बल्कि मानव हृदयक पाटी
पर लिखल गेल अछि।

4एहन बात कहबाक साहस एहि लेल
अछि जे हमरा सभ केँ मसीहक कारणेँ
परमेश्वर पर भरोसा अछि। 5ई नहि, जे
हम सभ अपने एतेक योग्य छी जे अपने
सँ किछु कऽ सकबाक दावा करी, बल्कि
हमरा सभक योग्यता तँ परमेश्वरेक दिस
सँ अबैत अछि। 6वैह हमरा सभ केँ योग्य
बनौने छथि, जाहि सँ हम सभ ओहि
नव सम्बन्धक विषय मे सुना सकी जे
परमेश्वर अपन वचन दऽ कऽ मनुष्यक
संग स्थापित कयने छथि। ई नव सम्बन्ध
अक्षर सँ लिखल विधान द्वारा स्थापित
नहि भेल, बल्कि परमेश्वरक आत्मा
द्वारा, किएक तँ अक्षर वला विधान मारैत
अछि मुदा आत्मा जीवन दैत छथि।

नव विधान पुरान विधान सँ श्रेष्ठ

7आब सोचू। मूसा केँ देल गेल विधान
जे पाथर पर खोधि कऽ लिखल छल से
मृत्यु मे लऽ जाइत छल। तैयो ओ एहन
महिमाक संग आयल जे मूसाक मुँह
सेहो एतेक चमकैत छल जे इस्राएली
सभ एकटक लगा कऽ हुनका मुँह दिस
नहि देखि सकल, जखन कि ओ चमक
तुरत फेर मन्द पड़ऽ लगैत छल। जँ मृत्यु
दिआबऽ वला विधान एतेक महिमामय
छल, 8तँ की पवित्र आत्मा दिआबऽ वला
विधान ओहि सँ आरो बेसी महिमामय
नहि होयत? 9जखन दोषी ठहराबऽ वला
विधान एतेक महिमामय छल तँ की
धार्मिक ठहराबऽ वला विधान ओहि
सँ बहुत अधिक महिमामय नहि होयत?
10वास्तव मे, ओ जे पहिने महिमामय
छल, तकरा एहि सर्वश्रेष्ठ महिमाक
सम्मुख आब कोनो महिमा नहि छैक।
11किएक तँ जखन नहि टिकऽ वला
विधान एतेक महिमामय छल तँ सदा
अटल रहऽ वला विधान कतेक आरो
महिमामय होयत!

12हमरा सभक एहने आशा होयबाक
कारणेँ हम सभ साहसपूर्बक बजैत छी।
13हम सभ मूसा जकाँ नहि छी। मूसा तँ
अपना मुँह पर परदा रखने रहैत छलाह

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जाहि सँ इस्राएली लोक सभ लुप्त होमऽ वला चमक पर अन्त तक नजरि नहि टिकौने रहय। 14मुदा ओकरा सभक मोन कठोर कयल गेल छलैक। आइओ धरि जखन पुरान विधान पढ़ल जाइत अछि तँ वैह परदा लागल रहैत छैक। ओ हटाओल नहि गेल अछि किएक तँ ओकरा मात्र मसीह द्वारा हटाओल जाइत अछि। 15हँ, आइओ जखन मूसाक धर्म-नियम पढ़ल जाइत अछि तँ ओकरा सभक मोन पर परदा टाँगल रहैत छैक। 16मुदा जखने केओ प्रभु लग फिरैत अछि तँ ओ परदा हटा देल जाइत अछि। 17जाहि प्रभु लग फिरबाक अछि, से नव विधानक ओ आत्मा छथि, आ जतऽ प्रभुक आत्मा छथि ततऽ स्वतन्त्रता अछि। 18मुदा अपना सभक मुँह पर परदा नहि अछि आ जहिना अएना मे देखल जाइत अछि, तहिना अपना सभ प्रभुक महिमाक प्रतिबिम्ब देखैत छी।* संगहि अपना सभ क्रमशः बढ़ैत मात्रा मे ओहि महिमामय रूप मे बदलल जाइत छी। ई रूपान्तर प्रभुक, अर्थात् पवित्र आत्माक, काज छनि।

दुर्बलता मे परमेश्वरक सामर्थ्य

4 एहि लेल, परमेश्वरक दया सँ हमरा सभ कैँ ई सेवा-काज भेटबाक कारणेँ हम सभ कखनो साहस नहि छोड़ैत छी। 2हम सभ ठोस निर्णय लेने छी जे कोनो नीचता वला गुप्त काज नहि करब। हम सभ ने तँ छल-कपट करैत छी आ ने परमेश्वरक वचन मे हेर-फेर करैत छी, बल्कि हम सभ स्पष्ट रूप सँ सत्य प्रस्तुत कऽ कऽ प्रचार करैत छी। एहि सँ प्रत्येक मनुष्य देखि सकैत अछि जे हम सभ परमेश्वर कैँ उपस्थित मानि शुद्ध मोन सँ सत्यक प्रचार करैत छी। 3जँ हमरा सभक सुसमाचार पर परदा पड़ल अछिओ तँ ई परदा तकरे सभक लेल पड़ल अछि जे सभ विनाशक मार्ग पर चलि रहल अछि। 4शैतान, जे एहि संसारक ईश्वर अछि, से ओहि अविश्वासी सभक बुद्धि कैँ आन्हर बना देने छैक जाहि सँ ओ सभ परमेश्वरक प्रतिरूप, जे मसीह छथि, तिनकर महिमाक इजोत जे सुसमाचार द्वारा प्रगट कयल गेल अछि, से नहि देखय। 5कारण, हम सभ अपन नहि, बल्कि यीशु मसीहक प्रचार करैत छी जे ओ प्रभु छथि। हम सभ यीशुक सेवा मे अहाँ सभक सेवक छी, 6किएक तँ जे परमेश्वर ई कहलनि जे, “अन्हार मे सँ इजोत चमकओ,”* से हमरा सभक मोन मे इजोत चमकौने छथि जाहि सँ हम सभ परमेश्वरक ओ महिमा जानि जाइ जे मसीहक मुँह पर चमकैत छनि।

7मुदा ई अमूल्य धन माटिक बर्तन सभ मे, अर्थात् हमरा सभ मे, राखल अछि जाहि सँ स्पष्ट होअय जे ई सर्वश्रेष्ठ सामर्थ्य हमरा सभक अपन नहि, बल्कि परमेश्वरक छनि। 8हमरा सभ पर चारू दिस सँ कष्ट अबैत अछि मुदा हम सभ पिचाइत नहि छी, निरुपाय भऽ जाइत छी मुदा निराश नहि छी। 9अत्याचार सभ सँ पीड़ित होइत रहैत छी मुदा अपना कैँ परमेश्वर द्वारा त्यागल नहि बुझैत छी।

3:18 वा, “जहिना अएना सँ, तहिना अपना सभ सँ प्रभुक महिमा प्रतिबिम्बित होइत अछि।”
4:6 उत्पत्ति 1:3

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

खसाओल जाइत छी मुदा नष्ट नहि भऽ
जाइत छी। 10हम सभ सदिखन सभ ठाम
अपना शरीर मे यीशुक मृत्यु वला दुःख-
भोगक अनुभव करैत छी जाहि सँ यीशुक
जीवन सेहो हमरा सभक शरीर मे प्रत्यक्ष
होअय, 11किएक तँ हम सभ जीवित
रहितो यीशुक कारणेँ सदिखन मृत्युक
हाथ मे सौंपल जाइत छी जाहि सँ हमरा
सभक नाशवान शरीर मे यीशुक जीवन
प्रगट होअय। 12एहि तरहेँ हम सभ सदा
मृत्युक सामना करैत छी, मुदा तकर
परिणाम भेल अहाँ सभक लेल जीवन।
13 धर्मशास्त्र मे केओ कहने अछि,
“हम विश्वास कयलहुँ, एहि लेल हम
बजलहुँ।”* विश्वासक वैह आत्मा
हमरो सभ मे होयबाक कारणेँ हमहूँ सभ
विश्वास करैत छी आ तेँ बजैत छी,
14कारण, हम सभ ई जनैत छी जे, ओ जे
प्रभु यीशु केँ मृत्यु सँ जिऔलनि, वैह हमरो
सभ केँ यीशुक संग जिऔताह, आ अहाँ
सभक संग हमरो सभ केँ अपना सम्मुख
उपस्थित करताह। 15ई सभ किछु अहाँ
सभक हितक लेल भऽ रहल अछि जाहि
सँ आरो-आरो लोकक बीच परमेश्वरक
कृपा बढ़ल जयबाक कारणेँ, परमेश्वरक
स्तुति मे धन्यवादक प्रार्थना अधिक सँ
अधिक बढ़ैत जाय।
16 यैह कारण अछि जे हम सभ साहस
नहि छोड़ैत छी। ओना तँ हमरा सभक
बाहरी शारीरिक बल घटल जा रहल अछि
तैयो हमरा सभक भितरी आत्मिक बल
दिन प्रति दिन नव भेल जा रहल अछि।
17किएक तँ हमरा सभक पल भरिक ई
हल्लुक कष्ट हमरा सभक लेल अतुल्य
और अनन्त कालीन महिमा तैयार कऽ
रहल अछि। 18तेँ हमरा सभक नजरि
ओहि वस्तु सभ पर टिकल नहि अछि
जे देखाइ दैत अछि, बल्कि ओहि वस्तु
सभ पर जे आँखि सँ नहि देखल जा सकैत
अछि, किएक तँ देखाइ पड़ऽ वला वस्तु
सभ तँ कनेके काल टिकैत अछि, मुदा जे
वस्तु सभ देखल नहि जा सकैत अछि, से
अनन्त काल तक बनल रहैत अछि।

विश्वासीक आशा—नव शरीर

5 कारण, अपना सभ जनैत छी जे
जँ अपना सभक ई देहरूपी तम्बू,
पृथ्वी पर अपना सभक ई डेरा, नष्ट
होयत तँ परमेश्वरक दिस सँ अपना
सभ केँ स्वर्ग मे एक देहरूपी भवन
अछि—अनन्त काल तक रहऽ वला एक
एहन “घर” जे मनुष्यक बनाओल नहि
अछि। 2ताबत अपना सभ एहि “तम्बू”
मे कुहरैत अपन स्वर्गिक “भवन” केँ
वस्त्र जकाँ धारण करबाक लेल लालाइत
छी, 3किएक तँ ओहि “वस्त्र” केँ धारण
कयला पर अपना सभ नाङट नहि
पाओल जायब। 4वास्तव मे जाबत धरि
अपना सभ एहि “तम्बू” मे छी, अर्थात्
एहि भौतिक शरीर मे, तँ बोझ सँ दबायल
कुहरैत छी। कारण, अपना सभ एहि
तम्बू केँ उतारऽ चाहैत छी, से बात नहि
अछि, मुदा ओहि स्वर्गिक शरीर केँ उपर
सँ धारण करऽ चाहैत छी जाहि सँ एहि
मरणशील शरीरक स्थान पर अनन्त काल
तक जीवित रहऽ वला प्राप्त करी।* 5जे
अपना सभक रचना एही अभिप्राय सँ
कयलनि से परमेश्वरे छथि आ ओ बेनाक

4:13 भजन 116.10 **5:4** अक्षरशः “जाहि सँ जे मरणशील अछि से जीवन द्वारा घोंटि लेल जाय।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रूप मे अपना सभ मे अपन पवित्र आत्मा
वास करौने छथि।

6 एहि लेल हम सभ सदत साहस रखैत
छी। हम सभ ई बुझैत छी जे जाबत धरि
ई देह हमरा सभक घर अछि ताबत धरि
हम सभ प्रभुक लग वला “घर पर” नहि
छी। 7हम सभ तँ आँखि सँ देखल बातक
आधार पर नहि, बल्कि विश्वास पर
चलैत छी। 8हँ, हम सभ साहस रखैत
छी आ एहि देह सँ अलग भऽ कऽ प्रभुक
लग वला “घर पर” रहनाइ कैँ सभ सँ
उत्तम मानैत छी। 9तेँ हम सभ चाहे एहि
देह मे रही वा एकरा सँ अलग, हमरा
सभक एकमात्र लक्ष्य ई अछि जे हम सभ
हुनकर प्रसन्नताक अनुसार चलैत रही।
10किएक तँ अपना सभ गोटे कैँ मसीहक
न्यायासनक सामने उपस्थित होमऽ पड़त
जाहि सँ प्रत्येक व्यक्ति कैँ अपना देहधारी
जीवन मे कयल नीक अथवा अधलाह
काज सभक प्रतिफल भेटैक।

हम सभ मसीहक राजदूत छी

11 हम सभ प्रभुक भय मानैत छी, तेँ
लोक सभ कैँ समझबैत-बुझबैत रहैत
छी। हम सभ की छी से परमेश्वर स्पष्ट
रूप सँ जनैत छथि आ हमरा आशा
अछि जे अहाँ सभक मोन मे सेहो स्पष्ट
अछि। 12हम सभ फेर अहाँ सभक सामने
अपन प्रशंसा नहि कऽ रहल छी, बल्कि
अहाँ सभ कैँ हमरा सभ पर गर्व करबाक
मौका दऽ रहल छी जाहि सँ अहाँ सभ
ओहन लोक कैँ उत्तर दऽ सकिऐक जे
सभ हृदयक भावना पर नहि, बल्कि
बाहरी बात सभ पर गर्व करैत अछि।
13की हम सभ “पागल” छी? जँ छीहो
तँ ई परमेश्वरक लेल अछि। जँ हमरा
सभक होश ठीक अछि तँ ई अहाँ सभक
कल्याणक लेल अछि। 14मसीहक प्रेम
हमरा सभ कैँ बाध्य करैत अछि, किएक
तँ हम सभ बुझि गेल छी जे जखन एक
गोटे सभक लेल मरलाह तँ सभ केओ
मरि गेल। 15मसीह सभक लेल मरलाह
जाहि सँ जे सभ जीवित अछि से सभ आब
अपना लेल नहि, बल्कि तिनका लेल
जीवन बिताबय जे ओकरा सभक लेल
मरलाह आ जिआओल गेलाह।

16 एहि लेल आब हम सभ कोनो
मनुष्य कैँ सांसारिक दृष्टि सँ नहि देखैत
छी। पहिने हम सभ मसीहो कैँ सांसारिक
दृष्टि सँ देखैत छलहुँ मुदा आब हम सभ
हुनका तेना नहि देखैत छी। 17एकर अर्थ
अछि जे जँ केओ मसीह मे अछि तँ ओ
एक नव सृष्टि अछि। पुरान बात सभ
समाप्त भऽ गेल, आब सभ किछु नव
बनि गेल अछि। 18ई सभ परमेश्वरक
दिस सँ भेल। ओ मसीह द्वारा अपना संग
हमरा सभक मिलाप करौने छथि आ हमरा
सभ कैँ मिलाप करयबाक सेवा-काजक
जिम्मा देने छथि। 19एकर अर्थ ई अछि
जे परमेश्वर मनुष्य सभक अपराधक
लेखा नहि लऽ कऽ मसीह मे अपना संग
संसारक मिलाप करा रहल छलाह, आ
हमरा सभ कैँ एहि मिलापक सुसमाचार
सुनयबाक जिम्मा दऽ देने छथि। 20एहि
लेल हम सभ मसीहक राजदूत छी, मानू
जेना हमरा सभक द्वारा परमेश्वर अहाँ सभ
सँ अनुरोध कऽ रहल छथि। तेँ हम सभ
मसीहक दिस सँ अहाँ सभ सँ यैह अनुरोध
कऽ रहल छी जे अहाँ सभ परमेश्वरक
मेल-मिलाप कैँ स्वीकार करू। 21मसीह,
जिनका मे कोनो पाप नहि छलनि,
तिनका परमेश्वर हमरा सभक लेल पाप

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ठहरौलथिन जाहि सँ हम सभ हुनका द्वारा
परमेश्वरक धार्मिकता ठहरी।

6 परमेश्वरक सहकर्मी भऽ कऽ हम
सभ अहाँ सभ सँ आग्रह करैत छी
जे परमेश्वरक जे कृपा अहाँ सभ केँ
भेटल अछि तकरा व्यर्थ नहि होमऽ दिअ।
2किएक तँ परमेश्वर धर्मशास्त्र मे कहैत
छथि जे,

"हम अपन कृपादृष्टि रखबाक समय
मे तोहर सुनलिअह,
आ उद्धारक दिन मे हम तोहर
सहायता कयलिअह।"*

देखू, एखने "कृपादृष्टिक समय" अछि।
देखू, आइए "उद्धारक दिन" अछि।

योग्य सेवकक आचरण

3हम सभ कोनो बात द्वारा ककरो
ठोकरक कारण नहि बनैत छी, जाहि सँ
ककरो हमरा सभक सेवा-काज पर दोष
लगयबाक कोनो अवसर नहि भेटैक,
4बल्कि परमेश्वरक सेवक भऽ हम
सभ प्रत्येक परिस्थिति मे अपन योग्यता
प्रमाणित करैत छी—हम सभ कठिनाइ,
विपत्ति आ संकट सभ केँ धैर्यक संग
सहन करैत छी। 5हम सभ मारि खाइत
छी, जहल मे राखल जाइत छी, उपद्रव
मे पड़ैत छी। परिश्रम करैत छी, राति-
राति भरि पलक नहि झपका कऽ जागल
रहैत छी, भूखल रहैत छी। 6हम सभ एहि
सभ बातक सामना शुद्ध मोन सँ, ज्ञान
सँ, और धैर्य आ दयालुताक संग करैत
छी। हम सभ ई काज परमेश्वरक पवित्र
आत्माक शक्ति सँ और निष्कपट प्रेम
द्वारा करैत छी। 7दहिना आ बामा हाथ
मे धार्मिकताक हथियार धारण कयने
सत्यक प्रचार करैत छी; परमेश्वरक
सामर्थ्य पर भरोसा रखैत छी। 8ककरो
सँ आदर पबैत छी, तँ ककरो सँ निरादर,
ककरो सँ जस आ ककरो सँ अपजस।
सही रहितो हम सभ कपटी बुझल जाइत
छी, 9चिन्हल-जानल होइतो अनचिन्हार
बुझल जाइत छी। मरऽ-मरऽ पर होइतो
जीवित रहैत छी। सजाय पबैत छी मुदा
जान सँ मारल नहि जाइत छी। 10शोकित
होइतो सदत् आनन्द मग्न रहैत छी, गरीब
होइतो बहुतो केँ सम्पन्न बनबैत छी।
हमरा सभ लग अपन किछु नहि होइतो,
सभ किछु हमरा सभक अछि।

कोरिन्थी सभक लेल पौलुसक प्रेम आ चिन्ता

11यौ कोरिन्थ निवासी सभ, हम सभ
अहाँ सभ सँ खुलि कऽ बात कयने छी।
हम सभ अहाँ सभक प्रति अपन हृदय
खोलि कऽ राखि देने छी। 12अहाँ सभक
प्रति हमरा सभक हृदय मे कोनो संकीर्णता
नहि अछि, बल्कि अहीं सभक हृदय मे
संकीर्णता अछि। 13हम अहाँ सभ केँ
अपन बच्चा मानि कहैत छी जे हमरा
सभक प्रेमक बदला मे अहूँ सभ हमरा
सभक लेल अपन हृदय खोलि दिअ।

14अहाँ सभ मसीह पर विश्वास नहि
कयनिहार लोक सभक संग बेमेल जुआ
मे नहि जोताउ। अधर्म सँ धार्मिकताक
कोन मेल? अन्हार सँ इजोतक कोन
मेल? 15शैतान* सँ मसीहक कोन
संगति? अविश्वासीक संग विश्वासीक
कोन सहभागिता? 16मुरुत सभक संग

6:2 यशा 49.8 **6:15** मूल मे, "बेलियाल", जे शैतानक एक नाम अछि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक मन्दिरक कोन समझौता? किएक तँ अपना सभ जीवित परमेश्वरक मन्दिर छी, जेना कि परमेश्वर कहने छथि जे,

"हम ओकरा सभक संग वास करब
आ ओकरा सभक बीच
चलब-फिरब।
हम ओकरा सभक परमेश्वर
होयबैक
आ ओ सभ हमर प्रजा होयत।"*

17 एहि कारणेँ,
"प्रभुक कथन इहो छनि जे,
'अहाँ सभ ओकरा सभक बीच सँ
बाहर आबि कऽ
अलग भऽ जाउ।
अशुद्ध वस्तु सभ सँ हटल रहू,
तखन हम अहाँ सभ केँ ग्रहण
करब।' "*

18 "हम अहाँ सभक पिता होयब
आ अहाँ सभ हमर बेटा-बेटी सभ
होयब।
ई सर्वशक्तिमान प्रभुक कथन
अछि।"*

7 यौ हमर प्रिय मित्र सभ, परमेश्वर
जखन अपना सभ केँ ई बात सभ
करबाक वचन देने छथि तँ अबैत जाउ,
परमेश्वरक भय मानि कऽ पवित्रताक
परिपूर्णता धरि बढ़ैत अपना केँ समस्त
शारीरिक आ आत्मिक मलिनता सँ पवित्र
करी।

2 अहाँ सभ हमरा सभ केँ अपना हृदय मे
स्थान दिअ। हम सभ ककरो संग अन्याय
नहि कयलहुँ, ककरो नहि बिगाड़लहुँ,
ककरो सँ अनुचित लाभ नहि उठौलहुँ।
3 हम अहाँ सभ पर दोष नहि लगा रहल
छी। हम पहिने कहि चुकल छी जे अहाँ
सभ हमरा सभक हृदय मे बसल छी आ
हम सभ अहाँ सभक संग जीबाक लेल आ
मरबाक लेल तैयार छी। 4 अहाँ सभ पर
हमरा पूरा भरोसा अछि। हम अहाँ सभ पर
बहुत गर्व करैत छी। हम बहुत उत्साहित
छी—अपन विभिन्न कष्टो सभ मे हमर
आनन्दक कोनो सीमा नहि रहैत अछि।

कोरिन्थी सभक हृदय-परिवर्तन सँ पौलुस आनन्दित

5 मकिदुनिया पहुँचला पर सेहो हमरा
सभ केँ कोनो आराम नहि भेटल। चारू
दिस सँ हमरा सभ पर कष्ट आबि गेल
छल—बाहर संघर्ष सभ आ भीतर चिन्ता
सभ। 6 मुदा निराश लोक सभ केँ सान्त्वना
देबऽ वला परमेश्वर तीतुसक अयला सँ
हमरा सभ केँ सान्त्वना देलनि— 7 मात्र
हुनका अयले सँ नहि, बल्कि ओहि
उत्साह सँ सेहो जे अहाँ सभ सँ हुनका
भेटल छलनि। हमरा देखबाक अहाँ
सभक अभिलाषा, अहाँ सभक मानसिक
पीड़ा आ हमरा लेल अहाँ सभक जे चिन्ता
अछि तकरा सम्बन्ध मे ओ हमरा सभ केँ
कहलनि आ से जानि हमर आनन्द आरो
बढ़ल।

8 हम जनैत छी जे हम अहाँ सभ केँ
ओहि पत्र द्वारा दुःख देलहुँ मुदा तैयो हमरा
लिखबाक अफसोच नहि अछि। हमरा ई
देखि कऽ अफसोच भेल छल जे ओ पत्र
किछु समयक लेल अहाँ सभ केँ दुखी

6:16 लेवी 26.12; यर्मि 32.38; यहेज 37.27 **6:17** यशा 52.11; यहेज 20.34, 41
6:18 2 शमू 7.14

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बना देने छल। [9]मुदा आब हमरा प्रसन्नता अछि। हमरा एहि लेल प्रसन्नता नहि अछि जे अहाँ सभ केँ दुःख भेल, बल्कि एहि लेल जे ओहि दुःखक परिणाम ई भेल जे अहाँ सभ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन कयलहुँ। अहाँ सभ परमेश्वरक श्रद्धा मानि हुनका सम्मुख दुखी भेलहुँ, तेँ ओहि पत्र द्वारा हमरा सभक दिस सँ अहाँ सभ केँ कोनो हानि नहि पहुँचाओल गेल। [10]किएक तँ परमेश्वरक सम्मुख जे श्रद्धापूर्ण दुःख होइत अछि से पापक लेल एहन पश्चात्ताप और हृदय-परिवर्तन उत्पन्न करबैत अछि, जकर परिणाम होइत अछि उद्धार, आ ओहि सँ लोक केँ पछताय नहि पड़ैत छैक, मुदा सांसारिक दुःखक परिणाम मृत्यु होइत अछि। [11]अहाँ सभ देखि सकैत छी जे परमेश्वरक सम्मुख अहाँ सभक ओ दुःख अहाँ सभ केँ कतेक गम्भीर बनौलक, अपन सफाइ देबाक लेल कतेक उत्सुक बनौलक आ अहाँ सभ मे कतेक क्रोध, कतेक भय, कतेक अभिलाषा आ कतेक धुन उत्पन्न कयलक, और न्याय होअय ताहि बातक लेल कतेक इच्छा बढ़ा देलक। एहि तरहेँ अहाँ सभ एहि विषयक हर-एक बात मे अपना केँ निर्दोष प्रमाणित कऽ सकलहुँ। [12]तेँ हम ओ पत्र जे अहाँ सभ केँ लिखलहुँ से ने तँ ओहि व्यक्तिक कारणेँ जे गलती कयलक, आ ने ओकरा कारणेँ जकरा संग गलत कयल गेल, बल्कि एहि कारणेँ लिखलहुँ जे परमेश्वरक सामने अहाँ सभ बुझि सकी जे हमरा सभक लेल अहाँ सभ केँ कतेक चिन्ता अछि। [13]एहि सँ हमरा सभ केँ प्रोत्साहन भेटल अछि। प्रोत्साहनक संग-संग हमरा सभ केँ तीतुसक आनन्द केँ देखि कऽ विशेष खुशी सेहो भेल अछि, किएक तँ हुनकर मोन अहाँ सभ गोटे द्वारा उत्साहित भेलनि। [14]हम तीतुसक सामने मे जे अहाँ सभ पर गर्व कयने छलहुँ, तकरा लेल हमरा लज्जित नहि होमऽ पड़ल। जहिना हम सभ जे किछु अहाँ सभ केँ कहियो कहने छलहुँ से सत्य छल तहिना तीतुसक सामने अहाँ सभक बारे मे हमर सभक गर्व कयनाइ सेहो सत्य प्रमाणित भेल। [15]जखन तीतुस केँ स्मरण होइत छनि जे अहाँ सभ कतेक आज्ञाकारी भेलहुँ आ कोन तरहेँ डेराइत-कँपैत हिनकर स्वागत कयलियनि तँ अहाँ सभक प्रति हिनकर स्नेह आओर बढ़ि जाइत छनि। [16]हम एहि बात सँ आनन्दित छी जे हम अहाँ सभ पर पूर्ण भरोसा राखि सकैत छी।

यरूशलेमक गरीब विश्वासी सभक लेल दान देबाक हेतु प्रोत्साहन

8 यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ ओहि कृपाक विषय मे सुनाबऽ चाहैत छी जे मकिदुनिया प्रदेशक मण्डली सभ केँ परमेश्वरक दिस सँ प्राप्त भेल अछि— [2]संकटक अग्नि-परीक्षा मे रहितो हुनका सभ मेहक उमड़ैत आनन्द आ हुनका सभक घोर गरीबी हुनका सभक मोन केँ एहन बना देलकनि जे ओ सभ पूरा तन-मन-धन सँ बेसी सँ बेसी दान देबाक लेल तैयार छलाह। [3]हम गवाही दैत छी जे ओ सभ अपने इच्छा सँ अपन क्षमताक अनुसार आ क्षमतो सँ बेसी देलनि। [4]ओ सभ हमरा सभ सँ बेर-बेर विनती करैत जोर देलनि जे हम सभ हुनको सभ केँ प्रभुक लोक सभक सहायता करऽ मे सहभागी होयबाक अवसर दियनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

5ओ सभ एहि बात मे हमरा सभक
आशा सँ बढ़ि कऽ निकललाह। ओ
सभ परमेश्वरक इच्छाक अनुसार सभ
सँ पहिने परमेश्वरक प्रति, तखन हमरा
सभक प्रति, अपना केँ समर्पित कऽ
देलनि। 6तेँ हम सभ तीतुस केँ अनुरोध
कयलहुँ जे ओ जखन पहिनहि सँ अहाँ
सभक बीच ई दान देबऽ वला काज शुरू
करौने छलाह, तँ आब ओकरा पूरा करऽ
मे सेहो अहाँ सभक सहायता करथि।
7जहिना अहाँ सभ प्रत्येक बात मे आगाँ
बढ़ल छी, अर्थात् विश्वास मे, बाजऽ मे,
ज्ञान मे, पूर्ण समर्पणता मे आ हमरा सभक
प्रति प्रेम मे*, तहिना अहाँ सभ खुशी मोन
सँ दान देबऽ मे सेहो आगाँ रहू। 8हम अहाँ
सभ केँ आदेश नहि दऽ रहल छी, बल्कि
एहि बातक चर्चा कऽ कऽ जे दोसर लोक
सभ दान देबाक लेल कोना तत्पर रहैत
अछि ई जाँचऽ चाहैत छी जे अहाँ सभक
प्रेम कतेक पक्का अछि। 9किएक तँ अहाँ
सभ अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक कृपा
केँ जनैत छी जे धनिक होइतो ओ अहाँ
सभक लेल गरीब बनि गेलाह, जाहि सँ
अहाँ सभ हुनकर गरीब बनला सँ धनिक
बनि जाइ।

10 आब एहि विषय मे अहाँ सभक
लेल की नीक होयत ताहि सम्बन्ध मे हम
अपन सल्लाह दऽ रहल छी—एक वर्ष
पहिने अहीं सभ दान देबहे मे नहि, बल्कि
दान देबाक इच्छा करऽ मे सेहो सभ सँ
पहिल छलहुँ। 11एहि दान वला काज
केँ आब पूरा कऽ लिअ, जाहि सँ जहिना
इच्छा करऽ मे तत्पर छलहुँ तहिना अपन
सामर्थ्यक अनुसार दान दऽ कऽ एहि
काज केँ पूरो करी। 12किएक तँ जँ केओ
देबाक लेल इच्छुक अछि तँ ओकरा
लग जे किछु छैक तकरा अनुसार दान
ग्रहणयोग्य ठहराओल जयतैक, नहि कि
तकरा अनुसार जे ओकरा लग नहि छैक।
13हमर कहबाक तात्पर्य ई नहि जे, अहाँ
सभ दोसर लोक केँ कष्ट सँ बचा कऽ
अपने कष्ट मे पड़ि जाइ, बल्कि ई जे, सभ
मे समानता होअय। 14एहि समय मे अहाँ
सभक सम्पन्नता हुनका सभक अभावक
पूर्ति करत जाहि सँ कहियो हुनका सभक
सम्पन्नता अहाँ सभक अभावक पूर्ति
करय आ एहि तरहेँ समानताक स्थिति रहि
सकय। 15धर्मशास्त्रक लेख सेहो अछि
जे, “जे अपना लेल बहुत जमा कयलक
तकरा लग फाजिल नहि भेलैक, आ जे
अपना लेल कनेके जमा कयलक तकरा
अभाव नहि रहलैक।”*

दान संकलन करयबाक प्रबन्ध

16 परमेश्वर केँ धन्यवाद होनि जे ओ
तीतुसक हृदय मे सेहो अहाँ सभक लेल
एहने चिन्ता रखने छथिन जेहन हमरा
हृदय मे अछि। 17किएक तँ ओ हमरा
सभक अनुरोध खुशी-खुशी स्वीकारे
नहि कयलनि, बल्कि अहाँ सभ लग
उत्साहपूर्बक आ अपन इच्छा सँ जा
रहल छथि। 18हम सभ हुनका संग ओहि
भाय केँ सेहो पठा रहल छी जे सुसमाचार
सम्बन्धी काज मे विश्वासयोग्य रहबाक
कारणेँ सभ मण्डली मे प्रशंसाक पात्र
छथि। 19एतबे नहि, बल्कि मण्डली सभ

8:7 किछु हस्तलेख मे “हमरा सभक प्रति प्रेम मे”क स्थान मे ई पाओल जाइत अछि—“प्रेम मे, जकर प्रेरणा हम सभ अहाँ सभ केँ देलहुँ”। **8:15** प्रस्थान 16.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सेहो हुनका चुनने छनि जे ओ जमा कयल
दान कैँ पहुँचयबाक लेल हमरा सभक संग
जाथि। हम सभ ई सेवा-काज एहन तरीका
सँ करैत छी जाहि सँ प्रभुक महिमा आ
हमरा सभक परोपकार करबाक उत्सुकता
देखाइ देअय। 20हम सभ एहि लेल एहन
सावधानी रखैत छी जाहि सँ एहि बड़का
दानक प्रबन्ध मे केओ हमरा सभ पर दोष
नहि लगाबऽ पाबय। 21किएक तँ हम
सभ मात्र प्रभुएक दृष्टि मे नहि, बल्कि
मनुष्य सभक दृष्टि मे सेहो ठीक सँ काज
करबाक ध्यान रखैत छी। 22एहि दूनू
गोटेक संग हम सभ अपन एकटा आरो
भाय कैँ सेहो पठा रहल छी, जे कतेको बेर
आ बहुतो बात मे अपन उत्साह प्रमाणित
कयने छथि। अहाँ सभ पर हिनका बहुत
भरोसा छनि तेँ हिनकर उत्साह आरो
बढ़ल छनि। 23तीतुसक विषय मे हम ई
कहब जे ओ हमर सहयोगी छथि आ अहाँ
सभक सेवा करऽ मे हमरा संग काज करैत
छथि, और एहि भाय सभक विषय मे ई, जे
ई सभ मण्डली सभक पठाओल प्रतिनिधि
छथि आ हिनका सभक जीवन सँ मसीह
कैँ सम्मान होइत छनि। 24एहि लेल अहाँ
सभ हिनका सभ कैँ अपन प्रेमक प्रमाण
दिअ आ एहि बातक प्रमाण सेहो दिअ जे
हम सभ अहाँ सभ पर कोन कारणेँ गर्व
करैत छी, जाहि सँ मण्डली सभ ई बात
बुझत जे हमर सभक गर्व सही आधार पर
कयल गेल अछि।

9 ई आवश्यक नहि अछि जे प्रभुक
लोक सभक लेल जमा होमऽ वला
एहि दानक विषय मे हम अहाँ सभ कैँ
एहि तरहेँ लिखी। 2किएक तँ हम जनैत
छी जे अहाँ सभ सहायता करबाक लेल
तत्पर छी। हम मकिदुनिया प्रदेशक
विश्वासी सभ लग एहि विषय मे अहाँ
सभ पर गर्व करैत कहने छी जे अखाया
प्रदेशक विश्वासी सभ एक साल सँ दान
देबाक लेल तैयार छथि। अहाँ सभक
तत्परता सँ हुनका सभ मे सँ बहुतो कैँ
जोस भेटल छनि। 3मुदा हम एहि भाय
सभ कैँ अहाँ सभ लग एहि लेल पठा
रहल छी जे हम एहि विषय मे अहाँ सभक
जे बड़ाइ कयलहुँ से निरर्थक नहि ठहरय
आ जाहि सँ जहिना हम कहैत आयल छी
तहिना अहाँ सभ तैयार पाओल जाइ।
4नहि तँ कतौ एना नहि होअय जे जँ
किछु मकिदुनियाक विश्वासी हमरा संग
अबथि आ अहाँ सभ कैँ तैयार नहि पबथि
तँ एहि भरोसा लेल जे अहाँ सभ पर कयने
छी, हमरा सभ कैँ लज्जित होमऽ पड़य
आ हमरो सभ सँ बेसी अहीं सभ कैँ होमऽ
पड़य। 5तेँ हमरा ई आवश्यक बुझायल
जे हम एहि भाय सभ सँ अनुरोध करी
जे ओ सभ हमरा सँ पहिने अहाँ सभक
ओतऽ पहुँचथि आ एहन प्रबन्ध करथि
जे अहाँ सभ जे दान देबाक लेल पहिने सँ
वचन देने छी से तैयार रहय। मुदा ई दान
जोर-जबरदस्ती सँ नहि, बल्कि स्वेच्छा
सँ देल जाय।

खुशी सँ देल दानक परिणाम

6मुदा एहि बातक ध्यान राखू जे, जे
कम बीया बाउग करत से कम काटत आ
जे प्रशस्त बाउग करत से बेसी काटत।
7प्रत्येक व्यक्ति, जतबा ओ अपना मोन
मे निश्चय कयने होअय ततबा देअय,
दुखी भऽ कऽ वा जोर-जबरदस्तीक कारणेँ
नहि, किएक तँ प्रसन्नतापूर्बक देबऽ वला
सँ परमेश्वर प्रेम करैत छथिन। 8परमेश्वर
अपना कृपा सँ अहाँ सभ कैँ प्रशस्त मात्रा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे सभ प्रकारक आशिष देबऽ मे समर्थ
छथि जाहि सँ अहाँ सभ कैँ जे किछु
आवश्यक होअय, से सदिखन अहाँ सभ
लग रहय, आ प्रत्येक भलाइक काजक
लेल सेहो अहाँ सभ लग बहुत किछु बचि
जाय। 9 धर्मशास्त्र मे एहन व्यक्तिक बारे
मे लिखल अछि जे,

"ओ प्रशस्त मात्रा मे गरीब सभ कैँ
दान देने अछि;
ओकर धार्मिकता अनन्त काल तक
बनल रहतैक।"*

10 जे बाउग करऽ वला कैँ बीया, आ
भोजन करऽ वला कैँ रोटी दैत छथिन सैह
अहाँ सभक बीयाक भण्डार बढ़ौताह आ
अहाँ सभक परोपकार रूपी फसिलक
वृद्धि करताह। 11 अहाँ सभ प्रत्येक बात
मे सम्पन्न बनाओल जायब जाहि सँ अहाँ
सभ हमेशा बिनु कंजूसी कऽ खुशी-खुशी सँ
दोसर कैँ दऽ सकब। तखन हमरा सभक
माध्यम सँ पठाओल अहाँ सभक दानक
कारणेँ बहुत लोक परमेश्वर कैँ धन्यवाद
देतनि। 12 किएक तँ अहाँ सभक एहि दान
वला सेवा-काजक द्वारा मात्र प्रभुक लोक
सभक आवश्यकते सभ पूरा नहि होइत
अछि, बल्कि ई बहुते लोकक मोन मे
परमेश्वर कैँ धन्यवाद देबाक कारण सेहो
बनैत अछि। 13 अहाँ सभक एहि सेवा सँ
प्रमाण लऽ कऽ लोक परमेश्वरक स्तुति
करतनि जे अहाँ सभ मसीहक सुसमाचार
पर विश्वास करबाक गवाही देबाक संग-
संग तकरा अनुसार चलितो छी आ अपन
सम्पत्ति मे सँ ओकरा सभ कैँ और सभ कैँ
खुशी सँ दैत छी। 14 ओ सभ अहाँ सभ कैँ
परमेश्वर सँ प्राप्त कयल अपार कृपा कैँ
देखि हृदय खोलि कऽ अहाँ सभक लेल
प्रार्थना करताह।

15 परमेश्वरक ओहि दानक लेल जे
वर्णन सँ बाहर अछि हुनका धन्यवाद
होनि!

आलोचनाक सम्बन्ध मे पौलुसक प्रत्युत्तर

10 हम पौलुस, जे किछु लोकक
कथनक अनुसार अहाँ सभक
सामने मे कायर छी मुदा अहाँ सभ सँ दूर
रहला पर साहस देखबैत छी, से मसीहक
नम्रता आ कोमलताक नाम पर अहाँ सभ सँ
आग्रह करैत छी— 2 अहाँ सभ सँ ई विनती
करैत छी जे जखन हम अहाँ सभ लग आबी
तँ हमरा तेहन साहस नहि देखाबऽ पड़य
जेहन हम तकरा सभक प्रति देखयबाक
निश्चय कऽ लेने छी जे सभ हमरा सभक
सम्बन्ध मे कहैत अछि जे, "ओ सभ
सांसारिक विचारक अनुसार चलैत
अछि।" 3 कारण, हम सभ संसार मे रहैत छी
अवश्य, मुदा सांसारिक तरीका सँ युद्ध नहि
लड़ैत छी। 4 किएक तँ हमरा सभक युद्धक
हथियार सांसारिक नहि, बल्कि परमेश्वरक
शक्तिशाली हथियार अछि जाहि द्वारा
शक्ति-केन्द्र सभ कैँ ध्वस्त कयल जाइत
अछि। 5 हम सभ परमेश्वर सम्बन्धी सत्य
ज्ञानक विरोध मे ठाढ़ होमऽ वला कल्पना
सभ और प्रत्येक कुतर्क कैँ नष्ट करैत
छी आ प्रत्येक विचार कैँ बन्दी बना कऽ
मसीहक अधीनता मे लबैत छी। 6 अहाँ सभ
जखन पूर्ण रूप सँ आज्ञाकारी होयब तखन
हम सभ आज्ञा कैँ तोड़नाइ वला प्रत्येक
काज कैँ दण्डित करबाक लेल तैयार रहब।

9:9 भजन 112.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

7 जे बात आँखिक सामने स्पष्ट अछि
तकरा अहाँ सभ देखि लिअ। जँ केओ
अपना सम्बन्ध मे निश्चिन्त अछि जे
ओ मसीहक अछि तँ ओ एहि पर सेहो
विचार करय जे जहिना ओ मसीहक अछि
तहिना हमहूँ सभ मसीहक छी। 8 जँ हम
प्रभु सँ भेटल अधिकार पर विशेष गर्व
करबो करी, तँ हमरा एहि बात सँ कोनो
लाज नहि होयत; ई अधिकार अहाँ सभक
नोकसानक लेल नहि, बल्कि अहाँ सभक
आत्मिक निर्माणक लेल अछि। 9 अहाँ
सभ ई नहि बुझू जे हम अपन पत्र सभक
द्वारा अहाँ सभ केँ डेराबऽ चाहैत छी।
10 किएक तँ किछु लोक सभक कथन
अछि जे, "ओकर पत्र सभ गम्भीर आ
प्रभावशाली तँ होइत अछि, मुदा जखन
ओ स्वयं उपस्थित होइत अछि तँ ओ
कमजोर लगैत अछि आ ओकर बजबाक
तरीका सँ कोनो प्रभाव नहि पड़ैत अछि।"
11 एहन लोक सभ ई बुझओ जे हम सभ
अपन अनुपस्थिति मे पत्र सभक माध्यम
सँ जे कहैत छी, उपस्थित भेला पर सैह
करबो करब।

अपन सेवा-काजक सम्बन्ध मे पौलुसक सिद्धान्त

12 जे लोक सभ अपन प्रशंसा करैत
अछि, हम सभ अपना केँ तकरा सभ जकाँ
मानबाक आ तकरा सभ सँ अपन तुलना
करबाक साहस नहि करैत छी। ओ सभ
अपने नाप सँ अपना केँ नपैत अछि आ
अपने सँ अपना केँ तुलना करैत अछि।
केहन मूर्खता वला बात! 13 मुदा हम सभ
जे छी, से उचित सीमा केँ नाँघि कऽ गर्व
नहि करब। परमेश्वर हमरा सभक लेल जे
क्षेत्र निर्धारित कयने छथि से अहूँ सभ तक
पहुँचैत अछि आ हम सभ तकरा भीतर
मे रहि कऽ गर्व करब। 14 हम सभ अपन
क्षेत्रक सीमाक उल्लंघन नहि करैत छी। जँ
अहाँ सभ लग नहि पहुँचल रहितहुँ तँ हमरा
सभ सँ सैह होइत, मुदा हम सभ मसीहक
शुभ समाचार प्रचार करैत अहाँ सभ लग
पहुँचल छी। 15 हम सभ अपन सीमाक
उल्लंघन करैत दोसराक परिश्रम पर गर्व
सेहो नहि करैत छी, बल्कि हमरा सभक
आशा अछि जे जहिना-जहिना अहाँ सभक
विश्वास बढ़ैत जायत, तहिना-तहिना
हमरा सभक कार्यक्षेत्र सेहो अहाँ सभक
सहायता सँ विस्तृत होइत जायत, 16 जाहि
सँ हम सभ अहाँ सभ सँ आगाँक इलाका मे
सुसमाचारक प्रचार कऽ सकी आ अनकर
क्षेत्रक सीमाक भीतर भेल काज पर गर्व
नहि करी। 17 बल्कि जेना कि धर्मशास्त्र मे
लिखल अछि जे, "जे केओ घमण्ड करय
से प्रभु पर घमण्ड करय।"* 18 किएक तँ
जे अपन प्रशंसा स्वयं करैत अछि से नहि,
बल्कि जकर प्रशंसा प्रभु करैत छथिन, वैह
योग्य ठहराओल जाइत अछि।

झुट्ठा मसीह-दूत सभ सँ धोखा नहि खाउ

11 हम चाहैत छी जे अहाँ सभ हमर
कनेक मूर्खता सहि लितहुँ,
मुदा वास्तव मे अहाँ सभ तँ सहिओ रहल
छी। 2 अहाँ सभक लेल हमरा मोन मे
तेहन जरनि भरल अछि जेहन परमेश्वरक
जरनि होइत अछि। किएक तँ हम अहाँ
सभक विवाह एकमात्र वर, अर्थात्

10:17 यर्मि 9.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मसीहक संग, ठीक कयने छी आ हम अहाँ सभ केँ पवित्र कुमारि जकाँ हुनका अर्पण करऽ चाहैत छी। 3मुदा हमरा डर होइत अछि जे जहिना साँप हव्वा केँ अपन कपट सँ बहका देलक तहिना अहाँ सभ मे मसीहक प्रति जे निष्कपट आ शुद्ध भक्ति अछि, ताहि सँ अहाँ सभक मोन बहका ने देल जाय। 4किएक तँ जखन केओ अहाँ सभ लग कोनो एहन यीशुक प्रचार करऽ अबैत अछि जे हमरा सभक द्वारा प्रचारित यीशु सँ भिन्न अछि, वा जँ अहाँ सभ केँ कोनो ओहन आत्मा अथवा सुसमाचार भेटैत अछि जे अहाँ सभक द्वारा पहिने स्वीकार कयल गेल पवित्र आत्मा आ सुसमाचार सँ भिन्न अछि तँ अहाँ सभ आराम सँ ओकरा सहि लैत छी। 5हम अपना केँ ओहि “महा मसीह-दूत सभ” सँ कनेको कम नहि बुझैत छी। 6सम्भव अछि जे हम भाषण देबऽ मे निपुण नहि होइ, तैयो हमरा मे ज्ञानक अभाव नहि अछि। एहि बात केँ हम सभ हर प्रकारेँ सभ बात मे अहाँ सभक सम्मुख स्पष्ट कऽ देने छी।

7 अहाँ सभ केँ ऊपर उठयबाक लेल हम अपना केँ छोट बना लेलहुँ आ बिनु किछु लेनहि अहाँ सभक बीच परमेश्वरक सुसमाचारक प्रचार कयलहुँ, से की हम गलती कयलहुँ? 8ई कहल जा सकैत जे हम दोसर मण्डली सभ सँ पारिश्रमिक लऽ कऽ अहाँ सभक सेवा करबाक लेल हुनका सभ केँ “लुटलहुँ”। 9जहिया हम अहाँ सभक ओतऽ छलहुँ तँ अभाव मे रहला पर सेहो हम अहाँ सभक लेल भार नहि बनलहुँ, किएक तँ मकिदुनिया प्रदेश सँ आयल भाय सभ हमर आवश्यकता सभक पूर्ति कऽ देलनि। हम अपना केँ कोनो तरहेँ अहाँ सभ पर भार नहि बनऽ देलहुँ आ ने कहियो बनऽ देब। 10जँ मसीहक सत्यता हमरा मे अछि तँ अखाया प्रदेश भरि मे केओ हमरा एहन गर्व करबाक हक सँ वंचित नहि करत। 11एना किएक? की एहि लेल जे हम अहाँ सभ सँ प्रेम नहि करैत छी? परमेश्वर जनैत छथि जे हम अहाँ सभ सँ प्रेम करैत छी! 12हम जे करैत आबि रहल छी सैह करैत रहब जाहि सँ अपन बड़ाइ करऽ वला ओहि “महा मसीह-दूत सभ” केँ एहि बात पर गर्व करबाक मौका नहि भेटैक जे ओ सभ प्रचारक काज मे हमरा सभक बराबरि अछि। 13किएक तँ एहन लोक झुट्ठा मसीह-दूत अछि जे अपना काज द्वारा धोखा दैत अछि आ मसीहक दूत होमऽ सनक रूप मात्र धारण करैत अछि। 14ई कोनो आश्चर्यक बात नहि अछि, किएक तँ शैतान स्वयं चमकैत स्वर्गदूतक रूप धारण कऽ लैत अछि। 15तेँ जँ ओकर सेवक सभ सेहो धार्मिकताक सेवकक रूप धारण करैत अछि तँ एहि मे कोनो आश्चर्य नहि, मुदा जेहने ओकरा सभक काज अछि, तेहने ओकरा सभक अन्त होयतैक।

“जँ हमरा अपन बड़ाइ करहे पड़ैत अछि तँ...”

16 हम फेर कहैत छी जे, केओ हमरा मूर्ख नहि बुझय। मुदा, जँ अहाँ सभ हमरा एना बुझैत छी तँ हमरा मूर्खे बुझि कऽ स्वीकार करू जाहि सँ हमहूँ कनेक अपन बड़ाइ कऽ सकी। 17हम एखन जे कहि रहल छी से प्रभुक स्वभावक अनुरूप नहि, बल्कि मूर्ख जकाँ निःसंकोच भऽ कऽ अपन बड़ाइ कऽ रहल छी। 18जखन अनेक लोक सांसारिक भावना सँ अपन बड़ाइ करैत अछि तँ हमहूँ अपन बड़ाइ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

किएक ने करी? 19अहाँ सभ एहन
बुद्धिमान छी जे आनन्दपूर्बक मूर्ख सभक
व्यवहार सहि लैत छी! 20हँ, जखन केओ
अहाँ सभ केँ गुलाम बना लैत अछि, अहाँ
सभक धन-सम्पत्ति हड़पि लैत अछि,
अहाँ सभ केँ ठकि लैत अछि, अहाँ सभ
लग धाख जमबैत अछि वा अहाँ सभक
मुँह पर थप्पड़ मारैत अछि तँ अहाँ सभ
ओहन लोक सभक व्यवहार सहि लैत
छी। 21हम लाजक संग स्वीकार करैत छी
जे अहाँ सभक संग एहि प्रकारक व्यवहार
करबाक साहस हमरा सभ केँ नहि भेल!

जाहि बात सभक विषय मे ओ सभ
अपन बड़ाइ करबाक साहस करैत अछि,
ताहि विषय मे हमरो अपन बड़ाइ करबाक
साहस अछि—हम मूर्ख जकाँ बजैत छी।
22की ओ सभ इब्रानी अछि? हमहूँ छी।
की ओ सभ इस्राएली अछि? हमहूँ छी।
की ओ सभ अब्राहमक वंशज अछि?
हमहूँ छी। 23की ओ सभ मसीहक सेवक
अछि? हम पागल जकाँ बजैत छी!—हम
ओकरा सभ सँ बढ़ि कऽ छी। हम ओकरा
सभ सँ अधिक परिश्रम कयने छी, हम
ओकरा सभ सँ बेसी बेर जहल मे पड़लहुँ,
नहि जानि हम कतेक बेर पिटल गेलहुँ।
कतेको बेर मरैत-मरैत बचलहुँ। 24यहूदी
सभ हमरा पाँच बेर एक-कम-चालिस
कोड़ा लगबौलक। 25हम तीन बेर बेंतक
मारि सहलहुँ। एक बेर हमरा मारि देबाक
लेल हमरा पर पथरबाहि कयल गेल।
तीन बेर एना भेल जे, जाहि पानि जहाज
पर हम यात्रा कऽ रहल छलहुँ से ध्वस्त
भऽ गेल। एक बेर दिन-राति भरि हम समुद्र
मे बहैत रहलहुँ। 26हमरा बारम्बार यात्रा
करऽ पड़ल, जाहि मे नदी सभक खतरा,
डाकू सभक खतरा, सजाति यहूदी सभ सँ
खतरा, आन जातिक लोक सभ सँ खतरा,
नगर सभक खतरा, निर्जन प्रदेश सभक
खतरा, समुद्रक खतरा आ झुट्ठा भाइ सभ
सँ खतरा अबैत रहल। 27हम खटि-खटि
कऽ कठोर परिश्रम कयलहुँ आ बहुतो
राति जागि कऽ बितौलहुँ। हमरा कतेको
बेर भोजन नहि भेटल आ भूखल-पियासल
रहलहुँ। वस्त्रक अभाव मे जाड़ सहैत
रहलहुँ। 28और एहि सभ बातक अलावे,
सभ मण्डलीक चिन्ताक भार सेहो सभ
दिन हमरा पर रहैत अछि। 29जखन केओ
दुर्बल अछि तँ की हम दुर्बलताक अनुभव
नहि करैत छी? जखन केओ पाप मे
फँसाओल जाइत अछि तँ की हमरा हृदय
मे आगि नहि धधकैत अछि?

30जँ हमरा अपन बड़ाइ करहे पड़ैत
अछि तँ हम अपन दुर्बलता प्रगट करऽ
वला बात सभक विषय मे बड़ाइ करब।
31प्रभु यीशुक पिता आ परमेश्वर, जे
सदा-सर्वदा धन्य छथि, जनैत छथि जे हम
झूठ नहि बाजि रहल छी। 32जखन हम
दमिश्क नगर मे छलहुँ तँ राजा अरितासक
राज्यपाल नगर पर पहरा बैसा कऽ हमरा
पकड़ऽ चाहलक। 33मुदा हमरा टोकरी मे
बैसा कऽ नगरक छहरदेवालीक खिड़की
बाटे नीचाँ उतारि देल गेल आ एहि तरहेँ
हम ओकरा हाथ मे अबैत-अबैत बाँचि
गेलहुँ।

परमेश्वरक सामर्थ्यक पूर्णता मनुष्यक दुर्बलता मे

12 हमरा अपन बड़ाइ करहे पड़ि
रहल अछि, ओना तँ एहि सँ
कोनो लाभ नहि होइत अछि। आब हम
प्रभु सँ देल गेल दर्शन सभ आ प्रभुक
द्वारा प्रगट कयल रहस्य सभक चर्चा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करब। 2हम मसीह मेहक एक व्यक्ति केँ
जनैत छी जे चौदह वर्ष पहिने आकाश केँ
पार कऽ कऽ स्वर्ग मे* ऊपर उठाओल
गेल—देहक संग वा बिना देहक, हम नहि
जनैत छी, परमेश्वर जनैत छथि। 3-4हम
ओहि व्यक्तिक विषय मे जनैत छी जे
ओ स्वर्गधाम मे उठाओल गेल—देहक
संग वा बिना देहक, ई हम नहि जनैत छी,
परमेश्वर जनैत छथि। ओ एहन बात सभ
सुनलक जकरा वर्णनो नहि कयल जा
सकैत अछि, जकरा कहबाक अनुमति
मनुष्य केँ नहि देल गेल अछि। 5हम एहन
मनुष्यक बड़ाइ करब मुदा हम अपन
दुर्बलता सभ केँ छोड़ि कऽ आन कोनो
बात लऽ कऽ अपन बड़ाइ नहि करब। 6जँ
हम अपन बड़ाइ करहो चाहितहुँ तँ तैयो
हम मूर्ख नहि होइतहुँ, किएक तँ हम सत्ये
बजितहुँ। मुदा हम से नहि करब जाहि सँ
प्रत्येक व्यक्ति हमरा जे करैत देखैत अछि
वा कहैत सुनैत अछि, ताहि अनुसारेँ मात्र
हमर मूल्यांकन करय, नहि कि ताहि सँ
बढ़ि कऽ। 7हमरा पर प्रगट कयल एहि
बहुत अद्‌भुत रहस्य सभक कारणेँ हम
घमण्ड नहि करऽ लागी, ताहि लेल हमरा
शरीर मे एकटा काँट गरा देल गेल। अर्थात्,
शैतानक एक “दूत” हमरा कष्ट देबाक
लेल राखि देल गेल जाहि सँ हम घमण्डी
नहि भऽ जाइ। 8हम एकरा विषय मे प्रभु सँ
तीन बेर नेहोरा-विनती कयलहुँ जे ई हमरा
सँ दूर भऽ जाय। 9मुदा ओ हमरा कहलनि,
“हमर कृपा तोरा लेल प्रशस्त छह, किएक
तँ हमर सामर्थ्यक पूर्णता मनुष्यक दुर्बलता
मे सिद्ध होइत अछि।” एहि लेल हम खुशी
सँ अपन दुर्बलता सभ पर गर्व करब, जाहि
सँ ओहि दुर्बलता सभक द्वारा हमरा मे
मसीहक सामर्थ्य क्रियाशील रहय। 10तेँ
मसीहक लेल हम अपन दुर्बलता सभ मे,
अपमान सभ मे, कष्ट सभ मे, सतावट
सभ मे आ विपत्ति सभ मे प्रसन्न रहैत
छी, किएक तँ जखन हम दुर्बल छी तखने
बलगर होइत छी।

कोरिन्थी सभक लेल पौलुसक चिन्ता

11 हम एना बात कऽ कऽ मूर्ख बनि
गेल छी मुदा अहीं सभ हमरा ताहि लेल
विवश कयने छी। उचित तँ ई छल जे
अहीं सभ हमरा योग्य ठहरबितहुँ, कारण,
हम किछु नहि होइतो ओहि “महा मसीह-
दूत सभ” सँ कोनो तरहेँ कम नहि छी।
12अहाँ सभक बीच मसीह-दूतक असली
लक्षण अटल धैर्यक संग हमरा द्वारा
प्रदर्शित भेल, अर्थात् आश्चर्यपूर्ण चिन्ह,
सामर्थ्यक काज आ चमत्कार सभ।
13अहाँ सभ केँ किएक होइत अछि जे हम
अहाँ सभ केँ दोसर मण्डली सभ सँ कम
मानैत छी? की एहि लेल जे हम अहाँ सभ
पर अपन खर्चक लेल भार नहि बनलहुँ?
एहि अन्यायक लेल अहाँ सभ हमरा क्षमा
करू!

14 आब हम अहाँ सभक ओतऽ तेसर
बेर अयबाक लेल तैयार छी। हम अहाँ
सभक लेल भार नहि बनब, किएक तँ
हम अहाँ सभक सम्पत्ति नहि, अहीं सभ
केँ चाहैत छी। बच्चा सभ केँ तँ अपन
माय-बाबूक लेल धन जमा करबाक
भार नहि होयबाक चाही, बल्कि अपन

12:2 “आकाश केँ पार कऽ कऽ स्वर्ग मे”—मूल मे “तेसर स्वर्ग (वा आकाश) मे”। यूनानी भाषा मे “स्वर्ग” और “आकाश”क लेल एके शब्द होइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बच्चा सभक लेल माय-बाबू केँ। [15]हम
अहाँ सभक लेल खुशी सँ अपन सभ
किछु—अपना केँ सेहो—खर्च कऽ देब।
जखन हम अहाँ सभ सँ एतेक प्रेम करैत
छी तँ की अहाँ सभ हमरा सँ कम प्रेम
करब?

16 जे होअय, हम अहाँ सभ पर भार
नहि बनलहुँ। तखन की, हम चलाक भऽ
कऽ अहाँ सभ केँ छल-कपट सँ फँसा
लेलहुँ? [17]हम जाहि व्यक्ति सभ केँ अहाँ
सभक ओतऽ पठौलहुँ, की ओहि मे सँ
किनको द्वारा अहाँ सभ सँ लाभ उठौलहुँ?
[18]हम तीतुस सँ अहाँ सभक ओतऽ
जयबाक लेल जोर दैत निवेदन कयलहुँ
आ हुनका संग ओहि भाय केँ पठौलहुँ।
की तीतुस अहाँ सभ सँ कोनो अनुचित
लाभ उठौलनि? की हम दूनू गोटे एके
आत्मा सँ प्रेरित भऽ एके बाट पर नहि
चललहुँ? [19]अहाँ सभ सोचैत होयब जे
एखन तक हम सभ अहाँ सभक समक्ष
अपन सफाइ दऽ रहल छी। यौ प्रिय भाइ
लोकनि, बात से नहि अछि। हम सभ
परमेश्वरक सम्मुख मसीह मे रहि कऽ ई
सभ बात बाजि रहल छी आ सभ अहाँ
सभक आत्मिक उन्नतिक लेल अछि।
[20]हमरा डर अछि जे अहाँ सभक ओतऽ
अयला पर हम अहाँ सभ केँ ओहन नहि
पाबी जेहन पाबऽ चाहैत छी आ अहाँ सभ
सेहो हमरा तेहन नहि पाबी जेहन पाबऽ
चाहैत छी। कतौ एहन नहि होअय जे
अहाँ सभक बीच झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध,
स्वार्थ, परनिन्दा, चुगलखोरी, अहंकार
आ अव्यवस्था सभ पाबी। [21]हमरा डर
अछि जे अहाँ सभक ओतऽ फेर अयला
पर कतौ हमर परमेश्वर अहाँ सभ पर
जे हमर गर्व अछि तकरा अहाँ सभक
सम्मुख चूर-चूर ने करथि आ हम ओहन
बहुतो लोक सभक कारणेँ दुखी भऽ
जाइ जे सभ पहिने पाप कयने अछि आ
अपन कयल अशुद्ध व्यवहार, अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध आ भोग-विलासक
लेल पश्चात्ताप नहि कयने अछि।

“अपना केँ सुधारू!”

13 आब हम तेसर बेर अहाँ
सभक ओतऽ आबि रहल छी।
धर्मशास्त्रक नियमक अनुसार, “प्रत्येक
बातक पुष्टि दू वा तीन गवाहक गवाही
पर कयल जायत।”* [2]हम जखन दोसर
बेर अहाँ सभक ओतऽ छलहुँ तहिए अहाँ
सभ केँ कहलहुँ आ आब जखन अहाँ
सभ सँ दूर छी तँ ओहि सभ लोक केँ
जे सभ पाप कयलक और आनो लोक
सभ केँ फेर कहि दैत छी जे, हम जखन
घूमि कऽ आयब तँ ककरो छोड़ब नहि।
[3]अहाँ सभ तँ चाहितो छी जे हम एहि
बातक प्रमाण दी जे मसीह हमरा द्वारा
बजैत छथि। मसीह अहाँ सभक संग जे
व्यवहार करैत छथि ताहि मे ओ दुर्बल
नहि, बल्कि अहाँ सभक बीच सामर्थी
छथि। [4]ई बात सत्य अछि जे दुर्बलता
मे ओ क्रूस पर चढ़ा कऽ मारल गेलाह,
मुदा परमेश्वरक सामर्थ्य सँ ओ आब
जीवित छथि। तहिना हमहूँ सभ मसीह
मे दुर्बल छी, तैयो अहाँ सभक संग जे
हमरा सभक व्यवहार होयत ताहि सँ ई
स्पष्ट होयत जे हम सभ मसीहक संग
परमेश्वरक सामर्थ्य सँ जीबैत छी।

13:1 व्यव 19.15

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

5 अहाँ सभ अपना केँ परखू जे अहाँ
सभक विश्वास पकिया अछि वा नहि।
अपना केँ जाँचू। की अहाँ सभ ई नहि
जनैत छी जे मसीह यीशु अहाँ सभक बीच
मे छथि*?—जँ अहाँ सभ कसौटी पर
खोटा नहि निकललहुँ तँ। [6]हमर आशा
अछि जे अहाँ सभ बुझि जायब जे हम
सभ खोटा नहि निकललहुँ। [7]हम सभ
परमेश्वर सँ प्रार्थना करैत छी जे अहाँ
सभ कोनो गलती नहि करी। एहि लेल
नहि, जे हम सभ पकिया प्रमाणित होइ,
बल्कि एहि लेल जे अहाँ सभ सैह करी
जे उचित अछि, भलेही हम सभ खोटा
देखाइ दी। [8]कारण, हमरा सभ केँ सत्यक
विरोध मे किछु करबाक कोनो अधिकार
नहि अछि, हम सभ सत्यक समर्थने करैत
छी। [9]किएक तँ जखन हम सभ दुर्बल
आ अहाँ सभ सामर्थी होइत छी तखन
हमरा सभ केँ आनन्द होइत अछि। हमरा
सभक यैह प्रार्थना अछि जे अहाँ सभ मे
पूर्ण सुधार होअय। [10]एहि कारणेँ हम
अहाँ सभ सँ दूर रहितो एहि बात सभ केँ
लिखि रहल छी जाहि सँ जखन हम अहाँ
सभक ओतऽ आबी तँ हमरा प्रभु द्वारा
देल अधिकारक अनुसार अहाँ सभक
संग कठोर व्यवहार नहि करऽ पड़य।
किएक तँ हमरा ई अधिकार अहाँ सभ
केँ खसयबाक लेल नहि, बल्कि अहाँ
सभक आत्मिक निर्माण करबाक लेल
भेटल अछि।

नमस्कार आ आशीर्वाद

11 यौ भाइ लोकनि, आब अन्त मे ई जे,
आनन्दित रहू, अपना केँ सुधारू, हमर
बात सभ पर ध्यान दिअ, आपस मे एक
मोनक भऽ कऽ शान्तिपूर्बक रहू। तखन
प्रेम आ शान्ति देबऽ वला परमेश्वर अहाँ
सभक संग रहताह।

12 पवित्र मोन सँ एक-दोसर केँ सस्नेह
नमस्कार करू।* [13]परमेश्वरक सभ
लोक अहाँ सभ केँ नमस्कार कहैत छथि।

14 प्रभु यीशु मसीहक कृपा, परमेश्वरक
प्रेम आ पवित्र आत्माक संगति अहाँ सभ
गोटेक संग बनल रहय।

13:5 वा, “अहाँ सभ मे छथि” **13:12** अक्षरशः “पवित्र चुम्मा सँ एक-दोसर केँ नमस्कार करू।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गलातिया प्रदेशक मण्डली सभ केँ पौलुसक पत्र

1 ई पत्र हम मसीह-दूत पौलुस लिखि
रहल छी, जे ने तँ मनुष्य सभक दिस
सँ आ ने कोनो मनुष्यक द्वारा मसीह-दूत
नियुक्त भेल छी, बल्कि यीशु मसीह द्वारा
आ पिता परमेश्वर द्वारा, जे यीशु मसीह
केँ मृत्यु मे सँ जिऔलथिन। 2हम आ हमरा
संग जतेक भाय लोकनि छथि से सभ ई
पत्र गलातिया प्रदेशक मण्डली सभ केँ
लिखि रहल छी।
3 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ केँ शान्ति देथि। 4मसीह
अपना सभक पापक प्रायश्चित्तक लेल
अपना केँ अर्पित कयलनि जाहि सँ एहि
वर्तमान पापमय संसारक वश सँ अपना
सभ केँ बचबथि। ई अपना सभक पिता
परमेश्वरक इच्छाक अनुसार भेल,
5जिनकर प्रशंसा युगानुयुग होइत रहनि।
आमीन।

दोसर सुसमाचार कोनो अछिए नहि!

6 हमरा आश्चर्य होइत अछि जे, जे
परमेश्वर मसीहक कृपा द्वारा अहाँ सभ
केँ बजौलनि तिनका अहाँ सभ कोना
एतेक जल्दी त्यागि कऽ कोनो दोसरे
सुसमाचारक दिस घूमि रहल छी।
7दोसर सुसमाचार तँ कोनो अछिए नहि,
मुदा किछु लोक अछि जे अहाँ सभ केँ
विचलित कऽ रहल अछि आ मसीहक
सुसमाचार केँ बिगाड़ऽ चाहैत अछि।
8परन्तु जँ हमहूँ सभ वा स्वर्गक कोनो
दूतो ओहि सुसमाचार केँ छोड़ि जे हम
सभ अहाँ सभ केँ सुनौलहुँ, कोनो आन
सुसमाचार अहाँ सभ केँ सुनाबय तँ ओ
परमेश्वर द्वारा सरापित होअय! 9हम
सभ जे बात पहिनो कहि चुकल छी
सैह हम दोहरबैत छी—जे शुभ समाचार
अहाँ सभ स्वीकार कयने छी, जँ ओहि
सँ अलग कोनो सुसमाचार केओ अहाँ
सभ केँ सुनाबय तँ ओ परमेश्वर द्वारा
सरापित होअय!

पौलुस द्वारा प्रचारित सुसमाचार मनुष्य द्वारा रचित नहि

10 की आब हम मनुष्य सभ सँ प्रशंसा
पाबऽ चाहैत छी वा परमेश्वर सँ? की हम
मनुष्य सभ केँ प्रसन्न करबाक प्रयास कऽ
रहल छी? जँ हम एखनो धरि मनुष्य सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

केँ प्रसन्न करबाक प्रयत्न करैत रहितहुँ तँ
हम मसीहक सेवक नहि होइतहुँ।

11 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ ई बुझि
लिअ जे हम जे सुसमाचार अहाँ सभ केँ
सुनौलहुँ से मनुष्य द्वारा रचित नहि अछि।
[12]किएक तँ ओ ने हमरा कोनो मनुष्य सँ
प्राप्त भेल आ ने केओ हमरा सिखौलक,
बल्कि तकर ज्ञान यीशु मसीह अपने
हमरा देलनि।

13 अहाँ सभ तँ सुनि चुकल छी जे पहिने
जखन हम यहूदी धर्म मानैत छलहुँ तँ हमर
व्यवहार केहन छल। हम परमेश्वरक
मण्डली पर घोर अत्याचार करैत छलहुँ
आ ओकरा नष्ट करबाक प्रयत्न करैत
छलहुँ। [14]हम अपना तुरियाक बहुतो
यहूदी सभक अपेक्षा यहूदी धर्मक पालन
करबा मे आगू रही आ अपन पुरखा
लोकनिक परम्परा सभक कट्टर समर्थक
छलहुँ। [15]मुदा परमेश्वर मायक गर्भे सँ
हमरा अपना लेल अलग रखने छलाह
आ हमरा पर कृपा कऽ हमरा बजौलनि।
[16]जखन ओ अपना इच्छाक अनुसार
अपना पुत्र केँ हमरा चिन्हौलनि जाहि सँ
हम गैर-यहूदी सभ मे हुनकर सुसमाचार
सुनाबी, तखन हम एहि सम्बन्ध मे कोनो
मनुष्यक संग विचार-विमर्श नहि कयलहुँ,
[17]आ ने हम यरूशलेम मे हुनका सभ लग
गेलहुँ जे सभ हमरा सँ पहिने सँ मसीह-दूत
छलाह, बल्कि हम सोझे अरब देश चल
गेलहुँ आ बाद मे फेर दमिश्क नगर घूमि
अयलहुँ।

18 हम तीन वर्षक बाद पत्रुस* सँ भेँट
करबाक लेल यरूशलेम गेलहुँ आ हुनका
संग पन्द्रह दिन रहलहुँ। [19]मुदा प्रभुक भाय
याकूब केँ छोड़ि हमरा आरो मसीह-दूत मे
सँ किनको सँ भेँट नहि भेल। [20]परमेश्वर
हमर गवाह छथि जे हम जे अहाँ सभ
केँ लिखि रहल छी से झूठ नहि अछि।
[21]तकरबाद हम सीरिया आ किलिकिया
प्रदेश गेलहुँ। [22]ओहि समय मे यहूदिया
प्रदेशक मसीहक मण्डली सभ हमरा
व्यक्तिगत रूप सँ नहि चिन्हैत छलाह।
[23]ओ सभ एतबे सुनने छलाह जे, "जे
व्यक्ति पहिने हमरा सभ पर अत्याचार
करैत छल वैह आब ओहि विश्वासक
प्रचार करैत अछि जकर ओ पहिने
सर्वनाश करबाक प्रयत्न करैत छल।"
[24]आ ओ सभ हमरा विषय मे परमेश्वरक
प्रशंसा कयलनि।

पौलुसक प्रचारक काज पर दोसरो मसीह-दूत सभक छाप

2 चौदह वर्षक बाद हम फेर यरूशलेम
गेलहुँ। बरनबास हमरा संग छलाह
आ तीतुस केँ सेहो हम अपना संग लऽ
गेलहुँ। [2]हम एहि लेल गेलहुँ जे परमेश्वर
स्पष्ट रूप सँ देखा देने छलाह जे हमरा
जयबाक अछि। हम मण्डलीक मुख्य
व्यक्ति सभक सामने एकान्त मे ओ
सुसमाचार प्रस्तुत कयलहुँ जकर प्रचार
हम गैर-यहूदी लोकक बीच करैत छी,
जाहि सँ एना नहि होअय जे हम जे परिश्रम
कऽ रहल छलहुँ वा कऽ चुकल छलहुँ
से व्यर्थ होअय। [3]मुदा तीतुस जे हमरा
संग छलाह, यूनानी होइतो, तिनका
केओ खतना करयबाक लेल विवश नहि
कयलकनि। [4]खतनाक प्रश्नो किछु झुट्ठा
भाय सभक कारणेँ मात्र उठाओल गेल जे

1:18 मूल मे, "कैफा"। "कैफा" (इब्रानी भाषा) और "पत्रुस" (यूनानी भाषा) एके नाम अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ एहि लेल मण्डली मे चोरा कऽ घुसि
आयल छल, जाहि सँ मसीह यीशु मे भेटल
हमरा सभक स्वतन्त्रताक भेद लय आ
हमरा सभ केँ फेर धर्म-नियमक गुलामी
मे राखि दय। 5हम सभ ओकरा सभक
सामने एको क्षणक लेल नहि झुकलहुँ
जाहि सँ अहाँ सभक बीच सुसमाचारक
सत्य स्थिर बनल रहय।

6 मुदा जे सभ प्रतिष्ठित मानल जाइत
छलाह—ओना तँ ओ सभ की छलाह
ओहि सँ हमरा कोनो अन्तर नहि पड़ैत
अछि, कारण परमेश्वर ककरो संग
पक्षपात कयनिहार नहि छथि—से सभ
हमरा सुसमाचार मे कोनो बात नहि
जोड़लनि। 7बरु ओ सभ मानि लेलनि जे
हमरा ओही तरहेँ आन जाति सभक बीच
सुसमाचारक प्रचारक काज सौंपल गेल
अछि जाहि तरहेँ पत्रुस केँ यहूदी जातिक
बीच मे, 8किएक तँ जे परमेश्वर पत्रुस
द्वारा यहूदी सभक बीच मसीह-दूतक
काज करबा रहल छलाह, वैह हमरो
द्वारा आन जाति सभक बीच मसीह-दूतक
काज करबा रहल छलाह। 9जखन ओ
सभ बुझलनि जे ई काज हमरा देल गेल
परमेश्वरक कृपादान अछि तँ याकूब,
पत्रुस* आ यूहन्ना, जे सभ मण्डलीक
खाम्ह बुझल जाइत छथि, हमरा आ
बरनबास सँ दहिना हाथ मिलबैत हमरा
सभ केँ सहभागीक रूप मे स्वीकार
कयलनि। ओ सभ एहि बात सँ सहमति
छलाह जे हम सभ आन जाति सभक
बीच काज करी आ ओ सभ यहूदी सभक
बीच। 10हुनका सभक आग्रह एतबे छल
जे हुनका सभक बीच मे जे गरीब सभ
छल, तकरा सभक सुधि ली। आ ठीक
सैह काज करबाक लेल हम अपनो
उत्सुक छलहुँ।

सुसमाचारक रक्षाक लेल पौलुस द्वारा पत्रुसक विरोध

11 मुदा जखन पत्रुस अन्ताकिया नगर
अयलाह तँ हम हुनका मुँह पर हुनकर
विरोध कयलियनि, किएक तँ ओ गलत
बात करैत छलाह। 12कारण, याकूबक
ओतऽ सँ किछु लोक सभ केँ आबऽ सँ
पहिने ओ यहूदी प्रथा नहि मानऽ वला
आन जातिक लोक सभक संग-संग
भोजन करैत छलाह, मुदा ओकरा सभ
केँ अयला पर ओ पाछाँ हटऽ लगलाह
आ गैर-यहूदी लोक सभ सँ अलग रहऽ
लगलाह, किएक तँ ओ ओहि यहूदी
सभ सँ डेराइत छलाह जे सभ खतना
प्रथाक कट्टर समर्थक छल। 13मण्डलीक
बाँकी यहूदी भाय सभ सेहो एहि कपट
मे हुनका संग देलकनि, एतऽ तक जे
बरनबासो ओहि लोक सभक कपटक
कारणेँ बहकि गेलाह। 14मुदा जखन
हम देखलहुँ जे हुनका सभक व्यवहार
सुसमाचारक सत्य सँ नहि मिलैत अछि तँ
सभक सामने मे हम पत्रुस केँ कहलियनि,
“जखन अहाँ यहूदी वंशक भऽ कऽ यहूदी
प्रथा सभ केँ त्यागि कऽ आन जाति सभ
जकाँ व्यवहार करैत आयल छी तँ आन
जातिक विश्वासी सभ केँ यहूदी सभक
प्रथाक अनुसार चलबाक लेल आब
कोना विवश करैत छिऐक?”

2:9 मूल मे, “कैफा”। “कैफा” (इब्रानी भाषा) और “पत्रुस” (यूनानी भाषा) एके नाम अछि। तहिना, पद 11 और 14 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

धार्मिकता कोना—धर्म-नियमक कर्म-काण्ड सँ वा मसीह यीशु पर विश्वास कयला सँ?

15 हम सभ जन्म सँ यहूदी छी, नहि
कि “आन जातिक पापी सभ”, जेना गैर-
यहूदी सभ केँ कहल जाइत छैक। 16तैयो
हम सभ जनैत छी जे कोनो मनुष्य यहूदी
सभक धर्म-नियमक कर्म-काण्ड द्वारा
नहि, बल्कि मसीह यीशु पर विश्वास
कयला सँ परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक
ठहरैत अछि। एहि कारणेँ हमहूँ सभ मसीह
यीशु पर विश्वास कयने छी जाहि सँ हम
सभ धर्म-नियमक कर्म-काण्ड द्वारा नहि,
बल्कि मसीह यीशु पर विश्वास कयला सँ
धार्मिक ठहराओल जाइ, किएक तँ धर्म-
नियमक कर्म-काण्ड द्वारा कोनो मनुष्य
धार्मिक नहि ठहराओल जायत। 17जँ हम
सभ, जे मसीह द्वारा धार्मिक ठहराओल
जयबाक आशा कऽ रहल छी, से धर्म-
नियम द्वारा पापी प्रमाणित होइत छी तँ
की एकर अर्थ ई अछि जे मसीह पाप केँ
बढ़बैत छथि? किन्नहुँ नहि! 18धर्म-नियम
द्वारा धार्मिक ठहरबाक जाहि आशा
केँ हम एक बेर नष्ट कऽ चुकल छी, जँ
ओकरा फेर ठाढ़ करी तँ हम अपना केँ
फेर पापी प्रमाणित करब, 19किएक तँ
धर्म-नियमक द्वारा हम धर्म-नियमक लेखेँ
मरि गेलहुँ जाहि सँ हम परमेश्वरक लेल
जीबि सकी। 20हम मसीहक संग क्रूस
पर मरि गेल छी। आब हम जीवित नहि
रहलहुँ, बल्कि मसीह हमरा मे जीबैत
छथि। जे जीवन हम आब एहि शरीर मे
जीबैत छी से विश्वास सँ जीबैत छी।
ई विश्वास परमेश्वरक पुत्र पर टिकल
अछि, जे हमरा सँ प्रेम कयलनि आ हमरा
लेल अपना केँ अर्पित कऽ देलनि। 21हम
परमेश्वरक कृपा केँ नहि त्यागब। जँ धर्म-
नियम द्वारा मनुष्य धार्मिक ठहरि सकैत
अछि, तँ मसीह बेकारे मरलाह!

3 यौ गलाती सभ, अहाँ सभ किएक
नहि बुझैत छी! अहाँ सभ पर के
जादू कऽ देलक? अहाँ सभक सामने तँ
स्पष्ट रूप सँ ई चित्रित कयल गेल छल जे
यीशु मसीह केँ कोना क्रूस पर चढ़ाओल
गेल छलनि। 2हम अहाँ सभ सँ एतबे
जानऽ चाहैत छी जे, की अहाँ सभ केँ धर्म-
नियमक पालन करबाक कारणेँ पवित्र
आत्मा देल गेलाह वा शुभ समाचार सुनि
कऽ विश्वास करबाक कारणेँ? 3की अहाँ
सभ एतेक निर्बुद्धि छी जे, जाहि जीवन केँ
परमेश्वरक आत्मा द्वारा आरम्भ कयलहुँ
ताहि मे आब अपने कोशिश सँ अन्त तक
पहुँचऽ चाहैत छी? 4की अहाँ सभ केँ
एतेक बातक अनुभव भेनाइ व्यर्थे भेल?*
की ई सम्भव अछि जे वास्तव मे व्यर्थ
भेल? 5जे परमेश्वर अहाँ सभ केँ अपन
आत्मा दैत छथि आ अहाँ सभक बीच
सामर्थ्यक काज करैत छथि, की ओ एहि
लेल करैत छथि जे अहाँ सभ धर्म-नियमक
अनुरूप कर्म करैत छी अथवा एहि लेल
जे अहाँ सभ ओहि सुनल शुभ समाचार पर
विश्वास करैत छी?

वचन पर आधारित आशिष

6 अब्राहमक सम्बन्ध मे सेहो यैह बात
लिखल अछि, “ओ परमेश्वरक बातक
विश्वास कयलनि आ ई विश्वास हुनका

3:4 वा, “की अहाँ सभ एतेक कष्ट व्यर्थे मे उठौलहुँ?”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लेल धार्मिकता मानल गेलनि।”* 7अहाँ सभ ई जानि लिअ जे अब्राहमक असल सन्तान वैह सभ अछि जे विश्वास करैत अछि। 8धर्मशास्त्र पहिनहि सँ एहि बातक संकेत कयलक जे परमेश्वर विश्वासक आधार पर गैर-यहूदी सभ केँ सेहो धार्मिक ठहरौताह, कारण, अब्राहम केँ पहिनहि सँ एहि शब्द मे शुभ समाचार सुना देल गेल जे, “तोरा माध्यम सँ सभ जातिक लोक आशिष पाओत।”* 9एहि लेल, अब्राहम विश्वास कऽ कऽ जे आशिष पौलनि, ताहि आशिष मे ओ सभ लोक सेहो सहभागी बनैत अछि जे सभ हुनका जकाँ विश्वास करैत अछि।

10 दोसर दिस जतेक लोक धार्मिक ठहरबाक लेल धर्म-नियमक कर्म-काण्ड पर भरोसा रखैत अछि से सभ सरापक अधीन अछि, किएक तँ धर्मशास्त्रक लेख अछि जे, “जे केओ धर्म-नियमक पुस्तक मे लिखल सभ बातक पालन करऽ मे स्थिर नहि अछि से सरापित अछि।”* 11मुदा ई स्पष्ट अछि जे धर्म-नियमक पालन कयला सँ परमेश्वरक नजरि मे केओ धार्मिक नहि ठहरैत अछि, किएक तँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “जे विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराओल गेल अछि, से जीवन प्राप्त करत।*”* 12धर्म-नियम विश्वास पर आधारित नहि अछि। बल्कि ठीक तकरा विपरीत, धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “जे व्यक्ति धर्म-नियमक सभ माँग पूरा करैत अछि से ओहि द्वारा जीवन पाओत।”*

13 मसीह मूल्य चुका कऽ अपना सभ केँ धर्म-नियमक सराप सँ छोड़ौलनि आ स्वयं अपना सभक लेल सरापित बनलाह, किएक तँ धर्मशास्त्र मे लिखल अछि जे, “जे केओ काठ पर लटकाओल जाइत अछि से सरापित अछि।”* 14मसीह अपना सभ केँ एहि लेल सराप सँ छोड़ौलनि जे अब्राहम केँ जाहि आशिषक सम्बन्ध मे वचन देल गेल छलनि से आशिष मसीह यीशु द्वारा आन जाति सभ तक पहुँचय आ अपना सभ विश्वास द्वारा ओ आत्मा प्राप्त करी जिनका सम्बन्ध मे वचन देल गेल छल।

15 यौ भाइ लोकनि, हम आब अहाँ सभ केँ दैनिक जीवन सँ साधारण उदाहरण दऽ रहल छी। मनुष्यो सभ मे कोनो समझौता जखन एक बेर पक्का भऽ जाइत अछि तँ ओकरा केओ रद्द नहि कऽ सकैत अछि आ ने ओहि मे किछु जोड़िए सकैत अछि। 16परमेश्वर जे वचन सभ अब्राहम केँ देलनि से हुनका आ हुनका वंशज केँ देलनि। धर्मशास्त्र नहि कहैत अछि जे, “तोरा वंशज सभ केँ” जेना कि बहुतो वंशज सभ होअय, बल्कि “तोरा वंशज केँ,”* अर्थात् एके वंशज केँ, आ ओ वंशज मसीह छथि। 17हमर कहबाक तात्पर्य ई अछि जे, परमेश्वर वचन दऽ कऽ जाहि विशेष सम्बन्ध केँ अब्राहमक संग पहिने पक्का कऽ देने छलाह तकरा

3:6 उत्पत्ति 15.6 **3:8** उत्पत्ति 12.3; उत्पत्ति 18.18; उत्पत्ति 22.18 **3:10** व्यव 27.26 **3:11** वा, “धार्मिक मनुष्य विश्वास सँ जीवित रहत।” वा, “धार्मिक मनुष्य अपना विश्वास द्वारा जीवन प्राप्त करत।” **3:11** हबक 2.4 **3:12** लेवी 18.5 **3:13** व्यव 21.23 **3:16** उत्पत्ति 12.7; उत्पत्ति 13.15; उत्पत्ति 24.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ धर्म-नियम, जे चारि सय तीस वर्षक
बाद देल गेल, रद्द नहि कऽ सकैत अछि
आ ने ओहि वचन केँ व्यर्थ बना सकैत
अछि। 18किएक तँ जँ आशिषक प्राप्ति
धर्म-नियमक पालन कयनाइ पर निर्भर
अछि तँ ओ वचन पर आधारित नहि
रहि गेल। मुदा परमेश्वर दानक रूप मे
अब्राहम केँ ई आशिष पयबाक अधिकार
वचने द्वारा देलनि।

परमेश्वरक योजना मे धर्म-नियमक उद्देश्य

19 तखन फेर धर्म-नियमक की
आवश्यकता छल? ओ बाद मे देल गेल
जाहि सँ मनुष्य केँ अपन अपराध सभ
चिन्हाओल जा सकैक, और ओ तहिये
धरि लागू रहल जहिया धरि ओ वंशज
नहि अयलाह जिनका सम्बन्ध मे अब्राहम
केँ वचन देल गेल छलनि। ओ स्वर्गदूत
सभक माध्यम सँ, एक मध्यस्थक,
⌞अर्थात् मूसाक,⌟ द्वारा लोकक बीच लागू
कयल गेल। 20मध्यस्थ तँ कम सँ कम दू
पक्षक बीच होइत अछि, मुदा परमेश्वर
एकेटा छथि। ⌞ओ स्वयं वचन देलनि
और ओ स्वयं तकरा पूरा सेहो करताह।⌟
21तखन की धर्म-नियम परमेश्वरक देल
वचन सभक विरुद्ध अछि? किन्नहुँ नहि!
जँ एहन धर्म-नियम देल गेल रहैत जे जीवन
प्रदान कऽ सकैत छल तँ धर्म-नियमक
पालन कयनाइ धार्मिक ठहरबाक माध्यम
अवश्य बनल रहैत। 22मुदा धर्मशास्त्र तँ
सभ लोक केँ पापक कैदी ठहरा देने अछि
जाहि सँ ओ वचन, जकर पूर्ति यीशु मसीह
पर कयल विश्वास पर आधारित अछि,
से विश्वास कयनिहार सभक लेल पूरा
भऽ जाय।

23 एहि विश्वासक मार्ग केँ आबऽ सँ
पहिने अपना सभ धर्म-नियमक नियन्त्रण
मे छलहुँ। विश्वासक मार्ग केँ प्रगट
होयबाक समय धरि धर्म-नियमक बन्दी
रहलहुँ। 24एहि तरहेँ अपना सभ केँ
मसीह तक पहुँचयबाक लेल धर्म-नियम
“संरक्षक” बनाओल गेल छल जाहि सँ
मसीहक अयला पर अपना सभ विश्वास
द्वारा धार्मिक ठहराओल जा सकी।
25जखन विश्वासक मार्ग आबि गेल
अछि तँ आब अपना सभ ओहि संरक्षकक
अधीन नहि रहलहुँ।

परमेश्वरक सन्तान—वचनक आशिषक उत्तराधिकारी

26 अहाँ सभ केओ मसीह यीशु पर
विश्वास करबाक कारणेँ परमेश्वरक
सन्तान छी। 27किएक तँ अहाँ सभ, जकरा
सभ केँ मसीहक बपतिस्मा भेटल अछि से
सभ मसीह केँ धारण कयने छी। 28आब ने
केओ यहूदी अछि आ ने यूनानी, ने गुलाम
अछि ने स्वतन्त्र, ने पुरुष अछि ने स्त्रीगण,
किएक तँ अहाँ सभ मसीह यीशु मे एक
छी। 29और जँ अहाँ सभ मसीहक छी तँ
अब्राहमक असल वंशज छी। एहि तरहेँ
ओहि आशिषक उत्तराधिकारी सेहो छी
जाहि सम्बन्ध मे परमेश्वर अब्राहम केँ
वचन देने छलाह।

4 हमर कहबाक तात्पर्य ई अछि जे
जाबत धरि उत्तराधिकारी नाबालिग
अछि ताबत धरि ओ समस्त सम्पत्तिक
मालिक होइतो ओकरा मे आ गुलाम मे
कोनो अन्तर नहि रहैत अछि। 2ओ पिता
द्वारा निर्धारित समय धरि संरक्षक सभक
आ घर-व्यवहारक प्रबन्ध कयनिहार
सभक अधीन रहैत अछि। 3एही तरहेँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपनो सभ जाबत धरि नाबालिग छलहुँ
ताबत धरि संसारक प्रारम्भिक सिद्धान्त
सभक गुलाम बनल छलहुँ। 4मुदा
निर्धारित समय आबि गेला पर परमेश्वर
अपना पुत्र केँ पठौलनि। हुनकर जन्म एक
स्त्री सँ आ धर्म-नियमक अधीन भेलनि,
5जाहि सँ ओ मूल्य चुका कऽ धर्म-
नियमक अधीन रहऽ वला लोक सभ केँ
छुटकारा दिअबथि, आ जाहि सँ छुटकारा
पाबि कऽ अपना सभ परमेश्वरक पुत्रक
पूरा हक पाबि सकी। 6आब अहाँ सभ पुत्र
छी आ तेँ परमेश्वर अपना सभक हृदय
मे अपन पुत्रक आत्मा केँ पठौने छथि।
वैह आत्मा ई कहैत पुकार करैत छथि
जे, “हे बाबूजी!* हे पिता!” 7एहि लेल
आब अहाँ सभ गुलाम नहि, बल्कि पुत्र
छी आ जखन पुत्र छी तँ परमेश्वर द्वारा
उत्तराधिकारी सेहो बनाओल गेल छी।

गुलामी मे फेर नहि जाउ

8 पहिने, जखन अहाँ सभ परमेश्वर केँ
नहि चिन्हैत छलहुँ, तखन अहाँ सभ एहन
देवता सभक गुलाम छलहुँ जे वास्तव मे
देवता अछिए नहि। 9मुदा आब तँ अहाँ
सभ परमेश्वर केँ चिन्हि लेने छी वा एना
कही जे परमेश्वर अहाँ सभ केँ चिन्हि
लेने छथि, तखन फेर अहाँ सभ ओहि
निर्बल आ तुच्छ सिद्धान्त सभक दिस
कोना फिरि रहल छी? की अहाँ सभ फेर
ओकर गुलाम होमऽ चाहैत छी? 10अहाँ
सभ आब विशेष दिन, महिना, ऋतु आ
वर्षक पाबनिक नियम मानऽ लागल छी!
11हमरा डर भऽ रहल अछि जे कतौ अहाँ
सभक लेल कयल गेल हमर परिश्रम व्यर्थ
ने भेल होअय। 12यौ भाइ लोकनि, हम
अहाँ सभ सँ हाथ जोड़ि कऽ विनती करैत
छी जे एहि बात सभक विषय मे जहिना
हम छी तहिना अहूँ सभ बनू, किएक तँ
जहिना अहाँ सभ पहिने धर्म-नियमक
अधीनता सँ स्वतन्त्र छलहुँ तहिना हमहूँ
स्वतन्त्र भऽ गेल छी।

अहाँ सभ हमरा संग कोनो अन्याय नहि
कयने छलहुँ। 13अहाँ सभ जनैत छी जे
अहाँ सभक बीच पहिल बेर शुभ समाचार
सुनयबाक अवसर हमरा अस्वस्थ
होयबाक कारणेँ भेटल छल। 14ओना तँ
हमर शरीरक दुर्बलता अहाँ सभक लेल
कष्टक कारण छल, तैयो अहाँ सभ हमरा
हेय दृष्टि सँ नहि देखलहुँ आ ने हमरा
प्रति घृणा प्रगट कयलहुँ, बल्कि अहाँ
सभ हमर एहन स्वागत कयलहुँ जेना हम
परमेश्वरक एक स्वर्गदूत वा स्वयं मसीह
यीशु होइ। 15आब अहाँ सभक आनन्दक
ओ भावना कतऽ चल गेल? एहि बातक
गवाही हम अपने दऽ सकैत छी जे जँ
सम्भव होइत तँ अहाँ सभ अपन आँखि
तक निकालि कऽ हमरा दऽ देने रहितहुँ।
16की अहाँ सभ केँ सत्य कहबाक कारणेँ
हम अहाँ सभक दुश्मन बनि गेल छी?

17 जे सभ अहाँ सभ केँ धर्म-नियमक
अधीन कराबऽ चाहैत अछि से सभ अहाँ
सभ पर विशेष ध्यान दैत अछि मुदा नीक
उद्देश्य सँ नहि। ओ सभ अहाँ सभ केँ
हमरा सभ सँ दूर करऽ चाहैत अछि जाहि
सँ अहाँ सभ ओकरा सभ पर विशेष ध्यान
दिऐक। 18ककरो पर विशेष ध्यान देनाइ

4:6 मूल मे, “हे ‘अब्बा’ ”, जे इब्रानी भाषी बच्चा और नमहरो लोक अपना पिताक सम्बोधन मे प्रयोग करैत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बढ़ियाँ बात अछि जँ उद्देश्य नीक अछि
तँ, आ से तखने नहि कयल जयबाक
चाही जखन हम अहाँ सभक संग छी,
बल्कि सदिखन। [19]यौ हमर बौआ सभ,
जाबत धरि मसीहक स्वरूप अहाँ सभ
मे नहि बनि जायत, ताबत धरि हम अहाँ
सभक लेल फेर प्रसव-पीड़ा सहि रहल
छी। [20]हमरा कतेक मोन होइत अछि जे
हम एखन अहाँ सभक बीच रहितहुँ, तखन
एहि तरहेँ बात नहि करऽ पड़ैत। अहाँ
सभक व्यवहार हमरा एकदम बुझऽ मे
नहि अबैत अछि।

अपना सभ गुलाम नहि, स्वतन्त्र छी

21 अहाँ सभ जे धर्म-नियमक अधीन
रहऽ चाहैत छी से हमरा ई कहू—की
अहाँ सभ नहि जनैत छी जे धर्म-नियम की
कहैत अछि? [22]ओहि मे लिखल अछि
जे अब्राहम केँ दूटा पुत्र छलनि, एकटा
˪हागार नामक˩ दासी सँ आ दोसर अपन
स्त्री सँ जे दासी नहि, बल्कि स्वतन्त्र
छलीह। [23]दासी सँ जन्मल हुनकर पुत्र
प्राकृतिक सीमाक अन्तर्गत जन्मल,
मुदा स्वतन्त्र स्त्री सँ जे पुत्र भेलनि से
परमेश्वरक देल वचनक कारणेँ जन्म
लेलक। [24]ई बात सभ दृष्टान्तक रूप मे
बुझल जा सकैत अछि—ई दूटा स्त्रीगण
दूटा विशेष सम्बन्ध पर संकेत करैत अछि
जे परमेश्वर अपना लोकक संग स्थापित
कयलनि। एक स्त्री, हागार, सीनय पहाड़
पर स्थापित कयल विशेष सम्बन्ध पर
संकेत करैत अछि जे धर्म-नियम पर
केन्द्रित अछि। एहि सम्बन्धक अधीन
रहऽ वला सभ लोक गुलाम होइत अछि
जहिना हागारक बच्चा छल। [25]हागार
जे अरब देशक सीनय पहाड़ पर संकेत
करैत अछि तकर तुलना एहि पृथ्वी
परक वर्तमान यरूशलेम सँ कयल जा
सकैत अछि, किएक तँ यरूशलेम अपन
सन्ततिक संग, ˪अर्थात् यहूदी सभक
संग,˩ धर्म-नियमक गुलाम अछि। [26]मुदा
स्वर्गक यरूशलेम स्वतन्त्र स्त्री जकाँ
स्वतन्त्र अछि आ वैह अपना सभक माय
अछि। [27]किएक तँ धर्मशास्त्रक लेख
अछि जे,

“हे बाँझ स्त्री, जे कहियो नहि जन्म
देलह,
आब आनन्द मनाबह।
तोँ, जे प्रसव-पीड़ा कहियो नहि
भोगलह,
जोर-जोर सँ गीत गाबह,
किएक तँ जे स्त्री त्यागि देल गेल
छल तकरा
अधिक सन्तान अछि ओकरा सँ
जकरा पुरुष छलैक।”*

28 यौ भाइ लोकनि, इसहाक जकाँ अहाँ
सभ परमेश्वरक देल वचनक अनुसार
जन्मल सन्तान छी। [29]मुदा जहिना
ओहि समय मे प्राकृतिक परिस्थिति
मे जन्मल बेटा परमेश्वरक आत्माक
सामर्थ्य द्वारा जन्मल बेटा केँ सतबैत
छल, तहिना आइओ भऽ रहल अछि।
[30]परन्तु धर्मशास्त्र की कहैत अछि? ई
कहैत अछि जे, “दासी आ ओकरा बेटा
केँ घर सँ बाहर निकालि दिअ, किएक तँ
दासीक बेटा स्वतन्त्र स्त्रीक बेटाक संग
उत्तराधिकारक हिस्सेदार नहि होयत।”*
[31]एहि लेल यौ भाइ लोकनि, अपना सभ

4:27 यशा 54.1 **4:30** उत्पत्ति 21.10

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दासीक सन्तान नहि छी ⌞जे धर्म-नियमक
गुलाम होइ⌟, बल्कि स्वतन्त्र स्त्रीक
सन्तान ⌞भऽ कऽ स्वतन्त्र⌟ छी।

धर्म-नियमक अधीनता मे नहि, स्वतन्त्रता मे जीवन व्यतीत करू

5 स्वतन्त्रे बनल रहबाक लेल मसीह
अपना सभ केँ स्वतन्त्र कयने छथि,
तेँ दृढ़ रहू आ गुलामीक जुआ मे अपना केँ
फेर नहि जोतऽ दिअ।
2 देखू, हम पौलुस, अहाँ सभ केँ
कहैत छी जे, जँ अहाँ सभ खतना करा
कऽ धर्म-नियमक अधीन भऽ जायब तँ
मसीह सँ अहाँ सभ केँ कोनो लाभ नहि
होयत। 3हम खतना-नियमक अधीन
होमऽ वला प्रत्येक व्यक्ति केँ फेर कहैत
छी जे ओकरा सम्पूर्ण धर्म-नियमक
पालन करऽ पड़तैक। 4अहाँ सभ मे सँ
जतेक लोक धर्म-नियमक पालन कयला
सँ परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक ठहरऽ
चाहैत छी से सभ मसीह सँ अलग भऽ
गेल छी, परमेश्वरक कृपा सँ वंचित भऽ
गेल छी। 5मुदा हम सभ तँ विश्वास द्वारा
परमेश्वरक सम्मुख धार्मिक ठहरबाक
आशा रखैत छी; परमेश्वरक आत्माक
सहायता सँ हम सभ उत्सुकतापूर्बक
एहि बातक प्रतीक्षा करैत छी। 6कारण,
मसीह यीशुक संग जे सम्बन्ध अछि ताहि
विषय मे ककरो खतना भेल छैक वा नहि
भेल छैक, तकर कोनो महत्व नहि होइत
अछि। महत्व अछि मात्र विश्वासक जे
प्रेम द्वारा क्रियाशील होइत अछि।
7 अहाँ सभ तँ बहुत नीक सँ दौड़
प्रतियोगिता मे दौड़ि रहल छलहुँ। के बाधा
दऽ कऽ अहाँ सभ केँ सत्यक मार्ग पर
आगाँ बढ़ऽ सँ रोकि देलक? 8एहन सीख
तिनका दिस सँ नहि अछि जे अहाँ सभ केँ
बजौने छथि। 9मोन राखू, “कनेको खमीर
सम्पूर्ण सानल आँटा केँ फुलबैत अछि।”
10हमरा अहाँ सभक सम्बन्ध मे प्रभु पर
पूरा भरोसा अछि जे अहाँ सभ कोनो आन
विचारधारा केँ नहि अपनायब। जे व्यक्ति
अहाँ सभ केँ विचलित कऽ रहल अछि,
ओ चाहे केओ होअय, परमेश्वरक दण्ड
भोगत। 11यौ भाइ लोकनि, जँ हम एखनो
तक खतनाक प्रचार करैत रहितहुँ, जेना
किछु लोक हमरा बारे मे कहैत अछि,
तँ हमरा पर एखन तक यहूदी सभ द्वारा
अत्याचार किएक कयल जाइत? जँ
हम से करैत रहितहुँ तँ क्रूस परक भेल
मसीहक मृत्युक प्रचार सँ जे ठेस लगैत
छैक से समाप्त भऽ गेल रहैत। 12कतेक
बढ़ियाँ होइत जे, जे लोक अहाँ सभक
बीच उपद्रव उत्पन्न कऽ रहल अछि से
सभ खतनेटा नहि करबैत, बल्कि अपना
केँ वधिया सेहो करबा लीत!

स्वतन्त्रता केँ पाप करबाक साधन नहि बनाउ

13 यौ भाइ लोकनि, स्वतन्त्र होयबाक
लेल अहाँ सभ बजाओल गेल छी। एहि
स्वतन्त्रता केँ अपन पापी स्वभावक
इच्छा पूरा करबाक साधन नहि बनाउ,
बल्कि प्रेम सँ एक दोसराक सेवा करू।
14किएक तँ सम्पूर्ण धर्म-नियमक निचोड़
एहि आज्ञा मे भेटैत अछि जे “अहाँ अपना
पड़ोसी सँ अपने जकाँ प्रेम करू।”*
15मुदा जँ अहाँ सभ एक-दोसर केँ चीरि-

5:14 लेवी 19.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

फाड़ि कऽ घोंटि लेबाक लेल तत्पर रहैत
छी तँ सावधान भऽ जाउ। कतौ एना नहि
होअय जे अहाँ सभ एक-दोसराक द्वारा
नष्ट कयल जाइ।

16 तेँ हम अहाँ सभ केँ कहैत छी जे
अहाँ सभ परमेश्वरक आत्माक प्रेरणाक
अनुसार चलू, तखन अहाँ सभ पापी
स्वभावक इच्छा सभक पूर्ति करऽ वला
नहि होयब। [17]किएक तँ पापी स्वभावक
लालसा परमेश्वरक आत्माक लालसाक
विरुद्ध अछि आ परमेश्वरक आत्माक
लालसा पापी स्वभावक विरुद्ध। ई दूनू
एक दोसराक विरोधी अछि। एही कारणेँ
अहाँ सभ जे करऽ चाहैत छी से नहि कऽ
पबैत छी। [18]मुदा जँ अहाँ सभक संचालन
परमेश्वरक आत्मा द्वारा होइत अछि
तँ अहाँ सभ धर्म-नियमक अधीन नहि
छी। [19]आब देखू, पापी स्वभावक काज
सभ स्पष्ट अछि, जेना गलत शारीरिक
सम्बन्ध, अशुद्ध विचार-व्यवहार,
निर्लज्जता, [20]मुरुतक पूजा, जादू-टोना,
दुश्मनी, लड़ाइ-झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध,
स्वार्थ, मनमोटाब, दलबन्दी, [21]द्वेष,
मतवालापन आ भोग-विलास आ एहि
प्रकारक आन बात सभ। हम अहाँ सभ केँ
एहि विषय सभ मे चेतावनी दैत छी, जेना
कि पहिनो दऽ चुकल छी जे, एहन काज
करऽ वला लोक सभ परमेश्वरक राज्यक
उत्तराधिकारी नहि होयत।

22 मुदा परमेश्वरक आत्माक फल
ई अछि—प्रेम, आनन्द, शान्ति, सहन-
शीलता, दयालुता, भलाइ, विश्वस्तता,
[23]नम्रता आ आत्मसंयम। एहि गुण सभक
विरुद्ध कोनो नियम नहि अछि। [24]जे
लोक मसीह यीशुक छथि से सभ अपना
पापी स्वभाव केँ ओकर अधलाह इच्छा
आ लालसा सभक संग क्रूस पर चढ़ा
लेने छथि।

25 जखन अपना सभ परमेश्वरक
आत्मा सँ जीवन प्राप्त कयने छी तँ
परमेश्वरक आत्माक निर्देशनक अनुसार
चली।

26 अपना सभ घमण्डी नहि बनी,
एक-दोसर केँ क्रोधित नहि करी आ ने
एक-दोसर सँ ईर्ष्या करी।

एक दोसराक भार उठाउ

6 यौ भाइ लोकनि, जँ केओ कोनो
गलत काज मे पड़ि जाय तँ अहाँ
सभ जे परमेश्वरक आत्माक निर्देशन
अनुसार चलैत छी से ओकरा नम्रतापूर्बक
ठीक रस्ता पर घूमि अयबाक लेल
सहायता करू। मुदा अहाँ सावधान रहू जे
कतौ अहूँ प्रलोभन मे ने पड़ि जाइ। [2]एक
दोसराक भार उठाउ। एहि तरहेँ अहाँ सभ
मसीहक नियम पूरा करब। [3]किएक तँ जँ
केओ किछु नहि रहितो अपना केँ किछु
बुझैत अछि तँ ओ अपना केँ धोखा दैत
अछि। [4]प्रत्येक मनुष्य अपने काजक
जाँच करय। तखन बिनु अपना केँ दोसर
सँ तुलना कयने ओ अपन कयल काज
सँ गर्व कऽ सकत। [5]किएक तँ प्रत्येक
व्यक्ति केँ अपन बोझ स्वयं उठाबऽ
पड़ैत छैक।

6 जे परमेश्वरक वचनक शिक्षा पाबि
रहल अछि से अपन सभ प्रकारक नीक
वस्तु सभ मे सँ अपना शिक्षक केँ सेहो
देअय।

7 धोखा नहि खाउ! परमेश्वर ठट्ठा मे
नहि उड़ाओल जाइत छथि। मनुष्य जे
बाउग करत सैह कटनी करत। [8]किएक
तँ जे अपन पापी स्वभावक इच्छानुसार

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बाउग करैत अछि, से पापी स्वभावक
द्वारा विनाशक कटनी करत। मुदा जे
परमेश्वरक आत्माक इच्छानुसार बाउग
करैत अछि, से परमेश्वरक आत्मा द्वारा
अनन्त जीवनक कटनी करत। 9अपना
सभ भलाइक काज करऽ सँ थाकी नहि,
किएक तँ जँ अपना सभ हिम्मत नहि हारब
तँ उचित समय पर कटनी काटब। 10एहि
लेल जतऽ धरि अवसर भेटय, सभक लेल
भलाइ करी, विशेष रूप सँ तिनका सभक
लेल जे सभ विश्वासक कारणेँ अपना
सभक भाय-बहिन छथि।

अन्तिम उपदेश आ आशीर्वाद

11 देखू, कतेक बड़का-बड़का अक्षर
मे हम एखन अपने हाथ सँ अहाँ सभ केँ
लिखि रहल छी। 12जे सभ बाहरी बात
मे लोक केँ प्रभावित करऽ चाहैत अछि
सैह सभ अहाँ सभ केँ खतना करयबाक
लेल बाध्य करैत अछि। ओ सभ ई मात्र
एहि लेल करैत अछि जे मसीहक क्रूसक
कारणेँ ओकरा सभ केँ अत्याचार नहि
सहऽ पड़ैक। 13किएक तँ जकरा सभक
खतना भेल अछि से सभ स्वयं तँ धर्म-
नियमक पालन नहि करैत अछि। ओ
सभ अहाँ सभक खतना कराबऽ चाहैत
अछि जाहि सँ अहाँ सभक शरीर मे एहि
धर्म-विधि केँ स्वीकार करा कऽ गर्व कऽ
सकय। 14मुदा ई किन्नहुँ नहि होअय जे
हम अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
क्रूस केँ छोड़ि कऽ कोनो आन बात पर
गर्व करी। मसीहक क्रूस परक मृत्यु
द्वारा संसार हमरा लेखेँ मरि गेल अछि
आ संसारक लेखेँ हम मरि गेल छी।
15किएक तँ ककरो खतना भेल होइक
वा खतना नहि भेल होइक तकर कोनो
महत्व नहि अछि। महत्व एहि बातक
अछि जे, केओ पूर्ण रूप सँ नव सृष्टि
बनि जाय। 16जतेक लोक एहि नियम
पर चलैत छथि तिनका सभ पर, अर्थात्
परमेश्वरक असली प्रजा पर*, शान्ति
और दया होइत रहय।

17 ई पत्र समाप्त करैत हम अहाँ सभ
सँ विनती करैत छी जे आब हमरा केओ
आओर कष्ट नहि दिअ। किएक तँ हमरा
शरीर परक घाव सभक चेन्ह द्वारा यीशुक
छाप हमरा मे स्पष्ट अछि।

18 यौ भाइ लोकनि, अपना सभक प्रभु
यीशु मसीहक कृपा अहाँ सभक आत्मा मे
बनल रहय। आमीन।

6:16 अक्षरशः “परमेश्वरक इस्राएल पर”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

इफिसुस नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र

1 हम पौलुस, जे परमेश्वरक इच्छा सँ
मसीह यीशुक एक मसीह-दूत छी,
अहाँ सभ केँ ई पत्र लिखि रहल छी जे सभ
इफिसुस नगर मे परमेश्वरक पवित्र लोक
छी, अर्थात्, अहाँ विश्वासी सभ केँ जे
मसीह यीशु मे छी।
2 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ केँ शान्ति देथि।

मसीहक कारणेँ प्राप्त आत्मिक आशिष

3 अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक जे
परमेश्वर आ पिता छथि, तिनकर स्तुति
होनि! कारण, मसीह द्वारा ओ अपना
सभ केँ स्वर्गीय क्षेत्रक प्रत्येक आत्मिक
आशिष प्रदान कयने छथि। 4 ओ तँ
संसारक सृष्टिओ सँ पहिने मसीह मे
अपना सभ केँ चुनलनि, जाहि सँ अपना
सभ मसीह मे संयुक्त भऽ कऽ हुनका
नजरि मे पवित्र आ निष्कलंक होइ।
5 अपन प्रेमक कारणेँ ओ अपना खुशीक
लेल और अपना इच्छानुसार शुरुए मे
निश्चय कयलनि जे ओ अपना सभ केँ
यीशु मसीह द्वारा अपन पोषपुत्र बनबथि,
6 जाहि सँ हुनकर ओ अनमोल कृपाक
प्रशंसा होनि, जे ओ अपन प्रिय पुत्र द्वारा
अपना सभ पर कयने छथि, जकरा पाबऽ
जोगरक अपना सभ छलहुँ नहि। 7 किएक
तँ मसीहक कारणेँ आ माध्यम सँ, अपना
सभ केँ हुनकर बहाओल खून द्वारा
छुटकारा भेटल अछि, अर्थात्, पापक
क्षमा। ई सभ परमेश्वरक ओहि अपार
कृपाक परिणाम भेल, 8 जे कृपा ओ अति
खुशी मोन सँ अपना सभ पर बरसौलनि।
अपन असीमित बुद्धि और ज्ञान सँ* 9 ओ
अपना सभ केँ अपन ओहि गुप्त योजना
केँ बुझऽ देलनि जे ओ शुरुए मे अपना
खुशीक लेल निर्धारित कयने छलाह, आ
मसीह द्वारा पूरा करबाक निश्चय कयने
छलाह। 10 हुनकर ओ योजना ई अछि जे,
समय पूरा भेला पर ओ सभ वस्तु, अर्थात्
जे किछु स्वर्ग मे अछि आ जे किछु पृथ्वी
पर—सभ किछु केँ मसीहे द्वारा एकता मे
आनि हुनकर अधीन करताह।

1:8 वा, “जे कृपा ओ अति खुशी मोन सँ अपना सभ पर कयलनि और जकरा द्वारा अपना सभ केँ बुद्धि और ज्ञान प्रचुर मात्रा मे प्रदान कयलनि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

11 परमेश्वर अपना सभ केँ मसीहे मे
अपन निज लोक होयबाक लेल चुनलनि।
ई निर्णय हुनकर पहिने सँ बनाओल
योजनाक भीतर छल; ओ तँ सभ बात
मे अपन इच्छा और योजना पूरा करैत
छथि। **12**हुनकर एहि निर्णयक उद्देश्य
ई छलनि जे, हम सभ जे मसीह पर सभ
सँ पहिने आशा रखनिहार छलहुँ—हमरा
सभक कारणेँ आ हमरा सभक द्वारा
हुनकर महिमाक गुणगान होनि। **13**तहिना
अहूँ सभ जखन सत्यक सम्बाद सुनलहुँ,
अपन उद्धारक शुभ समाचार सुनलहुँ, तँ
विश्वासो कयलहुँ। आ जखन विश्वास
कयलहुँ, तँ मसीह मे संयुक्त भऽ कऽ,
परमेश्वरक देल वचनक अनुसार अहूँ
सभ केँ हुनकर पवित्र आत्मा देल गेलाह,
जे स्वयं अहाँ सभ पर लगाओल गेल
एहि बातक छाप छथि जे अहाँ सभ
हुनकर छिऐन। **14**परमेश्वरक पवित्र
आत्मा बेनाक रूप मे एहि बात केँ पक्का
करबाक लेल अपना सभ केँ देल गेलाह
जे, जहिया परमेश्वर अपन निज लोकक
छुटकारा पूरा करताह, तहिया अपना सभ
केँ जे किछु उत्तराधिकार मे भेटऽ वला
अछि, से सभ भेटि जायत। और एहि
सभ बातक उद्देश्य ई अछि जे, हुनकर
महिमाक प्रशंसा होनि।

परमेश्वरक महान् उद्धार बुझबाक लेल प्रार्थना

15 एहि कारणेँ, प्रभु यीशु पर अहाँ
सभक जे विश्वास अछि आ परमेश्वरक
सभ लोकक लेल जे प्रेम अछि, ताहि
विषय मे हम जहिया सँ सुनलहुँ, **16**तहिया
सँ अहाँ सभक लेल सदिखन परमेश्वर
केँ धन्यवाद दैत छिऐन, और अपना
प्रार्थना मे अहाँ सभ केँ स्मरण करैत
रहैत छी। **17**अपना सभक प्रभु यीशु
मसीहक परमेश्वर जे महिमामय पिता
छथि, तिनका सँ हम ई प्रार्थना करैत
छी जे ओ अपन आत्मा द्वारा अहाँ सभ
केँ बुद्धि देथि और आत्मिक बात सभ
बुझबाक लेल प्रकाश प्रदान करथि,
जाहि सँ हुनका आओर नीक जकाँ जानि
सकियनि। **18**हम इहो प्रार्थना करैत
छी जे ओ अहाँ सभक भितरी आँखि
खोलि देथि, जाहि सँ अहाँ सभ जानि
ली जे हुनका द्वारा बजाओल जयबाक
कारणेँ अहाँ सभक आशा कतेक महान्
अछि, और ई जानि ली जे हुनकर लोक
हुनका लेल केहन अद्भुत आ अनमोल
उत्तराधिकार छनि*। **19-20**हुनका सँ
हमर ई प्रार्थना अछि जे अहाँ सभ इहो
जानि ली जे अपना सभ जे विश्वास
कयनिहार छी तकरा सभक कल्याणक
लेल सक्रिय रहऽ वला परमेश्वरक
सामर्थ्य कतेक अपार अछि। ई सामर्थ्य
वैह महान् शक्ति अछि जे ओ मसीह मे
प्रगट कयलनि, जखन ओ हुनका मृत्यु
सँ जिऔलनि आ स्वर्गीय क्षेत्र मे अपन
दहिना कात बैसौलनि। **21**ओ हुनका
ओहन स्थान देलथिन जे आरो सभ
प्रकारक शासन और अधिकार, शक्ति
और प्रभुता, और हर प्रकारक पद सँ उपर
अछि जे ने मात्र एहि युग मे देल जा सकैत
अछि, बल्कि आबऽ वला युग मे सेहो।

1:18 वा, “और ई जानि ली जे ओ उत्तराधिकार केहन अद्भुत आ अनमोल अछि जे ओ अपना लोक केँ देबऽ वला छथि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

22परमेश्वर सभ किछु हुनका अधीन मे
कऽ देलथिन, और हुनका सभ बात पर
सर्वोच्च प्रभु* बना कऽ मण्डली केँ दऽ
देलथिन। 23मण्डली मसीहक देह अछि,
आ तिनका सँ परिपूर्ण अछि जे सभ किछु
केँ सभ तरहेँ परिपूर्णता धरि लऽ जाइत
छथि।

मृत्यु सँ जीवन

2 अहाँ सभ जे छी, से अपन अपराध
और पापक कारणेँ मरल छलहुँ।
2ओहि समय मे अहाँ सभ पापक रस्ता
पर चलैत एहि संसारक रीतिक अनुसार
जीवन व्यतीत करैत छलहुँ। शैतान, जे
एहि धरतीक उपरक आध्यात्मिक शक्ति
सभक स्वामी अछि, तकर बात मानैत
छलहुँ। ओ आत्मा एखनो परमेश्वरक
बात नहि मानऽ वला लोक सभ मे
क्रियाशील अछि। 3अपना सभ केओ
पहिने परमेश्वरक बात नहि माननिहार
लोक सभ मे सम्मिलित छलहुँ। अपन
शरीर आ मोनक इच्छा सभ केँ तृप्त
करैत अपना सभ अपन पापी स्वभावक
अभिलाषाक अनुसार जीवन व्यतीत
करैत छलहुँ। आन सभ लोक जकाँ अपना
सभ सेहो अपन पाप-स्वभावक कारणेँ
परमेश्वरक क्रोध भोगऽ जोगरक छलहुँ।
4मुदा अपार दया करऽ वला परमेश्वर
अपना सभक प्रति महान् प्रेम रखबाक
कारणेँ, 5अपना सभ केँ मसीहक संग-
संग जीवित कऽ देलनि—सेहो तहिया,
जहिया अपना सभ अपराधक कारणेँ
मरल छलहुँ! हुनकर कृपे सँ अहाँ सभक
उद्धार भेल अछि। 6ओ अपना सभ केँ
मसीह यीशुक संग-संग जिऔलनि आ
हुनका संग स्वर्गीय क्षेत्र मे बैसौलनि। 7ओ
ई एहि लेल कयलनि जे आबऽ वला युग
सभ मे ओ अपन ओहि अतुलनीय कृपाक
महान्ता केँ प्रदर्शित कऽ सकथि, जकरा
ओ मसीह यीशु द्वारा अपना सभ पर दया
कऽ कऽ प्रगट कयलनि अछि। 8कारण,
विश्वास द्वारा, हुनकर कृपे सँ, अहाँ
सभक उद्धार भेल अछि—ई अहाँ सभक
कोनो पुण्यक फल नहि, बल्कि परमेश्वर
द्वारा देल गेल दान अछि। 9ई ककरो द्वारा
कयल कोनो कर्मक परिणाम नहि छैक, जे
एहि पर केओ घमण्ड करय। 10किएक तँ
अपना सभ परमेश्वरेक हाथक कारीगरी
छी—ओ अपना सभ केँ मसीह यीशु मे
संयुक्त कऽ कऽ अपना सभक नव सृष्टि
कयलनि, आ से एहि लेल जे अपना सभ
ओ नीक काज सभ करी, जे काज ओ
अपना सभक लेल पहिने सँ तैयार कयने
छथि।

मसीह द्वारा मेल-मिलाप

11एहि लेल मोन पाड़ू, अहाँ सभ
जे जन्म सँ यहूदी नहि, गैर-यहूदी छी,
अहाँ सभक स्थिति पहिने केहन छल।
यहूदी सभ, जे सभ अपना केँ “खतना
कराओल लोक” कहैत अछि—ओना तँ
ओकरा सभक खतना मात्र शरीर मे आ
मनुष्ये द्वारा कयल गेल अछि—से सभ
अहाँ सभ केँ “बिनु खतना वला लोक
सभ” कहैत अछि। 12मोन पाड़ू जे ओहि
समय मे अहाँ सभ केँ मसीह सँ कोनो
सम्बन्ध नहि छल। अहाँ सभ इस्राएलक
नागरिकताक अधिकार सँ वंचित छलहुँ।

1:22 मूल मे—“सभ बातक उपर सिर”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वर अपना वचन पर आधारित
जे विशेष सम्बन्ध अपना लोकक संग
स्थापित कयलनि, ताहि मे अहाँ सभ
सहभागी नहि छलहुँ। अहाँ सभ केँ एहि
संसार मे ने कोनो आशा छल आ ने अहाँ
सभ लग परमेश्वर छलाह। 13मुदा आब
मसीह यीशु मे संयुक्त भऽ कऽ, अहाँ
सभ जे पहिने दूर छलहुँ, आब मसीहक
बहाओल खून द्वारा लग आनल गेल छी।
14कारण, मसीह स्वयं अपना सभक
मिलापक साधन छथि। ओ अपना सभ
केँ—गैर-यहूदी आ यहूदी, दूनू केँ—एक
बना देलनि। अपना सभक बीच जे दुश्मनी
छल, जे दूनू केँ देवाल जकाँ एक-दोसर
सँ अलग रखैत छल, तकरा ओ नष्ट कऽ
देलनि। 15ओ अपना मृत्यु द्वारा* विधि-
विधानक धर्म-नियम केँ रद्द कऽ देलनि।
एना करऽ मे हुनकर उद्देश्य ई छलनि जे
दूनू समूह सँ एक नव मानवताक सृष्टि
करब जे हुनका मे संयुक्त होअय, आ
एहि तरहेँ दूनू मे मेल करायब। 16संगहि
हुनकर इहो उद्देश्य रहनि जे, क्रूसक मृत्यु
द्वारा दूनू केँ एहि नव मानवता मे जोड़ि
कऽ परमेश्वर सँ मेल करायब और एहि
तरहेँ ओ दुश्मनी जे परमेश्वर आ मनुष्यक
बीच छल, तकरा समाप्त करायब।
17तकरबाद ओ आबि कऽ अहाँ सभ केँ,
जे दूर छलहुँ, और ओकरा सभ केँ, जे
लग छल, दूनू केँ मेल-मिलापक सम्बाद
सुनौलनि। 18कारण, हुनका द्वारा अपना
सभ केँ, अर्थात् गैर-यहूदी आ यहूदी दूनू
केँ, एके पवित्र आत्माक माध्यम सँ पिता
तक पहुँच अछि।

19फलस्वरूप, अहाँ सभ आब
परदेशी वा प्रवासी नहि रहलहुँ, बल्कि
परमेश्वरक लोक मे मिलि कऽ हुनका
सभक संग नागरिक छी। परमेश्वरक
परिवारक सदस्य छी। 20अहाँ सभ
परमेश्वरक ओहि “भवन”क भाग
छी, जाहि भवनक न्यो मसीह-दूत आ
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ छथि आ जकर
मुख्य पाथर मसीह यीशु अपने छथि।
21हिनके मे पूरा भवन एक संग जुटल रहि
कऽ प्रभुक लेल एक पवित्र मन्दिर बनैत
जा रहल अछि। 22हिनके मे संयुक्त भऽ
कऽ अहूँ सभ आओर लोक सभक संग
परमेश्वरक वास-स्थान बनाओल जा
रहल छी, जाहि मे ओ अपन आत्मा द्वारा
वास करैत छथि।

गैर-यहूदी सभ केँ शुभ समाचार सुनयबाक पौलुसक जिम्मेवारी

3 एहि कारणेँ हम, पौलुस, जे अहाँ
गैर-यहूदी सभक लेल आ मसीह
यीशुक कारणेँ जहल मे बन्दी छी*,
अहाँ सभक लेल प्रार्थना करैत छी*।
2परमेश्वर अपना कृपा सँ अहाँ सभक
भलाइक लेल हमरा एक विशेष काज
सौंपि देने छथि, ताहि विषय मे अहाँ सभ
अवश्य सुनने होयब। 3एहि सम्बन्ध मे
परमेश्वर स्वयं अपन गुप्त योजना हमरा
पर प्रगट कयलनि, जाहि विषय मे हम
ऊपर किछु चर्चा कयने छी। 4अहाँ
सभ जखन ओकरा पढ़ब तँ मसीहक
सम्बन्ध मे परमेश्वरक गुप्त योजनाक
ज्ञान हमरा की भेटल अछि से अहाँ

2:15 अक्षरशः “ओ अपना शरीर मे” **3:1** वा, “जे अहाँ गैर-यहूदी सभक लेल मसीह यीशुक बन्दी छी,” **3:1** “एहि कारणेँ...प्रार्थना करैत छी”—पद 14 केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ बुझि जायब। [5]ई योजना एहि सँ
पहिलुका पीढ़ीक लोक सभ केँ एहि रूप
मे नहि कहल गेल छल, जाहि रूप मे
एखन परमेश्‍वरक आत्मा द्वारा हुनकर
पवित्र मसीह-दूत आ हुनकर प्रवक्‍ता
सभ पर प्रगट कयल गेल अछि। [6]ओ
बात जे पहिने गुप्‍त छल, से ई अछि जे,
शुभ समाचार द्वारा यहूदी सभक संग-
संग गैर-यहूदी सभ सेहो उत्तराधिकारी
अछि, संग-संग एके शरीरक अंग अछि
आ मसीह मे पूरा कयल गेल परमेश्‍वरक
वचन सभ मे संग-संग सहभागी अछि।

7 परमेश्‍वरक सामर्थ्यक प्रभाव द्वारा
हुनका कृपा सँ हमरा ई वरदान देल
गेल जे हम एहि शुभ समाचारक प्रचार
करैत हुनकर सेवा करी। [8]हमरा पर,
जे परमेश्‍वरक लोक मे छोटो सँ छोट
छी, परमेश्‍वर ई कृपा कयलनि—ओ
हमरा गैर-यहूदी सभ केँ मसीहक अथाह
धनक शुभ समाचार सुनयबाक शुभ काज
सौंपि देलनि। [9]सभ लोकक लेल हमरा
ई स्पष्‍ट करबाक अछि जे परमेश्‍वरक
गुप्‍त योजना की अछि। ई योजना
परमेश्‍वर, जे सभ वस्तुक सृष्‍टिकर्ता
छथि, से बितल युग सभ मे अपना लग
गुप्‍त रखने छलाह। [10]हुनकर उद्देश्‍य
ई छलनि जे, एखन, वर्तमाने समय मे,
स्वर्गीय क्षेत्र मे शासन करऽ वला सभ
और अधिकारी सभ मसीही मण्डली केँ
देखि कऽ परमेश्‍वरक विभिन्‍न प्रकारक
बुद्धि केँ जानि सकय। [11]ई परमेश्‍वरक
ओहि योजनाक अनुसार अछि जे अनन्त
काल सँ हुनका मोन मे छलनि आ जकरा
ओ अपना सभक प्रभु, मसीह यीशु, द्वारा
पूरा कयलनि। [12]एही मसीह यीशु द्वारा
आ हुनका पर विश्‍वास करबाक कारणेँ,
अपना सभ निर्भय भऽ कऽ पूर्ण भरोसाक
संग परमेश्‍वर लग आबि सकैत छी।
[13]तेँ अहाँ सभ सँ हमर ई विनती अछि
जे, अहाँ सभक लेल जे कष्‍ट हम सहि
रहल छी, ताहि कारणेँ अहाँ सभ हिम्मत
नहि हारू, किएक तँ ई अहाँ सभक लेल
गौरवक बात अछि।

विश्‍वासी सभक लेल पौलुसक प्रार्थना

14 एहि कारणेँ हम पिताक सामने
ठेहुनिया रोपि कऽ प्रार्थना करैत छी—
[15]ओही पिताक सामने जिनका नाम पर
स्वर्ग मेहक और पृथ्वी परक हुनकर
पूरा परिवारक नाम* राखल गेल अछि।
[16]हम ई प्रार्थना करैत छी जे ओ अपन
अपार महिमाक अनुरूप अपन सामर्थ्यक
भण्डार सँ अपना आत्मा द्वारा अहाँ सभ केँ
सामर्थ्य देथि जाहि सँ अहाँ सभक भितरी
मोन आओर मजगूत होअय, [17]आ अहाँ
सभक विश्‍वास द्वारा मसीह अहाँ सभक
मोन मे वास करथि। हम इहो प्रार्थना करैत
छी जे मसीहक प्रेम मे अहाँ सभक जड़ि
गहिंराइ धरि जा कऽ और हुनका प्रेम पर
अहाँ सभक न्यो मजगूत भऽ कऽ, [18]अहाँ
सभ केँ परमेश्‍वरक सभ लोकक संग ई
बुझबाक क्षमता होअय जे मसीहक प्रेमक
लम्बाइ, चौड़ाइ, उँचाइ और गहिंराइ
कतेक अछि, [19]और एहि प्रेम केँ जानी
जकरा पूर्ण रूप सँ जानल नहि जा सकैत
अछि। एहि प्रकारेँ अहाँ सभ बढ़ि कऽ
परमेश्‍वरक समस्त परिपूर्णता सँ भरि
जायब।

3:15 वा, “जिनका नाम पर स्वर्ग मेहक और पृथ्वी परक हर परिवारक नाम”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

20 आब ओ जे अपन सामर्थ्य अपना
सभक भीतर क्रियाशील राखि कऽ अपना
सभक सभ विनती आ कल्पनो सँ बढ़ि
कऽ एतेक कऽ सकैत छथि जाहि बातक
पार नहि पाबि सकैत छी [21]तिनकर
महिमा पुस्त-पुस्तानि तक युगानुयुग
मण्डली मे और मसीह यीशु मे प्रगट होइत
रहनि। आमीन!

मसीहक शरीरक एकता और वृद्धि

4 एहि सभ बातक कारणेँ हम, जे
प्रभुक लेल कैदी छी, अहाँ सभ
सँ अनुरोध करैत छी जे, जाहि उद्देश्य
सँ परमेश्वर अहाँ सभ केँ हुनकर लोक
होयबाक लेल बजौलनि, ताहि उद्देश्यक
अनुरूप जीवन व्यतीत करू। [2]पूर्ण
रूप सँ विनम्र भऽ कऽ कोमलताक
संग एक-दोसराक संग धैर्य राखू। प्रेम
सँ एक-दोसराक संग सहनशील होउ।
[3]एक-दोसराक संग मेल सँ रहि कऽ
ओहि एकता केँ कायम रखबाक प्रयत्न
करैत रहू जे पवित्र आत्मा प्रदान करैत
छथि। [4]मसीहक शरीर एके होइत
अछि, और परमेश्वरक आत्मा सेहो
एके छथि—जहिना अहाँ सभ जखन
बजाओल गेलहुँ तँ एके आशा मे सहभागी
होयबाक लेल बजाओल गेलहुँ। [5]एके
प्रभु छथि, एके विश्वास अछि, और एके
बपतिस्मा। [6]एकेटा छथि जे अपना सभ
गोटेक परमेश्वर और पिता छथि, अपना
सभ गोटेक उपर छथि, अपना सभ गोटेक
माध्यम सँ काज करैत छथि, और अपना
सभ गोटेक हृदय मे वास करैत छथि।

7 मुदा अपना सभ केँ भेटल वरदान
अलग-अलग अछि—मसीह जाहि रूप मे
बाँटऽ चाहलनि, ताहि अनुसारेँ अपना सभ
मे सँ हर एक केँ कृपाक विशेष वरदान
देल गेल अछि। [8]धर्मशास्त्र ई बात कहितो
अछि, जेना लिखल अछि जे,

“ओ जखन ऊँच स्थान पर चढ़लाह,
तँ संग मे बन्दीक समूह लऽ गेलाह,
आ लोक केँ उपहार देलनि।”*

[9]जखन लिखल अछि जे, “ओ चढ़लाह”,
तँ तकर अर्थ की भेल? ओकर अर्थ ई
अछि जे ओ पहिने नीचाँ, पृथ्वी पर उतरल
छलाह।* [10]जे नीचाँ उतरलाह, सैह छथि
जे आब ऊपर चढ़लाह—समस्त आकाशो
सँ बहुत उपर, जाहि सँ ओ सम्पूर्ण सृष्टि
केँ परिपूर्णता धरि लऽ जा सकथि।*

11 वैह विभिन्न वरदान बँटलनि—किछु
लोक केँ मसीह-दूत होयबाक वरदान
देलथिन, किछु लोक केँ परमेश्वरक
प्रवक्ता होयबाक, किछु लोक केँ शुभ
समाचारक प्रचार करऽ वला होयबाक,
आ किछु लोक केँ मण्डलीक देख-
रेख करऽ वला* और शिक्षक होयबाक
वरदान देलथिन। [12]ई वरदान सभ देबऽ
मे मसीहक उद्देश्य ई छलनि जे एहि सभ
द्वारा परमेश्वरक लोक केँ सेवा-काज सभ
करबाक लेल तैयार कयल जाय जाहि
सँ हुनकर देह मजगूत होनि। [13]एहि तरहेँ
अपना सभ केओ संग-संग बढ़ि कऽ,
विश्वास मे और परमेश्वरक पुत्रक ज्ञान
मे एक भऽ जायब, और पूर्ण सिद्धता,
अर्थात् मसीहक पूर्णता, धरि पहुँचब।
[14]एहि प्रकारेँ अपना सभ छोट बच्चा नहि

4:8 भजन 68.18 **4:9** वा, “पहिने पृथ्वीक निचला भाग सभ मे उतरल छलाह।” **4:10** वा, “जाहि सँ ओ सम्पूर्ण सृष्टि केँ भरथि” **4:11** अक्षरशः “चरबाह”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रहि जायब जे प्रत्येक शिक्षाक झोंक सँ
एम्हर-ओम्हर फेकाइत रही आ धोखा
देबऽ वला धूर्त लोकक छल-प्रपंच सँ
बनाओल जाल मे फँसि कऽ बहकाओल
जाइ। [15]बल्कि प्रेमक संग सत्य बजैत
अपना सभ बढ़ि कऽ सभ बात मे तिनका
जकाँ बनैत जायब जे शरीरक सिर छथि,
अर्थात् मसीह। [16]हुनके द्वारा पूरा देह एक
संग जुटल रहैत अछि, देहक सभ अलग-
अलग अंग प्रत्येक जोड़क सहायता सँ
एक-दोसर सँ संयुक्त रहैत अछि, और
एहि तरहेँ जखन प्रत्येक अंग ठीक सँ
अपन काज करैत अछि तँ पूरा देह बढ़ि
कऽ प्रेम मे अपना कँे मजगूत करैत अछि।

नव स्वभावक अनुरूप आचरण

17 तँ अहाँ सभ कँे हम ई कहऽ चाहैत
छी आ प्रभु कँे साक्षी राखि एहि बात
पर जोर दैत छी जे, आब सँ तकरा सभ
जकाँ आचरण नहि करू जे सभ परमेश्वर
कँे नहि चिन्हऽ वला जाति सभक लोक
अछि। ओकरा सभक सोच-विचार
निरर्थक छैक, [18]ओकरा सभक बुद्धि
अन्हार सँ भरल छैक और ओ सभ ओहि
जीवन सँ वंचित अछि जे परमेश्वर प्रदान
करैत छथि। एकर कारण ई अछि जे ओ
सभ जिद्दी बनि कऽ अज्ञान भऽ गेल अछि।
[19]ओकरा सभक विवेक सुन्न भऽ गेल
छैक, ओकरा सभ कँे कोनो लाजे नहि
छैक। ओ सभ जानि-बुझि कऽ शारीरिक
इच्छाक दास बनल अछि, आ सभ
तरहक गन्दा काज करैत, ओहने-ओहने
आओर काज करबाक लेल लालायित
रहैत अछि।

20 मुदा अहाँ सभ जखन मसीह कँे
चिन्हलहुँ तँ हुनका सँ एहि प्रकारक जीवन
बितयबाक बात नहि सिखलहुँ। [21]अहाँ
सभ अवश्य हुनका विषय मे सुनने छी
और हुनका सम्बन्ध मे शिक्षा पौने छी,
जे शिक्षा ओहि सत्यक अनुसार अछि
जे यीशु मे प्रगट भेल। [22]अहाँ सभ कँे ई
सिखाओल गेल जे अपन पुरान स्वभाव,
जे अहाँ सभक पहिलुका चालि-चलन
सँ स्पष्ट होइत छल, तकरा अहाँ सभ
कँे त्यागि देबाक अछि, किएक तँ ओ
स्वभाव धोखा देबऽ वला अभिलाषा
सभक कारणेँ बिगड़ैत जा रहल अछि।
[23]अहाँ सभ कँे ई सिखाओल गेल जे पूर्ण
रूप सँ आत्मा और विचार मे नव लोक
बनबाक अछि, [24]और नवका स्वभाव
धारण करबाक अछि। नवका स्वभाव
परमेश्वरक स्वरूप मे रचल गेल अछि आ
ओहि धार्मिकता और पवित्रता मे व्यक्त
होइत अछि जे सत्य पर आधारित अछि।

25 एहि लेल, अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक
व्यक्ति झूठ बजनाइ छोड़ू, और एक-
दोसर सँ सत्य बाजू, कारण, अपना
सभ एके शरीरक अंग भऽ कऽ एक-
दोसराक छी। [26]"जँ क्रोधित भऽ जाइ, तँ
अपना क्रोध कँे पापक कारण नहि बनऽ
दिअ"*—सूर्य डुबऽ सँ पहिनहि अपना
क्रोध सँ मुक्त होउ। [27]शैतान कँे अवसर
नहि दिऔक!

28 जे चोरी करैत अछि, से आब
चोरी नहि करओ, बल्कि अपना हाथ सँ
इमानदारीपूर्बक परिश्रम करओ, जाहि सँ
ओ आवश्यकता मे पड़ल लोक सभक
मदति कऽ सकय।

4:26 भजन 4.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

29 अहाँ सभक मुँह सँ कोनो हानि
पहुँचाबऽ वला बात नहि निकलय, बल्कि
एहन बात जे दोसराक उन्नतिक लेल
होअय और अवसरक अनुरूप होअय,
जाहि सँ ओहि सँ सुननिहारक हित
होयतैक। 30परमेश्वरक पवित्र आत्मा
केँ दुखी नहि करिऔन, किएक तँ पवित्र
आत्मा स्वयं अहाँ सभ पर परमेश्वरक
लगाओल छाप छथि जे एहि बात केँ
पक्का करैत अछि जे छुटकाराक दिन
मे अहूँ सभक छुटकारा होयत। 31अहाँ
सभ हर तरहक कटुता, क्रोध, तामस,
चिकरनाइ, दोसराक निन्दा कयनाइ
और दुष्ट भावना केँ अपना सँ दूर करू।
32एक-दोसराक प्रति दयालु बनू, एक-
दोसर केँ करुणा देखाउ, और जहिना
परमेश्वर मसीहक कारणेँ अहाँ सभ केँ
क्षमा कऽ देलनि तहिना अहूँ सभ एक-
दोसर केँ क्षमा करू।

इजोतक सन्तान

5 संक्षेप मे ई जे, परमेश्वर केँ नमूना
मानि, अपन आचरण हुनका जकाँ
राखू, कारण, अहाँ सभ हुनकर धिआ-पुता
छी, और ओ अहाँ सभ सँ बहुत प्रेम करैत
छथि। 2और जाहि तरहेँ मसीह अपना सभ
सँ प्रेम कयलनि और अपना सभक लेल
सुगन्धित चढ़ौना आ बलिदानक रूप
मे अपना केँ पिता लग अर्पित कयलनि,
तहिना अहाँ सभ प्रेमक मार्ग पर चलू।
3 अहाँ सभ मे कोनो तरहक अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध नहि होअय, कोनो
प्रकारक अपवित्र विचार-व्यवहार नहि
होअय, कोनो लोभ नहि होअय—एहि
सभक चर्चो तक नहि। कारण, ई सभ बात
परमेश्वरक पवित्र लोकक लेल उचित
नहि अछि। 4आ ने निर्लज्जता, मूर्खतापूर्ण
बात-चीत वा अभद्र मजाक होअय—अहाँ
सभ केँ एहन बात सभ शोभा नहि दैत
अछि, बल्कि एहि सभक बदला मे प्रभु केँ
धन्यवादे देबाक काज होयबाक चाही।
5कारण, ई निश्चित रूप सँ जानि लिअ
जे, कोनो अनैतिक वा अपवित्र काज
करऽ वला, वा लोभी आदमी केँ मसीह
आ परमेश्वरक राज्य मे कोनो हिस्सा
नहि होयतैक। लोभ कयनाइ आ मूर्तिपूजा
कयनाइ बराबरि बात अछि। 6केओ
निरर्थक तर्क द्वारा अहाँ सभ केँ धोखा
नहि दओ—एही काज सभक कारणेँ
आज्ञा नहि माननिहार सभ पर परमेश्वरक
प्रकोप अबैत अछि। 7तेँ ओहन काज
करऽ वला सभक संग सहभागी नहि बनू।
8 अहाँ सभ पहिने अन्हार सँ भरल
छलहुँ। आब प्रभुक लोक होयबाक कारणेँ
इजोत सँ भरल छी। तेँ इजोतक सन्तान
जकाँ आचरण करू, 9किएक तँ इजोत
जतऽ अछि, ततऽ ओ सभ बात उत्पन्न
होइत अछि जे नीक, उचित और सत्य
अछि। 10ई सिखबाक कोशिश करैत रहू
जे कोन-कोन बात सँ प्रभु प्रसन्न होइत
छथि। 11अन्हार द्वारा उत्पन्न व्यर्थक
काज सभ मे भाग नहि लिअ, बल्कि
ओकरा सभ केँ इजोत द्वारा देखार करू
जे केहन काज अछि। 12कारण, जे काज
अनाज्ञाकारी लोक नुका कऽ करैत अछि
तकर चर्चो कयनाइ लाजक बात अछि।
13मुदा जे किछु इजोत मे लाओल जाइत
अछि, से स्पष्ट रूप सँ देखाइ दैत अछि,
और जे वस्तु एहि तरहेँ इजोत सँ प्रगट
कयल जाइत अछि, से अपने इजोत बनि
जाइत अछि। 14एहि कारणेँ कहलो जाइत
अछि जे,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“हौ सुतनिहार, जागह!
मृत्यु मे सँ जीबि उठह,
तँ मसीह तोरा पर अपन इजोत
चमकौथुन।”

15 एहि लेल, अपन आचरणक पूरा-
पूरा ध्यान राखू। निर्बुद्धि लोक जकाँ नहि,
बल्कि बुद्धिमान जकाँ आचरण करू।
16हर अवसरक पूरा सदुपयोग करू,
कारण, ई वर्तमान समय खराब अछि।
17तँ एहन लोक नहि बनू जे बिनु सोचि-
विचारि कऽ काज करैत अछि, बल्कि
प्रभुक इच्छा की अछि, से बुझू। 18दारू
पिबि कऽ मतवाला नहि होउ, किएक तँ
मतवालापन मात्र दुराचार वला मार्ग पर
लऽ जाइत अछि, बल्कि परमेश्वरक
आत्मा सँ परिपूर्ण होउ। 19आपस मे
भजन, स्तुति-गान और भक्तिक गीत
गबैत रहू। अपना मोनो मे प्रभुक लेल गीत
गबैत-बजबैत रहू, 20और अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक माध्यम सँ हरदम सभ
बातक लेल परमेश्वर पिता केँ धन्यवाद
दिऔन।

21 मसीहक लेल श्रद्धा-भय रखबाक
कारणेँ एक-दोसराक अधीन रहू।

मसीही पारिवारिक जीवन—पति-पत्नी

22 हे स्त्री सभ, अहाँ सभ जहिना
प्रभुक अधीन मे रहैत छी, तहिना अपना-
अपना पतिक अधीन मे रहू। 23कारण,
जाहि तरहेँ मसीह अपन शरीरक, अर्थात्
मण्डलीक, सिर छथि और ओकर
मुक्तिदाता छथि, तहिना पति अपन
स्त्रीक उपर, अर्थात् ओकर सिर, अछि।
24तँ जाहि तरहेँ मण्डली मसीहक अधीन
रहैत अछि, ताहि तरहेँ स्त्री सभ केँ सभ
बात मे अपना-अपना पतिक अधीन
रहबाक छैक।

25 यौ पति लोकनि, ओहि तरहेँ अपना
स्त्री सँ प्रेम करू जाहि तरहेँ मसीह मण्डली
सँ कयलनि और ओकरा लेल अपना केँ
अर्पित कऽ देलनि, 26जाहि सँ ओ ओकरा
जल सँ धो कऽ वचन द्वारा शुद्ध करैत
ओकरा पवित्र कऽ सकथि। 27ई बात ओ
एहि लेल कयलनि जाहि सँ ओ अपना
सामने मण्डली केँ एक एहन कनियाँक
रूप मे प्रस्तुत कऽ सकथि जे अति सुन्नरि
होअय, जकरा मे ने कोनो दाग, ने झुर्री
आ ने कोनो आन दोष होइक, बल्कि जे
पवित्र और निष्कलंक होअय। 28तहिना,
पतिओ लोकनि केँ अपना स्त्री सँ अपन
शरीर जकाँ प्रेम करबाक छैक। जे केओ
अपना स्त्री सँ प्रेम करैत अछि, से अपना
सँ प्रेम करैत अछि। 29केओ कहाँ अपना
शरीर सँ घृणा करैत अछि? बरु, ओ
ओकर पालन-पोषण करैत अछि, ओकर
देख-रेख करैत अछि। मसीहो मण्डलीक
संग एहिना करैत छथि, कारण, मण्डली
हुनकर शरीर छनि, 30आ अपना सभ
ओहि शरीरक अंग छी। 31धर्मशास्त्र
मे लिखल अछि जे, “एहि कारणेँ पुरुष
अपन माय-बाबू केँ छोड़ि कऽ अपन
स्त्रीक संग रहत, और दूनू एक शरीर भऽ
जायत।”* 32ई एकटा पैघ रहस्य अछि,
मुदा हम एकरा एहि रूप मे बुझैत छी जे ई
मसीह और हुनकर मण्डलीक सम्बन्धक
दिस संकेत करैत अछि। 33तैयो एकर
व्यक्तिगत रूप मे सेहो अर्थ होइत

5:31 उत्पत्ति 2.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि—अहाँ सभ मे सँ हर व्यक्ति जहिना
अपना सँ प्रेम करैत छी तहिना अपना स्त्री
सँ प्रेम करू, और स्त्री अपन पतिक आदर
करथि।

धिआ-पुता और माय-बाबू

6 हौ धिआ-पुता सभ! तोँ सभ प्रभुक
लोक होयबाक कारणेँ अपन माय-
बाबूक आज्ञा मानह, किएक तँ यैह उचित
छह। 2 धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “अपन
माय-बाबूक आदर करह”—ई पहिल
आज्ञा अछि जकरा संग एक वचनो देल
गेल अछि। 3 ओ वचन ई अछि जे, “...
जाहि सँ तोहर कल्याण होअओ और
तोँ बहुतो साल धरि पृथ्वी पर जीबैत
रहह।”*

4 यौ पिता लोकनि, अहाँ सभ अपन
बच्चा सभक संग एहन व्यवहार नहि
करू जाहि सँ ओ सभ तंग भऽ कऽ
खिसिआयल रहि जाय, बल्कि ओकरा
सभक पालन-पोषण प्रभुक शिक्षा आ
निर्देशक अनुसार करिऔक।

दास और मालिक

5 यौ दास सभ! अहाँ सभ जहिना
मसीहक सेवा करितहुँ तहिना निष्कपट
मोन सँ भय आ आदरक संग तिनका
सभक आज्ञा मानू जे सभ एहि संसार मे
अहाँ सभक मालिक छथि। 6 मालिक केँ
खुश करबाक उद्देश्य सँ, जखन ओ देखैत
छथि तखने मात्र अपन काज नहि करू,
बल्कि पूरा मोन सँ परमेश्वरक इच्छा
पूरा करैत अपना केँ मसीहेक दास बुझि
कऽ करू। 7 अपन सेवा-काज खुशी मोन
सँ करू, ई बुझैत जे मनुष्यक लेल नहि,
बल्कि प्रभुक लेल करैत छी, 8 कारण,
अहाँ सभ तँ जनिते छी जे प्रत्येक व्यक्ति,
ओ चाहे दास होअय वा स्वतन्त्र, ओ जे
कोनो नीक काज करत, तकर प्रतिफल
प्रभु सँ पाओत।

9 आब अहाँ सभ, जे मालिक छी,
अहूँ सभ उचिते व्यवहार अपन दास
सभक संग करू। डेरौनाइ-धमकौनाइ
छोड़ि दिअ, एहि बातक मोन रखैत जे
स्वर्ग मे ओकरा सभक आ अहाँ सभक
एके मालिक छथि, और ओ ककरो संग
पक्षपात नहि करैत छथि।

आत्मिक संघर्षक लेल अस्त्र-शस्त्र

10 अन्त मे ई जे, प्रभुक असीम सामर्थ्य
द्वारा हुनका मे बलवन्त होउ। 11 परमेश्वर
सँ भेटल सम्पूर्ण अस्त्र-शस्त्र धारण करू
जाहि सँ शैतानक छल-कपट वला चालि
सभक सामना कऽ सकी। 12 कारण,
अपना सभक संघर्ष मनुष्य सँ नहि अछि,
बल्कि एहि अन्हार संसारक अदृश्य
अधिपति सभ, अधिकारी सभ आ शासन
करऽ वला सभ सँ अछि, आत्मिक क्षेत्र
सभक दुष्ट शक्ति सभ सँ अछि। 13 एहि
लेल, परमेश्वरक सम्पूर्ण अस्त्र-शस्त्र
धारण करू, जाहि सँ दुष्ट वला दुर्दिन
जखन आओत, तँ अहाँ सभ दुष्टताक
सामना कऽ सकी, आ अन्त धरि लड़ि
कऽ ठाढ़ रहि सकी।

14-15 तँ डाँड़ मे सत्यक फाँड़ बान्हि
कऽ, धार्मिकताक कवच धारण कऽ
आ शान्तिक सुसमाचार सुनयबाक लेल
उत्साहक जुत्ता पयर मे पहिरि दृढ़ भऽ

6:2,3 व्यव 5.16

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कऽ ठाढ़ होउ। [16]संगहि विश्वासक
ढाल हाथ मे लेने रहू, जकरा द्वारा अहाँ
सभ दुष्ट शैतानक सभ अग्निवाण मिझा
सकब। [17]उद्धारक टोप लगाउ आ पवित्र
आत्माक तरुआरि, अर्थात् परमेश्वरक
वचन, सेहो लऽ लिअ। [18]हर समय मे
परमेश्वरक आत्माक सहायता सँ सभ
प्रकारक प्रार्थना और विनती प्रभु सँ करैत
रहू। प्रार्थना करऽ मे सदिखन सचेत आ
लगनशील रहू। परमेश्वरक सभ लोकक
लेल प्रार्थना कयनाइ नहि छोड़ू।

19 हमरो लेल प्रार्थना करू। प्रार्थना ई
करू जे हमरा जखन बजबाक अवसर
भेटय, तखन कहऽ वला शब्द हमरा देल
जाय, जाहि सँ हम निडर भऽ कऽ लोक
केँ शुभ समाचारक ओहि सत्य केँ सुना
सकी, जे पहिने गुप्त छल मुदा आब
प्रगट कयल गेल अछि। [20]हम ओही
शुभ समाचारक लेल राजदूत छी, आ
जहल मे कैदी छी*। ई प्रार्थना करू जे,
जहिना हमरा साहसक संग शुभ समाचार
सुनयबाक चाही, तहिना हम सुना सेहो
सकी।

नमस्कार आ आशीर्वाद

21 प्रभुक विश्वस्त सेवक, हमर प्रिय
भाय तुखिकुस अहाँ सभ केँ सभ बात
सुनौताह, जाहि सँ अहूँ सभ बुझब जे हम
कोना छी आ की कऽ रहल छी। [22]हम
हुनका एही लेल अहाँ सभक ओतऽ पठा
रहल छी, जे अहाँ सभ हमरा सभक सभ
हाल-समाचार बुझी, आ ओ अहाँ सभक
हिम्मत बढ़बथि।

23 पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु
मसीहक दिस सँ सभ भाइ लोकनि केँ
शान्ति आ विश्वासक संग प्रेम भेटैत
रहय। [24]परमेश्वरक कृपा ओहि सभ
लोक पर रहय, जे सभ अपना सभक प्रभु
यीशु मसीह सँ ओहन प्रेम करैत अछि जे
कहियो समाप्त नहि होयत।

6:20 वा, “आ जिंजीर सँ बान्हल छी”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

फिलिप्पी नगरक मण्डली कैँ पौलुसक पत्र

1 पौलुस आ तिमुथियुस, जे मसीह
यीशुक दास सभ छथि, तिनका
सभक दिस सँ फिलिप्पी नगर मे रहऽ
वला परमेश्वरक सभ पवित्र लोक जे
मसीह यीशु मे छथि, मण्डलीक जिम्मेवार
लोकनि और मण्डली-सेवक सभ सेहो,
तिनका सभक नाम मे ई पत्र।
2 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ कैँ शान्ति देथि।

फिलिप्पीक विश्वासी सभक लेल धन्यवाद आ प्रार्थना

3 जखन कखनो हम अहाँ सभक
स्मरण करैत छी तँ हम अपना परमेश्वर
कैँ धन्यवाद दैत छियनि। 4 जखन
अहाँ सभ गोटेक लेल प्रार्थना करैत
छी तँ हरदम आनन्देक संग करैत छी,
5 किएक तँ अहाँ सभ पहिलुके दिन सँ
लऽ कऽ एखन धरि शुभ समाचारक
काज मे हमरा संग सहभागी छी।
6 हमरा एहि बातक निश्चयता अछि
जे, जे परमेश्वर अहाँ सभ मे नीक
काज शुरू कयने छथि, से मसीह
यीशुक अयबाक दिन धरि ओकरा
पूरा सेहो करताह। 7 अहाँ सभक प्रति
हमर ई भावना ठीको अछि—अहाँ
सभ तँ हमरा हृदय मे बसि गेल छी,
किएक तँ हम चाहे जहलक भीतर मे
छी वा बाहर शुभ समाचारक सत्यताक
साक्षी दऽ रहल छी आ ओकर पुष्टि
कऽ रहल छी, अहाँ सभ गोटे हमरा
संग परमेश्वरक कृपा मे सहभागी छी।
8 परमेश्वर हमर गवाह छथि जे हमर
हृदय अहाँ सभक प्रति मसीह यीशुक
प्रेम सँ भरल अछि और अहाँ सभ गोटे
कैँ देखबाक लेल हमर मोन कतेक
लागल रहैत अछि। 9 परमेश्वर सँ हमर
प्रार्थना यैह अछि जे अहाँ सभक प्रेम
सत्य-ज्ञान आ पूर्ण बुद्धि-विवेकक संग
निरन्तर बढ़ैत जाय, 10 जाहि सँ अहाँ
लोकनि सभ सँ उत्तम बात सभ चिन्हि
ली आ मसीहक अयबाक दिन धरि
निर्दोष आ शुद्ध मोनक रही 11 आ अहाँ
सभक जीवन यीशु मसीह द्वारा उत्पन्न
होमऽ वला धार्मिकता सँ भरल होअय,
जाहि सँ परमेश्वरक सम्मान आ प्रशंसा
होनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

शुभ समाचार सुनाओल जयबाक कारणेँ विपत्तिओ मे पौलुस आनन्दित

12 यौ भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ केँ
एहि बातक जानकारी दऽ देबऽ चाहैत छी
जे हमरा पर जे बितल अछि ताहि सँ शुभ
समाचारक प्रचार मे उन्नतिए भेल अछि,
13एतऽ तक जे राज-महलक सम्पूर्ण सुरक्षा
दल और आरो सभ लोकक बीच सेहो ई
बात पसरि गेल अछि जे हम मसीहक प्रचार
करबाक कारणेँ बन्दी बनाओल गेल छी।
14हमरा बन्दी होयबाक कारणेँ अधिकांश
मसीही भाय सभक मोन मे प्रभु पर भरोसा
बढ़ि गेल छनि जाहि सँ ओ सभ आब
पहिने सँ बेसी साहसक संग निडर भऽ कऽ
परमेश्वरक वचन सुनबैत छथि। 15किछु
लोक हमरा सँ डाह कऽ कऽ विरोधक
भावना सँ मसीहक प्रचार करैत छथि, से
बुझैत छी, मुदा किछु लोक नीक भावना
सँ। 16ई लोक प्रेम सँ प्रचार करैत छथि,
ई जानि जे हम शुभ समाचारक रक्षाक
लेल एतऽ राखल गेल छी। 17मुदा दोसर
सभ शुद्ध मोन सँ नहि, स्वार्थ सँ मसीहक
शुभ समाचार सुनबैत अछि, ई सोचि जे
एहि तरहेँ हमरा लेल जहल मे कष्ट बढ़ा
रहल अछि। 18मुदा ताहि सँ की? कपट
सँ होअय वा सदभाव सँ, मसीहक प्रचार
सभ तरहेँ भऽ रहल अछि। हम एहि बात सँ
आनन्दित छी।

आ हम आनन्द मनबिते रहब, 19किएक
तँ हम जनैत छी जे अहाँ सभक प्रार्थना
सभक द्वारा आ यीशु मसीहक आत्माक
सहायता द्वारा एहि सभ बातक परिणाम ई
होयत जे हमर छुटकारा भऽ जायत। 20ई
हमर एहि हार्दिक आशा आ अभिलाषाक
अनुसार सेहो अछि जे हम कोनो बात
मे लज्जित होयबाक जोगरक नहि बनी,
बल्कि हमरा पूरा साहस रहय जाहि सँ
जहिना हमरा जीवन सँ मसीहक आदर
सदा होइत रहल अछि तहिना आब सेहो
होइत रहओ, चाहे हम जीवित रही वा मरि
जाइ। 21हमरा लेल जीवित रहबाक अर्थ
अछि मसीहक लेल जीनाइ, आ मरनाइ
अछि लाभ। 22मुदा जँ हम जीवित रही
तँ फलदायक परिश्रम कऽ सकब। तखन
हम कोन चुनी—जीनाइ वा मरनाइ, से
नहि जनैत छी। 23हम बड़का दुबिधा मे
छी। मोन तँ होइत अछि जे एहि संसार
केँ छोड़ि कऽ मसीह लग जा कऽ रही,
जे शरीर मे जीवित रहनाइ सँ बहुत नीक
अछि। 24मुदा अहाँ सभक लेल बेसी
आवश्यक ई अछि जे हम शरीर मे जीवित
रही। 25एहि बातक हमरा पूरा विश्वास
अछि, आ तेँ हम जनैत छी जे हम जीवित
रहब और अहाँ सभक संग रहब, जाहि
सँ विश्वास मे अहाँ सभक आनन्द बढ़य
और प्रगति होअय। 26एहि तरहेँ जखन
हम फेर अहाँ सभक ओतऽ आयब तँ
मसीह यीशु हमरा लेल की सभ कयलनि,
ताहि पर अहाँ सभ केँ आरो गर्व करबाक
आधार भेटत।

शुभ समाचार परक विश्वास मे स्थिर रहबाक उपदेश

27 मुदा जे किछु होअय, अहाँ सभ एक
बातक ध्यान राखू—अहाँ सभक आचरण-
व्यवहार मसीहक शुभ समाचारक योग्य
होअय। एहि तरहेँ हम चाहे आबि कऽ
अहाँ सभ सँ भेँट करी वा दूर रहि कऽ
अहाँ सभक विषय मे सुनी, हमरा यैह पता
चलय जे अहाँ सभ एक आत्मा मे स्थिर
छी और एक मोनक भऽ कऽ एक संग

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मिलि कऽ ओहि विश्वासक लेल संघर्ष
करैत छी जे शुभ समाचार पर आधारित
अछि 28 आ अपन विरोधी सभ सँ कनेको
डेरायल नहि छी। ई ओकरा सभक
विनाशक, मुदा अहाँ सभक उद्धारक
स्पष्ट प्रमाण अछि। और ई सभ बात
परमेश्वरक दिस सँ अछि। 29 कारण,
अहाँ सभ केँ ई वरदान देल गेल अछि
जे अहाँ सभ मात्र मसीह पर विश्वासे
नहि करी, बल्कि हुनका लेल कष्ट सेहो
सही। 30 अर्थात्, अहूँ सभ ओहने संघर्ष
मे लागल छी जेहन अहाँ सभ हमरा करैत
देखलहुँ आ सुनैत होयब जे एखनो कऽ
रहल छी।

मसीह द्वारा, आ मसीह जकाँ, नम्र बनबाक उपदेश

2 एहि लेल, जखन मसीह सँ संयुक्त
रहला सँ अहाँ सभ केँ प्रोत्साहन
भेटैत अछि, जखन हुनका प्रेम सँ सान्त्वना
भेटैत अछि, जखन पवित्र आत्माक संग
संगति अछि, जखन स्नेहक भावना आ
सहानुभूति अछि, 2 तँ अहाँ सभ एक-दोसर
सँ सहमत रहू, एक-दोसर सँ प्रेम करू,
एकचित्त रहि एके लक्ष्य राखू और एहि
तरहेँ हमर आनन्द पूर्ण करू।

3 स्वार्थपूर्ण अभिलाषा सँ वा अपना केँ
किछु बनयबाक लेल कोनो काज नहि
करू, बल्कि नम्र भऽ कऽ दोसर केँ अपना
सँ श्रेष्ठ मानू। 4 अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक
लोक अपनेटा नहि, बल्कि दोसरो लोकक
हितक ध्यान राखू।

5 अहाँ सभ वैह भावना राखू जे मसीह
यीशु मे छलनि—

6 ओ वास्तव मे परमेश्वर छलाह,
मुदा तैयो ओ परमेश्वरक तुल्य
रहबाक अधिकार केँ पकड़ने
रहऽ वला वस्तु नहि बुझलनि।
7 तकरा बदला मे ओ अपन सभ किछु
त्यागि देलनि*
आ दासक स्वरूप धारण कऽ
मनुष्य बनि गेलाह।
8 एहि तरहेँ मनुष्यक रूप मे रहि कऽ
ओ अपना केँ विनम्र बनौलनि
आ एतऽ तक आज्ञाकारी बनलाह
जे मृत्यु, हँ, क्रूस परक मृत्यु
सेहो, स्वीकार कयलनि।
9 एहि कारणेँ परमेश्वर हुनका सभ सँ
ऊँच स्थान पर राखि अति महान्
कयलनि
आ हुनका ओ नाम प्रदान कयलनि
जे सभ नाम सँ श्रेष्ठ अछि,
10 जाहि सँ यीशुक नाम सुनैत प्रत्येक
प्राणी ठेहुनिया देअय,
चाहे ओ स्वर्ग मे वा पृथ्वी पर वा
पृथ्वीक नीचाँ रहऽ वला होअय,
11 और पिता परमेश्वरक गुणगान मे
प्रत्येक प्राणी अपना मुँह सँ
स्वीकार करय जे यीशु मसीह
प्रभु छथि।

अपन उद्धार व्यवहार मे देखाउ

12 एहि लेल, यौ हमर प्रिय मित्र
लोकनि, जाहि तरहेँ अहाँ सभ हरदम
आज्ञा पालन करैत आयल छी, तहिना
आब सेहो हमर उपस्थिति सँ बेसी हमर
अनुपस्थिति मे पालन करैत रहू। डेराइत-
कँपैत ओहन काज करैत रहू जे परमेश्वर

2:7 अक्षरशः “ओ अपना केँ खाली कऽ देलनि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ पाओल अपन उद्धार सँ उत्पन्न होअय।
13किएक तँ परमेश्वर अपने अहाँ सभ मे
काज करैत अपन प्रसन्नताक अनुसार
चलबाक इच्छा आ क्षमता दूनू प्रदान
करैत छथि। 14अहाँ सभ जे किछु करब
से बिनु कुड़बुड़ा कऽ आ बिना विवाद मे
पड़ि कऽ करू, 15-16जाहि सँ अहाँ सभ
निर्दोष आ निष्कपट होइ और जीवन देबऽ
वला सुसमाचार पर अटल रहि कऽ एहि
बेइमान आ भ्रष्ट पीढ़ीक बीच परमेश्वरक
निष्कलंक सन्तान भऽ संसार मे इजोत
बनि कऽ चमकी। एहि तरहेँ हम मसीहक
अयबाक दिन मे एहि बात पर गौरव कऽ
सकब जे हमर भाग-दौड़ आ परिश्रम
कयनाइ व्यर्थ नहि भेल। 17अहाँ सभ
विश्वास सँ प्रेरित भऽ कऽ परमेश्वरक
जे सेवा कऽ रहल छी, से हुनका अर्पित
कयल एक बलि अछि। आब जँ हमरो
जीवन ताहि पर ढारल जा कऽ अर्पित
कयल जा रहल अछि तँ हम तैयो खुश छी
आ अहाँ सभ गोटेक संग आनन्द मनबैत
छी। 18तँ अहूँ सभ आनन्दित होउ आ
हमरा संग आनन्द मनाउ।

तिमुथियुस आ एपाफ्रुदितुस आदरक योग्य

19हमरा आशा अछि जे हम प्रभु यीशुक
सहायता सँ किछुए दिन मे तिमुथियुस केँ
अहाँ सभक ओतऽ पठा सकब, जाहि सँ
अहाँ सभक हाल-समाचार जानि कऽ हमरो
मोन खुश भऽ जाय। 20हमरा लग हुनका
जकाँ आओर केओ नहि अछि जे शुद्ध मोन
सँ अहाँ सभक कुशलताक चिन्ता करैत
होअय। 21सभ अपन-अपन काज मे लागल
अछि, यीशु मसीहक काज पर ध्यान नहि
दैत अछि। 22मुदा अहाँ सभ जनैत छी जे
तिमुथियुस अपन योग्यता स्पष्ट रूप सँ
प्रमाणित कयने छथि, कारण जेना कोनो
बाप-बेटा संग-संग काज करैत अछि,
तहिना शुभ समाचार सुनयबाक सेवा-काज
मे ओ बेटा जकाँ हमरा संग परिश्रम कयने
छथि। 23एहि लेल हम आशा करैत छी जे
जखने हमरा किछु बुझऽ मे आबि जायत
जे हमरा संग की होमऽ वला अछि, तँ हम
हुनका अहाँ सभक ओतऽ पठा देबनि।
24और हमरा पूरा भरोसा अछि जे प्रभुक
सहायता सँ हमहूँ स्वयं जल्दी अहाँ सभ लग
आयब।

25मुदा हमरा ई आवश्यक बुझाइत
अछि जे हम अपन भाय एपाफ्रुदितुस केँ
अहाँ सभ लग वापस पठा दी। ओ हमरा
संग-संग काज करऽ वला आ एहि काजक
संघर्ष मे हमरा संग-संग लड़ऽ वला छथि।
ओ अहाँ सभक दूत छथि जिनका अहाँ सभ
हमर आवश्यकता पूरा करबाक लेल एतऽ
पठौने छलहुँ। 26अहाँ सभ केँ फेर देखबाक
लेल हुनका मोन लागल छनि आ एहि
बात सँ चिन्तित छथि जे अहाँ सभ हुनका
बिमारीक सम्बन्ध मे सुनि लेने छलहुँ।
27वास्तव मे ओ बहुत बिमार छलाहो
आ मरैत-मरैत बँचलाह। मुदा परमेश्वर
केँ हुनका पर दया भेलनि आ मात्र हुनके
पर नहि, बल्कि हमरो पर जाहि सँ हुनकर
मृत्युक कारणेँ हमरा दुःख पर दुःख नहि
सहऽ पड़य। 28एहि कारणेँ, हम हुनका
पठयबाक लेल आओर उत्सुक छी, जाहि
सँ हुनका फेर देखि कऽ अहाँ सभ आनन्दित
होइ आ हमरो मोन हल्लुक भऽ जाय। 29तँ
प्रभु मे खुशी-आनन्दक संग हुनकर स्वागत
करू। एहन लोक सभक आदर करबाक
चाही, 30किएक तँ मसीहक काजक लेल
ओ अपना प्राण केँ दाँव पर लगा देलनि आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मृत्युक मुँह धरि पहुँचि गेलाह जाहि सँ ओ
हमरा लेल ओ सेवा पूरा करथि जे अहाँ सभ
नहि कऽ सकलहुँ।

मानवीय योग्यता नहि, बल्कि मसीह कैँ जानि लेब सर्वश्रेष्‍ठ लाभ

3 आब, यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
प्रभु मे आनन्दित रहू। अहाँ सभ कैँ
ई बात सभ दोहरा कऽ लिखऽ मे हमरा
कोनो कष्‍ट नहि बुझाइत अछि, किएक
तँ ई अहाँ सभक सुरक्षाक लेल हितकर
अछि। 2अहाँ सभ ओहि कुकुर सभ सँ
होसियार रहू, हँ, ओहि अधलाह काज
कयनिहार सभ सँ, ओहि अंग काट-कूट
कयनिहार सभ सँ ˛जे सभ सिखबैत
अछि जे उद्धार पयबाक लेल खतना
करौनाइ आवश्यक अछि।˛ 3किएक
तँ वास्तविक “खतना कयल लोक” तँ
अपना सभ छी जे परमेश्‍वरक आत्मा
द्वारा हुनकर आराधना करैत छी आ
अपन मानवीय योग्यता पर भरोसा नहि
रखैत छी, बल्कि मसीह यीशु पर गौरव
करैत छी, 4ओना तँ हम मानवीय योग्यता
पर भरोसा राखि सकैत छलहुँ। जँ ककरो
अपन मानवीय योग्यता पर भरोसा
रखबाक आधार बुझाइत होइक तँ
हमरा ओकरो सँ बेसी भऽ सकैत अछि—
5जन्मक आठम दिन हमर खतना भेल।
हम इस्राएलिए जातिक, बिन्यामीन
कुलक, इब्रानी सँ जन्मल इब्रानी छी।
धर्म-नियमक पालन करबाक दृष्‍टिकोण
सँ हम एक फरिसी छलहुँ। 6धर्मक प्रति
हमर उत्साह एतेक छल जे हम मसीहक
मण्डली पर अत्याचार करैत छलहुँ। आ
धर्म-नियम पर आधारित धार्मिकताक
दृष्‍टि सँ हमरा मे कोनो त्रुटी नहि छल।
7मुदा जाहि बात सभ कैँ हम लाभ
बुझैत छलहुँ तकरा आब मसीहक कारणेँ
हानि बुझैत छी। 8एतबे नहि, बल्कि हम
अपन प्रभु, मसीह यीशु कैँ जानि लेनाइ
सर्वश्रेष्‍ठ लाभ मानैत छी जकरा तुलना मे
अन्य सभ बात कैँ हानि बुझैत छी। हम
हुनके लेल सभ किछु त्यागि देने छी, हँ,
सभ कैँ घृणाक वस्तु बुझैत छी, जाहि सँ
हम ई लाभ उठाबी जे मसीह हमर बनि
जाथि 9आ हम हुनका मे पाओल जाइ। ई
हमरा ओहि धार्मिकता सँ नहि होइत अछि
जे धर्म-नियमक पालन कयला सँ मानल
जाइत अछि, बल्कि ओहि धार्मिकता सँ
जे मसीह पर विश्‍वास कयला सँ भेटैत
अछि, अर्थात् ओहि धार्मिकता सँ जे मात्र
विश्‍वासक आधार पर परमेश्‍वर सँ प्राप्‍त
होइत अछि। 10हँ, हम एही लेल सभ
किछु त्यागि देने छी जाहि सँ हम मसीह
कैँ जानि ली, आ ओहि सामर्थ्यक अनुभव
करी जकरा द्वारा ओ फेर जिआओल
गेलाह, आ हुनकर दुःख भोगनाइ मे
सहभागी बनि जाइ, और एहि तरहेँ जेहन
ओ मृत्युक समय मे रहलाह तेहने हमहूँ
बनी 11जाहि सँ चाहे किछुओ होअय
हमहूँ मृत्यु सँ जिआओल जा सकी।

अपना सभ स्वर्गक नागरिक छी

12हम ई नहि कहैत छी जे एखन तक
हमरा एहि लक्ष्यक प्राप्‍ति भऽ गेल अछि
वा हमरा सिद्धी भऽ चुकल अछि। मुदा
हम आगाँ बढ़ैत जाइत रहैत छी जाहि
सँ हम ओहि लक्ष्य कैँ प्राप्‍त करी जाहि
लक्ष्यक लेल मसीह यीशु हमरा अपन बना
लेने छथि। 13यौ भाइ लोकनि, हम नहि
मानैत छी जे एखन तक हम ओहि लक्ष्य
धरि पहुँचि गेल छी। मुदा हम एकटा काज

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

करैत छी—जे पाछाँ अछि तकरा बिसरि
कऽ आगाँ वला बातक लेल प्रयत्नशील
रहैत छी। 14हम ओहि लक्ष्यक दिस बढ़ैत
जा रहल छी जाहि सँ हम ओ पुरस्कार
प्राप्त कऽ सकी जकरा लेल परमेश्वर
मसीह यीशु द्वारा हमरा स्वर्ग दिस बजौने
छथि। 15आब अपना सभ जे बुझऽ
वला लोक छी, सभ केँ यैह मनोभावना
होयबाक चाही आ जँ कोनो बात मे अहाँ
सभ केँ दोसर विचार होअय तँ परमेश्वर
तकरो अहाँ सभक लेल स्पष्ट करताह।
16जे किछु होअय, अपना सभ जाहि स्तर
धरि पहुँचि गेल छी ताहि अनुरूप आचरण
करी।

17 यौ भाइ लोकनि, हम जेना करैत छी,
तेना करऽ मे एक-दोसर केँ संग दिअ।
हम अहाँ सभ केँ एक नमूना देलहुँ; ताहि
अनुसार चलऽ वला लोक सभ पर ध्यान
देने रहू, 18किएक तँ हम अहाँ सभ केँ
पहिने बेर-बेर कहि चुकल छी आ एखनो
कानि-कानि कऽ कहैत छी जे एहन बहुत
लोक सभ अछि जे सभ अपन आचरण
द्वारा मसीहक क्रूसक दुश्मन बनैत अछि।
19ओकरा सभक सर्वनाश निश्चित अछि।
ओ सभ पेट केँ अपन ईश्वर बना लेने
अछि आ एहन बात सभ पर गर्व करैत
अछि जाहि पर लाज होयबाक चाहिऐक।
ओ सभ सांसारिक वस्तु सभ पर मोन
लगौने अछि। 20मुदा अपना सभक
नागरिकता तँ स्वर्गक अछि आ अपना
सभ स्वर्ग सँ आबऽ वला मुक्तिदाताक
बाट उत्सुकतापूर्बक तकैत रहैत छी,
अर्थात्, प्रभु यीशु मसीहक। 21हुनका
सभ किछु केँ अपना अधीन कऽ लेबाक
जे सामर्थ्य छनि, ताहि सामर्थ्य द्वारा ओ
अपना सभक कमजोर मरणशील शरीर केँ
बदलि कऽ अपन महिमामय शरीर जकाँ
बना देताह।

4 एहि लेल, यौ हमर भाइ लोकनि,
हमर प्रिय लोक सभ, हँ, अहाँ सभ
जिनका सभ पर हमर मोन लागल रहैत
अछि, जे सभ हमर आनन्द, हमर मुकुट,
हमर प्रिय मित्र सभ छी, जहिना हम अहाँ
सभ केँ कहने छी, तहिना प्रभु मे स्थिर रहू!

एकता, आनन्द आ शान्ति

2 हम यूओदिया आ सुन्तुखे, अहाँ दूनू
सँ आग्रहपूर्बक विनती करैत छी जे अहाँ
सभ प्रभु मे एक मोनक भऽ कऽ रहू। 3हँ,
यौ हमर विश्वस्त सहकर्मी*, हम अहूँ
सँ निवेदन करैत छी जे अहाँ एहि दूनू
स्त्रीगणक सहायता करू, किएक तँ ई
सभ क्लेमेन्स आ हमर अन्य सहयोगी
सभक संग, जिनका सभक नाम जीवनक
पुस्तक मे लिखल अछि, शुभ समाचार
सम्बन्धी संघर्ष मे हमरा संग कठिन
परिश्रम कयलनि अछि।

4 प्रभु मे सदिखन आनन्दित रहू। हम फेर
कहैत छी, आनन्दित रहू! 5सभ लोक ई
देखि सकय जे अहाँ सभ नम्र लोक छी। प्रभु
लगे मे छथि। 6कोनो बातक चिन्ता-फिकिर
नहि करू, बल्कि प्रत्येक परिस्थिति मे
परमेश्वर सँ प्रार्थना आ निवेदन करू; अपन
विनती धन्यवादक संग हुनका सम्मुख
प्रस्तुत करू। 7तखन परमेश्वरक शान्ति,
जकरा मनुष्य केँ बुझि पौनाइ असम्भव
अछि, से अहाँ सभक हृदय आ अहाँ सभक
बुद्धि केँ मसीह यीशु मे सुरक्षित राखत।

4:3 वा, “यौ हमर विश्वस्त सुज़ुगे” (“सुज़ुगे” पुरुषक नाम अछि, जकर अर्थ अछि “सहकर्मी”।)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

8 अन्त मे, यौ भाइ लोकनि, जे बात
सभ सत्य अछि, जे बात सभ प्रतिष्ठित
अछि, जे बात सभ न्यायसंगत अछि,
जे बात सभ पवित्र अछि, जे बात सभ
प्रेम करबाक योग्य अछि, जे बात सभ
आदरयोग्य अछि, अर्थात्, जे कोनो बात
उत्तम वा प्रशंसनीय अछि ताही पर ध्यान
लगौने रहू। 9 अहाँ सभ जे बात सभ हमरा
सँ सिखलहुँ, पौलहुँ, सुनलहुँ आ हमरा मे
देखलहुँ, तकरे अनुरूप आचरण करू।
आ परमेश्वर जे शान्तिक स्रोत छथि, से
अहाँ सभक संग रहताह।

फिलिप्पीक विश्वासी सभक दानक लेल धन्यवाद

10 हम प्रभु मे बहुत आनन्दित छी जे
एतेक दिनक बाद अहाँ सभ फेर हमर
चिन्ता कयलहुँ। पहिनहुँ अहाँ सभ कैँ
हमर चिन्ता अवश्य रहैत छल मुदा तकरा
प्रगट करबाक कोनो मौका नहि भेटि
रहल छल। 11 हम ई एहि लेल नहि कहि
रहल छी जे हमरा कोनो बातक कमी
अछि, किएक तँ हम प्रत्येक परिस्थिति
मे सन्तुष्ट रहनाइ सिखि लेने छी। 12 हम
विपन्नता मे रहनाइ आ सम्पन्नता मे
रहनाइ, दूनू सँ परिचित छी। चाहे तृप्त
होइ वा भूखल होइ, सम्पन्न होइ वा
अभाव मे होइ, हम कोनो परिस्थिति मे
सन्तुष्ट रहनाइ सिखि लेने छी। 13 जे हमरा
बल दैत छथि हम तिनका द्वारा सभ किछु
कऽ सकैत छी। 14 तैयो अहाँ सभ नीके
कयलहुँ जे संकटक समय मे हमरा कष्ट
मे सहभागी बनलहुँ।

15 यौ फिलिप्पी वासी सभ, अहाँ सभ
अपने जनैत छी जे जखन अहाँ सभ शुरू
मे शुभ समाचार सँ परिचित भेलहुँ आ
जखन हम मकिदुनिया प्रदेश सँ विदा
भेलहुँ, तँ अहाँ सभ कैँ छोड़ि कोनो
दोसर मण्डली लेन-देनक विषय मे हमरा
संग सहभागी नहि भेल। 16 जखन हम
थिसलुनिका मे छलहुँ तहियो अहाँ सभ
हमर आवश्यकता पूरा करबाक लेल
बेर-बेर सहायता पठौलहुँ। 17 ई बात नहि
जे हम अहाँ सभ सँ दानक आशा रखैत
छी, बल्कि हम ई आशा रखैत छी जे अहाँ
सभक दान देबाक परिणामस्वरूप अहीं
सभ कैँ फल भेटय, जे अहाँ सभक खाता
मे जमा होइत जाय। 18 हमरा सभ किछु
भेटल आ ओ बहुत प्रशस्त अछि। अहाँ
सभ एपाफ्रुदितुसक हाथैँ जे दान पठौलहुँ
तकरा पाबि हमरा कोनो बातक कमी
नहि रहि गेल। अहाँ सभक ई दान एक
बढ़ियाँ सुगन्ध, एक ग्रहणयोग्य बलिदान
अछि, जे परमेश्वर पसन्द करैत छथि।
19 हमर परमेश्वर सेहो अपन ओहि असीम
महिमाक भण्डार सँ जे मसीह यीशु मे रहैत
अछि, अहाँ सभक प्रत्येक आवश्यकता
पूरा करताह। 20 अपना सभक पिता
परमेश्वरक स्तुति युगानुयुग होइत रहनि।
आमीन।

नमस्कार आ आशीर्वाद

21 परमेश्वरक सभ लोक कैँ जे मसीह
यीशु मे छथि, हमर नमस्कार अछि। जे
भाय सभ हमरा संग छथि से सभ अहाँ
सभ कैँ नमस्कार कहैत छथि। 22 प्रभुक
सभ लोकक दिस सँ जे एतऽ छथि, विशेष
रूप सँ तिनका सभक दिस सँ जे सभ
सम्राटक राजभवन मे काज करैत छथि,
अहाँ सभ कैँ नमस्कार अछि।

23 प्रभु यीशु मसीहक कृपा अहाँ सभक
आत्मा मे बनल रहय।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कुलुस्से नगरक मण्डली केँ पौलुसक पत्र

1 हम पौलुस, जे परमेश्वरक इच्छा सँ
मसीह यीशुक एक मसीह-दूत छी,
से अपना सभक भाय तिमुथियुसक संग
ई पत्र अहाँ सभ केँ लिखि रहल छी, 2जे
सभ कुलुस्से नगर मे रहनिहार परमेश्वरक
पवित्र लोक छी, अर्थात् अहाँ विश्वासी
भाइ सभ केँ जे मसीह मे छी।

अपना सभक पिता परमेश्वर* अहाँ
सभ पर कृपा करथि आ अहाँ सभ केँ
शान्ति देथि।

धन्यवाद और प्रार्थना

3हम सभ जखन-कखनो अहाँ सभक
लेल प्रार्थना करैत छी, तँ अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक पिता, परमेश्वर केँ
धन्यवाद दैत छियनि, 4किएक तँ मसीह
यीशु पर अहाँ सभक जे विश्वास अछि आ
परमेश्वरक सभ लोकक लेल जे प्रेम अछि,
ताहि सम्बन्ध मे हम सभ सुनने छी। 5अहाँ
सभक ई विश्वास आ प्रेम अहाँ सभक
आशा पर आधारित अछि, अर्थात् ओहि
बात सभ केँ पयबाक आशा जे बात सभ
अहाँ सभक लेल स्वर्ग मे सुरक्षित राखल
अछि। एहि बात सभक विषय मे अहाँ
सभ तखन सुनलहुँ जखन सत्यक सम्बाद,
अर्थात्, सुसमाचार, अहाँ सभ केँ सुनाओल
गेल। 6जहिना ई सुसमाचार अहाँ सभक
बीच मे ओहि दिन सँ परिवर्तन लबैत जा
रहल अछि जहिया सँ अहाँ सभ एकरा
सुनलहुँ आ परमेश्वरक कृपाक सत्यता केँ
बुझलहुँ, तहिना ओ सौंसे संसार मे लोकक
जीवन मे परिवर्तन लाबि रहल अछि आ
बढ़ैत जा रहल अछि। 7एहि बातक शिक्षा
अहाँ सभ अपना सभक प्रिय भाय एपाफ्रास
सँ पौलहुँ, जे हमरा सभक संग-संग सेवा
करैत छथि आ हमरा सभक प्रतिनिधिक
रूप मे मसीहक विश्वासयोग्य सेवक
छथि।* 8ओ हमरा सभ केँ कहने छथि जे
परमेश्वरक आत्मा अहाँ सभ मे कतेक प्रेम
उत्पन्न कयने छथि।

9एहि कारणेँ, जाहि दिन सँ हम सभ अहाँ
सभक विषय मे सुनलहुँ, ताहि दिन सँ अहाँ
सभक लेल परमेश्वर सँ प्रार्थना कयनाइ
नहि छोड़ने छी। हुनका सँ ई विनती करैत

1:2 किछु हस्तलेख मे, “अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह” **1:7** वा, “आ अहाँ सभक हितक लेल मसीहक विश्वासयोग्य सेवक छथि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छी जे, ओ अहाँ सभ केँ पूर्ण आत्मिक
बुद्धि और बुझबाक क्षमता देथि जाहि
सँ अहाँ सभ पूर्ण रूप सँ जानी जे हुनकर
इच्छा की अछि। 10हुनका सँ ई विनती
एहि लेल करैत छी जाहि सँ अहाँ सभक
आचरण प्रभुक योग्य होअय, जाहि सँ
अहाँ सभ प्रभु केँ सभ बात मे प्रसन्न करी।
हम प्रार्थना करैत छिऐन जे अहाँ सभ हर
प्रकारक भलाइक काज करैत रही आ
परमेश्वरक ज्ञान मे बढ़ैत रही। 11परमेश्वर
अपन अद्भुत सामर्थ्यक महान् शक्ति सँ
अहाँ सभ केँ मजगूत बनबथि, जाहि सँ सभ
बात केँ अहाँ सभ धैर्य आ सहनशीलताक
संग सहि सकी, 12आ आनन्दपूर्बक ओहि
पिता केँ धन्यवाद दैत रही जे अहाँ सभ केँ
इजोतक राज्य मे रहऽ वला हुनकर लोकक
उत्तराधिकार मे सहभागी होयबा जोगरक
बनौने छथि। 13कारण, ओ अपना सभ केँ
अन्हारक राज्य सँ मुक्त करा कऽ अपन
प्रिय पुत्रक राज्य मे प्रवेश करौने छथि।
14हुनका पुत्र द्वारा अपना सभ केँ छुटकारा
भेटल अछि, पापक क्षमा प्राप्त भेल अछि।

मसीह मे परमेश्वरक समस्त परिपूर्णता

15 यीशु मसीह अदृश्य परमेश्वरक
प्रतिरूप छथि, ओ समस्त सृष्टिक उपर
सर्वोच्च स्थान पर छथि। 16किएक तँ हुनके
माध्यम सँ सभ वस्तुक सृष्टि भेल, ओ चाहे
स्वर्गक होअय वा पृथ्वीक, दृश्य होअय वा
अदृश्य, सिंहासन होअय वा प्रभुता, शासन
होअय वा अधिकार—सभ वस्तु हुनके द्वारा
आ हुनके लेल रचल गेल अछि। 17ओ सभ
वस्तुक सृष्टि सँ पहिने सँ छथि आ समस्त
सृष्टि हुनके मे स्थिर रहैत अछि।

18 ओ शरीरक, अर्थात् मण्डलीक, सिर
छथि। वैह शुरुआत छथि, और पहिल
छथि जे मरल सभ मे सँ जीबि उठलाह,
जाहि सँ सभ बात मे हुनके प्रथम स्थान
भेटनि। 19किएक तँ परमेश्वरक इच्छा
यैह भेलनि जे हुनकर समस्त परिपूर्णता
मसीह मे निवास करनि, 20आ क्रूस पर
मसीह जे खून बहौलनि, तकरा मेल-
मिलापक आधार बना कऽ हुनके द्वारा
सभ वस्तुक, चाहे ओ पृथ्वी परक होअय
वा स्वर्ग मेहक, अपना सँ मेल करा लेथि।

21 पहिने अहूँ सभ परमेश्वर सँ दूर
छलहुँ। अहाँ सभ अपन अधलाह विचार-
व्यवहारक कारणेँ अपना मोन मे परमेश्वर
सँ शत्रुता कयने छलहुँ। 22मुदा आब
परमेश्वर मसीहक हाड़-माँसुक शरीरक
मृत्यु द्वारा अपना संग अहाँ सभक मेल
करौने छथि, जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ
पवित्र, निर्दोष आ निष्कलंक बना कऽ
अपना सम्मुख उपस्थित करबथि।
23परन्तु ई तखने सम्भव अछि जखन अहाँ
सभ अपना विश्वास मे दृढ़ भऽ कऽ स्थिर
बनल रही आ ओहि आशा सँ विचलित
नहि होइ जे अहाँ सभ केँ सुसमाचार द्वारा
देल गेल अछि। ई वैह सुसमाचार अछि जे
अहाँ सभ सुनलहुँ आ जे आकाशक नीचाँ
समस्त सृष्टि मे सुनाओल गेल, और हम
पौलुस परमेश्वरक सेवा मे ओकर प्रचार
करबाक लेल पठाओल गेल छी।

मण्डलीक लेल पौलुसक परिश्रम

24 आब हम अहाँ सभक लेल जे कष्ट
भोगि रहल छी ताहि कारणेँ आनन्दित
छी। एखनो मसीह केँ अपना शरीरक
लेल, अर्थात् मण्डलीक लेल, दुःख
भोगनाइ बाँकी छनि, और हम अपना
देह मे दुःख भोगि कऽ तकरा पूरा करऽ
मे सहभागी होइत छी। 25परमेश्वर अहाँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक लाभक लेल एकटा काज हमरा
जिम्मा मे दऽ कऽ मण्डलीक सेवक
नियुक्त कयलनि, आ से ई अछि जे हम
परमेश्वरक वचनक पूरा-पूरी प्रचार करी,
26 अर्थात् ओहि रहस्यक प्रचार, जे युग-
युग सँ आ पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुप्त छल, मुदा
आब परमेश्वरक लोक सभक लेल प्रगट
कयल गेल अछि। 27 परमेश्वर अपना
लोकक लेल ई रहस्य प्रगट करबाक
निश्चय कयलनि जाहि सँ ओ सभ
जानथि जे हुनकर योजना, जे सभ जातिक
लोकक लेल अछि, से कतेक अद्‌भुत
आ वैभवपूर्ण अछि। ओ रहस्य ई अछि
जे, मसीह अपने अहाँ सभ मे वास करैत
छथि आ वैह एहि बातक आशाक आधार
छथि जे अहाँ सभ परमेश्वरक महिमा मे
सहभागी होयब।

28 हम सभ एही मसीहक प्रचार करैत
छी। पूर्ण बुद्धि-ज्ञान प्रयोग कऽ कऽ प्रत्येक
मनुष्य केँ चेतावनी दैत छी, प्रत्येक मनुष्य
केँ शिक्षा दैत छी, जाहि सँ प्रत्येक मनुष्य केँ
मसीह मे परिपूर्णता धरि पहुँचा कऽ हुनका
सम्मुख प्रस्तुत कऽ सकी। 29 एहि उद्देश्यक
पूर्तिक लेल हम हुनका सामर्थ्य सँ, जे हमरा
मे प्रबल रूप सँ क्रियाशील अछि, कठिन
परिश्रम करैत संघर्ष मे लागल रहैत छी।

2 हम चाहैत छी जे अहाँ सभ ई बात
जानि ली जे हम अहाँ सभक लेल,
लौदीकिया नगरक विश्वासी सभक लेल
आ ओहि सभ लोकक लेल जे सभ हमरा
व्यक्तिगत रूप सँ कहियो नहि देखने
छथि, केहन संघर्ष करैत रहैत छी। 2 ई
हम एहि लेल करैत छी जाहि सँ ओ सभ
अपना मोन मे उत्साहित होथि, प्रेमक
एकता मे बान्हल रहथि, ओहि आत्मिक
धन केँ प्राप्त करथि जे ज्ञानक परिपूर्णता
सँ भेटैत अछि, आ एहि तरहेँ परमेश्वरक
रहस्य केँ, अर्थात्, मसीह केँ, पूर्ण रूप
सँ चिन्हथि। 3 हुनके मे बुद्धि और ज्ञानक
समस्त भण्डार नुकायल अछि। 4 ई हम
एहि लेल कहि रहल छी जे, केओ अहाँ
सभ केँ ओहन तर्क द्वारा बहकाबऽ नहि
पाबओ, जे सुनऽ मे ठीक लगितो गलत
अछि। 5 ओना तँ हम शारीरिक रूप सँ
अहाँ सभ सँ दूर छी, तैयो हमर मोन अहाँ
सभक संग अछि आ हमरा ई देखि कऽ
आनन्द होइत अछि जे अहाँ सभक जीवन
कतेक व्यवस्थित अछि आ मसीह मेहक
अहाँ सभक विश्वास कतेक दृढ़ अछि।

मसीह मे विश्वासीक पूर्णता

6 एहि लेल जहिना अहाँ सभ मसीह
यीशु केँ अपन प्रभु मानि कऽ ग्रहण कऽ
लेने छी, तहिना हुनका मे रहि कऽ अपन
जीवन व्यतीत करू। 7 हुनका मे अपन
जड़ि मजगूत राखि कऽ हुनका मे बढ़ैत
रहू आ बलवन्त बनैत जाउ। अहाँ सभ केँ
जाहि विश्वासक शिक्षा प्राप्त भेल अछि,
ताहि मे स्थिर रहि कऽ पूरा मोन सँ प्रभु केँ
धन्यवाद दैत रहिऔन।

8 सावधान रहू, कतौ एना नहि होअय
जे, केओ अहाँ सभ केँ छल-कपट सँ
फुसियाहा तर्क-वितर्क द्वारा धोखा दऽ
कऽ अपना जाल मे फँसाबय। ओहन
लोकक तर्क-वितर्क मसीह पर नहि,
बल्कि मनुष्यक परम्परा सभ पर आ एहि
संसारक सिद्धान्त सभ पर* आधारित
अछि।

2:8 वा, “संसारक आत्मिक दुष्ट शक्ति सभ पर” वा, “संसारक तत्व सभ पर”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9किएक तँ मसीह मे परमेश्वरक समस्त
परिपूर्णता शारीरिक रूप मे वास करैत
अछि, [10]आ मसीह मे संयुक्त भेला सँ
अहूँ सभ पूर्ण भऽ गेल छी। प्रत्येक शक्ति
आ अधिकार हुनके अधीन मे अछि।
[11]मसीहे मे अहाँ सभक खतना सेहो भेल
अछि—एहन खतना नहि, जे हाथ सँ कयल
जाइत अछि ⌞जाहि मे शरीरक कनेक
चमड़ा काटि कऽ हटाओल जाइत अछि⌟,
बल्कि एहन, जे मसीह द्वारा कयल जाइत
अछि आ जाहि द्वारा अहाँ सभक पाप-
स्वभावक शक्ति अहाँ सभ मे सँ हटाओल
गेल अछि। [12]अहाँ सभ तँ बपतिस्माक
समय मे मसीहक संग गाड़ल गेलहुँ, आ
हुनका संग फेर जीवित सेहो कयल गेलहुँ
किएक तँ अहाँ सभ ओहि परमेश्वरक
सामर्थ्य पर विश्वास कयलहुँ जे हुनका
मृत्यु मे सँ फेर जीवित कयलथिन। [13]अहाँ
सभ जे गैर-यहूदी जातिक लोक छी से एक
समय मे अपना पाप सभक कारणेँ, आ
पाप-स्वभावक खतना नहि कयल जयबाक
कारणेँ*, आत्मिक रूप सँ मरल छलहुँ,
मुदा परमेश्वर अहाँ सभ केँ मसीहक संग
फेर जीवित कयलनि। ओ अपना सभक
सभ पाप केँ क्षमा कयलनि। [14]अपना सभक
विरोध मे जे दोष-पत्र लिखल छल आ जे
अपना सभ केँ दण्डक जोगरक प्रमाणित
कयलक, तकरा ओ ओकर सम्पूर्ण नियम
सभक संग रद्द कऽ देलनि, आ ओकरा क्रूस
पर काँटी ठोकि कऽ अपना सभ सँ दूर कऽ
देलनि। [15]ओ आत्मिक दुष्ट शक्ति सभक
आ अधिकारी सभक सम्पूर्ण सामर्थ्य नष्ट
कयलनि आ मसीहक क्रूस द्वारा ओकरा
सभ केँ पराजित कऽ कऽ सभक सामने
ओकरा सभ केँ तमाशा बना देलनि।

मसीह मे विश्वासीक स्वतन्त्रता

16एहि लेल, मोन राखू जे ककरो ई
अधिकार नहि अछि जे ओ अहाँ सभ पर
एहि विषय मे दोष लगाबय जे, केहन वस्तु
खाइत-पिबैत छी, अथवा पाबनि-तिहार,
अमावस्या वा विश्राम-दिन किएक नहि
मनबैत छी, [17]किएक तँ ई सभ ताहि बात
सभक छाया मात्र अछि, जे बाद मे आबऽ
वला छल। वास्तविकता मसीहे छथि।
[18]मोन राखू जे अहाँ सभ केँ पुरस्कार
पयबाक बात मे अयोग्य ठहरयबाक
अधिकार ओहन लोक केँ नहि छैक
जे सभ ईश्वरीय दर्शन देखबाक धाख
जमबैत रहैत अछि, देखाबटी नम्रता प्रगट
करैत अछि, आ कहैत अछि जे स्वर्गदूत
सभक पूजा कयनाइ आवश्यक अछि।
ओहन लोक अपन सांसारिक बुद्धिक
कारणेँ बिनु आधारक घमण्ड सँ फुलि
जाइत अछि, [19]आ एहि तरहेँ ओ सभ
सिर, अर्थात् मसीह, सँ कोनो सम्बन्ध नहि
रखैत अछि। मसीह शरीरक सिर छथि जे
समस्त शरीर केँ पोषित करैत छथि, आ
एहि तरहेँ शरीर, जोड़-जोड़ सभ आ नस
सभक द्वारा संगठित भऽ कऽ, परमेश्वरक
योजनाक अनुसार बढ़ैत अछि।

20अहाँ सभ जँ मसीहक संग मरि कऽ
संसारक सिद्धान्त सभ सँ* मुक्त भऽ गेल
छी, तँ अहाँ सभ ओकर आदेश सभक
एना कऽ पालन किएक करैत छी, जेना
अहाँ सभक जीवन एखनो धरि संसारक

2:13 वा, “आ शरीर मे खतना कराओल नहि रहबाक कारणेँ” **2:20** वा, “संसारक आत्मिक दुष्ट शक्ति सभ सँ” वा, “संसारक तत्व सभ सँ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अधीन होअय? 21संसारक आदेश एहन
होइत अछि, “एकरा हाथ मे नहि लिअ,
ई नहि खाउ, ओकरा नहि छुबू!”— 22ई
सभ मनुष्य सभक आदेश अछि, मानवीय
सिद्धान्त सभ पर आधारित अछि, आ एहन
वस्तु सभ सँ सम्बन्ध रखैत अछि जे प्रयोग
मे अयला पर नष्ट भऽ जाइत अछि। 23ई
सभ, अर्थात्, अपना सँ बनाओल धार्मिक
नियम केँ माननाइ, नम्रताक आडम्बर
देखौनाइ, आ अपना शरीर केँ कष्ट देनाइ,
ओहन बात अछि जाहि मे निःसन्देह बुद्धिक
बात तँ बुझाइत अछि, मुदा शारीरिक
अभिलाषा सभ केँ रोकऽ मे एहि सभ सँ
कोनो लाभ नहि होइत अछि।

पृथ्वी परक नहि, स्वर्गीय वस्तु सभ पर मोन लगाउ

3 एहि लेल, जँ अहाँ सभ मसीहक संग
जीवित कयल गेल छी, तँ ओहन बात
सभ पर मोन लगाउ जे स्वर्ग सँ सम्बन्ध
रखैत अछि, जतऽ मसीह परमेश्वरक
दहिना कात मे विराजमान छथि। 2अपन
ध्यान पृथ्वी परक वस्तु सभ पर नहि, बल्कि
स्वर्गीय वस्तु सभ पर लगाउ, 3किएक
तँ जहाँ तक अहाँ सभक पुरान जीवनक
बात अछि, अहाँ सभ तँ मरि गेल छी आ
अहाँ सभक नव जीवन आब मसीहक संग
परमेश्वर मे नुकायल अछि। 4मसीहे अहाँ
सभक* जीवन छथि, और ओ जहिया फेर
औताह, तहिया अहूँ सभ हुनका महिमाक
वैभव मे सहभागी होयब आ ई बात प्रगट
होयत जे अहाँ सभ हुनके लोक छिऐन।

नव स्वभावक अनुसार जीनाइ

5एहि लेल, अहाँ सभ मे जे किछु
अहाँ सभक पापी मानवीय स्वभाव
सँ सम्बन्ध रखैत अछि, तकरा नष्ट
कऽ दिअ, अर्थात्, अनैतिक शारीरिक
सम्बन्ध, अपवित्र विचार-व्यवहार,
शारीरिक काम-वासना, अधलाह बातक
लालसा, आ लोभ जे मूर्तिपूजाक बराबरि
बात अछि। 6एहि बात सभक कारणेँ*
परमेश्वरक प्रकोप अबैत अछि। 7अहाँ
सभ जखन पहिने एहि प्रकारक पापमय
जीवन व्यतीत करैत छलहुँ, तँ अहूँ सभ
यैह सभ करैत छलहुँ। 8मुदा आब अहाँ
सभ एहि बात सभ केँ, अर्थात् तामस,
क्रोध, दुष्ट भावना, दोसराक निन्दा
कयनाइ आ गारि बजनाइ, छोड़ि दिअ।
9एक-दोसर सँ झूठ नहि बाजू, किएक
तँ अहाँ सभ अपन पुरान स्वभाव केँ
ओकर अधलाह आचरण समेत त्यागि
देने छी, 10आ नव स्वभाव केँ धारण
कऽ लेने छी। ई नव स्वभाव जँ-जँ अपना
सृष्टिकर्ताक स्वरूपक अनुसार नव बनैत
जाइत अछि, तँ-तँ सत्य ज्ञान मे बढ़ैत
जाइत अछि। 11एहि मे कोनो भेद नहि
रहि गेल अछि—एहि मे ने केओ यूनानी
जातिक अछि आ ने यहूदी, ने केओ
खतना कराओल अछि आ ने खतना नहि
कराओल, ने केओ अशिक्षित वा जंगली
जातिक अछि, ने केओ गुलाम अछि आ
ने स्वतन्त्र। एतऽ मसीहे सभ किछु छथि
आ अपन सभ लोक मे वास करैत छथि।

3:4 किछु हस्तलेख सभ मे, “अहाँ सभक”क स्थान पर “अपना सभक” पाओल जाइत अछि।
3:6 किछु अति प्राचीन हस्तलेख सभ मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “...कारणेँ आज्ञा नहि माननिहार सभ पर...”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

12 तैँ अहाँ सभ परमेश्वरक चुनल
लोक, हुनकर पवित्र और प्रिय लोक
सभ भऽ कऽ, दयालुता, करुणा, नम्रता,
कोमलता आ सहनशीलता कैँ धारण
करू। 13 एक-दोसराक संग सहनशील
होउ, आ जँ किनको ककरो सँ सिकायत
होअय, तँ एक-दोसर कैँ क्षमा करू।
जहिना प्रभु अहाँ सभ कैँ क्षमा कऽ देलनि,
तहिना अहूँ सभ क्षमा करू। 14 आ सभ
सँ पैघ बात ई अछि जे आपस मे प्रेम
भाव बनौने रहू। प्रेम सभ कैँ एकता मे
बान्हि कऽ पूर्णता धरि पहुँचा दैत अछि।
15 मसीहक शान्ति अहाँ सभक हृदय मे
राज्य करैत रहय, कारण, अहाँ सभ एक
शरीरक अंग सभ भऽ कऽ मेल सँ रहबाक
लेल बजाओल गेल छी। अहाँ सभ
धन्यवाद देनिहार बनल रहू। 16 मसीहक
वचन कैँ अपन परिपूर्णताक संग अहाँ
सभ अपना मे निवास करऽ दिअ। पूर्ण
बुद्धि-ज्ञानक संग एक-दोसर कैँ शिक्षा आ
चेतावनी दैत रहू, आ परमेश्वरक प्रशंसा
मे भजन, स्तुति-गान आ भक्तिक गीत
पूरा मोन सँ धन्यवादक संग गबैत रहू।
17 अहाँ सभ जे किछु कही वा करी, से
सभ प्रभु यीशुक नाम सँ करू आ हुनका
द्वारा परमेश्वर पिता कैँ धन्यवाद दैत रहू।

पारिवारिक जीवन मे प्रभु कैँ आदर देबऽ वला व्यवहार

18 हे स्त्री सभ, जहिना प्रभु कैँ मानऽ
वाली सभक लेल उचित अछि, तहिना
अपन-अपन पतिक अधीन रहू। 19 हे पति
लोकनि, अपन-अपन स्त्री सँ प्रेम करू आ
हुनका संग कठोर व्यवहार नहि करू।
20 हौ धिआ-पुता सभ, सभ बात मे अपन
माय-बाबूक आज्ञा मानह, किएक तँ एहि
सँ प्रभु प्रसन्न होइत छथि। 21 यौ पिता
लोकनि, अपना बच्चा सभ कैँ तंग नहि
करिऔक; एना नहि होअय जे ओकरा
सभक साहस टुटि जाइक।

22 यौ दास सभ, एहि संसार मे जे अहाँ
सभक मालिक छथि, सभ बात मे तिनकर
आज्ञा मानू। मालिक कैँ खुश करबाक
उद्देश्य सँ, जखन ओ देखिते छथि तखने
मात्र नहि, बल्कि शुद्ध मोन सँ और प्रभु पर
श्रद्धा राखि कऽ आज्ञा मानू। 23 अहाँ सभ जे
किछु करी, मोन लगा कऽ करू, ई मानि
कऽ जे मनुष्यक लेल नहि, बल्कि प्रभुक
लेल कऽ रहल छी, 24 किएक तँ अहाँ सभ
जनैत छी जे, एकर प्रतिफलक रूप मे अहाँ
सभ प्रभु सँ उत्तराधिकार प्राप्त करब।
अहाँ सभ तँ प्रभु मसीहेक सेवा कऽ रहल
छी। 25 जे अन्याय करैत अछि, से अपन
अन्यायक प्रतिफल पाओत। ककरो संग
पक्षपात नहि कयल जयतैक।

4 यौ मालिक लोकनि, अहाँ सभ ई
बात जनैत जे स्वर्ग मे अहूँ सभक
एक मालिक छथि, अपन दास सभक संग
न्यायपूर्ण आ उचित व्यवहार करू।

प्रार्थना मे लागल रहू

2 अहाँ सभ सचेत रहि प्रार्थना मे लागल
रहू आ धन्यवाद देबाक मनोभावना
रखने रहू। 3 आ हमरो सभक लेल
प्रार्थना करू, जे परमेश्वर हमरा सभ कैँ
सुसमाचार सुनयबाक अवसर देथि, जाहि
सँ मसीहक ओहि सत्य कैँ लोक सभ कैँ
सुना सकिऐक, जे पहिने गुप्त छल, मुदा
आब प्रगट कयल गेल अछि, आ जकरा
लेल हम जहल मे बन्दी छी। 4 प्रार्थना करू
जे हम एकरा तहिना स्पष्ट रूप सँ सुना
सकी, जहिना हमरा सुनयबाक चाही।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

5 प्रभु यीशु केँ नहि मानऽ वला लोक
सभक संग विवेकपूर्ण व्यवहार करू। हर
अवसरक पूरा सदुपयोग करू। 6जखन
ओकरा सभ सँ बात-चीत करैत छी, तँ
नम्रता और विचारशीलता सँ करू*,
तखन अहाँ सभ प्रत्येक लोक केँ समुचित
उत्तर देनाइ सिखब।

नमस्कार आ आशीर्वाद

7 हमर प्रिय भाय तुखिकुस अहाँ सभ केँ
हमरा सम्बन्ध मे सभ समाचार सुनौताह।
ओ प्रभुक विश्वस्त दास छथि आ प्रभुक
काज मे हमरा संग-संग सेवा करैत छथि।
8हुनका हम एही अभिप्राय सँ अहाँ सभक
ओतऽ पठा रहल छियनि जे ओ अहाँ
सभ केँ हमरा सभक कुशल-समाचार
सुनबथि आ अहाँ सभक मोन उत्साहित
करथि। 9हुनका संग विश्वस्त आ प्रिय
भाय उनेसिमुस सेहो छथि जे अहीं सभक
ओहिठामक लोक छथि। ई दूनू गोटे अहाँ
सभ केँ एहिठामक सम्पूर्ण परिस्थिति सँ
अवगत करौताह।

10 अरिस्तर्खुस, जे एतऽ हमरा संग
जहल मे बन्दी छथि, आ मरकुस, जे
बरनबासक भाय लगैत छथि, से सभ अहाँ
सभ केँ नमस्कार कहैत छथि। मरकुसक
विषय मे अहाँ सभ केँ आदेश देल गेल
अछि; ई जँ अहाँ सभक ओतऽ पहुँचथि
तँ अहाँ सभ हिनकर आदर-सत्कार
करिऔन। 11यीशु, जे यूस्तुस कहबैत
छथि, सेहो अहाँ सभ केँ नमस्कार कहैत
छथि। जे सभ एतऽ हमरा संग परमेश्वरक
राज्यक लेल काज कऽ रहल छथि, ताहि
मे यैह तीनू गोटे यहूदी समाजक छथि।
हिनका सभ सँ हमरा बहुत सहायता
आ उत्साह भेटल अछि। 12अहाँ सभक
अपन लोक एपाफ्रास अहाँ सभ केँ
नमस्कार कहैत छथि। मसीह यीशुक ई
सेवक सदिखन अहाँ सभक लेल प्रार्थना
मे संघर्ष करैत छथि। ओ प्रार्थना करैत
छथि जे अहाँ सभ अपना विश्वास मे
स्थिर रहि आत्मिक परिपूर्णता धरि बढ़ैत
जाइ आ प्रत्येक बात मे परमेश्वरक
इच्छा पूरा करऽ मे सुदृढ़ बनल रही।
13हम हिनका बारे मे गवाही दऽ सकैत
छी जे ई अहाँ सभक लेल आ लौदीकिया
और हियरापुलिस नगर सभक विश्वासी
सभक लेल बहुत परिश्रम कऽ रहल
छथि। 14प्रिय वैद्य लूका, आ देमास अहाँ
सभ केँ नमस्कार कहैत छथि।

15 लौदीकिया नगर मे रहनिहार भाय
सभ और नुम्फास केँ आ हुनका घर
मे जमा होमऽ वला मण्डली केँ हमर
नमस्कार कहिऔन। 16जखन ई पत्र अहाँ
सभक बीच पढ़ि कऽ सुना देल जायत,
तँ अहाँ सभ एहन व्यवस्था करू जे ई
लौदीकिया नगरक मण्डली मे सेहो पढ़ल
जाय आ लौदीकियाक नाम सँ पठाओल
पत्र अहाँ सभ सेहो पढ़ि कऽ सुनू।

17 अरखिप्पुस केँ ई कहू जे, “प्रभुक
सेवा मे जे काज अहाँक जिम्मा देल गेल
अछि, तकरा अहाँ अवश्य पूरा करू।”

18 हम, पौलुस, अपने हाथ सँ ई
नमस्कार लिखि रहल छी। हम एतऽ जहल
मे छी*, से नहि बिसरू। अहाँ सभ पर
प्रभुक कृपा बनल रहय।

4:6 अक्षरशः ‘नम्रता सँ और नून सँ स्वादिष्ट बना कऽ करू’ **4:18** वा, “हम एतऽ जिंजीर सँ बान्हल छी”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

थिसलुनिका नगरक मण्डली केँ पौलुसक पहिल पत्र

1 पौलुस, सिलास* आ तिमुथियुसक
दिस सँ,
पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीहक
मण्डलीक नाम जे थिसलुनिका नगर मे
अछि, ई पत्र—
अहाँ सभ पर कृपा कयल जाय आ अहाँ
सभ केँ शान्ति भेटय।

थिसलुनिकी सभक विश्वासक लेल धन्यवाद

2हम सभ अपना प्रार्थना मे अहाँ सभ
गोटे केँ स्मरण कऽ कऽ अहाँ सभक
लेल परमेश्वर केँ सदिखन धन्यवाद
दैत छियनि। **3**अहाँ सभक काज,
जे विश्वास सँ प्रेरित होइत अछि,
परिश्रम, जे प्रेम सँ प्रेरित होइत अछि,
आ सहनशीलता, जे ओहि आशा सँ
प्रेरित होइत अछि जे अहाँ सभ अपना
सभक प्रभु यीशु मसीह पर रखने छी,
तकरा सभ केँ हम सभ अपन पिता
परमेश्वरक सम्मुख हरदम मोन रखैत
छी।
4यौ हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ सँ
परमेश्वर प्रेम करैत छथि, आ हम सभ
जनैत छी जे अहाँ सभ परमेश्वरक चुनल
लोक छी। **5**कारण, हम सभ जखन अहाँ
सभक बीच प्रभु यीशुक शुभ समाचार
पहुँचौलहुँ तँ ओ मात्र शब्दक रूप मे नहि
रहल, बल्कि अहाँ सभ लग सामर्थ्यक
संग, परमेश्वरक पवित्र आत्माक संग
आ पूर्ण निश्चयताक संग पहुँचल। अहाँ
सभक बीच अहाँ सभक कल्याणक लेल
हमरा सभक चालि-चलन केहन छल, से
अहाँ सभ जनैत छी। **6**अहाँ सभ हमरा
सभ केँ आ प्रभु यीशु केँ नमूना मानि
कऽ घोर कष्टक सामना करितो पवित्र
आत्मा सँ प्राप्त आनन्द सँ सुसमाचार
स्वीकार कयलहुँ। **7**तकर परिणाम ई
भेल जे अहाँ सभ मकिदुनिया प्रदेश
आ अखाया प्रदेशक सभ विश्वासीक
लेल नीक उदाहरण बनि गेलहुँ। **8**प्रभुक
सुसमाचार अहाँ सभक ओहिठाम सँ
मात्र मकिदुनिया आ अखाया मे नहि
पसरल, बल्कि परमेश्वर पर अहाँ

1:1 मूल मे “सिलवानुस”, जे “सिलास” नामक एक रूप अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक जे विश्वास अछि, तकर चर्चा
सभतरि पसरि गेल अछि। आब एहि
सम्बन्ध मे हम सभ ककरो किछु
कहिऐक तकर आवश्यकते नहि रहि
गेल अछि, 9-10कारण, लोक सभ स्वयं
हमरा सभ कैँ कहऽ लगैत अछि जे अहाँ
सभक ओतऽ हमरा सभक केहन स्वागत
भेल। ओ सभ सुनबैत अछि जे अहाँ
सभ कोन प्रकारेँ मूर्ति सभ कैँ छोड़ि कऽ
परमेश्वरक दिस घूमि गेलहुँ, जाहि सँ
अहाँ सभ सत्य आ जीवित परमेश्वरक
सेवा करियनि आ स्वर्ग सँ हुनकर पुत्रक,
अर्थात् यीशुक, अयबाक बाट तकियनि,
जिनका परमेश्वर मुइल सभ मे सँ जिऔने
छथिन। और यैह यीशु पापक विरोध मे
प्रगट होमऽ वला परमेश्वरक क्रोध सँ
अपना सभ कैँ बचाबऽ वला छथि।

शुभ समाचारक प्रचार पौलुस शुद्ध मोन सँ कयलनि

2 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
जनिते छी जे अहाँ सभक ओतऽ
हमरा सभक अयनाइ व्यर्थ नहि भेल।
2अहाँ सभ कैँ तँ बुझल अछि जे एहि
सँ पहिने हमरा सभ कैँ फिलिप्पी नगर
मे दुर्व्यवहार और अपमान सहऽ पड़ल
छल। तैयो अपना परमेश्वरक सहायता
सँ हम सभ घोर विरोधक सामना करितो
अहाँ सभ कैँ परमेश्वरक शुभ समाचार
सुनयबाक लेल साहस कयलहुँ।
3सुसमाचार पर विश्वास करबाक जे
आग्रह हम सभ करैत छी से ने तँ असत्य
पर आधारित अछि, ने अपवित्र उद्देश्य
सँ प्रेरित अछि आ ने ओहि मे कोनो छल-
कपट अछि। 4बल्कि, परमेश्वरे हमरा
सभ कैँ एहि जोगरक बुझलनि जे हमरा
सभक हाथ मे सुसमाचार-प्रचारक काज
सौंपल जाय आ एहि तरहेँ हम सभ प्रचार
करितो छी। हम सभ ई काज मनुष्य कैँ
प्रसन्न करबाक लेल नहि करैत छी,
बल्कि परमेश्वर कैँ, जे हमरा सभक
मोन कैँ जँचैत छथि। 5अहाँ सभ जनैत
छी, आ परमेश्वरो गवाह छथि जे हम
सभ कहियो चापलूसी वला बात नहि
बजलहुँ, आ ने हमरा सभक व्यवहार
मे कोनो प्रकारक लोभक बहाना छल।
6हम सभ मनुष्य सँ प्रशंसा पयबाक
प्रयत्न नहि कयलहुँ—ने अहाँ सभ सँ आ
ने आन ककरो सँ।

हम सभ मसीहक पठाओल दूत
होयबाक कारणेँ अहाँ सभ पर भार बनि
सकैत छलहुँ, मुदा से नहि कयलहुँ।
7जहिना माय अपना दूधपीबा बच्चाक
लालन-पालन करैत अछि तहिना हम
सभ अहाँ सभक संग कोमल व्यवहार
कयलहुँ। 8अहाँ सभक लेल हमरा सभ
कैँ तेहन ममता आ प्रेम भऽ गेल छल जे
अहाँ सभ कैँ मात्र परमेश्वरक सुसमाचार
सुनाबऽ मे नहि, बल्कि अपना कैँ अर्पित
करऽ मे सेहो हमरा सभ कैँ बड़का आनन्द
भेल—अहाँ सभ हमरा सभक ततेक प्रिय
भऽ गेल छलहुँ। 9यौ भाइ लोकनि, अहाँ
सभ कैँ तँ हमरा सभक कठोर परिश्रम
अवश्य मोन होयत, अहाँ सभक बीच
कोना हम सभ राति-दिन खटैत रहैत
छलहुँ जाहि सँ परमेश्वरक सुसमाचार
सुनबैत ककरो पर भार नहि बनिऐक।

10 अहाँ सभ एहि बातक गवाह छी,
आ परमेश्वरो छथि जे, अहाँ सभ जे
विश्वासी छी तिनका सभक बीच हमरा
सभक आचरण-व्यवहार कतेक पवित्र,
उचित और निर्दोष छल। 11अहाँ सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जनैत छी जे जेहने व्यवहार एकटा बाबू
अपन धिआ-पुताक संग करैत अछि तेहन
व्यवहार हम सभ अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक
गोटेक संग कयलहुँ— [12]बात सिखबैत
आ उत्साह बढ़बैत आग्रह करैत रहलहुँ
जे, जे परमेश्वर अहाँ सभ केँ अपना राज्य
आ महिमा मे सहभागी होयबाक लेल
बजबैत छथि तिनका जेहन जीवन नीक
लगनि, ओहने जीवन बिताउ।

13 हम सभ लगातार एहू लेल परमेश्वर
केँ धन्यवाद दैत छियनि जे, अहाँ सभ
जखन हमरा सभ सँ परमेश्वरक वचन
सुनलहुँ तँ ओकरा मनुष्यक सोचल बात
बुझि कऽ नहि, बल्कि परमेश्वरक कहल
बात मानि कऽ स्वीकार कयलहुँ, आ से ओ
वास्तव मे अछिओ। और आब अहाँ सभ
जे विश्वास करैत छी तिनका सभक जीवन
मे ओ वचन काज कऽ रहल अछि। [14]हँ,
यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ यहूदिया प्रदेश
मे रहऽ वला परमेश्वरक मण्डली सभ जकाँ
भऽ गेलहुँ, अर्थात्, ओतऽ रहऽ वला मसीह
यीशुक लोक सभ जकाँ। कारण, अहाँ सभ
अपना समाजक लोक सँ तेहने दुर्व्यवहार
सहलहुँ जेहन ओहो सभ यहूदी सभ सँ
सहलनि। [15]यहूदी सभ तँ प्रभु यीशु केँ आ
परमेश्वरक प्रवक्ता सभ केँ मारि देलकनि
और आब हमरो सभ केँ भगौने अछि। ओ
सभ परमेश्वर केँ अप्रसन्न करैत अछि।
ओ सभ पूरा मानव जातिक विरोधी अछि,
[16]कारण, जाहि सुसमाचार द्वारा गैर-यहूदी
सभ केँ उद्धार होइतैक, तकरा हमरा सभ
केँ गैर-यहूदी सभ मे सुनाबऽ सँ रोकबाक
प्रयत्न करैत रहैत अछि। एहि तरहेँ ओ सभ
अपन पापक घैल भरैत जा रहल अछि। एहि
कारणेँ परमेश्वर आब अपन क्रोध प्रगट
कऽ कऽ ओकरा सभ केँ दण्ड देथिन।

थिसलुनिकी सभ केँ फेर देखबाक पौलुसक उत्सुकता

17 यौ भाइ लोकनि! हम सभ जखन
अहाँ सभ सँ किछु समयक लेल दूर कयल
गेलहुँ—हृदय मे सँ नहि, बल्कि नजरिक
सोझाँ सँ—तँ अहाँ सभ केँ फेर देखबाक
बड्ड उत्सुकता भेल। [18]तेँ अहाँ सभ सँ
भेँट करबाक कोशिश कयलहुँ। हँ, हम
पौलुस, बेर-बेर अयबाक प्रयत्न कयलहुँ,
मुदा शैतान हमरा सभ केँ रोकि देलक।
[19]यौ भाइ लोकनि, हमरा सभक आशा
और आनन्द की अछि? की अहाँ सभ
नहि छी? और अपना सभक प्रभु यीशु
जहिया फेर औताह, तँ हुनका समक्ष हमरा
सभक ओ विजय-मुकुट की होयत जाहि
पर हम सभ गर्व करब? की अहाँ सभ नहि
होयब? [20]अहीं सभ तँ हमरा सभक गौरव
आ आनन्द छी।

3 तेँ अन्त मे जखन हमरा सभ केँ
आरो नहि रहल गेल तँ ई नीक
बुझायल जे हम सभ अपने एथेन्स नगर
मे रही, [2]और अहाँ सभ लग तिमुथियुस
केँ पठाबी। ओ हमरा सभक भाय
और मसीहक शुभ समाचार सुनाबऽ मे
परमेश्वरक संग-संग काज कयनिहार
छथि। हुनका एहि लेल पठौलहुँ जे ओ
अहाँ सभ केँ विश्वास मे मजगूत करथि
और अहाँ सभक हिम्मत बढ़बथि,
[3]जाहि सँ अहाँ सभ मे सँ केओ एहि
अत्याचार सभक कारणेँ जे अहाँ सभ
सहि रहल छी डगमगाय नहि लागी।
अहाँ सभ तँ जनिते छी जे एहन कष्ट
अपना सभक जीवन मे अयबेटा करत।
[4]हम सभ अहाँ सभक ओतऽ जखन
छलहुँ तँ अहाँ सभ केँ कहबो कयलहुँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे अपना सभ केँ अत्याचारक सामना
अवश्य करऽ पड़त, आ जेना अहाँ सभ
जनिते छी, से बात भेबो कयल। 5तेँ
जखन हमरा आरो नहि रहल गेल तँ हम
अहाँ सभक विश्वासक हाल-समाचार
बुझबाक लेल तिमुथियुस केँ अहाँ सभ
लग पठौलहुँ। हमरा डर छल जे कतौ
एना तँ नहि भेल जे धोखा देबऽ वला
शैतान अहाँ सभ केँ लोभ देखौने होअय
आ हमरा सभक मेहनत बेकार भऽ गेल
होअय।

थिसलुनिकी सभक विश्वासक बारे मे सुनि पौलुस उत्साहित

6 मुदा तिमुथियुस एखने अहाँ सभक
ओहिठाम सँ आबि गेलाह और अहाँ
सभक विश्वास आ प्रेमक नीक समाचार
सुनौलनि। ओ कहलनि जे अहाँ सभ
हमरा सभ केँ सदिखन प्रेम सँ याद करैत
छी आ हमरा सभ केँ फेर देखबाक
लेल ओतेक उत्सुक छी जतेक हम
सभ अहाँ सभ केँ देखबाक लेल। 7यौ
भाइ लोकनि, अहाँ सभक विश्वासक
समाचार जानि हमरा सभ केँ अपन सभ
कष्ट-विपत्ति मे अहाँ सभक विषय मे
प्रोत्साहन भेटल। 8अहाँ सभ प्रभु मे
स्थिर छी, से सुनि आब हमरा सभ मे
जान आबि गेल! 9अहाँ सभक कारणेँ जे
अपना सभक परमेश्वरक सम्मुख हमरा
सभक बड़का आनन्द अछि, तकरा
लेल हम सभ परमेश्वर केँ कोन शब्द सँ
धन्यवाद दियनि? 10हम सभ दिन-राति
पूरा मोन सँ हुनका सँ ई प्रार्थना करैत
रहैत छी जे हम सभ अहाँ सभ केँ फेर
देखि सकी और अहाँ सभक विश्वास
मे जे कमी रहि गेल अछि, तकरा पूरा
कऽ सकी।

11 आब अपना सभक पिता परमेश्वर
स्वयं और अपना सभक प्रभु यीशु हमरा
सभक लेल अहाँ सभ लग अयबाक रस्ता
खोलथि। 12प्रभु एना करथि जे, जाहि तरहेँ
हम सभ अहाँ सभ सँ प्रेम करैत छी, ताहि
तरहेँ अहाँ सभक प्रेम एक-दोसराक लेल
और सभ लोकक लेल बढ़ैत आ उमड़ैत
रहय। 13ओ अहाँ सभक मोन स्थिर करथि
जाहि सँ अपना सभक प्रभु यीशु जहिया
अपन सभ पवित्र लोकक संग* औताह
तहिया अहाँ सभ अपना सभक पिता
परमेश्वरक सम्मुख पवित्र आ निर्दोष
पाओल जाइ।

परमेश्वर केँ प्रसन्न करऽ वला जीवन

4 यौ भाइ लोकनि, आब अहाँ सभ
केँ किछु आरो बातक विषय मे
लिखबाक अछि। अहाँ सभ केँ हम सभ
ई शिक्षा देने छी जे कोन तरहेँ जीवन
बितयबाक अछि जाहि सँ परमेश्वर केँ
प्रसन्नता भेटनि, और ताहि अनुसारेँ अहाँ
सभ जीवन बितबैत सेहो छी। आब प्रभु
यीशुक नाम सँ हमरा सभक ई निवेदन
अछि, ई आग्रह अछि, जे अहाँ सभ एहन
जीवन मे आरो-आरो आगाँ बढ़ैत जाउ।
2अहाँ सभ केँ तँ मोन होयत जे प्रभु यीशुक
दिस सँ हम सभ कोन-कोन आदेश अहाँ
सभ केँ देलहुँ।

3 परमेश्वरक इच्छा ई छनि जे अहाँ
सभ पवित्र बनी। ओ चाहैत छथि जे अहाँ
सभ दोसराक संग सभ तरहक अनैतिक

3:13 वा, “अपन सभ स्वर्गदूतक संग”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

शारीरिक सम्बन्ध सँ दूर रही, 4अहाँ
सभ मे सँ प्रत्येक व्यक्ति अपना शरीर
कैँ पवित्रता और मर्यादाक संग नियन्त्रण
मे राखी,* 5आ नहि कि प्रभुक शिक्षा सँ
अपरिचित जातिक लोक सभ, जे सभ
परमेश्वर कैँ नहि चिन्हैत अछि, तकरा
सभ जकाँ अपना शरीर कैँ वासनाक
पूर्ति करबाक साधन बुझी। 6हुनकर
इच्छा ई छनि जे, केओ एहन गलत काज
कऽ कऽ मर्यादाक उल्लंघन कऽ अपन
विश्वासी भाय कैँ धोखा नहि दैक।
कारण, प्रभु एहन सभ बातक लेल दण्ड
देताह। एहि सम्बन्ध मे हम सभ पहिनहुँ
अहाँ सभ कैँ गम्भीर चेतावनी दऽ देने
छी। 7परमेश्वर तँ अपना सभ कैँ अशुद्ध
जीवन बितयबाक लेल नहि बजौलनि,
बल्कि पवित्र जीवन। 8एहि लेल, जे
केओ एहि आदेश कैँ अस्वीकार करैत
अछि, से मनुष्य कैँ नहि, बल्कि परमेश्वर
कैँ, जे अहाँ सभ कैँ अपन पवित्र आत्मा
प्रदान करैत छथि, तिनका अस्वीकार
करैत अछि।

9 विश्वासी भाय सभ मे जे एक-
दोसराक लेल प्रेम होयबाक चाही, ताहि
विषय मे हमरा सभ कैँ किछु लिखबाक
कोनो आवश्यकता नहि अछि, कारण,
अहाँ सभ अपने एक-दोसराक लेल प्रेम-
भाव रखनाइ परमेश्वर सँ सिखने छी,
10और अहाँ सभ मकिदुनिया प्रदेशक
सभ भाय सँ तहिना प्रेम करितो छी।
तैयो, यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ सँ हमरा
सभक ई आग्रह अछि जे, आरो बढ़ि कऽ
प्रेम करी।

11 जहिना अहाँ सभ कैँ सिखौने छी,
तहिना शान्तिपूर्ण जीवन बितयबाक लक्ष्य
राखू, सभ केओ अपना-अपना काज मे
लागल रहू और अपना हाथ सँ परिश्रम
करू। 12एहि तरहेँ कयला सँ अविश्वासी
सभ सेहो अहाँ सभक आदर करत और
अहाँ सभ कैँ अपना आवश्यकताक
पूर्तिक लेल अनका पर निर्भर नहि रहऽ
पड़त।

प्रभु यीशु जखन फेर औताह तँ जीवित आ मरल विश्वासी सभ कैँ की होयतनि?

13 यौ भाइ लोकनि, हम सभ नहि
चाहैत छी जे अहाँ सभ ताहि भाय
सभक दशा सँ अनजान रही जे सभ मरि
गेल छथि*। एना नहि होअय जे अहाँ
सभ बाँकी लोक सभ जकाँ दुखी होइ,
जकरा सभ कैँ कोनो आशा नहि छैक।
14हमरा सभ कैँ विश्वास अछि जे यीशु
मरलाह आ जीबि उठलाह। तहिना इहो
विश्वास अछि जे, जे केओ यीशु पर
विश्वास करैत मरि गेल छथि, तिनको
सभ कैँ जहिया यीशु फेर औताह तहिया
परमेश्वर हुनका संग अनथिन। 15हमरा
सभ कैँ प्रभु सँ जे शिक्षा भेटल अछि
ताहि अनुसार अहाँ सभ कैँ कहैत छी
जे, अपना सभ जे सभ प्रभुक अयबाक
समय तक जीवित रहब से सभ तिनका
सभ सँ पहिने प्रभु लग ऊपर किन्नहुँ नहि
उठाओल जायब जे सभ मरि गेल छथि।
16कारण, जखन प्रभु आदेश देताह आ
प्रधान स्वर्गदूतक स्वर सुनाइ पड़त और

4:4 वा, “प्रत्येक व्यक्ति अपनहि स्त्रीक साथ पवित्रता और मर्यादाक संग जीवन व्यतीत करब सिखी,”
4:13 अक्षरशः “जे सभ सुति रहल छथि”। तहिना पद 14 और 15 मे सेहो

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्‍वरक धुतहूक आवाज सुनाइ देत,
तखन प्रभु स्वयं स्वर्ग सँ उतरताह, और
जे सभ मसीह पर विश्‍वास करैत मरि
गेल छथि से सभ पहिने जीबि उठताह।
17तखन अपना सभ, जे सभ तहिओ
जीवित रहब, सेहो हुनके सभक संग
मेघ मे उठाओल जा कऽ आकाश मे प्रभु
सँ भेटब। एहि तरहेँ अनन्त काल धरि
अपना सभ प्रभुक संग रहब। 18तेँ एहि
बात सभ द्वारा एक-दोसराक उत्साह
बढ़बैत रहू।

प्रभु यीशुक अयबाक लेल तैयार रहू

5 यौ भाइ लोकनि, कोन बात
कहिया कखन होयत, ताहि
सम्बन्ध मे किछु लिखबाक कोनो
आवश्यकता नहि अछि, 2कारण, अहाँ
सभ अपने नीक सँ जनैत छी जे, “प्रभुक
दिन” ताहि तरहेँ अचानक आओत
जाहि तरहेँ राति मे चोर अबैत अछि।
3लोक सभ कहैत रहत जे, “सभ शान्त
आ सुरक्षित अछि,” तखन जहिना
गर्भवती स्त्री पर अचानक बच्चा केँ
जन्म देबाक कष्ट अबैत छैक, तहिना
ओकरा सभ पर विनाश आओत, और
ओकरा सभ केँ बचबाक कोनो उपाय
नहि रहतैक। 4मुदा, यौ भाइ लोकनि,
अहाँ सभ अन्हार मे नहि रहि रहल छी
जे ओ दिन चोर जकाँ अहाँ सभ पर
अचानक आबि जाय। 5अहाँ सभ केओ
तँ इजोतक सन्तान छी, दिनक सन्तान
छी। अपना सभ रातिक वा अन्हारक
नहि छी। 6एहि लेल अपना सभ आन
लोक सभ जकाँ सुतल नहि रही, बल्कि
सतर्क रही आ अपना केँ वश मे राखी।
7कारण, जे सभ सुतैत अछि से रातिए मे
सुतैत अछि आ जे सभ पिबि कऽ माति
जाइत अछि सेहो रातिए मे मतैत अछि।
8मुदा अपना सभ जे छी, से दिनक छी
आ तेँ विश्‍वास आ प्रेम केँ कवच जकाँ,
और मुक्‍तिक आशा केँ टोप जकाँ पहिरि
कऽ सतर्क रही। 9कारण, परमेश्‍वर
अपना सभ केँ दण्ड पयबाक लेल नहि,
बल्कि अपना सभक प्रभु यीशु मसीह
द्वारा उद्धार पयबाक लेल चुनने छथि।
10प्रभु यीशु अपना सभक लेल एहि लेल
मरलाह जे अपना सभ ⌞हुनकर फेर
अयबाक समय मे⌟ चाहे जीवित होइ
वा मरि गेल होइ*, हुनका संग जीबी।
11तेँ अहाँ सभ एक-दोसर केँ प्रोत्साहित
करू और विश्‍वास मे मजगूत बनाउ,
जेना अहाँ सभ करितो छी।

किछु अन्तिम शिक्षा

12 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ सँ
हमरा सभक आग्रह अछि जे, अहाँ
सभक बीच जे सभ परिश्रम करैत छथि,
आत्मिक देख-रेख करैत छथि और
प्रभुक दिस सँ अहाँ सभ केँ शिक्षा आ
चेतावनी दैत छथि, तिनका सभक आदर
करिऔन। 13हुनका सभक काजक
कारणेँ प्रेमपूर्बक हुनका सभक सम्मान
करिऔन। एक-दोसरक संग मेल-मिलाप
सँ रहू।

14 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ सँ
हमरा सभक इहो आग्रह अछि जे,
आलसी भाय सभ केँ चेतावनी दिअ।
जे केओ हिम्मत हारि लेने छथि, तिनका

5:10 अक्षरशः “चाहे जीवित होइ वा सुति रहल होइ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक हिम्मत बढ़ाउ। जे केओ कमजोर
छथि तिनका सभक सहायता करू।
सभक संग सहनशीलताक व्यवहार
करैत धैर्य राखू। 15एहि बातक ध्यान
राखू जे, केओ अधलाह व्यवहारक
बदला अधलाह व्यवहार नहि करी,
बल्कि सदिखन एक-दोसराक लेल आ
सभ लोकक लेल भलाइ करैत रहबाक
प्रयास करू।

16 सदिखन आनन्दित रहू, 17लगातार
प्रार्थना करैत रहू। 18प्रत्येक परिस्थिति
मे परमेश्वर केँ धन्यवाद दिऔन,
कारण, अहाँ सभ जे मसीह यीशु मे छी
तिनका सभ सँ परमेश्वर यैह बात चाहैत
छथि। 19परमेश्वरक पवित्र आत्माक
आगि केँ नहि मिझाउ। 20परमेश्वरक
दिस सँ पाओल-सुनाओल सम्बाद सभ
केँ तुच्छ नहि बुझू। 21सभ बात केँ ठीक
सँ जाँचू-बुझू और जे ठीक अछि ताहि
मे दृढ़ रहू। 22सभ तरहक अधलाह बात
सँ दूर रहू।

23 शान्ति देबऽ वला परमेश्वर स्वयं
अहाँ सभ केँ पूर्ण रूप सँ पवित्र करथि।
ओ अहाँ सभक आत्मा, प्राण आ शरीर
केँ अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
अयबाक समय धरि निर्दोष आ सुरक्षित
राखथि। 24ई काज ओ अवश्य करताह,
कारण ओ जे अहाँ सभ केँ बजबैत छथि
से विश्वासयोग्य छथि।

25 यौ भाइ लोकनि, हमरा सभक लेल
प्रार्थना करैत रहू। 26ओहिठामक सभ
भाय लोकनि केँ हमरा सभक दिस सँ
पवित्र प्रेमक संग नमस्कार कहिऔन।*
27अहाँ सभ केँ प्रभुक समक्ष ई आज्ञा
दैत छी जे, सभ भाय केँ ई पत्र पढ़ि कऽ
सुनाओल जाय।

28 अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
कृपा अहाँ सभ पर बनल रहय।

5:26 अक्षरशः “26पवित्र चुम्मा सँ सभ भाय केँ नमस्कार करू।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

थिसलुनिका नगरक मण्डली कैँ पौलुसक दोसर पत्र

1 पौलुस, सिलास* आ तिमुथियुसक दिस सँ,

अपना सभक पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीहक मण्डलीक नाम जे थिसलुनिका नगर मे अछि, ई पत्र—

2 पिता परमेश्वर आ प्रभु यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि आ अहाँ सभ कैँ शान्ति देथि।

कष्टो मे थिसलुनिकी सभ विश्वास मे स्थिर

3 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभक लेल सदिखन परमेश्वर कैँ धन्यवाद देनाइ हमरा सभक कर्तव्य अछि। ई बात उचितो अछि, कारण अहाँ सभक विश्वास बहुत नीक सँ बढ़ि रहल अछि, और अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक गोटे कैँ जे एक-दोसराक लेल प्रेम अछि, तकर वृद्धि भऽ रहल अछि।
4 एहि लेल परमेश्वरक आन मण्डली सभक बीच हम सभ अहाँ सभक बड़ाइ करैत छी जे, जतेक कष्ट आ अत्याचार अहाँ सभ सहि रहल छी ताहि सभ मे सेहो अहाँ सभक धैर्य आ विश्वास स्थिर रहैत अछि।

5 ई सभ एहि बातक प्रमाण अछि जे परमेश्वरक न्याय उचित होइत छनि; आ एकर फल ई अछि जे अहाँ सभ परमेश्वरक राज्यक योग्य ठहरब, जाहि राज्यक लेल अहाँ सभ एखन दुःख सहि रहल छी।
6 परमेश्वर न्यायी छथि—ओ अहाँ सभ कैँ कष्ट देनिहार सभ कैँ कष्ट देथिन,
7 और अहाँ सभ कैँ, जे कष्ट पौनिहार छी, आ हमरो सभ कैँ, ओ आराम देताह। ओ ई सभ तहिया करताह जहिया प्रभु यीशु अपन सामर्थी स्वर्गदूत सभक संग धधकैत आगि मे प्रगट होइत स्वर्ग सँ औताह।
8 ओहि समय मे ओ तकरा सभ कैँ दण्ड देथिन जे सभ परमेश्वर कैँ स्वीकार नहि कयलक आ अपना सभक प्रभु यीशुक शुभ समाचार कैँ नहि मानलक।
9 एहन लोक सभ प्रभुक उपस्थिति आ हुनकर शक्तिक प्रताप सँ दूर कयल जायत और अनन्त कालीन विनाशक दण्ड पाओत।
10 ई बात ओहि

1:1 मूल मे “सिलवानुस”, जे “सिलास” नामक एक रूप अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दिन होयत जहिया प्रभु यीशु अपन पवित्र
लोकक बीच अपन महिमाक गुणगान
स्वीकार करबाक हेतु औताह, और ताहि
सभ लोकक लेल अत्यन्त खुशी और
आश्चर्यक कारण बनबाक हेतु औताह,
जे सभ हुनका पर विश्वास कयने अछि।
और ओहि मे अहूँ सभ रहब, कारण अहाँ
सभ कैँ हम सभ हुनका बारे मे जे बात
सुनौलहुँ ताहि पर अहाँ सभ विश्वास
कयलहुँ।

थिसलुनिकी सभक लेल प्रार्थना

11 ई सभ बात ध्यान मे राखि, हम सभ
लगातार अहाँ सभक लेल प्रार्थना करैत
छी जे अपना सभक परमेश्वर अहाँ सभ
कैँ ताहि बातक योग्य बुझथि जकरा
लेल ओ अहाँ सभ कैँ बजौलनि। हुनका
सँ इहो प्रार्थना करैत छी जे ओ अपना
सामर्थ्य सँ भलाइ करबाक अहाँ सभक
प्रत्येक इच्छा कैँ पूरा करथि आ विश्वास
सँ प्रेरित प्रत्येक काज कैँ सम्पन्न करऽ मे
अहाँ सभक मदति करथि। 12किएक तँ
एहि तरहेँ अपना सभक परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीहक कृपाक कारणेँ अहाँ सभ
द्वारा अपना सभक प्रभु यीशु कैँ आदर-
प्रशंसा प्राप्त होयतनि, आ हुनका द्वारा
अहाँ सभ कैँ आदर-प्रशंसा प्राप्त होयत।

प्रभुक अयबाक दिनक सम्बन्ध मे धोखा नहि खाउ

2 यौ भाइ लोकनि, अपना सभक प्रभु
यीशु मसीह जे फेर औताह, ताहि
विषय मे, आ अपना सभ जे हुनका लग
जमा होयब, ताहि विषय मे हम सभ
अहाँ सभ कैँ कहि रहल छी— 2केओ
जँ ईश्वरीय सम्बाद पयबाक, वा हमरा
सभक दिस सँ कोनो सूचना अथवा पत्र
प्राप्त करबाक दावा करय जाहि मे ई
कहल गेल होअय जे प्रभुक अयबाक
दिन आबि चुकल अछि, तँ ताहि सँ
अहाँ सभ तुरत्ते भ्रम मे नहि पड़ि जाउ
आ ने घबड़ाउ। 3केओ अहाँ सभ कैँ
कोनो तरहेँ धोखा नहि देबऽ पाबओ,
कारण ओ दिन ताबत धरि नहि आओत
जाबत धरि परमेश्वरक विरोध मे
“महा-विद्रोह” नहि भऽ जायत और ओ
“अधर्मक पुरुष”, जकर विनाश निश्चित
अछि, से प्रगट नहि भऽ जायत। 4ओ
ईश्वर कहौनिहार अथवा पूज्य मानल
जाय वला प्रत्येक वस्तुक विरोध करैत
अपना कैँ ओहि सभ सँ एतेक महान्
ठहराओत जे परमेश्वरक मन्दिर मे
विराजमान भऽ अपना कैँ ईश्वर घोषित
करत।

5 की अहाँ सभ कैँ याद नहि अछि जे
अहाँ सभक बीच रहैत हम ई बात सभ
बुझबैत रहैत छलहुँ? 6अहाँ सभ कैँ
बुझल अछि जे कोन सामर्थ्य ओकरा
एखन रोकने छैक जाहि सँ ओ निर्धारित
समय पर प्रगट होअय। 7अधर्मक गुप्त
शक्ति एखनो अपन काज शुरू कऽ देने
अछि, मुदा जाबत धरि ओकरा रोकनिहार
कैँ हटाओल नहि जायत ताबत धरि ओ
ओकरा रोकने रहत। 8तकरबाद ओ
अधर्मी पुरुष प्रगट कयल जायत जकरा
प्रभु यीशु अपन मुँहक फूक सँ मारि
देथिन। प्रभु यीशु महिमा मे आबि कऽ
ओकर सर्वनाश कऽ देथिन।

9 ओ अधर्मी पुरुष शैतानक सामर्थ्य
सँ परिपूर्ण भऽ कऽ आओत। ओ सभ
तरहक शक्तिशाली आश्चर्यपूर्ण चिन्ह
आ छल-कपट वला चमत्कार देखाओत,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

10और नाश भेनिहार लोक सभ कैँ हर
प्रकारक अधर्मक माध्यम सँ धोखा दऽ
कऽ फँसाओत। ओ सभ एहि लेल नाश
भेनिहार अछि जे ओ सभ ओहि सत्य सँ
प्रेम नहि करऽ चाहलक जे सत्य ओकरा
सभ कैँ बँचा सकैत छलैक। 11एही लेल
परमेश्वर ओकरा सभ मे भ्रमपूर्ण मनोभाव
उत्पन्न करैत छथिन जाहि सँ ओ सभ
झूठक विश्वास करय। 12एहि तरहेँ जे
केओ सत्य पर विश्वास नहि कयलक आ
अधर्म मे मग्न रहल से सभ दोषी ठहरि
कऽ दण्डित कयल जायत।

प्रभुक शिक्षा मे दृढ़ बनल रहू

13 यौ भाइ लोकनि, प्रभुक प्रिय लोक,
अहाँ सभक लेल हमरा सभ कैँ सदिखन
परमेश्वर कैँ धन्यवाद देबाक अछि,
कारण, परमेश्वर शुरुए सँ अहाँ सभ
कैँ एहि उद्देश्य सँ चुनलनि जे अहाँ सभ
हुनकर आत्माक काज द्वारा पवित्र भऽ
कऽ और सत्य पर विश्वास कऽ कऽ
उद्धार प्राप्त करी। 14जे शुभ समाचार
हम सभ अहाँ सभ कैँ सुनौलहुँ ताहि द्वारा
परमेश्वर अहाँ सभ कैँ एहि उद्धारक लेल
बजौलनि, जाहि सँ अहाँ सभ अपना
सभक प्रभु यीशु मसीहक महिमा मे
सहभागी बनी। 15तेँ यौ भाइ लोकनि,
अपना विश्वास मे स्थिर रहू आ ओहि
शिक्षा मे दृढ़ बनल रहू जे अहाँ सभ कैँ
हमरा सभ सँ मौखिक रूप सँ वा पत्र द्वारा
भेटल अछि।

16 आब स्वयं अपना सभक प्रभु यीशु
मसीह और अपना सभक पिता परमेश्वर
जे अपना सभ सँ प्रेम कयलनि आ अपना
कृपा सँ अनन्त कालीन उत्साह आ
अटल आशा देने छथि, 17से अहाँ सभ कैँ
प्रोत्साहित करैत रहथि और सभ प्रकारक
नीक काज करबाक लेल आ नीक बात
बजबाक लेल बल दैत रहथि।

प्रार्थनाक लेल पौलुसक विनती

3 यौ भाइ लोकनि, अन्त मे ई—हमरा
सभक लेल प्रार्थना करैत रहू
जे, प्रभुक वचन जल्दी सँ पसरय आ
जहिना अहाँ सभक ओतऽ भेल, तहिना
ओ दोसरो-दोसरो ठाम आदरक संग
स्वीकार कयल जाय। 2और ई प्रार्थना
करू जे भ्रष्ट आ दुष्ट लोक सभ सँ हमरा
सभक रक्षा होइत रहय, कारण, सभ
लोक वचन सुनि विश्वास नहि करैत
अछि। 3मुदा प्रभु विश्वासयोग्य छथि।
ओ अहाँ सभ कैँ दृढ़ बनौने रहताह आ
दुष्ट शैतान सँ अहाँ सभ कैँ सुरक्षित
रखताह। 4प्रभु पर भरोसा राखि हमरा
सभ कैँ पूरा विश्वास अछि जे अहाँ सभ
हमरा सभक आज्ञाक पालन कऽ रहल
छी आ आगाँ सेहो करैत रहब। 5प्रभु
अहाँ सभक हृदय मे परमेश्वरक प्रेमक
आ मसीहक धैर्यक अनुभव बढ़बथि।

आलसी सभक लेल चेतावनी

6 यौ भाइ लोकनि, आब हम सभ
प्रभु यीशु मसीहक नाम सँ अहाँ सभ कैँ
आज्ञा दैत छी जे अहाँ सभ ओहन सभ
भाय सँ दूर रहू जे सभ आलसी अछि
आ ओहि शिक्षाक अनुसार नहि चलैत
अछि जे हमरा सभ द्वारा अहाँ सभ कैँ
देल गेल। 7अहाँ सभ तँ अपने जनैत छी
जे, हम सभ जेना करैत छी, तेना अहूँ
सभ कैँ करबाक चाही—हम सभ अहाँ
सभक बीच रहैत आलसी बनि कऽ नहि
रहलहुँ। 8हम सभ बिनु मोल चुका कऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

किनको रोटी नहि खयलहुँ, बल्कि दिन-
राति कष्ट सहैत आ परिश्रम करैत खटैत
रहलहुँ जाहि सँ अहाँ सभ मे सँ किनको
पर भार नहि बनि जाइ। 9ई बात नहि,
जे हमरा सभ केँ अहाँ सभ सँ सहयोग
पयबाक अधिकार नहि छल, बल्कि
बात ई जे, हम सभ अहाँ सभक लेल
उदाहरण बनऽ चाहलहुँ जाहि सँ अहूँ
सभ तहिना करी। 10अहाँ सभक संग
रहैत हम सभ अहाँ सभ केँ ई आज्ञा
देने छलहुँ जे, “केओ जँ काज नहि
करऽ चाहैत अछि, तँ ओ खयबो नहि
करओ।” 11मुदा हम सभ सुनैत छी जे
अहाँ सभक बीच किछु लोक आलसीक
जीवन व्यतीत कऽ रहल अछि। ओ सभ
स्वयं काज नहि करैत अछि आ दोसराक
काज मे बाधा दैत अछि। 12एहन लोक
सभ केँ हम सभ प्रभु यीशु मसीहक नाम
सँ आज्ञा दैत छिऐक और एहि पर जोर
दऽ कऽ अनुरोध करैत छिऐक जे, ओ
सभ चुप-चाप अपन काज करओ आ
अपन कमाइक रोटी खाओ। 13और यौ
भाइ लोकनि, अहाँ सभ जे छी से सभ
भलाइक काज करऽ सँ नहि थाकू।

14 जँ केओ हमरा सभक एहि पत्र मेहक
आदेशक पालन नहि करैत अछि तँ ओकरा
चिन्हू आ ओकरा सँ कोनो सम्बन्ध नहि
राखू, जाहि सँ ओ अपन आचरण-व्यवहार
सँ लज्जित होअय। 15तैयो ओकरा दुश्मन
नहि बुझिऔक, बल्कि भाय मानि कऽ
समझबिऔक-बुझबिऔक।

नमस्कार आ आशीर्वाद

16 प्रभु यीशु जे शान्तिक स्रोत छथि,
स्वयं अहाँ सभ केँ सदिखन आ सभ तरहेँ
शान्ति देने रहथि। प्रभु अहाँ सभ गोटेक
संग रहथि।

17 आब हम, पौलुस, ई नमस्कार अपने
हाथ सँ लिखैत छी। हमरा अपना हाथ
सँ लिखल नमस्कार सँ हमर सभ चिट्ठी
चिन्हल जा सकैत अछि। हमर अक्षर
एहने होइत अछि।

18 अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
कृपा अहाँ सभ गोटे पर बनल रहय।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तिमुथियुस केँ पौलुसक पहिल पत्र

1 हम पौलुस, जे अपना सभक
उद्धारकर्ता परमेश्वरक आज्ञा सँ,
आ मसीह यीशु जे अपना सभक आशाक
आधार छथि तिनकर आज्ञा सँ, मसीह
यीशुक एक मसीह-दूत छी,
2 से विश्वासक दृष्टि सँ अपन असली
पुत्र तिमुथियुस केँ ई पत्र लिखि रहल छी—
पिता परमेश्वर आ अपना सभक प्रभु,
मसीह यीशु अहाँ पर कृपा आ दया करथि
आ अहाँ केँ शान्ति देथि।

गलत शिक्षाक सम्बन्ध मे चेतावनी

3 जहिना मकिदुनिया प्रदेश जाइत काल
हम अहाँ सँ आग्रह कयने छलहुँ, तहिना
एखनो हमर आग्रह अछि जे अहाँ इफिसुसे
नगर मे रहि जाउ, जाहि सँ ओहिठाम जे
किछु लोक गलत शिक्षा दऽ रहल अछि
तकरा सभ केँ आदेश दिऐक जे ओ
सभ एहन शिक्षा देनाइ बन्द करय, 4 आ
काल्पनिक दन्तकथा सभ और असंख्य
वंशावली सभक चक्कर मे पड़ल नहि
रहय। ओहि सँ मात्र वाद-विवाद बढ़ैत
अछि, ने कि परमेश्वरक काज, जे
विश्वास पर आधारित अछि। 5 हमर एहि
आदेशक लक्ष्य ई अछि जे ओ प्रेम बढ़य
जे शुद्ध मोन, निर्दोष विवेक आ निष्कपट
विश्वास सँ उत्पन्न होइत अछि। 6 किछु
लोक एहि सभ केँ छोड़ि, बाट सँ भटकि
निरर्थक विवादक बात बजैत रहैत अछि।
7 ओ सभ धर्म-नियम सिखाबऽ वला गुरु
बनऽ चाहैत अछि, मुदा जे बात ओ सभ
कहैत अछि और जाहि विषय पर जोर दैत
अछि तकरा अपने नहि बुझैत अछि।
8 अपना सभ जनैत छी जे जँ धर्म-
नियमक उचित उपयोग कयल जाय, तँ ओ
उत्तम वस्तु अछि। 9 एहि पर ध्यान रहय जे
धर्म-नियम* धर्मी लोक सभक लेल नहि,
बल्कि अपराधी और अधीन मे नहि रहऽ
वला, परमेश्वरक डर नहि मानऽ वला
और पापी, नास्तिक और धर्म-विरोधी,
माय-बाबूक हत्या कयनिहार और खूनी,
10 परस्त्रीगमन कयनिहार और समलैंगिक
सम्बन्ध रखनिहार लोक, मनुष्य केँ किनऽ-
बेचऽ वला, झूठ बाजऽ वला और झूठ

1:9 वा, “कोनो नियम”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गवाही देबऽ वला, और ओहि सभ लोकक
लेल अछि जे सभ आरो-आरो तेहन कोनो
काज सभ करैत अछि जे सही सिद्धान्तक
विपरीत अछि। 11सही सिद्धान्त ओ अछि
जे यीशु मसीहक शुभ समाचार सँ मिलैत
अछि—ओ शुभ समाचार जे परमधन्य
परमेश्वरक महिमा केँ प्रगट करैत अछि
आ जकरा सुनयबाक काज हमरा सौंपल
गेल अछि।

पौलुस पर प्रभुक कृपा

12 ई काज करबाक लेल अपना सभक
प्रभु, मसीह यीशु, हमरा सामर्थ्य देलनि। हम
हुनका धन्यवाद दैत छियनि, जे ओ हमरा
विश्वासयोग्य बुझि अपन सेवा मे नियुक्त
कयलनि, 13जखन कि हम पहिने हुनकर
निन्दा करैत छलहुँ, हुनकर लोक केँ सतबैत
छलहुँ आ खुलि कऽ हुनकर अपमान करैत
छलहुँ। मुदा हमरा पर हुनकर दया भेलनि,
कारण, हमरा सँ ओ सभ काज अज्ञानता
आ अविश्वासक दशा मे भेल छल। 14और
देखू, अपना सभक परमेश्वर हमरा पर
असीम कृपा कयलनि और संगे-संग हमरा
ओहि विश्वास आ प्रेम सँ भरि देलनि जे
मसीह यीशु द्वारा भेटैत अछि।

15 ई एक सत्य बात अछि, जकर
विश्वास सभ केँ करबाक चाही—मसीह
यीशु संसार मे पापी सभ केँ बचयबाक
लेल अयलाह। और ओकरा सभ मे सँ
सभ सँ बड़का पापी हम छी। 16मुदा यैह
कारण छल जे हमरा पर मसीह यीशुक
दया भेलनि, जाहि सँ सभ सँ बड़का पापी
पर ओ अपन असीम धैर्य प्रगट करथि,
और एहि तरहेँ बाद मे आबऽ वला ओहि
लोक सभक लेल हम एक उदाहरण
बनिएनि जे सभ हुनका पर विश्वास कऽ
कऽ अनन्त जीवन पौनिहार बनताह।
17युग-युगक राजा, अविनाशी, अदृश्य
और एकमात्र परमेश्वरक सम्मान और
स्तुति युगानुयुग होइत रहनि। आमीन।

शुभ समाचारक नीक लड़ाइ मे लागल रहू

18 यौ हमर प्रिय बालक तिमुथियुस,
बितल समय मे अहाँक बारे मे जे
परमेश्वरक दिस सँ सम्बाद पाओल गेल
छल, तकरे अनुरूप हम अहाँ केँ ई काज
सौंपैत छी, जाहि सँ ओहि सम्बाद सँ प्रेरणा
पाबि अहाँ सत्यताक लेल नीक लड़ाइ
मे लागल रहू। 19विश्वास मे अटल रहू
आ अपन विवेक केँ शुद्ध राखू। एहि दूनू
बात केँ किछु लोक बेकार बुझि अपन
विश्वास केँ नष्ट कऽ लेने अछि। 20ओहि
मे हुमिनयुस आ सिकन्दर अछि। ओकरा
सभ केँ हम शैतानक जिम्मा मे दऽ देने छी,
जाहि सँ ओ सभ ई सिखय जे परमेश्वरक
निन्दा नहि करबाक अछि।

सभक लेल प्रार्थना कयल जाय

2 हम सभ सँ पहिने ई अनुरोध करैत
छी जे, विनती, प्रार्थना, निवेदन आ
धन्यवाद सभ मनुष्यक लेल परमेश्वर लग
चढ़ाओल जाय, 2राजा लोकनि और आरो
सभ अधिकारीक लेल सेहो, जाहि सँ अपना
सभ भक्ति और मर्यादाक संग चैन आ
शान्ति सँ जीवन व्यतीत कऽ सकी। 3एहन
प्रार्थना कयनाइ अपना सभक उद्धारकर्ता
परमेश्वरक दृष्टि मे उत्तम बात अछि, और
एहि सँ हुनका खुशी होइत छनि, 4कारण,
हुनकर इच्छा ई छनि जे, सभ मनुष्य उद्धार
पाबय आ सत्य केँ जानय। 5किएक तँ
परमेश्वर एकेटा छथि और परमेश्वर आ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मनुष्यक बीच मध्यस्थ सेहो एकेटा, अर्थात्
मसीह यीशु, जे स्वयं मनुष्य छथि, 6और
सभ मनुष्यक छुटकाराक मोल चुकयबाक
लेल अपना केँ अर्पित कऽ देलनि। एहि
तरहेँ मनुष्यक सम्बन्ध मे जे परमेश्वरक
इच्छा छनि, ताहि केँ निश्चित कयल समय
पर प्रमाणित कऽ देल गेल। 7हम एही बात
केँ प्रचार करबाक लेल, आ मसीह-दूत
होयबाक लेल नियुक्त कयल गेलहुँ और
गैर-यहूदी सभ केँ विश्वास आ सत्यक
विषय मे सिखयबाक लेल पठाओल गेलहुँ।
हम सत्य कहैत छी, झूठ नहि बजैत छी।

मण्डलीक पुरुष और स्त्रीगण सभक लेल निर्देश

8 एहि लेल हम चाहैत छी जे सभ ठाम
पुरुष सभ, क्रोध आ विवाद मे नहि पड़ि,
अपन निर्दोष हाथ ऊपर उठा कऽ प्रार्थना
करथि।

9 तहिना स्त्रीगण सभ सेहो अपन ओढ़न-
पहिरन वला बात मे मर्यादा आ शालीनताक
ध्यान राखथि। अपन श्रृंगार केशक
सजावट, सोना वा मोतीक गहना और दामी-
दामी वस्त्र सँ नहि, 10बल्कि भलाइक काज
सभ द्वारा करथि। ई बात ओहि स्त्रीगण
सभ केँ शोभा दैत छनि जे सभ अपना केँ
परमेश्वरक भक्तिनि कहैत छथि।

11 स्त्रीगण सभ मण्डलीक सभा मे
शान्त रहि कऽ अधीनताक संग सिखथि।
12हम एहि बातक अनुमति नहि दैत छी जे
स्त्रीगण सभ उपदेश देथि अथवा पुरुष पर
हुकुम चलबथि; हुनका सभ केँ चुप रहबाक
चाहियनि। 13कारण, पहिने आदमक सृष्टि
भेलनि, आ बाद मे हव्वाक। 14दोसर बात,
आदम नहि ठकयलाह, बल्कि हव्वा ठका
कऽ पाप मे पड़ि गेलीह। 15मुदा तैयो जँ
स्त्रीगण सभ शालीनताक संग विश्वास,
प्रेम आ पवित्रता मे स्थिर रहतीह, तँ अपन
मातृत्वक कर्तव्य पूरा करैत उद्धार पौतीह।

मण्डलीक जिम्मेवार लोकनिक लेल निर्देश

3 ई बात एकदम सत्य अछि जे जँ
केओ मण्डली मे जिम्मेवार बनबाक
इच्छा करैत छथि तँ ओ एक उत्तम काज
करऽ चाहैत छथि। 2तेँ ई आवश्यक अछि
जे जिम्मेवार लोक निष्कलंक होथि, हुनका
एकेटा स्त्री होनि, ओ संयमी, विचारवान,
भद्र, अतिथि-सत्कार कयनिहार और शिक्षा
देबऽ मे निपुण होथि । 3ओ शराबी नहि
होथि, आ मारा-मारी करऽ वला नहि, बल्कि
नम्र होथि। ओ झगड़ा कयनिहार वा धनक
लोभी नहि होथि। 4ओ अपन घर-व्यवहार
केँ नीक सँ चलबैत अपन बाल-बच्चा केँ
कहल मे रखैत होथि, और बच्चा सभ
हुनका आदर दैत होनि। 5कारण, जँ केओ
अपने घर-व्यवहार केँ ठीक सँ चलाबऽ नहि
जनैत अछि, तँ ओ परमेश्वरक मण्डलीक
देख-रेख कोना कऽ सकत? 6मण्डलीक
जिम्मेवार व्यक्ति नव विश्वासी नहि
होथि, नहि तँ कतौ एना नहि होअय जे ओ
घमण्ड सँ फुलि कऽ ओहिना दण्ड पयबाक
भागी बनि जाथि जेना शैतान बनल। 7इहो
आवश्यक अछि जे ओ बाहरी लोक, अर्थात्
अविश्वासी सभक मध्य सम्मानित होथि।
कतौ एना नहि भऽ जाय जे ओ अपयशक
पात्र बनि शैतानक जाल मे पड़थि।

मण्डली-सेवक सभक लेल निर्देश

8 तहिना मण्डली-सेवक सभ सेहो नीक
चरित्रक होथि; ओ सभ दुमुहा, शराबी, वा
अनुचित लाभ कमयबाक इच्छुक नहि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

होथि। 9परमेश्वर द्वारा प्रगट कयल सत्य
जाहि पर अपना सभक विश्वास आधारित
अछि, तकरा ओ सभ शुद्ध आ निर्दोष मोन
सँ मानैत होथि। 10पहिने हुनका सभक
जाँच कयल जानि आ हुनका सभक विरोध
मे जँ कोनो बात नहि पाओल जाय, तखन
मण्डली-सेवकक रूप मे काज करथि।

11 एहि तरहेँ हुनका सभक स्त्री
लोकनि* सेहो सभ्य आचरणवाली होथि,
दोसराक निन्दा-शिकायत करऽ वाली
नहि, बल्कि संयमी और सभ बात मे
विश्वासयोग्य होथि।

12 मण्डली-सेवक सभ एकेटा स्त्रीक
पति होथि, और अपन बाल-बच्चा आ
घर-व्यवहार केँ नीक सँ चलबैत होथि।
13मण्डली-सेवक बनि जे सेवक सभ
अपन सेवाक काज ढंग सँ पूरा करैत
छथि, से सभ सम्मान पौताह आ मसीह
यीशु परक जे हुनका सभक विश्वास
छनि, ताहि विषय मे निर्भयतापूर्बक
बजबाक साहस सेहो बढ़तनि।

सत्यक रहस्य महान् अछि

14 हमरा आशा अछि जे हम जल्दी अहाँ
लग आयब, मुदा ई पत्र एहि लेल लिखैत
छी जे, 15जँ हमरा अयबा मे विलम्ब भऽ
जाय, तँ अहाँ एहि बात केँ जानि ली जे
परमेश्वरक परिवार मे लोकक चालि-चलन
केहन रहबाक चाही। परमेश्वरक परिवार
जे अछि, से जीवित परमेश्वरक मण्डलिए
अछि। वैह सत्यक खाम्ह आ न्यो अछि।

16 एहि बात मे सन्देह नहि जे, परमेश्वर
द्वारा प्रगट कयल सत्यक रहस्य महान्
अछि—

ओ मनुष्यक रूप मे प्रगट भेलाह,
पवित्र आत्मा द्वारा सत्य प्रमाणित
भेलाह,
स्वर्गदूत सभ केँ देखाइ देलथिन,
जाति-जाति सभ मे हुनकर प्रचार
भेलनि,
संसार मे हुनका पर विश्वास कयल
गेल,
ओ महिमाक संग स्वर्ग मे उठाओल
गेलाह।

बहकाबऽ वला आत्मा सभक शिक्षा सँ सावधान रहू

4 परमेश्वरक आत्मा स्पष्ट कहैत छथि
जे अन्तिम समय मे एहनो लोक सभ
होयत जे सभ बहकाबऽ वला आत्मा सभ
केँ आ दुष्टात्मा सभक शिक्षा सभ केँ मानि
कऽ विश्वास त्यागि देत। 2एहन शिक्षा
ओहन झूठ बाजऽ वला कपटी लोक द्वारा
आओत जकरा सभक विवेक धिपल लोहा
सँ दगायल जकाँ सुन्न भऽ गेल छैक। 3ओ
सभ विवाह और कोनो-कोनो खयबाक
वस्तु सभ सँ परहेज करबाक शिक्षा दैत
अछि, जखन कि परमेश्वर एहि वस्तु सभक
रचना एहि लेल कयलनि जे, सत्य केँ जानऽ
वला आ विश्वास करऽ वला सभ द्वारा ई
वस्तु सभ धन्यवादक संग ग्रहण कयल
जाय। 4परमेश्वरक सृष्टि कयल प्रत्येक
वस्तु नीक अछि। कोनो वस्तु अस्वीकार
कयल जाय जोगरक नहि होइत अछि, जँ
ओकरा धन्यवादक संग स्वीकार कयल
जाइत छैक तँ, 5कारण, ओ परमेश्वरक
कहल बात द्वारा आ प्रार्थना सँ पवित्र
ठहराओल जाइत अछि।

3:11 वा, “एहि तरहेँ मण्डली-सेविका लोकनि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मसीह यीशुक असली सेवक होउ

6 ई सभ बात विश्‍वासी भाय सभ केँ
अहाँ बुझाउ। एहि तरहेँ अहाँ मसीह यीशुक
असली सेवक बनल रहब—एहन सेवक
जिनकर भरण-पोषण विश्‍वासक सिद्धान्त
सभ सँ आ ओहि नीक शिक्षा सभ सँ भेल
होनि, जकर अहाँ पालन करैत आबि रहल
छी। [7]परमेश्‍वर केँ अपमानित करऽ वला
निरर्थक काल्पनिक कथा-पिहानी सभ सँ
दूर रहू। तकर बदला मे परमेश्‍वर केँ पसन्द
पड़ऽ वला भक्‍तिक जीवनक साधना मे
लीन रहू। [8]शारीरिक साधना सँ किछु लाभ
तँ अछि, मुदा भक्‍ति सँ असीमित लाभ
अछि, किएक तँ ओ जीवनक आश्‍वासन
दैत अछि इहलोक मे सेहो और परलोक
मे सेहो। [9]ई एक सत्य बात अछि, जकर
विश्‍वास सभ केँ करबाक चाही। [10]एहि
कारणेँ अपना सभ परिश्रम करैत छी आ
संघर्ष मे लागल रहैत छी; किएक तँ अपना
सभ अपन आशा जीवित परमेश्‍वर पर
रखने छी, जे सम्पूर्ण मनुष्य जातिक, आ
विशेष रूप सँ विश्‍वासी सभक उद्धारकर्ता
छथि। [11]अहाँ अपना उपदेश मे एही बात
सभक शिक्षा और आदेश दैत रहू।

विश्‍वासी सभक लेल नमूना बनू

12 युवा अवस्थाक कारणेँ केओ अहाँ
केँ तुच्छ नहि बुझओ, बरु बात-चीत,
चालि-चलन, प्रेम, विश्‍वास आ पवित्रता
मे विश्‍वासी सभक लेल अहाँ नमूना
बनू। [13]जाबत धरि हम नहि आयब,
ताबत धरि मण्डली केँ धर्मशास्त्र पढ़ि
कऽ सुनाबऽ मे, विश्‍वासी सभ केँ
उत्साहित करऽ मे, और शिक्षा देबऽ मे
लीन रहू। [14]अहाँ अपन ओहि वरदानक
उपयोग करू, जे अहाँ केँ ओहि समय
मे भविष्यवाणी द्वारा देल गेल जखन
मण्डलीक देख-रेख कयनिहारक
समुदाय अहाँ पर हाथ रखलनि। [15]एहि
बात सभक ध्यान राखू आ पूर्ण रूप सँ
एहि मे लागि जाउ, जाहि सँ सभ लोक
अहाँक आत्मिक उन्‍नति देखि सकय।
[16]अहाँ एहि बात सभ मे दृढ़ बनल रहू।
अहाँ जे करैत छी आ जे सिखबैत छी,
दूनू पर विशेष ध्यान दिअ। एहि तरहेँ
कयला सँ अहाँ अपनो लेल और अहाँक
शिक्षा केँ सुननिहारो सभक लेल उद्धारक
कारण होयब।

मण्डली मे आचार-व्यवहार

सभक सम्बन्ध मे

5 वृद्ध पुरुष सभ केँ डाँटि-डपटि कऽ
नहि, बल्कि हुनका सभ केँ अपन
पिता तुल्य मानि आग्रहपूर्बक समझाउ-
बुझाउ। युवक सभ केँ भाय, [2]वृद्ध
स्त्रीगण सभ केँ माय, आ युवती सभ केँ
बहिन मानि हुनका सभक संग एकदम
पवित्र भावना सँ व्यवहार राखू।

विधवा सभक सम्बन्ध मे

3 ओहन विधवा सभक सम्मान और
सहायता करू जे सभ वास्तव मे निःसहाय
छथि। [4]जँ कोनो विधवा केँ बेटा-बेटी
वा नाति-पोता सभ अछि, तँ ओहि बेटा-
बेटी नाति-पोता सभ केँ सभ सँ पहिने ई
सिखबाक चाही जे माय-बाबू, दाइ-बाबा
सभ जे हमरा सभक पालन-पोषण कयलनि,
तकरा बदला मे हुनका सभक प्रति जे हमर
कर्तव्य अछि, से हुनका सभक देख-रेख
कऽ कऽ हमरा पूरा करबाक अछि। एहन
बात सँ परमेश्‍वर प्रसन्‍न होइत छथि। [5]जे

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

विधवा वास्तव मे निःसहाय छथि, जिनका
केओ देखऽ वला नहि छनि, से परमेश्वर
पर भरोसा राखि राति-दिन हुनका सँ विनती
करैत प्रार्थना मे लागल रहैत छथि। 6मुदा
जे विधवा भोग-विलास मे लिप्त भऽ गेल
अछि, से जीवित होइतो मरल अछि। 7अहाँ
एहि बात सभक सम्बन्ध मे मण्डलीक
लोक सभ कें ई आज्ञा सभ दिऔक, जाहि
सँ एहि क्षेत्र मे ओ सभ निन्दा सँ बाँचल
रहि सकय। 8जे केओ अपन सम्बन्धी
सभक आ विशेष कऽ अपने परिवारक
सदस्य सभक देख-रेख नहि करैत
अछि, से विश्वास त्यागि देने अछि और
अविश्वासिओ सँ भ्रष्ट अछि।

9 जखन ओहि विधवा सभक नाम
लिखऽ लागब, जिनका सभ कें मण्डली
द्वारा मदति भेटबाक चाही, तँ मात्र ओही
विधवा सभक नाम लिखब जे सभ साठि
वर्ष सँ कम वयसक नहि होथि, पतिव्रता
रहल होथि, 10और भलाइक काज
कयनिहारिक रूप मे चिन्हल-जानल
जाइत होथि, अर्थात् अपन बाल-बच्चा
सभक नीक सँ पालन-पोषण कयने होथि,
अतिथि सभक सत्कार कयने होथि,
प्रभुक लोक सभक पयर धोने होथि, दीन-
दुखी सभक सहायता कयने होथि आ
सभ प्रकारक भलाइक काज मे अपना कें
समर्पित कयने होथि।

11 मुदा जबान विधवा सभक नाम
विधवा-सूची मे सम्मिलित नहि कयल
जाय। किएक तँ यीशु मसीहक लेल जे
ओकरा सभक समर्पण अछि ताहि सँ
तेज जखन ओकरा सभक शारीरिक
काम-वासना होमऽ लगैत छैक तँ विवाह
करऽ चाहैत अछि 12और एहि तरहेँ ओ
सभ अपन पहिने कयल प्रतिज्ञा कें तोड़ि
दोषी बनि जाइत अछि। 13एतबे नहि,
समय बरबाद कयनाइ आ अङने-अङने
घुमनाइ ओकरा सभक आदत भऽ जाइत
छैक। एहि तरहेँ ओ सभ मात्र आलसिए
नहि, बल्कि ओहन-ओहन बात बाजि
जे नहि बजबाक चाही, महा बजक्करि,
आ दोसराक काज मे टाँग अड़ौनिहारि
बनि जाइत अछि। 14तेँ हम चाहैत छी जे
जबान विधवा सभ विवाह करय, सन्तान
उत्पन्न करय आ अपन घर-व्यवहार
चलाबय, जाहि सँ विरोधी कें मण्डलीक
निन्दा करबाक अवसर नहि भेटैक,
15कारण, एखनो तँ किछु विधवा भटकि
कऽ शैतानक बाट पर चलि गेल अछि।

16 जँ कोनो विश्वासी स्त्रीगणक
परिवार मे विधवा सभ छथि, तँ ओ
हुनका सभक सहायता करथि। ओहन
विधवाक भार मण्डली पर नहि राखल
जाय, जाहि सँ मण्डली ताहि विधवा
सभक सहायता कऽ सकय जिनका केओ
नहि छनि।

मण्डलीक देख-रेख कयनिहारक सम्बन्ध मे

17 मण्डली कें ठीक प्रकार सँ देख-रेख
कयनिहार अगुआ लोकनि कें दोबर आदर-
सम्मानक योग्य बुझल जानि, विशेष रूप
सँ तिनका सभ कें जे सभ वचनक प्रचारक
काज आ शिक्षा देबऽ वला काज मे परिश्रम
करैत छथि। 18किएक तँ धर्मशास्त्र कहैत
अछि जे, "दाउन करैत बरदक मुँह मे जाबी
नहि लगाउ,"* आ "मजदूर कें मजदूरी

5:18 व्यव 25.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पयबाक अधिकार छैक।"* 19देख-रेख
कयनिहार पर जँ कोनो दोष लगाओल
जाइत अछि, तँ बिनु दू-तीन गवाहक
पुष्टि सँ तकरा स्वीकार नहि करू। 20जे
सभ पाप करैत रहैत अछि, तकरा सभ कैँ
सभक सामने मे डाँटू, जाहि सँ दोसरो लोक
सभ कैँ पाप करऽ सँ डर लगतैक।

21 हम परमेश्वर, मसीह यीशु आ हुनकर
चुनल स्वर्गदूत सभक सामने अहाँ कैँ
स्पष्ट आदेश दैत छी जे, बिना कोनो भेद-
भाव राखि एहि नियम सभक पालन करू।
पक्षपातक भाव सँ किछु नहि करू। 22बिनु
ठीक सँ विचार कयने ककरो पर तुरत हाथ
राखि मण्डलीक सेवा-काज मे नियुक्त नहि
करू। एना नहि होअय जे अनकर पापक
भागी बनी। अपना कैँ पवित्र राखू।

23 आब अहाँ मात्र पानि नहि पिबू, बल्कि
पाचन-शक्तिक लेल आ बारम्बार अस्वस्थ
रहबाक कारणेँ कनेक-कनेक मदिराक
सेवन सेहो करू।

24 किछु लोकक पाप प्रत्यक्ष होइत अछि
और ओ सभ न्यायिक जाँच सँ पहिनहि
दोषी प्रमाणित भऽ जाइत अछि। मुदा किछु
लोकक पाप बादे मे प्रगट होइत अछि।
25तहिना नीक काज सभ सेहो प्रत्यक्ष
देखल जाइत अछि, आ जँ ओ नहिओ प्रगट
भेल तैयो बहुत समय धरि गुप्त नहि रहि
सकत।

दासक सम्बन्ध मे

6 दासत्वक जुआ तर मे जे लोक
सभ अछि से सभ अपन मालिक
कैँ पूर्ण आदरक योग्य बुझय, जाहि
सँ परमेश्वरक नाम आ अपना सभक
शिक्षाक निन्दा नहि होअय। 2जाहि दासक
मालिक प्रभु यीशु पर विश्वास कयनिहार
छथि, से एहि कारणेँ अपन मालिकक
कम आदर नहि करनि जे, ई मालिक
तँ विश्वासक दृष्टिएँ हमर भाये अछि,
बल्कि ओहि मालिक कैँ आओर बढ़ियाँ
सँ सेवा करनि, कारण, जाहि आदमी कैँ
ओकर सेवा सँ लाभ भऽ रहल अछि, से
विश्वासी आ ओकर प्रिय भाय छथि।

अहाँ विश्वासी सभ कैँ एहि बात सभक
शिक्षा दैत रहिऔक, आ ओकरा सभ
सँ आग्रह करैत रहू जे एहि आज्ञा सभक
पालन करओ।

धनक मोह

3 एहि सिद्धान्त सभ सँ हटि कऽ जँ केओ
कोनो आन शिक्षा दैत अछि आ अपना
सभक प्रभु यीशु मसीहक सत्य सिद्धान्त
सभ कैँ नहि मानैत अछि और ओहि शिक्षा
सँ सहमत नहि अछि जे असली भक्ति
उत्पन्न करैत अछि, 4तँ ओ अहंकारी आ
अज्ञानी अछि। ओकरा झगड़ा करबाक
आ शब्द सभक विषय मे निरर्थक वाद-
विवाद करबाक रोग लागल छैक। एहि
प्रकारक वाद-विवाद सँ ईर्ष्या, दुश्मनी,
निन्दा आ दोसर लोक सभ पर अधलाह
सन्देह होमऽ लगैत अछि, 5और ओहन
लोक सभक बीच हरदम झगड़ा होमऽ
लगैत छैक, जकर सभक बुद्धि भ्रष्ट भऽ
गेल छैक, जे सभ सत्य सँ वंचित भऽ गेल
अछि आ जे सभ भक्ति कयनाइ कैँ लाभ
कमयबाक साधन मानैत अछि।

6 भक्ति सँ अवश्य पैघ लाभ होइत
अछि, मुदा तकरे, जे अपन स्थिति सँ

5:18 लूका 10.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सन्तुष्ट रहैत अछि। [7]किएक तँ अपना सभ
एहि संसार मे ने किछु लऽ कऽ आयल छी
आ ने एतऽ सँ किछु लऽ कऽ जायब। [8]तेँ
जँ अपना सभ केँ भोजन आ वस्त्र अछि तँ
ताही सँ सन्तुष्ट रही। [9]मुदा जे केओ धन
जमा करऽ चाहैत अछि, से प्रलोभन मे
पड़ि जाइत अछि और एहन मूर्खतापूर्ण आ
हानिकारक लालसाक जाल मे फँसि जाइत
अछि जे लोक सभ केँ पतन आ विनाशक
खधिया मे खसा दैत छैक। [10]कारण,
धनक लोभ सभ प्रकारक अधलाह बातक
जड़ि अछि। एही लोभ मे पड़ि कऽ कतेको
लोक सत्यक बाट सँ भटकि कऽ अपन
विश्वास त्यागि देने अछि आ अपन मोन केँ
विभिन्न दुःख-कष्ट सँ बेधि लेने अछि।

तिमुथियुसक लेल अन्तिम निर्देश

11 मुदा यौ परमेश्वरक भक्त, अहाँ
एहि सभ बात सँ दूर भागू आ धार्मिकता,
भक्ति, विश्वास, प्रेम, धैर्य आ नम्रताक
साधना मे लागू। [12]विश्वासक नीक
लड़ाइ मे लागल रहू, और ओहि अनन्त
जीवन केँ पकड़ने रहू जे जीवन प्राप्त
करबाक लेल अहाँ बजाओल गेलहुँ आ
जकरा विषय मे अहाँ बहुतो लोकक
समक्ष नीक गवाही देलहुँ।

13 परमेश्वर केँ, जे सभक जीवनदाता
छथि, और मसीह यीशु केँ, जे राज्यपाल
पिलातुसक समक्ष सत्यक नीक गवाही
देलनि, साक्षी राखि कऽ हम अहाँ केँ
आज्ञा दैत छी जे, [14]जा धरि अपना
सभक प्रभु यीशु मसीह फेर नहि आबि
जयताह, ता धरि निष्कलंक और निर्दोष
रहि कऽ अहाँ केँ जे जिम्मेवारी देल गेल
अछि तकरा पूरा करू। [15]प्रभु यीशु मसीह
केँ वैह उचित समय पर प्रगट करथिन
जे परमधन्य परमेश्वर और एकमात्र
शासक छथि। ओ राजा सभक राजा आ
प्रभु सभक प्रभु छथि। [16]ओ अमरताक
एकमात्र स्रोत छथि और ओहन इजोत मे
वास करैत छथि जकरा लग मे केओ जा
नहि सकैत अछि। हुनका कोनो मनुष्य
ने कहियो देखने छनि आ ने देखि सकैत
छनि। ओही परम परमेश्वरक सम्मान और
सामर्थ्य अनन्त काल धरि रहनि। आमीन।

17 एहि वर्तमान संसारक चीज-वस्तुक
दृष्टिकोण सँ जे सभ धनिक अछि, तकरा
सभ केँ आज्ञा दिऔक जे ओ सभ अहंकारी
नहि बनय। ओ सभ धन-सम्पत्ति पर नहि,
जे जल्दी सँ समाप्त होइत अछि, बल्कि
परमेश्वर पर भरोसा राखय, जे अपना
सभ केँ आनन्दित रहबाक लेल सभ वस्तु
पर्याप्त मात्रा मे दैत छथि। [18]ओ सभ
नीक काज करैत रहय, भलाइक काज
सभ करऽ मे धनिक बनय, कंजूस नहि
रहय, और दोसराक सहायता करबाक
लेल सदिखन तत्पर रहय। [19]एहि तरहेँ
ओ सभ अपना लेल एहन पूजी लगाओत
जे भविष्यक एक उत्तम आधार रहतैक,
जकरा द्वारा ओ सभ ओ जीवन प्राप्त
करत जे वास्तविक जीवन अछि।

20 यौ तिमुथियुस, अहाँक जिम्मा
मे जे देल गेल अछि तकर रक्षा करू।
परमेश्वर केँ अपमानित करऽ वला
निरर्थक बकवाद, और सत्यक विरोधी
“ज्ञान”क शिक्षा, जे ज्ञान तँ कहबैत
अछि मुदा अछि नहि, ताहि सँ दूर रहू।
[21]किएक तँ कतेको लोक एहि “ज्ञान” केँ
स्वीकार कऽ विश्वासक मार्ग सँ भटकि
गेल अछि।

अहाँ सभ पर परमेश्वरक कृपा बनल
रहओ।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तिमुथियुस कैँ पौलुसक दोसर पत्र

1 हम, पौलुस, जे परमेश्वरक इच्छा सँ आ एहि उद्देश्य सँ मसीह यीशुक एक मसीह-दूत छी जे हम ओहि जीवनक प्रचार करी जाहि जीवनक सम्बन्ध मे परमेश्वर वचन देने छथि, आ जे मसीह यीशु सँ भेटैत अछि,
2 अपन प्रिय बालक तिमुथियुस कैँ ई पत्र लिखि रहल छी।

पिता परमेश्वर आ अपना सभक प्रभु, मसीह यीशु अहाँ पर कृपा आ दया करथि आ अहाँ कैँ शान्ति देथि।

विश्वासयोग्य रहबाक लेल प्रोत्साहन

3 हम दिन-राति लगातार अपना प्रार्थना सभ मे अहाँ कैँ स्मरण कऽ कऽ परमेश्वर कैँ धन्यवाद दैत छियनि, जिनकर सेवा, जहिना हमर पुरखा सभ कयलनि, तहिना
हमहूँ शुद्ध मोन सँ करैत छी। 4 हमरा जखन अहाँक आँखिक नोर स्मरण होइत अछि, तँ हमरा बड्ड इच्छा होइत अछि जे अहाँ सँ फेर भेँट करी आ भेँट कऽ कऽ बड़का
आनन्द प्राप्त करी। 5 अहाँक निष्कपट विश्वास कैँ सेहो हम स्मरण करैत छी। ई विश्वास सभ सँ पहिने अहाँक नानी लोइस आ अहाँक माय यूनिके मे छल और हमरा पूर्ण भरोसा अछि जे आब अहूँ मे अछि।
6 तेँ हम अहाँ कैँ मोन पाड़ैत छी जे ओहि वरदान कैँ क्रियाशील करू, जे परमेश्वर अहाँ कैँ ताहि समय मे देलनि जखन अहाँ पर हम अपन हाथ रखलहुँ।
7 परमेश्वर तँ अपना सभ कैँ डरपोकक आत्मा नहि, बल्कि सामर्थ्य, प्रेम आ आत्मसंयमक आत्मा प्रदान कयने छथि।
8 एहि लेल अहाँ ने तँ अपना सभक प्रभुक साक्षी देबऽ सँ लाज मानू, आ ने तँ हमरा कारणेँ लाजक अनुभव करू, जे हम प्रभुक लेल जहल मे बन्दी छी, बल्कि परमेश्वरक देल सामर्थ्य सँ बल पाबि प्रभु यीशु मसीहक सुसमाचारक लेल
हमरा संग कष्ट सहू। 9 कारण, परमेश्वर अपना सभक उद्धार कयलनि आ अपना सभ कैँ पवित्र जीवन बितयबाक लेल बजौलनि। ई उद्धार अपना सभक कयल काजक कारणेँ नहि, बल्कि हुनकर अपन उद्देश्य आ कृपाक कारणेँ भेल। हुनकर ओ कृपा मसीह यीशुक माध्यम सँ संसारक सृष्टि सँ पहिने अपना सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पर कयल गेल छल, 10मुदा आब आबि
कऽ अपना सभक उद्धारकर्ता मसीह
यीशुक अयनाइ द्वारा स्पष्ट रूप सँ
देखाइ देलक अछि। प्रभु यीशु मसीह
मृत्युक विनाश कयलनि और अपन
सुसमाचारक माध्यम सँ एहि बात केँ
प्रकाश मे अनने छथि जे जीवन और
अमरत्व पयबाक बाट की अछि। 11हम
एही सुसमाचारक लेल प्रचारक, मसीह-
दूत आ शिक्षक नियुक्त कयल गेल छी।

12 एही कारणेँ हम एतऽ ई कष्ट सहि
रहल छी, मुदा हम एहि सँ लज्जित
नहि छी, कारण, हम जनैत छी जे हम
किनका पर विश्वास कयने छी और
हमरा कनेको सन्देह नहि अछि जे, जे
किछु हम हुनका रखबाक लेल सौंपि
देने छियनि, तकरा ओ अपन अयबाक
दिन तक सुरक्षित राखऽ मे सामर्थ्यवान
छथि। 13जे शिक्षा अहाँ हमरा सँ पौने
छी, तकरा सही शिक्षाक नमूना मानि,
मसीह यीशु सँ प्राप्त विश्वास आ प्रेम
मे स्थिर रहि कऽ लोक सभ केँ सिखाउ।
14और पवित्र आत्मा, जे अपना सभ मे
वास करैत छथि, तिनका सहायता सँ,
उत्तम धनक रूप मे जे शुभ समाचार
अहाँक जिम्मा मे देल गेल अछि, तकरा
सुरक्षित राखू।

15 अहाँ जनैत छी जे आसिया प्रदेशक
सभ केओ हमर संग छोड़ि देलक अछि,
जाहि मे फुगिलुस और हिरमुगिनेस सेहो
अछि। 16उनेसिफुरुसक घरक लोक सभ
पर परमेश्वर अपन दया कयने रहथुन,
कारण, ओ कतेको बेर हमर उत्साह
बढ़ौलनि और हमर एहि जंजीर सभ सँ
लज्जित नहि भेलाह, 17बल्कि रोम पहुँचि
कऽ हमर पता लगयबाक लेल बहुतो
कष्ट उठौलनि आ हमरा सँ भेँट कयलनि।
18प्रभु करथि जे हुनकर अपन अयबाक
दिन मे उनेसिफुरुस परमेश्वरक दया
पबथि। ओ इफिसुस मे हमर जे-जतेक
सेवा कयलनि से अहाँ नीक जकाँ जनैत
छी।

कष्ट उठयबाक लेल तैयार रहू

2 एहि लेल, यौ हमर बालक, अहाँ
मसीह यीशुक कृपा द्वारा बलवन्त
होइत जाउ, 2और जे बात सभ अहाँ
बहुत गवाह सभक समक्ष हमरा सँ सुनने
छी, तकरा एहन विश्वासयोग्य लोक
सभक जिम्मा मे सौंपि दिऔन जे सभ
दोसरो लोक सभ केँ सिखाबऽ मे सक्षम
होथि। 3मसीह यीशुक एक नीक सैनिक
जकाँ कष्ट उठाबऽ मे हमरा सभक संग
सहभागी होउ। 4जे सैनिक युद्ध मे जाइत
अछि, से अपना केँ संसारक झंझटि मे
नहि फँसबैत अछि जाहि सँ ओ अपन
सेनापति केँ प्रसन्न कऽ सकय। 5एहि तरहेँ
कोनो खेलाड़ी जँ खेल-कुदक नियमक
अनुसार नहि खेलत तँ ओ पुरस्कार नहि
पाबि सकत। 6जे किसान पसेना बहा कऽ
परिश्रम करैत अछि, तकरे सभ सँ पहिने
फसिलक हिस्सा पयबाक अधिकार
छैक। 7अहाँ हमर एहि बात सभ पर नीक
सँ विचार करू, कारण, ई सभ बात पूर्ण
रूप सँ बुझऽ मे प्रभु अहाँक सहायता
करताह।

8 यीशु मसीह केँ स्मरण राखू, जे
दाऊदक वंश मे जन्म लेने छलाह आ
जे मृत्यु सँ जिआओल गेल छथि। हम
जे सुसमाचार सुनबैत छी, से यैह बात
सिखबैत अछि। 9एही सुसमाचारक
लेल हम दुःख भोगि रहल छी—एतऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तक जे अपराधी जकाँ जहल मे बन्दी
छी, मुदा परमेश्‍वरक वचन केँ बन्दी नहि
बनाओल जा सकैत अछि। 10तेँ हम ई
सभ कष्‍ट तिनका सभक हितक लेल
धैर्यपूर्बक सहि लैत छी, जिनका सभ
केँ परमेश्‍वर चुनने छथि, जाहि सँ ओहो
सभ मसीह यीशु द्वारा उद्धार प्राप्‍त करथि
आ तकरा संग अनन्तकालीन महिमा मे
सहभागी होथि।

11 ई बात एकदम सत्य अछि जे,

जँ हम सभ हुनका संग मरि गेल छी,
तँ हुनका संग जीवन सेहो पायब।
12 जँ हम सभ धैर्यपूर्बक कष्‍ट सहब
तँ हुनका संग राज्य सेहो करब।
जँ हम सभ हुनका अस्वीकार
करबनि
तँ ओहो हमरा सभ केँ अस्वीकार
करताह।
13 जँ हम सभ अविश्‍वास करब,
तैयो ओ विश्‍वासयोग्य बनल
रहताह,
किएक तँ ओ अपन स्वभावक
विरुद्ध नहि जा सकैत छथि।

परमेश्‍वरक ग्रहणयोग्य व्यक्‍ति बनू

14 ई बात सभ अहाँ लोक सभ केँ
स्मरण करबैत रहिऔक। ओकरा सभ
केँ परमेश्‍वरक समक्ष चेतावनी दिऔक
जे ओ सभ शब्द सभक विषय मे
निरर्थक वाद-विवाद नहि करय। एहि
सँ सुनऽ वला सभ केँ कोनो लाभ नहि,
मात्र नोकसाने होइत छैक। 15अहाँ
अपना केँ परमेश्‍वर द्वारा ग्रहणयोग्य
व्यक्‍तिक रूप मे परमेश्‍वरक समक्ष
प्रस्तुत करबाक पूरा प्रयत्‍न करू,
अर्थात् एहन कार्यकर्ताक रूप मे जकरा
लज्जित होयबाक कोनो कारण नहि
होइक और जे सत्यक सिद्धान्त ठीक
सँ सिखबैत होअय। 16परमेश्‍वर केँ
अपमानित करऽ वला निरर्थक बकवाद
सँ दूर रहू, किएक तँ ओहन बकवाद
करऽ वला लोक सभ आरो अधार्मिक
भऽ जाइत अछि, 17और ओकरा सभक
शिक्षा घावक सरनि जकाँ आरो पसरि
जाइत अछि। हुमिनयुस और फिलेतुस
एहने शिक्षा देनिहार लोक सभ अछि।
18ओ सभ सत्य सँ दूर भटकि कऽ ई
कहैत अछि जे, मनुष्य सभक मृत्यु मे
सँ जीबि उठनाइ वला बात जे अछि, से
भऽ चुकल अछि, और एहि तरहेँ ओ सभ
किछु लोक सभक विश्‍वास केँ बिगाड़ि
रहल अछि। 19मुदा जे न्यो परमेश्‍वर
रखने छथि से पक्‍का आ अटल अछि
और ओहि पर एहि शब्द मे हुनकर छाप
लागल अछि, “प्रभु अपना लोक सभ केँ
चिन्हैत छथि,” आ “प्रत्येक व्यक्‍ति जे
अपना केँ प्रभुक लोक कहैत अछि से
अधर्मक काज केँ छोड़ि दअय।”

20 कोनो बड़का घर मे मात्र सोने आ
चानीक बर्तन नहि होइत अछि, बल्कि
काठ आ माटिक बर्तन सेहो होइत
अछि। एहि मे सँ किछु विशेष काजक
लेल प्रयोग होइत अछि और किछु दुषित
काजक लेल। 21तेँ जँ केओ अपना केँ
दुषित वला बात सभ सँ शुद्ध करत तँ
ओ विशेष काजक लेल प्रयोग होयबाक
जोगरक पात्र होयत। ओ पवित्र भऽ अपन
मालिकक लेल उपयोगी बनत, और
कोनो नीक काज करबाक लेल तैयार
रहत।

22 जवानीक अधलाह लालसा सभ
सँ दूर भागू और ओहन लोक जे सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

निष्कपट हृदय सँ प्रभु सँ प्रार्थना करैत
छथि, तिनका सभक संग अहूँ धार्मिकता,
विश्वास, प्रेम आ शान्तिक जीवन
बितौनाइ अपन लक्ष्य बनाउ। 23निरर्थक
आ उटपटाँग विवाद सभ मे नहि पड़ू।
अहाँ जनैत छी जे एहि सभ सँ लड़ाइ-
झगड़ा उत्पन्न होइत अछि। 24ई जरूरी
अछि जे प्रभुक सेवक लड़ाइ-झगड़ा मे
नहि पड़थि, बल्कि सभ पर दया करथि।
ओ योग्य शिक्षक होथि आ सहनशील
होथि। 25ई जरूरी अछि जे ओ विरोध
कयनिहार सभ केँ नम्रतापूर्बक बुझबथि,
ई आशा राखि जे परमेश्वर ओकरा सभ
केँ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ
हृदय-परिवर्तन करबाक आ सत्य केँ
चिन्हि सकबाक बुद्धि देथिन, 26जाहि
सँ ओ सभ होश मे आबि शैतानक ओहि
फाँस सँ निकलि जाय, जाहि मे फँसा कऽ
शैतान ओकरा सभ सँ अपन इच्छा पूरा
करयबाक लेल ओकरा सभ केँ अपन
गुलाम बना लेने छैक।

अन्तिम दिन सभ मे अधर्मक वृद्धि

3 मुदा अहाँ ई निश्चित रूप सँ
जानि लिअ जे अन्तिम दिन सभ
मे संकटपूर्ण समय आओत। 2किएक तँ
लोक स्वार्थी, धनक लोभी, अहंकारी,
उदण्ड, परमेश्वरक निन्दा कयनिहार
होयत। माय-बाबूक आज्ञा नहि मानत,
धन्यवाद देबाक भावना नहि राखत,
आ परमेश्वर सँ ओकरा सभ केँ कोनो
मतलब नहि रहतैक। 3ओकरा सभ मे ने
स्नेह रहत आ ने ककरो लेल दया, ओ
सभ दोसराक निन्दा कयनिहार होयत,
अपना पर काबू नहि राखत, आ क्रूर
होयत। जे किछु नीक अछि, ताहि सँ
घृणा करत। 4ओ सभ विश्वासघाती,
दुःसाहसी आ घमण्डी होयत। परमेश्वर
सँ प्रेम करबाक बदला मे भोग-विलास
सँ प्रेम करत। 5ओ सभ भक्तिक ढोङ
रचत मुदा भक्तिक भितरी शक्ति केँ
अस्वीकार करत। अहाँ एहन लोक सभ
सँ हटि कऽ रहू।

6एहन लोक सभ कोनो बहाना सँ
लोकक घर मे ढुकि कऽ ओहन कमजोर
स्त्रीगण सभ केँ अपना वश मे कऽ लैत
अछि जे सभ पापक बोझ सँ पिचायल
अछि और अनेक प्रकारक अधलाह
इच्छा सभक नियन्त्रण मे अछि। 7एहन
स्त्रीगण सभ सदिखन किछु सिखैत तँ
अछि, मुदा सत्यक ज्ञान तक कहियो नहि
पहुँचैत अछि। 8जहिना यन्नेस आ यम्ब्रेस
मूसाक विरोध कयलक, तहिना इहो
लोक सभ सत्यक विरोध करैत अछि।
एकरा सभक बुद्धि भ्रष्ट भऽ गेल छैक
और एकरा सभक विश्वास नकली छैक।
9मुदा ई सभ बेसी आगाँ नहि बढ़ि सकत,
किएक तँ मूसाक विरोध कयनिहार जकाँ
एकरो सभक मूर्खता सभक सामने मे
देखार भऽ जयतैक।

परमेश्वरक वचन अहाँ केँ सत्यक बाट पर स्थिर राखत

10मुदा अहाँ जे छी, हमर शिक्षा,
चालि-चलन, उद्देश्य, विश्वास, धैर्य, प्रेम
और सहनशीलता सँ नीक जकाँ परिचित
छी। 11अहाँ जनैत छी जे अन्ताकिया,
इकुनियुम और लुस्त्रा नगर सभ मे हमरा
पर केहन-केहन अत्याचार भेल आ हमरा
केहन कष्ट उठाबऽ पड़ल। हम कतेक
अत्याचार सहलहुँ! मुदा परमेश्वर सभ
मे हमर रक्षा कयलनि। 12ई निश्चित

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अछि जे, जे सभ मसीह यीशुक लोक
बनि भक्तिपूर्ण जीवन बिताबऽ चाहत
तकरा सभ केँ अत्याचारक सामना करहे
पड़तैक। 13मुदा दुष्ट और ढोङी लोक
दोसरा केँ धोखा दैत आ स्वयं धोखा
खाइत दुष्ट स्वभाव मे बढ़िते जायत।

14 परन्तु अहाँ जे छी, अहाँ केँ जे शिक्षा
देल गेल अछि आ जाहि बात पर अहाँ
विश्वास कयने छी, ताहि पर अटल रहू।
स्मरण राखू जे अहाँ किनका सभ सँ ई
सभ बात सिखने छी। 15मोन राखू जे
अहाँ बचपने सँ ओहि पवित्र धर्मशास्त्रक
जानकार छी जे अहाँ केँ बुद्धि दऽ सकैत
अछि, आ से बुद्धि अहाँ केँ ओहि मुक्ति मे
पहुँचबैत अछि जे मसीह यीशु पर विश्वास
कयला सँ प्राप्त होइत अछि। 16सम्पूर्ण
धर्मशास्त्र परमेश्वरक प्रेरणा द्वारा रचल
गेल अछि, आ सत्य सिखयबाक लेल,
गलत शिक्षा देखार करबाक लेल, जीवन
केँ सुधारबाक लेल आ धार्मिकताक
अनुसार जीवन कोना बिताओल जाय
ताहि बातक शिक्षा देबाक लेल उपयोगी
अछि, 17जाहि सँ धर्मशास्त्रक प्रयोग
द्वारा परमेश्वरक भक्त सुयोग्य भऽ हर
प्रकारक नीक काज कुशलतापूर्बक कऽ
सकय।

4 परमेश्वरक सामने आ मसीह
यीशुक सामने, जे मरल सभक
आ जीवित सभक न्याय करताह, हम
अहाँ केँ आज्ञा दैत छी। हम ई आज्ञा
मसीह यीशुक फेर अयनाइ आ हुनकर
राज्य केँ ध्यान मे राखि कऽ दैत छी
जे, 2परमेश्वरक वचनक प्रचार करू,
समय-असमय एहि मे लागल रहू। पूरा-
पूरी धैर्य राखि शिक्षा दऽ कऽ लोक सभ
केँ समझाउ-बुझाउ, चेतावनी दिअ, आ
हिम्मत बढ़ाउ। 3किएक तँ एहन समय
आबि रहल अछि जखन लोक सभ सही
शिक्षाक बात सुनब बरदास्त नहि करत,
बल्कि अपना इच्छाक अनुसार अपना
चारू कात तेहन शिक्षक सभक भीड़
जमा करत जे ओकरा सभ केँ वैह बात
सुनौतैक जे ओ सभ सुनऽ चाहैत अछि।
4ओ सभ सत्य केँ सुनऽ काल मे कान
मुनि लेत आ कपोल-कल्पित खिस्सा-
पिहानीक पाछाँ दौड़त। 5मुदा अहाँ
प्रत्येक परिस्थिति मे सचेत होउ, कष्ट
उठाउ, सुसमाचार-प्रचारक काज मे
लागल रहू आ अपन सेवा-काजक सभ
कर्तव्य पूरा करू।

पौलुसक दिस सँ किछु अन्तिम निवेदन, सल्लाह और नमस्कार

6 कारण, हम आब बलि कयल जाय
वला छी। हमर चलि जयबाक समय
आबि गेल अछि। 7हम नीक लड़ाइ
लड़ि लेलहुँ, अपन दौड़ पूरा कऽ लेलहुँ
और अपन विश्वास पर अटल रहलहुँ।
8आब हमरा लेल पुरस्कार राखल
अछि—धार्मिकताक ओ मुकुट जकरा
उचित न्याय कयनिहार न्यायाधीश, प्रभु,
हमरा ताहि दिन देताह जहिया ओ फेर
औताह, और से मात्र हमरेटा नहि, बल्कि
ओहि सभ लोक केँ जे सभ प्रेमपूर्बक
हुनकर अयबाक दिनक प्रतीक्षा कऽ रहल
अछि।

9 हमरा लग जल्दी अयबाक प्रयत्न
करू, 10किएक तँ देमास एहि संसारक
मोह मे फँसि कऽ हमरा छोड़ि देलक
आ थिसलुनिका चल गेल अछि।
क्रेसकेंस गलातिया गेल छथि आ
तीतुस दलमतिया। 11मात्र लूका हमरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लग छथि। मरकुस केँ अपना संग लेने अयबनि, कारण, हमरा सेवा-काज करऽ मे हुनका सँ बहुत सहायता भेटैत अछि। [12]हम तुखिकुस केँ इफिसुस पठौने छियनि। [13]अहाँ जखन आयब तँ हमर कम्बल जकरा हम त्रोआस मे करपुसक ओतऽ छोड़ने छलहुँ, आ पोथी सभ, खास कऽ चमड़ा वला पोथी सभ, लेने आयब।

14 सिकन्दर सोनार हमरा बहुत हानि पहुँचौलक। प्रभु ओकरा ओकर काजक फल देथिन। [15]ओकरा सँ अहूँ सावधान रहू, किएक तँ ओ हमरा सभक उपदेश सभक घोर विरोध कयलक।

16 पहिल बेर जखन हमरा कचहरी मे अपन सफाइ देबऽ पड़ल तँ केओ हमर संग नहि देलक, सभ केओ हमरा छोड़ि देलक। प्रभु करथि जे ओकरा सभ केँ एहि बातक लेखा नहि देबऽ पड़ैक! [17]मुदा प्रभु हमरा संग रहलाह आ हमरा सामर्थ्य देलनि, जाहि सँ सभ जातिक लोक केँ हम हुनकर शुभ समाचार पूर्ण रूप सँ सुना सकिऐक। एहि तरहेँ हम "सिंहक मुँह" सँ बचाओल गेलहुँ। [18]प्रभु हमरा दुष्ट सभक हर षड्यन्त्र सँ बचौताह आ अपन स्वर्गीय राज्य मे सुरक्षित लऽ जयताह। हुनकर गुणगान युगानुयुग होइत रहनि। आमीन।

19 प्रिस्किला* और अक्विला केँ आ उनेसिफुरुसक घरक सभ लोक केँ हमर नमस्कार कहिऔन। [20]इरास्तुस कोरिन्थ नगर मे रहि गेलाह और त्रोफिमुस केँ हम मिलेतुस नगर मे बिमार छोड़ि आयल छी। [21]जाड़ शुरू होयबा सँ पहिने चल अयबाक प्रयत्न करू। यूबुलुस, पुदेंस, लिनुस, क्लौदिया और अन्य सभ भाय लोकनि अहाँ केँ नमस्कार कहैत छथि।

22 प्रभु अहाँक आत्माक संग रहथि। अहाँ सभ पर हुनकर कृपा बनल रहय।

4:19 मूल मे "प्रिस्का", जे "प्रिस्किला" नामक एक रूप अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तीतुस केँ पौलुसक पत्र

1 हम, पौलुस, जे परमेश्वरक दास
आ यीशु मसीहक एक मसीह-
दूत छी, ई पत्र लिखि रहल छी। हमरा
एहि लेल पठाओल गेल जे परमेश्वरक
चुनल लोक सभ केँ सही बात पर
विश्वास करऽ मे मजगूत करी आ
सत्यक ओ ज्ञान सिखाबी जे भक्तिक
अनुसार आचरण-व्यवहार उत्पन्न करैत
अछि। 2ओ विश्वास आ ज्ञान अनन्त
जीवन पयबाक आशाक आधार अछि।
परमेश्वर, जे कहियो झूठ नहि बजैत
छथि, से संसारक सृष्टि सँ पहिनहि ई
अनन्त जीवन देबाक वचन देने छथि,
3और आब निर्धारित समय पर ओ अपन
वचन सुसमाचारक प्रचार द्वारा प्रगट कऽ
देलनि। ई प्रचारक काज अपना सभक
उद्धारकर्ता परमेश्वरक आज्ञा द्वारा हमरा
सौंपि देल गेल अछि। 4हम ई पत्र हमरा
संग एके विश्वास मे सहभागिताक दृष्टि
सँ अपन असली पुत्र तीतुस केँ लिखि
रहल छी।

पिता परमेश्वर आ अपना सभक
उद्धारकर्ता मसीह यीशु अहाँ पर कृपा
करथि आ अहाँ केँ शान्ति देथि।

मण्डलीक देख-रेख कयनिहार सभक योग्यता

5हम अहाँ केँ क्रेत द्वीप मे एहि लेल छोड़ि
अयलहुँ जे ओतुक्का बाँकी बात सभ केँ
सुधारू आ जहिना हम अहाँ केँ सिखौने
छलहुँ तहिना प्रत्येक नगर मे मण्डलीक
देख-रेख कयनिहार सभ केँ नियुक्त करू।
6ई आवश्यक अछि जे मण्डलीक देख-रेख
कयनिहार निष्कलंक होथि, हुनका एकेटा
स्त्री होनि, हुनकर बाल-बच्चा प्रभु पर
विश्वास करैत होअय आ ओकरा सभ पर
बदमास वा बेकहल होयबाक आरोप नहि
लगाओल जा सकय। 7किएक तँ जखन
परमेश्वरक काज हुनका हाथ मे सौंपल गेल
अछि तँ मण्डलीक जिम्मेवार केँ निष्कलंक
होयब आवश्यक अछि। ओ जिद्दी, क्रोधी,
शराबी, मारा-मारी कयनिहार आ अनुचित
लाभ कमयबाक इच्छुक नहि होथि।
8बल्कि ओ अतिथि-सत्कार कयनिहार,
नीक बात सँ प्रेम कयनिहार, विचारवान,
न्यायी, पवित्र चरित्रक आ संयमी होथि।
9ओ विश्वसनीय वचनक ताहि रूप पर
दृढ़ रहथि जाहि रूप मे ओ वचन हुनका

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सिखाओल गेलनि, जाहि सँ ओ सही
सिद्धान्तक अनुसार लोक केँ शिक्षा दऽ
सकथि आ तकर विरोधी सभ केँ निरुत्तर
कऽ सकथि।

सत्य केँ बिगाड़ऽ वला सभक सम्बन्ध मे कड़ा चेतावनी

10 कारण, बहुत एहन लोक अछि
जे बेकहल, बक-बक कयनिहार आ
धोखेबाज अछि, विशेष रूप सँ खतना
प्रथाक कट्टर समर्थक यहूदी सभ मे।
11एकरा सभक मुँह बन्द कयनाइ
आवश्यक अछि, किएक तँ एहन लोक
नीच लक्ष्य सँ अपने लाभक लेल अनुचित
बात सभ सिखा कऽ घरक-घर बिगाड़ि
रहल अछि। 12क्रेत वासी सभक अपनो
एक भविष्यवक्ता कहने छथि जे, “क्रेत
वासी सभ हरदम झूठ बजैत अछि,
मरखाह जानबर आ आलसी पेटाह अछि।”
13ओकरा सभक विषय मे कहल ई गवाही
सत्य अछि। एहि लेल अहाँ ओकरा सभ केँ
कड़ा चेतावनी दिऔक जाहि सँ ओकरा
सभक विश्वास सही शिक्षा पर आधारित
भऽ जाइक, 14आ ओ सभ यहूदी सभक
मनगढ़न्त कथा-पिहानी पर और सत्य
केँ अस्वीकार करऽ वला लोक सभक
विभिन्न नियम सभ पर ध्यान नहि दिअय।

15 शुद्ध मोनक लोकक लेल सभ वस्तु
शुद्ध अछि मुदा जे सभ भ्रष्ट भेल अछि
आ प्रभु पर विश्वास नहि करैत अछि,
तकरा सभक लेल कोनो वस्तु शुद्ध नहि,
कारण ओकरा सभक मोन आ विवेक
दूनू दुषित भऽ गेल छैक। 16ओ सभ
अपना केँ परमेश्वर केँ जननिहार तँ कहैत
अछि, मुदा अपना व्यवहार द्वारा हुनका
अस्वीकार करैत अछि। ओ सभ घृणित
अछि, आज्ञा उल्लंघन कयनिहार अछि
और कोनो प्रकारक नीक काज करबाक
जोगरक नहि अछि।

सही आचरणक आधार सही शिक्षा

2 मुदा अहाँ सही शिक्षाक अनुकूल जे
बात अछि सैह सिखाउ। 2वृद्ध पुरुष
सभ केँ सिखबिऔन जे ओ सभ संयमी,
गम्भीर आ विचारवान होथि तथा सही
विश्वास, प्रेम आ धैर्य मे स्थिर। 3एही तरहेँ
बुढ़ि स्त्रीगण सभ केँ सिखबिऔन जे हुनका
सभक चालि-चलन प्रभुक श्रद्धा मानऽ वला
लोकक अनुरूप होनि। ओ सभ दोसराक
निन्दा-शिकायत नहि करथि आ शराबी नहि
होथि, बल्कि नीक बात सिखौनिहारि होथि,
4जाहि सँ ओ सभ जबान स्त्रीगण सभ केँ
सिखा सकथि जे ओ सभ अपना पति आ
बच्चा सभ सँ प्रेम करथि, 5आ विचारशील,
पवित्र, कुशल गृहणी आ दयालु होथि, और
अपन पतिक अधीन रहथि जाहि सँ हुनका
सभक व्यवहारक कारणेँ केओ परमेश्वरक
वचनक निन्दा नहि करय।

6 तहिना युवक सभ केँ सेहो विचार-
वान होयबाक लेल समझबिऔक-
बुझबिऔक। 7अहाँ स्वयं प्रत्येक बात मे
नीक व्यवहार द्वारा नमूना बनू। अहाँ शुद्ध
मोन सँ आ गम्भीरता सँ शिक्षा दिअ—
8एहन सही सिद्धान्तक शिक्षा दिअ जकर
आलोचना नहि कयल जा सकत जाहि
सँ कोनो बातक विषय मे अपना सभक
निन्दा करबाक अवसर नहि पयबाक
कारणेँ विरोधी सभ लज्जित भऽ जाय।

9 गुलाम सभ केँ सिखबिऔक जे ओ
सभ प्रत्येक बात मे अपन मालिकक
अधीन रहय, मालिक केँ प्रसन्न राखय आ
बिनु मुँह लगबैत अपन मालिकक आज्ञाक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पालन करय, 10चोरी-चपाटी नहि करय,
बल्कि स्पष्ट सँ देखाबय जे ओ पूर्ण रूप
सँ इमानदार अछि जाहि सँ सभ बात मे ओ
सभ अपना सभक उद्धारकर्ता परमेश्वरक
शिक्षाक शोभा बढ़बय।

11 किएक तँ परमेश्वरक कृपा सभ
मनुष्यक उद्धारक लेल प्रगट भेल अछि।
12ई कृपा अपना सभ कैँ ई सिखबैत अछि
जे अधर्म आ सांसारिक अभिलाषा सभ
कैँ त्यागि कऽ एहि संसार मे विचारवान
भऽ कऽ और उचित व्यवहार कऽ कऽ
एहन जीवन व्यतीत करी जकरा सँ
परमेश्वर प्रसन्न होथि। 13कारण, अपना
सभ ओहि दिनक बाट तकैत छी जहिया
अपना सभक आनन्दपूर्ण आशा पूरा भऽ
जायत, अर्थात्, जहिया अपना सभक
महान् परमेश्वर आ उद्धारकर्ता, यीशु
मसीह, महिमाक संग प्रगट होयताह।
14ओ वैह छथि जे अपना कैँ अर्पित कऽ
देलनि जाहि सँ ओ अपना सभ कैँ सभ
प्रकारक दुष्कर्म सँ छुटकारा देबाक मोल
चुकबथि आ अपना सभ कैँ शुद्ध कऽ
कऽ ओ अपना लेल एहन प्रजा बनबथि
जे हुनकर अपन निज लोक होनि और
नीक काज करबाक लेल सदत उत्सुक
रहनि।

15 एहि सभ बातक शिक्षा अहाँ दैत
रहू, पूरा अधिकारक संग लोक सभ कैँ
सिखाउ और ओकरा सभ कैँ सुधारू।
केओ अहाँ कैँ तुच्छ नहि बुझय।

परमेश्वरक दया द्वारा उद्धार, उद्धारक फलस्वरूप नीक आचरण

3 मण्डलीक लोक कैँ स्मरण करबैत
रहू जे ओ सभ शासक सभक
आ अधिकारी सभक अधीन रहथि,
आज्ञाकारी होथि, सभ तरहक नीक काज
करबाक लेल तत्पर रहथि, 2ककरो
बदनामी नहि करथि, झगड़ा नहि करथि,
विचारशील होथि आ सदिखन सभक संग
नम्र व्यवहार करथि।

3 किएक तँ अपनो सभ पहिने निर्बुद्धि,
आज्ञा उल्लंघन करऽ वला और भटकल
छलहुँ, आ विभिन्न प्रकारक शारीरिक
इच्छा आ भोग-विलासक अभिलाषा
सभक गुलाम छलहुँ। अपनो सभ दुष्टता
आ ईर्ष्या सँ भरल जीवन बितबैत
छलहुँ। अपना सभ सँ घृणा कयल
जाइत छल आ अपनो सभ एक-दोसर सँ
घृणा करैत छलहुँ। 4मुदा जखन अपना
सभक उद्धारकर्ता परमेश्वरक दया आ
प्रेम प्रगट भेल, 5तँ ओ अपना सभक
उद्धार कयलनि। ई उद्धार अपना सभक
अपन कयल कोनो धर्मक काज सभक
आधार पर नहि, बल्कि हुनकर दयाक
कारणेँ भेल। अर्थात्, परमेश्वर अपना
सभ कैँ धो कऽ नव जन्म देलनि, अपन
पवित्र आत्मा द्वारा अपना सभ कैँ नव
बनौलनि। 6ओ ओहि पवित्र आत्मा कैँ
अपना सभक उद्धारकर्ता यीशु मसीहक
माध्यम सँ प्रशस्त मात्रा मे अपना सभ कैँ
प्रदान कयलनि, 7जाहि सँ हुनकर कृपा
द्वारा धार्मिक ठहराओल जा कऽ अपना
सभ ओहि अनन्त जीवनक उत्तराधिकारी
होइ, जकर अपना सभ कैँ आशा अछि।
8ई बात एकदम सत्य अछि आ हम
चाहैत छी जे अहाँ एहि बात सभ पर
जोर दी, जाहि सँ जे सभ परमेश्वर पर
विश्वास कयने छथि से सभ नीक काज
सभ मे लागल रहबाक लेल ध्यान देथि।
ई बात सभ अति उत्तम आ सभ लोकक
लेल कल्याणकारी अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9 मुदा निरर्थक वाद-विवाद, वंशावली
सम्बन्धी बात आ धर्म-नियम सम्बन्धी
झगड़ा और बतकटौअलि सभ सँ बँचू,
किएक तँ एहि सभ सँ कोनो लाभ नहि
अछि; ई सभ बेकार अछि। [10]जे केओ
अहाँ सभक बीच मे फूट कराबय तकरा
चेतावनी दिऔक। जँ दोसरो बेरक
चेतावनीक बाद नहि मानैत होअय तँ
ओकरा सँ कोनो सम्बन्ध नहि राखू,
[11]ई जानि जे एहन व्यक्ति पथभ्रष्ट भऽ
गेल अछि आ पाप करिते रहैत अछि।
ओ स्वयं अपना केँ दोषी ठहरा लेने
अछि।

व्यक्तिगत आदेश आ आशीर्वाद

12 हम जखन अरतिमास वा तुखि-
कुस केँ अहाँक ओतऽ पठायब तँ
अहाँ निकुपुलिस नगर मे हमरा लग
जल्दी अयबाक प्रयत्न करब। हम
ओतहि जाड़क समय व्यतीत करबाक
निश्चय कयने छी। [13]जेनास वकील
आ अपुल्लोसक यात्राक लेल नीक सँ
प्रबन्ध करबाक कोशिश करू जाहि सँ
हुनका सभ केँ कोनो बातक कमी नहि
होनि। [14]अपना सभक लोक सभ केँ
सेहो नीक काज मे लागल रहनाइ सिखऽ
पड़तनि जाहि सँ ओ सभ वास्तविक
आवश्यकता सभक पूर्ति कऽ सकथि
आ निष्फल जीवन नहि बितबथि।

15 एहिठामक हमरा संगक सभ लोक
अहाँ केँ नमस्कार पठबैत छथि। हमरा
सभ सँ प्रेम करऽ वला ओहूठामक
विश्वासी सभ केँ हमर नमस्कार कहि
दिऔन।

अहाँ सभ गोटे पर परमेश्वरक कृपा
बनल रहय।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

फिलेमोन केँ पौलुसक पत्र

1 हम पौलुस, जे मसीह यीशुक कारणेँ
जहल मे बन्दी* छी, से अपना सभक भाय
तिमुथियुसक संग अहाँ फिलेमोन केँ, जे
हमरा सभक प्रिय मित्र आ सहकर्मी छी, ई
पत्र लिखि रहल छी।
2 संगहि, अहाँक घर मे जमा होमऽ
वला मण्डली, बहिन अपफिया, और
अरखिप्पुस केँ, जे शुभ समाचारक काज
मे हमरा सभक संगी-सैनिक छथि तिनको
सभ केँ लिखि रहल छी।
3 अपना सभक पिता परमेश्वर आ प्रभु
यीशु मसीह अहाँ सभ पर कृपा करथि
और अहाँ सभ केँ शान्ति देथि।

धन्यवाद आ प्रार्थना

4 यौ फिलेमोन, हम जखन कखनो
अपना प्रार्थना सभ मे अहाँ केँ स्मरण
करैत छी तँ अपना परमेश्वर केँ धन्यवाद
दैत छियनि। 5कारण, प्रभु यीशु पर अहाँक
जे विश्वास अछि, आ हुनकर समस्त
लोकक प्रति जे प्रेम अछि, तकर चर्चा
सुनैत रहैत छी। 6हम प्रभु सँ प्रार्थना करैत
छी जे, विश्वास मे जे अहाँक सहभागिता
अछि, से अहाँ मे सक्रिय भऽ कऽ अहाँ
केँ ई बुद्धि और अनुभव प्रदान करय जे
अपना सभ मसीहक लेल केहन-केहन
भलाइक काज करऽ मे सक्षम छी।* 7यौ
भाइ, हमरा ई जानि कऽ बहुत आनन्द
आ उत्साह भेटल जे अहाँ अपन प्रेमपूर्ण
व्यवहार द्वारा परमेश्वरक लोकक मोन
उत्साहित कयलहुँ अछि।

उनेसिमुसक लेल पौलुसक निवेदन

8 एहि लेल, हम एकटा निवेदन करैत
छी, ओना तँ हमरा मसीह सँ भेटल
अधिकार अछि जे हम अहाँ केँ आज्ञा दी
जे अहाँ केँ की करबाक चाही, तैयो हम
आज्ञा नहि दऽ कऽ, 9प्रेमक आधार पर
अहाँ सँ एकटा विनतिए करैत छी—हम
पौलुस, जे आब बूढ़ भऽ गेल छी आ
मसीह यीशुक लेल एखन जहल मे छी*।
10हम अपना बेटाक लेल अहाँ सँ विनती
कऽ रहल छी, हँ, उनेसिमुसक लेल। हमरा
तँ एहि जहल मे रहैत काल मे आत्मिक

1:1 वा "जे मसीह यीशुक बन्दी" **1:6** वा, "प्रदान करय जे मसीह मे रहला सँ अपना सभ केँ की सभ
आशिष होइत अछि।" **1:9** वा, "आ एखन मसीह यीशुक बन्दी छी"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दृष्टि सँ ओ हमर बेटा बनि गेल अछि।
11पहिने ओ अहाँक लेल बेकाजक छल,
मुदा आब ओ अहूँक लेल आ हमरो
लेल उपयोगी* भऽ गेल अछि। 12हम
उनेसिमुस केँ, जे हमर करेजक टुकड़ा
अछि, अहाँ लग वापस पठा रहल छी।
13हम तँ चाहैत छलहुँ जे ओकरा एतऽ
अपने लग राखी, जाहि सँ शुभ समाचारक
कारणेँ जे हमर ई कैदी वला अवस्था
अछि, ताहि मे ओ हमर वैह सेवा करय
जे अहाँ हमरा लेल करितहुँ। 14मुदा हम
अहाँक सहमति बिना नहि किछु करऽ
चाहलहुँ, जाहि सँ अहाँ द्वारा कयल कोनो
उपकार दबाब सँ नहि, बल्कि स्वेच्छा
सँ होअय। 15कारण, भऽ सकैत अछि
जे ओ किछु समयक लेल अहाँ सँ एहि
लेल अलग भेल जे ओ फेर आबि कऽ
सभ दिनक लेल अहाँक होअय, 16आब
गुलामक रूप मे नहि, बल्कि गुलाम सँ
बहुत बढ़ि कऽ—प्रिय भायक रूप मे।
ओ हमरा लेल अत्यन्त प्रिय अछि, मुदा
अहाँक लेल एहू सँ प्रिय—एक मनुष्यक
रूप मे और प्रभु मे भायक रूप मे!

17 तेँ जँ प्रभुक सेवा मे अहाँ हमरा
अपना संग-संग काज कयनिहार बुझैत
छी, तँ एकरा ओहिना स्वीकार करू जेना
हमरा करितहुँ। 18जँ एकरा द्वारा अहाँ केँ
कोनो हानि भेल होअय, अथवा एकरा
पर अहाँक ऋण बाँकी होअय, तँ से
अहाँ हमरा नाम पर लिखि लिअ। 19हम,
पौलुस, अपना हाथ सँ लिखि रहल छी जे,
ओकर ऋण अहाँ केँ सधा देब। आ हम ई
चर्चा करब आवश्यक नहि बुझैत छी जे
अहाँ पर जे हमर ऋण अछि, से तँ अहाँक
जीवने अछि। 20हँ, यौ भाइ, अपना दूनू
गोटे प्रभु मे छी, तेँ हमरा लेल एकटा ई
काज करू—हमर निवेदन स्वीकार करू;
मसीह मे भाइ-भाइक सम्बन्धक कारणेँ
हमर मोन हल्लुक कऽ दिअ। 21हमरा पूर्ण
विश्वास अछि जे अहाँ हमर बात मानब,
तेँ अहाँ केँ ई पत्र लिखलहुँ। हम ई जनैत
छी जे अहाँ केँ जे किछु कहि रहल छी,
अहाँ ताहि सँ बेसिए करब।

पत्रक अन्तिम बात

22 एक आओर बात। हमरा लेल
एक कोठरी तैयार राखू, कारण, हमरा
आशा अछि जे अहाँ सभक प्रार्थनाक
फलस्वरूप परमेश्वर हमरा अहाँ सभ लग
फेर अयबाक मौका देताह।

23 एपाफ्रास, जे मसीह यीशुक लेल
एतऽ हमरा संग बन्दी छथि, अहाँ केँ
अपन नमस्कार पठबैत छथि। 24हमर
सहकर्मी सभ, मरकुस, अरिस्तर्खुस,
देमास और लूका सेहो अहाँ केँ नमस्कार
पठा रहल छथि।

25 प्रभु यीशु मसीहक कृपा अहाँ सभक
आत्मा मे बनल रहय।

1:11 “उनेसिमुस” नामक अर्थ अछि “उपयोगी”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

इब्रानी विश्वासी सभक लेल पत्र

पुत्रक परिचय

1 प्राचीन काल मे परमेश्वर अपना
सभक पूर्वज लोकनि सँ विभिन्न
समय मे आ विभिन्न प्रकार सँ अपन
प्रवक्ता सभ द्वारा बात कयलनि, 2मुदा
आब एहि अन्तिम समय मे ओ अपना
सभ सँ बात कयने छथि अपन पुत्र द्वारा,
जिनका ओ सभ वस्तुक उत्तराधिकारी
बनौलनि आ जिनका द्वारा सम्पूर्ण सृष्टिक
रचना सेहो कयलनि। 3पुत्र परमेश्वरक
महिमाक चमक छथि, आ परमेश्वरक
व्यक्तित्वक प्रतिरूप छथि। ओ मनुष्य केँ
शुद्ध करबाक लेल पापक प्रायश्चित्त कऽ
कऽ स्वर्ग मे सर्वशक्तिमान परमेश्वरक
दहिना कात बैसलाह।

पुत्र स्वर्गदूतो सभ सँ श्रेष्ठ

4 पुत्र स्वर्गदूत सभक अपेक्षा जतेक
श्रेष्ठ नाम परमेश्वर सँ पौलनि ततेक
ओ स्वर्गदूत सभ सँ पैघो ठहराओल गेल
छथि। 5कारण, परमेश्वर स्वर्गदूत सभ मे
सँ किनको कहियो कहाँ ई बात कहलथिन,

“अहाँ हमर पुत्र छी,
आइ हम अहाँ केँ उत्पन्न कयलहुँ,”*

आ ई जे,

“हम ओकर पिता होयबैक
आ ओ हमर पुत्र होयत”*?

6फेर, परमेश्वर अपन प्रथम सन्तान केँ
संसार मे अनबाक समय मे कहैत छथि,

“परमेश्वरक सभ स्वर्गदूत हुनका
दण्डवत करथुन।”

7 स्वर्गदूत सभक विषय मे परमेश्वर
धर्मशास्त्र मे कहैत छथि,

“परमेश्वर अपन स्वर्गदूत सभ केँ
बसात,
हँ, अपन सेवक सभ केँ आगिक
धधरा बनबैत छथि।”*

8 मुदा अपन पुत्र केँ ई कहैत छथि जे,

“हे परमेश्वर, अहाँक सिंहासन
युगानुयुग स्थिर रहत,
अहाँ अपन राज्य न्याय सँ
चलायब।
9 अहाँ धार्मिकता सँ प्रेम आ अधर्म सँ
घृणा करैत छी।
तेँ परमेश्वर, अहाँक परमेश्वर, हर्ष
रूपी तेल सँ अहाँक अभिषेक
करैत
अहाँ केँ अपना संगी-साथी सभ सँ
श्रेष्ठ ठहरौने छथि।”*

1:5 भजन 2.7 **1:5** 2 शमू 7.14; 1 इति 17.13 **1:7** भजन 104.4 **1:9** भजन 45.6, 7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

10परमेश्वर इहो कहैत छथिन जे,
"हे प्रभु, आरम्भ मे अहीं पृथ्वीक न्यो
रखलहुँ
आ आकाश अहींक हाथक
कारीगरी अछि।
11 ओ सभ नष्ट भऽ जायत मुदा अहाँ
अटल छी।
ओ सभ वस्त्र जकाँ पुरान भऽ
जायत।
12 अहाँ ओकरा सभ केँ चद्दरि जकाँ
समटब,
ओ सभ वस्त्र जकाँ बदलल
जायत।
मुदा अहाँ एके समान रहब,
अहाँक उमेरक कोनो अन्त नहि
अछि।"*
13 मुदा परमेश्वर स्वर्गदूत सभ मे सँ
किनको कहियो कहाँ ई बात कहलथिन
जे,
"अहाँ हमर दहिना कात बैसू,
आ हम अहाँक शत्रु सभ केँ अहाँक
पयरक तर मे कऽ देब"*?
14स्वर्गदूत सभ तखन की छथि? ओ सभ
परमेश्वरक सेवा-टहल करऽ वला आत्मा
सभ छथि। हुनका सभ केँ ओहि लोक
सभक सेवाक लेल पठाओल जाइत छनि
जे सभ उद्धार पयबाक उत्तराधिकारी बनैत
अछि।

उद्धार केँ तुच्छ बुझनिहार सभ केँ चेतावनी

2 तेँ ई आवश्यक अछि जे जाहि
बात केँ अपना सभ सुनने छी ताहि
पर आरो विशेष ध्यान दी जाहि सँ एना
नहि होअय जे अपना सभ भटकि जाइ।
2कारण, जँ स्वर्गदूतो सभ द्वारा सुनाओल
सम्बाद अटल रहल और प्रत्येक
अपराधक लेल आ आज्ञा उल्लंघनक
लेल जँ उचित दण्ड भेटलैक, 3तँ आब
अपना सभ जँ एहन उत्तम उद्धार केँ
तुच्छ मानी तँ कोना बाँचि सकब? एहि
उद्धारक सम्बन्ध मे सभ सँ पहिने प्रभु
अपने सुनौलनि और तकरबाद जे सभ
हुनका सँ सुनलनि से सभ अपना सभक
लेल एकर पुष्टि कयलनि। 4परमेश्वर
सेहो प्रमाणित कयलनि जे ई बात सत्य
अछि—ओ विभिन्न प्रकारक चिन्ह,
चमत्कार आ सामर्थ्यक काज सभ करैत
और अपन इच्छाक अनुरूप पवित्र
आत्माक वरदान सभ बँटैत एहि उद्धार
केँ सत्य ठहरौलनि।

मनुष्य-पुत्र यीशु—मनुष्यक उद्धारकर्ता

5 परमेश्वर आबऽ वला संसार केँ,
जकर चर्चा हम सभ कऽ रहल छी तकरा
स्वर्गदूत सभक अधीन नहि कयलनि।
6बल्कि धर्मशास्त्र मे केओ एहि विषय मे
साक्षी दैत ई कहैत छथि जे,
"मनुष्य अछि की जकर ध्यान अहाँ
राखी?
मनुष्यक पुत्र की अछि जकर
चिन्ता अहाँ करी?
7 अहाँ ओकरा स्वर्गदूत सभ सँ कनेक
छोट बनौलहुँ*
ओकरा महिमा आ आदरक मुकुट
पहिरौलहुँ

1:12 भजन 102.25-27 **1:13** भजन 110.1 **2:7** वा, "स्वर्गदूत सभ सँ किछु समयक लेल छोट बनौलहुँ," (पद 9 मे सेहो)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

8 और सभ किछु ओकर पयरक
नीचाँ ओकरा अधीन मे
कयलहुँ।”*
परमेश्वर सभ किछु ओकर अधीन मे
करबाक मतलब भेल जे कोनो वस्तु
ओकरा अधीन सँ बाहर नहि अछि। तैयो
सभ किछु ओकरा अधीन मे, से बात
अपना सभ एखन तक नहि देखैत छी।
9मुदा अपना सभ यीशु कँे देखैत छी जे
स्वर्गदूत सभ सँ कनेक छोट बनाओल
गेल छलाह जाहि सँ ओ परमेश्वरक कृपा
सँ प्रत्येक मनुष्यक लेल मृत्युक अनुभव
करथि। आब हुनका महिमा आ आदरक
मुकुट पहिराओल गेलनि, से अपना सभ
देखैत छी, कारण, ओ सभक लेल मृत्यु
कँे भोगलनि। 10परमेश्वर, जिनका लेल
आ जिनका द्वारा सभ वस्तुक रचना
कयल गेल, तिनका ई उचित छलनि जे
बहुतो पुत्र सभ कँे अपन महिमाक राज्य
मे अनबाक लेल ओ यीशु कँे, जे ओकरा
सभक उद्धारक बाट बनौनिहार छथि,
कष्ट भोगबा कऽ पूर्ण बनबथि। 11पाप
सँ शुद्ध कयनिहार यीशु, आ पाप सँ शुद्ध
भेनिहार लोक सभ, दूनूक पिता एके
छथि, तेँ यीशु ओकरा सभ कँे अपन भाय
कहि कऽ सम्बोधन करऽ मे लाज नहि
मानैत छथि। 12जेना कि यीशु परमेश्वर
कँे कहैत छथिन,
“हम अपना भाय सभ कँे अहाँक
विषय मे सुनायब,
आराधना-सभा मे हम अहाँक
गुणगान गायब।”*
13फेर ई,
“हमहूँ हुनका पर भरोसा राखब।”*
आ इहो जे,
“देखह, हम आ ओ बच्चा सभ,
जकरा परमेश्वर हमरा देलनि
अछि।”*
14जहिना “ओ बच्चा सभ” रक्त-मांसक
होइत अछि तहिना यीशु सेहो मनुष्य
बनलाह। ओ एहि लेल मनुष्य बनलाह
जाहि सँ मृत्यु कँे भोगि कऽ ओ तकर
शक्ति तोड़ि देथि, जकरा हाथ मे मृत्युक
शक्ति छैक, अर्थात् शैतान, 15आ तकरा
सभ कँे मुक्त करथि जे सभ जीवन भरि
मृत्युक डर सँ बन्हन मे पड़ल छल।
16 कारण, ई स्पष्ट अछि जे यीशु
स्वर्गदूत सभक नहि, बल्कि अब्राहमक
वंशज सभक सहायता करैत छथि। 17तेँ
ई आवश्यक छल जे सभ बात मे ओ
अपन भाय सभक तुल्य बनथि जाहि
सँ ओ परमेश्वरक सेवा मे दयावान आ
विश्वासयोग्य महापुरोहित बनथि आ
लोक सभक पापक प्रायश्चित्त कऽ
सकथि। 18यीशु स्वयं कष्ट भोगलनि
जखन शैतान द्वारा हुनका सँ परीक्षा लेल
गेलनि आ तेँ ओ आब ओकरा सभक
सहायता कऽ सकैत छथि जे सभ परीक्षा
मे पड़ल अछि।

यीशु मूसा सँ श्रेष्ठ

3 तेँ यौ पवित्र भाइ लोकनि जे सभ
परमेश्वरक बजाओल लोक मे
सम्मिलित छी, अहाँ सभ अपन ध्यान
यीशु पर केन्द्रित करू, जिनका अपना
सभ परमेश्वरक विशिष्ट दूत आ अपना
सभक महापुरोहितक रूप मे खुलि
कऽ स्वीकार करैत छी। 2जहिना मूसा

2:8 भजन 8.4-6 **2:12** भजन 22.22 **2:13** यशा 8.17 **2:13** यशा 8.18

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक घरक लोकक बीच सभ काज
मे विश्वासयोग्य बनल रहलाह तहिना
यीशु अपन नियुक्त कयनिहारक, अर्थात्
परमेश्वरक, प्रति विश्वासयोग्य बनल
रहलाह। 3जहिना घर सँ घरक बनौनिहारे
बेसी आदरणीय होइत अछि तहिना
यीशु मूसा सँ अधिक आदर पयबाक
योग्य ठहराओल गेल छथि। 4प्रत्येक
घर तँ ककरो ने ककरो द्वारा बनाओल
जाइत अछि, मुदा सभ वस्तु केँ बनाबऽ
वला परमेश्वरे छथि। 5मूसा भविष्य मे
सुनाओल जाय वला बातक साक्षी दऽ कऽ
परमेश्वरक घरक लोकक बीच सभ काज
मे सेवकक रूप मे विश्वासयोग्य छलाह।
6मुदा मसीह तँ पुत्रक रूप मे परमेश्वरक
घरक अधिकारी भऽ विश्वासयोग्य छथि।
जँ अपना सभ अपन साहस मे आ ओहि
आशा मे जे अपना सभक गौरव अछि,
अन्त तक स्थिर रहब तँ अपना सभ स्वयं
परमेश्वरक घरक लोक छी।

विश्वासक प्रतिफल—विश्राम मे प्रवेश

7 तेँ जहिना पवित्र आत्मा धर्मशास्त्र मे
कहैत छथि तहिना,

“आइ जँ तोँ सभ परमेश्वरक आवाज
सुनबह,
8 तँ अपन मोन ओना जिद्दी नहि
बनाबह
जेना तोहर सभक पुरखा सभ विद्रोह
करैत
निर्जन क्षेत्र मे परीक्षाक समय मे
कयलकह।
9 ओतऽ ओ सभ कसौटी पर हमर
जाँच कयलक
जखन कि चालिस वर्ष धरि हमर
काज सभ देखने छल।
10 ताहि सँ हम ओहि पीढ़ीक लोक पर
क्रोधित भऽ कहलहुँ,
एकरा सभक मोन सदत भटकैत
रहैत छैक,
और ई सभ हमर विचार-व्यवहार
बुझऽ नहि चाहलक।
11 तेँ हम क्रोध मे सपत खाइत कहलहुँ
जे,
‘ई सभ हमर विश्राम मे कहियो नहि
प्रवेश कऽ पाओत।’ ”*

12 यौ भाइ लोकनि, सावधान रहू,
कहीं एना नहि होअय जे अहाँ सभ मे सँ
ककरो मोन एहन दुष्ट आ अविश्वासी
भऽ जाय जाहि सँ ओ जीवित परमेश्वर
केँ छोड़ि दय। 13मुदा जाहि सँ अहाँ सभ
मे सँ केओ पापक छल मे पड़ि कऽ जिद्दी
नहि भऽ जाइ ताहि लेल अहाँ सभ जाबत
धरि “आइ”क दिन कहबैत अछि ताबत
धरि प्रत्येक दिन एक-दोसर केँ उत्साहित
करैत रहू। 14अपना सभ जँ अन्त तक ओ
भरोसा जकरा संग शुरू मे शुभ समाचार पर
विश्वास कयलहुँ ताहि मे अटल रही, तँ
अपना सभ मसीहक संग सहभागी भऽ गेल
छी। 15जेना कि ऊपरो कहल गेल अछि जे,

“आइ जँ तोँ सभ परमेश्वरक आवाज
सुनबह
तँ अपन मोन ओना जिद्दी नहि
बनाबह
जेना तोहर सभक पुरखा सभ विद्रोह
करैत कयलकह।”*

16 परमेश्वरक आवाज सुनि कऽ के
सभ विद्रोह कयलक? की ओ सभ वैह

3:11 भजन 95.7-11 **3:15** भजन 95.7, 8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लोक नहि छल जकरा सभ केँ मूसा मिस्र
देश सँ बाहर निकाललनि? 17परमेश्वर
ककरा सभ सँ चालिस वर्ष धरि क्रोधित
रहलथिन? की ओकरे सभ सँ नहि जे सभ
पाप कयलक आ जकरा सभक लासक
ढेरी निर्जन क्षेत्र मे लागि गेल? 18परमेश्वर
सपत खाइत ककरा सम्बन्ध मे कहलनि
जे, ई सभ हमर विश्राम मे प्रवेश नहि करऽ
पाओत? की तकरे सभक सम्बन्ध मे नहि
जे सभ हुनकर आज्ञा नहि मानलकनि?
19एहि तरहेँ अपना सभ देखैत छी जे ओ
सभ अविश्वासक कारणेँ ओहि स्थान मे
नहि पहुँचि सकल जतऽ ओकरा सभ केँ
विश्राम भेटितैक।

4 परमेश्वर अपना विश्राम मे प्रवेश
करयबाक वचन जे अपना लोक
केँ देलनि, से एखनो कायम अछि। तेँ
अपना सभ सावधान रही, कहीं एना नहि
होअय जे अहाँ सभ मे सँ केओ एहि सँ
वंचित भऽ जाइ, 2कारण, जहिना ओकरा
सभ केँ शुभ समाचार सुनाओल गेल
छलैक तहिना अपनो सभ केँ सुनाओल
गेल अछि, मुदा ओहि सुनाओल वचन
सँ ओकरा सभ केँ कोनो लाभ नहि
भेलैक, कारण, ओ सभ सुनि कऽ तकरा
विश्वासक संग स्वीकार नहि कयलक।
3आब अपना सभ विश्वास करबाक
कारणेँ एहि विश्राम मे प्रवेश कयनिहार
छी। अविश्वासी पूर्वज सभक सम्बन्ध
मे परमेश्वर ई कहलनि,

"तेँ हम क्रोध मे सपत खाइत कहलहुँ
जे,
ई सभ हमर विश्राम मे कहियो नहि
प्रवेश कऽ पाओत,"*

ओना तँ विश्रामक व्यवस्था कयल गेल
छल, कारण, सृष्टिक रचनाक समय सँ
हुनकर काज समाप्त भऽ गेल छनि। 4जेना
कतौ धर्मशास्त्र मे सातम दिनक विषय मे
हुनकर ई कथन छनि जे,

"परमेश्वर सातम दिन अपन समस्त
काज सँ विश्राम कयलनि।"*

5और फेर, जेना ऊपर लिखल अछि, ओ
कहैत छथि,

"ई सभ हमर विश्राम मे कहियो नहि
प्रवेश कऽ पाओत।"

6जे सभ पहिने शुभ समाचार सुनने
छल से सभ एहि विश्राम मे प्रवेश नहि
कऽ सकल, कारण ओ सभ आज्ञा नहि
मानलक। मुदा ई निश्चित अछि जे किछु
लोक एहि विश्राम मे सहभागी होयबे
करत। 7तेँ परमेश्वर अपना विश्राम मे
सहभागी होयबाक एक आओर समय
निश्चित कयलनि, जकरा ओ "आइ"
कहैत छथि, कारण ओ बहुत वर्ष बितला
पर राजा दाऊद द्वारा ई कहैत छथि, जकर
चर्चा ऊपरो कयल गेल अछि,

"आइ जँ तोँ सभ परमेश्वरक आवाज
सुनबह
तँ अपन मोन जिद्दी नहि
बनाबह।"*

8कारण, जँ यहोशू द्वारा ओकरा सभ
केँ विश्राम भेटल रहितैक तँ परमेश्वर
तकरा बाद फेर राजा दाऊद द्वारा दोसर
दिनक चर्चा नहि कयने रहितथि। 9तेँ
परमेश्वरक प्रजाक लेल परमेश्वरक
सातम दिनक विश्राम जकाँ एकटा विशेष
विश्राम एखनो बाँकी अछि। 10कारण,
जे केओ परमेश्वरक विश्राम मे प्रवेश

4:3 भजन 95.11, तहिना पद 5 मे सेहो। **4:4** उत्पत्ति 2.2 **4:7** भजन 95.7, 8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कऽ लेने अछि सेहो अपन सभ काज सँ
विश्राम करैत अछि जेना परमेश्वर अपन
सभ काज सँ कयलनि। [11]तैँ अपनो सभ
ओहि विश्राम मे सहभागी होयबाक लेल
प्रयत्नशील रही जाहि सँ एना नहि होअय
जे ओकरे सभ जकाँ आज्ञा नहि मानबाक
कारणेँ ककरो पतन भऽ जाइक।

12 कारण, परमेश्वरक वचन जीवित
आ फलदायक अछि आ कोनो दूधारी
तरुआरिओ सँ तेज अछि। ओ प्राण आ
आत्मा, जोड़-जोड़ आ हड्डीक भीतरका
गुद्दी मे छेदि कऽ ओकरा अलग-अलग
कऽ दैत अछि और मोनक विचार आ
भावनाक जाँच करैत अछि। [13]सम्पूर्ण
सृष्टि मे कोनो वस्तु परमेश्वरक दृष्टि सँ
नुकायल नहि अछि। जिनका लग अपना
सभ केँ अपन लेखा-जोखा देबाक अछि
तिनका दृष्टि मे सभ वस्तु खुलल अछि,
किछु झाँपल नहि अछि।

यीशु—श्रेष्ठ महापुरोहित

14 अपना सभ केँ जखन एतेक पैघ
महापुरोहित छथि, अर्थात् परमेश्वरक
पुत्र यीशु, जे आकाश केँ पार कऽ स्वर्ग
मे गेल छथि, तँ अबैत जाउ, आ जाहि
विश्वास केँ खुलि कऽ स्वीकार करैत
छी, तकरा दृढ़ता सँ पकड़ने रही।
[15]किएक तँ अपना सभक महापुरोहित
एहन नहि छथि जे अपना सभक कमजोरी
मे अपना सभक संग सहानुभूति नहि
राखि सकथि। ओहो सभ बात मे अपने
सभ जकाँ शैतान द्वारा जाँचल गेलाह,
मुदा ओ पाप नहि कयलनि। [16]तैँ अपना
सभ निर्भयतापूर्बक परमेश्वरक सिंहासन
लग, जतऽ कृपा कयल जाइत अछि,
ततऽ चलू, जाहि सँ अपना सभ पर दया
कयल जाय आ अपना सभ ओ कृपा
पाबी जे अपना सभक आवश्यकताक
समय मे सहायता करत।

5 प्रत्येक महापुरोहित मनुष्ये सभ
मे सँ चुनल जाइत छथि और
परमेश्वरक सामने मनुष्य सभक प्रति-
निधि होयबाक लेल नियुक्त कयल
जाइत छथि जाहि सँ ओ चढ़ौना आ
पापक लेल प्रायश्चित्तक बलि सभ
चढ़बथि। [2]ओ अज्ञानी आ भुलल-
भटकल लोक सभक संग नम्र व्यवहार
कऽ सकैत छथि कारण, ओ स्वयं
कमजोरी सभ मे ओझरायल छथि।
[3]हुनका तँ लोके सभक लेल नहि,
बल्कि अपनो पापक लेल बलि चढ़ाबऽ
पड़ैत छनि।

4 महापुरोहितक गौरवपूर्ण पद केओ
अपने सँ नहि लऽ सकैत अछि। परमेश्वर
जिनका नियुक्त करथिन तिनके ई
सम्मान देल जाइत अछि, जेना हारूनो केँ
परमेश्वरे महापुरोहितक पद पर नियुक्त
कयने छलथिन। [5]एही तरहेँ मसीह सेहो
महापुरोहितक पदक सम्मान अपने सँ नहि
लऽ लेलनि, बल्कि परमेश्वर जे हुनका ई
कहलथिन,

“अहाँ हमर पुत्र छी,
आइ हम अहाँ केँ उत्पन्न
कयलहुँ,”*

से हुनका एहि पद पर रखलथिन। [6]तहिना
ओ एक दोसर ठाम कहैत छथि,

“जाहि व्यवस्थाक अनुसार
मलकीसेदेक पुरोहित भेलाह,

5:5 भजन 2.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ताही व्यवस्थाक अनुसार अहाँ
पुरोहित भऽ अनन्त समयक
लेल पुरोहित छी।"*
7 जखन यीशु एहि पृथ्वी पर रहैत छलाह
तँ ओ जोर-जोर सँ आ नोर बहा-बहा कऽ
तिनका सँ प्रार्थना आ विनती कयलथिन
जे हुनका मृत्यु सँ बचा सकैत छलथिन।
हुनकर श्रद्धा-भक्तिक कारणेँ हुनकर
प्रार्थना सुनल गेलनि। 8 पुत्र होइतो दुःख-
कष्ट भोगि-भोगि कऽ ओ आज्ञा माननाइ
सिखलनि। 9 ओ पूर्ण रूप सँ सिद्ध बनि
ओहि सभ लोकक लेल अनन्त कालीन
मुक्तिक स्रोत बनलाह जे सभ हुनकर
आज्ञाक पालन करैत अछि। 10 और
परमेश्वर हुनका मलकीसेदेकक अनुरूप
महापुरोहितक पद पर नियुक्त कयलथिन।

विश्वास छोड़निहार केँ चेतावनी

11 हमरा सभ केँ एहि विषय मे बहुत
किछु कहबाक अछि, मुदा तकरा
बुझौनाइ कठिन अछि, कारण, बुझऽ मे
अहाँ सभ सुस्त छी। 12 समयक अनुसार
तँ होयबाक चाहैत छल जे अहाँ सभ गुरु
भेल रहितहुँ, मुदा एखन आवश्यकता ई
देखैत छी जे अहाँ सभ केँ फेर परमेश्वरक
वचनक शिक्षा शुरुए सँ सिखाओल जाय।
अहाँ सभक लेल ठोस भोजनक नहि,
बल्कि दूधक आवश्यकता अछि। 13 जे
दूधे पिबैत अछि तकरा धार्मिकताक
शिक्षाक ज्ञान नहि छैक, कारण ओ
बच्चे अछि। 14 मुदा ठोस भोजन अछि
पैघ लोकक लेल, जे सभ बुद्धि लगबैत
अभ्यास द्वारा नीक-अधलाह केँ चिन्हऽ मे
निपुण भऽ गेल अछि।

6 तँ अपना सभ बचपना वला बात
छोड़ि मसीहक विषय मे जे शुरू
वला शिक्षा अछि ताहि सँ आगाँ बढ़ि कऽ
आब गहींर शिक्षा बुझनिहार बनी। अपना
सभ आब मृत्युक दिस लऽ जाय वला कर्म
सभक लेल पश्चात्ताप आ हृदय-परिवर्तन
कयनाइ, परमेश्वर पर विश्वास कयनाइ,
2 बपतिस्मा सभक सम्बन्ध मे शिक्षा, माथ
पर हाथ राखऽ वला विधि, मुइल सभक
जीबि उठनाइ, और अन्तिम न्याय—ई
सभ शुरू वला शिक्षा फेर नहि दोहराबी।
3 आ जँ परमेश्वर होमऽ देताह तँ अपना
सभ एहि सँ आगाँ बढ़बे करब।
4 कारण, जे केओ एक बेर इजोत प्राप्त
कयने अछि, स्वर्गीय वरदानक स्वाद
पौने अछि, परमेश्वरक पवित्र आत्मा
मे सहभागी बनल अछि, 5 परमेश्वरक
वचन कतेक उत्तम और आबऽ वला
राज्य कतेक सामर्थी अछि ताहि बात
सभक अनुभव कयने अछि— 6 जँ एहन
लोक अपन विश्वास छोड़ि दय तँ ओकरा
फेर हृदय-परिवर्तनक बाट पर लौनाइ
असम्भव अछि, किएक तँ एहन लोक
अपने अहित करैत परमेश्वरक पुत्र केँ फेर
क्रूस पर चढ़बैत अछि आ खुल्लमखुल्ला
हुनकर अपमान करैत छनि।
7 जे जमीन बेर-बेर वर्षाक पानि सोखैत
अछि आ जोताइ-बोआइ कयनिहार
किसानक लेल नीक अन्नक उपजा दैत
अछि से जमीन परमेश्वरक आशिष
पबैत अछि। 8 मुदा जे जमीन काँट-कुश
उपजबैत अछि से जमीन बेकार अछि।
ओ सरापित होमऽ पर अछि और अन्त मे
जराओल जायत।

5:6 भजन 110.4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9 यौ प्रिय मित्र लोकनि, हम सभ एहन
बात सभ तँ कहलहुँ मुदा तैयो हमरा सभ
कैँ अहाँ सभक विषय मे एहि सँ नीक
बात, अर्थात् उद्धार सँ मिलऽ वला बातक
विश्वास अछि। 10 किएक तँ परमेश्वर
अन्यायी नहि छथि जे ओ अहाँ सभक
काज आ हुनका प्रति अहाँ सभक ओहि
प्रेम कैँ बिसरि जाथि, जे प्रेम अहाँ सभ
हुनकर लोक सभक सेवा करैत देखौने
छी, जे सेवा एखनो कऽ रहल छी। 11 हमरा
सभक हार्दिक इच्छा अछि जे अहाँ सभ
मे सँ प्रत्येक गोटे एहिना प्रयत्नशील रही
जाहि सँ अहाँ सभ पूरा विश्वासक संग
अन्त तक अपना आशा मे स्थिर रही।
12 आलसी नहि होउ, बल्कि ओहन लोक
सभ जकाँ बनू जे सभ विश्वास आ धैर्य
द्वारा ओहि बात सभक उत्तराधिकारी
बनैत अछि जाहि बात सभक विषय मे
परमेश्वर वचन देलनि।

परमेश्वरक अटल वचन—आशाक पक्का आधार

13 अब्राहमक उदाहरण लिअ—
परमेश्वर अब्राहम कैँ वचन दैत समय
मे अपने नाम लऽ कऽ सपत खयलनि,
कारण, हुनका सँ पैघ केओ नहि छल
जकर नाम लऽ कऽ ओ सपत खइतथि।
14 ओ कहलथिन, "निश्चय हम तोरा
आशिष देबह। आ तोरा वंश कैँ बहुत
बढ़यबह।"* 15 अब्राहम धैर्यपूर्बक प्रतीक्षा
कयलनि आ ओ बात प्राप्त कयलनि जाहि
सम्बन्ध मे परमेश्वर वचन देने छलाह।
16 लोक तँ अपना सँ पैघ आदमीक
नाम लऽ कऽ सपत खाइत अछि। सपत
द्वारा कोनो बात पकिया बनाओल जाइत
अछि आ सभ विवाद समाप्त कयल
जाइत अछि। 17 तैँ जखन परमेश्वर अपन
वचनक उत्तराधिकारी सभक लेल ई बात
आरो स्पष्ट करऽ चाहलनि जे हुनकर
उद्देश्य बदलि नहि सकैत अछि तँ ओ
सपतो खयलनि।

18 परमेश्वर दूटा अटल प्रमाण देलनि,
वचन आ सपत, जाहि मे हुनका झुट्ठा
भेनाइ असम्भव अछि। ओ ई एहि लेल
कयलनि जाहि सँ अपना सभ कैँ मजगूत
प्रोत्साहन भेटय, अर्थात्, अपना सभ कैँ
जे सभ सामने मे राखल आशाक प्राप्ति
करबाक लेल हुनका शरण मे दौड़ैत
आयल छी। 19 जहिना एक लंगर नाव कैँ
पानि मे स्थिर रखैत अछि तहिना ई आशा
अपना सभक आत्मा कैँ सुरक्षित आ
स्थिर रखैत अछि। ई आशा अपना सभ
कैँ "परदाक भीतर", स्वर्गिक परमपवित्र
स्थान मे लऽ जाइत अछि, 20 जतऽ यीशु
अपना सभक लेल अपना सभ सँ पहिने
प्रवेश कयने छथि। ओ मलकीसेदेकक
अनुरूप अनन्त कालक लेल महापुरोहित
बनि गेल छथि।

मलकीसेदेकक महानता

7 ई मलकीसेदेक शालेम नगरक राजा
आ सर्वोच्च परमेश्वरक पुरोहित
छलाह। अब्राहम जखन चारिटा राजा सभ
कैँ पराजित कऽ कऽ आबि रहल छलाह
तखन मलकीसेदेक हुनका सँ भैँट कऽ
आशीर्वाद देलथिन 2 और अब्राहम राजा
सभ सँ जे धन-सम्पत्ति जिति कऽ अनने
छलाह ताहि मे सँ दसम अंश मलकीसेदेक

6:14 उत्पत्ति 22.17

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

केँ देलथिन। मलकीसेदेकक नामक
अर्थ अछि “धार्मिकताक राजा”।
फेर, शालेमक अर्थ अछि “शान्ति”, तेँ
शालेमक राजा होयबाक कारणेँ हुनकर
नामक अर्थ “शान्तिक राजा” सेहो
भेलनि। 3मलकीसेदेकक माय-बाबू आ
पूर्वज सभक सम्बन्ध मे किनको कोनो
चर्चा नहि अछि आ ने हुनकर जन्म आ
मृत्युक चर्चा अछि। ओ परमेश्वरक पुत्र
जकाँ अनन्त कालक लेल पुरोहित छथि।
4 मलकीसेदेक कतेक पैघ छलाह ताहि
पर ध्यान करू—अपना सभक कुल-पिता
अब्राहमो जिति कऽ आनल सम्पत्ति मे
सँ हुनका दसम अंश देलथिन। 5लेवीक
सन्तान सभ मे सँ जे सभ पुरोहित बनैत
अछि तकरा सभ केँ इस्राएली समाजक
लोक, अर्थात् अपना भाय-बन्धु सभ सँ
दसम अंश लेबाक आज्ञा धर्म-नियम मे
देल गेल छैक, जखन कि सभ अब्राहमेक
वंशज अछि। 6मुदा मलकीसेदेक जे लेवी
वंशक नहि छलाह से स्वयं अब्राहम
सँ दसम अंश लेलनि आ अब्राहम केँ,
जिनका परमेश्वर अपन वचन देने छलाह,
आशीर्वाद देलथिन। 7ई निर्विवाद बात
अछि जे आशीर्वाद देबऽ वला व्यक्ति
आशीर्वाद पाबऽ वला व्यक्ति सँ पैघ
होइत अछि। 8एक दिस मरऽ वला मनुष्य,
⌞अर्थात् लेवी वंशज सभ,⌟ दसम अंश
पबैत अछि, मुदा दोसर दिस वैह दसम
अंश पौलनि जिनका सम्बन्ध मे साक्षी देल
गेल अछि जे ओ जीवित छथि, ⌞अर्थात्
मलकीसेदेक⌟। 9एहि सँ इहो कहल जा
सकैत अछि जे लेवी, जकर सन्तान सभ
दसम अंश पबैत अछि सेहो अपन पूर्वज
अब्राहमक माध्यम सँ दसम अंश देलक।
10कारण मलकीसेदेक आ अब्राहमक भेँट
जहिया भेलनि, लेवी तहिओ अपन पूर्वज
अब्राहमक शरीर मे उपस्थित छल।

यीशु—मलकीसेदेकक अनुरूप महापुरोहित

11 इस्राएली समाज केँ देल गेल धर्म-
नियम तँ लेवीक कुलक पुरोहित वला
व्यवस्था पर आधारित छल। तेँ ओहि
पुरोहित वला व्यवस्था द्वारा जँ लोक
परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक ठहराओल
जा सकैत छल, तँ अन्य प्रकारक पुरोहित
अयबाक आवश्यकता किएक होइत जे
लेवीक कुलक हारूनक अनुरूप नहि,
बल्कि मलकीसेदेकक अनुरूप छथि?
12जखन पुरोहित वला व्यवस्था बदलि
जाइत अछि तखन ई आवश्यक अछि
जे धर्म-नियम केँ सेहो बदलल जाय।
13अपना सभक प्रभु, जिनका विषय मे
ई बात सभ कहल गेल, से एक दोसर
कुलक छथि जाहि मे सँ कहियो केओ
पुरोहितक रूप मे बलि-वेदी लग सेवा
नहि कयलक। 14कारण, ई स्पष्ट अछि
जे हुनकर जन्म यहूदाक कुल मे भेलनि
और मूसा जखन पुरोहितक पदक विषय
मे लिखैत छलाह तँ एहि कुलक कोनो
चर्चा नहि कयलनि।
15 ई बात आरो स्पष्ट भऽ जाइत
अछि जखन अपना सभ देखैत छी जे
मलकीसेदेकक अनुरूप दोसर पुरोहित
ठाढ़ भेलाह 16जे कोनो वंश-क्रम पर
आधारित नियमक अनुसार नहि, बल्कि
अविनाशी जीवनक सामर्थ्यक आधार पर
पुरोहित बनल छथि। 17कारण, हुनका
विषय मे यैह गवाही देल गेल अछि जे,

“जाहि व्यवस्थाक अनुसार
मलकीसेदेक पुरोहित भेलाह,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ताही व्यवस्थाक अनुसार अहाँ
पुरोहित भऽ अनन्त समयक
लेल पुरोहित छी।”*
18एहि तरहेँ पहिलुका नियम निर्बल आ
अनुपयोगी होयबाक कारणेँ रद्द कऽ देल
गेल, 19कारण, ओहि धर्म-नियम द्वारा
केओ धार्मिक नहि भऽ सकैत छल। और
आब ओकरा बदला मे ओहि सँ नीक बात
देल गेल अछि, अर्थात्, ओ आशा जकरा
द्वारा अपना सभ परमेश्वर लग अबैत छी।
20 परमेश्वर बिनु सपत खा कऽ
पुरोहितक पद यीशु केँ नहि देलनि। आन
पुरोहित सभ बिनु सपतक नियुक्त कयल
गेल। 21मुदा यीशु सपतक संग पुरोहित
बनाओल गेलाह जखन परमेश्वर हुनका
कहलथिन, “प्रभु सपत खयने छथि आ
अपना विचार सँ ओ फिरताह नहि—अहाँ
अनन्त समयक लेल पुरोहित छी।”*
22एहि सपत द्वारा यीशु परमेश्वर आ
लोकक बीच एक एहन नव सम्बन्धक
जमानत भेल छथि जे पहिल सम्बन्ध सँ
श्रेष्ठ अछि।

यीशु—अनन्त कालक लेल सिद्ध महापुरोहित

23 एतबे नहि, ओहि पुरोहित सभक
संख्या विशेष भेल, कारण मृत्यु ओकरा
सभ केँ स्थायी नहि रहऽ देलक। 24मुदा
यीशु सदाकालक लेल जीवित छथि
आ तेँ हुनकर पुरोहितक पद स्थायी
छनि। 25निष्कर्ष ई जे, जे सभ यीशु द्वारा
परमेश्वर लग अबैत अछि तकरा सभक
पूरा-पूरा उद्धार* करऽ मे यीशु सामर्थी
छथि, कारण, ओ ओकरा सभक पक्ष
सँ निवेदन करबाक लेल सर्वदा जीवित
छथि।
26 एहि तरहेँ अपना सभ केँ जाहि
प्रकारक महापुरोहितक आवश्यकता
अछि, यीशु ठीक ओहने महापुरोहित
छथि। ओ पवित्र, निर्दोष, निष्कलंक
छथि, पापी सभ सँ अलग कयल और
सर्वोच्च स्वर्ग मे प्रतिष्ठित कयल गेल
छथि। 27आन महापुरोहित सभ जकाँ
हुनका प्रतिदिन पहिने अपना पापक लेल
तखन फेर लोक सभक पापक लेल बलि
चढ़ाबऽ नहि पड़ैत छनि। ओ अपने केँ
बलि चढ़ा कऽ एके बेर मे सदाकालक
लेल बलि चढ़ौलनि। 28धर्म-नियम द्वारा
महापुरोहित सभ मनुष्ये सभ मे सँ नियुक्त
कयल जाइत अछि, और मनुष्य निर्बल
अछि, मुदा ओ सपत जे धर्म-नियमक
बाद खायल गेल, ताहि सपत द्वारा
परमेश्वरक पुत्र नियुक्त कयल गेलाह आ
ओ सदाकालक लेल सिद्ध बनाओल गेल
छथि।

यीशु द्वारा परमेश्वर आ हुनका लोकक बीच नव आ श्रेष्ठ सम्बन्ध

8 हमरा सभक कहबाक अर्थ ई अछि
जे अपना सभक एहन महापुरोहित
छथि जे स्वर्ग मे महान् परमेश्वरक
सिंहासनक दहिना कात बैसलाह। 2ओ
ओहि पवित्र स्थान मे, अर्थात् वास्तविक
मिलाप-मण्डप मे, सेवा करैत छथि जकरा
मनुष्य नहि, बल्कि प्रभु ठाढ़ कयलनि।
3 प्रत्येक महापुरोहित एहि लेल नियुक्त
कयल जाइत छथि जे ओ चढ़ौना आ
बलिदान सभ चढ़बथि। तेँ ई आवश्यक

7:17 भजन 110.4 **7:21** भजन 110.4 **7:25** वा, “तकरा सभक अनन्त कालीन उद्धार”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छल जे अपनो सभक एहि महापुरोहित
लग चढ़यबाक लेल किछु होनि। 4जँ
ओ पृथ्वी पर रहितथि तँ ओ पुरोहित
होयबे नहि करितथि, कारण, धर्म-
नियमक अनुसार चढ़ौना चढ़यबाक
लेल पुरोहित सभ छथिए। 5ओ सभ एहन
पवित्र स्थान मे सेवा करैत छथि जे स्वर्ग
मेहक पवित्र स्थानक प्रतिरूप आ छाया
मात्र अछि। कारण, मूसा जखन मिलाप-
मण्डप बनयबाक लेल तैयार छलाह
तखन परमेश्वर हुनका आज्ञा देलथिन
जे, “सावधान रहह, हम जे किछु तोरा
पहाड़ पर देखौने छिअह तोँ ताही नमूनाक
अनुसार सभ किछु बनबिहह।”* 6जे
सेवा-काज ओ पुरोहित सभ करैत छथि,
ताहि सँ यीशुक सेवा-काज अधिक श्रेष्ठ
अछि, जहिना ई नव सम्बन्ध जे परमेश्वर
यीशुक माध्यम सँ अपना लोकक संग
स्थापित कयने छथि से पुरान वला सँ
श्रेष्ठ अछि, और श्रेष्ठ बात सभक विषय
मे देल गेल वचन पर आधारित अछि।
7पहिल सम्बन्ध मे जँ कोनो त्रुटी नहि
रहैत तँ नव सम्बन्ध स्थापित करबाक
आवश्यकते की होइत? 8मुदा परमेश्वर
अपन लोक पर दोष लगबैत ई कहलनि,

“प्रभु कहैत छथि जे,
देखह, ओ समय आबि रहल अछि
जहिया हम इस्राएलक और
यहूदाक वंश केँ
वचन दऽ कऽ ओकरा सभक
संग एक नव सम्बन्ध स्थापित
करब।
9 प्रभु कहैत छथि जे,
ई ओहि सम्बन्ध जकाँ नहि होयत
जे हम ओकरा सभक पूर्वज सभक
संग
ओहि समय मे स्थापित कयलहुँ
जहिया हम ओकरा सभ केँ मिस्र
देश सँ
हाथ पकड़ि कऽ निकालि अनने
छलहुँ।
ओ सभ ओहि सम्बन्ध केँ नहि मानि
कऽ
हमरा संग विश्वासघात कयलक।
तेँ हम ओकरा सभ सँ मुँह घुमा
लेलहुँ।”
10 प्रभु आगाँ कहैत छथि,
“आबऽ वला समय मे इस्राएलक
वंशक संग
हम वचन दऽ कऽ जे विशेष
सम्बन्ध स्थापित करब से ई
अछि—
हम अपन नियम सभ ओकरा सभक
मोन मे राखि देबैक
आ ओकरा सभक हृदय पर लिखि
देबैक।
हम ओकरा सभक परमेश्वर
रहबैक
आ ओ सभ हमर लोक रहत।
11 तखन एकर आवश्यकता नहि रहत
जे केओ अपना पड़ोसी केँ
सिखाबय
वा अपना भाय केँ कहय जे, ‘प्रभु केँ
चिन्हू,’
किएक तँ छोट सँ पैघ धरि सभ
केओ हमरा चिन्हत।
12 हम ओकरा सभक अपराध क्षमा
कऽ देबैक

8:5 प्रस्थान 25.40

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

और ओकरा सभक पापक स्मरण
फेर कहियो नहि करब।"*

13 परमेश्वर एहि सम्बन्ध केँ "नव"
कहि कऽ पहिलुका स्थापित सम्बन्ध केँ
पुरान ठहरौलनि। और जे पुरान अछि आ
काजक नहि रहल से लुप्त होमऽ-होमऽ
पर अछि।

9 पहिलुका सम्बन्ध जे परमेश्वर
अपना लोकक संग स्थापित कयने
छलाह ताहि मे आराधनाक विषय मे
नियम सभ छल और आराधनाक लेल
पृथ्वी पर एक पवित्र स्थानो छल। 2एक
मण्डप बनाओल गेल छल जकर पहिल
भाग मे लाबनि, टेबुल, आ परमेश्वर केँ
चढ़ाओल रोटी रहैत छल। ई भाग "पवित्र
स्थान" कहबैत छल। 3मण्डपक ओ भाग
जे दोसर परदाक पाछाँ छल से "परमपवित्र
स्थान" कहबैत छल। 4ओहि भागक
सामान ई सभ छल—सोनक वेदी जाहि पर
धूप जराओल जाइत छल आ "सम्बन्धक
साक्षीक सन्दूक" जाहि पर चारू भाग
सोनक पत्तर चढ़ाओल गेल छल। एहि
सन्दूक मे सोनक बर्तन जाहि मे "मन्ना"
वला रोटी छल, हारूनक लाठी जाहि मे
एक बेर पात निकलि गेल छल आ पाथरक
दूनू "सम्बन्धक साक्षीक पाटी" जाहि पर
परमेश्वर सँ देल गेल दस आज्ञा अंकित
छल, ई सभ वस्तु रहैत छल। 5सन्दूक पर
दूटा एहन स्वर्गदूतक प्रतिमा छल जाहि
स्वर्गदूत केँ "करूब" कहल जाइत छनि जे
परमेश्वरक महिमामय उपस्थितिक प्रतीक
छथि। ओहि प्रतिमा सभक पाँखि सन्दूकक
झाँप जकरा "प्रायश्चित्तक आसन" कहल
जाइत छल तकरा उपर फलकल रहैत
छल। मुदा एहि सभ बातक विस्तार सँ चर्चा
कयनाइ एखन सम्भव नहि अछि।

6 ई सभ वस्तु एहि तरहेँ अपन-अपन
जगह पर राखल गेल छल। ओहि समय
सँ पुरोहित सभ अपन सेवा-काज करबाक
लेल मण्डपक पहिल भाग मे नियमित
रूप सँ जाइत छलाह। 7मुदा मण्डपक
भीतरका भाग मे महापुरोहितेटा एसगरे आ
सेहो साल मे एके बेर प्रवेश करैत छलाह
आ ओहो बिनु खून लऽ कऽ नहि जाइत
छलाह जकरा ओ अपना लेल आ लोकक
अनजान मे कयल गेल पापक प्रायश्चित्तक
लेल चढ़बैत छलाह। 8एहि सँ परमेश्वरक
पवित्र आत्मा ई देखबैत छलाह जे जाबत
तक मण्डपक पहिल भागक व्यवस्था
कायम छल ताबत तक परमपवित्र स्थानक
मार्ग नहि खुजि गेल छल। 9ई एखुनका
समयक लेल एकटा दृष्टान्त अछि जे
स्पष्ट देखबैत अछि जे ई चढ़ौना आ
पशु-बलि सभ जे चढ़ाओल जाइत अछि
से आराधना कयनिहारक विवेकक दोष
नहि हटा सकैत अछि। 10कारण, ई सभ
खयनाइ-पिनाइ और नहयनाइ-धोनाइक
विभिन्न विधि सभ सँ सम्बन्धित मात्र
शारीरिक नियम सभ अछि जे तहिये तक
लागू छल जहिया तक परमेश्वर नव
व्यवस्था स्थापित नहि करथि।

यीशुक खून पाप केँ हटयबाक लेल अति सामर्थी

11 मुदा मसीह आबऽ वला नीक बात
सभक* महापुरोहित भऽ कऽ जहिया

8:12 यर्मि 31.31-34 **9:11** किछु हस्तलेख सभ मे एहि तरहेँ लिखल अछि, "मुदा मसीह आबि गेल नीक बात सभक"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रगट भेलाह तहिया ओ एक एहन मण्डप
दऽ कऽ गेलाह जे पुरनका सँ नीक आ पूर्ण
अछि आ जे मनुष्यक बनाओल नहि अछि,
अर्थात् एहि सृष्टिक नहि अछि। 12एहि
मण्डप बाटे जा कऽ ओ परमपवित्र स्थान
मे प्रवेश कयलनि। ओ प्रवेश कयलनि
छागर आ बाछाक खून लऽ कऽ नहि,
बल्कि अपन खून लऽ कऽ। ओ अपना
सभक लेल अनन्त कालीन छुटकारा प्राप्त
कऽ सदाक लेल एके बेर प्रवेश कयलनि।
13पुरान व्यवस्थाक अनुसार छागर आ
साँढ़क खून आ जराओल बाछीक छाउर
छिटला सँ अशुद्ध भेल आदमी शारीरिक
रूप सँ शुद्ध भऽ जाइत छल। 14जखन ओ
बात अछि, तँ ओहि सँ कतेक बढ़ि कऽ
मसीह, जे सनातन पवित्र आत्माक माध्यम
सँ अपना केँ निष्कलंक बलिक रूप मे
परमेश्वर केँ अर्पित कयलनि, तिनकर खून
अपना सभक मोन केँ किएक नहि शुद्ध
करत जाहि सँ मृत्यु मे लऽ जाय वला कर्म
सभ सँ मुक्त भऽ कऽ अपना सभ जीवित
परमेश्वरक सेवा करी!

15 एहि प्रकारेँ मसीह आब परमेश्वर
आ हुनकर लोकक बीच एक नव
सम्बन्ध स्थापित करैत छथि, जाहि सँ
परमेश्वर द्वारा बजाओल गेल लोक सभ
परमेश्वरक देल वचनक अनुसार अनन्त
काल तक रहऽ वला बातक उत्तराधिकारी
बनय। ई एहि आधार पर भेल जे पहिल
सम्बन्धक समय मे कयल गेल लोकक
अपराध सभक दण्ड भोगि कऽ मसीह
ओकरा सभक छुटकाराक मूल्य मे अपन
जान देलनि।

16 मृत्युक बाद अपन सम्पत्ति कोना
बाँटल जाय से स्पष्ट करबाक लेल
कतेक लोक वसीयतनामा* लिखैत
अछि। वसीयतनामा मे लिखल बात
लागू करबाक लेल वसीयतनामा लिखऽ
वला आदमीक मृत्यु प्रमाणित करब
जरूरी अछि। 17कारण, ओकर मृत्युक
बादे, वसीयतनामा मान्य होइत छैक।
जाबत तक वसीयतनामा लिखऽ वला
जीवित अछि ताबत तक ओ लागू नहि
होइत अछि। 18तेँ परमेश्वर आ हुनकर
लोकक बीच जे पहिलुका सम्बन्ध छल,
सेहो बिनु खून बहौने स्थापित नहि भेल।
19जखन मूसा सभ लोक केँ धर्म-नियमक
सभ आज्ञा सुना चुकलाह तखन ओ एक
जूफा गाछक झाड़ू आ लाल ऊन लऽ कऽ
बाछा आ छागर सभक खून पानिक संग
मिला कऽ धर्म-नियमक ग्रन्थ आ लोक
सभ पर छिटि देलनि।

20 एना करैत ओ कहलथिन, “एहि
खून द्वारा परमेश्वर अहाँ सभक संग
विशेष सम्बन्ध स्थापित करैत छथि जाहि
सम्बन्धक नियम सभ मानबाक आज्ञा देने
छथि।”* 21एहि तरहेँ मूसा मिलाप-मण्डप
आ ओहि मे धार्मिक विधिक लेल प्रयोग
होमऽ वला सभ सामान पर खून छिटलनि।
22धर्म-नियमक आज्ञाक अनुसार प्रायः
सभ वस्तु खून द्वारा शुद्ध कयल जाइत
अछि और बिनु खून बहौने पापक क्षमा
अछिए नहि।

23 ई आवश्यक छल जे ओ सभ वस्तु
जे स्वर्ग मेहक वस्तुक प्रतिरूप मात्र छल
से एहन बलिदान द्वारा शुद्ध कयल जाय

9:16 मूल यूनानी मे जे शब्द “वसीयतनामा” सँ अनुवाद कयल गेल, आ जे “वचन द्वारा स्थापित कयल विशेष सम्बन्ध”, से एके शब्द अछि। **9:20** प्रस्थान 24.8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मुदा वास्तविक स्वर्गिक वस्तुक लेल एहि
सँ उत्तम बलिदान जरूरी छल। 24कारण,
मसीह कोनो हाथक बनाओल पवित्र
स्थान, जे वास्तविक पवित्र स्थानक
प्रतिरूप मात्र अछि, ताहि मे प्रवेश
नहि कयलनि। नहि, ओ स्वर्गे मे प्रवेश
कयलनि जाहि सँ आब अपना सभक पक्ष
सँ परमेश्वरक सामने उपस्थित होथि।
25और ओ स्वर्ग मे एहि लेल प्रवेश नहि
कयलनि जे बेर-बेर अपना केँ चढ़बथि
जेना आन महापुरोहित सभ प्रति वर्ष
अपन खून लऽ कऽ नहि, पशुक खून लऽ
कऽ, परमपवित्र स्थान मे प्रवेश करैत
छथि। 26जँ एना रहैत तँ मसीह केँ सृष्टिक
आरम्भ सँ लऽ कऽ एखन धरि बेर-बेर
दुःख भोगऽ पड़ल रहितनि। मुदा से नहि,
आब युगक अन्त होमऽ-होमऽ पर ओ एके
बेर अयलाह जाहि सँ अपना केँ बलिदान
कऽ कऽ लोकक पाप केँ मेटबथि।
27जहिना ई निश्चित कयल गेल अछि जे
मनुष्य एके बेर मरय आ तकरबाद ओकर
न्याय कयल जाइक, 28तहिना बहुतो
लोकक पाप उठयबाक लेल मसीहो
एके बेर बलिदान भऽ गेलाह। आब ओ
दोसरो बेर औताह, मुदा पाप उठयबाक
लेल नहि, बल्कि ताहि लोक सभक मुक्ति
दिअयबाक लेल, जे सभ उत्सुकता सँ
हुनकर बाट ताकि रहल अछि।

यीशु—पूर्ण आ अन्तिम बलिदान

10 धर्म-नियम मे जे भेटैत अछि,
से आबऽ वला नीक बात
सभक वास्तविक स्वरूप नहि, बल्कि
तकर छाया मात्र अछि। तेँ धर्म-नियमक
व्यवस्था साले-साल चढ़ाओल जाय वला
एके तरहक बलिदान सभ द्वारा आराधना
करऽ वला सभ केँ सिद्ध नहि कऽ सकैत
अछि। 2जँ से बात होइत तँ की ओ
बलिदान सभ बन्द नहि भऽ गेल रहैत?
आराधना कयनिहार सभ एके बेर मे शुद्ध
भऽ गेल रहैत आ ओकरा सभक विवेक
फेर ओकरा सभ केँ दोषी नहि ठहरबैत
रहितैक। 3मुदा ठीक एकर विपरीत होइत
अछि। एहि बलिदान सभ द्वारा प्रति वर्ष
पाप सभक स्मरण दिआओल जाइत
अछि। 4किएक तँ ई असम्भव अछि जे
साँढ़ आ छागरक खून पाप केँ मेटाबय।
5तेँ मसीह संसार मे अयबाक समय मे
परमेश्वर केँ कहलथिन,

“अहाँ बलि आ चढ़ौना नहि चाहैत
छलहुँ,
बल्कि अहाँ हमरा लेल एक शरीर
तैयार कयलहुँ;
6 अहाँ होम-बलि आ पाप-बलि सँ
प्रसन्न नहि छलहुँ।
7 तखन हम कहलहुँ जे, ‘हे परमेश्वर,
जहिना धर्मशास्त्र मे हमरा
सम्बन्ध मे लिखल अछि,
तहिना हम अहाँक इच्छा पूरा
करबाक लेल आयल छी।’ ”*

8ऊपर कहल बात मे मसीहक कथन
छनि जे, “अहाँ ने बलिदान, ने चढ़ौना,
ने होम-बलि आ ने पाप-बलि चाहलहुँ
और ने ओहि सभ सँ प्रसन्न छलहुँ,”
जखन कि धर्म-नियमेक अनुसार ओ सभ
चढ़ाओल जाइत छल। 9ओ फेर आगाँ
कहैत छथि जे, “देखू, हम अहाँक इच्छा
पूरा करबाक लेल आयल छी।” एहि तरहेँ

10:7 भजन 40.6-8

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ पहिल व्यवस्था केँ समाप्त कयलनि
जाहि सँ दोसर केँ स्थापित करथि। [10]और
परमेश्वरक ओही इच्छा द्वारा अपना सभ
यीशु मसीहक शरीरक बलिदान सँ, जे
सदाकालक लेल एके बेर सम्पन्न भेल,
पवित्र कयल गेल छी।

11 प्रत्येक पुरोहित दिन-प्रतिदिन ठाढ़
भऽ कऽ अपन सेवाक काज करैत छथि
आ एके तरहक बलिदान बेर-बेर चढ़बैत
छथि, जे बलिदान पाप केँ कहियो नहि मेटा
सकैत अछि। [12]मुदा ई पुरोहित, अर्थात्
मसीह, पापक वास्ते सदाक लेल एकेटा
बलिदान चढ़ा कऽ परमेश्वरक दहिना कात
बैसलाह। [13]ओ ओही समय सँ एहि बातक
प्रतीक्षा कऽ रहल छथि जे हुनकर शत्रु सभ
केँ हुनका पयरक नीचाँ राखि देल जानि।
[14]कारण, ओ अपन एकमात्र बलिदान द्वारा
तकरा सभ केँ सदाक लेल सिद्ध कऽ देलनि
जे सभ पवित्र कयल जा रहल अछि।

15 परमेश्वरक पवित्र आत्मा सेहो
एहि विषय मे धर्मशास्त्र मे अपना सभ केँ
गवाही दैत पहिने ई कहैत छथि,

[16] “प्रभु कहैत छथि जे, आबऽ वला
समय मे
ओकरा सभक संग हम वचन दऽ
कऽ जे विशेष सम्बन्ध स्थापित
करब से ई अछि—
हम अपन नियम ओकरा सभक हृदय
मे राखि देबैक
और ओकरा सभक मोन मे लिखि
देबैक।”*

[17]फेर ओ आगाँ कहैत छथि जे,
“हम ओकरा सभक पाप आ
अपराध सभक
फेर स्मरण नहि करब।”*

[18]क्षमा जखन भऽ गेल अछि तखन पापक
लेल बलि-प्रदानक आवश्यकता नहि
रहल।

प्रोत्साहन और चेतावनी

19 एहि कारणेँ, यौ भाइ लोकनि, यीशुक
खून द्वारा अपना सभ केँ सोझे परमपवित्र
स्थान मे निडर भऽ कऽ जयबाक साहस
अछि। [20]कारण, ओ अपना शरीरक
बलिदान द्वारा अपना सभक लेल ओहि
परदा बाटे नव आ जीवित रस्ता खोलि
देलनि। [21]संगहि अपना सभक एहन
महान् पुरोहित छथि जे परमेश्वरक घरक
अधिकारी छथि, [22]तेँ आउ, निष्कपट
मोन सँ पूर्ण विश्वास आ भरोसाक संग
परमेश्वर लग चली, ई जानि जे हृदय पर
मसीहक खून छिटल गेला सँ अपना सभक
भितरी मोन सभ दोष सँ शुद्ध भऽ गेल अछि
आ शरीर शुद्ध पानि सँ साफ भऽ गेल अछि।
[23]अपना सभ जाहि आशा पर खुलि कऽ
विश्वास रखने छी ताहि आशा केँ दृढ़ता
सँ पकड़ने रही, कारण, जे अपना सभ केँ
वचन देने छथि से विश्वासयोग्य छथि।
[24]प्रेम आ भलाइक काज करऽ मे अपना
सभ एक-दोसर केँ कोना प्रेरित कऽ सकी
ताहि पर ध्यान राखी। [25]अपना सभ एक
संग जमा भेनाइ नहि छोड़ी जेना कि किछु
लोकक आदत अछि, बल्कि एक-दोसर
केँ प्रोत्साहित करैत रही, विशेष कऽ आब
जखन देखैत छी जे ओ दिन लगचिआ गेल
अछि जहिया यीशु फेर औताह।

26 कारण जँ अपना सभ सत्यक
ज्ञान प्राप्त कयलाक बादो जानि-बुझि

10:16 यर्मि 31.33 **10:17** यर्मि 31.34

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कऽ पाप करैत रहब तँ फेर पापक
प्रायश्चित्तक लेल कोनो बलिदान बाँचल
नहि रहल। 27 बल्कि एतबे बाँचल रहल जे
अपना सभ भयभीत भऽ न्यायक प्रतीक्षा
आ ओहि भीषण आगिक प्रतीक्षा करी
जे परमेश्वरक विरोधी सभ केँ भस्म कऽ
देत। 28 जे केओ मूसा द्वारा देल गेल धर्म-
नियमक उल्लंघन करैत छल तकरा दू वा
तीन लोकक गवाही सँ बिना कोनो दया
देखौने मृत्युदण्ड दऽ देल जाइत छल।
29 आब सोचू, जे केओ परमेश्वरक पुत्रक
अनादर कयने अछि, जे केओ ओहि
खून केँ, जाहि द्वारा परमेश्वर आ हुनकर
लोकक बीच नव सम्बन्ध स्थापित कयल
गेल आ जाहि खून द्वारा ओ स्वयं पवित्र
कयल गेल, तकरा तुच्छ बुझने अछि,
आ जे केओ परमेश्वरक दयावान पवित्र
आत्मा केँ अपमानित कयने अछि तकरा
की होयतैक? एहन लोक आरो कतेक
भयंकर दण्ड भोगबाक योग्य भेल!
30 कारण, अपना सभ तिनका चिन्हैत
छियनि जे ई कहलनि, “बदला लेब हमरे
काज अछि; हमहीं प्रतिफल देब।”* और
फेर इहो जे, “प्रभु अपन लोकक न्याय
करताह।”* 31 जीवित परमेश्वरक हाथ
मे पड़नाइ भयंकर बात अछि।

32 बितल समयक स्मरण करू जहिया
इजोत प्राप्त कयलाक बाद अहाँ सभ महा
कष्टक संघर्ष मे स्थिर रहलहुँ। 33 कहियो-
कहियो अहाँ सभ निन्दा आ अत्याचार
द्वारा लोकक सम्मुख तमाशा बनलहुँ और
कहियो-कहियो ओहने संकट मे पड़ल
लोक केँ देखि अहाँ सभ स्वेच्छा सँ हुनका
सभ केँ संग देलहुँ। 34 अहाँ सभ जहल
मे राखल गेल लोकक संग सहानुभूति
रखलहुँ, और अहाँ सभक धन-सम्पत्ति
जखन लुटि लेल गेल तँ तकरा खुशी सँ
बरदास्त कयलहुँ, कारण अहाँ सभ केँ
बुझल छल जे अहाँ सभ लग एहि सँ नीक
और टिकऽ वला सम्पत्ति अछि।

35 तेँ अपन साहस नहि छोड़ू, कारण
एकर प्रतिफल बहुत पैघ होयत। 36 अहाँ
सभ केँ स्थिर रहनाइ अति आवश्यक
अछि जाहि सँ परमेश्वरक इच्छा पूरा कऽ
कऽ अहाँ सभ ओ बात सभ प्राप्त करी
जकरा बारे मे परमेश्वर वचन देने छथि।
37 कारण, जेना धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

“आब किछुए समय मे ओ जे आबऽ
वला छथि से औताह।
ओ विलम्ब नहि करताह।
38 हमर धार्मिक लोक विश्वास करैत
जीवित रहत
मुदा जँ ओ पाछाँ हटि जाय
तँ हमर मोन ओकरा सँ प्रसन्न नहि
होयत।”*

39 पाछाँ हटि कऽ विनाश होमऽ वला सभ
मे सँ अपना सभ नहि छी, बल्कि विश्वास
करैत उद्धार पौनिहार सभ मे सँ छी।

विश्वासक परिभाषा आ उदाहरण

11 विश्वास की अछि? विश्वास
ओहि बात सभक पक्का
आश्वासन अछि जकरा लेल आशा
कयल जाइत अछि और ओहि वस्तु
सभक अस्तित्वक विषय मे दृढ़ निश्चय
अछि जे वस्तु सभ देखार नहि अछि।
2 विश्वासेक कारणेँ प्राचीन समयक भक्त
सभ सँ परमेश्वर प्रसन्न भेलाह।

10:30 व्यव 32.35 **10:30** व्यव 32.36; भजन 135.14 **10:38** हबक 2.3, 4

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

3 विश्वासे द्वारा अपना सभ बुझैत छी
जे सम्पूर्ण विश्वक सृष्टि परमेश्वरक
आज्ञा द्वारा भेल, आ देखाइ पड़ऽ वला
वस्तु सभ कोनो आन देखाइ पड़ऽ वला
वस्तु सँ नहि रचल गेल।

4 विश्वासेक कारणेँ हाबिल अपन
भाय काइन सँ नीक बलिदान परमेश्वर
केँ चढ़ौलनि। विश्वासेक कारणेँ हुनका
एक धार्मिक पुरुषक रूप मे सम्मान
भेटलनि जखन परमेश्वर हुनकर चढ़ौना
स्वीकार कयलनि। हाबिल मरल होइतो
अपन विश्वास द्वारा आइओ विश्वासक
सम्बन्ध मे एक आवाज छथि।

5 विश्वासेक कारणेँ हनोक बिनु मृत्युक
अनुभव कयने एहि पृथ्वी परक जीवन सँ
सशरीर ऊपर उठा लेल गेलाह। ओ फेर
देखाइ नहि पड़लाह कारण परमेश्वर
हुनका ऊपर उठा लेने छलथिन। धर्मशास्त्र
मे हनोकक सम्बन्ध मे चर्चा कयल गेल
अछि जे हुनका उठाओल जयबा सँ पहिने
परमेश्वर हुनका सँ प्रसन्न छलथिन।
6विश्वासक बिना परमेश्वर केँ प्रसन्न
कयनाइ असम्भव अछि कारण जे केओ
हुनका लग आबऽ चाहैत अछि तकरा
ई विश्वास कयनाइ आवश्यक छैक जे
परमेश्वर छथि और ओ तकरा प्रतिफल
दैत छथिन जे हुनकर खोज मे लगनशील
अछि।

7 जे बात ओहि समय तक कहियो नहि
देखल गेल छल, तेहन बातक सम्बन्ध
मे नूह परमेश्वर सँ चेतावनी पौलनि।
विश्वासेक कारणेँ ओ परमेश्वरक भय
मानैत हुनकर आज्ञाक अनुसार अपना
परिवार केँ बचयबाक लेल एकटा जहाज
बनौलनि। ओ अपन विश्वास द्वारा
संसार केँ दोषी ठहरौलनि और ओहि
धार्मिकताक उत्तराधिकारी बनलाह जे
विश्वास पर आधारित अछि।

8 विश्वासेक कारणेँ अब्राहम
परमेश्वरक आज्ञा मानलनि जखन
परमेश्वर हुनका ओहि देश मे जयबाक
लेल बजौलथिन जे देश बाद मे हुनका
उत्तराधिकार मे भेटऽ वला छलनि। ओ
इहो नहि जानि जे हम कतऽ जा रहल छी
विदा भऽ गेलाह। 9जाहि देशक बारे मे
परमेश्वर हुनका वचन देने छलाह, ताहि
देश मे ओ विश्वासेक कारणेँ परदेशी
भऽ कऽ वास कयलनि। ओ इसहाक आ
याकूबक संग, जिनका सभ केँ परमेश्वर
सेहो वैह वचन देलनि, तम्बू मे रहलाह।
10कारण, ओ ओहि नगरक बाट तकैत
छलाह जे कहियो नहि हटऽ वला अछि*,
जकर रचनिहार आ बनौनिहार परमेश्वर
छथि।

11 विश्वासेक कारणेँ अब्राहमक
स्त्री, सारा, अवस्था ढरि गेलाक बादो
गर्भधारण करबाक सामर्थ्य पौलनि,
कारण ओ मानलनि जे वचन देबऽ वला
परमेश्वर विश्वासयोग्य छथि। 12एहि
तरहेँ एके पुरुष सँ जे मरणासन्न छलाह,
अर्थात् अब्राहम सँ, आकाशक तरेगन
जकाँ असंख्य और समुद्र-कातक बालु
जकाँ अनगनित वंशज उत्पन्न भेल।

13 जाहि बात सभक बारे मे परमेश्वर
वचन देने छलाह, से बात सभ बिनु पौने ई
सभ लोक विश्वास करितहि मरलाह मुदा
ओहि बात सभ केँ दूरे सँ देखि आनन्दित
छलाह। ई सभ खुलि कऽ मानि लेलनि जे,

11:10 अक्षरशः "ओहि न्यो वला नगरक बाट तकैत छलाह"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“ई संसार हमरा सभक वास्तविक घर नहि
अछि; हम सभ एतऽ परदेशी भऽ रहि रहल
छी।” 14जे केओ एहन बात कहैत अछि
से स्पष्ट देखबैत अछि जे ओ एक एहन
देशक बाट ताकि रहल अछि जे ओकर
अपन होइक। 15ओ सभ ओहि देशक
सम्बन्ध मे नहि सोचैत छलाह जाहि देश
सँ ओ सभ निकलल छलाह, कारण जँ
से बात रहैत तँ ओतऽ घूमि कऽ फेर जा
सकैत छलाह। 16मुदा नहि। ओ सभ ताहि
सँ उत्तम एक देश, अर्थात् “स्वर्ग-देश”, मे
पहुँचबाक अभिलाषी छलाह। एहि कारणेँ
परमेश्वर हुनका सभक परमेश्वर कहयबा
मे कोनो संकोच नहि मानैत छथि। ओ तँ
हुनका सभक लेल एक नगर तैयार कऽ
लेने छथि।

17 परमेश्वर जखन अब्राहम सँ परीक्षा
लेलनि तखन अब्राहम विश्वासेक कारणेँ
परमेश्वरक आज्ञा मानि इसहाक केँ हुनका
अर्पित कयलनि। परमेश्वर जिनका वचन
देने छलाह से अपन एकमात्र पुत्र इसहाक
केँ वेदी पर बलि चढ़यबाक लेल तैयार
भेलाह, 18जखन कि परमेश्वर हुनका ई
कहने छलथिन जे, “इसहाके सँ उत्पन्न
वंशज तोहर वंश मानल जयतह।”*
19अब्राहम ई मानैत छलाह जे परमेश्वर
मृत्युओ मे सँ लोक केँ जीवित कऽ देबऽ मे
सामर्थी छथि और एक अर्थे ओ इसहाक
केँ मृत्यु मे सँ फेर पाबिओ लेलनि।

20 विश्वासेक कारणेँ इसहाक
अपन पुत्र सभ याकूब आ एसाव केँ
भविष्यक सम्बन्ध मे आशीर्वाद देल-
थिन। 21विश्वासेक कारणेँ याकूब
अपन अन्तिम समय मे यूसुफक दूनू पुत्र,
अर्थात् अपन पोता सभ केँ एक-एक कऽ
आशीर्वाद देलथिन और अपन लाठीक
सहारा लैत झुकि कऽ परमेश्वरक
आराधना कयलनि।

22 विश्वासेक कारणेँ यूसुफ अपन
जीवनक अन्तिम समय मे इस्राएली
समाजक जे मिस्र देश सँ भविष्य मे होमऽ
वला प्रस्थानक बात छल तकर चर्चा कऽ
ई आदेश देलनि जे “परमेश्वर अवश्य
अहाँ सभ केँ बचौताह। तहिया अहाँ सभ
निश्चित हमर शरीरक हड्डी एहि देश सँ
अपना संग लऽ जायब।”

23 विश्वासेक कारणेँ जखन मूसाक
जन्म भेलनि तखन हुनकर माय-बाबू
ई देखि जे ई एक विशेष बच्चा अछि,
राजाक आज्ञा सँ भयभीत नहि भऽ कऽ
हुनका तीन मास धरि नुका कऽ रखलनि।

24 विश्वासेक कारणेँ मूसा नमहर भेला
पर राजा फरओक नाति कहायब स्वीकार
नहि कयलनि। 25ओ पापक क्षणिक सुख
भोगबाक बदला मे परमेश्वरक प्रजाक
संग अत्याचार सहनाइ चुनलनि। 26ओ
मिस्र देशक सम्पूर्ण धन-सम्पत्तिक अपेक्षा
आबऽ वला उद्धारकर्ता-मसीहक लेल
निन्दा सहब अधिक बहुमूल्य बुझलनि,
कारण हुनकर नजरि भविष्य मे भेटऽ
वला इनाम पर टिकल रहनि। 27राजाक
क्रोध सँ भयभीत नहि भऽ ओ विश्वासेक
कारणेँ मिस्र देश छोड़ि देलनि। जेना ओ
अदृश्य परमेश्वर केँ देखैत होथि तेना
दृढ़ बनल रहलाह। 28विश्वासेक कारणेँ
ओ फसह-पाबनि स्थापित कयलनि और
केबाड़क चौकठि पर खून लगौलनि,
जाहि सँ जेठ सन्तान केँ विनाश करऽ

11:18 उत्पत्ति 21.12

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

वला दूत इस्राएली सभ पर अपन हाथ
नहि बढ़बथि।
29 विश्वासेक कारणेँ इस्राएली सभ
लाल सागर केँ तेना पार कयलक जेना
ओ सुखल भूमि होइक, मुदा जखन मिस्री
लोक ओहिना करऽ चाहलक तँ ओ सभ
लाल सागरक पानि मे डुबि कऽ मरि गेल।
30 विश्वासेक कारणेँ यरीहो नगर केँ
चारू कात सँ घेरऽ वला देवाल ढहि गेल
जखन इस्राएली लोक सभ सात दिन धरि
ओकर परिक्रमा कयलक। 31 विश्वासेक
कारणेँ राहाब नामक वेश्या परमेश्वरक
आज्ञा नहि मानऽ वला यरीहो नगरक अन्य
लोक सभक संग नष्ट नहि कयल गेलीह,
कारण ओ इस्राएली भेदिया सभ केँ दुश्मन
नहि मानि स्वागत-सत्कार कयलनि।
32 एहि सँ बेसी हम आओर की कहू?
गिदोन, बाराक, शिमशोन, यिप्ताह,
दाऊद, शमूएल आ परमेश्वरक प्रवक्ता
सभक चर्चा करबाक एखन समय नहि
अछि। 33 ई सभ विश्वासे द्वारा राज्य
सभ केँ अपन अधीन कयलनि, न्यायक
संग शासन कयलनि, ओ बात सभ
प्राप्त कयलनि जाहि बातक सम्बन्ध मे
परमेश्वर वचन देने छलाह। ई सभ सिंह
सभक मुँह बन्द कऽ, 34 धधकैत आगि केँ
मिझा कऽ आ तरुआरिक धार सँ बाँचि
कऽ सुरक्षित रहलाह। ई सभ निर्बलता
मे बलवन्त कयल गेलाह और युद्ध मे
सामर्थी भऽ आन-आन देशक सेना सभ
केँ भगौलनि। 35 स्त्रीगण सभ अपन प्रिय
लोक केँ मृत्यु सँ फेर जीवित पौलनि।
किछु लोक बचाओल जयबाक बात
अस्वीकार कऽ यातनापूर्ण मृत्यु सहब
चुनलनि जाहि सँ एहि पृथ्वी परक जीवन
सँ उत्तम जीवनक लेल जिआओल जाइ।
36 परीक्षा सहैत किछु लोक केँ उपहासक
पात्र बनऽ पड़ल, कोड़ाक मारि खाय
पड़ल, और जंजीर सँ बन्हा कऽ जहल मे
रहऽ पड़ल। 37 किछु लोक केँ पथरबाहि
कऽ कऽ मारल गेलनि। किछु केँ आरी
सँ चीरि कऽ दू फाँक कऽ देल गेलनि।
किछु लोक केँ तरुआरि सँ वध कयल
गेलनि। किछु लोक गरीबी, अत्याचार आ
दुर्व्यवहार सहैत भेँड़ा और बकरीक छाल
ओढ़ने घुमैत छलाह। 38 संसार हुनका
सभक जोगरक नहि छल। हुनका सभ
केँ निर्जन क्षेत्र मे, पहाड़ पर, गुफा मे और
खधिया मे शरण लेबऽ पड़लनि।
39 विश्वासेक कारणेँ एहि सभ लोक सँ
परमेश्वर प्रसन्न भेलाह, मुदा तैयो हिनका
सभ केँ ओ बात सभ नहि भेटलनि जाहि
सम्बन्ध मे परमेश्वर वचन देने छलथिन।
40 कारण, परमेश्वर अपना सभक लेल
एहि सँ उत्तम एक योजना बनौने छलाह,
आ से ई अछि जे, मात्र अपना सभक संग
हुनका सभ केँ पूर्ण सिद्धता भेटतनि।

विश्वासक श्रेष्ठ उदाहरण—यीशु

12 तँ जखन गवाही देबऽ वला
सभक एहन विशाल समूह
सँ अपना सभ घेरल छी तँ अबैत जाउ,
अपना सभ प्रत्येक विघ्न-वाधा उतारि
कऽ फेकि दी, आ पापो, जे अपना सभ केँ
तुरत्ते ओझरबैत अछि, आ ई दौड़, जाहि
मे अपना सभ केँ दौड़बाक अछि, नहि
छोड़ि धैर्यपूर्बक अन्त तक दौड़ी। 2 अपन
नजरि अपना सभक विश्वास केँ शुरुआत
आ सिद्ध कयनिहार यीशु पर राखी जे
सामने राखल आनन्दक कारणेँ क्रूसक
कलंक पर ध्यान नहि दऽ तकर दुःख
सहलनि आ आब परमेश्वरक सिंहासनक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

दहिना कात बैसल छथि। [3]ओ जे पापी
सभक हाथ सँ कतेक घोर विरोध सहलनि
तिनका पर ध्यान दिअ, जाहि सँ एना नहि
होअय जे अहाँ सभ थाकि कऽ हिम्मत
हारी।

परमेश्वरक सजाय सुधारक लेल

4 पाप सँ संघर्ष करैत अहाँ सभ केँ एखन
तक अपन खून नहि बहाबऽ पड़ल अछि।
[5]की अहाँ सभ धर्मशास्त्रक ई उपदेश
बिसरि गेलहुँ जाहि मे अहाँ सभ केँ पुत्र
कहि कऽ सम्बोधन कयल गेल अछि?—

“हे हमर पुत्र, प्रभुक सजाय केँ तुच्छ
नहि मानह,
और जखन ओ तोरा कोनो गलती
देखा कऽ डँटैत छथुन
तँ हिम्मत नहि हारह।
[6] कारण, जकरा सँ प्रभु प्रेम करैत
छथि तकरा ओ सजाय दऽ कऽ
सुधारैत छथिन,
जकरा ओ पुत्र मानैत छथि तकरा
ओ कोड़ा लगबैत छथिन।”*

7 कष्ट केँ ई बुझि कऽ सहि लिअ जे
परमेश्वर एहि द्वारा हमरा सुधारि रहल
छथि। कारण ओ अहाँ केँ पुत्र मानि
अहाँक संग पिता जकाँ व्यवहार कऽ
रहल छथि। की कोनो एहन पुत्र अछि
जकर पिता ओकरा सजाय दऽ कऽ
नहि सुधारैत होइक? [8]जँ अहाँ सभ केँ
सुधारल नहि जाइत अछि जखन की सभ
बेटा केँ सुधारल जाइत छैक तँ अहाँ सभ
पारिवारिक-पुत्र नहि, अनजनुआ-जन्मल
पुत्र सभ छी। [9]एतबे नहि, जखन शारीरिक
पिता अपना सभ केँ सजाय दैत छलाह आ
ताहि लेल अपना सभ हुनका सभक आदर
करैत छलहुँ तँ ओहि सँ बढ़ि कऽ अपन
आत्मिक पिताक अधीन मे रहनाइ अपना
सभ किएक नहि स्वीकार करी जाहि सँ
जीवन पाबी? [10]ओ सभ सीमित समयक
लेल जहिना अपना बुद्धिक अनुसार
ठीक बुझैत छलाह, तहिना अपना
सभ केँ सजाय देलनि, मुदा परमेश्वर ई
जानि जे अपना सभक कल्याणक लेल
केहन सजाय ठीक होयत अपना सभ केँ
सुधारैत छथि जाहि सँ ओ जहिना पवित्र
छथि, तहिना अपनो सभ पवित्र बनी।
[11]जखन कोनो तरहक सजाय ककरो भेटि
रहल छैक तँ ताहि समय मे ओ ओकरा
सुखदायक नहि, दुःखदायक लगैत छैक,
मुदा बाद मे, तकरा द्वारा सुधारल गेलाक
बाद, ओकर परिणाम एक धार्मिक आ
शान्तिपूर्ण जीवन होइत अछि।

12 तेँ थाकल हाथ आ कमजोर ठेहुन केँ
मजगूत बनाउ। [13]और “अपना लेल सोझ
रस्ता बनाउ”* जाहि सँ नाङड़क पयर
उखड़ैक नहि, बल्कि स्वस्थ भऽ जाइक।

परमेश्वर केँ अस्वीकार कयनिहारक लेल चेतावनी

14 सभक संग मेल-मिलाप सँ रहबाक
लेल आ पवित्र जीवन बितयबाक
लेल पूरा मोन सँ प्रयत्न करू, कारण,
पवित्रताक बिना केओ परमेश्वर केँ नहि
देखऽ पाओत। [15]सावधान रहू जाहि सँ
अहाँ सभ मे सँ केओ परमेश्वरक कृपा
सँ वंचित नहि रही, और जाहि सँ एना
नहि होअय जे ककरो मोन मे ईर्ष्याक
बीया जनमि कऽ कष्टक कारण बनय

12:6 नीति 3.11, 12 **12:13** नीति 4.26

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ ओकर विष बहुतो कैँ दुषित करय।
16 अहाँ सभ मे सँ केओ ककरो संग
अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध नहि राखू आ
ने एसाव जकाँ परमेश्वरक डर नहि मानऽ
वला होउ जे एक साँझक भोजनक बदला
मे अपन जेठ सन्तान वला अधिकार बेचि
देलनि। 17 अहाँ सभ जनैत छी जे बाद मे
जखन ओ अपन पिताक आशीर्वाद प्राप्त
करऽ चाहैत छलाह तँ हुनका अस्वीकार
कयल गेलनि। नोरो बहा-बहा कऽ विनती
कयलनि मुदा हुनका अपन पहिल निर्णय
बदलबाक अवसर नहि भेटलनि।

18 अहाँ सभ पूर्वज सभ जकाँ ओहि
सीनय पहाड़ लग नहि आयल छी जकरा
छुअल जा सकैत अछि, जाहिठाम
धधकैत आगि, कारी मेघ, घोर अन्हार,
भयंकर अन्हड़-बिहारि, 19 आ धुतहूक
आवाज छल, आ जाहिठाम एक स्वर
एहन बात कहैत सुनाइ दैत छल जकरा
सुनि लोक सभ विनती करऽ लागल जे
ओ फेर ओकरा सभ कैँ नहि सुनाइ दैक।
20 कारण, ओकरा सभ कैँ ओहि स्वरक ई
आज्ञा बरदास्त नहि भेलैक जे, “जँ मालो-
जाल पहाड़ मे भिड़त तँ ओकरा पथरबाहि
कऽ कऽ मारि देल जाय।”* 21 ओ दृश्य
ततेक भयानक छल जे मूसो कहलनि,
“हम डर सँ थर-थर कँपैत छी।”*

22 अहाँ सभ ओतऽ नहि, बल्कि सियोन
नामक पहाड़ जे स्वर्गिक यरूशलेम
अछि, अर्थात् जीवित परमेश्वरक नगर
लग आयल छी, जतऽ खुशीक उत्सव
मनाबऽ वला लाखो-लाख स्वर्गदूतक
सम्मेलन अछि। 23 जतऽ ओ मण्डली
अछि, जकर प्रत्येक सदस्य जेठ सन्तान
मानल जाइत अछि आ जकरा सभक नाम
स्वर्ग मे लिखल गेल अछि ततऽ आयल
छी। जतऽ सभक न्यायाधीश परमेश्वर
छथि आ जतऽ सिद्ध कयल गेल धार्मिक
लोक सभक आत्मा अछि ततऽ आयल
छी। 24 अहाँ सभ यीशु लग आयल छी,
जे परमेश्वर आ हुनकर लोकक बीच
नव सम्बन्धक मध्यस्थ छथि, जिनकर
छिटल गेल खून हाबिलक खूनक अपेक्षा
कतेक उत्तम बात कहैत अछि।

25 सावधान रहू! जे बाजि रहल
छथि तिनकर आज्ञा कैँ अस्वीकार नहि
करू। कारण, जे लोक सभ पृथ्वी पर सँ
चेतावनी देनिहारक बात नहि सुनलक से
जखन नहि बाँचि सकल, तखन अपना
सभ जँ स्वर्ग सँ चेतावनी देनिहारक बात
नहि सुनब तँ कोना बाँचब? 26 ओहि समय
हुनकर स्वर पृथ्वी कैँ डोला देलक मुदा
आब ओ ई वचन देलनि जे, “हम एक
बेर आरो पृथ्विए नहि, बल्कि आकाशो
डोला देब।”* 27 हुनकर “एक बेर
आरो” कहला सँ ई स्पष्ट कयल गेल जे
डोलऽ वला वस्तु, अर्थात् सृष्टि कयल
वस्तु, हटाओल जायत जाहि सँ जे नहि
डोलाओल जा सकैत अछि सैहटा रहि
जायत।

28 तँ जखन अपना सभ कैँ एहन
राज्य भेटि रहल अछि जे अटल अछि
तँ अबैत जाउ, अपना सभ परमेश्वरक
धन्यवाद करैत श्रद्धा आ भयक संग
हुनकर एहन आराधना करी जे हुनका
ग्रहणयोग्य होनि। 29 कारण, “अपना
सभक परमेश्वर भस्म करऽ वला आगि
छथि।”*

12:20 प्रस्थान 19.12, 13 **12:21** व्यव 9.19 **12:26** हाग 2.6 **12:29** व्यव 4.24

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पवित्र जीवनक लेल उपदेश

13 अहाँ सभ एक-दोसर केँ अपन
लोक मानि प्रेम करैत रहू।
2 अनचिन्हारो सभक अतिथि-सत्कार
कयनाइ नहि बिसरू, कारण, एहि तरहेँ
किछु लोक बिनु जनने स्वर्गदूत सभक
सेवा-सत्कार कयने छथि। 3 जहल मे
राखल लोक सभक ओहिना सुधि लिअ
जेना अहाँ अपने ओकरा संग जहल मे
राखल होइ। जे सभ सताओल जाइत
अछि तकरो सभ पर ध्यान दिअ कारण,
अहूँ सभ ओकरे सभ जकाँ हाड़-माँसुक
छी।

4 सभ केओ विवाह-बन्धन केँ आदरक
दृष्टि सँ देखथि। वैवाहिक सम्बन्ध दुषित
नहि कयल जाय कारण, जे अनैतिक
सम्बन्ध रखैत अछि, चाहे ओ विवाहित
होअय वा अविवाहित, परमेश्वर तकरा
दण्ड देताह।

5 अहाँ सभ धनक लोभ सँ मुक्त रहू।
जे किछु अहाँ लग अछि ताहि सँ सन्तुष्ट
रहू, कारण परमेश्वर कहने छथि,

“हम तोहर संग कहियो नहि छोड़बह
कहियो तोरा नहि त्यागबह।”*

6 तेँ अपना सभ साहसक संग कहैत छी,

“प्रभु हमर सहायता कयनिहार छथि,
हम कोनो बात सँ नहि डेरायब।
मनुष्य हमरा करत की?”*

7 अहाँ सभ अगुआ सभक ओहि पहिल
समूहक स्मरण करू जे सभ अहाँ सभ
केँ परमेश्वरक वचन सुनौलनि। हुनका
सभक जीवन-शैली आ तकर परिणाम की
भेल ताहि पर विचार करू। जाहि तरहेँ ओ
सभ परमेश्वर पर भरोसा रखलनि, ताही
तरहेँ अहूँ सभ हुनका पर भरोसा राखू।

8 यीशु मसीह काल्हि, आइ आ अनन्त
काल तक एक समान छथि।

9 अनेक प्रकारक विचित्र शिक्षाक
फेरी मे नहि पड़ू। नीक ई अछि जे अपना
सभ अपन हृदय केँ परमेश्वरक कृपा
सँ बलगर बनाबी, नहि कि खान-पान
सम्बन्धी नियम सभ सँ, किएक तँ ओहन
नियम मानऽ वला लोक सभ केँ कहियो
ओहि सँ कोनो लाभ नहि होइत छैक।
10 अपना सभ केँ एक वेदी अछि जाहि पर
एहन बलि चढ़ाओल गेल छथि जाहि मे
भाग लेबाक अधिकार तकरा सभ केँ नहि
छैक जे सभ एखनो मूसाक धर्म-नियम
मानि मिलाप-मण्डप मे सेवा-काज करैत
अछि।

11 महापुरोहित बलिपशु सभक खून
पापक प्रायश्चित्तक लेल परमपवित्र
स्थान मे लऽ जाइत छथि, मुदा ओहि पशु
सभक लास बस्ती सँ बाहर जराओल
जाइत अछि। 12 तहिना यीशु सेहो अपना
खून द्वारा लोक सभ केँ पवित्र करबाक
लेल नगरक छहरदेवाली सँ बाहरे दुःख
भोगलनि। 13 तेँ अपनो सभ हुनका संग
कयल गेल अपमान अपना पर स्वीकार
कऽ कऽ हुनका लग, मानू बस्ती सँ
बाहर, चली। 14 कारण, एहि पृथ्वी पर
अपना सभक कोनो स्थायी नगर नहि
अछि, बल्कि अपना सभ ओहि नगरक
बाट तकैत छी जे भविष्य मे आबऽ वला
अछि।

15 तेँ अपना सभ यीशुक माध्यम सँ
परमेश्वर केँ स्तुति-बलिदान सदत चढ़बैत

13:5 व्यव 31.6 **13:6** भजन 118.6, 7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

रही, अर्थात् मुँह सँ हुनकर नामक गुणगान
रूपी चढ़ौना। [16]आ तकरा संग अहाँ सभ
भलाइक काज कयनाइ आ अपन चीज-
वस्तु सँ दोसराक सहायता कयनाइ नहि
बिसरू, कारण एहन बलिदान सँ परमेश्वर
प्रसन्न होइत छथि।

17 अहाँ सभ अपन अगुआ सभक
आज्ञा मानू आ हुनका सभक अधीन मे
रहू। कारण, अहाँ सभक लेल लेखा देबऽ
पड़तनि से जानि हुनका सभ केँ दिन-राति
अहाँ सभक आत्मिक कल्याणक चिन्ता
रहैत छनि। हुनका सभक अधीन मे रहू,
जाहि सँ ओ सभ अपन कर्तव्य आनन्दक
संग पूरा कऽ सकथि, नहि कि दुःखक
संग, किएक तँ ओहि सँ अहाँ सभ केँ
कोनो लाभ नहि होइत।

एक-दोसराक लेल प्रार्थना

18 हमरा सभक लेल प्रार्थना करैत रहू,
कारण, हम सभ अपन मोन शुद्ध बुझैत
छी। हम सभ हर बात मे वैह करऽ चाहैत
छी जे सही अछि। [19]हम जल्दिए अहाँ
सभक बीच फेर आबि सकी, ताहि लेल
प्रार्थना करबाक लेल हम विशेष रूप सँ
आग्रह करैत छी।

20-21 शान्ति देबऽ वला परमेश्वर
अहाँ सभ केँ सभ प्रकारक नीक गुण सँ
सम्पन्न करथि जाहि सँ अहाँ सभ हुनकर
इच्छा पूरा कऽ सकियनि। ओ तँ वैह
छथि जे भेँड़ा सभक ओहि महान् चरबाह
केँ, अर्थात् अपना सभक प्रभु यीशु केँ,
हुनकर बहाओल खूनक आधार पर
मृत्यु सँ फेर जिऔलथिन और ओहि खून
द्वारा अपना लोकक संग अनन्त कालीन
विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि।
जाहि काज सँ हुनका प्रसन्नता भेटैत
छनि तकरा ओ यीशु मसीहक माध्यम
सँ अपना सभ मे सम्पन्न करथि। यीशु
मसीहक गुणगान अनन्त काल धरि
होनि! आमीन।

22 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ हमर एहि
उपदेश पर धैर्यपूर्बक ध्यान दिअ, से हमर
आग्रह अछि, कारण, हम अहाँ सभ केँ
एक छोटेटा पत्र लिखलहुँ।

23 एकटा ई समाचार सुनबैत छी जे
अपना सभक भाय तिमुथियुस केँ जहल
सँ छोड़ि देल गेलनि। ओ जँ जल्दी एतऽ
पहुँचताह तँ हम हुनका संग लऽ कऽ अहाँ
सभ सँ भेँट करबाक लेल आयब।

24 अहाँ सभ अपन अगुआ लोकनि
आ प्रभुक सभ लोक केँ हमरा सभक
नमस्कार कहिऔन। इटली देशक भाय
सभ सेहो अहाँ सभ केँ अपन नमस्कार
पठबैत छथि।

25 अहाँ सभ गोटे पर परमेश्वरक कृपा
बनल रहय। आमीन।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

याकूबक पत्र

1 परमेश्वरक आ प्रभु यीशु मसीहक
सेवक याकूबक दिस सँ विश्व मे
छिड़िया कऽ रहि रहल बारहो कुलक
लोक केँ नमस्कार!

विपत्तिओ मे लाभ

2 यौ हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ पर
जखन अनेक प्रकारक आपत्ति-विपत्ति
आबय तँ ओकरा महा आनन्दक बात
बुझू। 3 कारण, अहाँ सभ जनैत छी जे
अहाँ सभक विश्वासक जाँच भेला सँ धैर्य
उत्पन्न होइत अछि। 4 मुदा धैर्य केँ ओकर
अपन काज पूरा करऽ दिऔक, जाहि सँ
अहाँ सभ आत्मिक रूप सँ बच्चा नहि रहि
कऽ सभ तरहेँ पूर्ण भऽ जाइ आ अहाँ सभ
मे कोनो बातक कमी नहि रहय।
5 जँ अहाँ सभ मे सँ किनको बुद्धिक
अभाव होअय तँ परमेश्वर सँ माँगू।
परमेश्वर अहाँ केँ बुद्धि देताह। कारण,
ओ बिनु डँटने खुशी सँ सभ केँ दैत छथि।
6 मुदा जखन मँगैत छी, तँ विश्वासपूर्बक
माँगू। शंका नहि राखू, कारण, शंका
रखनिहार व्यक्ति समुद्रक हिलकोर जकाँ
अछि जकरा हवा उठबैत आ खसबैत
रहैत छैक। 7 एहन व्यक्ति ई आशा नहि
राखय जे परमेश्वर सँ ओकरा किछु
भेटतैक, 8 कारण, एहन मनुष्य दूमतिया
अछि। सभ बात मे ओ अपन मोन आगाँ-
पाछाँ करैत रहैत अछि।
9 दीन-दुखी विश्वासी भाय अपन
वास्तविक ऊँच स्थान पर गर्व करथि।
10 मुदा धनवान अपन नीच स्थान पर गर्व
करथि, किएक तँ ओ घासक फूल जकाँ
समाप्त भऽ जयताह। 11 सूर्यक उदय होइते
रौद बढ़ि जाइत अछि और घास केँ सुखा
दैत छैक। ओकर फूल झरि जाइत अछि
और ओकर सुन्दरता नष्ट भऽ जाइत
छैक। तहिना धनवान मनुष्य सेहो धनक
लेल परिश्रम करिते-करिते समाप्त भऽ
जायत।
12 धन्य अछि ओ मनुष्य जे आपत्ति-
विपत्ति केँ धैर्यपूर्बक सामना करैत अछि,
किएक तँ परीक्षा मे स्थिर रहला पर ओकरा
ओ जीवन-मुकुट भेटतैक जे परमेश्वर
अपना सँ प्रेम करऽ वला सभ केँ देबाक
वचन देने छथि। 13 प्रलोभन मे पड़ल
कोनो व्यक्ति ई नहि कहय जे, “परमेश्वर
हमरा प्रलोभन मे राखि देने छथि,” कारण,
परमेश्वर अधलाह बात सभ सँ ने तँ स्वयं
प्रलोभन मे पड़ि सकैत छथि आ ने अनका
ककरो प्रलोभन मे रखैत छथि, 14 बल्कि
जे प्रलोभन मे पड़ैत अछि से अपने खराब
अभिलाषा सँ खिचल आ फँसाओल जाइत
अछि। 15 तखन अभिलाषाक गर्भ सँ पापक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जन्म होइत अछि और पाप बढ़ि कऽ मृत्यु
केँ उत्पन्न करैत अछि।
16 यौ हमर प्रिय भाइ सभ, धोखा नहि
खाउ। 17प्रत्येक नीक आ उत्तम दान जे
अछि, से ऊपर सँ अबैत अछि। सूर्य,
चन्द्रमा आ तारा सभक रचनिहार, पिता,
जे छाया जकाँ नहि बदलैत छथि, तिनके
सँ ई दान सभ भेटैत अछि। 18ओ अपना
सभ केँ सत्य वचन द्वारा नव जन्म देबाक
निर्णय कयलनि, जाहि सँ हुनकर समस्त
सृष्टि मे अपना सभ हुनकर सभ सँ श्रेष्ठ
रचना होइयनि*।

सुननिहारे नहि, कयनिहारो बनू

19 यौ हमर प्रिय भाइ सभ, अहाँ सभ
एहि बात केँ जानि राखू जे प्रत्येक व्यक्ति
केँ सुनबाक लेल तत्पर रहबाक चाही और
बाजऽ आ क्रोध करऽ मे देरी करबाक
चाही। 20कारण, मनुष्यक क्रोध ओहि
धार्मिक जीवन केँ उत्पन्न नहि करैत अछि
जे परमेश्वर देखऽ चाहैत छथि। 21तेँ
सभ प्रकारक गन्दा आचार-व्यवहार आ
सभ तरहक अधलाह बात केँ पूर्ण रूप मे
अपना सँ दूर कऽ कऽ हृदय मे रोपल गेल
परमेश्वरक ओहि वचन केँ नम्रतापूर्बक
स्वीकार करू जे वचन अहाँ सभक उद्धार
कऽ सकैत अछि। 22अहाँ सभ वचनक
पालन कयनिहार बनू, नहि कि मात्र
सुननिहार। जँ सुननिहारे छी तँ अपना केँ
धोखा दैत छी। 23जे केओ वचन केँ सुनैत
अछि मुदा तकर पालन नहि करैत अछि,
से ओहन मनुष्य जकाँ अछि जे अपन
मुँह अएना मे देखैत अछि, 24तकरबाद
चल जाइत अछि आ तुरत बिसरि जाइत
अछि जे ओ छल केहन। 25मुदा जे व्यक्ति
परमेश्वरक ओ नियम जाहि मे कोनो त्रुटी
नहि अछि और जे अपना सभ केँ स्वतन्त्र
करैत अछि तकरा ध्यान सँ देखि ओहि मे
बनल रहैत अछि, से व्यक्ति वचन सुनि
कऽ बिसरऽ वला नहि, बल्कि तकर पालन
करऽ वला बनैत अछि। एहन व्यक्ति
अपन सभ काज मे आशिष पाओत।
26 जँ केओ अपना केँ धार्मिक बुझैत
अछि मुदा अपन मुँह काबू मे नहि रखैत
अछि तँ ओ अपना केँ धोखा दैत अछि
और ओकर ओ धर्म बेकार छैक।
27परमेश्वर पिताक दृष्टि मे शुद्ध आ
असली धर्म यैह अछि—विपत्ति मे पड़ल
अनाथ और विधवा सभक सहायता
कयनाइ और अपना केँ संसारक अशुद्धता
सँ बँचा कऽ रखनाइ।

भेद-भाव पाप अछि

2 यौ हमर भाइ लोकनि, जँ अपना सभक
महिमामय प्रभु यीशु मसीह पर अहाँ
सभक विश्वास अछि तँ ककरो संग पक्षपात
नहि करू। 2जँ अहाँ सभक आराधना सभा
मे कोनो व्यक्ति सोनक औँठी आ किमती
वस्त्र पहिरने आबय और एक गरीब व्यक्ति
फाटल-पुरान वस्त्र पहिरने सेहो आबय,
3और तखन अहाँ सभ ओहि किमती वस्त्र
पहिरऽ वला पर विशेष ध्यान दैत कहिऐक
जे, “अपने एहि नीक स्थान पर बैसल
जाओ,” और ओहि गरीब केँ कहिऐक जे,
“ओतऽ कात मे ठाढ़ भऽ जो,” वा “एतऽ
हमरा पयर लग बैस,” 4तँ की अहाँ सभ
अपना बीच मे भेद-भावपूर्ण व्यवहार नहि
कयलहुँ? की अहाँ सभ गलत विचारक

1:18 अक्षरशः “जाहि सँ अपना सभ हुनकर सृष्टिक एक प्रकारक ‘प्रथम फल’ होइयनि”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अनुसार न्याय कयनिहार नहि ठहरलहुँ? 5यौ
हमर प्रिय भाइ सभ, सुनू! जे सभ संसारक
दृष्टि सँ गरीब अछि, की तकरा सभ कैं
परमेश्वर विश्वास मे धनिक होयबाक लेल
आ ओहि राज्यक उत्तराधिकारी होयबाक
लेल नहि चुनलथिन जे राज्य ओ अपन प्रेम
कयनिहार सभ कैं देबाक वचन देने छथि?
6मुदा अहाँ सभ तँ ओहि गरीब लोकक
अपमान कऽ देलिऐक। की धनिके लोक
सभ अहाँ सभक शोषण नहि करैत अछि, आ
अहाँ सभ कैं अदालत मे घिसिअबैत नहि लऽ
जाइत अछि? 7वा, की यैह लोक सभ प्रभु
यीशुक सर्वश्रेष्ठ नामक बदनामी नहि करैत
अछि, जिनकर लोक अहाँ सभ छी?

8 धर्मशास्त्र कहैत अछि, "अपन पड़ोसी
सँ अपने जकाँ प्रेम करह।"* जँ अहाँ सभ
वास्तव मे एहि राजकीय नियमक पालन
करैत छी तँ ठीक करैत छी। 9मुदा जँ अहाँ
सभ पक्षपात करैत छी तँ पाप कऽ रहल
छी आ धर्म-नियम अहाँ सभ कैं अपराधी
ठहरबैत अछि। 10कारण, जँ केओ सम्पूर्ण
धर्म-नियमक पालन करैत अछि और
एकोटा बात मे चुकि जाइत अछि तँ ओ
धर्म-नियमक सभ बात मे दोषी ठहरैत अछि।
11किएक तँ जे ई कहलनि, "परस्त्रीगमन
नहि करह,"* सैह इहो कहलनि जे, "हत्या
नहि करह,"* तेँ जँ अहाँ परस्त्रीगमन तँ
नहि कयलहुँ मुदा हत्या कयलहुँ तँ अहाँ
धर्म-नियमक उल्लंघन कयनिहार ठहरैत
छी। 12एहि लेल अहाँ सभक बात-चीत आ
व्यवहार एहन लोक सभक जकाँ होअय
जकर सभक न्याय ओहि नियमक अनुसार
होयतैक जे स्वतन्त्र करैत अछि। 13कारण,
जे केओ दया नहि देखबैत अछि तकरो
न्याय बिनु दये देखौने कयल जयतैक। दया
न्याय पर विजयी होइत अछि।

विश्वास आ काज, दूनू जरूरी

14 यौ हमर भाइ लोकनि, केओ जँ कहैत
अछि जे, "हम विश्वास करैत छी," मुदा
ओ ताहि अनुरूप काज नहि करैत अछि तँ
ओहि सँ ओकरा लाभ की होयतैक? की
एहन विश्वास ओकर उद्धार कऽ सकैत
छैक? 15जँ कोनो भाय वा कोनो बहिन
कैं पहिरबाक लेल वस्त्र नहि छैक आ
खयबाक लेल भोजनक वस्तु नहि छैक,
16आ तकरा अहाँ सभ मे सँ केओ कहैत
छिऐक जे, "कुशलपूर्बक जाउ, आराम सँ
पहिरू-ओढ़ू आ भरि पेट भोजन करू,"
मुदा ओकरा जे शरीरक लेल आवश्यक
छैक तकर पूर्ति जँ नहि करैत छिऐक तँ
ओहि सँ लाभ की? 17एहि तरहेँ विश्वास
सेहो, जँ मात्र विश्वासे अछि आ तकरा
संग काज नहि अछि तँ निर्जीव अछि।

18 मुदा एहन व्यक्ति कैं केओ कहि
सकैत छैक जे, "अहाँ विश्वास करैत छी
आ हम काज करैत छी; आब अहाँ अपन
विश्वास बिनु काज सभक द्वारा देखाउ
आ हम अपन काज सभक द्वारा देखायब
जे हमरा विश्वासो अछि।" 19अहाँक
विश्वास अछि जे परमेश्वर एकेटा छथि।
बड्ड बढ़ियाँ! दुष्टात्मा सभ सेहो यैह बात
विश्वास करैत अछि आ थर-थर कँपैत
अछि। 20यौ मूर्ख, की अहाँ एहि बात
कैं मानबाक लेल तैयार नहि छी जे बिनु
काजक विश्वास बेकार अछि? 21अपना
सभक पूर्वज अब्राहम जहिया परमेश्वरक
आज्ञा मानि अपन पुत्र इसहाक कैं

2:8 लेवी 19.18 **2:11** प्रस्थान 20.14; व्यव 5.18 **2:11** प्रस्थान 20.13; व्यव 5.17

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वर केँ चढ़यबाक लेल वेदी पर राखि
देलनि, तहिया की ओ एहि काजेक द्वारा
धार्मिक नहि ठहराओल गेलाह?* 22की
देखाइ नहि दैत अछि जे विश्वास हुनका
काज मे क्रियाशील छलनि आ काजेक
द्वारा हुनकर विश्वास पूर्ण भेलनि? 23और
धर्मशास्त्रक ई लेख पूरा भेल जे, “अब्राहम
परमेश्वरक बातक विश्वास कयलनि और
ई विश्वास हुनका लेल धार्मिकता मानल
गेलनि।”* और ओ परमेश्वरक मित्र
कहाओल गेलाह। 24देखैत छी ने, मनुष्य
मात्र विश्वासे सँ नहि, बल्कि काज सँ
धार्मिक ठहराओल जाइत अछि। 25तहिना
की वेश्या राहाब सेहो अपन काजेक द्वारा
धार्मिक नहि ठहराओल गेलि जखन ओ
जासूस सभ केँ अपना घर मे सत्कारक
संग रखलकैक आ दोसर बाट सँ पठा
देलकैक?* 26तेँ जहिना शरीर आत्माक
बिना निर्जीव अछि ठीक तहिना विश्वास
सेहो काजक बिना निर्जीव अछि।

अपना मुँह पर नियन्त्रण राखू

3 यौ हमर भाइ लोकनि, अहाँ सभ
मे सँ बहुत केओ शिक्षक बनबाक
लेल उत्सुक नहि होउ। अहाँ सभ ई बात
निश्चय जानि लिअ जे, हम सभ जे शिक्षक
छी, तकरा सभक न्याय आरो कठोरताक
संग कयल जायत।

2 अपना सभ गोटे सँ कतेको बेर गलती
होइत अछि। जँ केओ कहियो गलत बात
नहि बजैत अछि, तँ ओ सिद्ध मनुष्य अछि
आ ओ अपन सम्पूर्ण शरीर पर नियन्त्रण
राखि सकैत अछि। 3अपना सभ घोड़ा
सभ केँ अपना वश मे करबाक लेल जँ
ओकरा मुँह मे लगाम लगा दिऐक तँ
ओकरा जेम्हर चाही तेम्हर घुमा-फिरा
सकैत छी। 4वा पानि जहाज केँ देखू—ओ
कतेक पैघ होइत अछि और तेज हवाक
बहाव सँ चलाओल जाइत अछि, तैयो
एक छोट पतवार द्वारा नाविक ओकरा
अपन इच्छाक अनुसार जेम्हर मोन होइत
छैक तेम्हर मोड़ि लैत अछि। 5तहिना जीह
शरीरक एक छोटे अंग अछि, मुदा बात
बहुत पैघ-पैघ बजैत घमण्ड करैत अछि।
सोचू, नान्हिएटा आगिक लुत्ती कतेकटा
वन मे आगि लगा दैत अछि। 6जीह सेहो
एक आगि अछि। अपना सभक शरीरक
अंग सभ मे जीहे मे अधर्मक एक विशाल
संसार भरल अछि। ई सम्पूर्ण शरीर केँ
दुषित कऽ दैत अछि, आ नरकक आगि सँ
पजरि कऽ अपना सभक सम्पूर्ण जीवनक
गति मे आगि लगा दैत अछि।

7 सभ प्रकारक पशु-पक्षी, जमीन मे
ससरऽ वला जीव-जन्तु, जल मे पाओल
जाय वला जीव—सभ केँ मनुष्य द्वारा वश
मे कयल जा सकैत अछि आ कयलो गेल
अछि। 8मुदा जीह केँ केओ वश मे नहि कऽ
सकैत अछि। ई एक एहन अधलाह वस्तु
अछि जे कखनो स्थिर नहि रहैत अछि।
प्राण-घातक विष एकरा मे भरल छैक।
9अपना सभ जीह द्वारा अपन प्रभु आ
पिताक प्रशंसा करैत छियनि आ एही जीह
द्वारा परमेश्वरक स्वरूप मे रचना कयल
मनुष्य केँ सराप दैत छिऐक। 10एके मुँह
सँ प्रशंसा आ सराप दूनू निकलैत अछि।
यौ हमर भाइ लोकनि, एना तँ होयबाक
नहि चाही। 11की पानिक झड़नाक एके
मुँह सँ मिठाह पानि आ तिताह पानि, दूनू

2:21 उत्पत्ति 22.1-19 केँ देखू। **2:23** उत्पत्ति 15.6 **2:25** यहोशू 2 केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बहराइत अछि? [12]यौ हमर भाइ लोकनि, की अंजीरक गाछ पर जैतून फड़ि सकैत अछि वा अंगूरक लत्ती मे अंजीर? तहिना नूनियाह भ्रड़नाक मुँह बाटे मिठाह पानि सेहो नहि बहरा सकैत अछि।

ईश्वरीय बुद्धिक गुण

13 अहाँ सभ मे बुद्धिमान और ज्ञानी के छी? जे केओ एहन होइ से अपन नीक आचरण द्वारा और ओ विनम्रता जे बुद्धि सँ उत्पन्न होइत अछि ताहि विनम्रता सँ कयल अपन काज द्वारा अपन बुद्धि कैँ प्रमाणित करू। [14]मुदा जँ अहाँ सभक हृदय कटुता, जरनि आ स्वार्थ सँ भरल होअय तँ अपन बुद्धि पर घमण्ड नहि करू। एना सत्य कैँ भ्रूठ सँ नहि भ्राँपू। [15]एहन "बुद्धि" ऊपर सँ नहि अबैत अछि, बल्कि संसार सँ, मानवीय स्वभाव सँ आ शैतान सँ अबैत अछि। [16]किएक तँ जतऽ डाह और स्वार्थ अछि ततऽ अशान्ति और सभ प्रकारक दुष्ट काज सभ होइत अछि। [17]मुदा जे बुद्धि ऊपर सँ अबैत अछि से सभ सँ पहिने पवित्र होइत अछि, तकरबाद ओ शान्तिप्रिय, नम्र, विचारशील, आ करुणा सँ भरल अछि आ नीक काज द्वारा प्रगट होइत अछि। ओहि मे कोनो पक्षपात वला बात वा छल-कपट नहि रहैत अछि। [18]शान्तिक बीया जे मेल-मिलाप करौनिहार व्यक्ति सभ बाउग करैत अछि, ताहि बीया सँ धार्मिक आचरण उपजैत अछि।

परमेश्वरक अधीन होउ

4 अहाँ सभक बीच होमऽ वला लड़ाइ-भ्रगड़ा सभक कारण की अछि? की एकर कारण ओ भोग-विलासक अभिलाषा सभ नहि अछि जे अहाँ सभक भीतर मे संघर्ष करैत रहैत अछि? [2]अहाँ सभ कोनो बातक इच्छा करैत छी मुदा ओ पूरा नहि होइत अछि, तखन अहाँ सभ हत्या करैत छी। अहाँ सभ डाह करैत छी, मुदा अहाँ सभक लालसा पूरा नहि होइत अछि तँ लड़ैत-भ्रगड़ैत छी। अहाँ सभ कैँ एहि लेल नहि भेटैत अछि जे अहाँ सभ परमेश्वर सँ मँगैत नहि छियनि। [3]और जखन अहाँ सभ मँगितो छी तखन एहि लेल नहि भेटैत अछि जे अहाँ सभ गलत उद्देश्य सँ मँगैत छी जे, जे किछु भेटत तकरा द्वारा भोग-विलासक अभिलाषा सभ कैँ तृप्त करी।

4 यौ बइमान लोक सभ, अहाँ सभ परमेश्वरक संग विश्वासघात कऽ रहल छी! की अहाँ सभ नहि जनैत छी जे संसार सँ दोस्ती कयनाइ परमेश्वर सँ दुश्मनी कयनाइ अछि? तेँ जे केओ संसारक दोस्त बनऽ चाहैत अछि से अपना कैँ परमेश्वरक शत्रु बना लैत अछि। [5]वा की अहाँ सभक विचार मे धर्मशास्त्रक ई कथन निरर्थक अछि जे, परमेश्वर जाहि आत्मा कैँ अपना सभ मे वास करौलनि तकरा ओ अपने लेल चाहैत छथि*? [6]नहि, ओ निरर्थक बात नहि अछि आ तेँ ओ प्रशस्त मात्रा मे कृपा कऽ कऽ अपना सभक सहायता करैत छथि। एहि कारणेँ धर्मशास्त्रक कथन अछि जे,

"परमेश्वर घमण्डी सभक विरोध
करैत छथि,

4:5 वा, "परमेश्वर जाहि आत्मा कैँ अपना सभ मे वास करौलनि से ईर्ष्यापूर्ण इच्छा सँ भरल रहैत अछि"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मुदा नम्र लोक सभ पर कृपा करैत
छथि।"*
7तेँ अहाँ सभ परमेश्वरक अधीन होउ।
शैतानक आक्रमण केँ सामना करिऔक तँ
ओ अहाँ सभ लग सँ पड़ायत। 8परमेश्वरक
लग मे आउ तँ ओहो अहाँ सभक लग मे
आबि जयताह। यौ पापी लोक सभ, अपन
हाथ शुद्ध करू। यौ दूमतिया लोक सभ,
अपन हृदय पवित्र करू। 9शोक मनाउ,
कानू आ विलाप करू। अपन हँसी केँ शोक
मे आ अपन आनन्द केँ उदासी मे बदलि
लिअ। 10प्रभुक समक्ष विनम्र बनू और ओ
अहाँ सभ केँ सम्मानित करताह।

11 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ एक-
दोसराक निन्दा नहि करू। जे केओ अपन
भायक निन्दा करैत अछि वा अपना भाय
पर दोष लगबैत अछि से धर्म-नियमक
निन्दा करैत अछि और धर्म-नियम पर
दोष लगबैत अछि। जँ अहाँ धर्म-नियम
पर दोष लगबैत छी तँ अहाँ ओकर पालन
कयनिहार नहि, बल्कि ओकर न्याय
कयनिहार भऽ गेलहुँ। 12धर्म-नियम देबऽ
वला और न्याय करऽ वला तँ एकेटा
छथि जिनका उद्धार करबाक अथवा नाश
करबाक सामर्थ्य छनि। तखन फेर अहाँ के
छी जे अपन पड़ोसीक न्याय करैत छी?

काल्हि अहाँक हाथ मे नहि

13 अहाँ सभ जे कहैत छी जे, "आइ
वा काल्हि हम सभ फलना शहर जायब,
ओतऽ एक वर्ष रहब आ व्यापार कऽ
कऽ धन कमायब," से सुनू हमर बात।
14काल्हि की होयत से अहाँ सभ नहि
जनैत छी। अहाँ सभक जीवन अछिए
कतेक? अहाँ सभ मेघक धुइन छी जे
कनेक काल देखाइ दैत अछि आ फेर
लुप्त भऽ जाइत अछि। 15अहाँ सभ केँ
एकर बदला मे तँ ई कहबाक चाही जे, "जँ
प्रभुक इच्छा होनि तँ हम सभ जीवित रहब
आ ई वा ओ काज करब।" 16मुदा ई केहन
बात भेल जे अहाँ सभ अपन अहंकार सँ
नियारल बात सभ पर घमण्ड करैत छी?
एहन सभ घमण्ड कयनाइ अधलाह बात
अछि। 17एहि लेल, जे केओ ई जनैत अछि
जे की कयनाइ उचित होइत मुदा करैत नहि
अछि से पाप करैत अछि।

शोषण कयनिहार धनिक सभ केँ चेतावनी

5 यौ धनिक लोक सभ, हमर बात
सुनू। अहाँ सभ चिचिआ-चिचिआ
कऽ विलाप करू किएक तँ अहाँ सभ पर
विपत्ति सभ आबऽ वला अछि। 2अहाँ
सभक धन मे घून लागि गेल अछि, अहाँ
सभक कपड़ा केँ कीड़ा खा लेने अछि।
3अहाँ सभक सोन-चानी मे बीझ लागि
गेल अछि। यैह बीझ अहाँ सभक विरोध
मे गवाही देत और आगि जकाँ अहाँ सभक
शरीर केँ खा जायत। युगक अन्तक समय
अछि आ अहाँ सभ धनक ढेर लगा लेने
छी। 4देखू, जऽन-बोनिहार सभ अहाँ
सभक खेतक फसिल कटलक आ अहाँ
सभ ओकर बोनि नहि देलिऐक। ओ बोनि
अहाँ सभक विरोध मे चिचिया रहल
अछि और जऽन-बोनिहार सभक कानब
सर्वशक्तिमान परमेश्वरक कान तक पहुँचि
गेल अछि। 5अहाँ सभ पृथ्वी पर सुख आ
भोग-विलासक जीवन व्यतीत कयलहुँ

4:6 नीति 3.34

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

और अपना केँ वध होयबाक दिनक लेल
पोसि कऽ हृष्टपुष्ट कऽ लेने छी। 6अहाँ
सभ निर्दोष सभ केँ दोषी ठहरा-ठहरा कऽ
मारि देलिऐक जखन कि ओ सभ अहाँ
सभक कोनो विरोध नहि कयने छल।

धैर्य राखू

7 एहि लेल यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
प्रभुक अयबाक समय धरि धैर्य राखू। देखू,
गृहस्थ कोना जमीन सँ बहुमूल्य उपजनिक
आशा मे पहिल और अन्तिम वर्षाक लेल
धैर्य रखने रहैत अछि। 8तहिना अहूँ सभ
धैर्य राखू, हिम्मत नहि हारू, कारण, प्रभुक
अयबाक समय लग आबि गेल अछि।

9 यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ एक-दोसर
पर नहि कुड़बुड़ाउ जाहि सँ अहाँ सभ
पर दोष नहि लगाओल जाय। देखू, न्याय
कयनिहार घरक मुँहे पर ठाढ़ छथि! 10यौ
भाइ लोकनि, कष्टक समय मे धैर्य रखबाक
उदाहरणक लेल परमेश्वरक प्रवक्ता सभ
केँ देखू जे सभ परमेश्वरक नाम सँ बाजल
छलाह। 11स्मरण राखू जे, जे सभ कष्ट
सहि कऽ स्थिर बनल रहलाह, तिनका सभ
केँ अपना सभ धन्य कहैत छियनि। अहाँ
सभ अय्यूबक धैर्यक बारे मे सुनने छी और
अहाँ सभ केँ इहो बुझल अछि जे प्रभु अन्त
मे हुनका लेल की कयलनि। प्रभु तँ बड्ड
करुणामय आ दयालु छथि।

12 यौ भाइ लोकनि, सभ सँ पैघ बात ई जे
अहाँ सभ सपत नहि खाउ, ने स्वर्गक नाम लऽ
कऽ, ने पृथ्वीक आ ने कोनो आन वस्तुक,
बल्कि अहाँ सभक “हँ” वास्तव मे “हँ” और
“नहि” वास्तव मे “नहि” होअय, जाहि सँ
अहाँ सभ दण्ड पयबा जोगरक नहि ठहरी।

प्रार्थनाक सामर्थ्य

13 की अहाँ सभ मे सँ केओ कष्ट
मे अछि? तँ ओ प्रार्थना करओ। की
केओ आनन्दित अछि? तँ ओ स्तुतिक
गीत गाबओ। 14की अहाँ सभ मे केओ
बिमार अछि? तँ ओ मण्डलीक देख-
रेख कयनिहार लोकनि केँ बजबनि और
ओ सभ प्रभुक नाम सँ ओकरा पर तेल
लगा कऽ ओकरा लेल प्रार्थना करथि।
15विश्वासपूर्ण प्रार्थना बिमारी केँ स्वस्थ
कऽ देतैक और प्रभु ओकरा ठीक कऽ
देथिन। जँ ओ कोनो पाप कयने होअय तँ
ओकर ओ पापो क्षमा कऽ देल जयतैक।
16तँ अहाँ सभ एक-दोसराक सम्मुख
अपन-अपन पाप मानि लिअ और एक-
दोसराक लेल प्रार्थना करू जाहि सँ
अहाँ सभ स्वस्थ कयल जाइ। धार्मिक
लोकक प्रार्थना सँ बहुत प्रभावशाली
परिणाम होइत अछि। 17एलियाह सेहो
अपना सभ जकाँ मनुष्ये छलाह। ओ
वर्षा नहि होयबाक लेल पूरा मोन सँ
प्रार्थना कयलनि और साढ़े तीन वर्ष तक
वर्षा नहि भेल। 18तखन ओ फेर प्रार्थना
कयलनि और आकाश सँ वर्षा भेल आ
जमीन सँ फसिलक उपजनि भेल।*

19 यौ भाइ लोकनि, जँ अहाँ सभ मे सँ
केओ सत्यक बाट सँ भटकि जाय और
केओ दोसर ओकरा घुमा कऽ लऽ अनैक,
20तँ ओ ई जानि लओ जे, जे केओ एक
पापी केँ ओकर कुमार्ग सँ घुमा अनैत
अछि, से ओकरा नाश होमऽ सँ बचबैत
अछि आ ओकर असंख्य पाप क्षमा भऽ
जयबाक कारण बनैत अछि।

5:18 1 राजा 17.1 और 18.41-46 केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पत्रुसक पहिल पत्र

1 हम पत्रुस, जे यीशु मसीहक एक
मसीह-दूत छी, ई पत्र अहाँ सभ
परमेश्वरक चुनल लोक सभ केँ लिखि
रहल छी, जे सभ पुन्तुस, गलातिया,
कप्पदुकिया, आसिया आ बितूनिया
प्रदेश सभ मे छिड़िया कऽ रहि रहल छी
आ संसार मे परदेशी छी। 2अहाँ सभ पिता
परमेश्वरक पूर्वज्ञानक अनुसार पहिनहि
सँ चुनल गेल छी। परमेश्वर अहाँ सभ केँ
एहि अभिप्राय सँ चुनने छथि जे अहाँ सभ
हुनकर पवित्र आत्मा द्वारा पवित्र कयल
जाइ, यीशु मसीहक आज्ञाक पालन करी
आ हुनकर खून सँ शुद्ध कयल जाइ।*

प्रशस्त मात्रा मे अहाँ सभ पर कृपा
कयल जाय आ अहाँ सभ केँ शान्ति
भेटय।

नव जन्म आ नव आशाक लेल परमेश्वरक स्तुति

3 अपना सभक प्रभु यीशु मसीहक
जे परमेश्वर आ पिता छथि, तिनकर
स्तुति होनि! ओ अपन अपार दया
सँ अपना सभ केँ नव जन्म देने छथि
जाहि सँ अपना सभ यीशु मसीहक मृत्यु
मे सँ जीबि उठबाक द्वारा एक जीवन्त
आशा प्राप्त करी। 4परमेश्वर अहाँ सभ
केँ ओहि धनक उत्तराधिकारी बना देने
छथि जे कहियो नष्ट, दुषित वा पुरान
नहि होयत, जे अहाँ सभक लेल स्वर्ग
मे सुरक्षित राखल अछि। 5अहाँ सभक
विश्वासक माध्यम सँ परमेश्वरक
सामर्थ्य अहाँ सभ केँ ओहि उद्धारक
लेल सुरक्षित राखि रहल अछि जे
समयक अन्त मे प्रगट होमऽ वला अछि।
6ई अहाँ सभक लेल बड़का आनन्दक
विषय अछि, ओना तँ भऽ सकैत अछि
जे एखन किछु समयक लेल अहाँ सभ
अनेक प्रकारक कष्ट मे पड़ि कऽ दुखी
होइ। 7ई कष्ट सभ एहि लेल अबैत
अछि जाहि सँ अहाँ सभक विश्वास
परीक्षा द्वारा असली प्रमाणित होअय।
सोन, नष्ट होमऽ वला होइतो, आगि मे
तपा कऽ शुद्ध कयल जाइत अछि, आ
अहाँ सभक विश्वास तँ सोन सँ कतेक
मूल्यवान अछि। तहिना अहाँ सभक
विश्वास असली प्रमाणित भऽ कऽ
यीशु मसीह जहिया फेर औताह, तहिया
प्रशंसा, सम्मान आ आदरक कारण
होयत। 8अहाँ सभ यीशु मसीह केँ नहि
देखने छिऐन, तैयो अहाँ सभ हुनका सँ

1:2 अक्षरशः “आ ˛अहाँ सभ पर˛ हुनकर खून छिटल जाय।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रेम करैत छी। अहाँ सभ हुनका एखनो
नहि देखैत छी, तैयो हुनका पर विश्वास
करैत छी आ एहन अद्‌भुत आनन्द सँ
आनन्दित छी जकर वर्णन नहि कयल जा
सकैत अछि। 9कारण, अहाँ सभ अपन
विश्वासक परिणाम प्राप्त कऽ रहल
छी, अर्थात्, अपन आत्माक उद्धार।

10 एही उद्धारक विषय मे परमेश्वरक
प्रवक्ता सभ प्राचीन काल मे
सावधानीपूर्बक खोजबीन आ जाँच-
पड़ताल कयलनि। ओ सभ अहाँ सभ
पर कयल जाय वला कृपाक बारे मे
भविष्यवाणी कयलनि। 11हुनका सभ
मे जे मसीहक आत्मा रहैत छलाह से
मसीहक दुःख-भोग आ तकरबाद होमऽ
वला महिमाक बात सभक भविष्यवाणी
कयलनि, आ ओ सभ ई जानऽ चाहैत
छलाह जे एहि भविष्यवाणी सभ द्वारा
मसीहक आत्मा कोन समय आ कोन
परिस्थितिक दिस संकेत कऽ रहल
छथि। 12तखन हुनका सभ केँ ई स्पष्ट
कयल गेलनि जे, जाहि बात सभक
भविष्यवाणी ओ सभ सुना रहल छलाह,
से हुनका सभक अपन हितक लेल नहि,
बल्कि अहाँ सभक हितक लेल अछि।
कारण, ओ सभ जाहि बात सभक
भविष्यवाणी कयलनि, सैह बात सभ
आब अहाँ सभ केँ सुनाओल गेल अछि।
ओ अहाँ सभ केँ तिनका सभ द्वारा
सुनाओल गेल जे सभ स्वर्ग सँ पठाओल
पवित्र आत्माक प्रेरणा सँ अहाँ सभक
बीच शुभ समाचारक प्रचार कयलनि। ई
बात सभ बुझबाक लेल स्वर्गदूतो सभ
लालायित रहैत छथि।

सम्पूर्ण आचरण-व्यवहार मे पवित्र बनू

13 एहि लेल अहाँ सभ अपन बुद्धि केँ
काज करबाक लेल तैयार करू। अपना
पर नियन्त्रण राखू आ पूर्ण रूप सँ अपन
आशा ओहि कृपा पर रखने रहू जे यीशु
मसीह केँ फेर अयला पर अहाँ सभ पर
कयल जायत। 14अहाँ सभ आज्ञाकारी
धिआ-पुता जकाँ अपन आचरण राखू,
नहि कि पहिने जकाँ, जखन अहाँ सभ
अज्ञानी छलहुँ आ अपन अधलाह इच्छा
सभक अनुसार आचरण करैत छलहुँ।
15परमेश्वर, जे अहाँ सभ केँ बजौने छथि,
से पवित्र छथि। तहिना अहूँ सभ अपन
सम्पूर्ण आचरण-व्यवहार मे पवित्र बनू।
16कारण, ओ धर्मशास्त्र मे कहैत छथि
जे, “अहाँ सभ पवित्र बनू, किएक तँ हम
पवित्र छी।”*

17 जँ अहाँ सभ तिनका सँ “पिता” कहि
कऽ प्रार्थना करैत छियनि, जे बिनु पक्षपात
कयने प्रत्येक मनुष्यक ओकर काजक
अनुसार न्याय करैत छथि, तँ जाबत धरि
अहाँ सभ एहि संसार मे परदेशी भऽ कऽ
रहैत छी ताबत धरि हुनका पर श्रद्धा रखैत
अपन जीवन व्यतीत करू। 18अहाँ सभ तँ
जनैत छी जे ओहि बेकारक जीवन-चर्या
सँ जे अहाँ सभ केँ अपना पूर्वज सभ सँ
प्राप्त भेल, ताहि सँ अहाँ सभ केँ मुक्त
करबाक लेल एकटा दाम चुकाओल गेल,
मुदा से दाम सोन-चानी जकाँ नष्ट होमऽ
वला वस्तु सभ नहि छल, 19बल्कि निर्दोष
आ निष्कलंक बलि-भेँड़ाक बहुमूल्य खून,
अर्थात् मसीहक बहाओल खून, छल।
20मसीह संसारक सृष्टि सँ पहिनहि चुनल

1:16 लेवी 11.44, 45; लेवी 19.2; लेवी 20.7

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

गेल छलाह, मुदा अहाँ सभक हितक
लेल एहि अन्तिमे समय मे प्रगट कयल
गेलाह। 21 हुनके द्वारा अहाँ सभ परमेश्वर
पर विश्वास कयलहुँ, जे हुनका मृत्यु सँ
जिऔलथिन आ महिमा प्रदान कयलथिन।
आब अहाँ सभक विश्वास आ भरोसा
परमेश्वर पर टिकल अछि।

22 आब अहाँ सभ जँ आज्ञाकारी बनि
सत्य केँ स्वीकार कऽ कऽ अपन आत्मा
केँ पवित्र कऽ लेने छी, जाहि सँ अपना
भाय सभक लेल निष्कपट प्रेम-भाव रखैत
छी, तँ एक-दोसर सँ पूरा मोन सँ प्रेम करैत
रहबाक लक्ष्य बनाउ। 23 कारण, अहाँ सभ
दोहरा कऽ जन्म लेने छी, आ अहाँ सभक
ई नव जन्म नाश होमऽ वला बीया सँ
नहि, बल्कि ओहन बीया सँ भेल अछि जे
कहियो नाश नहि होयत—ई परमेश्वरक
जीवित और अटल वचन द्वारा भेल अछि।
24 किएक तँ लिखल अछि जे,

“सभ मनुष्य घास जकाँ अछि,
और ओकरा सभक सम्पूर्ण सुन्दरता
घासक फूल जकाँ छैक।
घास सुखि जाइत अछि, आ फूल
झरैत अछि,
25 मुदा प्रभुक वचन युगानुयुग स्थिर
रहैत अछि।”*

और ई वचन ओ शुभ समाचार अछि जे
अहाँ सभ केँ सुनाओल गेल अछि।

2 एहि लेल अहाँ सभ हर तरहक
दुष्ट भावना, सभ प्रकारक छल-
कपट, पाखण्ड, डाह आ निन्दा केँ छोड़ू।
2-3 अहाँ सभ तँ प्रभुक कृपाक स्वाद
चिखि लेने छी, आब नव जन्मल बच्चा
सभ जकाँ शुद्ध आत्मिक दूधक लेल*
लालायित रहू, जाहि सँ ओहि द्वारा अपन
उद्धार मे पुष्ट भऽ सकब।

जीवित पाथर और चुनल प्रजा

4 मसीह ओ जीवित पाथर छथि, जिनका
लोक बेकार बुझि कऽ छाँटि देलकनि मुदा
जे परमेश्वर द्वारा चुनल गेलाह आ हुनकर
दृष्टि मे बहुमूल्य छथि। आब हुनका लग
आबि कऽ 5 अहूँ सभ जीवित पाथर सभ
जकाँ एक आत्मिक भवन बनैत जा रहल
छी, जाहि सँ पुरोहितक एक पवित्र समाज
बनि एहन आत्मिक बलिदान चढ़ा सकी जे
यीशु मसीह द्वारा परमेश्वर केँ ग्रहणयोग्य
होनि। 6 किएक तँ धर्मशास्त्र मे लिखल
अछि जे, परमेश्वर कहैत छथि,

“देखू, हम सियोन मे* एक चुनल
पाथर
राखि रहल छी,
हँ, भवनक कोन्ह परक एक
बहुमूल्य पाथर,
और जे केओ हुनका पर भरोसा
रखैत अछि,
तकरा कहियो लज्जित नहि होमऽ
पड़तैक।”*

7 अहाँ सभक लेल, जे सभ विश्वास
करैत छी, ई पाथर बहुमूल्य छथि। मुदा
जे सभ विश्वास नहि करैत अछि, तकरा
सभक लेल ई पाथर तेना छथि जेना
धर्मशास्त्र मे लिखल अछि,

“जाहि पाथर केँ राजमिस्तिरी सभ
बेकार बुझि कऽ फेकि देने
छल,

1:25 यशा 40.6-8 **2:2-3** वा, “शुद्ध वचन-रूपी दूधक लेल” **2:6** अर्थात्, यरूशलेम मे
2:6 यशा 28.16

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

वैह भवनक सभ सँ मुख्य पाथर
बनि गेल।”*
8 और,
“ओहन पाथर जाहि मे लोक केँ ठेस
लगतैक,
आ ओहन चट्टान, जाहि पर लोक
खसत।”*
ओ सभ एहि कारणेँ खसैत अछि जे ओ
सभ प्रभुक वचन केँ नहि मानैत अछि, आ
प्रभुक वचन केँ नहि मानऽ वला सभक
लेल यैह ठहराओल गेल छैक।
9 मुदा अहाँ सभ परमेश्वरक चुनल वंश,
राज-पुरोहितक समाज, पवित्र राष्ट्र आ
परमेश्वरक अपन निज प्रजा छी, जाहि
सँ अहाँ सभ तिनकर महान् गुण सभक
बखान करियनि जे अहाँ सभ केँ अन्हार
मे सँ निकालि कऽ अपन अद्‌भुत इजोत
मे बजा अनने छथि। 10 पहिने अहाँ सभ
“प्रजा” नहि छलहुँ, मुदा आब अहाँ सभ
परमेश्वरक प्रजा छी। पहिने अहाँ सभ पर
दया नहि कयल गेल छल, मुदा आब अहाँ
सभ परमेश्वरक दया प्राप्त कयने छी।
11 यौ प्रिय भाइ लोकनि, हम अहाँ सभ
सँ आग्रह करैत छी जे अहाँ सभ अपना
केँ एहि संसार मे परदेशी आ यात्री बुझि
कऽ मनुष्य-स्वभावक पापमय इच्छा सभ
केँ अपना सँ दूर राखू। ओ इच्छा सभ
अहाँ सभक आत्माक विरोध मे युद्ध करैत
अछि। 12 अविश्वासी सभक बीच अपन
चालि-चलन केँ एतेक नीक बना कऽ राखू
जे, जे सभ एखन अहाँ सभ केँ अधलाह
काज करऽ वला कहि कऽ निन्दा करैत
अछि, से सभ अहाँ सभक नीक काज सभ
देखि कऽ न्यायक दिन मे* परमेश्वरक
स्तुति करनि।

अधिकारी सभक अधीन रहू

13 मनुष्यक बीच नियुक्त कयल
प्रत्येक शासन करऽ वलाक अधीनता
स्वीकार करू, किएक तँ प्रभु अहाँ सभ
सँ यैह चाहैत छथि—चाहे ओ अधीनता
राजाक होअय, जिनका लग सभ सँ पैघ
अधिकार छनि, 14 अथवा राज्यपाल
सभक होअय, जे सभ अपराध करऽ वला
सभ केँ दण्ड देबाक लेल आ नीक काज
करऽ वला सभक प्रशंसा करबाक लेल
राजा द्वारा नियुक्त कयल जाइत छथि।
15 कारण, परमेश्वरक इच्छा छनि जे
अहाँ सभ अपन नीक काज द्वारा अनर्गल
बात सभ बजनिहार मूर्ख लोक सभक
मुँह बन्द कऽ दी। 16 अहाँ सभ स्वतन्त्र
लोक सभ जकाँ आचरण करू, मुदा
स्वतन्त्रताक अऽढ़ मे अधलाह काज नहि
करू, बल्कि परमेश्वरक दास सभ जकाँ
आचरण करबाक लेल अपन स्वतन्त्रताक
उपयोग करू। 17 सभ मनुष्यक आदर
करू, विश्वासी भाय सभ सँ प्रेम राखू,
परमेश्वरक भय मानू, आ राजाक सम्मान
करू।

मसीह केँ उदाहरणक रूप मे देखैत दुःख उठाउ

18 हे दास सभ, आदरपूर्बक अपन
मालिक सभक अधीन रहू, मात्र तिनका
सभक अधीन नहि, जे सभ दयालु आ नम्र
छथि, बल्कि तिनको सभक, जे सभ कठोर

2:7 भजन 118.22 **2:8** यशा 8.14 **2:12** वा, “परमेश्वरक अयबाक दिन मे” वा, “कृपादृष्टिक दिन मे”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छथि। [19]किएक तँ जँ केओ ई बात मोन
मे रखने रहैत अछि जे, हमरा परमेश्वरक
इच्छाक अनुसार अपन जीवन व्यतीत
करबाक अछि, आ तखन दुःख उठबैत
अन्याय कैं धैर्यपूर्बक सहैत अछि, तँ से
प्रशंसा वला बात अछि। [20]मुदा जँ अहाँ
सभ अपराध करबाक कारणेँ मारि खाइत
छी, आ तखन धैर्यपूर्बक तकरा सहैत
छी, तँ एहि मे प्रशंसाक कोन बात भेल?
मुदा उचित काज करबाक कारणेँ जँ कष्ट
सहैत छी आ धैर्य रखैत छी, तँ एहि सँ
परमेश्वर प्रसन्न होइत छथि। [21]नीक काज
करबाक कारणेँ कष्ट सहबाक लेल अहाँ
सभ बजाओलो गेल छी, किएक तँ मसीह
सेहो अहाँ सभक लेल दुःख सहि कऽ एक
उदाहरण छोड़ि गेलाह, जाहि सँ अहाँ सभ
हुनका पद-चिन्ह सभ पर चलियनि।

[22] “ओ कोनो पाप नहि कयलनि,
आ ने हुनका मुँह सँ कोनो छल-
कपटक बात निकलल।”*

[23]जखन हुनका अपशब्द कहल गेलनि,
तँ ओ उत्तर मे अपशब्द नहि बजलाह।
जखन ओ सताओल गेलाह, तँ ओ धमकी
नहि देलथिन, बल्कि अपना कैं तिनका
इच्छा पर छोड़ि देलनि जे उचित न्यायक
अनुसार न्याय करैत छथि। [24]ओ क्रूस पर
स्वयं अपने देह मे अपना सभक पाप सभ
कैं लऽ लेलनि जाहि सँ अपना सभ पापक
लेखेँ मरी आ धार्मिकताक लेल जीवन
व्यतीत करी, किएक तँ हुनका घायल
भेला सँ अहाँ सभ स्वस्थ भेल छी। [25]अहाँ
सभ भटकल भेँड़ा सभ जकाँ छलहुँ, मुदा
आब अपन आत्माक चरबाह आ रक्षक
लग घूमि आयल छी।

मसीही दम्पतिक दायित्व

3 **1-2** एही तरहेँ, हे स्त्री सभ, अहाँ सभ
अपन-अपन पतिक अधीन रहू, जाहि
सँ जँ हुनका सभ मे सँ केओ प्रभुक वचन
कैं नहि मानैत होथि, तँ अहाँ सभक पवित्र
आ श्रद्धापूर्ण चालि-चलन कैं देखि कऽ
हुनका सभक हृदय मे परिवर्तन भऽ जानि
आ ओ सभ विश्वास मे अबथि—ककरो
किछु कहबाक कारणेँ नहि, बल्कि अहाँ
सभक व्यवहारक कारणेँ। [3]अहाँ सभक
सुन्दरता बाहरी श्रृंगार सँ नहि आबय, जेना
केशक गुहनाइ, वा सोनाक गहना-गुड़िया
सभ आ बढ़ियाँ-बढ़ियाँ कपड़ा पहिरनाइ
सँ, [4]बल्कि अहाँ सभक भितरी चरित्र सँ
आबय, अर्थात् नम्र आ शान्त स्वभावक
सुन्दरता होअय। एहन सुन्दरता टिकैत
अछि, और परमेश्वरक नजरि मे बहुत
मूल्यवान अछि। [5]किएक तँ प्राचीन काल
मे परमेश्वर पर भरोसा राखऽ वाली आ
अपना पतिक अधीन रहऽ वाली पवित्र
स्त्रीगण सभ एही तरहेँ अपन श्रृंगार करैत
छलीह। [6]उदाहरणक लेल, सारा अब्राहम
कैं “स्वामी” कहि कऽ हुनकर आज्ञाकारी
रहैत छलीह। अहूँ सभ जँ कोनो बात सँ
भयभीत नहि भऽ कऽ वैह करी जे उचित
अछि, तँ साराक बेटी सभ ठहरब।

[7]तहिना यौ पति लोकनि, अहूँ सभ
अपन स्त्रीक संग समझदारी सँ रहू। स्त्री
कैं “अबला” मानि कऽ हुनकर आदर
करू, आ मोन राखू जे ओहो अहाँ जकाँ
अनन्त जीवनक वरदान मे सहभागी
छथि। एना जँ नहि रहब, तँ अहाँ सभक
प्रार्थना मे बाधा पड़ि जायत।

2:22 यशा 53.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एक-दोसराक लेल सहानुभूति

8 अन्त मे ई जे, अहाँ सभ गोटे
एक मोनक होउ, एक-दोसराक लेल
सहानुभूति राखू, एक-दोसर केँ भाइ
मानि कऽ प्रेम करू, दयालु आ नम्र
बनू। 9अधलाह बातक बदला अधलाह
बात सँ नहि दिअ, वा अपमानक बदला
अपमान सँ नहि, बल्कि आशीर्वाद सँ
दिअ। किएक तँ अहाँ सभ यैह करबाक
लेल बजाओल गेल छी, जाहि सँ अहाँ
सभ आशिष प्राप्त करब। 10जेना
धर्मशास्त्र कहैत अछि,

“जे केओ जीवन मे आनन्द उठाबऽ
चाहैत अछि
आ नीक दिन देखऽ चाहैत अछि,
से अपना जीह केँ अधलाह बात सभ
बाजऽ सँ
आ अपना ठोर केँ कपटपूर्ण बात
सभ बाजऽ सँ रोकय।
11 ओ दुष्टता सँ दूर रहय आ भलाइक
काज करय,
ओ पूरा मोन सँ सभक संग शान्ति सँ
रहबाक कोशिश करय।
12 किएक तँ प्रभुक कृपादृष्टि धार्मिक
लोक सभ पर रहैत अछि,
आ हुनकर कान ओकरा सभक
प्रार्थनाक दिस लागल रहैत
अछि,
मुदा जे सभ अधलाह काज करैत
अछि,
तकरा सभक दिस सँ प्रभु मुँह फेरि
लैत छथि।”*

उचित काज करबाक कारणेँ कष्ट

13 जँ अहाँ सभ वैह करबाक लेल
उत्सुक छी जे उचित अछि तँ अहाँ सभक
हानि के करत? 14तैयो जँ अहाँ सभ केँ एहि
लेल कष्ट सहऽ पड़य जे उचित काज करैत
छी तँ ई अहाँ सभक लेल सौभाग्यक बात
अछि। “लोकक धमकी सँ ने तँ भयभीत
होउ आ ने घबड़ाउ।”* 15मसीह केँ प्रभु
मानि कऽ अपना हृदय मे सभ सँ ऊँच स्थान
दिऔन। अहाँ सभ केँ जे आशा अछि,
ताहि विषय मे जे सभ अहाँ सभ सँ प्रश्न
करैत अछि, तकरा सभ केँ उत्तर देबाक
लेल सदिखन तत्पर रहू। मुदा से नम्रता आ
आदरक संग करू, 16एहन चालि-चलन
राखि कऽ जकरा कारणेँ अहाँक विवेक
अहाँ केँ दोषी नहि ठहराओत, जाहि सँ जे
लोक सभ अहाँ सभ केँ बदनाम करैत अछि
आ अहाँ सभक नीक मसीही आचरणक
निन्दा करैत अछि, तकरा सभ केँ लज्जित
होमऽ पड़ैक। 17किएक तँ जँ परमेश्वरक
इच्छा ई छनि जे अहाँ सभ दुःख उठाबी,
तँ नीक यैह अछि जे अहाँ सभ उचित काज
करबाक कारणेँ दुःख उठाउ, नहि कि
अधलाह काज करबाक कारणेँ।

18 मसीह सेहो, धर्मी भऽ कऽ अधर्मी
सभक लेल मरलाह, पापक प्रायश्चित्तक
वास्ते सदाकालक लेल एक बेर मरलाह,
जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ परमेश्वर लग
लऽ अबथि। ओ शरीर सँ मारल गेलाह,
मुदा आत्मा सँ* जिआओल गेलाह।
19और आत्मे मे जा कऽ ओ कैद मे पड़ल
आत्मा सभक बीच प्रचार कयलनि।*

3:12 भजन 34.12-16 **3:14** यशा 8.12 **3:18** वा, “मुदा परमेश्वरक आत्मा द्वारा” **3:19** वा “आत्मा सभक बीच अपन विजयक घोषणा कयलनि।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

20ई आत्मा सभ प्राचीन काल मे आज्ञाक
पालन नहि कयने छल जहिया नूहक समय
मे जहाज बनैत काल परमेश्वर धैर्यपूर्बक
प्रतीक्षा कऽ रहल छलाह। ओहि जहाज
मे किछुए लोक, अर्थात् आठ गोटे, पानि
द्वारा बाँचल छल। 21ई पानि बपतिस्माक
दिस संकेत करैत अछि, जे आब अहाँ
सभ केँ बचबैत अछि। बपतिस्माक
अर्थ शरीरक मैल छोड़ौनाइ नहि, बल्कि
शुद्ध हृदय सँ अपना केँ परमेश्वरक प्रति
समर्पित कयनाइ अछि। ई बपतिस्मा यीशु
मसीहक जीबि उठनाइ द्वारा अहाँ सभक
उद्धार करैत अछि। 22कारण, यीशु मसीह
जीबि उठि कऽ स्वर्ग मे प्रवेश कयलनि आ
आब परमेश्वरक दहिना कात विराजमान
छथि। सभ स्वर्गदूत, अधिकारी आ शक्ति
सभ हुनके अधीन मे अछि।

परमेश्वरक इच्छाक अनुसार जीनाइ

4 मसीह अपना शरीर मे दुःख
भोगलनि। एहि लेल अहूँ सभ शस्त्र
जकाँ ओही मनोभावना केँ धारण करू
जे हुनका मे छलनि, किएक तँ जे केओ
अपना शरीर मे दुःख भोगने अछि, से पाप
सँ सम्बन्ध तोड़ि लेने अछि, 2और एहि
तरहेँ ओ आब अपन मनुष्य-स्वभावक
अधलाह इच्छा सभक अनुसार नहि,
बल्कि परमेश्वरक इच्छाक अनुसार
अपन शेष जीवन बितबैत अछि। 3अहाँ
सभ बितल समय मे ओहन काज सभ जे
सांसारिक लोक कयनाइ पसन्द करैत
अछि, ताहि मे जतबा समय व्यतीत
कयलहुँ सैह बहुत भेल—अर्थात्,
निर्लज्जता वला विचार-व्यवहार कयनाइ,
शारीरिक इच्छा सभ मे लीन रहनाइ, पिबि
कऽ मातल भेनाइ, भोग-विलास आ मौज-
मजा कयनाइ, आ मूर्तिपूजा वला घृणित
काज कयनाइ। 4विनाश मे लऽ जाय वला
एहि दुराचारक बाट पर आब अहाँ सभ
ओकरा सभक संग नहि दौड़ैत छी, तँ
ओकरा सभ केँ आश्चर्य लगैत छैक आ
ओ सभ अहाँ सभक निन्दा करैत अछि।
5मुदा एहन लोक सभ केँ अपन लेखा
तिनका लग देबऽ पड़तैक जे जीवित
सभक आ मरल सभक न्याय करबाक
लेल तैयार छथि। 6एहि लेल तकरो सभ
केँ सुसमाचार सुनाओल गेल छलैक जे
सभ एखन मरल अछि, जाहि सँ ओना
तँ ओकरा सभक मरनाइ द्वारा ओ सभ
शरीर मे वैह न्याय पौलक जे सभ मनुष्य
केँ भेटैत छैक, तैयो* आत्मा मे ओ सभ
ओहन जीवन पाबय जेहन परमेश्वर केँ
छनि।

परमेश्वर सँ भेटल वरदान सभक उचित उपयोग

7सभ बातक अन्त नजदीक अछि।
तेँ समझदार बनू और अपना पर काबू
राखू जाहि सँ प्रार्थना कऽ सकी। 8सभ
सँ पैघ बात ई जे अहाँ सभ आपस मे
अटूट प्रेम राखू, किएक तँ प्रेम असंख्य
पाप केँ झाँपि दैत अछि। 9बिनु कुड़बुड़ा
कऽ एक-दोसराक अतिथि-सत्कार
करू। 10अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक गोटे
केँ परमेश्वर सँ वरदान भेटल अछि।
आब परमेश्वरक विश्वस्त सेवक जकाँ
हुनकर कृपाक विभिन्न गुणक वरदान
सभ केँ एक-दोसराक सेवा मे लगाउ।

4:6 अक्षरशः “जाहि सँ मनुष्य जकाँ शरीर˻क सम्बन्ध˼ मे ओकरा सभक न्याय कयल जाइक, मुदा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

11जे केओ उपदेश दैत छथि, से एना देथि
जेना परमेश्वरेक बात सभ बाजि रहल
छथि। जे दोसराक सहायता करैत छथि,
से ओहि बल सँ करथि जे परमेश्वर दैत
छथि, जाहि सँ सभ बात मे यीशु मसीहक
माध्यम सँ परमेश्वरक स्तुति होनि।
महिमा आ सामर्थ्य युगानुयुग परमेश्वरेक
छनि। आमीन।

मसीहक दुःख-भोग मे सहभागी भेनाइ आनन्दक बात

12 प्रिय भाइ लोकनि, अपन अग्नि-
परीक्षा पर, जे अहाँ सभ केँ जँचबाक
लेल भऽ रहल अछि, आश्चर्य नहि मानू,
जेना कोनो असाधारण बात भऽ रहल
होअय। 13बल्कि आनन्द मनाउ जे अहाँ
सभ मसीहक दुःख-भोग मे सहभागी छी।
तखन जाहि दिन मसीह अपना महिमा मे
फेर औताह, ताहि दिन अहाँ सभ आओर
आनन्दित होयब। 14जँ अहाँ सभक
अपमान एहि लेल कयल जाइत अछि
जे अहाँ सभ मसीहक लोक छी, तँ ई
अहाँ सभक लेल सौभाग्यक बात अछि,
किएक तँ एहि सँ स्पष्ट होइत अछि जे
महिमाक आत्मा, जे परमेश्वरक आत्मा
छथि, से अहाँ सभ मे वास करैत छथि।
15एना नहि होअय जे अहाँ सभ मे सँ कोनो
व्यक्ति हत्यारा, चोर वा आओर कोनो
तरहक अपराधी बनि कऽ, वा दोसराक
काज मे टाँग अड़यबाक कारणेँ दुःख
भोगय। 16मुदा जँ केओ मसीही होयबाक
कारणेँ दुःख उठबैत छी तँ लज्जित नहि
होउ, बल्कि परमेश्वरक स्तुति करू जे
मसीहक लोकक रूप मे परिचित छी।
17किएक तँ न्यायक समय आबि गेल
अछि आ से परमेश्वरक परिवारे सँ शुरू
भऽ रहल अछि। जँ न्यायक शुरुआत
अपना सभ सँ भऽ रहल अछि, तँ तकरा
सभ केँ की होयतैक जे सभ अनाज्ञाकारी
भऽ परमेश्वरक शुभ समाचार केँ नहि
मानैत अछि? 18जेना लिखल अछि,

“जँ धार्मिक लोक सभ मुश्किल सँ
उद्धार प्राप्त करत,
तँ अधर्मी आ पापी मनुष्य सभक
दशा की होयतैक?”*

19एहि लेल जे सभ परमेश्वरक इच्छाक
अनुसार दुःख उठा रहल छथि, से सभ
अपना केँ विश्वासयोग्य सृष्टिकर्ताक
हाथ मे सौंपि देथि आ उचित काज करैत
रहथि।

मसीहक मण्डलीक देख-रेख कयनिहार आ जबान भाइ सभ सँ अनुरोध

5 अहाँ सभ मे जे मण्डलीक देख-
रेख कयनिहार सभ छी, अहाँ सभ
सँ हमर एकटा अनुरोध अछि। हमहूँ
मण्डलीक एकटा देख-रेख कयनिहार
छी, मसीहक कष्टभोगक गवाह छी आ
भविष्य मे प्रगट होमऽ वला जे महिमा
अछि, ताहि मे हमहूँ अहीं सभ जकाँ
सहभागी रहब। 2अहाँ सभ सँ हमर
अनुरोध ई अछि जे, अहाँ सभक जिम्मा
मे जे परमेश्वरक भेँड़ा रूपी झुण्ड अछि,
तकर अहाँ सभ चरबाह जकाँ रखबारी
करू। ओकर देखभाल करू, कोनो
दबाब सँ नहि, बल्कि जहिना परमेश्वर
चाहैत छथि, तहिना आनन्द सँ करू,
और अनुचित लाभक दृष्टि सँ नहि करू,

4:18 नीति 11.31

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

बल्कि सेवा करबाक मोन सँ। [3]जे लोक
सभ अहाँ सभ कैँ सौंपल गेल अछि,
तकरा सभ पर अधिकार नहि जमाउ,
बल्कि अपना झुण्डक लेल नमूना बनू।
[4]तखन जहिया प्रधान चरबाह प्रगट भऽ
जयताह, तहिया अहाँ सभ कैँ महिमाक
ओ मुकुट प्राप्त होयत जकर शोभा
कहियो नहि घटत।

5 एहि तरहेँ, यौ जबान भाइ सभ, अहाँ
सभ मण्डलीक देख-रेख कयनिहार सभक
अधीन रहू।

मण्डलीक सभ लोकक लेल निर्देश

अहाँ सभ केओ नम्रता सँ एक-दोसराक
सेवा करू, किएक तँ,

> "परमेश्वर घमण्डी सभक विरोध
> करैत छथि,
> मुदा नम्र लोक सभ पर कृपा करैत
> छथि।"*

6 एहि लेल परमेश्वरक सामर्थी हाथक
नीचाँ नम्र बनू, जाहि सँ ओ अहाँ सभ कैँ
उचित समय पर सम्मानित करथि। [7]अपन
सम्पूर्ण चिन्ता हुनका पर राखि दिअ,
किएक तँ हुनका अहाँ सभक चिन्ता
छनि।

8 अहाँ सभ अपना पर काबू राखू आ
सचेत रहू। अहाँ सभक दुश्मन शैतान
गर्जैत सिंह जकाँ घुमैत-फिरैत एहि ताक मे
रहैत अछि जे ककरा फाड़ि कऽ खा ली।
[9]विश्वास मे दृढ़ रहि कऽ ओकर सामना
करू आ मोन राखू जे पूरा संसार मे अहाँ
सभक भाय सभ एही प्रकारक कष्ट सहि
रहल छथि।

10 अहाँ सभ कैँ कनेक काल धरि
कष्ट सहन कऽ लेलाक बाद, परमेश्वर,
जे सम्पूर्ण कृपाक स्रोत छथि, से अपने
अहाँ सभ कैँ सिद्ध, दृढ़, बलवन्त आ
स्थिर करताह। ओ तँ यीशु मसीह मे अहाँ
सभ कैँ अपन अनन्त कालीन महिमा मे
सहभागी होयबाक लेल बजौने छथि।
[11]हुनके शक्ति युगानुयुग बनल रहनि।
आमीन।

नमस्कार आ आशीर्वाद

12 हम ई छोट पत्र सिलासक* सहायता
सँ लिखि रहल छी, जिनका हम अपन
विश्वस्त भाय मानैत छिऐन। हम अहाँ
सभ कैँ प्रोत्साहित करैत एहि बातक
विश्वास दिअबैत छी जे एहि मे जे लिखल
अछि से परमेश्वरक असली कृपा अछि।
एहि कृपा मे स्थिर रहू।

13 बेबिलोनक मण्डलीक सदस्य सभ,
जे सभ अहीं सभ जकाँ परमेश्वर द्वारा
चुनल गेल छथि, अहाँ सभ कैँ अपन
नमस्कार कहैत छथि। मरकुस, जे मसीह
मे हमर बेटा अछि, सेहो नमस्कार पठबैत
अछि। [14]मसीही प्रेम सँ एक-दोसर कैँ
सस्नेह नमस्कार करू।*

अहाँ सभ गोटे कैँ, जे सभ मसीह मे छी,
शान्ति भेटय।

5:5 नीति 3.34 **5:12** मूल मे "सिलवानुसक"। "सिलवानुस" "सिलास" नामक एक रूप अछि।
5:14 अक्षरशः "[14]प्रेमक चुम्मा सँ एक-दोसर कैँ नमस्कार करू।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पत्रुसक दोसर पत्र

1 हम, सिमोन पत्रुस, जे यीशु मसीहक
सेवक आ मसीह-दूत छी, से अहाँ
सभ कैँ ई पत्र लिखि रहल छी, जे सभ
अपना सभक परमेश्वर आ उद्धारकर्ता
यीशु मसीहक धार्मिकता द्वारा वैह
बहुमूल्य विश्वास प्राप्त कयने छी जे
हमरो सभ कैँ प्राप्त भेल।
2 परमेश्वर कैँ आ यीशु अपना सभक
प्रभु कैँ चिन्हबाक द्वारा अहाँ सभ कैँ प्रशस्त
मात्रा मे कृपा आ शान्तिक अनुभव होअय।

अपना मे मसीही चरित्रक गुण सभ बढ़ाउ

3 परमेश्वर अपन ईश्वरीय सामर्थ्य सँ
अपना सभ कैँ ओ सभ बात देने छथि
जे जीवन आ भक्तिक लेल आवश्यक
अछि। ओ जे अपन महिमा आ सद्‌गुण
द्वारा अपना सभ कैँ बजौने छथि, तिनका
चिन्हबाक द्वारा अपना सभ कैँ ई सभ
बात प्राप्त भेल। 4 एहि महिमा आ सद्‌गुण
द्वारा ओ अपना सभ कैँ बहुमूल्य आ उत्तम
बात सभ देबाक वचन देने छथि, जाहि
सँ ई बात सभ प्राप्त कऽ कऽ अहाँ सभ
भ्रष्ट करऽ वला ओहि अधलाह इच्छा
सभ सँ बाँचि सकी जे संसार मे अछि, आ
ईश्वरीय स्वभाव मे सहभागी भऽ सकी।
5 एहि लेल पूरा-पूरा प्रयत्न करू जे अहाँ
सभ अपना विश्वास मे सद्‌गुण कैँ बढ़बैत
चली, अपना सद्‌गुण मे ज्ञान कैँ, 6 अपना
ज्ञान मे संयम कैँ, अपना संयम मे धैर्य कैँ,
अपना धैर्य मे भक्ति कैँ, 7 अपना भक्ति
मे भाय-बहिन वला स्नेह कैँ, आ अपना
भाय-बहिन वला स्नेह मे प्रेम कैँ बढ़बैत
चली। 8 किएक तँ जँ अहाँ सभ मे ई गुण
सभ अछि, आ बढ़ल जा रहल अछि, तँ
ई सभ अपना सभक प्रभु यीशु मसीह कैँ
आओर नीक जकाँ चिन्हऽ-जानऽ मे अहाँ
सभ कैँ निष्क्रिय आ निष्फल नहि होमऽ
देत। 9 मुदा जाहि व्यक्ति मे ई गुण सभ
नहि अछि, से कनेको दूर नहि देखि सकैत
अछि। ओ आन्हर अछि, और ई बिसरि
गेल अछि जे ओ पहिलुका पाप सभ सँ
शुद्ध कयल गेल अछि।
10 तेँ, यौ भाइ लोकनि, अहाँ सभ
वास्तव मे परमेश्वर द्वारा बजाओल
गेल छी आ चुनल गेल छी, तकरा सिद्ध
करबाक लेल पूरा प्रयत्न करू। ई बात
सभ जाबत धरि करैत रहब, ताबत धरि
अहाँ सभ कहियो विश्वासक बाट सँ नहि
भटकब, 11 बल्कि अपना सभक प्रभु आ
उद्धारकर्ता यीशु मसीहक अनन्त कालीन
राज्य मे प्रवेश करबाक लेल अहाँ सभक
बड़का स्वागत होयत।
12 तेँ हम बेर-बेर अहाँ सभ कैँ एहि बात
सभक स्मरण करबैत रहब, ओना तँ अहाँ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ एहि सभ केँ पहिने सँ जनैत छी, और
अहाँ सभ केँ जे सत्य प्राप्त भेल अछि,
ताहि मे स्थिर सेहो छी। 13हम जाबत धरि
एहि शरीर रूपी डेरा मे छी, ताबत धरि
एहि बात सभक स्मरण दिआ कऽ अहाँ
सभ केँ उत्साहित करैत रही, से हम अपन
कर्तव्य बुझैत छी, 14किएक तँ हम जनैत
छी जे हमरा अपन एहि शरीर केँ जल्दिए
छोड़ि देबाक अछि, जेना कि अपना
सभक प्रभु यीशु मसीह हमरा कहने छथि।
15एहि लेल हम पूरा प्रयत्न करब जे अहाँ
सभ हमरा चल गेलाक बादो सभ दिन एहि
बात सभक याद कऽ सकी।

प्रभुक वचन विश्वसनीय अछि

16 जखन हम सभ अहाँ सभ केँ सुनौलहुँ
जे अपना सभक प्रभु यीशु मसीह कोना
सामर्थ्य सँ फेर आबऽ वला छथि, तँ हम
सभ चलाकी सँ गढ़ल कथा-पिहानी सभक
सहारा नहि लेलहुँ, बल्कि हम सभ हुनकर
महानता केँ अपना आँखि सँ देखने छलहुँ।
17कारण, ओ परमेश्वर पिता सँ सम्मान
आ महिमा पौलनि जखन परमेश्वरक दिस
सँ ई आवाज सुनाइ देलकनि जे, “ई हमर
प्रिय पुत्र छथि, हिनका सँ हम अति प्रसन्न
छी।”* 18हम सभ जखन पवित्र पहाड़ पर
हुनका संग छलहुँ, तँ हम सभ स्वयं स्वर्ग
सँ आयल एहि आवाज केँ सुनलहुँ।
19 एहि घटना द्वारा अपना सभ लग जे
परमेश्वरक प्रवक्ता सभक भविष्यवाणी
सभ अछि, से सभ आरो विश्वसनीय
प्रमाणित भेल अछि। हुनका सभक वचन
एक प्रकाश जकाँ अछि जे अन्हार स्थान
मे चमकि रहल अछि, और ई नीक होयत
जे एहि वचन पर अहाँ सभ ताबत धरि
ध्यान देने रहब जाबत धरि फरीछ नहि
होयत आ अहाँ सभक हृदय मे भोरुकवा
तारा नहि उगत। 20मुदा सभ सँ पहिने अहाँ
सभ ई जानि लिअ जे धर्मशास्त्रक कोनो
भविष्यवाणी व्यक्तिगत विचारधाराक
विषय नहि अछि, 21किएक तँ धर्म–
शास्त्रक कोनो भविष्यवाणी मनुष्यक
इच्छा सँ कहियो नहि भेल, बल्कि मनुष्य
परमेश्वरक पवित्र आत्मा द्वारा संचालित
भऽ कऽ परमेश्वरक दिस सँ बजैत छलाह।

झुट्ठा शिक्षक सभ

2 मुदा परमेश्वरक ओहि प्रवक्ता
सभक समय मे लोकक बीच एहनो
व्यक्ति सभ छल जे झूठ बाजि कऽ अपना
सभ केँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहैत छल।
तहिना अहूँ सभक बीच झुट्ठा शिक्षक सभ
ठाढ़ होयत। ओ सभ गुप्त रूप सँ विनाश
मे लऽ जाय वला गलत शिक्षा सभ देबऽ
लागत, एतऽ तक जे ओ सभ ओहि स्वामी
केँ सेहो अस्वीकार करतनि जे ओकरा
सभक छुटकाराक लेल दाम चुका कऽ
किनने छथिन, आ एहि तरहेँ ओ सभ
जल्दिए अपन विनाशक कारण बनत।
2बहुतो लोक ओकरा सभक निर्लज्ज वला
चालि-चलन अपना लेत, आ ओकरा सभक
कारणेँ सत्यक मार्गक बदनामी होयत।
3ओ सभ लोभक कारणेँ अपन बनाओल
बात सभ द्वारा अहाँ सभ सँ अनुचित लाभ
उठाओत। दण्डक आज्ञा ओकरा सभ पर
बहुत पहिनहि भऽ चुकल अछि; ओ एखनो
लागू अछि, और आब ओकरा सभक
विनाश नजदीक आबि गेल अछि।

1:17 मत्ती 17.5; मरकुस 9.7; लूका 9.35

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

4 मोन राखू जे, जे स्वर्गदूत सभ पाप
कयलक तकरा सभ केँ परमेश्वर नहि
छोड़लनि, बल्कि ओकरा सभ केँ नरकक
अन्हार मे जंजीर सँ जकड़ि कऽ न्यायक
दिनक प्रतीक्षा करबाक लेल राखि देलनि।
5ओ प्राचीन कालक संसार केँ नहि छोड़ि,
ओहि मेहक अधर्मी लोक केँ जल-प्रलय
द्वारा नष्ट कऽ देलथिन, मुदा धार्मिकताक
प्रचार करऽ वला नूह आ हुनका संग
सात आरो व्यक्तिक रक्षा कयलथिन।
6ओ सदोम आ गमोरा नगर सभ केँ भस्म
कऽ विनाशक दण्ड देलथिन, जाहि सँ
ई घटना भविष्यक अधर्मी सभक लेल
एक चेतावनी होअय। 7मुदा ओ लूत
केँ बचौलथिन, जे धर्मी लोक छलाह
आ ओहि अधर्मी लोक सभक कुकर्मी
व्यवहारक कारणेँ दुखी छलाह। 8कारण,
ओ धर्मी पुरुष ओहि लोक सभक बीच मे
रहि कऽ दिन प्रति दिन ओकरा सभक जे
अधर्मक काज केँ देखैत आ सुनैत छलाह
ताहि सँ हुनकर धर्मनिष्ठ आत्मा केँ घोर
कष्ट होइत छलनि। 9एहि तरहेँ अपना
सभ देखैत छी जे प्रभु धर्मी लोक केँ संकट
मे सँ बचौनाइ आ अधर्मी सभ केँ दण्ड
देबाक लेल न्यायक दिन तक रखनाइ*
जनैत छथि, 10विशेष रूप सँ तकरा सभ
केँ, जे सभ अपना पापी स्वभावक* अशुद्ध
इच्छा सभक वश मे भऽ तकर सभक पूर्ति
करैत अछि आ किनको अधीन मे नहि
रहैत अछि।

ई झुट्ठा शिक्षक सभ उदण्ड आ घमण्डी
अछि, और स्वर्गिक प्राणी सभक निन्दा
करऽ सँ सेहो नहि डेराइत अछि, 11जखन
कि स्वर्गदूत सभ, शक्ति आ सामर्थ्य मे
श्रेष्ठ होइतो, प्रभुक सम्मुख ओकरा सभक
निन्दा कऽ कऽ ओकरा सभ पर दोष नहि
लगबैत छथि। 12एहन लोक अविवेकी
जानबर जकाँ अछि जे नीक-अधलाह किछु
नहि बुझैत अछि आ जे पकड़ल और मारल
जयबाक लेल उत्पन्न होइत अछि। ई लोक
जाहि बात सभ केँ बुझितो नहि अछि, तकर
निन्दा करैत अछि। जानबर सभ जकाँ,
एकरो सभ केँ नष्ट कयल जयतैक।

13 ई सभ जे दोसर केँ हानि पहुँचौने
अछि, तकरा बदला मे एकरा सभ केँ
सेहो हानि होयतैक। एकरा सभक लेल
मनोरंजनक अर्थ अछि, दिन-दुपहरक समय
मे भोग-विलास कयनाइ। ई सभ कलंकित
आ दुषित लोक अछि आ अहाँ सभक संग
बैसि कऽ खाइत-पिबैत काल सेहो एकरा
सभक मोन अपना भोग-विलासक बात सभ
मे मग्न रहैत छैक। 14ई सभ बिनु कुकर्मक
इच्छा राखि, स्त्रीगण केँ देखिए नहि सकैत
अछि। ई सभ पाप करऽ सँ चुकैत नहि
अछि। ई सभ चंचल बुद्धि वला लोक सभ
केँ अपना जाल मे फँसा लैत अछि। एकरा
सभक मोन केँ लोभ करबाक आदत भऽ
गेल छैक। एकरा सभ पर परमेश्वरक
सराप अछि! 15ई सभ सोझका बाट
छोड़ि कऽ भटकि गेल अछि, किएक तँ
ई सभ बेओरक पुत्र बिलामक बाट पर
चलऽ लागल अछि, जे अधर्मक मजदूरीक
लोभ कयने छल।* 16मुदा ओकरा अपन
अपराधक लेल एकटा गदहा सँ डाँट-
फटकार सुनऽ पड़लैक—एकटा पशु, जे
बात नहि करैत अछि, से मनुष्य जकाँ बाजऽ

2:9 वा, “अधर्मी सभ केँ दण्ड दैत न्यायक दिन तक रखनाइ” **2:10** वा, “अपना शरीरक”
2:15 “बिलाम”—गन्ती 22-24 केँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

लागल आ एहि तरहेँ ओहि भविष्यवक्ताक
पागलपन केँ रोकि देलक।
17 ई झुट्ठा शिक्षक सभ ओहन इनार
अछि, जाहि मे पानि नहि छैक, ओहन
मेघ अछि, जकरा हवा उड़िआ कऽ लऽ
जाइत अछि। एकरा सभक लेल अन्हार-
गुज स्थान निश्चित कयल गेल अछि।
18कारण, ई सभ घमण्डक बेकार बात
सभ कहैत, लोकक शारीरिक लालसा
सभ केँ जगा कऽ काम-वासनाक बात
सभ द्वारा ओहन लोक सभ केँ फुसला कऽ
फँसा लैत अछि जे सभ हाले मे कुकर्मक
बाट पर चलऽ वला सभक संगति सँ
बाँचि आयल अछि। 19ई सभ ओकरा
सभ केँ स्वतन्त्र करबाक वचन दैत अछि,
जखन कि ई सभ स्वयं भ्रष्टताक गुलाम
अछि, किएक तँ जँ केओ कोनो बातक
वश मे अछि तँ ओ तकर गुलाम भऽ गेल
अछि। 20जँ ई सभ अपना सभक प्रभु आ
उद्धारकर्ता यीशु मसीह केँ चिन्हि कऽ
संसारक अशुद्धता सँ बाँचि कऽ निकलि
गेलाक बाद फेर ओहि मे फँसि कऽ
ओकरे वश मे भऽ गेल, तँ एकरा सभक
ई दशा पहिलुको दशा सँ अधलाह अछि।
21जे पवित्र शिक्षा एकरा सभ केँ देल गेल
छल, तकरा बुझि लेलाक बाद ओहि सँ
मुँह मोड़ि लेब, ताहि सँ नीक एकरा सभक
लेल ई रहैत जे एकरा सभ केँ धार्मिकताक
बाटक ज्ञाने नहि प्राप्त भेल रहितैक।
22एहन लोकक विषय मे ई कहावत सत्य
ठहरैत अछि जे, “कुकुर अपन बोकरल
चटबाक लेल घूमि अबैत अछि”* आ
“नहाओल-सोन्हाओल सुगरनी घूमि कऽ
फेर थाल मे ओँघराय लगैत अछि।”

यीशु मसीह अवश्य फेर औताह

3 प्रिय मित्र सभ, हम अहाँ सभ केँ
आब ई दोसर पत्र लिखि रहल छी।
हम दूनू पत्र मे किछु बात सभक स्मरण
दिअबैत अहाँ सभक मोन केँ जागरूक
करऽ चाहलहुँ, जाहि सँ अहाँ सभ एहि बात
सभक बारे मे ठीक प्रकार सँ सोची। 2हम
चाहैत छी जे, जे बात सभ प्राचीन समय
मे परमेश्वरक पवित्र प्रवक्ता सभ द्वारा
कहल गेल, और जे आज्ञा अपना सभक
प्रभु आ उद्धारकर्ता अहाँ सभक मसीह-
दूत लोकनि द्वारा अहाँ सभ केँ सुनबौलनि,
ताहि सभ बातक अहाँ सभ स्मरण करी।
3सभ सँ पहिने अहाँ सभ ई जानि लिअ
जे अन्तिम दिन सभ मे हँसी उड़ाबऽ वला
धर्मनिन्दक सभ आओत। ओ सभ अपन
अधलाह इच्छा सभक अनुसार विचार-
व्यवहार करत 4आ हँसी उड़बैत कहत जे,
“की ओ वचन नहि देने रहथि जे हम फेर
आयब? तँ कहाँ अयलाह? हमरा सभक
पूर्वज सभ तँ चल गेलाह, तैयो सृष्टिक
आरम्भ सँ एखन धरि सभ किछु ओहिना
चलैत आबि रहल अछि।” 5मुदा ओ सभ
जानि-बुझि कऽ ई बिसरि जाइत अछि जे
प्राचीन समय मे आकाश आ पृथ्वी छल,
और पृथ्वी परमेश्वरक आदेशे द्वारा जल
मे सँ आ जलक माध्यम सँ बनाओल
गेल। 6और ओही जल द्वारा ओहि समयक
संसार बाद मे जल-प्रलय सँ नष्ट सेहो भऽ
गेल। 7हुनके आदेश द्वारा वर्तमान आकाश
आ पृथ्वी आगि सँ भस्म होयबाक लेल
सुरक्षित राखल गेल अछि। एकरा ओहि
दिनक लेल राखल जा रहल अछि जहिया

2:22 नीति 26.11

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अधर्मी लोक सभक न्याय होयतैक आ ओ सभ नष्ट कऽ देल जायत।

8 मुदा यौ प्रिय मित्र सभ, एकटा एहि बात केँ नहि बिसरू जे, प्रभुक दृष्टि मे एक दिन हजार वर्षक बराबरि अछि, आ हजार वर्ष एक दिनक बराबरि। 9प्रभु अपन देल वचन पूरा करबा मे देरी नहि करैत छथि, जेना कि किछु लोक बुझैत अछि, बल्कि ओ अहाँ सभक प्रति धैर्य रखने छथि। ओ ई नहि चाहैत छथि जे केओ नाश होअय, बल्कि ई चाहैत छथि जे सभ केओ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करय।

10 मुदा “प्रभुक दिन” चोर जकाँ अचानक आओत। तखन आकाश भयंकर आवाजक संग बिला जायत। सूर्य, चन्द्रमा और तारा सभ* प्रचण्ड ताप सँ पिघलि जायत, आ पृथ्वी और ओहि परक सभ वस्तु भस्म भऽ जायत।* 11-12जँ सभ वस्तु एहि प्रकार सँ नष्ट होमऽ वला अछि, तँ अहाँ सभ केँ केहन लोक होयबाक चाही? अहाँ सभ केँ ई चाही जे “परमेश्वरक दिनक” प्रतीक्षा करैत और ओकरा जल्दी लयबाक प्रयास करैत पवित्र आ भक्तिपूर्ण जीवन व्यतीत करी।* ओहि दिन आकाश जरि कऽ नष्ट भऽ जायत आ सूर्य, चन्द्रमा और तारा सभ प्रचण्ड ताप सँ पिघलि जायत। 13मुदा हुनकर देल वचनक अनुसार अपना सभ एक नव आकाश आ नव पृथ्वीक बाट ताकि रहल छी जाहि मे धार्मिकता वास करत।

प्रभुक दिनक लेल तैयार रहू

14 एहि लेल, यौ प्रिय मित्र सभ, जखन अहाँ सभ एहि बात सभक प्रतीक्षा कऽ रहल छी, तँ एहन कोशिश करू जे ओहि दिन अहाँ सभ प्रभुक दृष्टि मे निर्दोष आ निष्कलंक ठहरी आ हुनका संग मेल-मिलाप सँ रही। 15मोन राखू जे प्रभुक धैर्य लोक केँ उद्धार पयबाक मौका दैत अछि, जेना कि अपना सभक प्रिय भाय पौलुस सेहो अपन ओहि ज्ञान सँ अहाँ सभ केँ लिखने छथि जे ज्ञान हुनका प्रभु सँ देल गेलनि। 16ओ अपन सभ पत्र मे एके प्रकार सँ एहि बात सभक सम्बन्ध मे लिखैत छथि। हुनकर पत्र सभ मे किछु बात सभ एहन अछि जे कठिनाइ सँ बुझऽ मे अबैत अछि। अज्ञानी आ चंचल बुद्धि वला लोक सभ धर्मशास्त्रक आन बात सभ जकाँ एहू बात सभ केँ गलत अर्थ लगबैत अछि आ एहि तरहेँ अपन विनाशक कारण बनैत अछि।

17 यौ प्रिय मित्र सभ, अहाँ सभ एहि बात सभ केँ पहिनहि सँ जनैत छी। एहि लेल सावधान रहू। कहीं अधर्मी मनुष्य सभक बहकावा मे आबि कऽ अहाँ सभ अपन सुरक्षित स्थान सँ डगमगा कऽ खसि ने पड़ी। 18बल्कि अहाँ सभ अपना सभक प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीहक कृपा आ ज्ञान मे बढ़ैत जाउ। हुनकर गुणगान एखनो आ अनन्त काल धरि होइत रहनि! आमीन।

3:10 मूलक जे शब्द “सूर्य, चन्द्रमा और तारा सभ” द्वारा अनुवादित कयल गेल, से “तत्व सभ” द्वारा सेहो अनुवादित कयल जा सकैत। तहिना पद 12 मे सेहो। **3:10** किछु हस्तलेख मे, “आ पृथ्वी और ओहि पर कयल सभ काज प्रत्यक्ष भऽ जायत” **3:11-12** वा, “अहाँ सभ केँ ई चाही जे उत्सुकतापूर्बक “परमेश्वरक दिनक” प्रतीक्षा करैत पवित्र आ भक्तिपूर्ण जीवन व्यतीत करी।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्नाक पहिल पत्र

जीवनक वचन

1 जे शुरू सँ छल, जे हम सभ सुनने छी, जे हम सभ अपना आँखि सँ देखने छी, जे हम सभ ध्यानपूर्बक देखने छी और हाथ सँ छुने छी, अर्थात् ओ वचन जे जीवन अछि, से हमरा सभक विषय अछि। 2ई जीवन प्रगट भऽ गेल, हम सभ एकरा देखलहुँ, और एकरा बारे मे गवाही दैत हम सभ अहाँ सभक सामने ई जीवन प्रस्तुत करैत छी जे अनन्त अछि, जे पिताक संग छल और जे हमरा सभक सामने प्रगट कयल गेल। 3हम सभ जे देखलहुँ आ सुनलहुँ, से अहाँ सभ केँ कहि रहल छी, जाहि सँ अहूँ सभ केँ हमरा सभक संग संगति होयत। हमरा सभक संगति पिताक संग और हुनकर पुत्र यीशु मसीहक संग अछि। 4ई बात हम सभ एहि लेल लिखैत छी जाहि सँ हमरा सभक आनन्द पूर्ण होअय।

इजोत मे चली

5जे सम्बाद हम सभ हुनका सँ सुनलहुँ और अहाँ सभ केँ सुनबैत छी से यैह अछि—परमेश्वर इजोत छथि। हुनका मे एको रत्ती अन्हार नहि छनि। 6जँ अपना सभ कहैत छी जे हुनका संग हमर संगति अछि जखन कि अन्हारे मे चलि रहल छी तँ झूठ बजैत छी और सत्यक अनुसार आचरण नहि करैत छी। 7मुदा जँ इजोत मे चलैत छी, जेना ओ इजोत मे छथि, तँ अपना सभ केँ एक-दोसराक संग संगति होइत अछि, और हुनकर पुत्र यीशुक खून अपना सभ केँ सभ पाप सँ शुद्ध करैत अछि।

8जँ अपना सभ कहैत छी जे हमरा मे कोनो पाप नहि अछि तँ अपना केँ धोखा दैत छी और अपना सभ मे सत्य नहि अछि। 9मुदा जँ अपना सभ अपन पाप केँ मानि लेब तँ ओ जे विश्वासयोग्य और न्यायी छथि अपना सभ केँ पापक क्षमा करताह और अपना सभ केँ सभ अधर्म सँ शुद्ध करताह। 10जँ अपना सभ कहैत छी जे हम पाप नहि कयने छी तँ परमेश्वर केँ झुट्ठा ठहरबैत छी, और हुनका वचन केँ अपना जीवन मे कोनो स्थान नहि दैत छी।

2 यौ बौआ सभ, हम अहाँ सभ केँ ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ पाप नहि करी। मुदा जँ केओ पाप करय तँ अपना सभ केँ एक गोटे छथि जे पिता लग अपना सभक पक्ष मे विनती करैत छथि, अर्थात् यीशु मसीह, जे धार्मिक छथि। 2यीशु मसीह स्वयं ओ बलि छथि जिनका द्वारा अपना सभक पापक प्रायश्चित्त कयल गेल, और मात्र

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अपना सभक पापक नहि, बल्कि सौंसे
संसारक सेहो।

3 अपना सभ हुनका चिन्हैत छियनि
से तखने जानि सकैत छी जखन हुनकर
आज्ञाक पालन करैत छियनि। 4जे केओ
कहैत अछि जे, हम हुनका चिन्हैत छियनि,
मुदा हुनकर आज्ञाक पालन नहि करैत
अछि, से झुट्ठा अछि और ओकरा मे सत्य
नहि छैक। 5मुदा जे केओ हुनकर वचनक
अनुसार चलैत अछि, तकरा मे परमेश्वरक
प्रति ओकर प्रेम* पूर्ण रूप सँ सिद्ध कयल
गेल छैक। अपना सभ एहि सँ निश्चय
जानि सकैत छी जे हुनका मे छी— 6जे
केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर मे रहैत
छी, तकरा ओहने जीवन व्यतीत करबाक
छैक जेहन यीशु व्यतीत कयलनि।

7 प्रिय मित्र सभ, हम अहाँ सभ केँ कोनो
नव आज्ञा नहि लिखि रहल छी। ई पुरान
आज्ञा अछि, जे शुरुए सँ अहाँ सभक संग
अछि। ई पुरान आज्ञा ओ वचन अछि
जे अहाँ सभ सुनने छी। 8तैयो जे आज्ञा
लिखि रहल छी से नवे अछि। ओ हुनका
जीवन मे और अहूँ सभक जीवन मे सत्य
प्रमाणित भेल अछि, कारण अन्हार दूर
भऽ रहल अछि और वास्तविक इजोत
एखने सँ चमकि रहल अछि।

9 जे केओ कहैत अछि जे, हम इजोत मे
छी, मुदा अपना भाय सँ घृणा करैत अछि,
से एखनो अन्हारे मे अछि। 10जे केओ
अपना भाय सँ प्रेम करैत अछि, से इजोत
मे रहैत अछि, और ओकरा मे कोनो
कारण नहि छैक जाहि सँ ठेस लगतैक।
11मुदा जे अपना भाय सँ घृणा करैत अछि
से अन्हार मे अछि और अन्हारे मे चलैत
अछि। ओ नहि जनैत अछि जे हम कतऽ
जा रहल छी किएक तँ अन्हार ओकरा
आन्हर बना देने छैक।

12 प्रिय बौआ सभ, हम अहाँ सभ केँ
ई बात एहि लेल लिखि रहल छी जे प्रभु
यीशु मसीह द्वारा* अहाँ सभक पाप माफ
भऽ गेल अछि।

13 यौ पिता लोकनि, हम अहाँ सभ केँ ई
बात एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ
तिनका जानि गेल छी जे शुरू सँ छथि।

युवक सभ, हम अहाँ सभ केँ ई बात
एहि लेल लिखि रहल छी जे अहाँ सभ
दुष्ट शैतान केँ पराजित कयने छी।

प्रिय बौआ सभ, हम अहाँ सभ केँ एहि
लेल लिखने छी जे अहाँ सभ पिता केँ
जानि गेल छी।

14 यौ पिता लोकनि, हम अहाँ सभ केँ
एहि लेल लिखने छी जे अहाँ सभ तिनका
जानि गेल छी जे शुरू सँ छथि।

युवक सभ, हम अहाँ सभ केँ एहि लेल
लिखने छी जे अहाँ सभ बलवन्त छी,
और परमेश्वरक वचन अहाँ सभ मे रहैत
अछि, और अहाँ सभ दुष्ट शैतान केँ
पराजित कयने छी।

संसार सँ प्रेम नहि करू

15 संसार सँ प्रेम नहि करू, और ने
संसारक वस्तु सँ। जँ केओ संसार सँ प्रेम
करैत अछि, तँ ओकरा मे पिताक प्रति प्रेम
नहि छैक। 16कारण, जे किछु संसार मे
छैक, अर्थात् मनुष्यक पापी स्वभावक
इच्छा, ओकर आँखिक लालसा और
धन-सम्पत्ति पर ओकर घमण्ड, से पिताक
दिस सँ नहि, बल्कि संसारक दिस सँ

2:5 वा, “परमेश्वरक प्रेम” **2:12** वा, “प्रभु यीशु मसीहक कारणेँ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अबैत अछि। [17]संसार और जाहि कोनो बातक लेल ओकर इच्छा होइत छैक, से सभ समाप्त भऽ रहल अछि, मुदा जे व्यक्ति परमेश्वरक इच्छा पर चलैत अछि, से सदा-सर्वदा जीबैत रहत।

"मसीह-विरोधी" सँ सावधान

18 प्रिय बौआ सभ, ई आब अन्तिम घड़ी अछि। अहाँ सभ सुनि लेने छी जे "मसीह-विरोधी" आबऽ वला अछि, और तहिना एखनो बहुत "मसीह-विरोधी" प्रगट भऽ गेल अछि। एहि सँ अपना सभ जानि सकैत छी जे ई अन्तिम घड़ी अछि। [19]ओ सभ अपना सभ मे सँ निकलि गेल, मुदा वास्तव मे ओ सभ अपना सभक लोक नहि छल। जँ अपना सभक रहैत तँ अपना सभक संग रहले रहैत। मुदा ओकरा सभ केँ चलि गेला सँ ई स्पष्ट होइत अछि जे ओकरा सभ मे सँ केओ वास्तव मे अपना सभक नहि छल।

20 मुदा ओ जे पवित्र छथि, से अहाँ सभ केँ अपन आत्मा देने छथि*, और अहाँ सभ गोटे सत्य केँ जनैत छी*। [21]तेँ हम अहाँ सभ केँ एहि लेल नहि लिखि रहल छी जे अहाँ सभ सत्य केँ नहि जनैत छी, बल्कि एहि लेल जे अहाँ सभ सत्य केँ जनिते छी, और इहो जनैत छी जे कोनो झूठ सत्य सँ उत्पन्न नहि होइत अछि। [22]और झुट्ठा के अछि? ओ वैह अछि जे एहि बात केँ अस्वीकार करैत अछि जे यीशु उद्धारकर्ता-मसीह छथि। ओहन आदमी "मसीह-विरोधी" अछि। ओ पितो केँ और पुत्रो केँ अस्वीकार करैत अछि। [23]जे केओ पुत्र केँ अस्वीकार करैत अछि, तकरा लग पितो नहि छथिन। जे केओ पुत्र केँ स्वीकार करैत अछि, तकरा लग पितो छथिन।

24 अहाँ सभ, जे बात शुरू मे सुनलहुँ, तकरा अपना मोन मे वास करऽ दिअ। जँ ओ अहाँ सभक मोन मे वास करत, तँ अहूँ सभ पुत्र मे और पिता मे वास करब। [25]और ओ अपना सभ केँ जे बात प्रदान करबाक वचन देने छथि, से अछि अनन्त जीवन।

26 हम अहाँ सभ केँ ई सभ बात तकरा सभक बारे मे लिखि रहल छी जे सभ अहाँ सभ केँ बहकाबऽ चाहैत अछि। [27]मुदा जे पवित्र आत्मा अहाँ सभ केँ मसीह प्रदान कयलनि, से अहाँ सभ मे वास करैत छथि, और तेँ अहाँ सभ केँ आरो शिक्षकक कोनो आवश्यकता नहि अछि। कारण, हुनकर आत्मा अहाँ सभ केँ सभ बात सिखबैत छथि, और ओ आत्मा सत्य छथि, ओ झुट्ठा नहि छथि। जेना ओ अहाँ सभ केँ मसीह मे बनल रहबाक लेल सिखौने छथि तहिना हुनका मे बनल रहू।*

परमेश्वरक सन्तान

28 हँ, बौआ सभ, मसीह मे रहू, जाहि सँ ओ जहिया प्रगट होयताह तहिया अपना सभ स्थिर रहब और हुनकर आगमनक समय मे हुनका सँ मुँह नहि घुमाबऽ पड़त।

2:20 अक्षरशः "मुदा ओ जे पवित्र छथि, तिनका दिस सँ अहाँ सभ केँ एक अभिषेक प्राप्त भेल अछि।" **2:20** किछु हस्तलेख मे, "अहाँ सभ गोटे सत्य केँ जनैत छी"—ताहि स्थान मे ई पाओल जाइत अछि, "सभ बात अहाँ सभ जनैत छी।" **2:27** अक्षरशः "मुदा जे अभिषेक अहाँ सभ हुनका सँ प्राप्त कयलहुँ, से अहाँ सभ मे रहैत अछि। और अहाँ सभ केँ शिक्षकक कोनो आवश्यकता नहि अछि। ओ अभिषेक अहाँ सभ केँ सभ बात सिखबैत अछि, और ओ सत्य अछि, ओ झूठ नहि अछि। जेना ओ अहाँ सभ केँ हुनका मे बनल रहबाक लेल सिखौने अछि, तहिना हुनका मे बनल रहू।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

29 अहाँ सभ जनैत छी जे ओ धार्मिक
छथि, तँ इहो जानि लिअ जे, जे केओ
धार्मिकताक आचरण करैत अछि, से
परमेश्वरक सन्तान अछि।

3 सोचू! पिता अपना सभ सँ कतेकटा
प्रेम कयने छथि, जे अपना सभ
परमेश्वरक सन्तान कहाबी! और वास्तव
मे सैह छीहो। संसार अपना सभ केँ नहि
चिन्हैत अछि, से एहि कारणेँ जे हुनको
नहि चिन्हलकनि। 2प्रिय मित्र सभ, अपना
सभ एखन परमेश्वरक सन्तान छी। और
भविष्य मे की होयब, से एखन तक प्रगट
नहि कयल गेल अछि। मुदा ई जनैत छी जे,
मसीह जखन फेर औताह तखन अपना सभ
हुनके जकाँ होयब, कारण हुनका ठीक
ओहने देखबनि जेहन ओ छथि। 3जकरा
हुनका सँ ई आशा छैक, से अपना केँ
पवित्र रखैत अछि जेना ओ पवित्र छथि।

4 जे केओ पाप करैत अछि से
परमेश्वरक नियमक उल्लंघन करैत अछि,
कारण पाप सैह अछि, अर्थात् परमेश्वरक
नियमक उल्लंघन कयनाइ। 5मुदा अहाँ
सभ जनैत छी जे मसीह पाप दूर करबाक
लेल अयलाह, और हुनका मे कोनो पाप
नहि छनि। 6जे हुनका मे वास करैत अछि,
से पाप नहि करैत रहैत अछि। जे पाप
करैत रहैत अछि, से ने हुनका देखने छनि
आ ने हुनका चिन्हने छनि।

7 यौ बौआ सभ! एहि विषय मे अहाँ
सभ केँ केओ बहकाबओ नहि! जे केओ
धार्मिकताक आचरण करैत रहैत अछि,
सैह धार्मिक अछि जेना यीशु मसीह धार्मिक
छथि। 8और जे केओ पापक आचरण करैत
रहैत अछि, से शैतानक सन्तान अछि,
कारण शैतान शुरुए सँ पाप करैत आयल
अछि। परमेश्वरक पुत्र एहि लेल संसार मे
अयलाह जे ओ शैतानक काज नष्ट करथि।
9जे केओ वास्तव मे परमेश्वरक सन्तान
अछि से पाप नहि करैत रहत, कारण
परमेश्वरक स्वभाव ओकरा मे रहैत छैक।
ओ पापक आचरण नहि कऽ सकैत अछि,
कारण ओ परमेश्वरक सन्तान भऽ गेल
अछि। 10एही प्रकारेँ अपना सभ चिन्हि
सकब जे परमेश्वरक सन्तान के अछि और
शैतानक सन्तान के अछि—जे धार्मिकताक
आचरण नहि करैत अछि से परमेश्वरक
सन्तान नहि अछि, आ ने ओ जे अपना भाय
सँ प्रेम नहि करैत अछि।

एक-दोसर सँ प्रेम करी

11 जे सम्बाद अहाँ सभ शुरू सँ सुनने
छी, से यैह अछि—अपना सभ एक-
दोसर सँ प्रेम करी। 12काइन जकाँ नहि
बनू, जे शैतानक छल और अपन भायक
हत्या कयलक। ओ भायक हत्या किएक
कयलक? एहि लेल, जे ओकर अपन
काज अधलाह छलैक और ओकर भायक
नीक छलैक। 13यौ भाइ सभ, जँ संसार
अहाँ सभ सँ घृणा करैत अछि तँ एहि सँ
आश्चर्यित नहि होउ। 14अपना सभ जनैत
छी जे मृत्यु मे सँ निकलि कऽ जीवन मे
पहुँचि गेल छी, कारण अपना भाय सभ
सँ प्रेम करैत छी। जे केओ प्रेम नहि करैत
अछि, से मृत्यु मे रहैत अछि। 15जे अपना
भाय सँ घृणा करैत अछि से हत्यारा अछि
और अहाँ सभ जनैत छी जे कोनो हत्यारा
मे अनन्त जीवन वास नहि करैत छैक।

16 प्रेम की अछि, से अपना सभ एहि
सँ जनैत छी, जे प्रभु यीशु मसीह अपना
सभक लेल अपन प्राण देलनि। और अपना
सभ केँ सेहो अपन भाय सभक लेल अपन
प्राण देबाक चाही। 17जँ ककरो संसारक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सम्पत्ति छैक, और ओ अपना भाय कैँ
आवश्यकता मे देखैत छैक, मुदा ओकरा
प्रति अपन हृदय कठोर कऽ लैत अछि,
तँ ओकरा मे परमेश्वरक प्रेम कोना रहि
सकैत छैक? 18प्रिय बौआ सभ, अपना
सभ खाली शब्द वा बात द्वारा प्रेम नहि
करी, बल्कि शुद्ध मोन सँ और काज
द्वारा करी। 19-20तँ एहि प्रकारेँ अपना
सभ जानि जायब जे अपना सभ सत्यक
सन्तान छी। और एहि प्रकारेँ जखन-जखन
अपना सभक मोन अपना सभ कैँ दोषी
ठहराओत, तखन-तखन अपना सभ अपन
मोन कैँ हुनका सामने शान्त कऽ सकब।
कारण परमेश्वर अपना सभक मोन सँ पैघ
छथि, और ओ सभ किछु जनैत छथि।

21 प्रिय मित्र सभ, जँ अपना सभक मोन
अपना सभ कैँ दोषी नहि ठहरबैत अछि,
तँ अपना सभ परमेश्वरक सामने साहस
सँ आबि सकैत छी, 22और जे किछु
हुनका सँ मँगबनि से प्राप्त करब, किएक
तँ हुनकर आज्ञाक पालन करैत छियनि
और वैह करैत छी जे हुनका प्रिय छनि।
23हुनकर आज्ञा ई अछि जे अपना सभ
हुनकर पुत्र यीशु मसीह पर विश्वास करी,
और जहिना ओ अपना सभ कैँ आदेश
देलनि तहिना एक-दोसर सँ प्रेम करी। 24जे
केओ हुनकर आज्ञा सभक पालन करैत
अछि, से हुनका मे रहैत अछि और ओ
तकरा मे। ओ अपना सभ मे वास करैत
छथि, से अपना सभ ओहि आत्मा द्वारा
जनैत छी जे ओ अपना सभ कैँ देने छथि।

सत्यक आत्मा आ झूठक आत्मा

4 प्रिय मित्र सभ, ताहि सभ लोकक
विश्वास नहि करू जे कहैत अछि
जे हमरा मे परमेश्वरक आत्मा छथि,
बल्कि ओकरा सभक जाँच करू, ई
बुझबाक लेल जे ओकरा मे जे आत्मा
छैक, से परमेश्वरक दिस सँ अछि वा
नहि। किएक तँ बहुतो लोक संसार मे
निकलि गेल अछि जे झूठ बाजि कऽ
अपना कैँ परमेश्वरक प्रवक्ता कहैत
अछि। 2परमेश्वरक आत्मा कैँ अहाँ सभ
एहि तरहेँ चिन्हि सकैत छी—जे केओ
स्वीकार करैत अछि जे यीशु मसीह मनुष्य
बनि कऽ अयलाह, तकरा मे परमेश्वरक
आत्मा छथि। 3मुदा जे केओ यीशु कैँ एहि
तरहेँ स्वीकार नहि करैत अछि, तकरा मे
जे आत्मा अछि, से परमेश्वरक दिस सँ
नहि अछि। ओकरा मे “मसीह-विरोधी”क
आत्मा अछि, जकरा बारे मे अहाँ सभ
सुनने छलहुँ जे आबऽ वला अछि, और
एखनो ओ संसार मे आबि गेल अछि।

4 प्रिय बौआ सभ, अहाँ सभ ओहि
झुट्ठा शिक्षक सभ पर विजयी भऽ गेल
छी, कारण अहाँ सभ परमेश्वरक छी,
और जे अहाँ सभ मे छथि, से तकरा सँ
शक्तिशाली छथि जे संसार मे अछि।
5ओ सभ संसारक अछि आ तेँ संसारेक
बात कहैत अछि, और संसार ओकरा
सभक बात सुनैत छैक। 6मुदा अपना सभ
परमेश्वरक छी, और जे केओ परमेश्वर
कैँ चिन्हैत छनि, से अपना सभक सुनैत
अछि। मुदा जे केओ परमेश्वरक नहि
अछि से अपना सभक नहि सुनैत अछि।
एहि सँ अपना सभ सत्यक आत्मा और
झूठक आत्मा चिन्हि सकैत छी।

प्रेम की अछि?

7 प्रिय मित्र सभ, अपना सभ एक-दोसर
सँ प्रेम करी, किएक तँ प्रेम परमेश्वर सँ
उत्पन्न होइत अछि। जे प्रेम करैत अछि,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

से परमेश्वरक सन्तान अछि और परमेश्वर
केँ चिन्हैत अछि। 8जे प्रेम नहि करैत अछि,
से परमेश्वर केँ नहि चिन्हैत अछि, किएक
तँ परमेश्वर प्रेम छथि। 9परमेश्वर अपन
प्रेम अपना सभक बीच एहि प्रकारेँ प्रगट
कयलनि—ओ अपन एकलौता पुत्र केँ
संसार मे पठा देलनि जाहि सँ अपना सभ
हुनका द्वारा जीवन प्राप्त करी। 10प्रेमक
अर्थ ई नहि, जे अपना सभ परमेश्वर सँ प्रेम
कयलियनि, बल्कि ई, जे ओ अपना सभ
सँ प्रेम कयलनि और अपन पुत्र केँ अपना
सभक पापक प्रायश्चित्त करऽ वला बलि
बना कऽ पठा देलनि। 11प्रिय मित्र सभ, जँ
परमेश्वर अपना सभ सँ एहन प्रेम कयलनि,
तँ अपनो सभ केँ एक-दोसर सँ प्रेम करबाक
चाही। 12परमेश्वर केँ केओ कहियो नहि
देखने छनि, मुदा अपना सभ जँ एक-दोसर
सँ प्रेम करैत छी तँ ओ अपना सभ मे वास
करैत छथि और अपना सभ मे हुनकर प्रेम
सिद्ध होइत अछि।

13 अपना सभ हुनका मे रहैत छी और
ओ अपना सभ मे, तकर प्रमाण ई भेल
जे ओ अपना सभ केँ अपन आत्मा मे
सहभागी बना लेने छथि। 14अपना सभ
देखने छी और गवाही दैत छी जे पिता
अपना पुत्र केँ संसारक उद्धारकर्ताक रूप
मे पठौलनि। 15जँ केओ स्वीकार करैत
अछि जे यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि, तँ
परमेश्वर ओकरा मे रहैत छथि और ओ
परमेश्वर मे। 16परमेश्वरक प्रेम जे अपना
सभक प्रति छनि, तकरा अपना सभ जानि
गेल छी और ताही पर भरोसा करैत छी।

परमेश्वर प्रेम छथि। जे केओ प्रेम मे
रहैत अछि से परमेश्वर मे रहैत अछि,
और परमेश्वर ओकरा मे। 17अपना सभ
मे प्रेम सिद्ध होयबाक उद्देश्य ई अछि जे
अपना सभ न्यायक दिन मे निर्भय रही,
और एहि कारण निर्भय रही जे संसार मे
अपना सभ तेहन छी जेहन यीशु छथि।
18प्रेम मे डर नहि होइत अछि। सिद्ध प्रेम
डर केँ भगा दैत अछि, कारण डर दण्ड सँ
सम्बन्धित अछि। जे डेराइत अछि, से प्रेम
मे सिद्ध नहि भेल अछि।

19 अपना सभ एहि लेल प्रेम करैत छी
जे ओ पहिने अपना सभ सँ प्रेम कयलनि।
20जँ केओ कहैत अछि जे, हम परमेश्वर
सँ प्रेम करैत छी, जखन कि अपना भाय सँ
घृणा करैत अछि, तँ ओ झूठ बाजऽ वला
अछि। कारण, जे अपना भाय सँ जकरा
ओ देखने छैक प्रेम नहि करैत अछि, से
परमेश्वर सँ जिनका ओ नहि देखने छनि
कोना प्रेम कऽ सकैत अछि? 21और ओ
अपना सभ केँ ई आज्ञा देने छथि जे, जे
परमेश्वर सँ प्रेम करैत अछि से अपना
भाय सँ सेहो प्रेम करय।

परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास

5 जे केओ विश्वास करैत अछि जे
यीशुए उद्धारकर्ता-मसीह छथि,
से परमेश्वरक सन्तान अछि, और जे
केओ पिता सँ प्रेम करैत छनि, से हुनकर
सन्तानो सँ प्रेम करैत छैक। 2अपना सभ
जँ परमेश्वर सँ प्रेम करैत छी और हुनकर
आज्ञा सभक पालन करैत छी तँ एहि सँ
ई जानि सकैत छी जे परमेश्वरक सन्तान
सभ सँ प्रेम करैत छी। 3परमेश्वर सँ प्रेम
कयनाइ ई अछि—हुनकर आज्ञा सभक
पालन कयनाइ। हुनकर आज्ञा सभ कठिन
नहि अछि, 4कारण, जे केओ परमेश्वरक
सन्तान अछि, से संसार पर विजय प्राप्त
कयने अछि। ओ विजय जे संसार केँ
पराजित करैत अछि, से अपना सभक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

विश्वासे अछि। 5संसार पर विजय के
प्राप्त कऽ सकैत अछि? खाली वैह जे
विश्वास करैत अछि जे यीशु परमेश्वरक
पुत्र छथि।

6 यीशु मसीह वैह छथि जे जल और
खून द्वारा प्रगट भेलाह। ओ मात्र जले द्वारा
नहि, बल्कि जल और खून दूनू द्वारा प्रगट
भेलाह। और एकर गवाह पवित्र आत्मा
छथि, कारण ओ आत्मा सत्य छथि। 7एहि
तरहेँ तीनटा अछि जे गवाही दैत अछि—
8परमेश्वरक आत्मा, जल और खून, और
तीनू सहमत अछि। 9अपना सभ मनुष्यक
गवाही मानि लैत छी, तँ परमेश्वरक
गवाही ओहि सँ कतेक पैघ अछि,
और ई गवाही परमेश्वर स्वयं अपना
पुत्रक विषय मे देने छथि। 10जे केओ
परमेश्वरक पुत्र पर विश्वास करैत अछि,
तकरा हृदय मे ई गवाही रहैत छैक। जे
केओ परमेश्वरक बात नहि मानैत अछि,
से हुनका झुट्ठा ठहरबैत छनि, कारण ओ
ओहि गवाहीक विश्वास नहि कयलक
जे परमेश्वर अपना पुत्रक विषय मे देने
छथि। 11ओ गवाही ई अछि जे परमेश्वर
अपना सभ केँ अनन्त जीवन देने छथि,
और ई जीवन हुनकर पुत्र मे भेटैत अछि।
12जकरा ककरो मे परमेश्वरक पुत्र
छथिन, तकरा मे जीवन छैक, और जकरा
ककरो मे परमेश्वरक पुत्र नहि छथिन,
तकरा मे जीवन नहि छैक।

13 अहाँ सभ केँ, जे परमेश्वरक पुत्रक
नाम पर विश्वास करैत छी, हम ई सभ
बात लिखि रहल छी जाहि सँ अहाँ सभ
जानी जे अहाँ सभ केँ अनन्त जीवन
अछि। 14अपना सभ परमेश्वरक सामने
मे साहस सँ आबि सकैत छी, कारण
अपना सभक पूर्ण विश्वास अछि जे,
जँ हुनकर इच्छाक अनुसार किछु मँगैत
छियनि तँ ओ अपना सभक प्रार्थना सुनैत
छथि। 15और जँ ई जनैत छी जे ओ अपना
सभक प्रार्थना सुनैत छथि, चाहे जे किछु
मँगियनि, तँ इहो निश्चय जनैत छी जे, जे
किछु हुनका सँ मँगने छी, से अपना सभ
केँ प्राप्त भऽ गेल अछि।

16 जँ केओ अपना भाय केँ एहन पाप
करैत देखत जकर परिणाम मृत्यु नहि
होइक, तँ ओ प्रार्थना करय, और ओ जे
पाप कयलक, तकरा परमेश्वर जीवन
देथिन। हम तकरे सभक बारे मे कहैत छी
जे एहन पाप करैत अछि जकर परिणाम
मृत्यु नहि छैक। किएक तँ एहनो पाप
होइत अछि जकर परिणाम मृत्यु छैक।
हम नहि कहैत छी जे ओहि सम्बन्ध मे
प्रार्थना कयल जाय। 17सभ गलत काज
तँ पाप अछि, मुदा एहनो पाप होइत अछि
जकर परिणाम मृत्यु नहि छैक।

18 अपना सभ जनैत छी जे, जे केओ
परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि, से पाप
नहि करैत रहैत अछि। परमेश्वरक पुत्र
ओकरा सुरक्षित रखैत छथिन, और
शैतान ओकरा छुबि नहि सकैत छैक।
19अपना सभ जनैत छी जे परमेश्वरक
सन्तान छी और सौंसे संसार शैतानक वश
मे अछि। 20अपना सभ इहो जनैत छी जे
परमेश्वरक पुत्र आयल छथि और अपना
सभ केँ बुझबाक सामर्थ्य देने छथि जाहि
सँ अपना सभ सत्य परमेश्वर केँ चिन्हि
सकी। अपना सभ सत्य परमेश्वर मे छी,
किएक तँ हुनकर पुत्र यीशु मसीह मे छी।
यैह सत्य परमेश्वर और अनन्त जीवन
छथि।

21 प्रिय बौआ सभ, अपना केँ झुट्ठा-
देवता सभ सँ बचा कऽ राखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्नाक दोसर पत्र

1 ई पत्र हम, “धर्मवृद्ध”, परमेश्वर द्वारा चुनल
महिला और हुनकर सन्तान सभ कें लिखि रहल
छी, जिनका सभ सँ हम सत्यक कारणेँ प्रेम
करैत छी, और प्रेम हमहींटा नहि, बल्कि ओ
सभ लोक सेहो करैत अछि जे सत्य कें जनैत
अछि। 2ई प्रेम ओहि सत्य पर आधारित अछि
जे अपना सभ मे रहैत अछि और अपना सभक
संग अनन्त काल तक रहत। 3परमेश्वर पिताक
दिस सँ, और पिताक पुत्र यीशु मसीहक दिस
सँ, प्रेम और सत्यक संग कृपा, दया और शान्ति
अपना सभ पर बनल रहत।

4 ई देखि हमरा बड्ड आनन्द भेल जे
अहाँक किछु सन्तान सत्यक मार्ग पर चलि
रहल अछि, जेना पिता अपना सभ कें आज्ञा
देलनि। 5आब, बहिनजी, हम अहाँ कें कोनो
नव आज्ञा नहि लिखि रहल छी; ई अपना
सभ कें शुरुए सँ भेटल अछि—हम विनती
करैत छी जे एक-दोसर सँ प्रेम करी। 6प्रेमक
अर्थ ई भेल जे पिताक आज्ञाक अनुसार
चली। हुनकर आज्ञा, जे अहाँ सभ शुरू सँ
सुनने छी से ई अछि जे, प्रेमक मार्ग पर चलू।

झुट्ठा-शिक्षक सभ कें कोनो तरहक सहयोग नहि करू

7 संसार मे बहुतो बहकाबऽ वला झुट्ठा-
शिक्षक बहरायल अछि जे नहि मानैत
अछि जे यीशु मसीह मनुष्य बनि कऽ
अयलाह। एहन व्यक्ति धोखा देबऽ वला
और “मसीह-विरोधी” अछि। 8सावधान
रहू—एना नहि होअय जे, जाहि बातक लेल
अहाँ सभ* परिश्रम कयलहुँ तकरा गमा दी,
बल्कि एना होअय जे अहाँ सभ कें ओहि
परिश्रमक पूरा पुरस्कार भेटय। 9जे केओ
मसीहक शिक्षा मे बनल नहि रहैत अछि,
बल्कि ताहि सँ अलग बात मानि कऽ ओहि
सँ “आगाँ” भगैत अछि, से परमेश्वर सँ
वंचित अछि। जे केओ मसीहक शिक्षा
मे रहैत अछि, तकरा लग पिता और पुत्र
दूनू छथिन। 10जँ अहाँ सभक ओहिठाम
ओहन व्यक्ति आबय जे एहि सँ अलग
शिक्षा दैत अछि तँ ओकरा अपना घर मे
टपऽ नहि दिअ, आ ने ओकरा कुशलताक
कामना करिऔक। 11कारण, जे ओकरा
कुशलताक कामना करैत अछि, से ओकर
दुष्ट काज मे सहभागी बनैत अछि।

12 अहाँ सभ कें बहुत किछु कहबाक
अछि, मुदा से सभ हम चिट्ठी मे नहि लिखऽ
चाहैत छी। आशा अछि जे अहाँ सभ लग
आबि आमने-सामने बात करब, जाहि सँ
अपना सभक आनन्द पूर्ण होअय।

13 परमेश्वरक चुनल अहाँक बहिनक
सन्तान सभ अहाँ कें नमस्कार कहैत अछि।

---

8 वा, “जाहि बातक लेल हम सभ”, वा “जाहि बातक लेल अपना सभ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यूहन्नाक तेसर पत्र

1 हम, “धर्मवृद्ध”, ई पत्र अपन प्रिय
भाइ गयुस कैँ लिखि रहल छी, जिनका
सँ हम सत्यक कारणेँ प्रेम करैत छी।
[2]प्रिय मित्र, हम परमेश्वर सँ प्रार्थना
करैत छी जे जहिना अहाँ आत्मिक रूप
मे कुशल छी, तहिना आओर सभ बात
मे सकुशल रहैत स्वस्थ रही। [3]किएक
तँ जखन किछु भाय सभ आबि कऽ
सुनौलनि जे अहाँ मे सत्यक लेल केहन
निष्ठा अछि आ कोना अहाँ सत्य पर
चलि रहल छी तँ हम बड्ड खुश भेलहुँ।
[4]हमरा लेल एहि सँ बड़का आनन्दक
बात दोसर कोनो नहि भऽ सकैत अछि,
जे हम ई सुनी जे हमर बच्चा सभ सत्य
पर चलि रहल अछि।

सत्य कैँ सिखाबऽ वला सभक सहयोग करू

5 प्रिय मित्र, अहाँ अपरिचितो भाय
सभक सेवा-सत्कार मे जे किछु कऽ रहल
छी, ताहि मे अहाँ अपना कैँ विश्वासपात्र
सिद्ध कयने छी। [6]ओ सभ एतुका मण्डली
कैँ अहाँक प्रेमक बारे मे कहि देने छथि।
जँ अहाँ हुनका सभक आगाँ वला यात्राक
एहन प्रबन्ध कऽ दियनि जे परमेश्वर
चाहितथि, तँ से बहुत बढ़ियाँ रहत,
[7]किएक तँ ओ सभ मसीहक नामक
प्रचारक लेल निकलल छथि*, और
ओहन लोक सभ सँ किछु सहयोग नहि
लैत छथि जे सभ प्रभु कैँ नहि चिन्हैत
अछि। [8]तेँ अपना सभ कैँ एहन लोकक
सहयोग करबाक चाही, जाहि सँ सत्यक
लेल ओ सभ जे काज करैत छथि, ताहि
मे अपना सभ हुनका सभक संग सहभागी
भऽ सकी।

9 हम मण्डलीक सदस्य सभ कैँ एक
चिट्ठी लिखने छलहुँ, मुदा दियुत्रिफेस,
जे सभक प्रमुख बनबाक धुनि मे अछि,
से हमरा सभक बात नहि मानैत अछि।
[10]तँ हम जँ आयब तँ ओकर काज
झाँपब नहि। ओ दुष्ट भावना सँ हमरा
सभक विरोध मे खराब बात सभ कहि
कऽ हमरा सभक निन्दा करैत अछि।
और एतबे सँ सन्तुष्ट नहि भऽ कऽ ओ
भाय सभक अतिथि-सत्कार सेहो नहि
करैत अछि, और जे सभ हुनका सभक
अतिथि-सत्कार करऽ चाहैत छथि
तिनको सभ कैँ ओ नहि करऽ दैत अछि,
आ हुनका सभ कैँ मण्डली सँ निकालि
दैत अछि।

---

7 अक्षरशः “ओ सभ ओहि नामक लेल निकललाह”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

11 प्रिय मित्र, अहाँ अधलाह काज
देखि कऽ तेना नहि करू, बल्कि जे नीक
अछि, तेना करू। जे केओ नीक काज
करैत अछि से परमेश्वरक लोक अछि,
मुदा जे केओ अधलाह काज करैत
अछि, से परमेश्वर कैँ कहियो नहि देखने
अछि।

12 देमेत्रियुसक बारे मे सभ केओ बहुत
नीक कहैत अछि। ओ सत्य पर चलैत
छथि, आ एहि तरहेँ हुनका जीवन द्वारा
सत्य अपने हुनका नीक लोक ठहरबैत
अछि। हमहूँ सभ नीक कहैत छियनि, और
अहाँ जनैत छी जे हमरा सभक गवाही
सत्य होइत अछि।

13 हमरा अहाँ कैँ बहुत किछु
कहबाक अछि, मुदा हम चिट्ठी मे नहि
लिखऽ चाहैत छी। [14]हमरा आशा अछि
जे अहाँ सँ जल्दी भेँट कऽ सकब, आ
तखन अपना सभ आमने-सामने बात-
चीत करब।

15 अहाँ कैँ शान्ति भेटय। एहिठामक
संगी सभ अहाँ कैँ नमस्कार कहैत छथि।
ओहिठामक संगी सभ कैँ नाम लऽ लऽ
कऽ हमरा सभक नमस्कार कहि देबनि।

यहूदाक पत्र

1 हम यहूदा, जे यीशु मसीहक सेवक
आ याकूबक भाय छी, अहाँ सभ कैँ
जे सभ परमेश्वर पिता द्वारा बजाओल
गेल छी, हुनकर प्रिय लोक छी आ यीशु
मसीहक लेल* सुरक्षित राखल छी, ई पत्र
लिखि रहल छी।

2 अहाँ सभ कैँ प्रशस्त मात्रा मे दया,
शान्ति आ प्रेम भेटय।

सत्य कैँ हेर-फेर करऽ वला सभ कैँ चिन्हू

3 प्रिय भाइ सभ, अपना सभ जाहि
उद्धार मे सहभागी छी, तकरा विषय
मे हम अहाँ सभ कैँ लिखबाक लेल
बहुत उत्सुक छलहुँ, मुदा आब हमरा
आवश्यक बुझायल जे एहि पत्र द्वारा हम
अहाँ सभ कैँ अनुरोध करी जे, जाहि सत्य
पर अपना सभ विश्वास करैत छी आ जे
सदा कालक लेल एक बेर प्रभुक लोकक
जिम्मा मे सौंपल गेल, तकर रक्षाक लेल
संघर्ष करू। [4]किएक तँ अहाँ सभक बीच
किछु एहन लोक चुप-चाप पैसि गेल
अछि जकरा सभक दण्ड-आज्ञाक बारे मे
प्राचीन काल मे धर्मशास्त्र मे लिखल गेल।
ओ सभ परमेश्वरक डर नहि मानैत अछि,
ओ सभ परमेश्वरक कृपा कैँ हेर-फेर कऽ
कऽ ओकरा कुकर्म करबाक अधिकारक
रूप मे मानि लैत अछि, और अपना

1 वा, “यीशु मसीह द्वारा” वा, “यीशु मसीह मे”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक एकमात्र स्वामी आ प्रभु, अर्थात्
यीशु मसीह केँ, अस्वीकार करैत अछि।
5 ओना तँ अहाँ सभ ई बात पहिने सँ
जनैत छी, तैयो हम अहाँ सभ केँ स्मरण
कराबऽ चाहैत छी जे, प्रभु* मिस्र देश सँ
इस्राएली लोक सभ केँ मुक्त करा कऽ
निकालि लेलनि, मुदा बाद मे ओकरा सभ
मे सँ जे सभ विश्वास नहि कयलक, तकरा
सभक विनाश कऽ देलनि।* 6स्वर्गदूतो
वला बात केँ मोन पाड़ू—स्वर्गदूत सभ
मे सँ जे सभ अपन अधिकारक पद नहि
राखि अपन वास स्थान छोड़ि देलक,
तकरा सभ केँ परमेश्वर भीषण न्याय-
दिनक न्यायक लेल कहियो नहि खुलऽ
वला बन्हन मे बान्हि कऽ अन्हार मे राखि
देलथिन।* 7एही तरहेँ सदोम, गमोरा
आ तकरा लग-पासक नगर सभ ओही
स्वर्गदूत सभ जकाँ कुकर्म कयलक आ
अप्राकृतिक शारीरिक इच्छा सभक पाछाँ
दौड़ैत रहल। ओ सभ अनन्त आगिक
दण्ड मे पड़ि कऽ आन लोकक लेल
उदाहरण बनल अछि।*

8 ठीक ओही तरहेँ ई सभ जे अहाँ
सभक समूह मे आयल अछि, से सभ
अपन सपना सभ सँ प्रेरणा पाबि कऽ
अपना शरीर केँ अशुद्ध करैत अछि,
किनको अधीन मे नहि रहैत अछि आ
स्वर्गिक प्राणी सभक निन्दा करैत अछि।
9प्रधान स्वर्गदूत मिकाएल सेहो जखन
मूसाक लासक विषय मे शैतान सँ वाद-
विवाद कऽ रहल छलाह, तँ हुनका साहस
नहि भेलनि जे शैतान केँ अपमान-जनक
शब्द कहि कऽ ओकरा पर दोष लगबथि।
ओ मात्र एतबे कहलथिन, “परमेश्वरे
तोरा दण्डित करथुन।” 10मुदा ई लोक
सभ जाहि बात सभ केँ नहि बुझैत अछि,
तकर विरोध मे बजैत अछि। अविवेकी
जानबर सभ जकाँ ई सभ एतबे बुझैत
अछि जे शरीर मे कोन बातक लेल इच्छा
भऽ रहल अछि, आ सैह बात सभ एकरा
सभ केँ नष्ट करतैक।

11 ओकरा सभ केँ धिक्कार छैक!
किएक तँ ओ सभ काइनक चालि अपनौने
अछि।* ओ सभ बिलाम जकाँ अनुचित
लाभक पाछाँ दौड़ि कऽ पथभ्रष्ट भऽ गेल
अछि,* आ कोरह जकाँ विद्रोह कऽ कऽ
नाश भऽ गेल अछि।*

12 ओ सभ अहाँ सभक प्रेम-भोज सभ मे
कलंक स्वरूप अछि,* किएक तँ ओ सभ
निःसंकोच भऽ खाइत-पिबैत खाली अपने
भरण-पोषण केँ ध्यान मे रखैत अछि।
ओ सभ ओहन मेघ अछि जे बरसैत नहि
अछि आ हवाक प्रवाह सँ एम्हर-ओम्हर
उड़ैत रहैत अछि। ओ सभ ओहन गाछ
सभ अछि जे फड़बाक समय अयला पर
सेहो नहि फड़ैत अछि आ जकरा सभ
केँ जड़ि सँ उखाड़ल गेल अछि—ओ
सभ दू बेर मरि चुकल अछि। 13ओ सभ
समुद्रक प्रचण्ड लहरि सभ अछि जे अपन
लज्जाजनक काजक फेन उझलैत अछि।

---

5 किछु अति प्राचीन हस्तलेख सभ मे, “प्रभु”क स्थान मे “यीशु” पाओल जाइत अछि। **5** प्रस्थान 12.51 और गनती 14.29,30 केँ देखू। **6** उत्पत्ति 6.1-4; यशा 14.12-15; 24.21-23 केँ देखू। **7** उत्पत्ति 19.1-25 केँ देखू। **11** (काइन) उत्पत्ति 4.1-8 केँ देखू। **11** (बिलाम) गनती 22-24; 31.16 केँ देखू। **11** (कोरह) गनती 16.1-35 केँ देखू। **12** वा, “ओ सभ अहाँ सभक प्रेम-भोज सभ मे समुद्र मे पाओल जाय वला ओहन विशाल खतरनाक पाथर सभ जकाँ अछि जे जहाज केँ नोकसान करैत अछि,”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ओ सभ एम्हर-ओम्हर घुमऽ वला तारा
सभ अछि जकरा सभक लेल अन्हार-गुज
स्थान अनन्त कालक लेल ठहराओल
गेल अछि।

14 हनोक सेहो, जे आदम सँ सातम
पीढ़ी मे छलाह,* एकरा सभक विषय मे
भविष्यवाणी कयलनि जे, “देखू, परम-
प्रभु अपन असंख्य पवित्र स्वर्गदूतक
संग आबि रहल छथि **15** जाहि सँ सभ
लोकक न्याय करथि आ अधर्मी सभ
जतेक अधर्म कयलक आ धर्मद्रोही
पापी सभ प्रभुक विरोध मे जतेक खराब
बात बाजल अछि, ताहि सभ बातक
लेल ओकरा सभ कँ दोषी ठहरबथि।”
16 एहन लोक सभ कुड़बुड़ाइत रहैत
अछि, अनकर दोष तकैत अछि, अपन
अधलाह इच्छा सभक अनुसार चलैत
अछि, अपन बड़ाइ करैत अछि, आ
अपन लाभक लेल लोकक चापलूसी
करैत अछि।

विश्वास मे दृढ़ बनल रहू

17 परन्तु यौ प्रिय भाइ सभ, अहाँ सभ
ओहि बात कँ मोन राखू जे अपना सभक
प्रभु यीशु मसीहक पठाओल दूत सभ
अहाँ सभ कँ पहिनहि कहि देने छथि।
18 ओ सभ कहलनि जे, “अन्तिम समय
मे एहन ठट्ठा कयनिहार सभ आओत जे
परमेश्वरक डर नहि मानि कऽ अपन
अधलाह इच्छा सभक अनुसार आचरण
करत।” **19** ई सभ ओहन लोक अछि जे
मण्डली मे फूट करबैत अछि। ई सभ
मात्र एहि संसारक बात सभक बारे मे
सोचैत अछि। एकरा सभ मे परमेश्वरक
आत्माक वास नहि अछि।

20 मुदा यौ प्रिय भाइ सभ, अहाँ सभ
जाहि अति पवित्र सत्य पर विश्वास
कयने छी, ताहि मे बलवन्त होइत जाउ,
आ परमेश्वरक पवित्र आत्माक शक्ति
द्वारा प्रार्थना करैत रहू। **21** अहाँ सभ
अपना कँ परमेश्वरक प्रेम मे रखने रहू
आ ओहि दिनक बाट तकैत रहू जहिया
अपना सभक प्रभु यीशु मसीह अपना
दया सँ अहाँ सभ कँ अनन्त जीवन मे लऽ
अनताह।

22 जे सभ अपना विश्वास मे डगमगा
रहल अछि, तकरा सभ पर दया करू।
23 दोसर सभ कँ आगि मे सँ खीचि कऽ
बचाउ। फेर दोसर लोक एहन अछि,
जकरा सभ पर दया करैत काल मे
सावधान रहबाक अछि; ओकरा सभक
ओहि वस्त्र सभ सँ सेहो घृणा करू जे
पापी स्वभावक कुकर्म सँ अपवित्र कयल
गेल अछि।

एकमात्र परमेश्वरक प्रशंसा होनि!

24 आब, जे अहाँ सभ कँ खसऽ सँ बचा
सकैत छथि, अपन महिमामय उपस्थिति
मे अहाँ सभ कँ निर्दोष आ अति आनन्दित
कऽ कऽ ठाढ़ कऽ सकैत छथि—
25 अर्थात्, अपना सभक उद्धारकर्ता, ओहि
एकमात्र परमेश्वर कँ अपना सभक प्रभु
यीशु मसीह द्वारा महिमा, गौरव, सामर्थ्य,
आ अधिकार होनि; जहिना सनातन काल
सँ छनि, तहिना एखनो होनि आ युगानुयुग
होइत रहनि! आमीन।

---

14 उत्पत्ति 5.18, 21-24 कँ देखू।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

प्रकाशित-वाक्य

1 ई यीशु मसीह द्वारा प्रगट कयल
बात अछि। ई हुनका परमेश्वर
द्वारा देखाओल गेलनि, जाहि सँ ओ अपन
सेवक सभ केँ ओ घटना सभ देखबथि
जे जल्दी होमऽ वला अछि। यीशु मसीह
अपन स्वर्गदूत पठा कऽ अपन सेवक
यूहन्ना केँ एहि बात सभक जानकारी
देलनि, 2और यूहन्ना जे किछु देखलनि,
अर्थात्, परमेश्वरक वचन आ यीशु मसीह
जे गवाही देलनि, से सभ बात एहि पुस्तक
मे लिखलनि।

3 धन्य अछि ओ जे एहि भविष्यवाणी
केँ पढ़ैत अछि, आ धन्य अछि ओ सभ
जे एकरा सुनैत अछि और एहि मे लिखल
बात सभक पालन करैत अछि, किएक तँ
ओ समय लगचिआ गेल अछि जहिया ई
घटना सभ होयत।

4-5 आसिया प्रदेशक सातो मसीही
मण्डली केँ यूहन्नाक ई पत्र—

ओ जे छथि, जे छलाह आ जे आबहो
वला समय मे रहताह, से, आ हुनका
सिंहासनक समक्ष उपस्थित रहऽ वला
सात आत्मा आ यीशु मसीह, से, अहाँ
सभ पर कृपा करथि आ शान्ति देथि।
यीशु मसीह विश्वसनीय गवाह छथि,
मुइल सभ मे सँ पहिल जीबि उठऽ वला
छथि आ पृथ्वीक राजा सभक उपर
शासन करऽ वला छथि। ओ जे अपना
सभ सँ प्रेम करैत छथि, जे अपन खून
द्वारा अपना सभ केँ पाप सँ मुक्त कऽ
देने छथि, 6ओ जे अपना सभ केँ अपन
राज्य बनौने छथि और अपन पिता
परमेश्वरक सेवा करबाक लेल पुरोहित
बनौने छथि—तिनकर युगानुयुग स्तुति आ
सामर्थ्य होइत रहनि। आमीन।

7 देखू, ओ मेघ सभक संग आबऽ वला
छथि। हुनका सभ लोक अपना आँखि
सँ देखतनि, ओहो सभ देखतनि जे सभ
हुनका भाला सँ भोंकने छलनि। पृथ्वी
परक समस्त जातिक लोक हुनका कारण
कन्ना-रोहटि करत। ई सभ बात निश्चित
होयत। आमीन।

8 प्रभु परमेश्वर कहैत छथि जे, “शुरुआत
और अन्त* हमहीं छी। हम वैह छी, जे
छथि, जे छलाह, जे आबहो वला समय मे
रहताह—वैह, जे सर्वशक्तिमान छथि।”

प्रभु यीशु मसीहक दर्शन

9 हम यूहन्ना, जे अहाँ सभक भाय छी,
अहाँ सभक संग ओहि कष्ट, राज्य आ

1:8 मूल मे “अल्फा और ओमेगा” जे यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सहनशीलता मे सहभागी छी जे यीशुक
लोक होयबाक कारणेँ अपना सभ केँ
होइत अछि। हम परमेश्वरक वचनक
प्रचार करबाक कारणेँ आ यीशुक सम्बन्ध
मे गवाही देबाक कारणेँ पतमुस द्वीप मे
बन्दी छलहुँ। [10]“प्रभुक दिन” मे* हमरा
प्रभुक आत्मा अपना नियन्त्रण मे लेलनि,
और हम अपना पाछाँ धुतहूक आवाज
जकाँ किनको आवाज जोर सँ ई कहैत
सुनलहुँ जे, [11]“जे किछु तोँ देखबह तकरा
पुस्तक मे लिखिहह आ ओकरा इफिसुस,
स्मुरना, पिरगमुन, थूआतीरा, सरदीस,
फिलादेलफिया आ लौदीकिया समेत एहि
सातो शहरक मण्डली केँ पठा दिहक।”

12 हमरा ई के कहि रहल छथि तिनका
देखबाक लेल हम घुमलहुँ आ घूमि कऽ
हम दीप राखऽ वला सातटा सोनाक
लाबनि देखलहुँ। [13]ओहि लाबनिक
बीच केओ ठाढ़ छलाह जे मनुष्य-पुत्र
जकाँ लगैत छलाह। ओ पयर धरि लम्बा
वस्त्र पहिरने छलाह और अपन छाती
पर सोनाक चौड़ा पट्टी बन्हने छलाह।
[14]हुनकर माथक केश ऊन वा बर्फ सन
उज्जर छलनि, आ हुनकर आँखि आगि
जकाँ धधकि रहल छलनि। [15]हुनकर
पयर आगि मे धिपाओल पित्तरि जकाँ
चमकि रहल छलनि आ हुनकर बजनाइ
समुद्रक गरजनाइ जकाँ सुनाइ दैत छल।
[16]हुनका दहिना हाथ मे सातटा तारा
छलनि आ हुनका मुँह सँ एक तेज दूधारी
तरुआरि निकलि रहल छलनि। हुनकर
चेहरा दुपहरक सूर्य जकाँ चमकैत छलनि।

17 हुनका देखिते हम मरल जकाँ
हुनका चरण पर खसि पड़लहुँ। तखन ओ
अपन दहिना हाथ हमरा पर रखलनि आ
कहलनि जे, “नहि डेराह, हम पहिल आ
अन्तिम छी। [18]हम वैह छी जे जीवित
छथि। हम मरि गेल छलहुँ, मुदा देखह,
हम आब युगानुयुग जीवित छी! मृत्यु आ
पातालक कुंजी* हमरा लग अछि। [19]एहि
लेल, जे बात सभ तोँ देखलह, अर्थात्,
जे बात सभ भऽ रहल अछि आ जे बात
सभ एकर बाद मे होमऽ वला अछि,
तकरा लिखि लैह। [20]तोँ जे सातटा तारा
हमरा दहिना हाथ मे देखलह तकर, आ
एतऽ जे सोनाक सातटा लाबनि अछि,
तकर रहस्य ई अछि—सातटा तारा सातो
मण्डलीक दूत सभ* अछि आ ई सातटा
लाबनि सातटा मण्डली अछि।

अइफिसुस शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

2 “इफिसुसक मण्डलीक दूत* केँ ई
लिखह,

ओ जे अपन दहिना हाथ मे सातो
तारा धयने छथि आ दीप राखऽ वला
सोनाक सातो लाबनिक बीच चलैत-
फिरैत छथि से ई कहैत छथि— [2]हम
अहाँक काज सभ सँ, अहाँक परिश्रम
आ अहाँक सहनशीलता सँ परिचित
छी। हम जनैत छी जे अहाँ दुष्ट लोक
सभ केँ बरदास्त नहि करैत छी। जे
सभ अपना केँ मसीह-दूत कहैत
अछि मुदा अछि नहि, तकरा सभ केँ

1:10 अर्थात् सप्ताहक पहिल दिन मे (रबि) **1:18** मूल मे, “मृत्यु आ ‘हेडीस’क कुंजी”, अर्थात्, “मृत्यु आ मरल सभक वास-स्थानक कुंजी” **1:20** वा, “मण्डलीक स्वर्गदूत सभ” **2:1** वा, “मण्डलीक स्वर्गदूत”। तहिना पद 8, 12 और 18 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ जाँच कयने छी आ झुट्ठा पौने
छी। [3]अहाँ सभ धैर्य रखने छी, हमरा
नामक कारणेँ कष्ट सहने छी आ
निराश नहि भेलहुँ।

4 मुदा हमरा अहाँक विरोध मे
ई कहबाक अछि जे अहाँ अपन
पहिलुका प्रेम छोड़ि देने छी। [5]एहि
लेल मोन राखू जे कतेक ऊँच स्थान
सँ अहाँ खसल छी। आब अहाँ अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन करू आ पहिने जकाँ अपन
आचरण राखू। जँ से नहि करब तँ
हम आबि कऽ अहाँक लाबनि अपन
स्थान पर सँ हटा देब। [6]तैयो एतेक
अवश्य अछि जे हमरे जकाँ अहूँ
निकोलायी पंथक* लोक सभक
काज सभ सँ घृणा करैत छी।

7 जकरा सभ केँ कान होइक, से
सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा
मण्डली सभ केँ की कहैत छथि। जे
सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ केँ
हम परमेश्वरक स्वर्ग-बगीचा मेहक
जीवनक गाछक फल खयबाक
अधिकार देबैक।

स्मुरना शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

8 “स्मुरनाक मण्डलीक दूत केँ ई
लिखह,

जे पहिल आ अन्तिम छथि, जे मरि
गेल छलाह आ आब जीबि उठल
छथि से ई कहैत छथि— [9]हम अहाँक
कष्ट आ गरीबी सँ परिचित छी। मुदा
वास्तव मे अहाँ धनवान छी! और
हम इहो जनैत छी जे, ओ सभ जे
यहूदी भऽ कऽ अपना केँ परमेश्वरक
लोक कहैत अछि, मुदा अछि नहि,
से सभ अहाँक कतेक बदनामी करैत
अछि। ओ सभ शैतानक समूह अछि।
[10]आबऽ वला समय मे अहाँ जे कष्ट
सहऽ वला छी, ताहि सँ नहि डेराउ।
देखू, शैतान अहाँ सभ केँ जँचबाक
लेल अहाँ सभ मे सँ कतेको गोटे केँ
जहल मे राखि देत। एहि तरहेँ अहाँ
सभ केँ दस दिन तक कष्ट भोगऽ
पड़त। प्राणो देबऽ पड़य, ताहि समय
तक विश्वास मे स्थिर रहू, तखन हम
अहाँ सभ केँ जीवनक मुकुट प्रदान
करब।

11 जकरा सभ केँ कान होइक,
से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा
मण्डली सभ केँ की कहैत छथि। जे
सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ
केँ दोसर मृत्यु सँ कोनो हानि नहि
होयतैक।

पिरगमुन शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

12 “पिरगमुनक मण्डलीक दूत केँ ई
लिखह,

जिनका लग तेज दूधारी तरुआरि
छनि, से ई कहैत छथि— [13]हम ई
जनैत छी जे अहाँ ओतऽ रहैत छी
जतऽ शैतानक सिंहासन अछि। तैयो
अहाँ सभ हमरा नाम पर स्थिर छी
आ अहाँ सभ ओहू समय मे हमरा पर
विश्वास कयनाइ नहि छोड़लहुँ जहिया

2:6 निकोलायी पंथ झुट्ठा-शिक्षा वला पंथ छल जाहि मे ई सिद्धान्त छल जे मसीही स्वतन्त्रता विश्वासी केँ मूर्तिपूजा आ अनैतिक सम्बन्ध मे भाग लेबाक छूट दैत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अन्तिपास, हमर विश्वस्त गवाह अहाँ सभक शहर जे शैतानक निवास स्थान अछि, ततऽ मारल गेलाह।

14 मुदा हमरा अहाँक विरोध मे किछु बात सभ कहबाक अछि, किएक तँ अहाँ सभ मे किछु एहन लोक अछि जे बिलामक शिक्षा कैँ मानैत अछि। बिलाम तँ प्राचीन समय मे राजा बालाक कैँ सिखौलक जे इस्राएली सभ कैँ फुसलाउ जाहि सँ ओ सभ मूर्ति सभ पर चढ़ाओल गेल वस्तु सभ खा कऽ आ एक-दोसराक संग अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध राखि कऽ पाप मे फँसि जाय।*
15 एहि तरहेँ अहूँ सभ मे किछु एहन लोक अछि जे सभ निकोलायी पंथक* शिक्षा कैँ मानैत अछि।
16 एहि लेल अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू! नहि तँ हम जल्दी अहाँ सभक ओतऽ आयब आ अपन मुँहक तरुआरि सँ ओकरा सभ सँ युद्ध करबैक।

17 जकरा सभ कैँ कान होइक से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ कैँ की कहैत छथि। जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ कैँ हम ओहि विशेष रोटी* मे सँ खुअयबैक जे एखन नुकाओल अछि। ओकरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे कैँ हम एक उज्जर पाथर सेहो देबैक जाहि पर एक नव नाम लिखल रहतैक जकरा पाबऽ वला कैँ छोड़ि आरो केओ नहि जानि पाओत।

थूआतीरा शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

18 "थूआतीराक मण्डलीक दूत कैँ ई लिखह,

परमेश्वरक पुत्र, जिनकर आँखि आगि सन धधकैत छनि आ जिनकर पयर सुन्दर पित्तरि जकाँ चमकैत छनि, से ई कहैत छथि—
19 हम अहाँक काज सभ, अहाँक प्रेम आ विश्वास, अहाँक सेवा आ धैर्य कैँ जनैत छी। हम इहो जनैत छी, जे अहाँ शुरू मे जतेक करैत छलहुँ, ताहि सँ बेसी एखन करैत छी।

20 मुदा हमरा अहाँक विरोध मे ई कहबाक अछि जे, अहाँ ओहि स्त्री, इजेबेल कैँ अपना बीच रहऽ देने छी। ओ अपना कैँ परमेश्वर सँ विशेष सम्बाद पौनिहारि कहैत अछि आ अपन शिक्षा द्वारा हमर सेवक सभ कैँ दोसराक संग अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध रखबाक लेल और मुरुत पर चढ़ाओल गेल वस्तु सभ खयबाक लेल बहकबैत अछि।
21 हम ओकरा अवसर देलिऐक जे ओ अपना कुकर्मक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करय आ कुकर्म कैँ छोड़य, मुदा ओ नहि चाहैत अछि।
22 तँ आब हम ओकरा दुःख-बिमारीक ओछायन पर पटकि देबैक आ जे सभ ओकरा संग कुकर्म करैत अछि, से सभ जँ हृदय-परिवर्तन कऽ ओकरा संग कुकर्म कयनाइ नहि

2:14 गनती 25.1-3 आ 31.16 कैँ देखू। **2:15** "निकोलायी पंथ"—पद 6 कैँ देखू। **2:17** मूल मे, "मन्ना"।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छोड़त, तँ हम ओकरा सभ पर घोर
विपत्ति आनि देबैक। 23हम ओकर
धिआ-पुता सभ केँ महामारी सँ मारि
देबैक। एहि तरहेँ सभ मण्डली केँ
बुझऽ मे आबि जयतैक जे हृदय आ
मोन केँ थाह पाबऽ वला हमहीं छी,
आ हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ
ओकर काजक अनुसार प्रतिफल
देबैक। 24मुदा हम थूआतीराक
बाँकी लोक सभ केँ, अर्थात् अहाँ
सभ जे सभ एहि गलत शिक्षा केँ नहि
मानैत छी आ ओहि बात सभ केँ नहि
सिखने छी, जे शैतानक "रहस्यमय
बात" सभ कहबैत अछि, अहाँ
सभ सँ हमर कथन ई अछि—हम
अहाँ सभ पर आरो कोनो भार नहि
राखब— 25मात्र ई जे, जे बात अहाँ
सभ लग अछि, ताहि मे हमरा अयबा
धरि दृढ़ रहू।

26 जे सभ विजय प्राप्त करत
और अन्त धरि हमर इच्छा पूरा
करैत रहत, तकरा सभ केँ हम
तहिना जाति-जातिक लोक सभ पर
अधिकार देबैक, 27जहिना हमरो
अपना पिता सँ अधिकार प्राप्त
भेल अछि। "ओ ओकरा सभ पर
लोहाक राजदण्ड सँ शासन करताह
आ ओकरा सभ केँ कुम्हारक बर्तन
जकाँ चकना-चूर कऽ देताह।" *
28हम ओकरा सभ केँ भोरक तारा
सेहो प्रदान करबैक। 29जकरा सभ
केँ कान होइक से सभ सुनि लओ जे
प्रभुक आत्मा मण्डली सभ केँ की
कहैत छथि।

सरदीस शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

3 "सरदीसक मण्डलीक दूत* केँ ई
लिखह,

जिनका लग परमेश्वरक सात
आत्मा छनि आ जे सातो तारा हाथ
मे धयने छथि से ई कहैत छथि—हम
अहाँक काज सभ सँ परिचित छी।
अहाँ नाम मात्र केँ जीवित छी, मुदा
छी वास्तव मे मरल। 2जागू, आ जे
किछु अहाँ लग बाँचल अछि, तकरा
मजगूत बनाउ, कारण ओहो मरऽ पर
अछि। हम अपन परमेश्वरक दृष्टि मे
अहाँक काज सभ केँ अपूर्ण पौलहुँ।
3स्मरण करू जे अहाँ कोन उपदेश
सुनने छलहुँ आ स्वीकार कयने
छलहुँ। ओकर पालन करू आ अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन करू। जँ अहाँ नहि जागब,
तँ हम चोर जकाँ आबि जायब—अहाँ
केँ बुझहो मे नहि आओत जे हम
कखन अहाँ लग पहुँचि रहल छी।

4 तैयो सरदीस मे अहाँ सभक बीच
किछु एहन व्यक्ति सेहो अछि, जे सभ
अपन वस्त्र गन्दा नहि कयने अछि।
ओ सभ उज्जर वस्त्र पहिरने हमरा
संग टहलत, किएक तँ ओ सभ ताहि
बातक योग्य अछि। 5जे सभ विजय
प्राप्त करत, तकरा सभ केँ एहिना
उज्जर वस्त्र पहिराओल जयतैक।
ओकरा सभक नाम हम जीवनक
पुस्तक मे सँ किन्नहुँ नहि मेटयबैक,
आ अपन पिता और हुनकर स्वर्गदूत

2:27 भजन 2.9 **3:1** वा, "मण्डलीक स्वर्गदूत"। तहिना पद 7 और 14 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक सम्मुख ओकरा सभक नाम
लऽ कऽ स्वीकार करब जे ई हमर
लोक अछि। [6]जकरा सभ केँ कान
होइक से सभ सुनि लओ जे प्रभुक
आत्मा मण्डली सभ केँ की कहैत
छथि।

फिलादेलफिया शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

7 “फिलादेलफियाक मण्डलीक दूत केँ
ई लिखह,

जे पवित्र आ सत्य छथि, जिनका
लग दाऊदक कुंजी छनि—ओ खोलैत
छथि तँ केओ बन्द नहि कऽ सकैत
अछि, ओ बन्द करैत छथि तँ केओ
खोलि नहि सकैत अछि—से ई कहैत
छथि— [8]हम अहाँक काज सभ सँ
परिचित छी। देखू, हम अहाँक सामने
एक द्वारि खोलि कऽ रखने छी जकरा
केओ बन्द नहि कऽ सकैत अछि। हम
जनैत छी जे अहाँ केँ बेसी बल नहि
अछि, तैयो अहाँ हमर शिक्षाक पालन
कयने छी आ एहि बात केँ अस्वीकार
नहि कयने छी जे अहाँ हमर लोक
छी। [9]सुनू, हम शैतानक समूहक
ओहि सदस्य सभ केँ, जे सभ यहूदी
भऽ कऽ अपना केँ परमेश्वरक लोक
कहैत अछि मुदा अछि नहि, जे सभ
झूठ बजैत अछि, तकरा सभ केँ एहि
बातक लेल बाध्य करबैक जे ओ सभ
आबि कऽ अहाँक चरण मे खसय आ
ई जानि लय जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत
छी। [10]हम जे अहाँ केँ सहनशीलताक
संग स्थिर रहबाक आदेश देलहुँ,
तकर अहाँ पालन कयलहुँ, तेँ हमहूँ
अहाँ केँ ओहि विपत्तिक घड़ी मे
सुरक्षित राखब* जे पृथ्वीक निवासी
सभक परीक्षा लेबाक लेल सम्पूर्ण
संसार पर आबऽ वला अछि।

11 हम जल्दिए आबऽ वला छी। जे
बात अहाँ लग अछि, ताहि पर दृढ़
बनल रहू, जाहि सँ अहाँक मुकुट सँ
केओ अहाँ केँ वंचित नहि कऽ दय।
[12]जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा
सभ केँ हम अपन परमेश्वरक मन्दिर
मे एक खाम्ह बनयबैक, और ओ
सभ ओतऽ सँ फेर कहियो बाहर नहि
जायत। हम अपन परमेश्वरक नाम
और अपन परमेश्वरक नगरक नाम
ओकरा सभ पर लिखबैक, अर्थात्
ओहि नव यरूशलेमक नाम जे हमर
परमेश्वरक ओतऽ सँ स्वर्ग सँ उतरऽ
वला अछि। और हम अपन नव नाम
सेहो ओकरा सभ पर लिखबैक।
[13]जकरा सभ केँ कान होइक से सभ
सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली
सभ केँ की कहैत छथि।

लौदीकिया शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

14 “लौदीकियाक मण्डलीक दूत केँ ई
लिखह,

ओ जे सत्य छथि*, जे विश्वास-
योग्य आ सत्य गवाह छथि आ
परमेश्वरक सृष्टिक मूलस्रोत* छथि
से ई कहैत छथि— [15]हम अहाँक

3:10 वा, “तेँ हमहूँ अहाँ लग ओ विपत्तिक घड़ी नहि आबऽ देब” **3:14** अक्षरशः “ओ जे आमीन छथि” **3:14** वा, “सृष्टिक शासक”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काज सभ सँ परिचित छी। हम जनैत
छी जे अहाँ ने तँ ठण्ढा छी आ ने
गरम। नीक रहैत जे अहाँ चाहे ठण्ढा
रहितहुँ वा गरम! 16तँ हम अपना
मुँह सँ अहाँ केँ उगिलि देब, किएक
तँ अहाँ ने ठण्ढा छी ने गरम, बल्कि
सुसुम छी। 17अहाँ कहैत छी जे, “हम
धनवान छी, हम सुखी-सम्पन्न भऽ
गेलहुँ, हमरा कोनो बातक अभाव
नहि अछि।” मुदा अहाँ नहि जनैत छी
जे अहाँक दशा कतेक खराब अछि।
अहाँ अभागल, गरीब, आन्हर आ
नाङट छी। 18हम अहाँ केँ जे सल्लाह
दैत छी, से सुनू। हमरा सँ आगि मे
शुद्ध कयल सोना किनि कऽ धनिक
भऽ जाउ, हमरा सँ उज्जर वस्त्र मोल
लऽ कऽ पहिरि लिअ आ अपन
नाङटपनक लज्जा केँ झाँपि लिअ,
हमरा सँ मलहम किनि कऽ अपना
आँखि पर लगाउ जाहि सँ अहाँ देखि
सकब।

19 हम जकरा सभ सँ प्रेम करैत
छी, तकरा सभ केँ डँटैत छिऐक आ
सजाय दऽ कऽ सुधारैत छिऐक। एहि
लेल तन-मन-धन सँ हमर बात मानू
आ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ
कऽ हृदय-परिवर्तन करू। 20देखू,
हम द्वारि पर ठाढ़ भऽ कऽ केबाड़
ढकढकबैत आवाज दऽ रहल छी।
जँ केओ हमर आवाज सुनि केबाड़
खोलत, तँ हम ओकरा लग भीतर
आबि कऽ ओकरा संग भोजन
करबैक आ ओ हमरा संग।

21 जहिना हम विजयी भऽ कऽ
अपन पिताक संग हुनका सिंहासन
पर बैसि रहलहुँ, तहिना जे सभ विजय
प्राप्त करत, तकरा सभ केँ हम अपना
संग सिंहासन पर बैसबाक अधिकार
देबैक। 22जकरा सभ केँ कान होइक,
से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा
मण्डली सभ केँ की कहैत छथि।”

स्वर्गक दर्शन

4 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ
तँ हमरा सोझाँ मे स्वर्ग मे एक द्वारि
देखाइ पड़ल जे खुजल छल। जिनका हम
पहिने धुतहू सन आवाज मे अपना सँ बात
करैत सुनने छलहुँ, से कहि रहल छलाह
जे, “एतऽ ऊपर आउ, हम अहाँ केँ ओ
घटना सभ देखायब जे एकरा बाद होमऽ
वला अछि।”

2 ओही क्षण हमरा प्रभुक आत्मा अपना
नियन्त्रण मे लेलनि। हम देखलहुँ जे
स्वर्ग मे एक सिंहासन राखल अछि आ
सिंहासन पर केओ विराजमान छथि। 3ओ
सूर्यकान्त आ गोमेद वला बहुमूल्य पाथर
जकाँ सुन्दर देखाइ दऽ रहल छलाह।
सिंहासनक चारू कात मरकत पाथर
जकाँ पनिसोखा देखाइ पड़ि रहल छल।

4 सिंहासनक चारू कात चौबीस
सिंहासन छल आ ओहि पर चौबीस
धर्मवृद्ध विराजमान छलाह। ओ सभ
उज्जर वस्त्र पहिरने छलाह आ हुनका
सभक सिर पर सोनाक मुकुट छलनि।
5मुख्य सिंहासन सँ बिजुली चमकैत छल
और मेघक गोंगिअयबाक आ तड़कबाक
आवाज निकलैत छल। सिंहासनक
सामने मे सातटा मशाल जरि रहल छल;
ई सभ परमेश्वरक सात आत्मा अछि।
6सिंहासनक आगाँ मे सीसाक समुद्र
जकाँ बुझाइत छल, जे आर-पार देखाय
वला संगमरमर जकाँ साफ छल। बीच

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे सिंहासनक चारू कात चारिटा जीवित
प्राणी छल जकरा आगाँ-पाछाँ सभतरि
आँखिए-आँखि छलैक। 7पहिल प्राणी
शेर सन छल, दोसर बड़द सन, तेसराक
मुँह मनुष्यक मुँह जकाँ आ चारिम उड़ैत
गरुड़ सन छल। 8एहि चारू प्राणी मे
प्रत्येक कँ छओ-छओटा पाँखि छल।
ओकरा सभक सम्पूर्ण शरीर मे आ
पाँखिक तर मे सेहो आँखिए-आँखि छल।
ओ सभ दिन-राति बिनु अटकि कऽ ई
कहैत रहैत अछि,

"सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि।
ओ वैह छथि, जे छलाह, जे छथि
आ जे आबहो वला समय मे
रहताह।"

9 जखन-जखन ओ प्राणी सभ सिंहासन
पर विराजमान, युगानुयुग धरि जीवित
रहनिहारक स्तुति, आदर आ धन्यवाद
करैत छनि, 10तखन-तखन चौबीसो
धर्मवृद्ध सभ सिंहासन पर विराजमान
आ युगानुयुग तक जीवित रहनिहार
परमेश्वरक सामने दण्डवत करैत
छथिन, हुनकर वन्दना करैत छथिन और
सिंहासनक सम्मुख अपन मुकुट राखि कऽ
ई कहैत छथि जे,

11 "हे हमरा सभक प्रभु, हमरा सभक
परमेश्वर,
अहाँ महिमा, सम्मान आ सामर्थ्य
पयबाक योग्य छी,
किएक तँ अहीं सभ वस्तुक
सृष्टिकर्ता छी,
अहींक इच्छा सँ एकरा सभक
सृष्टि भेलैक,
अहींक इच्छा सँ ई सभ अस्तित्व
मे अछि।"

मोहर लागल पुस्तक और बलि-भेँड़ा

5 तकरबाद हम देखलहुँ जे, सिंहासन
पर जे विराजमान छथि, तिनका
दहिना हाथ मे एकटा पुस्तक छनि जाहि
मे भीतर-बाहर, दूनू दिस लिखल गेल
अछि और जकरा सातटा मोहर मारि कऽ
बन्द कऽ देल गेल अछि। 2तखन हम
एक शक्तिशाली स्वर्गदूत कँ देखलहुँ जे
ऊँच स्वर मे आवाज दऽ कऽ पुछि रहल
छथि जे, "मोहरक छाप सभ कँ तोड़ि कऽ
पुस्तक कँ खोलबाक योग्य के अछि?"
3मुदा स्वर्ग मे, पृथ्वी पर आ पृथ्वीक
नीचाँ पाताल मे केओ एहन व्यक्ति नहि
भेटल जकरा ओहि पुस्तक कँ खोलबाक
वा ओहि मे देखबाक अधिकार होइक।
4हम बड्ड कानऽ लगलहुँ, किएक तँ एहन
योग्य व्यक्ति केओ नहि भेटल जे ओहि
पुस्तक कँ खोलि सकय वा ओहि मे देखि
सकय। 5तखन ओहि चौबीस धर्मवृद्ध मे
सँ एक गोटे हमरा कहलनि, "नहि कानू!
देखू! ओ जे यहूदाक कुलक शेर छथि, जे
दाऊदक वंश मे श्रेष्ठ छथि से विजयी भेल
छथि। ओ एहि पुस्तक कँ आ एकर सातो
छाप कँ खोलि सकैत छथि।"

6 तखन हम सिंहासनक बीच मे ठाढ़,
चारू जीवित प्राणी आ धर्मवृद्ध सभक
बीच, एक बलि-भेँड़ा कँ देखलहुँ। ओ
देखऽ मे एना लगलाह, जेना कहियो
वध कयल गेल होथि। हुनका सातटा
सींग आ सातटा आँखि छलनि। ई सभ
परमेश्वरक सात आत्मा अछि जकरा
परमेश्वर सम्पूर्ण पृथ्वी पर पठौने छथिन।
7तकरबाद बलि-भेँड़ा आबि कऽ सिंहासन
पर जे विराजमान छलाह, तिनका दहिना
हाथ सँ पुस्तक लऽ लेलनि। 8जखन ओ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुस्तक लऽ लेलनि, तँ चारू जीवित प्राणी
आ चौबीसो धर्मवृद्ध हुनकर सम्मुख मुँहक
भरे खसि पड़लाह। प्रत्येक गोटेक हाथ मे
एकटा वीणा, आ धूप सँ भरल सोनाक
कटोरा छलनि। ई धूप परमेश्वरक लोक
सभक प्रार्थना सभ अछि। 9ओ सभ एक
नव गीत गाबि रहल छलाह—

“अहाँ एहि पुस्तक कैँ लेबाक
आ एकर छाप सभ कैँ खोलबाक
योग्य छी,
किएक तँ अहाँ वध भऽ कऽ अपन
खून सँ प्रत्येक कुल, भाषा, राष्ट्र
आ जाति मे सँ
परमेश्वरक लेल लोक सभ कैँ मोल
लेने छी।
10 हमरा सभक परमेश्वरक सेवा
करबाक लेल
ओकरा सभ कैँ एक राज्य बना देने
छी, पुरोहित बना देने छी।
ओ सभ पृथ्वी पर राज्य करत।”

11 फेर हम देखलहुँ, तँ बहुतो स्वर्गदूत
सभक आवाज सुनाइ देलक जे सभ
सिंहासन, चारू प्राणी आ धर्मवृद्ध सभक
चारू कात ठाढ़ छलाह, जिनकर संख्या
लाखो-लाख आ करोड़ो-करोड़ मे छलनि।
12ओ सभ जोर सँ बाजि रहल छलाह जे,
“वध कयल गेल बलि-भैँड़ा सामर्थ्य, धन,
बुद्धि, शक्ति, आदर, महिमा आ स्तुति
पयबाक योग्य छथि!”

13 तखन हम सृष्टिक प्रत्येक प्राणी
कैँ, जे स्वर्ग मे अछि, पृथ्वी पर अछि,
पृथ्वीक नीचाँ पाताल मे अछि आ समुद्र
मे अछि, अर्थात् सभ ठामक सभ जीव
कैँ ई कहैत सुनलहुँ जे, “जे सिंहासन पर
विराजमान छथि तिनका, आ बलि-भैँड़ा
कैँ, स्तुति, आदर, महिमा आ सामर्थ्य
युगानुयुग होइत रहनि!” 14और ओ चारू
जीवित प्राणी बाजल, “आमीन!” आ
चौबीसो धर्मवृद्ध मुँहक भरे खसि कऽ
दण्डवत कयलथिन।

बलि-भैँड़ा छओटा छाप खोलैत छथि

6 हम देखलहुँ जे बलि-भैँड़ा ओहि
सातटा छाप मे सँ एकटा कैँ
खोललनि। तखन ओहि चारू जीवित
प्राणी मे सँ एकटा कैँ एहन आवाज मे, जे
मेघक गर्जन जकाँ लगैत छल, ई कहैत
सुनलहुँ जे, “आउ!” 2तखन हमरा एकटा
उज्जर घोड़ा देखाइ देलक। ओहि पर जे
सवार छल, से धनुष लेने छल। ओकरा
एक विजय-मुकुट देल गेलैक आ ओ
विजयी भऽ कऽ आरो विजय प्राप्त
करबाक लेल निकलि गेल।

3 जखन बलि-भैँड़ा दोसर छाप कैँ
खोललनि तँ दोसर जीवित प्राणी कैँ हम
ई कहैत सुनलहुँ जे “आउ!” 4आब लाल
रंगक एकटा घोड़ा बहरायल। ओकर
सवार कैँ ई अधिकार देल गेलैक जे ओ
पृथ्वी पर सँ शान्ति उठा लय, जाहि सँ
लोक एक-दोसर कैँ खून करऽ लागय।
ओकरा एकटा बड़का तरुआरि देल
गेलैक।

5 जखन बलि-भैँड़ा तेसर छाप
खोललनि, तँ हम तेसर जीवित प्राणी कैँ
ई कहैत सुनलहुँ जे, “आउ!” आब हमरा
एकटा कारी घोड़ा देखाइ देलक। ओहि
पर जे सवार छल, तकरा हाथ मे तराजू
छलैक। 6तखन हमरा एकटा आवाज
सुनाइ देलक जे ओहि चारू जीवित
प्राणीक बीच सँ अबैत बुझायल, जे ई
कहि रहल छल, “दिन भरिक मजदूरी एक
सेर गहुम! दिन भरिक मजदूरी तीन सेर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जौ! मुदा जैतूनक तेल आ अंगूरक मदिरा
कैँ नोकसान नहि करिहह।”
7 जखन ओ चारिम छाप खोललनि
तँ हम चारिम जीवित प्राणी कैँ ई कहैत
सुनलहुँ जे, “आउ!” 8 और हमरा आँखिक
सामने एकटा पिअर सन हलका रंगक
घोड़ा देखाइ देलक। ओकर सवारक
नाम मृत्यु छलैक आ ओकरा पाछाँ-
पाछाँ पाताल* छलैक। ओकरा सभ कैँ
पृथ्वीक जनसंख्याक एक चौथाइ भाग
पर अधिकार देल गेलैक जे, तरुआरि,
अकाल, महामारी आ पृथ्वीक जंगली
जानबर सभ द्वारा मारय।
9 जखन बलि-भैँड़ा पाँचम छाप
खोललनि तखन हम वेदीक नीचाँ मे ओहि
लोक सभक आत्मा सभ कैँ देखलहुँ, जे
सभ परमेश्वरक वचन पर अटल रहबाक
कारणैँ आ तकर गवाही देबाक कारणैँ
मारल गेल छलाह। 10 ओ सभ जोर सँ
आवाज देलनि जे, “हे स्वामी, अहाँ जे
पवित्र आ सत्य छी, अहाँ कहिया तक
पृथ्वीक निवासी सभक न्याय कऽ कऽ
हमरा सभक खूनक बदला नहि लेब?”
11 हुनका सभ मे प्रत्येक कैँ उज्जर वस्त्र
देल गेलनि आ कहल गेलनि जे, “किछु
समय तक आओर विश्राम करह, जाबत
धरि तोरा सभक ओहि संगी-सेवक आ
भाय सभक संख्या नहि पुरि जाइत छह,
जे सभ तोरे सभ जकाँ मारल जायत।”
12 जखन बलि-भैँड़ा छठम छाप
खोललनि, तँ हम देखलहुँ जे बड़का
भूकम्प भेल। सूर्य रोंइयाँ सँ बनल कम्बल
जकाँ कारी, आ चन्द्रमा खून जकाँ लाल
भऽ गेल। 13 आकाशक तारा सभ पृथ्वी
पर एना खसल जेना अन्हड़-बिहारि मे
अंजीरक काँच फल सभ खसि पड़ैत
अछि। 14 आकाश एना विलीन भऽ गेल,
जेना ओ कोनो कपड़ा होअय जकरा केओ
लपेटि कऽ हटा देने होइक। प्रत्येक पहाड़
आ द्वीप अपना-अपना स्थान सँ हटि गेल।
15 तखन पृथ्वीक राजा, शासक, सेनापति,
धनवान आ सामर्थी लोक, और प्रत्येक
दास आ स्वतन्त्र व्यक्ति—सभ कैँ सभ
पहाड़ सभक गुफा सभ मे आ चट्टान सभ
मे जा कऽ नुका रहल। 16 और ओ सभ
पहाड़ सभ आ चट्टान सभ सँ कहऽ लागल
जे, “हमरा सभ पर खसि पड़, आ हमरा
सभ कैँ हुनका नजरि सँ, जे सिंहासन पर
विराजमान छथि, आ बलि-भैँड़ाक क्रोध
सँ नुका दे! 17 किएक तँ हुनका लोकनिक
क्रोधक भयानक दिन आबि गेल अछि,
आ के अछि जे तकर सामना कऽ
सकत?”

परमेश्वरक लोक सभ पर सुरक्षाक छाप

7 तकरबाद हम देखलहुँ जे चारिटा
स्वर्गदूत पृथ्वीक चारू कोना पर
ठाढ़ छथि आ पृथ्वीक चारू बसात कैँ
रोकि कऽ रखने छथि, जाहि सँ धरती पर,
समुद्र पर आ गाछ-वृक्ष सभ पर बसात नहि
बहय। 2 फेर हम एकटा आरो स्वर्गदूत कैँ
जीवित परमेश्वरक मोहर लऽ कऽ पूब
दिस सँ ऊपर अबैत देखलहुँ। ओ ओहि
चारू स्वर्गदूत कैँ, जिनका सभ कैँ धरती
आ समुद्र कैँ हानि पहुँचयबाक अधिकार
देल गेल छलनि, जोर सँ आवाज दऽ कऽ
कहलथिन, 3 “जा धरि हम सभ अपन

6:8 मूल मे, “हेडीस”, अर्थात्, “मरल सभक वास-स्थान”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक सेवक सभक कपार पर
मोहरक छाप नहि लगा दैत छी, ता धरि
धरती, समुद्र आ गाछ-वृक्ष सभ कैं कोनो
हानि नहि पहुँचाउ।”
4तखन हम ओहि
लोक सभक संख्या सुनलहुँ, जकरा सभ
पर मोहरक छाप लगाओल गेलैक। ओ
संख्या छल एक लाख चौआलिस हजार।
ओ सभ इस्राएलक प्रत्येक कुल मे सँ छल।

5 यहूदा-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
रूबेन-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
गाद-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
6 आशेर-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
नप्ताली-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
मनश्शे-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
7 सिमियोन-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर,
लेवी-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
इस्साकार-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर,
8 जबूलून-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
यूसुफ-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर
आ बिन्यामीन-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर मोहरक छाप
लगाओल गेल।

विशाल भीड़ द्वारा परमेश्वरक वन्दना

9 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ,
तँ हमरा सामने मे एक विशाल भीड़ देखाइ
पड़ल, जकर गिनती केओ नहि कऽ
सकैत छल। ओहि भीड़ मे प्रत्येक जाति,
प्रत्येक कुल, प्रत्येक राष्ट्र आ प्रत्येक
भाषाक लोक छल। ओ सभ उज्जर वस्त्र
पहिरने छल आ हाथ मे खजूरक छज्जा
लेने सिंहासन आ बलि-भैंड़ाक सम्मुख
ठाढ़ छल।
10ओ सभ जोर-जोर सँ कहि
रहल छल जे, “सिंहासन पर विराजमान
हमरा सभक परमेश्वर द्वारा आ बलि-भैंड़ा
द्वारा मात्र उद्धार अछि।”*

11 सभ स्वर्गदूत सिंहासनक, धर्मवृद्ध
सभक आ ओहि चारू जीवित प्राणीक
चारू कात ठाढ़ छलाह। ओ सभ
सिंहासनक सम्मुख मुँह भरे खसि कऽ
ई कहैत परमेश्वरक वन्दना कयलनि
जे,
12“ई बात सत्य अछि*! हमरा
सभक परमेश्वरक स्तुति, महिमा, बुद्धि,
धन्यवाद, आदर, शक्ति आ सामर्थ्य
युगानुयुग होनि। आमीन!”

13 तकरबाद धर्मवृद्ध सभ मे सँ एक
गोटे हमरा पुछलनि जे, “ई सभ जे उज्जर
वस्त्र पहिरने अछि, से के अछि, आ कतऽ
सँ आयल अछि?”

14 हम उत्तर देलियनि, “यौ सरकार, ई
बात तँ अहीं जनैत छी।” तखन ओ हमरा
कहलनि जे, “ई लोक सभ वैह अछि जे
महाकष्ट सहि कऽ आयल अछि। ई सभ
अपन वस्त्र बलि-भैंड़ाक खून मे धो कऽ
उज्जर कऽ लेने अछि।
15एहि लेल ई सभ

7:10 वा, “सिंहासन पर विराजमान हमरा सभक परमेश्वर आ बलि-भैंड़ा विजयी छथि।” **7:12** मूल मे, “आमीन!”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक सिंहासनक सम्मुख ठाढ़ रहैत
अछि आ दिन-राति हुनका मन्दिर मे हुनकर
सेवा करैत रहैत छनि। ओ, जे सिंहासन पर
विराजमान छथि, एकरा सभक संग निवास
करथिन आ सुरक्षित रखथिन। 16एकरा
सभ केँ ने तँ कहियो फेर भूख लगतैक आ
ने पियास। एकरा सभ केँ ने तँ प्रचण्ड रौद सँ
कष्ट होयतैक आ ने लू लगतैक। 17किएक
तँ बलि-भेँड़ा जे सिंहासनक बीच विद्यमान
छथि, से एकरा सभक चरबाह रहथिन आ
एकरा सभ केँ जीवनक जलक झरना लग
लऽ जयथिन। और परमेश्वर एकरा सभक
आँखिक सभ नोर पोछि देथिन।”

सातम छाप आ सोनाक धूपदानी

8 जखन बलि-भेँड़ा सातम छाप
खोललनि, तँ करीब आधा घण्टा
धरि स्वर्ग मे कोनो आवाज नहि सुनाइ
पड़ल; सभ शान्त रहल। 2तकरबाद हम
ओहि सातटा स्वर्गदूत केँ देखलियनि,
जे सभ परमेश्वरक सम्मुख ठाढ़ रहैत
छथि। हुनका सभ केँ सातटा धुतहू देल
गेलनि। 3तखन एकटा आरो स्वर्गदूत
सोनाक धूपदानी लऽ कऽ अयलाह आ
वेदी लग मे ठाढ़ भऽ गेलाह। हुनका बहुत
रास धूप देल गेलनि, जाहि सँ ओ ओकरा
सिंहासनक समक्ष स्थित सोनाक वेदी पर
परमेश्वरक सभ लोकक प्रार्थनाक संग
चढ़बथि। 4स्वर्गदूतक हाथ सँ धूपक
धुआँ परमेश्वरक लोकक प्रार्थना सभक
संग परमेश्वरक सम्मुख ऊपर पहुँचलनि।
5तकरबाद स्वर्गदूत धूपदानी लेलनि आ
वेदी परक आगि सँ भरि कऽ ओकरा
पृथ्वी पर फेकि देलथिन। एहि पर मेघ
तड़कऽ आ गोंगिआय लागल, बिजुली
चमकऽ लागल आ भूकम्प भेल।

पहिल छओ धुतहू

6 आब ओ सातो स्वर्गदूत, जिनका
सभ लग सातटा धुतहू छलनि, ओकरा
फुकबाक लेल तैयार भऽ गेलाह।

7 पहिल स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि। एहि
पर खूनक संग पाथर आ आगि पृथ्वी पर
बरसाओल गेल। एहि सँ पृथ्वीक एक
तिहाइ भाग आ गाछ-वृक्ष सभक एक
तिहाइ भाग भस्म भऽ गेल, और सभ
हरियर घास-पात भस्म भऽ गेल।

8 दोसर स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
आगि सँ जरैत एक विशाल पहाड़ सन
वस्तु समुद्र मे फेकल गेल। एहि सँ समुद्रक
एक तिहाइ भाग खून बनि गेल। 9समुद्र
मेहक एक तिहाइ प्राणी मरि गेल आ एक
तिहाइ पानिजहाज सभ नष्ट भऽ गेल।

10 तेसर स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
एक विशाल तारा, मशाल जकाँ जरैत,
आकाश सँ टुटल आ नदी सभक और
जलस्रोत सभक एक तिहाइ भाग पर खसि
पड़ल। 11ओहि ताराक नाम “चिरैंता”,
अर्थात् तिताह, अछि। ओहि सँ जलक
एक तिहाइ भाग तीत भऽ गेल आ जल
केँ तीत भऽ जयबाक कारणेँ बहुतो लोक
मरि गेल।

12 चारिम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
सूर्यक एक तिहाइ भाग, चन्द्रमाक एक
तिहाइ भाग आ तारा सभक एक तिहाइ
भाग पर प्रहार भेल, जाहि सँ ओकरा
सभक एक तिहाइ भाग अन्हार भऽ
गेलैक। दिनक एक तिहाइ भाग मे इजोत
नहि रहल आ तहिना रातिक एक तिहाइ
भागक सेहो वैह अवस्था भऽ गेलैक।

13 हम फेर नजरि उठौलहुँ तँ बीच
आकाश मे एकटा गरुड़ केँ उड़ैत देखलहुँ,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे जोर सँ ई घोषणा कऽ रहल छल,
“कष्ट! कष्ट! कष्ट! पृथ्वीक निवासी
सभ पर धुतहूक बाँकी आवाजक कारणेँ,
जकरा तीनटा स्वर्गदूत फुकऽ वला छथि
कतेक भयानक विपत्ति औतैक! हाय!
हाय! हाय!”

9 जखन पाँचम स्वर्गदूत धुतहू
फुकलनि, तँ हम एकटा तारा
देखलहुँ जे आकाश सँ पृथ्वी पर खसल
छल। ओहि तारा केँ अथाह कुण्डक
कुंजी देल गेलैक। 2ओ अथाह कुण्ड
केँ खोललक। एहि पर ओहि कुण्डक
धुआँ, जे बड़का भट्ठाक धुआँ सन छल,
बहरायल। ओहि धुआँ सँ सूर्य छेका गेल
आ आकाश अन्हार भऽ गेल। 3ओहि
धुआँ मे सँ पृथ्वी पर फनिगा सभ बाहर
आयल। ओकरा सभ केँ एहन शक्ति देल
गेलैक, जेहन पृथ्वी परक बिच्छु सभक
होइत छैक। 4ओकरा सभ केँ ई आदेश
देल गेलैक जे ओ सभ घास अथवा कोनो
गाछ-वृक्ष केँ हानि नहि पहुँचाबय, बल्कि
मात्र ओहि मनुष्य सभ केँ, जकरा कपार
पर परमेश्वरक मोहरक छाप नहि लागल
होइक। 5फनिगा सभ केँ ओहि मनुष्य
सभक वध करबाक नहि, बल्कि ओकरा
सभ केँ पाँच महिना तक भयंकर कष्ट
देबाक अनुमति देल गेलैक। ई एहन कष्ट
छल जेहन बिच्छुक डंक मारला सँ मनुष्य
केँ होइत छैक। 6ओहि समय मे लोक सभ
मृत्युक खोज करत, मुदा ओकरा सभ
केँ मृत्यु नहि भेटतैक। ओ सभ मरबाक
अभिलाषा करत, मुदा मृत्यु ओकरा सभ
लग सँ दूर भागि जयतैक।

7एहि फनिगा सभक रूप युद्ध करबाक
लेल तैयार कयल घोड़ा सन छलैक।
ओकरा सभक मूड़ी पर सोनाक मुकुट
सन कोनो वस्तु छलैक। ओकरा सभक
मुँह मनुष्यक मुँह जकाँ छलैक। 8ओकरा
सभक केश स्त्रीगणक केश सन, आ
ओकरा सभक दाँत सिंहक दाँत सन
छलैक। 9ओकरा सभ केँ एहन कवच
छलैक जे लोहाक कवच सन छल।
ओकरा सभक पाँखिक आवाज एहन
छलैक, जेना युद्ध मे जाइत बहुतो रथ आ
घोड़ा सभक दौड़ला पर होइत अछि।
10ओकरा सभक नांगड़ि बिच्छुक पुछड़ी
जकाँ छलैक जाहि द्वारा ओ सभ डंक मारि
सकैत छल। ओकरा सभक नांगड़ि मे
पाँच मास तक मनुष्य सभ केँ पीड़ा देबाक
शक्ति छलैक। 11ओकरा सभक जे
राजा छलैक, से ओ दूत अछि जे अथाह
कुण्डक अधिकारी अछि। इब्रानी भाषा मे
ओकर नाम “अबद्दोन” छैक आ यूनानी
मे “अपुल्लयोन”, ⌞अर्थात्, विनाश करऽ
वला⌟।

12पहिल विपत्ति समाप्त भेल। दूटा
विपत्ति आरो आबऽ वला अछि।

13जखन छठम स्वर्गदूत धुतहू
फुकलनि, तखन हम सोनाक वेदी जे
परमेश्वरक सम्मुख अछि, तकर चारू
सीँग मे सँ एकटा स्वर सुनलहुँ। 14ओ
स्वर छठम स्वर्गदूत केँ, जिनका लग
धुतहू छलनि, कहलकनि जे, “महा-नदी
फरात लग जे चारू दूत बान्हल अछि,
तकरा सभ केँ खोलि दिऔक।” 15ओहि
चारू दूतक बन्हन खोलि देल गेलैक। ओ
सभ मनुष्य जातिक एक तिहाइ भाग केँ
मारि देबाक लेल एही वर्ष, मास, दिन आ
घड़ीक लेल तैयार कऽ कऽ राखल गेल
छल। 16हम ओकरा सभक घोड़सवार
सैनिक सभक संख्या सुनलहुँ—ओ बीस
करोड़ छल। 17ओहि दर्शन मे ओ घोड़ा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ आ ओहि परक सवार सैनिक सभ
हमरा एहि तरहेँ देखाइ देलक—ओ सभ
आगि सन लाल रंगक, नील रंगक आ
गन्धक सन पिअर रंगक कवच पहिरने
छल। घोड़ा सभक मूड़ी शेरक मूड़ी जकाँ
छलैक आ ओकरा सभक मुँह सँ आगि,
धुआँ आ गन्धक बहरा रहल छल। 18एहि
तीन विपत्ति द्वारा, अर्थात् ओहि आगि,
धुआँ आ गन्धक द्वारा, जे घोड़ा सभक
मुँह सँ बहरा रहल छल, मनुष्य जातिक
एक तिहाइ भाग केँ मारि देल गेलैक।
19ओहि घोड़ा सभक सामर्थ्य ओकरा
सभक मुँह आ नांगड़ि दूनू मे छलैक,
किएक तँ ओकरा सभक नांगड़ि साँप
जकाँ छलैक, जाहि मे मूड़ी लागल छल।
एही सभक द्वारा ओ सभ मनुष्य केँ हानि
पहुँचा रहल छल।

20 तैयो बाँकी बाँचल लोक, जे सभ
एहि विपत्ति सभ सँ मारल नहि गेल
छल, से सभ अपना हाथक रचल वस्तु
सँ एखनो मोन नहि हटौलक। ओ सभ
दुष्टात्मा सभक, आ नहि देखऽ वला, नहि
सुनऽ वला, नहि चलऽ वला, सोना, चानी,
पित्तरि, पाथर आ काठक मूर्ति सभक
पूजा कयनाइ नहि छोड़लक। 21ओ सभ
हृदय-परिवर्तन नहि कयलक, बल्कि
हत्या, जादू-टोना, अनैतिक शारीरिक
सम्बन्ध आ चोरी वला अपन काज सभ
करिते रहल।

स्वर्गदूत आ छोट पुस्तक

10 तकरबाद हम एक दोसर
शक्तिशाली स्वर्गदूत केँ स्वर्ग
सँ उतरैत देखलियनि। ओ मेघ ओढ़ने
छलाह आ हुनका सिर पर पनिसोखा
शोभायमान छलनि। हुनकर मुँह सूर्य
जकाँ चमकैत छलनि आ हुनकर पयर
आगिक खाम्ह जकाँ छलनि। 2हुनका
हाथ मे खुजल एक छोट पुस्तक छलनि।
ओ अपन दहिना पयर समुद्र पर आ
बामा पयर धरती पर रखलनि। 3ओ
ऊँच स्वर सँ एना आवाज देलनि जेना
सिंह गर्जन कयने होअय। एहि पर सातो
मेघ-गर्जनक आवाज आबऽ लागल।
4जखन ओ सातो मेघ-गर्जन अपन-अपन
आवाज निकाललक, तँ हम ओकरा
सभक कहल बात सभ केँ लिखबाक लेल
हाथ उठौलहुँ, मुदा ओही घड़ी मे स्वर्ग
सँ ई कहैत एकटा आवाज हम सुनलहुँ
जे, “सातो मेघ-गर्जनक आवाज जे बात
बाजल तकरा गुप्त राखह, ओकरा नहि
लिखह।”

5 तखन जाहि स्वर्गदूत केँ हम समुद्र आ
धरती पर ठाढ़ देखने छलियनि, से अपन
दहिना हाथ स्वर्ग दिस ऊपर उठौलनि,
6आ जे युगानुयुग जीवित छथि, जे स्वर्ग
आ ओहि मेहक सभ वस्तुक, पृथ्वी आ
ओहि परक सभ वस्तुक, और समुद्र
आ ओहि मेहक सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता
छथि, तिनकर सपत खा कऽ कहलनि
जे, “आब आरो देरी नहि होयत, 7बल्कि
जाहि दिन सातम स्वर्गदूतक फुकल
धुतहूक आवाज सुनाइ पड़त, ताहि दिन
परमेश्वरक ओ गुप्त योजना पूरा भऽ
जायत, जकरा विषय मे ओ अपन सेवा
करऽ वला प्रवक्ता सभ लग घोषणा
कयने छलाह।”

8 तखन ओ आवाज जे स्वर्ग सँ हमरा
पहिने सुनाइ देने छल, से फेर हमरा ई
कहलक जे, “जाह, जे स्वर्गदूत समुद्र आ
धरती पर ठाढ़ छथि, तिनका हाथ सँ ओ
खुजल छोटका पुस्तक लऽ लैह।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9 तँ हम ओहि स्वर्गदूत लग जा कऽ
कहलियनि जे, “ई छोट पुस्तक हमरा
दऽ दिअ।” ओ हमरा कहलनि जे, “लैह,
एकरा खा लैह। ई तोरा पेट कैँ कड़ुआह
बना देतह मुदा तोरा मुँह मे मधु सन
मीठ लगतह।” 10हम ओहि पुस्तक कैँ
स्वर्गदूतक हाथ सँ लऽ कऽ खा लेलहुँ।
हमरा मुँह मे मधु सन मीठ लागल, मुदा
जखन हम घोँटलहुँ, तँ हमर पेट कड़ुआह
भऽ गेल। 11तकरबाद हमरा कहल गेल
जे, “तोरा फेर बहुतो राष्ट्र सभक, जाति
सभक, भाषा सभक आ राजा सभक
विषय मे भविष्यवाणी करऽ पड़तह।”

प्रभुक दूनू गवाह

11 तकरबाद हमरा एकटा नापऽ
वला लग्गा देल गेल आ कहल
गेल जे, “उठह, परमेश्वरक मन्दिर आ
वेदी कैँ नापह और मन्दिर मे आराधना
कयनिहार सभक गिनती करह। 2मुदा
मन्दिरक बाहरी आङन कैँ छोड़ि दहक,
ओकरा नहि नापह, किएक तँ ओ
परमेश्वर कैँ नहि चिन्हऽ वला जातिक
लोक सभ कैँ देल गेल अछि। ओ सभ
बयालीस महिना तक पवित्र नगर कैँ
लतमरदनि करैत रहत। 3हम अपन दूनू
गवाह कैँ अधिकार देबैक जे ओ सभ चट्टी
ओढ़ि कऽ* एक हजार दू सय साठि दिन
तक हमरा सँ पाओल सम्बादक प्रचार
करथि।”

4 ई दूनू गवाह दूनू जैतूनक गाछ आ दीप
राखऽ वला दूनू लाबनि छथि जे तिनका
सामने मे ठाढ़ रहैत छथि जे पृथ्वीक प्रभु
छथि। 5जँ केओ हिनका सभ कैँ हानि
पहुँचयबाक कोशिश करत, तँ हिनका
सभक मुँह सँ आगि बहरा कऽ ओहि
दुश्मन सभ कैँ भस्म कऽ देतैक। जे केओ
हिनका सभक हानि पहुँचाबऽ चाहत, तकर
विनाश एहि तरहेँ निश्चित अछि। 6हिनका
सभ कैँ अधिकार छनि जे आकाशक द्वारि
बन्द कऽ देथि, जाहि सँ ई सभ जहिया तक
प्रभु सँ पाओल सम्बादक प्रचार करताह,
तहिया तक वर्षा नहि होइक। हिनका सभ
कैँ इहो अधिकार छनि जे, जलस्रोत कैँ खून
बना देथि आ जतेक बेर चाहथि, पृथ्वी पर
सभ प्रकारक महामारी पठबथि।

7 जखन ओ सभ अपन गवाही देबाक
काज समाप्त कऽ लेताह तँ ओ जानबर
जे अथाह कुण्ड मे सँ बहराइत अछि, से
हुनका सभ पर आक्रमण करत आ हुनका
सभ कैँ पराजित कऽ कऽ मारि देतनि।
8हुनका सभक लास ओहि महानगरक
सड़क पर पड़ल रहतनि, जतऽ हुनका
सभक प्रभु कैँ सेहो क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि
देल गेल छलनि और जे तुलनात्मक रूप
मे “सदोम” आ “मिस्र” कहबैत अछि।
9साढ़े तीन दिन तक प्रत्येक राष्ट्र, कुल,
भाषा आ जातिक लोक हुनका सभक
लास कैँ देखैत रहत आ ओहि लास सभ
कैँ कबर मे नहि राखऽ देत। 10पृथ्वीक
निवासी सभ हुनका सभक मृत्यु सँ प्रसन्न
होयत आ एक-दोसर कैँ उपहार पठा कऽ
आनन्द मनाओत, किएक तँ परमेश्वरक
ई दूनू प्रवक्ता पृथ्वीक निवासी सभ कैँ
बहुत कष्ट पहुँचौने छलाह।

11 मुदा साढ़े तीन दिनक बाद
परमेश्वरक दिस सँ हुनका दूनू मे जीवनक
साँस आबि गेलनि आ ओ सभ उठि कऽ

11:3 “चट्टी ओढ़ि कऽ”—अर्थात्, शोक देखाबऽ वला वस्त्र पहिरि कऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ठाढ़ भऽ गेलाह। तखन सभ देखनिहारक
मोन मे भयंकर डर सन्हिया गेलैक।
12तखने स्वर्ग सँ ऊँच आवाज मे एक
स्वर हुनका सभ केँ ई कहैत सुनाइ देलक
जे, “एतऽ ऊपर आबह,” आ ओ दूनू गोटे
अपन दुश्मन सभक आँखिक सामने मेघ
बाटे स्वर्ग मे चल गेलाह।
13 ओही घड़ी बड़का भूकम्प भेल आ
नगरक दसम भाग माटि मे मिलि गेल।
ओहि भूकम्प सँ सात हजार लोक मारल
गेल आ बाँचल लोक सभ भयभीत भऽ
स्वर्ग मे विराजमान रहऽ वला परमेश्वरक
महिमाक गुणगान करऽ लागल।
14 दोसर विपत्ति समाप्त भऽ गेल। देखू,
तेसर विपत्ति जल्दिए आबऽ वला अछि।

सातम धुतहू

15 सातम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि।
एहि पर स्वर्ग मे एना कहैत कतेको
आवाज जोर-जोर सँ आबऽ लागल जे,
“संसारक राज्य हमरा सभक प्रभु
आ हुनकर मसीह केँ प्राप्त भऽ
गेलनि।
ओ युगानुयुग तक राज्य करताह।”
16 तखन चौबीसो धर्मवृद्ध, जे
परमेश्वरक सम्मुख अपन-अपन सिंहासन
पर बैसल छलाह, से सभ मुँह भरे खसि
कऽ परमेश्वरक आराधना करैत कहऽ
लगलाह जे,
17 “हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
अहाँ जे छी, आ जे छलहुँ!
हम सभ अहाँ केँ धन्यवाद दैत छी जे
अहाँ अपन सामर्थ्यक प्रयोग कऽ
कऽ
राज्य करऽ लागल छी।
18 जाति-जातिक लोक सभ क्रोधित भेल,
और आब अहाँक क्रोध प्रगट भऽ
गेल अछि।
ओ समय आबि गेल अछि, जहिया
मुइल लोक सभक न्याय कयल
जयतैक,
और जहिया अहाँक सेवा करऽ
वला प्रवक्ता सभ
आ अहाँक लोक सभ केँ पुरस्कार
भेटतैक,
अर्थात् छोट-पैघ ओहि सभ लोक
केँ जे अहाँक नामक भय मानैत
अछि।
ओ समय आबि गेल अछि जहिया
पृथ्वी केँ नष्ट-भ्रष्ट कयनिहार
सभक विनाश कयल जयतैक।”
19 तखन परमेश्वरक मन्दिर जे स्वर्ग मे
छल से खोलल गेल आ ओहि मन्दिर मे
परमेश्वरक “सम्बन्धक साक्षीक सन्दूक”
देखाइ देलक। बिजुली चमकऽ लागल,
मेघक गोंगिअयबाक आ तड़कबाक
आवाज होमऽ लागल, भूकम्प भेल आ
बड़का-बड़का पाथर खसऽ लागल।

स्त्री आ विशाल अजगर

12 तकरबाद आकाश मे एक
आश्चर्यजनक चिन्ह देखाइ
देलक जकर अर्थ महत्वपूर्ण अछि—एक
स्त्री वस्त्रक रूप मे सूर्य पहिरने छलीह।
हुनका पयरक नीचाँ मे चन्द्रमा छल आ
सिर पर बारहटा ताराक एक मुकुट छलनि।
2ओ गर्भवती छलीह आ बच्चा केँ जन्म
देबाक समय आबि जयबाक कारणेँ
प्रसव-पीड़ा सँ चीत्कार करैत छलीह।
3एकटा आरो चिन्ह आकाश मे देखाइ
देलक—लाल रंगक एक विशाल अजगर।
ओकरा सातटा मूड़ी आ दसटा सीँग छलैक

आ ओकरा मूड़ी सभ पर सातटा मुकुट
छलैक। 4ओकर नांगड़ि आकाशक एक
तिहाइ भाग तारा सभ केँ बहारि कऽ पृथ्वी
पर खसा देलक। बच्चा केँ जन्म देबऽ
वाली स्त्रीक सम्मुख ओ अजगर ठाढ़
भऽ गेल, जाहि सँ जखने बच्चाक जन्म
होअय, तँ ओकरा गीड़ि जाइ। 5ओ स्त्री
एक बालक केँ जन्म देलनि—ओहि पुत्र
केँ, जे सभ जातिक लोक सभ पर लोहाक
राजदण्ड सँ शासन करताह। मुदा ओहि
बच्चा केँ तुरत उठा कऽ परमेश्वर आ
हुनका सिंहासन लग पहुँचा देल गेलनि।
6ओ स्त्री मरुभूमि दिस भागि कऽ चलि
गेलीह जतऽ परमेश्वर हुनका लेल एक
स्थान तैयार कयने छलथिन, जाहि सँ एक
हजार दू सय साठि दिन तक ओतऽ हुनकर
देखभाल कयल जानि।

7 तकरबाद स्वर्ग मे युद्ध शुरू भऽ गेल।
मिकाएल अपन स्वर्गदूत सभ केँ संग लऽ
अजगर सँ युद्ध करऽ लगलाह। अजगर आ
ओकर दूत सभ सेहो युद्ध कयलक, 8मुदा
ओ सभ हारि गेल आ ओकरा सभक लेल
स्वर्ग मे कोनो स्थान नहि रहलैक। 9तखन
ओ भयंकर अजगर—प्राचीन समयक ओ
साँप, जे महादुष्ट वा शैतान कहबैत अछि
आ सम्पूर्ण संसार केँ बहकबैत अछि,
तकरा अपन दूत सभक संग पृथ्वी पर
फेकि देल गेलैक। 10तखन हम स्वर्ग मे
जोर सँ बजैत एकटा आवाज सुनलहुँ जे ई
कहैत छल जे,

"आब हमरा सभक परमेश्वरक
मुक्ति, शक्ति, राज्य
आ हुनकर मसीहक अधिकार
प्रगट भेल अछि।
किएक तँ हमरा सभक भाय सभ पर
दोष लगौनिहार ओ शैतान
जे दिन-राति परमेश्वरक समक्ष
ओकरा सभ पर दोष लगबैत
रहैत छल,
तकरा नीचाँ फेकि देल गेल अछि।
11 ओ सभ बलि-भैँड़ाक खून द्वारा
आ ओहि वचन द्वारा जकर ओ
सभ गवाही दैत रहल
ओकरा पर विजयी भेल अछि,
किएक तँ ओ सभ अपन प्राणक मोह
छोड़ि कऽ
मृत्यु केँ सेहो स्वीकार करबाक
लेल तैयार छल।
12 एहि कारणेँ, हे स्वर्ग आ ओहि मे
निवास कयनिहार सभ,
आनन्द मनाउ!
मुदा हे पृथ्वी आ समुद्र, तोरा सभ केँ
कतेक कष्ट होयतह!
किएक तँ शैतान तोरा सभ लग
उतरि आयल छह
आ ई जानि जे ओकरा कनेके समय
बाँचल छैक
अत्यन्त क्रोधित भऽ गेल अछि।"

13 जखन ओ अजगर देखलक जे
ओ पृथ्वी पर फेकि देल गेल अछि, तँ
ओ ओहि स्त्री केँ पाछाँ करऽ लागल,
जे बालक केँ जन्म देने छलीह। 14मुदा
स्त्री केँ विशालकाय गरुड़क दूटा पाँखि
देल गेलनि, जाहि सँ ओ अजगरक
सम्मुख सँ उड़ि कऽ ओहि मरुभूमि मे
चलि जाथि, जतऽ साढ़े तीन वर्ष तक*
हुनकर देखभाल कयल जानि। 15 अजगर
स्त्रीक पाछाँ अपना मुँह सँ नदी जकाँ

12:14 अक्षरशः "जतऽ एक समय, समय सभ आ आधा समय तक"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पानि निकाललक, जाहि सँ कि स्त्री
कैँ बाढ़ि बहा कऽ लऽ जानि। [16]मुदा
पृथ्वी स्त्रीक सहायता कयलकनि आ
अपन मुँह खोलि कऽ ओहि पानि कैँ,
जे अजगर अपना मुँह सँ बहौने छल,
पिबि लेलक। [17]तखन अजगर स्त्री
पर अत्यन्त क्रोधित भेल आ स्त्रीक
आरो-आरो सन्तान सभ सँ, अर्थात्,
जे सभ परमेश्वरक आज्ञा मानैत छथि
आ यीशुक विषय मे देल गेल गवाही
पर अटल छथि, तिनका सभ सँ युद्ध
करबाक लेल गेल। [18]ओ समुद्रक कछेर
पर जा कऽ ठाढ़ भऽ गेल।

समुद्र सँ बहरायल जानबर

13 तखन हम एकटा जानबर कैँ
समुद्र मे सँ बहराइत देखलहुँ
जकरा दसटा सीँग आ सातटा सिर
छलैक। ओकर प्रत्येक सीँग पर मुकुट
छलैक आ प्रत्येक सिर पर एहन नाम
लिखल छलैक जाहि द्वारा परमेश्वरक
अपमान होइत छल। [2]हम जाहि जानबर
कैँ देखलहुँ, से चितुआ सन छल, मुदा
ओकर पयर भालुक पयर सन छलैक आ
मुँहक आकार सिंहक मुँह सन छलैक।
ओकरा अजगर अपन शक्ति, अपन
सिंहासन आ अपन महान् अधिकार
प्रदान कऽ देलकैक। [3]एना लगैत छल
जे ओकर एकटा सिर पर प्राण-घातक
प्रहार कयल गेल छलैक, मुदा ओ घाव
ठीक भऽ गेल छलैक। एहि कारणेँ सम्पूर्ण
पृथ्वीक लोक आश्चर्यित भऽ ओहि
जानबरक भक्त भऽ गेल। [4]लोक सभ
अजगरक पूजा कयलक, किएक तँ वैह
जानबर कैँ अधिकार देने छलैक। ओ
सभ जानबरक पूजा सेहो कयलक आ
कहलक, “एहि जानबरक बराबरि के
भऽ सकैत अछि? एकरा संग के युद्ध कऽ
सकैत अछि?”

5 ओहि जानबर कैँ अहंकारी आ
परमेश्वरक निन्दा वला बात सभ
बजबाक मुँह देल गेलैक आ बयालीस
महिना तक ओकरा अपन काज करैत
रहबाक अधिकार भेटलैक। [6]एहि पर
ओ परमेश्वरक निन्दा करऽ लागल
आ हुनकर नामक, हुनकर निवास-
स्थानक आ ओहि सभ लोकक जे स्वर्ग
मे रहैत छथि, अपमान करऽ लागल।
[7]परमेश्वरक लोक सभक संग युद्ध
करबाक आ हुनका सभ पर विजय
पयबाक शक्ति ओकरा देल गेलैक, और
प्रत्येक कुल, राष्ट्र, भाषा आ जातिक
लोक पर ओकरा अधिकार भेटलैक।
[8]ओहि जानबरक पूजा पृथ्वीक सभ
लोक करत, अर्थात्, ओ सभ लोक
जकरा सभक नाम ओहि बलि-भेँड़ाक,
जे सृष्टिक आरम्भ सँ पहिने वध कयल
गेल छलाह, तिनकर जीवनक पुस्तक मे
नहि लिखल गेल छैक।* [9]जकरा सभ कैँ
कान होइक से सभ सुनि लओ।

[10] “जकरा बन्दी बनबाक छैक,
से बन्दी बनाओल जायत।
जकरा तरुआरि सँ मरबाक छैक*,
से तरुआरि सँ मारल जायत।”

13:8 वा, “ओ सभ लोक जकरा सभक नाम सृष्टिक आरम्भहि सँ जीवनक पुस्तक, जे वध कयल बलि-भेँड़ाक छनि, ताहि मे नहि लिखल छैक।” **13:10** किछु हस्तलेख मे ई पाँति एहि तरहेँ लिखल अछि, “जे केओ तरुआरि सँ मारत”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एकर अर्थ अछि जे परमेश्वरक लोक सभ
कैँ धैर्यक संग साहस रखैत विश्वास मे
स्थिर रहनाइ जरूरी अछि।

धरती सँ बहरायल जानबर

11 तकरबाद हम एक दोसर जानबर कैँ
देखलहुँ; ओ धरती मे सँ बहराइत छल।
ओकरा भेँड़ा जकाँ दूटा सीँग छलैक,
मुदा ओ अजगर जकाँ बजैत छल। 12ओ
पहिल जानबरक सेवा मे ओकर सम्पूर्ण
अधिकार प्रयोग मे लबैत छल। ओ पृथ्वी
आ ओहि परक सभ निवासी सँ ओहि
पहिल जानबरक, जकर प्राण-घातक घाव
ठीक भऽ गेल छलैक, पूजा करबबैत
छल। 13ओ बड़का-बड़का चमत्कार
देखबैत छल, एहनो चमत्कार जे लोकक
देखिते-देखिते मे आकाश सँ पृथ्वी पर
आगि बरसा दैत छल। 14पहिल जानबरक
सेवा मे जे चमत्कार सभ देखयबाक
शक्ति ओकरा भेटल छलैक, ताहि द्वारा
ओ पृथ्वीक निवासी सभ कैँ बहकबैत
छल। ओ ओकरा सभ सँ ओहि पहिल
जानबर, जकरा पर तरुआरिक प्रहार भेल
छल आ तैयो जीवित छल, तकरा सम्मान
मे ओकर मूर्ति बनबौलक।

15 ओकरा जानबरक प्रतिमा मे प्राण
राखि देबाक अधिकार भेटलैक जाहि
सँ ओ प्रतिमा बाजऽ लागय आ जे सभ
प्रतिमाक पूजा नहि करत तकरा मरबा
दय। 16ओ छोट-पैघ, धनिक-गरीब,
स्वतन्त्र-दास, सभ लोक कैँ दहिना हाथ
पर वा कपार पर छाप लगबयबाक लेल
बाध्य कयलकैक। 17ओ एहि प्रकारक
नियम बना देलक जे जकरा पर ओ छाप
नहि लागल छलैक से सभ कोनो प्रकारक
किनऽ-बेचऽ वला काज नहि कऽ सकैत
छल। ओ छाप जानबरक नाम वा ओकरा
नाम सँ सम्बन्धित अंक छल।

18 एतऽ बुद्धिक आवश्यकता अछि।
जे बुद्धिमान होअय, से जानबरक नामक
अंकक हिसाब लगाबओ, किएक तँ ई
अंक मनुष्यक नामक संकेत अछि। ई
अंक 666 अछि।

बलि-भेँड़ा आ हुनकर मुक्त कयल लोक

14 तकरबाद हम आँखि ऊपर
उठौलहुँ, तँ देखलहुँ जे बलि-
भेँड़ा सियोन पहाड़ पर ठाढ़ छथि आ
हुनका संग एक लाख चौआलिस हजार
लोक छथि जिनका सभक कपार पर
बलि-भेँड़ाक नाम आ हुनकर पिताक
नाम लिखल छनि। 2तखन हम स्वर्ग सँ
समुद्रक गरजनाइ जकाँ आ मेघक जोर
सँ तड़कनाइ जकाँ, आवाज सुनलहुँ।
हम जे आवाज सुनि रहल छलहुँ से एहन
छल जेना वीणा बजौनिहार सभ वीणा
बजा रहल होअय। 3ओ सभ सिंहासनक
सम्मुख आ चारू जीवित प्राणी और
धर्मवृद्ध सभक सम्मुख एक नव गीत गाबि
रहल छलाह। ओहि एक लाख चौआलिस
हजार लोक जे सभ पृथ्वी पर सँ किनल
गेल छलाह, तिनका सभ कैँ छोड़ि, केओ
नहि ओहि गीत कैँ जानि सकैत छल। 4ई
सभ ओ लोक छथि जे स्त्रीक संसर्ग सँ
दुषित नहि भेल छथि, किएक तँ ई सभ
अपना कैँ पवित्र रखने छथि। जतऽ कतौ
बलि-भेँड़ा जाइत छथि, ततऽ ई लोक
सभ हुनका संग चलैत छथि। हिनका
सभ कैँ फसिलक प्रथम फलक चढ़ौना
जकाँ परमेश्वर आ बलि-भेँड़ा कैँ विशेष
रूप सँ अर्पित होयबाक लेल मनुष्य सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे सँ किनल गेल छनि। [5]हिनका सभक
मुँह सँ कहियो झूठ नहि बहरायल। ई सभ
निष्कलंक छथि।

तीन स्वर्गदूत

6 तकरबाद हम एक आओर स्वर्गदूत
केँ आकाशक बीच मे उड़ैत देखलियनि।
हुनका लग पृथ्वी पर रहनिहार प्रत्येक
जाति, कुल, भाषा आ राष्ट्रक लोक सभ
केँ सुनयबाक लेल अनन्त काल तक रहऽ
वला सनातन शुभ समाचार छलनि। [7]ओ
ऊँच स्वर मे कहलनि, “परमेश्वरक भय
मानू आ हुनकर महिमाक गुणगान करू,
किएक तँ हुनकर न्याय करबाक समय
आबि गेल अछि। स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र
आ जलस्रोत सभक जे सृष्टि कयने छथि,
तिनकर आराधना करू।”

8 तकरबाद एक दोसर स्वर्गदूत
अयलाह आ कहलनि, “सर्वनाश भऽ
गेलैक! ओहि महान् बेबिलोन नगरक
जे अपन कुकर्मक काम-वासना वला
मदिरा सभ जाति केँ पिऔने छलैक, तकर
सर्वनाश भऽ गेलैक!”

9 फेर एक तेसर स्वर्गदूत अयलाह। ओ
ऊँच स्वर मे कहलनि, “जँ कोनो मनुष्य
जानबरक आ ओकर मूर्तिक पूजा करत
और अपन कपार वा हाथ पर ओकर छाप
लगबाओत, [10]तँ ओकरा परमेश्वरक
क्रोधक ओ मदिरा पिबऽ पड़तैक जे बिनु
कोनो मिलावट कऽ हुनका क्रोधक बाटी
मे ढारल गेल अछि। ओ पवित्र स्वर्गदूत
सभ आ बलि-भेँड़ाक सम्मुख आगि आ
गन्धक मे घोर यातना भोगत। [11]जे लोक
जानबर आ ओकर मूर्तिक पूजा करैत
अछि आ ओकर नामक छाप स्वीकार
करैत अछि तकर सभक यातनाक धुआँ
युगानुयुग तक उड़ैत रहत आ ओकरा सभ
केँ दिन-राति कखनो चैन नहि भेटतैक।”

12 एहि कारणेँ परमेश्वरक लोक
सभ केँ, अर्थात् तकरा सभ केँ, जे सभ
परमेश्वरक आज्ञाक पालन करैत अछि
आ यीशु पर विश्वास करऽ मे स्थिर रहैत
अछि, धैर्यक संग साहस रखनाइ जरूरी
अछि।

13 तखन हमरा स्वर्ग सँ एकटा
आवाज ई कहैत सुनाइ देलक जे, “ई
लिखह—आब ओ लोक सभ जे प्रभु पर
विश्वास कऽ कऽ मरैत अछि, से कतेक
धन्य अछि!” प्रभुक आत्मा ई कहैत छथि
जे, “हँ, ओ सभ अपन-अपन परिश्रम सँ
आराम पाओत, किएक तँ ओकरा सभक
सत्कर्म ओकरा सभक संग जयतैक।”

पृथ्वीक फसिल कटा गेल

14 फेर हम नजरि उठौलहुँ तँ देखैत
छी जे एक उज्जर मेघ अछि आ मेघ
पर मनुष्य-पुत्र सन केओ बैसल छथि।
हुनका सिर पर सोनाक मुकुट आ हाथ मे
एक तेज हाँसू छनि। [15]तखन एक दोसर
स्वर्गदूत मन्दिर सँ बहरयलाह आ मेघ पर
बैसल व्यक्ति केँ ऊँच स्वर मे कहलथिन,
“अपन हाँसू चलाउ आ फसिल काटू,
किएक तँ कटनी करबाक समय भऽ
गेल अछि, पृथ्वीक फसिल पाकि गेल
अछि।” [16]मेघ पर बैसल व्यक्ति पृथ्वी
पर अपन हाँसू घुमौलनि आ पृथ्वीक
फसिल कटा गेल।

17 तकरबाद एक दोसर स्वर्गदूत
स्वर्गक मन्दिर मे सँ बहरयलाह। हुनको
हाथ मे एकटा तेजगर हाँसू छलनि।
[18]एकटा आओर स्वर्गदूत, जिनका
आगि पर अधिकार छलनि, से वेदी लग

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ आबि ऊँच स्वर मे ओहि स्वर्गदूत केँ
जे तेजगर हाँसू लेने छलाह, कहलथिन,
“अपन तेजगरहा हाँसू घुमाउ आ पृथ्वी
पर सँ अंगूरक गुच्छा सभ जमा कऽ लिअ,
किएक तँ ओ सभ पाकि गेल अछि।”
19 ओ स्वर्गदूत अपन हाँसू घुमौलनि आ
पृथ्वी परक अंगूर सभ केँ काटि कऽ
परमेश्वरक क्रोध रूपी विशाल रसकुण्ड
मे राखि देलनि। 20 ओ रसकुण्ड जे नगरक
बाहर छल, ताहि मे अंगूर सभ पयर सँ
पिचल गेल, और रसकुण्ड मे सँ जे खून
बहल से घोड़ाक लगामक उँचाइ तक
ऊँच, आ लगभग एक सय कोस दूर तक
पहुँचि गेल।

सात स्वर्गदूत—सात विपत्ति

15 हम स्वर्ग मे एक आओर
महत्वपूर्ण आ आश्चर्यजनक
चिन्ह देखलहुँ—सातटा स्वर्गदूत छलाह
जिनका लग सातटा विपत्ति छलनि। ई
अन्तिम विपत्ति सभ अछि, किएक तँ
एकरा सभ द्वारा परमेश्वरक क्रोध पूर्ण भऽ
कऽ समाप्त भऽ जाइत अछि।
2 आब हमरा आगि मिलायल सीसाक
समुद्र सन कोनो वस्तु देखाइ देलक। जे
लोक सभ जानबर पर, ओकर मूर्ति पर
आ ओकर नाम सँ सम्बन्धित अंक पर
विजय पौने छल, से सभ ओहि सीसाक
समुद्र पर ठाढ़ छल। ओकरा सभक हाथ
मे परमेश्वरक दिस सँ देल गेल वीणा
छलैक। 3 ओ सभ परमेश्वरक सेवक
मूसाक गीत आ बलि-भेँड़ाक गीत गाबि
कऽ कहि रहल छल जे,

“हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर!
अहाँक काज सभ महान् आ अद्भुत
अछि।
हे युग-युगक राजा!
अहाँ जे किछु करैत छी से
न्यायसंगत आ सत्य अछि।
4 हे प्रभु, के अहाँक भय नहि मानत
आ अहाँक महिमाक गुणगान नहि
करत?
किएक तँ अहींटा पवित्र छी।
सभ जातिक लोक सभ आबि कऽ
अहाँक आराधना करत,
किएक तँ अहाँक न्यायसंगत काज
सभ प्रगट भऽ गेल अछि।”

5 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ,
तँ देखलहुँ जे स्वर्ग मेहक मन्दिर, अर्थात्
साक्षीक मण्डप, खोलल गेल, 6 आ ओहि
मे सँ ओ सातटा विपत्ति लऽ कऽ सातो
स्वर्गदूत बहरयलाह। ओ सभ साफ आ
चमकऽ वला मलमलक वस्त्र पहिरने
छलाह आ हुनका सभक छाती पर सोनाक
चौड़ा पट्टी बान्हल छलनि। 7 तखन ओहि
चारू जीवित प्राणी मे सँ एक प्राणी ओहि
सात स्वर्गदूत केँ सोनाक सातटा कटोरा
देलथिन जे युगानुयुग जीवित रहऽ वला
परमेश्वरक क्रोध सँ भरल छल। 8 आब
मन्दिर परमेश्वरक महिमा आ सामर्थ्यक
कारणेँ धुआँ सँ भरि गेल। जा धरि ओहि
सात स्वर्गदूतक सातो विपत्ति सभ समाप्त
नहि भऽ गेल, ता धरि केओ मन्दिर मे
प्रवेश नहि कऽ सकल।

16 तखन हम मन्दिर मे सँ ऊँच स्वर
मे एक आवाज सुनलहुँ जे ओहि
सातो स्वर्गदूत केँ कहि रहल छलनि,
“जाह, परमेश्वरक क्रोध सँ भरल ओ
सातो कटोरा पृथ्वी पर उझिलि दहक।”
2 एहि पर पहिल स्वर्गदूत जा कऽ अपन
कटोरा पृथ्वी पर उझिलि देलनि। ओहि
सँ जाहि लोक पर जानबरक छाप लागल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छल आ जे सभ ओकर मूर्तिक पूजा करैत
छल, तकरा सभक शरीर मे घृणित आ
दुःखदायी फोंका बहरा गेलैक।
3 दोसर स्वर्गदूत अपन कटोरा समुद्र
मे उझिलललनि, तँ समुद्रक पानि मरल
मनुष्यक खून जकाँ खूने-खून भऽ गेल आ
ओहि मेहक प्रत्येक जीव-जन्तु मरि गेल।
4 तेसर स्वर्गदूत अपन कटोरा नदी सभ
पर आ जलक स्रोत सभ पर उझिलललनि;
ओहो सभ खून बनि गेल। [5]तखन हम ओहि
स्वर्गदूत कें, जिनका जल पर अधिकार
छनि, ई कहैत सुनलहुँ, "हे पवित्र परमेश्वर,
अहाँ, जे छी आ जे छलहुँ, अहाँ न्यायी छी,
अहाँक ई निर्णय सभ न्यायसंगत अछि।
[6]जे सभ अहाँक लोक सभक आ अहाँक
प्रवक्ता सभक खून बहौने छल, तकरा सभ
कें अहाँ पिबाक लेल खूने देलहुँ। ओकरा
सभ कें ई दण्ड भेटनाइ उचिते छल।"
[7]तखन हम फेर वेदी लग सँ एकटा आवाज
कें ई कहैत सुनलहुँ, "हँ, हे सर्वशक्तिमान
प्रभु परमेश्वर, अहाँक निर्णय सभ निश्चय
उचित आ न्यायसंगत अछि।"
8 चारिम स्वर्गदूत अपन कटोरा सूर्य पर
उझिलि देलनि। सूर्य कें शक्ति देल गेलैक
जे ओ मनुष्य सभ कें अपन आगिक ताप
सँ झरकाबय। [9]मनुष्य सभ प्रचण्ड ताप सँ
झरकऽ लागल। ओ सभ विपत्ति सभ पर
अधिकार रखनिहार परमेश्वरक नामक
निन्दा कयलक, मुदा अपना पापक लेल
पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन नहि
कयलक आ परमेश्वरक स्तुति नहि करऽ
चाहलक।
10 पाँचम स्वर्गदूत अपन कटोरा
जानबरक सिंहासन पर उझिलि देलनि।
एहि सँ ओकर सम्पूर्ण राज्य मे अन्हार
पसरि गेलैक आ पीड़ाक कारणें लोक
सभ अपन जीह दाँत सँ काटऽ लागल।
[11]ओ सभ अपन पीड़ा आ फोंका सभक
कारणें स्वर्ग मे विराजमान रहऽ वला
परमेश्वरक निन्दा कयलक, मुदा अपन
अधलाह काज सभक लेल पश्चात्ताप कऽ
कऽ हृदय-परिवर्तन नहि कयलक।
12 छठम स्वर्गदूत अपन कटोरा फरात
महा-नदी पर उझिलि देलनि। फरात
नदीक जल सुखा गेल जाहि सँ पूब दिसक
राजा सभक लेल अयबाक बाट तैयार
भऽ जाइक। [13]तकरबाद हम अजगरक
मुँह सँ, जानबरक मुँह सँ आ झुट्ठा
भविष्यवक्ताक मुँह सँ तीनटा दुष्टात्मा*
कें, जे देखऽ मे बेङ जकाँ लगैत छल,
बहराइत देखलहुँ। [14]ई सभ चमत्कार
देखाबऽ वला दुष्टात्मा सभ अछि। ओ
सभ समस्त संसारक राजा सभ लग जा
कऽ ओकरा सभ कें जमा करैत अछि
जाहि सँ "सर्वशक्तिमान परमेश्वरक
महान् दिन" अयला पर ओ सभ युद्ध
करय। [15]"देखह, हम चोर जकाँ आबि
रहल छी! धन्य अछि ओ जे जागल रहैत
अछि आ अपन वस्त्र अपना संग रखैत
अछि जाहि सँ ओ नाङट नहि बहराय आ
लोक ओकर नग्नता नहि देखैक।" [16]ओ
अशुद्ध आत्मा सभ राजा सभ कें ओहि
स्थान पर जमा कयलक जे इब्रानी भाषा मे
हर-मगिदोन कहबैत अछि।
17 तखन सातम स्वर्गदूत अपन
कटोरा हवा मे उझिलललनि। मन्दिरक
सिंहासन सँ बहुत जोरक आवाज मे ई
कहैत सुनाइ देलक, "समाप्त भऽ गेल!"

16:13 मूल मे, "अशुद्ध आत्मा"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

18एहि पर बिजुली चमकऽ लागल, मेघक
गोंगिअयबाक आ तड़कबाक आवाज
होमऽ लागल आ बहुत भारी भूकम्प
भेल। ओ भूकम्प एतेक भारी छल जे
पृथ्वी पर मनुष्यक उत्पत्ति सँ लऽ कऽ
आइ तक कहियो नहि ओहन भूकम्प
भेल छल। 19ओहि भूकम्प सँ महानगरक
तीन टुकड़ा भऽ गेल आ संसारक राष्ट्र
सभक नगर सभ खण्डहर भऽ गेल।
परमेश्वर महानगर बेबिलोन केँ स्मरण
कयलनि और अपन भयंकर क्रोधक
मदिरा ओकरा पिऔलनि। 20सभ द्वीप
विलीन भऽ गेल आ पहाड़ सभक पता
नहि चलल। 21आकाश सँ मन-मन भरि
केँ बड़का-बड़का पाथर मनुष्य सभ पर
खसऽ लागल। पाथरक वर्षाक कारणेँ
मनुष्य सभ परमेश्वरक निन्दा कयलक,
किएक तँ ई विपत्ति अत्यन्त भयंकर छल।

महावेश्याक वर्णन

17 जाहि सात स्वर्गदूत लग सातटा
कटोरा छलनि ताहि मे सँ एकटा
स्वर्गदूत हमरा लग आबि कऽ कहलनि,
“एतऽ आउ, हम अहाँ केँ देखायब जे
ओहि महावेश्या केँ कोना कऽ दण्डित
कयल जायत जे बहुतो नदी-नहरिक पानि
पर बैसल अछि। 2ओकरा संग पृथ्वीक
राजा सभ कुकर्म कयलक आ पृथ्वीक
निवासी सभ ओकर कुकर्मक मदिरा पिबि
कऽ माति गेल अछि।” 3तकरबाद ओ
स्वर्गदूत हमरा प्रभुक आत्माक नियन्त्रण
मे राखि कऽ मरुभूमि मे लऽ गेलाह। हम
ओतऽ एक स्त्रीगण केँ एक लाल जानबर
पर बैसल देखलहुँ। जानबरक सम्पूर्ण
शरीर पर परमेश्वरक निन्दा करऽ वला
नाम सभ लिखल छल। ओकरा सातटा
मूड़ी आ दसटा सींँग छलैक। 4ओ स्त्री
बैगनी आ लाल रंगक वस्त्र पहिरने छलि
आ सोन, बहुमूल्य पाथर आ मोती सभ
सँ सुसज्जित छलि। ओ हाथ मे सोनाक
लोटा लेने छलि जे घृणित वस्तु सभ सँ
आ ओकर वेश्यावृत्तिक अशुद्धता सँ
भरल छलैक। 5ओकरा कपार पर एक
रहस्यमय नाम अंकित छलैक—“महान्
बेबिलोन, पृथ्वीक वेश्या सभ आ घृणित
वस्तु सभक माय।” 6हम देखलहुँ जे ओ
स्त्री परमेश्वरक लोक सभक खून पिबि
कऽ माति गेल अछि। ओ तिनका सभक
खून पिबि लेने छल, जे सभ यीशुक लेल
गवाही देबाक कारणेँ मारल गेल छलाह।
हम ओकरा देखि कऽ अत्यन्त चकित भऽ
गेलहुँ।

वेश्याक आ जानबरक व्याख्या

7तखन ओ स्वर्गदूत हमरा कहलनि,
“अहाँ किएक चकित होइत छी? हम
अहाँ केँ ओहि स्त्रीक रहस्य बुझा दैत
छी आ ओहि जानबरक सेहो, जाहि पर
ओ सवार अछि, जकरा सातटा मूड़ी आ
दसटा सींँग छैक। 8जाहि जानबर केँ अहाँ
देखलहुँ से पहिने छल, आब नहि अछि,
आ अथाह कुण्ड मे सँ निकलऽ वला अछि;
ओ निकलत आ नष्ट कयल जायत। मुदा
पृथ्वीक ओ निवासी सभ जकरा सभक
नाम सृष्टिक आरम्भहि सँ जीवनक पुस्तक
मे नहि लिखल गेल अछि, से सभ ई देखि
कऽ आश्चर्य मे पड़ि जायत जे ओ जानबर
पहिने छल, तखन नहि छल, और फेर
आबि गेल अछि। 9एकरा बुझबाक लेल
विवेकपूर्ण बुद्धिक आवश्यकता अछि। ओ
सातटा मूड़ी सातटा पहाड़ अछि जाहि पर
ओ स्त्री बैसल अछि। 10ओ सभ सातटा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

राजा सेहो अछि जाहि मे सँ पाँचटाक
पतन भऽ गेल अछि, एकटा एखन अछि
आ दोसर एखनो आयल नहि अछि, मुदा
जखन ओ आओत तँ किछुए समय तक
रहि पाओत। 11ओ जानबर जे पहिने छल
आ आब नहि अछि, से आठम राजा अछि।
मुदा वास्तव मे ओ ओही सात राजाक
समूह मेहक अछि, और ओकर विनाश
निश्चित अछि।

12 “अहाँ जे दस सीँग देखलहुँ, से
दसटा राजा अछि। ओकरा सभ केँ एखन
तक राज्य-सत्ता नहि भेटल छैक, मुदा
ओकरा सभ केँ घड़ी भरिक लेल मात्रे
ओहि जानबरक संग राज्याधिकार देल
जयतैक। 13ओकरा सभक एकेटा उद्देश्य
छैक और तकरा लेल ओ सभ अपन
शक्ति आ अधिकार ओहि जानबर केँ
सौंपि देतैक। 14ओ सभ बलि-भेँड़ाक संग
युद्ध करत आ बलि-भेँड़ा ओकरा सभ पर
विजयी भऽ जयताह, किएक तँ ओ प्रभु
सभक प्रभु आ राजा सभक राजा छथि।
हुनका संग ओ लोक सभ रहत जे सभ
हुनकर बजाओल गेल, चुनल गेल आ
विश्वासयोग्य लोक सभ अछि।”

15 तकरबाद स्वर्गदूत हमरा कहलनि,
“नदी-नहरि सभक ओ पानि जे अहाँ
देखलहुँ आ जाहि पर वेश्या बैसल अछि,
से सभ अनेक राष्ट्र, विशाल जनसमूह,
जाति-जातिक लोक आ विभिन्‍न भाषाक
लोक सभ अछि। 16अहाँ जाहि जानबर केँ
आ दसटा सीँग केँ देखलहुँ से सभ ओहि
वेश्याक शत्रु बनि जायत। ओ सभ ओकरा
उजाड़ कऽ कऽ नाङट कऽ देतैक। ओकर
माँसु खा जयतैक आ ओकरा आगि मे
जरा देतैक। 17किएक तँ जाबत तक
परमेश्वरक कहल बात पूरा नहि भऽ
जानि, ताबत तक परमेश्वर अपन उद्देश्य
पूरा करयबाक लेल ओहि राजा सभ केँ
एहि बात मे एकमत रहबाक भावना देथिन
जे हम सभ अपन राजकीय अधिकार
जानबर केँ सौंपने रहब। 18अहाँ जाहि
स्त्री केँ देखलहुँ, से ओ महानगर अछि जे
पृथ्वीक राजा सभ पर राज्य करैत अछि।”

बेबिलोन महानगरक सर्वनाशक घोषणा

18 तकरबाद हम एक आओर
स्वर्गदूत केँ स्वर्ग सँ उतरैत
देखलहुँ। हुनका लग पैघ अधिकार
छलनि आ हुनकर तेज सँ धरती प्रकाशित
भऽ गेल। 2ओ ऊँच स्वर मे बजलाह,

“सर्वनाश भऽ गेलैक! महानगर
बेबिलोनक सर्वनाश भऽ गेलैक!
ओ दुष्टात्मा सभक निवास स्थान,
सभ प्रकारक अशुद्ध आत्माक अड्डा
आ प्रत्येक अशुद्ध आ घृणित चिड़ैक
अखाढ़ा बनि गेल अछि।
3 किएक तँ सभ जातिक लोक ओकर
कुकर्मक काम-वासना वला
मदिरा पिने अछि,
पृथ्वीक राजा सभ ओकरा संग
कुकर्म कयने अछि
आ पृथ्वीक व्यापारी सभ ओकर
अपार भोग-विलास करबाक
कारणेँ धनवान भऽ गेल अछि।”

4 हमरा स्वर्ग सँ फेर एक दोसर आवाज
ई कहैत सुनाइ देलक,

“हौ हमर प्रजा! ओहि महानगर मे सँ
निकलि आबह
जाहि सँ तोँ सभ ओकर पाप सभक
सहभागी नहि बनह
आ ओकरा पर आबऽ वला विपत्ति
सभ तोरा सभ पर नहि औतह

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

5 किएक तँ ओकर पापक ढेरी स्वर्ग
तक पहुँचि गेल अछि
आ परमेश्वर ओकर अपराध सभ कैं
नहि बिसरल छथि।
6 जहिना ओ अनका संग कयने अछि,
तहिना तोँहूँ सभ ओकरा संग
करह।
ओकर सभ काजक लेल ओकरा सँ
दुगुना बदला लैह।
जाहि लोटा मे ओ अनका लेल मदिरा
मिला कऽ पिऔने अछि
ताहि मे ओकरा लेल दुगुना मिला
कऽ पिया दहक।
7 ओ जतबा अपन बड़ाइ कयलक आ
सुख-विलास कयलक
ततबा ओकरा यातना आ पीड़ा
दहक।
किएक तँ ओ अपना मोन मे कहैत
अछि जे,
‘हम रानी भऽ कऽ सिंहासन पर
विराजमान छी।
हम विधवा नहि छी। हम कहियो
शोक मे नहि पड़ब।’
8 एहि कारणेँ एके दिन मे ओकरा पर ई
सभटा विपत्ति औतैक—
मृत्यु*, शोक आ अकाल।
ओ आगि मे भस्म कयल जायत,
किएक तँ ओकर न्याय करऽ वला,
प्रभु-परमेश्वर, सामर्थी छथि।

बेबिलोनक लेल पृथ्वीक शोकगीत

9 “पृथ्वीक राजा, जे सभ ओकरा संग
कुकर्म कयलक आ ओकरा संग भोग-
विलासक जीवन व्यतीत कयलक, से
सभ जखन ओकर जरबाक धुआँ देखत
तँ ओकरा लेल कानत आ शोक करत।
10 ओकरा पीड़ा कैं देखि कऽ ओ सभ
भयभीत भऽ जायत आ दूरे सँ ठाढ़ भऽ
कऽ कहत,
‘हे महान् बेबिलोन! हाय! हाय!
हे शक्तिशाली महानगर!
तोरा घड़िए भरि मे दण्ड दऽ देल
गेलह।’ ”
11 पृथ्वीक व्यापारी सभ ओकरा
लेल कानत आ शोक करत, किएक
तँ आब ओकरा सभक माल केओ नहि
किनतैक— 12 अर्थात् ओकरा सभक
सोन, चानी, बहुमूल्य पाथर आ मोती;
ओकरा सभक नीक मलमल, बैगनी
कपड़ा, रेशमी आ लाल वस्त्र; अनेक
प्रकारक सुगन्धित काठ; हाथीक दाँत
सँ, बहुमूल्य काठ सभ सँ, पित्तरि, लोहा
आ संगमरमर सँ बनल हर प्रकारक वस्तु;
13 ओकरा सभक दालिचीनी, मसल्ला,
धूप, इत्र आ सुगन्धित तेल; मदिरा,
जैतूनक तेल, मैदा आ गहुम; गाय-बड़द
आ भैँड़ा, घोड़ा आ रथ; गुलाम—हँ,
मनुष्यो सभ।
14 ओ सभ कहत, “हे बेबिलोन, जाहि
फल प्राप्तिक तोँ कामना कयने छलह,
से तोरा सँ दूर चल गेलह। तोहर सम्पूर्ण
वैभव आ तड़क-भड़कक सर्वनाश भऽ
गेलह। तोँ ई सभ फेर नहि देखबह।”
15 एहि वस्तु सभक व्यापारी सभ, जे सभ
ओहि नगरक कारणेँ धनवान भऽ गेल
छल, से सभ आब ओकर यातना देखि
कऽ भयभीत भऽ दूरे सँ ठाढ़ भऽ कानि-
कानि कऽ शोक करत, 16 आ कहत,

18:8 वा, “महामारी”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

"एहि महानगरक लेल हाय, हाय!
जे नीक मलमल, बैगनी आ लाल
रंगक वस्त्र पहिरैत छलि,
आ सोन, बहुमूल्य पाथर आ मोती
सभ सँ विभूषित छलि!
17 एकर सम्पूर्ण वैभव घड़िए भरि मे
माटि मे मिलि गेलैक!"

प्रत्येक जहाजक कप्तान, प्रत्येक
जलयात्री, नाव चलाबऽ वला सभ आ
ओ सभ लोक जे सभ समुद्र सँ जीविका
चलबैत अछि, सभ दूरे ठाढ़ रहत, 18 आ
ओकर जरबाक धुआँ देखि कऽ चिचिया
उठत जे, "एहि महानगर जकाँ और कोन
नगर छल?" 19 ओ सभ अपना मूड़ी पर
गर्दा राखत आ कन्ना-रोहटि करैत कहत,

"एहि महानगरक लेल हाय, हाय!
ई, जकरा वैभव सँ जहाजक मालिक
सभ धनिक भऽ गेल,
से महानगर आब घड़ी भरि मे उजाड़
भऽ गेल!"

बेबिलोनक विनाश सँ स्वर्ग मे आनन्द

20 "हे स्वर्ग, ओकर पराजय सँ आनन्द
मनाउ!
हे पवित्र लोक सभ, मसीह-दूत
लोकनि आ परमेश्वरक प्रवक्ता
सभ, आनन्द मनाउ!
किएक तँ जे व्यवहार ओ अहाँ
सभक संग कयने छलि,
तकरा लेल परमेश्वर ओकरा
दण्डित कऽ देलथिन।"

21 तखन एक बलवान स्वर्गदूत जाँतक
चक्की सन एक विशाल पाथर उठौलनि
आ समुद्र मे फेकैत कहलनि,

"एही तरहेँ महानगर बेबिलोन सेहो
बलपूर्बक नीचाँ फेकि देल
जायत
आ ओकर पता कहियो नहि चलत।
22 वीणा बजौनिहारक, गबैयाक, बाँसुरी
बजौनिहारक आ धुतहू फुकऽ
वला सभक आवाज
तोरा मे कहियो नहि सुनाइ पड़त।
कोनो व्यवसायक कारीगर फेर
कहियो तोरा मे नहि पाओल
जायत।
जाँत चलबाक आवाज आब तोरा
मे
कहियो नहि सुनाइ देत।
23 डिबियाक प्रकाश तोरा मे फेर
कहियो नहि देखल जायत।
वर आ कनियाँक बजनाइ तोरा मे
कहियो नहि सुनाइ पड़त।
तोहर व्यापारी सभ संसारक सामर्थी
व्यक्ति बनि गेल छल
आ तोहर जादू-टोना सँ सभ जातिक
लोक ठकल गेल छल।
24 ओकरा मे प्रभुक प्रवक्ता सभ आ
पवित्र लोक सभक खून पाओल
गेल,
हँ, ओहि सभ लोकक खून, जे सभ
पृथ्वी पर वध कयल गेल
छल।"

19 तकरबाद हम स्वर्ग मे विशाल
जनसमूहक आवाज जकाँ ऊँच
स्वर मे ई कहैत सुनलहुँ जे,

"परमेश्वरक स्तुति होनि!*
उद्धार, महिमा आ सामर्थ्य हमरा
सभक परमेश्वरेक छनि।

19:1 मूल मे "हालेलूयाह!" तहिना पद 3 आ 6 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

2 किएक तँ हुनकर सभ निर्णय उचित
आ न्यायसंगत अछि।
सम्पूर्ण पृथ्वी केँ अपन वेश्यावृत्ति
सँ भ्रष्ट करऽ वाली ओहि
महावेश्या केँ ओ दण्डित
कयलथिन।
ओ ओकरा सँ अपन सेवक सभक
खूनक बदला लऽ लेलथिन।"
3 ओ सभ फेर ऊँच आवाज मे बजलाह,
"परमेश्वरक स्तुति होनि!
ओहि महानगरक जरबाक धुआँ
अनन्त काल तक ऊपर उठैत
रहत।"
4 तखन चौबीसो धर्मवृद्ध आ चारू
जीवित प्राणी दण्डवत करैत सिंहासन
पर विराजमान परमेश्वरक आराधना
कयलनि आ बजलाह,
"हँ, एहिना होअय! परमेश्वरक
स्तुति होनि!"*
5 तकरबाद सिंहासन सँ एक आवाज ई
कहैत सुनाइ देलक जे,
"हे परमेश्वरक सेवक सभ,
हुनकर भय मानऽ वला सभ लोक,
चाहे छोट होअय वा पैघ,
अपना सभक परमेश्वरक स्तुति
करू!"

बलि-भेँड़ाक विवाह-उत्सव

6 तखन हम एक विशाल जनसमूहक
आवाज वा समुद्रक लहरिक आवाज वा
गर्जन करैत मेघक आवाज जकाँ ई कहैत
सुनलहुँ,
"परमेश्वरक स्तुति होनि!
किएक तँ प्रभु, अपना सभक
सर्वशक्तिमान परमेश्वर, राज्य
कऽ रहल छथि।
7 अबैत जाउ, अपना सभ आनन्दित
आ हर्षित होइ
आ हुनकर महिमाक गुणगान
करियनि!
किएक तँ बलि-भेँड़ाक विवाह-
उत्सवक समय आबि गेल
अछि;
हुनकर दुल्हिन अपना केँ तैयार कऽ
लेने छथि।
8 हुनका पहिरबाक लेल
साफ आ चमकैत नीक मलमलक
वस्त्र देल गेल छनि।"
नीक मलमलक वस्त्र प्रभुक लोक सभक
धार्मिक काजक प्रतीक अछि।
9 तकरबाद ओ स्वर्गदूत हमरा कहलनि,
"ई लिखू—धन्य छथि ओ सभ जे सभ
बलि-भेँड़ाक विवाह-भोज मे निमन्त्रित
भेल छथि!" ओ हमरा फेर कहलनि, "ई
परमेश्वरक सत्य वचन अछि।"
10 तखन हम हुनकर आराधना करबाक
लेल हुनका चरण पर खसि पड़लहुँ। मुदा
ओ हमरा कहलनि, "एना नहि करू! हम तँ
अहाँ जकाँ आ अहाँक भाय सभ जकाँ, जे
सभ यीशुक विषय मे देल गेल गवाही पर
स्थिर छथि, दासे छी। अहाँ परमेश्वरक
आराधना करू, किएक तँ जे केओ यीशुक
विषय मे गवाही दैत छथि, तिनका प्रवक्ता
जकाँ परमेश्वरे सँ प्रेरणा भेटैत छनि।"*

19:4 मूल मे, "आमीन! हालेलूयाह!" **19:10** वा, "किएक तँ जे परमेश्वरक प्रवक्ता अछि, से यीशुक विषय मे देल गेल गवाही सँ प्रेरित होइत अछि।" वा, "किएक तँ भविष्यवाणी करबाक उद्देश्य अछि यीशुक विषय मे गवाही देनाइ।"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

“राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु”—मसीहक विजय

11 तखन हम देखलहुँ जे स्वर्ग खुजल
अछि। हमरा एक उज्जर घोड़ा देखाइ
देलक आ ओहि पर जे सवार छलाह से
“विश्वासयोग्य” आ “सत्य” कहबैत
छथि। ओ न्यायक अनुसार उचित फैसला
करैत छथि आ उचित युद्ध करैत छथि।
12 हुनकर आँखि आगि जकाँ धधकैत
छनि। हुनका सिर पर बहुते राजमुकुट
छनि। हुनका शरीर पर एक नाम लिखल
अछि जकरा हुनका छोड़ि आओर केओ
नहि जनैत अछि। 13 ओ खून मे डुबाओल
वस्त्र पहिरने छथि आ हुनकर नाम छनि
“परमेश्वरक वचन”। 14 स्वर्गक सेना
सभ उज्जर चमकैत नीक मलमलक वस्त्र
पहिरने, उज्जर घोड़ा पर सवार हुनका
पाछाँ-पाछाँ चलि रहल अछि। 15 जाति-
जाति कैँ मारबाक लेल हुनका मुँह सँ
एक तेज तरुआरि बहरायल अछि। “ओ
ओकरा सभ पर लोहाक राजदण्ड सँ
शासन करताह।”* ओ सर्वशक्तिमान
परमेश्वरक भयानक क्रोध रूपी मदिराक
रसकुण्ड मे अंगूर कैँ धाँगि दैत छथि।
16 हुनका वस्त्र आ हुनका जाँघ पर ई नाम
लिखल अछि, “राजा सभक राजा आ प्रभु
सभक प्रभु।”

17 फेर हम एक स्वर्गदूत कैँ सूर्य मे ठाढ़
देखलहुँ। ओ ऊँच स्वर मे आकाशक बीच
उड़ऽ वला सभ चिड़ै कैँ सोर पारलनि,
“अबै जो, परमेश्वरक महाभोजक लेल
जमा होइत जो। 18 तोरा सभ कैँ राजा
सभक, सेनापति सभक, शक्तिशाली
पुरुष सभक, घोड़ा आ घोड़सवार
सभक, आ सभ लोकक—स्वतन्त्र, दास,
छोट, पैघ—सभक माँसु खयबाक लेल
भेटतौक।”

19 तकरबाद हम जानबर कैँ आ
पृथ्वीक राजा सभ कैँ और ओकरा सभक
सेना सभ कैँ ओहि घोड़सवार आ हुनकर
सेना सभ सँ युद्ध करबाक लेल जमा भेल
देखलहुँ। 20 ओ जानबर पकड़ल गेल
आ ओकरा संग ओ झुट्ठा भविष्यवक्ता
सेहो, जे ओकर सेवा करैत चमत्कार
सभ देखौने छल। एहि चमत्कार सभ
द्वारा ओ ओहि लोक सभ कैँ बहकौने
छल जे सभ जानबरक छाप ग्रहण कयने
छल आ ओकर मूर्तिक पूजा कयने छल।
जानबर आ झुट्ठा भविष्यवक्ता कैँ गन्धक
सँ धधकैत आगिक कुण्ड मे जीविते
फेकि देल गेलैक। 21 बाँकी लोक ओहि
घोड़सवारक मुँह सँ बहराइत तरुआरि सँ
मारल गेल आ सभ चिड़ै ओकरा सभक
माँसु खा कऽ अघा गेल।

हजार वर्षक राज्य

20 तकरबाद हम एक स्वर्गदूत कैँ
स्वर्ग सँ नीचाँ अबैत देखलहुँ।
हुनका हाथ मे अथाह कुण्डक कुंजी आ
बड़काटा जंजीर छलनि। 2 ओ ओहि
अजगर कैँ, अर्थात् प्राचीन समयक
ओहि साँप कैँ, जे महादुष्ट वा शैतान
अछि, पकड़ि कऽ एक हजार वर्षक लेल
बान्हि देलनि। 3 ओकरा अथाह कुण्ड मे
फेकि कऽ बन्द कऽ देलनि आ ओहि पर
मोहर मारि देलनि जाहि सँ जा धरि एक
हजार वर्ष बिति नहि जाय, ता धरि ओ

19:15 भजन 2.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जाति-जातिक लोक सभ कैँ आओर नहि
बहका सकय। तकरबाद ओकरा किछु
समयक लेल छोड़ल गेनाइ आवश्यक
अछि। [4]तखन हम सिंहासन सभ
देखलहुँ। जे सभ ओहि पर बैसल छलाह,
तिनका सभ कैँ न्याय करबाक अधिकार
देल गेल छलनि। हम ओहि लोक सभक
आत्मा सभ कैँ देखलहुँ जिनका सभक
सिर यीशुक गवाही देबाक कारणेँ आ
परमेश्वरक वचन सुनयबाक कारणेँ
काटि देल गेल छलनि। ओ सभ ने तँ
ओहि जानबरक आ ने ओकर मूर्तिक
पूजा कयने छलाह, ने अपना कपार वा
हाथ पर ओकर छाप लगबौने छलाह।
ओ सभ फेर जीवित भऽ हजार वर्ष
तक मसीहक संग राज्य कयलनि। [5]ई
पहिल जीबि उठनाइ अछि। बाँकी मरल
लोक सभ हजार वर्ष समाप्त भेलाक
बादे जीवित भेल। [6]धन्य आ पवित्र
छथि ओ सभ, जे पहिल जीबि उठनाइ
मे सहभागी छथि। एहन लोक सभ पर
दोसर मृत्युक कोनो प्रभाव नहि पड़त।
ओ सभ परमेश्वर आ मसीहक सेवाक
लेल पुरोहित होयताह आ हुनका संग
हजार वर्ष तक राज्य करैत रहताह।

शैतानक पराजय

7 हजार वर्ष पुरि गेलाक बाद शैतान कैँ
अपन बन्हन सँ मुक्त कऽ देल जयतैक।
[8]ओ पृथ्वीक चारू कोनाक राष्ट्र सभ
कैँ, अर्थात् “गोग” आ “मागोग”* कैँ
बहकयबाक लेल आ युद्धक लेल जमा
करबाक हेतु निकलत। ओकरा सभक
संख्या समुद्रक बालु जकाँ असंख्य
रहतैक। [9]ओ सभ सम्पूर्ण पृथ्वी पर
पसरि कऽ परमेश्वरक लोक सभक
निवास स्थान कैँ, अर्थात्, परमेश्वरक
प्रिय नगर कैँ, घेरि लेलक। मुदा स्वर्ग सँ
आगि बरसल आ ओकरा सभ कैँ भस्म
कऽ देलकैक। [10]तखन शैतान, जे ओकरा
सभ कैँ बहकौने छलैक, तकरा आगि
आ गन्धकक कुण्ड मे फेकि देल गेलैक,
जाहिठाम जानबर आ झुट्ठा भविष्यवक्ता
कैँ फेकल गेल छलैक। ओ सभ दिन-राति
अनन्त काल धरि अत्यन्त कष्ट भोगैत
रहत।

मुइल सभक न्याय

11 तकरबाद हम एक विशाल उज्जर
सिंहासन आ ओहि पर विराजमान
व्यक्ति कैँ देखलहुँ। हुनका सोझाँ सँ
पृथ्वी आ आकाश लुप्त भऽ गेल और
ओकर कोनो नामो-निशान नहि रहल।
[12]तखन हम छोट-पैघ, सभ मरल लोक
कैँ सिंहासनक सम्मुख ठाढ़ देखलहुँ आ
पुस्तक सभ खोलल गेल। तकरबाद एक
आओर पुस्तक खोलल गेल जे जीवनक
पुस्तक अछि। मरल सभक कयल कर्म,
जे पुस्तक सभ मे लिखल गेल छलैक,
ताहि अनुसार ओकरा सभक न्याय कयल
गेलैक। [13]समुद्र ओहि मरल सभ कैँ जे
ओकरा मे छल, प्रस्तुत कयलक। तखन

20:8 “गोग और मागोग”—ई नाम सभ ओहि सभ राष्ट्रक प्रतीकात्माक नाम अछि जे परमेश्वरक आ हुनकर लोकक विरोध करत। बाइबलक पुरान नियमक यहेजकेल पुस्तकक 38-39 अध्याय मे सेहो एकर चर्चा होइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मृत्यु आ पाताल* अपन-अपन मरल सभ
केँ प्रस्तुत कयलक। ओकरा सभ मे सँ
प्रत्येक व्यक्तिक न्याय ओकरा कर्मक
अनुसार कयल गेलैक। 14तकरबाद
मृत्यु आ पाताल, दूनू केँ आगिक कुण्ड
मे फेकि देल गेलैक। ई आगिक कुण्ड
दोसर मृत्यु अछि। 15जकरा सभक नाम
जीवनक पुस्तक मे लिखल नहि भेटलैक
तकरा सभ केँ आगिक कुण्ड मे फेकि देल
गेलैक।

“सभ किछु हम नव बना दैत छी!”

21 तखन हम एक नव आकाश
आ एक नव पृथ्वी देखलहुँ।
पुरान आकाश आ पुरान पृथ्वी, दूनू
लुप्त भऽ गेल छल आ आब समुद्रो नहि
रहल। 2तकरबाद हम पवित्र नगर, नव
यरूशलेम, केँ स्वर्ग सँ परमेश्वर लग सँ
उतरैत देखलहुँ। ओ अपन वरक लेल
श्रृंगार कयल गेल नव कनियाँ जकाँ
सजाओल गेल छल। 3तखन हमरा
सिंहासन सँ एक आवाज जोर सँ ई
कहैत सुनाइ पड़ल, “देखू, परमेश्वरक
निवास आब मनुष्यक बीच मे छनि।
परमेश्वर ओकरा सभक संग निवास
करताह। ओ सभ हुनकर प्रजा होयत आ
परमेश्वर अपने ओकरा सभक बीच रहि
कऽ ओकरा सभक परमेश्वर होयथिन।
4ओ ओकरा सभक आँखिक सभ नोर
पोछि देथिन। तकरबाद ने मृत्यु रहत,
ने शोक, ने विलाप आ ने कष्ट, किएक
तँ पहिलुका बात सभ समाप्त भऽ गेल
अछि।”

5तकरबाद सिंहासन पर जे विराजमान
छलाह, से व्यक्ति हमरा कहलनि,
“देखू, सभ किछु हम नव बना दैत
छी।” तखन ओ हमरा कहलनि, “ई
बात सभ लिखू, किएक तँ ई सत्य अछि
और एहि पर भरोसा राखल जा सकैत
अछि।” 6ओ हमरा फेर कहलनि, “पूर्ण
भऽ गेल! हम अल्फा और ओमेगा*,
अर्थात् शुरुआत आ अन्त छी। जे केओ
पियासल होअय तकरा हम मङनी मे
जीवनक जलक सोता सँ पिअयबैक।
7जे सभ विजयी होयत, से सभ ई बात
सभ प्राप्त करबाक अधिकारी होयत।
हम ओकरा सभक परमेश्वर होयबैक
आ ओ सभ हमर पुत्र होयत। 8मुदा
डरपोक सभक, अविश्वासी सभक,
घृणित लोकक, हत्यारा सभक, अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध राखऽ वला सभक,
जादू-टोना कयनिहार सभक, मुरुतक
पूजा कयनिहार सभक आ सभ झूठ
बजनिहारक स्थान ओहि आगिक कुण्ड
मे होयतैक जे गन्धक सँ धधकैत रहैत
अछि। यैह अछि दोसर मृत्यु।”

9तकरबाद जाहि सात स्वर्गदूत सभ
लग सातटा अन्तिम विपत्ति सँ भरल
सात कटोरा छलनि, तिनका सभ मे सँ
एक गोटे हमरा लग आबि कऽ कहलनि,
“एतऽ आउ, हम अहाँ केँ दुल्हिन, अर्थात्
बलि-भेँड़ाक स्त्रीक दर्शन करायब।”
10तखन ओ हमरा प्रभुक आत्माक
नियन्त्रण मे राखि कऽ एक विशाल आ
उँचगर पहाड़ पर लऽ जा कऽ पवित्र
नगर, अर्थात् यरूशलेम, देखौलनि। ओ

20:13 मूल मे, “मृत्यु आ ‘हेडीस’ ”, अर्थात्, “मृत्यु आ मरल सभक वास-स्थान”, तहिना पद 14 मे सेहो। **21:6** “अल्फा और ओमेगा”—यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नगर परमेश्वर लग सँ स्वर्ग सँ उतरि
रहल छल। 11ओ परमेश्वरक महिमाक
तेज सँ प्रकाशित छल आ बहुमूल्य
पाथरक समान, सूर्यकान्त वा आर-पार
देखाय वला सीसा जकाँ चमकि रहल
छल। 12ओकर चारू कात एक पैघ
आ उँचगर छहरदेवाली छल जाहि मे
बारहटा फाटक छल आ प्रत्येक फाटक
पर एक-एकटा स्वर्गदूत ठाढ़ छलाह।
सभ फाटक पर इस्राएलक बारहो कुल
मे सँ एक-एक कुलक नाम लिखल छल।
13पूब दिस तीन फाटक, उत्तर दिस
तीन फाटक, दक्षिण दिस तीन फाटक
आ पश्चिम दिस तीन फाटक छल।
14नगरक छहरदेवाली बारहटा न्योक
पाथर पर बनाओल गेल छल जाहि पर
बलि-भेँड़ाक बारहो मसीह-दूतक नाम
लिखल छल।

15 जे स्वर्गदूत हमरा सँ बात कऽ रहल
छलाह तिनका लग नगर आ ओकर
फाटक सभ आ नगरक छहरदेवाली केँ
नपबाक लेल सोनाक एकटा नापऽ वला
लग्गा छलनि। 16नगर चौखूट छल।
ओकर लम्बाइ आ चौराइ बराबरि छल।
ओ लग्गा सँ नगर केँ जखन नपलनि
तँ ओकर लम्बाइ 800 कोस* भेल।
ओकर लम्बाइ, चौराइ आ उँचाइ एके
रंग छलैक। 17नगरक छहरदेवाली केँ
जखन नपलनि, तँ ओकर मोटाइ* मनुष्य
सभक नापक अनुसार, जे नाप स्वर्गदूत
सेहो प्रयोग कयलनि, 144 हाथ भेल।
18नगरक छहरदेवाली सूर्यकान्त पाथर
सँ बनल छल, आ नगर शुद्ध सोन सँ
बनल छल, जे साफ सीसा जकाँ आर-
पार देखाइ दैत छल। 19ओहि नगरक न्यो
हर प्रकारक बहुमूल्य पाथर सँ सुसज्जित
छल। न्योक पहिल पाथर सूर्यकान्तक,
दोसर नीलमक, तेसर गोदन्तीक, चारिम
मरकतक, 20पाँचम सुलेमानीक, छठम
गोमेदक, सातम स्वर्णमणिक, आठम
पेरोजक, नवम पुखराजक, दसम
लहसनियांक, एगारहम धूम्रकान्तक आ
बारहम चन्द्रकान्तक छल। 21बारहो
फाटक बारह मोती सँ बनल छल। प्रत्येक
फाटक एक-एकटा मोतीक बनल छल।
ओहि नगरक मुख्य सड़क आर-पार
देखाय वला सीसा जकाँ शुद्ध सोन सँ
बनल छल।

22 हम ओहि नगर मे कोनो मन्दिर नहि
देखलहुँ, किएक तँ सर्वशक्तिमान प्रभु
परमेश्वर आ बलि-भेँड़ा ओकर मन्दिर
छथि। 23नगर मे सूर्य आ चन्द्रमाक
प्रकाशक आवश्यकता नहि अछि, किएक
तँ परमेश्वरक महिमाक तेज ओकर
इजोत होइत अछि आ बलि-भेँड़ा ओकर
डिबिया छथि। 24जाति-जातिक लोक सभ
नगरक इजोत मे चलत आ पृथ्वीक राजा
सभ अपन वैभव केँ ओहि मे लाओत।
25नगरक फाटक कखनो दिन मे बन्द
नहि कयल जायत आ राति ओतऽ होयबे
नहि करत। 26ओहि नगर मे जाति-जातिक
लोक सभक वैभव आ सम्मान लाओल
जायत। 27मुदा कोनो अपवित्र वस्तु आ
घृणित काज कयनिहार अथवा झूठ पर
आचरण कयनिहार व्यक्ति ओहि नगर
मे प्रवेश नहि कऽ पाओत, बल्कि मात्र
ओ लोक सभ जिनकर नाम बलि-भेँड़ाक
जीवनक पुस्तक मे लिखल छनि।

21:16 मूल मे, “12,000 स्टेडिआ” **21:17** वा “उँचाइ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

22 आब ओ स्वर्गदूत हमरा
जीवन-जलक नदी देखौलनि,
जे आर-पार देखाय वला सीसाक समान
साफ छल आ जे परमेश्वर और बलि-
भेँड़ाक सिंहासन सँ निकलि कऽ, 2नगरक
मुख्य सड़कक बीच बाटे बहि रहल छल।
नदीक दूनू कात मे जीवनक गाछ छल जे
साल मे बारह बेर फड़ैत छल—हर मास
मे एक बेर।* ओहि गाछक पात जाति-
जातिक लोक सभ केँ स्वस्थता प्रदान
करबाक लेल छल।

3 ओतऽ आब कोनो सरापित बात नहि
रहत। परमेश्वरक आ बलि-भेँड़ाक सिंहासन
ओहि नगर मे रहत, आ हुनकर सेवक सभ
हुनकर आराधना करथिन। 4ओ सभ हुनकर
मुँह देखथिन आ हुनका सभक कपार पर
हुनकर नाम लिखल रहतनि। 5ओतऽ फेर
कखनो राति नहि होयत। ओकरा सभ केँ
डिबियाक इजोत वा सूर्यक प्रकाशक
आवश्यकता नहि होयतैक, किएक तँ प्रभु
परमेश्वर ओकरा सभक प्रकाश रहथिन,
आ ओ सभ युगानुयुग राज्य करैत रहताह।

6 तकरबाद स्वर्गदूत हमरा कहलनि, "ई
बात सभ सत्य अछि और एहि पर भरोसा
राखल जा सकैत अछि। प्रभु परमेश्वर, जे
अपन प्रवक्ता सभ केँ प्रेरित करैत छथि,
से अपना स्वर्गदूत केँ पठौलनि जाहि सँ
ओ अपना सेवक सभ केँ ओ घटना सभ
देखबथि जे जल्दी होमऽ वला अछि।"

प्रभु यीशु जल्दी आबऽ वला छथि

7 "देखू, हम जल्दिए आबऽ वला छी।
धन्य छथि ओ सभ, जे सभ एहि पुस्तकक
भविष्यवाणीक बात सभ केँ मानैत
छथि।"

8 हम, यूहन्ना, अपने ई बात सभ
देखलहुँ आ सुनलहुँ। ई बात सभ देखि
कऽ आ सुनि कऽ हम एहि बात सभ
केँ देखाबऽ वला स्वर्गदूतक आराधना
करबाक लेल हुनका चरण पर खसि
पड़लहुँ। 9मुदा ओ हमरा कहलनि, "एना
नहि करू! हम तँ अहाँ जकाँ आ अहाँक
भाय सभ, अर्थात्, ओ सभ जे प्रभुक
प्रवक्ता सभ छथि, तिनका सभ जकाँ आ
एहि पुस्तकक बात सभ केँ माननिहार सभ
लोक जकाँ दासे छी। अहाँ परमेश्वरेक
आराधना करू!"

10 ओ हमरा आगाँ कहलनि, "अहाँ
एहि पुस्तकक भविष्यवाणीक बात सभ
केँ गुप्त नहि राखू, किएक तँ समय
लगचिआ गेल अछि। 11जे अन्याय
करैत अछि से अन्याये करैत रहओ,
जे भ्रष्ट अछि से भ्रष्टे बनल रहओ, जे
नीक काज करैत अछि, से नीके करैत
रहओ, आ जे पवित्र अछि से पवित्रे
बनल रहओ।"

12 "देखू, हम जल्दिए आबि रहल छी।
हमरा लग प्रत्येक मनुष्य केँ ओकरा कर्मक
अनुसार देबाक लेल प्रतिफल अछि।
13हम अल्फा आ ओमेगा*, पहिल आ
अन्तिम, शुरुआत आ अन्त छी। 14धन्य
छथि ओ सभ जे अपन वस्त्र केँ धोइत
छथि। हुनका सभ केँ जीवनक गाछक
फल खयबाक और नगर मे जयबाक
लेल फाटक सभ बाटे प्रवेश करबाक
अधिकार भेटतनि। 15मुदा 'कुकुर',

22:2 वा, "जीवनक गाछ छल जाहि पर बारह प्रकारक फल फड़ैत छल आ प्रत्येक मास मे फल दैत छल।" **22:13** "अल्फा और ओमेगा"—यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जादू-टोना कयनिहार, अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध रखनिहार, हत्यारा, मुरुतक पूजा कयनिहार, आ असत्य सँ प्रेम कयनिहार और ओहि पर आचरण कयनिहार बाहरे रहि जायत।

16 “हम, यीशु, स्वयं अपना स्वर्गदूत केँ पठौने छी जाहि सँ ओ अहाँ सभ केँ एहि बात सभक गवाही देथि, आ अहाँ सभ मण्डली सभ केँ दी। हम दाऊद-वंशक मूल छी, दाऊदक श्रेष्ठ वंशज छी, हम भोरक चमकैत तारा छी।”

17 परमेश्वरक आत्मा आ बलि-भेँड़ाक दुल्हिन कहैत छथि, “आउ!” जे सभ सुनैत अछि सेहो सभ कहओ, “आउ!”

जे पियासल होअय, से आबओ। जे चाहैत होअय, से बिनु मूल्य दऽ कऽ जीवन-जल प्राप्त करओ।

18 जे लोक सभ एहि पुस्तकक भविष्यवाणीक बात सभ सुनैत अछि, हम तकरा सभ केँ ई चेतावनी दैत छिऐक जे, “जँ केओ एहि मे किछु जोड़त तँ परमेश्वर एहि पुस्तक मे लिखल विपत्ति सभ ओकरा जीवन मे जोड़ि देथिन।
19 और जँ केओ भविष्यवाणीक एहि पुस्तकक बात सभ मे सँ कोनो बात हटा देत, तँ परमेश्वर जीवनक गाछ आ पवित्र नगर, जाहि सभक वर्णन एहि पुस्तक मे कयल गेल, ताहि मे सँ ओकर हिस्सा हटा देथिन।”

20 जे एहि बात सभक गवाही दऽ रहल छथि, से ई कहैत छथि, “हँ, हम जल्दी आबऽ वला छी।”

आमीन! हे प्रभु यीशु, आउ!

21 प्रभु यीशुक कृपा अहाँ सभ गोटे पर* बनल रहय। आमीन।

22:21 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, “प्रभु यीशुक कृपा परमेश्वरक लोक पर”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

शब्द परिचय

अन्यजातिक, आन जातिक लोक – गैर-यहूदी, अर्थात् जे यहूदी जातिक नहि अछि। ("यहूदी" शब्द केँ देखू।)

अब्राहम – इस्राएली वा यहूदी सभक मूल पुर्खा, जे करीब दू हजार वर्ष ईसा-पूर्व जीबैत छलाह। हुनका परमेश्वर आज्ञा देलथिन जे, "तोँ अपन देश छोड़ि ओहि देश मे जाह जे हम तोरा देखयबह। ओ देश तोरा आ तोहर वंश केँ हम देबह।" (उत्पत्ति 12:1) अब्राहम आज्ञा मानि विदा भेलाह और ओहि देश मे पहुँचलाह। ओ देश एखन इस्राएल कहबैत अछि।

परमेश्वर अब्राहमक संग एकटा विशेष सम्बन्ध स्थापित कऽ कऽ हुनका आरो-आरो वचन देलथिन आ कहलथिन जे, "तोहर वंश केँ हम बहुत बढ़यबह, आ पृथ्वीक सभ जातिक लोक तोरा द्वारा आशिष पाओत।"(उत्पत्ति 12:2,3) जाहि समय मे परमेश्वर अब्राहम केँ वंशजक विषय मे वचन देलनि, ताहि समय मे अब्राहम निसन्तान छलाह। तैयो अब्राहम परमेश्वरक वचन पर पूरा विश्वास कयलनि, जाहि विश्वासक आधार पर ओ परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक ठहराओल गेलाह। (उत्पत्ति 15:6, रोमी 4:3) बाद मे अब्राहम जखन सय वर्षक छलाह आ हुनकर स्त्री सारा करीब नब्बे वर्षक, तखन प्रभुक वचनक अनुसार हुनका सभ केँ एक पुत्र भेलनि, जिनकर ओ सभ "इसहाक" नाम रखलनि।

इसहाक जखन युवक भऽ गेल छलाह तखन एक बेर परमेश्वर अब्राहमक भक्ति जँचैत हुनका इसहाकक बलि करबाक लेल आज्ञा देलथिन्ह। अस्वीकार नहि करैत अब्राहम अपन प्रिय पुत्र केँ बलि चढ़यबाक लेल एक पहाड़ पर लऽ गेलाह। जखने ओ इसहाक केँ बलि करबाक लेल हाँसु उठौलनि तखने परमेश्वर स्वर्ग सँ बाजि हुनका रोकैत कहलथिन जे, "बच्चाक दिस हाथ नहि बढ़ाबह और ओकरा किछु नहि करहक। आब हम जानि गेलहुँ जे तोँ परमेश्वर केँ सभ सँ बढ़ि कऽ मानैत छह और हुनकर सभ आज्ञा केँ मानऽ लेल तैयार छह। तोँ अपन पुत्र, अपन एकमात्र पुत्र केँ हमरा अर्पण करऽ सँ अस्वीकार नहि कयलह।" एतेक कहलाक बाद प्रभु तुरत एक भेंड़ाक प्रबन्ध कऽ देलनि जकरा अब्राहम इसहाकक बदला मे प्रभुक लेल अग्नि-बलिदानक रूप मे बलि चढ़ौलनि। (उत्पत्ति 22:1-9)

बहुत वर्षक बाद परमेश्वरक एकलौता पुत्र प्रभु यीशु मसीह हुनके वंश मे जन्म लेलनि आ पृथ्वीक सभ जातिक उद्धारकर्ता भऽ आशिषक स्रोत बनलाह। एहि तरहेँ अब्राहम

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

कैँ परमेश्वरक कहल बात जे “पृथ्वीक सभ जातिक लोक तोरा द्वारा आशिष पाओत” पूरा होइत अछि।

अभिषेक – प्राचिन काल मे परमेश्वरक आज्ञानुसार यहूदी समाज मे तीन तरहक लोक–राजा, पुरोहित आ परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि–अभिषिक्त कयल जाइत छलाह, अर्थात्, ओ लोक सभ जखन अपना काजक लेल नियुक्त होइत छलाह, तँ विधिक संग हुनका सभक माथ पर तेल ढारल जाइत छलनि, एहि बातक चिन्ह स्वरूप जे परमेश्वरे द्वारा ई व्यक्ति विशेष काजक लेल नियुक्त कयल जा रहल छथि। तहिना परमेश्वरक सेवाक वास्ते अर्पित वस्तु सभक सेहो तेल ढारि कऽ अभिषेक कयल जाइत छल।

नया नियम मे जखन अभिषेकक विषय अबैत अछि तँ भौतकि रूप मे तेलक कोनो चर्चा नहि, मुदा तैयो एहि शब्दक अर्थ अछि किनको विशेष काजक लेल चुनब, नियुक्त करब, आ संगहि, ओहि काज कैँ पूरा करबाक लेल क्षमता देब। 1 यूहन्ना 2:20-27 सँ स्पष्ट होइत अछि जे ई “क्षमता” स्वयं परमेश्वरक पवित्र आत्मा छथि, जिनका परमेश्वर अपन लोक मे वास करबाक लेल दैत छथिन। (यूहन्ना 16:5-15 कैँ सेहो देखू।)

आदम – सृष्टिक पहिल मनुष्य, जिनका परमेश्वर माटि सँ बनौलनि। इब्रानी भाषा मे “आदम”क अर्थ अछि “मनुष्य” वा “आदमी”। परमेश्वर आदम कैँ बनौलाक बाद एकटा स्त्रीगण, हव्वा, कैँ सेहो बनौलनि। (उत्पत्ति 1:27-31) परमेश्वर जखन हुनका सभक सृष्टि कयलनि तँ हुनका सभ मे कोनो त्रुटी वा पाप नहि छल, मुदा ओ सभ परमेश्वरक आज्ञा तोड़ि पापी बनि गेलाह। (उत्पत्ति 3:1-24) फलस्वरूप, हुनका सभक सभ सन्तान, अर्थात् सम्पूर्ण मनुष्य-जाति, पापी अछि। प्रभु यीश मसीह जिनकर जन्म परमेश्वरक आत्माक शक्ति सँ कुमारि कन्य द्वारा भेलनि, एकेटा यैह मनुष्य निष्पाप भेलाह।

1 कोरिन्थी 15:45 मे प्रभु यीशु मसीह कैँ “अन्तिम आदम” कहल गेलनि। सभ मनुष्य सारीरिक रूप सँ पहिल आदमक सन्तान भऽ कऽ पापी स्वभावक अछि आ मृत्युक अधीन मे अछि, मुदा जे सभ प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कऽ कऽ परमेश्वरक सन्तान बनैत अछि, से सभ यीशु मसीह सँ नव स्वभाव और अनन्त जीवन पबैत अछि। (रोमी 5:11-21)

आमीन – इब्रानी भाषाक एक शब्द जकर अर्थ अछि “एहिना होअय”, वा “हँ, ई सत्य अछि”। प्रायः प्रार्थना करैत समय मे एहि शब्दक प्रयोग होइत अछि।

इब्रानी – (1) अब्राहमक वंशज सभक लेल एक नाम (उत्पत्ति 14:13, 39:14, प्रस्थान 2:11) (2) यहूदी सभक भाषा।

इसहाक – अब्राहम आ साराक पुत्र, जिनकर जन्म ओहि वचनक अनुसार भेलनि जे परमेश्वर अब्राहम कैँ देने रहथिन। (उत्पत्ति 17:15-21, 21:1-7) ओ याकूब और एसावक पिता छलाह। (“अब्राहम” शब्द कैँ सेहो देखू।)

इस्राएल – इसहाकक पुत्र और अब्राहमक पोता याकूबक दोसर नाम, जिनका नाम पर हुनकर समस्त वंशज “इस्राएली” कहबैत अछि, आ जिनका नाम पर ओहि देशक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नाम “इस्राएल” राखल गेल जे देश परमेश्वर हुनका सभ केँ देलथिन। पहिने ओकर नाम कनान रहैक। (उत्पत्ति 32:22-32) (“याकूब” शब्द केँ सेहो देखू।)

एलियाह – परमेश्वरक एकटा महान् प्रवक्ता, जे करीब 900 वर्ष ईसा-पूर्व मे छलाह। (1 राजा 17-21, 2 राजा 1,2)

बहुत वर्षक बाद परमेश्वर अपन अन्य प्रवक्ता द्वारा स्पष्ट कयलनि जे, आबऽ वला उद्धारकर्ता-मसीहक आगमन सँ पहिने एलियाह फेर प्रगट होयताह। (मलाकी 4:5) (मत्ती 17:1-13, मरकुस 9:9-13, लूका 1:17)

कनान – ओहि देशक नाम जकरा बारे मे परमेश्वर अब्राहम केँ वचन देलनि जे, ई देश हम तोरा वंश केँ देबह। (उत्पत्ति 12:5-7) बाद मे ओकर नाम इस्राएल भऽ गेल।

काइन – आदम और हव्वाक पहिल सन्तान। ओ अपन भाय हाबिलक हत्या कयलक। (उत्पत्ति 4) (1 यूहन्ना 3:12) (“हाबिल” शब्द केँ सेहो देखू।)

क्रूस – रोमी सम्राज्य मे कष्टपूर्ण मृत्युदण्ड देबाक माध्यम। दूटा लकड़ी केँ जोड़ि कऽ ओहि पर अपराधी केँ सुता कऽ आ हाथ-पयर मे काँटी ठोकि कऽ वा रस्सी सँ बान्हि कऽ, राखल जाइत छल। तखन ओहि जोड़ल लकड़ी केँ, अर्थात् क्रूस केँ, एकटा दरी मे गाड़ि कऽ ठाढ़ कयल जाइत छल, जाहि सँ ओहि पर आदमी लटकले रहय। एहि तरहेँ बहुत काल धरि कष्ट सहैत ओकर प्राण छुटैत छलैक।

खतनाक विधि – यहूदी सभ प्रत्येक नव जन्मल बालक केँ आठम दिन मे खतनाक विधि करैत अछि। (लूका 1:59-63) एहि विधि मे बालकक लिंग मेहक कनेक चमरा काटल जाइत अछि। जाहि समय मे परमेश्वर अब्राहम केँ वचन दऽ कऽ हुनका संग एक विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि, ताहि समय मे ओ हुनका खतनाक विधि करबाक आज्ञा सेहो देलथिन,जे शरीर मे ओहि वचन पर आधारित विशेष सम्बन्धक चिन्ह रहय। (उत्पत्ति 17) एहि तरहेँ प्रत्येक यहूदी पुरुषक शरीर मे ई चिन्ह रहैत छल। जे केओ यहूदी परिवार मे जन्मल नहि छल आ यहूदी धर्म केँ अपनाबऽ चाहैत छल, तकरो खतना कराबऽ पड़ैत छलैक। एहि कारणेँ यहूदी सभ केँ “खतना कराबऽ वला सभ” सेहो कहल जाइत छल।

प्रभु यीशु मसीहक शिष्य सभ जखन गैर-यहूदी सभ केँ शुभ समाचारक प्रचार करऽ लगलाह, तखन किछु यहूदी धर्मगुरु सभक कथन ई छल जे उद्धार पयबाक लेल खतना करौनाइ आवश्यक अछि, मुदा मसीह-दूत पौलुस अपना लेख सभ मे (उदाहरणक लेल रोमी, गलाती इत्यादि वला पत्र सभ मे) स्पष्ट करैत छथि जे, “मसीह यीशुक संग जे सम्बन्ध अछि ताहि विषय मे ककरो खतना भेल छैक वा नहि भेल छैक, तकर कोनो महत्व नहि होइत अछि। महत्व अछि मात्र विश्वासक जे प्रेम द्वारा क्रियाशील होइत अछि” (गलाती 5:6), और “हम सभ जनैत छी जे कोनो मनुष्य यहूदी सभक धर्म-नियमक कर्म-काण्ड द्वारा नहि, बल्कि मसीह यीशु पर विश्वास कयला सँ परमेश्वरक नजरि मे धार्मिक ठहरैत अछि।” (गलाती 2:16)

खमीर – रोटी फुलाबऽ वला एक तत्व, जे एहि तरहेँ बनाओल जाइत अछि–सानल आँटा (गहुम, जौ, वा कोनो अन्नक) खट्टा होयबाक लेल राखि देल जाइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

तकरबाद दू-तीन दिन मे रोटी बनाबऽ काल मे ओहि खट्टा भेल सानल आँटा केँ नया आँटाक साथ पानि मे सानल जाइत अछि। ई कयला सँ सानल आँटा फुलि जाइत अछि। कनेके खमीर मिलयला सँ बहुते सानल आँटा फुलाओल जा सकैत अछि।

ख्रिष्ट – "मसीह" शब्द केँ देखू। मसीह (इब्रानी भाषा) और ख्रिष्ट (यूनानी भाषा), दुनू शब्दक अर्थ एके अछि, अर्थात्, "अभिषिक्त कयल" वा "विशेष काजक लेल चुनल गेल"। (अंग्रेजी भाषा मे "ख्रिष्ट" केँ "क्राइस्ट" (Christ) कहल जाइत अछि।) (यूहन्ना 4:25)

गैर-यहूदी – जे यहूदी जातिक नहि अछि। ("यहूदी" शब्द केँ देखू।)

जिब्राएल – परमेश्वरक एकटा मुख्य स्वर्गदूत। (लूका 1:19)

दाऊद – इस्राएलक सभ सँ पैघ राजा, जे करीब 1000 वर्ष ईसा-पूर्व मे छलाह। परमेश्वरक संग दाऊद केँ निकट सम्बन्ध रहनि, आ ओ हुनकर प्रशंसा मे बहुतो गीत लिखलनि जे बाइबलक पहिल भागक "भजन-संग्रह" नामक पुस्तक मे पाओल जाइत अछि।

परमेश्वर दाऊद केँ वचन देलथिन जे, "तोहर वंश और तोहर राज्य हमरा सम्मुख सदा काल तक रहतह। तोहर सिंहासन सर्वदा अटल रहतह।" (2 शमूएल 7:16) ई बात मात्र पृथ्वी परक कोनो राज्य सँ सम्बन्ध नहि रखैत छल, बल्कि दाऊदक एक विशेष वंशज सँ जे सदा काल तक राज्य करऽ वला होइतथि, अर्थात्, उद्धारकर्ता-मसीह। तेँ उद्धारकर्ता-मसीह, जिनकर बाट यहूदी सभ कतेको पुस्त सँ तकैत छल, तिनका "दाऊदक पुत्र" वला नाम सँ सेहो सम्बोधित कयल जाइत छलनि। ओ उद्धारकर्ता-मसीह दाऊद सँ करीब 1000 वर्षक बाद दाऊदक वंश मे जन्म लेलनि, अर्थात् प्रभु यीशु मसीह। हुनके मे दाऊद केँ देल गेल वचन पुरा होइत अछि। (मत्ती 12:23, 21:9, लूका 18:38)

दुष्टात्मा – शैतानक दूत। "शैतान" शब्द केँ देखू।

धर्म-नियम – बाइबलक पहिल पाँच पुस्तक केँ "धर्म-नियम" कहल जाइत अछि। ओहि मे परमेश्वर जे नियम सभ मूसाक माध्यम सँ अपना लोक केँ देलथिन, से सभ पाओल जाइत अछि। संगहि मनुष्य जाति और इस्राएली (यहूदी) सभक प्राचीन इतिहास सेहो पाओल जाइत अछि। ("मूसा" शब्द केँ देखू।)

धर्म-महासभा – यहूदी धर्मक सर्वोच्च धार्मिक न्यायालय, जाहि मे सत्तरि सदस्य रहथि। ओ सभ मुख्य-पुरोहित, बूढ़-प्रतिष्ठित आ धर्म-शिक्षक सभ छलाह। महापुरोहित ओकर अध्यक्ष छलाह। ई धर्म-महासभा मात्र धार्मिके बात सभक नहि, बल्कि सरकारी आ कानूनी बात सभक सेहो फैसला करैत छल। मुदा ककरो मृत्युदण्ड देब, तकर अधिकार धर्म-महासभा केँ नहि छलैक। (मत्ती 26:59-60, मसीह-दूत 22:30)

धर्मशास्त्र – बाइबल पुस्तक केँ कहल जाइत अछि, जे दू भाग मे अछि– पहिल भाग "पुरान नियम" और दोसर भाग "नया नियम"। "पुरान नियम" प्रभु यीशु मसीहक समय सँ पहिने लिखल गेल, आ "नया नियम" हुनकर समयक बाद। विशेष काल जखन नया नियम मे "धर्मशास्त्र"क चर्चा होइत अछि, तँ ओकर अर्थ "पुरान नियम",

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अर्थात् पहिल भाग होइत अछि। (लूका 24:27) बाइबल मे लिखल अछि जे “सम्पूर्ण धर्मशास्त्र परमेश्वरक प्रेरणा द्वारा रचल गेल अछि।” (2 तिमुथियुस 3:16)

नूह – प्राचीन काल मे परमेश्वर कें माननिहार एक व्यक्ति (उत्पत्ति 6-9)। ओहि समय मे पृथ्वी पाप और हिंसा सँ भरि गेल छल, आ तेँ परमेश्वर सम्पूर्ण मानव-जाति आ जीव-जन्तुओ कें जल-प्रलय द्वारा नष्ट करबाक निर्णय कयलनि, मुदा जाहि सँ नूह और हुनकर परिवार बाँचि सकथि, ताहि लेल ओ नूह कें जहाज बनयबाक आज्ञा देलथिन। नूह परमेश्वरक बात मानलनि, और परमेश्वरक आज्ञाक अनुसार ओ अपन स्त्री, तीनू बेटा-पुतोहु,और पृथ्वीक सभ जीव-जन्तु सभ मे सँ एक-एक जोड़ी कें (कोनो-कोनो जानबरक सात-सात जोड़ी कें) लऽ कऽ जहाज मे प्रवेश कयलनि और ओहि भीषण जल-प्रलय सँ बचलाह। आरो सभ लोक डूबि कऽ मरि गेल।

परमेश्वरक प्रवक्ता – परमेश्वर सँ पाओल सम्बाद सुनाबऽ वला व्यक्ति। परमेश्वर स्वयं अपना प्रवक्ता सभ कें बात सभ देखा कऽ वा सुना कऽ लोक कें सुनयबाक लेल पठौलनि। कतेको बेर परमेश्वर हुनका सभ कें ई बात सभ लिखि लेबाक लेल आदेश सेहो देलनि। पुरान नियमक बहुते पुस्तक मे परमेश्वरक प्रवक्ता सभक लेख अछि, जाहि पुस्तकक नाम ओहि प्रवक्ताक नाम पर राखल गेल, जेना कि यशायाह, यर्मियाह, योएल, इत्यादि। प्रभु यीशु मसीह कें आबऽ सँ पहिने परमेश्वर अपन प्रवक्ता सभ द्वारा मसीहक जन्म, काज, मृत्यु, जीबि उठनाइ, और राज्यक सम्बन्ध मे कतेको बातक जानकारी देलनि। तहिना भविष्य मे होमऽ वला आरो-आरो घटना सभक सम्बन्ध मे, जेना संसारक अन्तक समय मे आ प्रभु यीशु मसीहक दोसर आगमन सँ पहिने की सभ होयत, सेहो परमेश्वर अपन प्रवक्ता सभ द्वारा प्रगट कयलनि।

नया नियम मे सेहो एहि बातक चर्चा अछि जे परमेश्वर अपन पवित्र आत्मा द्वारा जे अलग-अलग वरदान सभ अपना लोक कें दैत छथिन, ताहि मे हुनकर प्रवक्ता होयबाक (वा हुनका सँ सम्बाद पयबाक आ सुनयबाक) वरदान सेहो एकटा अछि। अर्थात्, परमेश्वर जिनका चाहैत छथि, तिनका ओ विशेष सम्बाद दैत छथि, जाहि सँ ओहि सम्बाद सभ द्वारा मण्डलीक आत्मिक वृद्धि होअय।

परमेश्वरक राज्य – बाइबलक पुरान नियम मे विभिन्न स्थान मे ई बात पाओल जाइत अछि जे, “परमेश्वर विराजमान छथि (वा, राज्य करैत छथि, वा, सिंहासन पर विराजमान)।” ओ राजा छथि। ओ सम्पूर्ण विश्व पर राज्य करैत छथि। तैयो स्पष्ट अछि जे एहि संसार मे पाप और दुष्टता सेहो होइत अछि तथा परमेश्वरक दुश्मन सेहो छनि। पुरान नियमक समय मे परमेश्वर एक तेहन राजा पठयबाक वचन देलनि जे अनन्त काल धरि न्याय और शान्ति सँ राज्य करताह। यहूदी सभ एहि राजाक बाट तकैत छल।

यीशु जखन अयलाह, तँ प्रचार कयलनि जे, “परमेश्वरक राज्य (वा, स्वर्गक राज्य) अहाँ सभक लग मे आबि गेल अछि। अपना पापक लेल पश्चाताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू और शुभ समाचार पर विश्वास करू।” (मत्ती 4:17) “राज्य” शब्द सँ हुनकर कहबाक तात्पर्य कोनो विशेष जगह वा राजनितिक राष्ट्र नहि छलनि, बल्कि

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वर आ मनुष्यक बीच एक नव सम्बन्ध, जाहि मे परमेश्वर विशेष रूप सँ राजा होथि, जाहि मे व्यक्ति अपना कैँ परमेश्वर कैँ सौंपि हुनके इच्छानुरूप जीवन बिताबय। ई नव सम्बन्ध प्रभु यीशुक मृत्यु और जीबि उठनाइक द्वारा स्थापित भेल, आ जे केओ प्रभु यीशु पर विश्वास करैत अछि, से परमेश्वरक राज्य मे प्रवेश करैत अछि। ओकरा और परमेश्वरक बीच एक नव सम्बन्ध स्थापित होइत अछि। एहि दृष्टिकोण सँ परमेश्वरक राज्य एखनो एहि युग मे शुरू भेल अछि, मुदा दोसर दृष्टिकोण सँ ओ अनन्त कालीन राज्य, जे धार्मिकता और शान्तिक राज्य होयत, से भविष्ये मे स्थापित होयत। यीशु जखन दोसर बेर औताह, तखन ओ परमेश्वरक राज्य पूर्ण रूप सँ स्थापित करताह–सदा कालक लेल पाप कैँ नष्ट करताह, दुःख आ मृत्यु कैँ समाप्त करताह, आ सम्पूर्ण सृष्टि नव सँ बनौताह। मुदा तहियो, जहिना एखन अछि, मात्र ओ लोक सभ जे प्रभु यीशु कैँ अपन राजाक रूप मे स्वीकार करैत अछि, सैह सभ ओहि राज्य मे सहभागी होयत।

यीशुक समय मे बहुतो यहूदी सोचैत छल जे परमेश्वरक पठाओल राजा (“मशिआख”) जखन औताह, तँ इस्राएल सँ रोमी सभ कैँ भगा कऽ यहूदी सभ कैँ स्वतन्त्रता दिऔथिन, आ सांसारिक राज्य स्थापित करताह, मुदा यीशु अपना शिक्षा मे स्पष्ट कयलनि जे, “परमेश्वरक राज्य” कोनो सांसारिक वा राजनितिक राज्य नहि अछि। (“मसीह” शब्द कैँ सेहो देखू।)

पवित्र आत्मा – परमेश्वरक आत्मा। बाइबलक सिद्धान्त अछि जे परमेश्वर त्रिएक परमेश्वर छथि, अर्थात् एक होइतो तीन छथि, वा तीन होइतो एक छथि। ओहि मे पिता, पुत्र (प्रभु यीशु मसीह) और पवित्र आत्मा छथि। जे केओ पुत्र पर विश्वास करैत अछि तकरा मे वास करबाक लेल पिता अपन पवित्र आत्मा दैत छथिन। जकरा मे पवित्र आत्मा वास करैत छथि, तकरा ओ सत्य कैँ बुझबाक क्षमता दैत छथिन, अगुवाइ करैत छथिन, आ परमेश्वरक इच्छाक अनुसार हुनका पसिन पड़ऽ वला जीवन बितयबाक शक्ति दैत छथिन। ओ विश्वासी सभ कैँ अलग-अलग विशेष वरदान सभ सेहो दैत छथिन, अर्थात् अलग-अलग काज करबाक लेल विशेष क्षमता, जाहि सँ ओहि सभक द्वारा मसीही मण्डली मजबूत कयल जा सकय। (यूहन्ना 14:16-17, 15:26, 1 कोरिन्थी 12:1-11)

पाबनि, पेन्तेकुस्त – यहूदी सभक एक पाबनि। “पेन्तेकुस्त”क शाब्दिक अर्थ अछि “पचास”। फसह पाबनिक पचास दिनक बाद (लगभग जेठ मास मे) नव फसील पयबाक खुशी मे ई पाबनि मनाओल जाइत छल। (लेवी 23:15-21)

मसीह-दूत सभक काज वला पुस्तकक दोसर अध्याय मे एहि बातक वर्णन कयल गेल अछि जे पेन्तेकुस्त पाबनिक समय मे परमेश्वर कोना पवित्र आत्मा कैँ विश्वासी सभ मे वास करबाक लेल पठौलथिन।

पाबनि, फसह – यहूदी सभक एक पाबनि, जाहि मे भेँड़ाक बलि कयल जाइत अछि। मिस्र देशक गुलामी सँ छुटकारा पयबाक स्मरण मे परमेश्वरक आज्ञाक अनुसार प्रत्येक साल मनाओल जाइत छल। (प्रस्थान 12:1-14)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पाबनि, बिनु खमीरक रोटी वला – यहूदी सभक एक पाबनि। मिस्र देशक गुलामी सँ बहराइत काल यहूदी सभक पुरखा लोकनि केँ समयक अभावक कारणेँ जे बिनु खमीर मिलाओल रोटी खाय पड़लनि तकरे स्मरण मे ई पाबनि फसह पाबनिक संग मनाओल जाइत छल। (प्रस्थान 12:15-20)

पेन्तेकुस्त – "पाबनि, पेन्तेकुस्त" केँ देखू।

प्रभु-भोज – यीशु द्वारा स्थापित कयल प्रथा, जाहि मे विश्वासी सभ मिलि कऽ रोटी केँ टुकड़ी-टुकड़ी तोड़ि कऽ कनेक-कनेक खाइत छथि और अंगूरक रस पिबैत छथि, एहि बातक स्मरण मे जे कोना हमरा लोकनिक लेल प्रभु यीशुक देह तोड़ल गेलनि आ खून बहाओल गेलनि। (मत्ती 26:26-29; मरकुस 14:22-25; लूका 22:14-23; 1 कोरिन्थी 11:23-32)

फरिसी – यहूदी जाति मे एक बहुत प्रतिष्ठित समूह, जे निष्ठापूर्वक मूसाक धर्म-नियम केँ पालन करैत छलाह और लोक सभ केँ धर्म-नियमक बात सिखबैत छलाह। फरिसी सभ धर्म-नियम मे जे बात नहिओ लिखल छल तेहनो नियम सभ अपना दिस सँ जोड़ि कऽ लागू कयने छलाह। अधिकांश फरिसी सभ यीशुक विरोध कयलनि आ हुनका जान सँ मारबाक षड़यन्त्र रचलनि।

फसह – "पाबनि, फसह" केँ देखू।

बपतिस्मा – एकटा विधि जे पानि सँ कयल जाइत अछि। "बपतिस्मा" शब्द यूनानी भाषाक शब्द अछि जकर मुख्य अर्थ अछि "डुबायब" वा "डुबी मारब"। ई विधि ओहि लोकक संग कयल जाइत छल जे सभ अपना पापक लेल पश्चाताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन कयने छल। (मरकुस 1:4,5) प्रभु यीशुक जीबि उठनाइक बाद बपतिस्माक अभिप्राय पापक लेल पश्चातापे पर संकेत नहि करैत छल, बल्कि एहू पर जे बपतिस्मा लेनिहार व्यक्ति प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कऽ लेने अछि। उद्धारकर्ताक रूप मे प्रभु यीशु पर विश्वास कयनिहार लोक बपतिस्मा लेथि, से बात ओहि आज्ञाक अनुसार अछि जे प्रभु यीशु स्वयं स्वर्ग मे उठाओल जाय सँ पहिने अपना शिष्य सभ केँ देलनि। (मत्ती 28:19,20) (मसीह-दूत 2:38, 8:12 केँ सेहो देखू।)

बिनु खमीरक रोटी वला पाबनि – "पाबनि, बिनु खमीरक रोटी वला" केँ देखू।

भजन-संग्रह – बाइबलक पुरान नियमक भाग मे एक पुस्तक, जाहि मे अलग-अलग लेखक अपन मनक बात–परमेश्वरक स्तुति-प्रशंसा, आनन्द-उदासी, दुःख-सुख, प्रार्थना इत्यादि व्यक्त कयने छथि। एहि भजन सभ मे सँ बहुतो राजा दाऊद द्वारा लिखल गेल। ("दाऊद" शब्द केँ देखू।)

मनुष्य-पुत्र – प्रभु यीशु मसीह कतेको बेर अपना केँ "मनुष्य-पुत्र" कहैत छलाह। "मनुष्य-पुत्र" वला नाम पुरान नियम मे दानिएलक लेख मे पाओल जाइत अछि। (दानिएल परमेश्वरक एक प्रवक्ता छलाह जे करीब 600 वर्ष ईसा-पुर्ब मे रहैत छलाह।) दानिएल परमेश्वर द्वारा देखाओल दृश्य मे मेघ पर अबैत किनको देखलनि "जे मनुष्य-पुत्र जकाँ लगैत छलाह", जिनका शक्ति, महिमा और राज्य करबाक अधिकार देल गेलनि। सभ राष्ट्रक, जातिक आ भाषाक लोक एहि मनुष्य-पुत्रक आराधना कयलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

हिनकर राज्य अनन्त काल तक अटल रहत। (दानिएल 7:13,14) प्रभु यीशु जखन अपना लेल "मनुष्य-पुत्र" वला नाम प्रयोग कयलनि तँ संकेत करैत छलाह जे, हम ओ आबऽ वला राजा छी (अर्थात् "मशिआख"–"मसीह" शब्द कँे देखू), मुदा अधिकांश लोक एहि बात कँे नहि बुझलक। प्रभु यीशु ई बात स्पष्ट कयलनि जे मनुष्य-पुत्र "हेरायल सभ कँे तकबाक लेल और ओकरा सभक उद्धार करबाक लेल" (लूका 19:10), "[क्रूस पर] ऊपर लटकाओल जयबाक लेल" (यूहन्ना 3:14,15), और "बहुतो लोकक छुटकाराक मूल्य मे अपन प्राण देबाक लेल" (मरकुस 10:45), आयल छथि। भविष्य मे मनुष्ये-पुत्र सम्पूर्ण मानव-जातिक न्याय करताह। (मत्ती 13:41-43; यूहन्ना 5:27)

मन्दिर – जाहिठाम यहूदी सभक पुरोहित लोकनि पशुक बलि चढ़बैत छलाह और धर्मशिक्षक लोकनि धर्म-नियमक शिक्षा दैत छलाह। सम्पूर्ण इस्राएल देश मे एकेटा मन्दिर रहय, जे राजधानी यरूशलेम मे छल। एकेटा एही स्थान मे यहूदी सभ पशुक बलि-प्रदान कऽ सकैत छल। (परमेश्वरक वचनक शिक्षाक लेल देश मे बहुतो सभाघर छल, मुदा बलि-प्रदानक लेल मन्दिर एकेटा रहय।) प्रत्येक वर्ष यहूदी सभ तीनटा मुख्य-मुख्य पाबनि मनयबाक लेल देशक चारू कोण सँ, और अलग-अलग देश सँ सेहो, यरूशलेमक मन्दिर अबैत छल। (मसीह-दूत 2:5-12) गैर-यहूदी लोक मन्दिरक बाहरी आँगन तक मात्र जा सकैत छल।

मन्दिर-क्षेत्र अलग-अलग भाग मे बाँटल छल–बाहरी आँगन, जाहि मे कोनो देश वा जातिक लोक आबि सकैत छल। ताहि सँ भीतर दोसर आँगन छल जाहि मे मात्र यहूदी सभ आबि सकैत छल, फेर दोसर आँगन जाहि मे यहूदी पुरुष मात्र। सभ सँ भीतर वला भाग मे मात्र पुरोहित लोकनि आबि सकैत छलाह। मन्दिरक भवन मे "पवित्र स्थान" और "परम पवित्र स्थान" छल। "परम पवित्र स्थान" मे मात्र महा-पुरोहित प्रवेश कऽ सकैत छलाह, आ सेहो साल मे एके दिन (प्रायश्चितक दिन–लेवी 16:29-34)। एक लम्बा परदा "पवित्र स्थान" कँे "परम पवित्र स्थान" सँ अलग करैत छल। प्रभु यीशु मसीह जखन मरलाह, तँ ई परदा एकाएक ऊपर सँ नीचाँ तक चिरा कऽ दू भाग मे फाटि गेल। (मत्ती 27:51, मरकुस 15:38, लूका 23:45) एहि सँ स्पष्ट भेल जे परमेश्वर आब बाट खोलि देने छथि जाहि सँ सभ मनुष्य प्रभु यीशु मसीह द्वारा परमेश्वर लग पहुँचि सकैत अछि।

मसीह – ई शब्द यहूदी सभक इब्रानी भाषा मेहक "मशिआख" शब्द सँ आयल अछि, जकरा यूनानी भाषा मे "ख्रीष्ट" कहल जाइत अछि। ओकर अर्थ अछि "अभिषिक्त कयल" वा "विशेष काजक लेल चुनल गेल"। प्राचीन काल मे परमेश्वरक आज्ञानुसार यहूदी समाज मे तीन तरहक लोक–राजा, पुरोहित आ परमेश्वरक प्रवक्ता लोकनि–अभिषिक्त कयल जाइत छलाह, अर्थात् ओ लोक सभ जखन अपना काजक लेल नियुक्त होइत छलाह, तँ विधिक संग हुनका सभक माथ पर तेल ढारल जाइत छलनि, एहि बातक चिन्ह स्वरूप जे परमेश्वरे द्वारा ई व्यक्ति विशेष काजक लेल नियुक्त कयल जा रहल छथि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यीशुक समय सँ पूर्व परमेश्वर अपना लोक केँ एहि बातक वचन बेर-बेर देलनि जे ओ एकटा उद्धारकर्ता केँ संसार मे पठौताह, जे मनुष्यक उद्धारक लेल बलि बनताह और परमेश्वरक राज्य स्थापित करताह। एहि आबऽ वला उद्धारकर्ता केँ "मसीह" कहल जाइत छलनि, आ हुनका विषय मे परमेश्वर अपना प्रवक्ता लोकनिक द्वारा बहुत बात पहिने सँ स्पष्ट कयलनि। यहूदी सभ कतेको शताब्दी तक एहि उद्धारकर्ता-मसीहक बाट तकैत रहलाह। बाइबलक "नया नियम" वला भागक लेखक सभ "पुरान नियम" मे उद्धारकर्ता-मसीहक विषय मे देल वचन आ भविष्यवाणीक प्रमाण सभ दऽ-दऽ कऽ एहि बात केँ स्पष्ट करैत छथि जे यीशुए ओ आबऽ वला उद्धारकर्ता-मसीह छथि। (मसीह-दूत 18:28)

मसीह-दूत लोकनि – (हिन्दी और नेपाली बाइबल मे "मसीह-दूत" केँ "प्रेरित" कहल गेल अछि।) यीशुक 12टा प्रमुख शिष्य सभ, जिनका ओ अपन प्रतिनिधी वा दूत होयबाक लेल नियुक्त कयलनि। (मत्ती 10:1-4, मरकुस 3:13-19, लूका 6:12-16) मरकुस 3:14,15 मे लिखल अछि जे, "यीशु बारह आदमी केँ "दूत" कहि कऽ नियुक्त कयलथिन जाहि सँ ओ सभ हुनका संग रहथि, आ जिनका ओ शुभ समाचारक प्रचार करबाक लेल आ दुष्टात्मा सभ केँ निकालबाक लेल पठा सकथि।"

बाद मे यीशु पौलुस केँ सेहो दर्शन दऽ कऽ हुनका एक मसीह-दूत होयबाक लेल नियुक्त कयलनि। तहिना नया नियम मे किछु आरो गोटे सभ छथि जिनका "मसीह-दूत" कहल जाइत छनि।

"मसीह-दूत सभक काज" वला पुस्तक मे ई देखल जा सकैत अछि जे तीनटा मुख्य क्षेत्र मे मसीह-दूत सभ केँ जवावदेही और अधिकार छलनि– 1) प्रभु यीशु मसीह मृत्यु मे सँ जीबि उठल छथि, ताहि बातक गवाही देनाइ (मसीह-दूत 1:21,22, 3:15, 13:31), 2) मसीहक शुभ समाचारक प्रचार कयनाइ और स्थानीय मसीही मण्डली सभक स्थापना कयनाइ (मसीह-दूत 5:42, 14:21-23, गलाती 2:7-9), और 3) मण्डली मे आध्यात्मिक बात सभक क्षेत्र मे, जेना ठीक शिक्षा और व्यवहारक सम्बन्ध मे, अधिकारक संग निर्णय लेनाइ। (मसीह-दूत 6:1-6, 15:2,22-23, इफसी 2:20)

मूसा – परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता जिनका यहूदी सभ बहुत पैघ मानैत छलनि। ओ करीब 1400 वर्ष ईसा-पूर्व मे छलाह। हुनका द्वारा परमेश्वर यहूदी सभ केँ, जे 430 वर्ष मिस्र देश मे गुलाम रहल छल, मुक्त करा कऽ मिस्र सँ निकालि लेलथिन। यहूदी सभ केँ मिस्र सँ बहरयलाक बाद, एक दिन परमेश्वर मूसा केँ सीनय परवत पर बजौलथिन और ओतऽ अपना लोकक लेल हुनका अनेक आज्ञा देलथिन, जाहि मे दसटा मुख्य आज्ञा छल जे परमेश्वर स्वयं पाथरक पाटी पर लिखि देलथिन। बाँकी आज्ञा सभ मूसा पहाड़ पर सँ उतरि कऽ लिखि लेलनि, जे बाइबलक पहिल पाँच पुस्तक मे पाओल जाइत अछि, आ जकरा यहूदी सभ "धर्म-नियम" वा "मूसाक धर्म-नियम" कहैत अछि। (प्रस्थान 2-20)

यर्मियाह – परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता जे करीब 600 वर्ष ईसा-पूर्व मे रहैत छलाह। ओ आबऽ वला उद्धारकर्ता-मसीहक सम्बन्ध मे बहुत भविष्यवाणी कयलनि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

यशायाह – परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता जे करीब 600 वर्ष ईसा-पूर्व मे रहैत छलाह। ओ आबऽ वला उद्धारकर्ता-मसीहक सम्बन्ध मे बहुत भविष्यवाणी कयलनि।

यहूदी – याकूबक द्वारा अब्राहमक वंशज लोकनि। (“याकूब” शब्द केँ सेहो देखू।)

याकूब – इसहाकक पुत्र और अब्राहमक पोता, जिनका परमेश्वर “इस्राएल” नाम सेहो देलथिन। हुनका एसाव नामक जौंआ-भाय छलनि जे हुनका सँ जेठ छल। मुदा परमेश्वर छोटका केँ, अर्थात् याकूब केँ, चुनि कऽ हुनके द्वारा अपन वचन जे ओ अब्राहम केँ देने रहथिन, पूरा कयलनि। याकूब केँ बारहटा पुत्र भेलनि, जे इस्राएली (वा यहूदी) सभक कुलपिता लोकनि भेलाह। एहि बारह कुलपिताक वंशज अपना वंशक अनुसार बारह कुल मे बाँटल अछि।

योना – परमेश्वरक एकटा प्रवक्ता। ओ पापक लेल पश्चाताप करबाक आ हृदय-परिवर्तन करबाक आज्ञा सुनयबाक लेल और आबऽ वला न्यायक चेतावनी देबाक लेल निनवे नगर पठाओल गेलाह, मुदा योना परमेश्वरक इच्छाक विपरीत पानि जहाज सँ विदा भऽ दोसर दिस मे भागि जयबाक कोशिश कयलनि। समुद्र मे जखन भयंकर अन्हड़-बिहाड़ि उठल, तँ योना केँ समुद्र मे फेकि देल गेलनि और एकटा बड़का माछ हुनका गीड़ि लेलकनि। ओ माछक पेट मे तीन दिन आ तीन राति पड़ल रहलाह, तखन परमेश्वरक आज्ञा पर माछ हुनका समुद्रक कछेड़ पर उगलि देलकनि। तकरबाद योना परमेश्वरक आदेश मानि निनवे नगर गेलाह और परमेश्वरक सम्बाद ओतुक्का लोक केँ सुनौलथिन। ई सभ बात पुरान नियमक “योना” नामक पुस्तक मे पाओल जाइत अछि।

लूका 11:29-32 मे यीशु जे योना सँ अपन तुलना करैत छथि, से दूटा बात पर संकेत करैत अछि (1) जहिना योना माछक पेट मे तीन दिन रहलाक बाद उगलल गेलाह, तहिना यीशु मरि कऽ तीन दिन कबरि मे रहलाक बाद जीबि उठताह, आ (2) जहिना योना निनवेक लोक केँ न्यायक सम्बाद सुनौलथिन, तहिना यीशुओ एक दिन सम्पूर्ण मानव-जातिक न्याय करताह।

लूत – अब्राहमक भतीजा। परमेश्वरक आज्ञाक अनुसार अब्राहम जखन अपना देश सँ बहरयलाह तँ हुनका संग लूत सेहो गेलाह। ओ सभ जखन ओहि देश मे पहुँचलाह जाहि देशक बारे मे परमेश्वर अब्राहम केँ वचन देने छलथिन, तँ लूत सदोम नगर मे बसलाह। मुदा सदोमक निवासी सभ भयंकर पाप सँ जकरल छल, आ तेँ परमेश्वर ओहि नगर केँ नष्ट करबाक निर्णय कयलनि। ओ अपना स्वर्गदूत द्वारा लूत केँ बचबाक लेल नगर सँ भागि जयबाक लेल समाद पठौलथिन। लूत अपन स्त्री आ दुनू बेटीक संग भागि तँ गेलाह, मुदा भगैत काल लूतक स्त्री परमेश्वरक स्पष्ट रूप सँ देल आज्ञा जे, पाछाँ घूमि कऽ नहि ताकू, तकरा उल्लंघन कऽ ठामहि नोनक खाम्ह बनि गेलीह। (उत्पत्ति 13, 19:1-29, 2 पत्रुस 2:7)

लेवी लोकनि – यरूशलेमक मन्दिर मे सेवा कयनिहार लोकनि। ई सभ बलि चढ़ौनाइ केँ छोड़ि मन्दिरक आरो काज सभ करैत छलाह। ई लोकनि याकूबक बारह पुत्र मे सँ लेवी नामक पुत्रक वंशज होयबाक कारणेँ हिनका सभ केँ “लेवी लोकनि” कहल गेलनि। (गनती 1:47-53, गनती 3-4, 18:21-32, 35:1-5)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

(यीशुक शिष्य सभ मे एक आदमी छलाह जिनकर नाम लेवी छलनि, मुदा ओ मन्दिर मे सेवा करऽ वला लेवी नहि छलाह।)

विशेष सम्बन्ध – पुरान नियम मे आ नया नियम मे, दूनू, एहि बातक चर्चा अछि जे परमेश्वर लोकक संग एक विशेष सम्बन्ध स्थापित करैत छथि। ओ एहि सम्बन्धक निचोड़ एहि शब्द मे व्यक्त करैत छथि, “हम ओकरा सभक परमेश्वर रहबैक आ ओ सभ हमर लोक रहत।” (यर्मियाह 31:33) परमेश्वर वचन दैत छथि जे, अहाँ सभ हमर अमूल्य सम्पत्ति होयब, हम अहाँ सभक लेल ई करब, वा ओ करब... और संगहि ओ स्पष्ट करैत छथि जे ओ चाहैत छथि जे तकर बदला मे लोक हुनका सँ प्रेम करय और हुनकर आज्ञा सभक पालन करय।

पुरान नियम मे परमेश्वर मुख्य विशेष सम्बन्ध अब्राहमक संग स्थापित कयलनि, जकर फलस्वरूप इस्राएली वा यहूदी जातिक स्थापना भेल। कतेको वर्षक बाद परमेश्वर सीनय पहाड़ पर मूसाक माध्यम सँ इस्राएली सभ केँ विस्तारपूर्बक अपन आज्ञा सभ दऽ कऽ हुनका सभक संग ओहि विशेष सम्बन्ध केँ आरो मजगूत कयलनि।

मुदा इतिहास और धर्मशास्त्र दूनू साक्षी अछि जे, केओ पूर्ण रूप सँ परमेश्वरक आज्ञा सभक पालन नहि कऽ सकैत अछि, आ तेँ नया नियम मे ई पाओल जाइत अछि जे परमेश्वर अपन एकमात्र पुत्र प्रभु यीशु मसीहक बलिदानक आधार पर मसीह पर विश्वास करऽ वला लोकक संग एक नव विशेष सम्बन्ध स्थापित करैत छथि।

जाहि यूनानी शब्द केँ मैथिली मे “(वचन दऽ कऽ) विशेष सम्बन्ध (स्थापित करब)” सँ अनुवाद कयल गेल, तकरा हिन्दी बाइबल मे “वाचा (बान्धना)” कहल गेल अछि, और नेपाली मे “करार (बाँधनु वा स्थापना गर्नु) ”।

बाइबलक पहिल और दोसर भाग, जकरा पुरान “नियम” और नया “नियम” कहल जाइत अछि, तकरा पुरान “विशेष सम्बन्ध” और नव “विशेष सम्बन्ध” सेहो कहल जा सकैत।

विश्राम-दिन – बाइबलक पहिल पुस्तक (उत्पत्ति) मे लिखल अछि जे परमेश्वर सृष्टिक रचना छओ दिन मे पूरा कऽ कऽ सातम दिन विश्राम कयलनि। (उत 2:2) मूसाक समय मे परमेश्वर यहूदी सभ केँ आज्ञा देलथिन जे छओ दिन काज कऽ कऽ सातम दिन विश्राम करबाक अछि (प्रस्थान 20:8-11)। शुक्रदिनक सूर्यास्तक समय सँ लऽ कऽ शनिक सूर्यास्त तक “विश्राम-दिन” कहबैत छल। (इब्रानी भाषा मे एकरा “शबत” कहल जाइत अछि।) जाहि समय मे परमेश्वर मूसा द्वारा विश्राम-दिनक सम्बन्ध मे आज्ञा देने छलाह, ताहि समयक बहुत बर्षक बाद यहूदी विद्वान आ धर्म-शिक्षक सभ अपना दिस सँ बहुत नियम सभ जोड़ि देलनि जे विश्राम-दिन मे की कयनाइ उचित अछि और की कयनाइ मना अछि। यीशु विश्राम-दिन मे लोक केँ स्वस्थ कऽ कऽ परमेश्वरक आज्ञा केँ नहि तोड़ैत छलाह, बल्कि मनुष्यक बनाओल नियम सभ केँ विरोध करैत छलाह, आ देखबैत छलाह जे ओ स्वयं विश्राम-दिनक मालिक छथि। (मरकुस 2:28)

शैतान – परमेश्वरक महाविरोधी। शुरू मे ओ परमेश्वरक एकटा स्वर्गदूत रहनि, मुदा बाद मे ओ घमण्डी बनि परमेश्वर सँ द्वेष कयलक, जाहि कारणेँ परमेश्वर ओकरा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

स्वर्ग सँ भगा देलथिन, आ ओकरे नहि, वल्कि दोसरो दूत सभ केँ सेहो जे ओकरा पक्ष मे भऽ गेल छल। शैतानक लक्ष्य ई अछि जे लोक केँ धोखा दऽ कऽ परमेश्वर सँ दूर राखब, पाप मे फँसौने रहब और परमेश्वरक समक्ष लोक पर सदति दोष लगायब। ओ परमेश्वरक योजना सभ असफल करऽ चाहैत अछि, मुदा लूका 11:14-22 और आरो-आरो खण्ड सँ स्पष्ट अछि जे शैतान शक्तिशाली रहितो, यीशु ओकरो सँ शक्तिशाली छथि। लूका 10:18 मे यीशु कहैत छथि जे, "हम शैतान केँ बिजुली जकाँ आकाश सँ खसैत देखलहुँ।" प्रकाशित-वाक्य पुस्तक मे शैतान कोना अन्त मे नाश होयत, तकर वर्णन अछि।

जे दोसर दूत सभ शैतानक संग स्वर्ग सँ भगाओल गेल छल, तकरा सभ केँ शैतान अपना काज मे प्रयोग करैत अछि। बाइबल मे ओकरा सभ केँ "दुष्टात्मा" वा "अशुद्ध आत्मा" कहल गेल अछि। ओ सभ लोकक भीतर मे पैसि कऽ ओकरा अपना वश आ नियंत्रण मे राखि सकैत अछि, हानि पहुँचा सकैत अछि आ ओकरा सँ गलत काज करा सकैत अछि।

सदोम आ गमोरा – प्राचीन समयक दूटा नगर जे मृत सागरक आस-पास मे स्थित छल। अब्राहमक समय मे एहि दुनू नगरक लोक एतेक कुकर्मी और दुष्ट छल जे परमेश्वर आकाश सँ आगि बरसा कऽ दुनू नगर केँ नष्ट कऽ देलथिन। (उत्पत्ति 13:13, 18:16-19:29, लूका 10:12)

सदुकी – यहूदी धर्मक भितर मे एकटा पंथ, जकर अधिकांश सदस्य पुरोहितक परिवारक और सम्पन्न लोक छलाह। सदुकी पंथक लोक बाइबलक पहिल पाँचे पुस्तक, अर्थात् मूसा द्वारा देल धर्म-नियम, मात्र मानैत छलाह। मृत्यु सँ जीबि उठनाइक बात पर ओ सभ विश्वास नहि करैत छलाह।

सभाघर – यहूदी सभक आराधना करबाक भवन। यहूदी सभक प्रत्येक नगर वा बस्ती मे एकटा सभाघर होइत छल (नमहर शहर सभ मे कतेको सभाघर होइत छल) जाहि मे ओ सभ धर्मशास्त्रक पाठ सुनबाक लेल, शिक्षा पयबाक लेल, प्रार्थना करबाक लेल आ परमेश्वरक स्तुति-आराधना करबाक लेल अबैत छल। विशेष रूप सँ विश्राम-दिन, अर्थात् शनि दिन कऽ, यहूदी सभ सभाघर मे जमा होइत छल।

सामरी – यहूदिया आ गलीलक बीच मे पड़ऽ वला सामरिया प्रदेशक निवासी एक जाति। यहूदी और सामरी जातिक लोकक बीच प्राचीन समय सँ धर्म, रिति-रिवाज और अन्य बात सभक कारणेँ दुश्मनी रहैत छलैक। यहूदी सभ सामरी सभ केँ अपना सँ बहुत छोट बुझैत छल। (यूहन्ना 4:9, 8:48, लूका 10:29-37, 17:11-19)

सीनय पहाड़ – जाहि पहाड़ पर परमेश्वर मूसा केँ "धर्म-नियम" देलनि और हुनका द्वारा इस्राएली सभक संग विशेष सम्बन्ध स्थापित कयलनि। (प्रस्थान 19-20, मसीह-दूत 7:38)

स्वर्गक राज्य – "परमेश्वरक राज्य" केँ देखू।

स्वर्गदूत – परमेश्वरक दूत सभ, जे हुनका लग स्वर्ग मे रहैत छथि। ई सभ मनुष्य नहि छथि; मनुष्य सँ शक्तिशाली छथि। बिनु अपना केँ प्रगट कयने ई सभ आँखि सँ देखल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नहि जाइत छथि। स्वर्गदूत सभ परमेश्वरक सेवा करैत छथि। ओ सभ हुनकर स्तुति करैत छथि, ओ सभ परमेश्वरक लोकक देख-रेख करैत छथि, आ कहियो मनुष्य सभ लग विशेष सम्बाद पहुँचा दैत छथि। प्रमुख स्वर्गदूत सभ मे एकटा जिब्राएल नामक छथि आ दोसर मिकाएल नामक। (लूका 1:26, इब्रानी 1:14)

हागार – अब्राहमक स्त्री साराक दासी। अब्राहम और सारा जखन बहुतो वर्ष तक निःसन्तान छलाह तँ सारा सन्तान उत्पन्न करबाक लेल अपन दासी हागार केँ अपन पति अब्राहम केँ सुपुर्द कऽ देलनि। अब्राहम और हागार केँ एकटा पुत्र भेलनि, जकरा ओ सभ इश्माएल नाम देलनि, मुदा ई बच्चा ओ सन्तान नहि छल जकरा बारे मे परमेश्वर अब्राहम केँ वचन देने रहथिन जे, “तोहर वंश केँ हम बहुत बढ़यबह, आ पृथ्वीक सभ जातिक लोक तोरा द्वारा आशिष पाओत।”(उत्पत्ति 12:2,3) बाद मे जखन अब्राहम और सारा केँ पुत्र भेलनि, आ हागारक बेटा साराक बेटा केँ तँग करऽ लागल, तँ सारा हागार और ओकर बच्चा केँ घर सँ निकालि देलनि। (उत्पत्ति 16, 21:8-21)

हाबिल – आदम और हव्वाक दोसर पुत्र। हाबिल आ हुनकर जेठ भाय काइन दुनू गोटे परमेश्वर केँ चढ़ौना अर्पित कयलनि। ओहि चढ़ौना मे सँ जखन परमेश्वर हाबिल द्वारा चढ़ाओल भेंड़ाक बलि केँ स्वीकार कयलनि मुदा काइनक खेतक फसिल वला चढ़ौना केँ अस्वीकार कयलनि तखन काइन इर्ष्या सँ अपन भाय हाबिलक हत्या कऽ देलक। (उत्पत्ति 4:3-12)

हारून – याकूबक बारह पुत्र मे सँ लेवी नामक पुत्रक एकटा वंशज, जे मूसाक जेठ भाय और इस्राएली समाजक पहिल महापुरोहित छलाह। परमेश्वर इस्राएली सभ केँ ई नियम देलनि जे पुरोहित लोकनि हारूनक वंशज सभ मे सँ मात्र होथि। (प्रस्थान 40:12-15)

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

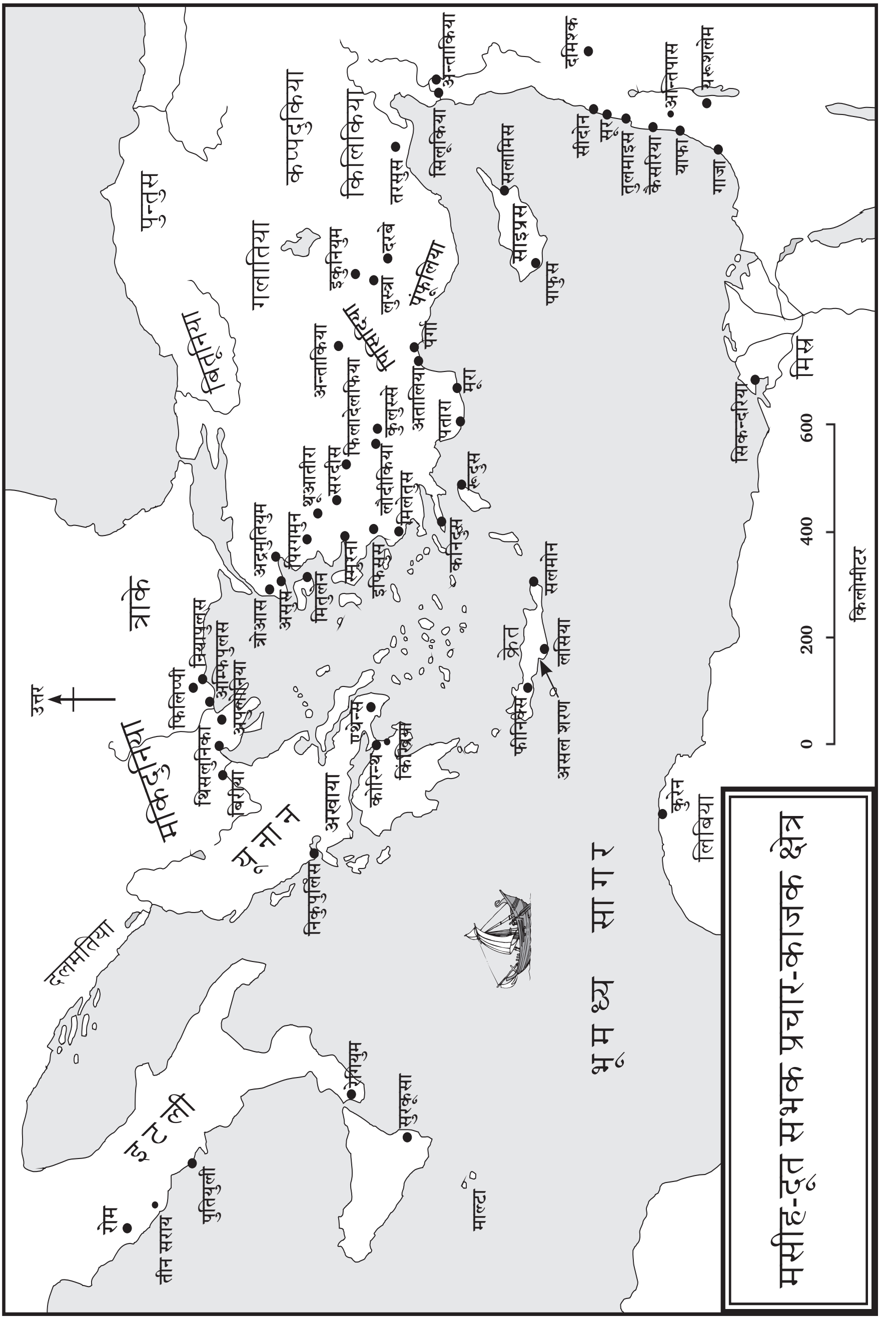

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT